> فية لم يُحْكُرُ بالام والنَّافِينِي مِن اللهِ فيه لم يُحْكُرُ بالام والنَّافِينِي مُن اللهِ مِن اللهِ شيخ الديث عامدة المراتوم إلام إذا مان



تتعل مجد باليلت بألى عول وصعت وفرالا الاست عبدا عبدا والاعتداء

Fatawa Mufti Mehmood Vol.2 By Maulana Mufti Mahmood ISBN: 969-8793-20-8

کناوی مفتی محود کی طباعت به اشاعت کے جمار مقوق زیرِ قانون کا بل است ایک ۱۹۹۹ء محومت کا استان بذر میر تو توفیقیش NO F21-2365/20041 OPR رجنز بیش قمیر Capt to 17233-Capt کی ناشر تھور یاش در افی محفوظ میں

قَالُونَى مشير ﴿ سَيْدِهَا رَبِّ مِنْ إِلَى الْهُدُودِ كِيتُ مِالِّي كُورِتِ)

Lat. %

| | فصالطه |
|---|---------------------------------|
| فَأَوِيٰ مَعْتِي مُحْرِد (مِلْعَه دومِ) | ¢م کاب |
| م کل ۲۰۰۹ ر | الشامية إول |
| چۇرنى الەم | اشامند ین م (جدید) . |
| القدر بإنش درامل | : / ⁵ V |
| محمر بإول وراعني | باجتمام |
| تبيل مسين | مِرور ق |
| رشيدا مصدقي | كيوزنك |
| النتيل المصفقاق برعن لابور | . نطق م |
| <u>-</u> 400 - | تمت . |
| وحمل بلاره تعجلي منذق أمره وبراز الهور | المؤدية |

ارتسار

والدمكرم

أستاق العلمياء

«منرت مولانامها بت خال

کےنام

تتحقيق وتخزيج

ر برسر پرسې

هفرت مفتی روزی خان ام مجد و (درالاقاری میداوی)

مرتبين

موالا نائيم الدين م^{طلي}م (أمثاذ الحديث جامعه دنيه الدور) مولا ناعيدالرحمن - (خميب بامة مجده في موز من آباد، لا مور)

حا فظ تحدر ياض درا في (خطيب جامع معهد يانحت بالي سكول. وحدت روق الاجور)

ا تصعیر س

مورا تا فحمد عارف (أمثار بامورد فيه فاجور)

| <u>F</u> F | مرض ناشر محمد بإض دراني | |
|------------|--|-----|
| ra | هخلٌ عانْ | |
| 72 | تقريبًا وْأَكْمُ مُقْتَى لَهُام الديّة شامر في شهيد | |
| Fi | يش لفظ مولا تأفعل الرض امير صية علماءا ملام يا كتاك | |
| | الرام. = . | . 1 |
| سويم | لامامت المراجع القوم والمراقع من المراجع المر | |
| 1. 4 | کیا جائی تھیلنے رفش کا نے سننے ورقر آن فلد پار ہند والا امامت کے ناکن ہے؟ | O |
| ďΔ. | کیا لیبر و کمنا ہوں میں جٹا مختص کے دیکھے قماز جا تز ہے | 0 |
| 174 | الدت معدوري في بارسيدة في ورز مح العدي مايتدام كي يزكامطا بدرسكام | ٥ |
| ۵٠ | جس مخص عِن ثمل و فجوروا نے قة مُعل موں اس کی الاست کا عَم؟ | ٥ |
| or | کائے شنے دا کے کا ایا سے کا بھم؟ | ٥ |
| e• | ميودلعب شرشتول دينوا كركي مامت كاهم؟ | ٥ |
| or | تَوَ الْيَاوِدِكَاتَ شَنْدُولِ لِلْهِ مِنْ كَالْمُعَارَكِي لِمَا مِنْ كَالْحَمْرَ؟ | ò |
| ۵ř | ليلي و بين ان ميمينية واسده كي اما منت كالتحم؟ | 0 |
| 44 | محبوتر باز كوليان تحييلنه والمسلح كالعاست كالقهم؟ | ٥ |
| 44 | نا در سنند میال بیلن و د لے کی اما ست کا تھم؟ | ۰ |
| 6 4 | حظة توشى و مجلولي والرحل اورغالا قر آن يز صفه والسائح أن اماست كالحكم ؟ | ٥ |
| ۵۸ | تارک نما: کی اماست کانتخرا | 0 |
| 69 | شادی پررتس وسروه کرائے دالے کی اماست کا تھم؟ | ø |
| 7+ | جس مخض رِ مختلف اعتر اصاب بول اس کی امامت کا تھم؟ | ٥ |

| | * | فبرحت |
|---|---|------------|
| ٥ | کائے بیننے والے بتاش نحلتے واپ کی ادامت کا تھو؟ | T f |
| ٥ | - فَمَقَ وَفُورِينَ مِنْهِ عِلَى مِنْهِ مِنْ أَعِلَى كَا وَمِتْ فَأَعْلَمُ } | कृत |
| 0 | مثر برنہ اُوشی کر نے والے کی مهامت کائلم؟ | 77 |
| 0 | مختف عادات ؤمیر کے منام کی اماست کاتھم ؛ | 14 |
| ٥ | ق من فینم کی امامت کافتم ۴ - قامل فینم کی امامت کافتم ۴ | 19 |
| 0 | سيندوه وباشياكر ننف واسل كي العميص ؟ | 6.4 |
| ø | فامل وفاجر کفعی کی ایاست کافتیم : | ۷1 |
| o | ايك فخف خراج الخراجي والراهيد كودى البيدنام بحابه احبات الهمتين رهى الدعم كوست | |
| | (گانی) بگر ہے) دران کے جنارے میں شریک اوتا ہے میٹھنس کی اداست کا تھم؟ | ∠# |
| Ò | کیا شیعوں کی بھالس میں ہے نے واسلے ملکہ چھیے ٹماز پر سناجا نزیجے؟ | ۷,۳ |
| 0 | الام فالمرز في سيخواه بينه كالحكم؟ | 40 |
| 0 | مررانی کی نماز جنار و پرهائے والے کی امامت کا تھم؟ | 4 Y |
| 0 | حرزا في كالكان بيزها ئ وسليكي الماسنة كالمختم م | 44 |
| ٥ | مرزائيوں ہے تعلقات رکھنے والے کی امامت کا حم؟ | At |
| O | شيعه سيمقماق من ركت والسفي كما الماست كافتم | ላ ሮ |
| 0 | سخانی رسور کو برا کئیا در بیل اسلام کو کافر کئیا دائے کا ماست کا قلم ⁴ | AΓ |
| ٥ | شيعه كاستيول كي محيد جمي لما زيز عضا كالحكم ج | ۸t° |
| ٥ | شيعدكا المامت من من كي لوالما (كالكم) | ለሮ |
| ø | مرزوني متوفي کي ولايت شهاه مر- روست کيل | ۸à |
| O | البيغة وهرزا أكم كنتج والمساكما الأمت | AT |
| ٥ | مرزا ئيول ڪ تعتق ، تحظ والے کي انامت کا نقم ؟ | AA |
| 0 | عاج آ وکی کی امامت درست ہے؟ | A4 |
| 0 | وكاتد رُق المامت كانتكم أ | 1+ |
| 0 | جونے کو وم بالبینہ کاهم | ÞΙ |
| ٥ | ناجا ترحتمين كعا نفراد لركي المامرين كاحتم | 41" |
| | | |

| | |
|---|--|
| تيست بولليوا شداوردية أيول بيظم كرية واست كه يجيعماز بزينة كالحكمزة | ٥ |
| وعورها في كرنے والے ل في الاست و تكم ؟ | D |
| مجلوت بورياً رغير ملقد ركوجانيد (ولات كي توشش كريت والسب كي المست كالحكم؟ | 0 |
| ا تما زول کی بایندی عدر سال دارے المحوث والتے استانا اور دیگر تھے مقامت کے ا | 0 |
| مال گفعن کی ا. مت کامسند؟ | |
| متبتنین زگار نه اورجون فتسین الحار المار الله الله فاران و مانی الماسته کاتهم ۴ | o |
| البيطيخى كالاستدكائكم شرائك كأهيوب بالناجات وولأ | o |
| منتقه یون کی کاپند به کی کے باوزوار مت کرائے کا ختری | 0 |
| محمد روبوع الفرور في فعر كراك والمسائل كالماست كالقعم في | O |
| مجمونا وخوی کرنے والے کی روستاہ تھم؟ | 0 |
| البيئة كي وميز فامركز شاويليكن بالإعبادا هم لا | ο |
| الملذاق وبدرة بمنحرف يوبيذه بسابي المامت بالمغمة | O |
| · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | ٥ |
| مبوزهم كوب والمان والمستاة علمة | C |
| , - | G |
| , - | 0 |
| | 0 |
| | O |
| • • • • • • • • • • • • • • • • • • • | o |
| | Ģ |
| | ø |
| | ٥ |
| · | O |
| | ဝ |
| ه من بيري بين بتراجمس كي وست العلم؟ | O |
| | معد و خابل کو نے والے لئے الاست کا تھم؟ تھوت ہوں کہ جیر مقد دکوجانیہ روائٹ کی کوشش کرنے والے کی الاست کا تھم؟ تماز وال کی جیدی ند کہ سب والے مجموع ہوئے والے این الدو دیکر تھ مقاعات کے ماش تھوں لگا کہ اس کا مسلم! البیط تھی کی ادامت کا تھم میں ہی کئی جیوب پائے جائے ہوں! مشتر یوں کی گاہت ہو گی کے پاو تو والہ میں کرائے کو تفر؟ مجموع و وی کرنے و اللہ کی امامت کا تھم؟ مجموع و وی کرنے و الے کی امامت کا تھم؟ ملاق و نے کومیز طامر کرنے و الے کی مامت کا تھم؟ مادی تو نے کومیز طامر کرنے و الے کی مامت کا تھم؟ مدد منتانی اور ایست کے مرتک کی مامت کا تھم؟ |

| (FX) | اليد بيمن كار مت كالخعران بالمست الأفي كل بوء | O |
|-------|--|---|
| 144 | أميان من يقتل بدكا لزام موادر وقرابيد عن شموع النائية كان كي الأمت كالكم لا | 0 |
| ;+6 | التر تخفي كي المامت كالنعم أن يري بيا كام والرام بعن | O |
| ır. | الما بإخراقعاتها بيت راكن والمسائل المام ميه كالمحمزة | 0 |
| (P) | الوابث توانجياه رويكه فيراء فيااموري مجانجعي بياماري كالمخواج | O |
| (F) | وللوالزة كي بامت يحتمهم | 0 |
| ·rr | يَا مُرْمِعُ وَلَا لِي مِنْ إِن وَيِزْ حَالَ وَالْفِي كَلِّي المَامِنِ كَافْتُمِ } أ | 0 |
| | مود ایک بند ایت میں شرک بر با اور عواد دی آغر بات کے حال محکمیں کے چیجے ماز | O |
| ire s | " A Section of the se | |
| (PS | موروري فعاكور كخشرو الباليكي امام بينا كالمسمرة | 0 |
| . w | مودودي فيالديث ركتناء وسناني الومات كانتحرا | 0 |
| | مجمی کیما و مستقیا حور پرایت فخص کی ایامت کا حکم بوموده دی صاحب کے ا | ۵ |
| ır. | الميانات رشاء | |
| er Ç | المود والجراحق أندر كحناه الساكي الأمرين كالحكم الأ | ٥ |
| ra | الودوري كغريات كساب لي كور بامت وتغم | ٥ |
| 181 | مودوول يُدِينَ أكر ما تحديد إلى جدوجهد تتن فقر كيد تخص في الماعرية واعظم " | ٥ |
| 150 | العدود في الخيار عند أكث المسالي فيام عن | ð |
| i tre | يدروسل كي شرو ك زئت منا يبيجي تمازز اون بير هن ك معمل فقم ال | O |
| ic e | ا بيديا نُ مُرَاعَ جَمَا كُوهِ وَاحِي مَا مُنْ وَوَقِي مَا مُنْ أَوْمِ فِي أَنْ أَمَا مِنْ فَاقْلِمَ | O |
| 163 | و بيناز ك كي او مت كالفلم عمل في ممريد رون بي والا | O |
| IC 4 | المابالغ كالأمات فرائض وترمات فاستم | O |
| 164 | المالخ كالقنداء يمدتر امن كالقهمة | 0 |
| 10- | الشاائ عن الأبائع في عامره كالمقوا | 0 |
| 12.9 | اقتراك بيراني ثرادب | 0 |
| 164 | ہ و قصی مند ہے والے کہتا ہار کے وضع تما اور سے کا تھونا | 0 |

| فهرست | q |
|----------|---|
| <u> </u> | |

| 10+ | تینہ ہے تم وا اوسی دا نے امام کی امامت کا تھم؟ | ٥ |
|------|---|---|
| IAF | ئات كى امامت كاعتم؟ | 0 |
| IST | ا کے مشت سے کم وا (حمد والے کے چھے کما ز کا تھم؟ | ٥ |
| FOT. | ا يك مشت ہے كم واڑهى والے حالفا كى قراور كام شيا است كاتھم؟ | • |
| 100 | جِبَال مَنَا نُو مِهِ فِيصِدِ فِي رَازُهِي مِنْ أُو مِنْ يَا مُحَرِّ وَالْمِنْ وَالْمِلِيَّةِ وَالْمَا مُونَ مِنْ | 0 |
| roi | ا مام كن مغات كا حال بونا جاري؟ | ٥ |
| 164 | دوزشی منذا نے ، کمانے معرف رمضان میں دکا لینے دانوں کی ایامت کا تھم | 0 |
| | وا رُحِي كتر اونے والے، باعر و نوال، واقف از مسائل بیں سے نمازی حانے كے | 0 |
| 104 | لي كمية مح كياجائ؟ | |
| 20 | بودى ر کے ہو سے تعلق کے بچھے تمازیا ہے کا عم؟ | 0 |
| 177 | المام ومقتلدي سب والرحمي سنلا أي بول؟ | 0 |
| HE | سونے کی انگوشمی استعال کرنے والے کی امامت کاتھم | 0 |
| 175 | دازهی منذ ا <u>نه والے کی</u> اما ت ک ا تھم؟ | 0 |
| 116 | ها دمنی دانرسی دانسل کی تر اوش شن امامت کانتیم؟ | 0 |
| MA | واوحی سنڈا نے مرکے بال قوب ہوھانے والے کی امامت کا تھم؟ | 0 |
| 144 | جابل (از محما منذات وارب کے چھپے نماز کا تھم؟ | 0 |
| 141 | يريش كذا بامت كانتم؟ | 0 |
| IZ P | بونت شرورت (اڑمی منڈے کے بیٹھے آماز پڑھنے کا تھم؟ | 0 |
| 14 P | ڈاوس کی شرمی میشیت ۔۔۔ | 0 |
| IZO | ا کیے مشت ڈا اڑمی رکھنا واجب ہے اکیا ڈا اڑمی منڈ انے والے کوکٹل کی جائے؟ | 0 |
| 141 | وومروق کو جندے تم فراز کی کرنے پرا کسانے والے کی امامت کا تتم | • |
| 144 | مريراتم يز ل بال ديك واسال المامية كالمستدكاتم ؟ | 0 |
| IZA | وَارْكِي كُوْتَ عِنْ عِنْ مِكْرِ لِلْهِ كُونِهِ مِنْ مِنْ عِلْمَا عِلْمَا عِلْمَا عِلْمَا عِلْمَا عِلْمَا | 0 |
| | وارس منذات والعرآن إك درست باهد يجته عول اور وارى والول كا | 0 |
| IAL | "لخفنا ورمست نه بوتوا بام ممن كو بها ياجا ئے | |

| 141 | f_{ij} with f_{ij} f_{ij | \Diamond |
|-------|--|------------|
| :A * | العادي كلوائ في المستقبل والمستقبل و | O |
| 18.5 | ر پر بیانی مشا ند در کنند و است کے بینچین آناز زیا حضا کانتھ | o |
| 4.1 | النشارهلي الديانية الموائد بيتية مرفيب كلي لاستبيده ركشة والبيئة بالمتيتية الأكافتم | 0 |
| 152 | أأناها فعل بعالعيو فلمدا أمعارل أراره بيؤا بالرار بهيج أماري الماكاتكما | Ð |
| 154 | وعالت ورمها ين كالمرتمب المام لك يخيفان أي الأمن كالواحث كالقم " | o |
| (A4 | - مما في ديريوي بني مقلده نبيد مرز في دوه وي ايري بيري مقا مدار لي واستداد تعم ا | Ö |
| 16. | قبرية جي الرئية والنبي أنه بالمساعدة <u>منا كان الرواحية كالمتح</u> | O |
| (8) | والبشي أخازيون تشفيه بالعراقي بالمرتشي مرميره والكالوا المرائز بيشوان والمواملة كالمحم | 0 |
| • • | بدهفيا وتختمن كي الأمسا وأنكم | ō |
| 1977 | العوائدة فبال جامية المشاه المستأن الأمتعاد فقم | O |
| .4 | المضاوص الدعلياء عمرأ بشراد بالبطاء سنتكى الاستا كالكم | O |
| 194 | المُعَالِمُ مِنْ مُعَالِي مِنْ هَا مِنْ اللَّهِ فَيْ مُعَالِمُ مِنْ مُعَالِمُونَا مُعَالِمُونَا مُعَالِمُ مُعْ | Ö |
| 19.5 | البدائي الأرهموان المربد الأثنى والأمت وأقلم | Q |
| (6.6 | الطويستي للدنمية وعم كوماتهما فربب والناءات كالأمات كالعم | Ü |
| 144 | ية لا يعد شرية صد البينة 10 <u>مثر أن</u> و 1 مثرة علم | 0 |
| ••• | الطائمة الدور كنترز الباري ومستاكاتكم | 0 |
| F-1 | الله والون من مستكل التي في والقطاع وريف المستكن المؤمنة والقم | O |
| F+F | المهاجي المقارب المستراكي والمستراكي والمستراكي والمستراكي والمستراكي والمستراكي | O. |
| te p | ووجبا أيب والمترعم وأني والمساورون العنزوعم | G |
| 1+1 | الإسريخوري ومت پرنه ربول و أثثر الصابحة | O |
| r. | الزافي بين ويوم في والحد المناوي عند لمنان أو الراب الماسط والم | 0 |
| r - N | الإرائشي بين التذار والهم | 0 |
| r+1 | ود الأسارة المواول بالقيل بالقرائدة التأوويا أرية والتناوم فوقع وبالريبة كالمم | Ø |
| F= 4 | بالاسبياء مهائي مخاضت فأررب كالقعم الأ | o |
| | | |

| r ! | المَوْا فِي نِ صَوْرَ مِنْ أَنْ مِنْ أَوْلِ مِنْ أَوْلِ مِنْ الْأَوْلِ مِنْ أَوْلِ مِنْ أَوْلِ مِنْ أَ | 0 |
|------------|--|------------|
| rır | العش الدم الكيامة القرائدات ووسيدكي الدمنت كالقسم | 0 |
| FIG | . منت كان إو والقد ركن ان | o |
| F 5 | البيمن بالمركي الأمت بإغلامة بالتي تتلق الأن الركوم من أم الأوالم | ø |
| ۲ ـ | عن بان مستأن ک ہے " | 0 |
| F 4 | م ميرك بام مد وب مواحال كها بيان كمون ما منا منا مناه مدرك مريك ا | ٥ |
| r:A | المنس بالكروان وبارب حفظ بيداويت في عالم كيامات كالعم | 0 |
| r r+ | بالمبحجة الزائظ مبيكن بقي بيته ومرالا سركعا تحوقو البائياني العقا وكالمحم | 0 |
| ffi | العقبل ويواليص كي ويرمس ومراسات المتقال كالرهواء والرازي مامت كالتم | 0 |
| ff2 | التوالية كي ناح وسكو بلانا والمعاليين | o |
| FFG | يوونوركي المامية والخم | o |
| F+_ | اللامب الوواكوريل بامت واللح | ۵ |
| FFX | مور کی ملت فائق می دینے دیا ہے کی مارت واقعم | 0 |
| rrg | مهارنی کا اماریت کانتور مهارنی کا اماریت کانتور | a |
| *** | المدانياة المركز رقم ہے تا ہا وال للوالے انسانی الاست واقع | Çş |
| *** | الدارية على الأراكا وبالأراكات والول المام تبدالة تحوط يضاههم | 0 |
| € en/e | سوری لین، بن کرینے وال بازی اماست کا تھم | 0 |
| 2 | وبلايات بآم فحق كرو برمور بيار نودا مقول بالربية والبيان والامت والخم | o |
| 57.1 | کیور کاپٹی دنگ ہے موریہ کے تو بائر لیلنے والے ناام منت | ٥ |
| **_ | البرمني لينتأ موافي المرمانات ويهوقون أبران الاستاكاته | ٥ |
| rma | يناكان كي فرحم المسائل | e |
| F.** | من وجیت او تامر ہے واپ کی المامت کالعم | C 3 |
| P(*) | الفات يونكات يزحر الساء المداوه ووراسا وسبأل الماستادعهم | 23 |
| ** | العجر وأن نيافي الحار وخروا الدارا تقلقات والشاول بالمناقية | ٥ |
| rea | یو سی بی توم خواب رکتے والے مام کا تھم | 0 |

| <u>- 7,5</u> | <u></u> | |
|---------------|--|---|
| rro | غيم شاوي اثده وحقه بينية والسائل الدمت كالتكم | ٥ |
| re : | بی کوفاوند کے گھر شریعیے والے کا اماست کا تھم | ٥ |
| * (* 4 | ستساشرها ومحل فاكرني واستأني عالى جولي سجيرين واست كالمقم | ٥ |
| rea | جس کے الی غاز او جال جلی درمت نه دواس کی ایامت کانتیم | O |
| ra*4 | ا جوال لزي كويد بنيضة أن الحريث والسائل المامت كالقم | ٥ |
| F21 | المام مجد کی بردی اگر ہے پر او موقر امامت کا علم | 0 |
| fρ° | مبخشز الوادر درشت مختا فمنس أن الماسك كأخم | 0 |
| *or | وماوی پرمیدی کے سب بیٹی وز محست شاکرنے وہ کے کا مامت کا تھم | ٥ |
| rom | مطلق کی عدمت گزرنے سے آل نکاح کر دینے و لے کی عاممت کا بھم | 0 |
| 101 | مین کی زخعتی نیڈر نے اسے کی امات کا تھم | ٥ |
| ren | و میں ختوں کی است نا تکم جم رکی میری ہے ہی سے اوا دیا ناجا تر تعلقات کا شہرہ ؟ | ٥ |
| 101 | ا بيت تعمل كالامت والمعرز والمارقر آل إلى يرجيد الراس كي يوى بيم و و مجرات | O |
| rot | البولة مباز شون بلي شركت المركز ون كرائے والے فالمامت كالحم | 0 |
| FYF | بعدا دخلال بدوين مؤلزه وستأكم تبي ريعيه وسائق الماست كالملم | Q |
| | م جس مخص کی آید بیون این فل شب باش سه در مری شادحت شه دستبره امر جو | ٥ |
| F70 | ج نے ای _ں کہ امامت کا تھم؟ | |
| | فاحشاره ي كوبدات ركف فاحشاكوها إلى بالمال دينه وخرش فاحاك فالاسم عمد | 0 |
| the | شران ارئے معدالتی غلاق براکاری چاھائے والے کی اوست کا تکم | |
| FYA | الزني رو ڪر تخضوا ہے تي ماست کاظم | Ģ |
| F ~ 3 | يغي ظلاق كن كي مجرست در كحفه ١٠ سن كي الماميت كافتم | 0 |
| tz • | ا بِي زِينَ وَمُعَلِّى جِمُورَ و بِينَ والسِيلُ المامة فاحم | 0 |
| 74 | جوان لا کی کو بعد از نکاح ترجمتی ہے روکئے والے کی نامت کاعلم'' | 9 |
| FZF | اللواسائل يات والسارك ويصفون يراعظ كالقم | ٥ |
| 145 | المادعتيده ديون مراء والمساطيب كيهي تمازم سن كاللم | 0 |
| FE ** | على مسأكر كالبخ أكريف والدلائي الدميث كالمكم | 0 |
| | | |

| و عر | كفاروشمركين مح جنهم ميل وخول كالحقيد وشدر محضودا لي كميا الدمت كالقلم | ٥ |
|--------------|--|-----|
| †44 | · صرف ٹو بِل بیکن کرنماز ی منائے کانتم | ٥ |
| 74 A | حعرت حسين كونمام امحاب رمول برنفيات دينا والي كالمت كانحم | 0 |
| 7 4 ¶ | غلومها کل ند نے ۱۰ الے کا امام بنوع؟ | 0 |
| rA+, | بِ تَحْمِيْنَ لَوْ سِ لِكَارِ فِي وَالسِلِ كَلِ المَامِنَ | 0 |
| FAI | المحاجركات كرے والمدلئ مامت كافكم جن سيشهات بيدا وقتے ہيں۔ | 0 |
| FA F | فلعی سے فکاٹ ورخ کرد ہے ہاتا ہے تھی کی امامت کا تھم | 0 |
| ra F | و سمجد کے چندہ سے چھ رقم چھیا لینے کے بعد تو برکر لینے دائے لی اما میت کا تھم | 0 |
| ME | بوکا دی کے اداکاب کے بعد تا کب محتمل کی حامت کا بھم | o |
| 74.5 | ٹا ب تزیشنا دہش کرنے کے الزام کے بعد امامت کرنے کا تھم | 0 |
| | مرزائیوں کے فالف تحریک میں جیل جائے کے بعد معانی پر رہائی حاصل کرنے | 0 |
| PA 1 | والني المامت كاعتم | |
| | ا بیے استاذکی امامت کا تلم ، جس نے ظلر کوسیارج کام کا تھم ویا اورطلبہ مہارہ ہے | 0 |
| ran. | نام الأركار على الماريخ الماري | |
| r\- | الخنق وفجورات قربيكر لينغ والساكي الماحت كانتم | 0 |
| †A4 | نامرد ہوجائے والے اور زاجے تو پرکرنے والے کی امامیت کا تھم | . 0 |
| F4+ | كيام دے فيل نے كاكام كرنے والے كے چھے فراز جائز ہے؟ | • 0 |
| P4+ | مردوشونی کا کام کرتے والے کی اماست کا تھم | O |
| rer | مرد بے نہلائے کے ام کواٹی اوٹی قرارہ ہے واسٹ کی اماست کا تھم | · O |
| P#+ | میت کوهمل دینے والے کی اما مت کا تھم | 0 |
| 150 | ميت كونهلا فيذوا في الماست كالقلم وكيا جاليس مواد منهلا في والابعثق هية | · 0 |
| FTY | میت و نبالا نے والے کا بناز ویس امام ہنے کا تقم | O |
| P\$2 | مروے تہلانے دا سلے کی امامت کا بھم | ٥ |
| 494 | كيا تخش خلطيان كرنے والے كوا باط بناتا جائز ہے؟ | ¢ |
| r44 | قر آن پاک ملاد پڑھنے النے مسائل نمازے ۔ یہ پرواوکی ایامت کا تکم | . 0 |

| | | . • |
|---------|------|-----|
| <u></u> | | • |

| <u> </u> | <u></u> | |
|------------------|--|--------------------|
| r r | الله أن بالدائد ع مضاء المسائل وهات | ۵ |
| P . P | ع من آن پار سے داختہ کی اور استعمال کا استعمال کی ہے۔ استعمال پار بیان کے واقعت کی اور استعمال کرنے کے دائم | G |
| ۲۰۲ | ار با برای با در این با برای با برای با برای با برای بازد. ایران با برای بازد این بازد برای بازد ب | 0 |
| r. c | ر اور آنگی در غار در دار هم انتها می از به نیاد و ایس که اور بین کافتر از در از آنگی در غار دار هم انتها می از به نیاد و ایس که اور بین کافتر | O |
| H _A q | ر میں ان بل فرطیاں اور ان کے عاملہ اللہ اور آئی تی اور منت!" | 1,5 |
| ⊢ | تحریفی این بیارهٔ را چیام تینی مے قاتن کی امامت فاضم | Ð |
| m+A | الله الدرقاني والمنع لت وهويدا لتدويب والسائي المام شده هم | 0 |
| *-4 | ریاد دیگو نے کر نے والے کی اروست ہاتھ | () |
| ₩, 9 | المنوب إجراه فيجري ويومات بالماء الشاوي وياكي ومصافاتهم | O |
| *1• | مي ڪ سياحة هن هي ڪ ماڪ ڇڻ بدار هن و ڪاڻ من ڪام | 63 |
| FIF | العدارية والمرافق الأوارية وأنه الأواسيان المامينية عمر | 0 |
| FHF | ن أن في مامنت كانعم | Ð |
| P .* | المنجد كرقر أأنانا أرفي بيني المناكي عاصف وتقلم | O |
| Tuř | المنبات مرب آباب م مشاوي رئ و المفارات عنادهم | ٥ |
| -14 | شهری باریکهید تراثن و هندنونی ک یار و مشایان شد | 0 |
| FIA | بيرانه في الأولاد المراجعة الم | 0 |
| ı q | النبل الألول كارفوة بعثاش مناج بثالا كجااستان المستاكاتم | 0 |
| F* F+ | بالشبادة سناق عاملت كوشم أرمعا المسافع فيتناه | 0 |
| F+1 | القالة والنبي ويركيض والمراب والمهام والمنافية المرابع والمنافية والمرابط والمرافزة | 0 |
| ** | الى بيازىند ئىلەردىن باد بارنىڭ ئىشدا ئىلىن دادىمىندۇقىم | O |
| han e | الكافي للبيانية والمستان والمبينية والمستعال الماعمت | 7 |
| ~ * * * | ناته مندا شانا ورساساتا والشراب كواروس والغم | ¢ <mark>™</mark> l |
| P# ** | ئة ئى بن النبية و <u>س</u> ائن المامت فالقيم | Q |
| r ro | المنص فتحق كالمنتجين والمستنبي والمستنبل واحت فانتحم | ۵ |
| Ft <u>.</u> | وبالحجاجة المراثين والمالية أنشن ويالا والمتعافز فلم | O |

| فبرست | <u>'</u> |
|-------|----------|
| | |

| rrq | ووران فماراما مترميما فوفهاز كاقتلم | 0 |
|-------------------|---|---|
| Fr4 | معقروراه رزيان هي ألكت والبياني لرمت كونقم | O |
| er(| لنكز بي فخوم كي اوامت كافهم | O |
| FFI | ووتون ياؤن ستصعفر ولمختماك بامت كانتم | ٥ |
| FFF | ا كِيدِ بِإِذِّنِ _ بيدهذه وتِخْصُ كَي ماسته كُوتُهُمْ | ٥ |
| | قام ہے معذ ور شخص کا تھم | o |
| ter | معذ د محض کی ایامت محقلم | O |
| FFA | منیز و در بنی اجتمام کی او مت دانتم منیز و در بنی اجتمام کی او مت دانتم | ō |
| FFO | اليربيرينام كالعامت كانتم جوشاني جانتي والأنعطى ندن تنف | 0 |
| rra | بهالمرون کی موجود و بشدنا برمانتمان که راست کاهم | 0 |
| rr <u>z</u> | ير بيزگار ديوا کي دست کاهم | 0 |
| FFA | یا گیرنام کے بات ہوئے تاہیں کا امامت کی قوامش کرنا | 0 |
| | تاييز أوالرمشاكاتهم | ō |
| mr. | نابيغا قرا ارست كالقم | 9 |
| 221 | افی کی امامت کا ظمر ا | 0 |
| FF(| ه بداختان کی امامته کانتم ا | ٥ |
| r~r | بالکان اند <u>ر س</u> ے اور کنگز نے جھنس آن ایا ہے کا علم | 0 |
| <mark>የ</mark> ሶፐ | سفاني مقراق كاخيان ركت واستاناها في الاست كانتم | 0 |
| FTT | عنايه بالمخض كي مامت كانتم | Ö |
| ביויו | الجون كانشأر الدواسين المامة كانتم | ٥ |
| rtt | اللهجيزان بالمحضروا بيني كالأست كالقلم | 0 |
| r*2 | ا المشارق کے بادی آبیدا قاری کی باعث والا انسان کے حوت جو کے ا | Ö |
| may | العام محبائي افتداريش فماز كاشم | ð |
| پ سپ | ا المارة من القداري الوائي في تماز دل كاتفهر المارة من القداري الماري الوائي في تماز دل كاتفهر | ə |
| Fà. | حرجين شريقين ك وهمول في افتذا وكالقلم | o |
| | | _ |

| ro- | المنيسة ببلاريجا الباخ كي دوم بسيرسلك ليكاد من القراء تتراخا وتحمية | G |
|-------|--|-----|
| 50 | العبارا يوبلدكي فتقامش تباز كوعتم | ٥ |
| rsi | المحدثان عميرالورب كوبرا كشالاول فأهم | 0 |
| пут | شیر مقدرین از گیرین فیدر و با ب سین افکارون بی انتزاریس نماز و تقم | 0 |
| | . يبيد مام أن افتقاء كالفخم أربس كاره أو اوارقوم أن تبديده وتعييم قر آلذا يُواَعرت | o |
| 735 | لينے والے کی رمت کا تخکم | |
| rom. | الْمُرَّانَ وَانْ بِرِينِ مِنْ رَبِينَا جِينَ فِينَاهِ السِلِيلُ المامنة كَاتِمَ | 0 |
| ددم | الماست برمشاهروك فالب كي الماست كالنم | Q |
| 531 | وإحول أهجان بمؤانون كالخلياة فالف يتانخ ويشكاتكم | o |
| ra+ | مه و فطراه رقب في ي كانون كي ثر ويرانام أكانا كانتم قطراء | 0 |
| FSE | سنكران مديث سنا تعقاب بتتا داري ركض السان الرمت كأنتم | ø |
| FDA | یو ویز کی فی نماز جذار ویز هائے والے کی حاصت و علم | 0 |
| F25 | خیاے الیمی نے شکرگی امامت فاعلم | 9 |
| r 1. | المرام جان دروه منا القبر بالصارات إلى يتقدم بيان المام منادعتم | 0 |
| H-71 | مِی عِلْم کی مامند دانع بورند ندت بون مداند ابسال قراب احتمال ^ا رب | 9 |
| | يُسَوَّضُ فِي عامرت كالتَّعَمُ عِن فِي يَا لِهِ أَنْ أَتْ مَا يَكُنِي وَ | . 0 |
| MAR | فيبر ژر دي شده کې ورامت و کلم | o |
| MYE | نحرجي المل وميال كوماتر وأبرين حت كواسف كالتم | ð |
| #43 | مورت کا الامت کاهم | ð |
| FTS | عورتوں کے تبدیعی کے کافعم | 0 |
| r' 15 | غيرا غلدكي افتذاه بش عمازي بختم | 0 |
| F 32 | مهد الامترار وهشوارا مع ليجو بكي وثون مناه معتارات وهم | o |
| 558 | بدود کا کار شار الشراف کرانے وہ مرکی ما الت کرا ناور مت کھیا | ō |
| F 15 | بماءت والإياض | ٥ |
| ۲., | ا من ہے کی سمبر بلس تیم مقلد رہی یا دور کی جن حت کرا ہ | ٥ |
| | | |

| - A | <u> </u> | |
|--------------|---|----|
| ۲۷ | اللي الرقاع وربيات بعير مجاكي جامعت ساوت كردام في تباعث كران درمية في | 0 |
| r_r | ا المِلْي جما مت فاسد بحدَر وامري كراني كي ووامري شراقته اوكر نے والوں فافواؤهم | 0 |
| rz r | قعد ارتما عملا کور شہاش کیا ہے۔ نام کے داسے کا نقم | 63 |
| ۴4 ۴ | جماعت اول کی اینت ہے۔ بت کر دوسری بنا قت ۱ اے کاشم | Ç |
| F2.1 | ور فذکا کن خدر بینے والے کے مواون کی ادام رہے کا حکم | ٥ |
| Fiz | ها مراهب بين بينت ذال لنے دالے کا الامت کائتم | O |
| P4.4 | المخص في المن كالفرجس رجي رائنب بوسه كالحقر شرابياً ما و | O |
| ም <u>ራ</u> ዓ | يزيوني رئات العنت اس كے بار اش مكم ك اختياركر الله الله الله الله واقعم | ۵ |
| r± q | ما م کارا فیز ما انر <u> کے چھ</u> ے | O |
| ₹A1 | الآ وآنا يين بالمناه كالمقداران ہے | Đ |
| MAR | عالم لي لها , فيه عالم طافعاتي . قل الثين | 0 |
| | مستقل اوم کے ہوتے دوے اس کی البازے کے بغیر دور مے محص کے تماز | 0 |
| FAE | بإسطائ كائتكم | |
| PA * | سپاق ڪافمرا ٻواد کا مام پنج وڪم | 0 |
| PA * | الدست كالمتقدار كوان ب7 | O |
| FAR | كياء م مقرر ماكه ملا وكون أور خض عمامت كالمستخل منا | O |
| PA 4 | عامیت کے لیے اضمولی ایکا ہا '' | O |
| ra4 | اليصفي بالمامت كالخم من بالزام لكاما أيابوا | 0 |
| r"q- | الغزام كلف يرحم افعات بك بعدالامت يانعال كرن كالقعم | • |
| F9- | الميمل برالزام موس کی نباست | 0 |
| r 46 | مهم وهشر تحف کا است کانم م | Q |
| FAZ | المتبر مخض كي عبامت وقعم | ۵ |
| ma <u>u</u> | والمام کاموں سے تم کھی وال مست واقع | ٥ |
| ተባለ | فاعل کی اور مت او مشم | 0 |
| | | |

| باب | تسويية الصفوف | |
|-------|--|----------------|
| 0 | شرورة معقب ثند انقطاع . تحتركاعم | 6°4 (** |
| Ç | بإيهاء بشاغرت فمازين ورمزين المدرنج إيعوالألاصف هالمشاكح كلم | 2-0 |
| ٥ | المحن بين جماعت كرائے في صورت بين امام كياں كمز إعون مناحت ثانيكا متم | (F) F |
| 0 | كيالمنح ديمين جهاعت كرائب كافي بيعم تخف هدرك بداير سياج | 0+1 |
| ٥ | ۔ بوٹ اتامت نماز کے بیچے کب کوز بو | 6.4 |
| 0 | ۔ کیل مف تھی ہونے پردور رق مف کے سلیے نیسٹر زق جاتو کیا تھم ہے | C1+ |
| ٥ | ا قامن العاقب كب كنزا بو | (**) |
| O | العاملات كرابو | (*)F |
| Ģ | الرزي ئے آئے ہے کوئی چزاعلا کے کافلم | rr) er |
| بإباث | باللامق والمسبوق | |
| o | أسببوق بينسوانام كالماتعا ملام بجيرا ياقا كياهم ب | 92 |
| 0 | الاحق التي رويون في العاركيت كب الأكرب | $\gamma_{(A)}$ |
| 0 | اللي خيال مين لگ كركري صدقه زمين امام المناز و جائدة المسلكانكم | Ċ.i |
| 0 | نرز کے امان کے وقت سے قمازی میں تعولیت کا تلم | ↑ ۲+ |
| ٥ | مبوق سے خل ہونے ہائیا کڑ ہویاکی کاساتھ لائے | ***1 |
| o | ر م نے عبدہ میں کے والت مسبول کے لیے لیا تھم ہے | *** |
| 0 | مسبوق کے لیے امام کی اتباع | ተተተ |
| ٥ | مبوق کے لٹھات میں ٹائن ہوئے پرامام کھڑا ہو گیا تو مسووق التحاے پڑھ کر | |
| | أشحى بغريز ميح | r to |
| 0 | وہ بارولائق فبالا کبال سے قراع کا کرے | are e |
| ٥ | مبوق الأم كي بوكر مناه الارعدالي التاح الممرك يام ف مجدومي | 6° 1 |
| باب | ني ني الذكر بعد المسلوق | |
| 0 | ا العماري كنه بإلى وآلوز وللدقر فوان بإك يؤوز ووثر نيف بزير منا كالتم | ĉ. |
| o | بدورَ فَرَاعَلُ وَكُرِي شِرِي مِثْنِيت | *"1" " |
| | | |

| ~~~ | المازون سنة تني بابعد ذكر ولجم كي شرقي ميثيت | O |
|--------|---|------|
| | المازول کے بعد جراورو: ثر بلے پڑھنے کی شرقی میٹیت مائز واقعل وزوو ملاس | Q |
| 653 | کون ما ئ | |
| en 4 | ابغي الترام ك مُفلون إي دروا تريف بي معنا كي قرق يثيت | Ø |
| CEN | غازمند ، کیفر ر بعده دی قرآن کاعکم | ٥ |
| ers. | ا توست ہے آبل سلہ قو کے امرول کا مختم | ٥ |
| | لي لسنتن والنوافل | إباؤ |
| *#" | ر عن کوری بوٹ پر فجر کیا ملتوں کا تقم | e |
| 664 | الجرك بدر صفاقاتم ، تُنبذ كر عدستيل بإسطاكاتيم | ٥ |
| 862 | الْمِ مُن كَثَّى قِدَ عَنْ الْمُنْكُ أَمِيدِ رَوْقَا مُغْتِينَ بِإِنْ وَالْ | 0 |
| ያ የ | سنتمراج حربضيريما حت بس شاش بوئ والانتين نهب يزجع | Ð |
| FF4 | سنت فجر کے بیے بھی فینٹس کرے کا عمر | 0 |
| 000 | بمد کے قبنوں سے بعد والی سنق کا تھم | ٥ |
| - 0 | فحرک بنا منت ک وقت شتیر پر <u>ہے ک</u> ا کانتم | 0 |
| mar | الم في كاروز فواض كالتم | 0 |
| ear. | كيا عنفاء كي جدرية عن محكة أوالكي كوتبدش فاركرناه رصت اب | O |
| *5¢ | الخوائے فرنسوں کے بعد شتیں اور کرنے ہوتھم | ø |
| ۳۵۳ | الشن چرمو كدوك يميم تعدويين ورووثر للساورتيم ي رأمت بين التحاس كاففر | 0 |
| 627 | ہ نئا سے فرضوں کے بعد کتنی رکھا ت سنت ہیں | O |
| 755 | الشكرانات فواقل كالإمامة وكتم | 0 |
| ras | قِمْرِ كَلَ بِهَمَاعِت فِي وَعِصْرُومَعْرِبِ فِي رَبِيونَ أَوْالْمِنِ كَاهِمَ | Ф |
| rez | دمضان ثريف ڪ شيد کاتھم | 0 |
| 70 A | المام كراع ف له في كريك عاما الحي | O |

| | في الديار وبعدو صلوح | ا ب |
|-------------------|--|-----|
| 110 | الأمهيم نے کے بعداد مکی ہائٹ کرنے میتے | ٥ |
| 7.67 | مس کے جدیان کے اتام میں اما کی شرکی انتہاں | ٥ |
| C'T I | ا متحدی از مان از مان آریمن کے باقوہ آئی رسالا <u>ت</u> | O |
| 611 | بعدار فرائش دعا كأثر في مثايت | ۵ |
| 114 | ا قَارُ جُ ﴾ قَدِينَ بعد باتحا أخراكن عا أرات و الوت هديث أو البناسة | Q |
| 0.44 | حديث توميت بيش وأدود بار لعبيه ومت المسلاة التي تك شافرة تلم | 6 |
| ሮረ : | الفرطن فنغزا الدرونوا فمصابي المائلا فالموجة | O |
| የሬዋ | كى نماز دان تكر مقتلا يون كى طراف بالصادم وعام أنا | €3 |
| r_r | منن ونو کل کے بعد یہ میانے انتقاعیا و ماہ کر ہے کی شرقی میں | c |
| 2_2 | رُاونُ کے نختا میں مال گلم | C |
| | في الديار بعدالصلوق | ا ب |
| 64.0 | البعورة ووثرة عندار والمفجكرات عنول كالترق فلم | 0 |
| 7_ 5 | و وَوَمَعْظُ مِنْ مِمَا مِنْ مَرِينَ لِي قُرِقُ لِي عَلَيْكِ | Q |
| 64 × | تَعْظِر بِرَانَ إِنْ حَوْلَ ثُولَ مِنْ يَعِيدِ | ٥ |
| п _{Д, 4} | ئیا کیر بھی وال نداوں میں اوز میٹیر کا استعالیٰ خلاف سات ہے | ۵ |
| $\Lambda^{(8)}$ | العيدين بشكرت المتعنى كالمحم | O |
| *ኅ፣ | التغطري أعازيا اقتداء كانتم | ۵ |
| PAP | والتككرية بالبناعية ومنتور ساولات بالباتية ووتنع | 0 |
| | في القراءة | ۽ ٻ |
| MAZ. | ار آنکایان از آنکایان | o |
| PAZ | جعد کی نمازیک مورواهی امرامه و خاشیه یز مشاه کاعم | o |
| CAA | - مازون شا <mark>ستا</mark> س مر مانولز آن پاک پزهها | ٥ |
| *er | عه و کافخران السمي بيا ہے۔ | O |
| 692 | قرارة كالخاطف الارم كالملم | ٥ |

| 195 | خدارت كراج ورعفات كالمكرة وف المشاق | 0 |
|-------------|--|---|
| 1194 | المازون میں قرارہ مور کے نبائے ترتیب سے پار اوا کا ایک تھے | Ō |
| M92 | الكياح بالحبائي فؤيره ومراعرت بإرهينا سنافها وأراز فانتم | Ö |
| 694 | حيرين لانب بالرب ونقم | Q |
| Q • • | الماز کی تا وت کار درمیان ب ایک مورت آجوز کرم صنا | 0 |
| ė. | المازان بين زياد وطاعرآ واز بے تااوت آپرائے کاتھم | ٥ |
| 3++ | شاد کوال باغلام کرسٹایہ ج سے کاشم | ٥ |
| 2.0 | الروين الري قرات كے سابق بر صفاہ عمر | 0 |
| 3-3 | منا دُودال نِهِ عنه والبياغ السم | 0 |
| 3+1 | النا دُوات به باطا وباسڤانيا و لدال ع هينا والشام كند ويجيا تماز لائهم | ø |
| 2+4 | المجي خفص | 0 |
| 3 • A | خرطن نماز میں علاوت ہے وہ ران اوم وملطی بنا ہے۔ کافتم | o |
| ٥-٠ | ''ایا''شاه'' کنفری باستان می اشآف ہے۔ | o |
| 210 | وورکانتوں کی علاوت میں چیوٹی سارت را حاصل کرنے کو تھم | o |
| و ا ق | لتحقيق مستند فالخدخاف الربام | 0 |
| 216 | فمازوں بیل جیاورسرکی ہیں | 0 |
| 28+ | المازون عن سماوت المساقل، موشا كاظم | O |
| ≙t• | البيالس ڪڙه هن ۽ هن ڪها ڪانواز لانديو هو ٻا تي ڪ | 0 |
| 200 | تَنَاا ورْتَسِيدُونَ إِنَّ رَحِيقِ مِينَا بِرُصِعَا مِعْ بِينِ | C |
| 5* † | قارم عکوی کی شرقی میشیدند | ٥ |
| 315 | مقتای کے نیجارہ بی کر تعت | o |
| 312 | ميون دي اللهُيم كي جَدَب ن رئي الكريم يُذعت كانتم | 8 |
| 257 | قانخ خفف الاباس مدريت كاستمام | c |
| | · | |

| بإبا | الجمع | |
|------|---|-------------|
| 0 | باره سوکی آبادک چس جسدکاشتم | QT1 |
| ٥ | اليدميدين جعد كي منتش بإحاره ومرى بل فرض اداكر في عظم | 955 |
| o | بإغج سوافراد كي آبادي على جمد كانقم | ara |
| 0 | مجس كاولمت انتمآم | SPY |
| 0 | یا گئی موافراد کی آباد کی بیل جسر کاعظم | ልተፈ |
| 0 | تعبات ويزويش كالسلوروافع كالأسام وعائقم | 040 |
| ٥ | الحكاآ بإوكاثيما جععكائكم بشم ثلما بإزار وغيرونية و | 0.F* |
| 0 | مبتی کے بغیر کو پی پر داقع مجد میں جمد کا عظم | 6 77 |
| ۰ | نو می ترینگ کے سلسدیل بنگل میں مقیم افواج کے سلیے جدی کاتھم | ٥٢٥ |
| 0 | قيام جعد كي افضليت ميد كا الإستهر بم | 671 |
| ٥ | بندره سوکی آبادی میں جعد کالتھم | ary. |
| 0 | ساتھ ساتھ واقع رویستیول کی آیا ہی کے کثیر ہوئے کے سب جھ کا تھم | ars. |
| 0 | ایک مومکانات پرهشمتن کستی شر جعد کانتم | 20- |
| 0 | يچاس مكانات كي آبادي شن جد كافقم | 20+ |
| 0 | م مُ مَلَا بَعِينَ إِنْ عِنْ اللَّهِ عِنْ إِنْ إِنْ مِنْ وَمُ وَمُ الْأَبِرَاجِو بَعْدَ كِياجًا عَيْ | par |
| O | مِعد کی اوّان و فی کے بوا ہے گاتھم در | gor |
| 0 | جدكا أنشل وقت | ۳۵۵ |
| 0 | ا کیاسوای کمروں کی آبادی میں جمد کا تھم | eer |
| 0 | شرے ٹین میں کے فاصلہ بروا تھ ہتی میں جدی تقم میں میں میں کے فاصلہ بروا تھ ہتی میں جدی تقم | 602 |
| 0 | عارسومكانات كي آبودي ومشتل سق على جد كاظم | 302 |
| 0 | عَمَن بِرَارِی مَ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ مِن جعد كاهم من بيراری مين مين الله عليه الله الله الله الله الله الله الله ا | 224 |
| C | - دو بزار نفوی پرهشتل ته یادی میں جمعه کلم مراسم | PDG |
| ٥ | چېروسوالمراو پرمشتل قاوي مين جعه کانتم سر د د د د د کانت | 64+ |
| 0 | المسجد بيدوم جهدكي اثر في مشيت | D11 |

| | <u> </u> | |
|-------------------|---|----|
| 311 | | _ |
| <u>a</u> nr | • • | O |
| | ا چوگی دومری او ان خطیب کے آریب کی جائے گائے۔ ان اور ان میں ان ان خطیب کے آریب کی جائے ہوئے گائے۔ | 0 |
| אינ | التي كا وَان بين ما رضي طور پر يابت سنة وك جن جو جو شرير لا آيا بعد جا لاست | Ö |
| 21F | ا بياه و بندا ليك أيل كے فاضل بيام آيا فالي واليانية ما فائل جمع والا أناب | ø |
| 210 | ياجمعه بشاقي شول بسناجل كي موره تتين ورجا الأنهاتر معمرتها إلا تكوابو الثب | Đ |
| 249 | مينا في ناه مع الشرور و والمسكور و الشيار و المساور و المساور و المساور و المساور و المساور و المساور | ٥ |
| 2.0 | جمعه السالم نسور کے بعد احتیاض قلم اوا کہ کے کائٹم | Q |
| 314 | الرجاحة بزارتي آباويء المساكلات شانعاز بعدكاتكم | 0 |
| 312 | الشياسة مراسعة تحركه كالأواركي آنها فالكرا معا كالقر | 0 |
| 314 | وزحاني مهجم أنول برختمايا كاذل بمن بمعدكاتهم | එ |
| 414 | و کھیں فرار پر مشتن مہاری و کے کافوں ٹی بھو کا معم | ٠, |
| 441 | ا أَيْنَ أَيَا وَكُ لُكُ وَمِمَا لُكُ مُا أَنْ يَكُنْ جُعَهِ فِأَنْ لِيَّا | ٥ |
| 24 | میں قریر صفحہ ویس جد شرو تا کیا آباعهم موت مرکبا جسد بند کرو یا جائے | ٥ |
| *45 | ا التي مراجع البقني وه و هام نفول كل " إن في ثيل إمد محتقم | ٥ |
| 94C | الدواوان يطعم النياري وفي جر يعدانكم | 0 |
| عدد | تين ۾ ٻار کي آباد کي والے خيل ميں بعد کا تقلم | φ |
| $\Delta \Delta A$ | مشرات ماز ہے تک کیل کیل دورا کیا ہے اور کی اکید آیا اس کو متی جس جساکا تھم | Ç |
| 02.9 | الحظية جمعة بغيبة إن حربي ثان بإرجة كسام تجواما محداً وواش قريق بمسأنز بسائع | 0 |
| 014 | بس متی کی طرف بیات کوش کی جانب با استحداج تا ادا میاث با ماکاشم | ۵ |
| 344 | النهم البيره أيحل منه فأنصح بإفراخ وموقدة بالأكريز فنتسل آتي تنسأ بالمساوخم | ø |
| 241 | بعد کے لیے علم مائم کی تربی میں ہ | 0 |
| DAF | تين مد كي آيادي والربيقي مي جيد جاء كي ركت واقلم | ٥ |
| dam | سرية مون أباد في والرئيس من بحد قايم كرائے كاهم | ٥ |
| 250 | بعدے فرشوں کے بورشی رام ہے سنت مؤکدہ بیں | 0 |
| ase. | مخصين مع مري ولما غيل خيل مقول ومول سيتان وغيرا جسائق بيس موائه عن جعه كالخم | a |
| | 1 | _ |

| 242 | لَيْنَ كُرِيدَ وَيُعْدِدُ أَنْهَا مُرِيدً كَيْ وَضِيعَة لِيكُونِي مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهِ كَالْحُمْ | ٥ |
|--------|--|---|
| ৯১৭ | مِمَد بُ صَمَرًا صَدِيدًا اللهِ ﴿ فِي عَنْ ظَاهُمُ | 0 |
| 314 | سوكر اوا في موجارافراري أبادي منه تين يكن كي مساخت پر او في بعثي مين بهو كالتمر | 0 |
| 58.4 | أ تحيسوا فراد وتشفنك أبه وي والمساريك بين جهار كاعلم | 0 |
| 249 | پُدود وپلار و کھر ہوں کی آئے اوی واسٹ کا فال شک جو پر کا عمر | 0 |
| 291 | ول بار وافراد کی آباد کی بیش جدی کرانسان کا هم | ø |
| \$9.7 | جيرا مات گھروں کی فرباوی والی تبکہ پر ہمد کا ظلم | Q |
| 216 | <u>چارمومکانات پرخمتال آبادی تن جمدکاهم</u> | ٥ |
| Ø+1 | باليكن سوكي آيادي واسك تعبيدين جعد كالتم | ٥ |
| 204 | موايينو كي قرباد كي والشفي فعيس بمعد كانتم | ٥ |
| 644 | تمين حياليس لعرون باشتهارة بادي والاستق من جعة بينهم | 0 |
| 3.4 | ا ايك برُوري قريال والسطيح والريش جمد أياهم | 0 |
| 1. | کیا تابید کا وشن جن وا کرنا میا کرنا ہے کر ہے | O |
| 447 | م كرد د نوارج سيست دو برا . كي آبادي دا زنهتي شن جعد فاتعم | O |
| 7 + 6" | المن كافال فأمسلم وقيم سنم آباد في ازحا في بزر والن بين جعه كالتم | O |
| 1+0 | جعلا کی اور ایکی کا مستحب وقت کون سریت | O |
| 1-0 | اليب موتان أمرانول ويطمتل آيادي ممل بهيد كانتكم | ø |
| 7+1 | أليك بتراري آباوي بالمشتل كاؤق مين جساؤهم | o |
| 1+_ | ملت موافي الريمشمل ميتي بين جمعه كالنحم | 0 |
| | إِنَّ أَوْ الرَّي آلاد في وسل شريب تين كال كال على يروان تي تين مهرة ورق والساء | ¢ |
| 4+4 | ۇ دْ ب <u>م</u> ن جىدكانلىم | |
| 1 - 4 | ينة وْ لَكُومْ مِنْ إِلَيْنِ مِنْ مِنْ إِلَيْنِ مِنْ الْمِنْ كُونِ لِيَا كُلِينَامُ | ٥ |
| YI. | النفل من جد قاعم الريقي المرجم من مرقع كي مربع الأوالية كالزرجو عن الابهاء | Ö |
| | مات مو اول وال وري بهتي المن جمد كالحم مراض سے ايك كال ك فاصلي ب | 0 |
| 11: | سائلة فراد كي آباد في جو | |

| وبرمد | | |
|-------|--|--|
| | | |

ŧφ

| ٥ | ایک فیم پشرکی مقام بر جدهایم کوسیانی کانتم | |
|---|--|------|
| _ | | 111 |
| 0 | بهار روكمرول كي آياد كي واني تبقي على جميدة تم كرسانه كالقم | 791 |
| 0 | ا کید جزار کی آباد می دافی مینی ش جسد کا حقم | 107 |
| 0 | سمکی کو یا نچیل قماز ول دور جعہ کے ساتھ آئے سے دوکتا کیا اذان عام کے خلاف ہے | 110 |
| ٥ | سانچە گىرول كى آيادى دان بىتى مىن مىد كائتىم | NE |
| 0 | ایک وسی مجد اوت : و نے دومرق مجد بنا کرجھ الا اگر نے کامتم | 410 |
| o | ياغ موكي آبادي والفرقصيرين جديكاهم | 111 |
| ٥ | ایک بزار کی آبادی والی ایر ایسی علی جد کاظم مس سے فرلانگ و فراانگ کے | |
| | فاصله برا در بستیان بون ا | Y14 |
| 0 | بائ سمبرود ران کرنے کی نوش ہے دوسری مجدی شمید میں جدیثرو نے کرنے کا تھا | 114 |
| 0 | جار سوکی آبادی والے بیک شی جاری جمد کویند کرنے کا عظم | TEA |
| o | والإصديم والافا إوى والفاقا فاللها بموكاتم | 918 |
| o | بعد كي دور كعتيس لرض مين بإواجب | 371 |
| ٥ | شرب دميل ك فاصله براك موكي آبادي والحاسق مين جور الحم | 311 |
| 0 | کیا جس کی فماز پڑھنے کے بعد ظہر کی قماز اوا کرنا شروری ہے۔ | 100 |
| 0 | شبرک ایک میجدین جعد کانتم که شرق بی یا فی وقت کی با جدا عدیه نمازند دو آن دو | *** |
| ٥ | يٍا فَيُ سوكَ آيا وكي واست بيك يش جند كالتلم | 460 |
| 0 | کیانص قر آنی کی رہ ہے بروگ جو جانز ہے | 444 |
| 0 | جيل بحيائزاذ بعدكاتكم | 364 |
| 0 | مميار وموكى آبادى والسفاكان بشرائماته جوكاهم | 464 |
| O | کنویں پر تمین چار گھروں کی آباو می تیں جھ کا تھم | 401 |
| 0 | بمسدق القرئ كاعتم | 451 |
| 0 | شرسے بائ کیل کے اصلے پرواقع ہالیس محروں کی آباد ق بھی جھ کا تھم | 46.4 |
| 0 | اليك مومتر محمرول كي آباد في والسفرة لأن بيس جعد كالتم | 122 |
| 0 | اسلي طاليس بإشندون كيمش عمل جعد كاعتم | 1177 |
| | · · · · · · · · · · · · · · · · · · · | |

| الجرمت | F1 | |
|--------|---|---|
| 152 | | o |
| ዝሮቹ | پ رمو فراد پرشتمل آبرای و کے کائن کی محمد و حکم | ٥ |
| 2mg | المُوَافِقَ إِلَى السَّانِي وَ عَلَيْهِ وَعِيلَا لَيَامِثُونَ لِكَ لِيَافِهِ إِلَيْ إِلَى جِودُهُ عَم | ø |
| ₹8% | نیے بعد کی شارے بعد حتماع طی تعمیر ۱۰ مرتز نشراری ہے | ٥ |
| T T+ | باغ سازائه أوالكاد والتق تال وهائقهم | 0 |
| • • • | شہرے تبی کیل کے فاتھے پروا تھے مسکی میں جو مدکا حتم | ٥ |
| 415 | والقداد الغائب والمراكب والإن يستراه والمحاجم | 0 |
| 4,7 | تشريب كي بيادي ول كاليدة وكرنت بعده يم | ٥ |
| 474 | تَنْهَنَ بِزَارِكَ آيَاهِ كَا مِن بِهِ وَكَانِمُ | ٥ |
| 71% | ووسوكم إكي آنيا لكاواسته كافرن شرابعيدها مثم | ٥ |
| 1:19 | ا جواليس بيدية أراكت والمالي أن بأوكية والسليط بياب يتن برساكاتهم | Ó |
| 12. | مختنا تستدن آبادي فين جورا فالقلم | O |
| 725 | چيم کا آن اٿن ٻو ڪائنم ٿن اي اور آن ٻو جو اور آن ٻو جي اري | ٥ |
| 29.0 | ووه البوافراد برمشل أبان شامد كالقسم | O |
| - 2 * | الياجعة كالأان عاتى الكهام من في 😛 | O |
| 122 | اليساعيرك آبرا فناوال لبتي بثن جساكاتكم | ٥ |
| *24 | البياهج منطقة أعيدان إموجازي | ٥ |
| 174 | البعد ، کے وطاقہ کے دورا نیانہ ارام تجم و کو سے فاقعم | Ð |
| 121 | الرياجي ببيديا ليفادان كهنتي نثل إمر كالظلم | ٥ |
| 325 | شراكه بهديتني الشرائب فاللابداشهم اوب | 0 |
| 771 | ا کیک عزار کرا آیاد ول داند پید شی جمد کاهم | 0 |
| 171 | ما ميراندانة الفراوي آبادي بيل جو كالحكم | ø |
| 111 | ياتي حافراء كل آياد كل مين جعه كاهم | Ø |
| 777 | معد کی اندان جانی کے بواب کوشم | O |
| 저기술 | کیا چید کے فرضوں کے بعد کیا قبال سنتی سو کد دہیں | ø |
| | | |

| ار ام: ح | ţ |
|-------------|---|
| | |

| <u>-</u> | <u> </u> | |
|--------------|--|---|
| ₹₹Z | مات گمرون کی آبادی تنده جعده عم | O |
| 179 | کی متن میں جعد کاعلم من رمهمری تعریف مد وق بندا تی ہو | 0 |
| ٠.٨٠ | ئ مات ديبا تو راڪيم ڳڙڻ ۾ جد هاٽٽم جن کي آيو دي ٽين بڙ او آخو ساو | ۵ |
| 140 | ع ليس أمرول ك" باري والأبحق مين جمد كاعم | ٥ |
| 14.5 | التيار أمعرو سافراآ بإوى والمهلج قصبامين جعو كالحلم | Q |
| 141 | بهور کے خصبہ شربا آونٹ قرآ کیا کا خبر کرنے کا تھم | 0 |
| 34.8 | کیا ہو ۔ت جمعہ کیا و ست کر بھی ہے | 0 |
| 42 4 | رو موجَد و ب ريستَّمَنْ به و ي واسفه أن جل جل جله كالمَّمَ | ٥ |
| 14+ | يْجَا لَ مُعْرِدِتِ فَا آباد فَى أَنِ مَجِدِ فِي جَعِد كَانْتُمْ | Q |
| 11 | ميعوب فاؤل جن بساءتكم | 0 |
| 10.5 | عام ببالإرائل بمدكاتكم | 0 |
| 182 | بِائَى مِنْ آ بَادَلَ بَن بَعِيَاهُم | ٥ |
| 141 | خطيدش ساخان وقت كانام ليينا كأحم | 0 |
| 14.4 | يب سوستر کي آ واد کې شپ جمعه ناهم | ٥ |
| 44.4 | يز بين گاؤن ہے گئل جموالے گاؤن بين جمه کا تقلم | 0 |
| PAF | جهد کے فرضوں کے بعد سنتی کی تعداد | 0 |
| 44. | جمد کی افران ٹائی مسجد میں دیے بائے کا تھم | ٥ |
| 11 | بمس جكه جعدجا أزاديق أنيا أيك مع من في تنظف مساجد من و أزيت ياس ف جامع معجد من | ٥ |
| 197 | بإغي بزاري آواه ڪاهن جو يڪاهم | ٥ |
| 797 | - فيك المن برسرة المم كريب كالحلم | ٥ |
| 193 | جس گاؤں اس بھوم وریات ہوری ہوئی ہوئی اور اساس میں بعد کا تھم | ٥ |
| 444 | بيندافر دك تشايده بالمدني ومدقا فركرت كاعم | 8 |
| 9 9 2 | ير ڪالان ڪائن آيادي ڪل جيانيون کاهم | G |
| 194 | ب من مجد کے ہوتے ہوئے ویش قبد پر ملانے کا تھم | 0 |
| 2 6 6 | تین سوافر وکی آبادی میں تورمہ کے روسال سے بیسو پر حاجا رہا ہے | O |

| 0 | الماز بعدے ترک ہے نہ روکے واسے امیر کا تھم | ۷ |
|---|--|-------------|
| c | سکیم پر جانے دانی فوٹ کے لیے جعد کا بھم | ∠• F |
| • | تمكيأتمرول كي آياري ووفي ستى مين جعه كانتكم | 4.6 |
| • | کیا جمعظیرکا ہدل ہے | 200 |
| 0 | م کی سمجند شن فوق کے معداد دو مگر لوگول کو جمعہ کی قماز کے لیے اجازت ندا ہے ہے جمعہ کا تھم | 4.5 |
| ٥ | شهرے نیمن کمیل دورا وسوگھرول کی آیا دی دالے گاؤں میں جمعہ کا تھم | Z+Y |
| 0 | یا یکی سوافر اد کی آباوی والے دیہات میں جمعه کا تھم | 4.4 |
| ð | جد کے روزاز ان اوّل معقبل "صلولا" کے نام مصافران کینے کا تھم | 2.1 |
| 0 | شرات یا عاجات کے بادود جاری کے محقے جمعے کا تم | ∠1 r |
| 0 | کیا جعدے فرضوں کے بعدوالی میارہ کھا ہے سنی مؤکدہ تیا۔ | 415 |
| 0 | پیچاس محمرون کراآ یادی جس برصالاتهم | 411° |
| ٥ | جعد کے دوز وعظا کی صورت جمل از ان دعملا اور تو پی خطبہ کی بهتر قرشیب | 414 |
| 0 | ملا مات فیم | 211 |
| 0 | کمیا قماز جمدے بعد فمازا منتیاطی شروری ہے | 212 |
| ٥ | آ تُصر کُ آ با بی میں جورکائنم | 419 |
| ٥ | جواز جعد کے لیے قریبی بیٹیوں کو ملائے کا تقم | 4t+ |
| 0 | تين مو بالغ وتا بالغ افراد ي آيا دي بين جسه كاقتم | Zfr. |
| 9 | كياجد كم بوت كه لي نطبه مناشرة ب | ∠†ř |
| 0 | ة براحه رجن مكامات كي آباد كي جي جعد كالقلم | 417 |
| 0 | کیا جو کے دان کا م کان کی چھوٹی کرنا ہدھت ہے | 4 F/F |
| 0 | ا نيے گاؤں بيں جو کانتم جان ايک ہي تمازيل سانوا نوام انتفے ہوجا ميں | ZFT |
| 0 | في في شريعه و در تنجيم م يول توجيد كالقيم | ∠ PA |
| ٥ | معداور جنازه ومحضي بوجا تم قريبيل كحا داكياجات | Z F4 |
| 0 | ئي آباول عن جديما تقم | ∠ Γ• |
| 0 | ا يك ايك يكل كما عليه بردا تع چاد بستون على تين مويس عمر جول توجه و كاتم | ∠P• |
| | | |

| فمست | rd |
|--------|----|
| .: 451 | |

| ھے لیس گھروں فی ^س یادنی ٹیس بھو کوئٹم | 0 |
|---|---|
| القيناسألا وراكرة بإرقاض بمصاقهم | o |
| تعميل ببطنتي أأأي أوالي إمل إعوا كالتعم | ဝ |
| یو نے روسہ فراد لی آبادی میں جسدہ حکم | O |
| للمحمي كحبروب فيآتو والزنانات تعبد فالمحم | Φ |
| الرائحة المرائحة | باب |
| مسائل فبدوجو | o |
| تحدواول جول والاثم ليزاجؤ كالقساشة بيوالبان أمي | £ 3 |
| آ اوقائل نستى كرت سنامجد د موكاشم | o |
| بلائة فتح فرنش وبازتر سدواة بسيحير ومهوكاتهم | ٥ |
| و د ران فها زار بن شال چار کارنگان تای تا آثیر ، که میب مجده مهر کاهم | ٥ |
| - در ان نماز خلون و دموای تربیقه و تکم | 0 |
| الجدؤام أعالي بالام أيما جانب فييم جاله وروفال جانب | ٥ |
| أيفول كي تيسر كي يوقعي رُه ه ياتشبه كي بيُستاها ويت السناء الله المعالم الم | O |
| ش و ميد کن تحسير قيلوت جا نے پر عبد و ميز کا تلم | O |
| رنعات کی تغدہ تن مبرناتکم | 0 |
| | 0 |
| P6-12-35 | 0 |
| في الحكام اللهاش | اب |
| عجامت کے کیڑوں میں بڑھائے گا توازہ کھم | Ō |
| - شرار باست مان والنا كالفركيز مان الماستعال كالترق ويثيب مضار ملى منته | 0 |
| اللياه للم المشاص كمن وأكب وأكبر ومعتول فرعانا | |
| كىلانغىر كىمازچ عناردت ب | 0 |
| وومال بالمع حائز فالمنازية عضائية هاسك كما تركي ميشيت | ٥ |
| العرام ڈرانگ ہے کیائے اور نامال ہے جائش شدو کیا ماں ٹن ٹوا اکا ظم | ø |
| | مین ساله و برای آیاری شروع تهم مین بیشتن آن آیاری شروع تهم مین کروس آیا آیاری شروع تهم مین کروس آیا آیاری شروع تهم مین کروس آیا آیاری شروع تهم مین کروس آیاری مین ایاری مین تا ایاری تا ای |

| | <u></u> | فهرست |
|-----|--|--------------|
| a | بندوستاتي بإغيامه بين نماز كالخلم | _15 |
| ٥ | ینڈ کی کھلی بھوتے وہ نے تماز کا حکم | <u> 4</u> 10 |
| 8 | جيب جن فو نواور ہاتھ جن او ہے کی محمزی پہنے ہوئے نیز زکاتھم | 2 44 |
| ٥ | حائے نماز پر تیمر ذی روٹ کی تشویر کا تشم | 244 |
| 0 | مر پر بغیر با ند حصره مال <i>دیکار آن زیز حزگی نزگی ویثیت</i> | Z ¥Z |
| 0 | وبائ نماز پر ہے ہوئے نفوش کے ادب کا حتم | 4 7 A |
| إبإ | فى احكام المسجد | |
| O | مسجد کی جیست پرنماز کائتم | 221 |
| 0 | مي يى س نے كاتھم | 441 |
| O | معجدى ذكرومرا قبدكي ثرق ميثيت | المناح |
| 0 | کری کے سب مہم کی جہت پر نورز پر سنے ہاقھر | 225 |
| Ø | بھامت کی تماز حاصل کرنے کی قرض ہے سمبریں بعد کنے کی شرقی حیثیت | 446 |
| Q | نظی جگ ے سب ایک مبچہ کوچھوڑ کروہ سری مبجد ہیں نماز پڑھنے کا تھم | 444 |
| ٥ | بلا ضرودت ميدكي جيست يربن حت اوه كرنے كاتھم | 444 |
| ð | كياو فضام مورجي كل طرف نمازي عفي كاثواب ايك بهياب | 441 |
| Ø | لتحبير فحريبه كهركر بالتعليس بالداهماء وكوع ش جلائي | Ļ٨٠ |
| 9 | تى زعشا ، كا وقت جوار دا بخياب | 441 |
| إب | فی الترًا ورّعٌ و: كوتر | |
| ٥ | تراوع کی رکھاہ | 240 |
| Q | مشاه کی فماز تیان آگرے والے کی وژکی جامت میں شرکت کا تھم | 441 |
| 0 | ترادیج میں فورٹ کی امارے کا تلم | 484 |
| 0 | چندہ کی حاطر تر اور کا پڑھانے والے کا تھم | 488 |
| 0 | مراور من اليك بكرة أن إكفتم كريد ومرى بشده العاظم | ∠4 • |
| • | بإجماعت تبجد كي أواقل مي فتم فرآيان كالحكم | |
| 0 | ترادق بين فتم قرآن پر جديد ليخام م | 4 1 r |
| | | |

| 0 | میں رکھات تر اوخ کا مجوت صدیت ہے | 415 |
|-----|---|-------|
| ٥ | نې رکعات تر او ٽ | 447 |
| ٥ | مكمر بين بتزاوت بإجراعت كالابتهام اوراس زرجواتين كانتركت كانتكم | A++ |
| 0 | تر اون کو فیم صروری کینے دا ہے کا تھم | A+I |
| 0 | ا نیا فورتون کوراون کی نیدے آئورکھات کا پر هنا جائز ہے | A+F |
| ٥ | رمضان البارك كي مناكيسوين شب من خاص خاص سرتول ك يزهيد اورهيد | |
| | كے روز مصافحہ معافقة كاتفا | A · F |
| 0 | م رَبِ شَهِيدَ كَاتُحُمُ | A46 |
| 0 | وادع بين الموكيف المركل قرآن باكثم كرين بارق | A+1 |
| • | نمازين بم الشرر أيزية كالقم | A+4 |
| 0 | ترادت ياجرت كاتحم | 4-4 |
| 9 | ? اول اُسے کُل مرجد مل بر معن کی گرفی جیست | Air |
| l r | في احكام السفر | |
| | ں احق ہا۔ سر کنار نے بر جی کمٹنی میں بینڈ کرنمازج سے کا علم | Aio |
| ٥ | • | AIN |
| 0 | جاتی کاری بین زماز کانتم بر سرته مرد بر سرت به میر | ••• |
| ٥ | ة را ئور كنځ مكل كا منز كرب توسيافر بوگا | AIZ |
| 0 | جے بندی کے بعد سز میں فرق کے لیے نماز ناتھم | AIA |
| 0 | وعمن کے باتھوں قید ہونیا نے والے مسلمان مسافروں کے لیے قصرط ایتم م کا بھم | AJI |
| 0 | بارڈ ریمنم سے اوسے فوجیوں کے لیے تعروا تمام اور مصروعیو کین کا حکم | AFF |
| ۰ | دوران بٹنگ افوائ کے لیے قصریا اتمام کا تھم | AFF |
| ٥ | روزاز کرے بیاس میں دورہ نے جانے والے کے لیے نماز کا تھم | Arr. |
| 0 | ووسرے شہریش طاؤمت والے ختم کی قصر کا تھم | Ara |
| 0 | مردی کری تے لیے الگ الگ جگہوں پر مکان بنا کردینے والے کے لیے تماز کا تھم | AFT |
| ٥ | جلتی ریل میں نماز اور تیم کائنم | 454 |
| ٥ | سافرامام كي اقتذار عي مطيم مسبوق كالحقم | APF |
| | 1 - 1 + +; *; | |

| فمست | rr | 4 |
|-------------|--|-----|
| APP | ر رابل کا فرق پر تنقین طاز تین کے لیے قرز کا تھر | Q. |
| Ar. | ممى جُدِيم قانون طورير بياوات ركد ليقربوا غام كاقتم | 0 |
| SP1 | ووران مقرریل میں نماز اوا کرنے کے اوکام | o |
| AFQ | ریل کے نفر سے متحلق ا دُفایا ہد | ٥ |
| | . في احكام العيد من | باب |
| ACI | أنيسه مجدعي ووبار فازعي كاحتم | o |
| ATE | فما زعيد كے بعد معما فحر كائقم | ٥ |
| 1 mm | عمیدین کی فغاز معید حال ازائر نے کا ظلم | 0 |
| ۸۳۵ | تماذعيد بين تين زائر جميع بيهامبوا جيوت ثمثي | 0 |
| AZY | ننا ،سعرَلي تحد بيد | 0 |
| ACZ. | مغرادست کے سبب عمیر کا و کے بھی سے مسجد جمل فرز میں اوا کر نا | o |
| A2+ | فَقَدَ ﴾ الله من الله عند الله عند الله عند الله عند الله عند المراز كالقم | o |
| AST | عبدن نمازے دو جائے وابول کے لیے دوبارہ عبد کرائے کا تھم | 0 |
| NAT | متعدد بكنبول برنر زعيدناطم | ٥ |
| A3* | ر يُربي وغِيره نِهِ مِنانِ مِيودرمضون في اخلاع كالظم | Q |
| N 00 | إلى الماري الماروميري كالم | ٥ |
| Agg | تنجيرات تتحريق تمن مرواه ب ويها | Ф |
| AST | نماز میرسیا جد تخدیش منعقد کرنے کا تقع | ø |
| A22 | عيدك روز كلط ث كالقهم | O |
| 994 | تمازی کے بعدا یک خطب پڑھنے کا تھم | 0 |
| AAA | آغاز میرکا کیک خضر بھو لے ہے رہ کیا | ٥ |
| 404 | اليك محيزتكي دومرتبيانية كاعتم | 0 |
| 124 | عيدين بيمانماذ سيقل عطيه يزحت كالمثم | ø |
| ARA | ہوے سے نمازمیو کی زائد تھیرات روشکیں س | 0 |

AM

م میران کو بیان کی میثیت میران کا میثیت

🗸 خېرىيى ئىل د د گازان ئى نما قادىيد كائتم

عرض ناشر

النداني في كفيل وكرم الدمفكر اسلام معترت مولا لاملتي محود رحمة الندعلية كالحبت ومقيدت كالبركت ہے مغتی کو ورجمہ اللہ علیہ کے فراوی کی قرتیب واشا وت کی سعادت عاصل ہو کی اور کر شتہ سال جولا کی ٢٠٠١ . شي حفرت موال تاهيم الدين أستاه حديث جاسور دنيالا بوركي تمراني شريه ولا تاهيد الرحمي خطيب عالى سجرا، بورا ورمولا ، محرع فان صاحب استاة جامعه دنيلا بوركي كنتول اوركوشنون ي فأويل منتي محووكي کیلی جلد شاتع کرنے کی معدت ہوئی۔ جاری کم ملی اور بے بھنا متی کی وجہ سے اندیشہ اور فوف تفاک بہت ماری کوتا ہیوں کی بنا و رِعلاٰ مرام کی طرف ہے سرزنش ہوگی لئین مب کا نکات کے فتل وکرم اور حضرت مفتی جمود رحمہ انفرطید کی کرامت اور ہز رکول کی شفقت ویجت ہے کہ اس تماہ کی بہت زیادہ پذیرائی ہوئی اور علام کرنام نے بھاری غلطیوں کو درگز رکرتے ہوئے مطرت منتی محمود کے مال الماوی ہے بہت زیارہ استفادہ کرتے ہوئے اس کوایک ملمی ناد رفزاند قرار دیتے ہوئے مطالبوں کی تجبر مارفریا دی کہ بقیہ جلدیں فورق هود پرمنفرعام برلائی جا کیل۔ اس پاپرمندرجہ بالا اکابر بن سےدورخوا سنت کی محکی کہ وہ کام کی رفقا رکو تیز قرما کیں را شانق ال ان کویز اے تیر خطافر ہائے کدائیوں نے اپنی تدریکی بقیلی اور دیگر معروفیات کے یاو چوود در میں مبلد تممل کر سے دیے وی جس کوکیوزنگ ہے ہراعل سے کزار کرفوری طور پراشاعت کے لیے - تیار کیا حمیا_ اس مرحله پریش بر اور عزیز مولا نامحه عرفان و آستاد جامعه مدنیه کی کاوشول کاؤ کر بطور خاص کرتا جا بتا ہوں جو انہوں نے فادی کی دومری جلد کی تیاری تے سلط میں کی ہیں۔ پروف ریڈ تک اوموا نات کی ترتیب سے لے کر حوالہ جات کے اصل ماخذ ہے رجو خ تک اور حوالہ جات کی در تھی کا وقت طلب کام بھی مواه ناعمر عرفان کی دید ہے ہی تکمل ہو مکا ہے جس ان کی اس منت برد عاتم و ہوں کہ اللہ یا ک ان کرا بڑھنگیم عطا فراشد

بیلی جلد میں برسوال پر منوان خین ہے ۔ اصباب کے مشورہ کے مطابق اس جلد میں منوانات قائم کر و ہے گئے جیں تا کہ مشلہ کی مخاش میں آ سانی ہو۔ کیل جلد کے دوسرے اپنے بیٹن میں آمی عنوانات شائل کردیے شئے جی ۔ سیان اور پوکنی معد تو ادام بهی همیش را بیا آن ای سراحل شان اید رومید ایران جهد ای تو رأین ای اندمت تال فین کردی مداکس که به

ای جذر میں حضرت فقی خطام اسدین شاه لی گئا الدیت ہو معد خوای ڈاکوان کو بیاں ، حضرت میں انا خفت الاقتیان مرکل اللہ بہت اگر استا و سال قرار کا کر اخرات طبق محمد و رقعہ اللہ طابہ اللہ بہت ہوتا ہو الموارق ہے الی اوقع پر زراور مرکم منتی محمد کیا تھا تھا کہ محمولات موں افہوں نے مجبوز کا دوئی جس کا از سے اوسلہ افرائی کی اس سے جو اوسلہ اور قرید کی جس تبدول سے اس کا شمار کر اور اس اس کے امید ہے کہ کہلی جلد کی طرائی و مرکی جلد کو بھی موارش میں انہاں کی کے اور اور این انداز میں سے درگر رفر ہا ہے اور اس اس استعمال میں اس سے اس اس سے استعمال میں اس سے عظم فرائی میں اس استعمال میں اس استعمال میں اس استعمال میں انداز اس استعمال میں استعمال میں استعمال میں استعمال میں استان میں استعمال میں استان میں استان میں استعمال میں استعمال میں استعمال میں استان میں کی کھوران فرائی کی کھوران کی استان میں استان میں کہا کہ کا استان میں کی کوروز اور اس استان کے استان میں کی کھوران کی استان میں کھوران کی کھوران کو استان کی کھوران کھوران کی کھوران کی کھوران کیا کھوران کی کھوران کیا گھوران کیا گھوران کیا گھوران کی کھوران کھوران کو کھوران کیا گھوران کی کھوران کھوران کو کھوران کا کھوران کھوران کیا گھوران کی کھوران کھوران کھوران کی کھوران کیا گھوران کھوران کھوران کھوران کیا گھوران کیا گھوران کیا گھوران کیا گھوران کھوران کھوران کیا گھوران کیا گھوران کو کھوران کوران کوران کیا گھوران کیا گھوران کوران کھوران کوران کھوران کوران کوران کھوران کوران کوران کھوران کوران کوران کوران کوران کھوران کوران کوران کوران کوران کوران کھوران کوران کو

عجم زیاطی اراق آمید باکلت به فی مقول و مدت رود دار بود

تقش ثانى

حضرے موان امنی محمود ہمارے مید کے بائٹے کھرفتیہ وحدث تھے۔ انصیاب تام حرفتہ و حدیث کی۔ خدمت میں اس کی سال کی سوری سرگرمیاں بھی انھی علوم کی تعلیمات کے فرور کی اور کا اور کا از ایک بیٹے تھیں ۔ آپ فرجی جزائے سے پر تھی بری تظرر کھنے تھے اور اس کے مراقبی و منافع کو خوب انھی المراح تھی تھے۔ آپ بھی او آئی ۔ آر برریائٹ نظری ، اس تا بھر تی اور ورد مند کی رواموز کی تھی جو ایک فقید اور منس کے بیے اس سے ساتھ منتی میں حدید بیٹے ایک مراقاعم العلوم ملاکا ن کے وارا فحد یہ دوار اوارا اوالی کو روائی فقی ۔ و حدید و فیاست ک تو جاری و کے خدا و وارا الی اور آپ کا ایک اور مراج کا رکھوڑ ۔۔

جم نے الد تعالی کی استواجی کے بھر دیے ہوشتی میں ہیں۔ ایر آتا رہیں کی اگر حت کا بیز الفواؤ تا کہ اور الد تعالی کی استواجی کے بھر النہ بھر الد کا بھر نہ ہوگئی اللہ نہ الد کر تھا ہو اللہ تا استواد کیا ۔ اللہ بھر اللہ کی اللہ بھر ا

سائلب کی تصویحی جانت پر ان کے تمید فاص عفرت موار نامفتی روزی فان صارب پرخیستنم جامعد ہا ہے۔ کجنگ نے اس ملحی کا آم کا آرفیاں آپ مد سب ملم ہوئ کے ساتھ ساتھ کتنی مز ان کے موان میں را آپ کے نہت محت سے بیدہ م مراقبام واقع برحال میں فارناسہ کیا سے کا مستحق ہے۔ موران کے اس محل کی ہودئت اب فاق کی مفتی محوول رومفید مرد کی برائی ہے۔

ا بشرائی اشاع تول میں بعض بشہر کا پرستنعین کے اس واقعے تھے۔ اس اشامت میں بن میں رکومی شاک کرویا کیا ہے۔ اگر چاہی سروے کام کی اور ہے کتاب کا بھم کا لی بڑھ آنیا لیکن افوار رہے وہ چاہد رکافی ہے ۔

ہم ایسانی جدید ان حت ہے ۔ العالمین کے مشور می وشکر دیان نے بیار اس ایس ایس <u>اسلط میں</u> مور نے مجر مناوف صلاح باستان با معدمہ نیانا ہوں منفوٹ مثنی رشید اند العولی خطیب جائے مسجد ویکنس اواد کی رفاقت مرحزت مناور ویژنل حال رفق ایس ایس کے سے ڈیٹا گوئیں۔ انڈ رہا اماد کیون میں کی منت کوئی ال شروعت سابع از مناتم بیان کوانے تھا ہوا اس مسلم می کوئو کیون کے لیے مزید کا فی بناسے۔

اه سازم محمد بیش درانی معید بیلی گیشتار الاعد

بسمالته ارحنن الرحيم

والتحتمد للعاوب العالمين والصنواة والنسلام على سبد الانتياء والمرسلين وعلى آلة وصحية اجمعين أما يعد

فاعوذ بالله من الشيطان الرجيم - بعدم الله الرحمي الرحيم

وقال الله تعالى يرقع الله الدين أمنوا منكم والذين ارتو العلم درجات

منكرا اللام فقدملت انحدث كبير المغمرقر "من به شدهديت وقف كة شخص مولا المنفتي محمود رممة الفدملية کافیا شاہ ولی انڈ کے مرخیل اور مسک حقہ و بو بندق کی فزنت و وقار اور ملا فٹن کے دوقر جمان حقے جن کی زهم في بين مجي جنامت ۽ يورندون ۾ تفر کرٽي رين دورا پ کي دفات ڪر بعد مجي اُمت مسلم آپ ڪ كارز مول كوفراج حسين بيش كرتي نظرآتي سندر فية الاسلام هفرت مولاز محرة مم نافرة كي المام الوطيف وقت لقيدال مت مورا: رثيده حرثنكوي وبينج البدمو : محموده من اهيم الدسوم واا ومسيمنا احد مدنى جنيم ازا من موادی اشرف بنی تخذ کوئی وجه بت مواد زام بدالقاه روانے پوری کی طرح مفتی محمود رهند الله کی رهما کی میں بعد و انوں کے ملیے مشمل راہ ہے۔ آپ کے اُسٹار حمر معضرت مول نامجہ میال رحمت الشاعب کی محت تربیت اور عدد مد شانکام الآیاد کے فیل کوآپ نے جس انداز سے پھیاا یاس پرآپ کے اس کا وکر زم کو آ ب مرفخ بر بالسکیم انا مت «عفرت واله نا قاری گهرمیب دانده اند ماییزی آب کوفر زار ان درانعوم بمک بتزال آریا آپ کی ویش خد بات کا تین توت اور ٹیک تلیم بزرگ کا دینے تام معر کے لیے سب سند معتریف ٹراٹ تحسین وحقیرت ہے۔ آپ نے ایک فرف مند تدریش کو جار عالا اگائے تو و مسرق فرف فقہ کے میدا ج يمن و وكران قد رفيا وي جاري يجي بش يعقق المقيم باكتتاب ولا ما محرشني محدت المصر ميز تدا وسف بنورك مولا : منتی و ل مسن تو کل رحم اللہ جیسے ملم وطم نے جہال نے اللہ وکی میرش مند کرتے واقعے آیا ہے کے جم وقد ہر اور تنظیق و تدلیق کوشراج تحسین بیش کرا به ساحت کے خار دارا در بدایا ات میدان میں آ میہ کا درووہ ملام آن معظمت وسر بنندی کا با عث بذاور یا نشتان کی الادین قیودت بلک نواسنا می سنت کی حرف سے جانے مرمجود جوئی ۔ تعرب وقت بی نمیں است مسرے کر ہے پر نے بھرانوں کے در ار میں منتی محمود کا اعلا نے کلمة التي ملاء الع يندك جراكت كوفي كانت ل قراريها -الغرم منتي تهود عظمت اسلام كي هامت اور الماء وع بقد ك ان برگزیدہ سنیوں بٹن ہے بھیلین ہرتے مت تک الرحق نازگرے رتیں کے ادر مفتی محمودے کھی جواس بِيرُونَ فِي شَرِيْكِينَ بِهِ كُورِينِ فِي آبِ رَكِي بِيرَانِ فِي الْمُواكِنَ بِكِيدَ الرَّبِ مِن فَا المُواكِ

العرف آب سالمي والراح و و عن مهارت بين المهمي الراح في الدور في المراجع المن المراجع المنافق المن المراجع المن المطابق الشخار المراجع و المن المراجع المراجع المنظم المراجع المن المراجع المراجع في المراجع المراجع المستمس والمنظم المراجع في المراجع المنظم المراجع في المراجع المنظم المراجع في المراجع المنظم المراجع المنطق المراجع المنظم المراجع المراجع المنظم المنظم

۱۱ ما منتی کوم ایرین ۱۹ ق نُنْ الله رث جامعها ۱۶ میرهامد تاری زمان داری

<u>پيش لفظ</u>

المحمد لله رب العالمين، والصلوة والسلام على سيد الانبياء والمرسنين وعلى الله وصحيه احمدين.

ن قبادی سفتی محمود کی اشاعت کی خواجش اور آرز واکر چید جمت دیوست مجاد کی او فی واقع سیر کیا معمو فیات ویر مخل حالات کی وجہ سے بنجا ہر اس کی شکیل کی صورے نظر نہیں آتی تھی۔ نگر انتد کا خاص کرم ہے کہ اس نے ویب بند و بست فریاد نے کہ موسی زخیر واستفاد دونام کے لیے تھی ہو سکا۔

مي الوسك كه الجائد و مرتوب الاورق و الدائة الكه المارس و الالهم المرتبة القاومة بيطان وها والدائم المرتبة القاومة بيطان وها والدائم المواقعة و المعالية و المعالية والمعالية وا

شن اس جلدی شام سے مرانہ تھاں کے مفورجہ وشکر بنا ہے جو اندا ہے مزیرہ والرحمی ملی آرام اور فاص طوری پر اور مزایا تو فقا میاش اران کا برت زیار وشنان مشعور سال بالشرق بل این اندا ہے کو بنی علم فیاں سے اجتری جزا میں فریائے امرانہ تو فی سے ایسا کہ بول کے اعتر سے مقتی محمد رحمہ وقت مایا ہے اس مجموعہ کو ان سے الجو معرف بور بیاد رمو واضعہ اور ان سموار راست کے لیے جزت زیاد و دی تھے بنا اس ملی ا ارام اور ایل تھے نے دوفور سے ہے کہ من مجموعہ میں اگر وفئے کی مسور فریا گئیں والی مشدیس اختر وجود ہوتا

وأخوا لأعوانا أن الجعد للدوب العالمين

(اوا نا) تُغلَّس الرامي محرجمية الموارا ما من التان

باب الامامت



کیا تاش <u>کھیلئے بٹش کانے سنٹے اور قر</u>اکن ٹیادا پڑھنے وہ لاا ہامت کے لا<mark>ئل ہے۔</mark> احد ن

20 **ب**

که نا منداخز تاخ کیمیلنا شرط محرام درج نر افعاق بین اگر و قبی بیدنام ان افعال ندگوره کامرتلب سیدنوه ه شرطافات سید^{(۱۷} قامل امامت کشراه رئیکرده قرآن کیمی خواج مشاہب و رمزان وجائی بیمی نساق و تشکیرین

⁽²⁾ قضت وفي الميزارية استماع صورت الملاحي كاميزات فعدب ويجود حرام لقوله عيد المطرة والسلام استماع الملاحي معصد والحالوان عامها من هذر المختلز كنات المحظر والاما مقابل الاكل والشرب ما الميزاد استعيد كار بشين و كناة في السحم طرائق كنات المكراهية ، فعيل من الاكل والشرب الماكاة الانساح مكيد رشيديه كوليند و كذا في حجاهة الشاوي كذات الكراهية القصل طبال فيها النامة المحاسي بالراح كار ضع الجراب محد كراهني.

و گذره ترجم و والقب بالدين كناه شطرنج در السحنار كتاب الحاطر والايامة فصل في الهيم ٢٩. ١٩٤٤ علوم البراء فيديد معيد كوانتسي.

ا فارکھنا ہے کہ بال بنا سنوار کر بازار میں نظے سرچانا ہے اور نیز جب کہ ووغ تج ن نماز وال بیس بھی جا نہ نیش وہ نا کو یا وہ فرو نا دک جد عصہ ہے (۱۰) ور دختا ہی فیار ہی خصوصاً حاصفرتیں و دسکا اور اس افعال کے ترک کرنے کے برائن امام کوموافل دکا انسان اور بار کجی بچک جی اور استے کے عرصہ میں ان افعال سے وہ بازئش آ و تو ہے برگز امام ہننے کی امبیتے نہیں رکھنا (۱۰) نیز افران مجدو دکھ پر ٹرعا کا زم وہ از بسے کہ اس کوا ماست سند بن و ہی (۲۰) ورزے و نٹر ما مجرم و شبکار برائ کے (۱۳) اور اس کی نئر کسی جدید عام صافح ملی قرآن پڑھنے والے ا

الجواب منج عدان مغالدعن

- ٤) ويتكثره تسويها (إنعامة عند) وقاسق البرالمحتار كتاب الصلوة بات الإحامة ١/ ٥٩٦ طبع البجاء البح ما البحاء عدد كراششي.
 ومثلة في خلاصة الفائري كتاب الصلوة الفصل المساسة عشر في الإحامة والقدل ١/ ١٥٤ طبع مكبه وشيدية كوتف.
 - . ومثله في السايد شرح الهداية كتاب العالوة باب إلابامة ١٠ (٣٣٤ ، ٣٣٣ طبع دارا الكتب العلب؛
- ٣ وقدا النفاسي فقد عللوا كرامه نقد يمه بأنه لا بهته لامر ديم وائن مي تقديمه ألاه أده تعالىمه وقد وج... مليهم إدانته شرعاً، رده السحتار كتاب الصلوم بايد الإمامة ١/٠ ٥ فطيع الجانية سعيد كراهندي. وكفاعي البينه شرح الهديه والقدسي لام لا بهتم لامر ديمه كتاب الصلوة بالدالإمامة ١/٠ ٣٠٠ طبع دار المكتب العلمية بروت لبنان وكفا في هنهر الفائن و لقاسي محارجة بدليل عطف المسام هنه لده. وعند لد
- ع) حس ابني منكر فلصدين رضى الله عنه زبي مسعت رسون الله صلى الله عليه وسلم يقول أن الناس إذا رأوا مشاكر أفلم يغيروه يوشك أن يعليهم الله سفاته رواه إلى ماحه و الترمشي مشكوة المصابح باب الاسر بالميوروف فلممل الثاني (٢٠/١) فلح قديمي كتب حاله ال وأكمانا فني الترمشي باب ما جار في تنوي فيداب إذا لم يقير السكر ١٣٠٤ و 18 فيع الجراء المياء المياد.
- ه) وفي متاوى الإرشاد: يحب أن يكون إمام القوم في المبلوة أفضائهم في العلم والورع والتقوى و أفراء ف
 وقدم به والنسب والعمال على هذا إحماع الامة اللتار حالية كتاب الصلوه على هو أحق بالامامة
 الم عام إدارة القرآل والعلم الاسلامية .

و كيفا على البقر السمحتار والأحق بالإمامة تقديما بل نصبا مجمع الأنهر الإعلم مأم كام المناوة والم الاحسن ملاوة) للفراءة الم الاورع ثم الأسن الم الاحسن حفظ لم الاحسن وحها الم الاشراف سما كتاب الصلوة باب الإمامة ، (/ 00 م 0.4 كاف ريح ـ ايم ـ سعيد.

وكذا في النهر العالق كتاب الصلوة ماب الإمام، (٢٣٩ طعم دار الكتب العلمية سروت لسان.

کیا کبیرہ گٹا ہوں ٹس بٹلا مخف کے پیکھی نماز جا کڑے ﴿ سُ ﴾

أليافر مات جي علائ وين ان معاكل شي كه:

(۱) ایک سوادی صاحب نمامت کرائے میں اور ان میں ''عزاقیج عادات جوشرعا ممنوع میں پاٹیا جاتی میں سنٹا وعدو خان فی اور جمو فی حم کھانا اور مصلے پرخرہ فات کا نااور مثنت کے کر نکائے پر نکاح کر انااور جمو ل شہادے وینا۔ علاوہ از زر محت کلنظ سے نہیں پڑھ سکتے بلکہ بعض مرتبہ نماہ تعظامی فقد رزیاہ و بوجاتا ہے کہ معنی محق عور رئیس ہر مکتمان محف کے فیصے کمانے جاتے ہا۔ جاتز۔

(۱) ایک و مراشح فی توک معانی و محت تلفظ پر عبور رکھتا ہے۔ ایک فیمی کی نماز ایٹے فیمی کے بیچے درست ہے یا ٹیمی اور تیز بنام اوگوں کی نماز کا کیا حال ہے اور جو لوگ نہنے تھی کے حالی جی ان کے لیے کیا عمّا ب ہے۔ (ص) نہنے بیک جی جی جی جس یا حمل جی جو ان کی جہ ہے گئیں ہو تکتے اور اس چک میں لوگ جس کے ساوی جی کیا جسر ہوتا ہے یا ٹیمی نیز وامرے چکوں ہے لوگ جسر کے لیے آ کر پڑھتے ہیں اور اگر مولوی صاحب تھے جی ان وک جستا جا نز ہے تو مولوی صاحب کو لوگ بجر وکرتے ہیں کہ بعض اوگ جسد جی شریک برکر وعلامی کر فراز کے بابند وہ جاتے ہیں۔

40 p

(۱) ان عادات والوحّش فاسق ہوجاتا ہے اور فاسق کی ایامت کروہ تم کئی ہے (۱) یہ تمام فقیا و نے اس کی تعرب کی ہے اس لیے اس کے چھیے کہ تاکر وہ ہے اور اگر تقط بھی کمی محش تعظی کرتا ہے تو اس وقت فراز فاسر بھی وہ جائے گی (۱) ہے

 ١) بيل مشيئ في شرح البنية على أن كراهة نقديمه كراهة تحريم شامي كتاب العملوة باب الإمامة ١١/
 ١٦ طبع ليها إيها معيد.
 و شقه كتاب المبلوة باب الإمامة من ١١٥ طبع معيدي كتب خانه كاسبي روز كوكه (حلبي كبير).

ومثله في حاشيه الطحطاوي كتاب العبلوة بات الإمامة من ٣٠٢ طبع قديسي كلت خاله.

٧) وان ذكر حدوقة مكان حرق وغير المعنى قبل أمكن الفعيل بين حرفين من عبرمشقة كالطاء مع الجماد فقرار الطالحات مكان العبالحات نقسد خانيه كتاب الصلوة قميل هي قرفة القرآن ١٩١٨ / طبع مكتبه عبلوم اسلاميه . وكذا في الخيلامية كتاب الصلوة الفعيل الثاني عشرفي رقة القارى ١٩ ١٠١ اطبع حكيبه رشيديه . وكذا في رد السحار كتاب الصلوة مطلب مسائل رقة القارى ١٩ / ١٣٠٠ طبع ابح برايم سعيد . (۴) بيندگش خدينيچ په مخارفيا لي قارق پاهمام حد و فارگرونگري چې پ ۱۳ کارا په تخت ک. خوهمش دو افرات از کارفرون و استفاقه حيد کې نمازخ ده دوکې الان ابيدا پيدهم کار نورت ته دري اپيد چک ی دام تودک کوالام دوزت مری سه ۲۰۰

(۳) المعترف عام برطوف المداكنة هو في ناد أيد بود في عرب المعرف المراق ا

 ويسكر والى يكسن الأصاح فاست ويكر والمراحل أن عسوا خلعه تنظر حاية كتاب الصوف الرحية المواحد من أحل الإضافة 1/1/10 فتح مكت إيارة طفر أن وقسوم الإسلاب وكتامي والسجار كتاب المبلوة الما الإضافة 1/1/10 الإضافة 1/1/10 الإضافة 1/1/10 الإضافة 1/1/10 المحكمة مكتب إلى محكمة الإشافة 1/1/10 المحكمة المحكمة المحكمة الإشافة الإشافة الإشافة الإشافة المحكمة ا

(4) وهي مدون الاستدامة على أن تكون الدوائقوم في الصلوة الصليم في العدد ودورج والمنورة والذاء و الكتاب العدودة في هو أحق الإلاماء وأن التحقيم مكتب الدرة المركن والمنود الإسلامية والدالحديد . والكتافي الفن المدود الكتاب العدودة بالمامة والالادة طبع لها المدال عليها.

الوكما في النهر العالل كذاب حسوة المنافؤة منا أثم والافتاع صراد قسم العصبة بيرود مندال

 ها ۱۹ معالی علی کمل اندری دی جدت من برایج دید. کیانت اعتباره را دد. این در تاه ۱۹۹۱ ما در در اندری دار ۱۹۹۶ میلی در دید.

والقياقي المجر فرائق كفات المسترة باب المشوة فجمعه فألدات فللع رشهانه الوقفة

اع کا دار متدوی تمهم بیده کرد را در برای فرانده داد ساهمی ممتر هم این الجماع حدد افزاه بی د کنده عموم. استان به بیجمل د

 ولا تعليم أدار المحملة بهما كناب الصورة وأما ترائط الحبية بنائج الصائح الدائمة ميج بأنت وشيدية كولته ، وكنا في الحراقية فإن مقدل مده محمل في تقري لصلاً عن رومها أندات الصارة بادرة الحملة الرائحة فالع بكنار إشارة الإلاد.

وأكدافي أنسي أتسر أكدات الصيرديات لجمعه بالإدراشع بمعدي كتب جالة

ه) اعلى باللي العدي والتربي المدينة الدريان 7 فاصيلي التداعلية والدينة الميكن المرد المسلم الطاعة فلم الحداد أو كوم 17 يؤمر مدين إذ قال الدر المعطية فلا تدامج ولا طاعة الدرا اطاعة (10 م من 10 م من الرابي بالدوم الديار الدراك في السنيخ البحاري التنات اليهاد عامد السماع والعادة (10 10 ميم المرابع) الكتاب عالم الكراجي، أو العالمي المرا المحتر التناب المجاد دميا الماد في 70 عميز اليهاد بم المحب

 على حالي رضى الله عنه أنه قال 2 حدمة و النشرين والأنى مصر حدم بدر حدم حوار الحدمة عن النشرى (دائر الدست الله ٣ على قال الشائر الكاد بن حديد قادة بالباعث الجدمة ١٩٤٩ / ٢ عنوا مكيم عضيه

المامت معدوري كى يناير سبدوش بوت ك بعد كا مايقدام كى چيز كامطاب كرسكا ب

र्ग 🗸 🏂

آ یا قربات میں ما وہ میں ان مراکن کے بارے ای*ل ک*:

(1) زیوم بحد کی او معط سے بیاری بیز سے وقیر و کی وہ سے معذور قبار الماست کے قابل نہ قبار شود اجازے و کی او معقر رکز واب از معقر رکز مرائی اورا سال کی زمین ڈائی کائی ہے ، بال بچردارشن معرف میں جوئی ہیں رائی مورث میں معجد فاصد بارد فریش جوگ بجد سے شیم رکو رکی ہو ہما ام مجد کے مام مقرر بوئی ہے کی ممثل ہے ہے ہے کہ و موالا و مراہ و بود بکدا است و بعد و بماست کرائے ہے و ما بچوا و ہے ور جومقر رکز دوائی جمیمی شام تیں اوا کرتے تھی بہت ہے تقروش ہے۔ اس عود سے بس ہو بھی کسا الام معجد کا آتے ہے اور درے شرح ہوت اول نام برحال ہے بیانا ہو ترب کونا کہ مشتر ہے۔

(۲) زیدتارک بل عت ہے اور تی ڈھٹٹا ہا کھیٹ ہے جماعت پڑھٹا وہا۔ اوس میں طرق گفٹ کوئی نمیس پھر مجل ہورک ہے ۔ اپنے آ وہی کے پیچھے آباز جو بائی ہے جب کیا اوس مقرر کرو وہ موادہ نہ وہ امام کے ساتھ اخلاف یا وقتی رکھٹا ہور پیام کو اگر وہ ایام کا طلیفہ ہو آتا ہے یا کھرا جازت اوم کے جمد میں۔ امامت کی اسکنا ہے۔

(۳) زید کے قبل از پر ڈاھوں داگ رنگ میں زعر گی ایس آخری بیا است کے قائن ہوگئا۔ ہے ۔ قرآن ٹر برد ۔ کے ساتھ قبل نے عنز ساتر بھاجا تاہے ۔ کی حدثی فوقش پکا کر قرار کرے یا جسر پڑھا ک جب کراس کولم نے ہوگی میں قرآن کے موافق سندگر دیا جو ب کا انداز کی بیاجا کہ ہے۔

'' '') نے یو ایا مرحفر دیا و چاہ سب کی رضا مندل ۔ ''یا ب اُلر کو فی گفت مقرد کر دواہ م ہندآ ''کرا خلّہ ف کرے درز تمام رکھے تا کہا کہ نے بھم کی اور میت دو میت ہے۔

(۵) آمام سجد سخر رکیار تمام لوگ خدمت مال آنوں کرتے جو سخر دکی تھی ۔ یکھ کرتے ہیں کیا تھے ہیں گیا تھے ہیں۔ کی اجہ سے ان کو فائم کے قم کیوں کیوں ایسے بھٹر رکوروفق خدمت اوا کر وہی صورت ہیں اس سوال سے قرار میں چکو خلل آج ہے۔ اگر عشریا زکو ڈافران فقیری کی وجہ سے نے ڈاکو کی فرق ڈکیوں ہے مال ورد ورمت ہے۔

(1) امام سجد او مت کے ساتھ کوئی کیپ کوسکا ہے۔ ایک مقد کی ضد کرتا ہے۔ انہو کر کے تماز پڑھواتا ہے ۔ امام اس پر رہنی ٹیس را ایا مقتری کی فعاز درستا ہے ۔ اگر انام خوالانان پڑھے ۔ خوالائی تمبیر کہ و سے رخودی جا منٹ کرائے کیا گوئی طرق تعمل یا فرائی ہے یا کرازت سے اماس کے لئے ۔ (ے) زید وائن ہزیدگرکیں جا تائیس ۔ مجدعی صف جی آ کرمانا سے بھٹ اس خیالی پرکوائی طرت مسئلہ ہے کہا وائن گوئی بڑھے کیمپرکوئی پڑھے۔

ع ع ج

(1) ممیرکا نظر یا معید کی زشن مجد کے لیے 11 تے بیں۔ اگر مابقہ بوز حال من کی الحال امامت نیس کری و بلک امام و مرامقرر ہے تو دواہنا مابقہ انامت کرنے کی بنا دیسجد سے فلڈ یا اس مجد سے انام کے لیے سرکا دی زشن سے بیٹے کا حقد ارتبی اس کے لیے جا مزجیس تعدد ما اس صورت بی جب کہ اس کا اینامال جی اسے کفایت کرتا ہے المکامر وہ مرامقرر کردواہام جب کرتی الحالی والا مت کرتا ہے اور تیز ووالا جا رادد مجبور ہے مہمجد کے فٹر اوراس زمین کی آئے گی ہے کچھ لے ایدوامرامام کینے کا حقد اور ہے۔ اس سے سکتا ہے وہ ک

(ع) تارک جماعت کان ہے (۲) کان کی امامت تحروہ ہے (۲) دواہام مقرر کیں کیا جاسکا

 اولو شرط الواذف في شرفف الصرف إلى إمام المستجد وبين فدره بصرف رئيه إن كان فقيراً وإن كان فيماً لا يعمل كتاب طوقت فلمصل الغالي في شوقف مانسكيريه ١٦٢/٢ فليم بالرجستان بكذير. وكذا في خلاصة الفناوي كتاب الوقف جسم احر ١٩١/١ عطيع منه رشيديه كوات.

وكذا في الهندية كتاب الوقف الناب الثالث القصل التابي ٢١ ١٧١ طبع بلوجستان بكثير.

إن أراد أن ينصرف شيئا من ذالك إلى إمام المسجد ... فايس له إلا ادا كان الوقف شرط دائلًا في
الوقف كتاب الونف الفصل الثاني في الوقف حالمكيرية ٢/ ٤٦٣ طبع بلوجستان بكاتير.

وكنها في مملاحة العناوي وكدا الرنف على المعهد والموندين «مام المستجد إذا أحدًا لفاة ودهب قبل منفي السنة لا يسترد منه غلة بعض السنة والمرة لوقت الحصاد فان كان الامام وفت الحصاد يرم في المستجد يستجي كات الوقف جنس آخر 4/ 17 كا غيم مكتبه والهدية كركه.

- ٣) المجدمات مساة موكنة لا يعور لاحد التاخير عنها ولا يعذر الاتار خانيه اكتاب الصابرة الفصل الثاس هي البحث على المجماعة ١٠/ ٣٧ تطبع البارة الفرائل ووكدا في حاشية الطحطاوي علي مراقي الفلاح كتاب المصلوبة باب الاسمة ١٠/١٥ ٣٤٠٣٤ عليم فارائكاب لعليه كتب عائده وكذا في البناية شرح فدايه . كتاب الصلوة باب الاستمة ١٠/١٥ ٣٤٠٣٤ فيم فارائكاب لعليبة.
- ٤) ويمكره نزيها(إمامة عند) وفاسق در محتفر كتاب الصفوة الب الإمامة ١١/ ٥٠٥ طبع الجو- البد مسجد ومثاله من الخلاصة كتاب الصفوة التعمل الحامل عشر عن الإمامة والإفتاء ١٩٩١ طبع مكتبه رشيديه كولته، ومثله في البناية شرح هذاية كتاب الصفوة بناب الامامة ٣٣٣٥٣٣٤٢٢ طبع دار الكتب الطبية.

ے آگا۔ جب کر اور معتقر بھی جائی تاریخ کی تعدید و تاریختی و ان تاریختی و خوانش ہی وجب سے میں ان بیٹیجے ان زائد ان مقدیدہ و توجہ ان ان آگا میاج میں وروب الرائد اندوز معتقر اندون سے اور انداس ان اور ایک سے انسان کے اس کی آئید میں میں مدر سے سے بی ورائش انتقل

- ان وسائدره أن يكون الامارهائية والجراد مو حال أن يقيله اجامه والماء حالية كتاب الصنوة المائه من هوا حتى الإحداثة ۳۱۹ الا فينح إذا والمدال والصوف الإسلامية وكتا في إذا للمحتر كتاب الصنوة المائه الإحداث 11 و 200 فينح الجال محداً وأنه في الحراع في أناب الصنوة المائد المحدد المائه الأحدد 111 مطبع فيكيه وشيفية كوئفة
- ٣) والد أو فياما وهم به أناء فول وإلى دكر هذه بسياد بها أو إذا بها أحل الإمامة عنه كراو به دمك حد بعد در المحافظ ا
- ٣ و عدم أن إصاحب مستاي منه إمنه المسحد براسيا على بالأعدم من ميره مصفة وإمحنا أخبار. العبدو فيات الأصامة ١ (٩ ٥ ٥) يبيء سول معيد و كناهي النحر الرائل أكتاب الصنوة باب الأحامة ١٩٠٠ ضع مكتبه وشيمايه كوكته و كناهي الهندية كتاب الصنوة الناب الخامس في الأمامة العصر الثاني ١ (١٩٨ طبع مكتبه وشيماية كوكته.
- 2) وإلى المعتباء النمن فالبدونامي و فقيل صائحاتم افتدن من يا فقديت ٢٥، و في عند الله بن حصفود و في البقاء هيئة قبل قبل البدل المه فقيل الله عنيه وسند الثانية في النبيب النمي لا فالبدلة مشكوة المعتملاتين بناب النبوءة و لاستعمل في ٢٠٠ ضع فديني كتب جاءة و كما في ابن ماحه بالبدلاكر الثوية في ٣٣٣ شع يوجيد ويوب صفيد.
- ۵) والاحق بالاسامة الأصب باستكنام المنفرة فقط صحة وقبيات بثير مداحشاته للمواحش الطافرة أنو الاحسد علاوة القراء فادائد الاور والدير الديالاحسن حلقاً الديالاحكان المحتزر ۱۹۷۱،۵۵۲ فقع يعجد الديار منطيع والديا في عدائم المسالم كتاب المناوة وأما ينان من هو أحق بالامامة ۱۳۹۱ مسح صحح منظمة والديارية الوابدة والابد في النهر المائن الذياب السيامة بابد الإمامة ۱۳۹۱،۵۳۰ مسح دار الكتاب الصنية.
- إلى أمني يجمد خيم كل الاحتهاد في حقدها نصح به انصف الدفي الدائم الواجب وإلا فهواك كدامه الصفوة بنجم البراليق بنام الامامة (1814 صع مكت الشيام اكتاب و كدا في جمي كبيره كتاب الصدرة من بصفح إماما نصر دوم لا يصبح (أكامة طبح إدارة القال إدارة القالم الاسلامية

• بالادت

ا آغ ٹل آلیا ہے اعلیہ وجد بہتے ہو یہ اللہ سربُرا کے موقع والی دمن یہ کا غیب یافتے تھیکی کے کی مدنی یہ تیس ارت معامر ہوئی مولاً مرتا ہو جا سے تھی کے سے اعلی ایکم رکز الشہار کا کرکھیں گا

(الله) ہے افرانس کے لیے باروڈی کا جم کا ناش باقتی ہے ، ایرا محفی شانا اواسٹ کیس کر مقالہ سنتقل اور فیس کیا ما شنا اس کے

(۵) انام این صورت شن ایندامش کرده آن کا مطابی کردگان به (۱۳۰ برز کرده صاحب که اب نیم افتی به عمران به زگون هشر العراز وقیه واقی ایز کمان به (۱۳۰ انو عدمت کردهش کرده و درص این به ادامه برز که برز شرد که می کرد سه این آنی به

(۱۳) اوم باز قبید مامن کندمانند و او نداری گردهگا ہے واد بیاکد معاملہ دوکا نداری جسم میاہ و طروعات سے پائنا ندار نیز دی میں تعقیل موسلہ کی میاسند نداند مت سیادت نام ۲۱ بولہ میامالیاں آوا میان ماکونو ماری (۱۷)

القصيص المكروم أن بحد تهيم بمنافرس فرأسان معروف أو مطهو بدولا شعط به أو يربد ومعص بعني
 في أشياد الدر دسخدار كالمدار المنشر به إدا عنافصل في السيخ ١٩٠١ هـ بلطيخ بهيد بهو مسجود
 أشدا في الدمر الرئيل أنتاب المداروسات الإمامة ١٩٠١ هـ طبح سكتم رضيفية كوف.

 ٣) منظرة أن سنكور الأدراء وسنقاً وكرو للرحال أن مبيرة منقة ذير أبانية كتاب تصنوه من هو أحق الملاحدة (١٠٤٥ ما طبع إدارة الدوران والمسلوم الاستلامة وكدا عن ر بالمنحدار ، كدم العسلوم مات الإدامة ١٠٥٥ مدد منجر الدراسيد.

وكذا في اللحو الرعي كناب الصلوة بدر الإطاعة بالدادة فسع دكته وضيعيه كونته.

٣٣ ينفتني نيبوم بنعد حديدات عدد و المرآن والمعدوالات مدوالأهان كديد الحظرو الاحرة باب الاحارة العمارة المداعة الأواد المرافة المداعة الأواد المداعة الإحارة المداعة المداع

واكتفاعي السان عراج مهداله الفتات الاحمام فعات اداحه والمفاصدة (۱۹۱۰) والفقاعي العراسيخطر أن المجهر في المراكبان والعطو وأما حميل المعدل صحيرفه الالفتائم هو فقر وهواس له أهاي غي النخ الكتاب الراكاة بالمهالا معرف ٣٩٩١٩ طرع النج، النج، المعيد، واكتنافي البحر الرائل كمات الراكاة عام المعمرات ٢١٩ مام مكانده وخيديه كهانه

ع إن النساء المستدفات والفقراء الأية عن المائية والمدار الإسروان الم

، والدهاهي لدر الدهاما أي دهر في الركاة والفقع وأما حسن المعدل فسطرت كالمناف هو اقبر وعو أمل فيه أدبي شرع فاح اكتبات في كاناه عند المعنوف ٢٣٣٦٦ على الجنابهم، سعيد وكدا في الدور الترافق كتاب فرافاة باب المعير فيه الأقاع طبر مكتبه وفيهمة كرفهه.

 د) وهن حيد الدرسي الله منه قال في رسول الله صبى الله عبيه وسلم حيث كسب العمال م يعمة بعد الدر مهدة رواد مهيندي على صفاح الإيمال مشاكرة المصابح بالمالكنت وطلب الحلال العصل إداال في 127 شع قديمي كتب حاله (ب) کسی مشتری کے لیے امام کواپیجا تائی ہوتا ہو گزشیں ششال تعطی پر ہے اسے وہ موکو سپنے ہوگ رہ کو جا در گزش نے ایک کے بیٹول کرا ان اور و سے اور امامت دور اگر سے بدوی کی تھی باطل ہے و سکر مسلا ہے ہے کہ جو دواں ورز ہے اور میں ای کا فتل ہے اللمؤوں کے دول کے بقیر اور کوئی ٹر اپ کی خاطرا قامت کردہ ہوتا کی آتا ہے کہ گؤٹی ہے اتا ہے کی جاتے ہوئے ورز دور شریا جو نہیں مصل کی ہے گئے اور میں موقوں کا فتل موں جھٹا اور باعث ڈولپ جھٹا کی فیش جسیف اس کے کہ ایک فیش دواں وا قامت سکھا اس کے کہ فی انتہ وارد سے اس دار ایک کی تیس جسیف اس کے کہ ایک فیش دواں وا قامت سکھا اس کے کہا

جس شخص میں فسق و فجوروا ہے تھا کھی ہوں اس کی امامت کا حکم ﴿ مِن ﴾

حال اوبالان ان يقيم فقال له التي صلى الله علم وسم أن اخار صدار مو الدن ومن أدن مهو بغير فال سنقيض أل عمل وحاله . ومثله فن سنقيض كتاب العمل و حداله . ومثله فن المهنية والانصال العمل وحداله . ومثله فن المهنية والانصال أن يكون شهو في مو المغير كذا في الكابي كتاب المعلود باب الثان 2011 خم مكتب ميكون شهو في الموفق و المنابع على الموفق إدا كتاب عمل الموفق إدا الكتاب عن الدوفق إدا الكتاب عن الدوفق على الدوفق على الدوفق على الدوفق على المنابعة .

آن وإن أدن رحمل وأقام رحل أحم إن عامد الأون جار من حمر كراهة وإن كان حاضرةً والحقة الرحمة الرحمة الرحمة عليه المراس به لا يكره عندما كتاب الصلوة مام الإدان ، وع آخر الرائاحات الرحمة عليه والدون الموان أن وقاملها الإسكام، وأبيا من رد المبحث الكتاب الصلوة مام الإذان مطلب في المساور أدا كان عمر محاسب في أدامة الإدارة ١ (١٥٠٥ طبع مجار إن ما مراس وأدارة في الإدارة الإدارة المحاسم جدن.

يخ ۾ اُ

مُ كُمِّلُ في جوه العالم ما يواثن واقتي برانا أس ما هوه اين قامواولل والعرب الله الرائع الماست المساوري البوارات الاسلام في العالم العظم مواقعتها الفاصل حراة الله أن فالطاع الله وعالمي علمها

كالنفيض بالمكارات كالكر

و ل ۱

ي في ما تقامين ما دوي ما يورمها كالكيد كان الاستان بي الدام براي و جوال البركر عن الدارات الدام المراجعة المسا في ما مستاج المستان

و ل

رين النجي النجي ويروف في مند الراحب المساحث المستحدد ويراد م منهاك الرنظل في مندة برداب و مورة النعو مند مند بين الراء عاكم الن النجائي المرافق الراس كالراء الرومة بالأكبيد واليواة الن ما ويجهي المرا ومرجع وه في المستحدد والمند مند منع معرود والرواة العالمة في الدائمة

- د و معه المصاحبين فيضاء عليه والدرجة تمديمه بأنه لا ويدي لافرود ويأتي من تعديده الزاد ماة تماييده و و . - وحمد الطهيم وقالمه غير طأ و والممحمال كنتاب الصاحوة الله الافاقة 20 و 20 طابع وجها الرب المداه . - واقتدا في الفرية غير ح الهشارة لكناب الصابوة بالله الافاقة (20 مراكة) بالمواقع برواك الدراء المراكز الرام والافاقا الدراء المركز المركز المركز و المركز ا
- ة) ومديم وبأن في المدينة الاصامة بعمينية ومدوجات عليهم إقامته الدرام المسامور 1950 الصلوف المساور 1950. - الاصامة 1917 مسلح البلجاء السورة السلوباء أو وداء في حالت ما معيد طروق 1950 الصلوب والدرام الاسرواء المساورة - في 1717 مسلح دار الكفياء المسارة الرواة الدار
 - وهقه في خلس كالمر شرائط أصلوذ الاولى بالراء الإمامة من ١٠٣ دمذع صفادي عبد حياله
- اً في المستاد ومن الدين وما حداث المن والعدال ملاحق الاصواء المعتب ويتعارف فويه بالدياط الموافق الدينات المراد المنتساخ الملاحق المفضية والحدوش عداء فسان أكتاب المحجر والتا الحدرة المحافز المارة 194 ما ويجد الهاب المستداع المنافية بالكف التي الحرام في كتاب المكرمة وعمل في الذكر والتي الماكرة المجتمع والكيم والتيارة المارة الواحد
 - على واللي العلمي من أمنا وأعل والمولي مناجعًا لقوافق في الرياد طبيات الإيلام. العالم المات
- ا و على عدد الله عن مستودر من الله الدولة فان الهارية وي الله صلى الله عليه وسالراته الله من الديات. الدولت والدول الدولة كولد المعدلين بالدولة والاستعمار عن الدولة في الدولة عدد عن الدولة. الدولة في إذر لذا فه الدولة الدولة في 77 عليم الجهاديم والسفيد.
- ه إمان هيشي في شرح تعليم على أن كراها بقديمه كركماً بعراب شامي كيام بالسيومات الإدارة المرادة. الطبع المنع المنها المستمد والشفية في على كلير كتاب الصيرة بالرائع مع في 2017 ويع موراي كان . العالم ويتلف في علقيم الطبعة وفي كان يتمالون الماريان على الارائع ويرادي كان المرادي الكراد الماري

لبودلعب میں مشغول رہنے وسلے کی امامت کا تھم ایس سر

4(U)€

کیا فریا تے میں ملہ وین اس سنل میں کرائید اور سمید کی دائی بالکل کی ہوئی ہو۔ ایسے معلیم ہوتا کرصافہ چرا ہوا ہے اور گانے ہجانے میں مست ہو ۔ کمی مگل خود سمید میں چنو پروٹی آ دلی گٹ کر کے سرزوں کے ساتھ آ وارد گانے جا صب کرتا ہے ۔ قرآن وصدیت سے ادشا دقریادیں کہا اس تم کی حرکات والے آدی کے چینے نماذ جائز ہے کمیس اور گذفیہ میں اس کئے یا کسی باتھ کا کھیل ہو۔

46¢

ذا زهی منزے اور کانا بھانا ہنے والے فض کی امامت کرد و تحریک ہے۔ اگر ان افعال ہرے قربہ تا تب نہ ہوتا ، وقو اس کوامامت سے معز ول کرنا جا ہے کوکٹ پیٹنی فاحق ہے اور فاحق کی امامت ، تعریخ جیج فتیا ، کمر دو تحریکی ہے (17 _ فظا واحد قال اہلم

- ترودم والطبيف أخرف ميمين مفتى عدر سرج عمرا علوم المثال . * والتي المال ١٩٣٥ ق

قوالی اور **کانے س**ننے وانے کی اماست کا تحکم

#₩

۱) جال مشبی فنی شیرح السنیهٔ بدنی آن گراههٔ تقدیمه کراههٔ تحریم شامی کتاب السلوة باب الاحامة ۱۰/۱۱ هیلیم انچر ایم با مستد

و شلب في حلبي كبير أكتاب الصلوة بات الأمامة ص:١٣٠ « طبع مجددي كتب خانه ومثله في حالية الطحطاوي كتاب الصلوة باب الإمامة ص: ٢٠٠ طبع تُديمي كتب خانه.

erio €

صدوقات خداری نیآور دیوار سیدافیتان هرام باشتی می ^{در ا} دیواند کواند افعال و مرحم به ایران افعال سیداد داما هایت کنندهٔ مل کهمی دامل شهروش مال زم است که است این مست به این ⁽¹⁹ که فواد این انجم) این از از در در میشتی در روم انجمه می ایران افواد این مهاند نشاند و انتش در در ایران است باید

> نیل دیوشن و کیضوای کی او مت کانگم و کس ه

آنیا کرد منگ جیں مارے واری در این مساک آیک الانام میں موکن قارتی ما در وہ مرکمی ہے والی کے خا میں ایکی ویٹان ہے اس برد فرام والی آنے ہے والا کی مشین ہے جو تی در کیک دوات ہے تو کیا ویشدا وال و المام ہے درم جانب کے درامات شد کیے کر شربہ کا کام برد آنے مالاز کی ہے۔

الإسلامان والرحي ولذه المنتاجين إلا كين حرف المواقعة هو الناص ودعا في جيء النام الرائحي الال وكي الدائم وقر أن البياء والمائمين إلى والعالم الاحسة وسيها واللي دوي دلك كعاليفها والعلمي السيم عارات وصحيمة الوحول لها يسجد وحد الع^{ارات ا}لياد والقرائل من ولها يجود على السرحل فضع لحيفة أشراكن مورث الفرائل والمائمين والأكل بالركان عادت الحل إلى تاكن

- ۱۹ انست ولي الدواره المتداع عدول الدلائي الصرائد فصف و يجود حرام غوله عند بطوق والداحم منسل ع الدلاعي العمية والحدول عليها منس دو مجال كتاب الحضر والإناجة ١٩ ١٥ اعتم الرج. و يرال عام درواد في من المحر طرائق الثنات الكراهاء فعرل في الاكثر والشراف عرام ١٩٥ فرق مكاه را تبارية الدوشاء والدها في خلاصة العناوي الثارة الكراهية المعمل الثالث فيما يتمق المعامل عادة ٢٥ محر مكانه و شيفاء الوائد.
- والمنا فيستنسري مقدم عطوا كرافه تقديمه بأن لا يهتم لأمر ديد وبأن في تقديمه بلامهما تحطيمه وقد والمن عينهم إلاويه شرافا والاستخدار كتاب الشياء بأن الإمامة (1000) منع تهجل يهال معياد والإمام من حاصة فيستخطوي كتاب السيود باب الإمامة من (1007) وقطع به الأشد المقطعة
- المورث قبيل ومثله في طلق كبر شرائط الصيونالاولي بالإمانية من ١٣٠ ميديو أكب سند. ٣) وأما الأحد مها وهي دون دائل كما يعطه عصر المدراية ومحنة الرحال فمو يجه أحد سامي كتاب السوء مطلق في الأحدم البحية ٢٠٨١ شخ مجهد إنهاء سعيد
- وكاذا في البحر الرائع أكتاب تصوم بلاء ما بعدة العدم وأما لا تقدمه 1975 طبع مكتبه والشدية كريمه والقا في فيح الدمر أكتاب تصوم بالداما وجب الفصاد والكندوة ٢٠٠/٢ فقيم مكتبه والنبدة كديمة
 - 10 يعز م على الرحل فقع لحيته در محمر مع راد المحمر ۱۸۱۸ تا شع البجد البرساميد. - ارايطه في لمار المحمد كتاب لعوم بالبراء المساد معروم ۱۸۰۰ يستد ۱۸۱۸ منز البراء البراء البراء المامية

برقتم کی تساوراد ، کیش موفاعل سے اوراس کی ایاست جائز گئی تمازیوں پر ارزم سے کدائی کو نامت سے الجسا اگر میں آئی از مصحید کی رہ ہے ہائیڈن کی اوراس سے رسال میں اندمائیا و مع کامم تقدم سے مقام نے رکی گئی متلی ویزداری لم پاکمل کو ایام تقر اگریں ۔ و محمو احد تسفید بست العالمان محر احد نسجر ہوا ^{اعلی} فقط اللہ تمالی الحم

الرواية (مارية) المارية (مارية) المرادي (مارية) المرية (مارية) المرية (مارية)

سبوتر باز توامیال هطیرو لے کی ایاست کا تعلم

ल ∟िय

کیا فر رہتے میں ملا اگرہ مرال منڈی کرائیگھی دارجی منڈ ونتا ہے، در کیوٹر بازیجی ہے کولیاں۔ وغیر وکلی گھیلا ہے کیا اس نے چھپیٹراز رو جاتی ہے اور بیادا منٹ کے اوکن ہے۔

ه څ ه

یسم ایڈ افرطن اور جیم اواز جمی منڈ والبیڈ اوا کا فائل سے قام کا درمائن کی اوام سے کروہ تی ہے ⁽¹⁰⁾ البقد البیشن اور منٹ کے اوائن تیس (¹⁰⁾ل قتط والنہ تعالیٰ اعلم ور جمران وزیرانش اور اس شن اور اور سالان الان

ا الإلى مي من من الأوان. 110 أبد 1949 في الأوان.

و۱) وقد وحديد عليهم إهانته ضرعاً ردالهجنار كناب قصلية باب الامامة ١٥٠٠ عليم الهجا ايم مستد. وكنذا في مراتبة الضعفاوي كناب السلوة باب الامامة ٢٠٠٢-٢ عليم دارالكنب العليمة بروت سنال ومليه في مليم كبر شرائط الصلوم الاولى بالامامة ص١٤٠ مديمة في ٢٠٠ بـ عامة

 ع) شامی کنید بالصبوقیات الامامه (۱/۱۵ شع ایج. اید مدید وستردی جنی کنیز کتاب الصبارد) در الادامة عن ۱۱۲ شع سعیدی کنید جاید.

وَمَنْهُ مِنْ مَا شَبِّهِ الطَعَطُووَى كَتَابُ الصِيوةِ بَانِهِ الأَنْهُمَةِ فِي رَبُّ * ٣ فَطَعَ فَديمي كبت حالة

٣/ ونظ بحرم على الرجل قطع الحيد ود المحدر كدب الحصر والاماحة فضل في الميح ١٠/١٧ هج طعع الهجم الهجال محيد، ومثلثه في وهالمحمار وأما الاختصها وهي فون والك كما يحله بعض الدام شومحانة الرجال فقم بهجه أحد كناب الصوم باب ما بعدا هومالا يصدقه الأهارة طع أبج البدر معيد.

وع وأكر العَدَّ بَدَّارِيهُ كَامِرِيهِ شَامِي كَتَابُ بُنْصِلُوهُ بَابِ الأَمَامُةُ ﴿ أَنَّ وَالْعَبِّمِ أَنْعِ النَّمِ النَّعِيدُ ومتد في حسى الجير كتاب الصلوفات الأمامة في ١٦٢ فقيع مجيدت كتب حالا. ومتد في حالت الطحطاوي كتاب الصنوفيات الأمامة من ٢٠٦٠ طبع قديم كتب خاله.

ة) . وَجَانَ فَيَ مَلَا يَمِهُ الْأَمَامُ تَعَظِيمَهُ وَقَدَّ وَحَلَّا عَلَيْهِمُ إِمَانَهُ شَرَّ مَا أَرَّهُ المَحْتِر كِتَابَ الصلوة باب الأمامة: ١٠ أن * «طبع أيجِل إن معيد.

ومثراء في حَالدَيْة الطعمارين كتاب الصنوة باب الأمامة ص ١٠٣٠٣٠٣ هيم دار الكتب العنسة مروب. ابدال ومثله في طلبي كلير شرائط الصنوة الاولى بالإسامة من ١٠٠ فاضع معددي كنب حال والماسك المستعدد

ئادر مت حيال چين دايل کي امامت کا حکمه مفرس به

آیا قرمائے تین خانے وین اس سندی کر ہوا ہی سمجر میں ایک امام ہے۔ نازیہا اور کا گفتہ ہوتو کا سے ہم ہوری کے سے ہم سے ہم ہوچکا ہے۔ گاؤں میں اوار وئی والدورفت سے پھوال مطنون میں رکاول کے ہیں۔ بنادی موجود کو اس کے اور اوروف والدورفت سے پھوال مطنون میں رکاول کے نادی ایس کی اور اوروف والدورفت سے بھوال مطنون میں اوروف کے بعد اور بدائیوں کے اور پھوالا میا اس کے بھیے کھوا کر نے جماعت کرا ویٹا ہے۔ اور پھوالا کا کے بھیے کھوا کرنے جماعت کرا ویٹا ہے ۔ اللا تھے بھیے کھوا کرنے جماعت کرا ویٹا ہے ۔ اللا تھے بھی کھوا کرنے جماعت کی بر باوی ان کر ویٹا اوروپ کے اور اور باری اور اور بھوالوں کے این اور تو بھی کی بر باوی ان کر ویٹا ہے۔ اس اوروپ کی بر باوی ان کر ویٹا ہے کہ اوروپ کی بر باوی ان کر ویٹا ہے کہ اوروپ کی ایسان کے بھولے کا ندآ ہے کہ تھے براہ والدی کے بھی کی بر باوی ان کر ویٹا ہے کہ تا ہوئی اوروپ کی ایسان کی بر باوی ان کر ویٹا ہے کہ تا ہوئی کر اوروپ کی ایسان کی براہ ویٹا ہے کہ تا ہوئی کر اوروپ کی در اوروپ کی ایسان کر اوروپ کی کر اوروپ کی کر اوروپ کی کر اوروپ کی کر اوروپ کر اوروپ کر اوروپ کر اوروپ کی کر اوروپ کر ا

#【难

اگر واقعی امام عی ایکن در با اورنا کنند به مرکات بین بوکرشد او امرام اورکیت و کناه دول اوران سندنا کب شربوتو اینے امام کے بینچی ویرفش نماز کرووتی کی سے ^(۱) متشریل پر بالا تخافی ایندا امام و بنانا گرد از ایم سند فقید عسلسوا کو اها تقدیمه بانه لابهت الا مودینه و بان فی تقدیمه للامامة تنصطیمهٔ وقد و حب علیهم تعانده شرعا الی آن قال فهو کا المبتدع تکوه امامته مکل حال بسل مشسی لمی شوح المستبة علی ان کواهة تقدیمه کواهة تنصوبه المنی شوانی تاکری گردگرایدا امامته الکار ایامت (بیمکر از ت اگرامت کی قبل سند) تیمن ریکر این بیشش و بدائدی تخافی تاکری کردین سرد اشارک

إلى مثل مثلي هي شيرح المية على أو كرافة نقديم كراها تحريم، شامي كتاب العبلوة باب الإمان
 الراء 1 مثليم الجرائيد سعيد.

وطله في حلمي كير كتاب الصلود باب الإمامة س: ١٣ ه طبع معيدي كب حاله. وطله في حاشية الطحطاوي كتاب الصلوة باب الإمامة هي: ٢٠١ طبع قاديمي كتب خاله.

٣) القامي كتاب الصلوة باحد الإمامة ١٠/١٥ طبع البير. المار اسعيد كوابيل

ومثله في خلبي كبير كتاب المشؤة باب الإمامة من: ٩٢٢ ه طبع سعيدي كتب خانه. -

ومثله في خاشية الطحطاوي كتاب الصلوة مات الإمامة في ١٦٠١ ضع قديمي كتب حاله.

عوالت كم المام . ين النشاش لاجاء الدكاء الع⁽¹⁾. أكراه بالبواسجة في كالني جاهلاتي الوقعي الوقعي العبارات أنسبة قوال من سعما وأطاقعتن كريرة كهة عيد جوجات ⁽¹ الفقة والعدقول بعم

الدوزارا بسيفتيء سرقاهم العلوم المكان

حقة أوتني ، مجلولي وازهي اور مُلازقر أن بيرُ حينه والمنيني الماست كأحَام

9. J 4:

کیا فرمائے بین مورون کی است بھی ایک موقی صاحب بین کا از مہمجد : و رفطیب بھی ووائی میں مندرج نوبی نا کی مورون کی است کے بھی نہ کور بھو ہب تھی مارٹ سے بھی الاست کے قابل ہے یا تھی اس کے بھیجے فاز موقع کی جیا تھی، واز تھی فراج اگل ہے باک اس سے بھی تھے ہے اور است قرآن ایس متعد و ملطیاں اتن کو در ست کرنے سے انکار کی ہے۔ فواو ویٹی یا دایا ہی بہت ہوائی میں شہو اور نہ تی از انا اس کا شہوہ ہے مقد ان گاتا ہی کے ایک وفعہ ماہ بھی مسلمانان اور کی کی جگہ درووش ہے۔ بوق اور فیرے سے ماوہ از بی اندروب مرصوف بھی شاق ہے ۔ اس بھی جس سے مودی سام کے والیہ آ والی کے بھی کرموہ می صاحب آ ہے اور م معربہ جیں۔ و در می دکھ لینے قرام بھی کا کرمہ نی واز کی سنے والی تبول ور ورسے والدو ہے تی کرمود میں سامب کے علی بیا واز بندائی والی کوری واز کی سنے والی تبل ہوال ور ورسے والدو تی کرمود کی اس مرسی کے در میں سامب کے علی بیا واز بندائی واز کی میں واز کی سنے والی کیس ہے دیران اس مرشی کی و در میں ہے ۔ بیادا

و في درع الراكز العاد فدرسه و به لا يهدو لا مو دينه و بار في تقليمه للامامة فعظيمه و بدو و حرب طبهم
و اساسته شرعاً ولي أن قبال هيم أفادينه و حكوه اداماه وكل حال بن مشي مي شرح السيم علي أن
الاراحة لعاديمه كورمة كمو بها الحج شري أكتاب المبلوة على الإهامة و الرائز على طبح الحجاز بهذا سعيد
و دلاله في حالي كامان الصلوء باب إلامامة في ١٠٠ فاضع سعيدي أكتب حامة.

وهذله مي اهائية الطحطاوي كتاب الصيوة باب الإمامة مي: ٢٠٢ طبع قديمي كتب خامه

٣) قبال أصبيع المعمار على أو من حرف عن مكاتبة أحد ومبك ما يعتب عليه دينه أو يتحل مصرة فى ديب ديب ويتحل مصرة فى ديب ويبحو له محرات الله ويبحو له محرات الله ويبحو أمل المهدور في محالته تؤديه فإن هجره أمل الأهواء والهواء واحراق على مرالا زمات مالم يطهر صدائرية والرجوع إلى الجن مرقاة المغالبع كتاب الاداب مدر ما ربهي عاد من التهاجر والتعاطع والبلغ العوادات العصل الاول 4/ 77 طبع دار الكتب العليم بيروت نباح. وكتاب العالم بال ما حاديق المهاجرة ٤٠ (الكتب العليم بال ما حاديق الدياري كتاب العالم عادي المحبب بروت نباي. وكتابي عادي شرح صحيح الدياري كتاب الإداب المحالم بال المهاجرة ١٤ (١٠) ١٤ منبع الدياري كتاب الإداب المحرة ١٤ (١٠) ١٥ منبع الدياري كتاب الإداب المحالة ال

هن اوپ الوا**ت**

ه څ ه

بنتر یومنت والکیشنش نا ورکی اماست کرد و تحریک ب ^{(۱) کر}وان ناکور و جوب و ناکش می وصلات نداکر از انتر امامت به مداینگروش مواری جاست ^{و جها} اور کسی صال منتشر تا مختص کو اور در تعمین کرد در با جارت امامان ناکا وافقا تن امام

ار بالواهوسية فرد 1940ع م المراجع 1940ع

تارك نمازي مامت كانتم

هُ أَلَ يُعَا

کی قربات جی ماہور کی در پر منظر کرا گیا۔ آولی ماؤوٹر آئی ہوکہ داڈھی منڈ واج سے اور فیش خواج ہے اور ظلہ کی فراز کھی کی چاھ لینہ ہے اور منظامان فرار و کوئی آوج عاجات ہے اور ڈھر کی فرز ہا لگا۔ کار کہا کہ ریٹاہے اور و پر پڑکے سوار ریٹا ہے ماگیا ہے اور منظام کے چیچھ کی ڈیج سے گئے جیوا کٹریا۔

دی مدی هی نشارخ السمیه علی آن کراههٔ معیمه کراهه بحرام شامی کتاب طعلوهٔ داد فراهام.
 داد ۱۹ فیم نیم با سید معیدگراچی

ومثله في جلبي كتاب الصلوة عاب الإسامة ص ١١٠ د طبع صفدي كتب حاله.

ومنك من حالتها الطحطاوي أنزدك الدمرة بالداء والعامة ص ١٠٠ الطفع فالهمي كنت حاله

- الاي الوقارات المرواكر الوقا تقديم بأنه لا يهيم لأمر وينه وبارز في تقديمه بلامات بمعيمه وقد رحات هايهم. وهدات مراعة الحرشاني كتاب المنظوة بالمالاة بالدادة في عالم بايم بايد بالمعيد
 - ام. وكذا في البهر الدان كتاب الدينوة بال الإمامة (١٣٩٨ طبع دار الكتب الطبية يبروات لنال. ومناه في خلفي كتاب العينوة بالدالامامة على ١٣٠ طبع حجدي كتب عامه.

ومثله في حملية الطحطاوي كبات الصلوة بات الإمامة س. ٣٠ الطبع تديسي كتب حقه.

وفيي فتدوى الارشناه بمجلس أن يمكن اماء الغوه في العسواة أفصلهم في الطبر والوراع والتفوى والغراء فالمح كتاب مصلمة فالمصلق في سور من أسن بالامامة التاريخانية المسالة في واركا نفر أن والموم الاسلامية ، وكذا في أف المنخذر كتاب الصلوة باب الإمامة والالامة طبع الجدام سعيد.

as Z. w

البير شخص فاحق ہے (11 أوراس أن المامية أخرو فرق في ہے (12 فقط) الترقال اللم يا

ترويگوانورتناه تخزند ۱۳۰۰ مريب ۱۳۹۱ و

شادی پر رقع ومرود کراتے والے کی او مت کا تھم

يَهُ كِي هُو

'' من قریات میں ملا دو این در میں سند کدا کیا شخص کے اور مسجدا ارتفایاب ہوت ہوئے اپنے مارک کی شاوی کے موقع پر طالفہ اور افغیر لین کا نے بہائے اور ناپہنے والے محروق کو بالڈر واگ اور ک اور کا تاہیا ہا ''ترا یا اور ان کوم عمر نام سے توثن وخوالی خاریا و دفیل ہے وار اسے کے قابل سے بالد

*****(₹)*#

العم الفذا وتوطئ الرئيم والعام وخطيب في الكوفئ والتي البالاج وزكام كياسية قاده الدمت منك فقال الثان الميا المساري من كي الماسط كورو ب الم^{على} بإن اكران والثامة وتراكب من قوبه كوسط اور نادم ويقيمان

 (14) يحمر م عبلي الراحل تهيم لحيته در المختار اكتاب الحقو والإناحة معال عي البرح ١٠٧١٦ طبع المجر مواسعية

وكناهل الفر المنجار كناب الصوم بالمامة بفسياه وما لا تفسيع الااما العيع الجماليم سعيد

مناس أن الدراعة، غليب الراءة تعريبها الع شامي أكتاب الصلوة باليد الأمامة (أن ٥٣ طبع الجدايم)
 منيد، ومناه في خلي كلاب مصورة بالسلامة عن ١٣٥ قاطع شهيدي شبية خاله.

ومثله في حاشية الطحطاوي كتاب لصلوة بات لامامة ص. ٢٠٢ طبع قديمي كنت خاله

ا م هفتها عنيشوا كراهة تقديمه بأنه لا بهتم لامر فابه وبأن في الدينة بلامامة انتظمه والدوجية خلهم. - إندائه شراعاً الحاكدة والمبنوة بادار الإمامة شامي الأدارة طبع بنعيدي كتاب خادة

ومثله في حلمي أكتاب الصنوة باعد الإعامة حي. ١٣ قاطع سعمادي آهما. ١٧٠٠

وبنله في حاشية لطحطارور كناف فالدلوة الدالالمامة من ٢٠١٠طبع قديمي كتب خالعا

وم الله بي أن كراهمة ومدينه الترائع ومعربهم مع شامل التعاب الصفوة بالمدالا الامامة 4 ما 10 هرضع لينهم البلود المديد را ومثامة في المنبي كتاب الصلوة بالدالامامة من ١٩٠٥ قاصع سعيدي كتب خان الوطنة في حاشة التطامطة إلى كتاب الصلوة بالدالامامة من ٢٠١٢ فضع تدبيلي كتب خانة. موج نے اورلوگوں کوائن کی قربہ ہے طعیقان حاصل جو جائے قوائن کو آئندہ کے لیےانام باقی رکھاجا سکتا ہے ⁽¹⁾۔ فقع واللہ تعالی انتھے

عهوا للعيف فعرب ٢٥٠ روسب ١٣٨١ ي

جس فخض پرمخنگف اعمر اصات بول ای کی اما سے کو حکم

∳∪*

کیا قرماتے ہیں وہ آئے دین شاہوا زخان بھر اعظم فان کے اول کے بیان کے بردیش کی۔

(1) جناب کاری صاحب زخر میں بود کے درختوں کے عظم کالوروں نے سے انگواتے ہیں۔ بدکان ش اور جوائے کے لیے ایے استعال کرتے ہیں۔ بدکان ش اور جوائے کے لیے اپنے استعال کرتے ہیں۔ بدکان ش اور جوائے کی درختوں کے سے استعال کرتے ہیں۔ بدکان ش اور جوائے کی لیوگی ہے۔ اس کا مقرر ووقت سے زیادہ مالب طوق ہے دائی کا مقرر ووقت سے زیادہ مالب طوق کے اللہ علموں کے ذریعہ ہیں۔ اس کا مقرر ووقت سے زیادہ کے اللہ علموں کے ذریعہ ہیں۔ بھی ووق سے موق کے اللہ علی حال استعال کرتے ہیں۔ بھی ووق سے موق کے اللہ علی مالہ کرتے ہیں۔ بھی ووق سے مالہ کی اللہ علی مالہ کرتے ہیں۔ بھی ووق سے مالہ کی مالہ کی مالہ کی مالہ کی مالہ کی مالہ کرتے ہیں۔ بھی ووق سے مالہ کہ اللہ کہ کہ سیاستان کی مالہ کرتے ہیں۔ بھی اس کو اللہ کہ کہ سیاستان کی مالہ کہ کہ ہو کہ اور کہ کہ ہو کہ اور کہ کہ ہو کہ اللہ کی مالہ کی مالہ کہ کہ ہو کہ ہو کہ کہ ہو کہ کے کہ ہو کہ ہو کہ ہو کہ کو کہ ہو کہ

بیان محدخان المدرثی خان ۔ پڑک قاری مد سب ، بھا ہیں ۔ اکثر دن انس پانٹی بھٹ کے اندرا کیسے خاز ہیں جھٹز امیرہ ہے کہ دائیسری خوانسہ درنے کمیکسٹیس دکھ کھٹے ہیں ۔ دفت کا پیٹرٹیس چھا۔ اس کے امیس ایک عالم میا حاد سے توثقر پر کئی کرے اور نماز بھی پڑھا دستاور حافظ صدب یا قاعد ولڑکول کوٹر آ اینٹریف پڑھا و سے ۔ بیان خال زمان ولد محلمت خان رہ دی صاحب کھڑنماز ہیں دیم سے ہیں۔ بیرے دل کو کا کھٹے جو کی ہے ۔

جواب فكارى فالإم هسين عباحب ويربالام جك فمرس

١) وإني لغفار لمن تاب وآخل عمل سالحاً لم اعتدى من صدر ت - ٨٦.

و عان عبد البله من مسمود رضى الله عنه قال: قال رسيان الله صفى لله عبيه وسنم التالب من القاسب كمن لا فات له مشكرة المصابح مات التوبة والاستغفار عن ٢٠٦ طبع قديمى كتب جانه وكذا في أمن ماجه بات ذكر التوبة من ٣٢٢ إمم إيهم معهد.

ھۇچى فىمىلەشرى

گاری نظام حسین میا دب سے متعلق جو سامند اعمار مشامند ہوئے اللہ کی تفصیل پر پختھ رتب رہ کرنے سکے بعد ان کی امامرے کا تھم کھاجائے گار

یمینی اعتراض کے متعلق کاری صاحب نے پیائٹیم کیا کہ واقعی کی گئزی ڈیٹر کٹ اورڈ کی مملوک ضرور ان کے مکان میں کی ہوئی ہے۔ اس بات کو تکیم کرتے ہوئے کہ قارف صاحب کو افرات وقت ملم شاقعا کاری حیاجہ وس الزام سے بری خین ہو تکتے۔ بلکہ قاری صاحب پر اازم سے کہ وہ اس کھڑی کی قیمت ڈیمر کٹ بورڈ کو اوا کرے بیر میں انجام سے مساف قوید سے معاف نے برکا (اکار ووم سے اعتراض سے متعلق

٩) وإلى كتاب عبدا يتعلق بالعباد أفان كانت من مطالم الاحوال معتوفات مسجد التربة منها مع ما قدمناه
 قبى حشوق البله تبعالي، عنى الخروج عن جهدة الاحوال وارصاء المخصوطي الحال والإستغيال بأن
 سندليل منه و أويردها إليهم أو إلى من يقرم مقامهم من وكيل أو وارث شرح الفقه الاكتر ملاحق
 قبل يجت التربة عن ١٨٥١ علم قديمي كذب حاله.

و كفة في رياض الصالحين شراح أو در مولايا قيام الدين الحسيس صناحب، التربة واحدة من كل دست - ساما، أوري كامات المستعملية لتصفل بأدمى بشروطها أو بعد هده الثلثة وأن يثيراً من صناحتهاء فأن كامات مالا أو معود ردة إليه العربات التوبة في الأداء ١٩ فاطع مكسة مدنية اردو بار أز الأهور،

مجي قاري ها حب سے يشتيغ ليا آرا آر ب براليول سنائيل نکن کا آرچہ ستانهوں سال في باري شدار في کوچ کیاہے ۔ طام ہے کہ بیزیاد فی ہے اور اس میں کے شاتاء کا بیٹے استعمال میں دینے شرعا عام مرتب جس میں یالی کا تیا کر ناہمی تا جائزے ۔ فقیا واساف نے اس وجائز تعربی نعد ان نے اگرید بیادا نقد اور تب ی بیش تر بااس دانجی این این این در و با سے عملی کرائے منہیں بیا کی انتسان پرتجاا در اگر معنوم ناموت كر أقلعات كرياكا بواقوا بغدتنا في منت مطافي وكني بياسية بالأمرات علمة الشراكا قادي صاحب ك أوزاي الثان جواب الأكرين ننفوا يودوانسترة بن لك يك بييدزاني خرودت وخرج فينتين فياا مرصف الخارف أنهاب منگل تبار ہے یہ چنا تج خود مدفی نے بی اس اختراض ہے مہمت پرداد تی کا اعدان ماہ یہ انبغا ہے اعتراض کم رو چکار چو تھے اعتراض کے زواب میں قادمی صاحب نے دان ایا کہ بھی الجمن بنائے کے نئے تیار موں او حرب آگر وین کے جان ہے ہم الفوروجی ہے کہ انتقادا میا اعدہ النہور المحدیث کی آمانہ ے مواضع سے بچاور ٹاری صاحب اس کی ذمیروار ٹی کوٹوون اٹن کے ایک دویائیں ایک دیدا استعمارے ن مجنمی شارمی بالعران کے مشور واقعی کے بیار ورث محرب کیا ہے! رقع نے ان کے طم ٹار آ جائے ٹا آ اسی کیا ا متراض کی تھیا تی عد ہو۔ یا نیج این احتراض میں آئی کوئی منان نہیں اوپ روٹی حلیا وگرا ملک ہوگاں تو حلیہ کی مرض ختے جا جن دیں۔ س براب رول دینے والے اول انتراض اس کا میں تین ۔ ب وور و فی کے والعہ جس ا من بکرهار این اس کے بالک جن راجینا، متراغی که قاری با حب نامینا جن بدا رائے تھاتی مرخی یا ہے کہ کاری ساحب کے بینے تھی کے مطابق اور حالات کے الدازہ سے یہ واپ واپنی موڈٹی کہ اوشیارے و تحامت کا بہت خال رکھتے ہیں اس ان کے کہتے ہیں وقعہ وہ غوران ہے کھروا نے اور عالے کھر اکھتے ہیں ۔ وبيتهاه بينا كي الرمت بالأولات يهمفرت البوارند س امهم أم وضي لله منه أزوه بين سواني تقعير بمغور معلى لهوسب والم نے فہار بر مرے کے لیے سید فوی میں ابنہ تالم مقام بنایا قال: باک آب مغربر تقریف کے لئے تنجير ۾ بيب که قاري مد حب قر آن شريف لاقوامد آويد کي . وب کمي حجياج هئة ميں ورا بي آوم ڪئي مشترین میں مراہے کھانے سے جس فاکش جی تو آمر ست فاشر یاتی گئری رہنار قادی ساحب اشام م میں حاصل نيفيدو سط قول كذاما مصاملة بيندكا في مصاريا في وقوعت من كمي محمد كافح كرمانا روكي مادت قرر في ے سیکن املی تھا راہی ہوتا کو فی مات ٹیس رہا ہوا ہو اس کے تاتبے تھی ور ڈیا کر سے جس سے نیاز کرر وولٹ میں اوا ہوئے کو خطر وارد وردے واکر ایور مها قوائل المتر اللے کا جوائے تو قاری صاف ہے۔ یا کہ میں جا بٹا ہوں ک بیمان مدر العرض شی این صرف داری خاری تلم ما اندامچور آزم اون به گاه و بوت کا اسرار نیا خد به مبرحال حابات کو مذکظر راکنتے ہوئے مجموفی حالات کے خمت میرد فیصلہ پیران کرقاری میا دیے لکڑ کی وخیرہ بیزوں کی تیت او کر کے تاق کرے یہ وان پر نود اجب ہے تاکش مید سے برای الذام الله جوہ اللہ

آثاری صاحب اوقات کی پایٹری کا طیاں رکھے ہوئے کا اعتراض ندا اور بلورمشوں کے بیاجی کہتا ہوں کہ ۔ کینس شود کی فرسردار حضرات کی شرور بنائی جاوے ۔ بیش بھی کاری صاحب نواش کیا۔ ہوں اور کھلی شود کی کے فیصلہ پرکسی ایسے بدرت بالم و کاری صاحب کی مرضی سے انتخاب کیا جائے ، بو ہزگ کتب ہے حالے کے۔ ساتھ مدتی وزری قرآن و ہوئی۔ وائنہ خم

محبودمن الأنعث

ووجياري الوزال كالمعامر

گانے سفنے والے ، تاش کھیلنے والے کی الا مت کا تھم

4 ن⊈

نیافر باہتے ہیں طارو میں در ہیں مسئلاک کیے تھی تصدار یہ او پر گفش و فیرفش کا نے ملت ہواور تا آل کھیڈا ہوا ور دیگر ضاف نئر ہے اور میں مشغول ہوا در بال ہا سنوار کر یاز ار میں انظیامر چلا ہوا ہ قرآن کھی خاصا علوج عنہ ہوا وراس کے چانف وموافق سب مجھ چکے ہول اور دوان کے مراحظ قرآد کر ایک ہوگدا ہے جی ا ان تمام مورکز زک کرول گا کی نیجرد ہاروان کا مول کا مرتب ہوتا کیا ایسائھی نیام ہن سکا ہے اور ایسا عام جس میں میکسلتیں اول اگرامام ہی جانے قواس کے بیجھی کر ترقیع ہند یا تیں سے بھوا تو ہروا۔

කුරුම

گاناشنا ترام دانیا کرے۔ شاکی کی ہے و استنصاع ضورت الندف و السعومان و غیر ذاکک حرام (۱۹ الغ. غزع فی کھیلا کی جائز کیں۔ دریت شریف کی آ کا متبالهو المسوص ماحل العدیث دریق رئے سنی ڈکریٹ ہے۔ و کو و تحریفا اللعب مافو دو الشطونج عادمائی الاسانی پر گئے چی (۲۰) فولد و افشطونج فہو حرام و کیبر قاعدنا فی اباحث

١) التالي كتاب السطر والإباعة بصل في البيع ٢٩٥/١ طبع ابح-أبها- سعية.

وكنفا في الهيجر المراثق كصاب فركراهية ٢٤١/٨ طبع مكته رنهديه كوكه. وكفاهي خلاصة المعنوى كتاب الكراهية / المصل ضما يتملق بالمعاصي ٤/١٥٥ طبع مكتبه رشهديه كونه.

ج) الله المستنار كتاب العظر والإماحة فصل في البع ٦١/١ ٢٩ فعع ايج بايم مسبد.

وكنة في السعم المرافق كشاب فيكراهها ١٤٤٨ فتح مكتم رشيديه كوكته. وكذه ي الالاصة الفتلوي كتاب الكراهية ، مصل فيما يتعلق بالمعاصي ٢٠١١٤ فيح مكبه رشيديه كوكته. اعدامة البلشيطن على الاصلام والمسلمين ¹¹⁴ اللح. القرائل فراد المودة التكليف شباء اليص افعال كالمرتكب فالتن حب ⁽¹⁾ والرياناس، وجود كيف شدك مجل بازت أبيا قاد وللاستداكا التي أيس. جد المسبة المستدرية التالي سي معلم في كروزم حد^{ا العا}ر فيزا والبداعل

بهرواحم حقاالك عز

ا الجوالية في مهر مقد الفاات وا

فمق وفجور مير متلاح بل منحض كى امامت

ار کی ۴

کیا او بات میں مارہ میں اور منظری کر جم ایون کیا وہ جاہدہ میں میں میں میں میں میں اور است کے جارید النظر وزیری کے مرد اللہ کا مرز اور است والر حق ہیں۔ بیال بن آ با اور کی ہے۔ ایک جھی کی محدال کی جان کی جدال کی جہ اس کے موروز ہیں ہے۔ ایک جھی کی محدال کی جو اس کے موروز ہیں ہے۔ ایک جھی کی محدال کی جو اس کے موروز ہیں ہے۔ ایک جھی کی جو اس کے موروز ہیں ہے۔ ایک جھی کا اور ایک ہوروز ہیں ہے۔ ایک جھی اس میں اور اس کو اس کے موروز ہیں ہے۔ ایک جھی اس میں اس کو جھی اس میں ایک ہوروز ہیں ہے۔ ایک ہوروز ہیں ہے۔ ایک ہوروز ہیں ہوروز ہوروز ہیں ہوروز ہیں ہوروز ہورو

شامي كثيب المحظر و إذاب مصل في البيع الأو 19 شيع اليع دايم د سعيد.

٩) قبلت وي الروزية استماع السلامي كبيرت قصب وتجود مراه لقوله عليه السلام استماع استلام مجتبية والحقوس عليها فسق والتقديها كفر دمر المحتار كنات الحقل والأدخة ٢٠١٦ طع ابح يا ينهر يستم دار وأخذ في استم الرائز أكنات الكراهية ٢٥٠٨ طبع مكتبه رائههاية كونته وأكناه في حيلامية القياري كنات القراهية والقبيل بيما يتقلق بالمعاصي والعموم «كنام رشيدته موته».

 [«] مقت عقشوا كرامة تعديده بأنه لا يهد لامراهيه ومأن في تقديمه بلامات بعظيمه وقد وحب عليهم.
 إماله شرعة الجشامي كدب العلوة بالبادلامات (6 - 9 مقيم بجد الجال سمه.)

و كاندا و ي حرباني كبير كنام المصموة بالربالإمامة من ۱۰۳ ماده ماي كبير، حاله و كما مي مناشعة المحملاري كناب المبلوة دايا الإمامة جي ۲۰۱۲ شع كنت قديمي خانه

<u>ش ح</u> کِھ

اول الذكر موادي صاحب كے آثر واقتی مجی حالات بدول قراس کو تقافا استقبال مراحن شرعاً جائز النجی (۱۱) واگر دومرا کو گی مقتر جید عالم فیف والول کون الما برقواس و دسر بساموادی صاحب کو امام منانا جائز ایم الناز انجی کونے ماں اور جمل شرور بات و بال جاری دو تی جو ل مورف میں بھی قریبہ کیر و کہا ہوں اس منا وری ہے۔ ای لیے عاکم و بیک میں جس کے تقریباً موکر جی اقتصا جو مرثر و ٹ دوکر یں اور احتمامی کلر

 ⁽⁴⁾ فيضد عسال كرافة المارية ما مأل لا يهتم لامر فيد ومان في تقريمه بلامامة تفضيمه وقد وحد، عليهم
 (4) شرعة في شامي كتاب الصلوة مان الإمامة (1/ يام طبح الهم) لهم سبيد.

و كذا في حتى كبير كتاب الصلوة باب الإمامة من ١٩٢ م. يعيدي كب عاله . مرايد

⁻ كفا في حاشية الطحطاوي كمات الصلوة بان الامات من الاما علم كنيه قليمي حاله. ٢) وفي له اوى الارشياد بسجيب أن يمكاون العام القوم في الصلوة أفصله برعى العلم - ، والورع الطعم يى والمعودي والعمران والمقرأة كتاب المصرة من هو أحق بالاعادة بالدر حاليات الراء الاحتمالية العراق والعلوم الاحتلاب

و كند أي المدر المحدر الثاب الصارة باب الإمامة الراه في طبع أيج ريم سعيد.

وكذا في النهو الفاش كناف الصاوة بال الاترامة ٢٢٩٨ عليع دو فكتب العلمية سروت لميان.

ج سے سے باوجود میں شرون کرنا جائزشیں الکاس کے کدنوائل کی جماعت کردہ ہے ⁽¹¹ک اگر جمعہ با مصن مے محض بندولھیوں کرنامقسود ہوتو بیشرورٹ اس طرح میں بورٹی ہوگئی ہے کہ جمعہ کے دین میں بھوجا یا کریں اور خطیرنہ بار حاجات ۔ اعظ وقتر رہے بعد ظہری باز جائے کریں۔ فقط واٹھ تعالیٰ اطام۔

يندواهم مفاالندمنه

سگریت أو فی كرتے والے كى امامت كاتھم

* U *

ولا تحي على أعل القرى التي لهمت من تواجع العمر بدائع الصنائح كتاب العملوة وأما بيان شرائط شمسته (١٩٥٨ طبع مكتبه رخباديه كونه.

وكفا في السعر الرائق كتاب الصلوة باب صلوة الجمعة ١/٩١٤ طبع مكتبه وشهديه كوت. وكذا في نشاوي الهيشادية كتاب الصلوة الباب السلاس عشر في صلوة المسامة ١/٥٥٦ طبع مكتبه علوم اسلاميه جمن.

م) "ولا يتمسلني اللونير" ولا الشطوع مجماعة خارج رمصان الج الدر المختار اكتاب العبلوة باسا الوتر والتوافل: (٨/٧) طبع ابتريام عامية

وكدا هي البحر الرائق كتاب الصلوة بات الوتر والنوافل؟ أو ٢٣ هليم مكبه رشيديه كوكه. وكدا من شهير المحقائل كتاب الصلوة باب الوتر والنواعل ١٤٧٦، طبع دارالكتب الطمية بمروث العال.

ٹوسٹ ان انقد دشکر بیت نوشی کی تعبات ہو کہ یہ بودار اشیار ہیں انتقار دائر مصلی اند طلبہ دملم کا ارشاد ہے کہ ا بد بودار چیز بیں کھا کر بھاری مساجد سکیٹر ہے۔ شآئے سامی حاطر کی بارٹ بھی ٹشرع فرماد ہیں۔

\$ & & &

عددت مستولی میں ایسانتھی امامت کے قابل نہیں (۱ ایکن چک اکثریت ان لوگوں کی ہے جو جائل چی اور انہوں نے اپنے امام کو تنگ کر لیا ہے ، اس لیے ضرور ک ہے کہ اکثریت کے اندر ویٹی شعور پیدا کیا جائے تا کہ وواقعے امام کو تقرد کر میں (۱۳ کا ار جب تک انچھا مام بھر نہیں کہ تااس کو سجھائے رہیں کہ ووحقہ نوگی اور سکریت وفیر و بر بودار اشیام کو استقال کرنا زک کروے نصوصہ سجد کے اوقات ہیں فاص احتیاط کرے (۳) ور مسائل نماز وروز و بیٹھا اس ہے تو چھتے رہیں تا کہ اس کے اندر دین کی طرف وصیان ہوا در دار طی کئر آئے ہے اسے بازر کیس ۔ فقط داخہ تھائی املے۔

حبر فشعقاه فدعته

 د) فيضد عطيقوا كراهة تقديمه بأنه لا يهتم لامر دينه وبأن في تقديمه للامامة العظيمه وقد وجب عليهم إهانته شرعاً الغ شامي كتاب الصلية باب الامامة ١/٠١٥ طبع ايجب ابعل معبد.

ومائه في حلى كيير كتاب العبلوة باب الاسامة من: ١٣ ٥ ..مبدى كتب خانه

ومثله في حاشية الطامطاوي كتاب العبلوة باب الامامة ص:٣٠ ٣ طبع كتب فديسي خاله.

ب) وفي نساوى الارشاد بنجب أن يكون امام الشوم في الصلوة الصلهم في العلم --- والورح والتلوي
 والقرأة كتاب الصلوة من هو أحق بالإمامة (أن عام طبع ردارة الفرأي والعلوم الإسلامية .

وكدا في الدر المختار كتاب الصلوة باب الأمامة؛ (١٥٥ ضبع ايج، ابب سميد .

وكدة في النهر الفالق كتاب العملوة باب الامامة ٢٣١/١ طبع دار الكتب العلمية بيروت لينان.

٣- وعن حاير رخى الله عنه قال: قال رمول الله صلى الله عليه وسلم من اكل من حقه الشنجرة السنته مالا يشربن مستحدثاً مان الملالكة ثنائي منا يتأذي منه الإنس منفق عليه بات المستاحد ومواضع المنارة مشكرة المصابيح من ١٨٦ قديني كنت حاله.

و كفا في الشاهي "أكل تحر ثوم" أي كنصل وتحوه ماله رائحة كريهة للحديث الصحيح في النهي عن شريعة للحديث الصحيح في النهي عن شريعة على صحيح المحارية فلت علة عن شريعة على صحيح المحارية فلت علة الله المحارية وهي المحاركة وإذى المحاركة وإلى المحتمل بمستحدة عبد المحاركة مثلث في الفراسي في المستجد المحديث كان مثلث في الفراسي في المستجد المحديث كان مثلث في الفراسي في المستجد المحديث المحدية المحديث المحديث

وكذا في حلبي كبو كتاب الصارة فصل في أحكام فمسحد من ١٩٠٠ طبع سعيدي كتب حاله.

تتلف ما دات ومیمه کے حامی نم کی امامت کا تقلم

∞ **(** π)

> آئین ہے ان میں ہے : ان ہے ادا اول مصل عمیت کون 'رہ ہے اللہ پرچائی محمل ہوئی

ideg 5 ightright respectively.

ا اُر بات صحیح ہے کو تخص ندکور مندری ہالا ادعا ف کا حال ، براتی تنمس ندکور فاس ہے (۱۰)۔ اس کے چھے تی زعر ہو ہے (۲۰) اُنٹی اور ویندار فنمس کوار م بندیا جائے (۱۳۰۰ فقط وابند تعالی اہلم ۔

بحروكته الحاق فغرار

۱۹۹۰ و ۲۹۱ و

فامق فمخص كي امامت كاحتكم

ھۆ*ت*

جناب میں مدحب ہزارے کا بال میں انام مجد کے بارے میں انتخاف ہورہا ہے۔ اس کی حالت امہی نمیں ہے۔ اس کے عرض ہے کہ انام نے اصحاف ہے مطلح فرمائیں کہ امام کیا ہونا چاہیے میریانی برگ رامام سجد استرہے را اس کو کول ہے گھڑ اولتی ہے امامت مجی تراہ ہے کم ما برہ تا ہے ، خوازش کھر رہ کر بعض مرحب میں با حالت بعد مجی ان فراز دیتا ہے تر نسر براہ صول کرتا ہے ۔ آر بانی کی کھالمیں اور صد قراط سے اصول کرتا سر محیالی۔ کر لیے جا ان ہے جا ان جا میں عرف ہونے کہ برا بھی کھیلا ہے ، حاد کو او فرمجی کہد دیتا ہے ،

و تفونه وفاصق مس الصدق وهو المحروج عن الإستقامة ، ولعن الدراد به من برنكب الكنائر كشارت المختصر وقد من وأكل الرمو ومحو ذالك كاناس البرجادي (ما مداهريل شامي كاناب الصاوة رام. الاسامة الرداد والمع ليجاديم معهد وكذا في تقسير روح السعائي سوة البغرة آيت 19 (1986 وار أحياء الرام المعارف أحياء الرام الدرات الدران الدران.

بال مشيق فين شير ح السببة على أن كراهة تقديمه كراهة تحريب شامي كتاب العبلوة باب الإمامة
 بال عام طبح الجدايم بـ حميد .

وكناه في حببي كبير كناب الصلوة باب الإمامة من ١٢٥ مبع سعبادي كنب خابه .

وكدا في حاسبه الطخطاوي كتاب الصنوة بات الإمامة ص:٢٠٢ طبع مديمي كبت جاله.

٣) و من هناوي الاوشناد بمجلب أن يكون امام الفوم في التصاوة أنطقهم في العلم - -- والورع والتقوى والقرأة كتاب المسلوة من هو أحق بالامامة الأمام ، طبع إدارة أن والعلوم الاسلامية .

وكذا في الدر المحدار، كتاب الصلوة باب الإمامة؟ /٥٥٧ طبع الجهابيو، سعيد

وكدا في النهر العالق كتاب الصلوة باب الإمامة ٢٣٩١/١ طبع دار الكتب العلمية مروت لتان.

فيم والمواحث

المهرون سے ان کی حاست بیان و اُم وا مراکی کے وجعہ وراپنج والی احسال کی گی کے باست اس اُو المعمد اُنٹری آئات اللہ اللہ اللہ اللہ اس کے چیجہ ورافو آسریں انواز کی کے اور بروالے می واقعہ اللہ اللہ مواجع آئی وہ کو کہ آسار کی ایک کے وروز اس کی المعمد تفوظ رائندی کو شن کی بیائی ہے رائید خود میں ہوا طباق میں البیار تھی اللہ مدول کے رہو ہے ہے رہ اُن اور ایس کا انتہاں کا اللہ میں ا

ە ت ∗

کرو تھی اوم میں بیڈوز ہوں جہ حدائش تھا گیلی جوئی جی اوجود جیں تواہد امام ہے ہے۔ اندی الازم ہے۔ 19 روز میانہ آتھی جو بیز اور توام میں اس سے فقیل و 690 روز بند جم

محموم انفاعه الغراف والأنوا الطوم والبون

بي بهود وبات كرف والي كن الماحت

و آنا ه

میا اور دار فراح مورد و این از استان کار آن بیسان کی از این آن کار کو تیج کسا آپ جلوی دارگرام برخوس داد ب می آیا آور می که بازارش جندا وی استان این و سامت مداوی مداوی مید در این آن اس کار آخر این المهال این کرد که ایرون برای آن کا این کار این این مال آیا این او که این اقتاعی اموی و ب تصان و کون شاه در این شاخته از این از مورد دب شاخته آن این این کار آن این این کار آن این جاری میا

وال فيعيد المقطول الإنامة تقديمه مأن لا يهيم لان الدينة ومأن في الصابحة للإمامة تعطيمه وهدو بدير المنهم. - وعربه البراء أنامج شامل كانات الديامة بالت الإمامة الان الاستأمام والرجر الرمان بالمان.

وأقد في ملتي كيبرة كياب العيلوة باليار لأمانة في ١٩٣٠ بنصفي كتب مالة

وأندرافي خاشره الطحطاريوه كدم الصبودية والامادة ص ٢٠٢ طبع كديا فديمي حربه

هن و می به داری ۱۷ شده را حالی آن و کسل امام شوه در استبارهٔ آمسانهم می قمید . . . و الوراخ و دعفوی - و طفر آه کتاب مصنبهٔ نامه الامام بالام و خامه در ۱۵ م میم (دارهٔ الفرائی)

وأقيار في الدر المنجروم كتاب العيموه بالبا الأدامة ١٩٠١ع صنع الجهاب منصد

وأهدا في النهر العائق كذاب المرقرة بالهم الإصابية كالمات طاح دارا كتب الملمية برواء السال.

شرک کے سابق وقت میں نے قرآن کا پاک سے تناو کھ کرا یہ کریں گیآ اندوائیا الام شاکروں گا۔ اب میں آپ نے گزارش کرتا ہوں کہ ایسال کے حصل آباق بات میں۔

10 To

نیم ابتدالزش الرئیم به جیسا جال کے بال قیم یا حانه دست قیمی ہے ⁹ سال سے گناہ ہوتا ہے ٹرک و کوٹیمی ہے البغراجی مودوق سا حید الرقعل ہے ٹریٹا نب ہوگا ہے تو اس کے بیٹھیے نماز پراحی ہو از ہے⁽⁷⁾ اور قوبرتا کہ جوجائے کے بعد اس کوفیدارینا ورائز کو ہریٹان کن کی طریق جا زقیمی ہے ⁽⁷⁾ کوگل مدینا ٹریٹ میں داروے ⁽⁷⁾ رافعانیہ من الذنب کیمن الاذنب فلد ہو کھنا فران فظادان تھا کیا استحالی اطر

فاتق وفا جرفخص كي امامت كأحكم



کیافر و کے زیباعل وہ زیبا اندر پی مشہ کے

ه إن الكافل تنشيبي والمذين المترة أن يستعمر واللسشر كين ولو كنام أأراني قراس الآية تواله الت ١٠٠٠ م... ١٠١ ولا يندسونه بالمنفرة ويفاعوله بالهندي. المعر الرائي كتاب مكر همة ١١/ ١٧٠ ١٨٠ طبع دار الكتب العمدية مروث لمان.

٧) و إني المفار بين ناب وأمن وعمل صالحا لم افتدي باس . الرهاد، بند ب ٣٠٠.

المشكور المصامح ١١٠٠ باب التربة والاستغفار طلع قديمي كنب خدم كراجي.

وكد في منين بي ماجه عن ٢٢٣ باب ذكر التوية طبع ايج. ايم، معهد.

 جهل لكل هذا فالمتراقة الدوليال مستهديس جبيم وفشادة الهمرة الذي يأكل لحود فلماس ومعديهم دافسرة الطعني فيهم نقدير مطهري (١٠٠٩ / ٣٣٨ دارم بالوجد عن الكذور

وكد في ابن كثير وهمرة لمرفوطهان معاب ١٦ ١٣٠ طبع مكنه فالبعي كتب حاله.

عن التي عندر رضيي الله عنه قال صعد و سول الله صلى الله وبالي بله و ملم المبير مهادي بعيوب رود ح و مثال ما مستقول عن المبير و لا تعبر و هذه و لا المبير و مدال ما مستقول من أسب بالسبات وتم يعفي بالإيمان إلى قله الا تؤدوا المستقبلين و لا تعبر و هذه و لا يتبيرا عوراتهم فإن من يتبيع عزرة أحيه المبيئي بين الله عورته ومن يتبيع عزرة أحيه السبائي بينا عرب و ويا و من يتبيع و المبال الاداب بيات ما شهى عنه من انتها مر والتفاطع والهاج المبير والتفاطع والهاج المبير و المناطق التالي من 270 و عرب المبين حديد

(4) مشكورة المصابيح (١٠٩/ ١٠ باب النوابة والاستعمار طبع قديمي أكتب خانه...
 وأكث في سيرابي ما يم ٢٥٣ باب ذكر التوبة طبع ، ايج ، ايم، سجد كرا بهي...

- ۱) ایک مخص آید عام بستی کوجس جمدان کی مجوبه دیشی ہے اس کی طرف دیا جس کلھناہے کہ تیجری بستی کی محیال مدید شود وکی کھیال جیں۔
- ۲) یک خص اسپنا دختر: ادرے سکٹ ۱ بزادروپ ابوش اپنی دخر کے لیاکر بعد انفرف ہو کیا ہے ہتم اس کمانی دقع بھی ہتم ۔
 - ٣) مَنْكُ فَعَى بِطُورِ مُودَخُوارِي إِنَّى وَالْبِي لِي مَوْتَ صَالِ حِوْقُ وَيَا جِدَ
- ۳) ۔ میکن گفتم کندم فریز کر جلود امتکار تع کر سے رکھ دینا ہے۔ پوقت مینکائ سے گئے م حسب خواہش منافع گران برفرہ فٹ کرتا ہے۔
- ہ) ۔ بیک مخص ہے کہا پی بیٹی شاہ می شدہ اساند کرتھائے ہیں مختر بغربان دوائی اپنی توری سے بیٹی اپنے جیتی کیچھ سے ملمان کرائی جوآئ تھے بیٹھی ہے کوئی رشوشیس نیٹا۔
- کی تخص بینماد پیکنے اور ساتھ غیر مح موت میں ، آت ایں جائے ہیں۔ موسوف غیرے تک تصویل نمٹن کرتا بلکہ غیر ترم که وست بنا کر کھر کے جاتا ہے ہو کہ برو دکا خیال نہیں کرتا۔
- ے) کی جھن ہے کہ لوگوں کو اس و کمنز وقت کرتا ہے اور خودا بی ڈانڑی کو خضا ب لگاتا ہے اور مرد سے شوقی ر سے کرتا ہے اور جہاں کہیں جافر روز نئے ہوئے کو آسے جبر آجا کر ڈرخ کرتا ہے۔ اس سے موخی ول وگر و سے ایسا ہے ۔ جے معال کہتا ہے۔
- ۸) ایک تورستان میں زیا کرتا ہے اور محل اسپنے اعتبار کی خاطر جلسہ عام بیل قرآن پاک اضا کرتشم کھا تا ہے کہ بیس معاف ہوں۔
 - ٩) العظم كوكي في جائع مجد كديليدود مدوهيترويد جي خوافر وخت كرك وقم كما كياب-
- ای فض کواچ ، الد مراوم نے جو کا تعمیل جم کا عالم تفائلہ کراؤ تو ل کی بنا ، پر موصوف کو ا مامت و مطابت سے علیمہ و کر گیا تھا ۔ اس کو منبر نبو گ ہے ا تا اور کر دوسر ہے جمائی کو منبر اور کہا تھا۔ یکی موحلتین ، معتبر این کی اشاق تھا۔ ، بکر مطالتین ، معتبر این دیا و کا حال تھا۔ ، بکر مطالتین ، معتبر این دیا و کا حال کے ایا لیان مطالق جا ال ہیں ان کی دیا و کا حال ہے کہا ہے کہا ہے کہ کا حال ہے کہا ہے کہ کا حال ہے کہ کا حال ہے کہ کا حال ہے کہ کا حال ہے کہ کا جاتم ہے کہا تا ہے کہا ہے کہا ہے کہا تھا ہے کہا ہے کہ کا حالہ و کا حالہ دیا ہے کہا ہے کہا تھا ہے کہا ہے کہا ہے کہا تھا ہے کہا ہے

∳ઉ﴾

نظرہ محت موال جم شخص بین خداور دارصاف بائے بیات ہیں، دو تعلم منصب امامت کے ااگی تیں مامل ہے داکوس کی امامت کر و بھر کی ہے (۴ کہ فتا واللہ نشانی اللم

ایک مخص نے اپنی اور کا الل شید کودی (شیعد عام می بدوامهات المومنین اور کی کومب (گالی) کمال ہے)اور ان کے جز زے میں شر یک ہوتا ہے الیسے محص کی المامت کا تھم

4 J 3

کیا فریا تے جی ملا اور میں ور میں سٹارک ولوئ کی تواز ولد میا ب مراہ تو سبحق جس کا ند رہ بالی اشت و نجما سے ہے۔ اس نے اپنی ایک لا کی کی تا دی افریق ہوئے ہوئے برم عاصر یا اور اسینے فرک کے لیے افل بہسپ (اٹائی) کہلے جیں کر دی ہما اور والزئیا ہے دیکر بھی ان اور ی جوئی جی اور اسینے فرک کے لیے افل شیعہ کی لڑکی کا رشوار اور ہے۔ نیز افلی شیعہ کے جائز سے شراحی ترکیب دوی رہتا ہے کیا ہے مولوگ ان قران افرال سامن اور نجما میں کے ساتھ قربائی جس شرک ہے در مرشن ہے ۔ اول سامن والجس میں اور فرش کا ہے جہما ما کا ہے رشر تا بھری جی ہے تھم کی ہے۔ اور شرخش تر باکر سے تو کس ملر ترافر سے دوخا حت سے تعمل برما ما تو تو ہی ۔

ويمكن و إسامة عبد السوط والمستورات تقامل فقط عللواكر المقتلية ما عالا يهم الأمر دينه مو بأن في
المستدرسة للإمادة محمدة وقد وحد مطلهم إهالته شرحاً مود المحمول كالمواعملوة عامد الإمامة
المراءة وطهر مايير البهر البهرائية مستهدم.

وكذا في الهداية مع شرحه السابة ، ص ٣٣٣ و ٣٠٠٠

وفني الهيداية منع شير منه فتنح البة ساو وفي الفامن فلاون طهور الساهلة في الطهارة وتنحو ها ١٩٢٢. الصيوة داب لامامة ١٩١/ ٢٠ فد مكامة رشيدية اكونكات

عن مشيق في شرح السببة حلي و كورها تشعيمه كواها للحريم ساخكرنا قال وقاء المربع الماخكرنا قال وقاء المربع السعوة عليه إلى المربع المربع المربع المربع المربع المربع عليه كليم المربع الم

≱ ٿ ه

قروم التحدا فورشاه فرنسة نسب أنق بدران التعم العوار وفران. 1945 و 1849 و

كياشيعول كى مجائس ينى جائے واسلے كے ييميندار ير هناجا كر ب

وأتره

اليوافي ما تنظيم في علو ماه الين المندرجية في المعافل على من أن

(۱) کوئی امام مجوج نز کیارتی سائٹ کی مجد ش امامت کے جہد ہے باتا اوا مراہدے ہاتا ہو ہو ہو اور اسے باتا ہو پہنچو وی جاتی دو با اگر دو شبیعہ مطراحت میں مجانس میں شرکت کر رہے تو حافوانی اسمر ثبیہ جانب وقیم و پارستے اور اسپے فظالمانی شار دائر کی نیزاریں امام رک چھے کان جائز اس پر کرکٹن ۔

وقر اللغها الإسلام و لاقامة كتاب لاصحية در المحتار ٢٩١١/١ قيع الجدايم سيعدد

واكتناطي البحر الرائق أشاب الاصحيم الأفارع هبع مكناه راشيديم أفولتنف

وكندا مي ندوي مهندية كناب الاستنباع بات الاول بن ناميرها و كنها الم 37% طبع مكت. ، طبقها كرك:

إن والأحمق بالادامة (الاعلمان حكام الصلوة) توالاوراع در السخفار كتاب الصلوة باب الصلوة
 باب الادامة (الإدارة خير اين از ما محيد)

وكلفاض السعر الرائق كتاب أمسناه راب الإسامة ٢٠٧٠ تاطبع مكنيه وسيعبه كوصف

[.] وكاف فلي مقاد للرحمامة كنات العمام فالحمال على مو أحق الأمامة ١٠١١ كما طبع إدارة الفرائر والمعتوم الإساق: معا

و ق د

(1) دوخنی مرتبه پزشنها شنامها درجائه و آنویها از این به شادرای شده کریک (۱۶ فاق کش برگ ۱۱ در روانش کانتر یک وایم خول میند فیال السب صلی الله علیه و سب من تبشه خوع فهوسهده (۱۱ ۱ بیشخنم کی دفتر درسه احتراز از دم سید و قامل دارانمان و دینش سای تاریخ (۲۰) دید به سایس)

(۱) معیدی خانف اور دیگی نیمان ترام ملیا دل پراوزم ہے (۱۰) با اگراوم ہے۔ مدفا یا آبا ہے کہ اور است مدفا یا ہے کہ اور المامت کے ساتھ کی المامت کے ساتھ کی در مسئونیں اور ہے بہتر ہے ہے کہ سجہ کی اسکونی سے بہتر المام کے بیاد موجود کی المام کی المام کی المام کی بیاد موجود کی المام کی بیاد موجود کی المام کی بیاد موجود کی المام کی بیاد کر المام کی بیاد کی کی بی

امام كامرزانى سيخنوا وبينة كائتم

موة کي وه

کیا فر دیت میں ماہ در بن میں منظر میں کہ ایک سمجد میں کیک مواول سا دیا اور مت کہ ہے تیں او اس کی برجود رکنوا میرند کی اوز کرینا ہے۔ کیا مرزد کی سے بنانا ویشاند مست ہے بیان ۔

- (4) وبدل الشهيد إلى من هداره الاهدواء شبث فهمو فسنا حسب بدعة كناف الصلوة قصل من هو احتر بالإصابة
 (4) وحليم رداره الفرائي والطلوح الإحلامية.
 - . Say of subsections are a subsection of the $T \cdot T / T$. The subsection is a subsection of the subs
- بن من تشب سقوم فهو منهم منهكرة طبيعات كدات الله من الفصل الثاني هو ۲۷۵ شام قد ادى كانه حالها وكذا بن أني داود كناك الدان در دما حد في الاقيم ۱۹۲۳ كاطع ماكنه و صعايم الاقوراء.
- عن مراشد رسال الله عنها آفاد أمر رسول الله فسق الله عليه وسفه بينه المسجه في الدور وأن ينطب ويطيب مشكرة المصاليح كدب العلوة بات المستحد ومواضع الصدرة القمل أفتاني ص ١٣٠٠ طبع قديمي كنت حالات
- و آه اید شده سخد در جنع این جنیاسی منها معظیم امیسخد و مؤاخذه شده آن بختید انجاط ایر ا اینشر سیل عبده عوله از او ومنها (تعدام مداره قدر وینام اماه اخ جده الله السعه مح عراصه و جنیا الله انواصفه کناب المداوة باید (قدستان کارون قصل آداب مسخد کی مداری ۱۸۷۳ همچ برام از میشور کراچی از بایده های السرفیات کشاب المصلول باید نیست حقا حدیث (۱۸۷۱ ۲۸۳ ۱۹۹۳ هراز کشار دارا کشار ما داملینه میروت کندن د
- على في وقف المصابح فيم إمام حقيب والمؤدن عبر اللح كتاب الوقف فر المختار ١٩٧١/٩ عليم البح.
 مجاريم معيد.

هو ٽ ھو

ضطرة التى بعض العوارض كا لاحسان على العلى الإسلام من اعلى المكفر المجتمي إجراحال احسان فل المحفر المجتمى إجراحال احسان فلى العراد فل المحسون في المرالدين كر مرال كا يقده المحقول إلى والمدال المحتول المرالدين كراك المسام الناس المحتول الم

مرزائی کی نماز جناز دیز هانے والے کی نیامت کائفم

J &

کایا فرمائے بین علاوہ بین ورین مشہ کہ اکیساتھی (جو کہ ادام بھی ہے) ہے۔ کیسے مرزانی می تماز ہزاز ہ بڑھائی کیا اس کے چھیے تماز بڑھنی جا درہے یائیس۔

١) شامي كتاب لاكراد ١٩٨/٦ شع ابچ الهر سعيد.

٣) وهاري في ما يس وطايي الداعمها إلى والمها معنى الله عليه وسام قال وهو على الساير وهورة كر السياسة واجتماعات من السيخة فيد العليا من من الله السعي وفيد الطياطي السنعة والسلط عي السياشلة متمل عبله مشكو ة السيطانياج بنات من ١/١ حال له السلطة ومن تحل له العصل الأول من (١٣٠١ طبع تديين كتب حابه وكفا في صحيح البجاري كتاب الراكاة بالدالا صدقة الأعن طهر غني (١٩٠/ طبع تديين كتب خانه.

. وكناه الحي مرقاة المقانيح شراح مشكوة المعيانيج كتاب الإكافيات من لا تنحل له المستقد (196 - ٣٠ اطبع داراتكت الطبية بيرونات

- ؟). حسيع أهيل السيخلة (لاماع فتحسن الدر البيجيار أثنات المعلّ والإباحة فمثل في قبيع (/) () طبع أيج البراسجيات
 - ٤) وتخلع وتبرك من يفجر لانا دخاه فيرسانا

وت وتيدال المحت

\$ 0 €

باہ جودان بات کے جانت کے زرید زائی ہے اس کی نماز جناز ویز ہنے و ایٹنس عاصی (⁽⁾ و قاس ہے۔ اس کوفام ہنا تا ارداس کے جھے نماز ہز سنا کم دو ہے ^(ع) یہاں تک کہ وہ آبتا اب دو جانے نہ نظار مشاقعاتی تلم ، جمہور درنارہ فرار

مرزانی کا تکارتی معانے والے کی امامت کا تھم

ها کی به

کیافر بات جی میں علی نے دینا و مقتبان شرع کی در یں مشاکر در مرافرب وارم ہے قوم کا اور می کو مراار بچرمی شترا مجھ جا جا ہے ہے۔ دیکھی قبلہ ہے کہ ہے۔ ابدو کرنوگی و شریعہ ابدو کی اس کا فجاہ ہے اور اور انتہ بچر بچری گیری دکا اور بی شریات ان کھیا ہے۔ اور انترنوکی و شریعہ انجی اس کا فجاہ ہے اور مراہ دی ذراق وافویت کرتا ہے جس کو مثالی زبون میں دکا اب تہنا اور برجس میں شامل برجاتا ہے اور مراہ دی دیکو رکھ اور کھان جا کر کھتا ہے۔ بھر کہتا ہے اور انتہا کی اجا میت شرول سے اراسل مطلب اس کی ابد سے فو کی طاب کرن چا اور یہ ہے کہ قب مراہ او پر شریا کیا ہو زبل کی اور ہی ہے ۔ اور کو گاگر میں اور ہے اس نے ایک مورت کے در گھو کا ان کہا ہے۔ خد جانے واقع درج کس تم کی ہے ۔ اور یہ گھرو میں بھر چیرہ مسلم نو ان کے ای جس میں شریک ہوئر الان خوال دیا ہے اور اس میں در ہے موس کی اجب اور شریعی سے مطابق میں کے ان کے اس میں شریک ہوئر الان خوال در اور اس کھا تا وادر اور جس میں اور براہ اس اور اپوری شریعی سے مطابق جو اسے کر اور میں دور اور اس کھی کا کنان وادر اور جس کا کنان وادر اور جس میں اور اپوری

فوت وماسق من الله في وهو حووج عن الإساعاة فدوعل البرادية من يرتكر والكيالو ... محتمار م

ا العمير الخ شامي اكتاب المبلوة بات الإمامة ((23 مليم الجيدا بم مسجد، و أكفا فين بعسيم روح ... - المعاني مورة النفرة (27 در أحدام التراث العربي ...

وكندا في حاشيه المتحطاوي عمل مرافي الفلاح كناب الصنوة باب الامامة هم ٣٠٤ الطبع (الواقكت. الطبعة بروت لمنان.

إلى دهاني في خبر ع النصية فيمني أن كواهة تقديمت كواهة تبخر براام كياب لطاؤة ماب العاملات. ٢٠٣ طبع مديدي كان حام.

وأكد في حاشيا الطحطاوي كيات الصلوة باب الإمامة ١٩٨٠ - مشع فديمي كتب حامد

إلى الديار من شفيات كيس لا ديناماله مشكرة المصابح باب الدياد والاستخدر عن الاستاطع قابيس.
 كيب عالم مو كدا في الن ما منا بابد الدكر والكرية من ٣٣٣ شم الجهامية منادلة.

ه ٿ ه

أن في الما تح الم إليان التراس الدول إلى المواحي إلى المواحق المواحق المواحد العواج المواحد المواحل المواحق ال المحافظات الما يحرب المراج المراجع المواحد المواحق المواحد المواجعة المواجعة المواجعة المراجعة المحاجة المواجعة المحاجة المحاج

ي وأمن الرواميلي بعد عللها التراعد بدينية أنه يا يهند لأمر وبه وبأن في عداده للاعتاء بعصيمه وقد وجات الدينية العاملة شرعاً مرد المنحدر التاب الصدّوبات الانامة (الراد طبع الجيابات المعادر الماض الساء التاب الطبعانة والتصاملين لانهات لامراء - اكانت العائمة الانامات ٣٢٣،٣ علم الكلمة العاملة الرادك والعملية الدين وكانا في النهر الدائل كناداء فسوة بالدائمة ١٣٠ فلم والكلمة القلمة مروما للكرد

ع و وقوليه ومناسق من النفائق وهو المجروح عن الاحتدام، ونقل بنير هاية من يرتكب الكائر الداية الــــــ - الامتدار والرامي و أقبل أو ويتام والدائمي و كان الصدرة و منا للإمامة و المناه فقط الجدايسياسة ما الــــــــ - واكفة في تعليم واوج المعملي عبد أو الشرق 193 و الركادة الامارا أحياء الدائمة عربي ب

. وكان من حاضة أعلجه وي مثل مرافق الفراح كناب عطوة باب الانامة الأمام والمرافقة والله والمرافقة . العملية بروك سنون

- (ع) أن الديار رضي منك عليه عن البراصين الله عليه وسايا قال الطائف المشركين وقورا النحي بالموا المشركين وورا النحي بأصف المشتركين والموا النحية بالمشتركين والموا المشتركين ا
- وی فقتار داده افزاد و بحد قدر انقدانی را بنیا داده به این این افزاد را باید در داده و با می استان معدوه و در ا استطاب العلی امراضوب بدر در در از مدارت توامل اس ۱۹۸ مسلم حکت استفاده صحبه استگی بعضه اما بی ا ایندازی از در از در این شدارج در در در ترکیم و در امران می امران استفاده میداد در افزاد می ۱۹۵ و دارد در آن اگرامایی در کندا می همچ تجدد اشتراع استان موسس الامرانس ۱۹۵ شخچ میکید الاسلامید
- عم اعلى أمال فينسو المنتيج أسانه ماه عن أفدو ومنان الله عليه وسنوفائل أحافها المستوكيل وقود السعي - وأخرم الاستوار عاواكس من سنو ادا مع أو استوقيقي على للحث فقا فقيل أحده بخارات الما - تديد الاعتبر العادة فيم في فراني فران الانتراك

عن الرفاياتي و الرقع كان مركا البياب بركاره على المتبات المركا الناسعة المواقع المت كان المال المواقع المواقع

ه ما شاه این کندان و الصوم مطلب هی الاحد من المحمله ۱۳ افاه طبح النجل مدرستمام و کاما هی المحمل الراهم. انتخاب المصلوم باید ما بصند و ما لا بصنده ۱۳ از ۱۹ اطبح مکتبه راشی به آلوکتها و کاف بی بلاح الفصر کتبات الصلوم باید با بر جنب الفطف و لکماره ۲۰۱۲ ملح ماکتبه راشیدیه کورتما.

٧٠ - قوله وفادين من العمل و هر خروج عن الاستفادة وقبل ألم ادم من بر تكبير الكانر كشارات الحمر دائر في وأأكل الرياز بعد دلك الرغ شامي أدمات العمرة بالمالا الأمامة ١٠٠٠ هم طبع بنج. فريد المعيد وكنده عني العميد رواح مصطفى عدرة الشابة أصد ١٠٠١ ١٥٢٥ هـ در أحياء الفراد الارس و كدا في حادث المتحقل ي أكانت المبلود الن الواداء والراحة على در الكان تعقيم في وسيد.

٣٤ ديم السختار التناب العضر والابا دافعيل بي البيع ١٩١٤ ه طع بجرابيد معداب وكية دين الهيدورة كانت الكراهرة الدار عشر بن العدام عشر بن العدام المهاو وسائر و معاصي ١٩٩٩ مع معج دراد دوردردرد الاوادر وكدا بي الارمو الرائل كشاب الكراهية فصل في ١٩٥٥ ل وادادرات ١٩٨٥ هـ ما ماكيد والتناب كانتها.

الهم السامي أفيات منحظم والإلماحة فصن في البيع الأبهارة صنع أبج أيت ما ميدت

هي الدرالمحمل والشندي، كمات يحفظ والإماحة فصار في السع 1 100 صع الجماعو، معما با

ه با در ادا فراه آن ۱۳۷۵ بیره ۳ و کامه فی ترمین تنواند البور باشد. ما حدافی قرفه افغیلهات ۱۳۹۵ - مشیم اسی بهدامیها و تعدامی طهیدیه کتاب اتباع الشام اکنین فی احکام دعف با نظر این المحقود - مدام ۱۳۸۶ فیلم مکتم شده افزایش

الله بين المستوان و المستول المن المله و رسوسه الما يت الماليان بين بين الماليان الموقعيل المستولات الموقع الم المستول المستولي المستول المستول الماليان المستول المستول المن المستول المنه و جديم المستول المستول المستول المنه و المستول المنه و المستول المنه و جديم المستول المنه المستول المنه المن المستول المنه و المستول المنه و المستول المنه و المناف المن المن المستول المنه و المناف المنه و المناف المنه و المناف المنا

 $[\]mathcal{A}_{\mathcal{A}}$ and a first sequence of the $\mathcal{A}_{\mathcal{A}}$

إلى على الله عليه المنظري و شيئ الله عنه قال فال رسول لله صلى الله عليه و مقم طده عن بالمحك و المحكمة على الله عليه و المحكمة و المحكمة و المحكمة و المحكمة الله عنه المحكمة المحكمة المحكمة المحكمة و المحكمة و المحكمة والمحكمة المحكمة المحكم

وكداهي الهداية كتاب للبوع فالمناقرير فالهن سماح فالافطح مكتبه والحماسف

الهم الموقالا حراب من الأهابار ما ١٩٠٠.

⁽²⁾ مشاكرة المستسابين كتبات (٢٠١٧) أو القصاد إلى ٢٣٦١ على قديمي كتب حدة ، وكدا في سان إلى الواقع كتب حدة ، وكدا في سان إلى الواقع كتب المجاه و كتاب الجهاد وكتا في صبح مسم ، كتاب الجهاد مات وجب نقاعة الإميار ١٠٤٤ على دريمي كتب جاءة.

هاي دريد عبلوا كراهه مفعيد أي داستي بأمه لا مهنم لامر باسه ريان في الفديمة للإمامة العظيمة وقد وجب
عليهم إدارت مراء أسرس كدال إصال عالي الامامة الأسراء على الجراء المستعد كراجهيد
و كذا من فسنها عبران الهيدية كنال المبلدة بالسالان المستحد عرب الرئاسة بمرود المنان
و كذا من شهر العانق كنال المعلوم بال المامة الأسراء على در الكنال حسية بروث لينان.

راب كالناب الصلوء باب الإصاف الاستان فيضع ليج وابعد معهما

لايهشب لاعبر دينه وبال في تقديمه للاعامة تعظيمه وعد وجب عليهي اهانته شرعاً المخ والقائمً يتمد الروائح_

مرزائيوں ئے تعلقات رکھنے دالے کی امامت کا تھم

ھ کی≉

کی فرہائے ہیں لما وہ این ومفتیان شرع میمن مسئلہ قول ش کہ ایک شخص عام مسجد ہے اور اس کے۔ وعقیاء است علاماء یو بند کی طرح جی مکروس کے رشنہ دار سرزائی جی ۔ جس کے ساتھ اس مولوق اعام کا کھانا جینا افعان بیٹھنا میں باجوار بنا ہے رائے یاس مولوق صاحب کے بیٹھے تبار پزشنی درست ہے پیٹس ۔ بیٹون جروا

J ₩

عرز افی مرقد بین او ملام سے فارخ بین او ملام سندخادین توجات کے بعد ان سے سارے واشخے غوت جانے جی (ال اس لیے ان کے ساتھ تعلقات رکھنا دوئھ ناط کرنا تاجا دیے ^(۱۷) داگر موال میں نے کورو صور سے مال جیج ہے تو سولوی صاحب نے کورکو لاؤم ہے کہ اس سے قریا کر سے (۱۹۸ ورشداس کو

 ه و يسطيل منه و انفاظ ما يعتمد المله وهي حمس النكاح اوالذيبحة ، والصيد ، والشهادة، والارحاء الخ المر المختار كتاب الحياد ، باب المرتد، ١٩٤٧ خيم ابج-ابم-حيد-

وكدا في اليام الراتل كتاب السير و بات أحكام الدرندين ﴿ ٢٠٤٧ طبع مكتبه رشيديه كولته. وكذا من النابة على هاميل الهيمية بات الردة وأحكام اهنها ١٠/٢ هـ ضع مكبه رشيديه كولته.

لا يسجور له أن بنروح إمراء أ مسلمة ولا مرتدة ولا ذمية لا سولة ولا مستخلوكة حاب على عامش
 الهيش، كتاب السير باب الروة وأحكام أعلها ١٦٠ هـ هنيم مكتبه رائيليه كرانه.

وكذا في الهندية كتاب السيو اليال الناسع في أ-حكام المرتدين ١٩٥١ عليم مكبه رشيدية كولته.

٣٤ وقلت بين إذا تعلوا فاحشة أو طلموا أنفسها ذكروا الله ماستعبرو الدنونهم بن ال حمران آيت: ١٩٤٥ يناوه عالى وعن المن وحمل طله عندهال فاي رسول قله صلى الله عليه وسلم كل من أدم حطاء وغير الفحائل المن أدم حطاء وغير الفحائل المن أدم حطاء وغير المناوضين وواد الذمانيان.

باب النوبة والاستعمار من (٢٠١ مشكوة المصابيح طبع قديمي كنت ١٩٠٠-و أكلا في ابن ماجه باب النوبة والاستعمار من (٢٦٢ طبع ابجرابيد سعيد ...

اله امت المسعز ول ارويا باوات الأمار واحد عم

"مدوغا لا مر" كني د مريق م الله مريثان _1 زوا مواليا الدر

شيومدت آفاقات ركشاواليان اومت كاعكم

ه ن ه

والإعضم أوادم بزلاب بأنيس أسافان والمار والضائفان اللم

بحبره فاحد لامتنى حدرية بمالعوم

سحا في رسول لو برا آيت عمراين اسلام لوكا فر كنية «الساحي نيامت واتعم

و الله الله

اليا قربات بين مداوم يام مذة إن بين كه وكي محكم أنها الدكة مشرت الدام معاه بيالمي عنا عن ثمر رقي

 أب السياسين فقد مطور كرامة للدين أبارة لا رويم لا مرديقة وبأنه مي تقديمه بلاء تحقيمه وقد و حيث طبهها إقديمه لدياماً أو دالمحال مكتاب العطوة بال الإمامة فا 1.4 فظام الموديج، محيد العالمية وكد في نسبة على قراح الهابات كمات العطوة بالدا الأماد (١٣٣٨ تشع داراتكشا العصية مروت الجار.)

وكله على النهو التعالي كمات المعلوة باب الإنجامة ٢٠٢٠ فيهم فالراكب بيروث لسابية

ه ۽ ويڪرو آن رکيل هيا، ۾ ويگر ديم ڪاڻ آن رهيوه علقه بالفر جانه اکتاب انصابوق عالم من هو آخل - بالاعادة آن" . لاهيلو وڌاره القرآن والعلوم الاحلامة .

وأكاراهي البحرائر اللي أعياب الصيوة بالن الإمامة فأأنا فالأحرج فكالعارة والرابات

ینے (العیاد ہوند) اور اس نے کہا ہے کہ بر سے زاد کیا۔ وج بندی اور بر بیادی دونوں بھائٹیں کافر میں اور اس نے کہا ہے کوش کو مند برطان مطاوات (بھی جس طران مام عور پر قارق پر جنے میں) کافر میں اور وازگ نیار کیک مشین سے کنا تا ہے اور کانا خصاب مجلی واز همی کو ڈکا نہ ہے ۔ کیا شرایعت کے زاد کیک ان ومفول واسے قاون سے چھے سلمان کی تمان موجاتی ہے پائٹیں؟ ورب آدی ایک جائع سے دکا مام شرد کیا جاسکاتا ہے پائٹیں؟

J#

چینس جومفرے معا و پر منی اللہ مند میں جلس الشدر مین فی تو بین کرتا ہے اور خارا الی سنت کو العیہ فراطنہ کا فر کہتا ہے ۔ سیخ قرآن پڑھنے والوں کو خارج الزاملام تنا تا ہے ۔ بڑ عملا الترب سنت ہے حروم ہے ۔ ایک جھس کو تو ہے مجبور کو جائے ۔ اس سے ماملا استمین برحم کے نفاقات شاد کی وقی سنتین کرویں ۔ بربال تھ ک تا تب جو جائے ⁽¹⁾ نداس کے جیجے قراز پڑھن جائزے ورندا الام تقرر کیا جاسکتا ہے ⁽¹⁾ ۔ واللہ توانی اطم محمد منا شاعد منافی مدرسے معام العمر سنت

9 جارق الإفراق ۱۳ ۱۳ الله

شيعة كاسنول كى مجدين نماز يؤهف كاحكم

†ن¢ كن¢

٤) قبال أجسب السلماء على أن من خاف من مكالمة أحد وصافه ما يقسد عليه دينه أوبه حل مصرة في ديناء يحجوب المعرة في ديناء يحجوب المعرف عن المعرف من التواجر والمفاطع وتباح الهورات الفصل الاول ١٣٣٠/٩ طبع دار المكتب المعلمية مهروت لفارد عن ١٣٠/٩ طبع دار المكتب رشيديه كولايات

و ؟ قد مني أوج را المستسانك إلى موطا ادام مالك، كتاب المجامع باب مدحد في المتهاجره ١٦٧/١٥ عليه من المداعرة ١٦٧/١٥ طبع و الرائد المام و كتاب الهجرة طبع دار المكتب المعلمية بيروت لمنان. وكنا أفي ناح الداري بشرح صحيح البخاري كتاب الهجرة كتاب الإداب باب الهجرة ١٩١/١/١٢ طبع دار الفكر المعدسر بيروب لسان.

٣) ويسكره أن يسكون الإسام حاصقاً ويكره ألز جأل أن يعطوا خلفة ثانو سائع كتاب العبلوة باساس هو الحيق بالإسامة ١٠٣/١ طبع إهرالة القرآن وطفلوم الإسلامية و كفا في رد المتحار كتاب العبلوة بالسافة الاساسة ١١٠/١ طبع المجروسية كراجيل دو كندا من السحم البرائق كتناب العبلوة ما الاسامة ١١١/١ عليم مكية رضيفية كواهد. ''ن ادام کے چکھے غیصہ خدرہ کا آرائی اور پر عاملاً ہے۔ آیا اس کی قرار ہو ہائے گی۔ اوا ان زافر ق پڑھٹ کے بعد الفقی تحص فرمانوں سے وروو پڑھٹا ہے، جس سے رو مردی کی فراز کا طاق ہے۔ ''اور پر فی مقتد نوائل کا م کرکروں والٹ فرن کہ ہے تھی جاری فراز کو فراز ہے کرتا ہے۔ 'کہا ہے تی مختری یا اندم ''ان تحص کم آیا ہے۔ اوا ہے چکھے تمانہ پر ہے ہے اور ان کچھ جس یا و فیض اس مجر کا نواز ہوں ہو۔ بریسے ہے چڑاتھ کروا

er 5 er

جهم الفد الزخمي الرجعي الكرسكون والمينيان سنة شهر شخص فراز بناه يحق قو الركوم مهرست وارد كا جائف الأكراء والكراميسيطر بيقي برنماز وغير وبزعت بهاجه بهاست ورول كوالويف فكي حواد وفتري بالعظامة المارية وقوار كيم مورست وكروع بالسنام المسافقة والفرقوان الخرار

تر والبرانطيف فغرار أيواب من ووث نذعن غني عدم رق مم معموم العراق وهم رقع الأول عليه الماه

شيعد كاامات مين كالحاز كالتم

楽しを

ا آبيام بات جي عليمه بيو ۽ پي مشارک فيند ۽ م ڪي ڇڪهاڻ وفيا ۾ پر آباز ۾ دروي هنا الل ڪي ہے۔ چا کر جي پاڳڻيء

١) مورد غرة ابت ١١٤ يتره . ا .

ق) رداد الع ۱۵ در ۱۶ در کیل صودو نو سلسته اصر السختار کفتات اهمود (۱۹۹۷ طبع بودایو با سید).
 ادرایی د.

على ماهناد بن حمل رصل الله عنه ان رسول الماهناني الداعلية وسني قال حمواهمنا دارا (مربواتك). ومعاملكم وشرائك ويمكم وحصوما بكم ورقع صوالكم الع كتاب الصلود باب أحكام المبداية. حلى كمر هن 11 12 شم منسدي كانت علاما

, <u>2</u> ,

شيد را تعلى برجيري كي لرئيس به آن النه ارا شي هم أجاء منشر، 10 بريت معاشير برك ب ا و لا تسجير الصلوة حلف الرافعيني و التجهمي و السنود ومن نفول محلق القوال الله التها وان تراني الم

مرزانی متونی کی ولایت میں امامت ورست نہیں

ة كي بد

کیا فرہائے جی جارہ ہی ، مفتوان قرن حقیق اور بر مفتران ایک بلک ڈرا پر حالی ہے۔ آباد پر سے والے قوال ہا اور مان مند والجد عند جی تھی ہو قوائی گواور تا ہے اور آئیں کے تقاید میں اور م مقرر آراز دار مان ہے والک مند والی کر در برائی کرد سے قم رائا ہے۔ اور جو اس کشر ہے اس توجہ عموان ہے ہے کہ کوئی احقوائی مندل دیوان کرد سائی میں مقصدا ان کا باہ ہے کہ مرد انجان وقع ہ اور کی دائیں سال مور فوق طلب با امر ہے کہ ناکر والائم کی اللہ ہے کہ کا شرعا ہو ان ہے ہو تھی اور وس کی شرع کے مور فو کو گوا افتوائی مسلمان میان امراز خواود و مسترقتم کو جد کیا ہے دو جو کے شان کی ہے۔ پوئیل راج ہو کہ کہ ہے تو دار اور ان کا ہے ہے۔

ه ڻ 🗉

مردین پوک بالظائی مرکز اور فارق از اللام فی این کے ان سے مقد اجارہ کرہ جائز

 و الهربيدية الساب السعامان في الامامة القفيل متابث في سان من السلاح (مامة بعوم ١٩٤١) و فقح مكتبة الرادرية وكان في ادار السعار اكتاب الصفرة بالاسلامة مطلب النفاطة هيسية أقسام ١٩٣١) وصع البحد مهام عقدات.

وكناء هي البحر الراني كمات الصلوة باب الإعامة ١٩٩١، شنده كولته.

شرب^{ا السو}ان ہے مادہ ان 19 مان کے اسمان سے بیٹا ہوئے اور اس بار السوار ہوئے ہوئے۔ انتخاب کی جوشرہ آن ہوئے السوار اس کیجا ار صورت کی ایامت آرڈ ہا اس کی ہے ^{اس ا}ل میں تھی الس کو مطالعہ موقع ہوئے مام معمود ہوئے۔

این کومرزانی کنندوا لے کی ایامت جنری بع

أيوفأ المات تين هوره في الرحوال مواكن فتريك

الله الكيارة مع المراقعين في الشياء فول المينة معتقد ول مكنده المناطقة ولي أنها كريمي مراد في عاليا عال. العالم مستحدة في المجاهرة التوليد و المبارات المستحديث في درو بساورة المجادرة في أن مرام في إلى المبارات الما العالمية المباركة الن المناطقة في أن وقي تعالم المستحدة في المباركة المباركة المباركة والمستحدين المباركة الم المباركة في المتحدة المباركة المباركة في المستحدة في المباركة في المرافق في المباركة والمباركة المباركة في المباركة في المباركة في المباركة المباركة والمباركة و

محوله في آم الفيف أنزاء من الانول في وقوال مول وروال النظام الأيل و (١٣) أنه السرائي الموفي تطوير المواقع من المناسسة والقرام من الأنساع في المودولي المنظوم في النظام المن المن (١٣ - الجمول منه الكوري في مادونت في موزوز على المنظوم في والمراز المناسسة في والمورود والمناسسة في النظام ا

و شارفها مسه الدو و هو الشاها و الفاسر و العسر و العبي و الساير و الأعالة و الهيه و الراهل و الا هام الدولة الدولة الله و السايلة و الإساسان و الأسام و الهام المام ال

والشاعي تنجر أراني أندياه أأراء والحرقاء للعرتدين فالمجاه منع مكت وعيديد الهرعات

الوكار التي الحارة على هامش الهندية عالما تلوه وأحكام أهنهه حمادة فالضع مكمه النهداء كهاشان

٣) ﴿ الأمالا ويعلوا والأبعني عَيْهِ شَاشِ الله لِدَا الأكواد الآياء ٣ (منبع البيدانية. منعد،

٣) ٥٠ منجو الحقر بالشفل وتكمفه لحق والتباعية بن مورة النفرة ويت ١٠٠ يابان وورا.

ا على التي هير در درستي قدم علم قال قال النبال فيه جيئي الله عنه واسلم من مثل من اقلم ليراكم الاست. 2 حدم يوم التقييمة مستجدًا من على رواد المهدوات دالا دوكلومدي ورواء الى ماسة عن البراء به كود. اكتاب العبد القبيل الذي من 15 طبع لديني كتاب بالارس.

48 و بگراه و معموط است و قامل الدار مسجود کردند. الانبار و بادار الانبار و از 196 و بطرح النجار بهاد مستاد ال الو کشاره این المحافظ الانبار الانبار و المسلوم العمار المستوامي الانبار و در 196 و المام و مسيع المكند الواد منا الله الكوافظة و كشاره الدارة الشواح الهياري كمان العسيد على الانبارة الانبارة 1974 م 1974 و المستوام الواد المكنية و مسئوم الدارة الدارة المستوان المستوان العمارة المستواد على الانبارة المستوان المستوان المستوان

∀ٽ⊌

ال) اس و م نے ور درویش کیٹن کی ہائے اگر وہ تھی اس نے مرد کو یاں واسٹے مشیورے اصلا اگر کیا۔ اور روز حسانگ دوڑ رہا کہ نے دوری کی ماوے ناد دائیں ہے اور ا

(۳) که دافعی بیتیده میزن جیده شده دکتاره ادر محابار شی این نیم کورد باد خدارتا به جید که دولیت منطقه می گیافتر بیار در دست با فازایا همام از میدان^{ورد ا} این شریعه مان مل میاست فرید کی اور

(r) 10 ص من موادم في ان ياءً كان أما الطحداث أن الله طيب الإيقاق الإطبيا الم

(سر) و بر مهم المحمد المعلى أنها أن معلى المعلى المعلى المعلى المعلى المعلى المعلى المعلى المعلى المعلى الم المعلى والرائم مجدومة في المقال المعلى المعلى أن المعلى المعلى العلم المعلى العلم المعلى المعلى المعلى المعلى

- ان ويسكو والمستد عدد ... ومشيخ لا تأكد مها ووان بكا بعد . ما عليهم . الدين فيه وذكام بها كفوله إلى البينة المستد القافل ميشام وردكتها فيستد معيدين فلا يعيل الاقتداء لا أسالا فيتعلق ود المدعد الكانت المسلومات الالاممة مقلب البارعة المبتد الهيئة 1 (200 ما 200 فلاح الإجازيم، سبيد كانتهم إلكام في البينيز التي تين العيدي المبتلومات الاست 100 والاطراع ورفية والديات الإسادة على المعتوى الهيمية الالت المداولة التن المدامل في الإستد المعين العدام الدوارة عالات الديارة الدينا والا
- على في النجر عن الحرول و لا بأس أن إدا حراة كام وقعل دهمة المستحدة حراء حرفه و إن القدام مدين وسائم المستحد و المرائم ال
- (۳) عن درورها بروضي الله عبد قال قرار السول الله صفى على وطهوم المستور عدر إند فام اكتب طبيب المراجع والرائد عبد قرار الله صفى مدن عمل المح (المائد و المدن الله على المدن المحل المراجع و المراجع و المراجع المحل المحل
- ويسميح المحاري بالمدار بمن الله حديد من علدار الراد اللهع بديمي كنيد حائمة وكما في مشكرة المصابح باب الكسيد وطنب المحاد المعنى الاس بقرار 22 فقع قايمي كنيد حديد.
- عم الاستخصاصة موابعية على الرجال الاحرار العائش المصنية التي الاستبار الع حديث على هامش الهندية. التفات الصلدة بالدر لتجنعه الأرداد شع مكت رائده به كرده الدراكة أمي فتنام بالهندية التداب العبائية الدران لتبادل الدين التي في مانية الحصاة الأردي شع مكتبة إليانية كواهد.
 - الوكا الح الحسن كالبر كتناب العرفوة فعدا في عرفوة العدمة أثماء فأطاع بالمراعي كالبرا حانف

مرزائیول <mark>سے تعیق رکھنے والے کی</mark> امامت کا تلم ﴿ آل بِهِ

أيوفروت جياملا وي وفتيان فريع منين الرسد بيرس.

ل کا نیست می این جوانیک مرکزی به می مجد کا تطبیب دو ورخخ اودار دومرز ایوان نیس که پرتیک اندر نیس متنا جنگ و بنائی مرکزی امترا استجاز تا دور حب موصوف سے مرض کرتے ہوئے در بات با آیا اندک کی کہتا ہے کا دشمان فتم تو میں سال انداز شرک کی ایس دکھنا تھا میں کے لیے تباید کے بند برود کا کوریت تے ا زواج کہتا ہے کہ معالمات کے لیے اید کرنا جا کرت ورکام مرت سے جائز کھی کی ان کا برزہ اب درمت ہے۔ اگر بھی تو خدا کے لیے شرق و المال میں تو تی موال سے ایران کر دوس ر

(۴) كيا تنو روارها مو يُرز مُهُ اليفوي لُلوكره بينا كي فيس يني جا زيها.

و ۱۲ کا آبا ہے و لموری کے بیاداری پلٹے بجرے بین کمانا بازو ہا اورشن تو بھر ایسا امام کی الاست کا خاراد اگر تی ہو کا ہے۔ اور اور مرش کی واکنی ہے تو کی صادر آریا کر مشکور قرار کی تاک ہو م کی معاومت میں امراق ندائے ہ

∞ ٍق به

۱۹۱۶ کر بیاد کم این مشتقی طوحت کاربین کاربی کم ہے ورد دائیے اطلاق کے ادر یہ ہے لوگوں کو ہدارہ اگری ہے ساتن کے درکان سے مشکر اتام انوری متاتر ہو کر کئی اسٹیرہ وران مکانا ہے قو جا کر ہے اور میں والیاس کا درست سے دریڈیس (1)

((*) أَمْرُهُمْ الْمُوْقِي لِلْوَالِمِينَ لِي فَالْمِينَ لِي أَوْلُولُ لِي لِي الْمُعِينَ فِي الْمُعَلِينِ وَالْمِينَ فِي الْمُعِينَ فِي الْمُعِينِ فِي الْمُعِينَ فِي الْمُعِينَ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِينَ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِينِ فِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِي وَالْمُعِلِينِ وَالْمُعِلِينِ وَالْمُعِلِينِ الْمُعِلِينِ أَلِي الْمُعِلِّ فِي الْمُعِلِي فِي الْمُعِلِي الْمُعِلِي فِي الْمُعِلِي الْمُعِلِي فِي الْمُعِلِي الْمُعِلِي

اع الاستحداد المعلومين الكندرين الوادر من قون المؤسسين ومن يعمل دفائق فليسر من الهدفي تشتي إلا أن منفوه مسهد فقة ومحفر الدوائم من الدوائم من الدوائم المعلوم على الدوائم المعلوم ا

إن والشاعي وهو الاحمد المعاصل وسندي أحير وحد أوهو من بعد مل بواحد عمدها دومها بالمحصيص
 كعير حملة مر شهر اللحدمة وشهر الرعي الدم - رئيد المتماعي أن يعمل نشره الدرالمحتار 19.5 - الاحارة، مات تعمل الاحارة من 19.5 ج الاحجاج البح البرحيد كراجي.

واكنفا في الهنددية كذب الاحترائة فياب عامل في الارتباك على تحتر عليها الإسرارة، ص ١٦١ م. ح في طبيع مكنية وشيدية محوناها والداعي المفته الاسلامي، الفضار الفائلت عقد الابجارة الحكام الاحتراثة من في 15 تام ع 10 ما م دراة كر المساهر بهروت السال. عمل کی ہے اور اس کے علاو واپین مخصوص اوقات بین آنا ہی ٹونیک ترتا ہے تو فیس بینا جائز ہے (۱)۔

(٣) باز اریش مینتے بیر نے کھانے کی جادیت غلوا اطلاق کی علامت ہے (١) سروت کے خلاف ہام کو ایک عادت ترک کرنی جا ہے ۔ اگر ترک دیکر سے تو کس اپنے شخص کوجوز یادہ باد کا راور باد خلاق جو اعام بنالیاجا ہے (٣) کیکن اس کے باوجود میک میں کے چیجے نماز جا ان ہے (١)۔ والفرائلم۔

محمودهمة نعدهن متشفتي ومرسدقاهم العنوم

تاجر آ دی کی ایامت درست ہے

∳ ∪ ∲

کیا فریائے ہیں ملا ووین دریں منظہ کہ ایک تاجرآ دلی میخی و کا تدا د جو کہ فیر شرقی یا نا نہ بیا کا م بھی بظاہر کو ٹی ٹیس کرتا اور مسائل و فیر واجھی طرح جانت ہے اور شریعت کے منا بق داڑھی بھی بھی ہوئی ہے ۔ کیا امیافننی شریعت محد کی کی روسے امامت کرا سکتا ہے ۔

٤) يبجرو سلسلفي أخذ الاجرة على كتابة الحواب يقهوه سواء كان في طلت البلدة فيره أولم بكن لان الكتابة ليسمت مواجهة عليه لان مواجه عليه الجواب هما باللسان أو بالمكتابة الفتاري الهددية الهاب التناسي والشلاليون في المعلوقات ، ص ١٥٥ ج ٤٠ طبع مكتبه رشيديه ، وكد في علاصة الفتاوي، كتاب الفضاء الباب المعاشر، في المعطر و لاناحد، ص ١٥٠ ح ٤٠.

٢) الاكتل عدلي النظريان مسكروه ولاياً من بالاكل مكتوف الرأس وهو المحتاره كاما في الخلاصة
 الهدماية ، كتاب الكراهية ، قال ب المعادي عشر في الكراهة في الاكل من ١٣٣٧ ج ٥٥ طبع مكبد
 رشماية كواهم

 وفتى فتناوى الارشناة بحب أن يكون امام القرم فى الصلوة أفصلهم فى العلم والوراع والتقرى والعرائة
 والمحسب والمنسب والجمال عبلى هذا اجتماع الأملة، تتدريجانية أكمانية الصلوة عالية من هوا حق يتالاسامة عن ١٠٠٥ م ٢٠ م عليم ددارة القرآن، وكدا فى الدرالسختار «كتاب الصلوة» باب الأمامة عن ٥٠٠٥ م ٢٠ م ١٠٠٠

وكيفة في الديني المسائق ، كتاب الصلوة، باب الإمامة، ص ١٣٩٩، ج١، طبع دار الكتبية، العلمية، بيروت البدان.

2) ويسكره ترزيها إمامة عبد وعامل درميجناره كناب العبلوة بات الاعامة حلى ١٩٥٩ ج١٥ طبع البيرسايم مستجده ومشقه في الحلاصة : كتاب الصارة : الفصل الحامل عشر في الإمامة والاشتداء على ١٩٤٥ ج١٥ طبيع مكتب رشيشايه : كوشته ومثله في البناية على شرح الهداية كتاب العبلولة ، باب الإمامة على الإمامة على 1٣٣-٣٣٣ ملم داو الكتب العلبية .

ھ ن آن

ا الشخص في الما النصاب أن المسابق و المسلم المسلم

د کا ندار کی اماست کا تعلم

J

المحسل المستسعة البسيع ويعنوج النوينواد الاينة أأفكر كالخش كانامت جائزت يكمم كالمام وا

و كفا في مشكوة المصطابح، حن عبدالله دار دال رسول الله صلى الله عليه وسلوطس، كساء المحلال مربطة مد العربشيد رواه المهلي في شعب الانجار، كناب المواج دناب الكسب، وطلب المحلال من 1817، صع تدبيل كتب فايد

٢) سورية البغرة، أيت بعد ٢٧٥، ياره ٢٠وكة التي مشكرة المصامح، عن عبدالله قال قال رسيل الله
 ح إلى الله عبد وسلم فلب كبيب العلاق فريعية بمداني بعدة رواء البهيقي في شعب الابسال كبات البيرع بالمدابك وطالب العلاق تقصل الثاني، ص ٢٤٧، طبع قديمي كتاب عاده

٢) مورة العرف أدت تعم ٢٧٥٥ باردتمر ٢.

ران ^(۱۱) رفتها والغداد ولی ام

حجو کے کوامام بنا ناورسٹ میں

$\Phi(\omega') \leq$

و تي په

جم الدائران الرقيم الينز الوصول ووال والمراهد معالى المراهد على الميان الميان المراكب والمن كوج ب في المعالى م ويد والمراقع والرامي في في ترام أو في المعالى المهار والمراكب كالمناز والمراكب المراكب المراكب والمراكب عن الم

أي معنى تستوير الإرشاء بحث أن تكون عاد الله دعى الصنوة الصالهية في العلم والورح والتفوى والفراء
والمحدث والديد عنوة حدال عشل هذا بحث عوائمة الله والتحد الثانية الدينة السلوة بالدين هو أحق
بالإدامة من الدينة المعارض الدينة والريائم أن والعنوم الإسلامية واكتابي الدينة للمحدد الاستحداد المحدود عن الادمامة المداورة المحدد عراض واكتابا في المهرالمان كتاب السلوة
بالدينة الإدامة هي 1959 م الدينة على الكتب المحديد عروف الينان.

إذا والقاطيعيل الايتحال والقبول قراء بينع والأحيار ثواحد منهما الأص عبد أو عدم روية الهماية، كالها النبوع وعن ١٥٠ ح.٣٠ بنبغ مأفسه العمال لاما

ومقالمه فلي الدوالمجابل مع رفراً وحداره مطلب بطل الايجاب مهمقة على ١٩٥٥ مع قا، طبع يج البود. صعيد الراجي موجدة في المدرانزانين. الجانب الليواغاء على ١٩٣٤ م قام صح بكتبه رائبيا به الواقعات

قر وخت کرنے نظفانا نام از بس⁽¹⁾ اور ٹیم جب اراؤہ کے جمعت والی اوس مود سے سرے سے انکار اور پا قر اس سے پیٹھن فوائل دوگیا ^{9 ا} اور فائل کی ارائٹ سے آجی ہے ⁽⁴⁾ بے بغوا اس کے جانے کس اور و بندار رائم کو مقرر کیا جاوے ⁽⁴⁾ اور ان کو جموزہ جائے ہوئے اس کو جا کہنے تھی تھی کو کہنے ہا اور جائے اول ا موجب فیش ہے ⁽⁴⁾ انتخا المام میسرف افواور دیگر متعلقین کا اپنے جھوٹ سے قریبانی ہورہ شرور می سے ⁽⁴⁾ انقولہ علیہ انسازہ و المگذف بھائک انتخاب کے والد ترانی الم

ع رومجرا ورثباد فنمرانها ب منتي هرمه ياقاسم العنوم ومتمان

هزي فيرو١٣٨٩م

 ا) عن آس حرة الوقاشي رضي قلد عاد عن همه رضي الله عاد قال قال الني سقي قلد عيد وسلم ألا الاستشامه والدالا الابتحال منال حرى (لا تعينه العني مناء مشكود فيتعاليج، باب المهمية والعارية)
 القصل الثاني من ٢٥٥٠ ملم تديني كنية مشار.

لاينجور لاحد أن ينصب في في ملك عبره ملا إداء أووكاله ما أو لاية وإن فعل فائك كان صامعًا. وشرح لمحلة لرمند باري ماده عن ١٩١٧ه ص ١١٠ تاجرال كلت حالت

ومشطّه هي الدرانسجتار؛ كتاب العصب، مطلب فيما يحور عن التعبرات في مال العبراء عن ١٩٠٠ ج. 42 طبع ابيج، البوء معبد كراجي.

- ٧) وفيسيق من المدين وهيو حروج عن الاستقامة ومن العرادية من يرتكب الكتام كشاوب ومديدة وفيرة والمحارب ومحمر والرائح والمرادية من يرتكب العالم المرادية والرائح والمرادية من ١٩٥١م ج ١٠ طبع الهجاء العام مدينة المحارب مدينة المحارب المدينة المحارب مدينة المحارب المدينة المحارب المدينة المحاربة من ١٩٥١م والمحاربة والمحاربة المحاربة المحا
- ٣) مثل مشي فاي شراح المدرة على أن كو اهد قايمة كراهة تحريبرة شاميء كتاب الصفورة، باسه الإسامة، أص ١٩٦١ - ١٩ مليم الهرسجيد.
 - ومثبه می خلبی کیر کتاب الصارة، بات الامرمة، ص ۱۳ ۵، طبع معیمی کتب حاله.
 - ومنه في حاشية الطحطاوي، كتاب الصاراة، «المالاله» ص ٢٠٢٠ ميم قايسي كتب حاله
- في فضاوى الارشناد : يحب أن يكون إمام الغوم في الصاوم أعصلهم في العلم والوراح و شفوى والفراء أدوالحسب والسب والحمال على هذا احماع الاماء الثانو حاجمة كتاب الصقوة بات من هو أحق ما لامامة من عمل ادراء ج د مصع عارة الغرائي وشاوم الاسلامية.

و كفة من المدر المستخدار ؛ كمات العموة مات الإمامة من ١٧٥٥ (١٥٥٠ ع) طبع البع (١٠٥٠). كراجي - وكفا في المهم المعالمين. كمات الصلوف بات الإمامة من ١٣٥٩ ع: ٩ وضع دار الكب العلمية ومروث الماري

- و ساملين من المسلق وهنو حروع عن الاستفامة ولعل المرادية من برناك الكائر اكتابات الحدر
 و البرائي والكل الربنا وشحو دالك الخ المعير اكتاب الصقوة عام الامامة ١٠ و كادا في تصلير روح
 المسلماني، سورية المقرة المدر ٢٦٠ في ١٨٥٤ ح ١٠ طبع داراجها الزبات العربي، وأكدا في حاشية
 الطحطاري، كتاب مصلوة مات الإمام من ١٠٠٠ من عزاراكت العلمية مروت.
 - ٣). والقبي الاحطوا فاحشة لوطموا المسيم ذكروا فله فاسخ والفولهم المورة أل عمران، من ١٣٥ ويتره لام

ناجا رُفتمير كهائے واسے كى امامت كاتقم

÷ ل¢

تنيا قر د 🗀 چې مل د د ين ا ساند پيل که :

(1) الیک ادام سمجہ نے نا جائز حلفی بیان ہے کہ ایک مرد وقورت کا فاق کے جائز تا بت کیا جاتا لگ ان کے مجائے شرقی فکان کے بہائز شلقات تھے ان کا کوئی کا ن کٹیس تھا۔

(۳) - ای ادم محیویٹ ایند مورت و ناپ نزصف بیان ویٹ کریدانت میں طلاق دروق کس کریدان م واقع مورت کوبر سند سے انکار کرویٹ بدیون کلدائر مروسٹ وٹی انکارکیش کیا تھا۔ بیکن اس سنڈ نان بیا ٹی کی ہے۔ دہذا ہیںام محیود و مست کے لوگن ہے یا کوٹیس از بیزا توجودا۔

\$ & & &

الشرط صحت سوال البيافخص جوناجا تراتمين كهانا جوفاحق و فاجر ب (۱) دورل كل مامت تين (۱). مامت ستة اس ديها ناج بيد (۱۰۰ دوكن معتد عليه وين دار عالم كوفام متر ركزناجاب (۲۰ يافقه والفرقو ليا الغم

- د) وقايد في من انساق وهو حروح هن الإستفادة وقبل الموادية من براكات الكائر الاشتارات الخمروائرائي والطي
 الرما و تحردالك، شامي كالب الصوافة بال الإسامة عنى ١٥٥٠ جاء طبع الهج به مسهد كرا بهي ــ
 وكيفه في تعمير ووج المعالي، صورة الغراء المبيرة ١٨٥٠ من ١٨٥٤ و ١٠ صع دارا حيا، الغراب العربي
- . و شناه فني تمسير ووج النمه تي سوره النمرة : تنبير ۲۶۰ ص ۱۳۸۵ ج ۲۰ صنع قارا خيا، انتراث المربي. - و كله في حاشية الطحطاوى، كتاب العبليرة، داب الإمامة، ص ۲۰۲ مطبع در الكتب بير رات.
- إلى مثل مشبى في شرح السبة على أن كراهة عديد كراهة محرية شايي، كتاب العينوة باب الإمامة،
 عن ١٩٥٥ ١٩ مالياح إياج إيام سبب أراجي، يطله بي حلى كثير اكتاب العينوة باب الإمامة، ص ٣٠٥ ٢٥ مالياح ميدي كتاب عائدة ومثله في حاشية الطاعماري، كتاب العينوة باب الإمامة، من ٣٠٣ طبح فلايمي كتاب خلامة.
- ٣) وأسا الضامسن فضاء حشنوا كراحة تفديمه مأته لايهيم لامرديمه وبأن في تقديمه علامامة تعظيهم وقد وحسب خشههم إهالته شرعاء ردائمجتار كتاب العموة: باب الإمامه دين ١٦٥، ح) دعم اليج اليم. مسايات كراج ي دوكر با في المبارة على شرع الهديم، الاباب المبلود، باب الإمامة، في ٣٣٥٠ ح٢٠ عن عبيح دار الكتب العميمة، بيروت البيان
- قض فلسنوى الاراشياه يسجب أن يتكون إمام انفوج في المبترة أفضلهم في العلم والورع واعتبرى
 والقراء فوالمحمس والسميس واقحمال على هذا إجماع الامة فاتار حامد كمامه الصوة بالدامي هو
 أحق بالامامة على ١٠٦٠ ح١٠ طبع الارة القران والسوم الاسلاميات.

تھوٹ بولنے والے اور اپنے بچول برخلم کرنے والے کے بیجھے ٹی زیز سنے کا حکم

﴿ كَنْ يَهِهُ

كميا خرمات الإل علما ودين ومفتيان شراع تتين الدراي مسندك

(۱) آگر کوئی گنگس سچیر میں اوم موادروہ مجھوت واقد ہوش کا شار سے پاس شریعت کی روست یورہ پورا شہوت موادر وہ تنگس بورا بور سال بھی ہوا درنا ہے کام نوکی طور پر مجام مجی نوار پڑ ہوچمی کی دو گڑا و نکی بیٹا ہے۔ براد کرم اس کا جمال شہی مور پر من دیست قردا کیں ۔

(۲) کرکوئی تحص مجدیں امام موادر عالم بھی موجہ ہندیوں بڑوں بڑھم کو کری ہو، وہا خوازا امریکا کراچی بول کو طاق بھی دیری ہو جدائی کے نایا تھا ہئے جس میں ایک شیر تواد بڑی جس کی جمزان عالی ، وہو اعودائی بڑی کی بیدائش کے وقت ان کو گئی تہ ایرا ہو، اس کا دوائر اور بھی دورو رو درمرے ہیے کی جرائز ہو حود عالی ہواددائیک ٹرکی جس کی تم پائی جو مال ہو ڈوکر جو کی معتقد رہے جو ایک سے بول ورجرہ اصوالے انہوں نا نیسے انام کے چیجے فراز چا متناورست سے وائٹس سرارانا مرمان کی جواب تعسیل طور پرون بریت اورو ہیں۔

47.0

ا نگر ال**کی کوئی ادا م**رسمجہ جھوٹ اور اینے اور کی بچر یہ اپنیم جیسے کوئر کا ارتکاب آرتا ہوتی اس کے ج<u>ھی</u>شارا ہ پڑھا ورسمبتہ کیس ⁽¹⁾ یہ ویسکو یا اصاحاتی صلا اللغ و خاصق ^(۱) انسی انتوال انتقالی آرام

". دونتما نورتنا ومعرال مانب حتى و درية المم العليم ومترين

هاخال ومعارج

١٠) مثل مشيئ في شرح طبقية على أن كراهة لقارمة كراهة لمربب شاميء كتاب طبقولوليات لامشد.
 ١٠٠ من ١٩٥٠ ج(١ طبع محد) كراجي ـ ومثلة في حمى كبر ١ كناب المبلولة بات الاستقاد من ١٩٠٥ م.
 طبع معتذى كتبيت ومثلته في حناشية الطبعماون، كتاب العيثولة، بات الامامة، من ١٩٠٣ طبع لقديمي كب حالة.

كتاب الصارة على الإعلامة من العدد عام على التي يسبد كراجي
 ومثله في تحالاصة الكداء والعيارة والعدر العدد بن عائر في الإدارة والإقتيار، من ها إذا جاده طبع مكتبه و فينديه كتاب السنوة ومثله في الرائعة على غراج الهدايم كتاب السنوة باب الإعامة من 1777 ع 771 ع 78 طبع دارة كتب العندية ميروث نسان.

وعدہ خلاقی کرنے والے کی امامت کا حکم

400

یہ فریائے ہیں معارد من در ان مسئلہ کہ جند دیا ہے اورون اس کی چھوچکی نے اس کورور ووالد ان ے کا فاقع میں بھور نقال والد ھاک ماہر مسازے میدائر کے میز الرقید کی اما ت سے اس کے ساتھ کا م آگروں کی۔ کے عراصہ کے بعد بعد ہانی کی بیموجی نے اپنے بھائی می قمدا دے وکہا کہ ان کا ٹکائی کردومیا اس نے کہا یہ عمدالرثيدكي والتاسط والووان كالكالئ كروبيا كالدائن حربا تال موار كرتار باية فرهما يوب الامهمورية الاُ کے تا ای ہے دن مقرر ہوئے تو محمد اج ب مذکور نے اپنے میزا کی تھود کا کہا کہ قبال شادی ہو۔ اس نے ا العَامَ مَن إِن رَسِيهِ مُكَارِينِ مِن مُعَمِيرًا رَجْمِهِ لا يُعَالِينُ مِن مِن عَلَيْهِ مِن اللّ تقرن مورة أبل سنة باكرشاه كايم شال وجوة ويعد من قال كرون كالمرته والما الأوكر باكرتم وكان اکر کے ندوہ کے قوامی مردویر ومعمور میں کے کہا کہ نیروز کروا ہے کا توسعور این نے کہا کہ بدیرہ الہام میں سے عام البرور والحرام کیا ہے اٹکار نے کیا ہے گئے قرائش کا بیٹوئی اور پہنچے و مڈوں شرای شن شراق موسے بعد اسک محمود نے انکارٹر دیایا ان کے بعد تھا ایوے کے نعمران کا بہتر کی محمود اران کی بھٹیر واپ جوو اقعاتی محمود نے عمر میں ہے کی روی اوکہا تورش میں میں مشیر و بہتم الرابیہ السالات تعبد الرشید اُولا کی کا تکارت الرووق او مانتا السار کیونکہ تھوانا ہے نہیں نرشکاتھ ہے اورش کے ہے اور ہے ۔ اس نے اقر رکیا کہ دوں کی قواس پرتھواہوں نے ہو کیا و کہا کہ باز کی برت تھی وال نے رویت دیا کہ بھی گی۔ تو اس برمحموا ویہ کے بہتریٰ نے کہا کہ ماتھ کو اے اروتو ٹھرا بوے خاکور کی زوی نے ہاتھ کو اے کے رعمہ ایوے نے ہاتھ کو اے ٹیس کے ٹر مجلس میں سوجود قبا تو گھر ہو ہے ۔ کے اجو فی کو ان کی جو تی کین کھرا ہے ۔ کی بھٹیرہ نے کما کے اب متما کی تقیم کرا ڈے تو تھ ان ب کے بہنون کے کہدا در پر جمدا ہے ہوگی اور اس سان سے جو کے کرکے کرمشان کے لیے دیا۔ وہ کچور کیا ہے آ یا جو کھی مول کھی را اس کے بعد کائ کر نے ہیں اورائٹ دوون کے جدعم الوپ کے بھو مکی زاد جیانی کے کہا کہ تم سم کی تھیں وہتے اس قل کے میون وعد و کرتے ہوتو اس کے کہا کہا کہ الاالعد محد رسول الله الله الله تنظیم ہے تم وہم ہواں ، خدا اوا بند وئیس رون المضور مرتاج کا اُسٹی ٹیس رون کیا ہے گئر مہوت کیوں یہ بضرور نا کا کر دورے گا کا رائس نے ہوئے اس کے کھولیجی زاو جائی نے کہا کہا گروہ انہا رق ہوں ۔ کا قوائد انوی ہے جرامیہ ویا کیا آگر دومان جائے تو آبیتر ور ناج اس کی رشام ند تی کے بغیراس کو انڈ امارکر نکال تکمر دون عال بِعالمِيها مِن كالزكام تِعِلَى كان كَرِجِلاً لِما وركاح كرك فيريات من وروانه البياط ويتصار تغلبا ري ك

نظاع توشین مواحب کارگی وقد اقرار کردنان کروون کا بلادو و فوخور و مواد کی که کار کے بعد نظار کرد وول گا در جاربسر از کا آئے والہ ہے۔ اس نے ناما الا کھاکی جرافاتھ سے دیکا و اپنے تکار کردوں گا۔ کیا اس پر میدول کرد تازم سے بیشیں اور ایسے جو نے نام کی قیصے کردی صل کیا ہے:

જા છે જ

حَلَى المَالِنَ اللهُ مَنْ حِدَثَمَ مَنْ عِدَالِمَ فَي عِدَالِمَ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ اللهِ الله خَالِقُ مُنَا كُنَاوَلِي وَجِدَ بِهَا لَهِ مَعْ الكَالَا اللهِ اللهُ اللهِ اللهِ عَلَى مَنْ وَعَدَ السَّمَةِ العَلَمَاءُ عَلَى اللهُ مِن وَعَدَ السَّمَا اللهُ اللهِ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَن وَعَدَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ مَن وَعَدَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَن وَعَدَ اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ مَن اللهُ عَلَى اللهُ وَحَبُ وَاحْدُ وَاحْدُ وَاحْدُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ عَلَى اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ عَلَى اللهُ وَحَبُ وَاحْدُ وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُوا اللهُ وَاحْدُو وَاحْدُو وَاحْدُوا وَاحْدُوا

عرد اگر آخرشادهٔ نوارش نیستانشی در رزد ام اعتوم المآبان ۱۹۰۶ و ۱۳۹۱ ه

دم وأوهوا بالعهد إن العهد كيل دستولاء سورة على المراتيل، الهت سم ٣٠٠ ياره، ١٩٥٠.

وعين أسى هنريبره رضى الله عنه فان: قال رصول الله صلى الله عليه وسلمالية المناهق للنه رخ مسلم وإن هيام وسلى ووعم أنه مسلم ألم التقاردا حدث كانت وادا وعد الغالف وردا أوأدن حدره مشكوة استعماليج، بالمها لكنام وهلامات العماق والعصل الارن ، ص ١٤١ عالم فدرمي كديه خالف

و كنة الله إلا نساة والنظائر ـ التعلق على الموعد عوام كشا على أصحية القاهيرة وهي النفية وعده أن يألهم فلسم بدأته الاياتم ولا يعوم الالذا التال مدة أكدا في كفافة المرارية وفي يمع الوعاء كنم الكرامة والعلى -التناب محطر والاناجم، على 1877 على - 1878 عليم نسرمي كنب حامه .

ه) المداد مقتابي كذاب المجال والإمامية، مسائل شني، عن يدا دم ح إن هشع داوالصوم كر الجيء

ع) ويكثره إدادة عند) - ودانس دور محياره أشاب الصلوف بالمدالامامه: عن ١٩٥٩ - ١٤ معيم الج البرسمية كراجي

ومشاره في المحياج بيش كتاب الصلوف الفصل الخارس هشر في الأمامة والافتقاد على ١٩٥٠ ع. ١٠٠٠ طبع مكيد واشيدية كولدي

و مشقمه في البناية الدين الهدنية . كتاب مسلولة بالدائلة من ١٣٣٢-١٣٣٣ و ٢٠٠ طبع دارا أكانت العلمية و

جهوت بول كرتي حقداركوجانيدا دروان كوشش كرف وانفى مهت كانتكم

ھۇ ا∟ ب

﴿نَ﴾

اً ' رہا تا عدد عمر پر جاز تاکہ ہاریاں اس کی فارے ہو دیں ڈالے محض کے پیچھیاں زائر روٹھ کی ہے ^{وال} اس کے پیچھے نماز تمیں پاهنی چاہیے ایک تحفی کو نظر این احس مجھ یا جو دے کہ اپنے تعمل سے وزا آ جادے ہو

 ⁾ مل مشي في نبرح العلية ضي أي كواحة تصليمه كواحة تحو من شامي وكداب العادوة دياب الإمادة.
 هـ ١٥٠ - ١٠ صفيات

والكاء في حضي كبيريا كشاب العبيرة، باب الانامية، من ١٩٢٥، طبع ببعيدي كنت الله

ركان في حاشية الصحطة بيء كياب الهيئاة، باب الإمامة وفي ٢٠٠٧ طبع قديمي كنب حابد

نماز دن کی پایندی ندکر نے وا ہے ،جھوٹ ہو گئے واسے اور دنگر خلطاصفات کے جاتا شخص کی ایامت کا مسئلہ

د في كي فريات چي ها شاه ي در س ساكل ك

-) وتحمير و تكمار أي ديامة أي تقوى عليس قامل كنؤا لصائحة أوقامشة من صابح معقا كان أولا على
 التفاهر والمتراكب بحار كتاب الكام ما ما يستكم أعلى ١٨٨ حـ ٢٢ مناح ايج ايج المجا معيد كراجي
 وكما في الهندية كتاب لكام المان فعامل في الاكتارة عن ١٩٦١ حـ ١٩٩٥ على مك رشيبه كراهد
 وكما في المبراترائي كمان الكام عمل في الكام ومن ١٩٣٥ ع على مكبه و شايد كولاه
- ۳) والسواسون والمواصات بعضهم اولياء معنى بأمرون بالمعروف ويهون عن الممكر الابقاء سورة التولفاء آيت سعر ۱۷۰ ميلية و مشكره المصابح الحي عدائلة بن عمرور هني فله عند قال فال رصول الله صدايي الممام مغوا من والوابة الشاماء العام الاول المن ١٣٠ حاد ماج قادين كات خالف وكانا في مشكرة المصابح قال كلا والله شام و بالمعروف ولشهون عن المشكر ولتأخذن على بدائقا مع قديمي كات خالف
 - ٣) المامرون الناس بالبر وشمون أغسكم، مورة اليفره، أيت بعير ١٥٤٠ باره (١)
- قائده رون الشامي أي ، الأرسان بمحمد صلى الله عابد وسم (ود. ارن أنف يكني) تراكوتها فلا تأمرونها به الاعلام مورة النفراء أبيم نمبر ١٥٥ باره نمبر ٢٥ نمبير حلالين عن هـ.
- ه) حاشية الجيس على الجيلائين ، من ١٤٥ ح ١ مطبع له يسي كتب حاية و كفا في تعسير مظهر ي ، دان السيطندوي السيراد سالاية حال الواعظ على تركية العين وتكاميا الديم الديم الدين في الوعظ، سوره المعروم آيت مصر ١٤٠ براء سير ١ مرز ١٥٥ ح ١ مطبع بلو بمسئل بلك أيو...
- و كندا في التعليم أبن كنيره أن العجم بأمر بالمرافقين وف وإن لم يتعلم ويسني خين المسكر وإن الركك. سورة البداية أيث بعم 12 ياره منير (1) طبع لديمي كتب حاب

(1) کوئی امام تھا نہیں وقت کی پایندی شکرے۔ بار بار سیسیے کرنے پہلی اپنی عادت کوشہوں ہے۔ اور مشترک بار باراس کی تنظی کی نشان وی کرتی تو امام ایسے متنز ہوں سے جانور کی طرح لا پڑے اور بداخل تی سے ویش آ دے تو ایسے امام کے ویکھے تماز ج سماجا ترسخ یا تا جانز۔

(۶) اگر امام نماز میں سوتا ہورا کی ایک دووو آیت گھوڑ ہوئے بائماز کی ترجیب غلط کردے اور مقتری اس کی نظمی کی طرف اختارہ کریں تو امام محمدے کہ کیا ہوا نماز تو ہوگی اور اپنی نظمی کو مسوس شکرے تو اس امام کے چھے نماز ہوتی ہے مائیس ۔

(٣) اگر اُونی اَلمَ مِصِیتِ کری ہواوہ ہوئ ہی ہوتی ہویا کی آ دی کے کینے کے جو قرآن اُلھا کر۔ روم اور پ کی رقم وصول کر سے جہ کہ اس آ دی کے لاکوں نے مرینے یہ امان کیا کہ مرینے واسٹے کی طرف سے کوئی قرش نا گلٹا ہوتو تائے۔ اس وقت کوئی فیص اس کی طرف کوئی قرش کی رقم نہ ہتا ہے اور بھر ماہ دوماہ سے اس امام سے وکان خالی کرائے کو کہا جائے تو بھائے دوکان خالی کرنے سے اس سے والمد کی طرف قرش نٹا دیے اور دوسے اس امام کوقرش بٹائی ہوئی رقم مجی دسے در میں اور سامام وجوہ کرے کہ فلاں تا رہے کو دوکان خالی کروں گا مجروعہ ہورانہ کرسے اور نال منول کرتا رہے تو اس کے چیچے نماز جو تی ہے گئیں ہے۔

(۴۶) جوازم فلسبة كرجيع كرے اور اونچانزخ آنے كا انتظار كرتا رہے اور جب اونچانزخ آجائے تب قروشت كرے قواس كے ليے كيانكم ہے ۔

(۵) اگرکوئی امام مرز افی مین کار یا نیول کے قات کے فارم بھرے اوراس کے نکاح بھی تقریک ہواس کے لیے کیا تھم ہے ۔

(۱) جوالمام جموت بول کرکس کو تلام کر تیجایت واواد سے ایٹی فر مدوا دی پر اور مقتدی ہے کئیں کد آ ہے نے اللہ کا کا کہا ہوا ہے۔ اللہ کام کیا ہے اور آ ہے امام ہیں تو امام پر جواب و سے کہ کیا ہوا۔ میری وید سے کسی کا مجال ہو جائے تو اس مختص کا کرانگام ہے ۔

(عز) جوامام بليك ماركيت كريم بور

(۸) جوامام کمی کھنس کوکام کے لیے رقم د ۔۔ اور منافع ہوتو لے لے اور جب تعسان ہوتو تعسان کا ما لکت تا ہے اور کہد سے بھی تعسان کیس دول گا تواہے ایام کے لیے شرق کیا تھم سے اورا کر ہے مود بھی جاتا سے تو بھرا بیٹھا کام کے بچھے ٹھا نہ پڑھناجا تڑ ہے یا تاجا تڑ۔

€2∲

منجد کی منظمہ تین مختیق کرے اگر امام واقعی آباز یس سوتا ہے، آبات کوچھوز تاہے اور نبیب بیس آئٹز

تعظم کا درج پاکرتا ہے وقعات و قالت معریف والسنے باقراقی امراز کم وصول کرتا ہے۔ تھو وہ اگر این اصور سے روکا ہے کا تھوے کا اورائ ترکی ہو یہ ہیا تھائی بی اور سے تحروہ سے الکا اور اوش

ا مراان اعمر کے ماکا ہے کا آمات کا میں میں بدنے سیانجا آئی ہی امار مشاہدہ ہے۔ آباد مراد ہی امام کے این آفاق کا مالشانعم،

متبتين لكان اورتبون فتمين اخراف والسألي او مت كالكم

≂َيَ

اليد مرقى كان الدي جوري أن الدام الاقتصادية الديد الكرائون المساكرة الماليد المساكرة المالاد الراب الدي كالمعين الوقى طميعي المرافع المرافع الدين الدام المعتدار الدين الدام العلم والمساكرة والمعالم المدا الدين الي الي المعالم المرافع المرافع الدام يعين القعم الدام الدام المالات المساحرة المساحم العرفي أنه المساكون المداري الي اليام المعالم المرافع الدام يساكر المرابع المعالم الدام المساحرة المساحرة المساكن المرافع المواجعة

البيد محمل نے دعوی آبا محدیمے کی دعویٰ کی جوری ہوگئے ہے ۔ اُوادیا۔ اُس نے چامعزز یاد میاندہ انسانہ

م) و يستر و ووف ولا هذا بناي و و دسته . افر و منتشري التقام أن الفيانيو و المادة و طن الافاق العام العام العام - مناب كرام من

ا ومنت مني المعاولات كذاب المنشرة الغمس المعامس مند عن الاحامة والاقتدار في 195 م. 196 م. - كان مرافق فيه أصوبت موادية من الدنائية على شرح الهدايت أكنات العاموة عامل والمعامدة في المعامدة في المعام

ه در این میشی می شواند. السینیه علی آن کر افغا بقدیده کر افغاز مدیره شخص به کفات الصله به بیامت لاصاحی. انتخاب داده به از طبع میزنانده میماد.

ا ويها والتي تطبي الدورة الكانات أم دوم والدورة لا ما هم الأناف العالم معمدي كانت حديد. والتله في عراقية الطويدوي والكريات الصلوة، بالبرائة العالمة عن " الا الأخطة فديس كانت حاله

يوائ يو

المُعَيِّنِ أَنْ جَاهِ بِهِ أَمَّ وَأَنِّى بِيَّلِهُمْ مِا وَجِيَّهُ عِلَاقِتِ بِهِ مِنْ اللهِ وَالْوَاجِ وَال البِيرِيَّةِ اللهِ فِي الرحيدِ لِللهِ وَهِيَّةِ فِي الرَّامِ اللهِ اللهِ اللهِ وَأَنْ اللهِ اللهِ عَلَيْهِ ال

میل منصلے میں شراح الرسان عمل ہی کر اہم تصریحہ کر اہم تحریحہ شاہی کیا ان طعیقوں تا ہے۔ آلا ماحہ
 1 آرہ 22 طاح ایس المور المعرف آراز جی

[.] ومثله هي اللهي أنصر كتاب العصوة عالم الادامة على ١٩٣٣ طبح - مردي كاب عالمه - ومثله هي جاهية تطحصون كتاب الصفاة بال العاملية على ١٩٠٣ ميم قديمي كتب عناه.

هج الأسا فعد عطوا الراهد هديمه الله لا مهم والدارية والمواثق معدمه للأمامة بعظيمة وقد والاستاداري م الهدارة عبر عالد عامل ما كمان العملوة بالدارة 10 ما 10 معدم مجد الرباع مسد

واكندا هي البينانة عدلي عمراج الهندانة الدياب المعلوة عالم الإممة ٣٣٩، ٣٣٩ تقع دارالأقت العالمية براوك

واقداعي النهر معانق كتاب فصموم بالدالإمامة ٢٥٦٧ فلم داراتأكساما فقبيه ببروت لسلي

اینے مخت کی اومت کا تلم جس میں کئی میوں ہے یا ہے وول ویٹس کو

أبيافها تشريبا وفاء أيناه رأيره خلأسة يدانيه مجد طالاه براعاد الباتيوب من لن بإلك بالناجي العمر الأوس فاحبال المساكمة والتي النصالية كالأركيل والإختر الأنب من الكياب الرحيان بالزمر كمانات في ما العمل ديگر واقع و تنظ يا هاي المساوع و البياع البياع البيان به بار أرم ثر ايون و المامير كي روثي يمن في يا ينظ کنداک فوان منصب مرسننده با جاسد باشده ای ایک را ان منصب براال جمین کاری با درباز و ایا فی برمایی صحبہ کی وئیائی اور تھا ڈیول کے تفوی ہا ہے اس رہا ہے۔ وہ اپنے فر النابی کا یا تدنیس انداز ، قبیرہ ہے آ انہ خیر حاضر، بقائب الرفتان وي كريث ير كيفي بي كرآب أب أب ياخُ وقدوآت ميں الن كا ياعيب برمامي كا ہا فت سے مجموعہ اور <u>کے سے مرتقب مح</u> ہوئے ہیں اوران کے حمقہ بیان بیں ہیا ہے میمبور رہم اس و اختا بياءك والتأثوبات مروينات منتاب إربيار بهزاره المركى كازتما مأبياتها فأأفول تتبعص بناءالا رمان تھی عاسر فیافا دی جمل شرود کو کراڑیں ما منرشیں تھے و معامات اور میں دین انے کیر نے نہیں ۔ لوگوں ہے قرش میں احت پر اوا ناکر ہو اور اُکر ان کا تقب آگر ہے موالے کردیوں برمعا مدائی کی مقتد ہوا ہے میں آ چلاے رات کیے ان وقائل افوار گنال تھی جاتا ہا ان پر جو انجیم تی رائے کا ورغے پر لی وائز امریمی بی ا انوا کا ہے ماجھی کیل سے بھی فرار مدر کئی جو بیٹے جیں۔ لوگ ان کی افتران میں اراز وار مار پر پر کھی اور ہے اور يزعفظ بين ووالحك كرابط ووبالمرجورك وبعض وكول النابيا بالناجي بتفقيين سخي كديك وكساوي بالنابي ا فقر مثل زمل أمّاز بزهن تاربوارس كي نيت ُيُن أن يقر المام ما مساود ان أكومتنا بي جي ترال جَمَعُ اللهِ وَقِيلَ ثَرَ كَسَانَيَ فَوَيتِ عَلَى قَالَى رَبَّي إِنْ مِعْمَى لَوْ وَإِنَّا أَجِبَ وَعِيزَ لِي كَ ك يؤلِّسهم قب كالعامت الكرة الدأني في الله البرك القدامة في أد وثين إلات الداني كالمقدِّد بال شی حقیق لیات میزد مورمزی اورا فلا و مامهمل میش مین الغرش و و لموران سے میسیج و اوادی و در زمین اسے ان سے اور بیرانس مزلی میتوالیت <u>سے می</u> میر ہیں۔

∞ ن ۲

معجد کی مذکر محکم بردی تیکن آوے اگر ہویات نابات دوج ہے آرزوزی عام بیس کی ویل اتھی کی میر ہے میں کی المامت سے الحق تعین فائس اور امت سے بھالا جائے اپنے تھی کی ورسٹ کر دو ہے (۱۰ ایران

 ⁽دس أو نوم وهم به كارجول أن إدافة أهداد فهداد بالهيم أخور بالادروة منه كود و ذات بحرودة محدديث أي داؤد لا يعمل الدومية فرد نفذ وقودة وهم له كارخول بدر السحدر كتاب العبلود بالدائمة و (6-6 فعليم مبيد كرجي).

و که آمی حائثها فالدحوالوی نمی د انق طعاح کنات الصلود بات الامامة میں. ۲۰۰۳ طام و ایک لکت المعتقد مروف لبنان از کلافی البحر از نق کتاب الصنود بات الامامة (آیاد) د طام رازیا به آندین.

والند قعال العمل

2 رونگر ان سفار تخوان از به ایس کن که مید اساطهٔ مدار ایس میشان میشان

متنته اول كالاينديد كى كاوجودا، مت رف كالكم

ە كان ھ

النيافر النظ جِينا ١٠١٠ بن الدرجية بين منافل تان كيا:

{ اكبيرُون ، م يغررها مندي يمندون الأمت كرمكات ب

ا (ج) آبیا کوئی ۱۴ زاہرہ می معلیٰ باکٹر سوکر بھا مت کرا سکتاہے جب کا متنا بان کی کٹے تعداد اس ہے۔ استان

(٣٠) وبب و مرز أن دواس كَ احْتَدَ المثل نماز زوعتن بها -

وج) يو کاف المام نے بیٹھے مارو کرنا ہو فز ہے۔

(🛊) رَبُولُو مِنْ مِنَا كَا كَا مِنْ الْمُعْلِمُ مِنْ كَا مُعْرِدُ مِنْ مُنْ مِنْ مُنْ اللَّهِ مُنْ اللَّهِ وَمُعْنَى عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ وَمُعْنَى عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ وَمُعْنَى عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ وَمُعْنَى عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ وَمُعْنَى مِنْ اللَّهِ مِنْ مُنْ اللَّهِ مِنْ اللَّ

(1) ہمیہ کہ امام معاصیہ کوکہ جائے کہ تم سمبدی جائے کرنے جا کہ مقودہ کیج کہ ایل کتوں کے چھپے کمانا جاتھ رن میری فائے کیل دوقی کیا دسروری کو کا جوجائی ہے

(عد الاهب كرا الم معاوب ك مجورك صاب الل كراوز جواد منتشري و من حدثما الدول كيا الل صورت اللي والروي الموت والقدرات .

(٨٠) كي مجعوب بوشفه والشفاقية واست بالزين ..

£ 6 3

ا ما کتب فندیش ہے کہ آلا امام میں باکہ تصان کیس ڈھٹ ہوں کی درائشی کا از فروش بھٹیٹس ۔ م کی تماز بار فراہت درست سے امراز دومند ہوں ہے ہو آئر امام ہی بھی برادرائی ہے سے مندی لاخش جہاڈ امام سے اور پڑا اخذ و بے ادرائ کو ام م تمام کروں ہے۔ درفقارش سے کالی وسو او قسوما و جہا تہ کارجوں ۔

(ق) الدر المعجد وكمات الصدية دات الاسامة (1900) فقيع الهجداء مدعمة كما الجي
 (أكدا في حاشية الطبحماري كنات الصلية بات الاعامة في (107 هيم مديمي كتب حالة)
 (وكدا في الرسر الموافق كذات الدرية دات الإعامة (1910) والاعتمام مكيم وشهدية الموادد

ان المسكنز اهذا فيصداد عيد او لاميد احق بالإمامة مند كراه له ولك تبخر بيدا لحديث مي دار والا مفسل الله صلوفا من نقدم غوما وهدانه كار هول دوان هوا حق لا بوالكر اهذا عليها (۴) ب^{الس} الأنول كـ غول رئيد وبادروه المنطاعت سيال الدكر سياري اليوسية وقيام اورفا اللهي ⁽¹⁾ الله ين ينجيم المراكز والسيارة

و س) اس کا بھی میں خم ہے (^{س)} ۔ (ق) اگر رو آستی ز کوچ ہے قوامی نے لیے ز کوٹ بھانے اور ہے (^() اور اور مت تھی ہے مقروش کی الامت کئی ہے (ف) ۔ (ق) نیکر اور اسے ۔ (۔) اس کا تھی جواب (اسون کر ار

و اقتوامه ومناصلي ، من العملي وهو الصروح عن الاستقامة ، ولفل المراكبة من ترفك الكتائر التمانوت. - الاحتمار ، والرامي والكان الرجو وبحر دافك كما في الرحماي إسماعيل شامي كتاب الصورة عالم.

الإصامة الدادة 9 طبح الجداليد مصناكراجي . وكلما بي تضيير دوح السعالي سوة القرة آلت يا ١٠٠٪ الالتحادة قار أجب الوالد القرسي ، وكلما في خاطبه الطحصاوي كناد ، الصلوة بادار لإمامة في ١٠٠٣٪

۱ ۱۶۰۵ قار راجید افزات تحربی رو نقاطی خاطبه انصحصاوی کتاب الصفوه باد د واسامه این ۳۰۳ مقبر قارادگذیب لفقید، میروب سال

قال مشمول المور تشراح المعدية على أن كراهة تقديمية كراهة تعم يهم شامي كذات مصاوة دات الاعامة الله الماء المدارة على المورد المراكة على المدارة المدارة المدارة على المدارة المدا

و كنا في حاشيه الطحطاوي كنات العبلوة بالسالاتامية من ٣٠٠ ٣٠ طبع فيدسي كنت بدايا

" و سل مشيئ التي ساراح - باسة على أن التراهة تقديمه اكر اهة بحرابها شامي كتاب الصفرة بات الإمامة - 1 أرادة عليه الجرد البات منعاء كو الهي .

وكما في حلم كبر أكتاب الصلوديات الاملعة ص ١٣ ٥ طبع سعيدي كتب عامة .

اء كما عن حاشبه العدمطوي كتاب العبلوديات الإسامة من (١٠٠٠ طبع فه يعني كتب عابه

ای آلها همدران المازک ده و ده شرخع معبر وهولد ادبی شرع الم و مسکرن می لانتریان کند. از کاه دا به اللستمبرات الا ۱۳۹۶ هیده اینچه یمید سعید کراجی او کدا می حدثیه الطحطاری کمات الصلوف ایت الاسامة می:۲۰۲ طرح قدرانی کات حاله

وكند في النهر الفائع كذاب لركة فالمسابق من الدائد بروت تستن

 ه) ومن متناوى الارشاء البحث أن يتكون إمام القرم في العمارة أنضلهم في الطرواء إج والثقوى والقواد أه فاشار حمايية اكتبات العملوة عاب من عواحل بالإمامة (أداد) فقيع إدارة نفر أن والدوم.
 لإملامية

وكم التي الغار المختفر كناب الصموة بالب لامامة ١ ألاهاد طبع لهج، الهيد مصدكا الجين.

وكعا في النهار الغالق كما ما مصوره بالم الاهامة ١٩٩٦، تقلع دارالكتب الطمية عروب ممال

آليا ^{(۱} و ۱۹۰۷) نيط خص کي ايام ميت کاروه بنه (۱۰) پر سيانيو واند تو ل اهم په

بحررة محدا وبرثراء عغران

حجوب إولئے اور خیافت کرنے والے کی المت کا تھم عزائل الج

کیافر دیتے ہیں ملا دوئیں دیں مشکر ایک شخص اوم سمبر ہے ور نہوں قرف ن افعان رہے۔ اما اس ہیں۔ خوات کر سداور دہب اس کے حرب کو میک ایا جاوے ناڈکی ڈالرکا کھیں گڑا ہے وہ سے اور فرہب مجی ٹیویل اگر نار ہے۔ کیمجی: چاندگی اور کیمی دریلونی رائیوا سمام اس کی مطبق اجاز مان اور ایم کیا اس کے چیجے نماز جا میں سے دکھی دارو وقر کردا

30%

 (ع) وسي أم فرياً وهم به أكاره في أن الكرافة بمساه به الإلافهم أحيل بالإسامة منه آثرة له ذاتك تحريب الدام باب أن داؤه لا يقبل الدامشورة في تقدم فودة وهم له كارهون الدرائسختار أكتاف العملوه بالمد الاسمة المادة فيم منها. كراجي

و كدا هي حاشية الطحطاوي على مراقى العائد م كتاب الصلوة بات الامامة على ٢٠١٣ طاح دارالكات. الدمية بورات لبتان.

وكدا من السعر الرانق كناف الصلوة بالب الإمامة ١١/١٠ تا طبع را شواسه كرامه.

بنل مشدی دی شدر ح فسمیه همی از کرامه بغدیمه کرامه تحریده شامی کتاب اصطوفها به الامامه
 دفاره و طبع اجرد امیره حدید کررچی

وكفا أي حلى كن كان أعلوه العنوة المالاهامة من ١٣٥ طبح سعيدي كتب خالم .

وكداعي حائف الطحطاوي كناب الصلوة باب الإمامة من ٣٠٣ طام فديمي كلب حاله

۳) من مشتق فتی شیراح الدمینا علی آن کرانده تقدیب کراهه محربید شامی کفات الصلوة دات الامامه ۱۹۹۰/۱۰ طبع ایچا ایم مسعمه کرانچی

والادا في حلن الاير كديده صبرة ومد الإمامة في ١٦ فا طبع سفيدي كتبيه عامه.

وأكفا في حاقب الطحطاوي كتاب عسومات الامتعة مر :٣٠٣ شع مديسي كتب حاتم

 أما يقد عبلوا كرافة تصييم بأن لا يهت لابر ديم ريابه في تقديم للإمامة تنظيمه وقا، وحب عليه ج وهات شرعا مشابي كتاب العبلوة باب الإمامة () . (قا طبيه يجم البول سعيد أكرا هي

ومثلة في حليلي كابراء كتاب الصلوة باب الإمامة مور: ١٣ قامصلدي كتب اقاته .

ومثل في حاشية الطحطاوة)، كنات الصلوة باب الإمامة ص ١٤ -٣ طبع كنت قديمي حاته

ميموناه عويًّا كَرْ . إِيرُولا بِيهِ كِي المامت كِاحْتُم

\$59

* Z &

فامق تخفن کی امام مصاکر و ویت اسال

اہے آپ کوسید فلاہر کرنے والے کی ایامت کا عکم

J y

کیا تم ائے بڑیا علاود این ور بن صفہ کے گئی تعلی تعلی تعلی میں جو ستے ہوئے تو وکو تند و شدوید کے ساتھ

١٦ مال مشيق فني شمارح الأسمة على أن كو الها بقديمة كوافقة تسريم، شامي كتاب الصنوة بذن الإمامة ١٩٠١٠ فقع الجوم المهام معيد كار جي.

ركفا في حتى كبير كتاب الصلوة بالب الإمامة من ١٦٪ فطيع سعيت، كتب حاق وكفا في حاشة الطحطاوي كتاب الصلوة بالن الإمامة من ٣٠٠ عزم قا بني كتب خاله. ا میر کنوارنے پر اسرات اور فالیل مجدرتاں افارٹ کئی گرز ہے۔ یوازیا کہ ناجا نز ہے بیاس ہے مقبلتی احاد رہنے بیس کو فی وقید وارو ہے۔ مخ اوقی جروا

ه ځ ه

آمران الرئين الرئيم به أرقى الاستح بيشمل ما ميرندة واورا بها أوسيدا ما خاجر زنا مواد. الها پرمهر مو اور جان بو الحاراب أرتا موقا ميخفي أنه و كاريخ سها ورالينته مخفل براسة ريث عمرامت واره دو في سها⁶⁶. المراكوق بينا على ودا جاسته ⁴⁷ ورنداس كا والمت، المداهز والروارة المواسد والمعافظ والفائفا في المم والمداعة عند والمحكم والمداكم والمعاولات

> عاد ما المالي. العاد ما المالية

علاق دے کرمخرف ہوئے دی<u>ل</u> کی امامت کائٹم یلان کھ

کنے قربات جیں جا ہو ہیں میں مندش کی کہتر ہوئے ہتم و متابان بقد ربعہ دید 1974ء میں اپنی دافوں ہو بھول کو جو پاکتان میں تھی معالیٰ و بیدی اور اس کے تھی دیا دور آئے تین میں بھی طلاق کا ذکر ہے جو کہ دیکھی خدرت جیں نے بچر دو 2019ء میں خود پائٹناں آگیا نیم اس نے دی وہی دولی تھے و ملام الدین سے کہا کہ میں حالات کر اور کہ تیسی دی ہے۔ بولیات نے شنوی اور بھی وہشن اپنی میں کا شاہدی ہو کیا دور اس نے کہا کہ میں سے حال تیسی دی اور کہا کہ ان فرم کو جو برد واور اند کا انتہا میں تھی تھیں ہے۔ اس کے مطلق قرآئی تا تا تاہدا تھا

ه إن عن متعادر صبى فيه نجد هان مستعب التي صلي الله عليه واستدريقها، من دعى إلى غير أيته وهو رساء الله عبر أنبه مائمية عليد حرام بالدامي دعي في غير أنبه سعاري ١٠٠١/١١ فليع « قاديس كتب «١٨٠٠)

ه و ولائين بداختار فاحدت ترضيعها المستهدد كروا الله فاستغرار الديابها مود قائل عمران أيت ۱۹۳۵ بازاد قا. وله ان الدين رضي الله عند قال قال بالدين الله صلى الله عليه و مدير كان من أهم خطار و غير الشقطائين الدراه وي روا و الدرستان الوامن هاجه باب اللولة و الاستعمار عن ۲۰۲ مشكوة المحديث طبع فديمي كانت حديد و كادافي الي ماجه بات للولة والاستعمار عن ۲۳۳ طبع بجهابها معيد كرا چي.

أما لقد عفقوا كراهه تضايت بأن لا يهتم لامر ديد وبأن في تضايت الإسامة تعظيمه وقد وحب عليهم إنفائه شرعة وشامي المثال العبلود باب إلامات (١٠٦٥ طبح بنجد بهيد سبيد كراجي)

وكذا في طلبي كمرة كيات الصوديات الامامة ص19. مجالة أسبيات كنت سالة

وكالدامي مناشبه الطبعطاويء كناب الصلية بالب الإمامة من ٢٠١٠ فليع كنب فديعي حاله.

ندن ه

ا کہ جاتی و کی گھے و اسلام الدین ان بات کی کوائی و سے دیں کوائی سے کیا کہ میری گورے سے حالالہ کرا دا تو باوجرد خطوط سے انکاری دونے نے کہی طابق دائع ہوگی ^(۱)ں بھر میں پینے گھس کے پیچھے نماز پڑھی محرورتج کی ہے ⁽¹⁾ درائی کی امامت ناجائز ہے ^(۱)ں آائندہ کے لیے و محورے اس کے قوار انے حوالہ کے ندگی جاورے دانشہ اعلم

كومون القاملة التي مدورة العاموم بالثان معرفي المراكبة عاموه

وعدہ خلاقی اور جھوٹ کے مرتکب کی امامت کا تخکم ح^اس ک^ی

آ بیافرہ نے ٹیل علامے میں اسی مشرکہ اکید مجھ کا امام ہے۔ عقد کی اس کے چھیے چھوٹرا فائٹ کی وجہ سے قمار پڑھن ککروہ جائے ٹین ۔ وہ خراعات ہو تین اعمالے ٹیل جا کرانو کول کے تاجا کڑا اور ٹیم ٹرل معاملات میں مفارش کر کے عزم سے چھیے سائر خود بھی اور چینس کو بھی تھلاتا ہے بات بات میں جوٹ بول

إن وساسوى قالك من العقوق بقبل فيها شهادة وجلس أورجل وأمر أنس سواركان الحق ما لا أو غير
 مال مثل الدكاح وظفائاي هدايه كتاب الشهاده، حـ ٣٠ ص ١٩٠١ طبع مكتبه وحسانيه
 وكدا في الدر فاسمتار كتاب اشتهادات (١٩٥٠) طبع مكتبه ابنج بالبديد جد كرا يهي.

وكلفا في البحر الوافق كتاب الشهادات ٢٠٤/١٠ طبع مكت، رشيديه كوتك

٢) مل مشيئ في شيرح السبة على أن كراهة تقديمه كراهة نجريهم شادي كتاب الصلوة باب الإمامة
 ١٠/١٥ ضع ايچه ايم با سنيد كراچي.

ومثله في حنبي كيبر كتاب الصلوة باب الاهامه ص ١٦٠ طع سعيدان كتب حابه .

و وكاها في حاشيم الطحطاوي كذاب المعانوة باب الإمامة عن: ٢٠١٢ عام قاليسي كانت خاره.

٣ ويبكر ، أن يبكون الأمام باسقا ويكر ، للراحال أن يصفوا علقه ناتار خاب كتاب الصنوف مو أحق بالإحامة ١٩ عنام كتاب الصنوف مو أحق بالإحامة ١٩ عنام حامة ودرة نقر أن والعلوم الإسلامية وكناهي رد المختار كتاب العملمة بالإحامة ١٩ ٩٠٥ الإحامة ١٩ ٩٠٥ الإحامة ١٩ ٩٠٥ طبيع مكتبه وشهيد المجامة ١٩ ١٩٠ طبيع مكتبه وشهيدة كوليقة الآل الله تعالى فإن طلقها فلا يحل له من بعد حتى ببكن روحاً عمره الآية المرابة ١٩ الآية المرابة ١٩ يارة ١٩ الآية المحلومة المجامة ١٩ الآية المحلومة المحلومة

وزن كان الطلاق شلائاً من النعراف السرتنجان للدسن بعد حتى تنكع روحاً غيره تكاجأ صحيحاً. ويدخل بها تربطلقها أوبدوت عنها الهداية: ١٩/٩ - و كتاب الطلاق باب الرجمة رحمانيه لاهور. وكما في الدر المعتار دب الرحمة ١٩/٠ - و طبع الهيدانهيد كواجي.

ے ۔ جموثی تشم اٹھا تا ہے۔ وہد و خلا لُی کرتا ہے۔ اورت کی خیا ت کرتا ہے ۔ جس کی چند مثالیں یہ ہیں۔ ا یک تخص کی درخواست برامام صاحب نے ایک تخصیرات خلرف کچو تجر رکھی۔ نمازیوں نے جب اس سے بی چھا تو اس نر کہا ہیں نے بیٹی بیٹیں تکھی اور جوٹا قر آن اختا ہیا۔ نماز بول نے فوزا وہ وہ فواست امام مَا حب کے سائے کروی دوران کی کلمی تحریران کود کھائی تو دومبت شرمند و بوا۔ ای طرح ہے ایک تخص نے تھ نے میں ایک مخص کے خلاف ورخواست وکی کر میں نے قلال آ وق سے ۹۰ رویے لیتے ہیں بامزم اور ا مام معاصب تھائے میں موجود تھے ۔ ملزم اضری زیک سامنے ہوتیزی ۔۔ مگر برند بینے نگا۔ تو انس صاحب نے اس کوعوالات میں بند کرانا ۔ ایام صاحب کے کہتے میراور روندہ کرنے پر کدیش ما کران کا آ میں بین لیسلے کرا دول کااس کوھا ہا تھا ۔ یہ برق کرو میں اہم صاحب کی زبان پریفین کرتے ہوئے الحریجاز نے اس کوچھوڑ ریاسا ، مهما دیب از کا کو لے کر مدالت جمل مکنے اور افتر بجاز کے خلاف استق فاکر دیاہ وجود کوائن وئن۔ جب اس واقعہ کا نمازیوں کو یہ جو تو افول نے امام صاحب کر کیا کہ آ ہے بنے وعد و خلافی کیوں ک ہے۔ اس نے کہ کرآ ہے بھری اور اخر می زکی ملح کراویں یہ بھریں استفاق والی کر اوول کا قبازیوں نے ا کوشش کرے صلح کراہ کی اور بید سے بینہ ملاویا اور یہ ہے بایا کہ: ستفاشہ والوس کر لیس ہے ۔ لیکن اسکلے واق اس ملح اور وعد د سنامام صاحب بجر کے سائل طرت اپنے زشن ایک تھیں کووس ڈرار روپے میں قروضت کر دکی اور اس سے رقم مجل نے لی انجی انقال نمیں ہوا تھا کہ واسرے تفس کوئیں بڑار روپے میں فروخت کر وی۔ الفرش اس متم کے بہت ہے واقعات کرتا رہتا ہے۔جس کی وجہ ہے تماڑی اس کے وجیجے تماڑ پڑھنے ہے تھا کتے ہیں۔ ہی نے ملاء ہے مناہے کہ جس کے چھے لوگ فہاڈ پڑ معنا پینوٹ کریں ای کے چھے فماڈ تحروہ تح کی ہوتی ہے۔ آپ مفعل طور پر جواب و ہی تا کہ آئندہ ایسے اماموں ہے لوگوں کی نماز وں کو تخصان ندمينج بالمواوتو جروان

 $eq \mathcal{O}_{\mathcal{F}}$

میں کی شکھر کینی کی آخیل کرے۔ اگر ادام عمل ان باتوں کا تبوت ہو جائے کہ لاگول سے ناجا کر خور پر رقم وصول کرتا ہے ، جموت ہول ہے ، ناجاز صف اٹھائے اور وعد وظائی اور ارازت میں خیا تھ کرڈاس کی عادت ہے تو اس کی امامت کرو وقع بھی ہے ⁽¹⁾۔ تمام امور یا کوئی کیک کنا واس امام میں ہ بت ہوجائے تو

١٠ س منسي في شرح السنية على أن كراهة تقديمه كراهة تحريم، شامي كتاب الصلوة باب الإمامة
 ١٠/١ عم الجهذ بها معيد.

وكذا في حليي كبير كتاب الصفوة باب الإمامة من ١٠٥ ضبع سعب ي كتب خاله .

وكفًا في حاشيه الطخطاوي كتاب الصلوة باب الإمامة ص: ٣٠١ طبع قديمي كتب خاته.

البحول فشم كمانے والے كى الاست كاتھم

کن په

کیافر بائے ہیں ملیا ہوری اوری سنلے کو ایک او کم او کم مجد شہارات کا کیے تھیں کے خدف پر اُروا اور نا تا اپ کا کو جمل وظف کو گول کو اگر اوری میں اور کا ایک جمہ اوری سے اوریافت کیا جاتا ہے تو اس اور کرتا ہوا گا پر ہاتھ دکھ کرصاف اٹکا دکر و سیچ جی اور کئٹے ہیں کہ جس اس تھی سے مربلے کرتا ووں جس نے آپ کو احلال وی سے چھوٹوگول سے بیرتا ہے کرویا ہے کہ مواز تائے ہے بروگرام ہور سے ساتھ کیا تی تو ایس واسٹ کرم ہے بتا کہیں کہ اس ادام کے چھے تمار تھیک ہے واٹس اور تاہم مجد کی اور است کی کرائے جی بائیس روج اور جروا

 دوليه وفياسيني ، من انصيل وهو النجروج عن الإستفامه ، ومعن السراد به من برتكب الكياتر اكتفارات التخسير والبراني وأكبل شرمو وبجو دالك أكف الى البرجيدي و شامي، كتاب الصلوم بات الإمامة
 ١٠٠١ قبيم منفيد

وكفاهي تعلير روح المعاني سوه الغرة آيت ١٦، ١١، ١٨ هنر أحيد عرات العرابي

تما فعت عشرة كرافية تعديده بأن لا يهتم لا مراديته وبأنه في تعديده للإمامة تعطيمه وقد وحب حبهم إهافته شرعاً و شامي كتاب شعبوة باب الإمامة وأن و قاضع البحر البدار سعيد كراجي.
 وكد في حقى الديرة أكتاب الصلود بأن الإمامة في 10 هـ مسدقي كتاب شائه

و كك من خاشية الطحطاوي، كتاب الغالوة التي الإعامة الن: ٢ - ٣ فانع كتاب للسمى خالم

الدر المحدار كتاب شعالوه باب الإعامة الهادة طبع البجائيم معيد أكراجي.
 وكادة في حاشية أعام حقالوي على مرافئ العلاج كدب العموماء بالادمة من ٢٠ تطبع قديمي

الكتب حامه وكشاهي حسي كبر كتاب العبلوة الله الإمامة مل ٢٠١٥ قاصاع سعيدي كتب حام

- ف) المر المنختار كتاب الصلوء ماب الإدامة 19 ، 30 طبع البودائين سعود كرديهي.
 وكامة في السع الإدامة كتاب العملوء عاب الإدامة العمل المدامين عشر في الإدامة والإفتاد (الهادة طبع ملكمة عارضة ما الاواجة عاروك ما على أب وذا على شرح الها وذا كتاب الصلوة بالمدالاصحة على المدامة من شرح الهادة على المدامة على الم
- الدر المحتار كتاب أعمل أدب الادبة الراء ٥ طبع الجديم سبيد كواجي.
 وكنده هي حياشية المضحفاؤي على مرائي العلاج كتاب العموة باب الإبار على ٢٠ لاطبع قدمي
 كتب حابه وكندهي حلي كبير كتاب الصلوة باب الإبارة هي ١٢ و طبع سبيدي كتب حابه.

∻ٽه

بشر فاسحت واقعدات طرح جيون فيم همانا تحت محناه ہے ⁰⁰ساما حب کوتو به کرنا چاہيے بھراک کی امامت درست ہے ⁰⁰سافقا والقد تعانی اعم

از دیگر ۱۰ شاوهم با فادم برقی مدرساتا کم میخواهای میاد دانی و پیشاند

مجوثی کوائی دیے والے کی امامت کا تکم

به ^ال به

بخدمت باناب سولوی معاصب العارم پیم برازی کی بیدائش کم جون ۱۹۴۰ و کی بیدائش کا خال شرک پاها با کی نکرو میرو ۱۹۵ دکوال سک والدیث و لوی شخص کان و از کرایا چواز کی سکری بیش موکویت مسروحد ۱۹۸ ساس میکو فیصد موالب اگر میلیا فروند ایس سک ساتھوٹا ن شرکی جواتھا وطلاق ناد ایو ساتھ کان پیشکان اگرامکتی سے وکئیس فرآن ن شریف سکے کیلیکے برخوانی و پیاست و

∳ઇ∳

جشر وصعت موال اکر بیانکان الاک کے بلوٹ کے افت سے بعدان کی اجازت سے شرقی طریق سے ہو مان

إلى حيران بن جمين رحمي الله عنه قال قال الليم صلى الله عليه وسلم من حلف على يسبى مصوره
 كيادياً فارتبوا مقعده من شار سنن أبي هاوده كتاب الإيمان باب التعليظ في اليمين الفاجرة ١٠٨/٤ ميم رحمانيه الاجور

امن البكيائر الإشراط بالله وافقوى الوالدين وقتل النفس واليمين الفسوس (علاء المنس ١٩٤١) ١٩٣٥ أطاح وذارة القرآل والعلوم الإسلاب .

وكندا في الهندية عموس وهو الحلف على رئيات شئى او بعيه في العاضي أوالعمال يتحمد الكافب به فهدا الاسمين بالم فيها من منها وعليه فيها الاستغفار والتوبة فون الكفارة كتاب الايمان البات الاون 44% ه طبع مكم و شيفهه كواثه.

والدين فا فطرة عاجشه اوطنموا العسهم ذكروا الله عاستمه والدنوبهم الأواز الرواه ال حسوان: ١٣٠٠)
واسم أنس رضى الله عنه قاق قال راسول الله حالي الله علمه وسمم كال على أدم خطا، واحبر المخطائين
التهابين وواد الترامذي.

وابن ماجه باب النوبة والاستطار ص ٢٠٥ مشكوة المصابح طع قديمي كسد خانه. و كدا في ابن ماحه باب النوبة والاستعمار من ٣٦٣ طبع الجيابية مجاد كراجي. الله يسبية بيانات القائمي في الراحال بيدا مروازي خود بياس به الدوني والساع في الوقع المروق المروازي والما الم الكان سرقى بده تتواجل سيد الرقي و وه دائي في الكان تقوانا جوارا الدائر الكارى والمراقع المروازي فيد الكان في مراقع المراقع وي حد حب مراقع في بين مورود والمراس المحاص خدا البيان المروازي من المراقع المرفع المروازي الكان فواج الادراز وجود وه والمراس المروازي بين المراقط بين المراشع المروازي المراقع المرفع المراقع المراق

.....

أسافك ح سكوحة العرز ومعدله بالعائم بقل أحد بحواره طهر بنعقد اصافح و تشيختان كتاب الدعاج
 داب المهم مطلب في الدهاج العالمة حر (٢٧) ح ٣ طبع بدعيد كراجي، وكداهي الدهر الرائل كتاب
 د طلاقي باد بالده في ١٤٤ و ١٥ م م كتبه و در، به كوف، وكتاب في الهيدية كتب الدكاح البادر الثلاث
 دبي بان المحرمات القالم والديادي (١٤٥ ه م مكتبه و كتاب الرائلة)

القرام مورة الأمامية أرات تلارا

ا وفي تعدير روح المعاني مده بعض ولا اعلونوا فيميا النهي أنق مدخو من مغيلة الطلب والمعامني ويندراج. العبد الدي ي على الانتظاري الطلق الاعتدا والاعتدا سرره المدلدة البينية: ١٦٠ (١٠٥ صبح ما واربية التراث. العربي بروت أو فدافي تعلير من كثير منوره المالدة بيت ١٠ (١/١/١٥) خطع فديمي تشياحات

) والشهر أدا فعلوا ماستة أو شدم أحسهم ذكر والله فاستعمر ولدونهم الأبة (١٣٨ بالردي).
 كال من آده خطان من المعلاد إدين براد براي براي بالمدران إلى مولاد خلال من المدران.

ا کل می آده خطاه و هم الحظائم اعوان رواه انز مه نی وامل ماحه بات اللو به والاستعفار می : ۲۰۱۶ اما شکود المصالح طبع فادیسی کتب خانه

الركاء في البرر فاجه باب النوبه والاستعمار مر (٣٣٣ بليغ بهج يابيم باسبيد كراجي

ويكو مؤمات صد وأحم التي وطاعق قول عاسق من العسق وهو حواج من الإسميات ولعل المراج من البرائد على المراج على المراج كالمراج المحمد و ترامي وأكل الراج الراجود المداعل مشي على شرح العسة على أن الكراهة تدبيعه أثراهة بحريم وعامي كالك العسمة بالراجة (1.5 مدر الهجاء) من المراجع المراجع إلى المراجع المحمد المحمد المراجع المحمد المح

اع كذا في حبي كربر كنات تعطو قابات لأمامة هي ١٦٪ فاطبع معيدي كلب حامه و كند في حاسبة . الطحطاري على مراقي الدلاح كذاب الصار قداري الإمامة هي ٢٠٠ عطم قديمي كنب حامه.

عَهُ قَالَ * لَهُ تَعَالَى مَلَا تَقْعَدُ مِعَدُ أَهُ كُرِي مَعِ تَلْقُوهُ لَقِيْكُ بِي مَا إِفَالِهُ أَلَان

ا و هو من يتحد مناشد كرا تهي الله لا تقعد مع الموم الطالبين ولا بن عبدم في البهي عن محديثه سالر المطالبين من أهم الشراك وأهل فينية توقيع الأجيا منهم البيما أ ماذا والقرآن للمصالي من ا الانجام بالمالتهي عن محالمة الطالبين (١٩٨٤ وال أمياء الوراث لامران الراث المراني بورث

على هسم قائعتل الهنوق والبيدج والحية عملي مر الاوقات مائم يظهر ديه المربة والرحوح الي تنجي المرفقة ضراح مشكرة كتبات الاستبالات من سايسهني هسته من طبها هر القصل الاول ٢٣٠١١ علج هارافكات الفضية برودة ليدان 07 وب لام*ا احت*

كرياب والم كركي بوت كان فاعل فودود في وسل تمي وينا (1) كسيده في كتب الفقية والهما. عبدوانفسيع في عبر الاب والعبد بشوط القيماء (1) وفيز أثراً في هر بقدت وادول بت كامت بو جات كرفوديت كرفادي كان بواس في المست كروية في بيا أسك فقا والذفول هم مرافرة المافري

هجمونے و**تو** ہے کرنے والے کی اد مت کا حکم

* 🕒

کے قربائے بین علی ایس دریں مدیک جہائی آئی گئی استدائی اور چورکی انداد کرنے دائے۔ جہائے اور سائر نے والے اعتباری میں مرحلی اتناہی زیرونی العاملی کرنے والے انوکوں سے جو واور ریس فلسب کرنے والے کی امامت جائز ہے یا :

47 6

ه المام والمار المياشي كرد وما جموان بالآراء المتقدل ال كي ب ين الني شرق القائس كي وبداء الم

والهسمة حيار الفقر ع في مكالح الإب والحد عند أبي حسقة ومحمد قباوي ماضي حان فصل في الاوب.
 ١٩٧٦ ضح وشيديا .

و كدا في الهندية الثان الرابع في الأولياء (أو ١٨٨ رشيعية كوكاة. ا

وكدا في فتح الفدير مات الأولية والأكفاء ١٥٧/٣ طبع إشبدته كونته.

- ٧) وال روحها عيم الاب فللكل ودعد منهاجة الدجار إذا الغ إلى شار أنام على للكاح وإن شار فاجغ ويشتر عامية العصلة اكتاب الدكاح بالجامى الأوجار والاكتاب الهداية الاستراكات والمعارفة الإسراء و كنا مي البهدر الرائق ونهاما خيار الفسيح بالبلوع في عبر الاب والحد بدر ما فعصلة اكتناب الشكاح بادار الاولى الروالا كنا برائح على دار المكتب من شديد كولته و كفاحي اشهر المدنق كتاب الشكاح بالداروالا كنار الاراكات المكتب بيروت.
- ٣) مق مشرق في شرح العبية على أو اكراهة تقديمة كراهة الجريبة شامي اكتاب الصارة بال الإمالة الأراداة علم البحد الهو منجد كراجي الوكفائي حلى اكبير كتاب الصارة بالإمالة من ١٩٩٠ مستجدى كتب عبال مواكدة من الإمالة المستجدى كتب عبال مواكدة إمالة الطباعلة في على مواقع الفلاح كتاب العبلوة بالمامة المن الإمالة المن على المواقع المنافقة المنا

العالم العال العالم العال

> سنطاد روش دون قرا الصفحص کی نام یک کرد دیگر ک<mark>ی ہے (۱) باختیا والفریقیاتی املم</mark> تردیکرد از آزاد کا استفرار میراندا اور اعلام کان

الجالب كي يؤدكما حالية خواه الارمني مدر فاتها المستنان مدروس ١٣٩٩ عد

قرابت واروں کے خلاف جمونا کیس کرنے والے کی اہ مت کا تھم مواس ﴾

کیافر ائے بیں ملار زیامند بدویل مماکل عماک

ا (1) زيد جس کي تواي مرهه مراجع رال احداد ٿر انگرني وو کي حامن کي شاوق گهڻ کرتا په

(۴) جمع کیس ایسے قرارت داروں پر بارت مرقا کیا یہ

۔ (*)اش جماعت کی آبید، تباقی این کے چھپے نماز پڑھے جی رجب آبرو تباقی این ۔ عافر کے کے میں میں میں میں

جي اوراس ڪي ڇڪي ٽياڙڪل پاڪٽ ۔ جي اوراس ڪي جي تاريخ

(٣) قرآ تا کارې متا که آیا ایسانش کی و مند درست ہے۔ (۴) قرآ تا کار

ستنهر کمیتی اورفرازی پاری تختیق کرای اگرازید واقعی اکوان پر جمور آرمقد رست قائم کرتا سیاود قراکت بیش شاه تغذا کر قامت امرام برگ آخرار کاری شاق ویب کی هایرای کی ادامت بر واقعی تیکن او کسینی مخش کو امامت رست الکساکرنا وازم امیرای کی و چدار تنگی هانم کواراستم رکز تالا زم سید ^{(ساک} فقط واقعا قبالی اهم امرونی افراز وازارش افغال

- (ع) ومن أم مورداً وها ما تداكر وها إن الكاراها المسادعية الولائهية أحق بالإمامة منه كراه له ذاك. المريحة النير المحتار كتاب العيلوة ماب الإصحاء (١٩٥٥ عليع معيد كراجي) وكسما فيني على الذاكة السابقة المحدود السلامة من ٢٠٠٠ عليم دار الكتب العلمية جروت السابقة من ٢٠٠٠ عليم وشيدة كولته.
- ٣ رأب المساسق بقد علو اكراف مقدمه بأنه لا يهنم لامر ديمه وبأن في تقديمه للإمامة تعطيمه وقد وقد مدينهم وقد المساسق على المرابع المساسق المساسق الإمامة (أن 19 طبع المجاسم بالمحد كواجهي و ك الدي حدالي كي راكه الرياد مسلوة بادا الإمامة ص 201 طبع سعيدي كنب حاله و كذاب المسلوة بادا الإمامة ص 201 طبع سعيدي كنب حاله و كذاب المسلوة بادا الإمامة ص 207 طبع قديمي كنب حاله .
- ٢) وقال قداوى الارضاد. يتحدم أن يكون إمام الفوج في العملوة أفتيلهم في العلم والورح والفوى والغرادة والمحدم في الدارة كالمسلم في العملوة مام من هو احتى الاصاحة والمحدم والدارة كتاب العملوة مام من هو احتى الاصاحة تراد والمحدم الرادة المحدم الأرادة المحدم المح

ماں کے افرمان تاش کھلنے کے عادی شخص کر امامت کا تعکم

8 J 3

آندیاف بایت جی ملام و این در پر مسلم آن ^{می گف}ش شن مندر جدازی اوصاف دو ریا که دوخش او مت آمریت سے قائل سے واکنگری دولوساف مندرجد فال جی

و ماهد ان ۾ ناائروان وٽاش ڪيلن والو وٽينوال ڪاڪڻ ڪهائٽ وارا انشواد ڪاڏي آهو ٿيا ٿوا کي دين وايا غدوره وبالنف والعربي فانافرون تفاوا مديمه وأفلفين ويزير اللاظ الأخل كزناجو لذكرينه المناقب ہے۔ ان فیمن نے اپنے والدین کے مرجہ وہائی وقی ارجووں کے صوار پر کیونکہ والوں کے کاک کر معانی نایانگی تا محد ہے میں وہ ریاں کے مجابکترہ دلی با گلے کے روزوجھی اپنی بات یہ میں مشاخرہ ممالوہ بالأشخى أبياءا بدوقريب الرأك تخي توامن واتت فدُور وبالأشفى كي والمدوب أبيا كرهيرا الخري انت أنسات میران مثالک بالک مرتبا کر تھا بزج معند و ساما کرار کیشم آت قالوری ہے جوالکواٹ ۔ اتِ اس کے بارے میں تدکور موالم تھی ہے جواب ویا سائر وہ کھی والد ومربوعے قوش انہا کہ تھی ہو اس بيطاب بحوثين أبدراتها أأخرورون والقارا أكواه بذكره والخفس أسيك بحل فاكوايون كلساك هزوه ينسي بحي شريك وبواتات ببت فعيلالن تقدر بنب وكون ومعوم بواقة امبول سنة منا والامركاك وقوتاتات کے نامچور وہ ایجام میں سے بلیمہ و بوعہ و قر مجررا ناش کھلنے اسے تریان کر این کر یا دجرو چربھی ہوتیں متاثل ڪييا آ ۾ نال قر ماڻون ورڳو معهم براڻيا تا ڳه هو ۾ ڪاڳو اندان ڀاڻ ۾ ناله اور ڀاڻ والفرط اين. ٻان ڪ ڪِ ک وكرا الندوجي كزناش لوية وتكيين برين ناش كملون قرميزن فريت جمو مرارام ودعات النابع اليك مثقي مها دب ہے فتو نی رہ کرااور کھا اوم مقرد کرنا گئے ۔اس کے مدالات نامی جا کرائیٹ خود شوہ لول کے بارے میں کو ای روز کردیشن کے اس کا مفد قل کھی ہے اب یہ کر مذکورہ بار اخلائے بیٹر عواجی وال کے گوا تقده فورت كالتقديكيا في ثبين تقدراً خركار بيات وكون مرفلة ويوفي أنبول ب مج اوم مها دب واعتراض تني كه ارام ساه ب و يه جموعه تنيين بالزين بين به التي تجوث إلى بنان أو في تنفي الماست كه الي تجميم ومكمة ے اس کوار مت ماہدی کا دیا ہائے گر تھے مولی طلب کری مانی علب کرے یا وہوا کہ جمع کی آ کوائل رنی اور تاش کھیل ہوا گاز آلیا۔ اس بتاہر ماگوں ہے ما العدائب ماسجد سے ملیمہ واکر الما اور لیا کہا کہ تنمی ری ہوا ہے شرح اور ہوچکی ہے۔ اس کا عشد نانی از رویت شریعت وہ بار اگر و نشروہ ای مورث کے ساتھ ں قاند والوارد کے ندائر مینے نے اب اوکام وائل ایکٹ ڈلس کیا ہے اورات کچھ والریشے کا خرامش متعد ہے رقوع میاکس اور متعالم مشکل ہے اٹھیں در اولی مراہ فائستی مصار دوا بن مور مصادا عقد فائی ۔ روز وائی۔ اس میں بادرے میں قبل تا شریف تو ال احمد تجترین در اسادیت زوی کی روشن شرور اکا دنیا جائے۔

4 E 4

لیم ایند کرتن الرحیم اوالدین کو ۱۳ مان جور ۱۹ مقیون کامان نید ناسهٔ جموئی کودی استخوان ما تا آهیله (سنم اصلار آما) سب کناو میروی می به قرآن و حدیث می صرح انتخاب میں ان کے متعلق طبعہ بنت معمد می وارد میں به ان افعال کے مرتاب کی مامنت تمرو وقر کی ہے افعال ان کو جیش کے سیامی کامام

49 لمكاباتو الإشراك بالمعرومقوق الرئدين وقبل النصل والهنهي العموس رواء المخاري مضكوة الصهبين المهاد المحرومة المعارفة المعارفة المحرومة الإدامية فديمي كتب حابد.

وكما في احلاء المس ١٠٤٠ فلا منع إدارة الفرأي والصوء الاسلاميه

واكم على موهاد المعاشع التناد بالإنسان عند الكمائر وعلامات المائي الآيات الاطبر دار لكسيا تنفيمية مروحة للمان

 ٢) المعالمي قالة العالمي الدين بأكبر النوال الينس ظلما تما بالكبري في عقومها دوة ومتحداوي منامرة مورة المما بارد؟

عال الى هوارة قال فال رسول مع صفى الله عليه وصد احتسرا السنة العوضات إذ بارسول المه وما على أمار الشرك بالشه والسنجية وقتل المعلى التي حراراته الدياليين والاكل والها وأكل مان السيم مشاقوة المصابح الثبات الإنصار باب وكتاب وعلامات الشابي من الما طبع قديمي كتاب عربه واكتاب على مرافة المعالج أفقاب الإنسال المن الكافر وعالمات التعاني الألاماة بدو علم فار الكتب المعلمية بروت.

 عن وقتل و مس بعطهم حمر مناصرات فقير حمرات عسار به وأحلت الكيم الإساء الإما بنائي عليك فاستسوا الرحاس من الاوقان واحساوا دول الروز مدوره النجح أوقال عارب داده.

و « السخور اكتاب الشهادات باب الشهادة على شهادة ٣/٥ - ٥ طبع البريابولسلية كرايبي .

إذا وكارة تحريماً طلعت بالتردو كذا اشطراح در المحدر كداب المحالي و (1.25 فقس في المع 1937)
 شعر الجانبود معدد كراجي

وكفافها المعر مرائي كناب الخراهيم ياؤؤها تصع مكام شهديه كواهم

الركداهي العاصة الصاري فصل فيما لتسيء بالراها السرامكنية وشبديه اكونته

20 من مشير على شارع المدينة عالمي في كراهة عليماء كراهة تجرام شاهي كانت الصلوة باب الاحاماء 1971 - 40 طبع المجاريب سيند

والشاء في حسن كبر اكتاب العبلوة باب الأحامة من ١٩٢٥ فليم سعيدي أنصب المنهم

ومقمه مي حاضية الطعمعاوي كداب المملوة بالما لاجامة على ٢٠٢ طاع الديمي كبيل جاته

والب الإمامت

رکھنا ناہا آن ہے (ایک کی صدائے اور تقافض وی سامر کما ہائے اور کہ اگر منت باطواتی افعات کے بعد ہائی۔
انسلام کیوا آن تو اس کی بودی معلقہ و اور دکھی اس کے ساتھ اور دہیا ہو اسٹی کے بعد ہوتا ہی شہروری اسٹان کے بدول تجدید کے اس کے ساتھ آن در بنا ترام ہے افعال معروری مسول میں اندرین حالات و تھیں۔
امام بینے کی صداحیت کیس رکھنا ہاں آئر تیم ہے اکا نام ارتفاعا اور ممنول سے تو بیانا ہے بود ہے اور موام کوائی کی تو ہے اور اس کے حلال آنا تھ کی پرائٹ و مامل ہوجائے تب کیس بنا کراہا مرکھا جا کھٹا ہے۔ اپنو والدین میں سے جوز ندو بودین سے بیامعائی انگل کے اور جوائن میں سے مرکبی ہے اس کے لیے تبدول سے وہا اور اسٹی کی رئیسے ا

ه روا بدولاهیف قط ارتبین مقتی مدوسدتا هم اعظوم مشکل. ۱۹۹۹ زندی اینگری اینکاها ۱۹

 إلى المستعي أن يقتدى بالقاسل إلا في الحديثة لاته في غيرها يجد إماماً غيره ود المحدار كتاب العسوة بالهد الإمامة الأراد ٥٠ طبع الجدايم. سعيد كراجي.

وكلدا في الدخر الرائز كتأب أنصلوة بالدالا بالدائدة فلج مكتبه والبدية كوك.

وكذا في حلي كبر كتاب الصلوة باب لامامة ص: ؟ ٥ ٥ طبع سعيدي كنب حامه.

٣) وفي فتناوى الارضاد، يبحث أن يبكنون إمناع القوم في العموة أفضيهم في العلم والوراح والنقوى والقراء في كتاب العبلوة باب من هو احتى بالإمامة هي. ١٠٠ طبع إدارة الغراق والعوم الإسلام. وكدا في شهر المختار كتاب العبلوة باب الإمامة ١١/١٥ ها ١٥٥٥ ضم أبهم بالهماسجيد كراجي. وكذا في شهر الدائن كتاب العسرة باب الإمامة ١٠/٣٠ ضم دارالكتب العثمية بيروت لبدن.

- سم ويقع معده) أي يمع الطلاق بعد وحياه الشرط كتاب الطلاق بات التعليل 1974 طبع مكتبه رشيديه كويت. وكدا في هداية كتاب العلاق بات الإيمار في الطلاق ٢١٨/١ رحمايه لاهور. وكان في شهدية كتاب الطلاق العليل الثان في نعليل الطلاق ٢١/١١ طبع رشيديه كولته
- ع) ويسكح مانته بما دون الثلاث في المده ويعلما به لاحماع الدر المحتار كتاب الخلاق باب الرحجة العرب عبد كراجي .
- وكدا في الهندية كتاب الصلاق افضاع فيما نحل به اسطّلفه ٢٧٧١/١ طبع صعبد كراجي. وكدا في نيس البحث الله كتاب البطلاق مات از حمة فصو عبدا نحل به المطلقة ٢٦٣/٢ طبع دار الكت الطلبية بروت.
- ه و على جائز رصى نامه عبد قال قال: رسول الله صلى الله عليه وسلم الا لا يبين رحل عند العراة ليسه إلا أن يبكنون ساكنجا أو دا مجر والصحيح المسلم (1 1 كتاب السلام باب تحريم الحلوة إلا حسية طبيع فيديسي كتب حاله وكداعي الدر المحتار الحدوة بالاحبية حرام كتاب الحظر و لاباحة فصل اللي فليظر والمس (٢١٨٤ طبع الجياب، حميد كراجي

ناوبل شخص کوووٹ دینے والے کی امامت کائنگم

J =

آیا قرامات چین ملوم زین دو پی شطاک جیب بنیادی ایمبیر پیرو کا انگش بور نز وای موقع پر و و اس موقع پر و و آگار ا آموی گفترات دو سکافران مگر سے الیک عالم دین دورخلیب میچ شادن مراای کے مثالیف بیل سوری ما و بسالے کو موسال اور اکومیا اوراد دروم سام کی خاصت کی درجہ برخبر تان کے سیار کھٹی بعد ایران دی حالے میں سے توقع کے اس انتخاب کو اور دوم سام کی خاصت کی درجہ برخبر تان کے سیار کھٹی بعد ایران دی اس مارو دروم کا اور ایران کی میں مواج بالی کے اور این مواد ایک درگیری مواد تا کی خدو سے بھی مارو درور اور ایران اور ایران درور ایران مواد برخبر ایران مواد ایران مواد تا کی خدو سے بھی مارون اور ایران اور ایران درور ایران درور ایران مواد ایران مواد تا کی خدو سے بھی مواد اور ایران مواد تا کی خدو سے بھی مواد اور ایران درور ایران مواد ایران مواد ایران مواد ایران مواد ایران مواد تا کی خدو سے بھی مواد ایران مواد مواد کی کارون مواد ایران مواد کارن مواد کی کارون کی مواد کارون کی کارون کارون کارون کی کارون کی کارون کارون کارون کی کارون کارون کارون کی کارون کی کارون کارون کی کارون کارون کارون کی کارون کارون

× 3 6

یم مدارت ارتبار ارتبار ما الاطام مدام بالداد الله المواقع المائن مسلم و کی بنام یا کسی از مائی می آگرا ہے۔ ختمی کو دائٹ اور ہے اور نام معلوم ہے کہ اس المید دار کے اقتابات میں دربر المعید دارک مقامت ہا و گ ہے۔ بقر ایم و بال کے طالبات ہے بیری میں دافنیت راسس کے بختر کو کی تیس میں تیک ایم تعلق کے ایم میں اس کے ایم می ہے کہ اس جلیب کے تعلق آب دیال کے میں تی تعل اکرام ہے تی تو تی ماصل فریا کیں۔

عرب براهمیت که از گیاب شنج ایمن بروی تنجیح ارتوان کمد موان میر ۱۹۱۹ کار ۱۳۸۵ نو

حجوث بول کراینے کوسید طاہر کرنے والے کی امات کا حکم

€U}

کیا فریا ہے ہیں علیاء کرا ہم اسفنٹیا نا حظام اس سنکا بھی کہ ایک فیتھی یا ہرکھی فٹلع کا دینے والا ہے۔اپنے آپ کومولوی کہتا ہے۔ حافظ قر آن اور چیز تلا ترب وقویٰ سید جو نے کا کرتا ہے۔ فوش آ واز ہے۔ بیری مریدی اور وطاکا پیشا اللہ رکیا ہوا ہے لیکن تھیں ہے بید جا اے کہ قوم کا سیالیک ے اور اپنانام بھی کی وقد تبدیل کر چکا ہے۔ قرآن کید بہت خوش آ واز قاسے پڑھتا ہے میکن آواز بناتے بناتے تر آن مجبد کوتو الدحجویہ کے خلاف یز عدما تا ہے۔ محرم الحرام کے موقع میں شہادت المام حسین بیٹنؤ کا مضمون پڑھتا ہے اور میلاو کے موقع پر میلاو کی کھل پڑھنا ہے۔ ماؤڑ ٹیٹیکر اور نفت خوانوں کے بغیر وفائیں کرنا مسل نوں میں انتشار کھیا تا ہے اور اپنے تقیدت مند بنا کر جتمہ بندی كراتا ہے ۔ حالا كلدائين آ ب كوائل منت ظا بركراتا ہے ۔ مقصد جھ بندى كا مرف ميكا سے كريمارى مزے ہوتی رہے اور چھے بار پارکہتا ہے کہ جھے نیادہ سے زیادہ رقم رو افلان جگہ جھے بہت ہے لئے تے میکن تمباری بحبت بھے بیال الا فی وانتشار کی وجہ ۔ ایفض مقد سے بھی اس پر بیں و برسرا اندا اوج کے ضاف مجمی اس نے کوئی علا وعذ تیس کیا تہتا ہے دین الگ ہے سیاست الگ ہے۔ اس لیے سياست بين حصه بالكل نبين كيتر . و و قريص اور لا بن از حدے ۔ مفتح عزائ ہے، و بن جنتا مجت ہے ؟ جناوين كوبيان كرسك بهووييش كاطور بردولت بحق كرناهمود بنايا بواب بيرك مريدي اورتهويذ مختلا وں کا کام بھی فو ہے کرتا ہے الوگوں کو بیت کرتا ہے کہتا ہے کہ تیرے چانیس بڑا رسر یہ تیں -کا ہے گا ہے جبوت ہول ہے ، کا ہے گا ہے وعد و خل فی کرتا ہے ، ہر وحد عمل تین صد یا جا رصدرو ہے کا الیتا ہے تمان اور وعظ الل سنت سک علاء کی طرح اپنا عثا اور کرنا ہے ۔ مدر سداور سمجد سکے نام پر بھی مق ما کمک ہے برکو کی نیاز ما تھے کا بادیتا ہے۔ بیٹرا بیاں ہمیں جھیتی سے معلوم ہو کمیں کیا پیخفس جا ابھا لفارن اصنوا ان كنيرا أمن الاحبار والرهبان لياكلون اموال الناس بالباطن وبصمون عن سبيل الله كا معداق ہے دکیا میں سولوی اور پیرکاد مقاشن موراس کی رجت جوانا اور س کورقم و بنا درست ہے بائیس ہے۔ معلمان ۃ پ معاودین ہے شریعت کا فیصلہ ہو ہتے تیں ۔

5 m

عقا می طور پرخوب تحقیق کی جائے اگر واقعی میشخص مجاٹ بدائا ہے، بدعات اور رسایات کا اور تکاب کرتا ہے ⁽¹⁾ اور مقتلا کی اس وجہ مقداس کی اما صف پر راضی تمین تو اس کوا مامت ہے ایک اور جا کزیے ⁽¹⁾ مرفقا والندا الم

فروانگو افراشاد نفران ۱۳۹۶ چیسه ۱۳۹۹ س

مفعول کے چھیے تماز مکر وہ تحریبی ہے

6€ **0**}

کیا فرمائے بین علاوہ نے اس مطریش کے زیرائیے معہد کا خلیب بیش امام ہے اگر آن نہریت اپنیا پاستا ہے ۔ نماز کے مسائل سے تھی نوب والف ہے ۔ نقر پر بھی تو ہد کرتا ہے ۔ منظم تھٹے بھی نو ہد ور مدخید پیش ہے ۔ کمران تمام فرجوں کے ساتھ اس بیل ایک شرقی بداخواتی بھی اظہر کن اکٹس ہے وہ کے کے مقس ہنتے کا ''س ہے ۔ اس مستدین و دکائی ایکل بھی ہو چکا ہے اور کی آ دی، ان کے فاعل بھی موجود ہیں ۔

ا پیسے تھی۔ کرچھپے ٹماز پر صناع کئے ہے ایمیں اور انگ اس کے چھپے ٹمازٹیس پڑھتے ، اس ٹی ٹماز بیری ہو گئے ہوئی ہے پاکٹیں را اپنے انام کے چھپے ٹماز پڑھنے کے بجائے تھا ہے تائی کرٹی جا کڑھے کہ ٹیس ۔ جب کے سے بلیعہ دکر والے کی فوش ہے ٹی داوے یہ بیٹوائز جروا ۔

۱۹ همان السكنفات بهدي إلى ظمحور وإن الصحور بهدي إلى النام بات إحضاف البداع والمن ماحده عن ۹۰ خطع الجاء على ۹۰

إيها كنم و مسجدتات الأمور قال شرالأمور مستشاتها و كل معدلة بدحة و كل بدعة شياراته في ماجه بالبالإجتناب البدع ص. ٦ طبع سيمة كراجي.

٣) من اع قوما وهم له كارهون ان الكراهة كساد قيه اولا بهم احق الإسامة مع الرمان دلك تحريف المحدث أبني داود لا ينقسل الله صلوة من تقدم قوما وهم له كارهون الدر المنختار كتاب المسلوة باب الاسامة ١٩٩٨ منيسة كراجي، و كتاب العملوة باب الاسامة عن حافية المطحقة في مواقع الفلاح كتاب الصلوة باب الاسامة عن ٢٠٩١ طبع دار الكتب العلمية بروث لبنان.

وكفا في البحر الرائل كناب الصوة باب الإمامة ١٩٠١ طبع مكتبه رشيديه كوفف.

۽ ٽيءَ

البيائيس بواعل عام ُ بنا اواراست آن كالل ُكُلُ فاسُ امر باسى . بدا أن ووقا به سالها ورشال اواراس بناويه و بدكراس كن يُخيِفن (الموقيري ب الماك شراب المواهد المعاسق فقد عللوا كراهة بقد المعاسمة والمن فوله و من مشى في سواح العلية على الاكوامة فقليمه كراهة تسخيرية المن والمعارف في المن الميافي الإفارة والشائلة الكرافية الكرافية المراسمة في المسلمة في المواهد الماسوي المعارف الماك المعالمة على على المعالمة على المعارف المعارفة المعارفة المعارفة المعارفة المعارفة المعارفة الم

والروندا ورشاوط إليانب فتي مدروقا مأطعم وملتان

عادي تريه وجعو

مفلی کا مرکز نے وال (مفعول) فائل ، فاجر ایجاس کی مامت کرو و تحریک سے

و'ر ہ

ا میافر دست میں مدہ دین دریں مشدکہ نے ایک مجدو بھٹی ادام دفاعب ہے بدقر آن مجدو کی باعث ہے دریا آمائی ہے دافر دیکی انگل آنا ہے ہا دخیہ والی بھی ہے دایع سے صاف سن سس مکتاہے دملیق بھی ہے۔ انظمومی نورید عظیمال سے اور اس کے اس ان ترموق دین کے ساتھ مرتوری بھی ایک بادیجی واقعاتی اور واقع براہر استعمال بند انھی ہے وراس کا مفعول اورا کرنی فرحلی کھیں بات کئی۔ و وجھود یا دکیز کے اور اس

و 13.7 مي حلبي أكبير أكبات الصالوم بات الأمامة 2.7 عاطم معيدي فتب خيم

و كنياهي حدثية التطخيفات، على براقي الفلاح أكتاب لصلدة نات الامامة من: ٢٠٦ ظبع لديم. عندل جالية

- العدائس حيس في قدير داخلاً والسل بدار على أن كرافة العديدة الرافة الحريم كتاب الصفرة بات الإدارة من ١٣٣ قطع سعيدي قد باخرة
- اح. البقيد المشلود كرامة تُعليب بأنه لا يهيم لامر دينه وبأن بي تقديد للإمامة تعطيب وقدار حب عليها. - إمانية شرعاً شامي أخاب الصلوح باب الإمامة 11 - لام طبع الجناية بمناسعية كراجي

و كما فهي المستني كليس كنياب المهنود بيان الإمامة عن (١٠٣) فيضع للمبيدان كنيها عامه وكما ماشية الطماعال وي على ما في الفلاح كناب العمومات الإمامة عن ٢٠١٤ م قدامي كاب حام

وي الادب وميله وين الإسماء الأواطع بيج بالبيدسيون

۱۲۴ با ۱۵ است

4 & G

و طبح رب كه تقل كام كرف وال تخص في يروفاس ب المراكب فلتدين ب كريس الما و المراكب المسالة على المراكب المراكب ال ادوال ميرت شترى الربات فاخر كي بول قوام بك ويرمفا في وبه اوراس وادم بولا كروه في يربا برايس والمراكب و المراكب و وقوام فو ما وهم لله كاوهول الربا النكو هذا ولفسانا فيه اورلائهم اسى مالامامة منه كروه له ولمك تستحد به المحديث الى واؤد لابعث الله صلوف من تفده فوما وهم له كاوهول المراكبة المؤدم و اوريت تحديث في برا فرم به كروه المرفقي كوشب الراست يصلي كرم مد المدفور الربط ف كرد ب المساورة المرفق كرد ب المساورة المرفق كرد المرفق المرفقة في الربطة في أمر المرفق المرفقة ا

إوضائيق من النفسق وهبو حروح من الاستقامة وقعل البراد به من يرتك الكتار اكتناو به العمر
و النوالي و آكل الوبواوسعوذالك في البرجيدي استنامين إضاعي) كتاب الصنوة باب الاستفاء (١٠٠٥)
طبح اليجابية سعيد كو الجي . . . وكناه في تقسير روح السفائي سورة المداء أحد، أداره (١٠٠٥) الميارة البراء المارة الميارة الميارة المعارف الميارة الميارة

۲۶ ومن اجموماً وهم له کارجون آن طکر اها قسماه به آولا بهم آخی بالامامة منه کره له وظك تحریما التحفیدت این دود لا نقبل الله مبلوه من نقام فرماً وهو له کارجون طاور السختار اکتاب قسلره با ب الاسماه ۱۹۸۱ مطح بچر به مسجد کراچی و کمانی جاشیه انظحطاوی علی مراقی اسلام کتاب التصفیدة مات الامامة هن ۲۰۱۱ شخر شیدیه کوشه التصفید باب الامامة من ۱۸۱۱ شخر شیدیه کوشه

 (عافید عبدتو) کر ها تقدیمه بآنه ۱۲ بهتم لایر دیده و بال فی تقدیمه دلامایه تعظیمه وقد و حب طبهه إهابت شرعهٔ شامی کتاب الصلوفات الإمایة ۱۹ با ۱۵ طبع ایج دایم دسیم کراچی.

و كالقالفي حليان كبير اكتاب الصلوة بأب الإسامة من ٢٦٣٠ طبع سعيدي كتب حاله. و كذا حاشية الطحطاوي على مرافق الفلاح كتاب الصلوة بأب الإمامة في ٢٠٠٣متم فدسي كتب خاله. الدينة بيها كون ورسمد كم أيس جمل إلى معاصد كي تمازا والى بالنحرة الكاور مرك ينجي تمازي التي بي سير ر التأتيزي أغاز يا حشاست بشاعت سندال مك ينجي تمازيات ولي سياد بري حد جاريا سير على المسحيط على بي يجي الأسميم و معاورة وقال مقر ربوجا أراض بيد و رقق مان سيالنا وفي السيسر عن المسحيط عسى المسحيط على المجلسا عند المسلم في السيل أو حدد عال فعضل الحجماعة العجم أو براي في سير عدد الفي وراع (١٠) العرب التاريخ فادان المسلم أو على من الانتراد لكن لاينال كنيا يبال حدد الفي وراع (١٠) العرب التاريخ أن المرايخ المنارية المنا

2- الحكومة وتركية المقابل لا يستأخي مدورتها مواعلوم المكال المعادمة المتاليخ الإعلامة التاليخ

دوس مے تعمل کی منکوحہ عمر ست اپنے گھر بھانے والے کی امامت کے متعلق

\$ U \$

کیا قرمات میں علامے آمرام اس عقد میں کہ عاد سے کا ڈس ایٹ و افاقد اور ہے جس وقت جیٹی امام موجودگیں بعد تو ووٹمانز پر حالات اس وہ ان والا امام نے متعلق اس نے رشو واروں نے ایس بلایا کہ اس کے کم اخیر طوق حورت ہنداس نے چیچے تاریخیں ہوئی تو تعریف جی جیا۔ اس نے بھایا کہ جمہوضوں سے خوجی ان کیے ہند مجمع طوق کی آبا معمودت ہے ۔ بچھ ملاء کرام ہے وہ باعث کیا کیا تو انہوں نے کہا کہ اس نے پیچھ مارڈیس مول جس کی ویا ہے تر موگ اس کے چیچھ کا ذیح جیے اس کے اس کے اس کے اور میں کے بعد تجریف

() ومكره تنكوار التحديد عمر بأدل ورقامه في مسجد محد الأمي مسجد مري وإله وركزه أي تسريداً مشار الكراء تنكوار المحديد الدور المسجد المحديد والراه داكات الدائوة بالمائية على مشار المكافي الاستعبار المحديد المحديد المحديد الكراء المحديد ا

قالم السحمار مع وه صفحتار كتاب الصنوة بات الإمامة (1976) فقع النجر إليه سفيد كورجي.
 و كفافق حين كيم كتاب الصلوة بات الإمامة من 196 هطيع سعيدي كتب حارم.

و 1919 في حياتية المصحفطاتين على مرافي الفلاح كتاب العموة بالدادية من. ٣٠٠ ميم مار الكتب طفيب بيروت بدان. العام في الرجوا أبوان في أو المناه المواقع أمن أنها في المواقع العام الماه وكف أبوان وكس الماه و الدارا المام والمسابقة المحمول شدا المام وهواروج العام أدولوك البيانية في المؤتو المسألال وكف الكارا المسابقة والمدارات الم وهجورا المحادث المواقع المارة المراقع المراقع المواقع والمواقع بها المحادث المواقع المسابقة المراسات أنواق المحمود المواقع المحمود المحمود المواقع المحمود المواقع المحمود المواقع المحمود المواقع المحمود المحم

. ۴ ن *

عمل سوال (میانک نابات و الله عمل کا این کے ناوش میں بال داخل کر ملے قوب کا رہے ۔ اے قامی آئیں (۲۰ م طاق کے کے معاصرے کے قوم کا ان کے میں باز اکا ان کی عمرے کو کھر ایک رکھنا اور امام محمد عمالیہ بات درباری کے ایس کے اگر اوال مطالق و ان کی کے سے رواح کے

رئي النوريق في القرار من النورية في القرار العرار العرار

ا حوالیت آن کور افغوان والاستان به رسی مواطعه ایران

n څيل پې ۱۳۳۸ يې

وم النف بين الدور الدخياء أن لكاح الدين واستداده فالدخول فداؤا يوجب العدة إلى علم وجة للعبد الأمه لم يتحقل الحياد النجوارة عبدالذي بالمراجعان ما بدا المدة مطالب في التكام المقامسة 1977 عاصع العجاء بو استجدد شراعيني الراشاء في الهيام إلى الثالث الذكاح الرائب العلماء في يتن محرمات الحداث الما المعامل المناجعة المناجعة كان المعامل المناجعة المناجعة كان المعاملة كان المناجعة المناجعة كان المناجعة المناجعة كان المناجعة المناجعة كان المناجعة كان المناجعة المناجعة كان المناجعة ا

و بياسيق من النجيسة أن وهو خروج من الاستفادة ومثل المرادية من ترتكب الكبائر التشارف المعدد و أن بي و أكل الرئيديات، و أنك كان إن المسودات الأصاف الإدادة منع فرج الرد المعرد أكر الهي الله منظم أكر الهي الله مشتى فتى شرح السندة مني أن كرافة شبهت أكراهة للعربية إذا التي اكتاب السوفات الإدارة . بالرمة فيتعدد كراجي.

ينطفس فحارمت كاغلم جس بإغطاكاري كالزام بو

Section 1

آن قربات کی ماروی و براس مارا رائید و فواقر آن سے روائٹ و ماتا ہے اور اسام کی المام کی المام کی المام کی المام کی موجود میں المرامی کی آرم الا سام درائے واقعے والی شاہد سے کہ یا المام و الکی کا المام میں الکی کا المام کی کیار المرام و آنامی المرام کی المرام سے المام کی المرام کی کیا ہے کہ یا المام کی المرام کی المرام کی الموالا ہ المامی کا کام این کر کانے کی کی کرد ہے ہے۔

နှံလို ၈

بلادبیائی ہے الدہم کا کا آنا ہوگیر و سے آئال اس لیے ہی انگلیش کی جائے سنا کر واقعی حافظ صادب شاں پیافرونی موجی دو قوال کی جامری درمان گئی ^{و وی ا}مریق اس سے تکھیم جو فرینٹ مرد کھا میں درست سرائیم کا میں تک کرد دو قوالیت ہے دو جائے اس کے اس میں اوست و کیے دیشن میں میں گئی ¹⁸⁸ میں حال پیرنی تھیش کی جاد سے نظر داملان میں اخرے

اع - فيم وزير الله لعملي بايهم فيدين سوا حيث أخير أمن أمن بن لعمل العمل إسرالاية المربرة المحمرات - الناء وو

والإيمان فالمنطق موالا إدامات ومثل المؤمنين والمؤمنات فانفسهم عمراً وقاتو فشاراتك مين. الميارات النبيق أنه ١٣٠ دفيله في تعقير النقل في أي الراطي المناص فالمرافق ١٣٠ تحير أنوالان فالم المسالين قدالها: المدانقين ما نهي فاليه فيه في إنها إنفسها فلم تد١٣٠ (١٣٥ بالماك منطق الملكات المرافقة عنداً المنافقات

 ولا يستمين بن الفتيري بوالمناسق إلا في المستق إليه في عبر فا يجد إداد البروازات المحدر) أثبات المستقيدة داب الإسامة (أن 13 بليغ إليم المهاجعيد أثرا بن وأثبة ابن البحد الرائل كتاب المسوة باب وأماده (١٠٥) وضع مكمة والشياء أكركم.

الواقر ومي حالين أدار كالدوار العالوة بالداماءة عن يرووه عليع فتعبدن كداد عالم

- جو على الني بالبرائع في الراحد المشاهيرين الرواعاتين العانون الدكار مشكرة أداه . العلم العصل النا عالي المعنور وحديث المراه الإحداد العدان والمعانية عن الاصع عارمي أدام عالم
 - ويتي بعدر لمن ناب و من وعبل صاحباً ، العندي من قصم سايد ١٢ بار ١٥٠٠.

ا برعال ها دانسية و هاي و العام و فان فار و سول الله صلى الله عليه و ملم النائد عامل الدعاء الثمل الا و بيسان المشاكلة و المصالح بالها وقومة و كلامتهم و من (٢٠١٤) فا من كانت خالف

وكنداش البراطاعة بالمدادكر المهابة والإستغار السراء الاعتضام البيها بهما معيدا

فسن بريق بين ويتا أحنس كداه مت كانظم

ھ`ر`ھ

ا کا قربات جن علاود از دران میله که ایک تختی نیس کی همرانیس بال مصاور و دانا مهم بود سے ماہ داند قرآن ہے۔ آگلے وہ سرال کا واقعہ ہے کہ اوٹو افٹول قریہ چند فائل افٹوائس جمی اور واوٹکی موزور تیں ۔ جب ا مام <u>نے کے ال</u>ے مقر رکز کر اور زیب ہوا اور وجہ و کیا کہ '' بھو و<mark>کسی کے وجو مرتب</mark> کیلی جونفا الفرا اب واجعہ ران ہوئے کے کہا تک مول کا پڑ کا جُس ن تمریحا سال معمان انگیل ہے اور وحقا کا مشیعہ کا ہے اور اس سے صالات الخذاء الرسب جانته بين أرمية ب مفهول إلى ما من عامهم وجوازها كي ويفعك جو كرمهم الترقيب منا س میں اس سے مراقع رہت ہوئی ہے ابو بیل معمولات رہتا ہے اور تیت سٹولو کیے ہائم معدلیا کر ایک وہ مراسط کا ج سر الحنظ فی اور کیارو کے فعد تنز ایا اندرورواز ورند کر کے بینے دیتے میں از ادم محدالک کیم وقائع رہ نے کا نسونلی خور براس کر کے کافر تو لینے کے لیے اوبالار ہر وہنت اس کے ساتھے دیتا ہے۔ ''روش مترق ک و کی لیتم و وگورا ایک و در پر سے ۱۰۰ ربوحات میں اوران گونتی بارمتمتہ بول نے روکا اور کما کہ ان فرک ک ے مربو جارائیں زیروست شک ہے ان طرق فرائروٹ کرنے سے اکٹاوت جا کاست آ او کھنے کا ک جی برے سے پینٹ ہوں میرا ون کن وئیس ہے۔ آپ میں یہ کجھوں قرمیرا ٹی ٹیس ککٹا اورای کمر نے بھواؤ ساتا ا زم زیاد وکوئی بات کر وقوج بگیرد و نقط کو اینته میں کوزیر دست شدے لینتہ محمول کی تماہ سے کتابال تشکی فیڈوا ہے بہت ہے مشتر کی ہرواٹ کماز ہز ہے ہے انکار کی مو کیکٹو وہ بناہ یا کیز اور کہ مسمجد دوسرا انتشار ليو آليون يه وأمِّمًا مع كدائر وراقيّ بي به يستحد ناري بلؤاً كي من المغيس شيّ أنْ فمارن هجرو ما بالت ا کی کی مرخی نیاز اقرائر و موحد کس کے اور تینہ لیے نے مجبور ان کے اگیا تاری فرز ای جو کہ ایا حمی کمیں منظور ہوئمیں باک قضا کر لی بڑی گئی اور اس کا بٹنا ویٹا ٹھر ہوئٹ کے مطابق کھنگ سے اور قانیا کے جیجے لمباز جوائل ہے اِکٹیں امر آخر بیادی وال سے انام مجدد وہ احتمار کیا تھیاہے اواکہ شادی شود سے اور کی کو کہتے تھے و کوئی وعمد وض کیسے ہے اور مدایتہ اور معمیرتو جوان بنجے شاوی کے ہے۔

جائز ہا ہے۔ بھر ہاتھ مصاحبات اس مجھس کی امامت عز وہ تھا گئے تھے ہے اس فاصعا ول کرنا انامت سے خروری تھا ^{تھی} دو

جو نمازیں اس کے بیچیے بڑمی ہیں وہ سیج میں ان کا عاد دوان بے ٹیش (۱) مدید نمام مساجد اللہ کی ہیں سیاجہ کی ودائت کیل کی (۲۰) معدیث کی شد عس این عباس وضی الله عنهما قال قال وسول الله صلی البله عليه وسلم تلاثة لاتوفع لهبو صلونهم فوق رؤسهم شيرا رجل اعفوما رهبوله كارهون والمحديث، مشكوة (٣٠) وراقاري جروالو الإقوما وهم له كارهون ان الكراهة لفساد فيه اولاتهم احق بالامامة منه كره له ذلك تحريما (٣) وفي النهر عن المحيط صلى خلف فياسيق أو مبتندع فال فضل الحماعة . . ويكره أهامة عبد الح وقاسق ... ⁽⁶⁾ بل مشي قي شرح المنية على أن كراهة تقديمه كراهة الحريم⁽¹⁾ بالشا^{يم}

حمداتهم فوراثادتعثمان

٤). وهي التهار عن المجلط صلى خلف دامن أوجته ع بال فصل الحماعة أفادار الصفرة خافهما أولي مين الانتقراد لكن لا يناني كما ينال خلف تقي ورع الدو المختار مع رد المحتار كناب الصلوء ماب الإمامة ١٩٢١م طبع ابتيساييا معينا كواجي

وكذا في عطى كبر كناب الصلوة بالبالإمامة عن ١٤٤٥ طبع سعيدي كب حامد

وكدنا في حنائية البطحطاري على مراقى القلاح كتاب الصارة ماب الامامة ص:٢٠٢ طبع قديمي

- ق. وأن المدرجة لله فلا له عوا مع الله أحداً سورة الحن أبة ١٨٨ وارد 15.
- ٣) مشكوة المصابيح باب الادامة الغصل النالث من: ١٠١ طبع قديس كتب عامه.

كالماهي انفر المحتار وعبدهما هو حبسها على حكم مقاداته تعالى وصرف متفعتها على من احب والراعنية فيغزم علا يجوز لدايطاته ولا يورث هم كتاب الوقف ٢٧٨١٤ ، طبع ابير ابد معيد كراجي.

ع) الدر المحدار كتاب الصلوة باب الإمامة المؤده طبع اينهداري منعيد كرههي.

وكفا في حاشية الطحطاوي على مرفق الفلاح كتاب الصلوة باب الإمامة من ٢٠١١ طبع دارالكتب والعشاية بهروات لينان

وكفاعي البحر الرائق كتاب الصلوة باب الامامة ٢٠٩/١ طبع مكتبه رشيفيه .

- ه). الدر المختار كتاب الصفوة باب الادامة ١٩/١ تطبع ابنها المراسفيد.
- وأكيفًا فين مناشبة النظمنطةوي على مراقي العلاج كياب الصلوة بات الامامة ص:٣٠٣ طبع قديمي
- ١٠). نشم كتاب العبثوة باب الإمامة ١٠/٠٥٠ طبع ايبوسابه وسعيد كراجي. وكنذا في حلبي كبير كتاب الصنفوة باب الامامة هي: ٥١٢ قطع سعدي كتب خانه. وكذا في حاشية الطحطاري كتاب العمارة دب الاحامة ص:٣٠٣ طبع دارالكتب العلمية بيروب بسان.

الإدا ما يا من الرياضي

اليسيخفسا كالماست كاتكم بمسابر تبهت لكاني كي بو

ه کر بو

آپہ قربات میں طاور ین وطفیوں قربات مسک رہی مسک رہی وطفیوں کا گور انہا کا انہا ہے جات الموق کے گور وقع الدارہ کا اور مسک کی انہا کا اور انہا کا انہا کہ اور انہا کا انہا کا انہا کہ انہا کا انہا کا انہا کہ انہا کا انہا کہ انہا کا انہا کہ ان

يان ۽

صورے مسئور علی مام کی دامت بالشروجات ہے اور تہدت اکانے والے تھے گھڑو تیں ^{اسکا} ان ہے ارزم سے ووقو باکا نب ہوجا کی ^(۱۱) دفتا واصاف کی اہم

" روگوانو هموان سر بهشمنی در ساق مماهه میشن. ۱۴۹ رو قبل به ۱۳۹۵ و

(١) كالماء عن ١٤ تعطى إدائها الدين المواحدين المواحدوا كثير من الطن إن بعض الطن الم مورة المحرات على المحرات المحر

سع والدين إذا تعلق فالحشد أو فللمرا أغسهم واكروا الله ماستعمروا الدولهم حوره السما الأبة (170 والتعلق على أن النواة من حديد المعاصي واحلة وأنها واجهة على القور لا يعزز تأخيرها حواء الاحت المعتصبة صغيرة فو كتم غير المواه على المباسمج المستميم التواه على واحت على احت الكام الكام

جمهاالمام فعل بدفاانهام موادره وترويد بين قتم فمالية ومن في المريد وترويد

اري. ميان ده

الياف آن جي ما شاه إلى الري المسأل اليك والموقر آن جا كل المواثث فوي يوديك المارون. الأشار ب الا الماطاع بالري في المام العيام ما المسائل شديال يال الموقي في البياء الموقود المرفيض المواثر الما المارات والمارون المسأل الماقي أن الماطاع المسائل المارون المارون الماطاع المواثر المواثر أن المارون المواثرة الم

ه کی ته

ار فعص دہیا ہے الزائم خان ہے قابل ہے کہ اس فی آم واللہ کا اور ہے ہیں ہے۔ ایا جا گھا ہو کا اور اس کے کے اسائم کو ناہو کوس تھا۔ اس ہے اس سے ام اس کے اس کے اس کی وہے ہوا والد مشاکل کی بر طالب ان والد کھا کی اطرار

iya Kiye Ali Ursayay dilar

ا ب گفس کی اوات کا تنم میش پر در سے دم کا گزیم ہوا از ایسان

J ?

ره ځ ه

ا او ما سب سیدا از ما سیال دوار بالی داری دارا گرای او از گرای دوارد تفقهٔ بین کرای رکی بیال میلی پر ستی ر دول خوار سورت مشرور تالی کروای کی بیان تین مشور به جن اور به امروزی این است محمد فروس فرای این آپ وک ان المام کا تفروگرے پر تیورٹین را لیے تحقی کو مقد کی بنات سے اختر از کرنا جا ہے اور کی تیک اور صارفج و بنداری نم کوار مو تفروگر بن ساز میت صالعیاد بن مشترے اس میں بارٹی بازی سے حتر از کو بہت میں۔ اور عام نماز بیان کے مقور دیسے و بندارا مام کو مقروکر میں (۱۰ کے فقا وائند قبائی الام

عررتم أفرش وتغريره جانشي وررزة الأطوم لألمان

وْجِا مُزْتَعَلَقَاتِ رَكِشِهِ وَالسَّاكُ لِمَا المِسْ كَا تُعَمِّ

و من فيناوي الارشناد بنجيب أن بنكور اماء القوم في الهيئوة أنصبهم في العلم.
 و إطفى أن كتاب الصدور باب الاصاب الثانا، حاليم الراء ، الطبع إدارة الشرائي.

وكذائبي المراكمة باردكانات بصلوة بالداكمامة الادعاطع مجدا لمدمعت

وكيد على البهر الدانق كفاب العدارة بالسالة المراحة (١٣٩٥ كمزع (الرائكة)، بيروات السان

क्ट¥

ا کرتی الواقع زیدان مراہ بے تھیں کا مرکب اوا اور قب نہیں مواقو وہ اوا معامت کا مستقل کیل ہے ⁽⁴⁾ بقر مرسلما کی اور م ہے کواپائی کرتے کہ استعمال کرتے میں کو بینا کر کسی ٹیک امام کرمقرر کرتے اور اگر فریدان فرکا ہے ہے تھے میں میں جمہد و کردی ہے کی زندگی احداث اعوال سکہ ما تھے کڑا دیا نے انگا ہوتو ہے مجھی امام درنا جانز ہے (⁴⁾ یہ اعظام مشاملم

سيوحا ففالتدمزانخ يابده مدةهم فعوسه لمثون

وُ نِهُ أُو خُلِياور: يَكِرِهْرِ فِي المورِينِ مَتِهِمُ تَحْصَ كَي الأست كاتَكُم

*\C_2

 ⁽⁴⁾ فقيرة عطيلوا كراهة تقديمة بأنه إلا يهتم إذار ديبة والأرائق تعديمة فلامات تعطيمه وقدو حيد عديهم وهذم شراط النواشامي كتاب الصلوة باب الإمامة ٢٠١١ قاضح محمد.

وكار في خلق كبير ، كتاب الصيود باب الاجاب في (١٢٥ معيارة كتب حادث مكت ما كندة في حاضية فضعطاوي على مراقي العلاج، كتاب الصلوة باب الاجابة من ١٣٠١ علم أكتب فتُبامي حالة.

٣) آيَالَ الله تعالى والتي لعمام صلى تاب وامل واعسل سايحاً لما اهتدى سورة مع ١١٥

وهن عبيدالله من منتجود رضى الله عنه قال قال ومنوق الله صبى الله عليه وسيم النافت من كعن لا الذي له مشكوة المصابح باب النوبة، والاستعار (١٩/١ هنج مديدي كتب جده)

وكد في مالو ابن والجة " بالداذكر النوبة عن ١٦٣ طبع ابتع البع المعبد منفيات

﴿ئَ≽

و کروانتی مقدرت بالاوق میں سے کوئی ایک اس میں جو جو آن ای اوامت میں نماز واجھی تحریق ہے اسلام ایک اسور سے معم ہوئے کی صورت میں مستقل اوامت سے تو ہیر عال معزوش کر دیا جائے (۱۶) والد نفائی اظم ۔

همودها نه ورمنتی مدرسهٔ انهم العوم بالمان همتوان ۹ سهود

ولدالزناكي امامت كانتكم

∞ ک ۾

آ بیافر رائے میں موروزین اس سیدیش کو مدالان قرابی کے بیٹھیے نمازین ھنام انات یا تکروو ہے۔ انہا کی گئی

ولدائز ہا آئر اُفعل عقوم و راملم لقوم سے بھنی جن لوگوں کی ولدائز نا اماست کر ہے۔ ان سب سے وو زیاد و عالم اور ایم بھنے موقواس کے جیسے اور وائر اور سے ایکن اگر دو توسم میں اہم واقعنل شامو ور

ويمكر و اسامة عبدا وقاصق من انفسق وهو الخروج عن الأستفاعة وقعل المرادية من برتكي الكيائر
 كشمار ب المجلسم والبراسي و أكمل البريو و تحر دلك كدا في البرحيدي إسماعين و اشتامي و كتاب الصفوة بالمحافظة المرادية على بجرايد معادد.

و که این تبسیر روح السفانی سریة النقره ، لایهٔ ۲۰۱۳ ملیم ماردهها، الارات سروت . این تاریخ با در این از این این بازد با در این بازد با در این بازد با در این از این از در این بازد بازد با در در

ا و كيفا مي حياتية اسطيع طباوى همي مراقى انفلاح كناب العطوة باب لامامت من ٣٠٣ طع دار الكت بورات.

٧٦ وقال عالم للواكراهة تقديمه مأم لا بهتم لأمر ويدومأن في تقدمه للامامة العقبمة وقد رجمه عليهم
 إمارته شرعة المرشامية كفال المعلوم باب الإمامة ١٠٠٥ عليم للميد.

وكدا في علمي كبره كتاب العيثوة باب الإدامة ص. ١٢٥ سعادة كنب عالم

و کا دا ما_{ی ا} مساشیه التطحطتوی علی مرافق اطلاح و کتاب الصلوة باب الإمامة ص ۳۰۳ شیخ کتب علیهای عراقه الأساس كه يجيفان إن هذا سناخ على إن قال كه يجيف أكراه بها (أ) على الدوال متحدار وقوله عبر الفناسيق تبع في المحيط عبر الفناسيق تبع في المحيط وغيره بان لايكون فضل القوم فان كان الصلهم لهو اولى تو دكرا به بيعي جربان هذا الفيد في العبد والاعوالي وولذا لرنا فقع (1) أنق الشرفي المرا

ن محرم عور تول كوب برود برهاني واسليك امامت كالمم

ھو`ک بھ

آ بیا قرباتے میں ملائے وین استینان شرق حین ان اوک سنٹریٹن کو بات اور ان کے سنٹریٹن کردینے امام کے بیٹھے فوز ب کز ہے وشین یہ المام صناحب نامحرم محروق کو دم کرتے وقت یا سبق پڑھائے وقت یا تھو لگا تا ہو۔ جب کہ دہ ٹوریو ان ہے مجھوفی فسیس کھا تا ہے۔ جو و وب کی وقت یا ٹیل دکھیں لیٹا ہے اور پیود و سال مکھڑ کواں سے وی وکلا کرتا ہے۔ وغیر دافیر دو

وِينَ بِهِ. وَ نَيْ بِهِ

برنگذیر محت و تف^{رخ}ص فرکور و فامل ہے ^(۱۱) اس کی امامت کلیدو ہے ^{(۱۱} اربام کے لیے متحق م

 ويسكر ماسانه عبد وأغرب ي وها ساق وأغمى الرفد الزناهدا أن وجد غيرهم والاغلا كراهة الدر المختار التاب المعلوة باب الامامة ١٩٥١ د ٢٠٠٥ عظيم معيد كراهي.

وكفاخي الهدابة، كتأب العبلوه بالسالامامة ١٩٣/١ أحبع رحماني لاهرر.

واكدا في البحم الرافل كناب الصلوديات الإمامة ٢٠١١/١ فليع رشيدية أكرفته.

٣) الدر المحتار كتاب الصورة باب الاسمية ٢٠٦٦ علم وتسدية عليه كولا. هم قال براه الراج من الله حريم الله مراجع الاستقالة وتنا من الربيم والكراد كان الكراد كان

٣) قبولته وفياسيق و من الفسق وهو الجروح عن الاستفادة ، ونعل مسراد به من برنكب الكنائر كشارب
المحسر ، والنزائي و أكل الربو وضعو فالك كنا في البر حددي إسماعيل الشامية كتاب الصلوة باب
الامامة ١٩٠٩ ه. وه طبع الهيم بهم سعيد و كذا في نفسم روح المعافي سوة البقرة الهند ١٩٠٩ أ ١٨٠٤ هار
أحيار الراب .

وكما بي حاشية الطبعطاوي على مرافي الفلاح كتاب الصلوة نصل مي بان تلاحق بالاعامة ص ٣٣٠ بيروت.

٤) ويبكر داران أحيد وأحرابي وعاسق وأحسى ... الدر المختار كتاب الصلوة بال الإمامة ١٩٩١، محمد كويكر داران أحيد وأحدى منظمة ١٩٨١، والمحمد على مرائي أملاح كتاب العبلوة فصل في بيان الأحل بالإمامة عن ٢٠١٧ جمع قديمي كنية حالة.

وكلدا في البحر الرائق كتاب الصفية باب الإمامة ١١٠/١ مليع وشهديه كوك.

ا الماحد

ج مع فالمدينة المراجع المراجع المستحدد المستحدد المستحدد المراجع المراجع المستحدد المستحدد المستحدد المستحدد

رندوگد عمال فراند. هنمان وهوسو

مود دوی بن مت میں شامل ہونا اور مود دوی نظریوت کے حامل شخص کے چھیے نمازیز ھے کا مختم

$-\omega f =$

آر مو بالشق بین علور و بین مسئد که مو دوی سد میدان کتابی و بیمی جی گیمی اور حلوم و اساس این شق آعیش طفق آنی ریست قرار و آن میش او دوی مواسید سفی در باقوی و بین کافد آنی اور سی با مراه رصوان الده بیم انتهی بر جامز فرهنوی و دار و این این شاخ فران و بینا و برگری مواد و برگام قرار و بیدا و این هم به مثانات و دود بین رای مدر و قوان کشاره و دود این که ما تو تا به در دام دون و برا وی بیش مشاخ مواد این مشاخ معرا دارای فرد برای و نود این مدر و دار و دار و این کی با تیم تا در و با با در و بیا و بین بین مشاخ مواد

يەرىخى بەر يەرىخى بەر

مهم الله المعني الرحم باسد الوق من الب كر تتعلق الألام والمداع المعني الموسط عليه ما في دانية الله عيد المواد المدحى سالوب الموادي فيكن الإمامة المدائع منا الدائع مد الدب عد الثلث في الانتراد الماني عمل ا و كرمواد أسم كالمترافز في البركرة و والي منا سب شال الاستس بين معند منا التراق في فراو الاستام المرا المدائل والزاجية الميل المدرس له المام في أو مدت إلى في أنا ب نقاعت والأرب عن عالي أن تصلح بي عمل أمريكا المبدرا الدبط في الانتراك المنذائي الاردائد الفياعة الاندراك والرائع كما النابارة في في الوصوري

وحتى فتحرى الارت ادار بعد ب آن بكاري ماه الموضى العينوة أفيدتها اي العابر الوالدين والعرق والعوى
والقرد في كتاب السنوة بال الإمامة (٢٠٠٠ تائل فالله طبع إدارة القرائل والعلوم الإسلاب
واكذا في الدر السيمتان كياب العيدة بال الإمامة (٢٥٠ قالع ليج ، بهاسمية كراجي)
واكدا في المهر المائق كتاب العينوة باب الإمامة (٢٠١/ طبع دارالكند بدروت)

ی ان کی جماعت میں ٹریک ہونایا ان کیا عالت کرتا یا تائیم رولا ضعباد نبوا علیہ الانسو واقعاد ان ۔ الایہ: (الشمودووی صاحب کے ان قلہ الزابات تقلیدات کو درست کھنے والے کی ایامت درست ٹیمل ⁽⁴⁾۔ انظ وانڈرنوائی دیکم۔

مودودي عقائدر كضروالي كي امامت كاحتكم

﴿ل﴾

کیا فرہائے میں منا مگرام ندریں مشرکہ ایک فحص بنداعت اسلامی کے مودودی ما حب کے عقائمہ کا میدادراس کی تبلغ کرتا ہے۔ وہ مہریس امام ہے۔ متقری افل شنت والجماعت میں ووداکٹر اس کوئٹس جا ہے کیلا میے بھس کی امامت سمجے ہے ۔ من کے جیسے کمازور سے ہے۔ اس کوسیر ساما لگ کرنا جا ہے یا تیں ۔

₩Z}

مودودی مد صب جوکرہ کتاب بیٹنز اجتیادی فٹائٹ الا بھارٹ کرنے ہیں اور اس کو جائز اور کئے گھتے ہیں راس کی کئی مٹائیں میرے ڈائن میں ہیں۔ بیٹنے عمونہ افر دارے ایک مثل ایٹن کیے۔ بنا اور اس میں فزاد کیے ڈاڈرمی بیٹر قبضہ رکھنا سنت رسالت قبیل میک فٹاؤ برکنل عادت رکمی گئ تھی۔ اس میں صرف تھوں اعقود اللہ میں محضورا المنصی الوفو اللہ میں۔ وعود اللہ میں ⁽¹⁸ کے اٹا المام جود ہیں۔ سب میلئے امر کے ہیں جہ المہنے ممل کے ماتو وج ب کے ہے آتے ہیں۔ کسمیا جس مقود عقاد الاصولیوں ⁽¹⁸ ود

. وكنفا هي تنفسهم روح السبعيائي تجت قوله تعالى فندم النهي كن ما هو من مقولة الطلم والمعاصي - ويندرج به تنهي عن التدون مني الإعتداء والانتفاء سورة المائدة ١٩٤٦ هيج فابيس كتب حاله.

١) سور و السائدة الأبة ".

ج. ويسكر ما اسامة عبد وأعرابي وفاسق وأحسى الدر تفسختار () (6 8 كتاب العبدوة بالدالاء امة علم ابج
الم منعند كواجيء كتاب العبلوة القبيل المخاسق عشر في الامامة والاقتماد (أو 2 4 طبع ر شيشه
ومثله في المديد تدرج الهدايد كتاب المعلوة (باب الامامة) ٢٢٣٣٣٢ طبع مار المكتب جروت.

ب) وفي الصحيح البخاري باب اعماد النحي ٨٧٥/٢ طبع قديمي كنت خانه كراجي.
 وكذا في مشكوة المصابح باب النزجل ٢٠/٠ ٣٨ طبع قديمي كتب خانه كرجي.

وكذا في جامع التردوي باب ما حارفي اخفاء اللحنة ١٠٥/١ طبع اجيم ابم سعيد كراجي.

إن فعال وموجه الوجوب إا الدب والإباحة اور الانوار فيحت الامر اس ١٠٦٠.
 وكذا في الجسامي فصل في الامر ص ١٦٠ عليم وشيده كوكه.

الداهية الرياضي بي كذاب التعبر و مات ما عدد التعبر و وما لا يقديده بيس أنها بي الرياضي التعبر و ما الله المستود التعبر و من المركزة التي و المركزة بي المستود التعبر التعبر و المركزة المركزة

المر المختر مع رد المحتار كيات القنوم بالد بالمحتدة مالا عشد ۱۹۹۹ عند معجد كراوي.
 وكدائي المحرار الى كتاب العنور بالداما عشد وما لا يصد ۱۹۰ ملع , شديا كراجي

ال والكشاعي هنج الفحام الكناب العبود للعب ماروح المافعة ووالكمار وكالرافاة طبخ وشهابه الثالث

على الأسو الاستحمار كما در المصطورة بالمدر الامام المدراة عملع منفرة كراجي. وكما ان جائزية المطاومين كتاب المطوة باب الاهامة من ١٠٥٠ مامع المؤاهد بروسيا الهاكت السيل حيد العدا العناوي كتاب الصورة عصل التجامل تبتر في الاهامة والانتدار ١٥٥٨ طلع رشيد.

٣٠ وفي الدر المتعملة كتاب العمية باب الإمامة ١٩٥٩ علم النهاد المواد معيار

ا و كما مي القادر خالبه كذات تعدد و بن أحق الامامة (٣٠ تاما - ٣ طبع إدارة الفرآن كو الهور.) - وكما فر المنحر الرائق كذاب العدوة باب الإدامة ١٠ أ ١٠ منيو رغيدية كواته

²⁾ دنی آن اکرانفة باکندیمه کو احد موانع و و المحسار اکتاب العینی فات الاصفاحی ۱۹۵۰ مربعه و اکتابی جلی کنیم اکتاب العینی فات الاصاحة می ۱۹۳۳ مشع مستدی کند را سامه و اکتابیم ساخته الطبختابی علی مرافق نفاه ح اکتاب العینی فات الاصفاحی: ۲۰۳۰ طبع دارایکیت مروت.

بوجائے للحد بث المذكر وورند بعيد استحقاق الال كائن كومنوول كردياجائ (١) إلخنوص بعب كراس كي الماست سنة اختا ف عن أسلمين كاشريد فقره مح كالاتن بيد والذو كلم

مودودى خيالات ركضودا فيلك امامت كانتكم

€U\$

کیا فریائے ہیں ملاود بین در بی اسٹز کر چوتھی مودودی خیالات دکھا ہولیعی جماعت اسلامی ہے تعلق وکھ ہو۔ اس کی امامت کا کہا تھم ہے اوراس کے چیچے نماز پڑ سناجا توسے یا نہ ہے جواب ہے پیکورفر ماہ ہیں۔

€&}

ہم الله الرحمٰن الرحم مصودودی ساحب کے خیالات اوران کے مسائل شرعیہ جس تفنوص اجتہاءات عمراء کن جیں۔ جن کی تفصیل علاوت کے متعدور ماکل شی موجود ہے۔ بندا مودودی صاحب کا ان تفسوص خیالات و جمہدات عمل عبروی وقعی ضال و فائس شار ہوگا اور اس کی امامت کرہ ، بوگ را کا ہر علی کا کے نفو ٹی ہے (*) فقط واللہ تعالی اللم

۵٫۰۰ بردا هیئے۔ تفوار کیش ملتی عدد سرقاسم انظوم لیکن ۱۳۵۰ برجست ۱۳۸۶ جد

> مجمی بمحاریا مستفل طور پرایسے شخص کی امامت کا تھم جومود و دی صاحب کے خیالات رکھتا ہو

> > **∳∪**}

كيافرهات بياعلا عدين ومفتيان شرع محمن وريد منلاك

ا) ويكونه امامة عبد وأحوابي وفاسق وأعمى الدر السحتار كتاب الصلوة تاب الإمامة؛ إنه ٢٠٠٥ عليم
 سعيد كرايعي. وكفائي المحلاصة الفناوي كتاب الصلوة القصل الخامس عشر في الامامة والاقتدار
 ١٠/١ الرشيفية. وكفائي البناية كتاب الصفوة باب الامامة ٢٣٣٤٢٣٤٧ عليم عارالكتب بيروت.

٢) ولن رسبول قبله صبقى الله عليه وسلم كان يقول ثانة لايقبل الله منهم صلوة من تقلّم لوها وهم له كارهون
 فضح كتاب العبلوة بالدائر جل بزم وهم له الغ اودلاو شريف الدائر عليه طيع رحمانيه لاهور. وفي الدر المنخار
 كتاب العبلوة باب الإمامة ١٩/١٩٥ طبع ليم بايه سعيد وكذا في الدائر عاتبه كتاب الصلوة من هو احق
 بالإمامة ٢/١٠١٠ عام بالم إدارة فقر آن.

جارے گاؤں میں انہا کیا ہوگئی استعقار او مرتبی ہیں۔ مقالی معزات میں سے می کوئی تخص آباز ہا ھا۔ ویا ہے انہتہ میں ایک کم اندائیا ہے انسی میں ماہور عاقط میں کئی ہے انداز میں اسالی ہے۔ تعلق راجع میں در میدادوں میں انہ ہے کے مقتلہ میں اسپائز ارش نے انزاز مرتبی کھی کھی رہا ہے ان مدرو مامن آرائے والاندوں ان کی اقتدا میں آباز ہاتھ کئے میں یافٹوں نے بڑا کرکہ کی المام جماعت اندازی کا رکھ موقود میں کی اقتدا دیں تمان درست سے یانہیں ۔

\$ 5 p

مود ورق صاحب کے خیاد ہدا اور ان کے مرافل شرحیہ بٹی تفصوص اینتہا والیہ عمرا و کئی بیس ایمن کی تفصیل علا دائق کے متعد رساک بن سوجود ہے ابندا مود والی سا جاب کے تفصوص نیا بات و جمتہ اس بلل بیری کا کھٹھی کو امام مقررت کیا ہو ہے اس کی اور مت کر دو ہے ^(ر)مسلمانوں پر ارام ہے کہ اور کھٹر کا اور اس کی ماتھ اوا کر ہی کسی صابح اور متل بالمرافق اور انہوں کے افران اور اس کی افترا رس نماز باشا مت بابندی کے ساتھ اوا کر ہی معد کرتا بادی کی طرف فرز فرز کے اس کا استان کی افترا رس نماز باشا مت بابندی کے ساتھ اوا کر ہی

حرد دیمدا فورال دفاع از الجاب می کنود مفاخده د سازدافتید ۱۳۹۳ د

مردودی عقا کدر کنے والے کی امامت کا قلم

عۇ^ئى) بىيد

کے فرائے جی طارہ این دری صلاحاً نے کل مجانے اعلیٰ کرتے ہیں کا کام پڑھے۔ اصلام جو مکارم اخلیک کی تعلیم و راہیے۔ یہ می رکے فلاف ضا جائے کیاں وسمرا داست اختیاد کیا جارہا

١) وقحع في حاشية سانو بر صفحه بسر ٩٠ العاً.

عن وضاوى الارشادة : حال أن يكون إصام القرم في الصلوم أقصلهم في العمم والورع والتقوى
 والقراء فكذب الصموة الب الإصامة تكار صاحة إلا ما كاطلع إدارة عران والطوم الاسلامية .

وأكيَّة في الدر المحتار أكتاب الصلوة بات الإمامة الأ ١٥٥ طبع ابج ـ أبج ـ محيد.

وكذا من النهل العدلق كتنام، الصلوة بال الأماهة 11 ٣٠ الطبع فالوائكنب بيروت.

ے۔ سوان تا مودوہ کی صاحب کے فلو نے برجو کی اور دیورند کی حضرات سے جو اطلان کیے تیں۔ کہاں تک ۔ حرصت ٹیں سائیں مما عت اسمانی سے والا کے پیچھے نماز جائز ہے براوتو وزش کیٹی مشور و الرمشنوسٹار ہے۔ اور ان رائد ان فرز کی مار

400

ا در وهبرا الطبيفي قفل أبو بسيميم تحمود مفاطرة العرائع الأذك والمعالمة

مودودی نظریات کے دلی کی امامت کا تھم افٹر سے ہو

سمبر فریائے این معاد و این این منظر شن کردنید موار ناصبا ۱ ب رامو و نامو ۱ دوی مدا ۱ ب نے مقا کرد انظر بات داعد می در دور این مقا کرد افغر بات کونگی انگٹ سواے اتنا جات کی گرز بواد رمود دوی بھر حت کے مدر سرشن مدران کی منٹرے سے کا مزاکم کرتا ہو ۔ جا انگر اور دائر دورد دی کی کشب میں اسے زیل جو رقعی

الدائمانسق عقد علوا كراهه تقديمه كراهه بحريم ردائمجنار مع ندرالمجنار كتاب الصنوة داب الادامه ۱/۱۱ هاه طلم ايجر اين سعيد

و هند فني حليس كيبر كتباب فنصلوة باب لإدامة من ١٩٣٩ فيع معيدي كتب حديد، وكدا في حاشية الطحطاري على برافي الملاح كتاب الصلود باب الإمامة س7.3 - ۴ ضع دار الكتب بروت.

कटिल

بهم الدوائرهمين الرتيم را مودودي معاجب كالخصوص تنقا أدوائهم بإن أو مؤه الآل في أمراه أين ادر غله قراره بإنب الدراسة عنال والمشل اورش دوي كيانية الناج مؤهد آلات اورد ما أن اللتا به يشخ على دام بياتشرن وقو تن أي شرورت كيل بها يتخصوا بياك ودودي معاجب دوران كالخصوص متفاخه و القول بها اوقوع حق كيا المستدكر ووبنه دول في البياتش كيا شنال مردد كما به الماس الماس الماس الماس الماس الماس الإستفادت الماسك بينج القواكم في تبتر بها قابل في المفتداوي المعالمة كيوب الكافسان المستوافقات المساهدة والمعالمة الماس الماس الموافقات الموافقات الموافقات الموافقات والمعالمة والمتحدد في الموافقات الماس الماس الماس الماس المنافقات الموافقة المؤلفات الماس المنافقات الموافقات الموافقات الموافقات الموافقات والمعالمة الماس الماس المنافقات الموافقات الموافقات الموافقات الموافقات الموافقات الموافقات والمعالمة الماس الماس الماس الماس الموافقات الموافقا

إلى مستقيمة كتباب الصلوة الناب الحاسمي في الإصامة الفصل الثانث في بيان من يصبح احاما لمبره ١٩٤١ /١٠ المبرة الراية ١٩٤١ منظم وشيفية كويخة

وكدا في لبدو الميخيار كناب العملوة باب الإنامة معلقي. لندهة حمسة أفساد ١٩٧١،٥٥١/١ د معيد. كراجي. وكذا في المجر الرائق كتاب الصلوة باب الامامة ١٠٠/١ طبع رضيتهه كرفته.

وهو المصحيح هكذا في المدانع فئة والتأثواتي أهمر

حروب اللفيف تقرل مين منتن مارية مم تطوم ملايده العوشول وجهره

مود ودی بارنی کے ساتھ سیای جدو جہدیں شریکے شخص کی امامت کا حکم

» *ل* 4

کیو فریات میں جدد ہے اتھا مسئد میں کہ ایک عالم و بن گئی اور پر میز کا داور فم تجوید کا سندیا فتہ قاد بی مجھ ہے۔ فیادت کئی العقیم و ہے۔ تہام جردہ من ورس بات مراہ ہے ۔ ان انتخاب کرنا ہے۔ فعدا کی تو تھے کواپی اسلی شکل قرآن ورحد برٹ کی روگی میں توب بیان کرتا ہے اور بڑھا فاکسی امیر وقر بہب ہے۔ سنڈرتی ہواں کرت ہے اور باامق دخر ہا ممالی ہے ایامت و ڈھارت کا کا مراتجا موسے و باہے ۔ اور روگی فیکی کی کرگز اراکر ریا ہے۔ لیکن میا سند جی ہوامت اساوی کا اس تھے وہ ہے ہے۔ ان ایسے پر کرخوا کا و زین اور نگل م شریعت ممال پاکستان میں جاری ہو جائے ۔ کیوا ہے۔ جانو وین کے چھے نماز ورست سے پاکسی ۔ شریعت کے اسٹانی محتم میا ورقر باکھی۔ وہ اور ا

۽ ٿء

اجوالا ہی مودودی صاحب کے پچھ میں اندائی منت والجماعت کے خلاف جیسار سنڈ تعصمت انہیا مادر حمر است میں برج تحقید کو ہا کہ جمعنا دومت کا جواز وغیرہ بڑی آگر بیدمولای صاحب بھاعت وسلامی کے ماتھوان غاکورہ علائد میں انٹی آئیمیں رکھنا رہ ہے کہ اسٹر بعث کواسینہ زعم کے مطابق محملا جاری کرنے کی جدوجید شربہ این کے ماتھ ترکیک ہے تو چھواس کی افترا روز ست ہے ⁶⁰ور ناکروں ہے ⁽⁷⁰سانتھ والمشاقع) کی اطلام

بغدوكموا تعاق غفراصول

ه به وكندا بسى انتقالها خاله دوفي فتاوى الارخيلاء بيجيه أن يكون إمام القوم في العيارة أفضلهم في العدو والدورع وانشقوى والقوال ة والنحسيب والسبب والجمال على هذا إحماع الامة. كتاب العداوة من هو أحق بالادامة 11 - 14 طبع إدارة القرال

و كده في النفر المعينة، كتاب الصلوة باب الإمامة ٢/ ٥٠٨٠٥٠٠ طبع صعبه اكراجي. وأكدا في النهر الفائق كناب الصلوة باب الأمامة ٦/ ٢٣٤ طبع دار الكب بهروت.

و يسكره السامة عليه وأعرابي وفياسين وأعسين ومبتدع البخ الدو المحار كتاب الصارة باب الامامة
 الم عدم ١٥٠٠ طبيع سعيد كرا يعي وكدا في الخالات القائدون كتاب العالوة الب الإمامة (م ١٠٤٥ طعر شيد به وكدا من الناية كتاب الصلوة باب (١٥١مة ١٣٣٠/٣٣٤) على مار (كاس بيروت.)

بهتريه ہے كرا بني مهال بميت علادا ملام كے تحت استعال كرے۔

محرصیات مقالف من ۱۲۰ جادی اوائری ۱۳۹۱ م

مودوري خيالات ركضوالي كامت

€U**}**

∳ઇ∳

مود ودی صاحب کے متعلق اکا ہرو ہے بندشنا مولانا حمیق دحمہ صاحب مدنی رہے اللہ علیہ مولانا احمد کل صاحب لا جوری بریف اور مولانا نصیرالدین ما حب تورید شند وی جمید اور ای طرح و مجرعال اگرام کا سفتہ فقر کی ہے کہ مود ودی صاحب کے خیالات اور ان کے مسائل شرعیہ ہی تحضوص اجتبادات کر اوکس ہیں۔ حضرت عمان تنی دفتی اللہ عند اور مصرت و میر معاویہ برگڑہ جیسے جلی انتہ رسحا بدکر ام کی ووات نے سے جھی اپنی سخماب خلافت ولوکیت ش نا پاک منظ کر چنا ہے۔ اسی طرح چند دیگر ساکل شفق علیہ بین الا تُرشی اپنی منظر داند دیا ہے۔ منزواند دائے ذکر کر چکا ہے۔ جس کی تفصیل آپ ان کے متعلقہ رسائل بیں ملاحظہ کر سکتے ہیں۔ ابتدا مودودی صاحب کا ان مخصوص خیالات و جمیمات میں جیروکار مخص خال و خاص خار ہوگا⁰⁰۔ اور اس کی اما مت بکروہ دی انکار منا وکا بھی آنوی ہے ⁰⁰۔ اور جو عالم مودودی صاحب کوان تنصوص خیالات میں خلاج کارا و رضال مجھتا ہے اس کی دامت تحرود کئیں ہے۔ نشاہ انسڈ تھائی دیلم

پندرہ سال کی عمروالے لڑ کے کے پیچھے نماز تر اور کے پڑھنے کے متعلق

﴿ ك ﴾

کیا قرائے جی علاوہ بن اس سنلے یا رے بھی کرائیک لاکا جس کی تعریدہ سالی سے اوپر تقریباً سولیرمان ہے اس کے بچھے تماز تراوش جائز ہے بائیں۔ پیزائو جروا

€€\$

ا گردومری طامت بلوغ کی میش احتلام دغیرہ کے لاکے عمی موجود شہوق شرعاً پندر دبرتری کی حمر پورک موسے پر بلوغ کا تقیم دیا جاتا ہے ہیں جس لڑ کے کو سواہوال سال شروح ، و آیا ہے اس کے بیجے تراوی اور

 ٩) و فنواله و مناسق من المعمس وهو الحروج عن الإصفاءة ولعل المراه به من يرتكب الكيائر كشارب البعير والزائي و اكل الربو و تحو دالك للع الشاعبة كتاب الصلوة باب الاحامة ١٠/٠٠ ه طبع البجداييد مبعد كراچي.

م كفا في تغمير روح المعنى سورة البقرة الأبة ٢٠٢١ فيم واراحيا. التراث بيروت.

و کشاشی صاحبه المفتحطاوی عبلی مرافق فقلاح کتاب المبلوة فصل فی بیان الاحق بالاحامة حن: ۲۰۱۳ طبع بیروت.

) بل مشي في شرح قلمتها على إن كراهة نقديمة كراهة تحريم رد المحتار كتاب الصلوة باب الاحامة
 ١٠/١ ته طبع ابيزماييد معيد كراجي.

وكذا في حلبي كبير كتاب الصفوة باب الامامة ص (١٣٠ عليم صعيدي كنب حاله.

و كنة؛ منى حماهية المصحطاري على مرافي أفقلاح كتاب الصموة باب الامامة ص: ٣٠٢ طبع قديمي. كتب خاند. أمَّا في أما ذات براست من ⁽¹⁾ أمَّا ي مِسهد مِنْ مرفسال فسي المسر المستحدار ⁽¹⁾ مطوع المسلام بدالا حملام والاحسال و الاسترال اسخ قبال لمو موجد فيهما شيء فحدي يتم لكن منهما عملت عضوة استقابه يقلي عفسرا حسارا هل وعائبا العو المخدو كمات الحجو فصل بقوع الفلام أنته المتراق أم

مردومكما وماثر وخفرك بسامتي مدررة المرامومان

 $\mathcal{M}^{\mathrm{poly}}_{\mathrm{poly}} = 0.09$

اييا بالغ لز كاجس كي دا زهي سا أي هو . **ي اما**مت كاتهم

∞ ل ﴿

کیا فرمان کی ملاوکر سامرین سفا کہ ایک اٹک جمہائی عمر آنا الفار و حال ہے وہ رشاوی شعرومی ہے۔ آنو فرمن فرزینا مورث سے دلیے اوم بن کٹر ہے پاکٹین را کر چیزواز کی کاظہورا محکومین مواری اگر فروا

0 Z 2

 (ع) وجائد رط الدور من إي مسام مصلحا حداد هوا عدفلا بالغا فالراضح تنوير الإنصار الثناب الصاوة بال الإمامة (إبداة مشم ليج) بين سجد كراجي

و كف الى الدائلية الطلحطاوي على مراقي العلاج الدائل الصنوة بال الاستهامي ۱۹۸۳ طبع دارا الكتب البروسان الوكام العين معاسبي كارار كدائب العبلية بالداء الإسلام ومهام العبار عمل كرماة طبع بالدامان التبت خالج

- على الدر المحدر مع ود كنال بالحجو فعيل بدوج الإحبلام الع 139/19 عليم وشاهيه جديد كواته
 و كما عي العاساتي به كناب الحجر إساب فنايي عي معرف حد سنوح 146 طبع رشيدته كوانه.
 و كما دي الحجوم الأدهر كناب الحجر فعيل به كان دو الملاح 140 شخر مدرية كوانه.
- إذا المدحد أو مع النمر المداخدو كدات الفلموقات الإدامة مطلب في مناسب الإدارة ١٩٤٣ ما مدال و تسلمات وكذا في حاشية الطحطاوي على مرافي الملاح كذاف المسود داد الإدامة عن ٢٠١٧ علم در الكمال الروادا.

لوک اس کے بیٹے نماز ہائز کچوکر پائے این ووکل پر تیں۔ نرزائ کے بیٹے کئے ہے لیٹی امروہ سانے کی دید ہے جماعت کا مجوز ناورسٹ ٹیس (1) دختا والند شوائی انلم ۔

ا نیسے اڑ کے کی امامت کا علم جس کی عمر پندرہ برس ہو

€U}

کیا فرباہے ہیں علاء دین دمقیان فرن حین اس سنادیں کہ ایک ما قوصا حب کی حرقہ ی خان سے جددہ مال ہے ۔ اس کی ور (حمی وقیرہ انجی ٹیس آئی ہے اور زمینا ف کے بال بھی انا دیا ر بتا ہے ۔ کی وہ ایامت کرا مشکل ہے یائیس فریعت جرحلی انڈ ملیہ دشم کی روسے مجھے بچوا ہے سے مطلع فرد ویں ۔

<u>&</u>S}

جدرہ سال کا از کا طرحاً باقع ہے اور باقع امرو کے چھپے خان موجاتی ہے بھی خلف اوٹی ہے سہ درمخان میں ہے۔ و کسارا نیکو ہ امراد و صفیعہ افتح ہو۔ ٹاک بھی ہے السطسا ہو انہا تعزیبہ یہ السخ^(۱) دفتہ وزائد تمالی الحم

جروچی انووش د تخرید پیوشندان انا ۱۳ ایس

 إلى النهر عن المحيط صلى خلف ناصق و مندع لل غضل الجماعة الده أن العلوة خلفهما أولى من الإنضراء فيكن لا يتال كد يتال خلف تقي ورع الغ المو المختار مع ردائمختار كتاب العبلوة باب الامامة ١٩٢١، طبع محيد كراجي.

وكذا في خليل كبير كتاب الصلوة باب الإمامة من: ١٤ ه طبع سعيدي كتب خانه.

و كذا في حاشبة الطحطوى على مرتقى الفلاح الناب الصارة باب الإمامة من ٣٠ ٣٠ طبع طرائكت بيرونت.

٣٤ وفي الفير المستخدر مع ودالمستار كناب الصلوة باب الاساسة مطلب في امامة ١٤ مرد؟ ٣٥٩/ طبح جديد رشيديه كولت.

وكفا في حاشبة الطحطاوي على مرفق إنعلاج كتاب الصلوة باب الإساسة ص:٣٠٣ طبع دارالكنب مدين

نه بالغ کی امامت قرائض وتر او تن ثنی ﴿ مِن ﴿

أنيافي فاستقانين علاميا والإراساك محاكب

الما الكيدائرة في ويوده مان كاجوارنار في بهدائر "ن باك الفائر روينه بالأمر اوزع كي الاجوارة مات قاكير جائز ب وتشمل وال كرماد المراقش كل الما عن الله المنافع بالغين أو يزعه الكراك والمثاراة (۴) الأحد و جانب بإول و كرانية وين بالرز ورقضا معاجمت كروفت ماركرة شرياً به كزينها إثمال المريام عبورب كراني ما بالسام كافي مبارك قلام في الرفاع بين كراد كران كون وحدة ما في المريا

439

(۱) جو دی و و سال کا ایم (وب ندان شن و رقع کی ماامت او شام اغیر و دود و دید) شرعاز بالخ ایم (۱۹۵۱ و بالغ کرد و از میش کی بر ایم کر س کرد چیچه ندتر اکش و اجب کی جی اورت اوالی، ۱۹ اول ا فیغال شاید و کریا شیخ دادام به در میشخوش نداد⁽²⁾

") میں تکمیر مراہدے تلاہ ہے۔ منا رہ تعلق کی جانب چیٹر ہیں کے قدادہ تیں ویٹس میں کرند در میں ہے ⁶⁰⁹ انتہ دارند تعالی اعلم

ينداكما خاتر نخرت ل متعان ۱۳۹۹م

.....

ای در در افعالاه بالا - دلام وایا حیل و الای ال هار امهای حادثیها دری محتی بسید آخار مجهدا حدید را داری
است نا با در دادی ادامه ۱ سخته احام را افتاحه را کناه از الحدیم همین هی سوع والا حدالام ۱۹ ۲ اما طبح
الیج ادید محید کرد چی.

ا و الداهي العالميكيا به كتاب العجم البالب الثاني في معرفة البلواج الرام 1 طبع و شيارية اكوالت. و هاكذا في مجمع الانهر الكالب المحمر فنسل محكم منه و لملاح (دما العبع عمارية كوالته.

إلى تعجوز السامة المصدى عن صبلات العمر غرار الدول المسح من الصدى عنه الافراضه الخراء محرية السرعاس كتاب المسابق المسابق السادس أحكام الإسامة والاقتاء ١٩٩/١ دسم إدارة القرآل بروت أوكاء عرار حال إدارة المراجعة والمحافزي على مراضي أدارا حاكم مراء المرقوق إدارة الامامة عن ١٩٨٨ هم الرواكم حريرات المراجعة الم

۳۶ مارسینی تبویرد (کامونوی فایل فایل رسول فائد حیلی شده کرد و ساله این دخت کو المانط فه این دختی ا از قرفهٔ والا به بها طهر و هر شار و مرسوا صحیح فیجاری اکتاب الدخت بات و دستمل فاهیدهٔ الح داده ی اطاح فد علی تصنیح شد و انجامی دیدر می و و داکشت فظهار سالت کو هر فادیدهٔ این افراه ما داده ا استخدهٔ ۱۹۵۵ ما می و حداده (همور)

وكدامي حدم مرددي كتاب الطهارة باب مي النهي عن استقبال القدم الإ ضع الجدايد، حجم

نابالغ كياقتذا ومين تراوث كاعكم

#J }m

آ بیافر مائے ہیں علادہ بن و مفتیان تری تین اندری سنند کہ ناوائے کے چھے تراوئ کا چو حنا جائز ہے۔ وقد کرون سرل سے رواد وقر کا ہے تر ایوان میچر ومرا مداؤ تول منتی ہے ہے لیانہ جھوا والتفصیل وقر جروا

+ ئ يُو

البائع كَ يَجِي على القول المعنى له باغير أوارا الآجَ أنها في الموالمختار (ولا يبضبح التندا ورحل ساموه المواد والاستي مطلقاً) وثو في جنازة ونعل على الاصح وقال الشامي تعليقا على قوله وقال في الهداية وفي التراويح والسن السمطقة جوره مشائخ ملخ ولم يحروه مشائخا ومنهيد من حفق الخلاف في النفل المحطلة بين ابني يوسف و محمد والمحتار المالا يجوز في العشوات كلها (أوالله عالي اعلم المحلولة المستوات المحلق المحلولة المحلولة المحلولة المحلولة المحلولة المستوات المحلق المحلق المحلولة المحلق المحلولة المحلق المحلولة ا

تراويح من نابالغ كي ا، مت كاحكم

¥ €

ا آپ فریا کے جی سازہ نے اس منسدین کر جی ہے ۔ بے نہ کے مطاقی کے جید کراہ ہے ہے اس کو ملا کیے ہوئے تھے بیاچی و فرز کیے جی اب اس کی عمرا اس ریان دارہ دیا ہے۔ حزل اندائٹ مرت انگل ہے میں کا ایکی چاتا اس کے دمغوان فرارک جی فرز وقتی وی چاھائے تھا کیا اگر نے چکھے تراوائے پا عن کی ہے بالٹیک ۔

٢) القر السخيل مع والصحير الكتاب القلوقيان الإمامة ٢٥٥٠ تشع حارباء إضبابه كولك

واكده في العالمكيرية وعلى تون مشائح سخ يصح الإنقداء بالعلمون في التراويح والسمى المحافظة كاله هي في المراحلي المحدد المالا يحور في قصلو ما كالها الاذا في الهدائمة هو لا تمنح البرات الحاصل في الإدامة العصل النالث في نهال مي يصلح اللم الأدامة حسم رشيانية كوفتة.

#3°9

لا كرك كرب وقي ه در الجوارس ال ب (الدائرة الراب الم الله الكام المن المال المنام المن المال المال المال المراو المال المراو المال المن المراو المراو المن المراو المرا

مفترت مودا ناخاصہ دشید افرصہ ایک نگری رفیقہ اند سیدائی تھم کے آیک سوائی کے جواب میں ارتزاد فرمائے میں (مما فامائع کی خاصت اسب معل فرمپ درست کمیں اس لیے ایسے اوقع میں مورت سے تراوع چھولیں - بعدہ سال زکا تامال ایامت ہے ۔ اگر چکوٹی علامت اس میں خابر شاہو- فقا والان تولیق معمد

 وأدبى مدنه له أت عشرة بنية ولها نبيع سين وهو السختار الدر السختار. كتاب محجر فديل بارع معلاً: بالاحتلام الم ١/٠ ٢٦ طبع مديد وشيديه كوك

وهكفا في العالمكرية كتاب فحور الفصل لنامي في معرفه عدالبلوغ 1979 طبع رئيدية. وكفاهي -جمع الأنهر كتاب للحجر فصل في محكم ييئرع انعلام 1978 شع فعارية كوت.

* و سقوعُ النفالام مالاحتمالام والإحباق والاتراق - - حتى عم لكل منهما خميس عشر سنة به يعني الدر المختار أكتاب الحجر فقبل بارخ الفلام بالإحتلام في ١٣٥٠ - ١٠ فقيع حديده و شهدته كوات. كدا في العالميكر به كتاب الحجر العصل التابي في معرف حد حد البارخ ١٩٥٠ عليم و شدوره

وكه ا في محمع الأنهر أكناب للحجر فصل في ببخكم بلوع الفلام 1119 طبع عقاريه كولاه

- ٣) وفي العداوي العالمكياية النام الحامس في الاعدادة المصل الثالث في بيان من يصلح النع ١/٩٥ طبع و البيادات كتوانف. وكدا في محمح الأبهر كتاب العجر فصل في يحكم بنوخ الغلام ١/١٤ هيم عملوج كرافد، وكدا في الدر المحال مع رد كتاب العملوم باب الإمامة ٣٨٧/٧ بوليد راتبديد. وهكذا في الهداية كياب الصلوة باب الإمامة ١٢٩/١ طبع راحياته الاهور.
- عنائية الشار شيابية كتاب الصاوة الدامت إن حساحت كالبيان المتمن تروابح بالرائين كي في حيم كا نعس ص. ٢٠١١ هذم الازه السلاميات الاهور

افتدا ، کے لیے بوغ شرط ہے

ه *ل* په

كيافريات ميں على كرام اس مشديل كرديد بوك مافقة آن ب ورفعاز روزور منافل سه واقف ب و بوك كرا شاروانيس مال بنانا ب ريتن وازهى اى كى المي نيس ب-اس بناه ير بندا شخاص اس كے يتي فراز برجے سے الكار كرت بيں وقراحظ ماراس ويزكا ب كدؤازهى بولا امامت كے ليے شرط ب يا بلو فراكر بلوغ شرط ہے تو الحالات بوٹ كون كى بيس ورفيادہ في ج ہے -

中でゆ

وگرو د ۱۹۶۱ میال کی هم کا جه رقو خوان کر بالتی جوت کی سال بو چکے جی سائ کی اقتداد میں نماز درست ہے ^(۱) - افتداد کی محملت کے لیے اور می کان بالتر وقیش ہے ^(۱) - نظارا مذاقعاتی اللم

وازحی منڈانے والے کبوتر ہاز کے چیچے نماز پڑھنے کا تھم

乗び強

ا بیا قربائے میں ملا مکرام اس منتلہ کے بارے میں آبا کیکے محص و زخل منذود تا ہے اور کیا تر باز بھی ہے گولیاں و قیر رہمی کمیٹا ہے تیانا میں کے چھے نماز وہ جاتی ہے اور بیامامت کے لاکش ہے۔ بیٹوا کو زود

والحسن البدى مستكم سطح المحارم والمجارية ((النها اليه خمس عشرة سنة وعليه الفتوى قداري)
 عالمكر به أكتاب الحجير المصل الثاني في معرفة حيد البلوغ ((١٩١٠ طبع وشيدية سوكي روث كوئلة و كذا في الدر المجير عمل كي روث كوئلة و كذا في الدر المجير عمل بلوغ الغلام (() ١٩١٠ طبع جديد وشيدية)

وكذا في مجمع الأمهر كتاب الصحر فصل في بحكم بطوغ العلام 11- " طبع غفاريه كواته.

ب) طبي دور الايتشاخ فيقيال وضر وطالاحيامة شقر حيان الأحديد منه الإشاء الاحتلام والبلوغ والعقل
والذكورة والغراء في قوالمسلامة من الأعداد كيافير حياف الغراد المسجدار كتاب المبلوة باب الإمامة
الإسلام طبيع جياريد و دبيديد كوت وكدا في حاذرة الطحطاوي على فرافي الفلاح كتاب العبلوة
ماب الإمامة من ١٨٧٧ طبع دار الكتب بيروب.

وكدا في الدلميكرية كتاب الصورة الباب الشامس في الإعامت ١٩٩٨ طبع رشيديه.

﴿نُونَ ﴾

جم القدالرطن الرحيم ل وازعی سنڌ والے والا لؤسن ہے (۱۹ اور فائق کی امامت کر واقع میں ہے (۱۹ انبذا محتم المامت ہے وائی تیس (۱۳ پرفتاوالفہ توانی اعم

مرده گذا تورشاد خزاره کنید مغنی در ریز سم اطوم مثالین ۱۸ زی فده ۱۹۸۵ این الجواب می محدودها اید مرد مثنی در رست سم اطوم مثالین ۱۵ زوانشده ۱۴۸۹ ب

قبضه يستمكم دازهي واسلاامام كى امامت كالحكم

⊕ U ∲

کیا قربات ہیں مگا اورین ور زی سنلہ کہ دائری کی قبائی گئی ہوئی جا ہے۔ سمجد علی بیش امام کے لیے واڈھی مجوئی کران کیمنا ہے۔ مغید واڈھی کو کا اگر نا مثلا کا الکو نا انعسمہ آگائی مہندی شخصاب وغیر دے جا اُنہ ہے اِنگیں۔ اگر جائز ہے تو ہو کون کی ایک وجو جات ہیں جن کی وجہ ہے کا لی کرسکت ہے مثانی جوان ہورت یا دوئری کا سنے تیں مقید واڈھی کی مجہ ہے رکاوے ہوتو کا لی وائری کر تھتے ہیں۔ کا لی وائری کرنے والے ا افسان کو مجد جی جی بیش امام دکھا جا سکتا ہے۔ مہد کے اند دوئری و بنا انتقر برکر کا ووطا کر نا ہر ایک کو جہا و جمد کر

٤) ولنفا ينجرم على الراحق فطع لحيته الدر السحتار كتاب لحظر والاناحة فصل في البيع ٢/٧- ٤ طبع الربيد الربيد بالمهد، ومثله في الدر المنختار وأما الاحد لنها وهي دون دالال كما يعمله بعض المعاراته ومختلة الرجال فلم ينحه (حد) كتاب مصوم باب ما يعسده وما لا يقسم ١٩٨/ ١٩٨ طبع سعيد .

٣) امنة النفاسان فقد طلوا كراها نفديمه كراها سعريم الشامية كتاب العمامة (١٠/١٥ طبع المعامة (١٠/١٥ طبع استهد. ومند في حلبي كتاب الصدوة بات الاحامة عن ١٣:٠ طبع ستهدى كتب حاب.
 ومشله طبي حياشيه الطحطاوي على مراطي الفلاح كتاب العبارة بالب الامامة عن ٢٠٠١ طبع قدسي

ومثله في حياشهه الطحطاوي على مراقي الفلاح كتاب الصلوة باب الامامة في: ٢٠١٢ طبع قد سي "كتب خانه.

إلى يستطي أن يفتدي بالعاسق الا في الجمعة لا ته في عيرها يحد اماما عيره ود السحام كتاب الصفوة ساب الاسامة (أن 3 هاطلع ساعيات) و كله في حليي كبير كتاب الصفوة باب الإمامة هي: \$10 طبع سميدي . و كدا في الناتار حاب كتاب الصلوة اس هو أحل بالإمامة ١/١٠٢/ طبع إدارة القرآن.

ويسترج بكير

الک جُدر (منی) وازمی رضاحات سے روان سے کیونی کران و اوی کنانے ورمنذانے کے فقم میں ہے اور بیرام ہے وروازهی کومنذوانے ورکنزوانے واڈا فاکن ہے (اسام المسلم الم

 ⁾ ويكروه تخديدم بعدة والإحرابي والقانس إنه لإنهيم لاحرابية الجاهداية كتاب الصفوة باب الإنامة
 ١٠٤/١ خيم رحماية لاحور

والعكاما في يرة المحدار أندات الصلوديات لاعامة أأء أأد فطع سعهد أثراجي

وكمة في خلاصه المناوي كتاب العبلوة المعبل الحامس عشر في الامامة الح ١ أو ١ أطبع وشيديد.

^{؟)} وقبل للدر السحنار مع شر عداره السحنار كتاب النحظر والاساحة فعش في قبيع (1949 فيم حديد رشيدية

و كناه في النام السنجيار وأما الاحماقيها وهي دول فالذا أي قدر القيضة كما يقفه معص المعارية ومنحستة الراحيان فيلس يسجم أحد أكتاب العمرة عام، ما يصيد وما لا يعيد 1937 قطع الهجاء بهراء مست

۳) وصی میداد انعناوی دلین کی جای ونصر اور خصاب و عبره ایسائل حصاب ۱۷/۱۶ طبع داد العلوم افزاین

ق) ويكرم إلى المحصاب) بالسواد اى لهر الحرب لدر المحتار كتاب الحطر والاباحة قصل في المح ١٩٩٨، طبع مديد رشيدية كوك.

و كذا في الهندية الذاب الكرافية الناب العشرون في الرئية المرفة 709/ همم رشوديه.

وكلافي المتوسوعة الفقهية ١٩٠١٠٠٠ طبع

o) وفتی ماوی دارالطوم دیوند کنات العلم قیات الامامة نیاه حصات استمیال کرنے والے کی امامت ۱۹۸۷ تا طرح دار لاشاحت کر اچی

ليح سياه بخشاب استعمال لرلاجا أنه بشار الكر فقط واللدنسالي العم

ص يتم الورث ولغراها تهيستنتي بدوريج سمالعهم خيال ا

سامور (۱۳۹۱م دمست

فاس كى امامت كالحكم

#(∪ }

کیا فریات میں معادہ میں در میں مثلہ کہ یک تھنے کا استجدات اور قرآن کا عائدہ کئی گو تر زیز ما کہ معلی پارٹر کا بہت ہے ہودہ ہوتی تر نمازیوں کے سامنے کرتا ہیں اور نوام اوگوں سے کس جولی کرتا رہتا ہے جدا علومہ میں کی جاسے میں گرم ایو کہا جاتھی امام بھا آن کے کامل جولیا کیٹیں ورا کے تھی چیچے قبار بھتی سے پائیس کے کتب فید شدہ اول سے فریقر ماہ ہیں کے اواز میں محتی منڈ وا کا سے دم ف انفرا آئی سے دمرا کیکر میں گیسے۔

عَوْ يُ

ور مخارش ہے کہ جارا آگشت ہے کہ واڑ تی واقعع کرنا ترام ہے۔ واسا فیصلعها و هی دو نها غذہ بیست واحد اللغ بر⁽⁴⁾ تی طرزے ہود واور خااف شرز التم کی باتین کرنا لیکی نیسائز ہے۔ دکھا ایک تھی

ه) و لا حدالا قد حد الا بأني تلفيري أن يخصب في دار الحرف ليكون أهيت في هيئ قرنه وأما من احتضب
الأحتان أنزين للنب والمواري فقد منع من دلات عمل العلم، والاصلح أنه لا تأمن به وهو هروى عن الر
يوسمي وحدة فقد الخ ميسوط للمو حدي كتاب التحري ١٩٩/١٠ فقيع (دارة القرأة) القرأةي كواچي.

و كمنا في رد المستحدار منع أأ در كنات الخطر والامامة فعمل في البع 1997 طبع جديد رشيدية كمونت وكدا في طهدية كنات لكراهية طبات العشرون في الربنة 1994 عليم رستاية ويقا بعض م عملي الرجل قطع لحيث طنه المسحار كنات الحظر والإياضة فصل في لبيع 1974 عاطيع بيها المحاسبين ويشاء في المهار محيد سعيد وشاء في المو المسحار كتاب الصوء بات ما يعمد ولا لا يصعد 1944 عطع ليها، الهار مسجد كراهين

إلى الشر الدختار كياب الصوفات ما يعسدوها لا نفسه ۱۸۶۹ قاطع أنجد الم ما محد كراجي
 وكما في الدر المحقار كياب يحصر والإباحة فعيل في لبح ۱۸۶۰ فاطع محد

رُ لَدَيْجِهِمُ فَالْهُ وَوَكُولِ فِي جِهِ اللهُ عَلَى الصَّاعِنَةُ تَعْطَيْهِ وَتَعْطِيهِ القَدْسَقُ حَوْ هِ (⁴⁹⁾ فَهُو اللهُ الدَّقِيلُ اللهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ عَلَيْهِ القَدْسَقُ حَوْ هِ (⁴⁹⁾

عرد الداخرة وخلاات م_{را}م مني مدارج مراهوم الماي العميل 1788 و

اکیے مشت نے م داڑھی والے کے پیچیے نماز کا تھم ﴿ سُ اِیْدِ

الیافی النے جی موار میں اس سند کر آردا اور ماہ ایٹ اوا کی اوالی کا انگی آئیں کی وائی تھا ہے جوئی ہو اس کے پیکھی قدار جائز سے بالناز آلیا اس قوار کا موار ووا میں سے بات الرحمی کتر ایک ورسند اللہ میں کیا فرق موار مرحمی کے تعلقی شرکی میٹیٹ کے ہے ہے وہ اور دوار

$\# \cup \#$

- وم هميد صفيتوه تواحه تفديده بأنه لا يهتم يأمر وره و أن في قديده للإمادة المغيدة وقادمه المعليهم. إعلانه شراعأ فلح إذ المسجدر أكانت الصفوة بهات الإمادة لا يرادة طبح أنهج الرم السفيف.
- و كفا في حلى أكبر اكتاب بصمره راب الإمامة من ٢٣٠ له فاع السمالي أكاب حامة أوكته. و كناه في المناشية المصاحبهاوي عال مرافي العلاج أكتاب المبلوه بلاد الإمامة في ٣٠٦ أطبع أكتاب في منا خاله
 - ٣٠ راد للربيعة لمركزة المناسوة بدير الإمامة الأباراته فضع فرج الربيد فسعيك
 - کی ہوئی صحیح اربحاری ہاں۔ استقاد اللحق ۱۹۳۵ کا طبع مدیمی کئی دخانہ اوک ادبی مذکرہ السعاد بحر اس الارحل کا ۱۳۵۰ طبع بدیمی کنیہ حالہ کراچی
- ع) وكان دان حدرات مج او دهنم النفل على الجينة هذا الصل احده فلنجرج التحاري بات اعقاد النحي
 عالم الدعار الديني أددات حادة أدارين
- وهي رو السأسة فرأه في لأنه صلح عن أن عمل اوي هذا الحديث له كان يأخذ العاصل عن القنفي. أنهال الصورة بالرسانية عملة ومان بعملة ٣ (88 طبع أحديد رشيدة أكونته
- هم والسابة مايا. الصفية () ولذا يجرم على الراحل فقع لحيثه () بعد السحتان كتاب الخطير والآلاحة - عمل في البرم 1773 علم حديد راغيته كرنه
 - مانهم هي الدر السنجتور كتاب الصوم بالب دايدات وما يؤاران والأفرة إلا مأرم ريون الرجاء مارة

ستنقل المنت جائز کرکن ^(۱) لیزونر ک مرتبع برایت اوم کے چیجے آمار پر مصنی کیجوری چیک بیارے تو نماز پر ہد منگی جو استعمال سے جانگین جربیتے صلو الحلف کل جو و فاحر ^(۱) وز**رکی کیٹرٹی آ**ڈیسے الفریت وال حسین احماما صب مدنی فراند مرتبر کردوک میں لیاسے معلوم کرگیں۔

اليك مشت يركم وازهى والساح حافظ كي تراويج مين المامت كأحكم

÷ کو کنو

کیا قربات نیس عامل و این اس مناوش که ایک فیمس حافظ قرآن ہے اور قرآن پاکسکی ورام منا پڑھتا ہے دورا در مفال الدیار میں نمار قراد کی بھی قرآن پاکسات اپنیا ہے ماگرو و داؤمی کتروا کا ہے اورائ کی داؤمی مدش کی جن کی سندگی مستدرای ہے لینی انداز میں دائر اس منازی قرائی فیمل میار آر کا داؤمی خلاف سند سے سال کیا ہے اور نند چھیا دائر اورائ جائز کیس دائیدادی منازی بھی فیمل میں فیمل میار آر کا داری کو ایک مواد کی کے والی میں دول ہے اورائا کہ دائر والے فاد عدد کی ایسیم کرا کھی تک وارجی شرق ہدے کم ہے والی کے دورائی اورائی سائٹ کی مدشر کی تصاف کیتے دائی دیاتے اس میار اورائی شرق ماری شرق ہدے کم

₩€\$

ا كرواة من كتر الى تيمار أي بيداورة بالمي موق ول يديو كوانية وال كي الماحت جاري الم

- في الا يعتبره في إن الحدث و المعاري الأعلى المحمدة الدماني عبر ها يحدد المتمأ عبر ما أح الحراسة عبر التجاري التعارف التجارف التحارف التجارف التجارف التجارف التحارف التح
 - وكغافي فلني كدر كتاب استوقات الإدامة مرادياته طبوسيدي
 - اء كفاحي البابار حاب كناب الصلوة من هو أحق دلامامة عن ٢٠٣٠.
 - ع) حالمي كالبر كدات مهممون دان الإدامة من يراده طبع منهيدي.
- ا وكنفا فين حيات المطلمة والموى عالى مرافقي المسلاح التدارة الصلوة بالمدافقة مراجع والطلم الدارا كداب وكافا في دارام المقام الإكبر التكثيرة لا تحرام المؤمن عن الارمان ص195 طلم وارفاقتهام الاسلامية
- التنافي من أنصب كان الآهات أما مشكوة المعتاسج كتاب (سهار الله تعالى بأن الاستعها والتورة
 القعيل التالث (۱۷/۱ مضع تديم كتب عاله).
 - وكذاهى السراءان فاحدادها النوله ١٤٦ طبع ابتهمالهم المعيد الرامهي

گورمغیان العبارک تک مدشرگا کو ناجی پینچر کرده و (ازگی پوری دو نے تک اوست ندگر سے کیونکہ و کیف السلے۔ چاکز بالکوابات جمعیں مے ۱۱ک

جہال نا أو ، فيصدى وارتحى منذ واسنے يا كتر وائے والے بول اقوامام كون بن

﴿ كَ إِنَّ ﴿

کیافر بات جی طورو نیز ای سندهی کدا کیا قصیه بی ساز سه کیسارے افراد نافوسے کی صدی ا واژگی منڈ سے یادو دوافکل والے جی الدی شن کاری جی جی اور حافظ بی ادر کار جو انگل کی تین انگل واژگی ا مجی چی رقبل ساز سے سے ساز سے واژگی منڈ سے یا دازگی کنز والے والے دوافک کی تین انگل واژگی والے جی رہے گئی اوس میں جاتے جی عت کرائے تو سب کی تماز جو جاتے کی یائیس اور جوا کیے تی صدی داڈگی والے جی دائیس کے انہوں کی دائرگی اور جوا کیے تی صدی دائرگی والے تین و دائے گئی جی دویا تھیں۔ ان صدی دائرگی اور جوا کیے تی صدی دائرگی والے تین و دائیس کی تاثیب کی جی تین دائرگی اور جوا کیے تی صدی دائرگی دائرگی دائرگی اور جوا کی ان جارہ جی انہوں کی میں کی تین دائرگی دائرگی دویا ہے تین و دیا تین دویا تین دویا تین دائرگی دویا ہے تین دویا تین دائرگی دائرگی دویا ہے تین دویا تین دویا

42 p

واز حی قبطہ ہے کا کرنا جائز ہے (۴۶ میڈاواز علی کو اپنے اور منظروائے واپ فائن جی اور فائن کی ار مت کرووہے (۴۶ راس نے اپنے فیص کواہام نہ ہانا چاہیے ۔ البند انٹراپیا مجھی ارام بری کیا تو جدا ٹریز سنے

دع ما بريان الى مالا بريان مشكوة المسلمانياج بناب الكسب وطلب لمحلال العصل النائي
 ۲۵ ۲۷ طبع نديني كتب جابه كراچي. وهمكنة في التسلمينج المحارى كتاب الموع عاب في تعمير المشهات (١٩٥٨ طبع قديدي كتب حابه.

٧ع وقدة الإحداد منها وقدين دون والكرك بديار به العامض المعاربة ومختلة الرجال فلونيجه أحد المر المحتار كتاب الصوم بات ما يقسد ومالا يقسم الربادة الطبع معية

ا و كنها في النفر السناعتان والسنة فيهنا القيفية والدا يجرم على قراحل قطع لحيته الع أثناب العظر والاماحة فصن في البيع 190/ فقع معيد كراجي.

و گفتا في خلاصة الفياوي كتاب الصلوة الفصل التعامس عشر في الامامة (15 ملع رشيديه . و كنيا في حياشية البطيح يطينوي عيلي مترفقي الفلاح كناب الصلوة فصل في بيان الاحق بالامامة ص: ٢٠٠٢ فتح دار الكتب بيروت سے اس کے چیچے آباز پڑھن بہتر ہے۔ اس مورے مسئول تن جمونی دائر کی و کے کا مام بڑا شہب واڑی منڈ و کے اوالے کے ان وقت کی منامی ہند ، ب کی کی ولامر سائے ، در نیک او میمس کے کہا ہے ۔ اس کی کوشش کر کے دینا ضروری ہے اور مسئوج علعہ ، خاص واجعہ مام و وقیس ⁽⁸⁾ قتے و بقدتی کی بھی ۔

لهام كن صفات كاحال موناح إب

養びが

ئے قروتے میں موجو بعد یں مراکز کہ ا

(۱) دیام کن نمیوسیات که حال مونا چاہیے متعمل بیان ترین .

(۱): پیشانام کے چیجے نماز جائز ہوشتی ہے جس کی اداعی نثر کے کے مطابق بچاری نہ ہو ہے لگل ہی معانف ہولا نشر کا کے مطابق کم از موساز گرکی نشی مفر دری ہے ۔ قرآن و معانف کی روشنی بھی ٹاہٹ کہ ایسا ہر جوان مائز کرنے واپنے اس کے بیچانی تھے ہے شرایعت میں ۔

(٣) ان الم ك ينجي فرور وأنفق سي كي والرقع الكي الراري وكر فروت والقي إداي والدار

\$ 5 k

())) م کے بیے ممائر تمان سے و آلیت اور صابل کی بوز قروری ہے۔ والاحسق سے الامسامة تغدیماً بن نصبا الا علم ماحکام الصلوۃ عقد صحة وقسادا بيشوط احساب كلفواحش الطاهوۃ ()

ان وقعي الشهر عن استخطاط المرتي حالم فاستي أو مهدوج الرفضل الجراءة فرقادة والحداوة خدفهما الولى من الإستار الحداوة المعارض على ورج الحرار المحدود وجرد كتاب العموة بالمداولة الأستاد الأراء والأراء المداولة المداولة والمداولة الإستاد المداولة ا

الدر مسحد، مح شد مه و داممه در كارت الصابود بات الإمامة كال ۱۹۵ ضع حديد رشيدية كولته
 ركامة في المداوي التاثير حالياً حمل هدول الارشاد المجلس أن لكون إمام القدم في المحلوة أفسطهم في
 المدام والوراع والدفوى و ففراد فو أحد ال واقد الهاو تحمال على هذه إحماع الإمام كتاف الحكوة من
 هو أحق بالإمامة الأساس عام إدارة القرآن كتراجي.

وكها في البهر الدافق كادات تعبيبوه بالمدالإصامة الدواة الاستنبع دارالكتب بيروت.

(۳) اور مخارش ب الدين و تحت ب المراق كالم المراق في المراق المراق المراق المراق المراق المراق المراق المراق ال الدين و المسلمة فيها القبطة العرب والمدارسة و منحلة الواحل فقير سحه احد المراق و المراق المراق المراق المراق المراق المراق في المراق ا

واڑھی منڈائے ، کٹائے بصرف رمضان میں رکھ لینے والوں کی امامت کا تھم

4 6 b

آ یا فرہائے این مغرو این مران مشارکہ بعض شاعل وارشمی منظ والے بین جعفی شرقی مقد را بوری جو کے سے قبل متر والے میں اور بعش کے واقعہ بدائی ہے کہ جب رمضان شرایعے آتا ہے والوک وہ ماہ تس ایکھ زائر اللج تا میں رمضان شرایف کے بعد مجا منظ والے کے اکتروا ایسے بین رفتموصا میں مفالا کے بیجھے کہ انتظار اللہ کہنے وازش والموالی دوگی تھی اور اب مشاور ای ہے شراع فعار فرادی تی بین حداث اور اسے و تمیس۔

الاشرافيديختار مع شارحية وفالمحتار كتاب الصرح بالداما بغيية و ۱۲ تضيد مطلب في الإخدائي.
 النجية ۱۸۴۱ تيم أيوجانيو بنجية كراجي.

٣٤ الله. المعتقدير كالنابر، فالمعطر والإدارعة فعمل فيها الع الأثار : والادارة طبع سعيد كراجي.

۴) هي هراج السيد على أن كراها تقديمه كراها تنفر مدرد المنعتار التنامة فسلوة دير ۱۸۰۰ ماه الماره ه. - طاع تنجياته ورسفاند كرانهي

وكذامي حلبي كبر كمات الصوفانات الإمامة ص ١٣٠٥ هم معمدي كمت حاله أتوكد

و گلما فلی احت تبیداً (طحملتوی علی مراثی الفلاح آعات السلود باب لامامه می ۴۰ ۴ طبع قدیمی کست خاند

ع) درادا حقق کنی رودها بر حدول کارز کامل (اصلوحال) الامتحاضی به ده طایع حدیدی
 درکتا های حیاشیة (نظیمهاوی علی مرابی عالاح کناد دالعسوه است (امامه می ۳۰۳ صبع عدسی)
 می درختان

و، كرو موانها أمامة عند وقاسن الأمر المحال كانك المعلوة عال الإمامة (أ. 3 6 قطع الجهابيميات). كراجي:

ક હૈં છે

والرحى الدوادي بدائران من أم ادار كناو ب (١) ما يوكش ايدا كرناميد الله يخيف اركره والموقى المراه الموقى المراه والموقى المراه والموقى المراه والموقى المراه والموقى المراه والموقى المراه والمراه وال

نیز دوالکار (۱۰) میں سے بران کیو اٹھا تفلیسہ وای العامیق) کو اٹھا تبحیریہ بران ٪ کیاسے سنہ علوم دواک جارائیشند سے کم و رحمی تھے کرئے والے یام نڈوائے الاسلے کے پینچے نماز کرو پڑھے کی ہے ارواز یافیمی وکی الم مسئوں رفراوٹ میں کرنے تیکنی کی امامت جائز ٹیمی رفتا والڈ تون کی اوالے ہ

والسبب ميها الديسة ولنا يحرم على الرحل قطع لنجيته الدوالسحك. كتاب الحظر والآياحة فصل في
 الديم الآلاء فاحيم الرجم بين مديد كراجي

و كنايا في القر المحشور كناف تعلوم باب ما يقمله ومالاً يقسد مطلب في الأحد من النحاة \$48.4 ع اطلع مصدر

ع) ويك دامامة عبد الدفاسق الدافليك المحدار كتاب العبل ذباب الإمامة ٩٠٥ طبع صعبد الدامامة ٩٠٥ عليه صعبد المدافلين المدافلية المدافلية

ومثله في حيلاهمة النصاول كساب العمرة العيش الجامس مشرعي الإمامة والإقدادة / 10 اطبع واشدية

وكدا في السابة شراح الهذابة كتاب الصلوة باف الامامة ص ٣٣٠ طبع دار الكتب

- سمي و فاي اللمر السيختار التحدث الصواف بالدينة و فالايفساء فطاء بالتي الاحد من الكحية (1871) فطبع السعيد
 - ع في الدر المختار كناب المعطر والإمادة فصل في فيج ١٧/١ ؛ طبع سعية كراجي.
 - ه) أو السيخيار مع الدرايسجيار كتاب العطوة بالت لامامة الروافة طبع معيد آثراتهي.

وأكداهم حلبي أكبر كناب الصلوة باب لأسامة ص ١٩٢٥ طبع صعيدي كسيد خامه كوكته.

و أندا من حياشية البطيعتاوي مثى مرائي القلاح كتاب الصنوة باب الإدامة في ٢٠٣ طبع لديمي كيب حنيه

ڈاڑھی کتر وانے والے ، ناظر وخوال ، واقف از مسائل میں ہے نماز پڑھائے کے لیے کے آگے آیا جائے

使し事

ا کیافر بائے ہیں ہلاہ بن مند ہے ؛ مل مساکی ہیں کہ

(1) رازعی کترار نے اور مشت ہے کہ رکوا سے اوالے جا ڈکا روٹوا سے ساتھ کا اور کا روٹوا ساما ہیں کے جیٹے شاز فرش عین افرش کتا ہے یا قراوع کو فیروں مناجا کر جہ یا ٹیس اُنہ جا تار براقو اُس و تت اُٹر کی جگہ دانر می منذ ہے کے ساور دو دور اکو کُ آری کر زیادہ اُنہ کی اوالہ ہو آگیا و زخمی منذ اپنے یا واژعی کترائے والے کے جیٹے قمالہ چہو کتے جیں یائیس رکیا دوئرمی منڈ اپنے اور کتم اپنے والے کے چیچے دائر تی کتر اور دائرمی منڈ اما نہ چہا منگ ہے یا گئیں ۔ اُئر داؤمی والائیس اُل مکی ڈواؤمی وائڈ سے یاد نرمی کتر ہے کے جیٹے ٹرزیز جالی یا

(۲) ایک عافلا جو نمازے سکان ہے واقف ٹیس اور دوسر کافلہ و نوان بھی موزود ہے۔ ہو نماز کے اسکوں سے واقلیت رکھانے ۔ ان دونوں صورتوں جس کس کے جیجے نماز پڑھنی ہو ہے۔

(**) کیک آدمی قر آن کا حافظ ہے اور نماز کے مسئوں سے بھی وافقت ہے ۔ محرناخی پاکش لگا کر نماز پڑھا تا ہے ادار و مراجوقر آن ناظر و پڑھا ہو ۔ ہے نماز کے مسائل سے بھی واقف کیاں ان وافوق میں سے کس کے چھیے نماز بڑھی چاہیے نماز و نیسے ناظر وخوان بھی پڑھا مکڑ ہے۔

4 J. 4

(.) درفارٹاں ہے کہ چاراگشت ہے آم دارگرکا گھٹا آراء کام ہے۔ و اسا فیطامھا راھی دو تھا۔ فیلو بینجہ احد البح⁽⁾ کیا درفارٹاں ہے ہو کیندا سجوم علی اگر جل قطع لحبیتہ ^(1) دارگر

وع الدو للمحال كتاب الصرم باب ما يُستد ومالا يُستا. مطلب في الاحاد من الحية (151) طبع معيد 12 انفر المحدر كتاب الحجر والإمامة لصل في البيع 1971) طبع البيمانيم، معيم كرا وي

کنتر است مشت سے نئم رضوات والے مزافظ یا تکر وخوان کی او منت تکرووتی کی ہے ^{(۱۱} فرقش کیس وقرش کافایہ اتراوش میں کا ایک تلم ہے۔ میں نئی ایت فائق کی امامت تحرووے (۱^{۱۹)} کر ٹریوے سے سے مطابق روزش کر گئے والے تھی سے آئی کے بہت ہے اس سے تک سے ٹیج نے حالیا جائے ^(۱۱) انگیرا ہے تھی کو اوام روی ہ جا ہے ۔ لان عبی معامدہ تعطیمہ و تعطیمہ الفائسے حراج ^(۱۱)۔

(1) فاتحر مقرال والقشادة مماكل تروء و) أن الماست الإسار والاحتى به إلا ماهما تصديما بين عصبا
 لا عدم باحكام الحصودة فقط صبحة و فسادا منسر طا احتمام للعو احتر الظاهرة (10)

....

 ا على شراح النبية على أن كراهة تقديمه كراهة تنعويه إنه المتعدار كذاب الصدوة راب الامامة ١٠١١ تاج طبع الجهام بالمعدد كراجي

وفي ملي كبر كنات العلاة بات الامامة في ١٠٥ منع سيدي كنت خانه.

و كنة على حدثية النطاقطةوي على مرافي الهنازع كنات الصلوة بات لامامة عن ٢٠٢٠ فلع قديمي. اكترب علمه

- ع) ويتخبره العامة عبد الما وقالس نبح الدو المحمار كتاب الصلوة عالي الاسامة (3 6 قطع البج. البورسميد.
 و كندا عي خلاصة للفتاوي أعداب الديارة الفصل الخاصر الديار الديارة (الإسامة () 6 5 محم رشالله
 و كنذا في الدياة شراح الهيداية كتاب الصادة بالديارة () (TTT/TT عبد داو الكبيد العبيد.
- الرومي النظير على المحمل حريق حراب داسق أو مردع بالرافضل الحماعة أدادان الصاور حاديث أولى من وحيل المساول المحمل المراجعة المحمل المراجعة المحمل المراجعة المحمل مع الدائمة المحمل مع الدائمة المحمل ا
 - وأكدا في حلمي كبير أكتاب المبلوة باب الإمامة بن ١١٥ مليم مجيدي أكتب خاتم
- او آندا في خاشية الطخطاوي على مرافي الفلاح آشتات الصلوء بات الامامة من ٣٠٣ طبع دا. الكتب بيرة 4
- واصدا العداسي فيف في الحلوا كراهة نقديده بأيه لا يهدر لامر يسه ويأن في يند عامد "مامة بمعيده وقد واحد، عليهم إهانته شرعاً درد بمجنار كناب المسلوة بال الإمامة ١/٣٠٥ في السه معيد.
 وكد في السابة شرح الهدامة كناب الصلوة بال الإمامة ٢٣٣/١ طبع م كناب العيدة.
 وكد في النباء السابق كناب الصلوة باب الإمامة ١٥٣٥/١ طبع دار الكتب بروت
 - ه) النظر المحمار كذاف المعلوة الله الإدامة ١٥٠٥ منع الرج به الهند صفية كراجي.

و أكسا في النفت وي نت شار حديث . ينجب أن تكون إدام القوم في الصنوة انظمهم في العلم راتزر ج والمشوري والعم أدية والمحسب الح ، كتاب الصلوة من مو أحق بالأسمة 15 ، 10 طبح إدارة الذائر أ. والعموم لإسلامية أدر جي بالكستان

وكذا في النهر العائق كناب للبلاء باب الأمامة ١٠٠١ علم دار الكبب بروات

۳۱ نا فرن الش کے خودست نامی تھے یا کی وقع کے وقت میں میں تھیں مرتا اس سے دخمی پاکس کا استعمال مدمنت کی اورا میں تھی کی ماہرے ورست کئی جرمال انسرے پائی کا انسو کے اعتدام پر بیٹیز خواوی سے کو مسی معدار یا تی کہ بیٹیغ وضوئیں ہو ت¹⁹ مائٹ وائٹ تھا اوالم

بودی دازگی رکھے ہوئے جھن کے چھپے نماز پڑھنے کا عم

乗び夢

کیا آم و نے بیں فاروہ بن در یں مسئلہ سا کرا لیک بڑے پاوٹ ہارٹش یا سد جب ٹرع آوی گھیں قالوکوں نے اکیک دائری منز سے اور دورگا دارگی والسلے آوی ٹوار م بدیا ہوران کے بیکھیا فقر امکی سال ملدور آوی معرف تماز کے مدود امامت کے اوکام سے دوسک کیل سائر معورت میں امترا اوکر نے والوں کی ٹمانز ہوجائے کی بالوائی چرے کی اس معودت میٹل بیانگی و کے فرمازیں کے عدمت اور کے باقرہ فرونی منی والی ہے۔ جزوا توجہ وا

क्ट क

ورخمارش ہے کہ چارائشت سے آم دارجی کا آس کرنا ہم ہے رواحہ فسط بھیا وہی دو تھا ہلم پہنچہ احد اللج ۔ ('')اور ہزارائنا دیں ہے ہو کستا بھرم علی انو جل قطع لیجیتہ (''' دیگر کھی ندگور کے چھے آباز کرووے راگر چاہتے کہ صفوا خلف کل ہو و فاجر ^(م) اس کے چھے آباز دوج آبا اسٹریکن ارترقیمی کودام شامل ہے ہیں کئی مساملے تعطیمہ و تعطیم المعاسق حوالہ ''ا

- المحمد عن يحرص كان مة محل من الدن بالاحراج مرة كأفل إلى حرد ووا بمع العجارة ويبدأ في
 حاده بات وبراعوت لم يعبل السارالحدة واحداء إلى جراحا بدغتي ومرى و وسخ و كذا معن وقاسو به الى
 محارة ولا والماء عاماً عام المحارض حداء ولا طماع بين أما الماء حاف المستحود (١٩٥٥ ١٥٥ ما كماء).
 انظهارة مطلب بحاث المسل حتم معيد.
 - و كنا في المقاوى للدلندكرية العبيس الأول في فا أقبل الراشو طبع والشدية كا قفارا
 - . و ٢٠١٢ي مرافي العلام أكتاب الصهارة فصل في نسام الحكام توضو (٦٣٢ طبع قديمي.
 - ٧) وفهر أنار المحار كالمدالصوم بالدامليمسد ومالا بمسدة الإدا فلع معيد كرجي
 - ٣) و كما في الدر المحتاء كتاب الحطر والالحة بصل بن المع ١٩٧٦، الطبع بهج الهاء محد كراجي،
- أي أو كان هي أحشى أكثر كتاب البيشوه باب الإدامية من (40 ه طبع ميليدي أو كذا هي حاشية الطحطاوي
 على مراهي الملاح كتاب الميشود اب الإداب من (60 ع طبع واز الكتاب مروات)
- و رسال المسالسين مقينه عليو، كو الهاد تقديمه بأنه لا اليهتم ودار بقيمة و تقديمه للإصماء المعليمة و تدريحة مساوية المساوية بالدارة بالدار
 - والجساعى البيناية غراج الهداية أنشاب الصفوة بالسائلات الإمامة ٢٣٢٤ طبع وارالاكتب معنية
 - و الداهل اللها العائل تشاب الصلوة بال الأمامة ١٩٧١ كالطبع دارالغاب سروت.

أمراليا الوقع وَأَنَّ البالسُ مُراليا كُمُن المِن وَ أَكُونَ اللهُ عَلَيْهُ وَاوَرَضَوَ اللهُ السُوكُ فِاللَّا موجود شاوق قبادًا في دارهمي منذ الله في إليه عند وترح لَيْنَ فِل إليه النَّج في شقال بالمعالمة في عال يُكُونُ وفي الباروائي وكان من اللهوا على السهوا على المهاجسط صلى خلف فاسق او مستدع مال فصل الجماعة (أأراس والمارات عن ألما الباروقولية والوقعة المعالمة أفاد أن المصلوة حلفهما أولى من الانفراد

أنها والمتداسمي

امام ومفتدي سب دا زهي منذ يء بول

乗び事

آبيافرهاٽ جي طائد وين ور بي مسأل که

(الادارُ کی منفر سے کے چینے کو زیر علی بار ہے وارب

ه ۲۰) نیاس کر جید کوئی نماز پر حالت دار گیمل ب مواید واژگل منزید کینو کیادی دقت نمار فرود فرد آدو کی جاسته یا می انجها مت اواقی جاسته رفتینه مدیدن شریف یکل بیند حد او احد می مثل مرود عاصور (۳۰) کیا مقتدی اور مام سردارشی منزید میں رقودی کی نماز بایم محت وفی جانبیتها باقودافرون میں ر

(۴) شرعا دازهی کی اہمیت اور تنکم کیا ہے۔

هه کر کچه

(4) دارجی مشارے کے بیجھیاں زید از ہے کا ایکر است (⁴⁾ل جو) ہیدہ وقع میں اُفراد کی ہے و ایجی مشارعہ کے پڑھیے تمارز زعمانی ہے۔ درمشار عمل ہے والسی السھیر عن السیسجیط حسلی محلف فانسق

¹⁾ العر المختار مع ود كتاب الصلاة باب الاسمة ١٩٢/١ فيع معيد.

ا وكفافي خلس كمر كنات الصلوة بات الإمامة ص ١١٥ طبع سعماي.

وكفافي حضية الطحطاوي كداب الصلوه الب لامانة عي ٦٠١ الغبو داراتكت بيروب

ويكر داشامه عند وفاسك المرافسانية كناسا نفسود بالدالامانية ۱۹۹ طبع البهدالورسبية كرا بني
وكندا في حيزات الفناوي كناب الصود الفصل المرامس طبر في الإطابة (۱۹۹ صبع رشيدية)
وكندا في المناسار حاليه ويكرد ال يكون الزائرة فرسفاه كنياب الهيئوة بالدائزة (۱۳۸/۱) طبع الدارة
الفرائي و الملود الإدراء كراجي

ا و مستندع مال فصل الجساعة (أن إن بالامرش في التراب المناوات الصنوة خانفها ما المستودة خانفها ما الوستودة خانفها ما الوستودة المناوات عن المناوات المناوات

سونے کی انگوشی استعمال کرنے والے کی امامت کا تھم

₩U\$

آپ فریائے ہیں ہوئے وہی وہ ختیاں ٹری متیں اس سنلے میں کدا کر کا ٹی امام مجدد وگھی منڈ واکر بھی بالکل چیٹ آرا کے قرار پر صالے بھی اورت کرے ایسے قمل کے ساتھ قرار پر حاسکتا ہے یا کیک اگر چدا کے پیویھی ہو جمریمی وہ بول کے کہ میضول عمل ہے قوالیے امام مجد کے چھے قرار ہو مکتی ہے یا نداور بھرسونے کی انٹونگی ہینے در کھے ٹرم محمد کی ایسے قدام کے باروش کیا تھے دیتے ہیں ہے۔

المدر الاستخدار صع رد كتباب فيصيلونة باب الامامة (١٩٧/ فظيم سعيل كراچي، وكا في حاشة المصيلة في على مرامي القلاح أكتاب الصيوة باب الإمامة هي: ١٠٣ فليم داو الأكتب

الإسمعتار مع قدر المختار اكتاب العبلوة بات الإسامة (۱۹۶۱) فيم سعيد كرا يعي. وكسافي حلي
 كيير اكتاب العبلوة بات الامامة من (۱۹۵ طبع سعيدي كتب خاله كرا يني دو كسب فسي مساشية المحطاوي على در في القلاح كتاب العبلوة بات الاصفة عن ۱۳۰۲ طبع داوالكتب بيروت.

۳) هیدان و حد عبرهم و۱۷ هاز کراههٔ (قال من عابدین) هذا ای دا دکر می کراههٔ امامهٔ است کورین الدو البیجال مع رد کتاب العقود باب ۱۲ مامهٔ ۱۹۰۲ ۳ طبع حدیدر شندیه کوظه.

وكنه في هاشية الطبخطاري على مرافي تفاهج وإنه في بحد غير المحالف قلا كراهة في الاقتداء به - اكتاب الصلوة بات الامامة عن إنه ٢٠ هريم طراكت مرووت

٤) الماراح فامدًا الإكبر الانتيار متوهون عن الكتائر والصحائر من ١٧٠ طابع فاراتيستانر الاسلاب

ع). وفي الدر المحتار كتاب الصوم باب ما يقيما وما لا يعليه 1847 قطاع فيج الهم سعيد وكدا في الدمو الرائل كياب الصوع باب ما يعليد الصوم إما لا يقلبه 17. 20 قطاع و شيفيه كراته. وكذا في تفتح القدم كفات فصوح باب ما يوسيد الفيد، و لكيارة 17.74 فيح رضيمه

∳ેૐ

واڈھی منڈ واٹا حرام ہے اور واس پر اصرار ^{(۱) کا}ر کا بہر جائی گناہ کریں ہے ۔ سونے کی انگوٹنی مرد کے لیے استعالی کرنا بھی گنا اکریرہ ہے ⁽¹⁾۔ اس لیے ایسے مخلس سکے چھپے کما ذکر و اگر بیکی ہے ⁽¹⁾ یسمجد جس الیسے ادام کارکھنا جائز ٹیکس اسے معز ول کرد یاجائے ⁽¹⁰⁾ رفتا والنہ تھائی الم

عجووا فالشرعيس ورمدقاهم يلعوم بالمان

دا زهی منذانے والے کی امامت کا تکم

4 U 3

کیافر یائے جی علاوہ بن اس مندیں کہ واڑھی منڈانے اور کمترانے والے کے چیچے تماز جائز ہے یا نہیں ۔ اگر درست نیس پی تفصیلی دیتنی ڈیلیں اور کسی معتبر کما ہے کا حوالہ می گئر برغر ماویی نیز غول النہیں صلی الساء عسلیدہ وصلے صلوا حلف کل مرو عاصو کی تفصیل مجی منظر ہے ۔ کی تک واڑھی کمترانے والے والے امام وس مدیث سے استدال کرتے ہیں ۔ کیونکہ حضور نزایش کی حدیث کے افغاظ عام ہیں ۔

٢) والسنة بيها القيضة ولذا يحرم على الرجل نطع لحربه الدو المختار كتاب الحظر والاباحة فصل في اليم ٢/٨٠ - كاطبح سبيد. وكنف في اليمر الرائق كتاب الصوح باب مايضيد الصوح وما لا يضيد ٢/٠ - ١٩ مشح و شيديه. وكنفا في فتح القدير كتاب الصوم باب ما يرجب القضاء والكمارة ٢/٠ ٢٢ طرح و شيديه.

٣ ولايت حلى الرجل بدعب وعفة مطلقاً الترود المحتار مع الدو المحتار كتاب الحظر والاستة فصل في المؤسسة الإمامة فصل في المؤسس الاممال طبع المجرسية كراجي. وكفا في البعر الرائق كتاب الكراهية فصل في المفس ١٨٨/٨ طبع وضيدية كوك. وكفا في الفقتري المالمكرية كتاب الكراهية الباب المائم في استعمال المؤسسة والقصة هي ٣٣٠ ج.٥ طبع وضيدية سركي ورد كوئه.

٣) في شرح السنية على أن كراهة تفديمه كراهة تحريم رد المحتار كتاب الصلوة باب الإمامة ١٠٠١ ما طبع البحراني علي المحتار كتاب العلوة باب الإمامة ص. ١٩٦٠ علم مبيدي كتاب العالوة باب الإمامة ص. ١٩٠٤ علم مبيدي كانب طائد وكتاب العلوة باب الإمامة ص. ١٠٠٠ طبع فديمي كتب حابه.

 غ) ويتكرو ال يتكنون الاسام مناسقة ويكره للرجال أن يصلوك فقعه التاتيز خانيه كتاب فصلوة من هو أحق بنالاسامة ٢٠٩/١ قطيع إدارة القرآن كراچي. وكفا في رد الميتنار كتاب الصلوة باب الامامة ١٩٤/١ هـ فطع ايوبدايينسفيد. وكذا في البحر قرائق كتاب الصلوة باب الامامة ١٩١١/١ ورنينيه كوانه.

က်ပြောကဲ့

پونکر حمنورا أرام مواقع کی احاد بن مطهروی شخف الفاظ سے دارهی بر حالے سے تکم تھی ادارہی ہو۔
پیانچیاں تہم کے امر کے میٹے استفاراتی بار بارہ ہیں۔ اعتصوا فسلسسی او فود السلسسی، و فود السلسسی، المحتصور فی اصول عمل ہے اور میٹ اس کے اس کا السلسسی، المحتصور فی اصول السلسسی، اس المحتصور فی اصول المحتم المحتور فی اصول المحتم المح

و صحیح السحاری مان اصفاد السحی ۱۷۵۲ شع قدیمی کست مده کراچی، و کاد نی صحیح السحال بیان استخدا ی بات احراجهم ۱۷۷۶ شع قدیمی کات جاده کر جی و گذا فی مشکوهٔ المصالیم بات السر حیل ۲ ۱۸۷۸ شیع قدیمیم کیت جانه که اچی ۱ کندا بی جامع نتر مذی بات مه مادی اعظام السعاد کراچی اعظام ۱۸۵۰ شع معید کراچی

٢). وقال وموحب الدجون، لا البدت والاناحة أبور الانوار منحث الاحرص ٢٦ ضع رشيفته كولفة.

 ⁽۲) وكان بين عمر ادا مع أو عند كيس على تعبيه فعاصل اشده صحيح المحاري بات تعليم الأطفار
 (علم قاديم كانت حاله)

و کیڈا سے راہ طبیعیدار قبال لایہ مسج علی اس عمیر والوی ہفا افتحدیث نہ کال یا قد الفاضل علی انقیصہ کتاب العموم باپ مام یفسدوسال یفسد ۱۹۷۴ واطبع معید کر چی۔

وأكدا في البيعر الزائق أنتاب العنوم باب مايمسند الصيح وما لا يمسند ١٠٠/ ١ ٢ صنع والبيدية.

و كدا مي عنم القدير كتاب الصوم باب ما يوحب العضاء والكمارة ٢٩٠٥ عليم وشيفيه.

والاسالفي حيات المضحطياون عالمي مراقي العلاج كتاب الصاوة الها الامامة عن ١٠٠٩ صبح فار الكتب بروت

ة به رادة الدستان منع الدورالمخسو كتاب الصوم باب مايفسدو مالا يفسدو وكما في المحرائر القرا كتاب الصوم، باب مايفسد الصوم وما لايفسد طمع رشيديم، هي ١٩٩١ ح. -

وكن الغير ودسرا قارير كتاب الصوم مات مايوحت القضاء الكفارة دهي ١٩٧٠ ح ٢ وطبع والمعارة

قاس كوفام من إجازتهم اورائ و باست عدين وكرنا كروه امام وكما كياب سلمانون براازم عناكر فاس كي تمريم وتقيم شهور الله في كرفام اماست كرامت التقيم عينة كويا كرامام بنانا كرم برانا بهاور قاس كافس م وب امانت عبدال في قاس كا ام والانته ومان في تعديمه للامامة تعظيمه وقد وجب عليهم العائمة تقديمه بالله لا يهتم لا مولايته ومان في تعديمه للامامة تعظيمه وقد وجب عليهم العائمة عبدي الى كراهة تقديمه كراعة تعريم كماة ذكرنا. فال ولذا لو تعز مسوح اسمية عبلى ال كراهة تقديمه كراعة تعريم كمة ذكرنا. فال ولذا لو تعز

١٦ الشرائسية: أو مع و د كتاب الصلوطية ب الأمان ١١٠ ٥ عطيم سعيد.

وكفالي حسى كبير كتاب المبلوة بات الإمامة ص:١٣ ٥ طبع معيدي كتب حانه. وكذا في حاشية الطحطاوي على مراني المبلاح كتاب المبلوة بات الإمامة ص:٢٠٣ طبع قديمي كتب حابه.

٣) لقوله عليه السلام صليا علم كل بروفاهر شرح الفقه الاكبر الكبيرة الايمرج الدومن عن الإيمان من ٢٢٧ طمع دار البشائر الإسلاب وكدمي حتى كابر أكانت المعنوة بأب الإيامة عن ١٩٠٥ هم حديدي كتب حاله و كما في صاحبة المطمعطاوي على مراضي القلاح كانت الصائرة باب الإيمانة من ٢٠٠٢ طبع دار الكتب.

عملي حملف قاميل او بيندع مال فيصل اللحام عة أفادان الصاوة علقهما اولى من الإنفراد الح ردائسجتار معرد أكتاب المبلوة بادم الإمامة (١٢٤ فيلم معيد كراچي

و كنداقي حبابي كيسر كتباب التصيلوة باب الإمامة حن (12 ه طبع معيدي كتب عباية - و كدا في حاشية الطحطاري على مرافي غنة ح كتاب الصفوة باب الإمامة ص: ٢٠٦ طبع دار الكتب.

جو آید آئی کے بیکھے مامل ہوتی ہے وہ سامس کش ہوگی ۱۰۰ اور یا دجود ناائل ہونے اور فائق ہونے کے ایام بھا اور بات نے سے شیختانی بنا پرس را تصان و کرام ہے کا ویال ایام پر ہے (۱۰) دواللہ تعالی اظم ۔

عارضی دا زهمی والے کی تر اوشح میں امامت کا حکم

﴿ لٍ﴾

کیے فریائے بین علارہ بن اس منٹ بھی کہا یک جا آدی تمام مال داز می منڈ اٹا ہے ادر دمضان اٹریف بھی قراد آگ کی اوست کراٹا ہے اور قرآن مجیر سنا تاہے ۔ بعض انگ کیتے بین کدا کرفرش نماز کوئی دوسرافعکس پڑھا ہے اور قراد کے دائر کی منڈ ا جا فقا چ ھاسٹے تو کوئی فرین ٹیمن کیا شرعائے قراد آگ چ ھاسکا ہے اور قراد ت کی تماز اس کے چھے درست ہے۔

وقنٌ﴾

شرطان زمن کوسطانی بیوزئے کا تھم ہے اور متعدوعہ بنوس میں واڑھن کا تھم وارد ہے۔ اعظو الالطامی او عمود الله عمل والو فوا الله عمل و غیر خالک (۱۳۳۰م کے مسینے وارد تیں اور بھر دمشت کم از کم واڑی میموزز واجب ہے (۱۳۶۰) واڑی منڈ انا یا قد دمشت سے فیل کتروانا کین معد مات جوک بعقد قبطہ ہے اس

- الكن لا يتال كما يدل خلف تفي وراح تج الله المهجزاو مع رد كتاب العبلوة باب الامامة ٥٩٢ عليع البنج البنية مسبب كراجى - وكدائي حلي كبير كتاب العملوة مات الامامة حن ٥٨٤ طبع منعيدي كسب حمادة. وكذا في حمادية الطحطاوي على مراض الفلاح كتاب العملوة باب الامامة حن ٣٠٤٠ عليم طبع دارانكند.
- و من ام فرحة وهم له كار هون أن الكراهة لفساد فيه أولا نهم أحق بالاسامة منه كره له ذقك تحريما المحدديث ابي داود لا يقيل الله صفوة من تقدم فوما وهم له كار هول الدر المختار كتاب المصلوة بالما الاسامة من ٩ هدسميد.
 - جكره ان يكون الامام فاسقاكتاب فصلوفاس هو احق بالامامة ١ لد٣٤ إدارة الفرآن.
 وبكره تنويها سنمة عبدوفاسق در سنتار كتاب الصلوة ماب لامامة ١٩٩١٠ سعيد.
- ومثله في خلاصة العباوي كتاب الصلوة العصل الخاصي حشر من الإمامة (أو 6 هـ اطبع وشيشه. 6) - تضد عشقوا كراهة تقدمه مانه لا يهتم لامر دينه ومان في تقديمه فلامامة تعظيمه وقدو جب عنيهم
- إهانته شرعاً الدو المختار مع رد كتاب المبلوة باب الامات 20 م طع الجهام بهيد. و كفافي على كبر كتاب العبلوة باب الامامة ص: 20 • طبع سعيا ي كات خانه، و 25 ابن حاشية تطمطاوي على موافي القلاح كتاب العبلوة باب الامامة ص: 40 ° طبع قفيمي كتب خانه.
 - وكذا في البحر الرائق كتاب الصلوه باب الإمامة ١٠٩١ ، طبع وشيديا كوهه.

ے تم کرنا اور س میرووام واصر او کرنا شرعا فتق دور کیم و کتاه ہے (الله البنا تخص جرک واڑھی میز اتا ہے شرعاً فاسمل ہے۔ المامت کا الی نیمی اس کی اما مت کر واقع کی ہے (۲۰) یہ ایسے نام کوٹر انکش وتر اوس ویول ھی المام بنا کا جا تو گیزیں۔ بجائے الیے عافظ کے نیم جا افاسات کے مطابق والڑگی ریکھ واسے کے بچھے تر اوس بخرجتم کے برحی جائیں۔فرائقی اوٹ باتر اوٹ دونوں جس دارجی موٹرنے والے کوجو کہ فاحق ہے امام رہایا ال أومعتم بنانات جوكرة بالجائز ثبيل (٢٠) و فقا والقد تعاني الم

بغروا ترحفا الأعو

والرهى منذ انے ہمر کے بال خوب بڑھانے والے کی امامت کا تھم

∳∪ ﴾

کیے فرمائے بیں علی دین ک میں کل ہیں کہ:

(-) جمعه يزها نے والاحض عالم بھی ٹیک دا زمی بھی فائب بلکہ دوموتر یاد کیا۔ موتر معنی اٹنے کا آخواں حصد یا دسوال حمد یا کرده همه یا کید اینی دازهی ادر بال مرکے ایک فٹ لیم یا ڈیڑے نٹ لینوٹر کیا پرفض جو يا بداعت كرا مكانب يجيم اذان كبيسكا ب- يأنهن كبتاب كه بال بدب مجي في يأي توويال كناب کارای سے پہلے نیں۔ نماز جماعت وجمدے مسائل ہے بھی واقت نیس ہے۔ (۴) کیا ہے تھے ہمنازہ پا جا سکتا ہے (٣) متولی باک مجد بی فتص ہے۔ بعد نگاں ہو؟ دامجہ بی اور بیں میٹر بھولوگ شہریتی جربیاں ے ایک سے دومکم اور دیے دہاں جاتے ہیں اور کیم میان پڑھتے ہیں۔ دومری مجد بھی قارق صاحب نظر بياً وجها و ماز كالزكيون كوره زان من شام درك قر أن وسية مين باكر جد شف بير أثر وشيرة جاكيل في وباق جاكم بإحواوسية بيمار درتياي لمج فريا هافت بالت كبر بالرب والاافان وفما اكراد تاب وريتكفي کاری صاحب توجعہ کے لیے کہا بھی مرشان مجھا ہے۔ بھی متولی جامع مبجدلوگوں میں ہراہوں مجی تیمیں ہے۔ برکہ نا میں داورا ک بھی اور باپ یا داوائے اغد کا تھر ہوا یا تھا تھرا ہے جند اور معربیں ربھم شرع مشین ستاجعه ق تح رِفْر ما كرنواب وارين عاصل كرين.

٢). وكذا في مسجيح البحاري بات تقليم الاطعار ١٢٥٧ طرح قديس كنب خاله.

وكف هي مشكوة المصابيح باب الترجل الدلامة تديمي كتب عالد.

وكنه ﴿ حَامِع الْتُرْمِدِي بَابِ مَا حَارُ فِي أَفَقَادُ اللَّحِيةِ ﴾ أو . ﴿ مَنْجَ مُعَهِدًا.

٣) نقال وموجيه فلوحوب لا النصرة والاباحة نور الانوار ميحت الامر من: ١ ٣ كيم حقانيه يشاور. وكنتاحي الحسيامي نصل في الإمر من: ٢٩ طبع و شيديه سركي وولا كوجع.

€5∲

(۱) ابیا تحقی جوداز می شی جرسے کم رکھتا ہے اور سرکے بال جورتوں بیسے توب لیے رکھتا ہے۔ مسائل نماز وغیرہ سے ناواقف ہے اگر بھا حت کر ایٹے قاس کی امامت کر وہ تحر کی ہے (۱) یہ اگر کہیں دوسر ساما م کے چکھے جماعت میسر آئیکٹر قاس کے چکھے اوار کی جائے ۔ ورز بھورت ججودی اس کے چکھے می اوالی جائے (۱) اس کا تھم بھی وہی ہے جواوج بیان کرویا گئا۔ (۲) مطابق مشورہ کے ساتھ کی دوسر سے مستقی والی تھنی کو فام مقرر کیا جائے ہفاوہ تشدیر بائے کیا جائے (۲) مطابق مشورہ کے ساتھ کی دوسر سے

مموده غاادت عزشتي عدسدة سم التلوم شكان

SPAGJAFF

جالل ڈازھی منڈانے والے کے بیچھے نماز کا تھم

€∪}

کیا فر مائے میں علا وہ بین مند دجہ ذیل مسائل ہیں گہ: (۱) کہ ایک چھس کے گھر لا کی بیدا ہوئی وہ پائی منٹ زند دری گھرا و مرکن ۔اس کا نام بھی تیس رکھا کیا اور جلاز و کھی ٹیل پڑ حایا کیا اس کوز بین کے ایک لا سے کے اندرکر کے ڈالا کیا۔ (۲) وی شخص قرآن مجید کا

 ⁾ في شرح المنبة على أن كراهة القديمة كرامة الحريم رد المحتار كتاب الصلوة باب الإمامة ١٠/١٥٠ طبح طبح المحدي كانت المسلوة باب الإمامة ص:١٣٠ طبح محيدي كانت عليه و كتاب المعلوة به الإمامة ص:٣٠٣ طبح عباسة و كتاب المعلوة به الإمامة ص:٣٠٣ طبح فديمي كتاب عائد.

ب و في النهر هن المحيط صلى حلب داسق او منتدع بال فضل الجماعة أفادان الصلوة خلقهما اولى
 من الانشراد لكن لا يقال كما يقال خلف نفي وراع الدر المختار مع ود اكتاب الصلوة باب الامامة
 ١ / ١ / ١ مليع اليهدائية مديد.

و كفائق حتى كثير كتاب العبلوة باب الإمامة من (٥٠٤ طبع مسبدي كتب خاند. و كذا في حاشية الطعطاوي على مراني العلاج كتاب فصفرة باب الامامة من (٢٠٦ خيع دارالكتب.

٢) بيان في تبغيب اللامامة تعطيباً وقدوسب عليف امائد ثم عاً وكالمسجار كتاب المدوّة بالب الإماماء من
 ١٠ ١٥ - ج ١ مؤسع سعيد، وكفا في حلي كبير كتاب الصلوة، باب الإماماء من ١٢٥ ه طبع معيدي وكفا حدّتها الطحطاري على مراقي الفلاح كتاب المبلوّة، باب الإمامة من ٢٠٣ مطبع قميس كتب خالف

حافظ ہے اوقتی منذوا تا ہے قوم کا نام ہے کیا اپنے تھی نے بیچھے تمازیں میں منافعیک ہے تماز ہو جاتی ہے۔ گر نماز کیں ہوتی تو معلق کر ہی۔

€€}

(۱) لزی جب زنده بیدا ہوگی تو تعراس کا : مرکھنا قد اور سوت کی صورت میں اس کوششل و یکا اور کیڑے میں گفتا کا اور اس کا بنا زو پڑھا: مشرور کی تھا ^(۱) اور بغیر نماز جنا زو کے وفایت کی صورت میں تین بیم کک اس پر نماز جناز و پڑھنا قرش کیا پر تھا^{(۱) ایس تخ}ص کو بھی ان وفول میں اس لا کی کے زند و پر اجد نے اور اخیر جناز و کے وفزیت کا مخرجوا ہی تھی پر قرش تھا کرنماز جناز واوا کرتا اب تین بیم کو رہے کے بعد تھا: جناز وس آتھ ہوگیا ہے۔ان لوگوی کوق کے کرنا شرور کی ہے (۲۰۰

 د) ومن والدسمات يعمل ويعلى عليه ويرث ويورث ويسمى وقال إلى عابدى (ويصلى عليه) ويكفر المح النعر المستعدّد منع و دائم محدار كذاب الصلوة بالم صلوة الحدارة ١٤٢/٢ طبع جديد رشيديه مع كي رود كوت.

وكنداهي الهداية ومن استهل بعد الولادة ممني وغسل وصلى عليه الخ وكذاخي البتاية شرح الهداية كتاب الصغوديات الحنائر فصل في الصلوء على العبيد ١٩٣/١ طبع رحمانيه لاهور.

وكندا من البساية شراح الهداية كتاب المبترة باب الجنائر فصل في الصنوة على العين ١٣٣٦٠ طيم. دار الكتب بروت.

 إن دفير المدينة ولم يعمل عليه صلى على قراء ولان التي صلى الله حديد وسلم صلى على قر زاء (ا من الاستصدار ويتصلى عليه قبل أن يتعمل والمعتبر في معرفة ذلك أكبر الرائه هو الصحيح لاحتلاف اللحان والرمان والمكان الهداية كتاب الصوفيات المعتاق ٢١٣١٢ عنيم دارالكتب برودن.
 وكما في البدر المختار مع رد وان دس خبر صلاة صلى حلى فرد مالم يغلب على الطن تقسمه من

غير تنف هيمر هاو الاصاح إذ ال ابن عابلان) وهو الأصح) لانه يختلف باحتلاف الأوقات حرةً لو بردةً والنبيت سبينا وهزالا واللاسكناء محر وقبل بقدر بثلاثة أيام وقبل عشر قوقيل شهر كتاب الصلوة مات المحائز ۲۲۶۱ عبد الجرابية سعيد كراجي.

والذبي اذا تعلوا قاحشة أو طلموا النسهم ذكرواظه عاستعفرو لينويهم صورة إلى عمران الآية
 عوله تعلق باليقا أندين المواتو واللي الله توية نصوحاً سوره التحريم الآية الـ

(۲) ایرونتی فائل ہے اور فائل کی اہامت کر دوتر کی ہے ۔ ایسے محص استقل امام بانا جائز نہیں ہے اللہ ورام مورے کی صورت میں اسے بنا تا ہا زئی ہے (۱۲ مواند قبائی وظم م

تردوم والعفيف فغرف

برافق كالامت كانتكم

∳∪*

کیا فرہ نے ہیں خاموین ان مسائل میں کہ

(1) ہے ریش سلمان محض جمہ عن کی امامت کراسکہ ہے جیکہ منٹہ ہوں جی اور کوئی بھی اور کوئی بھی امامت کے بنیے تاہد منٹہ ہوں ہے۔ ایک مناسکہ بنیے دور ہے جائے ہے جی دورت ہے کہ اقتیار مناسکہ بنیے دورت ہے کہ اور مناسکہ بنیان مناسکہ بنی رہنا مند ہو جائے ور مرف خدگور ہے رہنی سنتقل امامت کے لیے موزوں اور مناسب بنوان موروان است کرائے کے لیے رہ مناسکہ بنوان میں مناسکہ بنی مناسکہ بنی مناسکہ بنی مناسکہ بنی مناسکہ بنائے ہوا ہے۔ ایک مناسکہ بنائے ہوا ہے۔ ایک وراس امرائے لیے تیار ند ہوا تو چرمورت مسلمہ بنائے بنائے ہوگی ہوا ہوں ہوا ہی ہوا ہوں ہوا ہوں ہوا ہوں ہوا ہوں ہوا ہوگی ہور بنی ایک مناسکہ ہوریش ایک ہوریش ایک ہوریش ایک ہوریش ایک مناسکہ ہوریش ایک مناسکہ ہوریش ایک مناسکہ ہوریش ایک ہوریش ایک

ا (۴) کیاال کے چھے نماز ہوجات ہے۔ بینواتوجروا۔

_...._______

(4) عالمي أن كراهه تقدامه كراهه تجربهم وهائست ركتان الصلوة باب الاسامة (أ- 1) عظم إيج اسب.
 معيد.

وكذافي علمي كبير كتاب الصنوة باب الادامة من: ١٢ ٥ طمع سعيدي.

و كدا في حاشية الطبخطاوي على مر في الفلاح أكتاب الصلوة باب الإمامة هي: ٣٠٧ الدع دار الكتاب بيروت

 عضد عميلو: كراهة نقديمه دريه إلى بهتم إخر دريه ورائن في تقديمه فلإعامة تعظيمه وقد وحب عليهم إيفائه شرعة الله رد إلمحتر كتاب الصفوة باب الإسامة ١٤/١٥ هخيم البهدايم ما سجيد.

وكدافي علي كبير كتاب العموة ماب الإمامة ص١٣٠ معيدي.

و كما المي حياشية الأطحطاوي علي مراهي الملاح أكتاب الصلوميات الإمامة ص: ٣٠٣ طبع فديمي كنت جابه

黄色学

() وَالْهِ مِي مَمُنَا مَنَ مَوْ كُدُه بُكُرُه الحِب بِ حَدَيْتُ مُرْضِ عِن وارد بِ خَدَمَ مِن الفطرة وقي وقيه ذكر اعلاء اللحية وقال صلى الله عليه وسلم اعفو اللحي الحديث (أ) وقال في الملد المهادية و ما الاحد منها وهي دون ذلك كما بفعله بعص المهادية ومخت الملد المهادية ومات الوجد منها وهي دون ذلك كما بفعله بعص المهادية ومخت المور بينا المن من المواقع في المورد الله بعد المورد المورد في المن من المورد المور

(۳) انگی کی نام میں اس صورت میں بیٹیر کی تراجت کے جائز ہے کہ وہ نیا سے سے نیٹے کے معاملہ بیٹر پنو سے مختاط ہو۔ اس سلسلیز میں واسینے ساتھ کی تھی کورکھنا ہوا^{ہ ک}

سروعبوالنطيف تقرآ يعين متحق عدد ساتا عمانطوم يستان . نجوا بسيخ باز واضرطا الأعش ۱۹ ريخ الكافئ سيمان

و گفتانی صنعیع البخاری بات اجراجهم ۱۹۴۶ طبع فدیسی کتب حامه. است.

و كذا في حامع الترمدي باب ما حارض اعماء الفحية ؟ أوه ١٠ طبع سعيد. وكذا في مشكوة المصامح باب الترجل ٢٨/١ طبع تقيمي كتب خاله.

إن وفي رد المحتار مع الدر المحتار كتاب الدوم باب ما بنستوما لا يقسم (۱۸/۲ سبد.
 وكدافي الدجر الرائن كتاب الصوم باب مانفسا، وما لا يفسله (۱۹۰۶ طبع رشيفيه.

وكداهي فتح انقدير كتاب الصوم باب مديوجي القصاء والكفارة الأو ١٦٠٠ سعيد

على أن كرافة تقديمة كرفة تجريم ردائدهار كنات العلوة بات الأمامة ١/٢٥٠.
 وكدافي خليي كنير كناب المؤوة باب الأمامة ص ١٩٢٥ معيدي. وكذا في حاشية المحطوق على مراقي الدلاح كناب المسئوة باب الإمامة هن ١٩٠٣ شم فديمي كنب حاله.

 و هان عب الله من مسعود رضي الله عنه قال قال رسول الله صلى الله على رسيم الثانب من الذب كمن لا ذب له مشكرة المعبايج بأب النوبة والاستغيار عن ٢٠٦٠ طبع قايمي كتب حاله .
 و كذافي سين ابن ماحه بأب ذكر النوبة من ٢٣٣٠ طبع صبيد.

ه). ويكره تربها أمامة هيد ۱۰ و اهرائي وفاسق وأهمي - " الحالفر المعادار كتاب المبلوة باب الإسامة • ١٩٩١ فليم الجيداليم سنعد كراجي .

وكفاعي حلاصة العناوي كتاب فصارة الفصل العنامس عشر في الإصامة ١٤٥١ الفع وشبسه. وكفاعي البناية شرح الهناية كتاب فصارة ماب الإصاحة ٣٣٢/٢٣٢٢ والع دارالكت سروت.

دوي الصحيح البخاري باب اعتداد اللحي ۲ /۱۵ ۷۸ فديس.

ہوقت ضرورت أ اڑھی منڈے کے پیچیے نماز پڑھنے کا تھم

€U∲

آیا فربائے بیں عاد و بین در پر سنٹرک ایک جائٹ مہیر میں ایک سالم و بین نظیب تو ہے لیکن کمی بھی۔ اُکی نفروری کا م کی فرض ہے وہ کیس جلاجات ہے آگر ہم کیسا اور تحض کو مجود کرتے ہیں کہ وہ فماز پڑھائے۔ حالا کدوہ محض بھی بجود افظیب اصل کی عدم موجود کی بھی فرزن جاتا ہے۔ ریحش بھی عالم و یہ ہے رہیمی واڑھی کنا تاہے۔ آپ مینا کی کہآیا ہی کے فیصے فارت جائی ہے وہیں۔

۾ ج

- بیت تختص کے چیچے نماز کر وہ ہے فرش وا ہو جاتے میں ⁽⁴⁾ یہ فقد والفرقد کی افکم ۔ مندوکدا عالی نفرانشان اسپ مفتی مدر سرقامم الطوم مذائن ایا شعر ان ۱۳۹۹ ہ

ۋازھى كى ش_ۇقى ھىثىيت

*****€ U }*

کیا آر مائے ہیں بلی ہے و کیز کرداؤجی، کھولنا شریعت میں فرش سے یاد جب یا سنت ہے اور ای طرح آیا امام کے لیے واڈ می رکھنا شرا نظا امام میں ہیں ہے ہے کہ کیسی اگرا کیکٹ تنمس کی حکمہ کا امام ہے اور پھرا می کی واڈھی مدشر ایت سے کم ہے۔ کیا اس کو امام بنایا جا سکتا ہے یا کہ تیس اور پھر یہ فرکورکوئی و لم جمل تیسی سرف قرآن نائم نفیہ کا سافظ ہے رکھیا میں کے چھچے نماز بوکمتی ہے واقعہ وشروری ہے ۔ کیا اس کو جمیشہ کے لیے اس مینا اور جو دا۔

 ⁽³⁾ ويكون الإسام عالمة الشاءل عاليم كناك الصفوة من هو أحق بالإسامة (1984) إدارة القرائل.
 (4) ويكون الإسام عالمة الشاءل عاليم كناك الإسامة (20) مع طلع الهيد الهيديد.

وكما في المحر الرانق كتاب الصلوة باب لإمامة ١٠/١ ٣ طمع رانبيديه كوفته

وه مددك ومدي ثانهم بعث أحدًا من تعين الاعمى بأنه لا يتوفى النجاسة ود المعافر كتاب كتاب. التبلوة باب الامامة الله به طبع الجمايين سبعا.

۾ ج ج

و والتي بعواز شريد ورب بدر بالصالب والدالة في مرود الشهادة ب بالشهوا في أمريستي في سير من مراقع المراسلي في سير المحمل الشريع والمسلود بالمحمل الشريع والمسلود بالمحمل المحمل ال

عبدا دائش رائستانش الجواب شخص هما مقاد عدامه

الا مسجوع المحاري بالب اعقاء المحي " (3.9% فقح قديمي كانت حاله أثر الجي).
 واكانا في حامع الترمدي إذا ما الحرامي العام المحية (1.6 ما طبع سعيد أنست خاله كراجي).

و كناهي مشكّوه للمسابح بالدائد حل ١٤ لـ ٨٠ ضع للايمي كنت خانه كر جي .

علمال وموجه الوجود الا التعديد والاناحة عيرا لا توار منحت الامر عن ٣٠٠ طبع حماجه يشافر.
 والادافق المجتمعي فصفر في الامر عن ١١٠ طاح رائب به ان كي روة كواهد.

٣) نيدر الميميار الكياب الهنوم بالدام العامة ومالا المستاخ بالالالا تسخ البح، يجا مجارا

ار واکندهای شایدر از تن کسان دهنوه بات با پردندوسا ۱۶ بست ۱۹ و ۱۹ بلتم رشدنه کراچی از واکده این شم اعدار کتاب استام بات با برای نامعها، والکماره ۱۹۳۶ طبع رشیدیه کراهه

ا و فرد الله المنظمة المستاد و الأعلى الله و فاتبات و في المنظمة و المستقرة المنظمة المنظمة على المنظمة المنظمة و إذا الكاراء المنظمة المستدود و الأعلى إذا عرائي ووقفة عوقة المنظمة إلى التي التناب المنظمة المنظمة على ٢٠٠١

ہا در درد درد درد استان کا متی برد کر کی زردہ کرد درد کی تاکیا ہے۔ طبع قدیدی گئیدہ مدد کر قون

وأكفتاهي فدر فللغنار موارد افتات العيموة لاستالات الأدابا فالخمع ليج ببرت فرات

وكافرافي للمديد شرح ألهداره كالمناه فللعالوذ المنافلات الاستعاصصه طبع دار لكنت بيروب

هار ويكو دنير مهاهمات عبد و عوالمر و هامي الع كتاب الصنوع بالمد الإصامة 1946ه سمود. وكد على المانع الصناخ الحرو ادامه الصدو الهامل كتاب الصلوة بالمب الإمامة الأرد 19 وتحديد.

م كاندة فين حيلامية (نبية المولى كان انب المهدوة العاصل الحامس عطر في الاعامة (1867 طبح رئيسة به كوف.

ا کیک مشت ڈاڑھی رکھٹا واجب ہے اکیا ڈاڑھی منڈ انے والے کوئل کیا جائے ﴿ سُ ﴾

کیے قربات جی طلاعے ویں ومفتیاں شریع گئیں از است میں کہ یہ ہی ہردوفریقوں کا خاز سے کہ جو تنفی الائمی کو اٹا ہے ۔ منڈ واٹا ہے ایمنی ہے الکی ہے کم رکھنا ہے وہ خفی ار مت ناکرا ہے ۔ عالم دویا عالم نادوائی کی امامت کرووگر کی ہے اور نوائی کے چھے تمار پڑتی ہے دووورائی جائے اور ا مخفی واز بھی منڈ اٹا ہے اور کٹواٹا ہے دویاتی اور فائر ہے اور ارتی کی ہے اور امامت جائز کیس ہے ۔ اس منظر کا تھی منڈ اٹا ہے اور کٹواٹا ہے دویاتی اور فائر ہے اور ارتی کی ہے اور امامت جائز کیس ہے ۔ اس

ৰ্*উ* 🔊

صدیت گریف بھی ہے عضو من العطرة منها اعقاء اللحیة جی اردے اعقوا اللحیۃ او حوا المسلسمی واد فوا اللحی و کیوو السمی ادروڈ ووا انسمی بصفوم کی انتہایہ کم نے وازجی چوز نے ردحانے پوراکرنے لٹکانے کال اطاریت بی عم فرایات ⁽¹¹ نیزحش ملی انتہایہ کم نے اربے ترمانی رہم انہا اس شدہ ادرائے ^{(20)ج}س امر سے متعلق مندیسلی انتہائی وائی فرایمی ہوا ہے۔ مجی فریاں موامر واجب ہوتا ہے ⁽²⁰ اس) کا ترک بورترک باروست ریافتی ہوتا ہے ⁽²⁰ س کے

إلى اللي كاناب الربية من الدائن الفطرة ٣٧٤/٢ طبع فقيمي كتبره حالم.

ا وكذا في جامع الترمذي دب ما حادثي المفاراللحية 1 (10) خام الحرد كراجي. - وكذا في مشكود المعالم عامد لترجل ٣٨٠ طبع حاديثي كتب خابه كراجي.

 عن مشال وسوجه وای الاسر) او حوسالا البلاب و لاما مه بوره الزوار صحمت الامر ص ۲۱ طبع سفانیه پشاور . . . و کشانی نامیماس مصل می اوامو ص ۲۹۱ هج و شیعیه سر کی روقا کوئه.

 و در من المستر و هو المعروج عن الأستفاحة ولحق الدرادة من بريكت يكتام كشار ب الدمم الح و در المحمار كتاب مصلوق باب ولامامة الله ٩٠ طبع سعيد كراجي.

وكنه في مصير ووح المعاني سورة القرة الألقالة الاهاة ١٩٤٧ فلع دار أحياه الرات.

وكذابي حاشيه الطحطاوي على مرافي العلاج كتاب للصاوة بات لامامة ٢٠٢ نابرالكنب.

عند المسامسي فيف عللوا على أن كراحة بقديث كراحة بحريم، والمتحدار اكتاب الصلدة باب الإنامة
 عند الإنامة الإيرازي، بعيد واكتابي حتى كير اكتاب الصدرة باب الإنامة 830 معيدي.

و كا النبي الماشية الرهيدهما في كنات العالموة فصل في بران مين أحل فالد الإمامة ٢٠ ١٣ م بالركاكة ب

واڑھی کا فیقند ہے کم انوائے والا فائل اس کی امامت کروہ ہے۔ امامت کے بنیے متنی متورث، مائم کی شرورت ہے (¹⁰الیت بیائے اس کو گل کا جا سے دفیروہ نے والیسب یا تش بھن تھو ہیں۔ انھیں مجتز ہے مجتز طریق ہے مجمولا جائے (⁴⁰) کرد ومنت رمول منی الشاطب علم پیٹس کرنے کے آبادہ وجوجا کیں۔ والشاطم۔ محمود خانہ میں

عرق الأليال المعالم

دومروں کو قبصنہ ہے کم ڈازھی کرنے پراکسانے والے کی امامت کا تھم ش ک

کیافر بایت جریا به و این ان مهاکل نش کر:

(۱) ۔ ایک آول کی زازعی شنہ کے خلاف ہے۔ یعنی زیز نہ یا دوانگل ہے ۔اس کے بیچھے تماز فرش اندازنگل ارمضان المبارک بیش تراوش جو صناعا تربیعے یا کرٹیس؟

(۳) ایک آولی ادام سجد ہے۔ اس کی ذاتاتی خلاف سنت ہے بینی دوائگل ہے۔ ایک تو نود سنت کے خلاف کرتا ہے ۔ دوسرے جس آوی کی ذاتاتی سنت کے موافق ہے اس کو کہتا ہے میاں کیا از کی بڑھائے یہ رہے ہوکو کی شریعت بھی ڈاٹھی کا ٹوٹ نہیں سوائے ایک ووائگل کے مثلاً زیدادام ہے ادر کر سے مندمد بالدبات کہتا ہے۔ ایسے طریقہ سے کہتا ہے کہ کی کا ال دکھتا ہے۔ ایسے ادام کے لیے کیا تھے ہے

食る神

(۱) جس کی دازمی مشت نجرے کم ہو (۱۲) مغراد بالکل منذ والا ہو یا محتر والا ہو: وراس فسل پر اصرار

 ١) بسجيب أن منكون همام القوم في المسلوة أعضلهم في العلم والورح و التقوى الثاثار خاتها كتاب المسلوة ناب من هر أحي بالإمامة ٢٦/١٩) طبع مكتبه الإدراة القرأن والعلوم الإسلامية

و كنفاضي الندر المستحدار والاحق بالإمامة تقديما مل بصبا محمع الإنهرالا علم بأحكام الصلوة ثم الاحسن تلاوة للقرأة ثم الاورع ثم الإسن الع كتاب العينوة باب الإسمة 1 أراحه دسيه.

وكذافي البهر العاتق كتاب الصنوة باب الأمامة ٢ أو٢٣١ طبع دارالكتب العلمية بواوت.

٧). قواه تمالي ادع الي سبل رمك بالحكمة والموعظة الحسبة سورة النحل الآية ١٤٥٠.

السنة بهما الشيشة وتذايحرم عل الرجل قطع لحبته الدر استعدار كتاب الحظر والإباحة فصل في
 الليح ١٧/١ كاطب الجماعية معيد كراچي.

و كفا في رد ظمحار كتاب الصرم باب مام بعدي ومالا بفييد ٢/٩٧٥ لطبع سعيد كراچي. و كذا في البحر الرائل كتاب الصوم باب مايسيد الصوم وما لا يفييد ٢/١٠٥ فيم و شيديد. مسلما وب لامامت

ان به ادمت کرتا هوایها گخص فایش به بهاه وای کی ایاست نکره و به س^(۱) به

(۱) ۔ ایسانتخلس جو خوا اسرائر کے ماتھ (الاعی فلاف منٹ رکھ ہے اور پھر دوسر ہے منٹ کے مطابق فراز میں کمنے والوں سے معارف کرتا ہے ۔ پیٹھی بڑا کمناہ کا رعوبا ہے ۔ ایسا ایام سنتن عوال ہے (۲۰) اس کے چھیے قمار واحد نکر وہتم کی ہے (سمانہ فکد اتی الداوا تھا، کی بچ میس اس

خطاو الذرتعاني اللم

مريراً تكريزي إلى كفته واللكي المامت كالحكم

$\langle \mathcal{O} \rangle$

ا آیک حافظ آر آن ڈاڈگ منڈ وا تا ہے۔ سر پرانگرین کی بال بین فہاز کھی کھی پڑ حتا ہے - اینے حافظ کے۔ چھے فہاز ڈر اور کی جائز ہے دیکیں ۔

40

ودئق ریم*ن برندچاردگشت نے کم ڈانڑی کا تین کر*نا پامیزا تاج م ہے۔ وامسا فسط میسیا و عسی دونیا فسم بدیعہ احد^{(۲۷}۔

١) ويتكرم أن يتكرن الامام فاسقا النع الثاغر خالية أكتاب الفيئوة باب من هو احق بالامامة ٢٩٨١ عليم الدارية البقر أن كرايتي، وأكتا في اطر المحتار مع إد أكتاب العبيرة باب الإمامة ٢٩٨١ عقيم سعيد كرايتي . أو كتابائي خيلاسة النشاوي كتاب المسئلونة الفعيل انخامس مشر في الامامة والاقتداء ٢٩١٥ عليم رشيديه مركن روة كوفه.

 أكبر أمة فيعديمه بأنه إذ يهتم لأمر دينه وبأن في تقديمه للإسامة تعقيمه وقد و جب عليهم هائنه شرعاً ودائمتنار كتاب الصلوة باب الإبارياض ١٦٠ صبح إيوب إيداميين.

. وكندافي حليس كبير كتباب معلوة باب الأمانة في ٢٠٦ فيغ متعبدي. وكندا في خاشية الطحطاوي على مراقي الفلاح كتاب العلوة باب الأمامة ص٢٠٢٠ طبع قديمي كتب خاته.

 على أن كواهة تقديمه كراهة تسريم كتاب المرغوة رائب الإمامة ١٩١١ هـ طاح اليج. يم راسميد و كداهي حبلس البير كتباب المسلوبة بناب الإمامة من (١٣١ هطيع مديدي). و كذا في حدائمة التلحظاوي مني مرطق العلاج كناب الصوة بات الامامة عن ١٣٠٣ طبع دار الكب بيروت.

و في لدر المحتار كتاب العبوم بات بايضه ومالا بضده ۲۸/۳ قطع سبية كراچي.
 و كفا في السمر الرائل كتاب العبرم بات بريضه العبر موما لا يضيد ١٠٠٠ قطع رشيديه.
 و كفا في ضح الفير كتاب الصوم بات ما يوجب انقصار والكيارة ٢٠٠١ طبع وشيديه كولته.

أيز ورائل الله به و مذا بحرم على الوجل فطع تحينه ⁽¹⁾ الله به يُخْبِ به والمسدة ديها النفينطنة (^{1) ديم} تُخْبَى فَرُكُور مَنْ يَجْمِ نَازَكُو وَيَحْرَ كِي بِهِ وَبِسكر و العامة عبيد - السنع و فياسق-وهو مختار، ان كواهة تقديمه اي الفاسق كواهة تحريم ⁽¹⁾

بيت تحقق كوكمي بحق أما زعراء من إذا إن بير-الان في اصاحت تبعيظيه، وتبعظهم المعاسق حوام (**) فكا والذنواني عثم

ڈاڑھی کٹانے ہے تو بہرنے تو کب امام بنایا جے

﴿ ك﴾

کی آفریائے ہیں ملاء دین اس منٹ ہیں کہ ایک حافظ آن دو کہ پابند صوم وسلو؟ ہے اور اعتقامتگی رکھنا ہے۔ لیکن ڈاز علی منڈ اٹا ہے ، آیا اس کی چھپے ٹی زمفر دینہ پائز ادبی پڑ حنا جا ارہیں باتا جائز ہے اگر او '' من آئر ہے وہ سے تب شرہ آبیاتھ ہے۔ بیزا تو از دا

₩€\$

شر ما وازش کو معلق جیمزے کا تھم ہے ور بیٹر رسٹت کم از کم ذائر کی بیون نا وابیب ہے۔ وازش منذ الماليا حد منت ليمل جند رسٹ ہے لگ متر واز اور اس دواسود مرور کرنا شرعاً فیش و کيبر و کناوہ ہے۔ ميذو

١٠) القر المتخفر كتاب المعطر والإباحة فصل في اليم ٢٠٧١ : ضع مباسب

. وكاما في خلاصة العتاوي كناب الصنوة العصل الخامس عشر في الإسامة؟ / 9) 1 فقع رشيديه. ومثله في النتاية شرح الهدامة كيام، فصفوة باب الإسامة (٣٣٤/٣٣٢ طبع دار الكتب سروت.

٣) الدوالسمناوع كتاب الحطروالانا مام فصل في البع من ١٠٤٠٤ ج ٣، طبع وشيديه كوتله؟

٣) و المحتلم كتاب العلوة باب الامامة الرماة فاطبع سعيك

وكدا في ملن كيم كتاب الملوة باب الإسمة من:١٣٪ ما طبع منبادي أكولهم.

و كدا في حاشية الطحطاوي كتاب الصلوديات الإمامة في ٢٠٢ طبع أكتب قديسي حامد

عن كراهة مقديت بأنه لا يهدر لامرديه وبأن في تقديمه فلامامة تعظيمه وقد وحب عنهم إهامه شراعة
 الح رد لمحمار كتاب الصلوة باب الامامة ١٠٠٠ قبع الحيد كراچي.

وكذا في علم كبركتاب الصاوة باب الاسمة ١٩٠٠ طبع معيدي.

وكذا في حاشبة الطحطاوي كتاب العبلوة من ٢٠٢ فدسي كنب خاله

ا یہ تفضی جو فراز می منفر ایتا ہے شربہ فرمق ہے (۵) ناست کا الی ٹیس۔ اس کے بیٹیے فراز کر وقع کیا۔ ہے (۱۹۰۷ء اپنے المام کو فرائش و قراوت میں المام بنانا ہو ٹرٹیس (۱۹۸۰ء کے دو فقا کے بجائے قیم حافظ منت کے مطابق و ارکی رافظ منت کے مطابق و اللہ کے بیٹھے تراوت کی مرفظ منت مطابق فرد تھی رکھنے والے کے بیٹھے تراوت کی فرائم کے باعد الایا بات دیا ایک اور تا اب ہوجائے کے بھر کھی جب تک فرائی قدر منت کینی آبند سے آم ہوا نام نہ رہنا جاست (۱۹۰۵ء فقا والد تھا فرائم

13 والد - تاويه الشمانة وقفا يحرم على الرحل اطبع لحيثه الدرائسجتار كتاب الحظر والأعاجة فصل الى
 المع ٢٠/١ ع صمح معيد كراجي.

وكداهي الدو المحنار كتاب الصوم باب ما نفييد ومالا بقييد كالهما فاطبع سعيد كراجي.

وكذاتي الهجر الرائل كتاب الصودمات مايعسد الصوم والايمسد الراع عضرم والمايم

٦٤ علي ال كراهة نقديمه كراهة تحريبه والمحتلر كتاب الصلوة باب الاصامة ١١٠/٥ طبع سعيد.

وكدا في خلبي كير كتاب الصلوة باب الإمامة من: ١٣٠ هملع معيدي

وكافة في حياشية البطيخيطاوي على مراقى الفلاح كتاب الصلوة باليه الإدامة ٣٠٣ طبع دارالكت بيروث.

٣) والجع الى هاشيه حاضية بصولاء بر صفحه ١٣٦ انفأ.

وينجيب أن يتكنون إضام النعوم في قصدوة النظام في العلم والورع والتقري والقراء اللح الثاثار حالية
 كتاب الصفوة من حو أحق يا لاصابة ١٠/٠٠ و طبع إدارة القرآن.

وكذا في الدر المحتار كتاب العلوة باب الإدامة ١/١٥٥ طبع سعيد كر جي.

وكذا في النهر الصائق كتاب الصلوة باب الإنامة ٢٠٩٤ شنع هار الكتب يبروت لبنان.

هم وعلى هو د. لا ذه وين مسجود رضي الله هذه فالرطال رسول الله صلى الله عليه وسلم النائب من الذنب كسر الا دين لد مشكره السعبانج باب النوبة والاستنفار من ٢٠٦ طبع فديمي كتب شال وكذا في منن ابن ماجه باب ذكر النوبة هي: ٢٣٦ طبع منصد

ڈاڑھی کٹانے والاتو بہ کرلے تواس کی امامت کا تکم

∳∪∲

کیافر و تے ہیں علاوہ اِن الهاور سے بیس کور

(۱) جولز کا ناباغ ہے ریش ہو س کی مامت سمج ہے مائیس۔

(۱) - او تحض رائل كواتا بإرنذ واتاب الرائد وتصفاد بالزيب وتعلاء

(٣) اماست ميں ريش كنور ئے باسندوا ئے والا بالنج بيدريش برفوفيت ركھناہ ۽ بالنين -

سے یا دروانیا کہ کی در مصحبے کی ڈاز حی قبلات کم ہے در اس سے یہ دعدہ کیا کہ بیس آنکھ واپنی ڈاڑھی کوئیں۔ کو وی ایکا قرائسا کی اواست اسی وقت ہے واکز ہو کئی ہے ہے۔ نکسہ کد ڈاڑھی بور کی شدو جائے۔

(۵) تبطه مونوں سے مراو سے باغوزی ہے جواب معیر کتب هنیہ ہے ویں-

4C)

(۱) امامت بالغرب درش کی کی بے لیکن اگر دوسین ہے جس کی جائب شہوت ہے القامت کا تعربه برق کرد و برگ یہ لیکن ہے دراست خوالی ہے و درمخارش ہے دو کیا۔ انسکار ہ ضافف اصواد وقال الخشیاسی السطاعو امہا تنو مہمۃ کہما قال الوحیسی ان المسواد به انصریوح الوحہ لامہ صحل الفعیدہ (۱) ہے

﴿ ﴿ ﴾ وَالرَّعِي مِنذُ وَامَا أُورِ فِيقِدِ ہے كَمِ كُولاً أُورِ كُثَرُ وَامَا وَفُولِ جَائِزَ فَيْنِي أَبِي أ ہے اور فائش کے بیکھیے نماز کر ووج مجی ہے (۲۰)۔

 إن البادر المستخدار كناب الصفوة باب الإحامة ٢٩٢/١ طبع سعيد . وكما في حائبة الطابعالوي عمى مرتقى تفلاح كاب الصفوة باب الإحامة ٢٠٣ طبع دارالكتب بووث.

ا وكذا في الدجر الرائل كتاب الصوم ناف ما يصد وما لا يعمد 14-14 صبح راشيدية. و كانامي منع القدير كنافرد الصوم دافر ما يوحب القضاء ولكفارة 41-19 هيم وشيدية.

والساعة فيهما كقيصة ولقا يحرم على الرجل فطع تحيمه الدوالمحتار كتاب الحظر والإياسة فصل عن البيع ٢٠٧٦ عليم معيد كراجي.

عنی آن کراند: نه بده کراههٔ تسریب و شنختار کناد، الصلوة باد، الاحامه از ۱۰۵۰ طبع صعید.
 و کمناخی ملی کبیر کناب الصورة باب الامامهٔ مین ۱۴۲ مطبع سعیدی کند، حامه و کنهٔ این حاشرهٔ الطبحطاوی علی مراش الفلاح کناب الصلوة باب الامامهٔ ۲۰۱۲ مام ۱۹۰۰می کاب خامه

(۳) بالغ بے رفیق کی الاست کروہ عز ہی ہے جیسے کہ حوال آب اسے جو اب بھی آئر د کیا اور فاس کے جیسے کردہ آئر کی ہے۔ اس لیے باغ ہے رفیق کی است ڈا ایکی سند اسے والے اور کتائے دائے سے اولی ہے (۳) آئر چر قربی کرتے ہی دو عادل ہو کیا اس کا نش جاتا رہائیکن سور تا چرکارہ وہ فاس ہے اس لیے وظیار اس میں ہے کرد از می ہوج ہائے کے احد الاست کی جے کے (اکردہ) ابتد موزی سے ان وہ وہ ہے۔ برانوں سے میں دوالفہ قالی انام

محودمفادند عندرررمغتجاة عمالعلهمتان

ڈ اڑھی منڈ انے والے قرآن پاک ورست یز ھ سکتے ہوں اور ڈ اڑھی والوں کا تلفظ درست نساوۃ امام کس کو بنایا جائے

€U\$

وعدن عدد طالبه من مسعود راضي الله عد قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم الداب من طفائد
 كديل لا ذنب له مشكر قالم مصاييح بالساطوية عن ٢٠٦ طبع قديمي كتب جانده و كفاقي ابن
 مديد باب ذكر انتوية والاستعفار عن ٢٢٣ طبع ايج-ايم. حجيد.

≉Č*

خماز ہوں کو جائے کہ کئی انہما ہوئے ہے والے نیک بنتی امام کو تقرر کر کے اس کے جیٹھے ڈیاز اواکر ہیں 191 مستقل امام نہ تو ڈانو کی کو اٹے والے کو کو کئی اور نہ غلوا پڑھنے والے کو واٹوں کی فیامت تا ہا ایا ہے والے تا سمی خاص وقت کے ہے اکر ضرورت ہے ہے تو کی جاتے والے اواکی کئے کہ کچھے جارو لیں اسال اور نہو بڑھنے والے کے چیچے گئیں۔ والد تی تی انتمی

محمود حقالان مناملتي مررسه قاسم أمهوم وقال ثو

وَارْهِي مَترافِ والله بِتَمَارُي كَنْ رَاوْ يَح مِي اقتراء

18 J

أنجافره شريباطات وينا ومعالباتها كما

(1) البّار عام محبر فوت و كام ن كاباب دادا بيلم الاست كرات هير مال كافوت بوجائي كاب وادا بيلم الاست كرات هير بالنق من بالإمال كرات بالإمال كرات

(1) تماری مجد کی عرصہ کی حال ہے بیانگڑ ایک رہائے کے قیمان کا جاند و یکھا ہا تا ہے تو کئی صاحبان کی جاندہ کرتے ہوئی کے ساتھ میں اور میں گئی اور اور کی لئے اس مجد میں اما معت کرت ہوتا ہوئی کے ساتھ کی امارے نہیں ہوتا ۔ نماز پارٹدی ساتھ اس کو امارے نہیں ہوتا ۔ نماز پارٹدی ہے کہنی بینا ہے ہوئی کی نماز ہی بینا ہے ہوئی بینا ہے ہوئی ہیں ہے ہے۔

إلى ينجب أن ينكون وصام التقوم في الصادق أنضلهما في العلم والرواح والثقوى والقرارة والحسب، الح
 كتاب الصادة بات من هو أحق بالإسامة (١٠- ٥٠ فيتنار خاب طبع إدراة القرآن).

وكدا في الدر المحتار كتاب العموة باب الأمامة ١٩٧٨ قاطع سعيد

وكالما في لاتهر الفائل كتاب الدلوة بات الإمامة ٢٩٩١ كاطبع دار الكتب بيروت.

 عن الشوية عليه الصلوة والنسلام بالمواجعة كالراء رافعة العنبي كابر كاناب العلوة بال الإدادة عن: (1 فاضع معدي كنب حاله كوله).

و كذا هي شرح العمم الاكبر الكبره لا نحرج المؤمل حي 1977 علم دار البشائر الاسلامية بروت و كما في تبيل الحقائل كتاب المناوة باب الاعامة 21/17 طبع دار الكتب ببروت. ک بات محمد برانگریز می فیشن که بال به حق مین این از هم جمی منفره از مهای بنایر شقه یون مین مشتار. بهدایمه جانز میباد در چکز ادنساد در پایم جانزا مید- جذب مفتی معرصه این منسله کی و شدهت فرما کرسی شراوت واقی کوهنم فرماد می نوازش موکی .

S

(۱) عمامت کاورافت رہے کوئی تعلق ٹیس لا اسان سے کی کا بلیٹ رکتے واسے میس تعلمی کوشند کی جائیں۔ امام بنا بکتے ہیں۔ امامت برگزشروک اور کا بلیٹ کا خیال افغا طور رکی ۔ س²⁰

(ع) ایسے تھی کے چھیے تر وٹ یا کوئی و سری افراز یا علی تھرا وٹھ تھی ہے (^{m)} ایسے تھی کو امام ٹین بنانا جا ہے۔ المامت کی تھی کا اتحقاق تھیں ۔ بلکہ تھتہ وی کر اکٹریت جس پابند ٹر بھٹ تھی کوشٹر رکز لیس میں دام بن سکے کا (^{m)} والٹر اللم

محود عفاالذعنة شتى عادماة المهامحلام مترث شجر

 ٣) بمحيث أن يتكنون إضاع الصوم في النصطورة أقبطتهم في العلم والوراع والتقرى والقرائرة والحسب والمسترة الثاثار خالية باكتاب الصلوة من هم أحق بالإجابة ١١/٠٠، ٥٠ طبع إدارة القرآن

وكعا في الفر المحتذر كتاب الصنوة باب الإمامة ١٩٧٤ ما ١٥٥ مطبع معيد.

وكة عني النهر العائق كتاب الصلوة باب الإمامة ٢٩٩١ طرح دار الكانب ويروات

على أن كرافة تقاويم كرفقة بخريم رد السختار كتاب الصلوة بات الإمام 1 (١٥٠٠ اطلع الج الهم سعيد.
 وكد من حلمي كسر كتاب الميترة باب الإسامة من (١٩٠١ هطاع سعيدي كتب خابه).

و کدا نبی حاضیه انطحمعاری هلی مراغی العالاح کتاب انصلوهٔ باب الامامه می:۳۰۴ طبع دارالکت امروت

 ق) قبال استووا يعرج بين المستويين (فوالحبار الى القوم) قان احتلفوا اعتبر اكترهم الغ الدر المحتار مع رد كتاب الفعلوة بالم الإسامة أم ٩٠٠٥٥٠ وقبلع سعيد كراجى.

وأكدا من الناتار خانبه كتاب الصلوة باب الإمامة ١٠٠١، طمع ادارة القرأب كراجيي.

١٨٥ - يا ب المامت

وًا زهى كتران واسدى امامت بيل اوا كَ كَنْ نماز ون كاحكم

کیا فراہ منے ہیں موار زیا ای مند ہیں کہ ایک الم مجر جو کہ مرافقت نماز اور جندائی یا حاقات ہے۔ رمضان خریف کی قراون کی پڑھی ارتا ہے ۔ آیونک آئان کیوا حافظات بگل حدثہ کی ہے اس کی ڈائز کی کم ہے ۔ کو یا گرزت ۔ بھٹی کو کو سانے یہ عزاض کیا ہے کہ مدخر کی ہے کم ڈائز میں رکھے والے کے بیٹے افاولیس ہوئی الدفوش دیکی توارش کو نیس ہوئی اور بڑھی گئی ہیں۔ ان کو بھی بجراوی یہ ہے ، اب پر پہنا میں ہے کہ کیا اور کی منذ ہے یا کہ النے والے کہ کیا چھیفر دائیں ہوئی ۔ اگرٹیں ہوئی تو در یا کی گئی تیں ان کا انواز الشروری ہے مائیں کہ ملی و اسٹر کہ وال کے والے اسٹر بندو کی تھی آئا کیں ،

න්දී ව

ار التحارش منه كروارا الله عن المراز و المراز التحقيق أن الرام منه و احسا الاحدة منها وهي دون دالك فلم ومعد احد (1) الرئيز و التحرير المستقفيها القصفة النج - و كذا قال بحرم علي البراحل فطع نجمت (1) من في الانتخار في التماكي التي التحرير عن المراكز والمناطق المراكز والمناطق المراكز والمناطق المراكز والمناطق عند النج - وهنالسن مثل مشمى في شرح المستمدة على من كمراهة تتقديمه (اي القسامق) كراهة تحريم (1) أكر يا محكم

٢) الدرانسخنار الثلاث الصور وبروما ينسه وماما ينسب ١٩٨٩ ع طبع سعمه

وكلااني البحر الزائق كتاب الصوم باب ما بعبيد الصوم وملا تفسيد أأء أوال فاشح سعيد

وكذا في اقتح المدم كتاب الصوفات ما توجب العصة، والكفارة ١٥٠٧ هنج رخيفية.

ح) الدرافسيسار كمات المنظر والإماحة فصل في البيع ١٠٧١٦ طبع حميد كراجي

٣٠) و دالمحمو کيات الصلوة بات الإجابة ٦٠٪ ١٥ طبح معمد کرا مي

وكذا في علي كبير كتاب المبلوة بال الإمامة ص ١٩٥ قطيع سعيدي كتاب صادر

والداعي مائب مطعموي على مراقي الدلاح كناب الدارديات لاماده من ٣٠٣ طبع دارهكت

حسن و احلف کئی ہو و فاجو اس کے چیجے نماز ہوجاتی ہے^(۱)۔ لبذا ہونماز ہیں اس کے چیجے پڑھی ہیں ہو واجب الاعاد وٹیمن ٹیمن کیے تھی کوا 4م نہ بناتا ہو ہے تہ فرائش میں نہ آ اور ک^ی و ٹیمرہ میں ⁽¹⁾۔ لان فسنسسی اما منہ فعظیم و تعظیم افغان میں حوام ^(۱) - فتط واللہ ٹھائی اظم

بریلوی عقائدر کھنے والے کے بیچھے نماز پڑھنے کا تھم

€∪}

کیا فریائے میں علاوہ میں ور میں مشکد کی جمالوگ و جو بندی عقا کہ سے واٹ 10 آئی آئی۔ ڈیٹی جگہ بے خاذم جی جہاں پر سرف ایک میچو ہے اور اس کا جیٹی انام ایک عافظ پر بلج کی خیالات کا آڈی ہے۔ اب جاری فماز سر الیم کیا قتائی ہو۔ براہ کرم تغییل کے ساتھ فرا ویس کہ جم کس طرح ٹی ڈی بندویست کر جی تاکہ جم جماعت کے قواب سے محمودم نہ جوں میں ماری کا لوقی سے سمسل دور ایک اور کا لوقی ہے۔ جس کی سید کا جیٹی امام تو دید والے خیالات کا آدی ہے۔ ہم جھد کی فماز اوھ برائر اوا کر سے جی ربرائے کرم جواب علایت فرما کمی آئے کہ جاری فماز وال جی اور فراد والا وظال نہ ہزاہے ۔

∳5∲

محرا الاسموصوف بريامت كاارتكاب كرتاب رهضورصلي الفدطلية وسلم كوناكم الغيب أورها شروة خرجاشا

1) حلى كبير كنات الصلوة بات الإمامة من: ١١٥ قطيع معيدي كتب خامه.

و كدا مي شرح اللغه الاكبره الكبيرة لا تخرج همؤمن ص:٢٧٧ طبع دار فاستالو الاسلامية

 ^{*)} أولا و حويز المرجال أن يقتموا بالمرأة أو صبى وفي تتراويح والسبى المطلقة حوزه مشالح بلح ولم يعجبوه منت المحتال والمساحدان الله يعجبون في المصلوات كليه الهداية كما ب المملوة بالب الايامة (١٣٦٦ عليم رحمانه الأحور.)

وكذا في العالمكيرية الباب الحامض في الإمامة الفصل الثالث الـ 60% طبع رشيدية كولته. وكذا في الدر المختار كتاب العموة باب الإمامة ۴۸۷۲۲ طبع حديد رشيدية كولته.

٣) و 3 المحتار بع الدر المختار أكتاب العبلوة باب الإمامة ١ أ ١ ٥ طبع سبية...

وكذا من سلبي كبيركتاب العبدوة ياب الإحامة ص ٥١٣٥ طبع سعيدي كتب حامه

وكذا في حاشية الطعطاوي على مراقي القلاح كناب الصلوة باب الإمامة ص ٣٠٣ فليع دارالكتب

ا پیچة چیزان کی افتران درصیرنی ا^{دو ج}یب ایاستعق از مرکولیس والپیتری سے بی ایک از دیم عالی که این شیخی سے منتفظ واقعا اور نے بی شرورت کیں۔ آپ آئر دونت کرایں شیق بیکو بیکون مشکل و دیمیں ۔ سوورہ والسلیسل دوا بعضی ^(۱۱) میںاندائوئی کاموشن شیخین کے بیٹ وسیسیسسر و للیسسوی ^(۱۲) کا کی زیران مقدور فیک وائٹ تو دا وائم

اردوگه کورن وفتر به تامیه منتی مدر به قام اصوم ماند. ۱۹۹۹ نیز بازی به ۱۹۹۸ م

حضور الأقلاك ليعلم غيب كل كالحقيد وركف دائ كي يجعية مَا زَكَاحَكُم

∳ر′ه

جومونوی عم قیب کل کا عنو دا آر پھنی امنہ طیہ وسم کے لیے عقید و رفتا ہے اور یوم بھٹ موادی اس دخیا خان صاحب نا بلونی ،حط است مل دو ہے بلا وابو قرابق ہے اور یا عنت فقت ہے ۔ اس کے چھیے آباز کیس سے ربیع اقرام دار

وزو

وس كه ينجي خازن واحتى يو بيداوران والمامت ويوازي المراميد

 ق) ومكرة المامة عبيد ((وقامل) (ومندج لا يكفر بها واز اكفر بها «لا نصح الإقتادات افتالاً الدر المعتار مع رد كتاب المشرة بالمالا مالية ق) طبع سماد كرايين.

و كفا الهي حالتي كثير السنتماع والسراء بالبينداع من بعضه قيلاً على قلاف ما يعتقده أهل للسه والسحسانية والداء بحرر الانفاد بنه مع الكرامة الديكي ما يعتقده بؤادي أي الكفر المداخل الساء كتاب الصلوة باب الإمامة عن والاه شع مبيدي كلب عائد.

ا و كا ما في خاطعة المداوي كتاب العائزة العصل الجامل فشر في الأعامة الإنفاذ في: (و) فاح رائيلوم كوكان

٤) سررة الليل الأبتراث ٢) سوة الليل الأبداء (عالي حاشية)

" ها اهل به لغير الله " كوطال قراروين والله ك يُنْفِي تمازير عن كاتم

€U}

أمير فرياسته بين علما وه بين ومفتيان شرن ستين الناء والحل شراك

(۱) رید یک عالم تفل ہے اور فیٹ اور بھی ۔ مغید و بیں بالگل ذھیدا اور دیا لیکی ہے ۔ نذا و اینانہ کا افکان کی ہے ۔ نذا و اینانہ کا افکان ہوگئی ہے ۔ اور وہ افغان لغیو اللہ بعد اولی پیز نوسال کر نے گلو آگر اور رہا ہے ۔ وازش کا مخت و نمی ہے ۔ دو بین انگل ہے بالظی زائر نہیں ۔ ایک مولوی ہے جب شراعی اس کے ماتھ مناظر و آیا ہے اور اور بین انگل ہے وارش کی شہر میس نے اس کے بہائے کرس فیام تہر کو انتخا و انتخا کی کہ جب کر بین بینانہ کی ہے ہیں گار ہے آئی جا انتخاب کی بینانہ کی ہے ہیں گار ہے آئی جا تا اول (نموز پر انتخاب اور انتخاب کی ہیں گار ہے تا ہے ۔ بینانہ کی ہے ہیں گار ہے اور انتخاب کی ہے کہ بینانہ کی ہے کہ انتخاب کی ہے ہیں گار ہو ہے تا ہے ۔ جو انتخاب کی ہے کہ ہے گئی ہے کہ انتخاب کی ہے گئی ہے انتخاب کی ہے انتخاب کی ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہے گئی ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہے گئی ہے گئی ہے گئی ہے کہ ہے گئی ہیں گئی ہے گ

(۲) ایک بھی سے جانب کہ یہ آبیت قرآن ہیوا کے لیے ہے ہورے لیے تیں رہ اور گئیں مائے ہے۔ یقرآ آگ امراز مانے میں انھی کے مانے اقراقہ انکہ تاریخ اس کے لیے آئی کی لیے کہا تھا ہوا اس کے ساتھ ان بیاسوک آرز جے ہے۔

''''') غیر تند بندا دادا دم ادچاہئے والے کے ساتھ کی برتا کا رکھنا ہے ہے اسروق ملمان باتی ہے ہاں؟ پیوائر جروا

€С}

(1) بيني بحض أنه يجهير قراري ورحين ان أع بعض الوالي وعقا مُدَكِّم بيرين (عمد العرارية بالمدر

 ⁾ ويمكر دخاصة عبد بالموطاسق الموالمشدع لإيكم بهاوان كام يهدفلا يعبح الإعطار بدشمالاً المر المحتار مع رد المحتار اقتاب العبلوة عام الإمامة (1956) طبع مسدد كر اجي.

وأكما في علي كبرأكات الصلوة بالدالامامة من ١١٥ طع مصدي كتب خاله.

وكذا في حاشبة الطحطاوي على براني ففلاع كدب لصنوة باب الامامة ص ٢٠٧ هنج دارالكب بهروب.

(ع) اگر دافقی اس کی مراویہ ہو کہ قرآن اس زیانے کے یہود ایس کے لیے تعاہارے لیے ٹیس اور اس جس کو فَیا ٹاویل ٹیس کرتا تو یہ کفر ہے (¹⁾ اورا کریے مطلب ہے کہ اس آیت کا تعلق بہود سے ہے اس جس ان کے متعلق تھم فرکور ہے۔ موشین کا تھم اس آیت جس فرکورٹیس تو کوئی خزائی ٹیس۔ (۳) اس موال کے جواب جس تفصیل ہے۔ فی الحال وقت بیس اتن کھجائش ٹیس۔ والفداغم۔

برعات ورسومات كمرتكب امام كے بيجيئماز ير صفر داليمؤون كي امامت كاتھم

€∪}

کیا فردائے ہیں طائے وین دری مشاکد کیک مؤون سی المتعیدہ ہے۔ کر بعض دف بر بلوی ادام کے بیچے مجی تعالیٰ بات ہے۔ جو بر بلوی عاد فراس مجارہ ویں اسانہ عرص غیراللّہ کی نذرہ نیاز اور فیراللّہ کی پاکھ کی تی ا شرکیہ اعمالی وعقائد ہی مشہود وسعودف ہے۔ کہا اس وون کی دیسے عالی شرک مولوی کے بیچے نماز بھو جاتی ہے۔ اور بعض وفسر مؤوّق فرکودا م کی عدم موجودگی میں نماز بھی پڑسا تا ہے۔ کیا اس کے بیچے افتدا میں کے بیٹیس۔

45%

حقیق کی جاوے آگر واقعی استخفس کے مقائد ترکیہ جوں قواس کی ایامت درست ٹیلی اور نماز ڈائی کے قبیعے جائز خیمی ('') اور اگر مقائدان کے شرکیہ نیمی البتہ بدیات کا ارتکاب کرتا ہے تواس کی امامت بھی تکروہ تحریکی ہے ^{(سما}یہ مؤون اگر مجھ العقید و ہے اور مرتکب بدعات کا نبیمی تواس کی امامت جائز ہے۔ فقاؤ وافد تھی تی ایکے۔

١) ومعدد عائ صاحب بدعة وهي اعتقاد خلاف السعروف هن الرسول لا بسعادة إلى نتوع شبهة (قال اس ماندين) إمالوكان معاندا للإدلة القطعية التي لا شبهة له فيها (عبلاً كانكار الحضر --- فهر كافر

[.] قطعاً الادر المجتار مع وه المحتار كتاب العبارة باب الامامة 1/ ٥٠ طبع سعيد كراجي. ... كي ما المدر مع وه المحتار كتاب العبارة باب الامامة 1/ ٥٠ طبع سعيد كراجي.

ع) ويتكره امامة عبيد - وميندع لا يكتر بها وان كثر بها فلا يميح الاقتداء به اهبالا تنويز الابتمار مع الدر المتحدار كتاب الصلوة باب الإمامة ١٩٩١ مقع سعيد كراجي.

و كفافي حلق كبر كتاب الصلوة باب الإمامة من: 19 4 طبع سعيدي كتب خاته. - مناب

وكذا في خلاصة القناوي الفصل الخامس عشر في الامامة والاقتداء (أه 1 طبع رشيديد. من أن من المراديد

على أن كواهة تقديمه كواهة تحريب والمساحثار كتاب العبلوة باب الأحامة ١٠/١٥ طبع معيد.
 وكفاطي مطبي كبير كتاب الصفوة باب الأمامة من ١٣٠٥ عطبع معيدى كتب خانه. وكفاعي حاشية الطبعطاوي على مراقي الفلاح كتاب المسلوة باب الأمامة ٢٠٣ طبع طلبعي كتب كانه.

ممه تی دیریلوی و غیرمتلد و شیعه مرزانی مودودی دیرویزی متا اندوایلی امامت

$\hat{\phi} \cup \hat{\phi}$

كبير فرواستة بين علوم وين ورمنتها بالشراع التين مند حدة إليام عالمي تنزاك ا

(۱٫۱ اما تی و بر یوی آخیر مقعدا خید امرز ای اموده دی ایرویز تی این کی چیچ قراز بزاخنا جازا ہے و خین بران کی ادامت بکی جاز ہے بوئین برآئی ہوا ۴ کیوسٹ انفرات تا ریب نزد کید کا تی مسمان جی جانبین راس امرائی و چارند بول میں واخل جی پؤئین ورکتے اما مل میں اعادا ان کے ساتھ اختیاف ہے اور دہ کون کوئی رہے ہیں۔ بیغوانو تیزوا

$0.5~\mathrm{M}$

ایم میذانرتین ارتیم (۱) می تی اور نیم مقلد مسلمان میں اور ان کے بیچھے تمازی عن جاتا ہے ا^ر مرز الی اور پرویا تی دائر واسلام سے خارج ہیں اور من کی و معند اور سن ہے شیعہ میں اختیا ہے ہے خاکمی ومیند مع خرور میں اندان کے جیکھے ترز نے برخی جائے ان کی واست نامرست ہے (۱^{۱۱)} سرب کی ومساوو کی مبتد نے وضال ہیں ان کی مارے تم موجے (۱^{۱۱)} ر (۱۰) اس کی تفصیل اور کا تر انتی ہے (۱۱) مراقی اعد ات اسپید

اع الدياد فاع والديراء بطلبينداع من يعتقد شيئاً على حلاف ما يعتقده العرب السنه والحداعة والما يعجور الرفقة بالديم ويكر اهية العرب للي كبر اكتاب العبلود عالم الإعامة من 1913 معيدي

ا وكان في الثلاثار عائده ولك مال عن النجل علون فالمد تجوز الصلاة سبيد كدب للمنبوة بالبدس هو. النجل بالإسرية الإيارات طبع إداة العراقي

واكثرًا في حدثها! اللحظ وي على مراقق فقلاح والصحيح الها تتبيح مع الكراهة خلف (الكتاب). الصلوة بالدائمة ٢٠٢ فلم درالكتب بروك.

ه إلى منطق على كان من مستقيمة العراء واكبرا عناقياته بدلايت فيلح والمنسر المنختار أكار ب أحدوة بالب الإمامة - وأبداه تأضيح منصد كراجي

و كانت مان حداثية الطعطاوي على مراقق الملاح وغيروط عنجة الامامة أمر عال الأصحاء سنة أنساء الاستلام والبوع والفقي والداكورم التناب الصلوة بات الاسمة عن ١٨٧٪ طبع مار الكتب بدوسة. والقذاء لم اكبر اكتاب العشوة باب الإمامة عن ١٠١٠ سميدي.

۳۲ و مكار دساسة صدر الروسند ع در المدخل كتاب الصفوه بات الاستدار ۱۹۸۸ افز م سره کار بني و كذا في حراسه الفياوي كتاب الصور فلفت الجامس عنه في الادامة بن ۱۹۳۲ طبع رشيديه وطفه في الماره شرح الهدام كتاب الصدودات الاستدام (۱۳۳۲) طبع دار الكف بروسه. آ وراج بنداج میں بن تو خوام کے بن انہا جات سائی شما یا مغر سے اکا برا کے بند مانطا فقد اسا المطلق اللہ المطلق بین یہ مجھے ان کے بیام مانک و فائقوں ہے واکھیں جی آئے باغوں کی تخلیم رہوا ہوا تا آئی اور تھیں بلط ہا افتح ان و فیمرو کا معالما کر کے ایام بالی معوم کر شکتا ہیں ۔ یا اس و معر سے بزرگ اسے دریافت فران بین بینی واقعہ تو اللہ المقم

۱۰ بادنیا الح<u>دید ن</u>خر ایملین نختی مدرسانی می محدم میان ۱۳۵۰ در ۱۳۵۰

قبرېرچران روش كرنے واسكى ا، مت كائتم

هُ کي وہ

أيافهات من الملك وإن المنتيان أثر الأنتين مند فيل تهاك

杨飞净

بذا کور و گفتان کے عقابات موامل انسان میں ایک خواف میں اس کے پیکھیے نیاز میں عنا جا کوئیلیں ⁽¹⁰ وزیف اعلم محمد مقابلہ موسیقی مدریدی مواملوں

قرض نما زول کے بعد ذکر ہالجبر اور ثین مرتبہ دعاء کا التزام کرنے والے کی امامت کا تھم

J

کیا فرمائے ہیں علیٰ کرا و انتہاں خطام اس سندے بارے میں کہ برفرش کیاڑے بعد و عاما تک کر افریشر بینے کا آئر ہاج کرانا چرو در ہی و عاما تک کرائسٹو ہی والسلام عیک پارسول اللہ زورے کہلوا ہا کی تیسر می و عاما تکنا اور اس فریقہ کو بالا متر اس کرانا ہو نہ کر سے اس کو برا مجھنا کہنا ہے لیکن شریعے میں اس طریقے اور آدی کا کیا مقدم ہے اور اس مجھن کے چیجے تمان ہوجائی ہے یائیس مقصل و مالی بیان فرما کرمشوں فرماد کیا۔

434

اس جیئت ادرائٹزام کے ماتھ ڈکر جمری کلمے شریف اور در دوشریف بدھت ہے: بیٹے اہام کے چیجے قماز جائز ہوگی کیمن خت کر دو دوگ⁰⁰ نقد القدام

بحيرالله مقراعة وزمفتي يروسرقاسم البنيم مشاك

 د) وينكره شيامة هيد ا وقياسيق اله السيشدج لا ينكسر بها وان كفر بها قالا بعيج الاكتداء عاصلاً الدرالمتنار مع ردكتاب الصارة بات الإمامة ص ١٩٥٩ طبع معهد كراجي.

و كيدا مني حملسي كيس المستدع والسراد بالمشدع من يعتقد نتيناً على خلاف ما يعتقده اهل السنة والجماعة الع كتاب الصلود باب از مامة من ١٤ قاصع معدى كتب حالة .

بركفاهي مدشية الطمعطوى على مراقي العلاج كتاب العالوة بالدامامة ٢٠٠٣ بيروت.

وكها في حلامية الفياوي كتاب الصوة المصل الخامس مشر في الإمامة (أوه ١٥ صح راشته).

۲۲ علی آن کراهة المدیم کراهة تحریم رد المحتار کتاب الصارة بات الامامة ۱ (۲۰۰ طبع معید. و کداهی سلمی کیل کتاب الصلوة مان الامامة من ۲۶ عطام معیدی کتب حدید و گفاهی حاشیة انطحطاری علی مرافی الفلاح کتاب الصلوة بات الامامة ۲۰۳ صبع دارالکتب سروت.

بدعقيده فنص كى مامت كاحكم

7 J /2

یا فریات جی ها ب وی در این منظر این گوس جود اند و پاهی رکمتا ب دینی همورهای المادام از حاصر و تاقع با از ب در بخارگی گوتا ب در بر باری از فاره کار در این استان المراد و فیروقی و آم و این بر مرتبت ب در واجه به بین کرد و این با این آم از با منتا ای کر فیلی بر در سی بات آن بیند دان فرازی و با همتا و در او ویر است به بینی آراد و با با ایا بات آن از با منتا ای کر فیلی بر در سی بات آن بیند دان فرازی و همتا و در او ایس از بینی آن در و و اصب ب بات با ایس شد بینی فرزی با مند و در ساست باشد.

e 5 e

التاركل برزاورية وبجُدما شرونه موتاييمة بن فاساتمان كافي فواله تعالى هو الله في المستعوات وفي الاوص بعدم شرونه وهو باله في المستعوات وفي الاوص بعدم شركم وجهركم وبعلم ماتكسبون الآلاد بماقت معلم الواس بالارتفاع أن أن المستعود المالية والمرتب المستعود المالية والمرتب فالمرتب في المرتب المالية والمرتب في المرتب والمرتب والمرتب والمرتب وهو ما كان بعلم المراف المرتب عبين كان في الاحياء في في عد الموت المرتب عالم المراف والمرتب والمرتب المرتب والمرتب المراف والمرتب المرتب المرتب المرتب في الاحياء في المرتب المرتب المرتب في الاحياء في المرتب المرتب المرتب والمرتب والمرتب المرتب المرت

ره به سور قالان و نام الأرب ۳۰ رو انسان تو به معاني واسر و فولكم او المهروكية به محامم اسات العبشور سوره المساك الأرباع (

٢) معاصر العديمية الصريحة المتكليم مرافقة على الشي عالمي الله عنه وسلم نعلم العيب شرح العدم الاكس المن ١٣٦٠ طبيع دار المشارات إلى إلى أو الشاعي الدر المحتار مع إذ المحتار واستدع الانكام الها وإن النفر الها دام يصح الاعتار إلى الدائم التعالى المبيلة وبالسائلة الما إلى 1900 من منهاء كراجي.

م) مستوی قباطنی کمبر علی ما دهر «مهدامه که اسال بار را ب مارکون کامرا می آدمد، واقع ۱۳۳۲ ملیه از شیدید اوکند می اندر اصحاب مام راه کتاب اشکام ۱۳۶۳ طرح آدم دامها سامیت کورجی هام طبیعاری انصاحبکر به کتاب انداز انداز انداز با اصاحافی از کام السرندین نام ۱۸۴ ۲۴ را شده به

عقائدوا ثمال بدعيه ركضوا ليكي امامت كأحكم

4€€}

نیافرمائے ہیں علاء دین این ساکل میں کہ

(۱) ایک امام جو بر یلی عقید و رکمتا ہے۔ واڑھی کتر انتا ہے۔ حقہ نوش اس کی تھٹی میں ہے قر کیا

أبيحر الرائق كتاب البكاح ١٨٥٥ مطبع ماحديد كولاد.

عنی نی کراچه تقدیمه کراهه تجریم ره افسحتار کتاب الصلوه باید الاساسه ۱/۱۰ مید.
 وکندا می حلی کنیز کتاب الصنوه باب الاسامه ص۲۰۰ هفیع سعیدی کنیب حاب. وکنه فی حاشیه الطب طلع کنیز کتاب الصلوة باب الاسامه ۲۰۰۷ میم دار الکنید بیروت

٣ كار اهدة تا تدريد ما يأن ما لا يهتري إلا مراوية ويأن في إنها يهم الإدامة العظرامة وهداوجب خليهم إهالته شرحاً و دراه حال مع الراد كتاب الصلوة باب الإدامة ١١/٠ تا قطيع منصد كراجي

و كدا في حلمي كبير كتاب الصفرة باب الإمامة من (١٧٢ قطاع معيدي كنب خاما ، و كانه في حاشية الطحيلة على مرافي الفلام أكتاب الهيلوة باب الإمامة ٢٠٠٦ صبع دار الكتب مروت.

ع) را مع الي حاشية مذكوره بالا

را یو بقدی عقیده و بھیے والے کی اس کے چیچے نماز ہو جائے گی۔ (۲) کن کن صورتوں بھر کی امام کے پیچھے نماز کیلی ہوتا ہے۔
پیچھے نماز کھی ہوئی ہر میلو سے دستا مستانی ہادی (۳) کیا کر وہ تج بھی نماز کالوہ نامشو در کی ہوجا ہے۔
حافظ الفاقا کی اینچھ المام کے پیچھے نماز پر تھی جونسرا اے زمرے میں آتا ہے۔ یکن بوقت نماز معلوم نمیں
ہوا کہ اور مکینا ہے ریا کھی جا کر کی ذریعہ ہم معنوم جوا تو ایک نماز کالوٹانا بھی مشروری ہے۔ (۳) شم مروید بھا کشم پر جوکی صاحبان پر حاکرتے ہیں ہورائی پر گئی سے کار بندیمیں اس کے مفتل روٹنی والیاں ۔
مروید بھا کشم پر بھوکی صاحبان کر حاکم کی اور اس السلام التی ہوئی ہیں اس کے مفتل کی ارش در ہے۔
پیر بھتے رہیجے ہیں اور آخر بھی گھڑ ہے ہوگر یارس السلام التی ہوئی بھتے ہیں اس کے مفتل کی ارش در ہے۔
پیر بھتے رہیجے ہیں اور آخر بھی گھڑ ہے ہوگر یارس السلام التی بر بھتے ہیں اس کے مفتل کی ارش در ہے۔
پیر بھتے رہیجے ہیں اور آخر بھی گھڑ ہے ہوگر یارس السلام التی بر بھتے ہیں اس کے مفتل کی ارش در ہے۔

€€\$

(۱) اید امام تبدیل کرنا شروری ب⁽¹⁾ اگر قدرت بودر زکسی اور نیک امام کی افتدا، میں تمازیں اوا کی جا کمی (۱) اوراگر تفاق سے نمازیز مدلی تو ادا ہوجائے کی لیکن کر دو ہوگی۔ اس شروعی العقید دو فیرو کا کوئی اخیاز کمیں ہے۔ بلکہ سب کائی بیٹھ ہے اگر بی جا ہے ان اساد فی اورافضل موقاجی کی کہ بدعت کفر کی حد تک زکیٹی بوادراگر بدعت کفرنگ بیٹی ہوتو تماز محجے نہوئی اورافٹا نا خروری برگا (۲۰۰۱) جن اماموں کے بیچیے تماز میج نیس ہوتی بلکہ تمرود موتی ہے۔ دو بہت سے تشم کے لوگ میں ان جس سے آیک فوٹ ج

ا) ويسترج وحوساً لمنغ أو ظهير به فيسق قبال التراعين وان عزاء واجب على كل مسلم يستطيمه الدور المحدار كتاب طوقت ١٩٣٨م طبع حديد وشيعيد . ا ويدعول به الا لفتية واسراد أنه يستجق العرل الدورة المستحق العرل الدورة المستخدار مع رد المستدار كتاب المسلوة بأنه ١٩٤١م في ١٩٤٩م عليم مسيد كراجين.

به حسيمه آن يمكون امام القوم مى العموم أنضمهم فى قملم والوراغ وامتقرى النائار غائمه كنات العموم
 ماب من هو أحق بالأحام (أو ۱ تاطيع مكتبه الإدراغ العراق كراجي.

وكما في الدر المعتاوم في والمستار كنام والصود بال الإمامة ١٠ ٥٧ هـ ١٥٥ هـ الع سمود. وكما في الهر الفائل كنام الصود بالمالا العامة ١٠ ٩ تطهم دارالكتب بروت.

التصليم خطف أصل الهمواه بالكون؟ الخ الثانار حاسه كتاب العبلوة باب مراجو أحق بالإحامة ١٠١/٠
 طبح إدارة القرآن كراجي.

وكندا في نبيين السعة ، تن تجرز الصلاة خلصه صاحب هوى او بدعة ولا تجرز حلف الراقطي التجهيمي والقدرين - ، حاصله از هوى لا يكفر به صاحبه بحور مع الكراهية والاهلا كناب السلوة بات الامامة والصديق في الصلاة (الده) خيم مار الكتب بروت.

ا ورمیندرج اور دا از می منذ دین اور کنز و بین والا نمی این این داخش بید ^{(۱}۵۰۰) این کا بواب آید ایش ایز کا بید که که از قداتی سے دیسے آولی کے بیچے کر ویز بیون قد نماز ساجات کی اور لوز رافنس دو کا (۱۵۰) مردشگر بده منصاب دانس سے افتراز قرارا اواز میسید و ۱۵۰ بیونگی بدعت سے سف ساحین میں این کا دردشکا او کلی و قدر منتظ و افذائو الفر

البران فقات ال الدمغيان ۳۹۴س

ابشأ

性が多

میں سے قیم سے والی کے جو ب میں بنا ہائے ہے اول یہ معت کا لائے مقیار قربانے ہے ۔ اس سے جو سازن کی کیلی حض حض ورت ہائی ، وکئی ہے انتخاب کو آئی ہے ان کی قائش ہو ہو اس ای ہو سے ان او سکتے ایس قر نجر میں ان کے لیے ہائی رائے تو تقرار نے میں آواد آن کر رہ وارت آئی کی قائش کے جو جو میں اسا ان کے لیے ہائی شرک اور میں تراق میں تو کو گئی ۔ اس قرآئی سے میری واقع کا مطالب ہوا کہ میں قرآئی سے عاصال شرک و مجمود کا جوں میں قرام میں تو کو کو اور مشرکین کا سے جی چھران آئے گئی طیال کرتا ہوں معربی حوال ہے والے جو کا میں کی مضامت فرما کیل اور کیا ایسے لوگوں کی افترا اور عظیار کر میں جائے کر ہیں ۔ جو ان سے جانا جو کو ہے ۔

$\sqrt[4]{6}$

اہم المتیا علا مغرک کھنے ہے گر یا کرت فیسالار مدلی کا لفظ النتیار کرتے ہیں تا کہ عاری اوان ہے۔ کوئی مختم اللے جمیق کے خواہ رشرات کے الزام شہارات جائے ۔ تاب اللہ اس سے مجی بھی جس کرتے ہیں کرت

 ⁽٤) وكار مامه قدة الدسار والمستداع والإعمال والدائم من الع مبين المحمالان كتاب العصوفهات الإعامة والمحدث في العملوة (١٩٥٦) عند دار الكماء برود.

وأصفا في المدر المستحدر منها إلا بتكر والعامة عبد الا وقامين الدر العبدي الع كتاب الصنوة دب الإسامة - (200 طبع سعيد كرا بني أوكد في خلاصة القدول كياب الصفوة انفصل العامي عشر في الإسامة الإقداد 1/20 طبع عبداً

بغیر حقیق کے کئی کوفافر یا مشرک ندگت اور اپنی نمازوں کی بھی حقاظت کریں رکھے العقیرہ اس السنت والجماعت امام کی افقد امکریں ⁴⁰۔ فقد والفرنغانی عنم

عبدانشعقا فذمزعتي ودبرقام احلوه عمال

حضورصلی التدعلیہ وسلم کو پشر نہ ماننے والے کی امامت ؟ تھم

﴿♥﴾

محیاقر مائے ہیں طارہ ویں اس منتقدش کی ایک تخص کا پر مقیدہ ہوک سرکارہ و عالم سلی القد علیہ دیم کی ۔ السف القدس ہروائٹ اور ہرآن میں دہسیر ہے اور نشیب وغراز کی مالک ہے۔ کی ہے الشاہ ورحد ہے رسول اللہ اللہ اللہ وسلم میں اگر چدمت کے مصداق ہوں یا تدبوں کو کمائٹ کا ارشاہ ہو کہ حضور ملی اللہ علیہ وسلم خود بنا اور بشریس ہے ہمی ہم نیک راسفتا ہی کر ہم ملی اللہ علیہ واقع ماللہ تعالیٰ کا جزاییں ہمارہ پر عقیدہ ہے۔ رائع عقیدہ ہے۔ رسی ہداور ہم نہیں ، ور شرار ہو گئی حاضرہ ظریس رکیا شریعت مقد سرفائق کی ہے کہ السیالی میں مقد سرفائق کی ہے کہ السیالی کا میں مشکور فراد ہیں۔ ا

્ં∳ ફેંડે∳

یے مقا نراور کھا ہے کئر ہے ہیں ۔﴿ العیادَ مائنہ ﴾ میسے تھن کے بیٹھیٹر دھیں دوتی (*) ۔ وافقہ اعلم محمود مقالت الذرائر تکی مدسمان مراحظ ہمیان

 ١) يسحب أن يكون امام القوم في الصنوة أعضلهم في العلم والوراع والنقوى والقراءة الثانار عمالية كتاب الصلوفيات من هو أحل بالإمامة ١/١٠ وطبع مكته دارة القرآن كراچي.

و كفا في الدر المحتارمم و دائمجنار كتاب الصاوة بات الإمامة ١/ ٥٢ م طبع معيد كر اليي. و كفا في الدر الفائق أكتاب العيثرة بات الإمامة ١/ ٥٣٤ فاتع دار الكتب بروت

 ج) ومبتدع ها إحساب بدعة وهاي اعدة الاحداد ها الاستعروف حي الرسول إلا يتعاندة بل سوع شبهة الإسكندرية وأن كنمريها بالا يعيم الإشدارية اسلاً قدر طبختار مع ود كتاب العمرة باب الإمامة
 ١/١٥٥٥ مراد عليه عمد كراجي

و كندا في حيلاصة القشاوي كتاب الصلوة لفقسل الجامي عشر في الإمامة و الإفتادة ا أو 14 الشم. وطهدية : وأكبدا في اللبنداية شرح الهداية كتاب الديثية الب الإمامة ٢ (٣٣٢-٣٣٢ طبع دار الكتب مروت : "كما في الدر المحتاز واعلوانه لا بعني بكفر مسلم الكن حمل كلامة على محمل حميل الوكان في كفرة حلالة ، ولوكان والكن رواية ضبيعة حمل ١٣٣٩ع لا طبع منفية كرجي

انجائے میں ہر بلوی عقا کدوالے کے بیچھے نماز پڑھ لینے کا تمم

€∪∲

أكيا فرمات جير علوره ين ان مسأل عن كمه

(۱) ایک انسان نے بھولے سے ایک ہر لیوی امام سجد کے چھے تماز بابھا صف ہا مدی ہے کہا اس انسان ہر اس نمازی تضایعنی دوبارہ ہاستان رم ہے پائیس آیا صرف تماز کروہ ہوجائی ہے اور تضایعی دربارہ معان زم نیس ہے ۔ (۴) ندکورہ بالا انسان کے لیے حدیث تریف کی روشنی میں کفراور ہے دین کا فقائی انگ نے دانے کے لئے شریا کیا عمرصاد دوڑا ہے۔

45}

() یہ بلین اوام کے مقائد و طیابات اگر شرک مخل تک ٹیل میٹنے قطار رسم و برعات وغیرہ کا قائل و سرتئب ہے قائس کے چھیے نماز کر و دخر کی ہے ^(۱)۔(۴) اید فقائی لگانا محی شیں ہے ^(۱) بال ہر بلی کیا امام کو مستقل امام بنائے رکھنز جائز نیمیں ہے۔اس کے چھیے افقائد اکر ناکر و دنجے کی ہے ^(۱4)۔ ایسا کفر کا فتوفی لگانا آنیا و ہے تو بکر لیزا شرور ک ہے ⁽¹⁴⁾۔ بفتا و الشافعانی اعلم۔

مرره عبداللطيف مُغرِّك الجواجع بندوا حرعة الفاحد هارجس الإساعة

1ع الكالرميد. ع فكر مامامته ويكل حال عل مشيئ في شرح المنبة على ان كراهة تقديمه كراهة نحريم ود المستدر كتاب العشوة باب الأمامة 40.10 صبح سعية كراجي

و كذا في حلى كير أكتاب العبلوة باب الإمامة عن ١٣: ٥ طبع سعيدي كتب خانه. و كذا في حاشية الطبيطاوي على مراثي العالاج كتاب الصاوة باب ١٩٠٤ طبع قديمي كتب حاد.

۲) و كان مين كان من تباشته ۱ باكم بها اي بالهدعة المدكرة السنية على شبهة اذ ١ حلاف في كذر السبت الفيادي ميروويات الاسلام من حدوث العالم الدر المحدور مع رد كتاب العبلوة باب الاحمة ۲۵۷/۲ طبع جديد و شبهه كولته.

٣) راعع الي خاتية ساعة سير ١

و كشاخوله تمديمي والديس فان فعلو خاحشة أو ظلموا الفسهم لأكروا فلله فاستغفرو الذاويهم سورة العمران درمة: ٣٥٠

ہر عتی در معم دین ہے عار ک شخص کی امامت کا علم

∳ U

40 m

پیتخش مبتدن ہے اور جب کہ وہ اتا جا ل ہے اس کی ایامت کر ووہے۔ اس کو بٹنا ٹالل سجد براہ ازم ہے لکن آپ کود وسرکی جگدا میں سے ایکن شال منطقا ای ایام کے چھے شار پر حضے رہو (الاور مسئل آپ بنجے اور بائد علم ورے مطوم کرتے رہو (* الاور و کی صورے بندہ ان بھرائی تھے کھاڑ ہے کہنچ کی کرتے رہو (*)۔

 ⁾ مسلم، خلصة فاسق أو مبتدح تال مفتل المجماعة قوله مال عضل المحماعة الدو إن العملوة خلفهما أولى
 من الانتشاراة لكن لا يتال كما يتال حلف تفي ورح «الدو المحتار مع ردالمحتار كتاب الصلوة باب
 الامامة ٢٠/١ ١٥ طاح بجمالهم معهد كراوي

ي كندا في حلى كبير كتاب الصلوة باب الإمامة هن: ١٤ مطبع سعيدي كنت خانه. وكذا في معاشية المقصفاوي ملي موافق الفلاح كتاب الصلية باب الامامة ٢٠٠٢ طبع فديسي كنت عنان.

٢) فاستلوا اهل الذكر أن كتب لا تعقمون سورة الإنبيد ١٠.

٣) ادعوا الى مبيل ربك بالحائسة والموعظة الحسنة سورة المعل ١٦٥.

حضورهسی القدعمية وسلم كوعام الغيب مائنے والے كى اماست كا تعكم

₩ (1) }

کیا قرورت چیں معاود میں مر ال سند کہ کیا۔ آون ہے جو را مام سمچد کے چیچھا اس لیے آر زخیل بڑ متا کہ ا امام سمچد گؤا دیونا ہے ۔ لوگوں سے اپنے لیے چنادہ کراج سے اور تضور سنی اللہ علیہ وسم کو عالم الغیب یا انا ہے تو کیے اپنے عام کے چیچھے کمار دورست ہے و کمیں ۔

\$ **€** \$

جس گفتگر کا میدهند و بستاک دنامیا کی کریستنی امتد مید وطعم واقع خیب نین اور دو در زیب کیا بات کو جائے میں اس کی امامت ورست نمیس (۱۲ مالم الفیب صرف امند تعالی جمل شاند کی ازامت ہے (۱۲ مید تعال امند تعالی اظمر

این دکار فرزشا پخوان دلجواب کمچ آن میرونشاها اندامی ۱۹۱۸ مادی دافری ۱۳۹۱ م

بدعات میں حصہ لینے والے کی ماست کا حم

¢€

البیافر بائے ہیں ہو ور بین متعدد جدز فی مسلمہ میں کہ

 () وذكار السحفة تصريحا بالتكفير باعتقاده و السي صني الله عليه وسلم بعلم العبب شرح فقه الاكور إلى 274 طبع دار الشفائر بروه:

و كناه في تسوير الانصار مع الدرافسطار وبكره سامة عبد 10 وماسق 10 ومثام خ الأخار مهاوان كيمبر عبدا صلا بنصبح الإصدارات المبلغ أعتاب النصاد كرد باب الإساماء من 19 19 جاء فيم سعيد كوابهي . وكناه في حلامية فاغتماري كيمال المصموم العامس عشر في الإسامة والإقطار 1/10 كار طبع رشدية كرفة

إلى قال لا يعلم من في المنظوات والإراض الديات الاطلة سوة النفس ١٩٠٠

' جو آولی واژگی منڈا تا ہے اور جو آبی لواخت کرتا ہے۔ ویسے امام کے چیجے نماز ہوتی ہے یا ٹیمن ۔ جو امام کی رہو یں بھی کھا تا ہوواور آل شریف بھی چاھتا ہواور شرکین کا جناز و بھی چاھتا ہواور دیکر رسویات میں بھی حصہ لیٹ ہوا ایسے امام کے چیجے نماز جائز سے پائیں ۔

€&\$

بنے جمعی کی امامت کر ووقو کی ہے ^(۱) رادگی امامت نیں راس کا مامت کے منصب _{کی} فائز رکھانا محتاہ ہے ^(۲)۔ فقط داخرت کی افکم۔

حرده محوا فورشاه حرجب ۱۳۹۹ اس

عقائد فاسده ركينے والے كى امامت كانتكم

\$ C \$

کیا فرمائے بیں علامہ کے ومفقین ترق حین اس سند کے بادے شن کرمکنے کی سجد کا ایاس ہر ہوی ہے ۔ اس کا عقیرہ وصفور اکرم صلی اللہ طیہ وہ روسلم کے متعلق حاضر ور ناظر یا عالم الفیب کا ہوا ار با الل حدیث کہلاتا ہو یہ ہے تو دیوبندی سلک کالیکن ڈاڑمی کٹرا انا یا سنڈ دانا ہو تہذوان سب صورتوں میں الن عصر سے کے چھپے نماز واہر جاتی ہے یائیس ؟ جنواتو ہروہ

€&}

جس برینوی کا مقیده ای کریم طیدالسلوم و اسلام سے متعلق بدیر کدوه حاضر و ناظر جی الم خرب

على أن كراهة تقديمه كراهه تحريم والمحتار كتاب الصلوة داب الإصامة ١٠/١٥ سميد
 وكذا في حلي كثير كتاب العلوه باب الإمامة هي: ٢٠٥ هلم سميدي كتب خابه

وأكبدا من حاشية الطحطةوي على مراقي الفلاح كتاب العبيوة باب الامامة ٣٠٣ طبع تديمي كتب عاتم.

) وقيه اشارة أسى انهيم لو قدموا فاسقاً بالسون بناء على أن كراهة تقديمه الع مبلى كبير أيجاب الصارة باب الإمامة هي: ١٣٢ عليم معيدي كتب عائد. جائے جی قوائی کے پیچھے اور نے منابع ادائیس ایا ⁽¹⁹) واٹی سے پرخربہی صان اگر جی بھٹی ایرے جی کہ ان کے پیچھے تکی گی آغاز یا مال ہے اور لینش کے پیچھے خالف اسٹیا دیا گرمو جی ⁽¹⁹ ایاف یہ اسوال معلوم ٹیس ہے اس کے انتظام میکن ہے کہ ان کے پیچھے فرون ایا تی اس^{کا} اور ایر نامی ادارہ میں ندتی ڈاڈ می منز سے اگر چیچے مجھائی سے بھٹر کی موجود کی شرک موروز ک^{ر ان}ے وابعہ تھائی اہم

قبروالوں سے مشکل کشائی کا عقبید ور کھنے والے کی اور مت بحظم

∯∪ }

آنیا آرمائے چیں ملا دو این در ایر مشرکه آس آوی کا مقید دیے ہوک هفتات توسی العدملی و آرد وسم طم غیب جائے چیرہ در انٹر(خیاان) کئے سے معد کھنا ہے اور قبر وانوں سے عاصف دو ان مشامل کا ان کی سفارش کروائے وشرور کی بجھاہے میں کے چیجے خاز یا معنا اردائی آوسٹنگی امام بزاہ دو سے سے پاکھنی ۔

 إذا و وكار السنفية تصريحنا بالتكليل بالمنفؤة و إن أنس ماس المهاجمية و درم يعالم العرب المراح المهذه الإكمر الس ١٩٦٥ و طبع دارليشيال مواوات

وي كوم العدد في مديد و ومتابع في كمر بهم وان كفر بهدمة يعرج الإفتاد به عبكال و المستقل مع و ذكاب الصلوميات الإمامة على ياده شمع معيد أثر بهي.

أسوير الإمصار مع الدو المنحشار أكتاب المسولا بأب الإمامة بالرقافة وعاداته فسرسميد

وكما في خلاصة الفناوي كتاب الفصل الحامس عشر في الاعامة والاقتداء الإداد طبع رشيديه.

 ق) ويركار ما تامخ عدد أم رادي وقائدي وأندس و دند ع روماند ع) لا ركام الها وال كام الها ملايط ع الاقتداء المبلأ غير المعقول مع وم كتاب المبلوة بات لامامة ١٠٥ ه هيوند.

وكفاغ النامة شوع الهداية كتاب بصاويات الإادامة ٢١٤٣ ٣٠٠٠ شع وارالكب يهروب

. وكنفه في خلاف النصاوي كمات الصلوم للعمل الحامل عشر في الأمان شع ١٤٥/١ طع وشيدية كوفت.

 لا يستعنى لسقوم أن يقددي بالقاسق الافي الحديثة لابه في فيرها يجدا اداما هيره ردائسجيار كتاب العينود داب الابامة ١١٠ تا قطيم سعد كراجي.

وكافيذهن فالحراشران كنافيه لحالوة الداالامامة فأسادا كخم وشرسه كوناه

وكداهي عشي كتاب للمبلوة باب لاهامه من ؟ ١ فعليم سعيدي كسب حافه .

ر) على الى كراهة تقديمه كراهة تحريم والمحملة كدات المسوة دب الإدامة (147 فاستد كراجي). او كدا في حيني كثير أكتاب للميلوم بال الأمامة بي (47 مطبع سميدي كتب جانبه وأكتبة في حاشية الطحملوي في مراقي الفلاح كتاب الصلوة بال الإدامة 6.7 طبع دار لكتب بروت .

$\sqrt[4]{5}$

الإشباء الإما العلمها الله العليم إن الإنباء عليهم السلام لم يعلموا المهميات من الإشباء الإما العلمهم الله تعالى احياما وذكر الحطية تصريحا بالتكفير باعقاد ال السبى عليم السلام مصلم النفس لمعاوضة قوله تعالى في لا يعلم من في السبرات والإوض النب الإالله كذا في المسايرة من 20 ا⁻¹³.

ا کنی معلوم ہوا کے تنفی ند کو رکا مقیدہ تعطیب ایسے تنفی سے جھپے تو اپنے ہے اسامتر از اوز م ہے۔ اقتدا والذاتو لی مقم اس تنفی کی اقتدا کا سااور اور مارہ نا ہائز تیس 2 الموالیون کی تع

لدم یا ختلاف ہوتو کس رائے پیمل کیا جائے گا

ش * *ن*

تعربي ومحمة في بزر أوارم وما ب تبار مفتى تعادصا حب والام العلوم ملتان به

٢) التبراح العقه الإكبر أن المقرال اسم للتعهم والسعس هي (٢١) هليع قار البشائر ميروات

ويكل والمادية عبد الروفانيين وستندع لا يعكن بها وإن كامر بها فلا يصبح الإفداء به العالم تدير الإبدار منع الدر المحدور كتاب الصلوة باب الإمامة ١٩٤١ ها واطنه في حلامية القدوى كتاب المبلوء المسلل المامين عشر في الإمامة والإفتداء أرادة الاصبع وطبيعية كوفف

وأكفا في النتابة شرح الهقابة ٢٣٢٥٦ همع دارالكت ببروت

ا یونی عامت کومر مجام بالکین ای فرعه میں میری عربھی آخر بیا ما فعہ مال نے قریب ہوری ہے یمو 🔟 کے طور پر جمک کیک وال ایس تعیمی که کمنی وال تحریک بیاج کا وقت باجها عنت نماز دو کی جور جمن کی دید قیم ما طرق ا و م جو لی تکی به ور ناچن کے دوم اللہ تارک و تعالیٰ کی یاک فات راضی ہے یہ وہ ' و یہ بی وقت اوا مُکل فریضہ ے لیے مجد میں آ جاتے تھے۔ جمال جوال زمان بدلیا گیا لؤک کھندا دان مکیم یافتہ ہوئے گئے ہو شاہ صاحب یٹی سیونلی شاہ رمول ہے متلز ہوئے گئے ۔اس کیا مدمرف ان کی قبر جا شری ، ریاتی ہی مرآ ، فی آئے ساتھ بدکھا می تھی کہ جس ہے بھی جہ ہت کے ہے فرش کی جواب مل کہ بھ ڈیا نے کوئی ایام ہے آ ہجر آخرا میا عی کیا گیا۔ دومرا ایام جو کہ ما ذاہ قرآن یا کسینی شریعت تھری یہ چلے والہ اور پہ ٹیجوں دخت معجد میں حاضر ر سبته والذاليا كيرية جمل كير آينه برقبله ثناوهه هب مؤجته نام خود بخو دامامت المع استعفا و _ كر الگ ہو تھتے ، میکن اس وقت ہے عہد ۂ امارت یا دنی بازی کی تذریع کیا ہور اس اور مصحیر نے جواروں باقیں ناجائز شنے کے یا جود مرحد تین باواس ڈیائی کوسر انہا م دیا اور میسوز عمیاں بارٹی بازی کے طاوہ اماست تبورات كاسب اور محى تفاوه بياك توتي المام مجداة كراهم باب داداست وسيط بطرات بسرين وشافات وي يوقون رويبية لأخ ومبتلغ بالكي ويبيريوسية كام ياك اور يكوشم أكول مرجوا خاتو بالكي ويبيره بالكام ياك ا دروبا تمن با چار و مسب تولق میسر راوزه کی پیدا دوق ۵ روپیدگان میں از ان ایپ کے اور میدول پر ممی غذى حاليس أنب أكركر ساتوميز تك اوفعل وقتاج <u>المؤكز و كيوير</u> وفعل فريف به خذ كندم يا يجزا فهن میرٹی تھے۔ شکور وقام مفتو کی جم بھی اس امام کو کل نے نہ و پیلیکن ایک نائم رو کی عرب تین رو بھی وی کی ہے۔ معرف العيند وبذالت فعادازكر وخواميع سروب بالاواروينا تغاربهن يراس كالزار ومشال غراؤ ووجي أي فرَيُونَى ، ہے دشیر ال موکین کو کھو وز ترام کو میون ہے ، کہا آنگ پڑھیں قوات آن کی بر برائی ہے ماہ رمضان البارك وحيوا وآثميريها بالكه آولي جوياني وتت كالفازي اورانها آوي بيد اوربوموفة قرآن بأك تر منیں البت چند مورش یاد غرود میں سرف برائے ٹرامن کیاو بھلمان میں مقرراً ما محد رہمی نے تر وسط یا د رمقها زيرة آبوميا حاكمي مييزكل بزحاني اورفيد مراست الكبه جبزا كيز اساغوس روييه بطوريد بدورا محاله جب اس نے سے پینے دیکھی کہ عمارے اپنی کر لی اور یہ آ مرتی قواس نے سابلیز امارے کو مضوط کرنے کی شاطر ہیر یزے زمینداری خوشامد کرئی شرورٹا کردی اس کا انتجہ بیاءو کد آن کے دن تک دی بام سجد ہے۔ آن الحبک مردنه آبیک سمال بوگیا ۔ ریاد و ہے! یا و واکیک یا دووان کی تین کریسکل کیا اس نے انہراور راحم کی جماعت کرائی وہ اِسجد پی آیا او تھی وئم کچرا مغرب عمقاما عرصہ ایک سال سے عاری سجد شراح رف تین ناتم ر زناعت موٹی ہے دور کی اور ہے کہ کائی وگ موجود دار مرسجد کیے جھے نو زُنیل بڑھنے مسجد میں مانے مغرور مِين أَنِين جِيَّا إِنِينَ الكِسالَكِ مِنْ عِنْدَ إِن ماس كَي وجِالِكِ قَرِي الْ يار فَي وازي جِلَّي أ ربى بند وومرا جوامام كا طر میته کار که معرف مندوب بالایتن نامشه تا ہے۔ آپ یا نم وین بین به از را دکرم کا فی توتوں کی نمه زول کا خیال فردا کر بریکا بی شرع محمدی اورظ ایت از بعضه والجماعت کو بری محم نامه میمیج کر مشکور فراہ میں۔

€ひ�

() مجلسة أن يتكنون اصام الشوم في المصدودة أصطلهم في الصواراتوراج والثقوى والقراءة والحسب
 () الثانار عاينه كتاب المسرة من أمن يتلامامه أناء الأطلع مكتبه الإمراة لقرآن

وكدافي الدر المحاركتان لصلوة باب الإهامة ص ١٥٧٠ طبع سفيد كراجي.

وكداهي النهر الذالق كتلف الصنوه بلف للأدهية الإلا المتاع دارالكانب يبرونك

٣) الدر المحتار كتاب الصلوة بان الإمامة الراء ٢٥ مامع سعيد كراجي.

وكذا في التادار هاليه كتاب الصنوة مات من هم أحق بالإسامة ٢٠٠٠ فسع إدارة القرآن.

وكداهي انتهر العالق كتاب الصموة باب الأنامة ٢٣١١/١ طيع دام الكتب.

) الذم المختار مع الرد كتاب الوقف 1/103 طبع حديد وشياديه كوك .

مشكرة المعسابيح باب الإمامه ١١٠/١ طبع قديمي كند، خابه كراجي.

وكذاهي ستن ابي دفود شريف كتاب الصائرة بالسائر بن يؤم وهبرك كارغول ١٩٨٨ ملتع راحباب.

لين مسئول من يهي دنية أكبن ب كرستفاه و يرادم أو اكتاب اوتاك وفي المقاوف راه باغ التي تمكن كرا خفوف بيد اي بوج سن قا أخريت ي فيعاركها جانا جا بين ادرج سب أواكثريت وفيعال المم كرايا جا بيب البتوال بالبت كاخرود فيان رضايات كروا المحك الرموية داراد وبائج وقت فاز باجامت كانتمام كرات (محلق العبد الكوم عبد العراق السبو واليفوع) بين المعسنويين (الوالعجباد التي العوم) قان المعلق العبد الكوم عبد العراق والترك والملم

حرر وتحديوه أنا وفقرية كبيامغتي ورروقاهم إعطاره بأناك

۳۸ و الاسرو۴۸۹ ی

ولحواست بحرومغ الغدعة مختل مارسكاهم اعلوسطالان

المؤلى تعدو فيلاياها

بلاهبيا يك امام مزال كركرود مراامام ركيني كأعلم

<u>هُ کَ هُ</u>

کیے فرورت میں نمارے واپن اس سند میں کر یک گفس جوع مدین مالی ہے ایک چکٹ کی سمجھ میں اماست کر روزوں میں بھی کی شم کا شاکل کا لاے تقعی نہ مورچک والے سے اوست سے خورج کر نا چاہیں انگر چیش مام سجر تھوڑ نا چاہد ہے کرت ہو بندہ واصلی کا انگر رکز سے ٹیکن اس کو جھوڑ کر کے اسے خارج کر کے وور اوارا مع المرز کرد یا جے کیا شرح میں اس وام کے بچھے ٹو زیز حاز جا تو سے یا ناجا تو۔

جوارا م مرعد بین مبال سے قراز بر حالے وال سیدائی کے بیچھے کیوشند کی فراز بر عناقہ بر بین آوا ، مام مجد خود مخ دیموز و سے یہ مجوز سے بر دومواں کا جواب قریم کر کے تعمیل وارتمس جواب و ایس فوازش ہوگی ۔

روز الهيديين أن يسكون السام الفوج هي المراوية أو هذا لها برادى الرامة الموافق ع والتعوى والعرارة اوتسعيد م الدور مداينة كتاب الصفوة بالدامن هو أحق بالإسامة (/ ۱۰ ماضع مكت العارة الفراق كراجي. - وكذا في الدور المستنة كتاب المساوة بالسامة (/ ۲۰ مامه ۱۳۵۵ ضع معيد كراجي) - يكون الرامة كار العاد برادي قران والأمارة الرامة الرامة المشكرة المستنف برادي

و اكتراس المهم بالتركي الداري مصدرة ما من الأطامة 10 11 14 عليج والأكتب العصمة الدولات. 27 المدر المسخفار مع راد كتاب طعيقية المهد الاستدام (2000م) 20 طبع سعيد كراجي. وأكدا في المائيز عالمة كتاب الصلوة من هم أسمق بالإصابة 201 - 9 سبع إدارة طفر الراء. والدا في حالب الطحفاوي على مرافي الممالاح كتاب الصلوة بالدامة عن 100 طبع داوارة كسد

a Z. a.

دوم بساماس يخيف رئة جائز بالكوائل ، لاماست پيدامام تف جكداس ولائق كار في أولي البارد . مع مل كيا كيارو كرامام ماري بي م في قرالي له موادر الموجوان كونكالا كيا بوقر تكالت الساع المورد المورد

موازش تا ب مغتی در بر قرم اعقوم مانان البواب میمنم تعوم علام ان از منافق باز در قرم اعقام مثمان

جس شخص کی انامت برنماز بول کی اکثر بیت راضی ہو

هِ آل الله

آنے آر بات میں طاور یں دری منالہ کہ کا فررائی آئٹ بت عبداللکورکوا مام مجد برقرار رکھنا جا حق ہے۔ مبداللکور فیلہ میرے مزیم میں کا رائی ہے افراز کے مسائل ہے، انقیت رکھنا ہے۔ کھل قر آن مجھ میک کلفا ک ماتھ ناقر وہا میں جوا ہے اور تقریباور بارم افران کوئی لارمی ہیں۔ ہم ابالیون جٹ کی بیاد کی قرایش ہے کہ آپ مبدا کھ زوان شراک رہا گئے مربوم ازم الجہ ابام ہے، وٹ جا ٹیم مطلی قربادیں۔

أي قو فدموا غير الأولى الباؤليلا إلى الدائد الميات، اكتاب الصلاة باب الإمامة ١٩٨١، ٥٠٠٠٠.

[.] و کندا می اشتمار حامید کتاب ایصاد و دات می هو آستن بالامامهٔ ۲۰۰۱ تا جمع (دارهٔ القرآن کراچی . و کندا می سفیمهٔ انقلعطاوی هش مراغی افدلاج کنات ادا بود بات الامامة ۲۰۱۱ ضبع دارالک د بروت

أن الروز و حاليس من الدفاء والسلاح مواد الاس أدامه والرمانة مراه (الاحرافقه الساول وتركوا السخة ولكن لا بالمون الدفار حالة كالم أكر وجراء ولكن لا بالمون الدفار حالة كالم أي أكر وجراء وأدار والدفار والإدامة المراكز وجراء والدوار المراكز والمراكز والمركز والمراكز والمراكز والمراكز والمركز والمركز والمراكز والمركز

هم الدارينجار أكباب الصفوة بالبالدانة إلاه فالمقاطام بجيد أقراجي.

ا و كندة فتي المبادل سالهم كتاب الصلوة بالبرامي هو أحق بالإدامة ١٥- ١٠٠ هيم إدارة القرائل وكذا هي الدائمة الطحطة في على مراقي الملاح كتاب المسترة باب الابامة هي:٢٠١ شعر إدارة العراق ال

が己声

ا آلزائنگاریت این کے ماہ جوئے پرون الدیلے آئاں کا اوس فادر سے ہے۔ یک وہ آدمیان کا آئی۔ آئی وجہ سے این کے خلاف پروپینگا کہ اور جائز گئیں۔ اراز الدفتار اللہ عم

». وبالاه كما الثاني مم فكال الباسطين مدروة هم العوسليان

2 1543 ____ (7)

الزائی میں مام کے ہاتھ سے کئی کوچوٹ نگ گئی تواس کی امامت کا علم ریزین کے

کے فرمائے میں ملاوہ میں میں مالدین کواکیا تھی ہیں اوم ہیاں وہ عمر ہوں کے بر فروز ان موقی ہے۔ اس کے ہاتھوں کی آدی کوچوٹ کی ہے قرائی سورے الا دروجی ان امام کے جیجے ان بالا سے واکھی ۔

क्टुल

ا اگراها م فرگود این تنظی سنده آمینا آب دو با نند ادا کشر آناز گردش کی امامت سند داختی دول آنا را کو امام بازاد دست بها اسکاور این کی امامت شدهی رکم کردا و مناکش سند فسال المنسسی عشیسه است ساو که او انسالاه النامات می است به انساس لا دنس که داخت که آخر داخر آنای ایم

ريما وجحرا سياقي فحف الندبيروا الب منتجي ما البرقاع المعموم ماتان والأبرات الماتانان

الله المساع ومقورة فقراع من المجلمون في (او برهال الى القوم فقل العالموا الفسر اكثرته براو و فشعو الفير الابالي المناولة لا اللم دراميسلم كان بالمناسوة بالمنافذة الأنارية فقع للمهد

[.] و آهاد فالي التركير عليه كناء لد عشوة للمحمل هو أحل بالاسامة (و د ۱۹ منع إدارة القرالي أو كدا في الحائمة على الطحيطين على مراكي لعلاج اكتاب تصويره الدالام مناص ۱۹۰۶ م و داراتكات ا

۴) عن استوارید ع مرزانستونی از انجیار این العواج فی احظمرا دید اکثرهم وار قدموا عبر الاوی میاز ادارا آنی، اشر السخان مع رد استخد کنید الصلوه باید الامام ۱۹۸۱ و ۱۹۹۹ هم بهها میدستند کو اینی و کشافی سائیه عنی الصحفایی دافق اسلام کنید با انصاب قاب الامام با ۱۹۰۱ کا باید فدیسی کنید جاید و کنده فی انتامل حاید کنیاب انحازه با باید مواجع می باداماد دارد به دام و دارد. افرانی این این این این این انتامل حاید کنیاب انجازه با باید مواجع این باید دارد.

 [«]شکرهٔ انتظامیم بات افواه و لاحتفار اس.۲۰۰ میو دایمی گفت اداد.
 « کاف می در اس ماحد داد. داگر انبایه بی ۳۳۷ شع دریمی کند. حالم.

نارانسكي بين افتراء كافتم

$\oint U \stackrel{\circ}{\Rightarrow}$

کیا فرمائے جین ملاسے و بین دریں سند کہ ایک آولی کی افا مسجد سند کا تی عرصہ سنے بوس میالیئیں۔ ہے مادید میرمو کی کے دونوں میں جھزا صرف و نیاداری پر ہے اور دیلی فرکوں نے اپنے دونوں کو مزائے کی گوشش کی نیکن منطح نیکن مرککی نہ امام مجد مانڈ ہے: در نہ شند کی و شاہے۔ آٹر اوٹن ہے کہ اگر مقتد کی اس اور مسکے جیجے شمار پڑھ ساتھ کناز دوکن سے یانجیں۔

ٷٷ

تحض خالور كراما مرفوكر كر يجيه مرزيز عركا وقماز ادا موجائ كي (١١ رفقة و الدخالي المم

بند وکھر سیال نفر بندار گجوا ہے مجھے کو میرانشد مخالف منا سریخ الرائی کا 10 معال

وريات آئے والوں كے طیال سے قر اُت كولمباكر سے واسعامام كومعرول كرنے كالحكم

4€ U 🏇

آبیافر ، ت چی نالمایٹ و چی در چی ستارک آنزگری ، مهمیا حیب آر آنت کمی گرتے ہوں اوران کو کماڑی لوگ کیس کرفر اکنے کمی نرکیا کر چی تو سر کہ چی سے مسترسعوم کیا ہے کہ بھولاک وضور نارے ہوں آ ان کے لیے آئر آٹ کمی کرد و آنزی تو اس و ۔ ب چی موش یہ ہے کہ جو وضور نارہے چی و کی تو گھی اور گئی '' جا کمی کے ان کے بلے بھی چیلے بی ہے کمی قرارت کی تیسے بھی رہی ہے کرمیے کو قبار جدا ہے ہیں ہے گئی جائے کوئ بھی نار ہے اور دیسے مارم چیم کرد ایکتے جی کہ کھے '' وقی دو کے کئی جی اب سے اس سے بھی کی

 ¹⁾ والتصليونة ضلعه أكل بر وفاحر من المؤتنين جائزة - كن يروفا جرائي صطح وطابح - الحالفولة صحيح الله حيثهم وسيميم صبور خلف كن با وقاعر شرح الفقة الأكبر الكنبوة لا تخرج المؤمن عن «الإيمان من (۲۷٪ طبح فار الامتيار اسلامات سروت.

وأكف مي حلبي كبير كناب الصفوة باب الإمادة هي ١٩٢٥ صنع سعيدي كنت خامد

قراعة أدول كا تاكر يرجى دوسته بها أن الدران الدوست في العاصد المستفاري عند كرائية أسته المستفاري المستفرات المستفرا

62 July 14

ا خردہ قت سند پائی منصاباخی سند بھا تھنا ہواں یہ پاکوئی ایسا میں جیس کے جہ سے اسال معنول کی جہ سے باراں کے چیچے فرائع وہ دانا کی طرق قرآ شاہی کا عنا اگرا انڈیٹ ان پر دانٹی وہ قریمی جا کر جت ورست ہے ایس را میکھن سب بھی سے کہفائی کا زمان میں اس فی اگر آئے تھی شاکر ہے جس سے معند درین اور باکوئی گزارتی کی سے (۱۰ فقط والنہ فائی اللم

رغو انگر از دل که فراهندار داشت کنی بدر درود نم نعلوه مادیان بدوروی ۱۳۹۵ و

بروج مام كى مخالفت ندكَ جائے

$\dim \mathcal{J}^{*} \Big)$

یہ فروائے میں موروش ورائی مثل کہ بلیٹنٹس اندا یورٹیکٹرانی ہونین مسل مللسد کا ان البید مورے سے ان والت کے اقت رائے کیا اور میں اموقول میں کو بازیر اپیا ووری وفیر وربے باتو ہوائی کیا۔ شورے

ه و بلك و منجر بستا و بصدير الصحيحة و نفي الفياء و المناطق قدر البستة في قرادة و الاكثار وضي القرواء و ا الاختلاق الأمار المتحقية العال ويهد الصعيد ، والمنقلم و لكنير المدارس المحدر مع و مدحسان كناب المستندرة المادية الاعامة - و 200 صح معيد فراجي و كنافي حدثية الصحفة وي علي مرافي الدائل الكامل المدروة المن الإمامة من المتحرة العرفية و الكاملية.

نجو ارائد اسب طعم بوقاتم الناس الماليان و و التي شن الماؤل في خاص النال الناسة و يووش بازي و مراحات كالمواد ال الدوارة الميرية على الميان الماليان المواد الماليان المواد الميان المواد الكواد الكواد و كالمواد كواد كالمواد ا المواد الميرية في المواد المواد المواد المواد المواد المواد الميان المواد الموا

ø **2** ⊲

ا الشّر ، ہے کہ الصحفی کے فیصل کو ترکی اور موتی ہے اور کو اسّ جواد ، فا اسّ و دونا ہے اور کناوری ہو وہ سرچمی موام (19 مردای ہے 3 ہو ہے ، وادو یا الناوصنی ویرد صدر فرج موام کی بدیدی سندار مردی ہو شرقی جیٹر یہ اور یکی سولوں مدرسیا ندار سے تعلق اللہ ہے 3 کو بی قواس کنا و کا درائا ہے اصوبہ کس مور اس ہے چہو نیدا ہے تا تو اُن کے دائر اور سے اندائی کی المامت واللہ ایک انجرہ واسمی ہو ہے ۔ وادم یا ایک جاتم ایری تو ہوا اس کا ادرائے اور یک ویکھی تا تاریخ میں ہے (19 کا دو ایس کو قوام میں والی کی تاریخ اس سے اور کا ایس ہے اور کا می

 و مناسس من النفسين: وهو الروح عن الاستفادة ونفع المراح به من بريك الأكاتر كشارات الحصر والبرائي والكن البريدا، محوالدات كفاعي الراحدي البرساعيل وتدمن كفات المجوف ما الأمينة وأداده حج الجرد يستسجيه والراكا في تصدر ووج المعالي عوالة الفرة المن تصر (10 / 10) والا الا طبع عار أحياء الرات العراق الكناف المراق عائمة المساطنون عن مرافي الملاح كدرة المساود إداء الإمامة عن 2 ما طبع في الأكاب المراق الروب لين

(ع) روض الارهبر في شرح فقد الآك و قال سعيد بن حسو إن راحلا قال إلى حد من رفسي الله هيمناكم المسكنة المسكنة السياحية السياحية

 كسم هي اشراطاي عن الى دريا درائين دنيا عند ذان دنل رسول الله صال الله عنيه و بنام المساد أحر المعاملم لا يتعود او با يكديه و الا يتعدله عن المسلم على المسلم عرام عراف و دامه و داه الم الله المساملة حدادي طفقة المسائم (1) (فا دام جرج بالرجاد م).

و كسا في تنطقه الأمودي الثنوي مهيا و . لا في رواية مسقو وبنير إلى مبدوه قال في مجمع طبحة . أقد لا يسجى تحقير المبقى من الشرك والمعاصق والقدي محله القلب يكون محفّ من الامن فلا استحكم بدفته الاحد مني بحقره كدت المرواعسة بات ما حدّ في شفقة تسميلم طلي المسمم . - 3 طبع قديمي كتب حاله اور ہے کناہ مولوق میں جب کا احرا اس دروقو دو وی میں رکھنا چاہئے ^{دول} مقبط والشقول فی عمر حق میں افرانے غزیر ہوتا ہوتا ہے۔

ا ختلاف کی صورت ہیں امام کوان ہے

کیا فرد نے جی طارہ میں دو میں سٹار کہ دو قدیم جی شرائھ بیاسات کیورٹے جو نے تھیے کہ وہ ایس اور ایس میں خوا دیں اسٹورنسٹ کی تحسیل ایک تھید جی ہے۔ شرائی فرد کا مدود گذر عجر مرا ارتعب اور ائی شرد کی تعلیم کا دو گذر عجر مرا ارتعب اور ائی شرد کی تاریخ اسٹورٹ کی تھیں اور کی اور کی دور کا دور کی دور کا دور کی دور کا دور کی دور کا مدود کی تاریخ اسٹورٹ و بھا اور کھیں اور کی تاریخ اسٹورٹ کا تاریخ اسٹورٹ کی تاریخ کی تار

عدق تي م

وتم الذا لرحي المنجر ويتح رب كالأمت كالق سيدات يبط بزائد وتم توجه المواكرين أوقح هم

الله على مشكرة المصابيع و عزر ابن عناس رضي فله حهما قال تال رسول الله سبى كه عليه و الله
 الديل مشامل لم يدرجم صعيرا و له يوم أكبر با و بامر المعروف و عه عن المسكر رواه الترمذي باله
 الشفقة و الرحمة على المبنى فعمل الذي حن ١٣٠ و صع قد حن كنب حاله

هن برابر بوان قرح من المجمد قراری دواد اقرائی می می برابر دون قرح می زیاد و مقلی اور برین کاربود ۱۰۰ می ایران ا محل مدا انتهای به بیندار مراتب فر مستقل کافتن اور سر به به مقدم به داخر چدو دو از انتهای سرد بیندا عالم می دور محسمه فسال هدی المصافح مستقل به دخل انسب حد من هوا و لنی ما لاهده فاصل ملاح المعادمة من الماج المصحلة فاصل المصحلة اولی کشاه فی الفت این که درا کرشی تناز مردوجات قراش زیاد وارس کا بیند فراه واقعی قرار می در دول و این ایندا شیخ اور انتران کو پینداند بیار تبدیتی به امام این بوسد کار اگر چدا برای کار فراف اولی ب

عن وقعيد المصيف لحقوال محين المتي مدر ساته م العصوم مذل المعاوم المدال والمعار والمادي وشارة معار

^(*) وهي الشاعبة حياجه قال الاولى بالتقديم الإعمار بالمسه إذا كان يعيس فراقة ما تجوز مها المستو فادا المستؤول فأكثر همار أقا فان تمبيا واهي المستوفار إحدوهي الكافي عن أبي يوسد ، أن الاقر أ اولي من الاعتمار وفيل المباؤر الأجهد ورحاً وفي تستووا فأكد عنا مناه كتاب بمشؤة باب الامامة ١١٠٠ من الاحامة ١١٠٠ منظري طبح ردارية النقر أن والمناوم و كتابي طبي كثير كتب البيدة باب الامامة من ١٩٠١ منظر مناب الإمامة كتب حياسة ، وكتابا في مسافيه المناسبها وي عسى من التي القلاح كتاب المباؤ باب الإمامة عن ١٠٠١ من ١٩٠٤ والطبع قديمي كتب مديد.

عديد أعدب الصنوة العمل الثامل من عو أحق بالإنجاء (١٣٠٨ ملح مكتب و شهديه أعرفته و أمثرا في الدر المحمد أكتاب العبل و بات الإنجاب (أوروه عنج أبود المدرسجية كراجي).
 و أكتابي الدر الرائق أشاب العبلوة باب الإنجابة (١٨٠١ و ١٨٠١) و طبح مكتبه و شهديه كوفته

٣) ادر السعند. كتاب السلوة بات الأمانية ١٠ ٨٥ ١٠٨ هم نهيم البول يتسلسبيد كراجي.

ا وكنده النبي مستطيعة استستحصلتان فطي مراقع الشلاح كسان استيسود ساما لأستامة ا عن ١٠٣٠ - ١٠٣ و ١٠٣٢ و الاصلع قديمتي كتب حياته اوكد في القيار حياية كتاب مطوفه في هو أحق التاؤه المدادة طبح إدارة الغراء والطوم الإسلامي

وم والصنة أشاد من الفنل الأبة . ١٩٢٠ - ١٩٢٥ تصمير اس أكند ، فضع فديني أكنت خامه.

اصل امام کے ہوتے ہوئے دوسرے کی امامت کا تھم

¢ J }#

62%

ا ہام میڈھیٹ (مین ہوجگان وقامت کا امام) جواد میں سے کہتی کے در وال کی اکٹریت کا مام ہے اور وہ مرام نماز جا حاریا ہے اس کے ہوتے ہوئے اور اس کے پیچے اسسمانی کے در والر سے تنم کی آوا است کرنے کا کئی موری فرز فراب کر ان آئندہ وہیا تا این اس میاس کے استانام کیا۔ کیونک کی تھی فرنوز اس کا بیائن کے آئے میں ہوا تھم رہے ⁶⁰ امام مربع کو جا ہے کہ والوگوں کا گاڑ ہاتا ہے اوا کرنے کی تاکید کر سے نہ بیال جو لوگ چوارے اور کم تھی اور مسائل تراج ہے ہے والوگوں کو گاڑ ہاتا ہوتا اور ان اعت والد والوگ کے اس کی

[.] في التعلقية أن (صناحت البيت، ومنه إمام المسجد الرائب زاولي علامامة من قبرة) مظلفا اللبر المحمل التاب العمود باب الإمامة والرفاعة علم - الرجيد بم معيد كراجي

و كاندا فالى الدودون الهسندية كتبات المسلموة فقصل القامل من هو أحق بالامامة ١٣٦٨ طبع مك. والمعادة كولاد

[.] واقطة هي السعر الرائل كتاب الصفوة بالساء لاحامه ١٩/١٠٩/١٠٩ وطبع مكنيه رائستانه كوثقه ٢). ومن أطلم ممن عمر مسجد للم أن يداكر فيها اسمه وسعى في خرابها الآية ١٩١٤.

ان م کے بیٹھے نماز پڑھنے سے امام کی نماز پر کہائی ٹوئیٹ پڑسکتا ہے۔ اپنے جائی اور ناوافق اوم لوکہ ہو اپنی فوافی صوارت کی وجہ سے اور دوم ہے لوگوں کے اشارہ سے لوگوں گوفاز سے روئے ہراز ہراڑ مام یہ روز چاہیے سلمانوں کے درمیان میں اتفاد ہوا کرز امام کا فرش اولین ہے ۔ بیامام لوگوں کے درمیان میں نشاد دفسہ دیمیل نے کی کوشش کرن ہے اور مسئمانوں لوٹنلیف کا ٹیا تا ہے ۔ اینے فخش کو مام نہ رہا ہے۔ جہاز کا کہ تشاور خاند تی کی آخر

بقر والعنت وافتد علم مذکور می که به آمر واقعه متفق نے سمجے ندیوان کی برتو یہ علم ند مرکار مفتی مستفل ہے۔ ایان کے مطابق جواب کا فرسرو رہے ۔

أنه وملااند ويستني وراري بمواطؤه لمكان

لهامت کا زیادہ حقدارکون ہے

* ان)*

کیا قروت علاو مقام مصر مداری استان کی آیت قوم نے اپنے قوی جونگی و کم ایک ان جرایا اس کی زندگی نک اوقام اس کی امامت پائٹنی تھی۔ جب و فوت ہو گیا ان کا براا اس کی جگہ پر شف ہو کی ہوں و مجمع المامت کے قابل تھا میں بیش امام سے رشہ داروں و خویشوں نے وس کو کہا کہ بھی تھے کو بیش وہا مہمیں بناستہ بلکہ جمہ برات خود اس قوم کی امامت کرتے ہیں اور بھش قوم کو انھوں نے بہتا اور پہلی و فریب سے جھٹ کیا اور ٹی الواقع میں بھی قوم کو انٹون موٹ کیس فزوا ور فرا دیجیلائے کے لیے تھی نہ ہو کہ ای جھٹ قوم نے تی المام جس کوئی عزال کا موجب نہ بالا میں قوم کا نے کہ مام مقدم کی امامت ہو رائی جو کہا ہو گئی ہو ۔ مردار نے امام قدیم کے تالف اور وں سے احضر ان کرتے کیاں مقدم سے نا داخل ہو تھے ۔ کیا میں امام جس امامت کی

إن وفي التائير حاب ويكره للوجال أن بصلو خلفه (خداسق) كداب المطود من هو أحق ١٤/١٠٠١ من ١٠/١٠٠٥ من هو أحق ١٤/١٠٠١ منه إدارة الفران

م كانا في المرائضة عال كتاب الصنوة بات الإمامة (1/00) طبع ابتجاء ابتها معيد كرايعي و كتا في النجر الرائل كتاب الصلوة بات الإمامة (1/1/1 طبع مكتبه رائيدية كرفته

ہے بیت خیریا رہا تک اوّاؤں نے کیا ک ہم نے ایام قدیم ہیں بھی تھوڈیوں و پھیا ھونے او مت مرضحا کی جڑا ے البقائم بینے قیام کوچھوڑے جی معام خدم کے وائل واک مورد کے مصر کے کے استان کے استان کے کے استان واقع ، درخعمون امام كەرشىزد راوراقى، يىھرك بىر ب القاق دۇر ئەت بىمادورسىا بىد كىغرىت يەز چاپ تېرە اور اینکے علی ووقعی دوم ول کواتھاں سے بذر بید مکروٹر یب تنع کرتے ہیں۔ براہ مہریاٹی عام مقدم کو جا دیستہ ورمیان ہے ان مفیدون کے نبخے ہے نہ ڈکالو اور رواز عباسی کے جنبوریش ہمیت انتخاب کیا ۔ علاوولان توم کالف اور اہام کے رشتہ وزیاں وغیر و کوئید و بیٹے کہ اہام مقدم پر زمارے ساتھ انقاقی کویں - سروا۔ صاحب نے ٹریایا کہ جھوکوتو او موقد م کی اوامت کرنا منظورے ۔ حکم پیوفیہ بیسی عوالم تبھی ہول اور نہ ہو ہے۔ علاق میں ایپ جیرو کنٹل عام ہے۔ الفرائم وفا ہے کے معرات مل اگر میں استثنا کر و امبرقوی ہے کہ خدا ہاک اس کی تو نیش اور محتیل ہے تھی رہے رومہاں متناز عاملہ رفع فریائمیں گئے ۔ مزیں کے موزیات جاد م بانی آے عفرات سے بوشوع مطلوب ہی فقرار کے انتخار کو رفع فرما کرسکتکورفر ہا وی۔ مام اول متعقم من کوزر ندید پر ہے تعلیم دیتا ہے اور ہو وقت مع حالی ٹس مشخول ہے وائے الیے وشتہ اروں وہ ان جون نے اس سے علم اول تقریق کے لیے اور اٹھامی اپنے ساتھ رکو لیے گرتم اس اوم کے عظمین کو الگ کرو-اور ہر مات تم بھی ۔ و ئی و تکنے کے وقت ال کے جِیجے چانو - اس براہ اوم ول الدار شادارون کے معلمسی کو بند ' کر مکن ہے کہتم صرف هناه دائس تو م کر شب کرتے ہوا ور میاہ شاعوک تر رائیں دینی بغیر: دیا ہے ۔ اور سام قعد کھا اور توم وافق کے بائیں اتھاد کی بوند رہ جائے از راہ میرونی احتماد ہے کہ سائل مرقومہ و نامخش و مرتکی ية حوالية كتب رسال فريا كمن، جز كم الدينجا في من

¢نُ¢

ا کرایام اول بھی کوئی قبارہ بنی مویدہ در اکوئی اس سے بھی بالا باسٹ موجود ہوا درہ واک کے دوجود اس قباست پر معرب اور چھوڑ نے رکے رکھی تی بھی تھ الماست اس کی کروچو کی ہے ⁴⁰ اور اگر شقواص بھی غیرہ موجود کے حال بھی تحالیوں نے خودا قرار کر رہے ہے در ندرجود الام اس سے انٹی جالا مامٹ مثل اعلم و قرآ جوقواس کی ایا مصلے بدر کر احداث کی ہے ۔ بلک اس کا مزائی تحربہ و جوکا اور طاقعی ناج تفریق فیک استعمین کے رکھا ہے کے انجام بھوں کے ⁴⁰ درات رہیں ہے ۔ ووالسو او خسو مسسا و حسام لسندہ محسار جنوی ان

د) من متني في هراح المديد على أن كراهة بقديمة والدامن) كراهة بحرايد الشامي أكتاب العبلوة باب الإهامة هي: ٢٩٠ طبع ، الجدابية معيد

و كذا في حسى كثير كتاب الصفود بات لامامه من ١٣١٥ ميغ منعندي كتب حاله او كذا في حاشية العصطاري على مرافق الفلاح كتاب مصلوه بات الإمامة من ٢٠٠ 5 فقع بديسي أكتب حاله ٢) والمنت أشد من القند (لأية ١٠١٥ / ١٣٤١ عليسيم الى كثير طبع فعيسي كتب حاله .

المسكر العنا وقد فسساد فيدا والابهيم احق بالإمامة منه كون له هذا لكب محروجا الحديث ابي داؤد الا يبقيل المله حساوية من تقدم قوما وهم له كارهون ووان هو احق لا والكراهة عسيهم (الله يالفيل المله حساوية من تقدم قوما وهم له كارهون ووان هو احق لا والكراهة عسيهم (الله يالفوك يبال قرار ماري قوم في تقديل الملهم عن تركيل قوان والمارة في المراه المراه في المراه في المراه في المراه في المراه والملوا في المله في المله المله تعدد عبر العله كيفلد المحدود البعواهو والملوا والمحالة المناه في المراه في المراه المراه عليه وسلم (المراه والمراه والمراه والمراه والمارة المراه في المراه المراه والمراه في المراه والمراه والمراه والمراه والمراه والمراه والمراه في المراه المراه والمراه في المراه المراه والمراه والمراه

بحودعة الشامتريقي بادراقا عهالمعيم يتمان

جس امام کی امامت پر تمام نمازی مثنق ہوں ہیں کومعزول کرنے کا تکم ﴿ س ﴾

أبيا في لاسته بين علاه و بين ول مستله يتن أنه اليك مولوي عدا حب جنعين عرصه بيجيا بي مزال اليك الخيامكية

وكنده فين حسائبة المطبخ بطناوي على مراقي انقلاح كساب العملوءة ساب الاسامة عن ٢٠١٤-٢٠٢٠ كاطبع دارالكت العلمية «يروت لينان

وكلفاهني البيخر الراهق كناهيه العربلوة بالاسالية ١٩/١ مالاها م مكنته رشيديه كولتها.

وإني لفعار الس تاب وأس و عمل معالجاً ثم اهتدى سورة فه أبت : ٣٨رباره لمبر ١٩٠.

وكا مناهاي شارع النووي على مناسع المناسو والفقوا على أن القولة من حماع المعاصي واحدة وأنها واحيه على الشور لا يمحوز التأخير هذا سواء كالت المعطية صفيرة كالت أو كبرة أكتاب الوادا ١٩٥٤ مليع قديسي كتب حاله و كفاعي روض الارجر على شرح فقه الاكبر وقد نصوا على أن الركان التولة للائة المنادم على طلاحي والانقلاع على الحال وظاهم على حدم العود في الاستقبال معريف التولة ومراجها هي ١٩٤١ علم دار الشائر الاسلامية.

 ج) وعن أسل رضي الله هنه قال: قال رسول الله صلى الله عليه وسلم طالب العلم فريضة على كل مسلم وواضيح المسلم هند غير أحله كمفاه المتنازير الجوهر واللواؤو الذهب رواء ابن ساليه وروى البهائي
 كتاب العلم الفصل الاول مشكوة المصابح ، من ٢٥ طبع قديمي كتب خانه

وكذا في الن ما بنه كتاب العلم بالديمس العنسيا، وبعث على طلب العلم ص: ١٠٠ شع. الجهابية معيد كراجي.

عورة النبع أبث: ٣٨.

١) القار السختار كفات الصقوة باب الإمامة ١١/٩٥٥ حيم ايج. ايم. سفية. .

یش منعسب ادامت به فاتر ہوئے گز دکھیاہے موں ناصا ہے شریف السنس اور ڈیم اُمینی انسان بین اور قرب وجوار عمدان کے کیٹر محافرہ محک بین اورمواز ناصاحب ایری کی بہت عدمت کردہے ہیں۔ مال ای جس آیک فیمش نے مواد ناصاحب کے مُلافٹ فرست آ میز ریکھے کچھا وروش مطراز تی کھی کی ٹریاہ پنے انسان کے سے کہا تھے ۔ خکورفیش وومران م کے آتا ہو بتا ہے ڈوکی مسورٹ جس امامت کا حق وارسائق ایام سے یا ہوائ آئے وارا ہے جگے ماد انھر مرابق ایام پر انھی ہے۔ بیٹو وقوج وہ

€5∲

نیمن کو بھا ممت سے نیاز دادہ بھامی مقرر کر ہیں وہی ادم بر شبکا اگان الاعتبدار فسالا کھنو داو المنعیار السی المنصوع، فسان اختلفو، اعتبر الکار عدم ⁶¹³ نین جکہ مائی ، ام پر قیام کلہ دارھے راضی چیں تو وہی مام رینے گا- نیز بھنے ترکی وجدار م کومع وال کرا، ورست ٹیمن ⁶¹³ دفیز والتدفیقاتی ایم

احق بالا مامت کون ہے

∳∪`}•

کیا قردائے ہیں علیا نے دین دمغیال شرع شین اندری سند کر ایک تفصیر تی مالم قدیم الدیام ہے ایک آ دِ کی میکند منصب امامت پر فائز الرام دیا ہے ہے جمعی ان دیر بدیا مجدد ارخیقہ کام قدیم کا عقیدت مند

١) السر المختار كتاب العسلوة باب الإمامة ١١٨٥، طبع اليهر المداسعات كوابيني.

و كذفا هي حياتية النظامة طاوى هي مرافي القلاح كتاب العبلوة باب الامامة هي: ١٠ - طبع قديمي اكتب حياته، وكافأ في الشائل حاب كتاب العبلوة من هو أحق بالامامة ٢٠ - ١٠ طبع إدارة القرآن والعلوم الاسلامية.

و قدمت عن النجر حكم عن القاصي لمارس وبعوه وهو أنه لا يعور إلا بجدمة وعدم أهلية
 إضامين كتبات الوقف منظلت في عزل موقف المدرس ورامع وعرل الناظر نمسه) ١٨١٥ عزم اليجابية سيد عرابي.

وكذا في البحر الرائق فلا يعل عزل الفاصي صاحب الوطيف بدير جنحة وعدم أهلية والوهدق و يصم كتاب الرفف ١٨٠٠ علم مكتبه وشيديه كوهه.

وكف في الدر المحتار مع ود المحتار بعول به إلا تفتية وأي الامام)أي بالعسق لوطرا عليه والسراد الد يستحي العزل كتاب العبلوة باب الامامة (69) ه طرح الجرابيور سعيد كراجي.

ے اکنٹن جندالیاں کا مجواد کواں ہے ایک سے درم کوائی ابلہ و معقر رازا کا بنید تھیما خوال دیکامہ اور شائد رہیدا اگر رکھا ہے واقع موافق ہرمیتیت یہ جارہ حالی رائز انگی ہے۔ ایٹیٹنڈ الم بھی تھی تھی۔ کیے شریبا کا وقد یم مجتز موگارا جدید

﴿ نَ ﴾

صورت مسورین باز وجن حال کرخیفت حال به ساز اسرین به مان و مان به مان به مان به مان به مان به مان به مان مان مان خاک سیاد بالی دید کاشران میدای دار میدای داری سیاد به کید و تیمه کید و تیمه کار کار دارم به این اس داری میزد ل کرک کار دانساه بیداکرد جائز کیس (۱۷ ماسر)ی کورم ماری فیسیدوگی (۱۹ که فقه داندهای سم

معجد کے امام صاحب کو بداخلاق کہا گیا وراٹھوں نے ابامت سے معذرت کروی

وي کي م

کیو فردائے تین علاوہ کینا و ارسٹ کہ دیا ہا میں میں دواؤرے واست نے قریمت ہے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ۔ ا ایک باقوں اس اور نے کی کہ دوئر نے باؤ واسما دیا کے ماتی خان عاصف تیں ہوئی کرنے کے بارویس ڈکھڑا ہوئے ۔ اور نے کہ کہ میں بائٹ کے کارل کے مطابق براخل کی دول ایران والا اور ان امام واس و بات کے لیے میں کھڑنے کے اس ک اگر کیس میں نے جوہ باالا مرائے تورش بنے کی فیدات کی ہے فداوند فروس منظور فریات و رہ سے اپنا انتخاام میں اور ان کے اور انہا کہ ان اس کے اور انہا کہ انہا ہوئی ہوئے کہ انداز انسی کے المام میں اور انہا کہ المام کے انہا میں اور انہا کہ انہا ہوئے کہ انہا ہوئی کہ انہا ہوئے کہ انہا ہوئے کہ انہا ہوئے کا امام کہ واپ برائی انہا ہوئے انہا ہے کہ انہا ہوئے گا ہے کہ انہا ہوئے گا ہوئے کہ انہا ہوئے گا ہوئے کا امام کہ ویس کو دائی کا میں انہا ہوئے گا ہوئے گا ہوئے کا انہا ہوئے گا ہوئے گائے گا ہوئے گا ہوئ

١٠٠ والعملية أخاد من الفيل الأبه ١٩٠٠ و١٩٠٨ ؛ فيسم اللي أكثير طبع فاديسي حافه.

[؟] و انصفه أن مساحب السنت ومثله ومام المستحد الرائب أبولي مالاهامة أمن حور و معالمة أخفر العامد او ١٩٥٦ . العراد قدال الإحاماء ١٩١٤ هذا طبع البيء، يسر سعيد كل اليمي .

و كنه العلى العدام ووالهيمات كتبات المسلوة العصل الذلب من هو الحوال الإمامة (١٣/ طبع مكنه والميدية كرابع إ

وكلوا في المحر الراكل كذات الصنود . ب الادامة ٢٠٤٠١ - ١٠٩٠ همم مكنه رشيده كراك

र्ट्रे

یا ترقی عذر کی امام صاحب پراعز اش کرنا اور پرنام کرنا کناه سند (۱) گرو تھی ارام صاحب میں اوفی عجیب تیس تھا صرف تھا کی وقت پڑا تھوئی ما چھڑا ایوا اور ارام صاحب کواکیٹ متھری نے بدا قدال تھا۔ ک الفاظ سے یاد کیا اور ارام صاحب اس سے تاراض ہوکر مصلی تھوڈ کھے تو بھٹی تھوڑ تا یام صاحب کا لوگ جربر تیس اور شری اس کوموائی ساتھ ہے ججود کرتا ہو سینے ویکٹ شریا سے امام صاحب کو نا راض کیا ہے۔ اس کوارام صاحب اور ویکٹرف ذیوں سے موسی تی ما تک تھے ہوئے۔ فضا والد تھائی اسلم

تعمل ناظر ہاورو پارے حفظ کیے ہوئے فیبرعالم کی او مت کا حکم

φ **J** છ

کیافر بات میں ملا مگرام ال سند میں کہ کیے گئیں جو پر میں مجار دوقر آن مجید کھل سیج انتخا کے باتھو انظر ویز حاموا ہو ۔ کتار میڈ ویا۔ سے کا حافظ مجھی مو ما مرتب راجی بہترین تطیب دواہ راب کی جانوکیلیں تو وال کے اکٹر لوگ اسٹ این سمج کا حام دکھنا جائے ہوں۔ تو کیا دو امام مجد اپنے انہاز موجھی کا فرار جو اور زماز میں بن جزمن کے 18 مل اسرائیس ۔

÷ق∞

ا آرامام معاصب متلق رپر بیز کار میں نفاز اور راحت کے معالی دے واقف میں اگر آن جمید مجھ تھا۔ کے ماتھ پڑھتے میں اور اُنظر مشتدی ان کی مامت سے دائلی میں قرائر ما ان کی امامت نماز وجمع نداور

٩) وهن أبي حريرة راصي فله عمدة إلى قال راسول الله صلى الله عليه و سام المسلم الحو عسسلم لا ينحونه ولا يكنده ولا يحديد أكثل العيسلم على المسلم عراج عراضه ومانه وديم انتقوى الح إثر مدى > 14/14 طبع الهجاء بدر معيد كراجي.

وكما من المعقة الاسودية فلقدى مهما راه في رواية مسلم ويتشر ولي صدرة قال في معدم النصر أي الاستحور تسعقير المنفى من الشرك والمعاصى ووالتقوى ، معله الفقي يكور مخفية عن الاعبى ملا المحكم معدمة لاحد حتى تحمره أو بقال معل النفوى مو الفقت عين كال في قب طفوى لا يدور مستقمة لان المنفى لا يحفر مسلماً ما حاد في شفقة المسلم عنى المسلم، ١٩٧٧ منهم فعملي كيب المائد بعد وحميد من و فيروش بالشرية نزي المساكرة في والشاقعين الم

ا مام سجد اورا نرظامیه کی مرضی ہے دوسرا مام رکھا ٹیما تو اس کی افتد ا کا تھلم

ہؤک ﷺ

ا پوفرائے میں ملوم این دریں موکن کہ

(1) آئیس بھٹی کے ماہم میں صاحب مرد ہوں ہیں گئر ہو رہ ہتے ہیں توان امام بھنا حب کی قبلہ ہور شی طور پر آئیسہ امام رکھ لیلتے ہیں ۔ اس سال نماز ہوں نے امام محمد کی رضا مندی سے عاد شی امام کو شنقی امام رکھ نواز اکنیں سابقہ امام نے محت یا ہے ہوئے بالیا کہ بعد میں آئے اوا ارمام معاصب جلاج سے تمراہ مات جو بھائیت چندا فراد نے سابقہ امام کی اور بیت کی اور ایس مجھ ٹی جو عت کی تنظیل ایک موقع اب صورت مال ایس ہے کہ بوئی جماعت مجھ سے ایک احمد جس انگے تھنٹ جاتے ہوئی ہے ۔ جب جساعت موجائی ہے آ ہو انگے۔ سابقہ قام سے چھیں دو بار درجا عت کر ان ہے تہے تھا کہ ایسا کر در سے ہے۔

و ۶) معجد کی انتظامیات معجد شی ایک کمرہ ہو کہ مدرسہ قام کیا ہے۔ جس شرائیسی کے پیچا جے بین قربانی کی کھال دنیم موں رقم میں سے امام محمد و پڑھائے کی ہو دار کو اور پینے تیریاء قر کیز یادر سے ہے۔

∞ ق م

(۱) جبکہ سربیته امام کی رت حتالی ہے وہ مربے محکمی کا منتقل نیام رکھ نیا عمیا اور آعظ کماڑی میں گی و سے پرخوش میں توان کا حق مقدم ہے (۱۰) وہ دری جا صف کرنے والوں یونز زم سے کہ وہ اس والارک

أ) وهي هناوي الارشناد: ببيب أن يكون إمام القوم في الصلوة أقصيهم في العلم والوراح والحقوى والغراء والمعرف من والغراء والمستهم في العالم التنافي المرادة والمستسب والنجاس على هذا إجباع الإسارة القرار حالية كتاب الصلوة من هو الحرادة من مع الحرادة المعرف المسلوم أن هو الحرادة الإسامة ١٩٥١/١ تعلم في المرادة المسلوم إليج السراسيميان وكندا في السهر الفائل كتاب المعمولة البرا الإمامة المرادة المسلومة المروث لمال.

عنى استووا بنقرع بن استعربين (او انجاز الى القوم) بان اختلفوا اعتبر اكثر هم كتاب الصفوة باب
الإمامة ۱۰ (۱۹۵۵ - ۱۹۵۵ ملح الجدابول سبد كراجي. وكندا هي حداثيه الطبخطاوي على مراقى
القلاح كتاب الصلوة باب الإمامة في ۲۰۱۱ فيم قديمي كاب ۱۹۸۰

وكفاطي الباتاحاب كناب مرجو أحق بالامات ٢١٠٠١ طبع إدارة القرآن والعلوم الاسلامية

چینه نماز پزهین اورانک مداخت نیزگرین ^{(۱۱ ک}ه افتهام نساز دیلیده و مرق ۴۰ بهامتول سیزهمی بیکی جهاهت. فرآنشهدی حاصل کنن بولی-

ا الآجيت جرم قرباني او مشار أبواة كالمعرف تقرق ودسا أمين اين المساحق وشدن بينا جائز تعين - قمام صدقات والبيائين آمانيك فقر ما يالوس أبواك المسافية والفرقو في العر

معقول وجوبت كارة يرجمها وم الصاسك متتدى والشريول السكاله مت كاعكم

و کل و

کیا قربائے میں مانا ہے ویک ان سناری کی تین تحض رزید امریکی کیا ہے۔ میں ورزو کی رشتہ ارجی- ان کی سے فرید نام سے کہا میشداری کا کاسکرنا ہے اور محرانا میں ہے۔ تیس کی جانبیا وششر کر سے کا کی جانبیا و کے مالک جی اور جانبی و کے معاوو کا فی شدی بھی وسطے جی ان اور مت بھی میں کی اشتر کر ہے اور بیاماست ان کی آ وقی ورافت بھی آر دی ہے تیموں میں سے کوئی بھی مالم ٹیس سے مسرف مولی سنڈس و رہے و گئیت رکھنے کے علاو وقعیم قرآس کر بیٹ ناظر وقواندی تیس تھوا و سے میں عمل کر گیا۔ عالمی اسم کو مواکر تی ہے اور اس ادام کی ناخواندگی اس واقعہ سے ظاہر ہے کہ کہا

 د) وینکره بگرار العیماههٔ بادن ورفایهٔ می مسجد محله الا می مسجد طریق وقویه وینکره) آی تحریما از فرون درک ه یی لای هوره در المحدار مع ارد ۱ محدار افتال الصفوف به با الامحد ۱ / ۹۳ ه هیچ مکتبه از شاهید کوهدر

ا و كدا بي بدائع المسائع كتاب الصدرة و أما ينان محل الوجوب ١٥٣/١ طبع مكت. رائيدية كوافع. - وكدا بي أحسين بقناوي مستعد من جماعت ذات كا حكم) ٣٣٩/٣ طبع ايج.ايد. مبعد كراجي.

أن مصرف قد كالة والمشر وأنا حيس فيعدل بتعرف كالصالم وهوتقير أوهومن له حلى شئ
 وما كابن وهو من لا شئ له كالب المصرف ٣٩٠٤/٢٠ فلم ينج البه المعيد الراجي

، كلا من النجر الرائق كتاب الزكاء باب مصرف الركاة الأقام لاطبع مكت وغياب كوكته

الدكرية في السماية هاشي شهراج البهسانة كساب التراكيفية بالساما ينجور دفع الراكاة إليه ١٩٦٤ واطبع. عار الكسب المفسيد مراوت للمول.

*) حتى الممالك المعال معل حوص من نقير مسلم عبرها شمى كتاب الركاد من الداكر الدفال هنج الموال هنج الموال هنج الموال علم الموال الموا

وكدا في المو الصحار أكداف الركاة باب المصرف * ١٥٥٠ فيم البرد بويدمند

ري بير بروه الن جوبان كالس بياه بيداه في جود الموصالات في قررواز وي عالم أن الے کے تباہ وابل کے این مصابقا رائم کے مانے مازاد ارمان کے طن مصر میں استحال کی آباد ہیں وقول ہوں تی قوال پر ہیٹل اور سے کہا کہ جو کا تعمیل پر سالیں ہے اب و پیمنا ہے کہ اس تھی ملک المام ہے وال کے وکوں کی ویل تا والے تعلق رق کھڑے وقتی وران کے عائم کے مسال اوا انڈائنوں جائے کے باوروہ امامت آبانی روانت کھٹے جانے اران ہے توان سے زارج اعترا سرقات اکیر انگل وموراكر والصابية في أنيا تعالى والعرفي والمناسب والما الجوفزون مناسبة في ووفون في ے رہے ہیں ہوں کرتا ہے وقی اور ان ان کے مسائل ہوا و انجاب الدور مسائل ہونے کی وجہ ہے الوال من أن يو خوالد كي في الجياسة الناس الداخلة الأسلام العن السابطية في زيز الني الإطراء في الماس الت ر بواريد في أن يوكور مربق و في خوريد كالوكوب إدر تكل كركنته الن ليارة به كوكو العروم الذي والد على في شرويات ويتي توجيد أربطة موهفواه ويو جمرخوا منهوا اليانا جيد والفيخة ووزن يورنه مندفتون ب سيك عمل كروني من والمهروس ومندارة أي بياقي بالصفيح في المنطقين أيمارة المحاودة وسال منا المقرف أن أن أن الله ورك بن وي ويونينية ك يوان ك المدركون في واليوافق المراكزة الماكية المن المدرقين المراكزة ميات وريجان كرواتي ودل وياحا ويأخوان أن بع يجينان بالأوان المانية لم مي نهار پر بنت چي. اوپ ديل يادرم نواکي ادران مراوان راي لها دپ معلم نوکود انها اين تو کيالات اوم پلوگود ورُكُونَ وَمُونَ الرَّهِينَ قَالِيهِ وَخِيرِ وَإِينَا فِيهِ مِنْ لِيهِ وَكُلِنَ النَّالِيةِ فَيْ الْمِولُ فَكُلُ اللَّهِ فَي منتمل من رئ يعين فروع والمنظين في المار بالمنازية المراكزة المؤلفة في المرازية المراكزة المرا ويي بن خرويدي مي كريد كري في كل وروم وي والعالوج إلى والعام المنظية المن العام مراج (۱) والتي المراد بالي من وريت الإركية أرادي الأنبعة المراعا للواقع التي المراد الإستأنيكي الأم الماس مات تجوره ما المام بانراء ماك وم بالاين ويواب مقرزش والمستنكرين ماكان كالمامي وبالمرازين والدواليكي الدالوين الدركانية لأمينا والمراشخول والصدينا أرقرتها فالبسائر وَيُونَ وَوَيُونَا مِنْ يُسْتُونُونَ فِي وَجُونِ فِي مِنْ وَيَوْرُونِ وَيُونَا وَيُونِ وَيُونِ وَيُونِ $rac{1}{2}$ و درو با بارو از باز بازی بین که در کشور ای معالب سالم می کوشت کار این از بازی معارف کرد. يم من سيهية المعارس في الرواد والمسائل الجاه ويُحَالُ أن يجدو كالْ مَنْ الإنجاء عن والله مري<u>ر سار سا</u>ر و المرادة الرام

€&#

موال سے معلوم ہوتا ہے کہ قوم کی اکثریت اپنے اہام پر رضا مندقیق (۱۰ پیز) اگر واقعی امام میں اسک خصیتیں موجود ہواں قوامل کوسلز ول کرتا جا ہے (۱۰ کیا ایا ہے مصل امامت کا امل تھیں ہوتا (۱۰ کیے اُند جس کیفیت سے اس نے میلیا اسٹا ملوفیر و دائے کرتیا ہے اس کا فہات طف صافین سے فہیں ملکا بیز اس کے لیے زکو قاوم کوکالیز جائز فیس (۱۰ کے جس لوگوں نے باہ جو دائی سے متن کی دور نرک اس کوزکر تا پر مشرکا مال در رہ ویا ہے تو ان کا ذری فار کے فہیں ہوئی (۱۰ البت اور رہاں سے تقرر تک اس کے بیٹیے نمازیو میں جائے ہو

الاي المن الموقع مأم من أو كالمول أن الكام والمسادر

 إلى المرابع فوماً وهول كارهول أن الكراهة لعساد فيه أولا بهد أنين بالإمامة منه كراء له ذائك محريسة المحدديث إلى بالإدالا بضل الله صفوة من تقدم قوماً وهم له كار هول الدر المدينة (كتاب الصلوة بالب الإمامة (أراة ده طبع الجرائم. معرف)

و کدا ہی جائے۔ الطحطاوی علی ہر فی انعلاج کتاب الصعوف اب الامامہ میں:۳۰۳ طبع دار الکت انتخاب بروت نمال

وكله في البحر الرائز كتاب الصلوة باب الامامة ١٠٩١ طبع وشبديه كوك

- ٣) وأساعيف عسلوا كراهة تقديمه بأن لا يهتم لامر دينه وبأن في تقديمه فلإنامة تعظيمه وقدوجب عليهم إهدت شرعاً (إشامي) كتاب الصلوة بالله الإمامة ١٠/١ قا فقع ليجديم مسيد كراچي. وأكدا في حاشيه المقحطاوي على مرافي العلاج كتاب الصلوة بال الإمامة مي: ٣٠٣ طبع قديمي كتب حائد.
- ع) بيدائيم المستان وهذا قول العامة وقال باللك لا تجوز حلف القاسق ووجه قوده إلى الإمامة من باب
 الإمانة والمستسن خيال ولهما لا شهادة له لكون الشهادة من باب الإمامة أكتاب المهلوة عميل وأما
 بابي من يصلح للإمانية (10 ما طبع مكبه رشيدية كوك).
- إلى منصر ف طرز كافوالمدر وأما حدى فيحان فالمعرفة 17 (194) عوفقر من إمادي دوج ومسكيل من لا شوله كتاب التركاة باب المعمر ف الركاة ٢٣٩/٢ شع ايجه إيهد معيد كراجي.
 فلدر المحدر
 - وكفاهي السحر الرانل كناب الركاة باب مصرف لوكاة الراء العليم مكنيه وشهديه كوفاه
- ه) البدر المتختار مع ولا المحتار دفع مالا تحر الوابعة إلى أخطا قوله لم بحر قطع الزاكاة إليه إلى أخطاء أي
 الما أمه عبير محموف كتاب الراكاة بات المعموف كتاب الزاكاة مطلب في الحوائح الاصلية ٢٥٤/٢
 شام مكم وغيامه (حديد)

وكالداملي البحار الرالق كتناب الركاة وناب المحاصرات ٢٠٢/٢ فالبع مكده والسيطيع كواتاه

و كشاهمي السناية عملي شراح الهندلية كشات أثر كالانات ما يحوز دفع العبدية إليه 4 /4 /1 اللح دار الكتب العلمية براوت لبنان آماز كال ووندكر به يميني ومباره الفراد في حيد الكه يهركيف بيالام واتى المحت كالمطافيين به يميندك وربح أو كالما والقرائل به يميندك وربح والمام واتى المحت كالمعاهدة تقديما مل وربح أن مع وحت الاحت معاقدة بعشوط المحت المحت المحت والمحت والمحت

() وهي النهار عن المحيط صلى حلف فاسق أو بيندخ بال فضل الجماعة أدوان الصلوة حليهما أولى
 من الاعراد لكن لا ينان كما ينان خلف تبقى ورع القر المحيار مع ره المحيار كماب الهيئوة باب
 الإدامة بارداده عليم الجرابيوسعية كو جي.

وكفا مي حالين كبير كتاب الصلوه بات الإمامة حي: ١٩٥٥ طبع صعيدي كتب خانه.

و كنما في حناشية النصحطاوي علي مرافي العلاج كتاب الصلوة باب الامامة من ٣٠٣٠ طبع قديمي كارياماند.

٣) الدر السحتار كتاب العبقود بالبازلامامة ٥٥٧/١ طبع ليج الهماسطة كواليلي.

وكذا في المحر الوائل كتاب الصلوة مات الإمامة ١٠٧٥ طبع مكته رشيدية

و كالمنافقي حداثية النفر معطاوي على مرافي الفلاح كناب الصلوة عاب الإمامة على ١٩٦٠، ٢٠٠ مبع دار الكتب العلمية بدوت لينان

٣٠ الفر المشتار كتاب العبلوه باب الإمامة ١٠/١٥٥ م ٥٠ ه طبع الجدابيو سعيد.

. وكذا في حاشية الطحطاوي على مراقي القلاح كتاب الصلوة باب الإمامة من ١٠١٠ طبع الديمي . . وكذا من فالناز حامية كالمب العلم علي من أحق بالإمامة الأم ١٠١ طبع إدارة الفرآن

روع أنذر السختار كتاب الصلوة باب الأمامة ١٩٩٨/١ عبم الجرايب سمند كر جي.

و كمة على حاشيد المطحطاوي على درائي المنزح كياب العيلوة باب الامتعة ص: ٣٠١ هيج بديمي كانت حاليه .

وأكفاعي البحر الراائق كتاب العموة بات الادمة ١٩٨١ - الطبع مكت راضديد.

خواب کی بنابرامام کو بناناه رست نهیں

هٔ کل آبه

کیے قرب نے میں مار دیں۔ ہر ان سندا کرفترا آف ایک مام سجائز آئی کا دائد است جمہ آئی ہے۔ اس کے باش شعدہ است کی ا اس سے رشور چا اور ان سے سرے کی قیدائوں پرنا کھا ان مائی میں سے اس کے اس کے شہر کی واقع اس کے اس است است است است ان وی اسراعام سے تھاں کر میں دیس دیس ہے جا مران کے جان کہا تا تھیں سے کہا گئیں کہ میٹیوں میں جا اسام کے اس میں ان میں شدر میں توقیق باتی کر قرار بھوکتی وہیت قواست نے اس کھوائی گئیس مام میں دست کے ممانی کو کئی ہے۔ اس میں شدر میں است میں اند میں والے کو مم سے توریب میں قرابا کے اس و میڈوسٹی سے بنادو۔ جانا جہا ہے اس

ار نقط میصند واقعه قواب او را نی طریق ندگوره با باد شداری مام نداند. وامامت منتدوند و ارمات آنهار ۱۹۱۱ مقتل والند قول اظم

سودخوركي مامت كانتحم

﴿ ``بُ

آریا فروار آرامی خارم بین از اعتاد میں کہ کیسٹی کا ایساوٹ بی اور ایک بیان ہے کیا اور مختص کیا مجدا کا اور ا پر مشال دوسکل ہے۔

" بازشناس اوقادينا من النجوا مكم عزل القومي ليمواني ومحادوها أنه لا يحوز بالا يحيده و عدم أمادة. - كتاب أوقف مطلب في أحرق قوافق قبدر في وإمام وعزل شاعد المديد (1834 شع الجرايب المستعد - كراجي.

و کسا فلے انسخیر البرائی فائا باحل امران المیانینی صاحب الواقیمة بشر احتجاد و عدم اُعظیة ولیر مطل ال ایتماح کمات الرقف الا افغال معارم مکسم رشیدیار

وكمّا في الدر المحدومة وترو قمعنا العول مورا لفته أن بالدين العاراة عند والعراد الديستجن. العراج كناف العلقة بات الإمانة (10)ه طع الجوديم، حيث .

5 m

مود تورخوطی امامت کے لاکن تیس ہے (۱۹ اور قریت سمیری محمل الحل تیس ہے۔ لیفو لسے تعدانسی ان اور بسانسہ الا المعتقون ^{(۹۷} فترا رکی تشرخ ہے۔ کسرہ اصامة الف دین کرایہ ہے مراز ارا اور تجرفی کی ہے (۳ کا در مودکمان کہائز میں ہے ہے (۱۳ را کر مال <u>اس مح</u>ق کو فرائے ال^{ی ک}ے بہرمال فائن ہوئے میں کوئی شیس نہیں ہے (۲۰ ہے فتلا وائند تعانی اسم

تحریمیاندیناندین سختی ش۱۳۹۵و

.....

- (4) والدين الدحة في وكافرة فكر وحنف الدرد (من وعالوب الحدر وذكل في باكتاب الصوفات الإسماد والمحافظة وا
 - الا) حورة الإنعاق أيت ١٩٣٤.
- ۳) سل مشی می شرح المبية حتی آن كراهه نقعيمه كراهه تحريبيز شامی كتاب الصلوة عامه الإساسة ۱/ ۱۷ فضح النجم البيم معيف وكتا في حلي كبير كتاب الصلوة على الإمامة من ۱۹۳۵ منداني كتب حامه و وكذا في ساشيه الطحطاوي على مراقي الفلاح كتاب الصلوة باب الامامه من (۲۰۳۱ طبع كتاب فليمي خانه.
- 3) ومناصق من النفسيق وهنو خروح عن الاستفامة ونعن المراد به من برتك الكباتر كشاوب النصر و النواسي و آكل البريتواونحو بدلك كتاب فصلوة بات الاسامة وشامي (أ ا را ۵ طرح البجد البهد سعيا. كواچين. و كذا في تعمير روح المعاني سيرة البقرة ابت د ٢٠ و الداد عار أساء النوات السري. و كفا هي سائلة المطاحم طاوى على مرافي الفلاح كتاب النصارة باب الامامة ص: ٣٠٩ طمح كتب. فديمي خاند.
- و الطلم أن المستحل لا يكفر (لا إدا كان المحرم حرام نعيته وثبت حرات بدليل عظمى وإلا دلا صرح
 سه على المدر و معدمه الطائبة الطحطاوى ص ٢٠ طلع دار الكنب المشية بروت لبنان و كذا في اللحو
 المرادي كتاب النسر باب احكام المرتدين ١٠٦٥ علم مكسه و شيده كوئه او كذا في الناتار خانية
 كتاب أحكام المرتدين فيما يتعلى بالتحار والحرام ه/ه و منهم إدارة القرآن والمراج الاسلامية.
-) وهامستي من النصيبق وهو حروج عن الأستغامة وتعل العراد به من يرفك الكيائر أكشار ب النشير والواني وأكل الرحاونهم دالك كتاب الصلوة باب الإمامة (١٠٥٨ مند كرايي).

و كنفا في الصمير روح المعالى مورة البقرة أبت : ٣٨ ٤ (٢٨ دار أحيا، غيرات العربي، وكها في حالية الطعطاوي على مرائي انقلاح كان العبلوة باب الإمامة من ٢٠٠١ طبع كتب قديمي حاله

يّ عب سووخورگي لهامت ناحكم

هُ کل ه

آيي في بات الإس مع دوين درين ومندار تديد في بالتدبي في أنا تكان الكريب ووقع الإسان ودون و تسام التي أبو وتنصابي في الناس و التصافي في السائعات كالمتحافظ في بديد و منداً بيارا والمال وقت وعلامات الرامي عين قرائل في مواجد أوريا في رويات كالكري الاوجهة الناس والمبارك والمدارية في الكان إلا مناسب وراد تنظيم في عمر بدرا يوات عند العالم السريما أنه المدارة الدارية اليشائع في القراء عن في ما أن المداركين .

ه **ئ**ان

آ گین کی جوہ ہے اگرز پر ہے واقع مجوب و یا جو ورد و پائیس معود ٹورائی ہے قو ان کی امامت کم دو ایرائی کر ان میں ہے کہ دو قریع کہتا ہے جو ہائے ہے جہتا ہے اور سائٹ بھروائی کی امامت درائے۔ ایرائیل وقتا والد تھائی اعم

والمتحق والتاوكمة بالعروب يفاعلن

ه م اسل مجلی می عراح طالبیة علی آن کر اعداده ایناء کار اعداده روز سامی م کنان العشرة باعث الإمامة ۱۱/ ۱۱/ مصرفیق

وكادا من حسي كيهر كذات قصفوة بامد الأمامة حي ١٠٠٥ سمدة أكتب حاله

والقيدا في مناشبه البطبجيطاوي عير مراثي لفلاح كتاب الهموة باب الامامة ص ٢٠٣ ضع كت. فتالمن طاه

٣). وإلى الفقار الس بالما وأمن والمعل صالحاً لم فتقاه ومدورة عد المتاد ١٨٩٠.

و عن إلى عبية الألف من مسمود راضي الله عنه قال الآل راسول الله دستي الله العبية وصلم النائب من الأست العبل لا دمينا له مشاكرة السعبانيج مات التولية والاستعمار ما يعني كاست مانه

وك الهي الن ماجه بالديدكر النوبة والاستغمار على ٣٦٣ ابتهاسيد سعمان

سود کی حلت کافتوئی دینے والے کی امامت کا حکم

र्ष् 🗸 🏂

ا کیکے مجھی مود نور ہے اور مود کی طلت کا فتری در مواہے موجوف ان مقالت کا حال ہے سمجدا در مدر مدکی خیا ان کرتا ہے ، وجوہ خلائی کرتا ہے ، جموفی شم اخد تا ہے ، اپنے اشر رشروا ، م کے جیجے بھی نماز گیس پڑھتا ، مجھی ہما عدت کے ماتھو کماز فیس پڑھتا ، لیعد جس و دسری ہما عدت کرا تا ہے ، کبھی جس بھا است کے وقت بالقد مل دوسری جماعت شروع کرو فتا ہے اس کے متعلق بھم شرق کیا ہے ۔ ایسا تھی امامت کے الگن ہے بائد۔

∞نځ∌

جس امام میں مذکورہ بالا صفاحہ و میدموجود میں شرعا وہ فائن ہے (۱۵) ایرا فتص الائل خوامت شین (۱۹۶ جس مود کو اند تعالی اور رموان اند ملی الله علیہ اللم ہے ترام قربایا ہے ، ان کو طائل میمنا کائم ہے اسلام جب تک این مجنس کا فتای مود کی مات کا معنوم نہ ہو جائے اس وقت تک اس محنس کے اس اتواق

 () وها ساق من المعسن وهم القروح عن الاستقامة ولعل العرادية من يرتكب الكتائر كتبارات القمس والتراثي وأكبل البربواونجو ذلك (شامي) كتاب الصفوة باب الإمامة ١٠٠٥ طبع الجهابيم، سعيد كراجي

ركدة في تفسير روح المعامي دورة البقرة (يت : ٢٨٤/١٠٤٢ دار أحياد التواثق العربي وكانيا مي حياشية الطبح طاوى على مراقى العلاج كتاب الصلية باب الإمامة من ٢٠٢٠ طبع كتب يديد رحايا

إلى يستمي أن يقتدي بالقامس (لا من السيمة لابه في عيرها بعد إماماً عبره شامي كناف العطرة بالم
 الإمامة الأم 95 طبع إيج بالميد منبال.

واكلنا في حذى الدير اكتاف العبلوه عاب الإمامة هي: ٩٣ قا طبع سعيدي أكتب خاله

٣) راعظم أن المستحل لا يكفر إلا إذا كان السحوم حرام لهيه وثبت حرابته بدنيل قطعي وإلا علا صراح
 به في الدرر وكد في البائار حاليه كتاب أحكام المرتدين) فيما يتعلق بالحلال والمراح ها هماه عالم
 بدارة الفراق والعلوم الإسلامية.

وكدا في النعم الرائل كناب السيرباب احكام المراسين ١٩٢٥ ؟ طبع مكته وغباء ، كوافه

العراف المراحدة البياء فيهدر والكائم وهام وأبال

والزواقي والاعالى

مواخوركي المامية كوحكم

و کا پ

The analysis of the control of the area of the state of t

ا في المان من أن هي الشراح المنبية على أن كي هذا بما يما كراهم بحرالها أكف بالتسوم بالدرا ("ماه 195 والدواه ا الطبق ربع اليم السعيد

وكلفة من حسن كبير كتاب بمبادة بالد الإمامة من. "! فاصلع سعدمان كنب حالف

ام كندا في حالب الطحصاري على مرائي العلاج كتاب لصلود باب لامامه عن ٢٠٦٠هـــع دار لكت. الماسة برواد الشوال

- أن السائلة وسور بالمراجع عليه بأنه لا يهتم والراجية وبأن في تقديمه فواتك تقطيعه وقد وحدث خيرهم وهذه خراباً، شامل كتاب القبلوة باب والدينة فالدائم الإمام يجدل جيميم.
 - وكردا في جيفن كريز كياب بمجلوؤيات لإمامة عن الردة حدة منصري كتب حالم
- و كناه من الساعية التصحيفاوي على مراقي الفلاح كتناب العملوة بالما الإمامة في ٣٠٣٠ طبع فديسي أكتب حديد

ا ال بدان من بيانوم البينة بينيني أور مسام وأروب طالف كله بنا التي اور ناكتو بين المراش في والورد بذروا مين وم المراشد منتوم بين منها الوكوات فوالمام معارم بين الورد وواقتي فولكات بين وتفقة في المام في كواسية عن الور الان من فيني فما وأنول بيانون كرواء والمواجع والمنافظ من بيام منك أيش خومت والبرواء الأكرام فقال المساورة المنتمي تلاد إن كذا إدافتي بالخريد منها كراس مام منذ بينين ما الأكوال من في الميس.

ه ځ په

چونسر مود مینا شربط مراه معنی ب ⁽¹⁹یاس بیدانی داقعی از مرفقار مود بیش ایرده دان یک ندگوره با د خان به مون تو و متر مافاش اور کاره نیم مقرض بید^{و و ای}ک فاش تری اوکن ارد مت تین ایس <u>تین چینی در</u> انگر دوقع نبی بیدان مین ایس بیده تین والیسا با متوانات سد بازاده از مسید ⁽¹⁹ ماند) و نداندن فی اظرا بید و مود خاند در تا ساختی با رواند مورد زیر

٢٤ قال الله بعنس أحل الله البيع وحره الربواء الابه سورة الدهرة الهد ٢٧٤٠.

امان حالا برادا في المعاصمة في لعن الله 1 كل الرسوا ومؤاكله واكتب وشاهدية استنكوة استطابهج مات. الرسوا المصلح الاول من ۲۹۳۱ منح قديمي كانت جاره

صاحب وهطه حرفظته و الاستاة والطائر القاعدة الرابعة عشر ما حرم حدّه من داده قديمي كسر. حاله الرشة في شرح السجد راساء باز ماده (٢٥٠٥ تامران كتب حاله قدهار)

٣. وها بستل من المعسسة وحور مروح من الاستفادة وامن المواد به من برنك الكيائر اكتبارت العدد الارامي وأنكن الكيائر الكيائر العدد الشراعي وأنك العالم العدد الإمامة والندائي وارام الاطلع الإيراميون بدرة الكرامي الوكائل في تصدر واوح المعالمي مورة النظر أنها ١٩٠٠ الرامة الارامة الدرائية العالم الكيائر ا

بيل مشيق مني شير ح النفسية العبلى أن كيراهة تشدينه اكراهة تجرب وشامي و كياب الصفره باب.
 الاسامة (/ راه طبع ایچ رایم استید)

و كدا في حقيق كبير كنات الصنوة بات الإمامة في: ٣٠ ة فتيم سفيدي كتب علام.

او كنده في حمالتينة الطحطاري على مراهى العلاج كناب الصنوه بال الإعامة عرب مسميع داراتكب المجمعة بروت لمدن

والمغزل بديالا فعضة أن مختصين وطراعها والمراه الديستمن لعرق الدر المتحدر مع راء فسجار
 أكتاب السلوقات الاسمة (24) درضم بجهايين مهدا.

و كسا مني السحم الرائل ملا محل عوق لقاصي لصاحب الوطيعة لعير حمحه وعدم أهله ولو **بمو**ر لم. المسع محم الرائل كتاب الوقف « ٣٨ طبع مكيم رشيديا كواك

مودی قرضه کی رقمت نیوب ویل موانے والے کی اورت کا تکم

يع کي په

أبيانها في جريفه وي احفايا بالرئة متينا مند بعدة إلى معافل شرك

@ **3** }

ر له) قربا بالجوئل ما وليز و روحور مراجي (10 من شيئة أمره الحق الدم المنافر ولي قرقيان وكل المنافر بلاها وزار الن وقر الوارج الى المنافز أثر في ما الوسكان الموسطة المنافز المنافز الموسكان المن المنافز المنافز المنافز الم

وم فلل الله لطالي وأحل الموال بع وحره الربو الأبق سوره المراه أبات الالا

ا حيل حياس رضين الده هيد فان لعن الله "كل الربو" ومؤاكلة وكافه وضاهدية الشكرة السماييج بالد - الربوا الدميل الاوز حي: 115 - صح مديس كيب عاله.

الدارية وقاله حرم طلم الاستاه والبطائر (مقاعدة الرابعة عشرات حرم المدد من ١٩٥٥ قديمي كتب القائد ومنه في شراح استجله والنباعة خادة الاستمار عرض كال حدة فقده و

وقالت من العديق وهم المراجع عن الاستفادة ولمن المراد به من برلك الكيائر الشارك الحيو والرابي و الكيائر ، ويعو قالك أكتاب الصنوة بالما الاحداد (۱۹۹۱ هـ على الإيداد). بمود

واكما في لد دير روح المعالي مورة البقرة أن المارية (المارية عنه أحياه البراث - وكمعا في خاشية التعجها ولا على مراقى الدلاح كدب مصود مب الإمامة في ١٣٠٣ فليغ كتب فايسي عامه.

توكى به المساحة المتحددة المامت بنانا فردادا من أيوك المامت مثام في المرادات المتحددة المستخدمة وكرامت بنانا فردادا من أيوك المامت مثام في المداور المستحددة المداور المتحددة المتحددة

......

م كذا في حلى كبر كتاب الصنوة باب الأمامة في ١٣١ قاطع معهدي وكفا في حاشهة فطحطاري. على مراقي الفلاح كتاب الصلوة باب الإمامة في ٢٠٠٠ عليم فديسي كتب حاته

- ٣٤ وأسنا المساسق عقد عقوا كراهه تفعيمه بأنه لا يهدم لاس دينه وبأن في تفعيمه الإمامة تعظيمه وقد و حسب حليهم إصاف شرحا اشباعي كتاب الصفوة باب الإمامة إشاعي) (أد ٥١ طبع الإجابة برسعيد كراجي. وكفا عن حشي كسر كتاب المسلوبة ساب الإمامة حن ١٩٢٥ طبع معدى كتب حامد وكما حاضة الطحقةوى على مرافي العلاج كتاب المعاوة باب الأمامة حن ٢٠٣ طبع فيدي كتب حابد.
- ۳) امداد الدناوی بالوں کی حتی وقدر و حصاب اور حصہ و عبرہ کے احکام ص ۱۹۱۱، ۱۹ طبع مکت، دار العقوم کو اچی.
- قال الدمختار مع إذ المحتار وبكره بالسواد أي نقر الحرب) كناب الحقر والإباحة فصل في البح
 ٢٣١٩ فيع ارجيانيو سعيد كراچي.
- و كندا من متنوى الهندية كتاب الكراهة الباب العشرون في الربية والنخاذ العنادم 10 40 صع مكتبه رشهدية كوئفه اوكدا في فتح الباران كتاب اللباس باب العضائمة 4 4/14 قاطيع برواند لبنان وكه افي قادر المنخار مسائل شتى 2 4/17 طبع الهيدالهيدسيد كراجي.
- ع) كتاب اللباس والريبة باب نهي الرحل عن الترفقر صحيح المسلم ١٩٩/٢ قديمي كتب حانه
 وكفا في شكيلة ضع السلهم كتاب اللباس والريبة باب استجباب حصاب الفييت يصعرة أو حصرة
 الاحديث نمير ١٩٤٥ و١٤٥ و١٠ حصر مكتبه دار العلوم كرابشي.
 - وكذاهي الدر المختار (مسائل شتي) ١٤١٤ فابع الهودايم اسعيد كراجي.
- 4) منتس ابني داؤه کشاب التر جل باب ما حارفي حقبات المواد حديث ٢٩٦/، ١٩٩٧ طبع مکت. او حيات لاهور.

 ⁾ بيل مشيئ هي شراح النسبية عبس أن كو اهة سقيديمية كو اهة سحريو شامي كتاب العبلوة باب الإماما ١/١٠٥ هم ابج بايم درست كراچي.

ترا مشمل ہوجا 19 کا کا کا اپنے اور تعظم کے ساتھ داکھیں کے بالیس باو کی کھا بھواد اگر دویا تریہ و دول تو ہوماں کی مقول کے چھپے فارے موس فالکا کے ایسے اور دونا ماں آئیں تھو خواست میں مار 7 کی بھامت میں تا کی جوز شروری ہے۔ کر کوشش شموریت کی مواد کئی وات اور بائے قرمعم تھیں۔ حواج ان کے دائیے وامری تھا عین کر امکر سے فامل کھیں ہے مارٹ بالم میں تھو انگری ہا اس کا اللہ تھا کا ساتھ

الدوالوعلان والالب فتحيط والأعلام فكون

سود رقرض كيكركارو بار برلكان والوس سامام مجد كي تخواه لين كاعم

ۇ كى قە

کیا ڈرانٹ این ملاء کی مفتاعل کی ساتھ وہ وہ در ٹائل پاسٹان کی منڈ ایاں میں جو کارو ہا دیور ہے۔ جی راز آخا آزامی معترات دیک ہے اگر کے اوار بر اکار کی سی اوران رقم کو مودخلوں کو اس میں ا اب در پافت طاب معرابی ہے کہ ایک منا ایون میں کہ جس میں آ کو کا خوجواں کا سما موٹ کا کا دور اوار روائے تو الم اسمجہ کے لیے این او اوران سے تو اولین میں کا باتا ہا تھا ہے۔

⁽⁴⁾ عن ابن عدائي رضي الدعمة فإلى مرعمي السي صلى الله عالمه وسائم رحل قد حصل بالحدد الهال ما المحدد الهال ما المحدد الهال على الله عدائل المحدد الهال عدد الحديث عن عدا فير أحر قد حضل المحدد الهال عدد المحدد ال

وكدا في . و المنحل كنات محل والاناسة فصل في البع ١٩٠١ ؛ مدم البجد بهد حجد كراجي

٢) البراجيال طباعيرة بالعبية للمسابرية الصمان طاهرة لعددهم بدورة اجدًا دخل العبيق الدر المحدّل كفات الصدّرة باب الإمانية ١٩٠٤ تراه دخلع البحر بمهاسطة كراجي.
المبلغ قرات الإمانية ١٩٢٥ يرام تراه مركب رئيسية كونته وكدّا في المهر الماني كناب الطموة المراكب الطموة المراكب والحدث في الصدّرة على الصدّرة على المدارة على دار الكناب العموة المراكب والحدث في الصدّرة المراكب العموة المراكب العموة المدارة المدارة

٣) أنه عليه السنوة والديلام كان خراج رصاح بين فره فقدة إلى المستجد وقد صبى أهل المستجد فرسح على الله المستجد فرسح التي مساولة في المستجد في من التي مساولة والمستجد في المستجد في المستجد التي مساولة والمستجد في المستجد والمستجد والمستجد في المستجد الم

وكدا في المجرهرة التبرة كداب العموة ١٩٠١ لا طبع قديدي كامنا خالا.

يع لي ا

عقیان این بی ہے کہ امام اسمارے لیے کئی تنمی ہے آمش <u>کے کر</u>تنو اور اور بی بارے ایج مہمیر آمدی ہے آر اسال آمرا راجائے افغار مان جمل

سودی لین دین کرنے والے کی امامت کا تھم

ه ک ه

·飞鸣

قال الماء تعالى وأحمل الله النبخ محمد طرعوا الأنة المتورة الدفرة أن إن عدده

۷٪ - ۷ ن حاسو راضی الله حنه قال می شاه آگی الربود و از کند و کانته و شاهیمه مشکل از السما دارج با اسالو او الفصل الاور امن ۲۹۳ خام قدامی کنان ۱۹۰۰

و تشفا في الاحد و والعظام (والماحدة فعد عوام طبع) الفاعدة موارعة عشو مؤجود العندة موراة 6 ما طبع فلاحم اكتب ساود المركب المس فداح المسحلة وعشد بالرواعادة العرام (١٩٥٢ ميم ناجوال كليب مان ه والحار مكتبه في والدكت ك تحروہ تحریج ہے ⁽¹⁾۔ معورت مسئول میں سمجھ کی تھیں تھی اور با قاعد و شاعت کی پایندی کرنے والے ا نمازی تھیں کریں اگر دائل صاحب نے قوصوری مودا کیا ہے اگر چدکا نفرات میں میٹیا کا مورز کا کیا ہے تو اس کو امامت سے بتا ہو ہائے اور کی متعدین تو تین نا اب ہو جائے کو دو آئندہ اس کا ارتکا ہے تیں معدق ول سے تو ہاتا ہے ہو ہائے اور متعدد کھی کو تین نا اب ہو جائے کو دو آئندہ اس کا ارتکا ہے تیں اگر میں کیا اور اس کی امامت ہوتھ تھی کو تین نا اب ہو جائے کو دو آئندہ اس کا ارتکا ہے تیں اس سے دو ہو اس کے دو اس کی امامت ہوتے تھی ہوتے تو اس کی سے دو اس کے دو اس کے دو اس کے دو اس کی سے دو اس کے دو اس کے دو اس کی سے دو اس کے دو اس کے دو اس کے دو اس کی دو اس کے دو اس کی سے دو اس کی دو اس کے دو اس کی دو اس کی دو اس کے دو اس کی دو اس کے دو اس کی دو دو اس کی دو اس کی

ببنک بیں رقم جمع کرا کرسود لے کرخود استعمال ندکر نے دالے کی اما مت کا تھم

∳€

أبيافره ت إلى علاء وين ومفتيان شرن متين اس منك تن كه :

(۱) ایک آدی ہے جس نے صرف ها عند کے لیے اپی رقم بینک میں جس کر کرائی بوڈن ہے۔ بغیر سود پر یعنی سود مطلقا نیس لیا۔

ا) بيل مشيئ في شرح العنبة حلى أن كواهة تقديمه كواهة تحريم كتاب الصلوة باب الإمامة ١٠/١٥ طبع طبع ابج-ابيد-معيد كواچى.
 و كتفا في حليق كبير كتاب الإمامة من الإمامة من ١٩٥٥ طبع معيدي كتب خاله، و كتفا في حاطبة الطبعطاوي على مرافق الفلاح كتاب الصلوة باب الإمامة ص: ٢٠١٣ تطبع فليمي كتب خاله

۲۲ و أميا الشياسين فقيد عظود كرافئة تقديب بأنه لا يهتم لابر دينه وبأن في تقديمه للإسامة تعظيمه وقد و جب طلبهم إحاث هر ها اشامي كتاب الصلوة باب الإسامة (الراء لا 6 طبع ابچهايم باسعيد كرفجي. و كناه في حلبي كبير كتاب الصلوة باب الإسامة هي؟ ٥ ١٣ عليم سعيدي كتب حافه. و كتاب طاقية الطبطاوي علي مراقي العلاج كتاب الصلوة باب الإسامة هي؟ ١٠ طبع قديمي كتب خانه.

جي نداوى الأرشاد: يجب أن يكون إمام القوم عي الصابرة أفضائهم في تعلم والورع والتقوى والقرادة والمحسسة والنسسة والجساق على مقا إجساع الإمام. ثائل هائية كتاب الصلوة من مو أحق بالإمامة
 1 - 1 - اطبع إدارة القرآن

و كفاء في الدر السنتار كتاب الصلوة باب الإمامة Ancoay أو Ancoay فليع ابهي الهيدسيد كراجي. و كفاء في البهر المائل كتاب الصلوة باب الإمامة الإلا 77 طبع مارالكب العلمية بيروت لينان.

إلى التعار المن تاب وأمن وعمل صالحاً ثم الثنائي سورة طه أيت : ٨٩

و على عبد اثناء بن مسعود رضي الله عنه قال: قال رسول الله صلى الله عليه و ملم التاتب من الدنب كمن لا نائب له مشكرة المصابيح باسدالهوية والاستغفار من: ٢٥ تقيمي كتب خاته.

وكفا في زمن ماجه مات ذكر الشوية في ٣٤٢١ طبع ابنج ابنيا سفيد كرا يهي.

(۳) کید دامیر تملی ہے تئی نے بنگ میں رقع اورانی دونی ہے دوپائیں موریف ہے۔ مورسول آر اپن ہے۔ کیلن مسعودی رقم توشیعی کمیا تا مک ووق رقم کوسراکیوں وقم پائیس شیم کرد ویا ہے۔ وہ اسٹ مہالی مہا رفون معروق کی دائل شرور سے وہنا المدرقر ما کی اداری دونوں شکاس کا ان مرح کرا دورہ سے ہے۔ جورت دی

दें हैं के

پيدا منظمي مارم - رکام مقل سند (۱۹۹۶ ما سند کاشش مياز کی چاہيے مارونک والاوں سے مغال کر سال ال کاروپي مودي تاريخ کين سند اور پشش والله ابن ارونی معلوم کر گئي اروپي مانند تعولي علم

مجبوري مين بنك مصود كرتو بدكر لينفو الياري الأمت

اوا کی آها اوا کی آها

کے فرانے ہیں فلارٹ این دملتیاں تو الاستان در ہا استان کیا گئے۔ حمل مقم کیے والے نے اپنے مقر دفتی کو اپنی مقم کا مطالہ میں مہت فیسا کیا یہاں تک کو دیک اس کھٹے لگا کہ یہ تو میری رقم ادار کر میں اپنی امامت اس کے دفتی میں دائے وہ مقر دفتی نے تھور رہا کیا میڈٹ سے موری قرفن الفائد اسے رقم دوالر میں مدریکش مورکور اربھی تجویل ہے تھی تجویل میں مار دو مُنٹ نے اٹریکٹ ادائی بیا گیا ہے۔ مورکور علوال کہتا ہے اور نہ میں جائز کیا ہے کھی الاستان والتی

10 to 10

إذا والمن فتماري الارتساع بمحدي أن يكون إمام الفروق العدارة العبدية من الملك والوالع والتائرين.
 والمغراط والتحسيم والمعديد والمائز حالية كرات العالمة من ألحق الإلامامة (أن راء علم إيمارة).
 المفرق والملوم.

وكة على الدو السحمار كتاب يصفره والدو الإدامة ٧/٠٥ و ٥٥٠٥ مليخ بهجارتها بالبعيد. وكفاعي النبي الغالم كتاب الصنوة دادا ولادعة ٩٣٩٥٠ اللع والكتب العلمية بروان ليمال. تو ہے۔ اب کئی ہواخ کا موقا دی مورے میں اس کی اس کی اور معتدا در است سے 11 کی قتل واقعہ خوال اعلم انجام میں مورد کا موقا میں مورد کا موجود اس

الام منجد في تتم مما في اورها الث نه بهؤواس في المست كاقتلم

ا کا اُن ج

الهازرات میں جورزیں اس مسامی کے لائفانسان کی اوم اجدات ال مضمون فیاتھی کے اور انتظا هج كريان توانز ما به ال يها أن أبيوان أم بران في أن ب العالية هميج أن أسجى بكافرة كالكان هم المعاملات بالمصوري وهمي بين ومري فجارا أوابي العالم مهوفا بإن يتصفرتن أن فالباث المرقاعا الواوق أشراف مهمين بدل بالكي بعق أنه أبية فإن أبيق جن كروبا وأمهد الهادي فان ثمارةً اليار فغالبة المن وحمرة المسأكل اور المام طال بين إن جراء الواضي بداع الجعنو<u>ات الإنهم الت</u>اريخ عن التعني وتشريع أنها أنها عناء مرام بسيامت تتفق في وياك أما اتر ہی جو ہے اور شاہر سے اپنے میں ورب جو جائے کہ رو مسمی بند ورب آئی جی تائی مرد کے نوان میں ملائم کے غراف الأراه بالمرادة في المدن من من المنافع التي من المستعمل المراجع في المراجع التي المنافع المنافع الماء الم ي به بيز الچيايي ها در بن حاقوب و بيا و صوف و التقي مين التي و واصحيد نت علو و في و و يو وكي مين النواط التي تنے ہا فہرے اور آرہا وہ ہو کا شامع قریع ٹر کی انسل سات رطا دیشتاہ سات یا مشفاعا رہا کے لاکا آرہم وك بان يومية وتشاره فريوس كرنهاف فيعيد بالأثاثة بأن يويول كم تكن طاق يعل - كرا -الزان عاض بن نے کیلیازیان وہ کرنیا کو جمل بلا ویزیال امترو سے مدامت فیصر کوجم وُسا بادلیا اجال تشہیم کو تبا الدينة عن والطفل إلى بالم معمد غدورك مدات تابت وكي شما كو قوا الووتدوات الجي زبان التأكية ان نے اس وقبار ن بر ایا اور حافظ مدامی از انہ میراث انداز انتاا انتقابی کے جومی کو مطاق میں انتہا قرم ہے انہا ہے مناز طور نے اعلانے کو بال آنے تعاومت سے لوٹی افرام فراہتے تک جو سکا انتظاما فاقط صاحب ہ رمامیں نڈور واقع میں اور اور اور ایس کی اور اس کے ان کی جدوں ان رحازل آب اوران وال 🗕 🚅

راي _{الدين} الموار الين تاميروقان و عمل هذا حدثه الطلاق سهر والا ^{ال}مشار قالا.

ا والمركّع الميد الكلم من مديموم راضي المداعدة والأن فالن بالزن فالدام من الله عدّم ومسم في للما من القاسم. التمال لا منت لم مشاكرة فالمداليج بأن النواية ولا متعمل من ١٠٠ فد يمن كلام خاله.

و آخر جي اين مناجه بالنبادك الموجه من ٣٤٣٠ فليخ جج ماجه منجه أمر خود

90 E 10

ه م الشخص أي تسطل والبلسس)...طلاس التعليق (إداء وحد التقريط) كتاب الطلاق بالدوالتعلق)الدو المتحدر ١٩٥٢/٣ عليم مجدد يميد معيد كراجي.

[.] وكنفا فتي السحودم التق تفيها في وحد الشراط النهان اليمين كتاب الطلاق باب التعمل : ٣٢ سخ الكناء شهديه كتاف.

وكلة الهراطهر العالم كتاب علماني بالبالتعمل فارد ٢٠ ضع دوالكنب فعلب باوت لمال

عن وقبي انتشاء من أهان فاعر بعدًا أو المسائل التي الاعداء بها كامر عام حقه الاكام معمل عن العداو المذماء
 عن الاعدام فاديمي أذب حاء

وكداعي رد السعنتر كدب الجهد باب فعولدس ١٠٠١ الدبع بجرابورساسة

اء كالداخلي المروض الازعم على شواح الفقه الاكبر علمل في العما والعقمة بور ١٩٧٠ طاح به المشائد الاستلامات

٣٤ سورة المعالية أية. ٢٤

ر وعد السعبال (۱۰) درج و ب د الاساوب نے محل ذکر دیا ۱۰ کام ٹری سے کے اورکش نے دو کارد نوبان کی دارگئی وادر کے گئی کہ ایم بائے ہی بوٹ سیانوں کی بما سے ٹرونوکی اورکٹورڈ ادکا دران وکو نے ۱۱ ہے ہوئے کہ ریکی ماجازہ ترام ادرس و ب عزاب بالشخالی فروٹ تین میں اللہ لا بسعیت السفسلیں ۱ مسلما وزاد ہوئیک آئی ان کارائش کو انتہا کو تا اورکش کو کہا اورکٹورگئی کریں اور کم کی گئی گئی ک جن اُسلمان نے مقراد کریں تھ کار کریم ہی جہ جنصیت ایک اللہ جعیدا و لا تفرق الاید کی الاید کی

ہے ذکات کس کی عورت رکھنے واسے کی جماعت کی نماز پیس ٹاکٹ کاعلم

್ಯಾ_ಟ್ ಕ್ರ

یا قربات چی ملوم این امرین سند که ایپ تشمل کنانتخاص شیخت شهر به کدان کی به کلان موات سپیهٔ کمریش دکلی دول بینها دران کا پیچها کا درگی زند و پ در دو چیس کرزی په امریا می مت کماز پر هیا په پیشران ست پیشرت په مکداری مانش برای کی به واست کناش شده مت شداش کر پیشران در شده سب که ایسان که به ایران می ای کماز چار کی در زنامی مام فی تماز در تی به بیشران که چیچه برنماز پر متا ہے۔ نماز چار کواد دامام کوائر میں ادام در پری کی ادر اعراب میران کماز در تی به بیشران

⊌ ٿڄ

جس آغاز بھی و وقتص شریف ہوتا ہے وہر ہے آغاز اول اور اعام صاحب کی آغاز ہوائل کی شاہدے ہے۔ کو کی انٹر کھی چاتا واکس ہے باعث وہ است ہے کھٹنٹوں خدکورا کی تھی بور بنکٹ ہے تو روسر ہے اوک وال کے استقطاع

٢) الفرعيد من الترجيد على العليم دار الحياد التراث العربيات

استوردة المفتسطين آنه ۱۷۷ و ك. هي تقسير الن كتير وريا تولي سعى بي الأرض بنفسه فيها ومهلت الدح رات وافاديل والله لا رحم التقسيلة الي هو أخواج المعال سبئ المعال فياليات موقع وهذا فعله كالاحم كتاب واعتقاده فاسد وأهمانه فيبحة سورة النقرانية (١٥٠ / ١٩٩٢ هج فديمي كتب خانم)

٣٤) مهورة أل محران أيذ ٣٠٠ ويا ١٠٤٠.

وكدا فين مقسم إنس كليم وولاعر في أمرهم بالجعاعة ويهاهم عن العرقة وقاد وردت الاحاديث المعاددة واليهي عن التراقي والاحرام والاحرام والاختلام

انست في الصنحينج مصدم مقالت ٢٠٠١ هـ ١ هـ أبي هرابره براد وسير القداعية أن ومنول الله عليها الله عليه به سبالم قال الله قال ملي تكم تجاذا ويستحظ فكم ماياك براصلي لكم أن تصديره و لانشر كوا به ششأ به وأن الابد عد موامعتان الله حديدًا والانفرغواء وأن تناصعوا من ولاد الله أمراكم الله من وحيد وعليهم بالانتراق والاعتلامة سورة أن منوان ابتلام ما ١٠٠٠ دارة طبع فديسي كسيد عالم

الاست. الاست

تعلقا ہے آرنا در سے موقا امروال مفرقی رکی ہی شو کیے قبیس مرز چاہئے الافران کیلی آئر ہے تھی جنا طبیعا کی آباز میں شرکیک جو ہائے تو اس سے دوسر دل کی تماز قاصد نا جو کی مذاورہ عالم میں سندہ نصاف ہوتا ہے۔ سے ساتھ دائلہ تھم

حق زوجیت اوانه کرنے والے کی امامت کا حکم

بو ليم

علیا اگرا مواند دید با قبل مسئله مین کیافر بایت مین به ایک نیش جس مید پیپلیود شود بیان کی جون میں اور انصاف ایک سے ماتھ دمی تیس آرسال ایس و مین قبوعہ ایس کی حسال کی جاسے اور طبعی صوحہ کی بدرمزوجہ ایک منبا مشکن طبعہ کی بنا دیوائی میٹ تیمو کی نواوق بھی کرتی ہے۔ حال کھوائی کی پیٹی دوجو واریا این اسپیڈا میٹوائی میں مصیب اور تنظیف کے دن فوصد دمی ہیں ۔

اس تیسری شادی شده قتی پر ایند و لم ساله کیم کردگان پر حفاط این آدر دیا که یا قاق آزینی پیلی زو بول کوطلاق دویا قسیم کفر شرح آباد کرد تب نکان درست ہے اور شرک پاطوں کا دروائیس بالکین انحوں ک ملمد کی ادر دومر سالد کم سالہ بالتی سند نکان باری و یا ہے ۔ جواب سے مطلع قرار دیں کیا اس کے جینے مان درمت سے بائیں۔

* 5 °

بشر المعمنة معال الكروافعي وفيمعل عقوق زومينها الأنيتها كرناء ورمغوق كي الأليكي بين قسعا كوتا بي كرنا

(1) لما في مرفاة المعانوح فاق أجمع العثماء على أن من خالف من مكافعة الحدوميك ما يصف فقه ويد أوله حل معترفة في دنياة بحوول مجالت و عدة ورات فيرة حيين خير من محالطة نبوية فتر حجرة العبل الأمارة والدائد و واحمة عشي مرافاة فات مات بطهرات القولة وافر حواج أن اللحق كتاب الإداب ساب منا ينهي عند من النها عرا والطاطع وإنباع المراات القعل الإولى أو الا ١٩٣٤ علم دار الكنب العلمية بورات نباي.

وكندا في أوخره المسافك إلى مؤطا ادام دات كناب للجامع بالحدامي المهاجرة (١٦٧٠٠ مارع والراكب لطمنة بروت فسال

و كذا في فتاح الساري بشواح مسميح السماري كتاب الإداب باب الهييم (١٣١/ ١٢ طبع بار السكم المعاصر مروت لسار سبع ما قرید گفت مسبع الراء و امام ہے تو اس کی اور مائے کروہ ہے (¹⁹ مانا نے قوال مو وک عد صب کی اور منت ورمنت ربیعاد والی کے تیزیم تو تین ربیا⁽⁴⁾ و نتا و دند تعالی تھو

مرروكها أورن وخوالية أسياعتي ورارة ممالطيع ونات

كازيا قيروحه البي

نکات پرنگاح پڑھانے والےمولوی صاحب کی امامت کا فلم

وس کر کھ

کی خوال کے جی طارہ ہیں۔ ان مسلمان کی ان بیدہ ما اسال تھی کے دوجائیا ہے اور ان کی کی گئی ہیں۔ اس کی کھی ہیں۔ ایک وقت مچھان الداران ان مشخص و سے انکال سب کے مسیانی بول کے درجائے کا شاخ والد نے بر وری ہیں ہے جو اندازان ان ان کا مشاوی میں تا خورہ کی چی ٹی کو ان کا والد بڑھا تھا رہ نے کی کو کئی کر رہ خوالد نے بر وری ہی جو جو ان کو س دوم ہے آوی کے اوالے نروی اور برخی زیاد کی برائی کی دوم کی ان کی بول کی ان کو جو کی اور انداز کو ان کا دورائی کی ان کی اور ان کی دوسے میں دوسے اس ان کا زیاد کا میں ان کے ماتھ یہ ان کر دی باوی کی اور میں ان کا دورائی کی ان کا دورائی کی دورائی کا دورائی کی د

ان ومكروش به الإمامة عاليه الداومين فرامختار كيات فسلوة بالإسامة ۱۹۸۸ فيم بهوداييد سميد. الومكامة في المجالاتية كشاب القبلاء القبلي المداسم اعشر في الإمامة والاقتدار (۱۹۵۸ فيم مكترم الراشيات كوشتيم ومثب في تسميلة شرح الهدامة كتاب التيفوة بالدار الإمامة ۴۳۶۶۲۸ شم. الدار الكتاب فيليها بريات ليان

وكشافي النهر الفاتني كناب العيموه عد الإعامة الإرامة طيع الرائكات العسمة بترواد المال

ائیے کے جائے میں کا رقم تھے ، ورس فوقی اور دشاہے ، مانچہ دوئے تھے ۔ ب یا کا را یہ و و اناکا را مولوں کے جائے میں کا رائے کا اور دشائی مولوں کے جائے کی دو اناکا را مولوں کے جائے کا دو جائی ہے۔ ان کی دریا ہے۔ ان کا رائے کا دریا ہے۔ ان کی دریا ہے۔ ان کا دریا ہے۔ ان کی دریا ہے۔

en 🖰 en

جم الله الرحم الرجم والرق الداقق وم يزار الدائيون فيري كان بالاعتاق الذيار بين إوجراً. والرائع تحمل بين بالروع ووفا الرائع والمحمد اليوم والاعمال ليست بين وقد المسجد و (⁽¹⁾ والعا مسكناج مسكوحة العبر والعندية المنج لهابقل الحديدة والرواء القرائل كن يجيني فالمروق كي شيا^{ا الم}

 و صابعتی میں شخصین و همو حدود ع علی الاستفادة و اهل معرفه به میں برنگ و الکیان کشار می الدخر و اثر اننی و اکال از و و و محود فائد از و از مین کتاب المیسوفات و الاه مناهی اداره علم محید طرحی.
 و کی دعی تحسیر روح المعامی مدر و اشعره آیت ۳۱۰ - ۲۸۵ (۱۸۵ فار فائد)، اسرات حرایی

وكالماهي ما اشبة المرحصاوي علي مراقي القلاح كناب للطوقيات الأمامة من ٣٠٣٠ ع أكات

وقا المحدر كنامه الدكام بالد اليهو مصدر في الدكام العديد طبع الجاموسيد الراجي.
 وكنا في بدائج الصبائع كناب العلاق فصل ودوا أن لا تكون سكوحة الفو ١٨٨٠ هم مكتم رحديه كوعة

وكدا في البحر الرائق كتاب العرفزي الدن العدة ١٩٢٤ فيم مكنه وخيصه كومحه

٣ مثل مشيئ هي شواح النماية المشي أن تجراها تنفيدينية كو حدث بإشارية (شامي) كالما الصنوع الماء.
 الإصفاقات المام مقيد كو حي.

والادامي ملتي كبير كناب العشوديات الإمامة من ١٩٠٨ علم معيدي كتب وقاد

ة وكنت فتي حياشية المصنعطاوي على مراقى الفلاح كتاب، لصنوة بالما الامامة في ۴ ™طبح فديدي. التدريخات ادروه تحقی المامت کو انگری جب تلداذ به نرک (۱۰ کها فی الدر المهند آو (۱۰ ویکره امامه عبد لغ و فاستی و هی رد المسعد ر و فونه فاسق) من المسسل و هو الخروج عن الاسسامه و له عل المسمواد من بر نکب الکنائو (۱۰) فیح بسل منسی هی شوح المسلم علی ان کو اله نقد بسه محراه تصویم (۱۰ و فی المکبوری للحلی قدموا فاسفایا ثمون بناه علی ان کو اله تعدیمه کر اهد تحریم (۱۰ و فی المکبوری للحلی قدموا فاسفایا ثمون بناه علی ان کو اله تعدیمه کر اهد تحریم (۱۰ و فی المکبوری شاده این کو تعدیم المامیات کراه ترکی این می بازد این از در ساما ویث این کرد ترکی این می بازد این از در ساما ویث این این این می این می بازد این از در ساما ویث این این برای این از می تقدیمه للامامه تعظیمها و قد علیمه و می تقدیمه للامامه تعظیمها و قد و حب علیه و مدانته شرعهٔ المع (۱ می الدول الله المامه تعظیمها و قد

......

وابني الغفيار لمن تاب و آمن و عمل صالحاً ثم اهتدى مهرة طه أبين: ۸۲ یا ۵۲۰.
 وعلى عبد اثبله من مسمود رضى الله عنه بان: قال رسول الله صلى الله عليه ومطم الدائب من اللمب

و عني جينه اشاه من حيسود راضي الله عنه قال: قال را مول الله عناي الله عنية ومقو التاسب من معتب. "كمن لا ديب له مشكرة المصايم بالب النومة والاستقفار من ١١ - لاقديمي كسب خاله

وكنا مي اس ماجه باب ذكر النوبة والاستغفار اس ٣٩٣ لهج اينهم سعيد كرا بهي.

٢) الدر المعجدار كتاب الصلوة باب الإمامة ١٩٤١ه فاضع ابج بابع سعيد كراجي

و كنفا في المحلاصة كمات النصاوة العصل الجانبي عشر في الامامة والاقتداد الـ 1884 فيع مكيد - رغيدية كوفيف. وكذا في الماية على شرح الهداية كتاب الصنوة باب الامامة ١٤٥٣٣٩٣ فيم - درالكت المشية بروت اسان.

٣٧] (شامن) كانات التصلوة بال الإدامة (أو دامة على الإجرابية سعاد .

وكفاهي تعمير روح المعاني سورة البغرة آبه ٢٠٠١ أ١٨٨ عبع دار احبا التراث العرمي.

و كندا من حياشها البطيخيطياوي علي مراقي الفلاح كناب الصلوة باب الاملامة من ٣٠٢ مع كتب قديمي جاند.

- قامي كتاب الصلوة باب الإصابة ١١/٠١ه طبع ايج دايم دسميد كراچي.
- وكذاهي حلمي كسراء كنات العبلوديات الإمامة من ١٣٠٥ طرع سماءي كاب شامه.

وكندا في حياتها النظيمية الراجية في مراقق العلاج كتاب العيلوة بالردالامامة ص ٢٠٣٠ مع كتب قديمي خاله

- ه) و كذا في حلمي كبير ا كتاب الصنود باب الإمان هي: ١٣ ٥ فيغ سعيدي كتب خامه.
 - شامي كتاب الصارة باب الإمامة (). (٥ طبع ابجينامه، معيد كراچي.

و كناه في حليل كبير م كتباب السبلة داب الأمامة من ٥٦٣، قبلع سميدي كتب خاله، وكذا في حراشة الطحطاري على مرافي العلاج كتاب الصوة باب الامامة ص٣٠٠ مع كتب نعسل حاله.

بغیر زکار کے مورت رکھے والے سے تعلقات رکھنے والے کے بیچھے نماز کا تنام

$A \cup \{ v \}$

کیا فرمات ہیں ہا دوین امتین فرن شمن مندرجانا کی سناندگاں کیا بیٹ آدلی نے بیانا کا اور ا اگری میں اور دوئز کے کئی اس کے بین کی برل کے موسد سے زیادہ اور پائا سیدا دراکیہ حافظ الام سمید اس کے ماتی کھا تا گئا تا سے آبوان کے دیکھی تماز ہوائز ہے واکنوں۔

J. de

ا پیشائنگس کے مرتبع آغافات رکھنا اورائ کے ماشور نورو فاقی اورائنگر و کرنا و رست تیں ہندا ارسزامیراء میں ہیں کہانی سے آغافات سے اورخر وواو^{ل ش}قر کروسے ^{و ما}چوائ کی دامت ورایت ہے ^(ع)ل فاقد والنہ کی کی اظمار

٢) المعا في مرقاة المعاسج قال أجمع العلمة على أن من حافد من مكافية أحدو وساته ما يعمد عليه درية أريبة حتل مقترة في دياة يجوز المحاسة وبعد دور بالحيرة يجبل حير من محالطة توفيه على هجره العالى الاحواد والدداع واجبة على مر الارعات مطم ينتهر منه النوية واتر مواج في المن اكتاب الإداب بناب منا ينهي عنه من النهاجر والثقاطع وإنداع الدورات القصل الاول ٢٤١٩/١٤ علم دار الكنب الطبية عروات فنار.

و كنف فني أو حمر المعسمالك إلى مؤطا النام مالك، كتاب المعامع ما حادثي المهاجرة (١٩٧/ ١٥ شع دارالكتب العلمة بروت لمال

و كناه مني قسع الساوي بشواح صحيح المحتري كناب الإداب الديالهجر ١٤٠١ (١٢٠١) عليم . واللهكر المعاصر بروت بندن

 *) والاحتى بالإمامة تقديما بق مصا محمع الأجروالا عقد بأحكام العبيرة) قعط صحة وبعياداً بشرط الجمالة لفوا حق الشاهرة الكتاب العبيرة بالداؤمية (ألادة عبد الجمالية).

وكية، هي حياشية المطبعطاوي طني ما في الملاح كناف الصنوة على الاصامة من ٢٠٠٣ "قشع فديمل ". كما بالمديد

وكذا في حليل كبر كناك الصلوة بالدالإمامة من ١٠٥ هليع مصدي كب حامد

جوان بٹی کو گھر بٹھائے رکھنے والے امام کا تھم

使し声

کیا فرمائے میں علاء وین کراکی انام مجھ کی بالغ جوان لاکی گھر بیغی ہے یادجود سجھانے اور تاکیو۔ کرنے کے دو کی سے نکاح کیس کراتا تو کیا ایسے امام کے چھیے خوز درست ہے بائیس -

43#

ٹماز اس کے چیچے کئے ہے لیکن یاہ جودا بھا موقد کنو میں ملنے کے اپنی وخز کا نکاح شاکر تابراہیے ⁽⁰⁾ ایسا شاکر ناچا ہیے ارشاد رہائی ہے۔ و اسکاموا الا عامی ⁽⁴⁾ منعکمید فقط والقداملم

غیر شادی شده، حقه پینے والے کی امامت کا تھم

∜∪}

ائیں تھنس عالم ہے اور ورس نظائی کا فاضل ہے اور بھا ہراس میں آو آبات خلاف شرع ٹیس پائی جائی ۔ البت و وغیر شادی شد و ہے اور حقہ چیئے کا ماوی ہے تو اپنے تھنس کی اماست جائز ہے واقعیل سے نیز بیفر ما ویس کہ شادی شدہ ہونا اماست کی دان شرا لکا جس سے ہمس سے بغیرا ماست قبیس کرا سکنا۔ نیز واضح کر ہی کر تر بہت کی دوسے حقہ بینا کہا ہے۔

€ડ≽

غیرات دی شده برنایانی ، مد المین ابت حدوث رساده در تر مشاعه استحال کرنے والے امام کے تھے

٩) وحد نال: تال رسول الله صلى الله عليه وسلم إدا عطب اليكم من ترضون دينه و خلفه عزوجوه أن لا المجلوه تكن تشاهي (٢٠٧ طبع فديسي كتب سائم و كدا على فديسي كتب حالته و كدا على جامع التر مذي كتباب الدكاح بات ما حار في النهي عن التبتل ص: ٢٠٧ طبع البريام، حديد كمين.

٢) سرية النور . أية ٢١ ميارمه ١٠

ج^{وري} و المارات الما

فهارغوه وسيدن أستنتخ والقدامتم

بني كوفاوند ك كمر يتسبح والي فااومت كالقم

ية لي يه

ا بيا في مارث بين ها دا زيده و بياستدگرا کيله في مستجد ن اپني اوي موکن پر ي کي مفاور سياح ماري . پاڻي مان سند کا جا از طور پر شارگر شدن فيصفرگرنا سيدا و روزي از اراز و دوست و پر ښه ، بارگشتن کا دانون اگر ايا سياه د د ارو سند کي اس که ميني شر د فرما جا د ښه کيلن و گزار موټوا د او شري سند ايک پاڻي کي سيد اگو ما شريد کي اينيد لواد سند و د لوک څختن سند محروم سيان وي که کورو .

ه ټه

ا فائسر فاود پر شرقی اس محمل کے ویق ایس و خاط محمد کے اس جائے ہے روک اٹھا ہے فوان گھٹس شرعہ سے رہار موکا اور اس جی اور مرت کر و وجو بی ^{(۱۹} کے فقط واضا تھا گی اجو ہ

مستد ترميد رجمل ندكرن والبعائي بناني بولي معجد مين المامت وتظلم

ا يوأليدې

ئيا قرمات اين دوروي در ين مند كاليك تفس ك مشد ترق ندرك الاروار ايك العدود والري

١٠ ويكره إضامة عنده وقالمنزاد، المستحد، اكتباب المسلوء بالدامة ١٤١٥ هذا طبع الجهاسمية الراجي. ويكون بياسمية الراجي، واكتفاد على جيلامة والمائية والإنتفاد الراجي، واكتفاد على حيلامة والمائية والإنتفاد الراجي، واكتفاد على من حالها المائية التعلق فالمائية الإنتفاد على عراج الهدامة كتاب المسلوة بالمائية المعلمية بروت البدن الإنتفاد المائية المعلمية بروت البدن المائية المعلمية بروت البدن المائية المعلمية بروت المائية المعلمية بروت المائية المائية المائية المائية المائية المعلمية بروت المائية المائية

 إلى ويدكره إصابه عبد الله و قداميق كدر المختارات أو فاسق من الفييق ، هو خرارج عن الاستفامه ؟ فالار المحتار كتاب العبلوة مام الإمامة ١٩٩٥ م ١٠ ٥ مشح البهاسها للهاد أثر البي

ا ومثلة في حالاصة كتاف المسوة الفصل الحامل عشر في الإمامة والإقتماد (١٩٥١ عبع مكده و غيادية أتمانك - ومثلة في البنامة على شرح الهداية أكتاب الصلاء بالدالا بالدامة ٣٢٢٥٣٢٦/٢ عبع دارمكت الحمية مروب سال سجہ حوالی مسئلہ تم فی بیاندہ کی تھیں۔ آنا بیٹی ہوئی اوسط بھی و سددیں ۔ بھردوں ، منطاب آنے ہے کا اراد دکیا تھ مولوی صاحب سے ہم چھنے کے بعد اس نے بھیرطلا کے کائل قران کیا اس مجہ بھی کوئی مولوی صاحب مسئل زمام روکر امامت کرو کھٹا ہے یائیں ، امار روکا دران ان معجہ میں بھیر مواوف کے معجد میں باوار نے کی ترب سے قراد بڑھ مکل ہے یائیں ۔

و ن پ

ا آسا سمجھی نے پر مجدقر بہت کی تبدید سے بنائی ہے اور نشاز کے لیے وقت آمروی ہے (۱۸ قواس میں نماز مسمج سے ورمس نے مطاقہ عن کے ساتھ بغیر طالب کے ذکر ان کیا ہے (۱۰) اس کو مجھایا جاد سے نیمین اگر وہ باز مشمد قال قائن سے قطع ملن کیا جاد ہے (۱۰ مقل مالستھان اخر

 د إن حسن إنه من مسجداً وأدن بقاس بالصنوة فيه حساعة فاله ينسير مسيحة ؛ شامي كتاب الوقف مغلب عن أحكام المستجد و (۵۰۰ طع بوج الهيد مولد كرا وي.

و تمده من صبحة البخالق على ينحر الرائق كتاب الوقف فعيل في أحكام المستجد وأ. 1 . 1 فليع مكاوم والتبدية كرفلة . 1

م كناه في الحوهر الشراف لكناء بالتوقف ٣ له؟ طبيع هذا على كنت حالم

٢) وال اللغها ملا تنحل لدمل المداحني تنكح ورحاً عبر بالأبد المورة للحرة (٣٣٠ يارة ٢٠

. وفي كان العنائلي ثلاثًا في المعرف المالم تعل له حتى تتكح روحاً غيره لكا حاصحيحاً ويفاخل لها التم يطلقها أو يموت عنها والهماية) داب الرحمة ٢٠٩٤ قطع رحماليه الاهور وكذا في الدر المختار الداب تراجمة ١٩٤٣، قاطيع سهيد كراجي

كذا في الهندية الناب المساوس في الرجعة ١٩٧٣ صبع رخيدية كوفته

عان هسجرة أعن ولاهو من المداح واحدة على مراء إيقات مالم سفهر منه اللولة والرحوح إلى النحق مرقاه
 المستماليح كشاب الإداب بلاب سايسهن عليه من طنها جراو الخاطع و الناح العورات الفصل الإون
 ه // ١٩٥٥ على در الكب العلمة مروب لشن.

وكند في أوحر للمسالك إلى نوعة النام مالك، كنات الجامع ما ملاهي المهاجرة (١٩٧٨ طبع دارهكت الطعية جروت لينان.

وكيدا في طبح الداري مشرح صحيح النجاري كتاب الإداب بات الهجرة ٢ ٢١/٩٠ طبع در المكر المعاصر بروت ليدان

جس کے اہل خاند کا چال جلن درست نے اواس کی امامت کا تھم چنرس ہد

加色曲

بيتر عاصف موال آن و تحقي يشخص اليلي زوقي اورائز كيول السيخ الب جو البطني برراض سے اورائ هل ست جيتم بوگن آور سيخ اس كے چينے آراز كر اورسيار كيا كہ جو بي الدن قراب جائيں ، سائٹا كو اگر آن آر نے والسنة كود برت كمان البند كاك⁽⁴⁾ وورائز كى اورسة كر دورسكى روسكى و العاصف عبد اللبع اور فاسس ⁽⁴⁾ كى مستى هي شراح المسلة على الله كو اور الفارندوريو العالمة عورات التا اورشقائی الام

ا) محما في الدور الحجمار هو من إلا مغار على إمرائه أو محرحه كذب الجدود بات النعرير ١٠٠٧ طع
 ا يجدابها معبد كراجي

وكلفاهي السعم الرالل كناب النجدود باب عدالقذف الانزاع مليع مكتبه رشيديه كوتته

. وأكف في البين الحفالان كتاب الحدود المن حد القدف 1707 طبع دار تكلب العلمية برزت المن. ٢-وومكر دمسريها (إصامة حدد). . . وهناسق النفر المستخدار كتاب الصلوة باب الامام، ١٩١٧ه ها طبع البج-الهم-معيد كراجي.

وكندا هي خلاف المتاوي كناء ، العلوه المعلى العامل عشر في الإمامة والإنتقار ؟ ١٩٤٩ المنح مكانيه رشيديه كواند وكناء في الديانة على شراع الهامية كتاب الصلوة بات الإسامة ٢٩٣٠،٣٩٥ ملح والاستامة الإسامة ع طبع دارالكنيه الطلبية بروت تسان

٣) مثل مشتبي في شرح المدينة على أن كواهم نقاديدة (العاملين: كراهه المعربيم الشنامي كتاب العيموة بات الإطامة من: ١٦ له طبع (برايا) مصدد

و كيفا في حلى كبير كتاب الصوة بات الإمامة س ١٣٠ م طبع سعيدي كتب خانه وكدا في حافية الطحطوي هلي براقي الفلاح كتاب للمبلوة باب الإمامة ص ٢٠٠ كالمبع تديين كتب حابه

جوان لڑی کو بیا ہے میں تاخیر کرنے والے کی امامت کا حکم

⊕∪}

کیافر ماتے ہیں ملیا ہ وین دریں مساکل کہ:

ا ا) کیا سود پر رقم کینا کی صورت میں جا از ہے۔ مثال کے طور پر کوئی آدی کمی فریس کو ایک صدر دو پیدا دساد و بیٹ کے لیے تیار تیک ہے۔ اگر دواوصار و بتا ہے تو ایک گائے جس کی موجود و آیت الدا زامہ رو پر پیا و اور پ ہے امروہ اس فریب کو وہ اور پیا میں اور ساد و سے دیتا ہے۔ وہ بیاد مرتا کیا اند کرتا یا بھر جی دی سے اپنی غرورت جا از بوری کرنے کے لیے لیٹا ہے اور جی ماہ کے ابعد سور و بیدی بجائے اس غریب کو دو صدر و بیدا داکرتے بچائے تیں۔ ب جب کہ بیٹک ایک مورو پیدیش فرصہ جی ماہ کے بعد سرف یا بی وال بیدا مود فیتا ہے اور جی ماہ کے بعد اے ایل ضرورت بوری کرنے کے بعد موروب بیکی بیات ایک مو پائٹی وا پیدادا کرنے پڑت میں رجب کرگا ہے کے سودے میں اس کا سے کوفر وضت کر کے سوئی بجہ ہے دوس رو پیچا وہ کرنے پڑے تو بینک سے قرش لیلنے میں اسے تقریبا پہنے تو سے دو پیچا کے اوجھ سے تجاہد الی۔ حالا کار کرکی گائے والی کٹا بھی ترکی اور روح ام ہے۔

(ح) میاکد بندود بعید بغراز قبروار ہے۔ بختیت ایک نامددار مختب کے بندو پراہام سجد کی سند ہجدیا یا کر در بول کے گنا دکائی جھڑ فیمی ہے۔ جب کہ جوام النائی بندوکودس گنا دیمی برابر کا شریک فیمرات میں ہیں۔ نیز اگر واقعی این سکتا ہام سمجہ دکتے میں بندہ کنا دیمی برابر کا شریک ہے قواز راوکرم جند از جلد مطابع فراد میں اناکر بندوائی گناہ ہے تی ت باتنے۔ نیز عوام النامی شی ایسے اناس صاحب کے بیچے نماز با بھا عت پڑھئے شیم نماز کے زبورنے کا فیر جا ہے است دو کیا جائے۔

€Z}

ر (۱) این امام کے چھیے تماز جائز ہے (۱۰) بٹر واسمت سوال ایسے قنم کی امامت کروہ ہے (۱۰) سادیم رقم لیٹا جائز تھیں (۱۳ مر) گروہ تی ایم خلاف شرح امور کا مرکک بودنا ہوتو اس کرا ماست سے

 إلى المنافي الدو المختار (والحق بالإمامة تقديمًا بل نصبا مجمع الإنهر (الاحقم بأحكام الصنوع) فقط مسجة وصداداً بشرط احتساسه اللشواحسي الطاهرية كتاب الصاوة باب الإمامة ٦٦ ١٥٥٠ طبح البجداليسمية كراجي.

وكمله في حماشية المقسمطاوي على مرافي الفلاح فالا على بأحكام فلمبلوة للحامط ما يه سنة القرالة ويمحنسب الفواحدين الغفامرة وإن كمان فيمر منهجم في بطية المعلوم كتاب الصلوة باب الإمامة من: ١٩٩٩ - ٢ كليم دارالكتب العلمية بروت.

وكفَّا في خلبي كبير كتاب الصلوة باب الإمامة ص.١٧ ٥ قليم صعيدي كتب كانه

 ٩) سل مشي في شرح السية على أن كراهة تقديمه (العاسق) كراهة تحريم الشامي كتاب العلوة باب الإعامة من: ١٠ قاطع الجرابيد معيد.

وكذا في حلبي كبير كتاب الصلوة باب الامامة ص: ١٣٠٥ طبع سعيدي كتب خاته.

و كفا في حاشية الطبخطاوي فلي مراثي القلاح كتاب الصارة باب الإمامة ص:٣٠٣طيع قديمي كتب خانه .

٣٠ واحل الله السع وحرم الربوا الأبة سورة النقرة ٢٧٥ بهار٧٠.

وهان جابار رضي الله عنه قال لعن الله آكل فريوا ومؤاكثه وكاتبه وشاهديه مشكوة المصابيح باب. الربوة الشامسل الأول من: 4 £ 4 طبيع قاديسي كتب حانه (الاشباه والنظائر)، ما حرم قبله حرم طلبه القاعدة الرابعة حشر ما حوم اخذه من: 4 £ 6 يعني كتب حانه.

ومثله في شرح المجلة رامشم بارار ماده : ٢٤٠٣٥ باحران كنب حابه.

بنا نامچا ہے اور بنا الزیر قد مرحہ اکساہ صوحہ بنا الرو الاکٹری موگا ⁽¹⁰ مانم کے بار الدیش ہوری تحقیق کی جاوے یہ باقتیق اس کے خلاف کا روا اگر ندگی جا ہے ۔ قدہ الفتر قابلی ص

عروفيرا ورفياو وشعر عواموس

المام مسجد كي بيوي اكرب بروه : وقو المامت كاتفكم

﴿نُ ﴾

کیا قرمات میں علاورین الایامنکایش ک

ا مام سمجد کی بن کا گریز دو تیمین کرتی توان کے بیٹھے نماز پر عماج کزنے یا جائز ہے۔ یہ وہ سے مراد پر تیمیل مدھ کے دیوی کھر کی جاد دیوار کی میک بندر ہے۔ بلکہ یہ کم برقتم کے کا دوار سکا تحت واجر پیمر آل دہے۔

₩ Č

الورتوال) کا تیر محرم کود مکھناہ راست تیمن (۴۰) در تنو بر ہوی کا محران ہے۔ ارتباد نیوی ہے۔ والسسو جسل واقع عسلمی اعسل جینہ و عو مسئول عن وعسنہ (۴۰) رامام کو چاہیے کہ اپنی ایپر کو اپنے پروگ ہے دو ک

٩) وهو قبر من كنفية ومن تستكر مه وتركه بلا عامر ألم برقات البعدتيج كتاب الأداب باب الامر بنظمتروف ١/١٥ ١٩ الطلبية بيروت وكذا في أحكام امر أن بقولانا ظفر احمد عثماني وحملة العول فيه ساه كبره الشيخ في بيان الفرآن إلى الام بالمعروف والنهي عن المسكر واجبال في الامور الواحبة ممالا أو تركه على العادر حليهما شروط الإمر بالمعروف والنهي من المسكر ١/١٤ هم عليم إداره القرآن كراچي.

وقل المؤسات يعضض من أبصارهن الآية سورة النور أبت ٣٠٠

٧) وأمنا فشوع فيسادس وهو الإحسينات التحرائر فلا يحل قبط ثلاجين من الإحسية الحرة كتاب الاستحسان النوع فسادس بدائع العبائم « (١٥١٨ طبع مكبه رشيديه كوك».

[.] وكننا في تبيس المحقائق كتاب الكرامية مصل في النظر والممل ٢٩٢٧ طبع بإرافكنت العممية البروت ليان.

٣) مشكوة العصابيع كتاب الامارة من: ٣٠٠ طبع قديمي كتبُ حامه.

و كندا في صحيح السخاري كتاب الإحكام باب قبل الله اطيعو الله واطبعو الرسول ١٠٥٧/٣ ما طبع طعيمي كتب حاله

مع کرت کے بعد اگرہ و ندویت قرائعا واس پر ہے ^{ہا ک}ے ہو یہ دی الفسا ہے وہ اس کے بیٹیپٹرٹاز کئی ہے (۱۰) دولا مور او نور و وار العوی الایت^{وس کے} فقط وائفت فی اعلم ی^{م ش}مہان ۱۳۹۰ھ **بینگٹر الواور ورشمت گفت شخص کی امامت کانتم**

¢ ∜√≉

١) من عمل صالحا المتعلمة ومن أسا فعلهما الأبة سورة الجالية أبة ١٥٠.

 ⁽³⁾ النادر المستحدر والأحش بالابادة طبيعة بل بصبأ محمح الابهر والاعلد بأحكام الصدوة بعضد صحبة وحساقاً مشرط احتياده ليمواحش الطاهرة ابخ كناب الصلوة باب الأحامة (١٩٧١ قطع (يوب مدسمة).
 أكراجي.

و كندا هي حدثمة التعليم طاوي هي مراقق الملاح كنات العطرة بات الإمامة هي. 1994 و - 1965 اقديمي كتب جاند

وكذا في حشي كبير كنات معشوة بات الإمامة ص ١٣٠ فقيه بمعيدي كنب حاند.

٣٠) حورة فاطره أوات سير ١٨٠ وارو سير ١٩٠

هِ نَيْ يُعَ

ا رومش تنظی اور گذاموں سے معموماتھ نہیں جیسم السلام میں (۱۰ میانی سب اوگ خطا کا میں شرورے اس بات کی منبج کو اس باب اور منبط تو اتھا ڈیواٹ ساز شق اور ارکی دوئوں سے وام انو جا سے (۱۰ کو آپ اعتمال حدایتان میابد کی ورز مارمت استدا لک آرویل شے (۴۰) مو ٹیرووٹیو واوید ہے کہ تھیک موج کی کے بافتہ واقعہ تقابل اعلم

ألبرا غدمفا لذرون

والاولى بدعبدى كرسب بني كورخصت شكرنے والے كى امامت كا تقلم

﴿ كَا إِنَّا

- إلى تشريخ قبلية إلا تشر والإسباد عليهم المسوة والسلام كالهيم سرهان عن المستار والكيار والكلم
 والقبائع من 1975 و إذ شائر الإسلامية .
- إداع التي سيس ريك بالتحكمة والتموضعة الحمنة وحائلهم بالتي في احمال الآية مورة التحل.
 174:
- الاستاناني طنفر المعجور مع والا المحتار ويعرن به إلا نفته أن بالمستق لوطرا عليه و المراد له يستحن المراز الكعب المبارة عالم الاستمارات هام المجانية بصدر.
- و كنذا في السحر الرائق فلا يحل هرق لذ هي تصاحب الرطيقة بعي حدجة وعدم أملية ولم نعل لم عبيج كتاب الرفق 1 أ د74 هنم دكته وشيعات كالادر

ے ریوا کوئی تج پیشکن تبیم کردی اور ندیکو مروسیتا کے لیے بیاد سے رہ برائی فرید محک ایٹی انگی کو از ایک سال سے پالٹر ہوگئی ہے) ان کے عمرہ ندار سے تعریفی نیس جاہتا تو کیا دیسے کرد ید کسی محموم کا امام ہود اس کے بیچے نماز پڑھتی جائز سے پرٹیس رابع کے فرراند کھرتے جیچے نماز پڑھٹی جازت ہے باتا جائز نے جب کہ کھر شاور کئی اس مواہل تنزیا ہے والدر برائی مروم ہوا اس سے ماہو زیر کے تحریف کیا تابیعا طال ہے۔ عرام ریٹھا تو جرو

ەرتە

از پیداہ ریکرہ دنواں کے بینچے نماز پڑھتی ہا تو سے ⁽¹⁸ اور ان کے اُھر کا کھانا بھی طائل ہے ⁽¹⁸ والت انوانی خرب

مطلقہ کی عدت گزرنے ہے قبل اٹائ سرادینے والے کی امامت کا حکم

ه کا خانه هاه

آیا فریات میں ماہ دون در پر سند کر زید ہے تھی تورٹ کا انکان پڑا جا بعد جی معلوم ہوا کہ اربیا ہے۔ حجل از مدت مطاق کا بار پر حااہ روایہ کو اکر تھا گئی از مدت شرعہ نکال کیوں پڑا حافز اید منہ استوالی اور مراکز والوں نے حدت کے جارے ہیں جموعے کھے واکر کیا اعلیٰ اور ہے تجری سے انکان چرما جس میں جمعے والی ہوت اور شامی ہے تھی کوئی طم تھی ہے کھے واکر کیا اعلیٰ اور ہے تجری سے انکان چرما جس سے اور ہے تو میں ہوت اور شامی ہے تھی کوئی طم تھی ہے معالیٰ کا طلب تھی ہوں ابتد مجانا کی تھی پڑا طالب نے تعلیٰ

وقيدر السعنان ووالإحق بلامانية بقسمها بل بيساً محيم الاجر والإعلى بأحكام الصلوة وقط صحة وقيداذا بشرط المينان فيمو من المناهرة الح كتاب الصلوة بالسالا ١٩٧٥ و طبح البحاسمية الكراجي.
 كراجي. وكفا بين حيادية فيضحطون علين سرطي الفلاح كتاب قصارة بالإحمامة من الإحمامة من الكتاب الإحمامة من الكتاب الصلية بيروات.

وكدا في حسى كبير كتاب الصاوة باب الامامة مر: ١٩٤ قاضع معيدي كتب خاله.

لا يساحي مشكورة المصابح حن المبيدم عن المستدم حسم وداسلام ... وإحالة الدعوة بن ١٣٧٠ طبرة ليس كنه حدة.

والشذا بني الهيسدية وموازد على فعالموا سبه أن يجمه إلى دائك أكتاب الكراهية الباب الثاني عشر هي. الهذابا ص: ١٩٣ طبح مكتبه وشهدته كوكه.

از بيداور انگان مين جولوگ تو انتران بوت تارين اين پراترانی حد کياه ارد مونکني سيداد رويد اند جو نماز مين يوهاني جي اين موقعه کرداروزم سيديات

₩€

افتار السختار ووالأحق الاماملة تقارما بل نعبياً محمع الانهر والاعام بأحكام العبلوة يعقط صحة!
 وفائة الشرط اجتنابه تظواحش الطاهرة الح كتاب العبلوة بالداماة الألاه ه طبع إيج الهداسية
 كرا ين. وكد عن على كثير كتاب العبلوة باب الاطاعة ص: ١٣ ه طبع سعيدي كنب ساله.

و في المهر عن المحيط صلى حلف قامن أو مندع بال فصل الجماعة أواد إن الصارة حلقهما أولى
من الاسمراد لكن لا مثل كما يشل حلف لقي ورع الدر المحتار كتاب الصلاة باب الامامة ١٩٤١، و
طح الجماعة الجماعة على جي.

وكة اللي حلمي كبير كتاب الصلوة بات الاسامة ص ١١٤ الطبع سعيدي كتب حامه.

او كما الله هاشية المصنفطاوي على مراقى العلاج كتاب الصلوّة باند الإمادة من٣٠٣ طاح قديمي. كتب عاليه

المدامي توله تعاني او إين لغفار لمن بالمدو أمن واعمل صالحاً ثم اهتدى موارة طه أبت: ١٩٨٩م، ١٩٠٥م. مشكوة المصابح الثائب من الديب كمن لا ديب له ناب التوبة و الاستعقار فديمي كتب حاله. و كدا هي ابن ماحه بات ذكر الوالة والاستقفار المرت ٢٩٣٦م، يجدابها. سعد كرا يعي

٣) زيد داه بي طبعة الواقاق أند مكان سكو منه العيم ومعادته فالد تول فيه الا يوجب العدة إلى عب أنها للعيم الأم العيم المعارفة ا

وكدا في بدائع الصنائع كناب الطلاق فصور في أحكام العدة ٣٢٣١٣ شبع مكتبه رشيدية الارتاب

ٹرید لکائن فوالہا اور دوہر سے لوگ جو لکائن عمر تھنگی سیندش کیف دوسے تیں این برشر ما کوئی حدثیمیں ⁽¹⁾ سا سے چیچے فائز بھی درست سے اور اورسٹ کروا سنگ ہے (¹⁾ اور جواس کے چیچے فائز میں برجمی کئی بیس این کی فقت ا مجم کئی براد اور شیمی ⁽¹⁾ رفت واحد تھائی جم

الدوا لوظفا فضاعتها البسطني ودررقا المهلعين ماران

بین کی رفعتی ندکرنے والے کی امامت کا تھم

400

کیا فرمائے ہیں ملائے وین وسنتیان شرع تین درین مشک کے موادی محد وسنان نے اپنی تھی بھیرہ صلب کا نکاح کردیا تھ جس کو جرھ تھر یہ تھیں سال کا گزر چکائے اور لڑک کو بالغ ہوئے ہی گراتھ یا حرصہ بغدرہ سال کا گزر چلا ہے لیکن موادی صاحب اب تک وین بھیرہ صاحب کی شادی (رقصتی) تھی کرجا سالا تکہ بیش اما مسید بھی ہے لیڈا النما ک ہے کہ بیاسوادی امامنت کے قاتل ہے یا کشیس کو تک مودی صاحب کے وسے کیبر و گنا و ہے اور ایسے آل ہے کہ بینے نماز پڑھی جائز ہے یا کشیس اس مسئل کا مفصل جواب تحریر فرماد کرتا ہے کا نما بیت مقدر ہوئے گا۔

The second secon

على ومسول الشلمة فيسلس الله عدية ومسلم أنه قال عموات عن استى اليختط والتسهيل وها استكر هوا عليه
 بدائم العمالة كتاب الاكراء فصل وأما بيان حكم ما يقع عليه الاكراء ١٨٠/١٨ طبع مكنيه و شيديه

 كوئه

لا اسفر المبحثار وو الأحق بالاحامة) تقديمه بل نصباً محمع الامهر والاحقم بأحكام العبلوة) فقط صحة?
 وقسادًا بشرط اجتنابه للمواحش الطاهر دائخ كتاب العبلوة باب الإمامة (١٩٧/٥ طبع اليج.. مه.. مديد.
 كراجي الركفة في حلى كثير كتام، السلوة باب الإمامة ص: ٩٣ ه طبع سعيدي كتب حايد.

وكافة على أماهية التطبيع على مراقي الفلاح كتاب المبلوة باب الإمامة من: ٢٠٠٧ ٢٠٠٠ الطبع قليمي كتب جابه.

ت) وهاى السهر عن المحط صلى حقف داسق أو مبتدع من فعيل الحباعة افاد أن النصلوة حامهما أولى
 من الانتخراد ولتكن لا يساق اكتما سال خلف نفي وراع اللاز المجدر كيات الصلوة ياب الإسامة
 ١٠١٥ طبع الجهام، معيد كراجي.

وكفافي حلبي كبير كتناب الصنوة باب الإمامة ص: ١٥ ه طبع سميدي كب حاره.

ا وكناف على حياشية المطلحطاوي على مرافق العلاج كناب العملوة باب الإمامة عن ٣٠، حجاج ده، وو كنب حاله .

क्टे∳र

منتفوۃ شریف پی جنرت او معید اور ان نمیاں متی الدر خیا ہے انتہاں ہے کہر ہوئی الفرسی الند سے واقعہ ہو افا الملغ علیوہ جد قان بلغ و لو ہوزو حہ فاصاب شدنا فاسدا و فلد فلیست مست والدہ و افا الملغ علیوہ جد قان بلغ و لو ہوزو حہ فلاسات شدنا فاسدا الله علی البد اور دو مری دوایت ہی النز سے میں انتفاعی اور انس میں و مک رشی النز فلیم ا

د. مشكورة المصابح كتاب الكاح باب الوثي في التكاح الخصل الثالث عن ۲۹۱۱ طبع تعيمي كتب
ضائم . عني حسير رشتي طله عبدوائس بن مالك وضي الله عبد عن رسيل الله عبلي الله عليه وسلي
شال فني الشورانة مكتبوب من بلمت الله الشي عشرة منة والويزو جها فاصيب النما قالم والحلاء عليه
بشكوة المصابح باب الوثي في المكاح عن ۲۷۱ طبع قديمي كتب عالمه.

و کا دادنی رد السمندار کتاب انگاح مطلب کثیرا ما بنساهل فی اطلاق المستحب علی استه ۱۹۹۳ طبع ایچ ایم سعید کراچی.

٣) وأسكسهم (١٧) بامي سكم والمباحجين من مبادكم اللؤية سورة النور ٣٣، مكتبوة المصابيح وعدة قال و بالكسمر ١٤ بالمي من تراسون الله عليه وسلم إدا حطب إليكم من تراسون دينة وحلف فروجوه إن لا نقطوه لكن دينة في الارض ويبدد عريض كتاب شكاح الفصل الثاني من ٢٠٧١ طرح فديمي كالب حامة وكذا يسي حساسح فليم ماذي كسياب السكاح بناب منا جناه في النهبي عرر الغيل من ٢٠١ طبح المراموسيد كهيني.

٣) وإني نعمار لمن تات وتمن وعمل سالحاً ثواء دي سورة طعال ١٠٠٠ هم، ردايا

ا مشكرة المسابيح و من هيدالله رضي الله عنه قال قال رسوان الله صلى الله عيه وسلم الثانت من الديب كيس لاديب له باب التوية والاستغفار من ٢٠١ قفيمي كيب خاب

وكدا في ابن ماجه باب ذكر التوبة والاستفقار عن:٣٢٣ طبع ايج دايد، صعبه كراجي.

ا لیے کھی کا جوائز کی وافزگوا ہے تھا تھ کے پائی جانے سے التج ہے مامٹیس بنانا جا ہیں اور معزول کرا ہے خودری ہے (۱) روانشانلم

السيخص كى المامت كالقم جس كى بيون سياس كداماد كما عاكر تعلقات كاشبر بو

ەۋىل <u>ئ</u>ە

کیا فرمائے میں فلو دو این در ہیں استار کر ایک امام صاف کی ایوق سے اس کے و ماو کے ناجا کا تعلقات کا شہرے ادران بناج اس کان کے گھر آنے جائے سے روک دیا کی گین اس کے باوجہ وہ اس سے گھرآتا دہاتو مشتری سے اس ماچ اس کولماست سے جنا دیا تو او کہنا ہے کہ بیس نے روی لوطائق وی تھے وہ بار وزرم کی موادی دیوی اس کر گھر ہیں موجوں

هِ نَ سَ

محمی قیب و جدار عالم کوار مستقرد کرین ^(۱۱) به ایستخص کوامام نه تقرر کرین جس کی و یافت ، رتبتو کی پر ها منماز بین کوامقدنیس به فتا و انفرقوالی اهم

المُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْمُركِّةُ الْ المُركِّةُ الْمُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ المُركِّةُ

.....

 1) وأسا العماسين فقاد طلوا كراهة نقيبيم بأب لا يهنم لامر دينه زيان مي تقديمه اللإمامة تعطيمه ولد وحب طبيب إهانته شرحاً (شامي)كناب العملوة باب الإمامة (٢٠ ه طبع بهيمايم معهد كردجي و تبدأ مي سامي كمر كناب العملوة باب الإمامة من ٢٠ ه طبع سعيدي كنب حاله.

و كندا حياضة الطبيع يقياوى حلى مرافى الفلاح كناب العيقوة باب الامامة ص7٠٦ احتج دار الكنب. العيلية بروت بنان.

و كندا في النفر السختار اكتاب الصلوة من هو احق بالامامة ١/٧٥ ه دهاد دطيع البجهابهمــــعــد اكبر الهابي وكاف في النهار ذا في التي كتاب الصفوة بات الامامة ١/٩٣٩ طبع دار الكتب الملبية البيروت للمان .

اليشخص كى الماست كالحكم جوغلط قرآن بإك يرصاءراك يوى برده بجرك

<u>شِ لَ ﴾</u>

کینا فریائے ہیں ملم مگرام ہمیں سٹلہ کے باد سے تین کہ امام قرآت جیرد نمود خانہ پڑھتا ہے ۔ کیا شرعہ خوانہ بہا نو سے پائین دور بوری چین امام صاحب کی سے جرد کی کی صورت میں چھر آب ہے اور اس کی لاگ کے دومرہ ان سے نام کز تعلقات جیں اور اس کو تام بھی سے سینکہ اس کو بار بارکہا ہے اور اس کو تھا یا کے جس سے اس کی لاگ کے تعلقات جی سے بین افواج دا۔

4 S de

جنہ واعیت موالی اگر امام واقعی قرآن غلاج منہ ہے اور خدگورہ وا سرے المور پر چنتھ بیٹی کرتا ہے اور بارجو دائد دیت کے اس کو راک شین تو اس کی ماہ مت ورمت نیس (۱) یہ معجد کی منظر کینی اور نمازی تھین اگر میں اگر واقعی ایام میر بیس پر اسور پائے جائے ہیں تو اس کو است سے بناویں (۱۰) یہ فقط واللہ تعالی العم موره کدائور تر وفقول اکسیلی سردی معاطرہ مالک عاش (۱۵ معالیہ

غلط سازشوں میں شرکت اور تعاون کرنے والے کی امامت کا تھم

€U}

کیا فروٹ میں ملا، وین و مفتیان شرع شین کے اس مثلہ سے کہ زید ایک بزرگ سید

٤) و يكرره ان بكارح الادام فاسدًا ويكره اسرجال أن يسلوا خدم الفاسق تاتار هائيه كتاب الصلوة من هو أحق بالادامة (٢٠٠/ طعم (دارة الفرآن والطوم الاسلامية

وكدا في والاظلمجنار كتاب الصلوة بال الإمامة ١٩١١/ طبع مكتب و شبديه كوتته

٧) وأداءً إذا بالسي فقد عللوا كراهة تقديمه بأنه الإيهند الأمر ديبه وبأن في تقديمه للإمامة تسطيمه وقد وحدد عليهم إهالته شرعة رعارته على كتاب العطوة بأن الإمامة (أد ٥٦ طبع لبج مايم مسجد كراجي).
وكدا في خلي كتيب الهموة باب الإمامة حرر ٥٢ ها طبع متعددي كنب خانه.

وكف حياشية الطفح طياوي عبلني مراقي فقلاح كتاب الصلوة باب الإمامة من ٣٠٣ طبع دارلكت. الطبية بروت لبنان.

اور مشہور بیر کا مرید ہے۔ بی صاحب مرجم نے اس پر ہے انہا وسر بالفال کی جی ۔ اس کی جمعہ کفائت اکرتے رہے بیاں تک کہائی کی خاولی تھی ہے سا جہ موم سنا ہے قریقا سے گی۔ ی سا جہ مروم کے ہے وہوئے اُس کی زعائی بیس ہی افغال قربائے ۔ان کی زعرکی جس میں ان کے مرحم ہوئی کی دوو نے ال کے شاخر مرید خالد سے لگا ہے کہ ایل ترایا ہے صاحب مرحوم کی زیاف پائی کو جسٹ یوو سے تھی از را کی تاتی اس ہ موں کے گئے اور اس کی بیرورش انھوں نے کی تھوڑ ہے جر سے بعد لا کی کی والد وی تھی انگاٹ ہو کیا۔ ج صاحب کی بوتی برمتوری نی دامس کے قینے میں ری۔ ہوسا حسام میں کوئی کے موقع ہے مربور ا نے ایک آ دی کوئیج کر بیرها د کے کیا تی کو کائی و اسوں کے یائی ہے اور ایا موادر ابعد فرن فرات وحرست ے ماتھ واپس کانی، ماموں کے پائس بھٹوا ویا۔ اس موقع پر بیرمنا حب مزعوم کی پوٹی کے سوتیل باپ خالد نے جوعوں برآیا تھا۔ ایک دوسر ہے تھی ماجد ہے تیجورو پیرقرش سے لیااورفؤ کی کے ساتھ اس کی نافی ورموں کے بام جلاکیاں بیر معاصب وسوف کے دوسرے میں کے سوتھ پر بیر معام ہے مزاوم کی ہوتی اسید ہاموں کے اعراد آئی اور زکی کا مدتبال ہائے گئی آئیا۔ اعدم بھاڑی کو اس مدعنے باپ خالدے اسے لیک ھیں بے ایل میصن بغیرائو کی کے دائیں جلا گیا۔ دومراہ ماموں تجیمومیہ کے بعدائو کی کو بیٹے آیا۔ اکر ساتھے بالب فالدائد كالركاس أوكلي ووى داس الكاوي الركاكام وتلاباب لاك كالثاوي المضخص ماجد عديس كاه ومقروض قعا كرينة يردضا مند بوكيا- جب مريدين كوشا طرم بدخالدك الرخوا على كالمهم بواكده ولزك کی شادی ساجد ہے کرنا ہا تا ہے تو سریری خمنہ برہم ہوئے کیونک و ولوک اس ساجد کولسی طرن مجمی لا گ ئے لیے منامب خاد پڑئیں تھے۔ یہ ماجہ ٹنادی شود قداری کی بیلی یون وٹھ انگی اوراب می رہوے اور وواس مجاؤں کے ایک تخص کی لز کو تھی ۔ جب بیامعامہ اس مدیر ہیلجاتو شاطر خالعرف جولا کی کا سوئیلا باب ہے۔ ابنامطلب نکالنے کے لیے معلمت سی کھی کہ گاؤں واسے مریدین کو دھوکہ وے کرکھی ووس ک تبلدلا کی کو لے جائے۔ چانچیاس نے کا بھی والے مریدین کو علقیہ بیفین والو کہ بیش برگز و کرکز ز کا کی شاوی ساب ہے ٹی کرول گا۔ جب وو ٹاطرم پرخالدائری کو لے جائے لگا توزید نے جو مالیا ٹاخرم پرخالد ہے وربے دوبلا ہوا تی گاؤں کے مربع کے کو پیدیٹو کا دیا کہ یمن شاطر مربعہ خالد کے بمراہ جاتا ہوں یہ میں عنرورلز کی لیوالیں لے آئیں کا تم اس ولتے تناظر مرید خالد کولز کی لے جائے ووست روک اس کی امداد ک ا ورخود میں سے بھراہ چلا کیا۔ اس محفل زید نے چندروز بعد دافی آگر مریدین سے بناہ اطانی کی ک شاطر مرید ٹیالد نے کیا ہے کہ بیٹریز کی کو بندروز بعد نے کر واٹن گاؤی ٹی آ جاؤں کا اور یہ بات ال نے هم تعاکر کی ہے۔ ان کے بعد شاخر مربع خالد نے بھائے از کی گودایش والے کے ان کوما بعد کے حوا سرکرہ یا جودس کو کے کر اور دومری فیلمر کیا ۔ وہل پر کھنگی کراس ٹے لڑکی سے نکائے کرنا جابا۔ وہل پرٹرک کے موشیطے

ہا ہے ۔ انسم کہا کہ آئی میدن ٹوں امریکہ شنا کی ہے۔ یہ جانا کالمناطق کی تھوا کو ابعد دوشکس کا بھر ولي وركية و الكورية و من من المرات أنها المن المائل المنافق المنافق أنه و المنافقة ا بيرين بين النساف ليرانكو إنحول كالروان والساميريون السائح الهاالات المتاب الغهاق مردوس تكم وم کا روز اس کرنے ہوئے ہوئے اور اس نے والی اور برس کا کی باور صاور ہے مواد کی یوٹی کو کھر بھی فوال الحق نے بود اوقعمل ماجد اپنی کئی اور بی <u>سا</u>نعا ہے جموارز زیا انظر ماتھ تی ساتھ اپنے خاص آسیال ہے ر کی اور از اور این نے اپنی کوئی ایوں کو عبدا با جو موال سے عبد تی با ایوار عبد ان کے اور والت کر کے يرك كالربادي وبينات العربي ولي وزول أحاتيه والإساء أأله الماء الماء الماء الماء المراها المراها المراسية ے مر حرکہ نار رہوں کے کر بیونک روئے تھے رہے اس کیے اس کو بھن مجھ کر رکھ مجھوٹر رہے اس بات (عربہ ک کی بڑی دیری نے بر بر کوم صوم ہو تی تو نھوں نے اس محتمی ساجہ سے ان کی صحت کر فی جاتی پھٹ نے اس عمل ربار ہارے اقرار کے کاریا سید یکو تھیا۔ ہار ایک ہے ان افوائن سے کہا ہے۔ اگر اول مجل دہ ہے کہ و پولەر بالكي علاق وپ چە بور باران زازگى سەرەرە دېرۇ كۆرۈك مۇن علاق نامەدور چانجوان تخش را جدائے اپنی نافی یونی کے دانا الرقع بربی فلال و مدویہ بایدا ان قومانی طائق و مسٹل ان سفاقرہ رقی مطلقا بیانی و ایر تشور بازی باد از او از با بینیان از با این مطلقا بیونی بنداز برداید و گیز ایدا فیم د لے بینے میں۔ اس نے یعنی لیوں کے میں نے معاملت شارعان کی اور میں اور میر محکی قوم کیا ہے گیا اس کے وريافت أست يعرب أوافقالي وياليا بالدعاد في ويقي الن طوافي والسام والكوارو كالموارك فهوات أكل مواهوا ب رياس کے اللہ فاقرائر فی کے براہ بال کے کا اس کی جانوائے سے بوٹک بنت کرکے الساف ہے جانم کا فائل ف المؤرين النياة المجتمع ما بيركا من بياني تدمره بإدمره طفائه إلى أن ورها، وجابت في كدورة أنوان منطأت الله الناسي و الناول و الراق الكران عنه الخوامط أن يا يون أني وطائلة في الكراء المناس و النام والمع في أموا يا ہے۔ ب دیا کیا ان تھیں مرجد نے بر عامل اچھی آوائن کے خلاف و تعد شاہ کار ان کے کہ کھ سے طائق ويروقي وياقي کي ہے ور بيان شاري و مقلد وہ وي سے ديم ان ان کے کے ليے تيار بران مگر ان کا ان اوس کے ورعارات بارند مندكين بين بالان معامد ش تضيافها مواجشان البينة مألدين كالناروي بشخش عاجد یے کچور نے می فوائد کے اپنے اور واس کئے میں ایکھن رپر اٹل شنے والساعة فی ایک میں بدی چیش اوم ہے اور مواد ا مار من <u>ئەرەرى خوام د</u>اما رياكو يە ئۇيىڭى كەرىئى ماھۇقىيىنىڭ ھۇنى لۇرۇپ كو مۇمالار ئىزىنىڭ داكى كى تقلىمى جات کرنے والدی قرآنوں وہ کان آئی گئے ہوئی ہے والدی آٹھٹی کے اور مواجع کا مواجع کے اور میت کی وہلائے مواجع الخلس ما جدها جمي كوري الوك لوالم أيت جي الداوي بالأنواج والإنتاج والبذر المثل بالمساكد فوام كوم والكارات ہی نے اور انھوم کی واد رمی کے بنے اٹل ملت والجمامة کے گئے افقائد کے مطالق اول فاتھی ایم اور میمکمی

خالدان تیمرے بھی موجہ وران کے دواریوں کے مطلق قرق انتقاد نگاہ ہے جائے فوق کی مارے فوق کی مارے فوق جانا ہے اور افواج اسٹ کہ آجات جارت مارچان کی بائن موبیکی پائٹن اور کیا اب و دھیمی ماجدا ہی مطاق ہوئی کا زیرونتی مرکن خلاف مرضی رجون کرنے پرجم دکر مکا ہے۔ نیز محل نام بھی بیٹن امام ای امرادی ہے۔ عمد سے کے قابل ہے باید مب شرطا داجہ العوام فیں ۔

16 5 m

اگر بیدنیان تھی ہے قرارہ بھرکی کہلی ہوئی وفاقہ بالنہ بہنگل ہے ور اس نے آر بر اور ٹیس بیانی مورٹ ہے موافق تیس کیا تو فورٹ اس سے تق میرے مکتی ہے الاور ٹیس باتی (زیدے خالار ساماند) کے جمالی حالات اس قاتل ٹیس میں کران پراخر، آریا جائے ۔ ایسے افکاص کو نام بھانا تھی غیر مناسب ہے (۱۰) ہاتی مزار بنا تو موجود و من شروعی کی کے مقیار تھی ٹیس ہے۔ اس کے تقاتل کی عرض کر جائے ۔ ان اوالک حرفات سے بازر کھنے کی برد چھی مورٹ بیٹس کیا جائے کہا ہے۔ وارفد تی لی اظمر ایم رکھ بھی کی روسوں

بعداز صلاق بدون حلاله تورت وكهربين ريضيوا ليكي امامت كالقلم

ولاً كل (ا

کیو فروستانی پیما ملا دویان این منفساتان که یک آون به فراین یوی کوهری کیلی هی تنی طواق با سه و این انتخبر حفاله منگ می بین آور تیما این بات کوچنی چار ماه گزاد کے جی ماکیلائی کے ساتھ کوان پیر جوفز ہے یا نداوران کے چیچے نماز جائز ہے یادے

1

- أن السهير وجب مدمس العقد به وإنساعة كنافروه قيامه بالوح، وتحوه شامي كتاب البكاح باب السهر ١٠٢/٢ وجع الجيدامي، مسلم كراجي، وكذا في البحر الرافق كمات اللكاح باب المهير ١٠٠٥ م م ماسع مسكيم رشر ديمه كوتند. وكذا في الهدامة كمات اللكاح البدب السامع في السهر العسر الثاني بناكد به السهر والمنتقد (١٠٦/ مام و شهديه كوي.
- و كما أخير حطين كسر اكتباب المصلوبة بادر الإهامة عن ١٩٢٠ فضع بمداري كان حالم و كانا وي الدنار حاليه كانات الصلوة من عمر العق بالإمامة عن ١٣٠٠ طبع إدارة نشر أن والعلوم الإسلامية .

₹₹\$

اگر واقعی یہ درست ہے قوائی کے ساتو آف تعنق مروری ہے (10 مان کے چیجے قداز درست نہیں ہے (40 میل) توریکو چاہیے کہا ہے مجورگر کے مورے کوافک کراوی (10 کے مقائم

محود مقدانف ويعنني ورمدقاهما فعلوم يآثبان

 على همرة أهل الإهواء والبدع والعبة على مر الاوقات مالم يعهر منه النوبة والرجوع الى الحق مرقاة السنف للسح كالده الإداب سام، منا بنهي عنده من النهاجر والتقاطع إتباع العورات القصل الاول
 ١٩/ ٢٢٠١٢٠ طبع دار الكنب العلمية بروت لبنان

وكالفاه في أو هار المصدالان إلى مؤطا الناو مالك، كتاب الجامع ما حا، في المهاسوة ١٦٧/١٢ ميخ دار الكتب العلمية سروت لمان.

و كيفيا في تنبع ليتعاري شرح صحيح البيجاري كتباب الإداب بالم. الهجرة ١٣١/١٢ طبع دارالكت. العقبية بروت لبنان.

٩) بيل مشيئ في شرح البنيها على أن كراهة تقديمه كراهة تعريب (شامي) كتاب المساوة باب الاسامة
 ١٠٠ عند ابير الإساميد.

وكذا في حلبي كبير كناب العموة باب الإمامة ص: ١٣٠ ه ضع معيدي كتب خامه.

و كيفا في حياعية المطبعطاوي عني مراقق نفلاج كتاب الصلوة باب الإمامة من: ٣٠ الطبع قديمي كتب خان.

افت طافای مانان گرافیته آو آمنخسش فطلای آو طلای اشیطان ۱۰۰۰ مهی واحدة باقته زن لم بتو ثلاثا الهجر افرای ۴ (۹۹ در ده کتاب فطلای باب الگایات مکتبه راتیدیه کونته.

وكدا في الدر المسجار ٢٧٧/٤٧٦/٣ كتاب لطلاق باب الصريح ضع ايج الموسعية.

٣) النساعي مرفاة المعاقبج شراح مشكره المصابيح وهو (أي أمر بالمعروف فرص كفايه ومن ممكن منه ومراكات بلا عاشر أذام «كتاب الإداب باب الامر بالمعروف ١٩٦٦/٩ طبع دار الكتب العلمية مروت النتان.

وك 15 في المكام الفر أن السولانا طفر الحمد عنداني، واحملة القول عبه ما ذكره الضبح في سان القران في الاصر بالمعروف والنهي عن المشكر واجهان في الامور الواحدة فعلاً ومركا على القادر عليهما الخ الشروط الامر بالمعروف والنهي من الممكر الألاه طبع إدارة القرآن كراجي.

جس شخص کی آیک ہو کی اپنا ہوتی شب با ٹی ہے دوسری سکانٹی میں رستیر دار ہو جائے اس کی امامت کا تقیم

$a_j = \frac{1}{2} \left[\frac{1}{2} \right]$

क्षें के

صورت المسهول عن ورساليد روي شاخوق سانده فوارد الله السياق مدين المعاف كرا والمساقوات الدونر وتشوير بالله أن ما الادارات من المسهول من يستين أن المارون المسيون من المسيون منه

۱) و براکت فیدیها درگید آی و بها (عمر و اسع فیها در جوع افتات ادامام ایسا فیسو ۱۹۳۳ میلو ۱۹۳۳ میلود)
 به را المحد اصلع وجرد اید سعید اگر چی.

و كنه في المحر الوائر كنات للكتاح بالال الفينية 1869 طبع فكنية. تشقيه كواته و كنافي الهندية الثان المكالم فان الفيني 1864 طبع بكنية والمستم لامور مجنی معفر مند سه دورتشی استه عنها کے بالاقل مفر مند بدائیٹر نزند کے لیے بخش و باغض⁽¹⁾ روانسوام معادلات مند المحال کی محد منا مناہ مناہ مناہ

فاحشہ بیوی کوبساے ۔ کھنے، فاحشہ کوطلاق بالمال دینے ، بغرض لا کیے گاؤں ہیں۔ عیدشرون کرنے معدالق طلاق پر فکاٹ پڑھانے واپ کی امامت کا تقم حدیث

ø √ w

٠ • (٢) أبه

میسم اللہ البخن الرجم بدارا) مربیختی بازی بیوی کا بدکاری سے ماک ہے امروز کی آرائی آرائی کو فات ایر بنا سخب ہے ۔ ای کے قاسر فحال ویا ماز ہے گیل ہے (اللہ اگر اللہ فی ندا ہے جب مجی اس کے بیچے

المودة مست ومعه وطنى الله عنها سأست رسول نشه مرئى الله عليه وسند أن برا معها وتنجعي بود بوينها العائشة وصنى الله عنها عداية أكانت اسكاح باب الفسية (١٩١٨ ميغ مكتبه راحه به الاهور)
 وكام عي فيحر أن كان الفات الدكام بالدافقية ٢٤٨٠ طيم مكانه وغيدية كولك.

[&]quot;) هُ مَا الْمُحَدَّدُو لَا يُحَدِّدُ على الرواحِ أَدَّلِيقِ العالمَرُ فَا كَانِبُ العَظْرُ والأناجة نفسل في السع ٢٧٧٦ع طلم البواء سامعيد

أذا يها أذا به المستحب طلاقها اذا كانت سليطة موذية او ناركة للصلوة لاتقبع حدود الله المستحب طلاقها اذا كانت سليطة موذية او ناركة للصلوة لاتقبع حدود الله تعالمي يستحب طلاقها اذا كانت سليطة موذية او ناركة للصلوة لاتقبع حدود الله تعالمي المستوجها على ترك الصلاة ولم يقولوا عليه مع ان في ضربها على شركها روايتين ذكر هما فاصيحان - إلى الني في أستقل الم شركام عن أعام عن في ضربها على أو أو عها روايتين ذكر هما فاصيحان - إلى الني في أستقل الم شركام عن ألها على أو أم أأ أراد المستوجد الله المستوجد المستوجد الله المستوجد ا

 والاحق بالإمامة الإعلى بأحكام الصارة) فقط صحة وقساداً مترط احتنابه للفواحش الظاهرة كتاب الصلوة باب الإمامة الرايع، ضع ايربايم سعيد كراجي.

و كـ قـ ا في حاشيه الطحطاري على مراقى العالاح (فالاعتبي) بأحكام الصارة الحافظ ما به صنة الفرائة ويتحتب الفواحش انتظاهرة - كتاب العباوة فصل في الامامة من : ٢٩٩٩ - ١ ٢ شمع دار الكتب العلمية بيروت.

- ٣ محمر البران كتاب الطلاق ١٩/٦ وطبع مكتبه وشهدية كوافقه وكدا في الدر السحنار كتاب الطلاق
 ٢٩/٣ طبع الإسابورستية.
- لا ينبيعني لملقوم ان يقتدى بالفاسق إلا في الجمعة لانه بي غيرها ينجد إماماً غيره كتاب العسارة باب الإمامة ١٠/٠ ٥٥ ضع الجهاجي سعيد.
 - وكذا في البحر الرالق كتاب الصلوة باب الإمامة ١٩١٦ طبع سعيدي كتب حاله.
 - وكذا في حلبي كبير كتاب الصلوة باب الإمامة ص: ١٤ ٥ طبع معيدي كتب خانه.
 - و) الدر المعتار كتاب الطلاق باب الخلع ١/٥٤٠ طبع ايودابه سعيد كراجي.
- و كفّا من النجوهرة التوة ويهامشه المبدعي كتاب الطلاق بأب فاخلع ٧٨/٢ طبع مير محمد كتب
- مسلورة المهدد في القرى تكوم تحريساً الدر السنتار كتاب فصلوة باب صلوة العيدين ١٩٧٤٢ طبع المجرديد صفيد كراچي.

وكدا في البحر الراتق كتاب الصلوة باب صلوة العبدين ٢٧٧/٢ طبع مكتبه وشبقيه كولفه.

ا مطابق دوا اراس آیسند ک رمد مدت از ۱۰ بینتا که دیده به درت زوایت دادار موفی به توان کا تکارش شد. ۱۰ در به مشکل ک با آنواد و مکتاب ۱۳ که کیکس بیانگل آفر و دی از این کسی ساز و این بیک بیند را می مکار بیانگل و ۱۰ بیار نی انتازه فیره دکش بیدا ۱۳ که بیانگل تا کیک روایت به دولایک این او رئیس شرکه بیاره این مرکزی میکسیک این برگرفی انتازه فیره دکش بیانگل این این می او رئیس شرکه بود نیس او این دی و این این این این کوف با در فی

ح رواب العين أخرار انجواب في عود الأالد المثر عصرتواري ۱۳۹۱ ه

 ا) وهسخ مكاح (حملي من وم) (ا) حبل (من هبره) اندر المدخلار كتاب المكاح بعيل عي المدحر مان ۱۸۷۲ طبع الجراسجيدية.

و كذا في لنسل الحقائق كتاب المكاح ٢ (٥٨٠ ٥٨٠) طبع دار لختا . العلمية بر وب النان.

و كما مي المحر الرائق كتاب المكاح معلل مي المحرمات ١٩٧٦ ، مقيم مكيم، شديه كوطه.

3. وصبح تدفيل و معطى مرازي ان سيلى من فيره أن الرائي لقول بسنة وقومي عربي الدون مرج وطبا هما و واومية حيي التقدع النفواة متحدار اكتبال البكاح فصل في السندر مات ٩٠١٤ و١٨.٥ طبح الإجرابية معيد.

او كما في اسخر الرائي كناب المكالع فعمل في فلمحرمات ١٨٧/٢ طبع مكتبه رشيديه كوته. وكالدفق تبين الحقائق كذاب المكالع عالم في هذه والمراجعة العلمية بروت سبان

جوس السحر الرائل وأما مكرحة الفر ومعتدته مالدحول بيدن برحب العدة ان علم أنها للعبر إلايه بر
الشال أحد لحواره علم بعقد المثلاً كذاب المكاح بال العهر مطلب في المكاح الدامد ١٣٩/٣ طبع
الجرائب المهام عبد أثر الجور

م كنه اللي و المستخصر كند مناسبك باح د باد. السهار معاليه في الكام الدائية (1997 هـ ع. ع التج الرم صفره كراجي

وأندا في يعالع الصنافع كناب الطلاق فنطل في أسكاء العدة ٢٢٢١ بشع مكت وشيسه كويجه.

المد بي تواد تماني وتعاونوا حلى هم والمفون ولا تعاونوا على الألم والعدوان الأبه ٢٠ وكد الى الأباء ٢٠ وكدا في تعدير الله كند عدام كواچي

قسما می قبراند منعلی بایها افدان اصوا تربوازش الله نربة بصواحاً بالایة اسپورة البغر بها این دیرو کاداهی
الصحیح السمار شرح قانوری و ۱۹ قواعلی ان عوبة می حبیع البخاصی و احیة و تها و اجبة علی الفوال الا
یحوا تا میرها سول کانت السمامیة صحیحة از کسرة کانت الفواید ۱۹/۹ ۱۳ طبع غلیمی کسب مدید
ا و کفامی ریام العسامی (دام الفانی می ۱۹۵۱ میغ علیم لاهور)

٢٢٨ يا ب الاماحث

لڑکی رو کے رکھنے والے کی امامت کا تعلم

∯سَ*

C

ہوری تختیق کی جاوے اگر وا تعدار سنت ہے تو تختی بذکورا ماست کا اینچیق کی اورا بلیے ٹیک رکھتا کہائو گی کے عرض نکاح جو جانے کے احد کی تھم کا مطالبہ جا نوٹیس اور ندکوئی رقم و فیر و لی جانتی ہے۔ اگر نے کا تو حرام ہوکا (۱۰) مجھم ندکوراؤٹو را تا اب دوکرائز کی کواسیٹ قاوند کے حوالد کرنا لازم سے در ندسملیا تو س کو جا ہیں۔ کہ اس تھم کے فیرجی احکام چرکے گئٹس کو اساست سے معنو دان کرد نہیں (۲۰)۔ العدامل مجمود و خاالد عند

۱) فيما من الدر المتحار أحدً أمن العراة ثبتًا عبد السليم فلدوح أن يسبرده لاته رشوة وقال الشامى تحت فوقه عبد السليم أي بأن أبي أن يسلمها أحرما أو نحو حتى باخد شبئًا وكذا لو أبي أن يروحها فيلم أن يراحها فيلم الإسراءاء قالماً أو مانكاً لانه وشوة كمال طلكاح باب العمير ١٩/٣ ه : ضع الجمام المعيد أكرابي. وكذا في البحر الرائل كمال اللكاح باب المنهر ١٩/٧ طبع مكت وشهديه كوفه. وكما في البرارية عشى هامن الهديم كتاب النكاح التابي عشر في العمر برح آخر ١٩٥١/ طبع وشهيم كوفه.

٢) وشيامي بوأما العاسق فهد عللوا كواهة تعديمه بأنه لا بهتم لامر ديم وبأن في تمديمه للإمامة تعقيمه
وصد وجيب سلهم إهبائه شرعاكنات الصنوة بالم الإمامة (٥٠٠ قلع الج ماهم ماهم سعيد كراچي).
 وكذا في حتى كبر كبار تصلوة بال الامامة من (٥٠٠ هظع معيدي كتب خاته).

و كذا في حاشية الطحطاو »، على مراثى الفلاح كتاب الصارة بات العامة ص:٣٠٣ طع دار الكتب العلمية بيروت لتان.

بغيرملاا قركسي في عورت ركھتے والے كي الأمت كا حكم

ه کره

کیا قربات میں عمامت کرام اس منسدش کا درور ساکا در ایش ویک و وکا دور ہے جس واقت ہیش المام موجود خُش مِن تو و وفياز مع ها تات و بمملواس و و كونيو را بام مسے تعلق اس كے دشته واروں نے بتا باكيه الی کے گھر افغیر فالا آن اور سے اس کے جیسے کر انسی روقی و جو سے ج میں تو اس نے بنار اس <u>کے جو میں ہے</u> التو في أن أياب مصلما في في أيامة ورك من بي ملاكة والم من ورياضا أبرا والحول من كما كراس من بیجے فرز کھی جو تی جس کی وہ ، حالا الموال ای کے بیجے فراز پر سے رے رک شمیر الدوان کے بور پھر پراہام صاحب نَّ وَحَرَافِ لِلْهِ عَلِي أَوْرِيَّ كَرْكِ وَأَيْنَ لَيْكِ وَجَارِي مَنِيرًا مِنْ وَمِقْدُورَكُ إِنِي جِوولُ إِس و کا تما ایک امامت کا جائید است تھے تھوں نے اس کورہ بارہ بھر تا تمرکز یا جب بینماز پیری نے گئے گئے تو مجربية تورموا كذائب من ينجيه فما زئيل ووفي تواهوي ما صب الفرائب وقب قب قب وتاتاي كالتي الكال مكنا بول و آپ نمرزيج هر كروم چارة وقي ميرت يا س آخي قريمي آپ كولتوني وكي دون كا يدب آوي اس کے بات کے آئائن کے توفی رکھا وہ جس رائے کی کوئی صریفا وہوٹین مجھان والوں نے نہا کہ آپ سے ا فيعله كع سأنيس اليخ قوجواب مل كدجن لوكول خامشر ألياستياش ال كوفهاز شرور بإحداق كاباتي أب میرے چھیے نماز نہ پڑھیں ورائی کی جو زول ہے اس کا گھر والا زندو سے جو کہ بھر سے تین کیل کے فاصل یرے اس سناس کورٹ کے مشاق یو نیما قوان نے کہا کہ بیان نے طلاق ٹین دی اس کے بیرانی کہتے وغیر و شرم ُو يَوْجِهِ مُرافعون نِهِ بِهِي جِي جِوابِ وَإِلاَمِ مِنْ فَضَلِ كُواسِ مِيكِ حِالَ كَالْمُمْ جُونُهَا تو كياه وان ارام سے يَجِي تمازاه الرسَلَ عِي كَنِيمِ الورية إلى وه وورب نمازيون وها سَنَا اللهِ وَكَنْيِمِ الدران في نماز بوسَق سر شر ہے و کیا کئیں یہ

¥ ن 4

ا قاتل نمیں فوائی سازق کے کرا بعد مدے کے قود کورٹ کرے۔ جوانگاٹ کی اورٹ کو کئی رکھنا (۲۰)و اورٹ معمور بنیا نہا ہے ورپر بیر کے بیان اگر مورل مطابق ووقع کے بیار مصراطم

ا ٹی بیوی و معلق جیموز دیے والے کی امامت کا تھم

ه کل ه

کی فرمائٹ جیں مذہبہ یہ دریں مریب مشد کہ ایک مجھی ہے آئی نے اپنی وہ تی بھوڑ تی ہوئی ہے ۔ وہ تی عدومتا ہی جی ہے جو عمل کا عرصہ ہو کیا ہے ادا ان کوفلاق می ہے ندا ان کوفر چاہ بتا ہے ۔ چیشمن آئید جی امامت کا فائم کرتا ہے ۔ البا اس تھی نے جیجے تھاڑ جا کوئے ۔ طاعہ این کی کیوروں ہے کہ ان کھی کے جیجے غراز دو تی ہے بائیمن ۔

ه ن ه

ا بَيْنَ وَهِ أَوْكَا لَعَالِمُوا أَلَا يَا أَلِي وَعَلَى السَاءِ، يَافِّو كَبِرِي أَلَّمَ سِيَّةٌ الْهِ إِلَى السَّلَاءُ السَّعَالَى قَالاً تَصِيلُوا كَلَّ الْمِينَ فَعَلَمُ وَهَا كَالسَعْمَةُ اللَّابَةُ فِي الرَّاسُ الْ الرَّالِيُّ الْمِينَ أَلَا مِنْ وَمِنْ أَلَوْقِ أَنِي فَيْ فَيْنِي أَرِضَا أَورَاقِ سَيِّكُي اللَّهِ عَلَيْهِ المُنْ فِي مِنْ فِي سِيِّهِ أَلِنْ أَوْلا مِنْ التِي هَالِتُ مِنْ شَرِقَ صَوْلا لِسَالِهُ أَنْهِ الْمِنْ أَلَ

 (۱) الإيسمى أن يقتدى بالمدسن الامي «مدمة لائه هي فيره» يحدادا أن غيره (شامي) كتاب الصلوة دات الاساست من ۱۹۵۰ ج (۱) خيج بيرسميد كراجي.

 إلى من كان مع قدر ومهدانه فالدخول فيم لا يع من العدة في علم أنها للعبر فاله قد يقل أحد للحوادة فلم يستقد أصلاً كذات الطلاق فات العدة عالى عالم مكتبه و شيدمه كوائد بسرالرائير.

و كنفا في إذ المستخصل كنسات السكساح سات المعهم مطلب في المكالج الفائد ١٣٧١٠ طح الهجرة إلى سنب.

. واكمه في ممالع الصنائع. فتات الصلاق فصل في أ مكام لمدم ٣٠٢٠ ملع مكتبه وشباته أكوف على مورة المدار أمة ١٩٨١.

> وكد أبي تعليم أبن كثير مورة البعاء ألف (١٣٩ هيم قديمي كيب حاله واكد أبي تعليم مير مورة الساد أيت (١٣٩ هيم قفارية كالمدي روة كوكة

لیمائیمی ہو ہتی تو گاہ طوق ویلانے ورئی گیری کیلی اگرتی کیے گئی گئیں کر مکرااور ہورے کمی اس جاست بھی گئیں۔ مربونا ہوا تھی تو گھرطوں کی ویلانشوں وی ہے ⁶¹³اور اس حالت بھی طواقی شد سینے کی صورت بھی ہے گئیں حاصی ہ المالم ووگا اوران سنت اس کی تحرود ورڈی ⁶¹کہ نقل وائٹر تھائی اطعم

جوان لا کی کو **بعد از نکا**ن رقصتی ہے رو کئے واسے کی امامت

و ل∞

آلیا قربات میں ملاست این کرائید بھی آواز تا وری کے گھا اس کے مقدیمی ایسا بورٹ فی جمل سے ایک از کی تھی تھی ان کو گئر سے تکال والا فاقریق وقیر و ایا اور لا گھا و سیٹنا و با ایسا از اس و مرکی ایک محدر سے سے نکارت کیا جمل کے باس مجھے تحریت ایسا فرجوان فرق بھی تھی اور اس کری کا اکارت کی ایوا تھا لیکن میں ووکسی شعر بازی میں '' کرائی کی رکھتی ہے انکاری ہے ۔ امر اور بافت طلب یہ ہے ایوا کیے گئی ۔ کے جھے دوکسی سمبر میں مام بوزن و جو ان ہے بائیس۔

.ەن چە

المامت كے ليے كئى تربية كار مالم وين كونتم وكري مناسب ہوتا ہے (علمان كيے بيش امام مذور كے

- اللدر السنختار وينجب الوفات الامساك بالسفروات وينع دار بدعية كتاب لطلاق ١٩٩٣ فيع
 البجاليون سفيد. وكدا في النحر الرائل كتاب الطلاق ١٩١٢ فيم مك و شهديه كوك
- ٣) ويكره تزيها (إمامة ندد) ... وقامق در مجدر كتاب انصلوة بالإمامة (١٩٥١ ه طبع الجرائب سعد.
 وكتاب على السعالاسة كتاب السعلوم المعمل الخامس عشر في الإمامة والإصدار (اره ١٥ هـ عكم الجماعة كتاب قصيوة باب الإمامة ٢٩٠٩ ٢٥٠ طبع الهمامية كتاب قصيوة باب الإمامة ٢٩٠٩ ٢٥٠ طبع دار ظكر شعلية برود الربال.
- ع) ومي فتاوي الارشاد يحب أن يكون إداد الفود عي المصرة أمضتهم في المشهور الوراع والتمري والعوادة ا وقا حسب والتسب نادار خالمه كتاب الصوة من هو أحق الإمامة ١٥ - ١٠ طبع إدارة القرآن والعلوم العالم العام العام الاستادة ١٩/١٥ و ١٨٥٥ و ١٨٥٥ و العام ا
 - وكندة في لنهر العاش كنات الصلوة باب الإسامة (٢٩٨٠ طبع دارالكنب العلصة بيروت لسان.

چھپے آگر پیشانہ جائز تو سے کیٹن منا سب ہے ہے کہ اس سے کہا جائے کہتم سپنے اس تعلی ندگوں سے باز آ جاؤسا گر بائر آ جائے تو بہتر ورند اگر کوئی و امر انتقی عالم مل سکتے ؤ و سے ویٹن انام بنا امر موجود و امام کو معزول کردیا مناسب ہوگا ⁽⁶⁾ دواند تعالیٰ اعلم

محمودين ويتعقق والمدني معموطيع والمان

غلط مسائل بنائے وانے کے چھے نماز پڑھنے کا حکم

۩ؚٚ؆ڰ

کیا فرمائے میں ملامورین وریں مشکد کو ایک مصور دگی یا قائے میں باتھ ہم کرفر آن پاک ہے ورق پر لگا وے برخواست قرآن پاک کے دوق پر لگ گی جب بڑے ہے بچے نے جوفر آن پاک بڑے ورا فنا دافتہ صاحب سے کھا کہ آپ کے بچے یہ فرکوا سے لگا دی قوطالہ بار کہا گئا کہ ان کا فاقہ مرصاف کر وہ ہے اس کے بعد پر بات بڑماں تک کی فوطافہ صاحب سے دروفت کیا تو کہا کہ جامئے تھی سرائن کا باتھا لگا دیا۔ ویکھا تو نہاست گی ۔ دوق کاٹ کردومرا مفید کا غذا کا کراروف کھا دیا ہے۔ ب اصل مشنہ ہے کہ جس دفتہ صاحب نے غذہ بانی کی اورفر آن پاک کا اخرام کرنے تے ہی نے کہا کہ کی فرج کھیں کا نذرے ساف کراوٹو جا فوصا ہے کی افراد کر آن پاک کا اخرام کرنے ہے۔ اور ا

43 m

قرآن یاک کے ورق آ جان پانجا مت گل تھی بال سے صاف ٹرنا خروری ہے (۲۰)۔ کا سے ل

 (تسام ی) لا با داهی از بفتان بالفاحل زلاقی الحمله لامه فی غیرها بجد (ماما هیره (شامی) کتاب الصلوة مام الامامه (۱۹ هم مج ابچ ابو مسجد کراچی.

وكدا في حلبي كبير كتاب الصلوة باب الامامة ص: ١٧٥ طبع سعيدي كنب حامد

وكماً في حماشية المضمحطاوي على مراني العلاج كتاب العبلوة باب الامامة ص:٣٠٣ طبع قديمي كتب عالمه.

إلى النما في الدو المحتفر وكذا يطهر محل لحالم (مرابة) (() وظلمها) (أغاز يزوال عينها والرافة وللرحمرة أوبما فوق ثلاث من الاصلح كتاب الطهارة (١٨٩/١) طلع مكتبه وشهديه حديد

وكامة في الحرد الاول من الجوهره الذرة ويهامك الهاب في شرح الكتاب للمية الي الراز) طبع مير محمد كتب حاله كتاب ططهارة باب النجاسة.

وكفا في الجوهرة كناب الطهارات باب الانجاس ١١/١ ؛ طبع مير محمد كيب حابه.

مقر ورہے تھیں۔ یہ فعال مدام ہے کہ اس بار سے بھی مستحق اور جھوٹ ہے ادام گئیں بھار جو ہے اور ہا انتران اسے کو اللہ باللہ باقری تو ساتا ہے مور جانے ہے اور کا ان کی رامت ورمات موج (اللہ مانچ واللہ و اللہ مانچ

الله وجوامها في خذار ج الب فعني عارات التي مواصور مازان المهم وبني الترفي عام 184 م

رَبُورِ كُونِ كُونَا وَمَا وَنَقِيرَ مِنْ يَعِينُونِ مِن اللَّهِ مَا مُعَوِّمُونِ الْمُونِي الْمُؤَلِي وَالْعَالِمُ

غلط مقید دیمان کرنے والے خطیب کے پیچیے نماز پڑھنے کا حکم

يو ک**ي** پي

هُ نُ مُو

ام والشين أدا فمناز فاحشه أو مطمرا أنفسهم فاكروا الله فاستعد والدونهم الأية (١٩٥٠ ماره). و هال عبد فالله أن مستود وحيل الله عنه قال: قال راسان الله صلى الله عليه وصلم النات من فاست. اكتبل لا دست مشكوة المصاليح فات التولة والإستعفار عن ١٠١٦ قاليمي كتاب حاله

وكيد من الرياسة بالمن ذكر التوبُّة والاستعمار العربية (1995 البجيانية) معبد كرجي

عال والمصوافيان الروز فلأنف سورة الحج أنفاخة وارعالا

عن المداوي تولد بمالي باليها الذين المورا تولوا إلى قاله توانة المبلوحة الآية المبلولة التخريب (١/ أساعي فستجح المستقدم شراح المستوي و انتقاء مني أن الترابة من المبلح المتحسن والحية والها والحدة على العول لا المعود وأسراها النواد كلمت المعصية محراة أو كبيرة كتاب شوالة (١٥٥٢ شع قديس كسد حالة - وكذا في ويامي المسلمين المام، الثاني في النولة (١٥ ه شيخ مديد لاهن. ور ندا مامت ست عليمدوكر (ياج ئ (أ) _ فقط والفرخوالي العلم

بنده محداسماق ففرارنا شب عقى مدرسة اسم العنوم ملزان و ١٥ محرم ١٥ ١٥٠١

غلامسائل في تبليغ كرفي والي كامامت كالحكم

﴿ ∪ ﴾

وزیراغلی مرحد کی وساعت ہے آپ کا بیاستنتا وسی طالب والی میں ایا مسجد سواد کی وبیوالرحمان سے دب پرمند رجہ ذائب افراد کا ذکر ہے۔

مسلمانوں میں تفرق پیرا کرنے میں معروف ہے، قرآن مجید خلط ہوامتا ہے، غلط مساکل کی تبلغ کرتا ہے، مجوعت سے کام لیک ہے، توریک معاہدہ سے تخرف ہوگیا ہے، وغیرہ

€€}

معجد کی شکھر کمیش واعتد طلیاتم ذی تحقیق کرلیں۔ اگر واقعی بیالزامات درست بیرا قرابیا گفت اوقع ارائع ارامات شمیل (۲۰۰۱ اس کوار مت سے بنا ویا جاوے اور کئی معتد علیہ ویندار شکی ایمسلک عالم کوارام مقرر کرویا جادے (۲۰۰۱ نفتہ والفائق کی اہلم

حرره مجدا آورشاونغول: الجوائب في محومها خدمقالندين. حدّة التنور 1944 على

 1) وأحاظ ماسيق مقد عللو كراهة نقليمه بأنه لا بهتم لامر دينه، وبأن في مقديمه للإسامة تعطيمه وقد وجب عليهم إهانته شرعاً وشامي كتاب الصلوة داب الإسامة ال. 4 د مليم الإسام حسيد كراچي.
 وكذا في حتى كيو كتاب الصلوة باب الاسامة هي ٥٠٣٠ عليم سعيدي كتب حاد

و كشاحياتية التطحيط وي عملي مراقى الفلاح كتاب الصلوة باب الإمامة ص٣٠٣ طبع در الكتب العلمية بيروت لنال.

إلا يسبعي أن يقتدي بالعامق إلا في الحسمة لامه في عبرها ينجد إماماً غيره كتاب الصفوء بال الإمادة
 ١٠/١ فيم ليج دايج، صعيد.

و كفا من ماني تحير كتاب لصارة باب الإمامة من ١٣٠ ه طبع سعيدي كتب غننه. وكفا من حماشية الطحماوي على مرافق الفلاح كتاب العيثرة باب الإمامة عن ١٣٠ عطيع فديسي كاب عاشه.

وفي فعاري الاوشاد: يتب أن يكون إمام المقوم في العملوة أفضلهم في العلم والورع والعقوى والفراءة
 والمحسب والنسب نافار حاليه كتاب العملوة من هو أحق بالإمامة ١/١٠ - ٢ علم إدارة الفرائي .
 وكدا في الدر المعضار كتاب العملوة من هو احق بالإمامة ١/١٥ ه ١٥٥ وطبع اليهي الهدميد .

وكفة في النهر الفائق كتاب العملوة باب الإمامة ١ ١٣٦٤ طبع دار الكنب لعلمية بيروت لبمان.

کفار ومشرکیمن کے جہتم میں دخول کا خقید دینہ رکھنے والے کی امامت کا تھم ﴿ آل بُھُ

سي قررت بين جائد و بي الرستلدين كر ذكور و قول با تم النظرية النظرة و توليا با تم النظرة النظرة بين حول عالد بعد المستلدين كر ذكور و قول بالمجاولات والمستاد بين المواجعة بالمواجعة بين المواجعة بين الم

€乙﴾

(۱) معابہ کرام رضی انڈھنم تو سن م ہیں داخل گرائے کے لیے حضور علی اندھیے اسلم نے کئی تکایفیں انھا کی سالعدلک جا عدی عصد کے ان الایکو نو ۱ مؤجہ بن ^(۱) بھراتھیں کے کل کی تجویز کا فاد کا الدا تا تا اسلام کی بنیاد کو انھیز انھیں تو اور کیا ہے ۔ ایک بات کی توسعت آپ موزور کی طرف کرنو انتہائی ہے وقوئی اور جہائے اور افترائے علیم ہے (۱۰ کے کی مسلمان آوٹ کا کاکل گزاد کہیں وہے۔ مشور مسی اللہ عب اسم قوافر ہائے

اع سيرة الكهف أيفا الهاره ١٥ وكذا في سورة التعرار أية نهاره ١٩

٣) حين عبد السم من صدرور شي الله عمد قال قال: رسول الد صلى الله عنيه وسلو بخوا على الرابط وحدثوا على الرابط وحدثوا على المرابط وحدث على متعدد عن المناز رو «الرابط» مشكوة المصابح كناب العلم الفصل الاول ص ٣٠٦ فديني كسب حادث الرابطة في حسبيت السحياري كه عام الدام و كسم في حسبيت السحياري كه عام الدام و المرابطة وحدث كنامه طفي المسي مسلمي ألف عليه وصلم ١٩١٨ ضع البيدام، منتبد كرابي.

یں المسلمان وصافیها اهلون علی القه من فقل و جل مسلم او محصافال (۱) اورقرات یہ المسلمان و مسلم او محصافال (۱) اورقرات یہ سباب المسلمان و استاب المسلمان و ال

ا) مشكوة المعالج كتاب الفصاص الفصل التاني مر ٢٠٠٠ طبع فديمي كتب حالد.

. وكندا في حمامع الدوماني الواب الديمان ساب سامياز في تشديد فتل الدوس من ٢٠١٠ طبع البيمانيو معيد كواجي.

- عشكوة الدهر الرح مات حفظ الذعان والعيم وافتتتم المعيل الأول من (۱۹) طبح فديمي كلب عالم.
 وكفا عن حديج الترماني باب ما حاديق الشتم (۱۹) طبح ليج المرسميد كميني.
- عن عبيد البلية بين عبيرو رضى الله عنه قان اقل رسول الله صلى الله عليه وسقم بلعرة عنى ولو أبة:
 وحدثوة عن بيني استرائيل ولا حراج من كندت عبلي بشميد وأبليتراً مقدد من القار (مشكوة القصابيح) كتاب الطم المصل الاول ص: ٣٠ طع قديمي كتب عاله.
- و كما الذي صاحبح ليكار ع كناب العلم بالراء الدامن كداب على البلي صلى الله عليه وسلم من ٢٠٠ قايمي كما خانه
- (ن الدنيس كنصروا وماتولوهم كفار أوقتاء عليهم لعنه الله والملتكة والدامر أجمعين حالمين فيها إلا يحتف عنهم المذاب والاهم ينظرون حورة اليفره أية ١٩٣٠
- إذا أسكم أبة من الشرآن لومسخر بأبة من القرآن وفي الحرابة نوعاب نفد كفر تغارحاتيه كناب «حكام «سرندين فصل فيما ينطق بانقرآن «له وج طبع إدارة انقرق والعفرم الاملامية».
- إلى النما في حلني كبر وإنما يجور الإنتدارية مع الكرامة الثانم بكي ما يعتقده يؤدي إلى الكفر عبد الهل المستد أما الراكان مؤديا إلى فكفر علا يجوز أصلا كتاب المتلوة باب الامامة عن ١٤٠٥ فيع سفيدي
 كتب خالد.

و كدا هي الدر السحنار كتاب فلصنوة باب الإمامة (١٩٠٤ - ١٩٠٥ عطيم الجيء مهد سعيد كرايجي. و كذا هي حاشية الطبخطاوي على مرافي العلاح كتاب الصلوة باب الإمامة عر ٢٠٠٣ طبع دار تكتب المعلمية بيروث لمنان. ہے (اللہ بکساس برقبد بدر^(م) جون وقب فی ایا مارن اور بہت ، واشام

محووف مدورتني بررارة مراضلوميان والمعاخرم ويعاروا

صرف أولي يبن كرنماز بإهائ كالملم

﴿ ل ∞

کیا گروٹ جی عادودی و مقتیان شرع کئیں اس بارے بھی کہ آبادہ امام مجدنو فی کیڑے ان بھی کرامام کا کر جائے ۔ اس کو تقدیوں کے انداکی اندائی کہ آپ ٹولیا پانچری باندھ کرامام کا کہا گر ہی گر ووامل چیز پر معربے کر ہیں تو تو بی دئی کر تی انام ساکراؤں کا او بی بھی کریے ٹو بی پر گیڑی بھی کر جی سے کول ماکمل افتش ہے ۔ اگر دواس کونیہ نے کہ بھی بگڑی کے افٹرز کی کے سر تھائی ڈرز طاک کا توان کے مقبق ایر بھی نے انافیل کے تھوڑ کراد کی کمؤنیے و بنا ہے ۔

*&\$

تو پل سے نماز پر حمانیز المامت کری جازے۔ البالہ کیزی ہے نمار والمامت فضل ہے اور انتقل پر طل بہتر ہے کا اسکو اگر و کیزی جوٹ کے یا دیورنو پی ہے نماز پر حا تا ہے تو مام ایک جائز پر طل کرنے کی

وكامية من أوجرة بالمسالين إلى موجة الدام مطلك ماكاليد الجامع الدحاء في المتهاجرة 1974 الشع الدار الكتب المطلبة براوت الدني. وكاما في قداح الدائري عالمي شراح السعاري كذاف الاداب وباب المجارغ (1974 شيخ دار الفكر المجامع بيروت ليبان.

 إن وفي الهمدية ما كان في كوانه كفرة ديداف على قائله بؤامر بمحديد المخاج بالنوبه والرجوع عن ذائك بمطورين الاحتماط والمبات الديم عن حكام المراسين) تبيل قدات العاشر عنى العالم ٢٨٤/١ مكتبه علوم اسلامية جمع وكذا في مجمع الإمهر بالدائم لد ١٩٠٤ قبع عمارية كوائمة

وكفا أبي شرح لقووي صحيح للمسك كتاب النوب ٢٥٤/٣ طبع تعيني كتب خاب

٣٢ وقالد دكاروه أن الاستساحات أصابي في فلينص وإزار واطلحة لا تكره الاكتماد بالفلسوة ولا حرة لما إشتهر بين النعوام من كراهنه دالك عليدة لراعاية على هامش شراح الوفاية أكتاب الصلوة ١٩٥٨٠ حدم مكتبه واشيدية كوكه

وكدا على فتاوي النكتوي المكرو فات استقرقة ص. ١٩٨٠ طبع مكبه حسمه كالنسي روة كولته

میں۔ کے محق معتریف کیمی ہے اور مشتریوں کو بار بارگزا اور بازگزا ہے اور سے کرانے پرامسر اور کا اس کے خارف استان روامل کرنا اور کیمرا ان کے درجہ سے اسے میستام کیمورکرنا اور یہ چینٹے پر طامعت کرنا کیک خارف اولی روائز ہے کرکیمی اوم فالنز ام اس سے ریادہ ہے ¹⁶ مائٹرا والشام

حضرت تسين الزائز أوتمام المحاب رسول برنسيت وبينا والملحى الأمت الأتلم

0 %

ကပ်ဖွ

موال من درج كيامي عقيد وايك ظلاحقيد ، ب- لن سنت محمد الت كالمتفقدا ومسلم القيد ويا بهاك

را به و صلى اللي عبد من رصيني الليان الدين على رسول الله صلى الله عليه وستبوليس سامان ثم ترجيع الصنعيرات وليم يتوثير كيبر ما بالأمر الشمر و دا ويه عن السنكر ، والدائر معنى وقال عدا حديث عرب . اكتاب بات السنج ، ص: ١٩٣٠ طبع قديمي كتب النا ه

معقد التر النفخين بدر خلف مدا شد این قرم معرف المدافشين مين المعامد الدولان في النفایق الدولانونسون و الوات المدافق و الدولا مدة علم الدولان بلک جهد الله الدولان المدافق الدولان الدولان الدولان بلاغ و المعام وال الدولة المعام معرفت المقديد و بالما الدولان المعرف و البات المساكر المقدين عدالت و المحافظ المعام المجتم المنتق المدافق المعام المعرف المقديد و المعرف الم

غلاد مسائل بتانے والے کا امام بنتا ﴿ مِن ﴾

بيا قرارت جي حدد ان معند شرك اليساهش و اليسائية في تان تان ن الان تان مواد بهوم مد (مجاه) جهرتران مي والدويود وأتي تدريب المواهي بالمؤقق و إكدان في الدول الدول و بدوان مي والدوك ما تو الان توامل من ميذا الله ما يان المواد اليوران و المواد المؤقف في الدول المؤتم و المواد الدول المواد المواد الم المراكون أواد المراكب والمؤتم في المراكب في المواد الموا

د) ومسهما المصنول سائر الصحابه بعد الإرجاد رضي الله عمهم فقال أنو مصور البغدادي
 أهل السنة والمعينات على أن أعسل السحاب أبولكر فعمر بعتمال فعلى هفاء المثارة السنارة بالجناء
 ألح _ تعميل منال الصحابا شرح فقه أكر محر (١٩١٥ شح قديمي كانت خاله

ام يرأس السياسي مند عندا الداهة لتدريبه بأنه لا بهند لامر فينه وبأن في غنيمه الإمامة لعطسه وقد و حسب عشهد إعاده شراعاً مثامي النب العسوة ، ب الإمامة وتنامي (۱۰ - ۳۱ علع الجياب سمعيد الدراجي - وكذا في حسن كند كتاب الصداء باب الأمامة من ۱۳۲ علع معددي كتب خانه.

و كنا في حرائب الطبيع عاوى على در في علاج كناب الصلدة باب الإسامة ص7، "طبع قديمي كنت هايد.

٣) وفي ضاوى الارشاد بنجب أن نكون إداء الفوه في الفشوء أقصمهم في الضو والورخ والتقوى والقرائمة والرح والقوائمة والنحوم والتراثة والماوم والترسيب بالدو ما يوالم كتاب الصلوة من هو أحق بالإصافة ١١٠٠٠ شع إدارة القرآن والعلوم الإسلاميم، وكتاب في الشواء المائمة الإسلاميم، وكتاب في الشواء المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة على المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة على المحافظة المحاف

إنهر السعدار الحدوق الإحسة حراء إلا إسلارمة حدوية هريت الح. كناب الحفر والاناحة فضل في النظر والسع ٢٩١٨/٦ طبح الجدايدومعيد كراجي

وكدافي لاشناه والنطائر كتاب الحطر والاناحة ص: ١٥١ صع فتبسى كسم حلم

43 ≠

صورت مستولی امامسجد نے نظافوی دیا۔ سائی کے ماتھ کان جرم سے ¹¹⁰ چاہیا ہے۔ اُن بالت غیر مدخول ہو۔ اس تھی کوفی رادوہ و سے الگ کرد بنا لازم ہے۔ مولوی سائٹ بنے ہوئو کی دیا ہے، این مصور موتا کہ مطمی اور جہالت کی بنا ویرو ہے۔ مولوی صاحب کواب فریک نالازم ہے اور آئند و کے لیے اس پہ مشروری قرارہ یا جائے کے عرف این مامل کر ہے۔ میں دفق کی سے کمل جول رکھے ⁽¹⁸م مرکزی معنوں میں المام این سنگے۔ اگر دوائی کے لیے تیا مائن موقا ہے امامت سے ایک کر کے لوگی دمین دار اور مائم و بن تحفیل کو دام بنا د ماہ ہے ڈامک فقط دائنہ تنو کی اعلم

یے تحقیق فتو ہے نگانے والے کی امامت

* J }

کی فرمائے میں ملادہ میں کا مستدیم کرا کیک مودی مدہ ب نے کہا کے پوفیس فید مقد اوسسران کے اور اس کے چھے فعاد درست سجے دو سیادیان ہے - مولوی صاحب کو بہت پکھر کہا گیاہے کہ بیٹھ نداہ میں ۔ اس ستانی کرری کیکن مولوی حد اب اپنی ہائے ہی جہ دواہداد تو پاکٹر کرتا ایاا ک مولوی ساحب کوامام مہر مقر کر اور مدت ہے یائیس - بیٹر تو بروہ

 امراحت طبكم امهالكورسا تكوواحوالكم و همدكم و همنكم وامهتكم التي ارضيمك واحوالك من الرضاعة وامهات سنالكم الأيما موره نساء: ٢٣٥

السباعي الدر المحتار وويحرم المصاهرة بنت زوجته السوطولة وأعرزوجتم كتاب السكاح فعيل مي المحرمات ٢٠٠٢ ضع ابهر ابيد معيد

- قامتقواهل الدكر بن كشم لا نصول سورة الابيها. أبه الا
- ٣) وهي فتاوي الارشاد: بحب أن يكون رماع العرم في العملوة أفضلهم في العمم والوراع والتفوى والعراء)
 والمحسب والسبب عائل هائهه كمات العملوة من هو أحق بالاهامة الأدادة طبع إدارة القرآن والمدرم
 الاسلامية.

وكذا في الدر اقسمتار كتاب العبلوة في هو احق بالإمامة ١٠/٧٥هـ ١٨هـ عليم بالجهاجيد . و كدا في النهر الفائق كتاب الصلوة بالبدالإمامة ٢٣٩/١ فقع در الكنب العلبية بروت لهبار .

#00

ا أنرائي بات الافين موكه فيرمقله مذوره رئيد خديب كانام أدائد واركان ود ميت وشن فاز كل ما يت الشن فاز كل ما يتا ما يت كرائي بات الافين موكه في القداء كرا با كراهت ورست بيداد رياض بوكسترا كلا واركان فرز كل ما يت كرايا با ال ما يت المرسم عاليت كراني عدودًا أن كراني الشراء كرنا كروب مقال على الدو المستعمار (اكو معد للف كلا العلم المستعمل (الكورية علامها المواجعة والافتاك كرد والاستكار كرانية والافتاك كرد والافتال الكرد في وقد المستعمل المستعمل المستعمل كرد والافتال المستعمل الكرد في وقد المستعمل المستعمل كرد والمستحم والافتاك كرد والد

جوئن مندریہ و لائفتین ہے اس ہے فی مقلہ کے قبطے ٹراز درست نہ کھنے والے وہ یہ ایمان کہنا جائز ٹین ہے اس مینا کہ فیر مقلد کی واست میں مندرجہ بالائفیل ہے - البتد ایسے فینس کو رام مقرر اس من بنے قربہ کیے مسلمت ترجہ کے نازن ہے ہا ورکاروو ہے ⁽¹¹ سیڈا بغیر قرباتا کہ جائے مقرر نہ کیا جائے - فقا وائٹرنی ٹی اختر-

الیک حرک مت کرنے والے کی امامت کا تھم جن سے شہبات بیدا ہوتے ہیں۔ پیڈس آپ

کیا خرارے میں طاوع ہیں در ہیں مشکد کہ خات ہو جمعتی کی جائع سجد میں جو اہم مجد مقد میں ہیں۔ بھی کے مقتر بور کو ان مرکی بائد خاصیاں نظر آئے ہیں۔ اس کا عمام سجد بھی اقرار کی ہے۔ اس لیے ان خاصوں کے بائد سے مصرفتای در وضعہ ہے۔ مراج ہے ہائی (1 فرادا سمال ہیں ہے تھنوں سے اوپر ٹھی ناقلیس مراجات جمعیہ کہ ہے دومرے قریباً کا انکرکٹ کا عضم پر بیرائی جا کرفرش پر قرآن کر جم چاہد ہے جو را اور اس فوصل

و معافي القر المحتار أنتام ، العبارة ... الإدامة ١٩٢٥ قطع الجدايوسيعيد كراجي.
 و كد في حضى كبر كتاب الصلوة بال الإدامة هر ١٩٧٥ قطع مبهدي كب حاله.

و كنفا في السائبار حيامه كناف العبلوة من هو احن بالإمامة ١٩/١ - ٣٠١٤ ، ٢ طبع ادارة المراتي والمغوم الاستلامية

آ) (یمکتره آن یمکنون الاسام هاسفه ویکره فرجهان آن بعضوا خلفه کادر خانید کفات الصلوذ من هو آخون سالاستخد (۱۳۵۰ طبح وداریة الشرقی واقعموم الاسلامیة او کسائی در ادماه از کفات الصلود مات الامامة ۱۹۵۰ طبح سمید کروجی

وأكفا في البحر الراتي كتاب الصلوة باب الانامة (أما 1 " طبع مكب رشيديد كوفك.

\$ **5** €

جب ان معاتی کا خواست کار ہے اور نادم ہے قواس کی امامت جانا ہے ⁽⁴⁾۔ امام پر نازم ہے کہ وہ آئٹ عدد اس متم کی فرکات برگز نہ کرے ⁽⁴⁾ جوشر یا طع جول یا جس سے لوگوں ٹٹی شہبات بیدہ ہوں۔ امام کو ویٹدار معالی ادر مقلی ہونا جانے ہے ا⁽⁴⁾۔ فقط والد تعالی الشرے

٩) السناخي قولته تعالى والذين إذا فعلوا فاحتية أو فقيوا أنفسهم ذكروا الله فاستغيروا لذتريهم الإيمة: ١٣٥ سورة أن شعران، مشكوة المعبايج عن عبد الله بن مسعود رضى الله حد عال: عال رسول الله مسلى الله عليه والإستغفار. مسلى الله عليه وسلم الثالث من الشعب كمن إلا دنت له مشكرة المصديم باب التوبة والإستغفار. ص ٢٠١٥ لديم كتب ساء.

وكشاهي ابن ماجه داب ذكر التوبة والإستفعار حي: ٣٢٣ ابجرايين سعيد كرة يهي.

٣٤]. بايها الذين أمنوا موبوا الى الله نوبة مصوحاص الأبة: سورة تبحريم ١٩٨. -

السبا في مسجيح اسميلم شرح للووى والقفوا على ان اللوها من سميع المعاصى واحمة وانها و حية صلى النفور لا مجوز تأخيرها مول كانت المعيمية صغيرة كانت او كبيرة كناب النوية ١/ ٥ و ٣ طبع قديمي كتب حانه. روس الارهر في شرح فقه اكبر وفي الشريعة في اللام على المعمية من حيث. في معصية مع عزم أن لا يعود ضريف التوبة ومراتبها في ٤٥٠٤ طبع داراتستال الإسلامية.

٣ وفي تناوى الأرشاد: يحب أن يكون إمام تقوم في العبلوة أقصلهم في العلم والورع والبقوى والقرارة والاحسب في المراوة القرال والاحسب في المراوة القرال المسلوة من هو أحق بالاسامة (١/٠٠٥ علم إدارة القرال والمعلوم). وكفاه من الله المسلوم المراوة القرال المسلوم من حواجي بالاسامة (١/٤٥هـ٥٠٥ عليم الجراب حيد كراجي).

وكذا في النهر الفائل كناب الصلوة مام الإمامة ٢٣٩/١ طبع دار لكنب العلبية بروت قينان.

منتقی ہے نکائ در نے کردیے پرتا کے مختص کی ماست کا تھم۔ انڈس اند

آ یہ فردائے نئیں ملائے ہیں در بی مسک ایک مادی رہنم درائیاں کے مقد مرتشخ شدہ ہوگئی اور ہاگی دفالد ہے۔ اندائی دریق کردیا ہے اس کے بعد میں کے امدان کو تھا تھی کرتھے میں لوگوں کے سامنے آب ہو ہے اور ہوم ہو ۔ اسٹ دولوگ کی ادائر انداز تھا رہا تا ہے کا ٹیس کے

وننب

قرد آن ملکن سے اس نے زیبا کام کرایا ہے اور پھر معنوس و بدنے ہصدتی و روست آو ہاتا ہے مؤتیا ہے۔ آبادہ روست کا آل الشانسیة میں السندیب تحص کا افاقت فادر پیخش باحث کا الرسے دس سے پیچھے کرز درست سے ⁶⁰د فقط و نفاعلم

بروتوا باقراس ننده ناضيا فتيابر برقام المواحثور

معجدے بندہ سے کھی قم چھچا ہینے کے زحدتو باکر لینے و سنا کی امامت کا حم

$w(f) \not \in$

آیا قروت نیں منا دوین از اس مناوش مالیک تحق سجد کا امام ہے دران کی تخواد بھی مقرر ہے اور حد کے دوزنماز جند کے بعد دیندوں اندائش میں جاتا ہے۔ اندام شکور نے اس جندے میں سے داخمی والمدیکھی ہے چھپانے دراس کا اعز افسائش کرنے اور مقتدیوں ہے معافی بھی بائٹ لیارت کیا ہے جب کہ میں سے آئی گیاری اور معانی با فضائی توامی کی ادامت رست سے ٹیم ہے۔

000

معودت أسبول بين در تقدم معنت والفعاله م خداد ما أرصد في والسياقات البرادوي و الدور و المراقم معنيا في الن الشافعا في منه و المبدر كما يغدو بين القراء الدوران في الموسق ورسف من اللصائف على اللاسب

- ٥) اولين لعمر ليس فات والس وعمل ما ناحاً تواهدي سي وطو الإية ٢٠. يتره ٢٠.
- عام و أربي مسعود وأملي الله فت قال قال. رسول لك صلى الله عليه وملو الفائل من طبائل القبل Y
 - ذنا بالعامة كوة الدعماري بالداالورة والإستانية والاستانية عدرة عمر فديسي كيسيا مهانها
 - و كما في من ماحه بات بالتربة و لأستطار عن ٢٧٣٠ طبع البيرانيد معمد كر جي

كس لادنب له الجريث^{و ك}رفيزواند. هم

الدونجوا مول تشريعه ما المهام في مدري كالمهم موجود - عباست مجمع فوافع قالها المساحق مدري المهام والمراب - موجود الشريع فوافع قالها المساحق المريق الشريع والمساور

بدكار ف كارتكاب كے بعد تا اب شخص كن امامت كاعظم

﴿ كُنْ ﴾

نیا قروستے ہیں ملا وہ این اس سندیٹن کیا کیلے تھی اوام سید زنا کا مرتقب ہوا ہے بہتی والوں آئے دیے استی سے عرصہ وہ مال تھے تھال دیاع صدو مہاں کے بعد وقویتہ اب واکر آئے کندویس دیرانش ہرکڑ ناکروں کا اورانا جاور حمالی کا اخبار درمراجاوں کیا اب بعض لاگ اس کی امامت سے بختر ہیں اور ابھی راضی لیا ہیں۔ ہ شخص از دو نے شرک شریف بعد از تو بچی المامت سے رائیس ۔

€ <u>(</u> } &

ا کر تھنی نڈوراز ایب اوڈ بات اور اس بھی اطلاص و اراستیاری کے آبی رفتابر بین اس کی حرفات جال چلن سے باسطوم اور کراس کی قویت قیقت پرنٹی سے اور و دواقعی اسپنے کیے بہا اور ہے تو استدارہ مربائے ایس کوئی حربی میں (۲۰۰ اروائز آبی رفعائی کے طاہر میں آبات اسٹی خاار مربد بنایا جاوے (۲۰۰ سامی سامی کے لیے کالی آفق کی کی مقرومات ہے (۲۰۰ سائو تا اس سے نفرے مجمل کارکی ہوئے۔ واحد تحالی اعلم۔

() مشكوة المعبايح باب التوبة الإسمعتار ص. ٢٠١ قليم فديسي كد ، حاله .

و الذاهي الي ماحه باب بالنوبة والاستعقار ص ٢٣٣ طبع الجدامين سميد كر البي

والسفيس إذا قعموا ما سفة أو شاسوا أنفسهم وكروا الله واستعفر و الذوبهم الآياد (١٣٥ سورة المعران)
 عن ابان مستعود رضي الله عنه هال إدال رسول الله صلى عله عليه وسلم الثاني من فلذنك كني إدار ضب له مشكوة المتعامج (اب الدوم والاستعمار عن ٢٠٦ شام (ديمي كتب عليه)

. و كانا هي ابن ماجه بالسائلتونة والاستعمار عني ٣٠ ٣٣ ضع ابع. المدسعهان كسيس

"). الأحي من فيلفوم أن يفتدي بالفاسق إلا في الجمعية لانه في أخر ما معد إدامًا غيره وه السختار كتابر. استسلورة بالد الإمامة الأرامة دافعة الهجر الهمسمية واكفا في اللح الرائق كتاب الصلوة بالد الإمامة (١٩٧٨ عليم مكتبه وشهديه

وكافرا في حقيق كنبر كدام انصابوة بالسافة (1.2 قطيع مسيد كاب سامه)

 في تتاوى الأرضاد كيب أن يكون إمام المفرح في الصلوة أنصلهم في العلم وظورع والنفوى والفراءة وهاجست واستهما كانت المسلوة عاب الإمامة من هو أحق بالامامة عالية عالم من التاوهانية علم ودارة القرال والمناوع الإمالان.

و ۱۹۷ می تا ر فلمحتار کتاب العبلوة باب الإمامة ۱ / ۱۵۵ با ۵ ۵ متبع ابنید امید سعید کو ایپی و کند فی تمهر العالق کتاب الصلوة باب الأمامة ۱ (۲۲ شع جارالکند) لعالمیة بهروت

ٹاجائز چندہ جی کرنے کے الزام کے بعد امامت کرنے کا تھم ﴿ مِنْ اَنْهِ ﴾

عن جائے۔ ایٹر بوامحسند سوال اس مختس کی ارامات بیا کر ایست جا کڑا ہے ⁶⁰³۔ فقط والفد تھا کی اعظم مرد بھوانا رشد نامان کا رسائق در رہام اصور ملان کیم انجوانی 1944ء م

 والاحق بالإعامة . . . الاحمام بالحكام العملوة فقط صحح وقيما بأبشر ط الحميدة كلفوا مش الظاهرة الخ فدر المحتار كتاب المطرة بالم الإعامة ١٩٧٥ ه طبع الجيداليد منفية كراجي.

وأكد من حاشية الطبعطاوي على مراقى (والاعلم) بأحكام المبنوة الحافظ بابد منة القرادة ويجانب الفواجش الظاهرة كياب المبلوة باب الإمامة من (٢٠٤٥- ٣٠ صح دارالكنب العلمية بروت النان. وأكدا في عديان كيار ان الاحالية اولى بالنفقيم إذا كان يحنيب لفواحش الح كتاب الصلوة باب الإمامة في 110 قطيم معيدي كتب حالة.

مرزائیوں کے فلافت تحرکیک جل جل جانے کے بعد معانی پر دہائی حاصل کرنے والے کی امامت کا تھم

₹ J }

کیافر و نے بین ملائے وین در زی سنلہ کو بھارے قیاں کے انام مجد صاحب بھوکر ہائم فی طل میں اوران بھی انامت کی صلاحت بھی ہے 'مظام العلیم سیاران بچر کے مشتد بھی بین وہ تو کیا گائے ناائے مرز ان میں میں اوران رصا کا روں کے ساتھ جنل میں گئے تھے وہیم وہ معافی یا گئے کر پاہر آ گئے تھے وہ کئے جی کہ بین کہ میں بھارتے ابور بھارتی وہ سے میں مقدور تھا ہے بہتنا تو گور کو یہ بھارتی کیا ہے کہ وہ کہتے جی کہ ان کے بیکھیٹمارٹیس ہوئی'' وریافت طلب میام ہے کہ جن او گول نے معافیاں یا گیا تھی وہ مسلمان جی یائیس اوران کی ایامت نماز شرفا جائز سے یانہیں۔

ه ئ ه

ا گرامام نذگورٹیں اور کوئی خلاف ٹرن یا ٹیمی نہ جول قوائی کی افتقا ہ بھی نماز پڑھنا ادرست ہے ¹⁹⁴ افتقا والفداخمی

ایسے استاذی ایاست کا تھم، جس فے طلبہ کوسیات کا م کا تھم ویا اور طلبہ سیاح سے تجاوز کر گئے۔ ﴿ س اُنہِ

کیافرہ نے بیں مفتیان ہیں سندہ کی طل کرنے ایک مجد کا امام ہے اور بچی کو تھیم بھی و بتا ہے لیکن ڈے سنے اسے معملمین سے بدکا کہ اپنا سائن وقیرہ لیگائے کے لیے ڈسٹوکٹ بودڈ کی صدودی جودد شت میں ان مرنوس کی موکی ہوئی شاخیں یا کرجا لیا کرہ - ڈیدئے بیمبات بھوکرا ہے معملمین سے کہا تھا۔ کرمعملمین ہوئے شرخوں کے موئی گئزیاں کاشٹ کرائے نے اور جائے ہیں استعالی کو نے تھے - اس دافنہ پر کھرنے ہے ہوہ پیشنوہ کیا کرنے بے کہ امام مجد ہے کے بچھے خاذ جائز تھیں ہے کو گزیدئے اسے معملمین کی بچار کی کا بھی ویا ہے - ٹیکن

١) والاحق بالإسامة ... والإعلم باحكام الملوة) فقط صحة وفساداً بشرط اجتنابه بلغواحش الظاهرة الع الفر المحدار كناب الصلوء بالهالامامة ١٩٧/٥ ه ضع ابج ابم سعيد كراجي.

و كمة التي ماشية الطحفاوي على مراقى (الاصلم) بأسكام ألميلوا فاسافظ ماده منة القراء فويجنب الشعراحيش النظاهرية كتاب الصلوة باب الامامة فصل في الامامة هي: ٢٠٠١٦٩ طبع دار الكتب العلمية بروت لينان، وكندا في حلبي كبير أن المعالم لولي بالتقديم إذا كان يجنب الفراحش الح كتاب العملوة عام الامامة من ٢٢ معلم سعيدي كبير حاند.

زید بن چیز سے لائسی کا اظہر دکری ہے اوراس طرن ڈسٹرک بووڈ کی حدود سینے کئی بان کاے آمرالہ کے وجود مجل نہ جائز مجمئا ہے۔ لیکن کرائی بات ایز عمر ہے اور ایک ای محید میں دومری جماعت بلیحد و کھڑ کی کر سے مسلما تو ب میں جدائی ڈالٹے کا سرب میں دیاہے متو کی کہے۔

ن به

ہومبورت جب تک زید تھی کا اس نواورات معزول رکھا کیا مواس وقت تک اس کی جازت کے بغیر رومبراً ویکٹی امام بینے ارسمبر میں ماما استان آرائی کا مجازتیں ہے ^(۱)اور میول قرام مہری بغایر کوئی آرام ای ٹیس ہے۔ جبکہ اموما حب میں الزام کی ترویہ کرریا ہے۔ ہوصورت مسمانوں میں افتراق بیوائر ناحد سامہ زیروور افعل ہے (۲۰۰۰) میں رسوق میرول اس مام کے وقیعی کی ٹرزیز منداولی ہے۔ والفد تعالی الم

فنق وقبورے تزیر کرلینے والے کی اوست کا تنم

φ. J b

آیا آن ایس با در ایس میاد و می در ایس مند کر می در بی قر دادا مام و این ۱۹۹۹ سرار سے بار ۱۹۳ سال کی قرشت ان کا ب کاباز کر امر باش کے چھو کنا اور بن فران ہیں۔ ایک تکی ہے تا داد وقورت کو فلا تی دہیتے کے بعد گھر میں راعداد رائی تو فران سر کی قر کو تی انہ تمیں بعد 19 بری کے اس نے شام کو بول سے تو بائر کے بال ایس کا مار بنا نفا مستمرہ کن سور کی قر کوئی انہ تمیں بعد 19 بری کے اس نے شام کو بول سے تو بائر النے فول کے مام سے قوب کر شروی کی اور بند میں ان کے بعد قرآت مجمد می فران سے می قریب اسبان سے محافی تمین با گھا اور ان کا جات ان کی نہیں پر حت اسبے کا وال کے شروی میں میں سے می قریب بھتے ہے مساحب جا کہا اور فران کی ہے ۔ گال کی جامع میں ان میں اور فطیب کی ضرورت ہے۔ اب کیا افراد کے شریعت کے تھی ادا سے انتخاب کے فرانکش اس

اليور السبختار (وعموان ساحب انبيث) ومنه مام المسحد اتراث (أولى بالامام) من عبر () مطلقاً كناب المهورة بالمالا الامام (١٩٥٩) طبع اين ابه، معيد كراجي

وكندا في حياشية البطب طنوي عندي مرافي الفلاح كتاب المسلوة بعمل في الإمامة من ٩٩٠ علم. دم الكتب العلمية مروت.

٣) مولد نمان واقعت أكبر من العمل الأبة ١٨١٧.

∻ئ∻

به معالمذا الرحم الرحم - و منتج رب کتاه متعد جتم کے بوت بین بعض کر دور کا تعلق حق آن اندے ہوتا ہے۔
اور بعض کا اخر ن العبد دے برائیک ما و حق برگرسند کی توجہ بھوشندی ہے ۔ آر حق آن اندھ می سے کی تر بشر العبد کا در العبد کا الحرب بھر الشخص اللہ بھر المسلم المسلم کی توجہ بھر المسلم کی تعدد کے المسلم کا المسلم کی تعدد کا المسلم کا المسلم کا المسلم کا المسلم کی تعدد کا المسلم کا المسلم کی تعدد کی تعدد کا المسلم کا المسلم کی تعدد کا تعدد کا المسلم کا تعدد کا تعدد کا تعدد کا تعدد کا تعدد کا تعدد کی تعدد کا تع

⁽⁴⁾ ووض الارهر شرع طه اكبر آن مد إن آنات التريد فيما بنه وسي الله كشرب الحمر وأند إن كف عدت فراطع وأند إن كف عدت فراط في مراط في الله عدد فراط في مراط أو لأن إن كان الله عدد فراط في مراط أو لأن إن لا المحدود أنه المالية بمراط في المحدود أنه المحدود المحدود أنه المحدود ا

إلى وهموان يمكنون منع المعزم على عدم المود أمكا تعريف التباية ومراشها وأعلمة عبيها من (1973 ماوس)
 الازهر شراع فقه الاكبر علم در البينياتر الاسلامية

واكنا في موسوحة اغتهية بأب لابريه ١٤٠/٠١٠ طبع المكنية الحداثين

٣) روض الارامو في شواح معه الاكبر وإن كانت عبدا تعلق بالهيادة في كانت من مطالبه الانبرال منتبره من الله الانبرال منتبره من المنتبر الله عليه الدرائية ومراشها وأمنته عليها من ١٩٦٠ منع ثار المشالم الانسلامية . وكد في موسوعة المقهلة النابة المعلى الله علي بالمصل والعرم على علم المهود المنت لا تكفي الاسقاط حي من حقوى العرام . لا يتسلمن من المستدنة بمحرد فنام والإفلاع عين المغالب والمدال على علم على عدم ضود بل لا در من ود الديلات وعد الاصلى بتعل عليه و كذا في ناراح الله ي المسلم كذات الراح على عدم في على عليه كليه على عدم في على كليه عرائية.

 ⁽ق) وقوله وقاصل من العمليق وهو حروج عن الاستنداء ولعل سعراء بدمان برنگ الگائر كذارب الخمل والذات و آكل الرفوا الع كتاب العملية بات الاسامة والدراه قطيع الجماعية بالمرسعية

م كما في أماسير أوج المعالي سوالة النعرة أيت ٢٥ (١٩٥٦ طبع 18 أسما، لفرقت العربي وكملة في حياشية المطلحطة في علي مرافق العلاج كتاب المبلدة مصال في بيال سراهو أحد الانجاب. أحم ٢٠٠٢ تطلع فار الكلب العالمية فيروت ليس

نَ مرو بَوجِائِے والے ورزنائے قبکرنے والے کی ایامت

﴿ لَ ﴾

کیا قرائے ہیں ملا مسئلہ اللہ میں کہ (۱) ایک مختص پیرہ آئی مخت تبعی بیکن بعد میں کی بیادی کی ہے۔ سے مینخس ندکورنا مواد ہوگا یا بینی کورید کے قاتل تبین رہا۔ ایسے میننس ٹیک کی سیدار زال کم انتقل اس ہے۔ کہا اسریفس کو مشتقل اور مینا کیا جائیں کا کہا واکول کی تماز اس کے جیلے جائز سے یوٹیس ا

(۱) ایک ٹیمنی بہت برہ اور تی ہے بہاں تک کہ ای ٹیمنی نے کئی ٹیم کا زیاجی ٹیمن بھوڑ الیمنی زیا کی کئی ایک ٹیم ٹیمن کہامی چھی نے چھوڑ تی ہو ایکن ٹر چوٹ کے ہائی ہوکام جو راتا ہے۔ بھی نماز بھی جا معتا ہےا وروز و بھی رکھتا ہے اور قدر سے اول ہم بھی ہے۔ اگر یہ تھی خاص ول ہے تہ ہی کہ لے اور آئیں دیک لیے مہد کر سے کہا لیا آبھی ٹیمن کروں کا ڈیم پچھی شعقی خور پروٹوں کا امام ٹرن مکٹ ہے ایکنس جکیا اس کے چھپے لوگوں کی نماز ورسٹ سے اپنیس جسائل خام العمار ایٹیر حمد

> ﴿ قَعْ اللَّهِ مِنْ مَلَا مِنْ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ مِنْ اللَّهِ مِنْ مَ (r) - خالص قرير من من من جد وقريق المام وروائد بسر (r) - والقد تعالى المم

محودمة الشاعرة فتي عارساكاهم العلق يلمان

إلى وفي تناوى الإرشاد يجبره أن يكون إمام القوم في الصلوه أفصلهم في الطلم والورع والتقوى والغراءة
 والا يجد الدر والمسلم التنار حاليه اكتناب الصلوه عام الإمامة من هو أ عن بالإمامة ١٩٠٤ م ١ طبح إذارة
 العرار والطلوم الإسلامية

وكذا في الدر المحناه كتاب الصلوة بات الإسامة ١٥ /٥٥٨،٥٥٧ طبع الجهامية سعية كراجي وكذا في النهر الفائق كتاب الصلوة بات الأمامة ١٤ /٢٣٥ ضع دار الكتب العلمنة سروت لنتان.

 والمدين زفا ضعلوا فاستبة أو طلموه أنفسهم فاكروه الله فاستنظرو الدنوبهم الأمه ١٣٥٠ مسورة آل همران

و من ام ن مسعود رضي الله عنه قال دال. و سرق الله صلى اتفه صنه و سنم الناشية من النفسة كامن لا ذلب له مشكوة المصاليح باب النوبة والاستعقار ص ٢٠٦٠ عنع قديمي كسب خالة

وكله في ابن ماحه مات ذكر للتولة والاستعمار هي ٢٣٣ طبع ابتجابهم سعمد كمهمي.

اليام و النبوار في فا كام كرف والسائد ينطيع أما له جا كزيم

- کی به

آن فروٹ میں طالب و بی اس بارے تیں کرمیٹ اونسلائے کا فرانشائے و رمیٹ کونسل و ہے۔ کے چھچے فوز چانو ہے وائیس انہارے اور وائی ف جواج سے داکھیا جو سیکٹ میں انہام الاووں سے واکھا کو ویز سے اور البید کچھ سے اور میں کے بیکھے فوز جارہ کی میں ہے۔ موالی کے مجازا اور

ه ل

ان میں کوئی شیکٹرن کوریٹ او اسل و بیندی جرت کا بیاسٹائی کار بھیکوئی دوراند ہوتا ہوار فران ہو برج بید (کار رقبوس کے ماقو صالی کا مشران کی خواسٹ ارسٹ کی فرش سے آھی و عاد میں لیکسا کا سید میس میں و پیچ رفائد کار جادعاتی والی جا سے قبلی جائی میں چیٹر رائٹ اوسٹ واقتی ورز میل جماجا سے ایس میں سے چیچ نمائشرو اگر جی دوئی (کار افران معمول تریہ وقوس و کیما اپنی کیرکئی میں دو اسلام ہے

مرد وشونی کا کام کریٹ واسے کی اوامت وقعم

ہ کی غ

ا بيدة والمستاحين على والإن ورازره مداكراً يسالكني والإسهرود فلول كالام وتالينبورة أحل شائدا الدم و فلول المتريز من وتجييلوا في ووقع والعرب واليداع تقارب التأكيلية وصف سيد

ا قالون الآنوائي الامتهاء مردول وقتل و الدال مج فينج لهزوائه الانت وواه بدايا زستهم الان مشمل ان وزيب أواب كا كام الند وتعمل أواجرت على جالات مراكض على البناء أن الدائد والماران الدائم الدالية ا والانوروج والانتهاء المعالمات الورائل من وتعج أواز مهمي مواد الدو

No. 1 and the second se

- ا إن وتلافضيل أن يتعلس العبل ومحانا في انتظى العامل الاحراجوا في الابن العد عمر فارلا لا التعلم فالله كانات العبلولة في الحائز عالم المحادر ١٩١٤ قاما في يجر بين سفيد الراجي
- اء كنادا بين عشارة والمستألك لوسال التعاليم المات التجاهري والمعشورين عن الجينائر المعمل النامي من العسان 19 هذا والمقالع مقدم والمدادر وكانتا في الدعو الرادان كذات التجائز (19 و 20 شدر كوشد)
- عباني أن البراهة أد عيده الراعة تجريم عائل القادية بالدار (اسامة 1/100 فقع بجريا ابده المهد كراجي، واقعامي علي كبر كبار المشترة بالدالا بالمعام عن 1/2 منع معيد. كب حالاً. وأكدا من حاشية فيتحمل بن عمل ما أقل الفلاح أكتاب لفيك وقبيل بن الاسامة فارد 1/1 فتح دار الكتابة عليه بروات.

الله الله

ماہ ہے اور انداز معاجد تعلق وال کی بدور منت ہے۔ کینٹی جائے و سے بیدہ تو ف ڈیرا 19 ماہ ہو کی تھو مسائل ا جانا بھی ہے کئے تعلق دینے والے امام ہے تھی فی بارٹر اسٹ نے قور و رہے چاہد مرقع و فکل بھی کا در ماما لاکسٹس درا کے باب رش بات چنے والے کی قوائل کے جارے میں مرش ہے کہ امام اور تھی تو اور ایس کا اسام و میں بدواند بھی ہے۔ و سے متنے ہوئے تھی جس کو جے ناوط رش کے باعث ابوائٹ والیٹ نے ایس کا بیٹر و انداز مارہ درس بدواند بھی ہے۔ ان باشن کی منابذ انداز مارہ درس بدواند بھی ہے۔

ي مين دادورسه کې ده وکمر کلی

والبيبياء بالمراري وأنز والنش وبب عاواه ولي جامو بثير وطائه ال

مغمان وجوان

جہ ہے ۔ اس میں بول ملک تھیں کہ بیدار جمالت کو ہے اور فرک میں سے ندگال ہوں ہے ہیں۔ ایک استخدا میں ہے کہ و رمان مہدہ وقی مہدہ کو مل میں اور ایس کی تعلق کے وہی المرافق کی میں المرافق المرکز میں کار بعد جمالت و کارائی فرکز ایک می فرینڈ کا مجام ہے ایسان المام المبد کا مل ویں آگا کہ کی تون مجموع وہے احتیار سے کام کر این اور کیج سے وال کو اس فرینٹر کا مرکزی اور اور ہے کیا گئی کی جا از ہے جمال ایسان اس

وي الاستامي للمراكبيجيان ومحمد الديفوعون على الاحياة المسلمين كعابة المسلمان بعملوات المبداء الدينانية كانات أنصها وم 1970 في معدم أنزاجيء

ام والانتصل في يغين السبب منها أول النص العامل ألا مراحان كان فينة غيره ولا لا فسنه عكم الحارث المستعدد الراكد الدر المسلوة الرم المعدد ١٩١٦ من البرماليد الكرامي والمدافق عنون العالمي المراد المراد المالكرية الاعامل المعملين إذا إلى المعاول والمعنوس في المجدار الاعمال الناني في القسن ١٤١٥ هـ ١٩٠٠ المراج مكتبه والديمة كرفان اكتمام المعراق الوالة العدار الأعام الرائدة الايكان

 $\mathcal{I}^{(0)} = \mathcal{I}^{(0)} = \mathcal{I$

مروے نہوائے کے کام واپنی ہوئی قرار ہے والے کی ایام سے فاتھر افراس ﴾

ا میافرد کے تاب علادہ بن میں مشک کے بکی آ دلی نے مرد سے قبلات کا کام ویٹے ڈیسٹا کہ رہے۔ اور دو مؤتی کے مرد سے گوئل وی اور خور ڈائی ڈوٹی اور اپنے کیے گئیت آر دکی سید کریا ہی آ دلی کے بیچے انگار پاسسا ایجند پام مناجا کز ب یا گئیں۔ ب ویت جی ہے اگر کوئی قودی اس مولوی سے مرد داہوا ہے جی تھی تھی ہے کام شکر اسے قوملوکی صرح ب ان منتو و ٹکائٹ کرد بٹائٹ سے ان کے بیٹے نماز پڑھنا جا رہے پائیس ۔

434

مرددگ^{ر ا}لردیاچه کام به خرارا ترک <u>دار</u>خه دیا ایری دوری این به ^(۱) در الافتصال این بعدل آنالسیت (منجانه های استخی العاسل الاجر حاز این کان نمه غیره و الالا) المتعدد علیه رستغی از یکون حکم الحمال را لحمار کذانگ سراج

النفرا الن کی المامت ورست ہے گئیں اگرور کی در رکاس دینے کی جائے گئیں و تااور کی اور سے شمل ایسے فی صورت میں اس کے ساتھ وائے کا آروے اور اساسے مردونہ قبلات ان سے ویکا کے کرتے وال چال دیکر ایٹا سے قوم آن کے ساتھ بلامبر شرق کی تھا تھیں اس سے اس رفاعل کی ادامت کر در ہے۔ ابندوس کی

) والاحد، بالانامة - - الاعتباياحكام الداوة فقط مريحة ومساهاً بشريد احتبابه فتمواجين الطاهرة الح - القر المحدد كتاب العملوة . - الإناماء والاقاد طبح انتجابهم سعيد كوابعي

و كفا في خاشية الطاحطين على موافي إقالاه لم يباحكام الصفوة المحافظ مبايد مبيد العراد موسحت القوام في الطاهرة كتاب الصندة أب الإمامة عن ١٩٥٥م ٢٠ منع داراً لكت معامية بروك المنار وكندا في حشري كبر أن المعالم اولي مالتقييم إذا كان يحتاب المواجعة الع كتاب المديدة ما الإمامة من ١٩٠١ علما ومصدى كند حريد

الدر المحدة اكتاب الصلوة ما يعادلو 1997 و ضم البجد مهدمها كراجي
 وكسه من فتاوي المالكرمة كتاب الصلوة المدر العادي والعذرون في المعال ١٥٥٤ و يضم ركت.

ا و السامية الكولغة ، و كله هي المينجر الراقل كتاب الجيانو ٢/٠٠٦ والمعادرة كولغة والميانية الكولغة ، و كله هي المينجر الراقل كتاب الجيانو ٢/٠٠٦ والمعادمة كولغة

٣) عن البي أجراء الأعباري وطنى ف عنه قال قائل رسول للعاصي الداعزة واللم لا يتحل للراحو أن عن البي أجراء أن المستحوة المداليج كتاب (١٩٧٤) على ما ينهى من النهاجر والثقائع المستحوة المداليج عندان الإداب المستحدث المداليج عندان كراء حاله كراجي والمداليج على مرقبانة المستحداليج شراح مشكة المداليج والمداليج إلى المدالية من المدالية على المدالية عندان المدالية عندان المدالية عندان المدالية عندان المدالية المدالية عندان المدالية عندان المدالية عندان المدالية عندان المدالية المدالية المدالية المدالية المدالية المدالية عندان المدالية عندان المدالية عندان المدالية المدال

وذمت فره وبيوكي المريقفا والفرق لي بعمن

میت و الرو<u>ئ و ل</u> کی مامت کوشم

آ با فروٹ بن معامرین در تن مناب که کرمام میرشش رہے دے نوبارزے المیسان کوزیاتھ میں ہے $=\bigcup_{i=1}^n (a_i)^i \bigcup_{j=1}^n (a_j)^j$

ميمونا جنائي . ما تي انام معجد كالمسل ويزاجان ب بليدا تما صورت ثين وسيد كه وفي ومراه في وين والا موزو و که بیوتر ووزب او رشر و زگی نمی دو بها مسطی او المشمل فی از رات اینا فقف قبد بها از رات فه اینا مجتز ے اسمان انہ واللہ تعالی اعلم

وواكان والأمهومية بوالكانية فأكام فا وجواحب كمي محرر في نترقي مخاجه وزوراه وأرداد العوم كوريل أمره الله المسأكم الجالف المساج بأقواه بالمهداء وأحماج بالدوال

- ا ۾ انجيسي آن گهر هه انڪيمه کراهه انجريم کياب انجيارة باب الامعة انها، ٥٠، منبع ايم، ايهي بيميد كواجي. ﴿ وَكَامَا فِي حَلَى كَبِيرٍ أَنْهُ فَا لَهُمَالُوا وَالْهِ الْأَمَالُونِ فَالِهِ مُعْتِمِينَ كَنْب حام
- و كناه في حاشيه الطلبحيطاوي شلي برائي الفلاح كيات الصلوة بصل بي الابات ص ٢٠٦ صم الافراد ككاران الصفيرة بيراواه
- "). العمل المبيت من والمب على الاحد بالعمة وإحماع الاحة أكث في النهاية وهنديه) كتاب المبثوة المصل أتأني في أهمل ١٩٨٨ اطلع فكالعاو سنديع كواتف
- و كنما في الشياصة فوقه لنعينه حليه أي الاه صار واحدا عليه عبنا ولا يحور أحدا الاحرة على الطاعة كالمعصبة كتاب المبدوة داب مبلوة الجنارة ١٩١٤ علم إبجية بوسسيد كراجي
- وكما في مصحة التعالق همي فاقتل لحر الوائق وحل اللي يوسف بقيد أن الفرض فقل الفصل لدمنا حتى تو خسل تعليم العر كعي كيات الحيار ٢٠٥٠٢ بليم مكتبه إنسديه كري.
- ٣٠ والإدامة في أن مصل المدائد ومجاه أفلن الخراطة في الإحراجير في لان كان المذاعرة وإلا لا العرام عاب القر المحدار كناب العسرة باب الحنائر (١٩٩٠ منح البيرة بمدالتما الرابعي.
- واكب على فساوي الهديه كنامه الصلوة لناب الحادي والعشرون القصل الثاني في العمل في الحاد ١١/٩ اطبع مكت رشيديه كولته
 - وكدا فهي الأحر الرئاني كالدب الطابرة بالسافح الرائا لمؤالا الطام مكاد مرباره به كولاه

. الجوالية هو ن العدا وحوالية .

ميت و توسل برياه زر مساجه ك بيته مروب جمية وابات والزكيل الراف محل الكووت بال توقيق محت المين و تعلق المين بيت المين و تعلق الراف محل المين الموقع المين ال

Elegan, applica

همل دیدا ایک اسال کوم رہے جس دینے ہے ڈاپ اواز سے اور دیا ہے اور کا کے اور اور اسال کا میاں میں اسال میں اسے می میں پاکر دملیجم ارشوان نے کئی میں دینے بھر پہلے کہ جا سکتا ہے کہ آم اور چیند دانے کے چیجے تمام پر معاد کر مدر ہے اپ یا دی جہارت ہے آئی دیاور کے خیال کے موافق خاتی کا میں کے چیچے تمام کا موروز کھا جانے بااس و حقورت ہے دیکھا جائے آئے اندوا میں اور کا دوئی تھی میں سے دار کیس میں دار

فسل میت کا شما اللم باست ارمیت کے اور را دام بیٹ کرد السل و سنا آداد و اس دو سناڈا وئی ایکسہ الشمام می کا شرعا استعمل محتی پر این کا در الله الله والدوع کا کا افعی الو العداد را آباد آن المراح کا الله المساس الله العداد ا استعمل فاحل الاحالة والدوع کا کا افعی الو العداد را آباد آن المراح کا الله کی مدر برای ماداری کا دار ایک المرا میں ادا محت میں کہ ایک طور پڑھی این کے اُرازام میں والدی کی گئی و اور ایک کا در ایک کا اس کو جائے کی اداری کے اس کا المراح کا در الله کا در

اكتب بالمهدفوة الناب التحدي والدهرون في مدائم وابه فصوار القصل الثاني في العمل ١٩٩١، فتح
 الككية وشيابية أكوافة و كدا في مشيري كلاب الصنوة باب الحدائم هي. ١٥٥ شخ سهدي كنت حالما.
 إلى الدو المحديد أكتاب العموة (اب الحيائر ١٩٥/ ١ مشم الجهابية سعيد أكراجي).

و كه الله ماوى الهندية كتاب الصبرة البات التحادي والعشرون هي الحيائز وضع مصول الفصل النالي. التي الفصل ١٩٨١ - ١٦ - مضيع مكتب والنبدية كوكتان و كندا هني البنجر البرائي كتاب الصلود الدا المحاكز ١٨/١ - ٢ مثيع مكتب والنبدية كوكة

ڪيان همة عيدره و الالا از جما⁶⁶ل پر ڪال آفر گاڪ ڪيمن اڏياڪ آماز گاڪ سنڌ گهن جا کا ڪِ ڏيڏوڻي ارجي شمل رسڪ (اوروروٽين)

میت کونبونے والے کی المامت کا علم کیا ج کسس مردے نبعانے والا میش ہے

7**0**/3

یے قربات میں جائے ہیں جائے ہے۔ میں جو طائن جیں آگٹر مردو تو تی آبات میں اور امامت میں تاریخ جائے ہیں گیا ہو است کی آباد است میں آباد میں اور یا دیمنی بڑی جائے ہے۔ اور ایک سامب آئی امار امیارہ حافظ اقراری پاک ہے۔ اور ایمنی باحث جس اور امرام مردو تو تی کئی کرتے ہیں دو کہتے ہیں اور جالیس مردو تبدا ہے اور تی کہتا ہے اور است ہے۔ ادار کرم اس سے بڑھی جائے دیلیج سے دارو کرفے باتی جاری اور اردی تو اس کے اور است کے اور است کا اور اس سے

4

ا مرباد شائے <u>جھے</u> آئر پرخاز در اسامن⁽¹⁹جو شان اجرات^{ی م}ل آئی سامکن کے ⁽¹⁹کیل آگر کی جگھ علی چی اور کی اہامت اسداد کے توسائز مند گزش دول آؤ دران اہامت میں کو تحرود اوگ ⁽⁴⁸ ملاسٹ فی سٹ

- اج الدين المنصبان والاستق بالإساف المناف المنافية بالمنظمة المنظمة فقط صبحة وصيحة بميرة منز حاصياته المقتلية المنظمة المنافية المنظمة المنظمة
- ٣) والاستعمال أن مجلسل والمستسار المحلسة غيل استعنى التعامل الآخر إلى كان تعاطيم وإلا الاطافير المحدر المحدر العلم المحدر المحدر المحدر المحدر المحدر المحدد ال

سعيد كراجي

ا هم الجنا عبد اولد زنا کی فاصنت کی کرازت کی خت تفریتها عنت تکنی ہے۔ اُزیر ، وخوش اس مدے کا کنٹی بدفر مہال انگی کر وو ہے۔ لیکن اگر وہ سب قوم سے افغش واحم ہے وَ قدم کو جانبے کہ اس کی اما مت ہے راحق مول ۔ اینز اس کو کی جانب کہ عالم دستے وہ ہے وجہ خرت کام ہے ہیچے ہاتی عشل میت کے بارویس ج قواب ہے ، واس صورت میں ہے جب کرفش مسم کے اوا کرت کی ٹیٹ سے وہ ساورت لینز کی موسے میں کوئی ٹو اس نیس ملار وافذ ولی احم

میت کونبوائے والے کا جاتا ہوئیں امام بیٹے کا تھم خواس کچ میت ارتبط نے والہ تمار جناز و بڑھا مگائے ہائیں۔ فرش نماز پر حاسکتی ہے آئیں۔ علیات کی میار دائی وٹیس میں کے جیجے نمازگ ہے۔ کیکٹر ارت ڈیس ہے ⁽⁴⁾ منظور اللہ تول امر

ال وقع الأوافر الموافق عالم (1840م)

اع حسل السبب حق واحب على الاحداد بالمنه واحماع الامد كذا في المهاية) منفية (تناب مصورة)
 القصل فتاني في العملي ١٩/٥ مكتمر فيهم أدولته

وكند هي الغمامية فولد للعهم عبليده أي لاده صار واحداً عليه عينا ولا يجور أسد الاسرة علي ديناعه كالسعمية كناب الصلوة باب الحماره ٢٠١٢ دابع ليبرسمند

وكنف فني فندحة للحالق على ه منل معر فرائق وعن أبي يوسف يقيد أن الفراص فعل النسل لداما. حتى أو عمل فيعليم أفعر كفي الح كمات الحمائر ١٠ ه ٢٠ طلع مكنه و شهديا كولته

 ألدر السيختار والاحق بالامامة الاعلى باحكاء المثلوة فقط صحة وقساقا بشرط إحدياه القواحان الطاهرة كتاب المبدوة باب الإمامة (١٩٧١ علم الجرامي بجد كراجي)

و كمه اصلى العاشية النصيصيوي صلى مراتي الفلاح وقالا عليه بالمكاء النصاوة المعاطقا بالسنة القرادة ويتحتب الفوا حتى العوا حتى الطاهرة اكتاب العسلوة بالدا الإمامة ١٩٧٤، ١٣٨٠م دار الكتب العلب بروات السان.

و كشفا هلى حشيلي كنيم أن الحالم أوس بالتفايم إذا كان يحتب فلمواحش الغ كتاب الصفوة بال الإمامة ١٣ د طبع سعيدي كتب حاله.

مرد بينهاد نه والشاك الماست كالقم الأش أنه

ه ٽ ۾

الهم المصادر تهن مرتهم _(1) م وه شرك وليجه قراري والديم وه بي المسل ويز فرض كفال بيه وه. أخرص له أرام يحي قدم وه ك فسل ويأك تست منتقط بذا الله في الماحث بين وفي قبر تين سنت وب أكسم أنا جور ويشاكها جوام الزريدا جرائد ولاء والداولوس كي نظر بي بين كن ويشاكون رائد سند و يكوب وجوب اللي كي الماحث خاوف وفي بين ⁶³ و

مفقی فوج از جمنی مده دینقی میزاد بات جن را مراوش نیسیجی نماز در ست ب (۱۳۶ در قربان) واج دست شمل ۱۳۰۶ گافته در ست ب دا گرچه وی کش (۱۳۶۱ با اید به مانت این را بهیما ایدتی و گیرید آناب اید مانت کش تقصیل سند ند کار چی (۱۳۶ ماده به تی رک تیج نیز زمر دو اید

- 4) عسان استينت جان داخلت على الأحياء بالسنة ورحمان الآمة كدائي أنتيابه (هدماه) كبائل التشرية المعتقبال الشامي في المنطق (١٥/١/١ منع مكتاء بالتيامة أكرتك ، وأكدائي الشائية فإدامينته عليه أن لأما صال واحدًا عليه مشامل كتاب المبلوة مان جياءة العمارة ١٩٩٣ طاح التيام الجائية معدد أن الجيء وأكدا في المنجة البحالي على مامل بحرائه الأوجى الي بالمعاد التدارية الأحداث الكام المحدد أن القرامي فعل العمال لدمنة حي لو غمل دعائم معير كافي أكباب الحدار ١٩/١٠ منع مكتبة راشدية الوقائة.
- إلى بيشتر فد احتيام كلما مي الدراية عن الدجني وعدو والكاني وعرزه الاعتمام بديمة أوني الأ أن بطعي في دعم الان البائل لا يرعون في الإقلامة (شامي القائم) فيدود مديا لادامة الريادة صلع منهم كرابوي
- ٣ الدائر الدما حمار الدوالاحق بالإمامة الدواجكام العدود تعط تدخر وبدائا بشرطل مشاه للقواحش الدواهرة التعرف القواحش الدواهرة التجاري ويراكف في حاشية الطحاوي العدود التي تراكف في حاشية الطحاوي العدود التي تراكف التي الملكة مواديد العدود التي الماسة الروايد.
- إلى والأفاحد في أن يعدل العدي وحدةً على التعلى طعامل الاحداجة إلى كان لمنة حير ١٠٠٥ لا الدو المدجنة.
 كتاب طعلوة مات صلية طعمة (١٨٠٥ اللع الجهانيون معيد كراوس).
- و كنه في الهيدية كتاب لطائرة النات فيعادي والمشروع الع العصل الثاني في سنبل ١٩٠٥، ١٩٠٠ على مكن مكنه والميدية كولته، وكانه في السعر الواش كتاب المبلوة بالدائمة مثال (١٤١٤ - ١٩٠٣ مكنه وطنيت اكولت.
 - ه) أنجاب البدخان عن 17 (1910 تناوى رغيبها، أو رؤ أمازميات إذهير.

'' ی^{کیش} معطیال کرنے والے کوار م بنا ناج کز ب

هُ کي آهِ

كيافردك بين عدد وي مستول بي كاكروش المامقرات المن تلخى أداك بين المنظى أداك بيز حتر بيلاب المساح كانسا الكي بي كانس بيز هي قد اليامقري المدين كان بناه سيديان الكي يشمط البياك ويش وم يحدي المن المديد المنطق ا المنهاج عن جاوجات المركوفي و تالب الحديث من المستعين الكي المستعين يراح المن الملكني أكوال المنابكتي المعلمات المنظمة المنابكة المنظمة المنابكة ا

068

وضي التامار خاجه وهال أمولها مدل وكول أن يكول الإمام هداخت البيدعة ويكره المرجل أن بصلى احمله
 كتاب الصلوة من هو أحمل بالإمامة (٢٠ - ٣٠ ضم يدرة الله أن والمفرة الإسلامية).

و كنذا فين حليس كبير والمراد بالمنتاح من يعقد شهاً على اللاف فا يعقده اقل السنة والنصاعة وإنما يجوز الافتداء مع لكر هم من ١٥ دقيع مقيدي كتب خاله

ا و كيدة مني حاشقة التقحطاون. على مراقل الفلاح كناب الصنوة في الإصابة على ٣٠٣ طبع دار 3.3سب. العلمية بروك بنان

اللمان المستخدار منع برد المساحد الراسنة بلاقات مداعم على بداء داراته لا يقسد معادلة أفعانج وأنامه الكل. المسال وتعولم ملكن العلق أكد سواء قرأ الاصام قدر صافحور الما المسلوة أو لا كمات المستوة عات ما يعسب المسلوة ومد يكر دفيها لا (١٩٣٦ ما في معاد كراجي).

و كندا من حياشية المطلب مطاوي ملى ماهى الفلاح بالد مايسند الفلية قامل ۴۴۲ طبع دار لاكب العلمية مروك بنتل دوكنة عني المنجر الراكن كريات الامرائرة بالدامة بقسد العالوة وما يكر مقابها 14- اطبع مكتبه رشيدية كوتند.

۳) الدواعي فالنقاب وعدوره المحرفي بياس ستال كل الرسال به باستاك به باستاك السند عافي قرآ ال ثريف ساز أول باب قرائل تلويت قرآب الركوبية بيان عام 195 المامة المعروب والدواء

كوه وباره مام بنايا جاسكان بي (المعادة النسائيم ...

قرآن پاک غلظ پڑھنے والے ہمیں کل ٹمازے بے پرواو کی نیامت کا تکم

نة ل يوا

نبین کے جمعہ دونانا کی شاہر تن کمی منا اور سرف دلیے پڑھنے کے سوٹنی پر آر کرتا ہے ۔ اس ہے والد انوک چوٹ العاظامین و مفاقر ہائٹ میں رکز شد جمہ یا ہے و مزاد قرار سب تھے۔ جب انحوں کے وعام کم کی تھ بیٹے آرا وازوی کرائیں پرنٹی کر اطباء کے ایکن میٹا انجی کھیل کر کے کے سات ررباتھ یا ہے کے جب تھے واقا شرول کرم یا ہے شانوں با ہے اور این وارسند یا و واکید سنت وعلاقر ایا ایکر کن آماد کی کے کہتے ہم بذکر کے تعلید یا

 ⁾ وغور فتاوت الارتساد بنجسا أن يتكون إمام النفوء في العبارة العشقهم في العلم والورع والتغوى والعراقة
 والمحسب والسمس شاتبار صديم كسات المسلوة من حو أسق بالامامة (ال ١٠ ١٥ علم إدارة القرآن والملوم
 لاسلامية ، وكذا في الدر المحمر كتاب الصافية بال الاسمة ١٠/١٥ عامة عامم بج بهماسها كراجي
 وكذا في النهر الفائل كتاب الصافية بالامامة ٢٠٩١/١ علم دار لكتب المدينة مروت الهال.

جا ایسالام کے فیجے اور وہ دل سے یا کرٹیں اور فارٹیس ہوتی تو ان کیا ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہیں ہور اور انجو کئی اور کی اور فیکٹ فرٹیس پڑ کی جائی باروٹ سے جا بھا اور فیل اور کی شروع کر اور اور سے نے پہلے انہ وقت پر سے بلکل کی بار

ہ میں آب میں آب میں نے شم رہیں تھر کی ہے مطابق تھی۔ اور ہے سے اندائی تی برایشا زیاں جو اس برس واحق ما دیک تیں وہ رووال اور انجیزان قلب کے راتھوں تی قرابسی اورا کر سکوں یا تھو ا آپ کرچڑ سے نیز معاقر بار نے ان

٠ ت ٠

والدئيل على كل ما ادعينا والسنة فيها القبضة الخ. ولدا قال يحرم على الرجل قطع لحيته (أن ويكره المامة عبد و قاسق دوسختان الرحل في درح المنية على ال كراهة نقديمه كراهة تحويم (٢٠) وفي النهر عن السحيط صبى خفف فاسق او مبتدع تال فطسل الجسماعة قان امكن الصلوة حلف غيرهم فهر اقصل والا قالائتداء اولى من الانفراد (٣٠) الشار محتار (٩٠) والاحق بالاسامة تشديما مل نصبا الاعلم باحكام المبلوة بشرط اجتماعه للقواحش الطاهرة وحفظه فالمو فرض و فيل واحب وقيل سمه ثم الاحسن بالارة وتجويدا اللغراء فالها، فتا والدرائي أناه

۱) افتتر الاستخدار منع رد السنختار كتاب الحظر والإياحة فصل في أنهم (۱۷٬۱ عظم ايچه) اينيد سميد كراچي.

وخشه في القبر المحدار مع رد المحدرة كنات الصوم بات ما يصيد الصرم ومالا بقييد ٢ (١٠٥ \$ طبع المجرد سيسيد كراجي.

٣) شامي كتاب الصلوة باب الإمامة الأ- ٥ فطبع اليهر-البهر معيد كرابهي.

وكذ أبي حلبي كبير كناب الصلوة باب الإمامة هر : ١٣٠ قاطع سعادي كتب عابد

وكنفا في مضحه النحيالي على النجر الرائل كتاب المبلوه بالمالامامة ١٩٠٨ مام مكتبه راشيديد كوك.

٣) اللغرافسختار كفات الصبوة بات الأهرمة ١٩٧٥ ما طبع الحرابيب بنصد كراجي.

وكنفا في حياشية الأخلج طانوى عدي مرافي العلاج كتاب الصلوة عصل هي الامامة ص: ٢٠٠٦ شح دارالكت العلمية بيروت لينان.

وكدا في المحر الراش كتاب العيلوة باب الابامة ٢٥٧/١ فيم الجدايمدسعيد كراجي.

- ٤) وشامى كتاب العشوه باب الإعامة ١٠٩٠ عليم البور المرسعيد كراجي.
- الدو السختار كتاب الصلوة باب الامامة ا /٧٥٥ طبع فيهر فهم رسعيد كو إيهى.

ر كنفا مي حياشية التطبيعها وي على مراقي الهلاج كناب الصلوة بصل في الإمامة عين. ٢٩٠٠،٢٩٩ طبع دار لكنب فعلمية بروت

وكلافي حلبي كبر كتاب طعملوة باب الإمامة ص:٦٣ ٥ طبع سعيدي كنب خانه.

قر آن پاک فعید پڑھنے والے کی امامت اور من کا کہ فریک ہیں ملارو ان مند بیونا طرح ماکل میں ک

(۱) ایک امام سجد قرآن تاریک خدا میادند سید ایست نام کے چھیے نماز میادند ہو کا سے یا نام کا ۔ (۲) کیا امام کور پر پیان کی دوکان کہ ملک ہے واکیس۔ (۳) ایک امام جو بدو عاش آومیوان اور فرد قرب سے آمکن کانم مکنا سے راس کے چھے نماز کا کہا تھے ہے۔ اشتان م کے باروش فریعت کی تھور تی ہے۔ جو افراج وار

⊌ ئ.م

(۱) ويضعى مطلع بونا جيت تأكيرات نے مُوافِقُ منفب اورمعنى و کِيرَكُمَ آلمَى جورے (۲) آل كَانَّا مِن اللهِ (۲) لا كَانَا مِن اللهِ (۲) أل كَانَا مِن اللهِ أَنَّا مِن اللهِ أَنَّا مِن اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنَّا مِن اللهُ أَنْ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ أَنْ اللهُ اللهُ اللهُ أَنْ اللهُولِيُولُولُولُولُولُهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُ اللهُولُولُهُ اللهُ ال

ش و گهران مشاومتند اید د نبواری می سودند میده تاریخ میران در ۱۹۸۶ میر

. ان الما في قوله تعالى وأحل الله اللهام وحراء الريوا الأبيا سوة اليقرة أيت: ١٧٥ يارات.

وكه التي مشكوة المستماليج صن عبد الله فاق: قال رسول الله صلى الله هليه ومسوطات أكست المحلال فريضة بعد الفريضة رواد البهقي في شعب الأيمان كتاب البيوع بالب كسب الحلاق الفصل الثاني ص 217 طبع فديمي كتب حاله.

- الديار مطود يا من لإمامة (۱۹۵ هـ عدم ايج. يون سجد اكراچي ، و دده في الخلاصة (اداب المسرد العصل العصل عشر في الامامة و الافتاد (۱۹۵۱ علم مكتبه رشيديه اكوتلاد ، و دنيه في السايه على اشرح (الهدامة اكتبال الصلوة باب الامامة ۱۳۳۲/۳۳۲ علم دار الكتب العلمة بيروب.
 - ٣) شاميء كتاب الصغوة باب الإسامة (أنه ٢ وضع ابيج بالبساسيد كراجي).

وكذا في تفسير روح المعاني سورة النفرة أبت ١٩٦٠ ٨٠٢/١ دار احما، التراث العربي.

وكندا من حياشية الطبحطاوي على مراقي العلاج كناب العيلوة فعيل في بيان الاحق بالإمامة ص: ٣- لاحق دارالكتب العدية بروت.

عم جُويِ سنة واقتل تنق كوا مام تقرر كرنے كاهم

40 m

المرق ونا ہے ووق سا دہیا ہیں کہ المیالی میں ہے اور سائے آپ کو را فیا دی ہے اور آن کاری کی گرفت کی اسٹان کر اسٹان کی اسٹان کی ہے۔ اور اسٹان کی اسٹان کر اسٹان کی اسٹان کی اسٹان کی اسٹان کی اسٹان کر اسٹان کی اسٹان کر اسٹان کر اسٹان کر اسٹان کی اسٹان کی اسٹان کر اسٹان کی اسٹان کی گھٹر کر اسٹان کر اسٹان

a } >

ا بینے مخص ولا زم ہے ^(۱) کوئٹ کی جو کوئیسے ہم تجوید کس کے نامیان جدیث باف کوٹاری ہے اوائٹ ور سنات کے ماقعہ ہم شامعلوم ہوتا سے مامس کے اس ایکٹے قاری کے بال آخل کرے ایسید مکن وہ ایسا کہ اگر سے مام کے چیچے مار کر وورکی ^(۱) کے اس لا شقل طراح بالدم مقران المجید کین ہے۔

'نجریدے خلاف قرآن پڑھ واٹ کے چھیے نماز عاصم

× ∪ s

ا بياقى مائىلىغى جارى دارى مۇرىيىنىڭ ئەرە ئاماشقا ئادىن. ئىڭىچىنى ئايادات كەركىيىلىدا ئىزىدال يامال. ئارىيىدىنىيىدىنىيىدىنىيىدىنىيىدىن ئارىلىدىنىيىدىنىيىدىن

۱۱۰ کا این فره به هم برای که کنگری بیشندگی به بازیدی باش این برای آنا این فرند کننده کاری بازش می این که این د این این این این میزده کافر این می که برای کاری این که می که برای می وایدی به این در در مراه بیشندا می

٧. و ١٧ محدور وسامة الأصلى بستماري ... محو أن سكلم «الدرموارا الدمالية» لا يمين له أن يوم الح "تداب الصحية والمحدود المحدود المحدو

و البدا في العاملية الطامطاري على ما في الطلاح الحالات الطائية بالسام المائية (٣٠٠ شام دار الكتاب). العدام براز بالمائي کے مشاب پر مصفق اس کے چیچنا ۔ ۔ ، ایست پاکستان یا انام ساد وال یا کہ گئے تخریجے ، اور اوار ان پر بالی المان انہ ور مینا کان اگرا ہے کہ ان سے ۱۱ در سال ایوان کا سے شامہ بالا مصور جوامات کی المان اور اسپانا کی نے اسٹان مسلم برق کو کھی اور چیف سے فرارت مانا میں ایک کے انہوں اور ان سے تخریق کے کہ تھیفٹ سے مااکل ہے ہے۔ اسٹان مصر درق کھی انجانا کو اس کے بینے کہا ہے اور جہ ہے ۔ بین انہوں ا

ه ل ۾

ا شاه الله الله والله المتقراء في المصادرة الله الله والله الله والمهاد الله والعالمي وساعي وساء أيس المساهم ا المواهم المتعرف المعالي والمتقل شاه وي المباه والمعام المساهم في المتطاع الله والمعام المتعرف المتعرف المتعرف ا وراحت وويدا المتعمد المستقل والمتعرف المساهم المتعرف والمساهمة المتعرف المعام المتعرف الم

اوا نظی خاط میں فیش غلطیات کرنے والے کی امامت کا عظم مارس از

آن فراد نے بین معالیت این اس مشترین کوالیک عاص میرانش اندر ب فعاد میں دو تی فیار دی و اور انداز کا اور انداز ک عمر بیشات باست مدید کی معلوم سے آماد وقت کر اندر میں باز میں باران کی تبایان اوال سے ان کی عادی سے اس سے دور مثالی ہوتا ہے۔ واقع کے دانو آنا ہے اور ان کی دو تین لیڈ ہا ہا ان طریق ہے تیں ان رائوں میر سے کھشش ایران اندیکی وجاد سے کی اس کی در کی اس سے کوئیں ایکن کی ایک بھڑ کی بار دیکا ہے تا انداز کی انداز کی انداز کے دو تا ہے وہیں سازان انداز کی دو انداز اندائی میں میں سادہ انداز انداز انداز انداز انداز میں انداز میں میں میں میں انداز کا معروب میں ہوتا ہے۔

د با الحراب من الداري في الدين و التي المرابع المحمل عبر المعرفين إلا سندة (الالمساهم) للشاه. - والمساد من المسر معاهد من الدين المسافع في قال أكثرهم لا اللبياء مبلات فع الدائم المسافة - عمل في في ها القال (درا ي معلم محمل بالبياب كرائه)

ار كه دهي هذه لي دنيست كمات المصدق الفصل المدامل في الله الماري (٧٩/١ طبع إنساده كولاية . و كفا عن المناسم مبدل مسائل الدافقة الدارة : ٢٠٢٥ طبع العراب وسعيد كوليمي

آن والمعادل الفاتح في حيث هديم المسابل أن في دار على بريادان بحهد المدافقين والمهاد في تعجم ح معدد المدرود دولا عدد على مدرح مها فطائلة حرف المحمد ولى الرقاع فهذه فقد المحمد فقدلاته فاستبذلونها فيات محمد كمات المحمود المدينة الرائح في الكهيئها براج في رائة الفقة في 1991 محمليه في المحمد المرجمي المحمد المحمد

[&]quot;). الله أنا محدث البرعاني وكنات الصفرة المصل الرامع في البيمينيا (" ٢٦٧ هرع - مكانية العدروب.

الله من المراه ويل يمن كرا الوالف إلياه ركفيتات وراس كرام برشورة هنات و

्य ुँ व

یول میں مندریہ طلطیاں مختل خلطیاں جی اوری تعضیاں کی والی آول ہے ہی ہر ذو ہو مکن جی ۔ ایک آوئی کو میرکا الوسٹو برگزشیں ہوتا چاہیے 10 آب میں مورڈ تو توجیعی معروف و مشجور اسی مورے شراعات کیا ہے۔ خلطیان بڑر تو ہائی سرقون میں اوسٹ نیاور ہوں کی ۔ اس لیے ان کو اوسٹ سے معمود کر کردا ہوجا کا ہے ۔ اس لیے کی کرد کی تاریخ سے قوانداو اور ما آتا ہے کہ آگئی وجہ موجا ہو کی ہے تاتی کا لی آوی کے اور میں جواز اور معمد کی امریکی جائے ہے کہ ساواز دم آتا ہے کہ آگئی وجہ موجا ہو کی ہے تاتی کا لی آوی کے اور میں جواز اور معمد

-- -

المبدأ في المنحيط البرجائي وإلا تحير إرضاء الإمن للعارائ فأما إذا كان في قضام من يقدر على المكلم
 د بان فالحروف وسادت ها الإمام وصلاة الشوم عديد أبي حديدة فياسة على الأمن إدا فعلى الجيئز
 ويقارئين كتاب الجيئزة العصل الرابع في تجميع الأركار الاجيع الدائدة المام الدائرية الأولام

و كيفا هي انتشار حيار بياء كاناب الصلوة الفرائس ومما إنصل بهما القاميل (LVN:645/1 طبع إدارة الغرائل واقتموم الاسلامية

و كا فاتماني الفراهر ما يقوله الطائم يتماحك الإداني إدا الوالدي وعثر بأنفال صلاد الكلي فاست كالله والصائرة. عام الإطامة 1871 لام طبع اليم باليمو سنيد كوا يني

عن شهر بلكن مشده في الفرائل و معمل مجد معيد العبد فاحتماً يعمد شامل كشاب المعموة الطلب
 مسالو راة العارئ (۱۳۵۲ هم الجرد بدرجه) كراجي

واكان في البحثية فتارى الهندية وزر عبر المعلى عبرا فانحدًا بال فرأ وعمان ادم رمه تعرق العالم م را أدم وقع بدرية الغ كتاب الصلو أعصل في فراد فالقرآن (١٩٦٩ طبع بكية رائية) كرائه

٣) و كينا فين فتاوي الهينيدية أكتاب الهيئوة العصل الحامل في البلانقاري ٢٩/١ طبع مكتبه واقتنامه الكرامة

لا تبعيب المهوم اطرى وهو قدار أبي توسيل وإن الم باكن عنه في القرال عنامي كتاب العشرة مطلب. مسائل إنه الفرائ (أزا 27 طبع الجرابيو، معام كراجي

الواكات ما ينظها بالمراه ومديها باريناه ها سارف في راه الجرماً على الأيميو المعلى لا تصنيه صلاته عند عامه المستنافح فجو أن يقرأ والمهي عن الممكن وبالدة الها هكانا في المجلامية أكاناب الصاورة المعلى المعامس. غير ولمة الشارئة 1974 فضر مكت وضافها كولته.

و كنيد في التنبار حديثه استحسن يعض مصافحه وقائوا بعدة الديدة للصرورة في حق العامة حصوصاً. المقاميسية كفات الصفوء الدرائص و في أجر في رفة القارئ المعمل الأول في ذكر حرف مكان حرف. الاردادة طبع إدارة القرآن والديام الإسفامية

مبندی مناخضاب لگائے والے اور بدعتی کی امامت افغ سامہ

عمیافرمات میں علامے واپن و خشیان شرب همین و این مسائل که

1) ایک عالم ہیں موصد راز تقریبا ۱۹ مال سے عاریت فیاسات والیونی کی جائے محد کے اہم ہیں۔ قریبتر ادامت کو پاری فرز ادافر درجے ہیں۔ بقت کی الدوج ہے جی بیٹی در بندی جی رسی افتیاد ہیں گئے کا بعد نماز قرقر آن پاک کا دوں مجمی اسینا ہیں۔ فرک و بعد عند سے النے گزت رکھتے ہیں۔ جو بیت علاء امام کے نامید اس مجمی تیں ، بیک دہی کیلئے ہوئے ہیں کہ ایسے کا رکن مجمی تیزیم نے بات انکی ہے کہ اور مواد سیاد انساب میں میں مرک ما کردنی رکٹر مورک کو بھارتے ہیں آئے کہا ہے ماہ مداوس کے جیجے ادافر ہا کا دیم ماہ سیاد انساب

(۱) ان چک۵ شراک سیوس سب ہے توکید کی العقید و ہے جس کا مقید و درست کیس ہے ۔ بواج می العقید و درست کیس ہے ۔ بواج می ا سیاسال میں جیٹن میلاد کرا تا ہے تو ال مذکا تا ہے ۔ کاٹ و سیاس کی احمال دیکر پروکرز میان موسک میں ان اس میں ال انگورٹ وور بی مجد چک۵ میں تاہم کر کی ہے جس میں الاست کرا تا ہے اوالوں کو تمان جات ہے گرکیں۔ جو اتو اردا ال

عنوات بھا (1) جاہ ڈنڈ پ ٹٹے صندتی کا کرا مشعال کرڈ درست ہے ⁽¹⁾ دس بیلیے ایام ٹڈکورکی ایامست بل کراہیت ورمست ہے ⁽⁴⁾و

.

بستنجب قل حل عضات شعره ولنجيته وقربي عير حرب في الاصنع قال الشاهي ورد أن أسابكر راضي
 الساء حيث حصيب بالنجباء والكليم مدين المر المتحدر مع رد المتحدار اكتاب الحظر والإماحة فصل في
 البنع ٢٩/١ وقلع الجهدائم سبية كراچي

و كذفا من الهندية وعن الاماء أن الحصاب حسن لكن بالحناء والكتم والوسم وأراد به اللحه وخصر الأراس والخضاب في غير حال الحراب لا بأس به من الاصح ٢٥٩/٥ طبع مكتب و لبدية كرتك. و كندا فني النجالية والحصاب بالحد، والوسمة حسن كناب الحفظ والاياحة باب ما يكر من الثباب. والحني والريبة ٢٩٢/١ طبع مكتبه رئيفه كوكه

 إلا من بالإسامة - إلا علم باحكام الصارة بعط صحة ومسامة بشرط إحتيابه للمراحش الظاهرة الدر أسجار كتاب الصوة باب الإمامة (27% فيم الجياسية عليم كراجي).

و کند، مین مدیشید الطبعطاوی علی بر انی اعلاج مالاعثم باحکام العلوة الحافظ مایه سنة الفرادة و بسخنسد العواجش الطاهر فرکتاب العسود فصل می الامامه من ۲۹۹۰ و ۲۰ طبع دارالگذب المعلمیة صور در از کافرامی حیلتی کنار آن اتفاقه آوی باشقدیم اداکار بحسب الفواحش من ۹۲۳ کتاب الصارف باب الامامة معیدی کنب خانه.

(المُنْتِقِ مُدُومِ مُنْتِيْنِ مِن كَلِيارِ مِن كَلِيارِ مِن كَلِيارِ مِن مُرووبِ ⁽¹⁾ر.

تعوید سے نے در بدهم قیلی کے قائل کی اوست کا حکم

$\sigma(\mathcal{J})\rho$

کانے فریائے ہیں موسد و ہیں اس منظم کی کہ تی آ دی ہے موق صاحب ہے چاہی کہ فصالیہ ہے اسلامی ساتھ ہوئے ہا ہے۔

الله من الله الله ہوئے کی آخرین ہے اور کیکے فقی رہائے ہوا گیا۔ آدی ہے موادی ما حب ہے ہا گاہ الله ہوئی کہ خوری کی الله ہوئی کہ خوری کہ الله ہوئی کہ الله ہوئی کہ الله ہوئی کہ الله ہوئی کہ خوری کہ ہوئی کہ الله ہوئی کہ خوری کہ ہوئی کہ الله ہوئی کہ الله ہوئی کہ ہوئی کہ الله ہوئی کہ ہوئی کہ الله ہوئی کہ ہوئی کہ

الله على بيكان المستعدد المست

 على و بدكره الله الدينة عبر قد و فداستن واعملي ومنتدع مع الدر السحار مات الأعامة ١٩٩٩ ١٠٠٥ معيد كراجي.

و كيما في العالمية التصنيعية في على مرافي اللكاح أكرب المدوة مصرا في الامامة على ٣٠٢٠ طبع وارالكنب صليبة مروت لنظري

ا وكدا في علي كبير كتاب المبلوة باب الإمامة من ١٩ قاملي سعدي كتب حاله.

 عليم كالمنادع بكره أماما مكل عال من مشيء في شرح السبة على أن كراهه تقديمه كراهة تحريم شامي كيام العلوم بالمالاهام (أ- 70 طع الجمايية معيد كراجي)

و كيما في تشار حياسه وذكر نسخ الإسلام في شرح كتاب بصلوه العبلوة خنف أهل عهوا، بكر « كياب الصفوة من هو أحق بالإدامة الأمامة علم إدارة القرآن و العلوم الإسلامية.

وكنيًّا في حبيق كير ويكره نفاه والمنتازع الصَّالانة قامل حبث الاعتقاد وهو أشد من الفصور من عرب لميل أداف المراكزة بالدرالامامة عن 12 أه طبع سعيدي كنت عالم.

غله ارتاجا ترتمليات وتعويذات كرنے والے كا امات كا تكم

U

أيا فريات في طالب وين الن مما كل على كرا

6 0

(۱) معود ہے مسئولہ میں وگر واقعی ہے جائل سا دے اس آتم کے وجائز گل کرتا ہے دوری تخفی کی در توا ہے۔ پی فیر کی سکو جہہے تھی وہ دی تا تھ تھر کے کے مارے کا اس تعمل کے نے عمل کرتا ہے تا ہو جائل سا جہ کہنچار مرکز ہے کہ دوفائل ہے ^(۱) را مامنٹ کے قائل تھی روائے امامنٹ سے بتایا جائے ⁽¹⁴⁾ ہے اس سال کا آسیب زود کے لیے ملائل فتیلہ اور کئے کہ چار ان کا وجوال آسیب زود کے قائب میں کرنا تھی ناچ از ہے۔ (۲) مال کا تھوئے شہر تواریج ان کے علاق کے سلسد میں تعویز کے جوابو سات محتف کوؤن کے

ر الراسي وأكل الراوا وتحو قالك كدا في غير حسن (شامي) كنات الصلوة باب الامانة ١٠١/١٠ مطبع الج-المهاسعية كراجي.

وكدا في نفسير روح المعاني سورة فنفرة أيت ١٩٦٠ ١٨٨ علم واز أحياء الفرات العربي.

و كنفاه في حياشية المدم مطناوي هامي ماراتي القلاح كناب العيلوة فصل في سال الإحق بالإمان. هن ٢٠٠٣ طبع دار الكتب العلمية بروت

وأما الدما مان وقالد هنانوا كرافة لقامله بأن لا يهتام كامر دينه وبأن في نفديهم للامامة تعظمها وقد و حديد عليهم بهائنه شرعا شامي كذاب أصلوة واب الامامه الله 7 قاطيع الهيدائيل معيد كراجي.
 واكدا في حلى كنار كنار الصلوة بأم والامامة عن ١٠٥٠ عليم مبهدي كف جابه.

وكدة الله حداشية المنظمعطاتوي على مواقى للفلاح كتاب المدلوة لصل هي الامامة؟ ٢ طبع قديمي كتب حالم.

ي في محاسقهال كائلم ويناها مُزومهات بهرونظ والشراهم .

يغروا توعقا الترعند

عاد وُونے کرنے والے کی ا، مت کا حکم

40 è

کیافر بائے میں ملاوہ میں درمی منظ کہ زیدے عالم ہیں اور فضیب سمجد نا کرائیک فیم سلم مزدے کی تیزاؤ کورکراس میں ہمری کی مزی اور دو مجلیوں میں پیکٹر دارا سائیاں جھوں کرائے کیا اور چرقی برکھڑے ہم کر جادوائے نے کافٹن کیا ۔ جس کے میٹیے میں فیم سلموں نے باقم کو کچڑ لہا اور مارا میا ۔ چند چلنے پراؤ وں نے اس عالم دائن کے چھچے نماز میں پر صافز کر کردی ہیں۔ کیا لوگوں کا بیفٹل جائز ہے دہمیں ؟ کیاز ید کافٹل درست سے جیکدود اب بھی امامت کر راہے۔

÷ (*)

یے عالم و این چواس طرح کے مقلی تعامیات پر مقید درگذا ہے نیامت کے ایکنٹ تنمیر (۱) کہذا ایسے محص کوارم تعمیل منانا جو ہیں فقط و اللہ تعالیٰ الفم

مشترک زمین وغیرشرق طریقه پر هدرسه که نام کرانے وانوں کی امامت کا تھم ﴿ مَنْ ﴾

کیا فربات جی عوروی وری سند کر ادارے کا فربا میں ایک ویٹی ادار و تاکم ہے جام تجویہ القرآت رہا ہے۔ مدرسہ فرد کے مقرب صاحبان نے ایک کتال فرجی جام مدرسہ برکر واکر اسپیغ نام انتقال کر والو۔ جب کساس نے کوروز میں کے جارموس حصد وارجی اوران مصدواروں میں سے صرف پندوہ وار حصد واروں نے اینی رضامتدی سے زمین ویدکی بھیے حصد جائے کوان معدواروں کی فشا و برخی رضا ورقمت کے قل ف تعمیل وار

٤) نبوير الايمدار ومهدع لا يكفر بها وان كفريها فلا يصبح الاقتفاد صلاً ١٩٠٥ (١٩٠٥ مسبعد كراجي). وكذا بي التارخانية كناب العبلوة من هو أسل بالاسامة ١٩١١ ، اطمع إداره العراق والعلوم الاسلامية. وكدا في سائلية العبدطانوي على فر في الفلاح أن العبلوة علما أخل الاحرا الا تحور والعبدجج أنها النصيح منع البكر افة حذف من إلا تكفر عدمية كناب العبلوة عمل في الامامة ٢٠٢ طبع دار الكتب العبلوة عمل في الامامة ٢٠٢ طبع دار الكتب العبلوة عمل في الامامة ٢٠٢ طبع دار الكتب

ادرا نگرمندهٔ لاکن ورقم به آن قال باید نوانید دیب به بایشا مدد را پی قریبتانی دید به برستان سازات دوگروطازیدگی و منطوراد کرد تا بخی می قردستا و بزرگیمهای جاتی .

هذه المذفودة بالأكل التقدم ووجها فيهارات متجالا موات الشرائط في المدونة الشرائع المدونة التي المساورة الميارات الما للما تين البيب كرفود المنظم المواقع المنظم المواقع المنظم المنظم المواقع المواقع المواقع المدونة المدران المراجع المنظمي وقيد والمن المنظم المنظم والمنظم في المنظم المواقع المنظم الما تنظم المنظم المن

۾ ڇڻ به

الشروسية المان موال على الرواني الداريين من مكاه معددا دين القول مندية بين عارد الدون كان كان الفريم فيول منذ وزوي الداريين الدون عادم من واليوسدة بيامتون والدون والمسار المان الدون الدون الدون و الدون عروصية أنه المعرفية الفرق من يقامت من منطوع تسليلة المانية الدون المان المعرب

ا متحد کے صل منتقلے کیٹی کے سامنے بیش تدکر نے والے کہ امامت کا تھم۔ ایک انداز

آمیداد بات جی مخالے والی در این مندک آنیا با انداز آن دانو ماسیدگی مذامید سینی و سید کی آند دمری که اسال و مینا منت صاف افغاری سرد و اسال و کنگ به طلب آنها کو اماس می مذاکمید مینی منت مین کاری کے ساتھ بیش آنے و کو ایند و موسا و ب او شید کے ملیند داریدا در سات سے داری چیزو کا با تا میرو

 قال النبي صلى الله عليه وسموألا لا تعلموا لا لا يعلى مان الربل لا يعليم غين ما إستنكوذ المعالم كتاب البورة الدا الدين وإقار با عن عادة بدين كان عاد كرايم.

ومة لمحافي الأندر (" للحائز ما وإن المحتان كتاب العصب مطلب فيد يحور مار التصرف في مال المرا الماري لمن قد رح (") . " مسخ بجها لمدالمجها الوامي

ومثلة في الأشب والمقالر ٢٠,٥ ك إدارة لقرأن كراجي.

٩) ويكرم إحاجة عند وطاعل توقد و دعو من القديد وهو جووج عن الاستقاعة وقيل البرادية من د يكت المكت الراح كذا اوج المحسر و والرس و أكل فريو المحر بالحد كد في البراجة بال مثني في شرح المسيم حالي أن كراحة تقديمه كراهة تعريم الح البراقيمجد و مع إلا تدوير كذار المديوة الدارة المدائرة المديرة الدائرة الإحداد المحمدة الما المحدد كراجي وكذاب المحدد والمديرة الما المديرة على مراش الدائرة كذاب المحدد في إلى المديرة على المديرة المديرة ورودة.

وكله في خلق أصر كذاب أعدد وما يا الأمان عن ١٩٠١ و طبع متعبدي كال بالملت

صاب و خلائدار دور بينه مداد و ميركا بالمرد و در وان ميكوان الهافعل كانوار الرواب و الرحل الم الميان المراكز المراكز المراكز المراكز المركز ا

$e_{j} \bigcup_{i \in I} e_{i}$

الاست. تار ادم من بريت بريت با وي الاحداث بالكان الكان المقادات المقادات المستد الماري من بي المرتفى المسافات المستوث المراب المر

ه م المدر المتحدّار مع وه المتحدّار وجرح وحديد قدله (ويسرع وحواله) الله العالمي يتركه والاثم سولية المحاش ولا شال هم كانات الوقت ماتات بأكم سولة التعالى ٥٨٣/١ طبع مكيم ، ويديد حسند.

وسته می نفر رات افرادی علی هامتی رد استختار ویتراج و خوداً انج وی عرف واجب علی ایال رسلم پستطانه به کشف کوفف و ۱۳۸۶ و طبح سکار به رشواند و حدید و مثله فی سعیه الحالان علی خامش الحدراً و شق وستخری او مانداً رو عرق فق واجب علی افغانی اکتاب افرفف ۱۳۹۲ فقع مکب راشیدیه کافته

مع مشكرة الهماسع تختاب الإيدان العمل النامي ص عاد طع فعنسي كتاب تحاه

ع بن مي مجتاب وب الإرامة 1/1 المطلب البير المناصمة .

و كفا هي الدي كتير كالمان العطرة بال الإمامة من ٢٦٦ عليم سبية ي كند بالحامة، وكند في ما شية التطبيعيقياوي عسي مرافق الفلاح كتاب العملوة فيسل في الإمامة عن ١٩٠٣ مليم دار الكتب العلمية مدونت لك ال

مدرمہ کا مال خوروی وکرنے والے کی امامت کو تھم

و الله

کیافروٹ میں بلو دائیں اور ان متعد کہ جاد ہے۔ مدرساتا تاکم بالیت مدرساتی افیادی فورد پروٹری ہے راحتن کے بجسم فورد انتقائی ہے۔ ایا جسم مدرساتا تھی ان کا علم ہے راکٹن وقت میں اس سیدس کر کھیٹیں گئے۔ کہ چرد داشتع کی میدیں کے اور تیم کوئی ایسا کا موال آوی ٹیسر یہ ہوگا۔ حال نکروس کی سنتول کھی مال سے آئیا ایسے مراسم فور آن امامت ہے کڑھے بیشیں۔ میکود فریروار

هِ بِنَ اِهِ ایسے تعلق کوام مُرکِس من کا چاہیا ہے۔ خان کی ماست کا تعلم

چ ن چ

إلى السبقي أن يقتدي بالقامل إلا في الحمدة إلى في عبرها يحد إماما عبره رد المحدل كالب المرازم
 باب الإمامة (أو ٥٠ تقيم الجهابية سبيد)

و كا اللي المحرافر التي كتاب الديلوة مات الإسامة (1997 طبع مكتب رائبيدية كوتيمه و كذا في حلم كبر كدب العملوة باب الإمامة عن (199 فضع سعيدي كتب حالمة

母子家

مورة مسؤل تن أكر والتي مواق صاحب في فيات سجد كمال من أن حافة فيات أكرا شرعاً فن و عن الأربقي في نت في ب خاصال النهج وابعيد عن (١٠) في شيد بنا مجي با شق المستأتى ب بكراً أن كل ك شيد وهمو قطع عن الماسكا الكاركرة في إن كا الكاركرة من النه المعالي يصادى الله ين سرفوا على الدب وفي مسادى الله ين سرفوا على الفسية لا تنقيط والنه والمعالي بالكافوت حميعا الله عو العقور الرحيد (٢٠) وقوله عليه الصلوفة والدبلام الدن من الله ينفر الله ينفر الانف عد (١٥) السكان من والكاف المنافقة عن الماست والمهام الدن من الله عن إلى المن عن والدن كورائي والمائح في المنافقة عن المنافقة في المنافقة في المنافقة في المنافقة الله والدن المنافقة المنافقة المنافقة المنافقة عن المنافقة المنافقة

- د) النساطي مشكرة المصابيع عن أني هرائرة وصي الله عنه قال قال رسول الله صلى الله عليه وسلم أنه
 المتنائق الله والدوسية وإن صام وصلى وراعم أنه مسلم إنه حدث كمت وإذا وعد أخلف وإذا أوتمن
 حال باب الكيائر وعلامات البعاق من ١٧٠ طبع قديمي كتب حنه.
- المدر المسيحسان ويسجب ودعيس المستعموب ... هي مكان غصبه انقاوت انقيم كتاب العصب في

 ١٠٠ ١٠٠ ١٠ مل ع مكانه و شيريه حديده و كتافي نصب اثراية مع الهداية شراح بدايه الممدلي

 كتاب العصب عمل ١١٠/٥ ضعرمك حقامه
 - واكدا في البحر الراكل كتاب الغصب ١٩٥٨/١ ما ١٩٩٠ طبع مكتب والتناديم أكولاهم.
- المدير المصحفار وإن أنكر بعض ما حلم من الدين ضرورة كفر مها كتاب الصفوة باب الإمامة (الر 1) ه ضع الجهاليب سيد. وكدا في حاشية الطمعهاوي على مراقي الفلاح كتاب الصفوة فعيل في الإمامة ضم دار الكنب العلمية بيروث لشان.
 - وم سورة الزمر أبت : ١٩٥٠ ياره ٢٩.
 - ع) مشكوة المصابح باب النوبة والإسبعار ص ١٠٠٠ طبع تقيمي كتب خاله.
- السماعي حلمي كلير وبكره تقديم المبتدع العبآ إلاء قاسق من حيث الاعتقاد وهو أخد من الفديق من
 حيث المس كتاب الصلوعات الإمامة عن: ١ ٥ ٥ عليم معيدي كتب حامه.
- وكناه في التناقيق حياما ه و دكر شبخ الاسلام في شراح كتاب الصفوة العسوة خلف أهل الهوف بكره. وكندا في الشبادية فهم كالسبقة ع تكره إصابته لكل حال كتاب الصلوة الب الامامة الأ- 13 مجع. معهد كراجي

معيد سَرَقِّ ال شَرِيفِ يَتِنِيهِ اللَّهِ لِي المِسْاكَةِ مَعْمِ ﴿ مِنْ لَا

کیساللات ہوئے کہ جہ نے معاقب اور آئی ڈیف جوٹن کیا ہے تھی ایٹ اور ان اور ان اور ان اور ان کیا ہے اور اپنے قرآئی شریف اوک شند در مناصل متحافظ مران میں کی دائر اپنی شائر الزائیوں سے دیتی ہوائے تو اپنے اور ان اس مار محمول متعمل شریف کی تو کر ایسان موام شریان کی دائر ہاتھے۔

५ं८ ७

اک فٹر اوم نے بھیج جرات کی ہوستان ہے وابی کا انتخاب آن ہے کہ کا ان فٹر کا ان اور کا اس کے اسے آپر کو کیا ہے۔ قرب کے بعد ان کا انتخاب کے موروز کے ⁶⁹³ کا اسرائی کی انس

اکستان براین ۲۰ مین۱۳۹۰

معید کے حمال آنا ہے میں جو کہ دی کرنے دینے کی اوست کا خمار اواس آنا

کیافرہ نے بین مادے این اس سال قرار کا نیٹ تھی ما اسٹ کرنا ہے۔ تھواہ تھی بین ہے۔ مہدی تا ہم چندہ تھی اس کے بیرہ نیو کے ہاہ اور نام نے اپنے حرق کے جی کے روح کی روح تروی کے درور ہے اور معمور وہنے تھے وہنے جی ادران ناظر من کی اور چیز میں میں آخر ہوہ کورٹی سالوں ان کے باس روسی کی درور ہے اور میں تھی انوٹی جیدہ میں تھی تا ہو اس کے بات کرتا ہے اور میں کا ٹھی جی سال کے بعد اور ان بیخ ہے کہ قربی کی گی کو ٹور کی تھے تا اور اس سے بنا ہو اسٹریوں کی ایسا اپنے فرق تھواں نے کیے جی راہ اس سے جیجے فرز بھر تی ہے ہوگئی۔ وزن قربی اور

أنجا في قوله لحالي قل عبادي السن الموجاعين العسهم لا تقبطها من رجمة الله بي الله يعفر الداوب
 حديثا أنه فو المعروز الرحيم سورة الرجا الدير ٢٥ ويلو ١٩٤٠.

المعلم في مشكوة المصافح و عن عبد العالى مسعود و عني المعاهد قال تان و سوال الدختاني الله متيه. ومطع المانسة بن الذهب كمن لا ديب له بالرا النوام من ٢٠٥٠ فيع ليج منها بالمهد عول

1 0 10

و الم المؤرجين الموسية المن المنظمة و المنظمة المنظمة

بالدواكم جان مقالت من الداسب كل عبدالله مقالت عن

ا) التسامين فيال فين الراسيعيات و لا سولين إلا أمين فالمر سفسيه أو ساقه كتاب الوقف مطلب في شروط المعتوين * (201 ضم مكنه و شهدية حديد و أند في النامر فرائل كتاب الوقف (1946 ضم مكنه و شهدية كرات

- ع) الد المستحدار والاحل بالإمامة المديد على عبياً مجمع الأجور (الأعدوبا حكام) الصنوة فقط اصحة وفسارة الشيرات وحساب القدامة المعلق المجاهدة المجاهدة المحافظة المح
 - والدافي هنين كبر الناب الهينود دارد لامامه عن ١٩١٣ صع معدي كب هامه
- سيمجيئر وينجب رد مس المصحوب في مخال أفضا للياو للم كتاب العقد.
 ١٠٥٠ ١٠٠٥ ١٠ يود بياد عيد كراچي الم الدا في الفساء الم به مع الهداء شرح بداية المشادي الداري المعسب في المادي كتاب العصب.
 ١٠٠٠ ١٩٩١ ١٩٠٥
- ا المدامي الدر الميختار مع والالمجتاز بعران به الإلفتية الى بالفسار أوطراً همه والمراد الديستجيل الحرل الدراء العيشوة بالدرالا الاطامة وحل ١٩٤٣ ع (وضع الجياسيسجية الراجي

الله في السجار البرائين و فا يحل في آلفاسي أصاحب الوضية مين حنجة و فقده أهية ولو فعل قم عند اكتاب الوقف فالمحادثة شام الإسابيد سعيد أثر البحرا و كتابا في الشامي وقد صاعي اليحراجكم من التمامين لنفس من ويجود وهو أنه يحق الا يحتجة وخلاد الله الثاب الوقف فعلقت في هل ما من سدر من ورماه والابن ساحرا عندم (١٠٠١) صلح يجدا يتدمنها الذاتهي ۳۱۱ واب و مت

يقيقر بنُ باز ، مُنيد تراشُ ، حقة نوشُ كَي ا ماست كالحلم

4 J g

كيافر شير في الماسة وين الدام الريش كدر

() کُریدُ کی متحد کی ایاست کے مستعلی ہوئے ہوئے اس کے پائی اٹنا کر اروکا قبل ہے آئی کی حمیم کا جنائی ا مشتب اور مجرز پید لاولد بھی ہے تقریبا اس کی چھ افٹر زمین کئی ہے یہ کی است محد کے فتر سے نین کرنے کی اجاز ت ہے اورا کر محمد کے زم بھی رقبتی ہوتو اس میں سے محل قبل کرنے ہے۔ کتاب مسلمے سے بیان کریں ۔ (*) واقع وقع ہے باتی محمد میں تعلیم میں حاصل کر تھے تین جا انگر ان کو طبارت فیم طبارت کا اخبار نہ دور (*) شفر نُٹی ہے اور محمد توقیق کے قبل ان انجرائے والے العمد خطارت مرائبی ہو ہے مکن رہے پائیس (*) براتی امر مور والے کے بچھے تھا انہو تھی ہے پائیس میں اور والے

﴿ نَ مِ

(۱) روسد کار فیمی بھٹی نے است کا آز کی طورج کارٹین ہے۔ اوپینا میری کی کھٹی موقو اس کھٹی کی رائے۔
اور مشورہ سے اپنے لیے کئو او مشرد کر مسکنا ہے لاک ہائی کر اور کا فراجد اگر ان کا موجود ہے جس سندہ ورش اور منطوش جو آرایا است کا کام آر اس سے آزامچھ ہے کہ مسجد سے فئر سے بچھ ن سانہ فیلی کر ساتہ بھی جائز ہے۔ (۲) فقیما مرام نے مسجد میں اس کی تعیم ہے جو بالدہ بغیر ان بھی نے بالا ہے اس طورت عدیدے شریف میں چھوٹے بچواں کو مسجد میں اس نے ہے مشع قربا ہا لا اس ہے چھوٹے فیلیس پاکی بلیدی کی آئیڈ کیس بولی سے ان اول وائس میرے نے تعلیم مسیوین سے لیے فارز اور میریکسی مکان کا اٹنا کا کہ کیا جائے سے دو مکان کرا ہے جو ان

ا إن و ولا تنصبح الإحبارية) لأجل التناجات مثل الأدان والحج والاحامة و تعليج القرآن والقله ويعني اليوم المسجمة سعليم لقرآن والفقة والأمامة والأدان القرالسجير من 33 ج: صبح مجد كراجي

 إلى في التناز حاليه عن العمل حشر معلم أو وراي في المستحد فإن كان تعلم أو لكتب تأخر لكره إلا القدري فاشعى كتاب الجعر والاماحة فصل في البيع (١٨/١) طبع الجياب مجيد

السب في تنقر برات أبراقعي على هامش راد المحطر ولا تحقي أن ما ذكر فامن أنو حيه يقيد القسق في المسألة التعليم بالأولى كدات هجتلو والإباحية فتيار في الديم ٧٠٩- لا رشيدية حديد

 * بسما في الي ماحد عن والله بر ١٧ سفح أن النبي بسي الله عبه ومقم قال جمية مساحد كم صبيا كم ومسائب كم وشيره كم ويسمك بو معمومات كم الدام مايكره في السباجدة الي ٥٥ هم عنم البجد الهدام عد كميني.

وكا. في لشاميه كلنات المحط والاباحة فصل في الهيغ ١٤٧٨٤١ طبع بهجيا المرسعيد كراجي

مهواشرا فاستعرر

 الساء في شاه ي وه الدي مان العدم في وهو حروج عن الإساماء فوقعل المرافية من برنكات الخشارات الخشارات السحيد والمراسم و الكور المراوا في مدى في شواح العدمة على أن أمراهة نقديمه (الفاسق).
 كراهة تحريم كمات المسلوفاتات الإمامة (١٠-١٥) فلري بجمال معيد الدوكسة بسي حساطية.

المصفحيط الوى عبلي مرافق معلاج كتاب الصيوة فصل في الإدامة من ٢٠٢٦ فالم دار 1.50 الدابدة البدوات لندن أو كذا في خليق كثير كتاب الصلوة فات لامامة من ١٩٢٢ خلع معيدي كتاب فاته

 إنها في حابي ومكره تقديم المستداع أنصاً لانه قامل من حيث الاحقاد وهو أشد في الفيس من حيث الفيش كتاب الصلوة باب الإدامة في (١٠٤ عرب معيدان كتب حاله).

وكنة في المتدرخانية وكر ضبح لاسلام في شرح كناب الصفوة السلوة حالف أمن الهواريكره كتاب مصفوة من هو أحق بالامامة 171 عليم يتاره القرآر كرا بهي

و كما في المناجية فهنو الضاحس كالعدام الكرة رسمة لكل حال الح كالم الصلوة باب الإمامة والرواة فيم الجرد بيرسمية كراجي

وهي النفر المحتر والإفضل أن ينسل الميتواجعاناً بإن النعي القامل الاجر جارين كار تمه غير (لا لاكتاب للصادة باب الحدار الد. المحيار ١٤/١٥ هـ طبع الجد بولسميد كرا بي.

وكما في الهندية كندت الصقوف بنات الحادي والعشر في الفصل الذبي في المسل ١٩٨٨ - ١٩٠٩ مايع. مكتام وتناسات كوت

وكند هم البحر الرائي كراب معانوة إن الجنائر ١٠٤٠ طبع مكتم شهديه كوفتان

 إلى السباقي الله والمحتار والأحل بالإمامة ١٠٠ الإعمام باحكام المسرة فقط بسجه ومسادة بشرط احتياله اللمواحق الطاهراء اكتاب الصابوة بالراء الأمامة الأكادة طام أوج الرج العجال.

و كندا من حاشيه الطبيعيون على مرائل الفلاح ودلاعظيم بأ مكاو الصنوة ميدافلا مايد سنة القراءة ويتحدث العواصل الطاح ة كناب السلوة قصل من الإمامة حرازه ٢٠٠١ ما طلح دار الكنب العلمية السريات المسال الوائمة أمن حلس كبير أن الطالع الربي بالتعديم وه كان وهدار العواجش الحاكمتين. العموم والدالة منة مراجمة فعلج منجيدي كتب جارية.

بدهبدى كرئ والناك كالماست

ه کی پ

کیا فریات بین طاہ دین ای منظری کہ ایک کاؤں کا بیش ایا مہم والیہ گئیں کا میش کی گئیں۔ حید عملی کردیا ہے - گافوں اوسٹا کی معامد کو بی جائے ہیں کہ تقدارہ آئی منوانٹ کی بجائب ہے - وہذا م نوگ میں موکز ایسیا فیڈ اوار بیکن موکر واڈن ہیلے کے انہا توگ حشائد ہوریاس ویک ادام کویٹ کر دور ویک ادام مقر رکز عصلے نارائش موکز اوار بیکن موکر واڈن ہیلے کے انہا توگ حشائد ہوریاس ویک ادام کویٹ کر دور ویک ادام مقر رکز منطقہ بیس ویکس یہ دیوار لگا ہے تو جو وار انٹوا ہے -

* 5 *

حمورے مسئولہ میں امریتے کے روانسے معاور والام مجد کا از امریت کہ جس سے معاہدہ کیا ہے اس کا کیا۔ اگر ہے (المام طالعاتی کڑک) کا اکا کا گرا کہ اور الرق کی مقرشر کی موروزے قواس معاہدہ کیے کے تنظیمی کوروشنی کر کے دو مرے تحض کولز کی وسیقے کی کھیا تک ہے (۱۹۰ ورزوار م فرم ہوگا ، اوکو ساوی ہوگا کواس اوا م کہ بدل کر وومرا المام تقرور ہی (۱۹۶ منافق الحالی الم

١). المد في قوله تعالى وأرفوا باللعهد في العهد كان مسؤلا سيرة لاسواد : ٣٤ باره ١٠٠ . ي

و كسافي التقسير السير ولوقوا بالعهداي المهداكان مسؤلا) فيحت شرحا الوقاء بالعهم، بارم 10 أبه 20 السوع الساسح 20 (20 المج غفارية كاستي برقاكوت، وكدا في حاشيه المشكوة الخلف بالطوعات من عواراه أنه حرام يمو العرادها وكش الوقا، بالوعد سعرة بمه في عشراتم السابقة العد كتاب الاداب باب الوعد القصل الذي من 20 مجع قديدي كتب خانه.

ت) السعا في شرح الاشهاء والنطائر التحلف بالتوعد عرام ... ,ه وعد الرجل أحاه ومن بنه أن يفي فلم بعب
 ه الاأثام عليه النهى وقبل عليه فيه بحث مإن امر وأوقو بالقمود) مطفق فيحل عدم الألم في المحديث
 على ما دامنج مانع من فلوهم كتاب فمحطر والإباحا (2015) إنارة القرآن.

و كفا في مرقا فالمستدانيج شرح مشكوه المعيانيج كناب الإداب باب الوعد الفصل الثاني 1974 . • طبع دار فكتب العلمية بيروت. وكفة في حياتية المنشكوة التخلف بالوعد من غير مانع عرام وهو العراد هذا وكان رائوهند مامور أنه كتاب الإهاب باب الوعد من 1970 طبع قديمي كتب جاند.

۳) النصافي النفر النسختا رمع رد المحتار يعزل به إلا لفتية أي بالمبيق وطر أ عليه والمراد أنه استحق العزل كتاب الصلرة باب الإمامة ١/٩ و شع ابير ابير العراجي عيد كراجي .

وكدا في البحر الرائق علا يحل عزل القاصى صاحب الوطيعة بعير جسعة وعدم أعلية لو فعل لم يعتج كشاب الوقف 46 / 48 طبيع مكتبه و شيئابه كوك، وأكفا في الشاب وقدمنا عن فيحر حكم عزل الشافسي لمبدرس وتحوه الايتحور إلا سحنجه وعدم أعليه كتاب الوقف مطلب في عزل الواقف لمعرس وإمام وعزل الناطر فعسه 14 / 20 شيخ اليورانيد سعيد كراجي.

" بین ان وگول نے ساتیر تر بعت نیس کرناچ بتہ" کینے والے کی امامت کاتھم

الله في المالية المالي ولا مالية المالية الم

کو قربات میں موروی وسٹیل ڈریا تھی وہ میں برگائم کر کیا سالم شوائید نگاؤل کی محد اسٹونام بھی۔ میں کی منچائی فیصف کے بعدان ہیں رہاں ہے ووٹن انسانیگر کا ہے کہ شربال والی رکٹ والوٹر کامٹ کیں۔ اکرنا چاہئر کیا ان ارام کے بیچھے تمام پر سماور میں ہے بات کردولوا مقرب کے ساتھ کہا اس کے بیچھے تمام پر موز درمت وجائے کا براہ مارکشیا ہے وہ ایکٹر میٹر مارکھنوں ٹریاوی۔

المُونِّ فِيهِ

لهم الفدال بهم من وهم رسوال على مورج الفائل في ان مكون كه ما توخر يون في كون مي جاهد موسطين الفرظ في الرقيمي فوفراغ بها في معاجل المواقع الموسود الديرة وجود الفرائل موفق بالامراء حوالا الموقوع الموسود ا وقائل في ومن بالأمر وت جوكز هيء فيضوف عضيه المصفوخ والمسسان والتدريب على المفرس محمد الاخراب في المسافق في الأمرائين في المرائل

- رية النصاصي الشراح الساوي على صحيح المسئلة والقعوا على أن الثوبة من جيمع المعاصي واحية والها: والما قالد في القور الاسجار بأنفي هذا وقد أكانت المعاملة فصيرة أو أكل فك الدرسورة الأرد فا مالح القديمي كتب حالما أن كانته في رياض المستضحيين شراح وهر مولاية قبار الشهر المحسين سياحت اللابلة واحية من كل فيت الحابات التربة فلح مكت مديد ترفد أباران لاهور.
- السماطيق شار الدراحة الرامع وه المحدور عن مولا لدية أي الاسموائو غرافقاته والمواد أنه يساحوا الفول كتاب الصوة بالدالات الاحداد (88 ماه اليوب إيدالمجد).
- وكند فني السجل الدين ولا يحل طراع القاصل صناحت الوظيفة بغير حسعة وعدم أهنية وموفعل لم يصح كناب الوقف (١٠٠/ ضع الجراب مجيك كراجي)
- و كند في الطباعية وقيد منيا عني النجر حكم عران القاصي لمقرس ومحرة (لا تجمعة وعدم أهليّة أكتاب البقت مطلب في عراق الدفق لمدر من مرامام وعزان الدائر فيقسة (2777 قاطع البج ماليج مسعد أكراجي
 - ". وابي لفعار المن تاريبو آمن و همل فينانه، الواهدي سور د طعا آية "٨ يتره ١٩٠٠.
- المند في مشكرة المصابيح وعن عبدالله بن مستود رضي الله عنه قالين قال رسول الله صلي الله عليه وسلم المائت من الندب كس لا دب به فات النوبة والاستغفار اص ۱۳۰۰ استم قديس كتب حاله واتحالف إلى داعة بالرد الشاكر النواع من ۱۳۳۳ فارم راج الرم السعيد كماني

۳۱ وب المامت

یہ کئے والے کی ا۔ مت کا تقم کہ حدیث سی تھی تھیں افرائی ہوں

کیا ڈروٹ کی سازوی کی مسلامی کی ایک تحقق آمیو میں قداد پا های تی ویکر ایک بھی سازیا۔ معتر سازی ایک میار السازم سازی کی سیند اللہ کے لیے ہور کا والی میں والم ایک قان کو علوم مواکسی سازی الدی تھی ایون سید سازی میسٹونڈاز پا حالت السائٹ کی کہ پہلے ڈو مدیرے کی شین سیندا کر ہے ڈور بازیزا منا مب کش کرائر منا میں چھڑا معلقہ موج جد اسازگر اندا ہے افزائر کی تھی حدیث کا قانی تھی کا فرائس ہے اس بھارت اس بھنز انداز کر بھری کرنے کے لیے اور کی ایا سائز نے کوار میں تھرکرا یا۔ باب بیٹے ان کرنا ہے کہ جب تھا کہ ہوگ والی والے کئی جس آن کو گھاز نہ پانچا اور کی ایا سائز نے کوار میں ترکز ایا۔ باب بیٹے ان کرنا ہے کہ جب تھا کہ ہوگئی ا

واقعی بیده ری سی بیناری تریف متی سیده (۱) کیر مُرج است کینی جس نے بیانواک پیجافی حدیث کی نمیس اساکا بیرمطاب ہے کہ اس کی متدائیل میں وقابیات مطابع کی تھی جا اس اب سداس سے انا کا آلیا ہے ۔ میرمان بیا ماکا قرائیس اید (۱۹ اور زیرانی کی حدر اور کیاوار می ٹیس اور (۱۹ سیدس انوال از زیران سے ایک انداز م کرنماز روحی شروع کی ہے دوئن کے ٹیس ایٹر طیعہ وہم رہی تیںاول ووئر عیب زود (۱۹ ساوان وحم

(ق) أنه العلى الدر المحدارات عدار من إعادة و حلا ف المعروف عن ارد ول الاستدادة بأن دوج شهد و آثر من الكن من قائدة الاستخدر به المثالث للصنوع على الإدامة (10.70 ما 67 فقط اليجد بهداست الاراجي و كا شاهى الشار سائدة أن الكن من كان من أهل قائدنا وقد بقل عن حواه ستى لدرسكم بكونه الدولة وكان كراجي
بكون ماسد بتأوين الفاصد كيات التصفوة من هو اجز بالامامة (10.0 شم إدارة فقر أن كراجي

أن المدوقي حديم الحرامج (الحديث ١٨٥٥ أبل ل ي عربي الله عليه وسندل الله تعالى وضع عن
 أوني الحفظ والسياح ومقاد تكر حود عليه ١٣ تـ ١٨٣ طبع دار الكاب المشارعان وبالداعلي

ع إن المداني الدو الدخائر والاحل بالإمالية لاعلم بالحكام المسرقة قد هيجة ومداه الشرط وعديه. - فلمواهش الغناهرة النج كالسياء العربوة بالدولامية واللاعام طبع الجيازيون معاه الروجي

و ١ هذا من حداثية الاطخطاري عني برخي القالاح وقالاعلم بالحكام الصوفائح بط مانه بدة المرادة و الحديث العواجلان قطاهرة كتاب المنازة فصل في الإمامة حرارة ٢٩ ماء ٣ طلح دار الكتاب المناسمة حاروب المدارية واكتبافي حصلي كيسر أن العالم اراي بالتقادم إذا كان يحتب المواجئي الحاكم الحاكم العارفيات

غصریش با کینے دائے کی امامت کا تھلم" میں تو حید بیان نہیں کروں گا" موثرین آپھ

کیا ٹریائے چیں علیٰ وین دریں مشکل کہ آباب الام مجدکہ ایک تھی ہے کہا آپ توجیہ فاسٹل بران مریک امام مجد نے بچاپ ویاچی قرحیہ بران گڑی کروں گاڑی قرشک بران کروں گا مجد کے درم نے کہا کہ بچھے کیج چیں اور دومرے امام میں کوچی کھے ۔ برائز فاٹھے جی کے جی رکے مخدامشری اوا افاظ کے کہنے سے ایمان جی کچھاتھاں توجیق بھا امام ہے کے قائل والم کیس۔

₩0\$

الناگلست مندا کر چیکفر کانتم نیس دیاج تاریخی امام صدحت کول زم ہے کداست افغاظ پر نادم ہوکر ہو۔ تا تب ہو (۱۰ کراس میں کوئی دوسرا میں شہوتر س کی امامت درست سے (۱۰) بافتط دانشدانم

باز وقدامی فی مغزانشداد اسید مشی درسرهای اطلام شان اگوامد میچی آوارش وغزارد به ریاست شاه ایسا

بی لی: لیخاکے ہارہ میں یوزیائی کرنے والے کی اماست کا تعلم

U

کیافر بات جی علمہ و بیمان سند میں کہ نے کاسلمان ہوئی تھی پائیں زلنا جو فزیر مسرک یوی تھی ۔اس زلیفہ کے فن عمر اگر کوئی تھی بیانۂ کا ستعال کرے تھری کو اوی کیسٹی فاصط بدچھی زامیہ آ یا ہے آ دی ہے چھے نماز پڑھنی درست سے اٹھیں۔

⁽ع) النما من القراح الروي على مبيعت السبليم والفقية على أن الرية من حسم المعامي واحية والها واحدة على النماء والها واحدة على النماء على مبيعت السبليم والفقية حميرة أو كثيرة كتاب الترابة ٢٠٠٧ طبع قديمي أكداب عدادة والمائم على النماء التحريم أكداب عدادة والمائم على المعاملية على المعاملية المائم عدادة مواطأة من المعاملية المعاملية المعاملية عدادة والمائم عدادة من كل ذلك مائم الترابة أراء (١٥٠ هلية مكت مسيدة رادة مارار الاهوارات عدادة عدادة مارادة المعاملية المعاملية عدادة عدادة والمراز الاهوارات عدادة ع

⁷⁾ وهي الدور استحد روالا حين بالإمامة الإحتياب العلق العيارة فقط صبحة وفساداً بشرط اجتماعة المتعرفة الجدائة المتعرفة المعارفة المعارفة العاملية المعارفة العاملية الإمامة (١٩٧٤) المعارفة على مرائع العلاق المعارفة المعارفة المعارفة المعارفة على مرائع العلاق العارفة المعارفة المعا

۾ ٽ ۾

زلینا (اسرافا العزید) کے تعلق قرآن کرایم سے سرف صفر نرکنا دیجا ہے ہیں۔ جو صنات سے معاف ہو جاتے ہیں (''کریرو کناہ (زنا) سے الد تعالی کے انھیں اپنے تھل وکرم سے اور حضر ہے بیسف مایہ السفام کی صحست وعقت القذی کی عود سے بچالیا ہے (''کر مجوان کوکس طوری زنانے تھری کہاجا مگا ہے۔ یکھی الزام ہے۔ جذبائی ہے اور جہاست کا ثابوت ہے اس حرح کے سیاد متیا کھنے کو الم ورضتہ ایمانا جا نوٹیس ہے۔ مام کے لیے شروری ہے کہ کا طاق وقتی ہو (''')۔ اللہ الحر

تلطی سے غلط منظریتاد ہے والے کی اہامت ﴿ مَن ﴾

٩) ألما في قرقه تعالى إن الحسنات بالعبن السيات الآيه سورة هود أية. ١٩٥ يار١٩٥.

الما في تفسير الل كثير قوله تعالى وإن المجينات بدهن السات بقول إن فعل المتيرات يكم الدنوب المسابقة (٢٨١٩ كنما جد بي المحدث الذي رواه الإسام أحمد وأهل السنز عن أمر المؤمين على المسابقة (٢٨١٩ كنما جد بي المحدث من رسول الله صلى الله عليه وسلم حديثًا أن سمع رسول الله صلى الله عليه وسلم به الله على الله عليه وسلم به الله على الل

- ل الساء عن قوله ترحامي والقد صبيف به وهم بها لو لا أن واي برهان ربي كذالك للمرف من السود والمحداد إلا سورة بوسف (به ١٤ باره ١٣.)
- (قبل التدارجانية يسجب أن يسكون إمام القوم في العبلرة المستهم في العلم والورع والتقوى والقراه ة
 كتاب طعلية من هو أحق بالإمام ١٠/١٠ علج (داره القرآن والعلوم الاسلامية)

وكانفا في السفر السنحتار والاحق بالامان تعديما بل بصباً محمع الانهر الاعلم باحكام المبشرة نم الارزع أنه الامن ثم الاحمن حفقا لم الاحسن وحها كتاب الصلوة باب الامنمة (الاده، ٥٥ هـ ضع التج سايم معيد كرجي.

وكذاهي النهر الفانق كتاب الصنوة باب الإمامة الأراجة عنيم ببار لأكتب العلمية بيروت تبدان

ھُ قَ مُ

جب مولوی میں میں نے اپٹی تھنگی کا اقرار کریا ہے اور لوٹوں اوسی سٹلہ سے آگاہ کیا تو سولوی صاحب پر اب کوئی سامت قیمی اور اس کی مامت جائز ہے ^(و) قطر نے افر کھیٹا اجائز ہے ^(و) ٹراب چیا ترام ہے ^(e) اور بینے والے برصدے ^(e) اسے فقط وافقاتی فی اسم

نا ثمانسة الفائلة منه سي أكاليع والسيكي مامت كالمتكم

★しき

کیافر بات ہیں علامہ میں در زیہ منظر کردہ ۔ استخمی آئیں تھی ایک منسد بنی تھی مباعثہ کررہے ہے۔ گھران میں سے لیک ۔ فروم سے راہ کر کہ آرا ہے عدم ہوار سندہ میں اور استان میں بھر بھی بردا معدا علان کردہ کو لاک جو ادا کافری آئیں کی طرف منسوب کرتے ہیں۔ ان علاقتی ہے تی جا کیں۔ قال ان دوائی شی زید دوائی جائی 'جو کا تغلیب میں میں کی راہ میں دیا ہوں۔ اب بیا نشاط جو زید سے صاور ہوگئے گیا تا ہیں علاج این کی ہے باتھی از انجام مورت میں تھرشری کیا ہے جائیں کے بیچھے قرانی انتی جائز ہے بائیس ، اس کی حررت مطافر ہوگئی آئیس۔ دومری صورت میں توجی زیرو نے کی کیاد کئی ہے۔ موال کر زیر کی مراق میں علاج وال کی ترقی سائی ہوگئے گئی وہ مالموں کا مباحث میں د

 الدرائلسنختیان والاحق بالامات الاعلم باحكم السلوة فقط صحة و قبیاد بنتر ط احتیابه للفراحش الطاهرون كیاب الصلوق بات الاعامة من ۱۹۵۷ م ۱۰ طبع بج ایم صحب كراچی.

7) لسعاهي الدير المبخدار كره نجريت المقت بالنزد وكذا شطرت كتاب للسطر والايا مة فضل في أبيح 1917 عليم سعيد كراجي أوكذا في خلاصة الفتاوي كتاب فكراهية العمل فيما يتعلق بالمعاهور 1914 عليم مكتب رشيديه كوكه

- ٣) والاحق بالآسامة ... لا علم باحكام الصيارة فقط محجة وسنادة بشرط احتيابه للمواحث الطاهرية الحيابة للمواحش الطناهرية الحرامة على يجاليه سعية كراجي الطناهرية الحرامة الحرامة طبع يجاليه سعية كراجي وكان في حيالية المغرسة المرامة على مرافى (والاعتم) بأحكام الصلوة الجامعة ماه سنة الغرادة وسجست المفاوة سنى الطناهرة لكان الملدية من ١٩٩٤ من ١٩٩٤ من دار لكان الملدية ما روادة لدن وكان الماهمة عرام لكان بحتيب المراحق لمع كتاب طناه ولا عائمة عرام الكان بحتيب المراحق لع كتاب طناية والماهمة عرام الكان بحتيب المراحق لع كتاب طناية عام والماهمة عرام الكان بحتيب المراحق لع كتاب طناية والمراحق الع كتاب المناهمة ولا الماهمة عربية عليه المراحق الماهمة عرام الكان المحتيب المراحق العرامة المراحق المراحق المناهمة عربية المراحق ا
- عند كورة المستعبد المعلى على حياس عن الله عنه عن النبي على الله عليه والمدم قال من شوات الحجور الماجيد ووقال هاد عن الرائمة قاقله و الجوالات حدالهجور المصل التابيد من ١٠٦ مع عام قديمي
 كانات حياله والإدارة عن حامع الديه كانت الاعام وياب حداث الرائم من ١٩١٣ في يروث و كاناحي الهدورة الرداء السادس في حداث شريرة حدن ١٥٥١ مع ١٩٠ فيم مكتب وتهديم كريفه منا

နော်ကြို့မှ

اس حتم کے الفاظ خلاف شرع میں ^(۱۱) اس محتمی کوائی حتم سے الفاظ ہے تو یاہ داختر از کرنا ہو ہے (۱^{۱)} - اس محتمی کی اہمت ہو کڑھے ^(۱۱) - فقط دائیہ تھو گی اعلم

فتوى كو براكبِّ واللِّي المحت كانتهم

÷ رَ∻

کیا فربائے بیں معادہ بیناس سند ہی کہ ایک فیٹی ہام مجد ہاں ایک دوز دروش ہوت ہروں ہارہ آئی۔ استھے ہوئے ہیں مہات چیت کرتے کرتے ہونیام مجد شان نے مہا ہو ہو وہ واٹر بینے ہیں شائل تھان سب گا کہا کہ آخر کا فربر الحوق نے کہ کوئوئی چیچیں کے کوسلمانوں کو کافر کرنا جائز ہے یا ٹیک ؟ میں ہا ہے ہما می نے کہا کہ میں نوٹی کی بہتیا ہے کرتا ہوں۔ نبذا یہ سند ملا دو بن کی خدمت میں جیٹن کیا جاتا ہے کہ و گھٹی امامت سے اکھن کے بائیں اوران کے حق میں شریع شریف کا کنارہ ہوتا کہت تھے ہو ارقر یا کی ۔

_

أما في أولاد تحالي والجنبوا قرل الزور سورة الحج أية ٢٩٠٠.

و كينا في الدرستان هي حيث الله و شي الله حيهم كان قان رسول الله على الله عليه وسلم سامه. السمسسلسية فسيوق وقت السنة كالفير أيا والدائل الزار والتشابليج مدانا منا خذا، في المنتيم ١٩/٢ طبيع. الإيهاد المراسعية كميني.

وكذا في غراح النزوي على مسعيع المسلم بات النهي عن السناب ١٩٩١/٩ طبع .

٢) المساطن شيرح السووى عني صبحح البسلم وانفقوا على أن الثولة من جيمة المعاصى واجهة وانها واجهة على الشيرة أو كبيرة كتاب التربة ١٩٤/٢ ضع واجبة على المعام التربة ١٩٤/٢ ضع المعام كتب حاله = وكند فني روح المعان بحث أبة زيابها الذين أمنو بوبرا إلى الله نوبة بصوحاً) حبورة التحريم إنه ١٨٨/٢٥٠٨ فيم دار أحداد التراث فعري.

و كنفا في رياض الهبالحين غراج اردو مولانا فيام الدين المعسيقي صاحب النوبة واحدا من كل دات. ياب النوبة 201 (17 مليم مكتبه مدينه تر دو باران لاهور

٣) والاحس الإمامة ... الاعلم ماحكام الصابوة فقعا حمجة ومسادة عثرات احتمام العواحش اظاهرة التحر المنظر المجمعيان كمات الصلوة باب الامامة ١/١٥هـ٥ طبع اليهمايين معيد أكبر الجي. وكما في حاشية المصححطة وي على مراقي (والاعلم) بأحكام الصلوة الحافظ مامه مستة القرار أو بمحسب الفواحش الظاهرة أكتاب الصلوة باب الامامة عن ١٩٤٩هـ ٢٠٠٠ طبع دار لكت العلمية بيروت لمنان.

وكنة العن خلين كبير أن التعالم أولي بالتقاديم إذا كان بحنب القراحان الع كنات الصارة بات الإسفاض: ١٤ دماية سيدي كتب حاداً.

\$ 5 €

ان محمّس نے پرستان کا افغان استقبال کیے ہیں۔ واقعین خربیجین کی جائے آنروائع اس نے پیلفظ کیے جن آوائن پر فارم سے کرووٹر الوبیا اب سوجائے اور استشفار کر سے 20 ساز اب ہوجائے کے بعدائ کی فائمت مرست سے (4) کرووٹر بیٹا ہے و موقولات المرت تیس (20 سے فقا والفرقول کلم

البيل قوى كونيس مانة الكينية والساكى المامت كالقلم

#1

كيا فريارتي من علاءه من ودي مثلك معافقا صاحب اوره في صاحب كه المين المبنى عورت وتين امن

 المهافي شرح فقه اكدر من أهال الشريعة والمسائل التي لا بقائلها كام فصل في البلم والملماء من ١٣٣٤ طبع دار البشائر وابتصافهه اي شرح فقه اكبر ومن قال الشرع وامثاله لا طبقاي ولا بعد مندي كفر فصل في العلم والعلماء من ١٤٥٤ طبع دار البشائر

المعالقين و دالمحال ويطهر من عذا ان ماكن دايل الاستخفاف يكفر به وإن لم يفصد الاستخفاف عاب الدائد 1777 طعر الجاهب معدكراجي.

٣ و مدا في شراح الليوى على صحيح المسلم والفقوا على أن اللودة من حيسع المعاصى واجبة والهاواجبة على الفور لا يجوز تأخيرها سواد كانت المعصية صعيرة أو كبيرة كتاب للوما ٢٠٤١ ضع فديمي كتب عادد.

و كالله في تصمير وارح المعالي نحت أبه (بايها الذين أمنو توبو اللي الله نوبة بصوحة) سورة التحريم أبة ٨٤ ٢٤ ٤٨٧ كلم قار أحيا، النوات العربي،

و كفا هي رياض المطالعين شرح تردو مولانا فيام الدين الحمييني صاحب الدية واجه من كل دلت. عام القومة ١٩٨٧ طبع مكنه مدينة اردو مؤرز لاهور .

- ٣) د. في قواد تماني فل يعدادي الدين أسر بوا على أسسهم لا تقتطوا من رحمه الله إلى الله يعفر الديومة بسميسة مسورة الرمر آية ٩٧ ياره ٢٧ ، وكنه في مشكرة المصابيح على عبد الله بن مسعود وطي الله عبده المدالسة من المدسب كمن لا ذمه له ص: ٢٠١٧ قام التولة والاستغفار طبع قديمي كنب عائد وكذا في منى من ماجه باب ذكر التوبه من: ٣٩٢ طبع إيج بابيم، محيد كميني.
- على الحقيق الحقيق كرير ويكوه تقديم العباد ع إيضاً لانه فاصل من حيال الاعتقاد وهو انشقاص العمل من حيث المعلم كتاب الصلوة ماب الإسامة من (١٥٥ هـ طبع محمدي كتب خامه).

و كندا من التنار خالبه وكر انهاج الإسلام في شرح كناب الصلوة العملوة حلف اهل الهواء يكره كناب. الصلوم ، ان مان هو احتق سالا دامة وكنا في التنامية فهو الفناسق كالمنتسخ فكره العامة يكل حال كناب الصلوة باب الإمامة (1 م 1 ه طبع الجيابية على الجي). یاں دکتے کا آثام کے بہت والی مست و یا ایس کا مست با افادہ کا مست بادی ہے۔ جا فاہ ساھیہ نے کی لئے لئے گائی است اس کا فاہ ساھیہ نے کہا گئی ہے۔ کہا تھا است کے انتہا کہ انتہا کہ

صفی صلاب سے مراد ہاتھ کے اٹناد دیسے قرآن وجدیث کا اٹکار پاسے کیا جاتی صاحب نے بیٹے قرر ''مرنی غیروری سے وائیس'؟

ا و بار و بھر جائی صاحب کے مانے قرائی و حدیث ہوئی کے گئے تو کئے لکا کرتھا وا فرض اوا ہوئی اس انگر کا و بال بھر ہر ہز ہے گا - بھر بر کنو ٹی کا قریل ٹیس و سائے جا صابی میں جب جو کشید والفرند ہے سراور ہاتھ کے اشروں سے انگار کر ہم ہر و قرائن و حدیث کے انقار کے مرحکب ہوئے ڈیکس 2 گرا نگار کے مرحکب ٹیس تو شھا اگرا تکا مرحکم ہے تو تو پہلی اند وائن مرتائم ہرتی ہے بابغیر قرائے کے امام بنا کے جائے تھی ہیں۔ بیٹوا تو ج

Č ™

والگئے رہے کہ باوج کی پڑتے ہے الکا ظرما تھا ہے (۱) شمر مدبی صاحب کے پاس اس کا اولی شرعی ہوت انگیل قواو بھٹے گہا ہے ہیں اور کر آن احدیث سے ان کو تھائے کے باوجود کھی اگر ووائی سے انگار کرتے ہیں لیمنی اس پر ممن کیس کرتے تو اور کئی زیادہ بھٹ ٹھٹار میں تھے ہیں۔ میں پر اوز مرب کہ ووجود ہے ہوتا رہے ہو

١٤ الما في قوله تعالى و ١ بأنبي بمهال بضربه بين أيديهن الأبة سورة المصحية أده ٢٠

و أحمرج أحممه حمصه لهمل لهن اكتبرة الشرك بالله وقتل النفس بنير حق وبهت دومن واغوار من الخراجات وبمين صابرة نقطع بها مالا بعير حق الخوالروا جو عن اقتراف الكياتر اكتاب الكاح الكبر الرابعة والمعمون بند الماضي مهت 1/4 1/4 إدارالهاكر بروت.

بها کمی اینکه در فاه صناعت به به مصرفت از یک به نکی قربیش واقعی بنیده کان آن از در به به رای فی ترک تابعه میشود این کویش دو این تاکه داده می مدیون کسب به این کرخم و جاسیده آن مدی صناعت به این توجه به عیش از مساخ آن این پرخم ساکا که داده و در این کرخم شدن آن می است نامه و کان سمان میک ماحمو باز و به شرک و کی جال کنم از رایست کی محمد این که از این کنور و انداز کی هم

و ما تی بیماری میں مبتلاً شخص کی اله مت فاقعم

و که

ا با فرد کے جن مازہ وی در ہی اسٹر کہ آبید الام بساجب اوافر ہے امتر سال ہی ہم کا ہے۔ یکی بھی ان ط اما فی قوار ن درست تین وہ دوائی آئی ، تین کرتا ہے۔ اس ماٹ برجمس مسائل کرتا ہے کہ اب او مہما ادب و اما فی دورہ ہو بچا ہے قوان وہ ان ان کے جنہی آئی اور دلل عمرتماز کیں یا منت اور عمود افت کر میاں میں خت امرام بول تیں جا اور تاہید کیا ہے کی کے کیے کی کہ دورہ سے ہے۔

جسيدا کي کو ما في آو اورن اورت دو قو کن في افقد کرد کير ب سال باز دا في قواز اي درست نده کو کري ا حقيد وامل انام کي چيد ماز يو بيند واکن اجه مها ب اک پر ده في دورو کې نه پر او د در الوگول کال انگار چينه کې جه سے ان کي چيد ماز پر وکرده بازه اي درې منه دون درم افوق عادت ک آناک دو که استان ميا انگار مرابي هل درمن سند يا کيل دمود که از کان کوارو به الله که دا کار درسانو موان تا پيا قودا ک مک ساد کارد د

) الما في الراح التروى على مناصبح المسلم وانعقوا على أن التولية من سيسم استعامي واحدة والهواج الم المسبى العور الاستهوارة أشراف سوم كانت استعلمه معمولة أو كثيرة أكتاب التولية الأغاثات طبع قديمي الكتب مناسه، واكتما في تقسير دواج المعاني تعلق الله دمانها الفيل أسوائو ودالي الله تولة فعير ماي السورة الشعريم الهالان الاسكان فقع دار أحية البرات العربي

و كيما فتي رياض العياللجين شوح اردم مولانا قيام الدين الحصيص مداحت الدولة واحمة من أكل ١٠٠٠. يذك التولة ١/١٥ هـ ١٩١٨ طمع مكتبه ملامه اردم بالراد الإهوار

٣) فيما في مشادة المصابح عن أي أوب الإصاري وفي أنه عنه قال قال رسول أنه عبلى ألمه علم وقد دم لا يتحلل لم حيل أن يهيم أحاة فوق (الأما ديان كخير الإداب بأن ما نبهي عنه في التهاجر والد د الأنه في 177 في الإداب أن ما يتهاجر والد الله علم المحالية عن الإداب أن المحالية عن أن الإداب أن المحالية عن أن الله المحالية عن أن أن رطاع به أن أن رطاع به أن أن مصلح المحالية والمحالية عن أن أن مصلح المحالية المحالية والمحالية والمحالية المحالية المحالية أن المحالية والمحالية والمحالية المحالية الم

ج نے کا تھر وہیں کر کے بات ہالی دیتے ہیں اور اس ام کوئیں نکالے کیا مجد کے اداکین کا پیدو پیٹر عادر سے ہے اور مجد کے اداکین بیائی کہتے ہیں کہ بنب اس کا داغی قران در سے بونا ہے قبیر نماز عمی ٹیس بجو نال بیجواتو ہروار - جہ ان

جس وقت المام کاورا فی توازان قراب ہور اس وقت اس کی اقدّ اردر سے تین (۱) یہ سچہ کے ارا کین پر اذائم ہے کہ وقع اپنے عالم صالح اور کم کی کوفام مقرر کر ویں (۲۰ جو ماست جسی ایم عبادت کو بقریق احس سرانجام و سد شکار اماست کا مسئلہ علام میں بہت ایست کا حالی ہے راس میں کی تیم کی کوئٹی ورسٹ ٹیس ۔ امام مشتریوں کی ٹرزکا ضامن ہوتا ہے ^(۱) رجم اماسے مشتری قریت کرتے ہوں اس تھی کا امام خاتم وہ ہے (۲۰ کا دوجہ بیٹ شریف میں ان کی تخت وجید آئی ہے (۴۰ کہ تقا والد تحانی اطام ۔

٩) وتسحمت عملى المقلاء البغلمي الإحرار القاهرين عني الجماعة من غير حراح النهى عليي كبير كتاب المصلوة فنصل في كبير كتاب المصلوة فنصل في الامامة عن الدول علي عائد . و كذا في حاشية الطحطاوي علي معرائي المصلوة على الإمامة و شروط صححة الإمامة الرجال الاصححة عن الامامة الرجال الامامة الرجال الامامة المحتار كتاب الصلوة عاب الامامة المحتار كتاب المصلوة بالدول المحتار كتاب المصلوة بالدولات المحتار كتاب المصلوة بالدولات الامامة الإمامة الإمامة الإمامة الإمامة الإمامة الإمامة الإمامة المحتار كتاب المصلوة بالدولات المحتار كتاب المحتار المحتار كتاب المحتار كتاب المحتار ال

لا أسما في الشارعانية وفي يتاوى الارشاد ينصب أن يكون النام القوم في الصلوة العملهم في العلم والورح
والشاء وي والقرائة والمحسب النح ١/١٠٠١ طبع والرة القرائ والطوم الاسلامية . و كلفا في المر
المحتار اكتاب المطلوم باب الإمامة ١/١٥٠١ هـ طبع الجرائيم. سعيل.

وكفَّة من النهر الفائق كتاب العسوة باب الإساسة ١٩٩١ ضيع يهرون ليبان.

"؟) السماحي منين ابن هاؤه، هن ابن هربرة رمين الله عدمال قال رسول الله عبلي الله عليه وسالم الأمام خسامين والمسؤون موة من الغيا كتاب الصلوف باي من عصب على الموؤن من تعاهدالوفت)، من ١٩٨٠ ح١٠ طبع منكتبه رحمسايته لاحورار وكندا في سابي كبيراء كتاب العبلوة باب الإمامة، من ١٩١٧ عليم منهدي كتب خانه.

 السدة بن آبي داود هن هيد الله بن عسر و رضى الله عنه أن رسول الله سبلي الله عليه يسبلم أكان بقرل الثلاثة لا ينقبل الليه منهم صناره من تفتح نوماً وهم له كار هون كتاب العينوة باب أن جل باع وحمله كار هون، وكذا في جامع طر مدى دواب الصاوة باب ماجاد أن الإمام صامن والمؤذن مؤتمن 144 هـ طبع الجهام، سبعة كميني

ه) النما في ظبير السنختار وقرام فرماً وهم له كارهون أن الكراهة القساد فيه أو إدامه أحق بالإدامة ته
كثره له النخ أشاف النمسلوة بالد الإدامة (0 % عظم ابچ ابه . سبد كراجي، و كندا في حاشية
النظحطاري على مراقي الفلاح (أن الحابق ويبنعي أن تكون ظكر اهم بسريب لنبر أبي داؤد ثلاثة لا
يقبل طله منهم صلاة وعد منهم من تفدم فرما وهم له كار هون أكتاب الصلوة باب الإمامة (0 % - 7 % خلم طبع دارالنگاب العليمة بيروات لينان. و أكادا في اليمر طرائق أكتاب فصلوة باب الإمامة (1 % - 1 % طبع دارالنگاب العليمة بيروات لينان. و أكادا في اليمر طرائق أكتاب فصلوة باب الإمامة (1 % - 1 % طبع دارالنگاب العليمة بيروات لينان. و أكادا في اليمر طرائق أكتاب فصلوة باب الإمامة (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب العليمة اليمامة (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب العليمة اليمام (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب العليمة اليمام (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب (1 %) - 1 % طبع دارالنگاب (1 %) - 1 % (1 %)

دوران نمازامام كرتب تؤنماز كافتكم

و *ن* په

کیافر دیتے جی ہو و اور این در این مشکر کرنے ایک سجید کا تطبیب ہے۔ وہ دولوں پائل سے اس قدر معذور ہے کہ جب دوسری رکھت کے لیے افتقائیہ قریعوان بھیا دوقت اور شیرکا جذوا الے کر الفتا ہے۔ اس جس کے موقع پر جب دواقعے مگاتو اس نے البحی نظامندی کہا تھا کہ دھڑا است والد مصرف ذہیں پر بہت کر گیا۔ تائیس چھے کہ باہر مگل گئیں۔ دولوں و نوا اعراف کواور چیزوجی ایک طرف مزعمیاں بیناز میں نے ساتھ بوست ہو گیا۔ چھر می طالب میں وارد وافعا کر الفرائر کھرکہا اور چینے تینے قرآت کروں کروں دکیا ہے نہ زورست ہو گئی اس میں فتامی واقع ہو کہاں تیزامی پر آ وسے نمازی تارامش بھی جن کے یافعاز ندیا جائے کر مواس کی ہرواد گئیں کرتا اور فروع اس ماتا ہے۔ جواب و مگر کرمنوں فراوائی۔

क दिन

بقابر میمل تشریعلوم بهناستهای بید آناز کشراده آن کیابات کا انکرزیداد بیا ہے که داغماز دوری جیت کاخیار در تصحیامات سے تبددش میر بات اور کی مرفق کی مدن کون م تقر کردے اوال فقط داخلہ دائی علم

معذورا ورزبان بين كننت والمسليكي امامت كائتم

€ €

کیا قرم نے جی الحام بن ومفتیاں شریاعتی اس مندش کر کیستا دی ہے کہ جس کرفرز کے متعلق بھی۔ مسائل باد جی ادراس کی دارجی منت کر بینے برتیس ہے بھی کو ساہد اور زبان شریقوز کیا ہی گفت ہے ورقعوز ا

 ⁽⁴⁾ حدث إلى المحدر ويفسيحا أكان عمل كثير أيس في أعمالها و لا إصلاحها كنات العموم (إلا الا 18 عام 19 عليه الإلا عام 19 عليه الإله المحدد واليديد كرائه المحدد إلى المحدد العموم الإله الإله المحدد والمحدد العموم الإله المحدد العموم الإله المحدد العموم الإله المحدد العموم المحدد المحدد المحدد المحدد العموم المحدد العموم المحدد العموم المحدد العموم المحدد العموم المحدد المحدد المحدد العموم المحدد العموم المحدد المحدد المحدد المحدد العموم المحدد المحدد

و كنداخي حاشية الطحطاري على مرافي الفلاح كتاب كميلية باب ما يفسد الصدرة من. ٣٩٦ طبع فديسي كتب حالية

وكذا في حلي كمر كتاب الصلوة باب كراهية الصوة من ٢٥٣٠ طبع سعيدي كتب حالم.

٢٢ فيسيا في انتشار خانه وفي فقاوى الارشاد يحت أن يكون ماه القوم في المسئوة أفسيهم في الطبو والنواع والتقوى والقرأة الخ كتاب لصفرة بات الإمامة الأسام طلع إدارة الفران والمقوم الإسلامية واكفا في القبر المختارة كتاب الصفوة بات الإمامة ١٩٧٥ ما مددد طبع البياسية كراجي. وكذا في النهر الفائق أتجاب الصفرة باب الإمامة ٢٣٥/١ صبح دار الكتب الطبية بروت ليسي.

الهاه هذه المختل إلى يوكن كل أحد الدين إلياء فقالت كان أنه المراحق بالعائمة في أنه فالمدن ها فع الهاريجي في ا الموسط كل منه وتسويل

®نٰ⇔

ور مخاد بھی ہے کہ جار تحقیق ہے کہ اوا تھا کہا گئی کہ نا ترام ہے وہ سا فسطندیا وہ بھی دوجہ ہلہ ہیستہ احد و (کنے درمخارش ہے دو کہذا بسحیرہ عملی الرحل فطع فصعد الاملاء کی براسلان والا کیا افرادا تا ہے اور کیسائٹ ہے کہا کہ خوا وہ میں موان ہے ^() مراس نے فیصے تر رقع دو ہے اوا کر کین اگر بیاا انہانی س جانے کرادر کوئی عام میں کی حق اوردہ وہ درموہ اس کے چیجے جانے لیا جائے ¹⁸⁸ے اس بیٹھ کیکے دروز میں آریں جانے جانی جب تک دوئی مار کی تھی کی تنظر تھے تھے اور انہا کہ اعام تھر کرز ہے درگئیں۔ فیزہ دامید اعم ر

- ٥) القيامي كتاب العموم بالدران وسند العموم وما لا يعسقه لا الراي صنع مكتم وغيديه كولاه
- ا و كناه في البنجر الراق أكنات الصوم باب ما يعننه الصوم وما لا يصدره 19.00 طبع ماهناه والبيدي. - كوفف الرام كند في قتاح البغادي كتاب المبرم 19.0 ما يواجب المصار والكمارة 19.09 حام مكتب - راهبهاء كوفف
- ۳) داندرستی مین اندرستی و ها و انجاز و چرای الأماههای و بیش شهر ادید می بر تکت دلکتائی کشفرات الحمر و افران می و اکسل فرانوا و بنجو داشت کند این از اجدای شامی کندت المطلوف بات ۱۹۸۲ های ۱۹۸۲ های انهجه اینها سعید کم انهی .
- و كه هي قصير روح المغالي صوره المعرف فيد ١٣٥٠ (١٧٤٠ فيم دار أهياه القرات العربي ارتباه في حاشية فنطلح بطاري فيفي مرافي الملاح اكتاب الصدرة فقيل في بيار الاحق بالامامة عن ١٠٠٣ فيم دا شكال العلمية بروت
- ق من ملى في عراج السية على أن كراها تقديمه عن العاسم كراهه تحريم شامي كتاب العبلية بالد الإمامة بالإمامة عليم اليج إن المحرة الراجي
 - وكدامي حسى كبر كناد العابرة بالسالامانة بر ٩٩٣٠ مصدي بتسامات
- و گرفتا به و حرفت الدور از این علی مرافق امازاج که ب انهمیوف ب ایامزمهٔ هر را ۳۰۰ صلع تشریعی انسان جایه
- ومان المنهر عن الدراسي من منها بنسق أو منتفع من منين الحماعة أعاد أو العبلية علمهمة أولى من والانتقارات العبلية علم من الانتقارات العبلية بالدراسية العبلية بالدراسية المنافق الدراسية العبلية بالدراسية العبلية بالدراسية العبلية بالدراسية العبلية العبلية بالدراسية العبلية ا
 - وكفافي حبي كبارات السفوة بالداؤلة لهرادة فاطع معيان أقتاء طاله
- و گذاهی حاضیا ۱۱۰۰ معروی اللی در این الفلاح کنات العموة بات الاحالة در ۳۰۰ قدید. کف های

لنتكثر يشخص فبالعامت كانتكم

400

کیا فرائے جیں ملا دوین اس مستند جی کہ ایک فخفی عالم دیں ہے۔ گوش متی تسست کہ واکی تا تھ۔ معروب ہوئی اوراب کیفیت ہے ہے کی پھود اور بجد دکی حالتوں جی اپنی ہودی تا تھے ماسٹنے کی فرف پینی قبلدر نے بھیلائی ج فی ہے وہ چھے نام کی امامت ورست سے ایکن اورکونام متر دکیا جائے ۔

664

تماز اس سے بیچیم میں ہے۔ لیکن پہتر بیاب کہ اگر کوئی وہ مرافقش جائنگر اند ہولائی اماست کے موجود 19 آمام کا مام بالیابادے۔ و محدالک (۱۹ اعبوج بلقوج بلعض فلسد فائلا فتصاماً مقبود اوٹی ۔ افتہ وانشاطم

وونول بإؤل معدور فخفس كياامات كأتكم

4€

کیافر مائے ہیں ملائے وی اس سندھی ایک تخص حافظاتر آن ہے۔ اس کے ہردہ یا دک نشدے ہیں۔ عمر وہ کھڑا ہوکر دونوں پاؤک پائھیک اور آیک پر ٹھیک طرح زور و سے کرنماز پڑا حاسکا ہے۔ رکوئ ،جھوڈی کرسکل ہے ۔ اس کی آمیت ثبورے کے ساتھ تحریخ رفراء ہیں کو ، و نماز پڑھا سکتا ہے یا نہیں۔ اس کی ڈارٹی ٹھیک ہے۔ خوبھورت ہے ۔ فیک آ دی ہے۔ لیکن مسائل نماز سے ناواقف ہے۔ کیا ایکے ٹھٹس کا بھٹ کے لیے انام مقرد کرتا جو نزیے بانہ یالد کائل بھان فراہ ہیں ۔

ه کې کید

() شمعي كتاب العملوة باب الإمامة ١١٠ ٣٦٠ طبع وشيديه جديد.

و كنفاضي المعار حياتيه كجاب للحيلوءة من هو احيل بالإمامة ٢٠٢/١ طبع (دارة القرآن والعلوم الإسلامية

7) شامی کتاب الصابرة باب الامامة 11-71 طبع رشودیه تجدید.

وكمانا في التمار خالبية كماب المعيطورة من حواسق بالإمامة 4.0% طبّغ إدارة القرآن والطوم الإملامية . انوالی شانو خانیده این سنه علوم بود که دام ندگر دنی ماست با آرامیت جانز ہے۔ مُرد میرانونی این سک راتھو مسادی علم تفقی کا در شرافت میں موجود زیبود ارد و مرسانی موجود کی شروائی کی ایامت خانف دنی ہے۔ ابندا اس امام کے برابر کا کوئی دامرانو بال برنگین ہے توان کے لیے اس کی امامت بلا کر جامعہ جانز ہے ⁴⁰ رواند والم

ایک پاؤل ہے معذو مجنع کی امامٹ کا تعلم

* 0

کیا فردائے ہیں طاہ دین دریں سندگرایک جا فقاقر آن اور سندیافت قاری ہوا بھے فریقے در آن پاک کی علاوے کر سکتا ہے اور سنائل طرز رہیں ہے تھی دی گل طرن واقف ہے ۔ کین ایک پاؤں سے تامعدہ رہے کہ جب کھڑا ہوتا ہے ۔ ایک پاؤٹ کا پنجازش ہے رکھا ہے اور دامرا پاؤں بانگر تھیک ہے اور جب بھر و کرتا ہے اور التجاہے پر بٹھتا ہے قو پاؤٹ کا کے اکا کر رکھا ہے ۔ ایسے آدکی کیستنق عام بنانا کہا ہے اور اس کے پیچھیک آوجے لی کی فراد کیسی ہے۔ جب کرمن آوجو لی میں اس جنا علم والا آدکی اور ٹیس اگر اس کی امامت امروں سے آ

#6#

ہم افغہ الرحمٰن افرچھر۔ اینے تحقی کی اماست بائا کرد بہت درست ہے۔ مگر کوئی دوسرا مخفی اس بہیر عالم شادود رشاقات اولی اورکز ، ونتز بھی ہے۔ کسمیدا قبال فی اللود الصفحان و کلفا ماعوس و غیرہ اولمی (۲۰۰ ای طرح اعاد اللتادی (۲۰۰ جس بھی نیکر ہے۔ فاتا واللائق کی ایم

عربه به پیشندند توکیسی انتخاب در این از انتخبری بن ر گیجا به می می می انتخاب این ۱۸ بر زمید ۲۰۰۱ انتخاب

1ع السياحي البعر السيختار هذا إن وحد فيرهم وولا قلا كراهة أكتاب الصالرة باب الإمالية ١٩٥٨/ طبع مكتبه راغبديه جديد

وكدا في البحر خرائل كتاب فصلوة باب الاباسة ١٩٨٨ بليع مكبه وشهديه كولله.

؟) السيناهي والا فسنعتار مع شراحه فدر الميحتار واكما أعراج يقوم بنفض قدمه فالأقتقاء بغيره أوكى كتاب الفسلوة باف الامامة ٢٠/١ ٣٦ فتم مكنيه راشيدية جديد.

. وكفا في التنار حاليه كفات الصنوفاس هو احق بالإمامة (1914) الطبع إداره القرآن والطرم الاستلام. 2) اصاد الفناوي (1914) مكتب دارالطوم كراجي.

آيام ت معذو ، محضى كاخلم

۾ آڻ ف

آیا قروت نئی جو وال مسدی آمرید این کو سے کل در جدائی دید فیوم کیا تا این اور این اور مسجدی و ویشعن اور کنورون کے زیمار فروار و مستاج مثل بدار شدہ کا در آن کا کورانا کا بیاز میں اور این در مورون کے کورو جوں اور آیا مار کے سے قام موں از کو کئی کی کو کرم کوران کال داکت و اور چرون کرفرز بروی و موسیقی وہ اور نے موش رہے در در عید والوں ہاتھ اور ہائے کے لیے فرش واٹاک زائر اور منز دار وجود ہائے وہ مشکل وہ اور کے کہاں مران گھے واٹر اور اور آئے ہائے ہے اور کھی کے این کی کوران میز سے وجواتی وہ

ع ن ۾

کنز سید و کرفیاز پر سیافرش ہے رہا ہت کی مارے مالے سید جانے ور شاہ او کان کان ہوگی (40 کیس کر گریے منگلی جار میکھ بھی انداز پر بھی یا جو تک مثل کرد اور جانا ہو ہے ۔ جانا تو پر جو د حال بھی قیام کر نے سے معظور ہے کہا واقعی اور کما ہو ان پر بھا ہت کی تماز مک نے جانات مدی ہے ہیں ہوا میں اور مرکزا ہے کہا رہے اور تھیں یا ہے بر چارجانی کرے نے مار کے ان کے لیے کہا ہے جار موارد ویا ہی ہے۔ نے اور انسان کا داخت کا اندائی کی ایم

(و) المعد على البحر الرائل إلى القيام في من علا يحود الركة الأحق المصاحة التي في ساة على يعد عليا عقرًا العلى شركها وقال عليه عليه على ما أن رائسة القيارة على من الرائسة عقيام كتاب الصلوة بات صحة المدينة على المدينة كراها.

وأكما في خلق كثير والثانية من الفرائص القيام بلوطيق الفرطية فاحداً مع القدرة حلى القيام لا التحور والثلاثة في صنية المستصلي وتوطيق في مكانة مند وأيمان خلق العمود فاقتنا فالديملي وحالات فالما منذك لأن القيام أراض والحداجة سنة كذات المبلوة فرائض الصوة هي 1977 فتم المعدد أنشار حالة

ه در آن با این البحر افراهی دخت این بسته المعدلی فقیل آن به وهوده بند. چقاهما آن خمد موها حدوقت این قول نقوه و برا قبل کتاب بات بیمه العبلوه داید از طبع مکتب راهیسته کوفته

و أنه الفي حالمي كريز كنتاب الحامدة في العالماء على ١٩٧٧ طبع معيدان كشب حامد

معذور خفص کی ماست کا تکم

نه ک⊸

جوہ ام مسجد کی چوری کرنے ہوا و جس کی ہر وقت دوائے رہتے ہوئی راتی ہوا وہ اس کا مقونہ رہتا ہوا وہ است بیٹنا ب کے قطر ہے آئے دول اجب و ہر وقت ہے آرتا ہے آو انول کے بع چھنے بر و کرتا ہے کہ میرا رضو ہوتا ہے بیٹی قبر کی وہ سے وضور تاہوں ۔ جہ ہاں سے کوئی سند بع جماجات آو انھی طرح کرج کی سرکتا اور جمالا اور جہالا م ویرے کی فیافرنس بھر مورٹ ہیں ہوری کی فاخر اماست کرتا ہوا ورکن ویلانے کے باوجود کو آئے اور مورٹ کو فرائز ویرکتا ہو تھی اوسٹار سے پہلے متناہی تھے مؤکدہ ہوئے کی وجہ سے نہ ہو متا انہا ہو ان میا ورٹ کا رک ہے وہ میں جارمینے پینٹی اپنی کو اوسے اپنا ہے معرف بیا ویا گی آئے وہوں کی وجہ سے دیا متا انہاں امرینہ روش ہے کہ وہا ہے ایا کہ یور میٹے وہائی اپنی کو اوسے اپنا ہے معرف بیا ویا گی آئے وہوں کی وجہ سے د

ဖုပ်က

۔ المام آروہ تھی معذور ہے کہ س کا دختوکیں ریز کہ نماز ش کی اس کو بیٹا ہے شخصات خارج اوج ہے میں اور جو خارج ہوتی ہے توان کی الاست جائز کیں۔ معذور کے چھیے قیر معذور کے کیا نماز ٹیس کا تی آف اللہ اسی طرح آئر المام جوٹ بولا ہوا اور یور کی کرتا ہو قرآن کا خارج معتانی یا معنا کی گئی وجہ ہے اس سے قامات وال قران کی الم مت کر وقر کی ہے ⁽¹⁰ سفتا واللہ اللہ علم

ا) فيما بي تدير الإسبار وكدا لا يصبح الافتدار بمحدون (ولا طاهر معدور كتاب الصغوة بات الامامة
 ١٩١٢ عليم مكتب رشيه به جديد

وكدا في مبلي كياب الصلوة باب الإماما أمن: ١٦٥ قطيع صعيدي كلب حابه.

وكنداهي فللحر الزالق كتناب الصلوة باحيا الإمامية أ ١٩٨٨ طبع مكارة وشيادية كوتلة

عن المساحي الدر المحدار ووار أم درماً وهم ته كار هيل أن الكواهه المسادعية أولا تهم أحل بالإدامة همه
 كرماله ذائك بحراسة كناب النبلية بالمحافظة الإدامة والربع الجيالجياسية كراجي.

و كندا من حادثية الطبيعتاوي على مراقي الفلاع كتاب العبيوة باب الامامة ص ٢٠١ الطبع دارالكاب العبية بروت.

وكذا في النجر الدائق كتاب الصلوة بالداكامة ٢٠١٤ طبع مكت وهيديه كوتك،

غيرقا درمل القيام كيامامت فأعتم

C m

كيافرمات بين المواد بين ال سياك مين كد

(1) المام الريز الإنجاز الأكر كالريب (ع) مامر: المام فالامة عد جوتيام في أرمكا -

ال ان مصد کا ایک ہو تھائیں ہے۔ اوقتع کا رکٹ ہے ان کے چیچے نماز کیسی ہے۔ جیکہ تقدر مردی کچے۔ موجود ہے۔

C 🍅

ا نیے بہرے ایام کی اہامت کا حکم جو بڑائی جائے والی فلطی ندین سکے

\$ J

کیا قرر نے ٹیں ملا دوین اس منارش کر کیا۔ ٹیٹن سام میروے وہ فاوقر آن ٹیٹر بیف پڑھٹا ہے۔ جب تھے کے لیا اے شروع جاتا ہے قود وجہ ہیروین اے کس من مکمآ پر کس مجو مثماً امر فلا ملاقر آن بیڑھ جاتا ہے آ ہے وہ قبی المام دکنے کے تاقی ہے پاکین۔

اع الذامي كنتاب الصفوة الهمد كإمامه ٣٠/ ١٣٠ طبيع مكابه وشراديه الحديد

او كنادا في التمار حدثهم كنيات التصفيدة من هو أحيز بالإمامة ١٩٠٧/ طَبِع إدارة اللهِ أن والعلوم. الإسلامية:

أي وفي الدر المعجدان أكتب الصدرة بالمداولة (أدارية ميم البهدارية) سعيد كراجي.
 و كدائم السعر الرائق كدات العدوة بالدرائية (١٩٦٥ / ١٩٣٥ مع مكتبه رشيدية كولفة)
 و أكدائم المرائح حلى أكبات المسلوة إلى الإدامة في بدراة (١٩٠٥ مع مصادي كسيد).

ە ئ ت

آرقرة الاشراف بالمعاون مناجية رجم بدائدة عن أنسان بالعاد التابوقوان أوالام بداؤلوات أوالام بداؤلوات الدار. أسي كي الرائدة الإقراري بالمساري الاوعبار الالصاع بداء الدايا لالعام العلى الاصلح). ⁽¹⁰ مثلا الالتي التي بالا التي بالإلا

عالموں کی موجو دگل ہیں ناجینیس کی امامت کا تقلم ایزیہ ان

آنیافی بات تین حالے دین این مشدیش که آیف نابیط قامل ہے اور القیم واس کا تی ہے اور اس کا میں انہوں کی مجدیک اور وہ میں میں گئی موجود جیں اور دو لی کی اور گفانی میں اور دو گئی ای دینا قام نی کے چھھے گفائی میں پڑھتے میں اور اور میں مار کے دورت مورک دور رام ری شمالے یا کہا اور اس کی ققد دکر فی کمرود تھی کی ہے یا تھا میک جی ہے ہے۔ مشمول کو رقر بادیں ہ

ه ڻ ه

نابيغ في نخاست إلى وقت كُل من وب إكران من وبيم أوفى وإما الدسموجود نابيواودا أبران من هم و قرامت وأيروش با الركافي منهما مقال بيمان والمستاع ووست فان المشاهى ⁽¹⁰⁾ حيث قائل فيعا كواهمه وعدمة الاعلمي في المناجعة وعبره وإن لايكون افقيل القوام فان كان افقيلهم فهو الوابي ال نابط أكى ومنت وومرات مام أن موجودان عن الحروات ورامن أدامت ي ووام الراسف من الرود

الي المهامي الذر المبحث كناف العلمة بالراباء والعافاة فأحاله فللع مكت رانسقيه كوفته حقيقا

ا والانجاجي المناز مانية الدات المنتوة وأما يبان من عملج الاند بصرة ومن لا يضيلع ١٩٠٦ الطبع إدائرة القرائل والمعوم الاسلامية

إن الهيجار كانت تصاوة بات الاهاف Tall Tall طبع مكية إطبابة حامد.

و كد في خديدة فالحديد في من من في الفلاح آليان الصلوة بالد. الإحامة ص 1 ° * طلح دار الكسب. العلمية بدوت ليدن

وكما في التدار مديد التدلب الصلدة من هو أستى ولاحاجة و m الاطبع إداره الخران والعلاج الإ. لامره الراشعي تح يجا آجاتى به نجا تريم صحى الفرخير بهلم ريم بدائله بمن ام كلق مضى الشاعة كوامام مقرد كياليكن بهاس والت وجب كرتما بطيل التقدد صحاب كرام فزوس كن تصد كسعا بفيلومن عباؤة الشساعي للكن وزوعي الاعملى ضعى نجاص عو استخلاطه صلى الله عنيه وصلولاي ام حكنوم وعصان على السليسة وكاما اعمليين لامه لمه يق من الرجال من هو اصلح منهما (⁶⁾ أظارة الشخالي اللم .

عدتها التأفيز لايتاء

بربيز كارنابية كى مامت كاعتم

فۇ^سىيە

کیا تر ہے ہیں ملانہ بن اس سناہ میں کہ ایک امام سجد جس کوا مامت کرتے تقریباً وکیس سال ہو محقے تیں۔ ووائم مانوطان و فاقر آن دوکاری ہے۔ نیز قاری ہونے کے طاد دود تر بعت کیا دکام سے مجی دافقیت دکھا ہے اور پر ہزرگار بھی ہے۔ یہاں تک کرنایا کی و ترزی ہے وہتے کے لیے ایک طالب لام ساتور کھا ہے۔ چند اٹھا می حافظ صاحب پر الزام چوری یائمی بیت المال بغیر تو ت شرق و گوابان کے لگاتے ہیں۔ نیز اس کے نابطا ہوتے ہموال پر واکر تے میں کریے نابیا ہے اور نابطا امامت کی اہلیت تیس رکھا ۔ اب دریا انتظام سامرید ہے کہ انہاں صفات والے نابطا کی امامت شرعا ہو کرتے یائمی اور بالا دیرائز ومراکانے والوں کے تعلق شریعت کا کیا تھم ہے۔

اینا امام جوچیس سال سے امامت کر دیا ہے اور دہ فظا وقاد کی جی ہے۔ اوکام تر بیت ہے گی واقف ہے۔
اور پر بیز گار بھی ہے اور طبیارت ویا کی کا پورا فیاظ رکھتا ہے جیسے کہ سال میں موقع ہے۔ ایسے الام کو ڈائل جھڑوں کی بنا پر موروہ لوام قرار دینا جائز تیس (۲) اور ای طرح میرکی امامت ہے الگ کرنا بھی دوائیس جب کر کھڑیت اس سے جس میں موبلکہ بالا ور افزام رکائے والے بجرم بین سان کوروکنا ضروری ہے اور نا بنا کی امامت کا تکروہ بوزال می وقت ہے جب کر افغال انقام نہ بواور نجامت وجہارت کے معالمے میں احقیاط نہ کرتا

بمورور يعمورت وكارو مستحم بسير فياساك واهلة الماسة الاعملي في الممحيط وغبره بان لايكون

۱) ودالصحتار كتاب بند. ودياس الإمامة ١٠٠٠ هام طبع مكتبه رطيفايه حقايف

وكاف في السحر الرائق كناب الصلوة بات الامامة ١٠/٠١، طبع مكنه و فبالبه كوافق.

٣) المدر المساعد الرماع و دالمساعد و إعلى الآ أن يكون اعلم القوم فهو أولى قوله وتحوه انعشى هو سئ
 الرحار ... و ها ١١٠ رماي أثاهر بعدنا المقاص تعليل الأعلى باله لا يتوفى المجاسلة/ كتاب الصلوة
 بناب الإعلام 1/ ١٩٠٥ سنيذ كراجي.

افضل المقوم فان كان افضمهم فهو او لي (1).

عالم لمام کے بوتے ہوئے نامینا کا امامت کی خواہش کرنا جنس ہو

کیافر مائے بی طاوع ہے دریں اسٹوکٹ زید دے سدار مصحوب اوراس ماؤٹ بیں اورائے ہیں۔ جاتا ہے اورفرام مشتری اس مام میں برطر ال سے مثل بیل رغیر جوا کیے کا برہ ہے اورا ہینڈ آ بید کو عالم آفاد کی گوت ہے وہ آ کر جما اسٹ میں ڈید کے شان بھی کھڑا ہوجہ تا ہے اور شرح قرارات شرح اس کرو بنا ہے۔ اس فیال سند کہ میں کی فیاز چام کا دول درد افرائی کے ذریع کی کنٹر آئر سے جی کرفرو افو او کچا پاسٹ ہے ۔ نیز کرمی اوا ما ان کہو جا ہے کہ ذریع کے وقیعے شرع کی ڈرویو کی ہے درائی کورکی رائی حالت میں از روسے شرح اس مسئو کا کہا تھے ہے۔ درجو اور

ه ٿ ه

کمر خدگور کی بیرتر کست فر با آنها ہے تھے ہے ۔ آ فر جب محید کا بیش ادام پیلے میں مقرد ہے اور لوکسدان بی او مست پر فوش اور مشامقہ میں اور آیک ہوئی ہیں اور بینا آنیا بی ہیں گرو کہا ہوں (بسس کی اواست مجمی کروہ (¹⁹⁴ ہے) کوشود اپنی تل اوامت کا بلاوپر فر میدا تھا ہوئی کیوں چڑھا ہوا ہے۔ کھر کو کہلا ہوسے کر ایک ٹاڑیو میں کرائے سے باز آ جائے ویلے اگر ایک حالت میں نماز پڑھ سے تو وہ مغرد مثار ہوگا امرائی کا فرش اوا ہوجائے گا۔ اگر پ ترک جائے اور فقتہ یو از کی کا محملات اس برخوار ہوگا (⁶) راور کھر جو کہتا ہے کرتے ہوئے تھا ڈیٹوں ہوئی

 ٩) بيند كورامة إصافة الاستراسي المحيط وغيره بأن لا يكون أفضل المرم فون كان انصالهم فهو الرئي وقالم مناز مم الدر كتاب الصافرة بالسالا مامة ٢٥٠١/٤ عليم مكلهم (شنديه جديد).

و كنة فتى حياشيه البطيح بمناوى صفى مراقى العلاج كناب الصلوة مصل في الامامة ص: ٢٠٦ طبع دار اللكتيب البعد سه بيروت. وكدا في التنار حالية كناب الصفوة من هو أحق بالامامة ٢٠٢١ طبع إدارة القرآن والعلوم الاسلامية كرامشي.

(9) ويمكر دافق عدر الدختار وإدامة عدد وماسق و أعمى كتاب الصلوة باب الاسامة 7 إداد؟ طبح مكته و شهديه وشهدية مديد. وكما في المعرائرائق كتاب العملوة باب الاسامة ١٩/٠ م. ١٥٠ طبح مكينه و شهدية كواشه. وكذا في حاشية الطبحطاوي على مراطق الفيلاح كتاب العملوة فعمل في الاسامة عر ١٩٠٣ طبح دار الكتب العملوة مروب.

 ج. بيسًا من ود اسميحنيار أن هذا بقنصى الاتفاق على أن بركها مرة الا عدر بوحب إثماً كتاب الصفرة باب الإمام حرج ۲۰۱۱ عقيم مكتبه رشيديه حديد. وكندا فني حاشها الطبخطاوي على مراقي الفلاح كتاب العيفرة باب الامساهر (۱۸۱۵ طبع دار الكتب العقيمة بيروت.

وكدا في علبي كبر كنات العيثوة معيل في الامامة ص. ١٥٥ طبع معيدي كنب خالة

ا به ما ان کی آنیا انواز کا تا بسید و آنیا که در در در در این میشاند آنیان پر استان کی بینی به که آنیا ادامی در در بین بر این روز نیاز کرد که از در میشند کنده در مشان استان

ا دراه ه<u>ر ش</u>گرای برداریش خود شهاند این ۱۹۸۱ (۱۹۸۵ و ۱

يويان الاستفاقه

1 J

يا قرارات ميں مورد اين اور استدائن اور بھا وہ سے چينو نارو اول ہے واقع آماد کا اولو القرار مے تصوفر اور وک معاف اجتماعیہ

: ق

النظارا م ك ينجيان التي وياق بيارة ورب بال الدون بياسا التي والمحتال وال في المحتال والله المحتال والله المحتال والله المحتال المحتال

وي المهامي الدراسيمانيو والكناب العموة الدرائلامات من ١٣٥٥ - ٢٠ علم مكتب والسباية حارد وي الماري ملي كير كان أدبر كان فيموة معيل في الإسامة من الما الاطلام سندي كنت حاله. حج ليد فر السجر أثراف كتاب السلوة باب والماسة 194 ما طبر الكاند والمواسة كوالمه.

انسجیت قبول المکسر و کنراه استامهٔ النفسد اللح اطالحامیل انه یکراه انهاز لاه الشقام و یکراه الاقتداء مهم کراهه نیز بهیهٔ فان امکل الصابوء حلف شراهم فهو الصل و الا فالاقتداء اولی میر الاسفراد و بسفی ان یکون محل کواههٔ الاقتداء مهم شده و حود غیرهم و الا فالا کراههٔ کند لایحمی افتدان کان هم

ا میں انہوں انہاں آماری کے آمامی میں ان انہاں انہاں کے وال

تابينا كيازه تتأوهم

ج ي ه

یاب نے ایک ایک العمام ملیان ہوگئے ہے جھی مانوں کا انہاں ہے اور اپنی دست یا اس میں گراہ ہوا تھی تواہ ووقر کان فیسم کا موافعا اور فاور کی کوون نے موافق سے میکھی قوار بادو ہے۔ وہ کہتے ہیں کہ ایسے تعمیم کے لیے چھپے قرار کیس جو تی ۔ وہ اور اور میں مسئر باتھ میں ہوئے کہ دارس اکر آئے ہیں اس رائے ہے تھی ہوئے اس کے فواجہ علی قرآئی میں جہ دیدے والے کی فیش کر اور ان تھر اور وہ ہوں ہا۔

ها ن ده

ا دین کے بیٹے آغاز پر عناجا کا جہاں و جمل ہوگئے ہیں اس کی اعامت کردہ وہوئی ہے شاہ دیا ہو ۔ اسٹا میما اسازہ قارتی اور عالم موجہ اورآ اس و موجوہ کی ڈن ان ان الاسٹ قرارہ موگی اور کش مزت پر ان اسٹا میما ہو اس مالم دیورو اس نی اور مسئو افلی ہوا نہ ہے اور افراد کی اور مسئو الاجوام کان تجانی العسمید فیور کئے العمد العاملہ الاعمادی فیلی السحیط و عبرہ اس لایکوں افتصل القوم فال تجانی العسمید فیور اور نے آئا الدون العمار

اند. حمل و عید ممل در روسم اعوام ایران از داری و مال و ستاید

دو شامل اكتاب الفيتوة بالن ("بيامة 1/1 mard طبع مأكت الشفاية حديد

و كا دولو إلى منظرة المعالجية المولول من من من أن معالج المناسبة فسلوه فعلى على اللاحة معن الله الاطاعة عام المكتب العلمية اليووس. أو كما في افتتام عالمه القبائل العلقة ومات من هو أنهى بالاحامة عن 10-10 طلم إورة ا طلم إوارة القدائل المعاود الإحلام.

اعمى كي ماست كالتعم

ھُ لُ کُھُ

کیا فریائے جی ظامہ بن وری منڈ کرائیٹ مخص قاری سے اور ور گی ہے ، درس کا نیاس مان قسار رہ ہے۔ اور قرام بشرق سائل ہے واقعی ہے۔ ایک قیمس اس کی میکی بھالی سم این جروات اس کے ساتھ مرہنا ہے ، و بنراروں اش توں کو بڑھ تھی چکا ہے۔ اس کے جیجے تماز ورست ہے یا کتاب۔ اینوی تھ وا۔

﴿ عَ ﴾ يَعَ تَعْمَلُ اللّهِ اللّهِ مَنْ أَنَّا اللّهِ مَنْ أَنَّا اللّهِ مَنْ أَنَّا اللّهِ مَنْ أَنَّا اللّهِ نامِيا حَنْ مَنْ كَى المامت كالحكم

ب ن≉

کیا فرہائے ٹین ملی وہ بن درمی سنٹلہ سالک ناجا تھی۔ جد متنائی نور فرمی فروول ہو ہے اس لیے 60 کمیں کالے جاتی کری ہے کیکن وہ اگر کو اواوں افراز نہ مزمائے تا کہ اسے کا کین ٹیک مقااس سے اس فررے کے بارے جن آب ہے کمی کرنا بھا کے جھے تماز روشمی ہے یائیں جندوہ احتیاط تھی کرے آ رفیس وہ تی تو اس فررے بندہ کے لیے دسرم کے جائی کوئی ووموا کام تجویز کریں اور بندہ سرف قر کن شریف کا حافظ ہے باتی مالم وغیروشیں ہے۔

∀ٽ≉

مهم الذوارطن الرجم _; بينا كي الماحت تروه تواجك سبتان سيندك وونها من المستعدد في يبيز تشكوا كرا مكان و يب اكر نابينا قوم بين مب سعة زود وللم و يحقع والا بعيد الناك كي الماحت والفل مكرووتين الب بشرطيعة المهامت مراسط بين ومراسط المعادرة والمعارض عنورتان عافرة ناجها موصوف بشرطيك أجامتون سع فوب احتيام كما بهوا بامت كراسكان بين أفرك في بعد رجم و المال تحديث مهم ووجود الناكي المرمت الفنس ب - كلها المال التي

 ⁽¹⁾ قد ان عبد فر كتراهم إصابه الاعملي هي المحيط وحبره عال لا يكول افعال الغرم فان كان العدائه - فهر اولي كتاب الصدو فياب الإمامة 14 \$2 قلع مكتبه وعبدية حديد.

[.] وأكدا من حياشية الطبحية اوى على مراقى العلاج كنات العيوة مصل في الامامة ص: ٣٠٦ طبع واراة كدار المستمها بيرونين وكلافي النار خانية كنات المستوة من هوا أمن بالامامة ١٩٢١، ٣ ميم إدارة الغراج والعلوم الاسلامية الرئيس.

التكسيرى وقبى حمل الاعسى لانه لايرى التحاسم ليحرز عنها وقد عن وهولا يشعر واذا تناملت وحدد سبب الكواهة في الاحسى احد من غيره وقدالم يكره فقديمه عندا لانمد الشلالة وذكر في المسحسط لاياس مان نؤم الاعمى والمصير اولى وفي الانفع استابكره تنقديم الاعمى اذا كان غيره افضل منه وقد نيت أن التي صلى الله عليه وسلم استحلف بن أم مكنوم (أ) يزم أناس وعراعهي ووادا يودائره (يُها انتران) للم

وبوالعشيف أم العمين أفق ودروا عباصورين

ه روب ۱۹۹۷ي

بالكل انويصا درنتكز بشخص كى امامت كانتكم

¥ € 9

أيافراك تين علوين شدجاة في معال شارك

in Co

١٠) حشن كبير كناب العدلوة فصل في الاجام؛ فين ١٠١ قالمة م سعيدي كسب حامه.

وكقداعي الضغر الراتق كتناب همدعوة بالمسالاندانية ١٩٢١/١ عليج مكتنه والشيفية كواتف

م كانا من حاشية الطبيعة أو مني مراني الملاح كانات الصارة فصل في الإدارة من 1.2 منج. دار الكنب العلمية مران ...

الله المكاربة (أولم كان أغلج الإماد عوج وعاد على بعضها بحور وعبرة اولى كذا في المنهارية والعامل كذا في المنهي وقال فيها البحد وبالمواردة والعامل كذا في المعلامية الاالهما في كدا في المعلامية الاالهما في المعلومة على المال فال المعلومة والالمها في المعلومة والكواردة المعلامة علم المال فال المالية والالمالية في المعلومة المعلو

(۳) اولا کے بابید بیٹے بعد ۱۳ ورپیڈجورے بین بیان سوزاہ کینگیں اوس دائیں جو بیان کی سے بھا کہ رو پنے دس کی بودھی میں کے ادار وینیا میں فی ایک ڈیٹی اور ۳۳ فارو پنے زمیر کے شرعانوں نے بیان اگر دارک معرف کی جینا گرز میز کئے شول اور ڈیر عالجات صلابات ہے بارو پیافر من کچ ابواور بلامرافس موقوائی امور ہے جین اس بریان گزرنے کے بھران کا بیا جوار محد بوگا ہے کی فائل وقیر واگر ما تحوش کیں تھیں۔ دیمن واکر مو کئی ہے بیا دیں کسا ہے کہا کہ واقع ہے کہا ہے دیجہ والدی فی معم

والأرمير لأوييه والمعين مقيد وبرؤام واطلع مازان

۲۰ _{در ش}مهشار

صفانی قران کاخیال رنجنے والے نامینا کی امامت کا علم

∻ ن∻

الیا قربات نی طالب و اینا بید ماه و تابیعاً اید دوسال است اید معجد می امام تشریب قرآن کرتم کی انجهایز هند جه اسجد کیس تواکید سرور انجهای به استان موشی اه و لم نی جوار عقامه و بعد که تیسا در عافظا گرد و جو بندی سید را در در ارام کشیر می کرد و او و در استان این اماز خرا و دولی ایجام افزاد معاصب مفالی و کمی مهمترین میان را کشیر تین را کرد و فواهدا و سی گرد در کردن و تینکوری مورث است قوان معورت مین معالی نی میان را کشیر شود فرد و این را

الهسدية كنيات العسلوة انفصل النابك في بان من يصلح إدماماً بعيره ١٠٥٠ طبع بنوجستان دكائبو
 وكانا من رد المحتار كتاب تصلوف إنسالادامة ٢٠٠١ الله مكده رضيته حديد.

وي الدائلي كالداء العيسوم بالسافلان مع (١٥٥٠ طرم مكاناه إشارية حاديد

و كنيد العبي المستنبية المطلب منها و ي مدافي عرفهي العائل كتاب الصلوة النسل في الاسامة عن ١٠٠٠ صبح. وال الدكت و المعاملية البروات، واكدا في السار عالمه كتاب الصنوة فال هو أحل بالاسامة ١٠٠١ الاسلام. رواز والغرار والمؤرد الاسلامية كوالهي

چ ن ∗

وتباط فأبيوة مخض كي امامت كانحم

ه ک

اليافرة ف جين المودين معول إلى من أدانيك فيها الوقر أن ترفيك كالدفعا اورقادي الاستشاد المساه المودي المستشاد المستقط المستقط

ه ق په

ادنگی اُ مرتبیش ماهر فراور دی و به کافی احتیاد اگری سیاد اگر این نیز واقت دند او کام شراع بیدا و این کی اما ست میش او فی آباد ست گیس ہے۔ میک افغال افغام دونے کی دید سے وائی زیر دلائش اما میت ہے۔ بی کر جمعتنی الله علیہ وسم نے دست میداند دین اسامات و ارس کر آیے تا دور پر جاتے مشت سمید توجی وال م حقرر فراما جو اور

٧) خنامي كناب الصلوة بالدرازا دامة ١٩١٣ ظلع مكاليه وغيا بدحديد.

و كنمة في اصاغية المطاعدة أوي على مرافي لاملاح العلاية المباوة مهم إلى الإمامة مرافع الاستام. حار المكسم الاملمية براوت أو كما في الفنار عالية اكتاب الصاوة من هو أحق بالإمامة 1971 - 19 ملاء. إمارة الفرائي والعلام الاسلامية كراوجي

كسما في راء المحجل وهذا ذكره في اللهر محقا احدا من معقل الإعمى بده لا يتومن الدجاسة ألام. العشود بات الإمامة 11 إلاه سعيد الراجي ۳۳۵ وپ لاڼاه ت

العرب شوال بن و فك البنز الإعقود سي النه سير بنام في اليسامي فالبنزل بالمعقورة و تقدوه بن أيد الخول العرب الموا العقوات البنافي على الموافق (الكون في والسامة عندان من سالك الإعدام في لفارم مشهودة في المستحد واستحلاف الن الامكنوم الاعمل على المدينة تحدلك ، فيه فال وفيد كراهة المامة الاعمل على المدينة و الموافقة الإعمام الاعمل الموافقة الموافقة الموافقة الموافقة الموافقة الموافقة والموافقة الموافقة الموافقة والموافقة الموافقة المواف

فهر مشااب ويعلي باروزهم أعلومها كال

الْيُونَ كَانْشُرْكِرِ نِيْ وَالسِّيْنَ أَوْ مِتْ وَالْحَمْ

400

ا بیا فردائے جیں علامہ این در این امنوک میں ان کی مودی مدائشید افوان کا نشد ارسند جی ساکیا ہے۔ موادی مدا دمیا کے تیجے مار بر عنان سے بالدان

ရည်အ

الفول كمائية النب كريكية فرقروم كي بدال المام به ناناني بيد يسحرم الكله (** وابعة ا عبد وكنفا تشكره حملف المود وسنفيده إلى قوله) وشاوب المحمر والكل الراوا (** وفي ا المنامية وكواعة تقديمه الى القاسق كراهة تعويم الع (**) قط الشقال الله

والمترون وتباركها والمواجعان

......

١٤) المنجر الرائق كتاب الصفوة بالمالة الإمالية ١٠٠ تامع مكتبه وغيبة ومحامد

ا كذا في الشاهية التحاليم الصيوم ما يدالامامة ٢٠ تا ٢٥ منع ملايت والديارية المديد. و كدافق التفار عاليه كتاب الصلوة من هم أحق بالاسمة ٢٠١١م، طبع ودارة الغرال وفاطرة الإسلامية

و المناطق المنظم ال التاج المنظم الكافر المنظم الكافر العدم الكافر المنظم المنظم

- ٣٤ الدر المناصر اكتاب الصلوم بالها الأمامة ١١/٥٣٥ كان ٣١٠ طبح مكته رائها بهاد
 - ع و شاهي گزيات الصله فريات لاميان، ۱۹ م.۳ طبع مكتبه ر شيدوه حديد

وكدا في طلق كمر كناب الصفرة باب الاعلامة ص ١٣٠ فاصع معمدي كنب حاله

و كما هي حافية الطحطاوي على مراقي الملاح أكتاب الصوة قطاق في الإمامة ٣٠٠ طرح در الكاب المثلية اليروث أسان .

" ج الأركض السال كالمست كاحكم

ر. پائل م

ا اسمیافی مات میں موروزین رازی مسائل کرا

(1) ۔ کیک مام سم البوا اور کرائی اور کی نشور اور البوائی اور فی سے دیونا ہے اس کے استعمال کا اس اقد رمان کی سے کر دوران مطالہ کئی استعمال ہے کہ پائیس میں سے اور بناہ است کرائے سے ایک اور میں وائیس کی کر کے مما میت کی مداورت معرفی افتر اور کی ہے انہاں کی اور سے اس سورت جال کے نورورسے ہے۔

(۱) - وب بیابات کے دائم ہو جائے ہیں ترویت میں برد تنظیمان قال الات کوئی اسلام پیج گئیں۔ قربات سکر خاورے قرائل شریف شول کروسیتا میں اور قمیدی دیا ہے فارش ہو کر بھر سامنر این اعکام ب قربا کر السلام شکر قربات میں عاد ترویس اسوال کے قبط عائش ہی سے اسام پینٹم کی دیا ہو در بجہ سلسلہ بھٹی شروع ہوگئی حد تحداث کا کے گل درست ہے۔

ري کي ع

- (1) معرمان بيزا در مواد ك الشول برك و سايل الوحن به زناد درست بيد مكواتي فقوى دشيد بيض « ۱۹۰۸ كيكن فلاف و بولي شود - در ۱۹۴۸ - درصد دسيكه ميز ازگره بواري -
- (۱) سیطر پیشهاه مسئون خراج سیاف نوی سیامه او کار سیام تول گین کلی خطب که بعد و مقال سی میطیان استان می استان م مسئم نیزازی هم مقتول کنن سیام مسئم نویو سی که به حال هم استان اخراج کرسید میان کا مقام اسب سیند نوشواری (۲۰ وقد و استرفای و هم

المراحدة في هاوي وشهايه ولا مي نائيدات رئيدة عمل وحده معليه ان يكب ويصفع ناشره - ١٧ حصحح
 ويكر و الاقتصار مالسعر وه به كل بر با أو شيء من المحرجات أو بداوم الاصرار عمي شيء من المداع المسكر وهد - كناه مالك المستد عن المستد على صدار رحال ولا سيد اللح كناه - الاشرية شامي - ١٩٥١ ع عم عكده و تبديه حاديد.

٣٣ لما يا في المرامشين على حالم إلى عدد الدراسي الداهدة فال قان رسول المدهد في الداهد عليه وساء السلام في المحالام كذات كناب الاستيمان والا دامل عليه السلام قال فكلام ١٩١٣ منع الجيمان بدائم معيد كمهني السلام بالاستيان الداه في الداه المحال المحال على الكرو بالاستيمان في المحال على الكرو بالاستيمان في المحال في المحال المحال في المحال على المحال ع

حقہ نوشی کے عاوی ناہیزا تاری کی امامت وہ عالموں کے ہوئے ہوئے

ベンク

أيوفروات بير الايت اين وسأترع كال

(1) الکیامتی یالگ شرکتی یالگ الله کمل و کا الله کمل ایک دا مقده دسوه و دول از دوبال ایک قارق این اساس کنگر الاگافته کوان مقر در ایک قارق این اساس کی الاثران برای الاگافته کوان مقر در گیا این الاثران کی الاثران برای الاثران میاه برای الاثران میاه برای و در مقر اسالور این کا الاثران میاه برای و القت است به اور این که در مقر اسالور این که در مقر این میاه برای الاثران میاه برای و در مقر این الاثران میاه برای و در مقر کی این در میاه کی الاثران میاه برای این در میاه کرد این در مقر کی الاثران ال

(۲) - اور دوسا میاکدفاذ جد کے قبض اوا کہ نے کے جدادش احتیافی پڑھنے جا پائیکس پائیٹس پر انڈرم ان دونوں منٹوں کو دنیا میت ہے تھے رز بائیس-

ه ن≒ *

٧) خاصي كتاب العبنوة سام الإمامة ٢٠٣٠ شاح مكتبه و مدنوه جا يا.

و كندا من حدثيثه الطاح فلدوى شاير مراقى الفلاح كنات الصيوة يصل في الامامة هي ٢٠٠٦ شع قاراة كتاب المطلمية بيروت الوكدامي شناو فائية كرات الصنومان هو أحق بالامامة ١٠٩/١٠ شيع إدارة القرأن والمفود الاسلام، كرايمي .

ا) وشرعاً متروع من هده المدنسان باب درنگات انسره قال الفیسدان آمراً و إصرار علی میشود.
 حاضیه البط منظاوی علی مرافی الفلاح اقتار، العسوه دصل می الامامه می ۳۰۳ طاح دار دکاری الامامه می ۱۷۰۳ طاح دار دکاری الله منظار و ایران ۱۷۷ طبح فدیسی کتب دارد.
 طبح فدیسی کتب دارد.

يزهن ما ب ^(۱)-

امام كوبدكي اقتداءيس نماز كاتقم

美し歩

کیا ٹر ، نے جی علاء ویں در میں مند کہ ہ دے بان بعض اوگ یہ ہم ویٹیلفرہ کرتے جی کہ امام تعبد کیا امامت میں ٹن انا جا کڑے ۔ کیونکہ ان کی واقع کی آبکہ وشت ہے کم ہے ۔ تو کیا ہیں گئے ہے۔

がご命

ا مام کعبہ کی اہامت بٹس جو نمازی، اوا کی گئی جی وہ میچے ہیں۔ واجب الاعاد وشیص و ترحی منذ سے کی امامت کروہ ہے (۳) رکین اگر کی ہے اس کی افقہ اوریس نماز چاھا کی ہواجب الاعاد و

 السنافي البعر السحتار ويكره تربهاً إمامة عبد ... وعامل كتاب معلوة باب الإمامة ١٩/١٥ عليم الجرايم معيد كراجي. ومثله من الحلاصة كتاب الصنوة الفصل الخامس عشر في الأمامة والاثناءا، ١ (٥) اطبع مكتبه وشيفيه كرته.

ومثله في البناية على شوح الهداية كتاب الصلوة باب الإمامة ٢٧٧٠٠٧٠ طبع هارالكب العدمية.

- إن المالي كذب المسلوة مطلب في يته أحر ظهر بعد مبارة الحدمة ١٨(٢) طبع مكتبه والميشابات.
 وكذا في البحر الرائق كناب المثلوة بالب صلاة الحدمة ١٩٥١/٢ طبع مكتبه وشهادية كونته.
- ع) المسافقي الدو المستخدار ما جرد الدحاء الريحوم على الرحل قطح أحيثه التر٧(١٠٠ كاكتاب الحظر والإباحة علم إبيها بهماميد كراجي

وكيفة ابصائي رد المعتار وأما الإخلاميها وهي دون دالك كما بعطه بعص المغاربة ومعتبة الرجال علو بيحه أحد كتاب الصوم مغلب في الإحد عن المحيه ١٨٨/٢ طبع بهج الهم سعية كراجي. وكفاء في لمجر الرائق كتاب الصوم باب ما يفسد وما لا يفسد ١٩/١٠ علم مكبه رشيدية أكوفه تعمي (الركاف على فتاوى دار العلوم (م) و احداد الفتاري. (٣١) فظاوات هُم

الررائع الخواظاء فكالمفوق نامب عنى كابع العلوم يمثرون

سحزوالقند و۱۳۹۸ اند

امام هرم کی افتدا . میں اوا کی گنی نماز وں کا تکم

هُ آن به

محترم مفق مداحب اسلام عليكم

یہاں عاجوں کو بیرکو کی آجا ہے کہ جسٹریف ٹی انام چونکہ جا دوں اماموں کی مخصوص بھیوں ہیں ہے۔ سمی پر بھی تیس روز اور امامہ نئی جکہ بر کروان ہے۔ مہد نہی میں امام نجدی ہے لیڈوانٹل منے کی تمام شمار کیں وہرائی جائیں ۔

ه څ ده

محترم المقام جناب منظور احمد صاحب والمجدكم _السام طيم مرحمة القدو بركايل منها وال كے العاد على الله على الله و العاد و الصحفق ? ب كا المتفاد طاله جوابا فرض بهرك محمد قرام جس چار نخسوص بقلول جس سے كسى في الله على الله على ا قبل بركفرا جونا امام كے ليے شروري كيمل محمد قرام جس اس وقت جوامام تمازيں بإن عاتا ہے اور و بان كفرا جونا ہے اللہ كے بيچے سب لوكوں كي كمازيں بالشركي اور ورست جس العاوم كا تقرفتيں ــ المامة كا تقرفتيں

عرونکا آوری خوارد کیستی درمده م احوا ملان ایواپ کی توجوه خواد خوار - دری الهال ۱۹۳۳ کی

 السفاطي القو المختار مع رد المحدر وفي النهر عن المحيط صلى خلف فاسق او مندع دال مضل المحسماعة فوقه قبال فصل المحماعة أداد أن الصاوة علقهما أولى من الانفراد لكن لا بنان كما سال خلص تقي ورع كتاب الصلو ما الإهامة ١٩٦٢، طبع الجرابيد مجيد كراجي.

وكلنا من حلبي كبر كتاب المبدوة باب الإمامة ص ١٦٠ مغيم سنهدي كسب عابد

وكاما في حاشية الطحطاوي على مراقى العلاج كتاب المسود فصل في الامامية ٢٠١٧ طبع دارالكاب الطعية بروات لسان.

- ٣) احتاري هار العلوم بناب الإساست ٣٠٤/٢ ١ م١٩٥٠ طبع دار الإشاعين.
- ٣٤ استفاد الفقاوي: مات الإمامة والمحماعات ٢ (٢٣٣ عليم مكتبه دارالطوم كراجي

ار مین شرینین که مامهان کی اقتدا و کانخدم

ه کی تم

کیافہ بات ہیں مانے ویں دریں منظاک ہامنز تان ترجیمی کے بیٹھے مانہ جا فریسے پاکٹیں مانہ مقام فرم

ە ئ تە

م کار کار ۱۹۹۵ مارد م کار کار می کار ۱۹۹۵ مارد

ایک مسلک سے بل شمری دوسر مصلحک سے امام کی افتلا امیس فراز کا تقلم

هٔ کل ۳

کیا فرائے ہیں جارہ یں اس سندھی کہ چندہ وزیہ سے سمبد نہوں تا جے کیا ام بھی بھی اسے ہوہ سنگ کیا مشہور سرسکی ہیں اور اب بیت مقد شریف کے اس مصاحب کر بھی اوسے ہوئے ہیں تا اس دریافت طاب امریہ ہے کہ کئی معلف کے سندھار مان موجود کی ہیں کئی مسک رکھنے وہ ان والینے طابعہ کے ججھے جود والے اندائج سے باصلی کا کئی شاتھی ادام کے جینے جینا توجودا

ورزو

اش من والجما من را تجماع من المساورة بيد م دول خاصب و المنكي أقافي الكي عقبي) عن جن الناكا آخل شرا المنكوات أروق مسائل شراحت البندائلي في نواز شائلي الهذهب يوطني فرهب واست ما مراح يقطيع ودالت الب- أكر يرهن مسك المستوعد والموادون والعنادين البدوك المداعظ المداعة المستكسود محسلف الدود المنطع و معالف كشافعي فكن في والراكب وإن نبغي العواعظ لم يكوف الدرشاي شراعة و محت

السياحي المراكسختار مع إدا مدحتار وصفاله ، كانتاهمي فكن هي وار السعر إن نبغن المراعنة الم بكراء الح كتاب الصفوة مات الإمام ٢٠٠٧/١٥٠٤ طبع مكمة وشيمه حديد

و كنفا في تصوير الدائر لفي على مامش ولا المبحثة اكتاب المبتوة بالدائلة امة 17 سع مكتبه. ولذ الداء من الدواك المورد عليه الطاحات في الوي علمي مورقي و ملاح كتباب المنفوة فعمل في. الإداء بذمن به 20 مذم بروافكات الدنيية بروت لدان.

السمحينسي امه ان عيسم انه راعي في الفوارض و انواحيات والسين اللا كر اهي— ⁽¹⁾ يناوي هار الطوع⁽²⁾ – ازر الله ^{لم}

علاءه يوبندكي فتذاء تن نماز كالمحكم

650

يهم الأرا وتهن الرقيم

کیا فی دیا ہے۔ چھیلفار اور ایسے بین ملاحہ این امرین اسٹ کے خارہ اور ادائے دیکے لمان اور آئے ہے وکٹیل اگر اور کی اور ایس اسے چھیلفار اور اعلاقا کھ دور روال اور ایک میں تشکیل

≥ ٽُ 9

علاوہ بو نشرائی میں اور سی علم ہوئی اگروس اور مرست متیہ واقعی حضر مند کا ہے ان کی اقتدار میں ہو ۔ تی بوئی آباری وزندگی تیں ان ٹوزوں کا اماریکٹری ہے (۱۳۰ وزند اور تی آبار)

محمد تهاعبدالوباب كوبرا كشيوانون كاختمر

A. J. W

ا نے محمد من عمد الوجائے تھوٹی کر ہر کہتا ہے اور بخاری بل اوجا النظنی قران النبیلان والی وارید ہوئی کرائے۔ رواقتی ارتباق محمال جمہ والیانات سے بہتا ہے کرتا ہے کہ بریافتین کو کی ۱۳۳۳ انجری بھی تر میں عمد الوجائے تھو ک

ا) و دا استختار کتاب العملوة باد بالإمارة ٢٥ . ٣٠ ضع مكتبه ر شدوه حديد

و كناه في شفر برات الرافعي على همش إلا المحتار اكتاب الصوّة بات الإدامة () بالا الحسم مكيد. والسديمة حنايته و كندا في حناشة الإطخطساوي على مراقى الدلاح أنه اب معبلية فهر القي الإدامة من (2- الأخير در الكنب الشهيد بروت شار

- قاع العاوى هام العلوم عاب الإسامة عائده عام مرام در الإنداعات
- عن المنابع محمد أن يكون إمام الغرم في الصلوم أعمدالهم في شمام والروح و فاتوى والقراء (كمات العملوة في هو أحق بالاعامة (الروح) طبع إدارة الغراق والعلوم الإسلامي كرابيتي
 - وكت في الدو المسجدو اكتاب العدموة الب الإسامة الإلادة مارة له عليم المهارات بمعيد كواجي. كذا مي المهر الطالق كتاب العدلية باب الإمامة (1975 عام دارة كاب العدلية الروب تناقل.

الت بالسالمامت

ریم تمورست چاری دو گرد کورزیر ک خواف کهتا سیناد دستگوی بوانی الدی دان روایت بیش کرک بده بدت ارت سید کراس نے منت کی فائل پاکس کیا ہے۔ اب بداختیاف عاری تجوست با برہدے۔ حالانکہ دونوں اعلی منت دائی حملت ہوئے کا دعوی کرنے تین اورونوں ازام مجدا و فطیب تیں اب علیت کرام ومفتیان حکام کی خدمت میں حمال بدید کریم زیدوائی مجھیں و تمرکزید کے بچھیٹ کا زیر میس و کھرکے بیچے۔

磁色等

کیر بن مجدالہ باب نجدی کے متعلق الفصد علم کے اقوائل و طبالات فقیزا و انکدہ فیرہ سے مقول ایس کیس مہرمال و منبغی الدر مب تھے اور کمل بقاج الدریت میسا کہ اکثر قدام اس کشتر کشد مب میں ہوتا ہے پہند کر سے تھے رافل سنت والجماز حیث ہے کھش مقالد کر کہا گفت جی ریگر ان فیا تھے وقو میف میں فلوکر و محمولات ہے ۔ قر ورزید دولوں کے چھچے ماز جا کر ہے ⁽¹⁾۔ بناری والی مدریت کا مصدال محمد بن مہدالو باب کو قراد ریا کم کیس ہے مختم ان کا بنا خیال ہے ۔

غیر مقلدین اور محدین عبدالوباب کے پیرو کاروں کی اقتدا و بیس نماز کا تھم د

単び多

ماوأي مسهاحتكو في حواز الصلوة خلف اتباع محمدين غيد لوهاب التحديد واهبل للجديد حميدان غيد لوهاب التحديد واهبل للجديد حميدان حميما ثم ماذا عقيدة سما حنكم في شيح الاسلام ابن تيمية والحافظ ابن القيم الجورى وقد افتى بعض المبندعة في ديارنا بعدم جواز الصلوة خلفهم وقال انهم من اهل الخوار الى الشيخ عبدالحق المحدث الدعنوى وابن عامدين الشمامي وايضا استدل هذا المبندع بحديث انتجد المشهور هنا تطلع قرن الشيطن الخرابو ابنانا شافيا ترجروا احرا وافيا

*&&

مستحيلاً وحامدًا ومصلها أقرل التفصيل عندي أن غير المفلدين هم اصناف فمنهم من يتخصلف مع المستقلدين في الفروع الاجتهادية فقط بمكتبهم في جواز الاقتداء بهم

ا) لنما في حاشية الطحفاوي على مراقي العلاج سلوا حلف كل يرو فاحر وسلو على كل ير وفاحر وجناهيدوا منع كل يروف حير كناب الصلوة باب الإمامة عن ١٩٠٠ طبع دار الكتب العدمة مروب النمان اركدا في حتى كير كناب المطوة باب الامامة من ١٩٤١ طبع معيدي كتب وأكدا في شرح بعد اكبر من: ١٩٧ طبع قديمي كتب خاله.

سلحتها كالشاقب حيث يجوز بشرط المراعات في الحلاقيات الصلوة وفا قوضت عدم للمراعات خلافا وبالاول افتى لحمهور قان امر الصلوة بنعى الابحاط فله والنهم من يتختلف معهم في الاجماعيات عناهل السنة كتحويز نكاح مافول الاوبع وتجريز مسالمسلف وامشال ذلك وحكمهم كاهس الساعة حيث يكره الافتداء بهو تحريمه عند الاحبار ونتزيها عنا الاصطرار وحيث يشتبه الحال فالاولى الايشدي بهم دفعا للقتنة لتم سعد احدا سالاحوط ولمو كاست العنة في الاقتداء فلا يقتدي هوا اللمسلمين على المحليمة في الدهين اوهكذا حكم (اي يحوز بشرط مراعاة الحلاقيات المصوة حلف طبحه عندالوهاب المحدي و ابن تبعية والحة بعالى اعبو وعناده علم البقين والحق المدين والكاب مو لانا اخر في على البهن والحق المدين الحقائية المحدي والمنافقة المنافقة المنافق

هم اصلا بدمرانشق را رایگام الفواخشان ۲ چروی ایافری MAAاید

ا بین امام کی اقتدا انکانتمرسیجس کاروز و مواور توم کی عمید ہو تعلیم قر آن پراجرت لینے والے کی امامت کا تھم

هُ لِي هُ

آیہ قربات میں جاری و مختیاں ٹریز اس سے بار دیش کیا بالے گئٹس نام سجہ ہوا دوقوم ال کے بیٹھے نماز اوا کرتی ہو جیش کے لیے اور اس نے روز ور تماجوان قوس کی جو جواور دور راز در کا کرقوم نوجیہ گئا نہ ز پڑھا ہے۔ رائیے مام کے چھی نیز زوقی ہے بازے کی مختص اوم دواور س کے جسسی مجدون زوان کی جورت ہے پر دوگھوں میں میر تی دوگھوش موالیے المام کے بلے کی حتم ہے رائیٹ شمس ڈوان فرق آن کریم کی تعیم دستہ اور ان بچال ہے متم رکز کے ایک پر سے ہے تھ آئے نے زورہ افرات ہے۔ س نے لیے کو حتم ہے ۔ ایک حتمل ہے جس کا ای کریم سی اند ملیہ سم کے بارے میں موعقید دیت کے تعام راتیتا کو قبل کان دیا ایک ہے ہے۔ ایسٹی کے حتم تر کر تھا کہ ا

ادراد العناوي باب الإمامة والحداعة (١٠٠٥) العنام بكتبه دارالطوم كراجي

بة <u>ن</u>اب

حسورة استوريش النام حد حب كا جان به چوكوهيد كه اي از ودگفتا كرده به الله اش هر ن كه او درگی جو ونگرسوالا حد چش لدگور چي د خيزاش و ن چي به مرز كوروفي اکش في جدت كدان وجود كې د چرا پ جه چيت نمار چه هنا نفره د چه البلغزة کې اصلاح تر کوليس اورد گروه عملاح خد سر پيرة است تيمون کې ريت اميما امام مقرر کها جاست نه فقد المفراط

أحرا وجوالوان

قر من خوالی پر <u>ط</u>ے کر کے اجرت کینے االے ال امامت کا تھم د

کیے قربات میں جورہ ان اور پر استفرار میں اور بے الدر پاناتیں پائی جوتی جوال میں کے متعلق شریعت کا کیانکم ہے ، جو محمد نداو کے مرفوت کرنے فاجادی ہو، جو دو حت شرائفرق بازی بھا آخرہ ہو، جہ قرآ ان قوائل پر اورو بچ ہی رو پیدا جرت سے کرتا ہو، آسویڈ انڈروں کا کارو پر کرتا دو اور نامجہ می توال اور مردوں سے از ایک اپنا ہو، دوسہ کی نماز سے وافوت نداختا ہو، تو صدحب نصاب ہوتے سوئے ذکر قالیمانوں جو کان جی رکھا ہو کہ انہوں کرنا ہی چھوا کہ اور انہا ہے گئیا ہے واپنے سے انگار کرنا ہو، دو گھا میں کی

................

ه به السياعي الدرمة ي فرد مي معيد السندوي رفين الله عنه قال مهير وسول الله صلى اقله عليه وسنج في ا الصيامين سيام يوم الأصبحي وبوم العط الدائب المبرو (أ - ۱۱ قالت ما جادعي اكر افره الصوف يدم المطر الوبوم الأضاحي

و كيفا هي المعالمكيرية وتكوه منزم يوم العندس وأنام النشرين اقتاب عنوم الناب الثانث فيعا يكزه المتعالم ومالا يكره (١٨٥ - ٣طبع مكتبه راغباته كولك.

و"؟ قاله في رداله خطر محلاف القيوم في للن الأوم فيناشرة المعمية بمجرد الشروع فيها كناف الصوم فصل في العرار من "أمادة طبع ملايا رائزياية حدرة

٣) وأنها التصافيق فقد عقلها كواهة تعديمه باية لأبهت لأنز دينه اكتاب الفيلة وبات الأنبانية (1 - 2 مطبع البجانية سيدسف كرابي

وكة في ليدية على شرح لهدانة كذات العيلوة الراء الا فلنع دار الكنب أفعلت بيروت ليبال.

الاهام المام ا

خۇق»

اً کہ واقعی انام کی مورکا در تکاب کر جار بنا ہے جو موس میں دری جی قائس کی اور ہے کھرور تھر کی ہے ⁰⁰۔ ووقد پڑ کرے موسائے آ^{کا} روز زارام میں ہے انگیا کر دیا صورے ⁽⁴⁰ وفقد واقعیا کلم

ا مرادیمهای در نیادهٔ فرق ۱۲ خوان ۱۸ ۱۳۹۹ س

المامت يرمشام وكالبأل المامت فاعلم

 $\P(\mathcal{O})$

ائیں محتمدا و مت سمجد کا طالب ہے اور اس پرمٹر ہر وائی طنب کرتا ہے ۔ ایوا رہے محتمل کو ایا ہم بنانا دیا ہے ۔ ا '''

وْنَ≑

") السما في قوله تعالى فال يعيادي الذين تسرفوا على المستهج لا يعتصوا من راحمه الله إن الله يعمر الذيوب الحميما أنا هو المعرر الرسيم سورة فرسر البيداء ويزم الال

السند في شيرع الشيوى، فالتي صحيح المسافرة المقوا هي أن اللوية من سيسم المحاصي واجهة وانها. واحمة عيالي القول لا يجود فأخيرها منواء كانت المحصية صغيرة أو كسرة كتاب عنوية 1947 طبع قديمي كتب حالم. الأسافي البر المحما ومع وه الاستخار يعرن به الإمام إلا افتية أي بالعمل لوطر أ عليه والعراة أنه يستجن طعرل كتاب الصنوء باب الإسامة 2010 ضع الجرابية سيستعد كرايجي.

ومنده من الدحار الدر الل ملا يحل عزل القاصي صاحب الوظيمة بمير حاسة وعدم أهلينه أو معلى الم ينصبح كتب الدوطف ه (۳۸ ميم مكتبه و تبديه كواناه و القامي الشاماء كاناب الوقف معلب في عزل الواقف لمعدرات وإمام واحرل الباطل (۲۸/ عضم ليج المدميد).

٣) المسافس رد المسجد از حامل أن المغنى به مذهب المناحرين من جوار الإستنجار على عليم القرآن
 و لامامة كتاب الصلوم بات لامامه ٢٠٠٢ طبع مكتبه رضيفية كولاية.

وكا فيا في ذلة و دوال الفراء على حتى المفتني به مأناهات المداحرات فعلى ما أفتي به المداحرون لا الكرم ومائلة التاب الصلوة باب والعامة ٢٠٠٠ قبلم مكت والليدية التوافد.

وكتاجي المحر الرائق كتاب الاحارة بالما لاحارة العاصدة ٢٣٠٨ طبع مكتبه رشيديه كوثفه

ا المحت بش کوئی کر امت کبیل به به کرانیت ای کی الاحت می بهت وانشری ل املم محدود باشد موشق به ساتا موامان را محاصور برای به دران

ا مامول ، فطیبول ، مؤ ذنول <u>سے تحک</u>ماو**۔** امامول ، فطیبول ، مؤ ذنول <u>سے تحکماو</u> او آف سے تخواہ لینے کا تھم ﴿ من ﴾

کی فریائے جینالمارہ نین در ہی سنلہ کہ ایک آ دی محکواں قاف کا طائع ہے۔ سنٹائکی محید کا فاق اللہ اللہ اللہ اللہ ا خطیب ہے ان کونٹو او محکوہ سے رہ ہے جسب کے محکہ والوں نے ایک اکاؤٹٹ کھول رکھ ہے ۔ جس جس جس ہو کی اور کا کروپیا دو کا ٹور کا کروپیا و معزاروں کے نئر رائے وغیرہا کیسے جگر آئی تا ہوا تراس جس شرور قم میں سے اس نے تو ہو ہو ہو چوا م معجد خطیب کونٹو او لمتی ہے ۔ اب من کے لئے بیٹنو اولینا جائز ہے کا جائز۔ جب کران کا مقیم ایکن ہے ہے کہ مرد راد والے کا جائز۔ جب کران کا مقیم ایکن ہے ہے کہ مرد راد والے کا جائز ہو ہے۔

> بلغ من بُعد خطیب نے کورے کیے تنو اولینا درست ہے⁽⁰⁾ مفتا واقت الحم

ئردى احال فۇرداكسىنۇردىدۇ مېھىيى خار «انخوم ھەسماھ

صدق فطرادرقربانی کی تصالول کی شرط پرامام ریکھنے کا تھم ﴿ س ﴾

کیافر باتے ہیں ملانے وین آرہ در منظب میں مولوی صاحب ہیں جن کوائی شرط پر اہامت کے لیے خشک کیا میں کا فصل رہی ہٹر جی کے طاور یقر وقعید کے جم وصد قد عیدالفو بھی دیے جائے ہیں۔ چنا جھ کر شد عیدالفو میں اس فذکورہ شرط پر کس کیا کیا۔ دریافت طلب امریہ ہے کے صدق عیدالفوا دا ہوجا تا ہے فیائی اگر الک نصاب ہویان ہوجواب سے ترمنو ریافر المجماء

(ع) تقدم تحريجه نحت حافية (٣ ص) ٣١٣.

609

ا نامت پراگر چاجرت فی جاز¹⁹ ہے۔ کیکن ڈکا قامش میدف کا اجرت میں ویا جا ترکیس (۴۰ اوراگر اس جرت میں چامد قالب دید جا کی تو ڈکو تا ہیرہ فرائش و دائیات اوائیں ہو تکے۔ فواہ المام صاحب خصاب و ہوالہ تا گراہام صاحب فعاب تیس اوراؤگ اور ہے تیس بلکھائی کیمعرف عدد قالت کھی مصدقات و ہے جی تو ہ ست ہے (۴۰ رصد قالت اور ہوستے ہیں۔ واشدھائی ہم ۔

محرومغا الشدول

٢٩ ز والقيوم ١٣٨٠ ج

منکرین جدیث سے تعلقات رشتہ داری رکھنے دارے کی امامت کا تھم ایس کی

﴿ ` بَ

کیا قربات میں طاوو این اندر ایر مشدک ایک بختی ایک سنی آس بورس کچو مستفاز کی جماعت کرا کاربا محراس کی بعض حرکات کی وجہ سے تعازی اس سے بختر ہونہ شرورا اوسکے تک کہ تمازیوں کی اکٹریٹ سے اس سے بیچھے نماز پڑھنا چھوڑ ویا اورخوواس نے بھی مجدولا کہ سے شک کو کی دوسرا آر بی امام بنالیں۔ اس میں جمعیں تمازیوں کو تماز پڑھانا شرورا کر دی۔ اس اس مجدیش جنگ واقت دو بر عشیں کھڑئی ہوجائی ہیں۔ اکٹریٹ ای انام سے بائے دوبلی محتر ہے کہ اس کا کھانا بھا اور واقت اور برای کے تمام تعاقبات اس فرق سے جس جو اس جاری کا اس

۱) نفتام لخریجه تبدن ۳ مر: ۳۹۳

٢) مساعي النفر انستختار وبردهمها المعلم لحليقته إن كان بحيث بعمل له او تم يعطه صح وإلا لا لإن المبدوع يكون بمتونة الموض كتاب الركاة ٣٠٩١٣ مام مكتبه راسديه كوفته

٣) الما في قوله تعالى إلما الصدقات للفقراد والمسكين سورة التوبة أبة: ١٩ باره - ١٠

سما في الدو المحتار مصرف الزكاة والعشر هو فقير وهو من قه ادبي شرع أي دون عمام أو قدر مصرف على غرار الم مستاهاري في طلحاحة (ومسكّين) من لا شرع له الغ كتاب الزكاة باب المصرف ١٩ ٣٩ طبع ليجاديب مست.

و كنفاه من حياشية النظيم نظاوي حيلي مراقي الفلاح كياب الركاة باب البحراب من ١٧٩٠ طبع دار فكت الطبية يروب ليبان.

طور پر انگار صدید کرت بین اور میپازی کی شادی بھی ایسے اوگوں کے حربی کرر گی ہے اور ان کا بروقت اس نے باس آ نا جاز رہتا ہے اور برت برتاؤ کھا نا بینا بھی اٹس کے ساتھ ہے کیا ایسے گئس گوانا ہر بنالہ اس سے جماعت کرانا جائز ہے جب کر سوائے ایک وہ آوجوں کے اس میڈ چھچ تماز چاہتے کے بلنے کوئی آوئی تیارٹیس ہے اور ائل کھا اس سے بچا اوجی ٹیر اس براس کے مناوجوا و بھی کئی آب وہی کے شیخ ہے ہیں۔

कंट क

اگر یہ باقی دوست ہیں کہ اہام خاکورش فتی وقی بھی پایاج تا ہے تا اس کے تعلقا ہے اور وثیر وار یاں فرق انگر کے حدیث سے بیں اور انگی وجوہت کے جب الی حق اس سے بیار میں اور اکٹریت شداس کی اختر اور کرکے کردئی ہے تو اہم خدکہ کوان ایم ہے کہ اس مجد کی اہامت سے انگ جوجائے اور زیرونتی اپنی اہامت ان اوکوں وشارشنا برگز ہڑ نو باز تھیں ہے کہ اس کی ان مست کر وویے 40 وقت اواقد تھ کی اطلا یہ بھوری ت

والجزاب يتيح تحير نبيزا خدمني الغدعان أيمكوه الأامانيو

یرویزی کی نماز جنازه پر صالت واللے کی ایامت کا تکم پیش سیج

کیا فریائے ہیں علاء شریعت می کی سلی اندھیں وآلہ دیم کی سندیش کی مشہور مشکر مدین نہام اہم پرویز جس کو جمہور علاما است نے کا فرقر اردیا ہے۔ اس کا ایک پیرداکا رہم عقیدہ بم سسک اور سسک پرویز کا کھٹا مرآنے ہے جبکہ جمہور علاما است نے پرویز کے جمعیان کو بھی خارج از انطاع قرر دیا ہے۔ اس پرویز کی پرائی سنت واجہا عمت کے ایک چش ایام نے جہاز دیچ حاسب لیزا شریعت اعلاق جس نڈور والام کا کریشم ہے افراز ہزارہ کی ان امام ت کے ایک چشال ایام نے چیجے افترار جائے ہے۔

لا سامي الدر الدحدار وولو أو دوماً وهم له كار هون إن و شكر اهد لصداد به أو لانهم أحق بالاطامة إسه
 كوره به ذالك بحريمة لحديث أبي داود لا يقيل الله صلاة من نقده قوماً وهو له كار هون الح كتاب الصدرة بال الإصامة ١٠/١٥ هـ مداه دم طبع مكيه رشيدية كوفه.

ومشقه فين المزاية كتناب المعيشوة الياب الحامل عشر في الإمامة والإفتدار 1/400 هم صلع مكتبه واشيعية كوئفة

وكرة على حياشية المطلحمة إلى صنى مراقى العلاج كتاب العبثرة فعمل في لامامة عن ٢٠٠٠ صبح دارالكت العلمية بهروت.

∳€\$

بهم القدار تهن ارجم - امت مسل كتام طارئ شفته فيصل بك نظر احمر برويز بعيدا نكاره عديث كافر ب (١٠) - بهزاد الررقر في تسلق و كنه والا برويز كالتيم و بيروكار بحي كافر بوگاا و ركافر كافرز جناز و بر منا ناجائز ب (١٠) - بهزاد الررقر في تيم عام خواس الرويز كي كاجناز و بر حاب الراس والدي كي الاست كرده بوگ و الله بريا وال كابر و برى بونا با حكى فايرا و معروف بونو الدي نيم برا ناجائز كام كي به اوريس كي الاست كرده بوگ -مسلمانول كواس الدين من معمود ل أرنا جا بي البنت أكر به مدق ول سه على نيم برك اور توام مسلمانول كو اس برا الا وجوجائة و من كي نامت ورست ورك اوراس كوايم ركن محى جائز برگ - فيها في الحديث المنانب من المدنب محمد لا ديب له (١٠) - و هي المكتبوز و محود اسامة المعيد و الإعرابي و الفاسق و المبيد ع (٢٠) - فقد واشقاني الم

حیات النبی مزایم فی کے مشکر کی اد مت کا تھم

呼び声

سمیافریائے ہیں ملائے وین در میں سنگ کے جوڈ وی میات النبی اللہ کا قائل مدمواور پر کہتا ہو کہا ہی استلا میں اختلاف ہے تواسیعا وی کے چیچے نماز ہوتی ہے یا کھیں۔

إلى المسلك إلى من القاديانية واللاهورية كنها كالرون فادياني فننه أور ملت السلامية كما موقف عن ١٩٧٠.

 ٣) سميا في قوله تمالي ولا تصل على أحد مهم ماسه ألمًا ولا نقع على قبره إنهم كفروا بالله ووسوله ومانيًا وهم فاستون سورة النوبة أبت: ٧٤ باره: ١٠.

المساء في الدور المسافنار وشر تطها منه (ميلام العين وطهارية الح كتاب الصلوة باب صلوة الجنائز ٧ (٣٠٧ فليم الجرافيد-معيد

وكذا في البحر الوالي كشاب المحائز فصل في الصلوة على تعيت ٢١٤/٢ طبع مكتبه وشهديه كريض

- عند كوة المصابيح باب النوبة والاستغفار عن ٢٠٦ طبع تديمي كنت حامد.
 وكذا في ابن ماجة باب ذكر النوبة عن ٣٢٣ طبع تجريبهم سعيد.
 - ي) كنز اللفائق كتاب الصنوة باب الإمامة ص: ٢٨ طبع بلوجستان بكُمُّهو.

وكيدا فتي السجر الرائن وكرة إمامة العند - ، والعامق والمبته ع كتاب الطعلوة باب الإمامة 11 - 12 طبع مكتب راهبودية كوفعة

و كذا في الدر المنختار أكتاب الصلوديات الإمامة ١٨١١ه طبع ايج ايم معيد كراجي.

ت-۱۹۰۱ بالانت الاعام

و ڻخ

چائن کو عن مستریش شد سے معت از کر بائے ہیںا بات اس فی درسے ہے۔ فقط والد فعال عظم مریشون و انتقاب سے معرضات

الله برگزیدگر میان ماشال ۱۹۹۹میر

مدم مائ درد دمنوالتمر ك درال يبند كرك والحي كالمت كالتم

च ुं ल

آب فربات بین ها داری داختیان فرام بر مندون فرایی تقید و شرید کید سے اور اگر تیم کے تقید و در سے اس کے بینچ فالڈ کاشر یہ کیا بھر ہے۔ حقید و کی ار بینچ اند غریدہ آل ڈھم کے پارے میں ہے۔ () آنگھرے میں مان ہیں، الدیم نے ور دوشر بیسا افراد ور سے باعد یہ ہیں کے فرائٹ بینچ و ہیئے ہیں اور کر قریمیا کہ ہے یا حاصور سی اس میں افرائٹ ہے ہیں جمل مارا علی تر اور واقع ہے ہے قابل ہیں ورجھ ٹیمیں اور کر قریمیا کہ ہے یا جا ہا ہے۔ میں بیرورز سے ان کی ہے جو قابل میں افراج موروش ہے گئے ہی کے مواقع کے تاکم ہیں ان کو می کے مسمال اور ایس منت واقعا عمل مولو بھر کا قریم میں سے اور اگر اندائی جا ہو انہم ہے میڈ افوجار ورووشر بھے جو ادارات میں اور انہم ہے۔

> ا فوق خود الن کو امام سے مرد سے ہے العام الشاقیاتی الم

ام. و تأخير بالاطاعة الأطلم طاحهام تصيونا شوالاً حسن تلاوه لنقر الالوالالوراج، لوالاس لوالاً مس. احتصال سوالاً مسال و حيثاً المرالاندر قد مساء لوالانعم، لولاً أنه المحمد وكنات الصعوف بالما الاعاماء من لاهات ما فاده وجاء سعيد.

و آنسا من السندر حالية الكسات الصوة العمل السادس بكلام في بال العام من ١٠٥٠ ح١٠٠ ح ١٥٠١ ا. القرائل والأحق بالإدامة الأعلم باحكام الطلوة بقط صحة وقساداً بشدات استابه للعواجش الفناعرة شم الأحسم بلاوة والمعربة النفر أدائم الأوراع الم لاسل، المراضحتان التعاب الصلود بالدالات الإمامة عراضات الدام عرب

ومثله في المحم الرائل. كتاب المبسود باب الإمامة دعل ١٠٥٧ تا ١٠٠١ م دار شعفيه يا

بِ هِجْمُن کَ ماست کاظم جوسیده دِ نَهِ او نَهُ معدقدُ ایصار اُوابِ استعال اُسرے ﴿ ﴿ لَ ﴾

آبیا فروشے بین عنو وزین در بی معاش ک

() ایک منتخص میں ہوکر صدقہ اروائی کے کھنائے سے کر گھا ہے ہائی منتا کہ اس کے درست پیری آ کیا اس کی امامت وجھا بت درست ہے ہا کہ سال کا برفار کہ دوماند کی جیاسے نے تومنتھوٹی اسپے گھر میں افران وفرار پانھیں فرشر ف جاڑے باند۔

﴿نَ﴾

(۱) أمر من الموفقة كديمي قان قوال كن ينهي فماز ورست ب (¹⁰سالية عام تقول بر عازم بها كما البيئة آب كوار بركون كومكي فراحرن منكا كما الفراك بالمساكمة لأمراب (عمل 10) الدام كان كونون وجابين كالفركور المام كن ينتي المواج البيس مقط المفترق في الحم

الله وقورا الدين قور خدر و مستنى و ماري هم الفقه بينتان 14. مدان و المتناب

ا ایسے شخص کی امامت کا تھم جس کی بیوی فوت ہو ہجتی ہو مطاق ملک

کیز آر بائے ہیں طوہ رین وسٹنے ان ملک سکہ کیسا آ دلی ووٹا دیاں کرچکا ہیں۔ چنا نجیان سے تھی سیچ پیرہا موسے چیں۔ اس کے بعدان کی واسروکا انقال ہوگی ۔ بھر مکھ اس بعدا و پنچ کی فرٹ ہوگئے۔ چنا کچ اسبادہ ڈکے سکاؤں جس شکر اوام ہے ایک میں صاحب کے لئے کی مائدگی اس کوگوائی کہ چنچ کر ڈکٹری ہوئی۔ تھی رائے کہا

و والأحرى بالإصاب الأحلم بالحكام الهيئوة معم صحيح و مساداً دين ط المبدئة لشواحش العاهرة في الواطعين العاهرة في الأحسن المارة والشعين المارة والشعين المارة والشعين المارة المارة المارة الاحتجاج المحضد وكان في المارة إلى المارة والمارة والمار

ه م وسكر و أنسجت والمجمد هي البود والون والتافيذ، وبعد الإستوع ما والمحاد الدعاء لقرأه الدرال و صبح الصلحا - ومشر أستمتر ما وهذا الاستار كالها طلسمة و قريده فهجرو عنها الج و فالسختر م الناس مصارة مهد صفوت - محتارة من ما 12 حكة مصاف

م كده في افرازية : كداب لصيره الفصل الحاصل والعشرون الجامل الدامج الراضاية.

ے کہ انداری ٹریف میں ہے فیرشان شدہ کے جیمے نماز نملے گیل ہوتی اوراس کی نوزئیں اور لاُنوں کو یہ ایجانے اُن کے اندائی موٹے خواب کر بڑتا ہے۔ آپ راہ کرہ اس مسلم کی اندر سندے و فیر اوپیے بنی المسلال نے مصرفی مودی اللہ نے تقریح فرا ایس

467

غیر شاوی شده اگر حتی ایر میز خود امراه ایاتی شواند امامت این بیل به فی جری توسه ف این بیش که وه غیر شادی شده سنیداس فی امامت می کوفی قبل واقع خیمی سای بیواند و بیان کی امامت جا زیب ده فرید ندری شرخیب می امیدا مشد خدار میمی سے دی صاحب کا مسئله خزا دوا سب ایسی کوفی حقیقت تا ب و حدی ایس توسید واقع الم

عمودانیه نشره افتی در در از سمامنوم دارد. ۱ مهاوی استی مصحاب

غيرشادي شده كي امامت كافلكم

4 أن 4

الیا اور سے بین علاموں واستیال شرق شین اس سلید ش کہ کیے تعلق عام سے دری دی می کا فارق احتصیل ہے تم تجرشاد کی شدہ ہے کیا ایسے تعلی ار مت تاج کؤے اور کیا شاوی شد دربونا شرائط اور سے بیس را سا ماعد - افٹل شرعہ سے جواب و سے اجتماع کی ایسی - بیٹوا تو جواد

ゆンタ

الماست کے لیے مسائل نماز سے داخلے ہونا ورتنی ہونات وری ہے شادی شرویوں نئر ور تیمیں (مالدین معاومت مستونہ شریاس کی الاست درست ہے و فائد واللہ تعالیٰ الم

")، والأحرق بالاحرمة الأعلم بالمكام الصنيف في الأحسن نلاوه بنفراً فاثم الاوراع وفيه الإسى ثم الاحسر احتقاء ثم الأحرس وجهاً، ثم الاشراف تم الابتقال بوياً، "القار المتحار" كتاب الصنياة وباب الإماماة . حمل 200 بالادامة في معيد

وكما التي الفائد رحماليم كفتات العملوناه المصل المنادس الكلام في مان من هواحق بالإسماء من معادم عادارة القرآن.

وكفافي النحر الوائق كتاب مصلوفا والسالانجاه عن ١٠ ٪ تا ١٨ د ٢ مكتب شيمها

کھ بیں اہل دعیال کور تھ ملاکر ہما حت کرانے کا عکم

400

الكيافي بالتي تيهاهم ووازناه نعامج ذالي مسائل شيكمه

(۱) ۔ زیڈ کے عذرکی بند پرسمیدگیں جاسکہ کو بٹس اپنی گوست اور جواب س ل بیٹی کے ساتھے جرا میٹ کر ایٹنا ہے۔ کمبھی عرف بیٹی بھی معرف مورست اور کھی عوف ناپائٹ سیکٹ کے ساتھے بھا میٹ کراتا ہے۔ کیانڈ کورہ بالانثام معود قول بٹس بھا میت درست ہے۔

(۴) - ایک امام در کیل متحقاق مرد بورٹ کی صورت میں جو بھی صف کی تنگل ہے۔ یعنی امام کے دائمی طرف قرار چیچے بیکن شمن میسے متحقال امرد کھام جوتا ہے آئے ای طرب از بدائے کہ میں اپنی فر دجہ یا جو ان سال میلی کے ساتھ امام مشکر اور بے کوئی ورصورت ہو۔ ہر اگر پڑھیسی جو اب اس بیٹ کر کے متحقود کردائمیں۔

₩Č~

(۱) والشّخ را ہرکہ یاد ملاء شرقی ترک رماعت کیود کی عور سے مصیت ہے اور اسرانوال پرفش ہے ¹⁰⁰۔ کیلن اگر مجھی انقال سے معجد میں معاصل نا ملے قو گھرے فود آن بڑیل کو شاش کر کے جماعت کر سے جیسا کہ ورطار ¹⁹⁴ میں سینداور مدین اندائی ق⁽¹⁹) جات ہے تابات ہوتا ہے کے مودول کو بلا مذرکع رہے انعا اصلات کر کی

وي والدينستاجة للسبة للوكندة لتراييان () حال الشابي والإحكام لدن فتي توجوب من أن تاراكها للاعدر يدار - وتراد شهادت الدواستخدار مع وبالمحدرة كتاب السندة، بالتا الأمانية (١٩٨٨ - ١٤ ميد)

وأفدام الميحر لرانق كناب الصلوف الافاحاء من فالدامج ومكتم رضاييد

وأكرا في التعلق كالبرز فصل في الإصفة من الرحاة ح المستبدي كما محافظ

- 79 والرفائلية الدائد فللهاد في مسجدة عن "علايجية عليه الطلب في المعلة بها المجمع بأخله ويعلى بهمة على بالل ثوات الجماعية المرائبجيار مع رفائليجيان أكباب الصيوة بات الإمامية عن ١٩٥٥م ع ١٥ مجيدي والتناجي المجرائز التي الصاب عملوه وبات الإمامية من ١٩٠٣ع، مكتبه الهيائدية واكفاعي منافع الصبائح كمات الصلوف فعش وادريان ويعمله بهذا والتراجعيات من ١٩٥١م والدورة مكتب وشهيدية.
- ٣. نسر من هر براه قدار افتار و سوار الله ميم الله عنه و سقوا را دان بيمي بيده نقد حسب أن أم بحضه في حسر من هر براه قدار محضه في حسر الله المراه في المراه في المراه في المراه في المراه الأرشهاوي المحضورة بقامي في المراه في

پو ہے۔ بلکہ محدث آئی اور ترکیب جو عت ہوں۔ نیا اعظام رے کوم وکوم رہ عود آن فی او مت کر الالک عِیْد کُروہ ہے جہاں کوئی مرد شاہد نہ کوئی کوم عود ہے مثل اس کی زوجہ ایاں ایس فیر و کے موجود ہو۔ ہاں اگر ہوئی مو ایا کوم عود شدہ جو دیوتر بھر کر ووڈیس (۱) محراشتا تی عود ہو ایا باغ از کی جوفوائی کو جا ہے کہ ان مسک چھے کوئی موسافواد ایک جو بالک ہے تر ہے۔

(و يمكنوه تمحويما جماعة النساع) المخ كما تكوه امامة الرجل لهي في بيت ليس معهن رجل عبره تمحون المساعي المخ كما تكوه امامة الرجل لهي في بيت ليس معهن رجل عبره و لا محوم صدي كاختدار زرجندي (ا) و في النبت الركان قدمها بحدث فدم الروح لا تحوز صلا تهما بالحماعة و ان كان قدمها محلف قدم الروج الخ-جازت صلا تهما الخ- لو الندت به متاخرة عد يقدمها صحت صلا تهما- الخ- فقط والله تعلى اعبر

مورت کی امامت کانتم

∪

کیا فرہائے ہیں بغراہ دین اس منظامی کے قورت طورڈن کی اماست کر کیتی ہے و ٹیمیں۔ اگر اماست کی موقا نمار ہوجائی ہے واقعیں۔

علاِ ح بِكِه عورت فورة من كي الماست كر عمل ب ليكن عمر الاستها^{ل العالم} فقط والقد تصالى الهم

الع المراف هدي أكتاب المداوة الان الإمامة ومن هذه بالتشاه والعالم سميت

وكظافي الهديد كناب العينون الباب الحامس في الامامة، من ١٨٥ ج٢، دكيه والبعمة

المتدفي بدائع والمسامع الكتاب المتوه الصل وأمايان من تنجل هيم الحماهة من ١٩٥٥ ح الارطيفية

٣٤ ووالمحمل كتاب الصلوة، بات الاهامة؛ مطلب في الكلام على الصفء ص ١٩٧٧، ج١٠ معيد،

وكتافي لمجرارات كتاب الصلوة بالدائمانية من ١٦١٠ ح ١٠ وطبيده.

وكفافي لجانبه على فانعن الهدمة من ١٥٠ ح ١٠ مكنه وشبدية.

٣٥ وسكره المناهة السيراة الدسندي العشرة كلها من الغرافش وضر قال عان نعلل وقعت الامام ومنظها ومقيد مهاوسطها ومقيد مهاوسطها لاكرون لكراهة، فهدامه كتاب العشارة، الناب الخاصل في الاهامام، عن ١٨٥ ح١٥ و شيديات وكذا في المحر الن كدب العيارة، ماب الاسامة، عن ١٠٠٥ ح ١٠ مكتبه و شيديات.

وكدامي محمع الإنهرز كباب الصفوة الصل الحماحة سنة مس ١٦٥ مح ١ مكنه الغفاريات

عورت کی امامت کا تھم

♦07\$

کیا تر و بنتے ہیں الماروین اس سنگ میں کے فورت فقاع دوّل کی نماز عیدیں و جدیثی اراست کرانگئی ہے ہ حد ضدا تراوی میں اور فرائش ۔ وفرق نہ علیہ و میں آمر کرانگئی ہے تو اوال کل مسجد والی کائی ہے یا کوئی اور صورت چونکہ یہ سکڑنگف نیریٹ بٹرا بھول ہواہی ویں۔ میٹوا ڈیروا

$\mathcal{L}_{\mathcal{F}}$

عورتول کی ایام آمرمورت دو تربخهاز آمروه بهته و یکوه امامة السواة للنساء فی انصارة کفیها می العرائص و اللوافل (۱۹ انگرستم محردتول کی بر صفر آمروتر کی بهترویکر و تنجریها جماعة النساء و لو فی المتراویج (۱۴ - محردت تی کلی بر بیشاز می برگزش کرشتی (۱۳ - نظراداند قال الم

عورون کے متیدس آنے کا تقلم

#\U_{90}

کیافر دیشتر ہیں علاء و این اس منظر ہیں کہ اگر ایک جامع مجھ معادر اس کے داکھیں یا گرمیا ہیں ہیں ہیں۔ جواں ادر کار تمیں وہاں قرآن وصد یہ کا دعظ جھور کے دن سفتے کے لئے آئی ہیں اور ان بھر وہ ن میں جو بالکل محمد کی و جوار کے ساتھ تھروں کو مذکہا کہا تھ صدورہ وہ کہ ماتھ تھی ہیں اور ان جو در یا تاہم کی ہیں اور جسر کی فراز امام کی بردوں کے ساتھ تھروں کو مذکہا کہا توقع کہا کورٹس وہاں بیٹھ کرٹر آئن وصدیت میں تکی ہیں اور جسر کی فراز امام کی افتر اوٹس چاہو تکی جی بارد در کر بس جیست وصورت میں نہ پڑ وسکتی ہوں تو کو گیا اور صورت بیان فراد و کر جس میں

٢٥ - تيستانا، كتاب المطوقة "قياب الجانس في العاملا" في ١٨٥ م (مريسيانا)

٧٤ الدرالمحتار: كناب العملوة باف الإمامة من ١٦٥، ١٥٠ معد.

وكداهي البحرائر الل. كناب الصنوة ماك الامامة معر ١٩٠٠ ع ١٠ مكمة والتهدمات

الافاق والاقتامة علي السناد الأنهامي منة الحماجة والاحماجة ميهيء ولان هوتهن مورة واحمة الاحماء محدد و مقرمة والمعادة الله عليه من المحدد من الحماء المحدد ال

وأما أقال السراء فلأنها منهية عن رهع صوتها لأنا يؤهان إلى المتبذء المحوالز الن: كتاب الصيرة، ماب الاهان اس الاهاية ع المكتبر شيسة. غروشی قر آن وهدریت کاومتا بھی بن مکنی اور فرز بھی پاروشکتی۔ مجد کا برآ ما دبھی اجراً مراز الدوا میں پارو کا انتخاب کیا ہائے کا توامی صورت میں بھی دعلق ہے ایک ۔

o 👸 ky

المقيوة بهرماليا و بيش بي المعرد الموافقة بالاستأنين بولى جائبية فسادة . شادة . شادة المسادت سند موسوية الموافقة بالاستأنين بولى جائبية فسادة . شادة . شادة . شادة . شادة . شادة . شاوع على المعافقة الموافقة بالموافقة والموافقة المعافقة ا

غيرمقلدي اقتذارين نماز كأعكم

ھ`ن ھ

كيافه مائة إن حاء ين وخنون فالرزام منك في أن نجوه عدائك التي المناه المائة المنطقة ورست بيانس ما

ه ٿ ه

افتها الرام وهم الله ياتسرك أربيض جن كدا كرنانك فرب شخص المام من جائب تواكروا جهائك وقرائل مي وه مرب قريق كي مايت كراب ته و من ك چيجه فاز دوست ب ادراكر ك امور من فريق خانسانی و مايت كرائه قرائر و همش ايت امو كار كاب كرب اس بن فريق خانسانك كذات كيان الامور من أربي خانه المعدود أربية يكوم حلف سفيه الي الدفال و ماه لف كشاهي لكن في و تو البحوان تبغى المعراعاة المها يكوم الوحاديها لم يصدح وال شك، كوم (٢٠٠ أنا المالا

محما وقرمفيات بيستي وررق مواهلوساز

د خمین ۱۳۹۰ و

ا في الدرا المجار مع وخالمحال " فادل المطوف" فان الاستفاد في 1919 و " . سيف. و فيفا في فينجر الق: كنات الصنوف باب الإدارة أص 2017 و 1017 و كان كيفية ، ويتبيق ومتبه في بدائج المسافح الكتاب الجنوق فينل و جانبان من نجاب عليه الجناعة، في 1919 و 10 كناتهم و تيه بدا

٣٦ السرائمكانوم كنات تصموه أبات الإماماة من ١٥٥هـ و ١ معيد .

الواقعة في المعرفر اللها كذاب المعتولة بالبها لورّا والتوالل (١٩٧٤ تا ١٨٥ م ٢٠ مكتبه راغيدية). او كذا في نسبي العماكو (كناب العمود باب الورا والنوافل بالم (١٣٧٥ م) دولر الكتب المقتلية

معجد کے مقررہ وقت نماز سنے بہت و کھو کوں سے متعاعب کراسٹ کا تھم

U %

صحید کریم خان دانی و قعی از اون و بلی گیان بات الی پرتی بریس مانان شهر به تکمیا و قائسا کی قوافی شد بند. انگیانگذاشته این سمید کند بند کیک بالتی ادارا به موادی مقرر کو جواب به با کیمان و قول ک ملیه امام مقرر کرد. جواب اور و قشد مقرر و پرتماری از کی جاتی چرود چند صحاب بمن کی تعداد پائی و در کی چیزونی ست او واق وقت مقرر سے چین نماز برای معت اوار مواقع بی مطور ایس شراع افران شرق از اوران محاب کا دو بیا وزنوز کیسے بند

4€3∲

صورة منوارش آخر پیدان اصحاب کاز به قارخ سویا تا بیافرش نماز او جو باتی سیدنگش جب س سجه بیس نام مقرر سے مداوو ان اسحاب کا داکس شرق قوای مذر کے جماعت کرانا کناویے و واقعتد لفہ تکرم و ماخوا میں 40 سام عقرر کے مداوو ان اسحاب کا داکس شرق قوای مذر کے جماعت کرانا کناویے و واقعتد لفہ تکرم و ماخوا میں 40 سام دی ایش جس سیاسلمانوں کے درمیان فقتہ فسارکا قوای تھریشت برانس ہے ان اسحاب کے کے شروری ہے کہائی نام چھروٹ بیجھے فرزیاند حت اواکر زیاد دیائی دومری سجد شرا اواکر بن واسیتہ کیے نکی تجدیز کرفس بٹاکہ فقتہ بیدا اور سواسک فتاہ والفرندی فی عقر

.....

ه به الناسات التقاف على وأنا عده مراهال وهيل واحية واهده العامة فتسن أوبحت - السرفة عظهر في الأشم التي كهنا مرائل على الرحان المقال، فاللدن الأحراء القادرين على الصفرة بالحماحة الانقبل تتهادت وفات كها المنطقة فا ومواملة الفرائسجتار مع ومافسحتار، كتاب العبلوة، باب الأمامة أص 200 فا 200 م براء منديات

و كيف في السجر الرامى: كتاب الصلوة وبات الأسامة من ٢٠٠٧ تا ١٠٠٠ ج ٢٠ مكنه و شيدية. و كان في المدين كسر الفصل في الاساماء عن ٩٠ قام ج٢٠ سنوس، كتاب عاند

٣) واعتبينوا بجيل لنه حميه والإنجاف "الإية، مين ١٠٤٥ مورة ال خمران-

ولاستان فيها فتنفشلوا وتدمل ويبحكم واصرو أن الله مع المبادرين المهرة الانطال الله الم المبار ١٧٥ والا تقرفوه اللم مديالحماعة ومهامو عن التعرفات عن ابن مربوة وضي الله عاماً أن ارسلون المله طلق الله عنه وسند قال: أن الله يوضى تكم للاتاً ومناه فه الكو تلاتا به عني لكم أن تصديره والانتدراك الله شبئةً وأن تعتصموا لحمل الله المساولا المراوزة الراحوا (القسير الن كثير المورة الن طعران الايد ١٩١١ م علام قديمون

بلا وجه مجدثان اختلاف کرے در مرق جماعت کرا نا درست تیں۔ افراس ﴾

کیافروٹ فیرسے نے دیرہ نے دیرہ اسٹرک تاریخ کی قب میں فوال نے ناام ہم رکیا تھے بارہ سے تھا۔ ای نے انامت کر کی مارے فک کرا ہے ہے۔ ہاد ب اور اور اور چناؤک کے نے بی ورزی در وے ثرا ہی کردی ہے اکٹر فک جبھے ہے شرارام مند چیجے خان پر اعت میں اور اور عالم انس تھی پر بیز کارہے کوئی مذرش کی تھی چڑھیں کے اور بی مدر عد کرانی بھی ہے وہا تھے ہوں۔

k 🖰 🐡

المنظار شراب و الاستعاد الواقد عبد القوام فان احتلف العنوا كثر عبر الخاطرة الدعل اور عالمه تحوی المحدود المحدود و الاستعاد العنوا و احتلام العناو العنام العنام فيره فالعود الهائد الاستفاد في المستقول المحدود المستقول المائد المستقول ا

والإرامة والمتعاورة أكثاب المبلوة والرافاعة وموالده درا والمستهدي

الهستدید اکتبات قصیره باب الإسامة من ۱۹۹۱ ج. در شدید و کنه یی افراز رد علی هادش تهیدرد: کناب الصفرة العامل منم می الإسامة الإسلام دمن ۱۹۹۷ و باید شیدیا.

أو هذا وأن أحدث ساريب وطله أناه المستحد الوائب أن أونى والدائلة من عياد مطلقاً عدر للسائعة إكتاب المستوة عامد الإمامية عن 200 من 10 منية أو كدا في الهندية، كتاب المستوة عامد الامامية عن 200 م 50.
 أو تستريف

^{) ,} with the space space and γ

ع) وقد ساخل اليحو سكد عراز العامل لمارير الانجاء ومواقع لايجوز ولا تجيمة والمدم اطلقيا شامي كتاب التوطيع هذا الدول عاول التوانس الاح من الداها الجواء مجيد واكدامي النجر في الي الكتاب الوقف من الداخ مع دو شهرون

كراناة جائزاه وكروب الناء فقا والفريقيان انلم-

احماعت ثانبياكاتكم

14 J &

کی قربات میں حاسنہ میں اس مندعی کہ ایک تھی ایک میں وحرصہ بندروسوا۔ مال سے تھی آرا تا ہے۔ روزوگوں سے چندرو مول کر کے لکا تاہیا ہوجہ ہنا ہے۔ بھر مجھم وسول کر تاہیہ جس اب چندا تھی کہ کے اس سر محبر میں روم ایکس کوڑ کر کے تعدیدا مصرفروں کر کر گی ہے۔ پہائیتھم وسولی پیننے بھا عسہ کر سے اللہ بالی عالی بعد میں میں مورش میا حصر کر اور ہے۔ کیافریق عالی کا اسری مرجد بھا مداہد کران ہا تر ہے ہوئے کہا فریق عالی کی جماعت دیکھی سے باکھی راز میں مجدود ہے شرائی سے عالمہ باجا ہے۔ بڑا تو جوا۔

﴿ نَ مُ

ا کرشیر و لوں نے بار آقاتی آئی زام کی پیلے مقر آیا ہو تب تو دور نے زام کا مین پیمیرتفاز کو وہ ہے ایسترا کر اما اتن ما موجودی کردیا تیا ورجو والر کرنے والے بھی تیم رکے ان کی وہ رہے ام کے پیچھی مجھی تھا زید کو دیوں کھی مورال ہوئے بغیرہ مراسال مائے بیچھی ہما عند کا کی شدتر و پڑھنا تھت امراد رید (۱۹) میز موال نے ایم صور ہوتا ہے کہ امراسال مائی تھر درنے والے تھوڑ سے تین تو امکی مورت میں کھا بھی ایک والد مساویوں اور الحاصور الی الفوج فال احتقاد و اعتبار الکار ھیم (۱۳) و اللہ تعالی اعداد

ام الويكاراة لكاراز المجادلة عالى مدرة في ما يحدث الأفي مسجد فريق أومسجد الانفاع أنه والاعواد الاعقود له الشراف حدثار كتاب الصنوة باب الانامة من ١٥٥٠ ع ٢٠ تصديا واكد في الهدمة الأصاف الانجاد من في الإمامة في ١٤٥ ع ١٤ را شياب فراكد في القدة الإسلامي وادب المصرر العاشر الزاع المسود. عن ١٨٥ ه م ٢٠ دار الفيكر المعاصرات

²¹ مند، السياعتار ويكر و تكر را الحبياط بادل وقامة في مسجد حدة وكدت الصاوف به وقامات فالمحاصرة و 28 م. 29 م جود طبيع و شياب التالكان و كذا في الهدية وأكتاب الصلوة الذي الحاصرة عن 98 م. ح 40 م. وأكدا في تقفه الإسلامي وكتاب الصلوة اعصل العاشر وعن 92 م. ح 4 مطح مار لدكر المحاصرة.

سي بري برياست از مع در حدو ۱۹۰۷ ماها لومديد بالاستادة هي ۱۹۵۷ مج ۱۹ ماهج و دينيد حديدي و کفا هي الصاوي. اختيار مرايم (کنيد ميسيرة دادب الاستاد هي ۱۹۳۷ ج ۱۹ طلع امارة اطرائي کو ايمي) د او کما يي خلاصة الستوي (کناب عملوم) عصور الحاسي مشر دهي ۱۹۵۵ مح ۱۸ طلع رشيديه کوفه.

<u>~</u> المامة معالم المامة الم

د د ناف کی مبید بین غیرمقلدین کاد سری جماعت کرنا مان

کیافرہات میں خاوہ بن ور یہ مندکہ کیا تھیا۔ تجہ مقدوی بھا ایک ام کی نے چھے تمار واکر تے ، ب اور بعد میں مندروقیانے کراما دینی کے بھیے تماز اوائیسی دوئی رائی نے کرنٹی رکٹی وی گئیسا کرت اور ٹائن یالیج وقر اُوکا خلف الرمام کے قرکن ٹیس اب قون نے اس میں میں بی بروشند کی دوری طیحہ وی مند کوالی شوع ہے ''ڈروی رآ باید دوری جماعت ان کی درست ہے یائیس اور کئی کی تماز نیر مقلدین کے بیچھے دست ہے واک اس نمیس نے جات سے ممنوع نے آبادی و

95 💍 (il)

ام اكن التي الشاملة لاقيمة هو منذ منده لكراوه عنداه كرامع البديل في الإسطالات، وحهو فسنسمه والعمالها فيقدا - والطالمة لايسيكيل السمرواج على عهد المجلاد ما كمان العموة الناب الإسلام التي ١٣ ١٣ م الانا فيج والاستفار - وكما في استعراق عن اكتبال فيسلوم عالي التوارية النواص التي 18 ما 18 قال ع 17 م ع والديمة ع

عليه السلام (** ما دران في الديال الرياب صابع سد الى الصعواة ويكرة فيها الى العالم الديام المساحة الم

متمهوم والمعارض ورساتا مامغو مثرن

تمی شرعی نشر در مت کے بغیر محبد کی جماعت سے بیٹ مردو مربی جماعت کرا ؛ درست نیس

ہ کی م

ا میاف و تے جی ملا واپنے مراہی مسئد کہ ایک مجد جی ادام متھیں کی اوروں جی جی بیک وقت اورجہ مس انرائی جامز جی دیکھی تاکیف جہ بھی وہادم واز کراج اوقو واٹین قائی دوسائی سا حت کروائے جی ساجا ناکہ انرائی لوائد سے میں شرائوں تو حصرتیں انہاں بال محمد الفیش میں ادام کو تھیں کیا دوائے واسراہ ایش جی سی کو ب ارام مائیٹ سے بھی میں اوالا باس ماجھ ہے ۔ وہواتو جروہ

க்டு ≽

ا اً مقررہ امام بین کوئی شریعی قو دست شین قو دوسری جماعت کراند درست شین میں جیلے امام کے چیلے ہی

- () السخت كان والمدار والسيدة والداعمين الأول و من و شارح الرسح فديني و كدا في صحيح التحروف (كتاب
 الاستند و سايد مدينة و من التورائح من و عادر ح ٢٠ سع فديني و كدا في التوقية و كتاب العطوة والمها
 التساعدة وقد المعدية سير ١٠٠٧ وضع عارضات.
 - قامي واتحاب دستو و دامل مايمنسد الاستو و و دايگر ه ميها دامل و ۱۳۵ روا و طلح سعيد كواهي يد راكته مي النجر واكت براهيدو و مهمسد الصلوف و ديگر و نيمه من و ۱۳ درج درخياج راديد مد.
- المشامي وأقدام العبلوة عام الأمامة في ١٩٣٥ و دو معج سيده وأنه في تبيي المقابل وكسب العبلوة عام الوثر والبراقل دون ١٩٤٥ و ح فقع دار الكسب و كفا في النجر و كبات الصويفة عام الوثر والوافل من ١٩٧٤ عام ١٩٠٤ مند وشديد كالكام.

الله اوکرین فعالا کے باہر ہے ہیں، ایکی تو بیشات ورضی رینا ہے ناؤنیس ^{(الما}ت

میل جماعت فاسد سجوکر در رک کرانی ش، دومری میں اقتدار کرنے وا وں کی نی زکاظلم

$4 \mathcal{O}_{\mathbf{p}}$

نبياة بالمستدول من وينا سور إلى يترأب

(1) تمان ها حت الدور المانيان كالفرو (العالما هو اصحب المستنمة الديم) الم كلمورا المحلمون المحلمون المحلمون إلى المحلمون إلى المحلمون المحلمون إلى المحلمون الم

(۱۲) - بوجد الگاف کے جوامعت ہوئے کہ کی تا ایسان سازان ہی احت اول نے کر دیا عند ہوئے ہوا ہو۔ محمد آون آھیں ہوکہ مکی بھا صف میں مدیقے آئیں کہا زائر مراہ جائی پڑنے کی بات ہ

∲ڻد

(1) نے زنا مددکیں دوگی تھا کا تعمل میں کے نظیر فاحش سے ہوتا ہے۔ پرنسہ بیال میں ہو تھے، فاحش نیس اس سے فرد تھیج ہے 11۔

(۲) مدسری جما میں بہ ہما زقرش کے لیے تا تم یکس بدخی قاد ولائے جوائی کے ساتھ قرض اوا کرنے کی فرض سے کہا ہے۔
 فرض سے شریک ہوئے ہیں دن کی آباز کی آئیں۔ افتیاء ما شرط کی مشفل کے چھیے یو ترکیس البترا افظ دوسری میں عب ایس کرنے ہیں۔
 میں عب میں شرکی ہوئے والوں کا آغیاد شہیں ہواؤں کے قفاد واجب نے (حاکے۔ اللہ کی لی آخر

ويحجوه بخفاه غدمن مقتى حديدت بم فعيم متمان

قرار كيمنا هي الدر المحدار الروفر و لكور الحدامة بأقال ورفاعة في استجداد د "كان المدورة إيال الإداب الحداث على المحداث المدورة المحدار المدورة المحدار المدورة المحداث المدادرة المدا

كما في المرافعة على لديفينه دقويهم النفي ودر، بايفند الديثرة في ١٩٣٣ ع دفيل بنيد.
 وكان في الهدارة الإضاف الصفوة الناب الراقع في ضافة الصوفة من المداح (دامن والدين).

... و كند على المناوعة النائم عليه و كندك العنوفة (مصل العاشرة عمر 1976). ع: (طبع الاواد القرائل كو ميورو

 کما في الدراندخدار ون ولا معترض بشتم و کتاب الصلوف من الإمادة داد ۱۹۷۱ و ۱۹۵۱ و ۱۰ طبع سبيد و کتاب في خلاصاف فتوي (۱۹۲۱ را اصوف الدمن المعتصد شدر دادر ۱۹۵۱ و ۱۹۵۲ و در شماره و ۱۹۵۲ و ۱۵۲ و ۱۵۲ و ۱۹۵ و ۱۹۵ و ۱۹۵۲ و ۱۹۵۲ و ۱۹۵۲ و ۱۹۵۲ و ۱۹۵ و ۱۹۵ و ۱۹۵ و ۱۵۲ و ۱۹

قصد اجماعت مجدیش شریک زیونے دانے کا قلم

∳√}

ا کیافر مانے میں علومہ میں مندربیافی لیے سماکس میں کہا

- (۱) ۔ ایسانخص جامبے کے ہیں رہتا ہے خاز کے دفت کمی سے کہتا ہے کہ دیکھیے آباز ہابھا عصدہ ویکی ہے وقیس چھرتماز ہو کینے کے بھرآ کیلا نماز پر صنامے۔اس کی تر زیونگی دیرہونگی اس بادوش کی تھم ہے۔
- (۶) ایک میر کے امام صاحب نے کی محبر کے فائم کھم یا کیمجد کے نادر کمی کوسونے کی امیاز ت فیمی بے ورند کی کوسونے دینا کر تربیعت میں کئی ہے۔ اس پر ایک تھیں ناراض بعال ووامام تھ کور کے جیمیے تی زیز حتاب دورند ہی برما ہے ورامی واقعات تی دوامی امام صاحب کے جیمیے با جماعت فرز بز حتار ہے۔

r) الألك كالتي - يجازيوه

€€\$

بسمان أدارش الرشم - (1) اكر بالإبدير في عاده من الماك على المت سياتو يوضى فاكن سيهم بودالشيادت سيك تكوير عند كرماتو في المنون والبعب إست مؤكده - كسيدا قبال في المنو المسمعتان البعداعة سنة مؤكدة كندا على المعنون والمعلاصة والمعجبط والمعجمط السراحسي والى الغابة قبل عامة مشاتيعنا المها واحب المح (6) -

(۲) - این بایرترک براعت این کی جالت ہے این پر بازم ہے کوفرد باجراعت فراز پر حتی شروراً آم وسیادراہ مصاحب کے مرائد داینی بوجائے ^(ع)۔

ه و الشرائي مختارة وكتاب مسلوقة بات الإساباة من 6 هذه في مطبع سبب و وكانة في الهادية فكانات السنونة البنائية المحامس عشرة عن 1920 حراة طبع وشيئية وأكثر في النجر وكتاب الساوفة بالب الإسابة من 8 مالة الجاه مصبع وشهرية في الشيئة في الشواء سبنتان والعبدائة سنة مؤكدة ثم جان بال الرائمة في الرائز الخالكية الوجوب وميل واحدة وعليه المامة

وع اكست في الدهر السحيان و إداميكام ندق على الوجوب من أي نو كها ملا مقر بعرار وقرة شهادته وبانم فلحوال الرئيسة في المعارفة عن إكساسة عن 1907 م و وطبع معينه و كد في البحر وكتاب المبلوفة بياب الإصابة و عن 1977 م و وطبع و شبعيته و كندا في خلي كثير وأكتاب المستودة فعمل في الإصابة من 1977 و علم مبيدي كتب حاله وي.

ر ۱۹۳۱ مار کی دائش دورد به اولید می فی اعتبادی در در دارای فی کن می فی از قراری قرار می به به شمال شدن کار این فرد و افزار ایران و اینکه از تا به ایران کی در دور به ایسان می به به به می پوان می ایسا ایران فیسادی والی به سه

(1) مالت ثار ميانت أن ميانت أراب (10) ما تول ثير إداة (10) ويدون ماراني ورزان (10) ويدون ماراني ورزان (10) والمرافق مياه أثم والمرافق إلى والموسيق أنه المنظم والمنافق ميان أثم والمرافق إلى معافلة من المنظم والمنافق من كان ميان أنه عليها والمرافق على معافلة من المنظم والمرافق من كان ميان أنه حصلة من المنظم والمرافق من كان أنه معافلة من المنظم والمرافق من كان أنه معافلة من المنظم والمرافق من كان أنه معافلة من المنظم والمرافق من كان أنه منظم على المنظم والمنافق المنظم والمنافق من كان أنه منظم والمرافق والمر

محود وفيالعد وزمشي عدر بالقاسم العلوم وتراج عج

ہما حبت اوریا کی ڈیئٹ سے دیت کروممر کی ہما حبت کرائے کاظلم

ه ان ه

آریا فروست میں جان از یہ موزی مطرک جو کار میں گھرار بھا اور با افادی از تک اور دینت اور اوبلاد و تا مستم وجود سے پاکستان ۔۔

ا قال جد وال 1200 فال 1200 في كان الما المواقع والمد مدر بهما او كان مسجد طريق حال الجماعة في الما المحمد طريق حال المجماعة كليا في الما في المحمد المدال المحمد ا

ا رئيس بعدًان (۱۵٬۵۵۳) ويد پريت و فيد مينا في نات الادان عن اخر شرح النبية عن بي سوست الله لا الموقكي الحياطة على الهيئة الاولي لا تكره و الانكرة و هو التينجيج و بالعدول عن السيخرات تحتف الهيئة كذا في النزارية - و في التناز حالية عن الولو لجية و بديا حد -

د) مستنسكتورة (كنيف الاستدال الداعد الدكائر و علائمه السامق ، بن داد ، ضع مديني النب حادث وكيدا في
 مد حد ج الدخ الرائد (كاناه داد الداعد الداعد (قط الدياف العرب داد ج) د مدع ادارس اكتب جند) و عد الن
 مد عرج المدينية (كاناه الرائد الرائد الدياع الدياع على العرب إلا الدياع الدياع

مندری با اعبارت سے حلم دان اورکرٹرار ما دیے باداؤان داتے میں دبا ویہ اول میرکمل میں وال ہے اور کی بات کے سے دریک افرائی میں بات ہے۔

العنی اوگوں ہو خیاں ہے ایک روز زائدت ہوا ہوا ہوں وافوائد سے آگئی تم ووجھ کی ہے کیوائی کا یو خیاں۔ دروائٹ سے فقیر درمیم اورائی کی میر رہے ہے اور انسان فیال آرج مو دو آرے!

ه څ ه

ام الدا التي المراد التي الرئم التي التركي إلى المراد التي المراد التها التها إلى البرائد التي المراد التها التها

موانعا تُرنِين في مد وباليه طفعل المرادي أن ترتزي ارتبار تبار المين الم

وي الدائع والمسائع واقتاب الصنود فصل واحابين بهذا وطوب الاقال أدمي (20 مرع) العرج وشايطها. وكذا في الشامية وكتاب الصنوف باب الإسلامة عن شده مرح الشيخ مامد أكرام ي: وأكبا في البحر فرائد واقتاب السندمة باب الإسلامة مان إلى المستجدة في رشيدان.

هم الديارة المعدوي واكتباب الصابرة، إن الإسلام، تعامل الراقعة واعدم كراف المعاطب لبنا عر مشاهد شارع. المعادر من الدولة الدولات براء شم مكله مذا العلوم الراجع إ

FA1 إليا (1914)

کی بڑیا واقی ایاب ایک عمل مہاج وادش کن در آب در مقاب ادر او صدا میں اوابت نے قائل ہے۔ بھی اسم وادہ در ہی وازک کی در سے ایا تا بھی جو انداز کی اور اور کی جی کوئی شروعی کی سرار میں کا جو ان اور استا اور ایس میں اول زک جی راک ہو اور سے محقق ہے و مقاور تم کی تقدر کے ورا کہ وقد مال کے مام اور اور مقدم میں کی در در بیٹر کیے اور ایس آجی تا ہو اور معدن زرانیں سے نظام در تا تا اور اور اور اور اور اور معاور کے تو ان موقع کے در اور ایس کے تو کو در اور ان اور اور اور اور اور انسان کی اور اور اور اور اور اور اور

ورثة كانن ندوية والي كم وادن كي المامت كاعم

4 J 4

کیا فریات میں معاود میں مشد قریل بھی کہ ایک قابلی عالم ہوند شریعت فوت ہوگئیں۔ بوقت وفات موصوف مرکا والمیدوہ کی اداروہ بھائی درکھنے وادر الدرکا صل قاند و بھی مالام موادعت کا انقال موصوف کے انجی بھادیات نام پروہ بھائت اور وقی ووج معامل کی موجوییں سال آئیا مرکا وسو نووہ دراخت موسوف سے شرعہ حقدار میں بائڈ کا کا المید موصوف بانجانت نہ کور آمیاتھم جائد ہوگا و کئے قرر وازی سال میں دعمین المید موصوف کا شرعہ کیاتھم جو کیانہ مت ان کی شرعاً جائزت ہے۔

🕹 🏄

(1) حقدار جین (1919) خال سے قریب کرنالا ایم ہے (19 ان خالوں اتحام ہے (19) آس وقعی جیٹی سام صاحب الیک عود ت کا حالی ہے اور سے بات نابت اور جائے قرا ایسے فیص کو جیٹی اور میسی بعاد

- اکستا می انساز چی دستنی در که اهیب حقوق آرستان در بسیم قبایی بین ورکته و گفاید افترانهی می ۱۹ در ۱۹ در حصح رشیده به و کند می انهید به رکتاب امرافقی داشت الاون می ۱۹ در ۱۹ در ۱۹ در صفح رشیده به و کند می الد. اشتخار مع شرح و کتاب افترافقی می ۱۹ در ۱۹ در ۱۹ در میچید کوریی به
- ٣- كسفا قال الله تعالى: (والامدوم: على (الله والعدّوان وسورة السائدة البات تسم ١٧) وإلى غسير روح المعالى: "قاله ثماني والاعدة بور على (الاثناء) المعالى: "قاله ثماني والاعدة بور على (الاعدة) والمعالمي ويبدر ح به اللهي على التمالية المعالى: "بنت المعراة على (١٩٥) ح١٩ على در الكسرة والدّداعي الدر تمسير (١٩٥) ح (١٩٥) على المعالمة بالبالمثانة عن ١٩٥ م ح (١٩ طبح سيد).

چاہیے (⁽¹⁾۔ اگر ہے آوان کو معزول کر کے گئی دوسرے آئی تھی کوان میلا جائے ^{(19) ایک}یان ٹریڈ دیے کہ وہاں کے اوگوں۔ کرسا مند میر باسط آئر واضح موتوان پڑھی کریں۔ ورشہ ہاں کی تعتبق کے مطابق بھی ہو۔ واللہ ابھی۔ اس

احكامشر بيت ومن بيت فرت والي كما المت كأتكم

♦∪﴾

کیافر مائے ہیں علاوہ ہیں ور پر مسئلہ کہ ایک میں سئلہ وراقت میں شریعت کی خرف استختا مرتا ہے۔ اگر کیف و حول صاحب کرنا ہے کہ اس شرقی منظ کو نہ چینوں کو گالہ اس میں اس کا ڈاٹی انسان تھا۔ کیکن ہوتی نے شرق سنتا و حاصل کر رہا ہے جم کی پادائی میں مولوں صاحب نے ساری ہر اور کی کو مدل کے نظر ف کر کے ایک فتہ فتہ تھیا ہادیا ۔ جس پر بہت سے نساوات خلاف شرجت و فقا ہوئے گئے ۔ کیا ایپ سونوں سے جورو من کا پابند مواور شریعت کو بیس بیشت ڈالے جگ کھتان شرجت کی مبلی کرتے ہو ۔ کا این پارٹی ہتا ہے۔ اس ۔ سرمام سلمین کا تھتھا ہے دکھتا ہاں کو لام نماز بنا بارس کا وحق شرتا ہائی ہیں کو تعیم وادا اور سے سے اجوانی تروا۔

علق کا احتمالیا ہے جو مواں میں دری ہے تو واقعی اپنے تھنے اگر واقعہ ایہا ہے جو مواں میں دری ہے تو واقعی اپنے تھنے کے ماتھ تعلقات ^{(سک}وروس کی امامت جو نز

 أكسد من المتواسسخدار ويكور ومامة عيد) - وعامل وكدب العيثرة، باب الإمامية عن ١٩٥٩ ج.١٠ صبح مسيده وكشاعي خلاصة المتعاوى وكدب العيلوة المنص المعامل عشر، عن ١٩٥٥ ح.١٠ طبع رشيديه) وكدافي المدينو كناب العسوة، باب الإمامة عن ١٣٣٣ تا ١٣٣٤ ج. ١٠ مضع دار تكسن)

 "كست في المعراف علماً في مع شرحه وسعل به الإنفسة الداري بالأنسى بوطّر، عليه والمراد أنه يستحي العرق وكما الدائر فيها وقد عاب الإسامة، من ٩ وقد يج ١ عظيم متحدة وكما في البحر وكتاب الوقف، عن ١٩٥٠ عجم طبع و بيده إ طبع رفيده)

وهن الفناوي النامار حالمه في مكون مام مقوم في الصلوة فضلهم هي قطع والوراع والنفوي (كتاب الصلوة من هنواحق به لإمامة من ١٩٠٠ جاء عليه ادارة الفرالي، وكذا في الدرا منحتار واكتاب الصلوة، بالرمالادامة، عن ١٩٥٧ قالمه فاء جاء طرح منطب والذاهي النهر مدائق (كامر، العبلوة، ١٠٠ الإمامة من ١٣٦٩ مح ١٠ مشم دار لكت م

خيمي (4) آيين والفرني تشوق متري من ويوري من ما وسيداً منا شنط الأستمون وروست والمؤرم منتي الراؤات الرئيس. والقد مم

تعوزان المدعنات والاستكام العواشان

ال شخص کی را مت کا حکم جس پر مجبول انتسب دو نے کا اعتراض کیا کیے ہوا

ع ^مي په

ج ٽ ج

ورصورے مقول خانہ باکن کیا ۔ ہو از باک کرنے اور ہے۔ ویکن باکس نے توال بلاک نے اور اور است واحق انکے جائیں کا کئے سے زمان است اسکاری خان اس

. الاستواني من الماكات أقل ، وروا الو

(ع) ويسكر داديا به عدد العرابي و داست و أصبي الامرائيجين (و داستن المن السنت ... و هو قدد از ح عن الاستفادة و تسميل شيرائية من و دكت الكسم اكتسرات النبية العاراتي ... الفقة عقله اكراهية تقديمه بأنها لا يهم فأمر ديبة و سأل في السيدالية القرارات المعقدة وقدة حالة طليهة إقمامة مداعد ... حين أن كراهية تقديمه كوافعة لحوالية الراح عالم حيثر الحق و 20 قد ح السيال الإطاعة منطقين و 20 من حيث الأكبر من 2 و 1 مكان المسلوفة اللاجي الإلامة والمعدد و كد عن أشجر الرائق إلى 100 من ديب الإسلامة وعيشات...

والأوسى سالاحدثمة أعلى بتحادثم العبالوة ... فينا إداعية من طبراً قامير ودغياء مدمنة القوافة ... والجامليس في
دوساء ... وراحدت والرفاير حيل و توسيطير خواص ١٥٠٣ و و الباد الحاصل في ١٥٠٩ دوغيفي التالي قاج .
راهيورد .. كرا هي دار المحترا والح الرواف حوار و من دغواج جاووار والإحادة و عرب ...

كعافي المعراد الزامل الممامع الماسالإمامة والتعابد

يزيد پيردمت دفت آن نسد بار دهي شنوت النتيار آن آن دارندي مامت کاهم الاش الا

اش والنده المدود معا وآتی و کیا افزاق ہے۔ تدریدہ الی مثلاث کریا بھٹس پر پر پر افزات کیجا ہے اپنے افغان کو امام ماہ کا بار السیار اگر امام دوقہ والی منت و جانوں ہے اور امریکی افزاد کر منتظ میں و گوں۔ او الدام پر بیائی منت کا سنتی مجتلا و اس را کا چھپر قرار چاہتی ہے آئی ہے۔ اور فعم اس و راسے میں کئوے افغانوں اگروٹ ہے انے کا کرکھی ہے تا

ا نَ ه

یا ہے کے بارے نئی تعویت کرنے والایکنس، واستدال نے ایٹ والی مادرا است یا ہے ور یاتی وہ کورل خوارد وکٹر پائے میں ملائی تاکہ ابتد وابند تھم۔

فهوالدون العاول فالمنتقى بوراساتاهم بمسهم يتمان

مالم كَ مُعَادُ فيرِد م أَنْ يَجِيدٍ

وأأني فتاء

الیافر مائٹ فی سروری کر ایل موریت که پیدا کادن ش کم کافیش او سائل کافران کی حرف سے افراد جو درایت کا ان کس بیستان وقی معاصر و رقمی موریت کوئٹ بی برب زوگ نا کوروا اکافران کے درب ہوئٹ کی میریت معاد تا بعد داکی جاتی ہے واقی معارب جائل اور کے تعلق ایک مالان کس بھر ہے جاتے ہے۔ جائی میریت میں بیٹ اس بیٹے کئی کا ان مالی بیان کیرمالم کے بیٹیس کائیس ہے اس حرق کا کا دی تھی ہے کہ میریت میریت میں کائٹ میریت میں اور میریت میں بریت بھی فی میٹ سے دار جائی بھر ہے جائے ہے اور ان میں کہ بھی کر تم بولی میریت میں ایک میریت میں بعد ہاتھ کا ان ان بالدر اس نام ان فیان ایک تھی مائے تھی تھی ہے تا اور جمعی میں انہ میں بعد ہاتھ کا انہ بھی اور انہ انہا کہ انہ کے بھی تھی انہ میں جمعی میں میں دوروں دیں۔

۱) افتلون رخیسه داخل ۸۳

対心を

را من گرکی ساده معلقه المستجد من هو اولی بالاهاما من هاه المهجلة قاهاه المهجلة قاهاه المهجلة المهجلة

٩ و فقاه بي بعالمنگويد، في ١٩٠٩ - ١٠ د نبات التجاميع في الإمامة (الفصل القاني والحج والبيديات

اله السحنة مع برداسجيد أمر ١٩٤٥ م الديد الإمرماء سفيد

كداهل لنجر أألل عن إذا الرجاء بالإطامة، كتاب عسمة، رشتهم

- (ع) قرار هيم بن سعد عن أنه عن حدد غيداء حين بن طوات أن رسوي الله على الله عليه وستونته النهائي إلى خيداً وحين بن طوات أن رسوي الله عليه والمتونته النهائي على النهائي إلى خيداً وحين أن يتأخر فأوماً إنه التي صلى الله عليه وحيد بنشرة غيدار حين حجيج الله عليه وحيد بنشرة غيدار حين حجيج النهائية عن من من من عوات إلى الله حيده ودر لكن العليم يروميه كد في المعارد عن منشرة عن العليم عن من الله حيده ودر الكن العليم المناسبة عن الدراء عن الله عليه والله عن المعارد أن حال المناسبة المناسبة عن المناسبة عن المناسبة عن المناسبة عن المناسبة عن المناسبة المناسبة عن المناسبة عن
- و قال تعديداً في متقيدة بحير المحجدة والمراواة من قال الدران أبت بدوا ١٠٠٠. العالمي في المحاداة وفي تعديد الكالمي أبد بهي عن المحاداة وفي تعديد الكالمي في العاداة والمستحاصدة الناس أبد في المحادلة والمستحاصدة الناس أبد بهي عبدالوجب والمستحاصدة الناس المحدد في المحدد المح
- المادر المدخشار مع أدر مسحدة المن (1966ع) المناب الإصامة أكتباب الصلوة مصاب كما في
 المحرائراتين عن ١٥٠٥م و ١٥٠١مب الإماماء كتاب الصوة والبندية الذهي العالمكورية. عن ١٨٥٠
 ع ١٥ الباب الجامل في الإماماء القصل الثاني والعوم شيدية.

کھنے ہیں۔ (صل نسطنسناً) ای کسلامسام الوالیب مستمانوں پراوزم ہے کرمیوری بھی اوپن مانہ وہ طل کوی ارم رکھیں۔ فقا والفرندانی اہم

تراوح میں امامت کا حقدار کون ہے

ہ`ر∕ک

کیا تر التے جی علا دوین در میں سکر کہ آیک ہتی جی ایک حافظ صاحب تر اور گیا ہوا تا ہے اور ساری جا عمت سنون ہے کہ کہ جاری ایک سنی کا حافظ تر اور آئی پر صاوت سے جھر چندا وی اختیاف کرتے ہیں کہ ان ن وفقا صاحب کے بیچھے نماز جائز تھی اور شرارے کے النے گئی سے ایک حافظ صاحب کو ارتے ہیں۔ جہدائی حافظ صاحب کی ایک سمجہ جی ہے۔ اس کو بجوز کر صرف شرارے کے لیے مقابلہ کے لیے آئی ہو است اور آخر کا دائی مسجد جی دور جماعت کی ایک موجہ ہے اور آخر کی اس کی سمجہ جی دور جوالی بھتی کا رہنے والا سے اور جس کے ساتھ در اور اس بھتی کا رہنے والا سے اور جس کے ساتھ در اور اس بھتی کا رہنے والا سے اور جس کے ساتھ در اور اس بھتی کہ اور اس بھتی ہوئی ہے اور اس افراد صاحب باہر اس افراد کی اور اس افراد سے اور اس افراد سے اور اس بھتی ہوئی ہے اور اس افراد سے موافظ ساحب بھی ہوئی ہے اور اور اسافی صاحب باہر است سندی سنون کے انداز میں اور است موافظ ساحب کی جماعت سندی ہے ہوئی ہے اور اور اسافی صاحب بھی ہوئی ہے اور اور اسافی صاحب کی جماعت سندی ہوئی ہے اور اور اسافی صاحب کی جماعت سندی ہوئی ہے۔

क टेंक

فقيا من تقريح قربان بكرا م مقرد ترفي عن وفي المحكة وب- أترنمازين من تسب الم يك ياد به من المسب الم يك ياد بين المسب الم يك ياد بين المستقل المسب الم يا الفوم المستقل المسب المسلم ال

........

١٠) الفوالسفطار مع وهالسمفارة من ١٨٥ م. ح١ د ياب الإيامة، مبيد

[.] وكذا في السفر حديثة أص ١٩٣٧ : يعدد ودر الإصامة، كدات العملون، فقيع التارة الفراقي، كر انهي... وكذا في خلاصة المتناوي: عن ١٩٤٥ : جداء كنات المسلون، النصل مساسل عشر در نسبية...

الدرافيجتار مع رفات جنار: من ۱۹۵۹ جنان بالإمامة، مجداً

وكند في الصالمكيم به احر ١٨٦٠ ح ١١ الناب المحامل في الإعاماء الفصل الثاني الح وشيديد، وكذا في المحر الرائق : هي ١٠٦١ ح ١٠ بالمادلإمام در شيده.

نیس مورت مسکول میں آئر بہلے اوم کے حزال کی قربی وہدان چندا آراد کے بیان کیکس قریب ادام آگئی۔ جالیاں نا ہے۔ وہر ہے اوم کوائی تجدیمی اورت کا تی گئی۔ جماعت کے وہ نے بعث وہمولی شامت شائر کی جالے رائے روائے (4 فقط وائد کر کی اطراء

عالم كي ثمار تيم عالم ها فظ كي نقلة عيس

\$ J }

نیافریات چی داردی ای سند کے بادہ میں کوایک عالم وین ایک صحدے اطلب ادا اوم شکیک جگائی کی جدر پر مقتری ان سے در طن جو شکام اولی صاحب نے مامت چھوڈ ای افعوں نے اکید حافظ میں مب جو دین کے مرائل سے ناواتف میں اور قرائی ٹر نیس کی مردوج نے چھوٹ اورائیس نا تک سے نظر سے جی کوایا مقرر نیام اب وجوافظ صدم ب نیسٹا لگ پر کھڑے اورکر فار براحات جی کیا اس ما بقدہ کم کی تماری الدوام میں حافظ معاصب کر جانج جائز اس بالات اس سے اگر جائیڈ اوکر رہے جی جائز ہے ایک اگر کوئی اور الدوام اللہ کا کرد جائیں جائز ہے جائز اس بالات اس سے اگر جائیڈ اوکر رہے جی جائز ہے ایک اگر کوئی اور

विधेष

نر زان کی اوردوسروں کی اس حافظ ہے جب نے بچیج جائز تو نے کینی اُنفال وائد ہے نے کہ مشاقی اٹام کی سائم یا عمل محی قرآن اٹا تھے پڑھنے والے کو تشرائع جائے ''ان تشم کے مانطانوسٹانی عامری امام تقرار کرنا تشرور ہے۔'' مستنقل المام کے ہوتے ہوئے اس کی اجازیت کے بغیر دوسر نے تخص کے فراز پڑھائے کا تشم حافی رائیں

هِ کُلِ بِلَهِ

کیافر ہائے چیل طار و این در ایں سنڈ کیا گیا۔ مجد کا فام حافظ انفر آن مستقی امام ہو، درمصلی امام نے جائی کی اپنے اوبازے اور دیشہ متدل کے دو مرافعام دہب آیا تینٹی ارم مجمی موجود ہوا کا سے کے لیے مسلی پر کھڑ ایس جائے اور اس فام کی اورا کیے متند فی کی آئی ایس عداوت ہوئیا متندی کی شماز ایسے اوس کے چینچے دو ہوئے گی

٢٥ ويكرونكرار الحياحة في مسجد محلة الفرائسجيان من ٢٠٣١ ح٢ (حصاد) باسالاماحة م

. كنيا في الهندية، من ١٩٥٣ م ١٩٠ قيات الجامع في الإسمة، رضيفيه، كنيا في العقه الإسلامي عن ١٩٠٠ - جاء كنان تصليم الاعجل العامر (١٤ العكر).

 و الدينة أحراج ينقس محص فلاحد بالإعتدار سيره أولي، والسنجر : من ٢٥٠٠ ح ٢٠٠ طالب في العامة الاعراء سبيده ولوقتموا عير الأولى وأستروه في العامة التراكيب عن ١٥٥٥ ح. ١٠ عامد الإعام و شبيعات ا و مشقری کوجیش اوقات در است تمازش جب که بیدا است کی پرجور خصرتی آب تاب اور بیکن ایام جوگهستنقل امام کی بنچ اب زیند بیما عند کراتا مند به است به بالغ کزگی بیمی مرصه زیز دسال سے کوریشمار کی رجمه انگاری همچند میکن فیم کرتا روز شقری مجی ایک اس به نالای ہے۔ جو کہ فیکر دولا ہے ساز داد کرم جوزب نیس قطی و احادیث همچند سان فرمادی ۔ همچند سان فرمادی ۔

ءَ نُ لَا

معلوم ہے کے مستقی امام کی موزو مئی جی اس کی اجازے کے افیا کی وسرے تھی کوا است کرائی تاجاز ہے۔ اُٹرامام مستقل مراحت اجازے ایدے یا وہ ان کی امامت کرائے پرجرافی ٹیٹن اورالیفی والت اورات ہو تب المامت کی سکا ہے الگ جائی فیرا جائے ہی انٹری ہے تھی انٹریز پڑھا کے ڈیڈر ندرو جائی ہے۔ اگرچا ایسا کرتا روست ٹیٹن ہے۔ جس ایک متلای کی این المام کے ساتھ مداوت ہے اس کی اُرز تھی ایس امام کے چھے اور موجال ہے (''کے بھی جداوت اگر بادو چشرفی ہے تو جوادت کھئی بہت برق بات ہے (''کار وور تو پرکرک مداوت کوال ہے رکالی ہے اور اُزیرہ ماں ہے والح اُزیر والمحرومی بھائے کرکے ہو اور تو پرکرک

^{) -} ولايلوم فير من الراحل في سيطانه ولا قلم عن يهم التي الكرائلة إلا الدهم، وام مسلم، مشكوم المعتموح، - كتاب السلوة، مام الإصاباء عن ما ١٠ ج. ٢ تقييني -

واعلمه أن صياحت السند وكندا إمام المسجد الرائب أولى بالإمامة من حيره مطلقا أي وان كان عوم م. المساطورين من هو أعلم وأثر التمال والمتحارم من 2004 من الامامة كثاب العانوة معيده كنا في المتو الرافق : من 2017 م 10 ميان الإمامة كتاب الصفوة وشهدات

ه من التي هر براة رضي الله عنه عال قال و سوق الله صلى لك حته و سقم الجهاد واحت الذكام مع كل أمير البراكان أوما عبراً والمستوه واحدة علي كي مسلم براكان أوقاجراً وأن عمل الكتائر ، منن أبي عالام كتاب السجهاد، يات في القور مع كهذا ليجوز على ١٣٥٠ م ١١ انتقاع، على القدام وال تضمرا حازه القولة علم المساؤة والسبلام، مستول علي كل بروناجره تبيين الحمائل : من ١٣٥٠ ع مداد الاصفاء باراتكتب بيروساء كذا مي الدائم فصاحح على ١٨٥٠ ع مناه فصل في مان من حصح بالإمامة برشياده

هم العبي السعياب من النفش علامة من غيرات الم ظاهر العيف عليه الكفراء اكتابي المقاه صدد و معافق عليه الكفر إذا المشتر عباطيعا أو فقيها من غير مبساء الهيامات إلى ١٩٦٠ كتاب السيراء بالباستكام طعران بن ١٠ يا ماراهائي الإنسليم و لمقدم واغية بعبو كدا في المعرائز التي عاص ١٠٠٧ م عام كنات العبراء عاب الحكام المعرضين الرشيديات

³⁾ والتعلق والعالمي أن التروية من حميع المعاصل واحدة وانها واجعة على القرر الإنجور بأحيرها صوار كانت المجمة المشرعة أو كبرية الصحيح فللمستواح على مع هذا الخال القرول ، من ١٩٥٨ ح. ٢٠ التاب التروية قديمي أو فقا على ووح فللمستاسين عن ١٩٥٨ - ٢٠٠ احيال الله التروية على مشكوة فللمستوج عن ١٩٣٠ - ١٩٣٠ مو أحداث على مشكوة فللمستوج عن ١٩٣٠ - ١٩٣٠ مو أحداث المدورة بالمستوج عن ١٩٣٠ - ١٩٣٠ مو أحداث المدورة بالمستود عن ١٩٣٠ مو أحداث المدورة بالمستود عن ١٩٣٠ مو المستود عن ١٩٣٠ مو المستود عن ١٩٣٠ مو المستود المدورة بالمستود المستود ا

مردِ گھر ندل ہو۔ اس کی کارٹر چرا ہو۔ طبول اللھؤ مسی حبولاً (بڑھ رال)) عرصاتِ کوئی ہوئی درے تیم ہے۔ فقودائند تھائی آخر

الروسية اللايفية فقوات الجريب مجمع كالان القرار هاد والقحيد وها المسحارية

بای کے ضراب بالا کا اسے کا تھم

غ الليخ

کیافرہائے میں طامزین اس مناسش کے سور بھار یا جانداد ولیے واشران کی موجود کی جیمان کے اقتصا سپانی وار سنتہ کرا ما جائز رہے یا نہ اگر سپانی اور سنت کر سے اور حالدارہ فیر وسفتہ می جول آئے کیا اس ہم کو کی شرقی فقسان ہے "

中选举

معت الماست کے لیے تر ایک سنگل کا جانا اور قرآن جمید کی پاشناظ، درای ہے اور ہوایا مفاز کے اکثر مساکل سے دافق ہوتر آن جمید محقی نامی ہوائی کی ادر مت می ہے سابق امام ہوا درموز اراد وغیر و مقتری ہوں شربا معید کی افراد ⁽⁴⁾ باز کراهن کی جماع اور درست ہے اس بیس نے کی کی ہے جرحی ہے نہ ہے او بی ہے اس لیے صورت مسئول میں امامت باز مرست درست ہوت کی ذیاجا مت جادی رکھیں۔ فقا وافذ نو کی ایم

امامت کا حقدارکون ہے

J

محد مهيد و رفعتل احداء مرسجه قوميرا وفيش بنام والإحداثان وفيم وقوم كندى فوكيرا وفيل عدق بؤرايد وكلن بجدول غان موكن فذكور م رصوده والمنصم -

- فريقتن حق آندند-مدق وقوق اول جو في خود كره بازوقوي مامه حائره كرس له مرقوم كندي فروسيداد خل مهيد

4) والاحمد بالإحامة الأعلم مسكاء مصلوة لفظ صحة وفسادا بشرط اجساد دغوراسان الطاهرة المهاؤريء الإداؤريء الكوائر عادة أي الاكتبر الشاء الموال المناجر مع رفالسجال من ١٩٥٧م. جن مات الإطامة مسلما وكلافي البحم الموائد في الإحادة المحمد علم على المهاؤة المحمد علم على الإحادة العام الجاهد على المحمد علم على الإحادة العام المحمد والمحمد علم على الإحادة العام والمحمد المحمد علم على الإحادة العام والمحمد المحمد ا

ومها مَّة في قوم در وزمر سرك ووْل بيرخود المام شدهام العنس وقوم اواد فكاركرد والشيك ويل ادراء لكل الم تدكر دوام بعدا ذكرفتم بإنات إيثال تعريض سلح نمود دامه بفضل النُدتها في سنطار كرد والم-مودت سلح إني بالقالَ قوم كاتم كروم كيمبرج اسعيدهام محيد لتمريش - بطرطيك بمدازعيه الأخي آكنزه ١٩٣٧ عدمة بق ٣٩١٠ و: خاندي دووس ولمم يذهبي ووبي شروع فواكته - بحصول تعييمون ن ندهب ومسلك مانا ينتنهم كدخوا وكدور ملك يشاود باشد بابشد وستات تاہ دشکہ کے سنداز مدرسہ دیوبندیا کیے از مدر معاہے وہلی دغیرہ حاصل کرور نیاتیں زطرف اوخلیفہ مقرر کردم ہو با تفاق توم خلیفه مغلور کرد ندوحتوق با دامت زمین که کل بعث جریب ست آیدن یک سرحد پیشوی ایک حصرا با م اصلی دا برائے کہا۔ وفریخ سنسیق و زیز عم واد و سے شوند- را حصہ خلیف اداد ومیشود- وتجر مجبور کی در محمد است - حصہ سوم او وصح برداست وووحصه فليغيروا سبت باقى وطائف مرمه مهازلهم نجرخيرات ومرمها بروفكاح وفحير وخليفه واوار وميشود علاوواز ز مین بالا اگر : نگر تنظیه زین متعلقه سجه غرابا شده روزیز یک حصه مام اسلی را دو وحصه فلیقه راست - اینا فیصله برامنی نامياز ديوياست شرط إلى كويركره كم كسفرحب ويلك شاك ^{(الك}برين تقرش كرده الد- ومسقعضاه له الأاحات الأعاج و السيدوس لا يصبح توجيه و ظيفته على بنه الصغير وقد مناه في الجهاد في اخر فصل الحزئية عن المعلامة الميري بعد كلام نقله الى ان قال اقول هذا مؤيد لما هو عواف الحرمين الشريفين وامصر و الروم من عيم تكير من القاء ابناء العيت و لو كانوا صغارا على وظائف اباتهم من اعامة و خطابة وغير ذلك هوفا مرضيا لان فيماحياه تبلف العلماء ومساعدتهم عمي بذل الجهد في الاشتغال. بالمعلم والدافعي بيجواز ذلك طائفة مراكاير الفصلاء الفين يعول على افتانهم اه واقيدها فلك هياك بيد اذا اشتغل الإين بالطهراما أو بركه و كبر وهو جاهل قانه بعرل-

تحریر ۱۹ فرق افقید به ۱۳۳۵ هده طابق ۳ فروری ۴ ۹۳۰ باتقیره بدادند المعروف میان صاحب بازاره ایرول خان وسکل وحاوی خان و کا سده غیره –

جناب ختی میا دب بیلتوکل جنوع الشنالیت ختی مطلب من نه استحضاق خی بیت العالی لیفی و لمده معده چی موجود ہے۔ جناب دالواس فیعلرے جوتوم کے بعض افراد نے تا فولی حمایت سے ایک اینسی فروکونام قرار ویا ہے اورشری ایام کوبنیر جزر فرق معزول کیا ہے۔ حال کنداملی امام شرعرا لکافیعل موجود قرب کیا اس دومرے امام کی خاصت شاہ مت ہے یا گیزی اوروم سے فیعلرکی فرش میشیت کیا ہے۔

٥٤ - و دالمحتار " ص ١٠) لاه وجه ، مطلب في توجيه الوطائف للابن وموسمير"، كتاب للعداء معهد،

∳∂∲

قوم كانفاق سي مجركا بوانام تقرر بوانه وال يمن امامت كى البيت سيخة ووا الم مقرر بى الى دوار سه مخصى كي بين سيخة ووا الم مقرر بى الى دوار سه مخصى كي بين المامت المامت كان الموقع لم يحتفظ في المستحد والمامي تعامل في المستحد والمن من المقوم ومعنصب الأمام والمعوفين في المستحد والمني من المقوم ومعنصب الأمام والمعوفين في المستحد والمني وكلا وقده وعشيرته الملي من غيرهم او المنجود المي المقوم المامت من عبره المستحد الموامد من المنت و مثلة المام المستحد المواحد والمؤمن من عبره المستحد المواحد المنام المنت والمنافع المنافع والمنافع والمنافع المنافع والمنافع والمنافع والمنافع والمنافعة والمنافعة والمنافع والمنافعة والمن

كيالمام مقررك علاوه كونى او وفض الأمت كاستحق ب

*(0)

کیافرہ آئی جی علامہ بن وری مشارکہ زیدائیکہ مجری گفر بیا عرص 20 سال سے ایامت کر رہا ہے اور قرآن شریف کا حافظ ہے عالم ٹیک ہے۔ اب زیراکا کا عالم بن کر مند سے کو گھر آگیا ہے اور زید کی رہنا ہے کے بیٹر معلی سے لیاہے اور امامت کر دیا ہے۔ زیراکا مت ویتے پر دخیا مند بھی ہے۔ باقی لوگ دخیا مند ہیں کہ بینالم ہے اور زیر مرف حافظ ہے اس لیے یہ لم امامت کرے اور حافظ نذکرے۔ کریکھ لوگ اس بات پر داخی ٹیس کہ ذریعہ جمارہ سے کا استاد ہے اور عرب وراز سے مام بھی رہا ہے۔

نده م الدین ۴۹ ہدادی انا ولی ۱۹۹۱ ہو ۱۹۳۳ ہوادگی ایا ۱۹۰۱ میں حقق والدین کے متعلق مدید شریف تجریر ہے کہ اسپنے والدیت آگے بڑے کرا باست نہ کرائے اگر چہ دو کھی کاظ سے ذیارہ فقید ہوا ورائپ باپ سے کھی اور ویکی کھے سکھ اخبار سے بہت باند ہو وصدیت شریف تجریفیں ہے ۔ عرف تر ہمدتھی ہے فرید کا بھر زید کا شاکر دائمی ہے تو آک شریف اسپنے والدصا حسیدے وفت کیا ہے۔

و كساحي السعوالرائل: من ١٠١٨ - وقاء أكتاب الرفعية، بات في المكام المساجة رشيدية.

وكدا في حلى الكبر، ص ١٩٠٥، فعس بي احكام المسحد، سهيل اكيدُمي، لاهور

1) الدراسيخيل من ١٤٥٨ ح ١٠ باب الإدمة طبع ليج ليم سعيل.

الدرانسجبار، کاب الوس، عن ۱۹۶۰ - ۱۰ سمیده.

英心神

صحیری بی جوانام مترد بهدادات بی ادمات که امیت به تواه نام افردی این کناز که کی نیوست ادمات کازیده میخی بید اگرچده مرآفش آفتش وانم واقرائن و در وقد دادرای بی بید و اعساسیدی حساست المیست و مصنه اماد المسلمات الواقب اولی والامامة علی عبود مطلقا فال الشنامی قوله مطلقا دی و ان کان عبود عن المحاصوین من عوادعلی و افوا مید ⁽⁶⁾ فقراد ناخرگی کی مم-

ا، مت کے کیےاعلم کی پیجان

横び声

کیافریائے جی طروق در بی سنگر کرنش ماہتے ہوئی جس نے صرف مقائی امیدواروں کو سنتی قراروں۔ کر تھیں جی سے سب سے زیادہ عالم کو ارست کا تھیں سنتی آر اردیہ ہے اور در سے مقائی علامتی الدہ ہے وہ قرار رک ہے ایک خاص صورت میں غیر مقائی عام کی نرمت کا حوال تی پیدائیش ہوتا وہ طامتہ الدہ ہو اور اس انر نے والے کوئی نہ وہ نمار جیسے او میں شعارا ماری کے سعالے میں ایس مجد (افریخیہ) کی محتمل کی شوائش کو مقابلہ میں جیش کر نایا اسے مصلحت قرار و سے کر مصمحول سے جم ہے تھم تمرق پر سے ترقیج و برنامسمان کی شان کے فاقل منافی ہے۔ تھی

فق کی خدُورہ بالا مندرمہ ڈیل سوال ہے کی روشن میں کہاں تک تیج سے معتم حوالہ جائے کی روشن میں ا پر نیافر و نمیں -

() امامت کے لیے سب سے زیرہ عام ہوں شروری ہے۔ (*) عام ہونے کا کیا موہ رہے۔ فیکا المام ہوئے کا کیا موہ رہے۔ خاتیل

ار الاہوں بھی فرق میں کی خیاد ہے یہ مند ہے بھی دور پارٹ دولی ہی سدید فوج کی استعماد کے مطابق کلے

امدوار ہونا شرط ہے ہوستی امامت کو تنور رہ پڑنے اور (*) تاہم دنیا کی سمان تو میں ہے۔ سب سے زیادہ

مددار ہونا شرط ہے ہوستی امامت کو تنور رہ پڑنے اور (*) تاہم دنیا کی سمان تو میں ہے۔ سب سے زیادہ

عالم کو کئی امامت قرار دیا تھی ہے ہو مقامیوں بھی ہے گئی جا آئی ہے اور ایک آئی ہو اور ایک تاہم ماملاق ہے اس مطابق ہوں کے اندر

امامت کا کوئی اور میدار رہ اور بلد کوئی اور میں اور ایس اندر اس کا در ایک اندر سالوں کے اندر

امامت کا کوئی اور میدار کی تامی المی اس میں ہوں ہے گئی ہو اندر اس کا در ایک میں اور خاتی خاتیاں اس کی تعداد و دیکھے ہوں مشہور ملمی اور خاتی خاتیاں اس

١٠٠ هومنجيم وعن ١٩٥٨م جها ويات الأفرارة الطبع صعيد كو الجبي

واكما ابن حاشيه الطحاوي على مراقى العلاج الراء 194 العصر الى عال أحق الإمامة طبع فارالكات الطلبية . مروت موكذا في المحاطرة نواص الراءة الكتاب العطوم عالم الاعاماء صبح رشيدة الوقاء .

ے بھی تعلق رکھتے ہوں اور فروہ کھی ایسا کوئی شرق تھورند کر بھیے موں جو ایامت کے لیے مناسب ند ہو۔ اس کے باوجو آکی دوسر سے نسخ سے مااد مت کے سامدیش آئے ہوئے ایسے تھی کو ایام مقرر کیا جائے جس کے پاس صرف آئید سند ہو۔ اس کے ریماد کس مجی نسبتا کرور ہوں۔ جبول انسب اور جبول انعمل ہوکیا اس تھم کی تقرری شرفا تھی ہے۔ آئر مجی نیس آزائ کا کیا تھی ہوئی۔

* ن به

جسما اغداز آئن الرجع - بمیں آپ کے نتوار ماہند فوجی کے ساتھ کھل انٹاق ٹیس ہے - بمیں قتیا ۔ کے قام پر ٹور کرنے سے معدد ہوڑیل انٹر بچھ کی آئی ہیں -

- (1) فتها من مشهور ترتيب في التقديم والعدب بيسرف بتقي في يامسنون (1) بيرك في الجب تول بيس-تشرفيرستى كوهي بيب الري في المست بالتربوط مقدم كريدا إلى مخدا بيستنقل المستحق كري بيرجي الري ك المامت به تزيل كراهت بي - تمارش كوفي تقع فيس بي كوباد جوداو في وفقس كي نقد يم يانسب كي مكن او بيا تشرفيرا وفي كوفقه م كرياستعقل المراه والفاف الله في الفاف سنت خرور بوقا اوريا و يوراس كي كوفك فيراو في كريستقي مستقل المام بنا بيطح بين أحين أعم الكورك متافق بي بياب بيل بيل سنداس في دعارت مسئون بيركستي المنسن كالتحاب كريستقل المناب عليه و فقد حوا عبر الاوفي السلوة بالاانب - و في المنسنة و حملة المقول ان العسب في المنقلية الدعلية و سلم فانه كان هو الامام في حباله لمسياء المسئور البيئة و حملة القداء الموسول الله صلى الله عليه و سلم فانه كان هو الامام في حباله لمسياء المسئور البيئة و المام في حباله لمسياء المام المناب المستحد المناب الله عليه و سلم فانه كان هو الامام في حباله لمسياء المسئور البيئة و بينا المناب المناب
- (۳) اوداگرایک از مراتب به ستقل مقرد به اود دمر خفی نیر تقریب به گرید دمرافعی نیات از برد دمرافعی نالد: الد بر یکن شیوت بھی تی تقوی الاستقل کو حاصل بها گراست ایام نماز پر حاسے کی اجازت دے دستی نمیک به دشتی ای امام داخر کان به دوفود کی بزید کرز پر صاحب قبال غیبی الساد دانسد محتاد دوی اعلی ان وصعب حسب البیست ، و حضلت استاح السمند بسد الوانس داولس سالاسیامه حدر غیبرد،
- ا) وطوقت موا الإولى استارا متلائم شدرالمعداره من ۱۹۹۹ م د كتاب الصنرة بياب الإمامة علم معيد كم الهي و كشا في حاليب التضعفاوي على مراقي القلاح الي ١٠٠٠ كتاب الصنرة باب الإمامة طبح فعيسي كتب خانف و كدا مي الثابار حاسة من ١٠٠٠ ج. د كتاب الصنرة من خواجق بالإمامة الشيع دراة القرارة كرانهن ...

٣) الصابه شرح الهداية على هامش شع الفدير من ٢٠٠٤ باب الامامة المبعر شبدته كواتته .

اليسيخض كي امامت كانتكم جس برالزام لكا يا ثميا بو

﴿ سُ ﴾

کیافر بات ہیں مناہے و اِن آیک ویش ایام تقریباً ۵ کا انتخاب کی عمرے ان کے باس سے باس سے یا سے
جور ایک چوٹی کیا کی تقریباً جس کی تمرائز بنا ۵ کی اور اس کی عمرے ان کے باس سے بڑا سے
جور ایک چوٹی کیا کی آور کر آئے کو اگر کے بیار کیا اور پھراس کو مقران کے ایس کے وقت شہر چلے جائے ہیں ایک ایک اس کے اور ایک قب جائے ہیں ایک ایک ایک مکان پر ۱۰ آئی کی جو کرائی امام صناحب کو بائے تھیں اور صرف ہیکا
جا تا ہے برائے مہر بائی معجد میں تقریف نا اناور سے بھی نہ یا حالا بھیاں کی شیادت پر الزام لگا با اور لاک سے
بار بیت کر زیر دی کہلو ایا کہ حافظ ما حب گندل کندی بات کرتے تھے۔ والوک باہر کھیل کر آئی ہے اور کیا تھی

﴿ن﴾

١٥ - در معتار من ١٩٠١ - ١٢ مات الإمامة وطبع معيد كراجي.

وكالذا هي حياشية التطبعيطا وي هيل مراقل الفلاح ، من 1949، فصل في بيان أحق الإمامة طبع مارالكت المشيوم بيروت ، وكما في المجرفاراتان، من 1918 ج1، كتاب العبارة، ماب الإمامة، طبع رشيديه كولته.

به انهها اندیس اسیرا اجتبارهٔ کثیراً می انظن آن بیش العلی اثم والانتخصار اولایت بعضکم بعضاً «سورة التحصرات و بنازه سیر ۱۳۰ آیت معیر ۲۷۰ ووایشاً وقال تعالی فولا اذبستوه علی اسار مون والدوست بانمیهم میزا و فایا هذا اماد میزار و بیورهٔ افزاره آیت سیر ۲۷)

حمدُ وکی بات اس میں بیس ^(۱) روافشوام به

عيوادهما أنب منتي ودسقا ممالعوم لآن

الزوالقعدوة كالحاب

الزام تكفيرتهم المائ كے بعدل مت پر بحال كرنے كا تكم

€€\$

کیا ٹر باتے ہیں ملود ہیں اس سناری کرٹیش آباز کا لوٹی وا وق نے امام میں رکھا ہوا ہے ، عوصہ دوسال کے بھڑکے تھی نے امام مجد پرائز س لگایا دوامام مجدنے بھی انزام نگانے والوں پرائز م لگایا تواس صورت ہیں وہمن اصلاح وز تی اور تمام یا شدکھاں نے امام مجد پرالزام ماکد کرنے والے کی تھم پر فیصلہ کیا اب جیکہ وہ توں قریقین نے تعمق کی ن یا کسکی افعائی ہے تو ہم امام مجد کردکھ سکتھ ہیں ہے کہیں

美色力

شرق ٹوٹ نہ ہوئے کی صورت میں جگرانوام براگت میں مام صاحب نے تھم اٹھائی تو وہ بری ہے (۲۳) تبذا صورت مسئول میں اگران م خدکور بھی کوئی اور طاف شرع بات ٹیمی (۲۳ تو اٹل محید رضامندی ۔ سے اسے نیام رکھ بھتے ہیں دفتے والڈ تو نی جم

جس پرالزام ہواس کی امامت

\$ J

والإرث تحقيقاتي كميني ورباره تنازعه مام مجدجنا والي نفدهم بوريهو زال

 ا) المراسختار من ۱۹۵۸ و ۱۹۵۹ م ۱۰ کتاب انسلان بای الاماما، شع سعید کراچی، او کنف می حاتید اطبیعاوی علی برای افغلاج می ۱۰ - ۱۳ کتاب المینون بای لاماما، طبع ندیدی کتب حاله کراچی، به کد هی افتار صفحه می ۱۲۰۰ م ۱۰ کتاب السلون من موآس بالاماما، طبع داره القراره کراچی.

 عن عسرو من شعبت عن ابنه عن عدد أن البي صلى لله عليه ومسرعال في خطبه البية على المدعى والبندين صلى المعدمي عليه والرمديء عن ٢٠٤٩م ج١٤ باب ماحة في ان البية على المديمي والبنيز على المدعى عليه طبع سعيد كراجي...

. وكذا مجلة الاحكام ماده مم ٧٦، ص ٢٥، ضع قديمي كتب خاله كراجي.

 (والأحق بـالأمامة) تقديما بل نعب محمع الانهر والأعلى بأحكام العلوة) فقط صحة وصدادا بشرط اجتنابه القوامدي الطاهرة كتاء (العيارة باب الإستاء) الرائد كنارج الحي 64 هـ طح محمدي كرجهي. قریق – زیرجوک جا ج سمب (نڈ وال کا فعیب عدارام مجد ہے – اگرین وم کروڈ کے مجد نہ اکا لیک تر ڈی اورار م محد ڈرکورکا کر دومرے ہے۔

روئيداد : - بانبي دوي كي وحد سازيد كي "مدورت كريك كمرين بيناها وهي اورموام برهي ان كي المين ويتي والشخص - كيدوز كومنه مات مين تعاقران كه ينه بطنوالون ينفح بري كواداس خيم م ی است میں ایک آمومناک واقعاک اللهاد کیا اور بی ایک ۸سال ایکی کے ماتونا شاکستان کے آریے کے انزام میں ز پرکومورد از مضروع میسی کاعوام میں خاصائع جا ہوئی -سجدے مقتریان نے رہے ہے کہا کہ آپ برائر م مائد ہر کیا تھوا تاہ فلکے آئے ہے کی مفائی تروہ اے مشیاف آئے ہا است نامرا میں مس کا روشل ہے ہوا کہ زید نے اپنی پر ب کا ہرکر نے اور مسنی مامل کرنے کی خالم مجنس عام شریقتر مرک کیا نسان فھا کا بنترے اس ہے ڈھ جوجائی ہے کو نگر رہ وشنول بھی شیطان اور نکس اورو کے درمیان گھرا اورا سنیا- شرویجی آیا۔ انسان اول جھو سے خطا او بِينَ ہے۔ بجریة بحرب لا مواحدہ ان بسبد او اخطان بے دارا ان کار بمرک کا سے عارب برورد کارتم بھاری مول چوک در خطاف رہمیں تا بکڑی - اس کے بعد کرائے جمیر جو انایا کے لڑی کے بارے بھی الرام لگا پاکھا ہے جھے اس کا کوئی ارمان ٹیمیں کیا تک ترحتم کے انزادات تیزوں برجھیافکا نے کئے اور ٹی ٹی مرم ملیہ السلام اور ٹی فی ن نظرهما بيته بنبي الثد منها جين ماك وامن جبيون برجمل الزام نكاب كنين ميالانهم يا توميري مماست المائن كا تھی ہے بام اامتحان ہے۔ ٹی خدا کو تھم کی مرکبتا ہوں استفاف تھے و باتھ ٹی <u>ہے ک</u>ر کہتا ہوں اور بیت اینہ شريف كالتم كها كركية بول اور تجديش بسيون قرآن بإسبادون كرومس لاكريم سام برركاد وكالعلقاكية بول كه زادره ذكرك من بروق كرين والمعانية يتيس تحي ابر لسعت الله عني المكاويس بإمها- يشرآ وكما ال ا تغریر سے متاثر روائے ۔ لیکن مجلس کی آکٹریٹ نے اتم مجلسی کے ساوہ بھی قسموں کی جمہاری بقین نہ کیا آبچہ گزیز کا اء ينه جوا - تين جلد ي متناز طور برتميار والمخاص برحشتل أيد يتحقيقا في ميلي تفكيل و كان - جس كي تحقيقات كار وو في مسدة مل ہے

کیر کا بیان : - افزعت در زنماز طرب کے جدد جیسی کو بہت کو بیشتر ہوگئیں تا - افزایس کے اور ادراہ وہ بہت کمر آیادروازے پر میر مجاادرا کیا۔ کُولڑ کا موجود تھے۔ لیکن زیر نے بری کُرکی والد تردے کر بلو وا دراہ وہ ری طرف جیسی کا درواز دیکو نے کے الیے ہوا۔ اس نے جیسی کھول وی زیدو ہاں جیڈ کیا جرز یہ نے کُرکی سے بیٹے کے لیے پائی طاب کیا۔ لزی نے پائی کا کھاں کہ رہے اوکر س کو چایا۔ جھرز یہ نے اس کو جا کہ کو کس دیکور کی کر کھران میں کہا کہ رساتھ ای کڑی کہ کہ بند کھول ویا۔ کی خالف وہ کر رونے کی آئی تر چھائی سے بھوڑ ویا اور کڑی ایک مان کے پائی دونی اوٹی تی اس کی بات میں تعتب میں ان کرنے پر کا گالیاں ویٹی شروش کرویں تو ٹر یو وہاں ہے گل کر چاد کیا گیجھ دیرے بعد میں وہب تکر قربا تو گھر میں بنگار شامہ یولی سے سال بو بھا تو اس نے زید کی ترکوں کا مواد دیا ترکی ہے باتھی بچھی کمیکی قومی سے ان جاتوں کی تصدیق کی قومجھ نے بدکی اس شرمیدہ کرت ہے تھے۔ صور کرنے کی میں اوگوں میں مزد کھانے کے قربل تیں رہا ہ

ڈ بید کا بیان : - میرے اسکر کے کائی عرصہ سے نہایت استحدم اس تھا کی۔ وزیر کی ہوتی ہیں ہے تحربية كرتسنية تكي كدميرا مناوزة تمعارا كبرا دوست ہے است سمجھا نمين كر وہ فلاں فلاک و چنن مورتوں ہے تعلق قدر محقویش سفاج وب و یا کرچی سفراسیهٔ دوست که ندران قتم کی برانی نین پریمی این منیع میراد سه کی کوکٹرناز بیٹے میں دیتا وہ کئے گئی کہ جم میرے آئے کی تو کوئی فقد رنہ کی اور انتقا جنگا (جمیا) کیہ کروائیں بگل آ ئی ٹیں نے دیکا ہے بہمرا ول کے واقع ہے تاراش ہوگئی ہے اور اس کا انتقام کھنے والی ہے۔ کھیوٹوں کے بعد میں کبر کے کمر 'گیا تو وہ مفہوم جانب میں لیٹر ہوا تھا۔ سب دریا دے کرنے مراس نے کہا کہا اس کی موریت بنے مجھے ہوا م بٹان کیا ہے۔ براورتوں کے بارے میں مجھ سے برخن سے اس مقت میں نے رہات کہروی ک ریا ہے تواس نے جھ ہے بھی کہی تھی۔ ایک رہ ڈیٹس کچر کھر کے گھرالیا میں نے ایل خانہ کو آ داز - بے بغیر بیٹنگ کا مرواز وکھواوٹا شن نے ایک آرا کہ رغیر آ دی کھر اس کرگھر شن کھرکے بیوی کے کندھوں نے ماتھور کھے بوے کٹرائے میں نے ہر کی بودی کوالیمی طرح ویکھا ادراس نے جھے دیکے اوراس فیرمحرم آ ای آوا ساتا و کے کرا کیا۔ طرف کرویا۔ انتخی یا توں کی شامش کی وجہ سے اس نے جھورائر کی کا الروم لگا ہے جا اناک ہوت ہے تھی کہ پھر کے کمی دوسرے ووست کی ج رمی فی اطلاب دینے کے لیے مغرب کی نماز کے بعد بھر کے کمہ عي - تؤكي كوآر الدي ادر يو جها كرتم الإكبول ہے - اس نے كها كركيس يا برجلا كيا ہے - يس نے لاك ہے بینفک کا درواز و کلوانے در پینک میں بینی باء بھراز ک سے بانی منتواکر ہیا دو محاس رکا کر بھر بیننگ میں اً فَي تَوْمُن مِنْهَا مِن سِيمُها كُمُورُ فِي مِن مِن جِنبِ تَيِواللِّهِ أَنْ سُنَّا كُلُّ وَاسْ مُن مُعالِم و ہاں نے ہو تھا کہان نے کیا کہااور یک گفت جھے گالیوں ویلے شوویل کرویں ایس نے کہ جمرے لیاز جوٹی) میراقسورٹیس ہے تو تھے کیوں کا ایوں دیتی ہوا در جمور ایسا افر مرکزاں لگاری پر گھراس نے ریک نہ تو تیس ورزي يصطفا أبا

تنقیع : - (۱) بب آپ کومعلوم تی کرده توست تھے ہے ناریش ہے ادراعقام لیان جا دی ہے تو آپ رات کے دفت ہر دک میرم موجود کی جس اس کی میتھنگ میں کیول تھی ہے۔ جمالے دیا کر برا خیال تھا کہ دوجلہ می آ جائے گا ادر میں خیر دیے کر فادرغ ہوجا وک کا - (۱) جب آپ کرے گھر کے دردازے م محتاس کا ہوتہ ود نوکر وہاں موجود تھے یانیں ؟ جواب دیا کہ موجود تھے۔ (٣) جب دولائے ورواز سے برموجود تھو ہ آ ہے ہے۔

بیٹک تھلوانے کے لیےلا کی کوگر کے اندر سے آواز و سے کرکوں بلایا جواب کرٹس بیری لللم ۔ (٣) کیا اس

ہیٹک تھلوانے کے لیےلا کی کوگر کے اندر سے آواز و سے کرکوں بلایا جواب کرٹس اٹ الزک کا کودش یا فالیا کرٹ

اورا کو مرتبر اس کے بوسے اس طرح لیٹار ہا ہوں جس طرح آیک باب اپنی بٹی کا اور لیٹا ہے۔ (٥) آ ب نے

جس فیر خوج محض کو کرکی ہوگ کرمیا تھ مشتبر حالت میں و بکھا وہ کوئ تھا؟ جواب دیا کرش نے اس کوئیس میجا ،

(۱) کیا آ بہدئے آس فیر حوم محفی کو معلوم کرنے کی کوئی کوشش کی یا اس دوز سے اپنے ووست کو آگا کا کیا

جواب و یا کہ میں اسے و کیکو کرپ چاپ والیاں جا گیا اور دیجی اسے دوست کو نے تو ای کوئی آپ کا اور کیا۔ (۷)

جب آپ کے ووست کے عربی برائی جنم نے دری تھی تو اپنے دوست کی فیر تو ای کوئی آپ کا فرش تھا کر

برائسوس کر نے تھے جیں۔ (۵) جب برکی جو کی ایوک نے آپ کے کھر جا کرشکارت کی تو کوئی اس دیے کا فوش علی اور شخص کی موجود دیتا تا برواب ویا۔ اس دہت برے اوران کے مواکوئی تیمر المحض موجود دیتا اس دیک کوئی ہو گئی علی گئی موجود تھا۔ جم نے بالکل علیم گئی

ر پورٹ میٹی :- (ه) مهران کسٹی نے جو آو اوا ابنا کی طور پر تفقیقات کی جی اس بھی تی مردوں نے اور طور تو اور ایا کر دو تا تھا ہے کہ جب از کی کی والدہ وا ایا کر دو تا تھی تو ہم موقع پر کئے ہے اور جب از کی کی والدہ وا ایا کر دو تا تھی تو ہم موقع پر کئے ہوا اور کی کے جا تھی دو یافت کی کشمی تو اثر آن نے وا تھا ت کا گئی تو از کی کے جا ان کے مطابق ہے۔ کسٹی اس پر احتاء کر تی ہے۔ (ع) ذید کی تھر بیا دو تا کہ کا جا ان کی کی مور وا تو ایا ت اور اس کے جا ان کی سابقہ تقر بیا تھی مور وا تو ایا ت اور اس کی سابقہ در کئی ہم مور وا تو ایا ت دری ہے۔ (ع) تا تھی ہے کہ اور ان ہو تا ہے کہ جو ایا ت سے اپنا معلوم ہو ہے کہ اور اپنے اثر ام کا جو ان اپنا ان ان معلوم ہو ہے کہ اور اپنے اثر ام کا جو ان اپنا آئر ام ہے دوم ہے کہ دو اس نے بر تو مور کے تام پر نور می کئی اثر اس موالے کے بھی ہم کہ اور اپنے اثر ام کا جو تا ہے کہ اور اپنا آئر ام ہے دوم ہے کہ دو اس نے بر تو می کہ کہ تام پر نور می کئی تام پر نور کی کہ اور اس موالے کے بعد موجہ می گھوڑ کیا ہے اس تھی تر بور کئی جو اس موالے کا دور کر وار کا اس کی معامل کی تام پر نور کی کا ایک طال نا اور کر وار کا امام کی موال میں اور کر دوار کا امام کی موال کا دور کر دوار کا امام کی موال کی کا دور کی کیا ہم کئی گھوڑ کیا ہے اس کی موال کا دور کر دوار کا امام کی موال کی کا ایک میں کر دور کیا گھوڑ کی کا دور کر دور کیا گھوڑ کیا ہم کہ کر ایک طال کا دور کر دار کا امام کی موال کیا کہ کی کا دور کیا گھوڑ کیا گھ

♦6%

بالغرض ابام فركور ير خركوره بالاتبت أكر فابت تجمي بهو جائة ادراس ك في الواقع خركور وحركت ناشا أت

اس الشفارات بعد الان منتی مجالند نی اس کا فیسد آنیا ور نیسی به مفتی محود مد رسب کی تعدیق ارق سبه افیسله تقی اید ند سا دب سال بی استین از حالت بی و مهمید الوی عبد همید حاصب میدان از عاصب ور مبرای مجتل سالک کسال از آن فی طور پر بات بیت آرات ورفور اقرار کی مدار سال سالت تنظیمان و ادام مهید مولوی مجدانی بید کی بیش نظر به فیسد تو برای املاد قرار این املاد تران مجدان برای مولوی که برام شرع افراد سب الموام کا ایر نوانس مواها از ماست کو عبد و شده فیسی ایست از این کار مقامی مصرف از درخی امران این امران کار موان مدار این امران کار این امران کی در این او در این او در مقامی مصرف از درخی کشار این امران کار موان مدار این این امران کار این امران کار مقامی مصرف از درخی کار از این مصرف از درخی کشار

 ⁽a) ساملین میں انتقلیدی و مواقعور می این الاستفاره و نمی البر درم بی پر باشت اشتخار کشتار به التغییر الحی اشتاری
 کامات العملوم؟ معلی بی ذکر از الحجاجا بی المستخدام (۱۹۵۰ م ۲۰ طلع مگده و شاده خدیدی و احداد می به این سام مواد آب بسیر ۱۹۹۵ و واصلهٔ می

⁽الاسمان سالام المداعد عالم الراحد (الأعلى أحكم مرسوة فقيم البحث ما الذيائر فاطعتان المتواجئر الطاهرة (والمتحار "كانت الطلوم (بطف الي تكوار اللحاعة في الدينجد من ١٥٥٠ ع ٩٠ طلع و نبيايد) حجيجة وابتصافي الهداء الهام التعامر في الراماة (القصر الثاني في عال من حاً فق الإمامة في الدينة عام ١٥٠٠ عام طبح المتحار المتحارث الم

والمقدأ في المراشرائل كالحاب مصطاور باب الإعامة والعي لا رااه ابيا والصغ مكتب النبدية الجامول

البنائي لسنسخت اولي من الفره سنست راحه وضوفي، فراسختار بع النوي داكتاب الوقت طلب باح مقر أنم ادفي به وقعيد من ١٩٥٤ ع تحتج مكتب رشيبه حديد.

تیملکرتا ہوں کراپ مولوگیا صاحب کو مبیدگی اہامت سے سیکدوٹن کر دیاجائے اوران کی بجائے براورخوروجا فیڈ صاحب مجدند کورے اہام دینیں اورا ال محلہ کو اضار ہے کہ وہ اٹھیں مستقل طور پر اہام رکھیں اورا کر ان سے اور اچیا معتد علیہ اورشنق ملیہ اہام کی جائے تو اے مقروفر ہالیں۔ بہرحال حالات کے بیٹی نظر مولوی عبد الحرید صاحب کو وہ ہارہ امامت پرمقرد نہ کیا جائے۔ فقلہ دائمہ تعالیٰ اعلم

جواب مفتی محود صاحب: - جوک حضرت مولانا منتی مجدانت ساحب بدخار العالی خود مخدم بیرا یهوش تشریف به جاگرتمام عالمات دوافعات کی تملی تحقیق کرچکے جیسہ اس لیے بچھان کے اس نیسلہ برخمل اعتبار سبع دہاں کے مسلما تول کا فرخی ہے کہ دوستی صاحب مدخلہ کے اس شرکی فیصلہ کو ول دجان سے تشہر کرکے اس پر کمل کریں اورا ہے جملہ اختیا خاسے کو بھر شم کرائی سمولوق عبد الحمید کو قائد دائی شم کا ازام یا انکی شدیں۔ ول کی صفائی سے ان سے تفاقات کا تم ریکھی۔ وابت اس نزائی اور کمی دفال کے بعد انھیں امامت جیسے پاک اور مقد ان مصب سے فار م انگر دیا گیا ہے راہذا الن کے بھائی کو اہم بناویا جائے ۔ اس کی وامت میں اب اختیات

محووعة الأحزعني يورساقاهم التقوم لمكالث

منهم ومشتبض كي امامت كاعكم

€U\$

ф¢ф

ان حالات بیں بیاد قطعی طور پر کا ذم ہے کدائی کے بیچھے نماز قیمی بڑھی جا ہیں۔ ایسامتی وسٹیر فیمن جس سے متعلق عوام النامی تک کے دانوں میں شہبات ہوں امامت کے لائق برگز قیمن (10 امامت کا ستی عالم ز تھاری کر ہیز کا راور باوی راڈکول کی نظروں ہیں ہم ترز محض ہوتا ہے (۲۰)۔ والنہ تعالی اظم

١٥ وكبره اسامة العدد والا عوابي والنفاسق والمهددج . . . ان الفلس فنا تعافر مهد يصلي المجمعة حلقه وفي حيرها يستقل في مسجد الحرب بحر فرائز "كتاب الصلوة" باب الإمامة عن ١٩٤١ - ١٩٤٠ طبع مكبد و شهده حديد. واجتمأ في الهندية "كتاب العملوة" باب الإمامة، المصل الثلاث في بيان من يصنح لحام لغيره" من ١٩٤٤ ع ١٩ طبع و هيديد مديد يوابيضاً في الشامي "كتاب الصلوة" باب الإمامة احق ١٩٣٥ ع. ٣٠٥ طبع رشيديه سديد.

٣] - في شنوى الارشاد: ينجب ان يكون امام القوم في العبلاة انتشتّهم في العلم والورح والنقوى والقراءة والمحسب الشائدار عائمه كتاب الصلاف العصل المسادس في بيان من هو احق بالاماماء حي ١٠٠٠ ج ٢٠ حليم اوارة القرآن والعلوم الإسلاميات

وابضاً في البناية، كنام، الصنوة، ياب في الإمامة، من ١٣٦٨، ج١، طبع دارالكب العلمية، بيروت... وابضاً في البحرالرائق، كنام الصلواء مان الإمامة، هي ١٦،٠٠ ج١، مكنه رشيفه، كولته.

متبرشخص كيارمت كانتكر

J

کیا فردائے جی خاردین منارحذا کی کدا ٹرانک لیام بھیم براز ہے سرف اتبام کیس بکدایت ایک م حدالت اُآ جار پائے جانے جی راکزم مان کا عقبارا یا جائے قرمہ از کا کا حقوق تھی بائے کمی رہتا۔ مثلاً آجی را سے کے دفت جی مودی صاحب کے مکان شام مورٹ کے پاک جا اور ہوائے جی و کمیں کہ جی آتجہ پڑھا رہ تھا۔ چرجورڈل کو مشافی ویتارا ہے ایسے موادی کے چیجے فرائھی ہے۔

∳ઇ#

اس قتم کے ان سرکوش امام بنانا جا از کتیں ہے ⁽⁶⁰ ما مسجد کے لیے تقی پر بینا تقدر دونا اوٹ ہے مستقدم ہیں۔ پدا ازم ہے کہ اسے عامت سے معزول کر پر ⁽⁶⁴اور کی ویتدار عام تقی ادامام بنالیس ⁽⁶⁴ار واللہ تعانی) اس مور عدار مدرج سراعوں ہیں ج

ع ۾ رئي *الرخ کي ١٤٦*٥ اس

ح إسكامول سيستم مخض أباه مت كانتم

€U#

كافرمات ين مل وين درين منارك ديري بي تيك فيرم وين كيد المام مد حب موول علام وول

-) الاستيمي في يقتدي بالقاسل "شمل" كتاب الصلوة مطلب في تكر از النب عة طبع مكت رشيديه حديد. - والبحة في الماية "كتاب الصدرة بالبابي الإناب" ، من 1777 ع 1 ، ميغ درطكت العلبية ، يدونت والصة - في طبعرائم الزما كتاب الصلوة" بالسالامامة من 1710 ع 2 ، نفع بيك رشيديد كرويد.
- ام. او داد همدی فقد طلق اگر به دفه بده بأنه لایهای لأمران هاو آل هی نشایده الاماده اسطینه وقد و سب میبهید - افغانه غراماً می ۱۹۵۸ م ۱۸ طبع راشیدی خدید.
 - وريقة أهر الساية "كتاب الصادة" بأب في الإمانة" هر ١٣٣٨، طبع دار لكت العلسة، عروت
- واستسباً من الدانار حاليم كمان الصيورة العصل السيادي في بيان من هواجق بالإمامة، ص ٣٠ ٢٠ ج. د واد الاقراة القرال الاطلوم الإملامية
- ان وقتى مشاوئ الاوشياد المنحسب إلى سكون صاحاتهوا في طبيلاء المسلهد في الصدواتور الإدائية والاعداد التجا المان حامله الفصيل المساوس من هو حق المواملة إلى المدارات والفقيع المانية القرار الفيود الإسلامية ا الواد هذا أحق المدارس الكان والمداوم ومان العن مكرار المسادات في الدارسة الرار الكان والمطلق وشيعها المدارس والتشاعي السابعة عنامة المسلوم والدارات في الإسادة ولن 1970م من المدار الكتب ووقعية الروائية

صد حب جائد ہم فی هم سند یا اگل داشت ہے کی کے الفاظ آئی کریم کی اوا آنگی تو سریت سے فعط کرتا ہے۔ وہد پہر وہول ہول ہے بار سے کررہ ہے اور مرز انوں سے اندر انی تہرے انعاق سے رکھا ہے۔ یہ انی آ ماہ وقت المن کردہ ہم اوی نیا ورکی بیوی ہے۔ نیواکر کے الیا اور کائی فرمسٹک اسے بغیر نکاح کے رکھا۔ ساتھ امامت بھی کراتا کردہ ہم کہ کہ یہ بیروں ہے۔ نیووں کے اور کائی فرمسٹک اسے بغیر نکاح کے رکھا۔ ساتھ امامت بھی کراتا معزز معزاے نے بہت وفید دوی کے اور کہا اور مجانیا کہ ان بھی کہا ہے۔ کیل شوہر کے بال بھی تھیں ہوئی کے اس معزز معزاے نے بہت وفید دوی کی اور کہا اور مجانیا کہ ان بھی نے معلی کردہ ہم ہے۔ کیل میں اور بیت وہ اور کے شوہ نے تک آئر آپ کی افرانی واقع کے بہت کا وہ بیا ہے۔ جس بے معلی کا کہا مہت البناد ویں مورے مقتر والی انہ کی اور ک

ក្រៀ

حورت مغزل علياه م بسيمتلق هر با نمر گخريم م او جي اگر پينج جي تو ايني تخف ک الاست مروه به ۱۹۹۷ بين تنس که مام رکنادرست ئيس ⁽²⁾ خفا الله تعالی علم قاتعی کی المامت کانتلم

#\(\bu\)#

9 ۾ ووسكر ۽ تقديم ۽ للما سن لانه لانهم لأمر دينه ۾ ده آئي ناسان ويو تعليل سند، عدائظ نايد كانات السالون ساب. - هي الادامة ، من ۱۳۲۶ه ع ٢٠ سم در الكند ، تعليمة ، بيرو شه تشاريد

والبهيئة من الشناسي اكتباب تصنوفه مطلب في تكالو تفجيعا عقابي المستعدد من ١٩٥٩ ، ٣٥ طبع رشيديد حديد و يعنأ في الثانار مات اكتاب الصلوف لفصور السادير في بيان من مواجئ بالامادة، من ١٩٠٣ ع ١٥ طبع المدراة والا شير ادارة القرال والطرة الإسلامية .

 و الحاصية من كان هوى لايكم بدهنا صديعها والإشدار مع ليكر الدوالاطلا تبين المطالق من ١٩٥٩ و ١٠ و ١٠ مناطع طبع دار للابت الطلبة البروسية الواطرائي المجار التي الكانت الطلوة بالما الإمامة عن ١٩٥١ مج ١ مطاطع المكان مراشد براده كالوقت والبطأعي الشامي، كتاب تطلوه الطلب في ليكراز الجماعة في السينجة (ص. ١٥٦) و ١٠ دوليا ما تکی ہودہ قاتل دازمی مجمی کنانا ہوئیٹی شریعت ہے کم مقد اور کھنا ہواد رجمن لوگوں نے جان ہوجے کرفیازیں ایسے قصل کی اقتد اوشی ادا کی ہوئی اور اوا کر رہے ہیں۔ ان کی فہاڑوں کے متعلق کیا تھم ہے۔ آیا اس ٹائل کو امام دکھنا جاہیے بالٹیل ۔

€€\$

در مخارک کردوبات معلو آش ہو حسلف فداستی اس معلوم ہوتا ہے کہ اس تحقی کی اہامت جس کے حصافہ ہوتا ہے کہ اس تحقی کی اہامت جس کے حصافی ہوتا ہے کہ است کردو ہے (ا)۔
کے حمالی ہو چھا کیا ہے کہ کردو ہے کہ کرکہ ہوفات ہے کہ اس میں اس کے خارج میں اس کے خارج کی امامت کردو ہے کہا دو الکی بھی بھی ہوتا ہے کہ کہ اس میں اور جسبہ تک دو مراح کی امام نہ لے۔ اس دقت تک اس کے چیچے نماز پراح میں جانے کہو کہ جماف ہی الدو المصنوباء (اس حسلی خلف فاسق او مبتدع نال فضل المجان الله خال المجان خلف فاسق او مبتدع نال فضل المجان المجان ہے۔

والشاتعاني المم

مبدارتن الجزاب مجمح تميزمنه فدعد ۱۵ زوالقطوه - ۱۳۸ هـ

1) ويكره ان يكون الاسام عامقاً ويكر « للرجال ان يصاوا خانه تا الرخانية» من ١٠ إله ح١٠ طبع ادارة الثم أن
والعموم السلامية، وابتناً في البدايا "باب في الاعامة" من ٢٠٣٠ ح٢، طبع دار الكتب للطبوة، بيرومند.
 وابيخماً في الدرانمة فعار: كاب الصارة احظات في لكرار العماعة في المستحد، من ٢٠٥٠ ح٢، ح٢ مطبع مكتبه

- 9) ال العبلاة خسلفها الولى من الاخراط شاعراً كتاب العبلاة مطلق البدعة عسبة انسام عن ١٩٥٩ م ع ١٠ علم عام عام طبع وشهدية طبع وشهدية المستوانية على الباعد بالإسامة عن ١٩٥١ م بالاحامة وشهدية بعديد وابعية في الثانار طابع المعلونة والعبل عبدادس في من عزامي بالإمامة وض ١٩٠٣ م ١٩٠٩ عا طبع العارة الغراق والمعلومة المعلونة والعبلامة عام طبع العارة الغراق والمعلومة المعلومة المعلونة المعلومة المعلومة المعلومة العبلامة المعلومة ال
- ٣٤ الدورالمستخدارة كسالية الميشوة ماية الإمامة مطلب البدمة حسبة النيام، من 185 ج11 مكتبة و شهدية و جديدت وابعداً في الناتار هاية : كتاب الصلوقة المصل السندس في من هواحق بالإمامة، من ٣٠٠٢ ج1ء طبع الدارة الشر أن والمعلوم الإملامية والضأفي نبين الحقائق: كتاب الصلوة، باب الامامة والحديد دمية، من ٣٤٦٠ ج1ء طبع دارالكاب الملسلة بروت.

| | | | • |
|--|---|--|---|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | • | | |

باب فى تسويةِ الصفوف

| • | | | |
|---|--|--|--|
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |
| | | | |

صرورة عنف مين النقط ع ركيفة كالتلم ﴿ إِنْ لَا

کیا آرمات جی ملاوح این این مسدین که انجه اصدادا اور وقی اصدا تا ایجا که جس بین تین مین آمال کے ماتو فقتی جی به کین گئی کہ وقت تمالال زائد وقت بین اور برگرخز سرور نے بین موری کی وجہ اسر تعلیف میں جانب اکر مجد کے افران مرت آبیہ باشت و صارت بیچی صف ان طرح بیزگی جو سے ساور کے جیجے ایک آون کی کینے فون دیت امر مف تعقیم موری کے آبیہ مواز دیا مائنس د

$\kappa \supset \sigma$

واز بات حملة والمستون والمتاول ومقام الدم والمارس كالرك ساكر المت قال وامال والت وقالي به بالقياط الشاكر كي يجاوي ودناك عدال كرسة ساول كراست والمشكر آل يشخ المان المولى مركري كل خراص والتي في ساحب الدوالقارات والمساولة والكراسة بوالدول والمعاومة والمحافظ المحافظ والمعاوم في المعجودات والتواد والامام على الدكان (أأو عكسه أناكر بالاكراس الولى المسجودات لصيق فعمل المحافظ المحافظ وعمد فلو فاعوا على المولوف والامام على الاراض الولى المسجودات لصيق والمسكلان لم بكره المح وقال الشامي على قوله الكرميعة وعبد اعتال بلعد وهو على نقديو مستاف الداكر المحافظ والمال الشامي ووامل المفاري الى في الاحتواد في مكان مرتبع الى الدقال المنافع في المحافظ الداكر في المحافظ الى الدقال المناسي والمن المفاري وحيد الكراد الاحاداء والامام العراس العال الدقال المحافظ الكرافي المعمودات والمسلمة والمناس والمنافعي والمحيد المالا الاحاداء والامام العراس والمناس يبكال

(3) أساور الانجاب ومع القرائد خدر أكسب نصفاؤه بالدالا بالمنافة عن الدوم والاطلح وشيدية جديد كوفيت والتعميل في الشائد وخديا أو داخلي معمول فالي ومع الإمام والمدونة بميالا ويرسان مراجع المراوع بي الإيراد كان معي المستندة وقروف الاصام وسط الموجاز فامو عن مستندة مسترك فقط مثل ويدونكم التي الصعوف كانتصور وسيود عن مساكنهم وين حمع الحوامع ويستري التجريد عن ١٩٥٥ م ويا مطبع أداره بالذائل والتحديد فالدلامية وينسأهي السابة الكناب الصلوف بالدائل عن الاحتماد عن الدوج الدوقع بالرابكات الطبيع ويروعها. عسده جنوار الاسقطاع هي الصنف حكمة عدم جوار فياه الامام عي الصحوات وانفراده على السنك وعكسه سناه بشق مكان روي و كافرة أكن خرار مجمع المثني سنري في مي المنظم المين المنظم المين إوجه ويك التي كوافذ ارش شارك الياسد وبذاك مصورت سنول بين مي تاريخ الدوقت الثي المراقب المين العساد المعادد المراد المعرفة الدول التي العسادة العسادة المعرفة الدول المراد العرب والمراد الدول العرب المعرفة المراد العرب المراد المراد المراد المراد العرب المراد المراد المراد العرب المراد المراد العرب المراد المر

محنوه وثيا الأدعال

با ہماعت نماز میں درمیان سندجگہ چھوٹر کرصف بنانے کا تھم افراک کھ

آ درجه عند سافراز در ای بیمان کرده و ایک مند د میان می جیماز که کیمان می چیکی مزرب دارید. این کی فواز موکل بازد

∌ن≆

الماز بوکی کر بیشاف منت ہے بعقول اوٹھی کرنا جائے ، اور جگہ و سیان میں نامجھوڑ نا ج ہے ال کہ آخرا 1911 جائے ہو کا کا کی جی جائے نامل نامجھوڑ تا جائے گئی منت تم بیٹ ہے۔ آیک سیدھائی اور براہر انتہا کہ گئے چھیے نہ ووں (۱) رفتاد اللہ تھائی اس

ائن اگراور شاکران این س<mark>ادان</mark> سا

> صحن میں جواعت کرائے کی صورت میں اوم کیوں کو اور دیمیا محت ڈونا پیاکھتام مؤسس کار

> > البياقي والمناهجين علواه برمان برمساكن أسا

اج آخل منسس ويسعى أر دام هو بالريس حيرة ويسدوا النحق ويسووا مناديهو ديفت وسعاً الدوله حيلي طبي أو لو حلى طبي أو ولد من دوله المحتارة أو ولد استخدار المحتارة أو ولد استخدار المحتارة أو ولد المحتارة أو المحتا

(۱) کیا تر زفرش باجراعت اول اداکر نے کے لیے امام دیمتندی محق مجد میں کھڑے ہوں تو امام کوئو اب مجد کے سامند کے سامنے کھڑا ہونہ طور دی ہے یا تماز فرش یا جماعت اداکر نے کے ہیں انام کوٹر اب محید کے داکیر بالا کئی طرف بہت کر کھڑا ہونا مند ورق ہے سنت مدول موقیق کی دوشی میں جرائے تجرم کرکے دہر لگا کر مشکور ہوئے داموقع ویں ر (۳) جماعت تامیکے بارے بھی تھٹم شرک کیا ہے۔

463¢

و من المسيد كله مين يعني جمل معيد كالهام ومو ذن الغرو بويتها عمت نالي كرو ويب ما

ة ال المستعقق الشامي وقا انه عليه الصلوة والمملام كان خواج لمصلح بين أوج قعاداني المستجد وقد صبى على المستحد فرجع الى منزله فحمع اهله وصلى والوجار ذلك المسا احتمار الصلومة فني بعده على الجماعة في المستجد (١) از إدراتين المشتكل

- و ردنسستان : كتاف الساول و بات الإمان و معلق على الاسم فيون الكراف و عن ١٩٥٥ ج. ١٠ ايج أيم سعيد "ورسني للإمام أن يعد عارد الوسط فإن وقت في مبعة الصف أو مبعرات فقد أساد لمحالف السائد ١٩٤١ تراق ال أن المساورات لم سعيت الافي الوسط و في مبيئة لمقام الافاجية الوسس الخطائي "كتاب الصلورة بات الافاع والاستداد في الصدلان من ١٩٥١ م ١٠ وار الكتب الملية عروب إو كتافي الفتاري الهيدية اكتاب العطامة الباس الخاص في الإمامة والقصل الحاص من ١٩٥١ م ١٠ وشعية كولاه.
- ٣٤ وردانستان اكتاب الصلون باب الاسامة مطلب في تكرير الجماعة في السياحاء في السياحاء في ١٩٥٤ ع.١٠ معيد إ "قد الوكان له الدو ومو في مطرع فيكره بكرار الجماعة لمه بأدان وقامة عبدنا" وجلي كبير ا فصل في أحكام المستحدد التنائث في مسائل التفرقه (في ١٠٠ م معيدي كنب حدة كولته ووكيا في الفياري الهيدية . كتاب الصنوم (الناب الحامل في الاسامة الفصل الأول (في ١٨٠ ع.١) شبديه كولته.

"القطرف الدنية من كواهية التجماعة التابية الله أبرقوه ___ قادارت لي الحرا

ام وقد فرونها فراند. ۱۳ دنيادي ارزي ۱۳۹۴ و

کی محن ہیں جماعت کرانے کا تو سیامتقف حصہ کے برابر ہے ﴿ مِنْ ﴾

اکیافر بارتی نیماها در بنادر پر مراکل که

(1) ایک مجدے راس کے جاروں طرف قرش ہے گول تھ پر ساری جند میں سے آئیں۔ کا بختا ٹیمنا۔ جیسے قرش باک صاف ہوئے ہیں ۔ بھی ہما ہت پر دی گری کی دید سے جنوب کی طرف کھی بھا عملہ مقرب کی طرف تھی تال کی طرف تو این فرش پر بھا عملہ کرائے کی فضیلت میج کے بھی جیس ہے یا کھروں بھول ہیں جیس ہے انٹویٹ فرائے کے بڑھا کیا تھ ہے ۔

(۲) ایک قدام اورایک می مقدی اندامت آرات بین و موقد رست بها برجوت بین هم دومری یا تیم ای دکهت یا کیکل می دکنند می ایک مقدی اور آگیا آفر باریج کولام آگیج کی کر بقد عصل میں جارے یا مقدی چیچین کرمقتری سکور آخازوں سائٹر آگیا تھم ہے۔ آپ کی کما یا مور بالی ہوئی

*64

رَا ﴾ بهم الشائر عن الرجم ما أنه يرفرش والطل مجد البداووس كو برائك لما ذير الصف ك فل التربيد والقط أنه والأليامية الترادية المصفرة والقراب مهد كه في جدو الدفالة المران أنه المع الرائل به توامجديا الت ويُصفحن ك في هم المام كفرة والالتأل والوسط ف كما مشترى تقريعا برانه براير الوس المعلى والمجترب

- () "وفتاه المستخدية حكم المستخد على تواقعاى بالإمام معايضا فتداره وال ام الميل الصديف ولا استخدام منافرة المستخد على المستخد الما يدين مدارا مغرب من المراد مصل من المحكم المستخدم الما يدين مدارا مغرب من المحكم المستخدم المعارض المستخدم المستخدم المستخدم المحكم المستخدم المحكم المستخدم المحكم المحكم
- إنسبت أن يشوم في المحرفي بيده و العرفار ولوفار في أحدوث في الامتياركاء ولركان تجليف فيهيو و حديث السووي وامتركا المستجد عوم الإدام في حالت فجائط ليبيدون فقام من ماديد أن و دستخد ... كتاب المستوية ، باب الإمامة مطلب عل الإدارة فوق ليكر أماء من ١٥٥٥ من ما دام له مستوي وإو كذا مي تين الحقائق ... كتاب الصلاة بالرائدة والحدث في تعطرت من الدام عامر كتاب الصلاة بالروائل ... ورائد من الدام من الدام من الإدارة والرائد من الرائد من الإدارة والرائد من الدام من الدام عامر كتاب المرائد والإدارة المنافقة الدام المنافقة التابية المرائد الإدارة والإدارة المنافقة المنافقة المرائد المنافقة المنافقة الدام المنافقة المناف

ا الداعي شي قرار برزياد و العربية المراقع ليرفرش فدرا كل البيطية الأجهد القند لا عوقه التي بيرفعان في الحقوق ا العربون مهم مع العقط كما أنب كي دار والواكل

و * أناملول قرب بوائز ہے الکہاں آپائے کے جگہ شہورہ القباری اور چھے ہے۔ بانا جاہیے ۔ اور اگر چھے جگہ نادوقر موم آباۃ کے باط جانا ہائے ہے اور اگرا کے چھے ارٹوں طرف جگہ ہو کا امام کو آ کے اور جانا ہو ہے ۔ اگرہ واقع کے نادوقر مشترکی چھے ہمینہ جائے ۔ فتا والعد تعالی اعم ر

الرودان العنيف الخرار أي بسيس عمودة القرائد وحزور آندورو (۱۳۸ ه

ہوفت اقامت نم ذرکے ہے کب کھڑا ہو مذہ اند

4 ,

کیا قربائے ہیں علاموری در زیا مسئلہ کو ایک مولوی جا جب کیتے ہیں کے عشور میدالسنام کے زمان عمل جب جماعت ہوئی قربطے کہ زی اپنی مقرب و پارا کرتے اس کے بعد اقامت ہوئی اور بیاحد پھیں بیٹی کرتے ہیں ۔

. *) و عن السر 20 قبال البيمات الصلوة فاقبل عليها و سول الله صلى علم عليه و سنم توجهه ففال الهيم (صفوفكم اللخ مشكوة صاحة .

ر ۱۹۲۶ عن بعمال بن بشير الكناف ل كان راساول اللغة صلى الله عليه و سلم يسوى صفوفة: حسى كنافسه يسوى بها القداح حتى رأى قد عقك عنه ثم اعراج يوم؛ قدم حتى كانا يكس قرائل راحلاً سادما صندوه من النصف فنقال عنادائله لنسون صفوفكم اولناه لفن الله بني وجو هكم رواه مسلم مشكوة ص عامل

ے اس دیے سے مطلق میرا کر پہلے تسویہ مفوف کر ایا جاوے کیونید ایم ہے اور این زبانہ میں تو اس کی اجمیت زیادہ مولک ہے کہ موام والناس ایس کی جمیت کیا ہم واوکٹیں اُریٹے ۔ پیشب ور از کا مشاہدہ

اج أدياء في بهرونه الدائد الدائمي والمدون موضح مسوية الدولة في يطهر أديا مهر الدولة في المرادية المرادية المرا القائلات فيورات أخراء لا مسابه القائلات إلى يميني المباد ملائمات وهذا فيه عبد الإمكار با لاتمين السيكي* الرواة السجار أرائسات المبلوم بالبالإمامة من الدائم المرادية ويراسعت كراجي ووك باعي فيح الدين الكان الصفرة بالدائمة من إدائم عاد مح محمد رشدية كركادي. ے کہ حق علی العلاج یہ فلد فاعت فصلواۃ پر گفرے یہ نے سے امام کی تر بھر کے وقت تک مفوف کا تسوید گئی او مکت بکر اکثر دیکھا جا تا ہے کہ پہلے سے گفرے ہونے پر بھی اگر تسوید مفوف کا انظام کیا جاوے تو ان مت اور تحر بھر امام بھر فعمل کی غرورت او تی ہے۔ فہذا اس کی اجمیت کی وجہ سے ایٹر سے الگامت سے پہلے کی گفرے ہوجا کیں تو کو کی کرین عیمی ۔

وومرے مونوی صاحب کتے ہیں کہ تمان میں بشیر کاٹیزوالی روایت کے رسول بیڈھٹی اللہ عاب ڈسلم ہنا دی صفول کو اس قدر برابر کرتے تھے کہ تیر کی فعزی اس سے سیدھی ہوشتی تھی یہاں تک کہ آ ہے کو معلومہ ہوگیا کہ بم صف سیدھا کر: پچان گئے۔ چمرا یک دن آپ باہر مطل اور کٹرے ہوئے تکبیر کہتے کو تھے است بشما ایک تھی کو ریکھ کرجم کا میرد سف سے باہر لکتا ہوا تھا۔ آپ میٹیڈ نے فریایا کرا سے خدا کے بندوا بی مفيل بر بركر ونيمي أوالله تعال تم بي جون وان دي كان يرسطوم بواكرة مي ويجير بر المقاف كي لٹنائی سے درجب تم اس اختیا ف کوگوارا کرو کے قردان رفتہ داوں کے اختیاف کو بھی جا از رکھا ہو گئے اور میں بجومت آختر ماکن بڑے۔ بہلی صدیت کا مطلب یہ ہے کدا کہ حدیث شرائط افسیسٹ السصیفیوۃ فاقبل ففال البعوا صفوفكو كامنهم ويتكرا كامت ويكترك بعدآ فضرت من الأمليدكم ماما كرام أل مف يندى كوا يكما اورتميك كذيت توسف كالمحموية المعاء تسعفيه عافيل اورفيقال كي مدي لالت ہے کہ بیا آبال اور مشاد بعداج مت ہوا۔ ای طرح معنب تعمان بن بشیر بھٹا کی مدیث کامنبوم ے میں اولی کر در مفوف کرے اجامت ہوئی۔ مدیث کے دو ایٹر میں راول بڑ کا و معلیا تو یہ ہے کہ آب منة الأسور مغوف كي جارت وبية ربيع عنه وقالو كاس أياة زيرقم ما ياكرت بني يهان تك كراً بيد کر پیٹمان بوٹمیا کہ ہم جماعت محابات میں بات بخرنی بجھائی ہے اور قبل میں لے لیا ہے ۔اس کے بعد کسی روز جب جروشریف ہے نگل کر جماعت کرائے کے ہے مجدین ، پانے مقام پر پینے اور کی محال پر نظر بِرْق كرده ا بناسيد بقيد جماحت والول ب ففال لي موع بين قواس وُقتم و ياكر خداك بقد واس حركت ب والرآ جاؤرة وفاري معنوم بهوتات كرصفورهايه أسلام كالججره منصفك كرميديل أثا حعرت بلال وتؤكي عمير كوفت بونا خاكرواعنور موقه أووكي كرا قامت ثروع كروبية تجوال مي محابيعفون كويزبركر لين من مناور الانتفار سياهما ندار بيني توعيرهم او في كاول يائم موجاتي اس ك بعدا ب عيرتم يد يزهجة حصى محافدان يحبوات كرمراه بهاراس منفوده صورت ميناس اخمال يرآب كالانكار الامت ے خاتمہ کے دفت ہوار حافظ این جورحمہ اللہ فتح المبادئ ص ۲۰ مرفر ۔ '' ہیں۔ ان بسالا کا کسان ہو المسیار حروج النبي صلى الله عليه وسلم فاول هايراه بشرع في الاقامه فيل أن يراه خالب الناس ثم

۱۵۰ راوه قامرا فلا بغوم في مقامه.

اس سوق سے معلوم ہوا کہ اقد مت اول شروع ہوگی اور تسویا مغوانے ہور کو ہوا۔ آپ مہزیہ کا اس معنائی پرا نکا دمجی افاست کے تم پر ہدارتی ہے۔ وی سحاند ان یہ بحسو افروائے ہیں۔ ہند ان مدیقر ب سے براکا خاص سے نہیں کہ قامت وہ بہتروئ کی جسٹ کہ وی تس بدعلون ہو جائے کہتر ہے گا راجہ لزائ مسید میں واقعی ہوں اپنی اپنی جگر صف بستا ہینہ جا میں اور جب تی طی انفوائی پہنے ہینے سے بعنی امام اور منتشری کفرے اور جائمیں میکن مشارقم م فقیا میں افلان ہے ۔ اب اعتصار یہ ہے کہ پنشے وفوی صاحب حق کو ہیں یا وار ہے جوشر باتھی اوقع وفر بادس کر منتقری اور مام کر کھنا ہے ہوں۔

有心物

فال في الدر المتعدار (() ورقها (داب) تو كه لا يوحب (داد و لاعابا كوك سنة الروائد لكي فعله افضل وطوره الي موضع سجوده حال فيامه (لي ان قال) ووالقيام) لا مام ومؤلس (حين قبل حي على المعلاج) الخرر (ان كان الامام يقرب المتحرات (الامام ومؤلس (حين قبل حي على المعلاج) الخرر (إن كان الامام يقرب المتحرات (الامام فيقرم كل صف ينتهي المه الامام على الاطهر) الحرر (وضر وع الامام) في الصلوة والشائل قبل قبل المسلومة وقراحر حتى المها لا بأس به احياء وهو قول النابي والشلافة وهوا عدل المنابي المعالمات اله الاصح وقوله والشائلة من المعالمات المعالمات الاصح وقوله النابي به الاصح) لان فيه متحافظة على نظيلة من بعة المؤذن واعانة له على المدروع مع الامام والموتم والمنابق المرام والموتم والمنابق المرام والموتم والمنابق المرام والمعالم المام والموتم والمنابق المرام والشائل المرام والشائل المرام والشائل المرام والشائل المرام والشائل ويسورا المام بان يامرهم بداك فال الاضام وبنيمي ال بامرهم بداك فال الشمائل وبنيو والمناكبهم (()) المرام المناز المناز

٢٤ والفر المنحتار مع رفالمنحتار: كتاب الصنوع، أداب الصلوة، من ١٩٧٧ - ٥٠٠ بج. يم معيد كراجي

٣) (ورد تمحنار) كناب المبيرة (داب الصفوفة من ٧٧) - ح ١٠١٩ م معدل

٧٠ (آگان موسود نهيل هي)

⁽³⁾ واستسام حس قبل عن حلى العلاج إذاته أمراء فيستجب المسارعة آلياء اطلقه فشمل الإصام والإمام والمساوح الدوام والمساوح التراكية والمساوح التركية والمساوح المساوح ا

صفاحب الدرسة فين المرتب في المام ورسب شقائي أذ برب جا أين الدرياتي معهم واكرية فها المهائية الماس وقت بنه كدوم والمان في المرتب والمرتب في المرتب في المرتب في المرتب والمرتب في المرتب والمرتب والمر

والمتحافق فالأعب المتصحيحة فيعرفه فالصحي

پہلی مف تعمل مونے پر اوسری مف کے لیے ایک فرزی بچا تو کیا تھم ہے۔ ہاس کھ

عفرے سال کا افقی کھود صالاب افسار میلٹم کے بعد ہوش ہے کہ بڑا جس کھڑی ہے ۔ چھیے ایک ٹیس ورآ کیا کیل مف چاری ہوئی ہے ہے وہ کیل صف جس سے آب آ وی نکال کر پچھی سف میں نیت ہا تھا تک کھڑ ابو یا ٹیس ۔ اس کے بارے جس کے مسئرے مطلع فربائے ۔

السن حدا محلق أمر مندوسة وحدة عرباً فقد أمريات به الشطاق من الاصلاق فكيف من أقد حيى بدعة
أوسيكر "ومرفية تراح مشكوف كتاب الصلود بالرافدة في الشهدة حدث بعد 18.6 من 19. ح.7.
فاراكثيف العلمية مروف واكتابي السعاية في اكتاب بالتي شرح الوفاية الثنات المشود بالراء حمدة الصلولة
في 17.5 ح.7. ح.7. منهال الايفاني الإموران.

 ^{*} مشكوة المسابح كالمعاملونة بالماسيق الأفراء جام الموافرة المصل النابي، ص 430 ج10 مليمي كراجي.
 * مشكوة المعابج اكتاب الصيرة بالماسيمية المعمولية المصل الأول ، عن 410 ج10 فديمي.

63 h

ا کول صف شن آمر و هنم اور موشیار آوق جوقو این گونیقان این به بینترین به به یکین مه جوده زیان شن جیوات اینام پیاتو اجراب به که ناز ناک که اور این کفر این جاد ب فرار در است به جایب نوکی به نجی صورت ایناک شن جود قلب آروکی کی نماز فراید موسیقه کاشفر و بینترا

ا قاست کے دنت کب کھڑا: و پڑیا ہے۔

کیا فرد نے میں طارہ ہیں اور یہ سال کا زیر کان اے کہ آداز سے ٹینے جب کیر جانے جس وقت سی علی العلاج کیے تواص وقت کنز سے ہوتا ہو ہے ۔ اص طسلہ میں ٹر بھٹ مسیرہ کرنا کیا تھم ہے ۔ چائین کیک

کیج شرون ہوئے ہی کار ہوا در سے بقد بھڑے ہوئی ۔ اگر چلے کئر گئیں ہوا تو جسی علی ، نقالاح پر نفرور کھڑا ہونا چاہیے۔ جسی علی انقلاح کے جلے ہوتی ہم حال نمازے لیے سف یا ندھنا چاہیا ہو۔ اگر نمیر شرون اور نے میں کفرا اور جانے تو اسم سے ایا کے عفوف کوسیر صاکبا جائے اور اماسے ساتھ نمیر شمرید کہتے میں اوقے نڈاوج سے نے عام عمود پر جانجھا جاتا ہے کہ اس بطرے کیا گزا ہونا ور مست نمیر انگیل میسی فیکر پر قیام کا آخری وقت سے راس سے پہلے تی مسئی نمیں (۱۰) ۔ افتاد والد تعالیٰ علم ۔ انگیل میسی فیکر پر قیام کا آخری وقت سے راس سے پہلے تی مسئی نمیں (۱۰) ۔ افتاد والد تعالیٰ علم ۔

٣٠ رامغران ١٣٠٠ س

(۱) "وه قادما كراهة القيام من حلف حلف صف ماه فرحه النهي وكدا القيام معرداً مهان مديجة فراجة ال يحمد المسيداً من المهدد والمراه المراه المر

(٣) الوظياء إلاماة ومؤشر عين عبل على عدلاج مداماً في الدين إلى أكن الأساء عرب السمر الساو الاجتماع أقل عدد المحافظة المنظمة المحافظة ا

امامت کے لیےامام کی جگہ کھڑا ہو ایس کا

﴿ن﴾

کیا فرمائے ہیں ملا روین در یں سکد کہ یک امام نے جعد کے روز دہب کہ مجہ وسطح تھی جائے آماز کو کمرہ کے درواز سے بیں چانکٹ سے اندر کی طرف چھا کرفرز پڑھائی اور مقتد تی ہرآ ندسے ہیں گھڑ سے تھے کما یہ آذا نکر دوئیں ۔ کیونک فتنی وطن تامی مصاحب عمرۃ الروزیۃ وخیرہ سے کرامنٹ کی دروجھی مطوم ہوتی بیں ۔ (1) اچھا دکلی الماموجی (1) تخصیص الامام برکان چوکہ تھے۔ الی کتاب ہے ہے اور امام کے محراب میں گھڑا ہوئے کوئن روونیوں سے کروہ تھا ہے۔ خواہ محراب واعل مبد ہونے خارج - میٹوا توجروا ہوئی کہا ہے جانے کہ ان روونیوں سے کروہ تھا ہے۔ خواہم اب اوالی مبد ہونے خارج وا

ش كى عمل بنيستو الاصبح عادوى عن ابن حديقة وسعه الله انه قال اكره (للاحام) ان يقوم بين السيازيتين او عن واوية او في فاحية المستجد او الى معاوية لانه حلاف عمل الاحام (الاحام) عن يقوم بين چكست به اندركا سه وي آوية او في فاحية المستجد او الى معاوية لانه حلاف عمل الاحام برمازه مي حكمت به اندركا استحد كي بهري أن مراحت كي وي وي وي بهركان برا مدت بين جول توريخ وي بهرائ ويكره وي الحامل ودواز ويحكم كراب بين الارائ كراب كي عراق مركز الارائ المرائ كي بين المرائ ويكره وي المرائل المرائل المرائل بين المرائل المرائل بين المرائل المرائل المرائل المرائل المرائل المرائل المرائل المرائل بين المرائل المرئل المرائل المرائل المرائل المرائل الم

(ع) "أردالمستحسان "كساب المسافراة بيات الإمامة، مطلب من الاساء فدون الكرافعة، من ١٨٥٥، م١٥ مقدم امع المواقع مستجد كراجين "أروى عن الإمام أكر اللائام أن يقوم بين السناريتين أو سارية أو ناصبة المستحد في سارية الأنه "حدالات عمل الألفة" وكذا في النهر الفائل "كتاب العبلوقة واب الإمامة، عن ١٩١٥، ١٩٥ مج المطبع مارالكنب صليعة بهروت والمحكمة وشهدة كوفته

٣٤ سير المستحدار: كتباب الصنوف باب مايسيد الصلوة ومايكر وفيها، بين ١٩٥٩ ج ١٠ أيج ابم محيدة كراجي) "شافحاصل أن بقتصى هامر الروايا كراحة قياب في المحراب بطيفاً، سوار اثنيه حين لإمام أولا و سولا كان المستحراب من المستحدام لا والمالي يكره محرده في المحراب الأكان قداماه حارجة فإن الميرة للقدم في منكان المبلغ أن المعلم المستمرا مراعي: كمام المستفراه باب منبقت السلوة وما يكره فيهاه من ١٣٥٠ ج٥٠ وشيديما وكدا في الهندية كذب العملوة الباب السابح، العمل الثاني فيما يكره في العملوة في العملوة في العمل ح١١٠ عليه عليه كرفاته.

نمازی کے کے ہے کوئی پیزا فیا نے کا تھم

= F

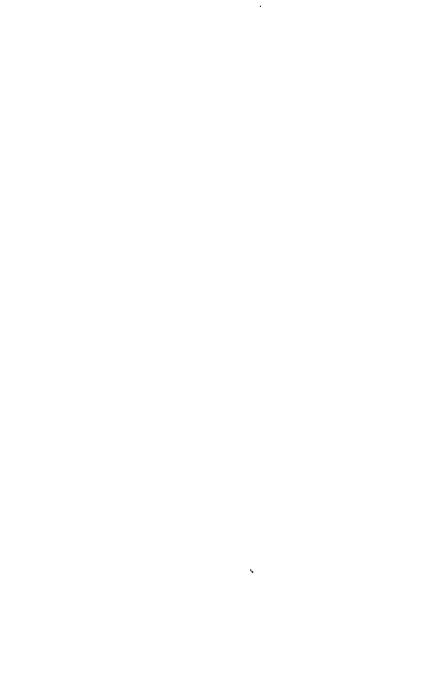
العاقر بالمستان على أنوام مشداع من من كواليد تنمل مرزي في المستان وبالاستان المادي في المستان المادي المستان ا أمن الاتام الم الإنام والمبادم والمراوي بالكوالية المراوي في المراوي بالمناطرة على بالمناطرة المادية المادية ا

463

﴿ تُونُونُونُ مِنْ عُونِ مِنْ مَا وَكُيْنَ مِنْ مِنْ فِي فَالْمُونَا فِالْمَانِ مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ فَالْمُونَ توق طور

کرد ایوان در 11وز<mark>گ</mark> ۵۵ سم

(1) قابل رسيس البله حيلي القداحية وسلم الويضم المراكيل بدى المصيل مادة عيد الكون أن يقتل أو على حيراناه على أن يستر على عديد؟ الصحيح صحيري القناف الصحيح بالدائم بدار على يدى بالمصيل واحراع الدائم عاد المدينيين واركت عن ميل أند بال الوائد القطارة والدائم الراحية المروزيين بالي المحرف مراجع (100 ح) والمحرف المحرف القطارة والدائم المحرف المحرفة والمحرف المحرفة والمحرف المحرف المحرف المحرف المحرفة المحرفة المحرفة المحرفة المحرفة المحرفة المحرفة المحرفة والمحرفة والمحرفة المحرفة ا



باب في اللاحق والمسبوق



مىبوق ئے مبؤاامام کے ہاتھ مارم چھیرہ یاتو کیا تھم ہے

16 1 18

ا کیا فریات میں علی دیں دختیان شرح مشمل مند بیدہ فی مسائل ایم رک

(1) - ایک سیعاتی ہے جسکی لیک یا۔ انگوٹ اوسے دوگئی میں ادوار میں میروائٹ والیسے ہوگیا ہے اس سنگٹر کیک ہو سائے گئی یا حد میں سالب آ استہوتی اوسے میں تھی میں میسو ایکٹیر سنانڈ آ کیا کی وفائٹ میروجاتی ہے بالدوں کرمورائٹ سنٹر کیا کی محمد ہے۔

(۴) - قرآ ن فزیف تراجب نوالؤکوه آیاب ارکیائی به فوالؤکوه آیاب اس گرایی قرق به تحریفراکن

40)

(1) استوقى أرابه الهام كران طام يجرداً وقى الهام إلى المام إلى الهام الهام المجراء وقو تماز والهيد إلى الهام الهام الهام الهام وقو تماز والهيد إلى الهام الهام الهام الهام الهور والهود الهام الهام الهور والهود الهام الهور والهود الهود والهود الهود والهود الهود الهود الهود والهود الهود الهود والهود الهود الهود والهود الهود الهود الهود والهود الهود الهود الهود والهود الهود الهود الهود والهود الهود الهود الهود الهود الهود الهود الهود الهود والهود الهود ال

ا ما به الدوليسجد و مع و فيسجد الكناب العسود عالي الأدبية عين عال الاستخداف من 19 6 و ح10 بعد بالادبية الدولية 1969 عليم التعليم مع العاملات فتات العلود عالت العليم العسود والمنكل و فيها من 1961 م 1961 ح 10 رائيسية التوليمات الدوليمات المناسق الإمام في فيها الأي فياسح ويسجد معاول تثليما و في المسابقات فالاستخداف الاستخداف ا التناسف على بالتعالي الان جاملاً عدادت والافلال والمحرو عيد الإصاباء في الافاد أومعه والاستخدام الوقائدة المناسقات المحرود المناسق على الافاد الإفاد والدولية الدولية المناسقة الدولية المناسقة الدولية المناسقة المناسقة المناسقة المناسقة المناسقة الدولية المناسقة الدولية المناسقة الدولية المناسقة الدولية المناسقة المناسقة المناسقة المناسقة المناسقة المناسقة الدولية الدولية المناسقة الدولية المناسقة الدولية المناسقة المناس التقادير قوله من الافكار الا المتنبهة يست على السي صلى الله عسه وسلم و هو اسم من استماع الينه بعالي و الما احد حكم الكلام يكاف الحطاب و الما يتحقق معنى الحطاب لما فيه عسد لشصد قافه كانت مانب الحقاه بالافكار و اداكان عامد الحقاه بالكلام حملا بالشهين بحلاف الكلام وبدياع والصارة عبل كرجال فكان ميظلاكية اله

1) و النوا النوا النواخوف و النوا مواحوف الداري الدين المركز اللها المركز اللها النوائية والمراسا الدال المسافدات المستوان المركز والمركز الله المركز والمركز والمركز

اويكَ "لل - في النَّمُوم الضَّلُوف حابُوا الصَّحْرَ ، قُولُوا الصُّهَدَرَ فِي الرِّيَّ -

اه برانی کی شدن لوژنو الاهدار و المندول الطبلاند و أو الفقات کی حراث به به تصیل ایندایده ا اندوکها ب نوابر الصول شدخ الفصور تراه معامل المعاصور تشخیصی کی موفود عاشید و آمین الفقر مدان ۱۹۸۸ ایارید اعتوال المفیدات مومود کراری الفیران موس مود - ایرو الندتوان العم

له تن اینی روحات وانی رکعت کپ دوا کرید

a 👉 🌬

الي قربات تين عويد ين در إن سأ ألي مه

(۱۶۰) کیکنگھی اوم کے باتھ بھرار قبار تھی ترکیب موسیج نئین بعد میں نیند یا کی مؤلی کی دہیسے امام صوحب کے انہار کر سے ایک رکن چکھے والیاتو ایوان معود میں شروان مشتران کی قبار نو مدہ وہ کاتی ہے باشد اگر فاصد کئیں ہوئی فریکٹھی اس رکن فالمان اور سے کا باشار وکرکر سے فاقوار میں مارم سے کمل کرسے فاق بعد شدہ

(۱۶) آبات منتس بنیار آمادت و کی آباز میں اور مصاحب کے امر اور آبانی فراصط میں آبائی وقع کے آباد کا انسان کو ا میں کے دوسر کی کامت میں معدولیوں کیا ورشیری رکھت میں تعدور رابا آبا کیا دیں صورت میں جدوا دو اوا انس آبات کا بارد

€5∲

(۱) یکھن میلیا بی گی ہو گی رکھت کو اخیر قر اُت کے ہا جھا در بھر جہاں امام کا باے اس کے ساتھ ہو۔ جا از آنکار خطل ہے اس کی قراز فاسد نیمین وہ گی ۔

(۲) کھی مذکور پر کید و کیوواجب ہے ^(۴) انظام اللہ اللہ ا

. نودگار کالی فغراند . معیمان از قرک دیم مد

مسی خیال بین لگ کرکن مصد عماز میں امام سے دوجانے والے کا تھم ماذعہ کا کھ

کیا قرباتے ہیں طارہ وین وہ یں منظرکہ ایک آوگ ہے امام نے ساتھ تخییراوٹی کی اور سخان وغیرو بھی پڑھی اور وہ گفراء ہا۔ اب اس کو یہ پیٹیس جلاکہ اوسے نے دکو گ کی تخییر کب گئے ۔ جب انام الفرا کبرکھا ہوا جہ وہیں گئے جب اس کو یہ لگا۔ اب یہ رکو ٹ کر کے امام کے ساتھ دوسرے جہ سے بیش جا طا ایک جمرہ تھی گیا اور ووسرے مجدوثی جا غراش کی آماز ہوئی جا تیس ریزہ افرج وال

 د) والثلاجق من قائد التركيمات كلها او بعضها فكن بعد انتداء معذر كغفلة وراحمة وسيق حددت ... وحكيد كموتم فلا يأتي يفر قة ولا سهو ... وبيداً بقصاد ما فاته حكن المستوق تم يقامع امامه ... ولو عكس منح وأثم القار السحنار كتاب المطوة ... 118-11/4 وخيسانه كويف

ومثله في الهمدية كتاب الصطوة البات الحادي عشر في قضاد العوالات ١٢١١ راشيديه كوالله.

٣٤ والسمسيوي يستحد مع ادامه مطافا قال ان عابدين تحت قوله ولو منهي قيداي فيما يقضى بعد قراغ والسمسيوي يستحد مع ادامه مطافا قال ان عابدين تحت قوله ولو منهي قيداي فيما يقضى بعد قراغ الإسام بمبيد ثانيا لا منهود السهو معان في سهو لإمام يوجب عبده اقسهوه حرا ١٩٥٥ ج. الطبع رشيانياه جديد واشله في الهندية كتاب المسودة لباب لتاني عشر في سمود المنهو قبش في سهوالا أم يوجب عليه الرديا المراد الرشيمة كولك.

ومثله في علمي كبير كفات الصلوة معيل في سجود استهر ص: 410 سعيدي كتب خانه كوالله.

ەۋان ئا

مورت مشول من براقد م من والأراض به المعلى ما ورق لماز والوكل سي ⁽¹⁾ وفيزو وطراطم ...

ا خواگها هر قر خواهداد در مهارزی از و روستان

نم زئے ان ووک وقت نے نمازیوں فیٹموایت کا تعلم

$\hat{\mathbf{w}} \cup \hat{\mathbf{w}}$

البافروت في هوره بيء بيرسال كر.

ا کا مسلول قلد و فرق ٹارائشید کے باتھ دروہ شریف ادر مابھی پڑھے یا نہ واکر و ہنسی ہے۔ پڑھے آوک کا اس کید والا ہے والا

۳۱ کا تھا ہے سے ماز پانگی گھروا (ب کا سمو ہو گیا۔ نقاق سے انام جدو سوگر کا جول گیا۔ اب موال یہ سے رقاز کا اما افرار کے وقت مون پہلے فرزی ہی رما وی جی شمولیت کر بھٹا جی بیائٹ آ سے واسلان ڈی بھی را کر سنڈ آ سے واسلے کر کیسٹری و مشکٹہ آ اس کے رو کشکا اٹھام ہو دیسٹر فواز کی باہر میوان ڈیکٹو شر بیانی جدری ہور بینوا تو جوال

٠<u>٠</u>

الم موادر الرجن الرجم (1) مسيون تشهد کے بعد تقد واشیرونٹ درور فیروند پائے۔ ان قوال پرفتوی ہے اسلام اور انتقل کا قول پیدینئا کے دروروز نے ویکن مصلام کی بیدید ہے کہ آئی شرق مشاشید واست تا کہا و سے سام کے ا

دي وجد لك بدم ولا الانحلي والصريحة المصدر على المدور البرينة لم الاعدم في الديمر إج وقدر المحدر اكتاب ا العميمة مطلب سما بدائل المار كواج تو فسيحوه وقائدة في وشيئيم كرنته .

ومثله في الهندية كناب فصيرة الناب الجادي مشر في فعناه القوائب ١٩٩٧ وشيدية.

المستسوق سماعي الرائعمات بالح الإمام في الشهد الأجرار وإدانه الشهد لا تشمل بد بعده في
الد موات ثم ما دا يعمل لكنيون أورد وعن الرائد جاع الموكر و الداعة الإيام الداعة عن الأقاه الأعامه
وحمد المستجدار كذا في القبائية و المستجد في المستوى بير من في الشميد حتى معراج عند ملام الإمام
الداعي الداعي وقاعدي حل وهكما في المحاملة وقبح للقبار الهيئدية أنتاب المستوى المعين السابح
في المستوى والإحل (١٤/١) مهرارة أثانته

ومثله في فاصلي على كتاب الصادة بضل في المسادق الأسمار تهيمهم كولته

ولت يك يتنهدى سے فادرخ بور بيغا بالفرض أثر اس ني تصيد سكه بعدورا دو قيره پز داريا ليكن امام سك ما تحد معام فيمس بجرا تو اس بركوره مو واجب نيك بوكاركوك بيانام سكة الله عبد كسمه الحال في المدر المسعنار واصا السعسيوق فيدر مسيل لمسفوع عندمانام امامه وفيل يعم وقبل يمكور كلعة الشبهادة اله والتفصيل في الشاعية ⁽¹⁾.

(ع) واجب كرك بوجائي مالت على والت كا الده على والت كاندا عاده كرت والت تغازى بهى جماعت على المراح والت تغازى بهى جماعت على المراح والت تعادل والله على المراح والت تعادل والله والله على المراح والمراح والله وال

خ د والبدائطيقت فؤود ۱۱ و مناوي الإفرى الهماند

مسبوق مف تمل ہونے پر جبا کھڑا ہو یا کسی کوسا تھ ملائے ﴿ آن ﴾

م میافریائے میں ملا ود بین در یں مسائل ک

(۱) امام کے قیمی مف پرری ہوائید آال کی چی توانش در ہواور چیجے آن دالے فنس نے صف کے چیجے آن دالے فنس نے صف کے چیجے اسکی افتراء کی آن کی تماز جائز ہے اناجائز والدوائن معید کی روایت سے بظاہر معلوم ہوتا ہے کہ

الدو الدستار كتاب الصلوة مطلب مهم في عقد الإسباع عند النشيط ٢٠٠/٢ رشيفيه كولاله جديد.
 ومثله في البحر الرائق كتاب الصلوة باب صغة الصلوة ١/٥٧٥ رشيديه كولاله.

إد المسجل كتاب العبلوة مطلب في تعريف اعادة ١٣١١٦ وشهديه كواته جنيد.
 وطله في البحوظرائق كتاب العبلوة باب فضاء المعراث ١٣٩/٦ وشهديه كواته.

أماذ با ترتيل ـ ترقيل ـ قال ابن الهسمام ورواه ابن حبان في صحبحه وقال ابن حجو كاورترفي شراك المنظامدين من المحو و المحدد ابن حبان في صحبحه وقال ابن حجو و المحدد ابن حبان في صحبحه وقال ابن حجو و المحدد ابن حبان واقحاكم ويوافقه المخبر الصحيح ايصه الالاصلواة للذي خلف المصد و سها اخدد احمد وغيره يطلان صلوة السغر دعن الصف مع امكان اللحول فيه وحمل المهنسا الاول على المدب والناني على الكمال ليوافقا حديث البخاري عن ابي بكرة انه دخل والنبي صلى المهند والمناني على الكمال أبوافقا حديث البخاري عن ابي بكرة انه المحل والنبي صلى المله عليه وسلم والمادي المعلق فدكر المنبي صلى المله عليه وسلم فقال زادك المله حرصا والاعدا وي رواية لا بي داؤه وصححها ابن حسان فوكع دون الصف لم سنى ظاهره عدم لروم الاعادة بعدم امره بها وابعنا فهر عليه المسلام تبركه حتى فرغ و او كانت باطلة لم افره على المعنى فيها مع ال هذا الحديث وان صحححه وحسنه من دكر اعله ابن عبد المرابانه مضطرت وصعفه المبهقي كذا في الموقت مطبوعه وضيديه كونينه ص اله المحال

ال كما تيرال كما تيرال كمانان كمانل كالأماب ان بعيد الصموة ال استحايا لارتكابه الكراهة قال الطيبي انما امر ماعادة الصلوة تشديدا وتقليطا قال القاضي دهب الجمهور الى ان الانفراد حلف الصف مكروه لامطل كما قاله على. ١٣

اور لحادي جندا دارا مي الما التي تخطيع إلى فلما كان وحول ابني بكوة في المصلوة وخوالا مسعيدها كان حولا المسعيدها كان حضوة منجيدها حالت حاور خادي المسعيدها كان حضوة منجيدها حالت المسعيدها كان حضوة المسعيدها كان حالت المسعيدة المراد المستوالة المستولة المست

(۲) اگر سوان اور و بیچ وقت الله اکبر الله اکبر مرکب ندر کمیا در الک رکبی فوجی بید یا ظاه سنت کے موافق سے باطور موافق سے پائیس۔

そび声

لهم نشرائهمى الريم (1) الكريكي منسابيم كياش ياكل وقي قريض كما الاوريزكرا المنت بالأهم (1).
اصل الشرق يديك الكل مف سدكي آوي كي تي المادراكرا الكي تيني قرنز بوجاتى به بكرة من كل سدكل الميني قرنز بوجاتى به بكرة من كل سدكل وي المادي به المواقع به المسلمة المرافع المينية والمسلمة المينية المينية المينية المينية المينية المينية المينية ويقفان محتفه ويلونه بالمينية ويلونه بالمينية والمينية وال

(m) و بقول تجمیر التقیم کمیزا او بن چی منت چی الگ الگ کبنا طاقب سنت ہے۔ اس ہے احتراز کر ہ پیاہیے (^{۱۱)} وقتط واقعہ تبدیلی الطب

"بروابر ننصف فغريا الارتيام وأياد ١٣٨٠

امام کے مجد اُسہو کے افت مسبوق کے لیے کی تقم ہے

﴿ں﴾

کیافرہائے میں ملانے وین ومفتیان شرخ متین میں سنگا ہیں کہ سیول کو اوس کی افقہ اوش ہجد وسرہ کے سلام بھیرنے کے موقع میں سرام بھیر ہونے ہے یائیں اور اثر مغام بھیردیا تو کیا اس کی گزار جا از ہرج ہے گی ا

- دن وجود، عن لا عدس فراجة مدهد والاشتقر حي يجي آخر فيقعان خلفه ١٠٠٠ ولو له يحك عابها بقف حيلهن العيف يحذار الإمام فاهرورة ولو وقت متعرف إبعر علو تصبح صلاته خدما حلاقا لاحمد.
 در دائيستار اكتاب الميلوم ٢٠٧١/٢ منيديم كوكم حديث .
 - إن روالمحدر كذب الصلوة فيل مطلب في الكلاء علي العدم الأول ٢٠٢١/٦ شيديه كولعه جالها.
- ع) ومناه في البحر الرائح كتاب العملوة بات الإمامة (1974) والبيديا . ومديه في حاشية الطحطاوي ففي مراقي الفلاح كتاب الصلوة فصل في بدل الإحزار بالإمامة بس (١٩٧٦) دار الكتب العلمية بروت.
- ٤) ويشر مسل فيه ومحد، ضها اي يشبهن في الادن ويسرع في الافاصة وصده ان معمل من كلمتي الادان بمسكنة بمعملات الاقدامة فلشوارات ولمحديث الرمدي انه صفى الله علمه ومغم قال ليلال اذا افتت فسر مسل فني الانتزار وإذا اقسب فاحدر فكان صدة فيكاد فاق كه المحر الرافي كدات انصارة باب الاذان من ١٧٠) وارشيديه كنوشيه، هده المسكنة بعد كن مكير من لا يسهما المدادات من الامتاد احدا من المحديث ود المحدار كتاب الصورة مطلب في الكلام على المحددة الادان عرام ١٩٧٧م فيديه كوفته حديد، وضمه في الهمدية كتاب الصلوة قداب الثاني في الإدان المصل الذاتي في الادان المصل الذاتي في الاساب الاذان. والاذان و كستهما ١٩٧٥م و شداية كوفته.

4ē∳

عالمگیری کی ہے۔ و مشہدا اندہ بشاسع الاصاع فی انسہو و لایٹ بعد فی انسلیم و مشکیر والشلینة فیان تباہدہ فی السلیم و النلینة اسدت (۱) وہی اتداوی قیاضی حیان بھامش عبالحد گیرویہ المصبوق اذا سلیم مع الاحاج علی ظن ان علیہ ان بسلیم مع الاحاج فہو سلام عبدہ ایمنع البناء المنح (۱) و کسلا فی عائد گیریہ عن ظہیر به ۔ ان مجادات سے واشح ہے کہ مہول امام کے مجد اس و کے مناح بجر نے کے موقع بیل ملام نہ بھیرے اگر اس کمان بیل ملام بھیرہ یا کہ امام کے ملام بھیرنے کے ماتی برے اور بھی ملام بھیرہ یا توانی کی نماز فا موجو جائے گی رکھن اگرا ہے معلم ہے کہ ملام تیس بھی نااہ رجول کر ملام بھیرہ یا توانی کی نماز فا موجو جائے گی رکھن

مسبول کے سے امام کی اتباع

40%

مسیوق کودہ مری رکعت کے قعدوش اہام کی انٹارٹ لازم ہے یا ہوری التحیات پڑھنے سے کے لیے جیٹوں ہے۔ اور اہام کی انٹیارٹ بچیوٹوںے واضح بیان فرمائی کے احترافیائی آ ہے کو بڑا اسے فیروها فرمائے۔

#¿÷

رفوك فانه لإيتابعه المح) الى ولوخاف ان نفوته الركعة الثالثة مع الإمام كما صرح به في الطهيرية. وشمل باخلافه مالو افتدى به في اثناء النشهد الاول او الاخير فحيي قعد قام استاسته اوستليم ومقتصت هانته يشم النشهد لتم يقوم (٢٠). وفني هسالسكيريت

٤) الهنفية كتاب الصلوة الباب الحاسن فعصل المنابع في المسبوق واللاحق ا ٦٠ ورشيمه كولله.

٢) فتاوي قاصي خان على هامش الهندية كتاب الصلوة فصل في المصنوق ١٠٣/١ رشيعها

وقو مسلم منافية مقدامات فرمه السهو وإلا لاقال ابن هايدين نحيه قوله ولو سلم منافية فيد به لابه لو مسلم مع الإمباع هيلي شيء ل عبيه السيلام معه فهو سلام عبيد فقسم أكسافي البحر عن الظهيرية والشر المستخدار مع رد المستخدار كتناب المصلوبة مطلقية فيسما لواتي بالركوع او المعجود الع الإلالا ورتبدية كوفاء جديد

إلى الدر المحتار كتاب الصاوة مطلب من الحالة لركوع للجائي 163/1 وشيديه كولاه جديد.
 ومنك من الهجر الرائق كتاب المبترة باب صعة العبارة 8/1 دهر شيديه كولاه.

اذا الوركب الاصام في المنشهد وقام الاصام قبل ان منم المقندي وسلم الامام في احر المصلاة قسل ان يعبد السمة تدى المنشهد فالمساعد ان سم المنشهد كذا في الغيائية وان لم يعبر احراء المسع (⁶⁾ فكرد بالمام المدول في الرياض في المراص المامي المامي المائي المامي المراض مرسبوق تشهر فتح أدكة المصديدان في كرفة تشهدك ماضير بري في المنظمة والذفوال المراس

بندها الدامقا الدائد الصحيح الإدارية كالمعوالقداعة الغاطف

مسبوق کے انتقات میں شامل ہونے پراہام کھڑا ہو کیا قرمسبوق انتی ہے یا ہ*ارا تھے یہ بغیر پڑھے* افغان ملک

کیافر وسٹے بی ملز وہ بہتا اس سنگہ میں کہ ایک اولی بھا صند کے ساتھ کینی انتیات میں شامل ہوتہ ہے۔ جہب وہ شخصا ہے تو امام تیسری دکھت کے سیا کھڑا اور جا جہب اس آ دی کو اب انتیات باحثی جا ہے پائیس یا کہ ادام کے ساتھ کھڑا اور جانا جا ہیں۔ اگر پڑھنی جا ہے تو جونا پڑھے اس کی ٹھاڑ ہوتی ہے پڑئیس اورا مرٹیس پڑھنی جا ہے تو پڑھنے والے کے محلق کی تعریب۔

Č þ

سورة مسئولہ بیں جب کدود جھی قیام کے ساتھ تھدہ بیں نئر کیک ہوگا تھا۔ آس پر مازم سنے کہ التجاہت پڑھ کر چرکھڑا ہو۔ بھے تقبد پڑھے امام کے ساتھ شائل نہ ہوں ہاں آئر کھڑا ہو کیا تہ آماز پر کڑئے انگراہد ہے (''کے فقہ والڈ تو کی اعلم ۔

 الهنامية كتاب العطوة الفصل المسادس فيسة بنامع الإسام وفسنا لا تناسع ١٠/٠ ق وغندية كوفته ومشابه في مناوي فاصي خان هي عامش الهندية كتاب المساو ذهبال درس ومرح الانتدار ، ومرس لا

يعسج فأفافا ولايقايه كواهان

٢) مخالات مثلامه قبل قدام المؤلم النشيد فإلى لا بناعه بن ينده لوحواد قال ابن عابدين لعب قوله داد.
 لا يشاسعه في وشمل باطلافه ما تو الندى به في النا القشهد الأول اوالاحير مجين فيد فاه اداب او مشم ومغلطاته فه يتم النشهد ثم نفوم الله عن ابن أثبت المحتار عدى أن يتم أنشها أوان لم يمعل اجراله والمدود المدود عن المشخصاصي ١٩٤٤٦

و شيئويه كوافقه جديد. ومثله في الهندية كتاب العبلوة العصل السادس بيما بنامع الإمام وفيت لا يتابعه 1 أراج وشيئوية.

ومشاحة و الناصلي حالن ١٠٠٤م. (١١ هـ موة فعمل فيمن بعَسَج الاقتدارية وقيس لا يفسح ١١/١٥ ورشيدية كولك.

دوباره لاق کراز کہاں ہے شروع کرے

#J

عَامِ عَنْ هُمَ

بنا ہا کے بائزہ و نے کے لیے ہے ہو تھیں ہیں اس فران میں سندا کی شرفائمی ند إلی جاستہ عالها تو تھیں۔ ابدی بناجائز ہوئے ہوئے کئی اسی فی و سائد مرب سے نداز با صنابا بنقل ہے (سالیو) کے مسائل سے نوک وافقت ٹین ہوئے اور سیز فی اور بھی ہے اس سے بغور کے از مرفائر زیاز سے افقا وافقہ تھائی افغے۔

1.11

المحرم 2011ء

مسبوق امام کے ہوئے سلم اور تجدہ میں اتباع امام کرے یاصرف بجدہ میں

وية كن يُه

ا تبها فروت بین هارے دین و مفتوان شرع متین اس مند میں کرانیک مقتدی کی شرکت ایک

روم عباد الرورانية مناكبر فيها سنة في الدخر الرفق كتاب العملوة بات التحدث في العملوة 2270 1719. و غيادية كوك،

ومنه في ظهيد به كذاب المسوة الناب السادس في الحدث في العطوة ١٩٧/٩٠/٩ و طبيعه . ومثله في اللي المختار كتاب الصوة باب الإستخلاف ١٩٢/٢ و طبيعه كوفة

والاستنساف افتضل كما في البدري (الهندية كتاب العشوة الدب السادس في الحدث في العسادة
 ١٩٧٤م شيدية كوف، ومثلة من المعلامة الفناري كنات العسادة ففصل الرابع عشر في الحدث في العددة في ا

حالت شن ہوئی جبرانام ایک فاوورکھت پڑھ جا ٹمازش الله کے در کو دسوداد ب ہوئی۔ اللہ خارکہ دسوداد ب ہوئی۔ اللہ خارک طرف سانہ چھر کر مجدہ سجادہ کہا اور اس مقتری مبوق نے جدد ہوئے سام میں اقتر انہیں کی ترجید اللم کا مجدہ سبوش ہایا تو سیوق بھی مجدہ سبو نے الدر داخل ہوگیا آیا اس مقتری مبوق کی خارج کی ہوگی یاد ایارہ بڑھنے کی خرددت ہے ایک موادی صاحب فریائے ایس کدائی ٹودوارہ نماز بڑھی طرح مجھے میٹا توجیدہ۔ بنا ہے مجدی جواب دینے کی تاکیدا عرض ہے۔ متعل تر برخرا کی تاک اچی طرح مجھے می تاکیدہ سے

译飞声

مسبوق کو امام کے ساتھ ہو ہو شن شاش ہونا جا ہے اور سلام شن ایا گی جائے در کرے۔ لیکن امام کے ساتھ ہودہ ہو گئے اور ساتھ مجدد موکا ماہ مدیکارے اور مجدد ہو جن شرق کی او جائے جدفران اور سے تحرار ماہر کرا ہی جنے تماز پر رق کو ا ایا افکر آ ہے کی مسئول مورت میں ہے جو بظاہر تھا دے سے معلم ہوتی ہے تو ایش مرز مشد کہتے ہو کہ آئے ہائی کا تو ا مسبوق کو کھم کیا جائے گا اور کر کو کی اور صورت مراو ہوتا ہائی کا بھر ترزی کر کر کر ہے۔ جواب و جا جائے کا دوالے مصدب و فی المسلام مل یہ سبحد معد و انشاع ما المسلام مل یہ سبحد معد و انشاع مالی الفضاء (۱)

محمود علواات والأ

٢) الضامية كتاب الصلاة باب سجود السهو ١٩٩/٦ طبع مكتبه والبيدية بعديد كواتته.

كما في البحر الرائق لم المسبوق السابتانج الإمام في المنهر لا في المنازم فيسجد منه ويتشهد كتاب الصلوة بات محود المنهر ٢/٢٧/ طبع مكنم رضديه كولله.

وكفا في الهندية كتاب الصقوة باب ثابي عشر في صعود السهو ٢٠٨/١ طبع مكت، رشيديه كوتاه.

| | - |
|---|---|
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| • | |
| · | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |
| | |

باب فى الذكر بعد الصلوة

e se se suite de la company de

نمازی کے پاس با وازبلندقرا آن پاک یادرودشریف پڑھے کا تھم ﴿ س ﴾

كيافريات جي على مدين دوي سرك ك

(۱) جب تمازی البازچ در با بهزاد وروس تمازی جوک إجهاعت نماز پر عضت کے بعد قارئ جول کیا وہ الممازی بلند آواز سے گفت سے بعد قارئ بعل کیا وہ الممازی بلند آواز سے گفت سے اور بیاب کہا ہے۔ المصلوة والسلام علیک جاوصول الله کو کھر بعض لوگ جماعت کے بعد آگرا چی تماز پر سے بیں اور اور در سے تیں ۔ اور اور در رے قباری المعان آوال الم کہا تر و ح کرد سے تیں ۔

(۷) نمازی کے پاس بیڈر کر آن پاک بند آواز سے پڑھنا کیا ہے۔ اس کوفتہ صدیث وولاگ اٹسہ اربیا ہے بحوالیقر آن وسنٹ کی دوشنی ہیں واقعے کر ہیں۔

4€3}×

(۱) صلاة وسلام كمينا فى تغسر مبادت و دكارتواب ب المحاكم المحاكم الحينة بين اورجها بعى المجتب بين اورجها بعى المجتب جب درس وتوكف في المعاد وسرت والمحال المحال المح

٢٩ كيميا قبال النمه تتعالى ان الله و ملَّكته يصلون على لنني بَّابها اللَّذِين اعترا صلواعليه و صلموا تعميما صوره الإحواب آيد: ٥٦.

 ٣) كسمة في رد السمختار . . . و هناك أحاديث التميت طلب الإسرار والجمع بسهما بأن ذلك بحلف بالمدارف الإشتخاص ... والا بعارض ذلك حديث خير الفاكر الخفي لا به حيث خيف الرباء وقادى السميلين كتاب المبتوة باب ما يعمد المبالاة وما يكره فيهما منطلب في و فع فصوت بافذكر ١٠٠/١٠٠ منبد كراجي.

وكيفيا في منجمسوحة الرسائل اللكهنوي سباسة الفكر عن النجهر باللذكر الباب الأول 1997 إدارة. القران كواجي.

و كيفا في منج موعمة اللفشاوي حبرينه اقبلني صاميش تنفيح الحامقية كتاب الكراهية الاستحسان ١/١ ١٤ مكت حفاقيه بشاور . ی احقہ معالمین سے دائم و تیزیاں نام و الفائد سے الراسو قوم اسم کیا جائے قوا اور انتہارہ ہے کہ اعتمار آئی الفائ استم ان کو والا محدیث تین کیم قرائب و رواجائز اور النام کی پیشنو و نامو کا اگر چاہو ہے انہیکن تعلق وی الو نادیس ور دارا اسے تین جنول میں یا

الات القوارق سے بال وقرار قرائد اللہ بالدہ اللہ اللہ اللہ اللہ بالدہ باللہ بالدہ اللہ بالدہ اللہ اللہ اللہ الل اللہ بالدہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ اللہ باللہ بالدہ بالدہ بالدہ باللہ اللہ بالدہ بالدہ بالدہ بالدہ بالدہ بالد اللہ اللہ اللہ بالدہ اللہ بالدہ بالدہ

ر حمل كسب الفقه و محمد وجل نفراً انفوال والاسكنة استماع الفرائ كان الاسراعلي المفاري، والاسمى عملى الكامب وحمى هذا الوفر اعلى المبطح في الليل جهو أيا لم كما في الموانب (١٦ فيرادات تمال الأرا

" رونير الكيف

بعد وفرانض، أرن شرك ميثيت

هٔ کی ک

وأشامت جناب مغرت عني سرارب زيرمها

ا مام آمندن الكرابع موش به الإداري و المدون موافق كل قائم المناصري بدوات جول الكرابي بالدار المسال المؤلف الإنت الخال وقتى وجوار المراق البيت في كرفارى الإبلانت فليب البابت بيان بيان كرام الموافق الموافق المرا القريب والمرافق المراق المراقبة المداوات المراق المراق المراق المراق الموافق المراق بالمراق بالمراق المراق المراق

(1) عن من جريرة راديني الله عنه قبل قبل رسال فنه دري إله عنها و رسوس صلى عمل قبل في سميه رادي شايل عني الثراء معتم الهي الحرائم على الله عليه الله عليه مسموني كوف الانتهائية للميدي. عمد قبل الدوليل لا يعلم من عن المسعود دولاً رايل العالمية الانتهائية والتحل إله الأنهائية .

۲۲ کستانی داوی داراموه کاب الدّلاتات ساوس بدّ الورضائة لعدین ۱۲۵ه طع مکت حقیق مقال این المدوجة وضیاحات

 آن تعدی الملاحظوم کامل الدر حدد این برای (۵۰ مالع مدد ما لوچه برا ۱۳۵) در حد بروق موقعه رای قدار الاداماره کاف با قدم و فروع فرا الفرائد الازاج فساح و این بادی الاقتار الفقه و حدد با مؤاهد المقال ما الفرائد الفرائد (۵۰ ما تا ۱۳۵) به در الادامار شده الادامار الادامار تا ۱۳ ما تا این با تا این با تا این الادامار الاداماری ا جدے شاہ آتی دیر لگاتے ہیں کر آدی ہوا کہ مرتبہ تھی ہو ایک ہا اور بالگ تیں انتقاب اب آب میر ہائی فرما کر اس کے بارے میں کھلے کیلے افغاز میں فوائی صادر فردویں جاکہ مرجمی جمیس اوران کوئی جمام کیں۔

40 e

قبال في و دائمت و وفي الفتاوى الخبريد من لكر اهية والاستحسان حاء في المعديت ما اقتصى طلب الجهر به محروان ذكرتي في ملاء دكرته في ملاء حير منهم. رواء الشيخان وحساك احاديث المعديث طلب الاسرار والبحم بينهما بان ذلك يحتلف باختلاف الاشتخاص والاحوال كما حمع بذلك بين حاديث الجهر والاحقاء بالقرأة والايعارض ذلك حديث خيف الرباء وعادى المصلين او النبام (ألى ال قال) عن الامام الشعر الى احميم المطلباء سلفا وحلفا على استحباب ذكر الجماعة في المساجد وغيرها الا ان يشوش حهرهم على باله ومصلي او قارى (أ).

ایس فابعت ہوا کد صورت مسئول میں اوکار واویہ کا پر حد معنو کے ہیں۔ کیونکہ آٹٹو کیش نمازیوں کو ہوئی ہے ^{CC} کونر کی فآوی ورالعلوم میں ایمن کا قدیم کا زوا واللہ تعالیٰ الم

ترويجواني شيافتم لمساوة والمتعددة استابع

نمازوں ہے قبل یابعد ذکر پانچبر کی شرعی هیئیت ملاز وں مصلح

آ بیافر بات دیں معادد کیں اندر میں مندا کہ تھے۔ بالٹیں ایک جماعت جود کی بندروا شخاص پر مشمل ہے۔

٤) كذا في رد السنجندار كياب النصافاة مطلب في ، قع العبات بالذكر ١٩٠١ هم اليجد اليجد اليجد البودستية كراجي وكسيا في محموعة الرسائل الكهنوى ... وهناك أحاديث النضب طلب الأسرار والحمح ليسهب بنأي ذلك يحتلف ما خلاص الإحتجاس والإحوال كما جمع من الإحاديث الطالبة لمجهر وظف ليها في المحمود وظف اليها في المحمود وظف اليها في المحمود المحمود

کندا فنی نشاوی دار البطرم دیرسد کتاب البسلان باب السادس عشر فی صلانا آلبیدین ۱/۱۸۰۸ مکتبه حقاب مثانی

ہر تمازے پھٹل یا بعد میں اگر الی بانجر بزے اور شورے ابناہ بھر دینا کے دوست میں۔ جوکہ نفرادی تماز پڑھنے والوں اور قرب، جواد کے عمام کے سلیے اختراش کا سوجب بنا ہے ۔ کیا شرع شریف میں از روسے شریعت اگر پانچر معلق جائزے بائیس؟

₩O\$

قبال السلسة تسعالي الاعوار بعكم تصرعاً وجهية الإيد (1) آيت عن كركل كاامور بهون فاجر عداما ويده في المستحدة المادية المستحدة المستحددة المستحدة المستحددة المستحددة المستحددة المستحددة المستحدة المستحددة المستحدد

محودين التدعن مفتى حادساقا مم العقوم لمثمان

١) سورة اعراف آية: ١٥.

٧) وكفاعي فنح القدير كتاب الصلاة باب صلاة العيدين ٢٧٩١، ٩٨٠٠٠ طمع رشيديه.

كفا عن الدحو الرائق كتاب العداوة داب الصلاة فلميذين ٢٧٩/٣ طبع مكره وشهديد كولاد.
 كدد الفن الدم المسخدار كذاب العدوة داب مايدسد العداؤة وما يكره فيها مطلب في وفع العدوت بالدكر الراح الدمية دكراجي. وكذا في مجموعة الرسائل صاحة الدفكر في الجهر بالذكر اللهاب الاول ٢٠٤/٣ دارة الترام كراجي.

³⁾ كليما عن من رو المستحدار حساك احاديث فتنفت طلب الإسرار والتحمع بينهما بأن دلك بختلف بتأسيا على دلك بختلف بتأسيلات الإسرار والتحمع بينهما بأن دلك بختلف بتأسيلات الأستخداص ولا يحدار من ذلك حديث حير طفكر الخفى لابه حيث خيف الرباء وتأذى المستحيلين كنداب المسائدة بالماسية والمستحيد المسلوة وما يكره بنها مطلب في رفع المسرت بالذكر الربائل قلكتوى بيناحة الماسكر في الحجر الماشكر ١٩/١ - ١٩/١ عبد إدارية الشرائل كراجي والاستحيال ٢٠/١ مكتب خفايد.

نمازوں کے بعد جبراً در دوشریف پڑھنے کی شرق حیثیت ، بہتر وافضل در دووسلام کونسا ہے۔ ﴿ س ﴾

کیا فرماتے ہیں علی دوین در میں سننے کہ بھٹ سیاجہ میں بکھوٹٹ فراز باہنا عند اوا کرنے کے بعد می استعمال سن اندائی کے بعد می استعمال سندائی ایران اور میں سننے کہ بعد می استعمال سندائی اور دور شریف کھے ہوئے جوآ ایران سے میں انداؤہ میں اور دور شریف کھے ہوئے جوآ اور ایران کے اللہ اور ایران اور بھٹر کون ساور ورش بیٹ ہے اور اس کے اللہ تھ کیا ہیں؟ تیز مہم میں آران کے بعد ان خاکرہ والل کھا ہے کہ ایران سے کے معملی شریا کیا تھا ہے ہوئے ہیں کہا ہے کہ بھر انہا ہے ہوئی از دعا کیا ہیز ایران سے کے معملی میں ان کے جوالی از دعا کیا ہیز ایران سے دور جن فرش فرزوں کے بعد شیر انسان میں ان کے جوالی از دعا کیا ہیز ایران سے دیا تھ جروا۔

40%

د ووٹریف پز جنے کا ہزا تو اب ہے (اکیکن تماز باھا صنے ہو آ و تدریز حاج اسٹ جو آپڑے ہے۔ مسبوقین کی نماز بھی طلق واقع ہوگا۔ اس کیے مرف ہیں ہے امتر از کیا جائے آگر صنیدہ ہیرہ کران کھاست کو ٹر شد حضور صنی الند طلع باللم پر چنگ کرے گا⁽⁴⁾۔ بھر بدود دمجی جائز ہے اور کر بہ تعظیم و موکز حضور منی مقد عابد و کلم ہر وقت بلادا مفاضقے جی آؤان کھانت ہے ووو ہرگز نہ پڑھا جائے ۔ و بیسے دروش بف بھی سب سے بہتر طریقہ

الما في قوله تعانى أن الله و مأتكنه بصلون على الدي يابها الدين نسوا صفوا عليه و سلموا تسليما سورة الإسراب أية (8 هـ بار ١٩٤٥).

المدادي كبر العمال أكثر وامن الصنوة على في كل يوم فان صلاة أمني تعرض على في كل يوم جمعة. فمن كان كترهم على مملاء كان أفريهم من مؤلة الباب المدادس في الصنوة على البن عليه وعالي. المدسمية والمدالم 1887، عبم مؤسسة الرسالة.

وكندا من ايضافي كنو السنال (١٣٨٠) أناني لات بن ربي عزوجل فقال من صلى عليك من أملك مسالاة أكب الرقم له بهما عشر حسالت ومنعى عنه عشر ميثانية ورفع له عشر فرنجات زرة عليها مثلها: المان طلمادس في المعلوة عليه وعلى أله عليه الميلوة وظليلام (١٨٨/ طبع موسسة الرسالة وكذا المعلة في كثر المعال (١٤٤٧) ميثما كنتم الميلوا على ذان صلاتكم ثبلغني (١٨٨/ ١٨ طبع مؤسسة ظرساتة.

٩) تقدم تحريجه تحت حاشه بمبر ١)

وكندا منطأ في كثر العماؤن ص ١٣١٤٠ حشمة كنتم معلود على قار ميلانكم تمغني، الح ، ص ١٨٨٩ م: ١- شم موسسة الرسالة.

طر بقد دویت جونمارش پر هاجات ب⁽¹⁾ را الملها و صفر علی هاجها النام رکیش پر سنون درود جمی آماد یا مها هت مک جعد زیراً نه پر ها جانت مرم پر حاصاد ب ^(۱) رقم از دیا بوقامات اوروقوت هدیت می انقول و با قررش مان کارم عناقتنس سے دواند توانی اهم ب

محم والمقاعلة الوصفي عدد ميثة مم العموم المثمانية عام صحيح إن 10 Mag

بغیرالتزام کے گفتیوں پرورووٹریف پاصفا کی ٹر**ی** دیٹیت * ساتھ

آیون فریائے این معاود زیران مساری کیائید مجدی میں میٹ ید امری کے عود پر جداز کماز تجرودی قرام می مجمد دوائری ہے دربعد از خاز میٹارون مدینے رسول انڈمٹی انڈ میدو کلم کا مواکری ہے کر روز بعم اسے عولوی سامب ہے افرومول میں تھائیں ہے ہوئے میں بھرتھ ہیں۔ جوتھ بہا اردیانی تھری کی کافاصلو ہے رقومتی احداز آماز تجروری کوفٹ خانی موٹا ہے۔

کیست قر کار سود محسیال میتند الدن کی آن کھولا ہیں جا الدن میں بیٹنے والے دوو ترخی ہیں تھے۔ ایس الاس بادر اوش بیٹ الی اسٹیت سے باعد یا تا بھا کہ یا کہ اُر دافر دائی معلوم وہ جھا کہ کو کہ التا ای کیمی موتا احتمار افرائر سیٹ ہیں کی اوس و اسٹانی میں کیا ہے اور اعظی جائے تھی ہے۔ اس جہ روز ڈیٹ جی جائے ہیں ہے۔ یا دائے ا اعظم اوق سے قرام کے قرام کی جیلے ہائے ہیں۔ اعظم اوق سے قرام کے ترام کی جائے ہیں ہے۔ یا دائے واسٹ کو اسٹانی میں دور کی نظام سے گھی و بعد ہاتا ہے کی درائ فرائی میں تھی تر بیٹیں ہند کی دروش بیٹ روس جائے ہیں جائے ہائے ہیں۔ ا

 إذا يا من مسجوح موجول فائل سمم الدعد على على بريان ليني ذال القوى كامر دون عجوم فقال الإ أم دى أن حدداً إن الدين معي الله عليه وسلم خرج عليا فقيا ما رمون الله قد علينا كيف سيلم
 عاليات أكرب مجالي عزبان فقال قوارا فالهرجيل على محمد والحج سب جراوة هاي الدي صلى الله
 عليه وسند 14 / 4 منه شديمي كنب جرنه

و أشار العربي و المسجنان كتاب الصنوع مطلب في عمد الإصابع عند التشهد ٢٠٣٠ ٣٧٣ علم مكيم. والبيانية حديقا

٧) المداني قوله تعالى أدعو والكه نشر فأو خفية إنه لا يمني المعتدس مورة الاهراف آية: ١٥ ياره ٠

ا گرسمادی صاحب بروز جمعه تشریف قربه بول باتو میمرورود شریف نیس پاها جاتا به یک ورز قر آن مجید حسب معمول بوتا ہے ۔

حدیث نبوی میں موجودے کر بروز جس کترے ہے ور دوٹر یف پا حاکرہ بھے پر ڈیٹیاؤ جاتا ہے۔ اس خیال ہے ورووٹر نیف پڑ حاجاتا ہے کے مضور سے السلام کی خدمت میں بیٹی جاتا ہے۔ وہسرگ بات سے ہے کہ دس نیکیاں لمتی بیں اور دس کما وسطاف ہوجاتے میں اور اس درجے بلند ہوئے ہیں ۔

$\Phi(\Sigma)$

طریقہ فرکوروہالا کے ساتھ بڑا کی قید والنزام کے درووشریف پڑ معنا ہے تزیب ^(و) معنزے میدانندین قمر رضی اخذائیہا والی مدینت میں اصول کے فیز آنٹر میکی معلوم ہوتا ہے کہ معنوت کا ارشاد بھی منرور کی تجھ لینے کے خونے سے بیاد دکوئی تی محکمل رکھ ہے۔ فنڈ وائٹہ نشالی انکم۔

2,7,5ميرالخطيف

٢) السما في الترغيب والترغيب عن ايبها رحى الله عنه اله دخل مع رسول الله صلى الله عليه وسقم على إسمائة ويس يديها بوق او حص تسبع به قفال الاحمرك بعاجم أيسر عنيث من هذا أو أفصل فعال مسجلي الليه عادد ما خلق في الديمار مبحال الله عدد ماخلق في الارض سبحان الله عدد ما بين فالد الدر أسمائي مراجع عن حوامع من التسميح والتحميد والتهليل والتكير ٢٨٩/٢ طبح المكب حرمين القريفين كانسي رود كوله.

و كافيا من وه السمعتار كيات الصلوة معلق الكلام عني اتخاد السينسة ١٨/٢ قطاع مكب و شيفيه حديد

نمازعشاء كے فوراً بعد درس قرآن كائتم

400€

کی فرہائے ہیں علاوہ بن ور بی سنٹر کو ایک مخص عشاہ کی فعاز کے بعد فر آوری قر آن کریم آواز بلند بة رعیدالا آز تیکر دیتا ہیں۔ جس سے بعد ہیں آئے والے فعاد بولی ، غیر و کا تکلیف ہوتی ہے اور فعاز ہی خلل پڑتا ہے کہا ایسا کر اجا کر ہے آئیس۔

€€}

ا کرلوگوں کو تکیف ہوا در سید میں نماز پڑھنے والوں کی نماز میں غلل واقع ہوتا ہے قولا وَ ڈیٹیکر کے استعمال سے احترامز فائز مرہے (۲) منظ وحد تعیان غم رہ

رور کار سیان کارواندان ساز مسایه ۱۳۹۸ ه

ا قامت ہے قبل صلوٰ قائے نم فروں کا تھم ﴿ سُ ﴾

کیافرہ کے چیںعلاد این استندیں کہ حارے ہاں ایک مجد پی خلیب مجد نے بدائع کردکھ نے کہا قامت سے پہلے تین فرے اوڈ ڈیٹکر پرسٹوڈ کے لگائے جاتے ہیں رسٹانی السعسنوڈ و المسیلام علیک بساد صول الملہ باد حصہ فلعالیس، با شعیع المسفنیس وغیرہ ان توران اور کا جُوست قرآن وصہ ہے ہے اس سنت ہے پاٹیس ادوا نیے تعریب کانے جائز ہیں باتا جائز۔ اگر تا جائز ہوں تو اسرار کرنے والوں کے متعلق کیا تھے ہے۔

اس حمن ہیں ایک نو والعلوۃ والسلام ملیک یا سیاست النی نگایاجا تا ہے آیا اس نوے کا کوئی مطلب نکل ہے یا نہیں اور یہ جملہ فنوی طور پر بھی سی ہے یا نیس ۔ اس معاسلے ہیں قرآن وصریت وفقہ بھی کی دوشی ہیں چواب منا ہے تر اراب مارے تاکیکے راستہ افتیار کیا ہے سکھر

ه المعافي ودالمعتدار أحمع العلمار ملفاً وخلفاً على استحباب ذكر الحماعة في المساحد وغيرها إلا أن يشوش جهرهم خلق غالم او مصل أو قارى اكتاب الصارة مطلب في رفع العبوت بالذكر

ه (۱۹۹۱ طبع مکب ر شیدیه اجدید.

€€}

خور دیجیر اندا کبر کے مواج تی تمام تو سے برحق واجب افرک بڑے۔ اس بدعت شی بولوگ جھا ہوں ان کوئری سے مجھایا جائے ہور بدعت کا سخی اور تو یقیہ مجھا کران کو باز رکھا جائے ⁰⁰۔ کیونک ہوری استفاعت تو مسجھانے تک مجدود ہے۔ خفتا والشد تعالیٰ المغم ۔

عبد بذمقاانده ومقتي يددسوة بمرابعوم خنان

 إلى قبل بن المحار (ومندع) أي مناحب بدحة وهي احتفاد خلاف المعروف حي الرسول صلى الله عليه ومنفج لا يستمادية إلى يتوج شبهة الح كتاب الصلوة باب الإمامة ٢/١٢ ٥٣٠٥ عليم مكتب وشيديه جايث.

وكنة فني حبلني كبير والمراد بالبيشاع من يعتقد شيئا على حلاف ما يعتقده اعلى السنة والجماعة كدب العبدة باب الإمامة من ١٤٠ معيدي كب خالد.

وكذا في حيثية الطعطاوي على مرافي القلاح كتاب العبلوة باب الإمامة في: ٣٠٣ طبع دار الكتب العلمية يروت بيان.

| • | | |
|---|--|--|
| | | |
| | | |

باب في السنن والنوافل



ھ عث کمتری ہونے پر فجر کی منتوں کا تھم ﴿ س﴾

صیح کی بھا ہت کمڑی ہونے کی صورت بھی میچ کی شنگ پڑھ کی چاہئیں یائیں۔ ویڈ کہتا ہے کہ اگر بھا ہت بیل شائل ہونے کا امکان ہوا کر چہ الخیات تل بھی قرشنیں پڑھ سے ورز چھوڈ کر بھا ہت بھی شائل ہوجائے اور صورج نظلے جران کی قضائے محر کھر کہتا ہے کہ اگر بھا عت کھڑی ہوتو شنیس نہ پڑھتی چاہئیں اور زسورج تھکئے ہ این کی قضاوا جب ہے۔ براہ کرم نعمل تحویر کر ہیں۔

€ひ}

مسورة مسئول على المح عندالا عناف بيد بها كه اگري قده طفا كي اميد بوتب بحي من في زك نه كري (٢) د كي كدا هاديت جن اس كي بهت تاكيد آقي ب به بان اگر بالكل فوت بما عت كا عشره بوتو پيرفيل پاهني چانيش - بلكه جماعت على شركت شرادى ب به باقي اگر من رو آني تو اگر آخر الفن بحي نيس پاهم - بجرة جماعظ اكف منتون كوجي بود طوع شر اقتدا كريد و لايد لم تصريف الا به طريق المنهاية) (١) د افتاد الله تعالى النم .

يترا الوعقا لأومز

۱) قساعی رد المحتار وقد إطفوا علی إدراکه بإدرائد النسهدا قبائی بالسنة اتفاقاً کما أوضعه فی اشتر به الا لیة اینها کتاب الصارة مطلب عل الاسانة دون الکراهة أو أمحش ۱۹۷/۶ طبع بکتاب رحیدیه جدید. و کفا فی حاشیة الطبحطاری عالی مراقی القلاح کتاب المبلوة باب إدرائ الفریعیة می: ۱۹۵ طبع دارلکیب الطبیعة بیروت.

وكفا في البحر الرائق كتاب الصلوة باب ادراك القريضا ٢٩٨٦ طبع مكنيه رشيديه كوفاء.

٣) لساغي لدر السختار كتاب العبلوة باب ادراق العريضة ١٩١/٦ طبع مكب رشيديه جديد.

لمسافق حاتية الطبخطاوي لم نقص منذائفجر إلا يقربها مع الفراص كتاب الصلرة باب إدراك القريضة ص ١٣٠ قطع «دارالكت العلمة بروت لمال.

وكالحاص البحر الراتق كتاب المبلرة باب إدراك العريضة ١٣١٤٧ طبع مكتبه والهديه كواهد

فجر کی جماعت قائم ہو <u>نکنے کے احد شتیں پڑھنے</u> کا قلم

4 U P

کیا فرمائے جی عامد دین ومفتیان شرع متن ان مسائل جی کد.

(۱) فحرکی بناعت کفری ہے ایک حاصیہ آئے ہیں اورسند با حناج سے ہیں۔ ووس حاصیہ ان کو منع فریائے ہیں اورقر آن یاک کی مودہ اعراف کی آفری آ بات طائے ہیں۔ وافا فسوی الفوان اورایک حدیث منتلوہ ٹریش کی اور کہتے ہیں جہاں تک امام کی آ واز جائے وہاں تک ٹیس بڑھ مکٹا ہے۔ لیکن پہلے صدحت فرائے ہیں کیک طرف ونے ہیں پڑھ کٹا ہے۔

(٢) أكرية منت تمي وهيدت ووجا عن قوان توكم والت اداكري منعل جواب و سركمنون فراوير به

و تَ¢

ون المد في العناية على هامش فتح الفدير كتاب الصابرة باب النوافل (1887 عليم مكتبه و شبدية كوفته . و كفائل العناية على هامش كتاب المبلوة باب إدراك العربصة (1867 علم مكتبه و شبدية كوفته . و كدائل البناية على شراح الهدية كتاب المبلوة باب إدراك العربصة 1867 عظيم (ارفكاب الدمية سروت لمال).

لا المعة في هيخوج المسلم بال استحياب راكفتي سنة المحر والثحث خليهما ٢٤١/١ طبع فديمي كتب خيازه. و كاذاة إلى العباية على هامش آدات العبلوة إلى إدراك الغريضة ١٠١/١ عطبع مكتبه راهنديم.
 كولتور.

٣) لا داه ي رد المحتار وقد إنفوا على إدراكه وادراك الشهيد، فيأتي بالمبنة اتفاتاً كما أرضحه في طفر شاكل ليه بيشةً كياب المبلوة مطلب من الاساك دورة فكراهة أو أقحش ١٩٧٧، دم مكت رشيديه حديد الله وكذا في حالية المقصصاتوي عرفي مرامي القالاح كتاب الصبوة داب إدراك العربصة من ١٩٥١ شيخ دارلكت الملية بيروت.

وكنا في البحر الرائز كتاب الصنوة بالداك الفريضة ١٣٩/٦ طبع مكمه وشيديه كولته .

آمان : وقر الكامورت عن كيد سناه برا آم بجدي وأكل متوان كا بيني تنيق بإنه سال اور بن عمل على المرافق على المرافق المرافق المرافق على المرافق ا

(۳) آگر فحر کی شغیر رہ جا کس تب طلوٹ آ قرآب ہے تجس آ ادار کرے۔ کیونکہ ہشتہ کوہ ہے ہورسورن کے چڑھ جائے کے بعوز وال ہے تجل الام بجر رہر اللہ کے فرد یک ان کو بڑھنا چاہیے اور تیخون کے فرد یک ان کی تفاوکو کی تھیں جب کسمیا فیال علی انہیں ایت واقا فائند رکھیا الفیص لا یفعنیہ بھیا قبل طلوع الشمیس النے (۲۰ فقط والفرانعائی علم۔

حروه فيوالعليميد تخوف 1970 - فج 1870 هـ

فجرک کتی جماعت سلنے کی امید ہوتوسنتیں بڑھ ہے

∜√∳

کیا فریاستے میں عالم ہے دین اس سنٹریش کوا کے بالکل چیوٹی ی سمید میں شن کی تر زیسکے لیے ہما ص کیڑی ہو بیکنے کے بعد معجد بی زیدا ور مجروالمل ہوتے ہیں ۔ زیر سجد بیں رومکت سنے ڈک کر کے فرنسول کی وارکی کے لیے برد عندین شامی موکر بعد فرنسوں کے وورکت سنے اداکرتا ہے۔

١) الهداية كتاب الصلوة باب ادراك الفريضة ١٩١٨ اطبع مكنيه وحمات لإحوو

وكذا في الشابة على شرح الهداية كتاب العملوة ماب إدراك العربيمة ٥ ٩ ٩ ١٠ طع دارالكتب انعقبهة سيروت لمد ان وكدف في ظماية على هامش فتح القدير كتاب، العملوة ،اب إدراك العربيمة ١ ١٤٤٤ - طبع مكتبه رشيده كولاته

٣) المهدية كنات الصلوة باب الزراك القريضة ١٥٩/١ ما عليم مكتبه رجمانيه لإهور

ا و كعده من الساولة على النبراح المهدانية كنات المسلولة بالباردر أن العربيطية ١٩٥٧ و ها طبع داو التكتيب السلمية الدار وات الراساني. و كانته على فاسائية على ماسطى فاتح القدار اكتاب العالوق بالساؤر الدا العربيطية ١٩٧٩ و الم الطبع مكتبه راشيدية كوكته .

کر سمبر میں ہیں ور رکعت سنت اوا کر نے کے بعد برنا حت میں شائل ہوا بھر واقوں رکھتیں فرشوں کی چلی حمیمی رصرف انتما ہے میں جماعت کے ساتھ دائے بھی بھوا را کیک رکھت فرش میں شائل ہو گیا۔ جن بے فریا ہے کو ان دونوں مینی زیدا در کر بھی ہے میں نے میچ عمل کیے۔

€&}

اگرضی کی جما مت جوری ہے قو گرا کی رکعت کے لئے کی امید ہے قو منتیں علیدہ جو ترقی ہے گا۔

ہما ہت ہیں شال ہو جاء ہے ۔ لینی جب تک آئی رکعت سئے کی امید ہوائی انت سنی کا ترک جا ترقیم آئر

ہملے نہ بر حق آ پر بعد فرشوں کر آئی طوع آ آئی ہے تو طوع تھے کہ فرش پڑھتے کے بعد شن ہم کا طلوع سئی ہے ہے کہ تعد شن اور کا طلوع سئی ہے ہے کہ کہ سنی اللہ منتی کی تحقیق المنت ہو کہ کی تحقیق المنت ہو کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ کہ تو اس کی تعدید اللہ بطوع کی النہ بنا المنت اللہ بند بند اللہ بنا بند بند بند بند اللہ بند اللہ بند اللہ بند اللہ بند اللہ بند بند اللہ بند ال

Jjósovadso Stræðingu

منتیں پر جے بغیر بما حت میں شامل ہونے والا منتیں کب پڑھے

€U"}•

کیا فریائے ہیں علا درین دریں سنلا کے کی تجھی مین کی نمازیس سنتیں پڑھے بیٹیر قرض نمازیش امام کے پیچیے شامل ہو جا 1 ہے ۔ آباب وہ فرض نماز کے بعد شنتی اوا کرسکٹ ہے یا کمی وقت شنتی اوا کرسکتا ہے ۔

دون النفر المستخدار مع رد المحدار كدات العلوة باب إدراث الفريضة مطلب على الأساءة دون الكرية أو المدارية ال

و كدا في البحر الرائق كتاب انصلوف باب الاراك لغريضة ١٩٧٢ طبع مكنه رشيفيه كوك . و كدا هي نشخ المقديم شم ع الهداية كتاب العينوة باب الاثراك الفريضة ١٩٧٤ ١٩٧٤ ؟ هليع مكتبه و شهديه كوك.

40

ورفقان شرب و الايقتصبها الابطريق النبعية (١) مين فجر كرستون قات تهل به كربيك ورفقان شرب كربيك المرقف النبعية فوات المربيك المرتب الرحم المرتب المرتب

سنت فجر کے لیے جگافتھ کرنے کا تھم

$\Psi(U)$

"بیا فردائے ہیں علما وہ میں وریں سند کہ فرق ہورکھت ماند جماعت ہوئے کی صورت ہیں کمی جگہ اوا کرتی جائیں را آرسجد نے میں میں مرف جارہ خوں کی جگہ ہوا ور جماعت ایک صف جمر کھڑ تا ہے باقی مشیل خال جی اقراقی صفول پرسند اور کی جائل ہے بائیں اور اس مقصد کے لیے بلان سنوں کوا ڈکٹ جگسا او کرنے کے متعلق مند دجہ ویں منسد ورست ہے باز متوا ایک مجد کو بنائے ہوئے بندوہ مال کا خرصہ ہو چکا ہے۔ اس کے سخت عمد اصورت جارم تھی تھیں اور چر دمنوں سکے چکھی ٹوٹیاں وخود بنانے سکے لیے بھی ہوئی تھیں اور اب ٹوٹیاں ٹی تبلہ میں بناوی جی اور وہ چکستان مجد کی مرف سنت کے لیے الگ کروی جاوے یا ایک اٹنے کا فرق کرے میں میں

المعشء فأرفاه فاسته مكتمار شبديه حديدا

الدوالمحتارة آثال الصلاحة بالدائر الرائد المريضات من ١٩٤٨ ع ٢٠ طاح مكتبه راهيمه كوفعة و ١٤٥٠ فيم في حداشية المطلح طاوى عمل مرافي القلاح، أكتاب الصلوف بأب الوراك العريضة من ١٩٥٣ طبح
 دارالمكتب المطلبة، يهرونند وكذا في المحرائرائي: كتاب الصلاة، باب الرائد الفريضة من ١٩٣١.

اج ٦ ، طبع مكت رشيد به كولف ـ

٣٢ الهنامة أكتاب العبلوة باب إدراك العربيعية ٢٦ و ٢٥٠٠ عليم مكتبه واحساب الأهوار. وأكتابا في العبر المستحمار منع راد المستحمار باب إدراك العربيمية مطلب هل الاسابة دوي فأكر اهه أو

وكداخي النحر الرالق كتاب فصلوة بالمنافراك للعريضة ١٣٦/٣ طبع مكتبه رشيدته كوتك.

ا مُن الله من رسندگی فرنس منده داد و با دست و آنتین فرنس و آن با بعث در است دین باکش در در این تقریع بهد او یا موزش و مدود کیا که اوک این این این این در شد شد که موزی و گاهش کا دوجاد سدگا و دعوی کهد سند می ایسه و قد خسفاند بناسد کند نید خبره و تو یا با دیاری شد به یکافش بود به دین که این سند که کشند فاقت به این ا بنا و زیر دیگری مجد کاکن و این کش بنایا و او و جدای هرای افک سید و این طریق کینی شیخ سند این قرقهمی بنا و زیر دیگری مجد کاکن و این کش بنایا و او و جدای هرای افک سید و این طریق کینی شیخ سند این قرقهمی

∞ ئ•

جعز ہے ہے کہ سنت کیر خار نیاز مسیدہ انکی جائے ⁶⁴ یا آئر سیدیٹن پائٹی جائے آئی جائے ہیے ہاتھ ہے۔ اپ آئیں ⁶⁴ میں عب سے ساتھ ہوسف میں کنڑ ہے جو مرسنت تجر بنزہ نا نکر ہو ہے ⁶⁴ کے اگر فار بنا از سجد کمائی اندائق ناموآئی میں مبت اگر اندر شاہد عبد بنزر جو رہی موقع ہاجہ برطویں اور انکر باج جو رہی جو قاعد ریاضیں سے جوری

.....

ایمانی الدر افتختار از نتر کها بل بصفها عبد بات المستحد ان و حد مکانا و (۱ تر کها کتاب الصلوة)
 بات زدراند افریسته ۱۹۷۳ تا جرم مکتبه رشید به کوانه حدد.

وكدا في الهداية كناب العشوة باب إدراك القريفية ١٥٩١٠ شع مكتبه رحسانيه لاحرر.

ا و كنفا من المعسامة عللي منامش فقح العمير أكتاب العبلوه باب إمر الدالعريضة ١٩١١ (علم مكتبه - وشيعته كونته.

السنا في رد السحتار في له يكن عني باب المستحد توضع للمبلوة يصلبها في المستجد خلف سارية من منواري المستحد اكتاب السلوة باب إدراك القريضة مطلب من الأسادة دور الأكراهة أو رفضت ١٩٧/٣ ضم مكتمر شيدية حديد.

وكالدا في ٢ مساية ما لمن هنافش فاح القدير كياب الإصلوم باب إفراط المريضة ١٩٤١) عليم مكتبه والشيعية كوفته

و كما في السابة على شراح الهداية كتاب الصنوة باب إدراك القريطية ١٩٩/٧ طبع دار لكنت العلمية. ميروت لتان

٣) الساعي فينارة على شراح الهداية وفاق ضعر الاسلام وأشدها كراهة أي يعبلي محاطأ للصف مخالماً القحماعة كنات العبلوة عام زدراك لغريضة ١٠١١ه طبع دار الكتب البلسية بروح لبنان.

وكا قياء من ابنة عالمن عادش فتح القدم كتاب الصلومات إدر الدالمفرمصة ((1 ×) طبع مكتبه و شهوبه كواته

و كلما في اصلمي عشى فناستي فتح القدير اكتاب المبلزة باب إفرائه الغريشة في: 116 طبع مكتبه وشيديه كويّه ."

جي اويا جي درست اربيك وجيم كي مفوف جي سنت پاڪس ايبر هال جيمون است گون جي ہے۔ جب تک جماعت كاكوئي جزول النظر الله باقي سجد ها بقيد عمد اگر الله كاك سجد بن شاق تيس آيا آيا لهائي ويُش كاك برا حمد سجر هياتو الري مُشتر بازين كال كيانوس تر ناه رست الله ا

جمعه ك فرضوا ما كه بعدوالي منتول كالقهم

$\not = \mathcal{J}_{\mathcal{F}}$

کیا قربائے میں ملا وہ این دوایے سناناک جو آق نمر زمین میکنٹ نماز شنام دکھت نماز قرقی امر گھڑا۔ رامین نماز سنگ کلی جادر میاچ چارشش فرنسریات بعد جی اکیا پیاشتی و کو دمیں یا نیوم وکدو و ندیز معند کی صورت میں نمازکھل جوکی مائین ر

<u> ﴿ نَ هُو</u>

جمرى تبئل منت اوراده كي بيارمه كه وبين التيلن قرائد به منه زمد نيو ابترائي بيا . يجيد اوروه يينجيد و سن المنوك دا الوسع قبل الطهير والوسع قبل الحجمعة و الربع معدها متسليمية (٢٠) او ذكو الطلحاراي عن البي يوسف الدقال يصلي معد عاممة اللح . ثيار كعين (٢٠)

النمي وكدوكوثرك كرنادر مستشكيل حتى الوكراج التنامي بهيج والهدد الكناسات المستنة العنو كلاه فويسة من ولمو اجرب في لحوق الاثم كها في البحر ويستوجب تاوكها المتقابل والنوم كما في التحوير الى على و مناه

 المهاشي رد فسيحتان وقد إنفقوا على إفراك بإدراك تنشهه دارائي بالسنة انفاقاً كند أوضحه في الشور السلالية إيشاً كتاب الصلوة مطلب مل الاساق فون فكراهه أو أفسائي ١٩٧٤٠ من ١٨٥٠ من ١٨٠٠ مند.

وكا فيا دان حالتية النظخفاوي على مرافي العلاج كتاب الصلوة باب وقواك الفريضة على: ١٥١ هجج دار لكتب العلمية بيروت.

وأكذا في السعر الوالل كتاب الصلم ة ماب التراث العروضة ٢٩٩/٢ دطاع مكت وشياسها كواتله.

ج اللهر السحتار كتاب السيوة باب التوافق ١٥/٢ طبع مكته راشيسية جادية

. وأكادا في المعالمكيرية كناب العبلوة الساب الناسخ في النواس ((١٠١٠ ضع مكتبه ر شنديه كواتله. . وكنا في البحر الر فق كناب الصلوة باب الوقر والنوافل ٢٧٦٪ طبع مكنه ر شهميه كواتله

٣) المائع الصنائع كتاب الصلوة فصل وأن الصلوة المستولة ١٨٥١ طبع مكت رشيديه كركه.

سيالي الإصواد بلا عنو ف^{ي ال}اراج أب علوم بها كيان خالده و تارك مواب قاب مرمز أن بها والته. خالي الام

فجركى بهاعت كوانت منتن وإصفا كالكم

﴿ كَ بُهُ

کیا فرمائے جی افوہ ویں ان مسئلہ ہیں کہ کئی ہتا حت کوئی ہے۔ ایک آ دقی آ یا ان کو چھیں ہے کہ گئی کی دہ منتمی با ھاکر ہماست ہیں شاک موجہ ہے کہ ''اب وہ چیلے منتمی بازھے ایسٹیں چھوڈ کر ہما صف ہیں شاک دوم ہے کرمن وجد ہے کہ روشنی میں واضح کر ہو ہیں۔

434

سنت بن کارد براحت عیل انگال بو جائے مکدا آل ایسا دُحت سطے کی امید سے تب بھی سنت آل ساکرنا درسے نیمی (۱۶) سفتا والد تعیانی اظلم ا

وأنب منتني ورساقاهم ولطوم سأون

(ع) وما المحتار كتاب الصلوة بات التواعل مطلب من السمل والتواطل (الداء) وطبع مكتبه و شهديه حديد. وكند عن الشامل حديثه إدائرك السمل إن تركها بعدو فهو معقور وإن تركها بعير عدو الإيكون معقورة عبهة ويسمل الدورة الخلاجة عن تركها كتاب المبارة السائل التطوع (182/ منبع دار لكند العلمية بيروث نسان.

وكند في البنجر الرائق وقد الفقوة على اله بأثم نتركها كتاب العبلوه باب الوثر والبواقل ٢ (٨٠٠ صبح مكيد راشيديا كوفيد.

تا المما في رد المحدار وقد إنعلوا على إدراكه بإدراط المنتهد، فيأتي بالمحدة انعاقاً كنا أوضحه في الشراد الدراق المقراء طالب على الاسالة دول الكراف أو المجاري ١٩٧٧ على عكب و شهديد

وكند فني حياشة المطحلاوي من براني الفلاح كيات الطلوة بالدود الذالفريضة عن: ١٠٤ طع بارتكت لطفية ديروت.

وكارا في البحر الراني كالب العربوف بالتواك العربعية الأرادة الطبع مكامه وشيابيه كواتك

عرفه تحروزنوانل كائتم

400

美多

بمرينا والمناالزيم

عرفہ کے دیں وقتل پڑھ نے شرہ ری ٹیمل ہیں ملکہ انگر ایس میسائن بھی بھی انتہار ہے ہوئے پڑھے جا سے ہا چرھے اس دین بھر فوافل شاہری جا تا کی وسکل شرق ہے فارسے میس ہے مشروری ہائے وا امیشوع ہے ¹⁹⁸ ہاتی مشم مار واروی مورو فاقر کے میں تھر ہر رکھتے نکل میں وادو ہے ہے ¹⁹⁸ عنوام الزائن کا بیرہ فیاں مجمی غلامت کرنے کے دل سے وافل میں شرمیر وقیمیں ہے ۔ فاتر کی کڑوں میں یوموری کے اوائی کا اور اسٹن فیص ہے۔ فقاد حد ترق کی معم

اع المعامى الدر المنختار (ومينه ع)اي حناجب به مه وحي (عنداد الخلاف المعروف في الرسول صبي الله عليه واستم لا بمعاددة بن سوح شبهة كتاب المبلوة بات الإمامة ٢٠ (٢٥ ٩٧٠٣٥ كيليم مكتم راشيده المديد السوكان في حاشية الطحملون على مرافق العلاج (ومبتدع) بارتكام ما احدث على خلاف المحق المعلقي عن رسول الله مبنى الله عليه وسلم من عليه أو عمل بو حمل مراع شبهة كتاب العملوه العمل في الإمامة هي ٢٠ أن صع طرائكت العلمية بورد بداليان.

وكذا في المنجر الرافق كثاب الصلوة باب الإمامة ١٠٧١ ٢ طبع مكنية والمندية كوقته

عن السياضي السيمير القرافق ووكيل التعل والوثر إلاى القرافة فرامي من حسيع واقعات النقل والوثر التناب
المستوة بات كوثر والترافق (١٩٧٢ منع مكتبه و شيفيه كوفك و كفا في فيهي الحقائق كتاب العشرة
الرب الوثر والتوافل (١٩٧٤ منام مارادكت، تعسمة مروب سيان.

ر كند من سميني كبير كتاب الصاور مصل ان النوافل من ٢٨١ طبع سعيدي كتب حامه.

کیا عشاہ کے بعد پر سے گئے لو افل کو تبجد میں ٹار کر نا درست ہے

± €

کی فرمائے چی طاعہ بی درمی منگذ کہ بند دعنتا می نمازی سند افراض است آفل پڑھنے سکے بعد فی زمتید ۲-۳ رکھت اور پڑھنا ہے میعنی وقد ایک سند کا ہوتا ہے اعتباء کے وقت جس بی پڑھ لیتا ہول آیا ہیا درست ہے یا کرٹیس -اس می محلق فرما کی اورسٹاری دخ سن کر ہے -

∜ٽ≱

ا کیک حدیث سے معلق ہوتا ہے کے نماز عشر و کے بعد جونوائش پڑھے جا کیں گے ووفیاز تھی میں خاردوں ٹے اور ڈالب تیجہ کا اس سے حاصل ہوجائے گا جیسا کہ ثبائی عمل حدیث طرائی ہے آئی کی ہیں۔ وروی المعلیم اسی صوف و غذا لاہد عمل حسلومة ہفیل و الوحلیہ شاغو عام کان بعد صفوۃ العشاہ قبل المقوع – ⁽¹⁾ صورت مسئولے ہم جعل ہے تھا ہے ہدرست ہے۔ فقط الفرق فی الغر

فجر کے فرضوں کے بعد منتیں اوا کرنے کا حکم

هل که پهلوس که

کیے فردیتے ہیں علوہ زین ان سنٹریس کرمنے وہ سنتھ بعداز فرض جائزے یا ڈیا تزائر جائزے تو ج الاُستین کرتے ہیں ان کاکیا کہنا جائے بعداؤ فرش منتیں پاستے کو جائز کئے والے یہ دلیل ویش کرتے ہیں کہ ایک محالی ٹارٹائے فرش کے بعد سنت شروح کی تو مصوصلی انتہ مید دسم نے پوچھا کیا پر سنتے ہوؤ محاتی والا سنڈ کہا کہ سنت بھر عشور مسی التہ عبد دسم نے سکوت کیا اس کا بھرائیا جواب دو تکا برائے مہر بالی جواب مفصل تحریر ہیں۔

در دوالمستحدة ، كساب المصلوة باب قوتر والتوافق مطلب في صلوة البل، ص ۱۹۵ م ۱۹۵ م ۱۹۵ ملم مكيه رخيمه كتوفقة (جديد) وكد أي البحر الراقي: كتاب الصلوة، باب صلوة الوثر والتوليل، عن ۱۹۸ م ۱۹۳ م ۱۹۸ م ۱۹۸ م ۱۹۸

3 4

مین کی سنتیں اگر رو جا کیں قر سورٹی تھے کے بعد اتفاء کر لیا سنتی ہے (۱) اورٹی کی نماز کے بعد سورٹ تھنے ہے ہو اتفاء کر لیا سنتی ہے (۱) اورٹی کی نماز کے بعد سورٹ تھنے ہے پہلے شہر ہو انسان میں معرف اللہ ہو اورٹ اللہ ہو اللہ

ميدا تذبحفا الذاورحنق حارساة سم فعلوم عثماك

سنن غیر مؤکده که میلی قعده مین درود شریف اور تیسری رکعت میل اشا کاظم ﴿ سَهِ

کی فریائے میں علوہ دین در ہی منٹ کیشن فیرسؤ کو وے پہلے تعد ویش دروہ شریف اور دعا پڑھنا جائز ہے اِنجین۔

الما في الهداية وقال محمد احب الى ان يقطيهما في وقت الزوال كتاب العملوة باب الراك الغريضة
 ١٣٠/١ طبع مكتبه الرحمانية لاهور.

و كفا في رد المستار وقال محمد أحمد إلى أن تقصيها إلى الرواق كما في الدور وقبل هذا فريب من الإسفيان كتباب الصاوة بلب إدراك العربسة مطلب هو الاساقة دون الكراهة أو أمحش ١٩٩٢ فيم و ترسيديم جديد وكدا في السابة على شرح الهداية كتاب الصاوة باب إدراك العربضة ٥٧٣/٢ مشع دارالكتب الطلبية بيروث.

⁷⁾ المسافي الهيدات وإذا فائت واكتنا الفجر لا يقطيهما فين طلوح الشمير إلان يشي بقلاً مطالفاً وهو مكروه بعد الصدير الان المسلوة باب إدراك المربطة الأالاة (100 ما 100 طبع مكتب رحماليه الاهور) و كلدائي النباية على شرح الهددية اكتاب الصلوة باب إدراك القريصة ٢/١٥ علم دار الكتب العلمية بروادي ... و كلدائي رد المحتل كتاب الصلوة باب إدراك قفر بضة مطلب على الإصادة دون الكراهة أو أو أمحق 100 كل علم مكتبه و شهرته جديد.

٣) المساطي فقع البارى: شرح صبحتع البخارى كناب مواقبت العملوة باب العبلوة بعد الفنجر حتى ترتفع المشمس حديث ١٩٤١: ٢٠ هـ ٢٠ ٣٠ منع دارالفكر فلطباعة والنشر والتوريع
 وكفا في الهداية تفدم تشريعه شحت مذكوره بالإحاشية ٢٠.

÷ ن#

و في البواقي من ذوات الاربع بنصالي على الدي صلى الله عليه وسنه و يستفتع و بنسعت ذا- دوايت إلات عنوس دواكوش في مؤكر ويكل «ميه بإرزامات كي نيت مرب توكدوا ال مي دود: تغريف يُراجع- الحاجري فيمرق بكت أو سبعامك النهم ستشروب كرب (لله فق والدُّلقا في الحر

بند بچرا واق فغرانندار کامب معتی مدر برقا م العلوم مذان

عشاء کے فرنسوں کے بعد کتنی رکھات سنت ہیں

و نن⊊

كم قرات إين طاء الاستان كرمشا كرا بعد بالدين وكانت سنت إداران الأن بها والا من المستان السلسة و محمدان في المعجر و الربع فيل الطهو ... و الربع فيل العشاء و الربع بعدها و ان شاء و كعين والاصل فيه فول النبي صلى المله عليه وسلو من ثانو على تستر عشو و كعة ... العرو في عبوه وكور الاوسع فيلها عبد الان الاوسع العصيل - حسو صاعت التي حيفة على ما عرف من مفعه (*) والارتجيل مثلاً والأنه به عرف من والسام في الكام

ي دركت اولي إلى اگريد من مؤكر دودي الله العمال ومركت من مؤكر كردك الله و مركت الله و الكوارك الدورك المدارك الم متحب الله يت عنا رجودا كردك الله الله كالمائع في كار بنا الله و كلسة عند الله و كلسة المعالم عن الريادة العمل عن الله و كلدة المفعل - أيد فريس الله الله و المؤلفة المنظر المنظر في هذا الله المنظرة المهاد المائد الالاسك عن الالوسع المصل عن و كلام المنظرة المنظرة

 ١) شاهر المحتار (وفي البواقي) من دوات الارج بصلي علي ليني صلى الله عليه و سنم ويستفتح ويتعود كتاب المبدوة بياب الوثر والبراطي ٢٩٣٥ طبع مكن رشيديا كواف

ا و کفاهی اظهامیه کتاب الصلوة اساب اتناسع هی النوامل ۱۳۲۰ و طبح مکتبه را شیدیه کوفته. او کنده فی النجر اثر ولی بات الوار و الوامل ۸۲۰۸ مسلم مکتبه را شیدیه کوفته

٣) اللهداء، باب الموافل ح١٠ من ١٩٣٠ اللع مكنه امداديه، منتان

- الما في اسجر الرائل والسنة قبل الفحر وبعد تظهر والمعرب والعشاء راكبتان اكتاب الصيوة بات الوتر
 والبوافل ١٣٧٦ طبع حكته وشيدية كركته وكية الفي الدر السحنة اكتاب الصلوة بات الدم والرافل
 ١٤١٦ هـ مقام رشيدة كواهد . . . وكية فقى الدينة على شارح الهيداية كتاب الصلوة بات النوافل
 ١٤١٦ فطيع دارالكت الطلبية بروت سان .
 - إن عام القدير أكداب العداوة باب النوافل ٢٩٨٠٣٩٧١٩ طبع مكتبه راخيفها كوتفه.
 وكذا بن جلبي على عامل فنم الفادر أكتاب الصلوة باب النوافل ٢٨٧/١ طبع مكتبه راخيدها كوكه.

شكرانه كے نوافل کی جماعت كاتھم

∳∪∲

کیا فردائے ہیں ملاد دین در ہی مشرک علی شکران بھورت جماعت ادا کیے جا مکتے ہیں۔ نیز وقت کے متعلق بھی دشا دے فرماد میں۔ بیزا تو ہر دا۔

€€\$

بصورت جاعت درست نہیں اس ہے احتراز لازم ہے (۱۱- اپنے طور پرا گرکو کی محص بغیر کسی اہتمام کے۔ نقل بڑھ لے یا بجد وشکر بھال نے توان کی مجائش ہے -ادفات کر دہد میں ٹوائل درستے نیں (۱^{۱)}-

بہر حال مستول صورت درست نیس اور دین ش اپنی طرف سے ایک کی جز کا اضافہ ندکریں کہ ہے جمعت اور گھروی ہے (۱۳) – فقاد اللہ تعالی اعلم

فجر کی جماعت نے ٹل ادر عمر ومغرب کے در میان نو افل کا تھم

€0 €

كيز قرمات جي عله عدين دري مسأس ك

(1) المیک آدی سمجدیں داخل ہوتا ہے جبکہ میں کی افاان دو بھی ہے تو کمیادہ جماعت سے قبل وشو کے ظل یا کسی اور حسم کے لئل ادا کر سکتا ہے بائیں -

 السما في الدر المسخدار (ولا يعملي الوتر)لا (العطوح)بحيناعة خارج رمضان أي يكره والك على سبيل الداهي كتاب الصلوة - باب الوتر والوافل ١٩/٢ فطيع ابچ ابها سبيد.

وكفا في حياشية المطبع طاوي على مرالي الملاح كتاب العينوة باب الوتر والنوافل ص: ٣٨٦ طبع دارالكتب المقيمة بروت البيان.

وكفافي المحر الوالق كتاب الصلوة باب الإمامة ١٠١١ طبع مكتبه وشيديه كواثله.

- ٧) وكار د تنجر يساسا ، صلاة عطيقاً ولو فضاة أو واحية أو نقالاً أو جنازةً و صحدة ثلاوة وسهو مع شرون
 ١٠٠٠ واستوار و غروب والاعتمار يتوسه الدر فلسنخيار كتباب فلسلوة ١٠/١٧ طبع الهماليم، سعيد
 كراچي . و كفا في نيين فلمقائق كتباب السلوة ٢٧٨/١ طبع دار الكتب العلمية بهروت لبنان.
- وعين حائشة رضي الله حها قائل قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من أحدث في آمرة أهذا ما
 ثيس منه فهو رد مناني حليه مشكوة المصارح باب الاعتمام بالكتاب والسنة ص: ٢٧ طبع قديمي
 كسب عائد.

الاهما - ایستا وی کورندی آن ہے دکیدگئ کی دما مصالط این ساتو اس میں کیے کیا تھی ہے کہ وہیے منت اور کر سے انجر دمامت میں شامل ہوجائے بجر عمامت کے تم وسلے کے مدینکر آباز کا وقت کئی ساتو وہ منت اور کرمکنا مامور میں ناکشے کے بعد اوالور سال

(°) ماز بدر نع آری بعد دو چیشش به می مانی جن پیلے بار نبیش باش با تو ایس دوست . (°) معراد رسفرب کے ایسان کے درمیان تھی باتھ کتا ہے یا کیس اور اور تکل کیس بارد کھکا تو میلیا تقد مادا اسر نشائے کے ایک والیا معراق ماز بال مصلے کے اور معراق کے بالے جات اس میسید معراقا مرد دی تروی

۾ ڻه

(۴) اَكُرْكُ أَن إِنَّ مَتَ أَدِي إِنَّ إِنَّكَ الْعَتْ لَى الْحُكُ الْمِيدِ بِهِ مَثْمِلُ أَنَّ كَا يُعْزِي وَوَأَ الْكَالِيَةِ عَلَى الْمِيدِ بِهِ أَمْ يُعْلِي وَمِوْلَ إِنِّ فِي اللّهِ عَلَى اللّهُ عَلَّى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى الللّهُ عَلَى اللّهُ عَلَى اللّهُ عَ

الشسرية كونثة

المستقبل فروع في شرح العيجاوة، عن\١٣٥١ من ١٩٣٩ فقع معينان كاند داخا. و

والكلافي الدر السامئار أكتاب الصبوة ١٩١٢ صبع مكنته رضيديه حديدن

ا وكندا من الهدامة كتاب المنظرة فصار في الأوقات لتي تكرم فيها الصلوة ١٠٦/١ طبع مك ما راحية (١٠). الأحير .

إذار المتحدير القام الحيدارة عامد إفراك الدريقة (١٩٧٥) ١٩٧٥ مينغ مكت راشيفية كرائد الديار
وكافة في الهدامة كتاب القندوة بالداراك العراصية (١٩٩٥ منغ مكتبه راسيالية (١٩٩٥)
وكافة في الهدامة كتاب القندوة بالداراك العراصية (١٩٩٥ منغ مكتبة والمدالية ١٩٨٥)

(٣) اگر پہنے سنت تد پڑھے و گھر بعد فر ضول کے آئل طول آ قرآب ر چرے اگر پڑھے و بعد آ قرآب رہے ہوآ قرآب گئے کے چھے ولا مقدم میں الاصح (ا) گئے کے چھے ولا بقطمیها الا مطوری النبعیة افضاء فرضها فیل الزوال لا بعده عی الاصح (او قبال فی و خدیما فیل انقطمی جارا میں اللہ عماع لکر اعدالتعز بعد الصبح و اما بعد طابوع الشہمی فکد لک عنده و فال محمد حب الی ان بقصبها الی الزوائے۔ (۱)

- (۴) دونون طرب جائز سے^(۳) ۔

رمضان تريف ك شبينه كاتتكم

€∪*

کیا فرانے ہیں ملاء وین مشاؤیل میں کورمضان شریف کے مہینہ کے آفری عشرہ میں شیبہ کے طور پر ایک دات شرقر آن یا کے پراھنا درست ہے یائیں۔

≨ટે∳

بحريثم أدادترا وثائك كالماده فالماس يمايوني بجراك كالكال بمب ستعافرا ويحساتها بما عنت كرائ

- ۱) الدر السحفار مكتاب الحسلوة باب ابرائ الغريفة مطلب هؤ الإسلام بون الكواحة أو أمسين، الدرالسحفار مكتاب العسلوة والمعارة ١٩٩٤ طبع مكتب وشديد وكنافي حاشية الطحطاوى على براني العلاج كناب العلوة بناب إدراك العلوة بناب إدراك العلوة بناب إدراك العلوة بناب العلوة بناب الوراك الفريفة عمل ١٩٩٢ طبع مكتب رشيفه كوئت، وكذا مي فتح الفدير على شرح الهداية كناب العلوة باب إدراك العريضة من ١٩٠٤ على المراد ١٩٠٤ كناب المدينة على المراد ١٩٠٤ على المراد العريضة على المراد ١٩٠٤ كناب المدينة كوئت.
- ٢) المسافى الدرالمحتار، كتاب الصلوة بات اوراك الدريشة مطلد، على الاسائة دون فكراهة أم المسئل. 1994 على مرائع الديارة كالم المسئلية المام على مرائع الديارة كتاب العبلوة بالمهاو الفرائل الغريضة من ١٩٢١ على درالكت العبلوة بالدوات. وكذا في الحر الرائق كتاب العبلوة بالدوات القدر على شرح الهيارة بناب ادراك القدر على شرح الهيارة بناب ادراك القدر على شرح الهيارة كتاب العبلوة بالمكتب وكذا في فتح لقدم على شرح الهيارة كتاب العبلوة بالدوات كوت. وكذا في فتح لقدم على شرح الهيارة كتاب العبلوة بالدوات القريضة من ١٩٤١ على على المعارفة بالدوات القريضة عن ١٩٤١ على المعارفة المناب إدراك القريضة عن ١٩٤١ على ١٩٤١ على المعارفة بالمعارفة بالمعارفة
- ٣) مسلط ضي السجر طراقق وعن ابن بوسف اله يستنى أن بصلى الرحة أشهر كعتبين كتاب الجبلوة باب الوتر والموافق ٨٧ ٩٢ هذه مكتبه ، رشديه كوشه .
 - $(1, T, \omega, t)$ تقدم تخریجه تحت حاشیه $(1, \omega, t)$

یں کرا بت بند (۱۹ س لیے اس) کا ترک کرنا شروری ہے۔ اگر یقع نمر زتر اورج میں بونو کی نفسہ اگر چہ ہو از ہے۔ عب بھی چند خاصد کے اُن ام کی وجہ ہے۔ ترک می کرنا یا دوستاس بھے۔ مفاسد مثل (تخفیف سلوۃ کا تکھی جو امام کودیا گیا ہے (۱۷) سے خلاف اوازم آتا ہے۔ جلدی کی دجہ ہے حروف قر آن کو بھی اوائیس (۱۹ کی باتا انٹرو خوداد اجرے مان کا معمول وقیرہ) کے علاوہ تمام نامن سب امورے کے کرا کرکوئی فنفس ایسا کرسکتا ہے تو میل جائز ہوئا۔

امام کس طرف ڈرخ کر سے دییا میا تھے ﴿ سَ ﴾

کیا ارشاد فرائے میں ملاء وین امفتیان خرج شین اس منفر کی باست کے جب امام نماز سے سلام کے ساتھ قادر فی برت کے جب امام نماز سے سلام کے است کی رکھتا ہے۔ اور منتقد اول کی خرف مند کر ان وعاد گلا ہے گئیں وعاد گلا وقت امام کی اور خاص نے انہیں اگر ہے تو جد حوالہ اور منتقد اول کی خرف مند کر کے وعام کی انہیں اگر ہے تو جد حوالہ سے کو رفر ما ویٹ کی افراد است منتقد اول کی خرف مند کا تھے ہے کہ است باتر کے سخت باتر کے سخت باتر کے مقابل ما تکانات کی تی فی منز در سے تھی است میں اور منتقد ہوں کی خرف مند کر کے دعائیں ما تکانات کو چھر مار نے کا تھے ہے وہ سے میں اور میں تھا والسوام سے استان کی اور مار میں دیتا ہے تھا والسوام ہے۔

¹⁾ السعاطى الدر السعنار (ولا يصلى الوترو)لا التطوح بحماحة خارج رمضان أى يكر «دالك على سيل التفاعي كتاب الصلوة دياب الوتر والنواص ١٩٤٠ عليم مكتبه رشيديه حديد. وكذا في البحر الرالق كتاب الصلو قبياب الاحماحة ١٩٢/١ طبيع مكتب رنبهيه كواته وكدا في خاشية الطحفاوي حلى مرافئ الفلاح كتاب الصلوة باب الوتر والنواض عن ١٤٨٠ طبع در الكتب الطبية يروث البنان.

لما في مشكرة المصابح عن أي هريرة رضى الله عنه قال قال : رسول الله صلى الله عليه وسلم إذا صنفي أحد كم تلتاس فتبحقف عان فيهم السقيم والضفيق والكبر وإذا حيلي أحدكم لنصب فليطول ماشاء منفق عليه كتاب الصفرة بات ما صي . لامام الفصل الأول من ١٠١ طبح قديمي كتب خانه.

٣) المساعلي و دالممحتار قوله فذرعة عشع الهار و سكون الدال المصحمة وقتح الرئاسرعة الكلام والقراتة كتاب الصلوة مات الوقر والموافل ممحث التراويع ٢٠٣/ ١٠٥ طبع مكتبه و شيديه كولاد. حديد

و كمايا في مناشها الطبيطاوي على مرافى الفلاح كتاب الصلوة فصل في التراويج من: ١٦ ؟ باطبع هار الكتب العلمية بيروت.

وكنا في المحر الرافق كنات الصنوة ماب الوتر والنوافل ١٦١/٢ طبع مكتبه وشيديه كوتله. جديد

454

عمر، فجرش اولی داختل ہے کہ مقدیوں کی طرف (۱۶رٹ کرے اور عاماتے اور اس کا طاف کرنے پر کوئی بھی قافی رہم کے نہیں ہوتا جو پھر مرنے کا کہتاہے و انتے تلفی پر سے ۔ فقط والند تعالی اعلم۔

عوات الحاشات 4 المعمال الهوات

ŧ

٤) السياهي الدار المحتار عبره في السنية بن تحويله يمياً و فسالاً وأماماً وحلفاً وذهابه ببيته واستقباله سوجهه وقد دون عشرة ملام يكن بحداته مصل ولر بعبداً على المدهب كتاب الصلوة قصل مطلب فيبنا لوزاد على العدد الوارد في التسبيع عليب العبلوة ٢٠٢/٦ طبع مكت و شيديه كوفته. جديد وكنا في سنائع المسائع كتاب الصلوة فصل في بيان ما يستحب للامام ١٩/١٥١٥ طبع مكتم وشيديه كوفته.

وكما في حلبي كبير كتاب المبلوة باب صمة الصلوة ص: ٤) ٢ طبع سعيدي كتب حاله.



باب في الدعاء بعد الصلوة



نقباد إلى من بها مقياد إلى يوادوا تق طرف وبوكر بينها درا كي طرف كواد قوا الم من طرف كوادر قوا استقبال ال الاش مند و قبل بوكر بينها وقباد فق من ب وهي المعلق المستحصد بلاها و النصور المبسس القسة بعضت بعسار المصصلي المنع عبره في المعنية بين تحويفه بعينا وشعالا المح واستقباله الماس بوجهه الما المؤلف المحضري من الشار المراسم كادا الفي طرف الور بين كان محسد و محسد و عليه عسم الكامون الذاتي قيادي داد العنوس بين ما 19 والمالية بين المراد بين المالية المراد بين كان بعد التي المراد المالية المراد المالية المراد المناس المالية المراد المواد المناس المالية المراد المراد المالية المراد المالية المراد المالية المراد المالية المراد المراد المراد المراد المراد المالية المراد المالية المراد المالية المراد المراد المالية المراد المراد المراد المراد المراد المالية المراد المالية المراد الم

Buch

إن الما في الدر المجدل كتاب الصدوق من دسمة الصدوق ٢٠٢٠ على مكتبه و شهديه كوظه جديد.
 واكمة العين مدالع العمائع كتاب الصدوة عمس وآما مبان ما يستحب اللاسام ١٩٠٩ هـ ١٩٠٠ عليم مكتبه رشيديه كولاه.

روكد في على كير الثاب العبوة دف صفة الصلوة في ١٠٤٠ ميم بنجدي كثب جانة

١٠ وكند في فينون دار، نصوم ديونيد كنات الصلوة ١٩٣٧ طبع داراً ١٠ شاعب اردو يازار لاهور

م السناحي و دالمستحدو وإن كان بعدها نظرع وفاع يصنبه ينفدم أو يناخر أو ينجرف ينبيه أو شما؟ أو د ۱۹ با او ردنه فرشطوع أمه كتاب الميلوة مطلب ليد بو زاد عني العدد لوارد في شبيع عميت المسلوة ٢٥٠٣٠٥ علم حكته و شهديه كولك.

و كذا في بدهع الصنائع أكتاب الصلوة بميل وأساسان ما يستحب للامام ١٩٠١ علم مكت راشيايه. كالاهار

م كله هي حلمي كبر كتاب الصلوة باب صعة الصلوة من ١٠ / ٣٥٢ تا ضع سعيدي كتب حاله.

سنین کے بعد بالیک ان میده عامل شرکی میڈیٹ

0 س ت

عمیا قربات جی میں اوری در ان مسئل کیشمی نے بھرانا سادہ مشکہ وال کا بسینت انتقابی ا عادا لکٹ مشک ہے۔ و برقاعت سینٹ مارد و رفزائش سے آن آبید ممثل اور کم این چوا شرعت موا امائے محد مدا اسپ ٹیس آخواں سے آن کا دستگی میں بدھرے آن اروا ہے ۔ وی توجودا

ە ئى تە

من حتم نے الیاں موال نے جو ب میں مور استی رقید الدوسان بے رسالند الفاضی جی آل ایس میں گئی۔ میں میں کوف آگل کے بعدوں مائز الدوسے سے تاریخ جیسے اللہ کی الفاقہ کی سے اور سے مائوں آلا ان میں اللہ ما آلا ان میں میں کوئی قدر التزام آباد ہو جب کے بیٹھا ہے جو اللہ واقع جب کھما ہوتا ہے اور اس کے کہ الدولوں تھی ان کا جادو ہے۔ کرنام زیادہ دیر فیصلے واقعی میں انتخوال دیا تو جمی اولی ریاضہ انتظام کی زمین میں گا کہ اور اور میں کو جاتا اس کا میں قدر التزام کی اور اور اور انتخاب اور ایس کی ایس انتہاری میں جاتا ہے تھی اور انتہاں میں انتہاری کرنے اور اور اور اور انتہاں میں انتہاری کی اور اور اور انتہاں کہ اور اور اور اور اور اور اور انتہاں میں انتہاری اور انتہاں اور انتہاں میں انتہاری کی اور اور انتہاں کہ انتہاں کہ انتہاں کی انتہاں میں انتہاں میں انتہاں میں انتہاں میں انتہاں میں انتہاں کی انتہاں میں انتہاں میں اور اور انتہاں کی انتہاں کے انتہاں کی انتہاں کو انتہاں کی کار انتہاں کی کار انتہاں کی انتہاں کی کار کیا کیا کہ کار انتہاں کی کار انتہاں کی کار انتہاں کی کار کیا کیا کہ کار انتہاں کی کار کیا کیا کیا کہ کار کیا کہ کی کیا کہ کار کیا کیا کہ کار کیا کہ کار کیا کہ کار کیا کہ کار کیا کہ کی کی کی کی کار کیا کہ کیا کہ کی کی کار کیا کہ کار کیا کہ کی کی کی کیا کہ کی کی کی کی کی کی کی کار کیا کہ کار کیا کہ کی کی کی کی کیا کہ کی کی کی کر کیا کہ کی کرنے کی کار کیا کہ کار کیا کہ کی کی کی کر کیا کہ کی کی کرنے کی کی کی کی کی کی کی کر ک

چور سائل ہی تھسلس میں آئی کا انترام کیا ہا تا ہیں۔ سال ماتھ ہا ہوے اواقا میدوسا انترام کا منسور آئی۔ اگر نام میں املہ ماہی آمر میں ایک میس کی ان بھیس اور اس جھند ان بھی سے کی است کی درسے کی ماہر سے کا درووی کا عرب نے دوواسے وادو ہا دروار دری کیسے کی دوکٹ ہے ۔ اور مرحضور کی مرتم میل املہ علی معلم اور و اس کا مودول

١٩ أحدين الله وي فراهل كراهه، وعداج ٢٥٠ - ٢٠٥١ همم الجدايم، معيد كميلي

۱۲ میمیاهی شدر استخدر و سجاده انشاکی از او کار مناح بودی ایابه فمکر و ۱۵ ماه انصفوه داشت محرم التلاوه ۲۰۰۱ منج مکسف را نبسیه کوشه

و كالمأد عن أولى مرضاة للمأليج عراح معركة المصالح من المراعلي أمر مستوله والعمة الرامأ ولا وعالمن للشراخيمة فقد ألدات ما المتراطق الإصلاق لكمها من أصراعلي بدعة أو منكر الاصلاق المنفوة بالمال لدعارفي الشنيف مدلت (١٨٨٢٠٨٤ عليه الرابالكنت بروت

و تحد على السماية على عراج الرواية التجاب العبالية بالمساحقة الصلية 100.7 منهين الكتأمي لأهم. والتداعي محموعة 101 والتج إذارة الغرائي أعواجي

واقع سن هربت به داست أدب ثمو دوي كف سنة دف سنا راه در با تساس مي المراجع المراجع المراجع بالمراجع بالمراجع بال الدوا مجالاً كالمروع والمراجع في المراجع المر

العالم اليسان كالمان في ويستام في العاملة السيام والكرن بالمعام بالكرن و

(٩) وأن مون و منده ب أخل أن كرائيت من يوجه من معهد من الهندية و اما ادا معملا جده عبد من الهندية و اما ادا مسجد معهد من المهندية و الامكروة و اما يعقدونها مسجد المعلوة مكروة الام الحجال يعتقدونها مسة او واجهة و كل ماج يؤدى البه المسكروة هكذا في الرهدى الما المام أن المن المنهدة ما أن المنازة الانه بشبه ما أن أثراثوا بالمعلوة المعاونة المعاونة

١٤ سورة المائدة آية: ٣يارو: ٣.

٣) مشكوة المصابح باب الاعتصام بالكتاب والسنة القصل الاول من ٩٧ ضع قديمي كتب حامه

٣) مشكرة المصابح باب الاعتمام بالكتاب والسنة الهصل ابتاني ص ٢٠٠ صبح للممر كت حامه

عند كوة المصابيح بالدالا عنصاء بالكتاب والسنة انفصل الثاني من ٢٠ ضع فديس كتب هاره

[.] ه) الدر المحتار كتاب الصنوة باب محيد صلاوة ٢٠ ، ٢ تا ضع مكمه وشبب كولاه.

١) تقدم تحريجه تحت حاشية : ١ اص: ١٠٤

المستبكرية كتاب الصيوة الناب الثالث خشر في محود النائزة ١٩٣١ منع مكتبه وشهرية كوكه.
 وكدا في تقر السحار كتاب الصيرة باب سحود الثلاوة ٢٠٥٠ منع مكتبه وشهرية كوكته (حديد).

الزيادة في صبوة الحنارة ⁽⁽⁾

دیا تجالے سے منجا کس عدم ہو زار بریا انہاں سب موہوں ٹیں النئٹ مرتکی اور موقع زیروہ موہ مکی۔ اگر بیاد سا تاریعے جولی تاب کئی ناجا تر ہو باتی چیرم آیا۔ اس کا تجرب اور جود انٹی نہ بور انٹاؤ والعد الحیارتی ان کمکس ترشو

مقتدى المام كي و ماري مين كي ياخود جي دعاء ما تكم

هِ سُ بُخَةً

' بیافر بائے میں طارہ بین اس مسلا میں کیا، رائع کر سے کے بعد دے امام دید انگراہے قامام کی آداز پر مشتری کے بیادہ ویار بارآ میں کہا بیام سنون طریقہ ہے بامشتری کو کی مسئون رساما کئی ہوا است

۾ ڻ په

چیک انام و جاریت ہے کرام کے کے میموں کے سرتھوا دنا ہائنے '''کھی وہا صاف اپنے الجے ندیا گئے لگا۔ مثنہ اور ارز کام مسمانوں کے لیلے دائنے '''کامان نئے ہی کی وہا پر '' میں آوز ایس مذہ ہے اورا پی مسئول وہ انگزا کی منصرے '''کال

بعدازفر كضادعاه كيشرق هشيت

\$ U \$

کیا تی ہے جی جاء کر سال سندھی کیٹر زفرنق کے اداکر نے کے بعد پانچو نفاکر اعالمناسنے ہے تا کہ بدعت ہے اگروہ ماکنا درمت ہے تو سنت پاستیس میان اگر منت سنباتا تی سے پانچو تعییل سے ساتھ

) موصلة المستعانين كتاب المعافل بنات العشل بالتجارة والفينوة عليها عديث ١٩٤٤/١٠ ١٩٤/١٠
 دارالكب الملعة ومورب قبان

ا وكيما من المعتدوي السرارات صلى هاهش القياري العالمكيرية كتاب المعمولة الخامس واقعشروي هي. - الجمائز أولية الشهيد 12 مارضام مكتبه رضماية كوكته.

- ی من میں کے میں ایک راجہ مار کلیا در منت ہے جوال محربیاتا الام کا کھیے کمار فارہ فیکا رایک
- من في فوله ثماني و سنطر الدنيان والمؤسس و لعواصات سورة محمد أنف ١٩٠٠.
 من مراوي مراضيح من كالمراوي أن بريد محميع المؤسس والمواصل كتاب

ا السيادي وما تسبيح الروك ان وردي أن يريد و تحتيج المؤامس والمؤمنات كتاب الصارة مطلب في. المدعل مير المراب (۱۸۵۷م طام مكار مراد به كوانه

غان المساعلي كشير المعسمان لا يبحثهم ملاً عبد عود معاملها ويؤمن العجمه الإ أجواري والعه أبياب المامن في الإسمارة؟ كمان في إحديد الدعار ، ماعشور الإوقاع والدوات وفيا الحديث ١٧٠٩٣٠.

جواب مرتبث فروتني رائن مناه يركاني فساد بروي

Z

ند زقرش کے بعد دیمانا گلامستہ ہے ۔ ⁽⁰⁾ تھیں دیا اوا تقت ہے دیا تو افعا کر یہ بڑی سے برختم کی موجا سے اینے دیما کری ہے ہیں دیمنو معلی ان مدر ملم سے دیت ہے البت بیشر در کی تیمی کہ فر دامھونا و گل جاد سے ایک مصل اور بعد مات و فول طرق در سے ہے ۔ لیتہ بعد الدست بیئت اجا ہیں ہے ساتھ و ما دکر سے وزروہ ڈاپ اور حت مجمعا ہوہ ت ہے ^{(18 کی}کن اگر سے یہ جوزائری یا ڈول سے نسائر کرنے کی طرق کئی جارتیمیں۔ دونہ فوانی المم

کی میں میں میں جار بھائی کا میں میں

ئىن ئەنچىگان كەرەپاتھا قاڭروغانىكىيىنىڭ بىلەپ ھەرىت شىۋىسەت ئاسىنى

کیا قربائے جی جاء دین ومفقیان مفقام اس مشدیکی که عار بایا قدیش دو گروه موجود میں الیا پانجا ہے کہ فعاز بائے مفطان وجود کے جد جمعها باعظ واعلی سبیل الالتو الع باتھ عما کروں انگی اصادیک

 (ع) في حياسع الترمذي عن ابن امامة وضي الله قال قبل الرسول الله صلى الله عليه وسلم أي الله عا المستبع في في صوف الطبط (٧ ضم وديسر التصيفوات المسكنوبات أنواف الدسوات ١٨٧٤٣ صبع البج. ابنو. منفيد

و کسیاهی میسیدی السماری کتاب شدعو ب باپ شدها، بعد العبتوات ۲ (۹۳۷ صبع قدیمی کیب حاله

وكذا ايضاً هي الترمدي ابوات الدعوات ماب ملا ترجمه ١٨٧١٢ طبع ابنج. اوم معيد

لا من الدر المناخشار والمنشدع أن بساحب سدهة ومن إعنقاد حلاف شعروف عن الرسول
 لا منعاشدة بل شرع شههة كتاب الصابة باب الإمامة م ٣٥٧-٣٥٢ طبع مكتبه رشيديه كوته.

وكيدا في حافية الطبحطاوي هيلي مرائي الفلاح كناب الصلوة مصل في الاسامة ص ٣٠٣ هيج عار الكتب المسيابيروت بنان

وكذا بي البحر الرائن كتبات الصنوة باب الاسامة ١٩١٨ طبع مكبه رشهديه كواثله.

سمجھا درا فرسند مشہود اور ہائی تک جارہے گئیں۔ اسٹیکن پیڈر دوجتے ہوتھ ان سے مطاق دیں وائٹر نہیں ہے ا اور ایک کر دوفار تولی ہے کہ قرفر ایک وفوفا ندا جس کے اصراع کیوانو کر درور کئی طالے اور امرا از دی ہے اور پر خفاف دائی ہا تہ کئی ہائے ہی کہ ایک فرفر اور کی بات کچھ ہے اور فرق جائے گوائی ہورے ایس جار کیا ہا اور ایس اور فرف شریع ہائی ہے ہے کہ ایا فرفر اور کی بات کچھ ہے اور فرق جائے گوائی ہورے ایس جار کیا ہا اور فرفر کی تو ایس کی ہا تہ کی ہے اور فرق اور کی مائٹ میں شریع کی اور کی دور کی اور کیا ہے جائی ہے تھی ہے کہ اس

×ٍٽُ≈

غرائش كالمدوية كالتوصاحاء بن بمن صون به الأركز بالتعار ويند البروي بالمرادي والمرافق والمحال المحال المحال

العلق أسى اداءة عن عال رسول الله معنى لله عنيه وسلم أن اساعا أسمع قال جوف أنهى الآخر ودير العلق السلاة المسكنة مدت (استعامع البرمدي) بوال الدعوات دات بالا تراجعه ٢ (١٨٧) اين البوساعية عليه المراجعة
 أثر الجيال

[.] وكفا في الدلاء النساء العالمية في الدينية أرفا من يعقروك (و ١٠ زولوة القرال الراجي). 3) المان أبي والواد كتاب العلموة بالسائد على منسك والهراة والسبوية لاهي ...

حصن مصين ومترجم از در) دميل دوم دها مانگي آنها آداب كالهان هر ۱۷۶ قاچ كمين از الهران
 السمايه في كشف دهي شرح الومية الناب الصدة باب صفة الصارة ۲ (۱۹۸ ميس اكولامي لاهور).

ه) منطقه بدائر هي شبه کافره اعزازه باب ۲۳ من کال منطقت إن ملد أن يقوم و سجوف ۲۹۹۳
 مذافعه مثال ولمن فيها قوله او له بديا ودعال

الهدوه والسكيسلة (٢٠٠ من في قرائل ولوائل) بسيالية بداخة الألوال أن اقتصاد لوجود سية الدي تشخيع كرسية جمائيل من (٢٠٠ يكن البيسة ، كن كوفائلت كياب كن سيرة الدف ك في ترك كراروائل كريمون سيان كريم والفرق في الخر

أنهم والإنجار

حدیث شریف میں دارو و ما واللیم انت السلام النج میں اضافہ کا تھم الاس کھ

مدريدة أرقيب أمانة الآقوي إلى المنهم الله المسلام وصيف المسلام بدار كند بالا المجلال والاكتوام الأكان وزمان بالا المجلال والاكتوام الأكان وزمان المبلام المبلام المسلام والكتوام المبلام والمبلام والمبلام والمبلام فيار كند بالأا المسلام والاكتوام المبلام فيارك بالأا المسجد المبلام والاكتوام المبلام فيارك بالأا المسجد المبلام أن المبلام فيارك المبلام فيارك المبلام فيارك المبلام فيارك المبلام فيارك المبلام في المبلام

व है ह

الله المؤلفية والفاظال الدولة التي تعديث التي أنس بدم اتى النابات ما مورت السفيه الف السلام أو الرط من القرائيا أنيا م كواس عن و المبك بسعود السيلاء التي شاك ف الشافي أنهان عن العود في يكد ويق ميداس برها المحط وي تحريرة مات إن ما فال عن شوح المستسكوة المسامة عن المعووي واحا ها مؤاد

ووايسا

 عن أصبر عنفي أمير مستنوب وحمله غرما وله يعمل بالرحمنة فقد أساسامه الشيطان من الاصلال وتكيف من أمير عنى عاملة أو سكر ومرفاة شرح مشكوة كتاب المسود باساء ها هي الشهد حقيت (۲۹۹۲ مار الكتاب طلبيه ييروش»

و كندا في السماية في كشف مافي شرح الوقاية كتاب الصفوة باب ضعة الصلوة ١٩٥٥ مهيل التيلمي لاهورت

و كذا في محمومة الرسائل اللكندي، مساحة الفاكر في الجهر بالفاكر ، الناب الأول في حكم الحهر بالذكر ص: #12 مجموعي ٢/ - 19 إدارة القرآن كراجي...

مرفقة المعالج شرح مشكرة المصابح الثال الصوة بالدائم بعد العموة المعل الاول حديث
 ١٩١٥ - ٣٠٩٣٤/٩٠ فار الكتب بهروت.

سعد عولمه و مسك السيلاد من نحو والمك لوجع السلاد قصبا ولد بالمسلاد والاضطاء والاضطاء والاضطاء والاضطاء والاضطا و وك د والسيلاد قلا اصلى له من محمد لعص القصاص النهى النهى المهام الله المسلاد الدائم الله المسلاد الدائم المسلاد الدائم المسلاد المسلام ومسك المسلام المسلام والمسلام المسلام المسلام ومسك المسلام والمسلم المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام والمسلام والمسلام والمسلام والمسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام والمسلام والمسلم المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام ومسك المسلام والمسلم المسلم المس

ه زا مساشها استصحیطناوی عسی در می مدین م کنات الصلوغ فصل می الآذا نار الوازده من ۳۱۱۰ فدرسی کردیدی ...

الدي الدائشة والذي الله صها لذات الكان الذي حسى المه عدم وسيم إذا منه الواقعة إدامة شاو مدفقين المتهام أدراء المبلام وصفه الدائرة والدرائية والمحلال والاكترام، والدينجيج المهليلم الدائمة العيموة عاليا استخدام الداكر بعد الصواء وإدار المدة الذي الفديمي الواجيء.

٣. ما وريفة المجارية أنها إلى قال الفاضي تباد الله يدي بني أو كما اكل ما يتكل ليس اعتداء الهوي المحادمة العلم معارضة المال من الوجاء المواد المال المال

الكليدون الفيات على مهائز والزنيس وعلى منه حال أبات ادراه ميد الفاه استون ك بارب شراقاه مهوه. حقق جن كران كوالجي فر في الفاظ على من منامو بينا دوق أن وحد بيث عمل أنت جن منام و دراوز كلي وتبدل والي ويش واكر في جائز بين المناز ك العدادة ما تجي ادراة كار بالأردين والعس تعيين على شاكر في جن منا

الروقير الزرثاء فمزلة الاكالياني والاستعال

فرض نمازون ہے قرافت پردعا ہکا ثبوت ﴿ س ﴾

الیافریات بین ملاء و زن در پر مسئد که باهداز اسلوچ مقر وضده با مالگذاری می سورت بین با تصافحا کرجا کا ہے۔ باغیمی راگز بیا کا سیافات کا توسته اما و برے تصحیا و راقع الی محد ثین دھیا۔ ے و بے ارتشار بیا کا موقع عنارت فریا گیم سر الفاریخ جا

وأيوا والروافريرة والقفير وسافتهم

١) تحامع الترمدي الواب الدعوات باب را ترحمة ١٨٧١ الجدايب سعيد كراجي.

٣٤ حصل حصيل دعا مانگي كي اواب كا بيال ص ١٨٥ صع تاح كميس تسيط كر اچي.

٣) عن عسم من التخطيفات وضي الله عبه قال: كان رسول الله عني الله عليه وسلم إدا وقع يديه في الدعوات بات ما جاً دفي الدعاء لم يحطهما حتى يستح بهما وجهه والجامع الترمدي كتاب الدعوات بات ما جاً دفي رفع الأيدى عبيد الدعاء الامام أمام كان عالى سنين أمن عاود كتاب الصلوة باب الدعاء حديث 147/4 محسابه الأهوم.

٤٤ فللوي دارالعلوم ديوبيد (عرير عناوي) كتاب الذكر والدحاء ١٩٤١ صبح دارالاشاحث كر الجيء

⁽⁸⁾ السادة ما أحدث بيني حلاف الحق المنتقى عن رسوار الله صلى الله على وسلم من علم أو عمل الله على السادة من علم أو عمل او حيال ليبود على المستحدار و المنتقل المنافة الما مستحدار و المنتقل المنافة الما الامنافة الما وهم الما مستحدار في المنتوة الما الامنافة الما والمنافة المنافة المنافقة المنافة المنافقة المنافة ال

1 ل د

اليافي مان تائيل علوم داين دارين و الأساء أنها بعد فعار الاستيافي الأراثية في بي بي فرقت و الرائب الما والكفوائي والمبيث بيرواني درت شريد و الروام زوام الربية ويد

وزق

ا آن العلم المشارلة عن من المام المواسسة تدويل أن هو المياه الرائية وبيا الرائية المراج في تحيل أنه زوال من ا والمامل الأن الماملية في أن أوامنة النامية المن الميام والمناقبة والمدويل العمال

العواكم المؤرث المواد المدين تحراج بالقراب في المديرين أن يرواج و

عنى الوافعي كالبعد بالانتفااة عيدا بالأرك كالثري حيثيت

~;∪ ?

(1) وقال كان في صداء بالنصاح بعدد فوا شار بحاف من بعدة أو ساره أو دهي في حوالحوار بنص المنافقة الما والحوار منصل أو ما أن وجهة مرال كان بعدد بطرح ودام عدية بعدو أربيا حرا أو محرال معدد أو شداداً أو دهال الهال يتداولون أو ما أن يتداولون أو ما أن يتداولون أو من المدداء ودامل المسيح عقيب العدرة 1888 والمحرف بها منافعات الما أن الما المدداء الما أن المدداء المدداء

ا و شده من حسن اللم صفة الصفاء في الـ 1773 معينات الدن طالع اكر بهي من قام في وعام المسلم. الانتاب المدغرة بال الانتخر 1974 من الديات التحرير المدين الانتاب الانتاب ويرة لعم أي فراجي. 19 زمود المنابات هذات الصدر مندر في معارف منطقة وكانت الصورة (1876هـ) تشع عار المعينات كراجي في المدينات کی تو برات می شامل ہیں۔ جس سے اس خیال او مرتفریت مکی ہے جاتا ہے میں سے کی طور پر اپنی سجید میں وعد خاند مجمول میں جس سے متلقر براس کی ایک قلیسی آنداد سے بر بات دین لی اُمر اُلغ مثلاً کی اور موام اس، مند پر مارا مشیاد کمیرو عامل میں ور بار بار کہتے ہیں کہ رما بھی آئید میاد سے بدا ملا مانس سے آبوں کی کا رستے ہیں۔ ایم آئید اور اور اور میں جو اور بلدی کھیل کر کھنے میں اور اور اور اندر کے قدر کے آفسیل ہیں۔ واکسینے میں کہ والوں میں اور میں سے اورو میں میں آبا ہے آبا آن اور جاور بیٹ جی کرنے ہیں آواس سے مندر دیوا کی موالات بیدا ہوتے ہیں۔

(١) لذور ورونون مولوي مد الوان شركون فل ي ہے۔

") کیا دیناہ ہوئے کا آن وحدیث میں کوئی توجہ ہے اور فی القرون میں یا انتہار اور ہے اس کا کوئی تجویت مارے ۔

﴿ ١٠ ﴾ إن مسئلة على بصورت عدم تهوت أكر محامركي نا المنتقى لا تطوع زوتا كير رساء كرنا بحبتر بيسيد ندر

و م العاد من أبوك الركا الإحتيات عاملت والتقب

(۵) او نا تائيه بين جهواه راه قات خمار بين کوئي فرق بينه پرانگ جي تقيم ہے ۔

(1) بھورت مدم جواز کیا ہو ہے جواز کے تاکمین دیلہ در ہوبندہ ہے وکار کیا مجھ ہے۔

(۵) گرار ما دونیا کا بازگر بچانو کورداز پیدان براقی انقلاح او بلیمادی کی متعاقد هم رات کا کیا جواب ہے۔ ''س سے جواز معلوم ہوج ہے۔

> اق ن ج (1) نيخ آين واليند و تم معا من النيز عند تعويد من كان ساحت النيز عند تعويد من كان النيز عند تعويد من كان النيز

(*) کیمی مجمع مدین کی اس کاشه ناشی ب رفعائی مقربه زموند معرب مواد ماحتی کفایت انتد

ها ورحم النب طائفة من استند عين في معن اقطار الهدا حيث والابراء طلى أن الاعام ومن معه يعومون المستاد فلسكتونة الما تم إذا فرحوا من فلق النسق والقوافل يقدنوا الاعام عقب الماتيجة حيم أمد عكاسرة النائية والسيفتدون يؤمنون على ذلك وقد حرى المعل منهم بالأك على البرا الالازام والدوام حتى أن المعلق النموام المقدما أن الدعا معد للسق والوافل بالحنواج الاحام وكمامومان معروري واحاب الم المؤلفة المتامين عبدالد المحدث في الديال والمجاد طلبين كتاب الصنوة بيال ما فراح من الصنوم الاحام المدود في الم

وكذاعل معارف المسن كناب العصوة معت الدعآ معة الصلوة ١٩٠٣ ، البح، مرد معيد كراجي،

سانب $(0)^{(0)}$ می $(0)^{(0)}$ مین تغییل سے بحث $(0)^{(0)}$ کے ب

(٣) عوام َوَمَجِها يوات ان شاء منذ قولي مِرْ مَرَا واض شاهران كيار

و ﴾ أجهال جبان ساءً إلى أوتبه فكالب عيد اومهادت كي النكاجواب بإنها كالمواد وي

ية حواصفوب كي

 كام اوت المغلقي كتاف المبسوة من وتوافل كي بعد دحاكم بارج من مذهبل وعلت ومأجود او محموعه العالم المراعوب TYYE طبع دار الإشاعات كرانهي ...

٣) عن الشعف في مدس راصي فله حهداً قال قال ، وحول الله قدى الله عليه وسيم الصغرة على مشى الشهدة ه ي كان ركستين و سعمت و تنصرع وتسلكن ونفع بديما يقول ترجمها إلى ربك مستقد الا يعطو بسمة وجهد وتنصون بديمة وتنافع المراحد بارات ومن لم بعض فلكن عبو كدا وكذا وجلمع المراحدين الواب المسلوة المسلوة على المسلوة ١٨٥٠ منيذكرا بهن.

[،] وكمفا في . مسلاد السنان كتاب الصنوة ميان ما يقوأ إدا مرع من الصموة ٢٠١٥ ٢٠ معديث ١٣٨١ إدارة القوال كراجي..

آن من أصبر عملي ضر معدوم رحمه عزماً وتم يعمل دار حصة فقد أصاب مه الشيخان من الإصلال منكيف من أصبر عبدي المدعة أو مسكر الإمراء شرح مشكوة كتاب العملوة باب الدعاء في السنهد المدينة (٢٠٤/١/١٤ دوالكت علمه برويت).

واكا لمَّا في السماية في كلشف ماي شوح الوقاية كتاب العسوة بالدامية الدانوة ١٩٥٦ علم سهيل. الكيفين لاجورب

عورة السالدة أيثر ٢٠.

ترادرتك كےافتقام يردعا وكاتكم

€U∲

#飞声

يعد فتن خواد من و علمه الكنا درمت بن اورمستنب بنيه ادرمعمول سف و صف بن اكفر الله تراويل ا واراهليد (١٤)

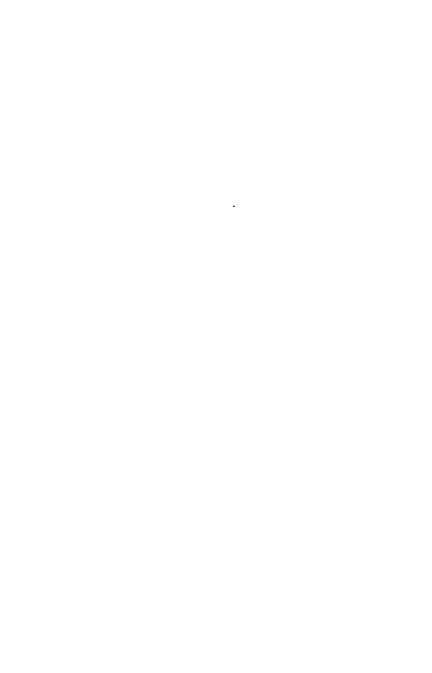
اور احداز ورّ اجمّا کی هور پرستی بشیر و ایسها نک کیفے بی می کو بن تیم ب (۲۰۰

1) هـ اوى داراللحلوم دينوينيد كتبات التصليوة فصل وايد باب مسائل تراويخ ٢٥٣/١ ، بارالاشاهان كواچى،

والتي وطف قبار فيه والتي رمك وصده فارجب واسرص بالسوال ولا تسبأل عبره تعالى فانه القاور على . الاستعاف لا عبره عزوجل وأخرج اين جرير وعبره من مترق عن ابن عباس رائبي للله عنه أبه قال أي . إذا صرحت من المصطورة فبالنصاب و ي الاستأرات والقسير روح المعاني مبورة الم نشرج أبهان « ٢٠٠٠ عالم» . ١٩٢٢ ه طبع بالراحيا، التراث العربي بيروت .

وكذا في نفسير الل كيثو سورة الم بشرح أبة ١٨٠٨ (١٨٠٨ فديمي كراجي-

مراقى المملاح مع نيور الابتساح كتاب الصابية فصل في صفة الأذكار من ٢١٨٠٣١٦ نديدي كراجي. [-



باب فی مکبرالصوت

(الوُوْتُسِيكِركِ احكام)

جهدوتراويج مين لاؤ ذمينيكر كاستعال كاشري تقم

\$ W

کیافرہائے ہیں ملا دوین وریں سند کرتماز جدیں یا نماز ترادی ہیں اگر لوگ کیٹر ہوں کہ امام کی آجاز توکول تک دیکھ سکتی ہو یا گھریں مستورز ندا کو سفتا کا قرآل ہو ۔ توااؤکا ٹاٹیکر ٹال قرآ ن جمید یا مستاور ست ہے یا نہیں ۔ میریائی فر ، کرٹر کی مسئل ہے آگا اگریں ۔

€€}

نماز جعد مترادی وقیره بیش اوزهٔ تینیکر که استعمال کرینه سندامترا دکرنا شروری به بیتین آمرا متعمال کمیا قواس سندنی زیفا مدخیص موقی نماز میچ به ۲۰ که فقط واقد تعمالی اظم

ع دوند آورشا دنغرلد: میدشنی در این سماطوم ایمکان ۱۳۵ وانشده ۳۹ اه

لاؤ وہیکر پر جماعت کرنے کی شرقی حیثیت

سیافہ باتے میں علاوہ بن روز سنز کراؤ ڈیٹر پاکر جا حت کرائی جاوے تو ڈرونے شرع محدل سلی الفہ سے آباد کی جا وے تو الفہ سے دکھر بینے باز ہوجاتی ہے باشیں اگر دوئی ہے تو کمروہ ہوتی ہے بائیں۔ یہ بیت الند شریف میں مام نماز الاؤڈ میٹیئر پر پز متا ہے۔ دہاں پر گورش نے نے رقد یوائیشن کا او ڈیٹیئر بھی رکھا ہوا ہے جو کہ تنام رقیہ یوائیششنر ل پر اس نماز کونشر کرتا ہے اور جو مکانات و دکانات بیت الند شریف ہے تصل میں مثنی دار ارقم وقیے وہ اور تی مائی فراز کا وفتر جو دار رقم کے دیر ہے۔ جب جاج بی کی مجموع ہوجاتی ہے اور اندر کے لاؤڈ سینکروں کی آواز مجموع سے معلوف سترو

ا سعتی مدید ب نے اس وقت بیلؤی ، با ہے اس وقت اس آ سکا اتناعوم حمیں قدا بہت سے ماہریں ہ اس وقت تک اس آ سکا متنا موحی قدارہ کی آون اس از کی آ وزار اس کے اللہ میں اور اس کے علاوہ جھٹی ہے کہ آ وزار اس کی آ وزار اس کے علاوہ جھٹے آج کی اس ماری کی آ وزار اس کے علاوہ جھٹے آج کی اس کے اللہ میں اس کے علاوہ جھٹے آج کی اس کے اللہ میں اس کے علاوہ جھٹے آج کی اس میں اس میں میں اس اس کے علاوہ ہے اس کے علاوہ ہے کہ جواز کا تھم ویا ہے۔

الذاني آب كي مسائل درانكافل او از البتكركا استول الشابطين كتبه وبات كراي .

وكف في الفتاوي المقاليه كتاب الصمرة باب معمدات الصلوة ٣٠٠/٣٠ دار العلوم حقايه اكورته خطاب

عول مار نو کار او دا شکار کس اواز و شرکه کار با این دخول شرک و ای تراک به یا نیم را کنانی ریز دیگی آو در استی منابع با روز تاکی کار نو بود بر موجود می ساقی منابع به باید و تشکیر پر ۱۳۹۳ مند و در بود و تعوومت آن با مساوی و منابعین براد رم میشن باید

بر کر ا

ا مَمَارُ مِن رَاوِزُ کُلِنَّهِ وَاسْتَمَانِ مِن سَعِلِيُّ مِن مِن کَ بِوَرُولُ الْرِي نِنْ الْفِيْرِ مَن فَي الله الله مِنْ وَاللهِ مِن اللهِ مِن اللهِ مِن اللهِ مِن اللهِ مِنْ اللهِ مِنْ أَنْ مِنْ اللهِ مِنْ أَنْ مِنْ

ار وگرافر کادگذار مراهنان از بارلی (۱۳۹۶)

اليمكر برند زياسط أن ثربي ميشيت

جُ اللهُ أَلَى أَهُ ا

کیو قرمانت میں علاوہ این دوری منت کے فارفرش یاوقر یا مناسایا قل قرمینکہ کو نیٹور کا داواد ڈیٹار ہیں ہومی ۔ جارت ہے دلیمیں ۔

خ ت ٍّ

مشقیقت میں بیداں وہ نکے ذیب والیہ جوار مشغل آور وہ مربعت سفر دور وہ نول کو دواب میں۔ روز انتقاد کا مشعران اور میں وہ میں نئیں۔ قریس نے باوروو اگر کس نے انتقراک اوقر امار روست ہے (19 رفتا) ویک شرک میں

انده گهر قررندو سام زخ و ول ۱۳۹۰ س

آ یہ کیٹیر فقع واٹی ٹراز وال مائی اواؤ پیکیز کا ستامال ناباف مان ہے۔ میٹن کا

كيافرات زياهاه إزيتين بمعطمه المله في يوه الدبي الإستدين والمان والديكاوال

عن جواب من این کیآل جود - وی (له ۱۶۳۶) کار مشمال میں لادا کیا استداک مندمتوارد دور سیار شال از م آسان پائد داکرگون تروی می در به با انداز داز پراه می اقتدا مگر ساتوار می کی فرزگی میانی با انداد و از مسئلا در فلیز مورد می مهرود با قرار سای شهای در مقول شود این میگرد کار سید بیخواتوارد از

a Z je

عَا فَهُ يَكُمُّ كَا مَشْعَلِ ثَمَاءُ ثِينَ فَرِمُونَ مِنْ ¹⁹ لِيَهِ عَلَمَ مَعَاهِ فَرَّرَ بِإِلَى يَمِن جِي فَرَاجِ ⁽¹⁹⁾ فَقَلَا وَالسَّاقُولُ اللهِ مساعد مَدَا لَهُ مِن الروق الروق المعالمية

شہینہ میں بلیکر سے استعمال کا تھم حوامل آنا

شرينه شراهيكم كاستعار كالتعماليات و

≉نٌ∞

نی نفسہ آقا روکا اینکر بیر آران آریم کی جوام عد جائز ہے اس اٹین وہ سرے اسور کو گئی ریکھا جائے گا آس پوری و مند محل دار اور قدر و گئی آس کہ بیرا در آرائی کا وہ عد طفر سے بعظے سے بوجو آسوی الرئی اور افار اللہ اللہ الله الفقوان فیا است بدھ و اللہ و استوار العالماء مور حدول آساز مجمل ارتا کا اور کی معود سے بیرا اور کا تحکیم کا استفال کی تاکہ اللہ اللہ بیرا کا اور انتخاب کی اور انتخاب کی مورد الرئی استفال کی تاکہ بیرا کی بیات سے تو دو وہ اور انتخاب کی مورد اللہ بیرا کی بیات سے تو دو وہ بارے بی گئی تورد سے موام کے ایک سے ایک ایک مورد کی بیات سے تو دو وہ بار اس بی گئی گئی الیک سے مورد کی بیار موام کی ایک سے ایک اور انتخاب کی بیار کی بیان کی بیار کی بی

٩ ۾ ملاحقه هو: حمعه وتراويع ميل لاؤ ڏاسينکر کيراسيمبال کا حڪو وه ص ١٠٠٠

^{5 (17} ت حميد کے شوع أحكام، عن الله إدارہ الدمام ف كراہيم.

الإلاب الافتياء كيرمر في الحكام من الله إفراء السمارات الإالين.

 $[\]mathcal{X}: \mathcal{Y} = \mathcal{Y} \cap \mathcal{Y} \cap \mathcal{Y} = \{ 1, \dots, n \}$

أو دُّسه پهودېسترياپداديهـ الله بالحد على الدران، عداله ليكي الاتو عمد دان أهل الاعتمال دفعاً عليم چارد د المستنز كتاب الصابوة قرارع في أند باد منزع السلوم (۱۹۹۱ مايد كراچي).

ار شه. فنی صافحهٔ انتصاب ساوی فشی مراثی الدلاح کناب الصارة وقصل فی منفه کاه کار ۱ می ۱۵- اختیاب ی کرا می دو که امی الفتاوی ایسام اکتلام و درامیه و بات دارا بوانی الصلوف و مسیم و فراکهٔ الغوان ۱۵ می فیدید .

سيئيركي قو دا زيرا فتذاء كالحقم

€∪}

40%

جم انڈرائر تمنی امرجم الاؤڈ کیٹیلر کا استمال جرام تیس ہے۔ اس پر قطیہ مسئونہ پڑھا یا سکتا ہے (1)۔
انداز جی لاؤڈ کیٹیکر کا استمال کر تا درست تیس ہے۔ اگر چہ لاؤڈ کیٹیکر پر تماز پڑھا ہے والے کی اقتداء اگر
کی جے نے تو تعارف کر طانہ کے زار کیے بعوجاتی ہے بعض عارہ نے اس جس کچھ بھنڈ اف کیا ہے و سے حو
اوک نماز کو جائز قرار دیتے ہیں دہ بھی نماز تھیں تمباہ سے جس لاؤڈ کیٹیکر کے استمال کو پویہ معدد قباطوں کے
اناج مؤفر اور دیتے ہیں۔ نماز کی صف اور جیز ہے اور اس آئے کا استمال اس بیس و مرک شک ہے۔ حکمت اللّٰ

انتقال م صاحب ہ خیال درست ہے۔ لائو تاہیکر کونماز میں استعال نہ کیا جائے اور اگر ضرورت ہوتو مکسر کنا کا انتظام کرانیا صاحبہ نہتا ہو انتشابی اعلم۔

ا برالطیف خزل الجزار مج محود تفات عند ۱۹۸۱ معر ۱۳۸۵ مو

الات حديده كے شرعى احكام ، ص: ٣٨ إموة المعاوف كراجي ـ

الحسس التفتياوي كتبات النصلونة بدب الإصامة رمسالة أصام الكلام في تبليغ صوف الإصام ٣٣٩/٢٠ كالفيح الوجايم سفياد كراجي.

ملاحظ بهصفي وجه والوية تحديث ونوات جووث استغ يميال الأأسكر كاستعال كالترجي تمكر

الپئيگري آيت بجده منے ہے ہوب بجد و کاعکم

⊕€

اند زار اول کشراقر آن پاک کی حوادث کے لیے از واقع انکار استعمال ایا جاتا ہے ۔ آگر مجدو تواوی آنویا نے ا آئر کیا ہر منتے والے این مجدو کلاوٹ واجب وہ جاتا ہے یا گئری جا ہے وہ مجد میں وہ جا مجد رہے ہوں ہوں

﴿ نَ ﴾

ر الأنتيشر كما ربع آيت جده عضوا الرائع والراء و دب بعوما تالها ميات والمجدش وول بولت والمساول والمبار المداور و المرش ول ما تبدولان من المبارو و كول على المسجعين الماليوجية لفسيعدة الحد تلانف الدلاوق. والمستدع والانتجام الكارفة والشائمان الم

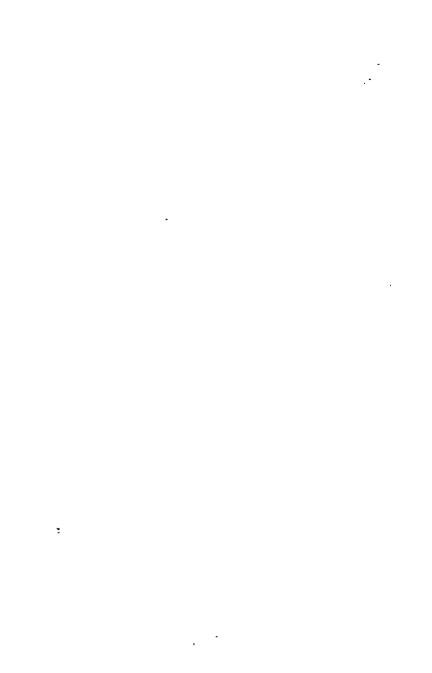
وأما ميست و حومت السنجية مسيت وحويها أحد شيئين الناه وة أبا لمستاح بدائم الصنائع كتاب العبلوة خصل في مبت وحوب السنجاء 2011 وشندت كرتك .

او كمشاهي العناوي الناطر حاليه كذاب العرالو، بالرب سجدة التلاوة، بواج أحر بيالهامين يجب عليه عدد المسجدة (ver) اطبع ردالة المراس كراجي.

وكفاحي أحسن لعتاري كتاب المسهة باب سجود التلارة ١٤/٤ سعيد كراجيها



باب في القراءة



قرأة كابيان

جعد كي تمازين مورة اعلى اورمورة ما شيريز من كاتفم

او ل)

کیافر مائے ہیں ملا وہ نین در ایں سنرک تاریخ شیر کے امام آنیاز جدیس ہر جو مود قاصیح است وہا کہ الاعلیٰ اور حس ان کے حساست انسان یہ جسے تیں۔ بیٹن ایک آدی نے اعترافی کیا کہ جگیا مورہ سے دوسری مورہ کی انداز جس ان کے حساست انسان یہ جسے تیں۔ بیٹن ایک آدی میٹن انداز جسے اور میٹا انتہائی کہ میٹن انداز جسے انداز میٹن اور مورہ جسا اور سنا انتہائی انداز جسے مقرض نے کہ بال صفور کر جسلی انتہائی انداز معلم بن حاکم نے بھول سے دفار آن جا کرتے ہے۔ مارہ تو جا کرتے جم کر کردہ ہے۔ برائے کرم قرارت مسئون نہ سے مسئون نہ اور میاتی میٹا کرتے تاریخ کا کر آت نہ کورہ بالا سے میٹی دوستے کے حسیل میٹا کی مسئل المشکل میٹا انتہائی میٹا انتہائی مسئل المشکل میٹا انتہائی انداز میٹا کہ انداز مورک کے حسیل میٹا کہ میٹا انتہائی میٹا انتہائی دوستے کے حسیل میٹا کہ میٹا انتہائی میٹا انتہائی دوستے کے میٹا کرتے ہوئی دوستے کے حسیل میٹا کرتے ہوئی دوستے کے میٹا کرتے ہوئی دوستے کے میٹا کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی دوستے کے میٹا کرتے ہوئی دوستے کے میٹا کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی دوستے کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی دوستے کرتے ہوئی کرتے ہوئی کرتے ہوئی کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی کرتے ہوئی میٹا کرتے ہوئی کرتے

乗る事

ليم الخدال بمن الرجم - قرة ومستون بيب كرنما رقيم الخبر بمن طوال منصل بمعراورست ومن اوب والمصل ا ادر خرب عمل تصارفه مل في مورض بإحمى بالهمي - مورة الحجرات بي في موروق والمستحداء خات المهووج المستحداء خات المهووج بين مؤل المناسسة المعمل او والدس الكرف تعمل المناسسة والمناسسة و

١) الهجابة كتاب الصلوة باب صفة الصلوة ١٢٠/١ طبع مكنه وحمانيه لاحوول

ويسن في لاحضر من طوال المفصل من السجرات إلى آخر الفروح في الفسر والظهر ومنها إلى آخر قم يكن أو ساطه في العصر والعشاء وباقيه فصاره في المعرب أي في كل ركمة سورة مما ذكر ذكره التجليل والدر المخاوركتات الصفوة باب صفة الصلوة ١٩٣/١ فرشيدية كوف

ٹیز سور قائل ٹیر کی قابات سور ہوا تھی ہے اگر چاندیان جی کیکن تماز جی ان روز ن کو رہا<u>ہے ہے۔ کسی مشرکی</u> کرا حست مثین لیکنو مدھاتھ و افیاسینٹھی من الیکر اھیلٹ فٹٹا اللہ تعان انتہ

نمازول مین تتکسل کے ماتو قرآن پاک پڑھنا

والواله

کیا قرمات تیں طاعوی در ہی مشارک ایک حافظ ما حب بیش بام مجدی وقت نرزوں میں سلس قرآن کارم پڑھنے تیں کیا انداخر بیشرے آتا ن فرکہ کارعت قرمان امن میں جرمہ ہے ہی مرتبرس انڈیٹریوکھم اورسی پ گرام وقابھین و خدمیافین سندنیہ عمل نارعہ ہے انہیں ، ان کا فرق عمر کیا ہے ۔ بینواق بروا

(1) هن السعيدال من الشروعين الله عدقال كال رسول الله صلى الله عليه استقريق في السيدان وفي السيدان وفي السحيدة ... مسيح السيه ربعت الاعلى وهوا أناك جدات الغائب قلت : وقد مرافي باب الحجر في السحيدية والسيدين صديق التي مورة رفين الله عند أنه ترأ مورة الحجمة وإذه عالك السافقين من وفي الشرح فهذه الاحاديد برسها لعظه كان ولم ندل عنى المداوية من كان صلى قله عليه وسلم قرأ المهمة المردة بدلائي على أن لا توقيت للقرادة في أنسما مردو بهدا من في حديد كان مان القرارة في المان أن المردوعية المردوعية على أن يقراره من دنك من في المديد لكان أن القرارة المان كان العمارة المديدة في المديدة في المديد المديد المديدة في المديدة في الدين أن كواجي.

قدر المختار مع شرحه رد المحدر انجاب السلوة باب ددنه العرارة (1/15 الج. الج. المجد عبد كرامين
 على علي كبير تعمل في سلوة الحددة عن (11 مغير مهدى كند. عاله كويند

و كداهي نبيين المعقالين كناب الصلوة باب صف الصلوة ١٠ ٣٣٠٠ طبع دار سكت عليه ربووت و كداهي السعر الرائن كتاب الاستوة باب صعة الصلوة ١٨١١ و سكت راسديد كرك

ه ڻ ا

بھوقت نماز ان بش مسلسل قرآن نرج باست تاریب کیس میداد ، منصفات کا باست کی نرج سی اند ملید ملم است صافحین سنده بات سے ¹⁰ البقرم ای نما این میں منت اور نامت سیداون اس طریق سے تماز کار کو فی انداد سند مجلی بیدائیس دول (۱۰ آر دیداوند اس سے د

محمود منا الدعن فتح مدرسة ممانعلوم ملان شر

تنقيق مخرين شاو

المحمد لله الذي نول القوان ملسان عربي ميس والصلوة والسلام على نينه الامي الذي هُو اقتصح العرب والاعجميس و على الله و عترته وصحابته الذين بنغوا البنا قواعد الاداء و طرقه والقوانين—اما بعد—

عناوسيحة مربي بسيري المعتقل فيتعرم احث تيراء

 إلا والأصبل فيه كتباب عسم وصبى البلاء عنه الى ابي موسى الاشعراق وصبى بله عنه إن اقرأ في الفجر والتنفير مغوان المفصق وفي العمر والمثناء بأوساط المعصل وفي المعرب نفصار المفصل" والهداية
 كتاب الصلوة باب صفة العبلوة 1 أ و 1 (وحماية لأهور

وكدا في الدر المختار كتاب المغوة باب صمه الصلوة الله 2 طع ايجياب معيد كراجي وكدا في تبين الحقائق كتاب الصلوة باب صمة الصلوة (2010هـ/ الكنب العسية بروت

٣) قال الله تعالى فاقروا ما تسمر من انقر أن (سهرة المزمن أبية ١٠٠

ا فيمه دليل على أن لا توقيت وللقرأة في دلك وأن بلامام أن يفرأ هي ذلك مع فانحة الكتاب أي القرآن الها، واعملاً، السمر كناب الصالوة مقدار لنفرأه في الحصر م 1978 إداره عقرأن كواجي

٣). والصاد من خافته إذ وليا الإضراض من ايسر أو يتناها

المقدمة الحزرية بات محارح الحروف ص: ٧٠ فرأت اكتذمن لاعور

هوافد سکیه دو سری فصل محاراح کے بیان میں جن (۱۹۰ طبع فرآت اکیڈسی لاهور و کفا فی حسال القرآن جونها محراج ۸۰ ص ۱۸۸ فرآت اکیڈمی لاهور الام صفحات الاس فی ترای ادر قرادی مستقی ایسان چهایی - (۱) بهر او کی او قوتی ادر زیاد آوار سیادا کرناچش چی سانس و رئالی دواکا حصد کمراه رصوت و قواز قاحصد زائد دو - (۴) برخاوت ازم واطبیف اور آوز جودی آگار کراد اگراز (۱۳) استفدار از بان کی جزاعهایی حرف بیند کرک وزئی دون اور نی وازار ۱ – ۱ ۴۳) حوالی از زیان کورمده کوت او که دستان سیافعی کرک افتی دوب و کیدادا اینا - (۵) احسان سیاستخی ادر بید فر سیار فران دروانی کید و کردا (۱) استفارت اشروع کردند می اخواس ها تک آواز کا چارس کوش کاری

سوم صاد مسجوع طیف کا مشاہر حرالت او شداوا و معاد تکوید وقرآت آئیں وفت نو ومرف وہ ہوالات ان قام حضرات کا ان پراہمائی ہے کہ وہ ہے ہا کہ ان کے تکم کر نیاتھ میں جدا قرآ دے تکی مقائد اور ساکن وہ دید سمیت نئیور اعیان کی تھی وسطان ور معدد ہوار ہاں کو انتقال کی باری کا کہ وہ انتقال اور انتقال اور انتقال اور کیا موسانے قرائی وہ اور اور ناہر واوس اور معمد توان کی انا تھا۔ انس کا واقعی سات مقد دست مشاہر ہوئی - چاہد حوالے فائر کے صاف جی

- () قالموالا الاستنطالة و احتلاف المعور حمل لكانت طاء والسهيد في على للحوط للعلامة الجرود (١٠٠٤) شاوط شرح أراء شفا ميه إلى أراد ألل دين الوقاء على الدولة المحادث المعارف على المعادمة المعارف المعادمة المعا
- (٣) والعضاة منسبه لعطها للفظ الظاء قع وكتبات البرعاتيد إلى محمد من ابن طائب
 المكن (٢٠٠ عن الفر مات إكن لما ١٤٥٤ وتوالد ك الفلاك شاب بها-
- (٣) عثبات مساخ کروت ان العشدایهة بین الطاء و العساد شدیدة و ان العیبر هسیود لنعسبر الکیر للاماه افزازی: (٣ الحق در ایندگاردیان اسمیباشان شاه کی کشارهٔ مادیک تهدید دیده کام شاه سیکرونکیده قمل ایشاد فواریت

ال المنفعمة العروية بات الصعاب الارام أب الجشمي لاعور

ا والدامي القوائد مكيه تيماري فصل صفات كے بيال ميں ص1471 طبع فرآت اكتشمي لاهور - والدامي حمال القرآن پاسيمال لسم ص1484 فرآت اكيشمي لاهور

- ٢٥ يعموله معموعه الصاوي أودو مرجم كنات الصلوه البخالة أيكا ٢٥١٠ البج البياسعيد
- به بالمواقع محموعه الفتاؤي را در متراحم كيات شميلوة استعاد (۱۵ با ۱۵ ما طاح الإجهال و سعيد به جماره بهادش الهدادية كناف العمارة قصل في فرائد الفرائع حطار ۱۵ ما در شهده كواهد

(* المستقبل وخدود که مشاقر قریقه مستقبل و مرافظ مستقبل کرد نظری و جوگ قرید بنید کندن و خوب و خواب شک شهر به همچه کا صوفی و مشتل قتالید به فوجها تا بسینه (المدونان نظر المستور و المعقم می استقبل المستقبل المستقب المتدار (۱۳ میزیز فاتلی (۱۳ میزیز کا نورو فیرس ا

الاهم الوابع على الحروف ادا وقف عليها خواج معها من المفحة والمهاسطة الاول و الهي الطاق والمهاسطة الاول و العلى والطاق والله أن والمائلة والنواء ومراح مائلة المعاملة المرامي أنه أن أثن يتمام ومائلة ومائلة المائلة ا

(۱) . او يسجعهد هي الفوق مين الصادار التكاه (احياء صوحه مرده الهاما خوال الاعالميّاني شاه واله مثل جدال كرمناً ل وشخراً رحمه (الروق بن شرحتي كها به حدد)

چپارم نیا و کی تھوا اور مکل ایس قرار ایک برگردان و آن از ایرواد دارد دور و طور دھی افاد مقین آنے و افاد محمل از محمد ان هنا طلاف آنو پر سیاحت انا دستید در کراوه آن ایک انورت) ایستن کا تخیر او هش دونا خرز فاصد دون کے کی (1)

ا حَجْهُمُ مُمَالِهُا فَسَادُو جُوارُ الروف وَجِو وَكُونِهِ فِي الدِخارَفَ وَالعَرَبُونِ إِنْ مِنْ اللهِ اللّ العقوم زوجَجُ الأمِر قادر هادوا (الدروس كال فَنَّ الرائع كورتُر الروسية والله اللّم (7 كارة وفي المن سبب في

۱۱ ته وه را ای صار مع و داد خار ۱۲ د دصوب د متحده تصنوه مطلب و فرات بی خا ۱۳۲۲ - معید کرنچی

وي محياء في الهيدية الدائب المطورة الناف الواقع المعين الخاصي في ذلك العارين (١٩٨٠ راشيدية أكواته

٧٤) العملوي الهما له كناك للمطود البال الرابع العصلي الحاملي في والدالقار في (٧٩١ وشودية الدائدة ا

١٤/ العقاوي المبرؤ، على هاسش انهنداء كتاب الصنوء العصيل لتاسي فيشر في ، أنَّا الخاري 17/12رشه ..

اهري فسنح انفسام أكتاب التجالوة فعمل في 10تو و 3 1974 رشونده كرتام

١) المهم العالم، كناب العبلوة بالمال يقسد العبلوه زما بكر دفيها ١٧٤١ مار الكتب العبلية مروت

الان محموسة الصادي اردو مرحم كما بها صارة ما الان ما أدهاة الرج الزيم المهاد كراجي ا

⁶⁾ إحبار عالوه المدين: كتاب أخرار الهيلاه وجهدتها الناب التابي فعراه (١٩٥١ هـ طبع بكت رشيد). الكراه

⁹⁾ والقاعدة عبد المتقدس أن ماحير الممنى تعمر الكالر اختفاده كفرا نفسد في حصح دلذاء

ار و تا به بعد از که انهما حالیه به به حالیه از و حالیت و به به دید مطالب مسافل رضا فقاری ۱۰ شود. البرمالید مستند

والغالقي علمي أنب فصر في مال أحكام الهالوين من ٢٠١٠ منع منصدي أفنت عنه الموقع

. الحديد إلى قد المرات العال في عار معارض أعال المراك التي إلى يعنف المراوع في أكول إنه كانه عار الله إذا أأعال رقيد يا المانيان المنظور ميداد المنظم المنظم أن المنطق المؤورة أن وتبدائد (1^{0) من}قل عامل من المام المنظماني بالمساع والمناه المرواني والمساور المساوية المسافح أنواع المواجعة والمحتمل المساورة والمتاكر بيناك الآوي البينة كي ره من فقت المقارات الله إلى المراواء كي ورمين وه بالمياني (العني المعاني في المراويان إلى المعرب تن والعجائز الداري الماليات تن بداري وسائن بالأبيار تعاقر بين المنزود فادل ريساني المن و ة الإدرانية بالمعاقبة في في مان من إداء الرائيد في منة التي بدراجا أي فوا ال يوانع من منه أنه ورود فورح إلى السياع من إلى يرقل مرامل الشائل من أن معمان مريحة موسرة مسيام قبر شررة أثما في ميرة بالأمه وما يسيا ال تشتيمه وهياء المراج والمصفحات الماميان المطفحات الإنشاء والموادة ليها المراه والأمل مناتا الناسية في أن و مراجعة من و تين شاه و وأو به الماه الذي و الا وقوم ل تبر في النا الله والذي أ آمل يأما فالمتنادي . و ال ذكو حوف مكان حرف و غيو المعلى فان الكي الفصل بين المحبوقيس بماا مشبقه كبالتصباد منع الطاه فقوا والطلحب ومكان والضفحت وتفسيد جباراته عبيد لكل و الرائز يمكن التصال بين الحوافي الإسليقية كالطاء مع الصلاد والصاد مع السين والنظماء مع أنناه حلف الممتناح فيه قال اكثر هم لا تقميد عبلانه أشماري هم إلى أهج لي المج را الله المراقع و على منها من الأولى و المراقع المواهد المراقع المواهد و المواهد المواهد المواهد المواهد الموا والعميث صبحا البدول طبحاء ١٩٠ أغير المعصوف لأراثوه بيادرك أفاء والراراة) طلعها المعينيو الأراف بدايات أدية إراا أأفتار صوراع المتحير وافتات جياب أواج والأرام الرا مرية الكريم بديره ويوالا التصاميل الريام الماء من مصطل اللدكار (الماء الا اصطلاع الكرائية إلى

ا المسلمات المستحمع فينان المستحكار في سوامنا فاستحمام في اخر 186 إذا لأحكامات الأخور

٣٤ صمال الفرأن يابجوان لمعد فالذورة صريد؟ قرأت اكيلمي لاعور

از فی قدور حده آند علی فی حرا عقید، اداده استاد دور حو الهدام با خوار جلی گیر فصل فی بیان آخگام رئه القاری هی:۱۷۸ سعیلک کوانه

ر في المنافي في المنظر المنظر

والمساميرالهماء بالداعيماء بالداء والمساح للحاسرون بالصامي فيرفي الالاكا فسيم الاقتاد

[&]quot; (فيح دمين المدين المنظوم : بايد برابع د المصل الجامل في اله الغيري (18 وهجيم كولته .

ا يه ما براد الحاليث صحاب السنام الأنه و الدائر في أنتي المعقوب بالطور أم الشار العسلام الاية. الدول فالسجال على هاديل الهسب فمس من فراة الدران حشاء (157 - 157) بشبلية الكاللة

عجائے گنا ویا عاد تی نیز و الاان بدالیں سے تماز قامدہ و جائے آن (خاریہ) ای مرت شبی نسطالیل (فیل) سے بھی دور سند جوگی (منیہ) ^()

لنگن پروفتنج دہنے کہ بیستار تی تعمیل فتوش وجریاں مل افغیان کی استرے بیش ہے۔ باقی عمدا یا عندہ آباد جود قدرت ملی الادامات کے کہنیا دیمیوں کو قامیاد الرحقی سے تبدیل کرد بیا مطاقات نسرت اوا ہے۔ ان سیعید سعد خالک مضید و ان حوی علمی کسامہ او لا معرف افتصیار الا نصید و هو المسختار - (۲۰)

ستیں ۔ ہاوجود فارخ البالی درت زبان دقدرت کے گئی کی مرف آجان کا اوجب النہ ہے۔ استان مشت منظر بیشداد المحق شاد: اداما فرانسوس ہے اس بیا کی جائے گئی جائے ہیں چرانسے صدر بان کو پسیا کر منت استندا رواحل کو اداکر نے کے لیے اس کو الدے تکا کی ۔ اس طرح کرو میں وخل (جائو کا حک جے اور زبان کی کوش کریں کیا جاز آجات ہیں تیانی ہے ہی کرے بئر قاعدہ کے جوائی زبان لگ جائے قریب آوازی میر بھا سے بھوان میں لک کروٹ جواز خوال میں بیوان وار ایر سے تخری سے نے کہا ہے۔ اس بھر اس کا تھی خیال رہے کہ آواز سے نے زبان کا تاتی کی گئی کا در تینوں ہے (اس الفائول اللہ بالسواب و تعدد علم الکنب العبد العالم اور کو انسان کے استان کا تاریخی

مناد کائٹر تامسی کیا ہے

ىدىن∳

 ه واو قرآ البابعدل كهدهم في تطليل دفطار مكان لطناه نفسد حاشي كيسر فاعبل في بيان احكام وله العاري (نبيه) من: 843 سعيدي كنت حاله كوفه

9) رد المحدر كتاب الصلوة باب ما بصد الصلوة مطلب إدافر أنطاني جد ۱۳۹۷ بچدايم سعيد وقبال الشاهبي أبو الحدين والقاصي أم عاصم أن نصد ديد وأن حرى طلى لحدة أم كان لا يعرف الشمير الأيمان وهو أعدل الأفويل وجو المحدر والعناوي البرية على هامش الهدية كتاب الصلوة الفعيل النائق عشر في زاة حقوى 171 وطبع مكت رضيات كولفة

واكا فاع الفناوي الهاهمة كرات الصلوة الباب الرابع في صفة العملوة الفصل الحامس في رابة طقاراي. ١٩/٩ رضيمه كوفته

و مرزالمعلمي والن الشبحة أنه بعد بدل حهده دالما حتماً قوله حتماً أي دولاً حتماً فهم مفروض عليه
 والدر المختار كناب الصوة باب الإمامة مطلب في الالتغ ١٩٤٥ حجم

4)كذا في حمال القرآن جوتها فيمه ، محرج : ٨ ص. ١٨ قرأت اكبالهي لاهور

آ واز گوستاریت ہے اورای کافترین کیا ہے۔ سیح کئیہ ہے بات و یا حوالہ جواب میں پر سائر یا کہیں۔ مطابق کیکھ

بهم القدائر من الزيم - بمال الترآن مستفر عيم الاست سوادنا كو اشرف على قدائرى ده الفسطيدين بهم القدائر من الزيم كرون التست سوادنا كو الشرف على حدث التركي المراحث المراح

ا و آنشیر توان که می ۳ ک^{ه ۱۹} آنسیود فه الت یک و بس ای بست ساقر آن درمیان تاثیری شاده خاد در سیار شکل است اگر خواندگان این و یاد جرد در ایک ان جارتد ند درمقام خاد شادمیشود و شروع خاد خاد خواندگان ایس جرد و ترف دا میدا جرد شاختی قاری قرآ این داخر برداست و گیا -

الدرندائيل شيخ طبطاد والطاء والذل المعجمات الكل منشاركة في الجهر والرحا وة و منشانهة في السنمج وو البضافية وويشيه صوفها واي صوت الضاد المعجمة) صوت الطاء المحمومة مانصر ورة – في ادرمايش شيخ شيخ شيء الاحدة المبلث والي فضاد والمفاء والدال منشاده والمفاء والدال منشابهة في المناد و الدال المبلغ في المناد و المالكات محديهما عبل الاحرى – (٢٠)

٩ إسمال القرآن جوابها تممه مخرج (٥ من ١٨) قرآت اكيلامي لاهور

٣ و محوله محموحة الفناوي كناب الصلوداسقتان ١١٥١٥ - ١٦ ايچهايهم معيد

ere. ۳ ۱۹۰۳ (۱۳۵۰ طبع البغاري اردو مترجم كتاب الصبود استفنار (۱۳۵ طبع ابهرابیم صعید كمینی کراچی

لبرسپوائوی⁽¹⁾ ارتخیر صواهیب السرحسمان تنحت آیاد و مناهو علمی اندیب بضنین (حررة^{کور} یاکی با مقدقریاکی-فقه انتشالیاله

> قراءةِ فاتحدظف الاهام كالتلم ﴿ سِ ﴾ كيانام ك يجيم فاتحاج مناضروري ب يأتس.

> > **∳**€\$

قر أن طف الدام شن اثركا فقاف بالم المظم رقمة الشعليداوران كالبخراج ومواقين عدم بواز قر أن طف الدام كالكري من وكر المام حيث آيت قرآن و الخافوي الفوان فاسعمعوا له وانصنوا (٢٠) - الاية اورمد يدين محملهم إذا قرآ فانصنوا (٣٠) اور من كان له المام (٣٠) - الديمة اور شاكل الرفزائن من مقرل ب-و في المكافى و منع المؤتم من القرأة مألود من شمالين القراء من كيار المصنعانة الموتضى والعبادلة و فلاون في المحليث اساميهم (١٤٥ - فقا والشرقالي الم

صاد کے مخرج اور صفات کا دیمر خروف ہے فرق

€∪}

کی فریاتے ہیں علاء دین اس منظریں کر فرف (فس) کی سیح ادا تھے کہیں ہے اور اس کا آواز طاء کے سٹاہ ہے یادال کے اوراس کا نفری اوراس کی صفات کیا کیا ہیں تفسس بیان فرما کیں۔

 ⁾ آسسس الشناوی باب طفراز فواهنجوید در ساله الار شاه این منفرح فصاه ۱/۳ ۱۹طنع ایجدایم سعید کسیسی کراچی

المورة الإعراف أية: ١٠٠١

٣) - ميميع المدلم كتاب فصلوة ياب النشهد في الصلوة ١٧٤/١ قديمي كراچي

عن حابر رضي الله عنه قتل: قال رسول الله صلى الله عليه وسلم من كان له امنع فقر أة الإسام له فرأه سمن ابن ماجه كتاب الصلوة ماب الذائر ألامام فالمعتو (١٠/١ لجهايم، مسجد كراچي

ه) رد المحتار كتاب الصلوة باب صفه الصلوة فصل في فقر 1. 5 / 920 - ابتها المساحد

ولا يشود السنونم بل يستمع وينصب - اللحديث العرون من طرى عديدة من كان له إضام عقراته الإمام له قرارة --- (البحر الرافق كتاب الصلوة بات صفة العبلوة ١٩٩/١ وشيديه كوفه وكذا في النهر القائق كتاب الصلوة باب صفة العبلوة ١٠٥/١ دار الكتب العلمية بروت

| سفات | <u> تارنی</u> | |
|---|--|--------|
| يع - رغوين-: مقطع ر-اطبيق-:مقطا/ت | رُولِ کَا اِنْ کُا اِنْ اَلَّهِ وَالْمُوالِيِّ وَالْمُتَّمِّ فِي كُلِّ الْمُلْكِ | ا ا |
| جر درفرت الشعابر-الفوق- ^(۲) | الذيان كَا أَدُّ مِن مَا وَاللَّهِ مِنْ | .F 6 |
| جر - شدت - استفال - انتيان - قاتل (^{r)} | مُرَاتِ كُمَا أَدُ سِهِ إِنَّا أَمَا يَا طَعِيرُ | و مجنی |

الإستامة علوم وأنها كمينان وأأول وتنوار وتولون كالعدا كاندن أثمر فغا جرف في كيوب تجوموا مصفحت استغالت کے باقی تمام صنات میں تعدے اوروال حرف ش کے باتھ مواہے معلت جرک باقی تمام سنات میں مختلف ہے اور یہ بات داھم ہے کہ کن روز فول مثل تناہ کا میسا اُنٹر اُسائنر یا جوا کرنا ہے اوٹٹر اُسامقات يبان حرف نس مصافر بدورنون حرف لا -و- نفر ن مع اللك بين - واصل ما كرينها وكو ال مبل منه ما تحد الإحداثما و اکسے خت جو کے نمایت تعلق دریں مشاہرے ہے۔ ای وہ رہے ضاوکا مقاز اوا کہ بادائی مجل ہے نمایت میل اور " مان ہے۔ کیکم فرق بنی بہیسا توہ آئٹ مفات کے خادثے ماتھو مشاہمت کا حدد کتاہے - ای وید ہے طود النود من کے بال ان دونوں حرض میں آئی آباد کھی اور میں ابھی کیا ہے اور فقیما وکرام نے اس کو تعمل پالسٹ سے قبیعی آنیا ہے۔ کیٹین بن یا دونوں برنگ عدا گانہ کیونکہ مشاہرے مثل بہنا (ہے ہے۔ کیٹین جے حرف میں کو اسے مخر ٹ ے کے رمایت جمعے عقر ہے کہ اوا کیا جائے تو اس کی آواز خیار کی آوازی مسمول ہوگی اور اس کی آواز سے مشایہ يَوِيَ مَا إِمِرُكُولَ مَنْ الْحِيْ لَلْهِ وَعَلِيهِ بِالشَّادِينُ الرَّادَةُ عَلَيْ إِنْ السَّعَادُ تَعَو ج عن المستنوح الوابع مين متحيازج البصير تنخرج مراول حاهة اللستان والعابلية من الاطبراس واهو حوف قوي لانها صجهر مطلق مراحروف الاستعلاء والهداسطالة والدصفات فدتقدم ذكرها والبضا ينتبه لعظها بلفظ الطاه لاتها من حروف الاطباق وامن حروف المستطية وامن الحروف المجهورة والو ١٧٠خنالاف المخرجين وامه قير الضاد من الاستطالة لكان لعظهما واحدا واله يختلفا في السمم السبع ومها-اس مسئل يحتمعن أرهز يرتنسيل مطلوب بيؤه رمال النطق بالنهاد للقاري (ها أيكمقر كي ميدانها لك النات مجوية التزاه في (٢٤ أكمل مواله) مبدأتن ألعموي تنمير مواسب (٤٠٠ أرنس تحت أيت و ها هو على الليب بطنيين جيهانا المهافي للتعلامة المهوعش أأثمأ ونيوءكث تعاق فياطرف وبورثافره أثين المتفاوالانرثوالي المم

۲۰۱۰) کفاعی توالد مکید دو سری فصل محارج کے بیان میں اس ۱۹۱ اور پیرنھی فصل ہر حراب کی۔ صفاحہ لازم کے بیان میں ص ۲۲ جبع قرآت اکیڈس لاھور

وع المداحد هذا الكتاب

⁽ولكن عله في مجموعة الفتاوي. كتاب الصلوة، استفتاء نسب ١٦٨، ص ٢٥١، ج١٠ ايج، يم سعيد كو ايجي) ع) ولمو اسد هذا الكتاب

 ⁽۱) ومحمومة لمقناوي والردو متراحي كذات العملوة؛ في ١٩٧٥ / ١٩٤٣ / استعمار عمر ١٩٨١ سعيد كراجي (١٩٠٤ معيد كراجي)

م) المراجد منه الكناب

نمازوں میں قراءۃ مسنونہ کے بجائے تر تیب ہے پوراقر آن پڑھنے کا تھم فوش کھا

کیافرہائے چیں ملاہ دین در ہیں اسٹر کرش طافقائر آن ہوں۔ اگریش فرض پانچ قراز دن پیم قرآن ان اس * ترتیب سے پرحوں کہ ہر کھٹ چیں آیک رکو ٹافر آئ جمیدکا پڑھا جائے اور اس قرتیب سے قرآن فقر کیا جائے * چھر ٹروم کا کیا جائے کیا اس قرتیب سے قرآن مجیر پڑھنے سے قرآئے شامسٹونہ شی تو کی فرق بھی آئے گا۔ ہوئے میر مائی مدفر آخر وقر کیں۔

40)

قجر اور ظبیر کی نمازش نور قورع ہر رکھت ہے ہوئے ہے نے آو آہ مسئونہ پر کمل ہوجائے گا۔ ٹیکن عسر امغرب میں جبکہ قصار سور کے ہزشنے کا تھم ہے۔ بیستحداد قوم کے لیے گراں ہو گی جیسا کر بھی مشاہدہ ہے اس لیے تمام نمازوں میں مکسان قر اُج مقرر کرنے کی بچائے مسئون مقداد کے مطابق جاجائے ⁽⁶⁾ ایک سجالت پر سنت کو ترجیح دیں تاکہ فرازیوں نکے لیے تری کا باعث نرہو۔ فقط والشائعا فی ایم

> ا کیٹ جنس کی جنسہ وسراحرف پڑھنے سے فسا دِنماز کا تھم ﴿ س ﴾

كيافر بات بي مغاده بن دري سندكركي فنع في خدادكي جُديقان مدل او قدار بوجائك كي يأكس جيساك يار دنم هذا سورة في اسرائل بي واحفض لهدا حناج اللهل خاوي جُدهًا يزعي كي-

١) ويقر "غنى الحضر في الفجر في الركمين بأربعين آية أو حمسين آية منوى قائحة الكتاب ١٠٠ وفي انطهر "غني الحضر في الفجر في الركمين بأربعين آية أو حمسين آية منوى قائحة الكتاب ١٠٠ وفي انطهر والمشاء مود في البهما بأوساط المعمل والإصل فيه كتاب عمر رضى ألله عنه في الي موسين الانبعيري وضي الله حساب الهداية كتاب العبلوة فصل في القرادة ١٩٠٠٠ فقع مكت برحسامة لامور

و كندا في المتخطر مع راد المتحار كتاب المبلوة بالرام مقة العبنوة 400،11 طبع اليجماليورسيية. و كفا في المقتاوي الهشمامية كتاب العبلوة الباب الرامع في صفة العبنوة في القراعة 74/1 واشيدية. كوائد

ٷن﴾

اً مِنْ أَنْ مِنْ الْمُعْلِمُ مِنْ أَنَّ أَمَا زَقَا مِنْ مِنْ مِنْ مِنْ أَرْمِ فِي أَمْرِ فِي ثَنْ آبِدِي آبِ يَعْرَفُواْ فَاصْدُوْ وَ مِنْ كُوا بِالْمُرِهِ مِنْ فِي شَنْ شَكَلَ جِنْهُا ضَادَاهِ وَلَا وَبِهِ مُواْ وَالْم بِهَا كُونِ ⁽¹⁾ - وَإِذَا أَمْرِ مِنْ فَاقْطِيسِ وَيُعِنْ جِنْوَ أَرْمِينَا هَا هو على الغب الشّخصَةِ فَيْ المَّ بَعْرِي (¹⁾ كُومِ فِيهِ إِذَا مُرْمِي فَاقْطِيسِ وَيُعِنْ جِنْوَ أَرْمِينَا هو على الغب الشّخصِةِ فَيْ المَّ

تبديل حرف باحرف كافتهم

$\psi \cup \phi$

٩) وليو راء كلمة أو نفص كنية أو نفص حرفاج تدمه أو بدله بأسر يجو من ثمره إذ أثمر نو تضعد بالم به سر السيني ، إلا ما يشي تحيرة النافساد والثقاد فأ كترجم ثم يضيحه و كدا لم كور الكنية وحرسح المخالس المعتماد إن عيم المستعني الدرالمحام مع عراجه إدالمحمر الكتاب العمارة باب ما يسبد المبلوة وما يكرد مهاه مطلب بدا برأ تعاني حدث ٢٣٤١٦ (يجرابي منجد كراچي

وأكما في العاود النحالة لهامني الهديم كتاب الصنوة يصل في قراء بالقرآل حملة ١٩٥١ و الرشيديم. كراته

و كالما في المعتنوي الهندية كان الصوفاليات الرابع المصل المعامل في رقة القاري ١٩/١ طبع الكت النبور، كومي

- ٦٤) ديكهني تفسير ووج معالن مورة التكوير أيد: ١٤٤ -٣٧٢/٣٠٥ (عبد عز اك نظم م البروك ا
- ٣ وضعين المعتصر بين النعادة والظاروات، ومعرفة مخرصهما لا مدمنه الظارئ فإن اكثرها العجد واستعرفون بين اللحرف عمدة لعارى شرح منجوح البحاران كانب للماير مقرأة (١٥٠٥ مرزة التكوير ٢٠٠٠).

ٷڹٞۿ

جم الفدائر تهم الرقيم - ال کی کی صورتین جی مورج ایس معلم شده ب اگر مام ندگورة سدا بجائے والے کے المام پڑھ اللہ تھورت میں تماز کی بوقی ہے - الارا الروکی پڑھنا جاتا گئیں ہے یا جازات ہے لگی ہے احتیافی سند الل کی جُلد تھا رہے حالیتا ہے قالمی صورت میں نماز مناشی کا کینے کا لیے مطابق موجائی ہے کیکن اگر سنج کے بہر بچر قرائل کا مند منابا ہوئے تھا اس کا قبال کر کے بھی طور ہا اگر ہے دینے اصف از اراب ہے۔

الإ مسهداء دكو حرف مكان حوف ان داكر حواد مكان حوف و سويقير البعني مان قرآ من مسهداء دكو حوف و البعني مان قرآ ال فسيسلسيون ان أعطالمون و ما اشده ذكف لم تصدد صاوته و ان عبر السعي قان امكن الفعسل بين الحرفين الاجترفين من غير مشفة كا نطاء مع الصاد فقرا الطالحات مكان السائحات تفسيد صلاته عبد الكل و ان كان لابعكن الفصل بين الحرفين الاجتماعة كانظاء مع الطاد و الصدد مع السيس و انطاء مع الناء اختلف المهشئج قال اكثر هو لا تفسيد صلاته مكاذا في فساوى قاضي الامام الوالحمين والقاضي الامام الواحدين والقاضي الامام الواحدين والقاضي الامام الواحدين كان لا يعرف النبيز لا تعسد و هوا المواحدين والمحديد و على سانه او كان لا يعرف النبيز لا تعسد و هوا عدل الافريق والمحديد على المحدود فوا المحدود والمحديد والمحدود على المحدود والله تعالى اعتراد المحدود والله عالى اعتراد المحدود والمحدود وال

كى منتقدة دى سنة يتنفيض كرا في جائه كالدوقعي و فقاه ير معتاج وأثلب ما

محوديها بذمة تنتيء وسيقآ والعنوم مآبان

ام و معاوي الهدامة كالمهد العالوة في الرائع و مصل المعامل في رائة الصرائ (1914 وهيادية كولته المساورة).

الاصل فيسمة إلله الكبر حرفاً مكان حراف وغير المعلى إن امكان القصر المهمليس والمعاد مع المعاد في المعاد المعارض المعالم مع المعاد المعارض المعالم المعالم المعارض والمعارض المعارض ال

و با المحتاق أقتاب المستوة بالمدمة يما بالمامية و مطاول والعرابا التي حدث (١٩٣٢/١٠ - ١٩٣٢) وجاوم سمرة. التراجيء الوكانة في المعاوى التوارية الهدمان الهداية أقتاب المستوة المصال التالي المشتر في ولة القاري. ١٩٤٤ والعيدية أنوالة

و كناه هي الحمايية الهامش تهديه كتاب العلوة بعلق في فرادة الفراق العلم ((عطاء) (6) و (شيابة كركة

نماز کی تلاوت ٹی، رمیان ہے آبیہ سورت کیجوڑ کریز عن پینو س کھ

کی فرز کے جی ملون میں در این مسائر کرتر آن جیولی آخری در سورتان شریعت ایک سرمت افغان کی خال راحت میں بہتا جا ان بھر کیا ہے درت جیوا کر دسری راحت میں قیم کی سومت بہتر کی جائے ہیں دریے خال راحت میں سومت افغال چرکی جی سرمتے افر شراع مجاوئز کردہ برقی واست میں جو متعافما تھی واقعی کو کہا تا گیا ہوتا الایک شریعت میں مار میں کردو ہے دو آخری من کے سے راجو افزان ا

و ن ۳

ا العودة في كارميان عمل كوفي مجعل مدين جمل من تجيل مول يجود الم جائنة والمساوة كاردوب الميني ومها الميني مول يجود المع جائنة والمساوة كاردوب الميني من جهائي المام المورد الميني مولاد المورد الميني المورد الميني الميني المورد الميني الميني

مچس صورت مسئول تاتي آنان در ست سهاور جمه و به او به بخش امراندوارد به اما بارد به سنظوار غذاتما في بغم

اع المقدر المستنار مع إن المنحل كتاب العسود فين باب الأحمة مطلب الأحضاع عفرا رافر في الطاء - 1. روازه معيد

و کامل الحدام بهای در رشی مدیمها مور آرسوره این ادمهٔ اهامی اثر قصیل فهل کال سهما صور آر استرو ادال لا یککره و بی کال سی دهیل بگره رئیل این کنات طایقه لا یکره دان می اجلاحهٔ هذا کاه اغیر اشعار قبیل آند فیل نسوش کا بگره قبع القدم اکتاب الصارفانس باب الادامهٔ دارد ۱۹۹ رئیدید اکتیاب از کتامی سلامیهٔ الفتاوی اتناب شف کالفصل الحادی فقد قبل نفر کام حسن آخر ۱۹۹۶ رئیدید کویتان و ۱۹۱ در سام کار دادهٔ داشت اگره می اثران می المسرفانی داد قاصع سعمادی اکتیاب قاید کانته

ه ها راه المساجعة في كان المسلمية منطقات كان صفوة أديب مع كرامة استعربه و مساوعة فها 1944. - منج المراسعين الرائد التي يتح المهاير أكتاب الصلاد بالدالة مساد الصدة و ما يكر و مها فصل يكره - المعال 1952 رائز الرائد و كوفه

غماز دن میں زیادہ میلند آوازے تلادت کرنے کا تھم ﴿ س ﴾

کیافریائے ہیں خاددی در بس سکا کہ ایک ام مجدیدے کی آجاز سے نماز پڑھاڑ ہے کہ مجد سے باہروہ وراز تک آواز بی تی ہے والک علاوی ساجب نے ہا کہ اس قدر و سے نماز پڑھ البیز ٹیس کہ شرکتی کہ شعب میں واسے اور نوش الحافی وجد برحا کرفر اُنا پڑھنے سے نماز میں فساد پیدا ہو جانا ہے اب طاعصا حریں ہے، عضد د سے کسمی انداز میں فرائز کی جائے ۔ بیغاز جروا

€

نماز پر مائے کے لیے الماس کا عالم ہونا اور قرآت کا سمج پر حد نہ وری ہے (۱۰) فوق الحافی شرط نیں المؤتی الحافی کرنے ہے۔ ہون کی شطع الدائی گرو جائی جس سے آدار قاسد ہو جائی ہے۔ الا بستسفسی فلسفو مان بقد مو الحج المند و المندو و الم

ا) أوسى السناس سالاسامة عسمهم بالمسلة قال تسمؤوا ما قرؤ هما الهراؤ عليه ابه كتاب العملوة بال الاحالمة (۱۳۵/ وحماليه الاهورال و كذا في تبوير الاحمار مع الدر المحالم كتاب الصلوة باب الامامة ۱ / ۱۹۵ (اينچاد اينچاد معيدات و كنا هي المحر الرائز كتاب الصاوة باب الامامة (۱۳۰۷ طبع مكتبه رئيسية كوئف و كذا في حلى كبير بحث التراويج هي (۱۳۰ طبع حديدي كتب خاله

٢) والمتساوى الهنبدية : كسباب المسطوعة والسناب أأنساسم في البواقل وقصل في التراويح؛ هن ١١١٨،
 ح١٠ وشيدية كوشه ;

- ٢) فساوى شاطيعهان على هامس الهندية كتاب أنصوم بات التراويح نصل في مقدار القرافة في التراويح
 ١٨-١٣ (شيدية كوفة)
- المدر المستخدار منع راد المستخدار كتاب الصاوة بالب منعة المباوة فعال في القرآة ١١/٣٥٥ (انجـداييد سعيد، وكذا في حامع الرمون ، كتاب الصنوة فصل يحير الإمام ١/١٥٠١ (بجـداييد معيد كراجي

لعدائعا عنطري الفادم انثرت مخافض إلى مركن فالق وادغفول دب الساوشيع كعل بود

الأعواد عوب بك

القول، بالفاع في - باسر باندي آماة على مقتريون كي معاين كرائي الكرمتية كقبل من كهيل هير عن ان شهريت كافي مومكا برقاره الشاع ي جريت بإسهريت جري ان كوخروري بسير بساح وجري ان كوخروري بسير بالمراس بالموج كرائة كافتر أن يستحق أنكر بواقع المواد الإسام يسجه بها الاستهاع الشفوه على فواقع ليعتمل احتصار المعقار المعقار العقل كذا هي السواح الوهاج - الماكان اور كرمتية كاكترين قوبا الكف بين بين كرمكا بي مسحر الكرائق العقل والمرائق المعقل الاهام المسلمة الماجه والكذا على المعرائل الق

الفقل بي ب كمامات كوجه كرية : و ب البياة ب لوطنات المرأيس! النابوب الفقا والفاق في هم. حداد كور ل يا ظاء ت مشابه بيز معنه كالقلم علام منه

کیا قبار کے بین مناه دین در یہ سنلہ کہ منی اوک شاہ کوسٹ یہ با بدال پڑھتے ہیں، در بھن وکسٹ طاو کو مشاہر بلطا در بڑھتے ہیں۔ اب این جس موں کئے ہے اور کون مراہد افرائی انتقاب بلطا میں ہے کہ مشاہر بائد ال سے نماز جائز دوتی ہے ہوئیں آزاد رمشاہر بائفا و سے نماز فار مراہ تی ہے آئیش اور ماصل نفاد ہو صفے سے بھی نماز جائز دوتی ہے انہیں۔

إن راد المعجدار أكتاب الصفوة بالدامعة الصلوة بعمل في العرادة (٣٤١/١ صح المجداب معيد كرائجي)
 ٢٠٣ الدر المخدر مع راد المعجدار كمات الصلوة بالدامعة الصوة بطرز في الغرارة (٣٢٠) معرف

إلى المعدوي الهاء براء كذاب الصموة عداب الرابع في صعة الصموة المفسل الذي في وأحراب احداوة ١٩٩٠/١٠
 طبيع مكتبه وشبعية اكورته، بطوا ولا يجهد الإمام بقمله باللجهر وفي السراح الوهاج: الأمام إذا جهوا في حدث الإمام إلى المهمة الدوائمهما.

ه) السحر الرائق أنتاب المعلود باب في صفة العطرة (). الديمة رشيدية أكركة
 وكذا في تبيئ المغائق كتاب العالمة وناب صفة العالوة (1974/ الرائك ب علمية بروات.

﴿نَهُ

صدد کے منظم بی جواد گذاف ہے ور اسل وقعم میں پائٹھ م ہے۔ اور ایڈ بھی خواد کا کیا ہے اور و خاد کے ا مشاہ ہے یہ ال مہل کے مشاہد ہے ۔ وہ ایک چڑھی ہوائے ف اسٹری کا دھی جوالے ہو اسٹری کا دھی۔ ہا دووق ہے پائٹیں۔ کو امران کے مخطق تو تعلق میں مصادم معاہد کر جب وقر اروفق وہ اسٹری انٹول ہے ایکٹری مساوی کا فائٹ کے انٹون کا انٹون کے انٹون کی انٹون کے انٹون کی کر انٹون کے ا

كسمة في نهاية القول المفيد في علم النجويد - أن العباد والعاد المعجمدان شتركتا جهرا ورحاوة واستعلاء وأطاف و النوفنا محرجا الأ⁴⁰⁶

ادرام بانی کے متعلق کا العلوی اور عوایہ ہے کہ شاہ میں اور عوش کیا ' یہ شصی تھا۔ سینہ امر شعین وال اور الذائن کے توقع میں تھا۔ ہے – بغر ہوئے شاا کوفائش کی دیا حدا والی طرب الدی تھے میں مناہ ہے۔ میں - نیکن اس سے نساز صلوح کے بارے میں میافشیل ہے کہ جسمی قاسر ہے اور کی ترز فراہ مدور ہوئے کی اور اگر تھا اگر وہ محد الدی کو تاہد ہے جس خاص خاص خاص اور بے علی میں آئی ترز فراہ مدور ہوئے کی دوراگر تھا انسان میں کہ المحد الدی الموسی تھا ہے ہے اور کی محرف میں میں ترک کی دجہ سے شاہ کا دیوری والسالیں علیہ صد علی المدوجہ فران المحرفیں ان کا ما من معرض و اسد او کان بہدیدها فوساس المح الی ان فالی و عدہ اعدال الافاویل – فدوی عدد العد م ملحت کے اس انتہ مذاتیاں الم

٩٩ اكسما من جهاية الخبرل المقيد في علم التحويد من ١٩٥ طبع مكتبه علميه إدهوره وأهد في حسن العرائي جهولهما لمجمع مخرج ١٨٥ مر ١٨٦ طبع قرأت اكباري وكدا في المقدمة الحرائي صادو ما كن ديان في إدارين من ١٩٣ طبع قرأت اكبارين إدهون وكدا من فرائد مكبه دومران مصدم محارج كل بالن فين صراعة طبع قرأة اكتابي إدمون.

١). هناوي دارالعبوم ديونيد كناب الصيوة باب بالقيمة الصيوة - ١٧/١ صبح دارالاشاخية.

و من المختائية طبيق هيمش الهيدية وإن ذاك العرفا مكان من قد وغير المبنى فان الكي الفصل بين المجروبين مني غير مشاعة أكا الصادمع الساد و نفي المفاقحات مكان الصالحات تعليد هيا "ما عبد المكان وإن كان لا يمكن العسل من الجرفين الإستانية أكا الصادمة المائدة والصاد مع السين المائلان اكترفي لا تعليد صلاحة كتاب الصلوة فعل في القرأة (1/100 كا طور البيار شيفية)

وكندا في المنتاول التنظر سابية كتاب المبلوة نوع المرافق ولة الشوى المصر الأول (144) ملم إداة الفرال وكندا في البراوية كتاب الصلوة الفصل الثاني عشر (14/2 طيم رئسادية كوفاته.

نمازيل دوسري قرأت ڪمطابق ۾ <u>هن</u> کائٽم ﴿ سَ ﴾

کیا قربائے جن الا او بن در من محک نے برائے جماعت کو اللہ المست علیہ و بمصبطل کے بیاسہ کسٹ علیہ و مصبطل بڑھا۔ کیا تر رہوئی ہے نے شاور نیا ہے بودر و فٹ کیا آئی قاج اب و یو کرش بیشا پر من بڑھ جابوں اورا این میاس رشی اندھنے کی تر کہتا تائی آلرتماز داسرہ دکی آئی کیلی نماز وں واکی قعم ہے۔

الله في الله

بست عبد على المراق المراق المواق المواق المرق في قرأت سنية ممري كذف بيدي كرد الدوارسية مراكب الميسان المستوات الميسان الميسان

and first of standard from the control of the

 ⁽ع) في الفناوي منظر حاليه الربعة الفاولليس لما ولسعد من من تمم العاد - عطي هد الغائرة في صلافه عائل لا تفسد صلاقه عند صلاح - و أحسوا إدا كان قرافة لاتفسد كتاب مستود أخر في رئة اتفارى عصل الاور (أدلاك طبح عارة القرآن .

و أقدا هي اللخاب كتاب الصفوة فصل في الغراء 17/2 طاح رطاره به كواهما

^{*&}gt; اكستا هي مقدمة اعلام السنن والا شاحات شداهي، اكنها في يدمن الداد واضهرات دويه من العبداء مكل مذهب عدد كنير حدر العامي بفليد اي مدهب من العبداء مكل مذهب عدد كنير حدر العامي بفليد اي مدهب منام حدا مرة ودلك احرى - ولا يشخ يستناهب منام مرة ودلك احرى - ولا يشخ الرحم مناما عراء والمقدمة المعادي هشر في مسابل شي / ٢٩٠ طبح إدارة القرآن كرة بي. و كذا في شياع المام كرا يهي.

غاز قاسوئیس بوگراس کیهاعاد دو جب نیس ^{(۱۱} منته : شایقوان بلم نشاهٔ فود ل پ<mark>زیر منته و سایمان</mark>ظم مذاهر که

∳∪∳

كبيافر باست فين مهارد زيز ان مساكر بيمياك.

از ۳۰) - ان آمای <u>سے جو پ</u>اسختیر ورکھا ہے کھانا کو نا اور دوسری تجروہ وکٹر تھی شانی ہونا جا اندے یا تھے ۔

表达多

(1) شاولوگی اورکان گئی پزینصفر کی کوشش کر ہے اور صحت کا طراق کی تلادی کا و ہے۔ ایکھنا جائے - اس ایکٹر نے جدومش کمرین ہے اوا کرنے ان شروانتہ تحال تماز جانز ان کی ^{اس}

- ١٩ كاف في الرازية الآي انقرأة الشادة إلا ترجب مساد العلوة اكتاب العلدة عصور الثاني هذا ١٥٦٥ على و ١٩٦٥ على المائية كمات العلوة فصور في الثرائة الأالاه اللح و هيدية.
 وكما في الهدية كمات العلوة المات الرابع العصول الحاصر ١٩٥٥ على البدية.
- (4) أناسا في التعالية وأن ذكر حرفاً مكان حرف وغير المعنى بهان مكن للعطال من ضحوفين من غير مشقة كان ما يتحدد في التعالية وأن ذكر المسال المكن العطال المكن المعال المحدد الملاحة مناسكي وأن كان لا يمكن المعسل من المحرد في الاستحداد والمعال من المحردة في الكان هيها المحدد مالاحاكات المحدد المعالم المحدد والمحدد والمح
- 7) كنشاها من صحيح استحرى هو الدر عمر رائعي الله تعالى عنهما قال الدر رسول الله صلى الله عليه وسلم إيست رسل قال لا سر أكثر الفقاد بالديه أحدهما الاعتب الاعتبار بالديم أكثر الفاء هي (5.5 ما في صلح فيهي أكثر بالديم من أل لا تباطع فيهي أكثر ما إلا المعاول على المعاول على ألما الله المعال على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول الله المعاول على المعاول المعاول على المعاول المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول المعاول على المعاول المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول على المعاول المعاول المعاول على المعاول المعاول على المعاول على المعاول على المعاول المعاول المعاول على المعاول المعاول على المعاول المعاول المعاول على المعاول المعاول المعاول على المعاول المع

ت دُومشاہ بالظاء یامشاہ بالدال پڑھنے والے کے پیچھے نماز کا تھم چنس کھ

کیے قربائے ہیں مطاور این اس مسئلہ ہیں کرآئ کئی کے لوگوں اور مولو ہوں جن آیک بجیب مسئلہ پر پاہیہ وہ ہے کہ جن کہتے ہیں (ضاوی) کینی مشاہہ بالظاء کے چھیے نماز پر هنا ورسٹ بیش ہے اور بعض کہتے ہیں کہ ہفا وق مشاہہ بالدال کے پڑھتے والے مولول کے چھیے لماز جائز کئیں ہے اور قطعاً ضاو کا اغظ فلا ہے کہیں بھی کیس آیا۔ لہذا اس مسئلہ مفسل اور واضح باولوک بیان فریا تھیں۔

€€\$

لفقا ضادا کی مشتق لفظ ہے۔ فا اوروال انگ تعظ ہیں۔ ان کے تاریخ اور مشات جدا جدا ہیں۔ ان کے تاریخ اور مشات جدا جدا ہیں۔ ان کے تاریخ اور مشات جدا جدا ہیں۔ ان کے تاریخ ان الاحسواس من ایسو او بعدا ھا۔
ایسی انتقا ضاد و بعث اسان سے ماری ہوتا ہے جہ ہے کہ والبتے ہوا کی جائے انتقاض میں ہے متصل ہو۔ بیش و کا انتقاض اور خیرہ ہیں ہوکہ کتب تجویے واقر آت میں قاکور ہیں (۱۲)۔
انتقا اصل تھم تو ہدے کہ حرف کو اپنے تفریق استطالت و غیرہ ہیں ہوکہ کتب تجویے واقر آت میں قاکور ہیں (۱۲)۔
انتقا اصل تھم تو ہدے کہ حرف کو اپنے تو ایسی کے دارا کرنے کی کوشش کی جائے اوروال یا ظام و سے سے اور ایسی کی جائے کہ اور جو دارس طرح بھی زبان سے اوا ہوجائے این تامیخ ہوگ (۱۳)۔ بیسے کر لیتا کہ اس لتقا کو وال پار ہو صاحبے یا طام انتی ہو صاحب کی اوروائی کا منافی ہے کہ دور سے قریق کہ جو دوروں کا م خلا ہیں۔ تیم اس تعلق کے بعد یہ وہ میری طاحی ہے کہ وہ اس کے تاریخ وہ کی تاریخ کی تاریخ کا کو وہ کے تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کا کو وہ کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کا کو کا کی وہ کا کو کا تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کا کو کا کہ تاریخ کی تاریخ کا کو کا کہ کا کہ کا کہ تاریخ کی تاریخ کا کہ کا کی تاریخ کا کو کا کہ کا کہ کا کی تاریخ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کی تاریخ کا کہ کا کہ کا کو کا کہ کی تاریخ کا کا کہ کا کہ کا کہ کا کہ کا کی تاریخ کا کہ کا کہ کی تاریخ کا کہ کا کی تاریخ کا کو کا کی تاریخ کا کہ کا کا کا کہ کا کی تاریخ کا کی تاریخ کا کی تاریخ کی تاریخ کا کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کا کہ کا کہ کا کھی کا کھی کا کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کا کھی کا کھی کی تاریخ کا کھی کا کھی کی تاریخ کا کھی کا کھی کا کھی کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی کا کھی کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی تاریخ کا کھی کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی کا کھی کو کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کا کھی کی تاریخ کی تاریخ کا کھی کے تاریخ کی

١) كما في مقدمة المجزري باب مخارج الحروف من: ٧ هيم فرأين اكية من.

و کیفا می حیسال النفران پورتها لعم محوّج داره می ۱۸۰ طبع قرآت اکیلامی و کذا لی نواند مکه - دوسری فصل محارج کے بیار میں می ۱۵۰ طبع قرآت اکیلامی لاهور

كسائي فرائد مكيه بالبجرين لمعد معزبه كي بيار من من ٢٩٠٢٥ طبع فرأت اكيلامي .
 وكفائي مقدمة الحرري باب الاستعلاء والإطباق طبع فرأت اكيلامي

٣) كستا في التحالية وان ذكر حرفا مكان حرف رغير المدنى فان امكن العصل بير المعرفين من غير مشغة كما النظاء مع النصاد ، فقرا الطالحات مكان العبالجات تفديد صلاته عبد الكل وأن كان لا يسكن العصل بين السرفين الاستشفة كا القاد مع المباد والصناد مع المبين . . قال اكثرهم لا تفسد مسلامة كتاب الصلوة عصل في القرأة (١/١ ١٤٣٠) عضم رضيته.

وكنة الفي المعتاوي المناتار حاليه كتاب الصلوة بوع أحر تي زله الفاري الفصل الأول ٢٩٥/١ طبع إدارة القرآن وكفافي طيزازيه كتاب المعبل الناني هنر ١٤٢٤ طبع رشيديه كولته.

یکن بول تم اس لفظ کو کسی کاری ہے گئے اوالو - جھٹوا اور مدم ہواڑا دامت ومقاصعہ و ٹیے واس لفظ کے کلتی وشفظ نے مرکز جائز قبیل ⁽¹⁾ - والفرنسانی علم

مجحمي منض

€∪ે∲

عمیافر بائے تیں ملا برام ومفتیان مظام سائی زیل میں کہ

- (1) قَمَّى آمَى الْكُرَّرِ آمَن مجيدكي كالانت كرات قائدا والخراج الذاكرات وقت مثاب بالقاويز جريا مثاب الدال فلاد آميزا شاف كاكر مسكل بيدو
 - (٢) أَكُرُهُمْ رَصُ المام شاوكو شنابِ بالله من متناسبَ قَلْ الله كالمعت بيوادو باللَّ بينا إن الشخاف الأوارا ا

عَ نَ اِبِهِ

(۱) حرف ضادکا مخرین زبان کا آنار واور او پرگی ذائدہ ہے۔ اس سے بینخری شی تعاویت بانگی مشار ہے (۱) سیکن مذات (الملیات - مشدا مر برائولا - جرا) شیار ولوں شریک آیراد مند وقوق کی آم بیٹ ہے ہے گیار والو جادئی اندروسکے کی اور دفوۃ شم موجا ہے کی جوسرف شاہ کی صفت اوجے ہے - جس کے معدام ہو ہے ہے جرف جوائی اور دیکے کی اور دفوۃ شم موجا ہے کی جوسرف شاہ کی صفت اوجے ہے - جس کے معدام ہو ہے ہے جرف جوائی موجا تا ہے اس لیے مشاہر بالدال چرھنے کی سورت میں ووج فی قرآ آئی عرفی تیس رہے گا اور شام آ اسکا اس برائول ہے کہ اس جوف کی آ واز شاہ ججر کے ساتھ سفار ہے ۔ جدا کھاں چی ہے ۔ جسٹسہ صواجہ استعداد سفا

(٤) كانت قابل الدخمالي ولا تعار هوا فتعشلو ونسعت ويحكم وصدروا ال الدام العبارين سيرة الإخفال الأبد (٢٠) وفي تنفسير الس أكثير ولا نفر قوا الرحم بالحساعة وبهاهم عن التعرفة عن الي هريرة ان الرحوز الداء صلى الله يواند إلى الركوز الدام ولا الدام و

4) الكندية في مقدمة المحروي والنصاد من حافيه ادولياء الأصر من من الدر أو يدادها وداب محاوج المحروف من 27 طبع قبرأت الكيندي وكنا في جمال الفران جونها لعدة مخرج به من 10 اطبع - فرات الكيامي .

و کناخی فوائد مکیه در سوی فصل معار بر کے بیس میں ص:۱۹ صعرفرات اکیڈمی

جهد المقل مذكوره نفصيل حمال القرآن بالجوان لمعاد ص:٣٠٥٥ عليم قرآت اكتشى الاهور.
 واكد في مقدمة الحروى صفات كريال عن:١١١ عليم ق أث اكتشى لاهو.

المام الوطنية عن أما المرد مرس محبّد إن الكول افتا قديمي بالدرام طنّ ب معديت ثام مه العزامون المعاد والدهاء المسرخ إلى من تلحق إلى بدائد قرق في العام المعاد والدهاء والدهاء المسعومات كلها عندازكة في المعهو والرخاوة مند مهة في السمع (١٠) الماء مرائل من تحميل المسلم الماء المسلم الماء المسلم الماء المسلم الماء من المسلم الماء المسلم الماء المسلم الماء المسلم الماء المسلم المسلم

() ۔ جب اس تھا ہوتی ہٹ ہو بانظا ، ہے تا کو دملہ کا حوال نالی پیوائیس ہوہ ⁽¹⁾ ۔ والمنہ تعالی المم فرض تماز بیس تلاوت کے دوران امام کو تسطی بتا ہے کا تقام

a _ ∫ ⊗

آلیا قرارتے جن علوہ و من مندرجہ ایل مسائل کے بارے پ*ی آ*ر

(۱) المام ساحب نے جماعت کرائی مورہ فاتھ کے بعد جب بھول نے قر کسٹ شروع کی قرآ بیش شم دونے کے بعد امام صاحب سے دہ ٹین مغذ کھوٹ نئے - بھی تھی ہوئی کیا مقتلی جیسے سے امام کو قب د سے مکما سے دکھاں۔ اگرد سے مکما بھٹھ کیسے والے ۔

(۷) میچ کی تمازیک وقت ایک آن مجده را آماتوان شد به کرندز با حال سی تراز با صف که حدادام صاحب آنداد درگاکی براعت کرگی جمه گفت سند نیستان بیلم با گانگی دویات بی چیزی اوقر کستاست وگا- امام صاحب شد فاتر شد بعد دو مری مورت شروع کی آنام اما حب شد خلاص برقرش کی مجانب

د) مدكور و حواله محموعة الفناوي كتاب الصفوة من ٢٥٠٠ طبع سعيد مين ملاحظه هو.

ام) المدكورة حراله ملا هطه يحواله مجموعة العناوي كتاب العبلوة من ١٠٠ عام الهجالهو-منعيف

جي الدر المحدر الديد الملوه باب ما يفيند الصلوة وما يكره فيها ٢٣٣٢ وليع معدد

ع) وكناجي الهندية كتاب العبسوم الباب الرابع العصل الخامس ١٩١١ أأماع والتراعة

ه) اللحانية كتاب الصلوة معبل في لقراة ١٤١/١٤١/١ ميج راشية.

١٠) تقدم تبريب بيعث سائية ٢٠٣٠) صفيعه هدا جواب مذكوره.

زیر باخی مشتر برایا میں سے کسی سے اقرائیس ، یا اور ہوٹنس پہلے نماز جاندگر یا تھا تھا اس سے ان ان موک صفح عقدہ باکہا وال مصافحہ و سد مکتا ہے؟

ھ ڳج

- (۱) آلرا میشانظ تجون کے بول کران کے بچو شفائے کی شرخوانی آئی سوّاللہ دینا ہے درعا بھا یہ ہے۔ کدش مید کیشن کر فیرشر ارت کے اسام یا دائا میٹ سنانے قرفوی از پر ہے کہ کسی کی تماز فاسم تبیع در وفی ⁶⁰۔
- (+) ۔ باہر کے آدبی کو تقریر کا میا ہے اور گردے دیؤ قرامام کو ان پر عمار نیوں ارنا ہے ہیں۔ آخرامام نے اس کے مقربہ معمل کر کے افغالوائی کے بقوامام کی قرز اور بوری براہ ہے کی فعال کا سر ہو ہو ہے کی سب پر اوران وقرید دیج (۲۰۰۰ - وائٹ نعال انعم

كيا" خدو" كريخ ع ياصفات مي اختاد ف ب

﴿ كُرُبُ

المنازم ألمرم جناب فطرت آثاري طاهرت عب واحت بركاتيم الساه مالكم

جداز آواب کے مش بیاے کہ آراکت کشرہ ٹائ کر جا اسفا کا مشاعد یا گئی اور آم کا نشکوف لفظائی میں پایا جا تا ہے یا تنبی مجمود تی فرمار میں الفقارف الانسونداز کے آراب کا جوار مجمع قریر فرما کیں۔

(3) كانستانى حاشية الطحمانوى وضعه على النامة حائز سنا روى أنه صفى الله علم وسم قرأ عى المحلوم مورة الدوسين فترقة كانشة فلما براغ قال الديكن فيكم الى قال على قال ملا فلحب على الدويكرم للمستادي أن يعجل بالمتح الأن الاحاد ، بما يتداكر (بالما ما بعبيد الصفرة عن ٣٣١ع فلا عدي كتب عالمه عن ١٨٥٤ من من عدد موكاما من الشاهية كتاب الصفوة بالما ما يعبيد العبقرة ١٤/١٠ طبح را فيداد .

وكذا في لنجر كتاب الصنوة ماجعته الصلوة "أ- ١ طام راشداه

 أستساطي شاهر المختار مع شرسه وقتحه على غير معامه الإداء ارالا اللاوة وأكله الإحمالا اذا اللاوة و فتلا فيل المام المنح قال إلى عادمين أن حمول التفاكل سبب العنج مست معقعا واكتاب الأحموة ما الله عليه والماء . *
 ما يصد الصنوة وما يكر دفيها ٢٠ ٢٠ كلم محمد

والاقدابي المحرام التراكدات العملومات مايصله العبلية ومالكره فبهاه أرداه فلنع رشيديدار

و كذا في حدثية الطبح عناوي كتاب الصلوة بات ماهما، الطلوة وما يكره قبها من: ٣٧٤ طع دار الكند الطبع بروت. 40°

> والمضاومن حافة الأوليا - الاضراس من أيسم أو يعناها ^{(ها} عشرت تماه، في المُداعَة شيخ أمر زجن

و حافة اللسان فالمصاها قحوف تطولات الى ما يلى الاصراب و هو لايهها يعفوه بالميعنى يمكون مفلات الالمراكم المسل بين كش حافزالمان الروث) الراوي في الرامول المصاداة ولا مند شواع من كل طرف مند كالمراغ والأكس من يا يك المروض الرف من والموال ممل واكثر، والكُنْ تَشِيل بن درااللَّ الشراق والدرية ولهذا قال مسومه اللها تشكيف من المجانبين و هذا المحرف يصعب خووجه من المحاميس - (شرح شرخية رفي) (الله في عدالتيا الراض كامشات إدالاً في حرا

٥) رفاية. ٢) جهدالمقلي.

٣) الدشر عني عور الإساني

اکما فی المفعد الجروبة بات محارج العروف من رطبع قرآت اکیلامی .
 و گفتا فی حمال القرآن جونها لمعار محارج : دهن ۱۸ طبع قرآت اکیلامی لاهور.
 و گفتا فی موائد مکید دو سری نصل محارج کی بیان میں ص ۱۵۲ طبع قرآت اکیلامی لاهور .
 شرح شاطبه عربی.

(۱)جر(۲)رفارت(۴)استطار (۴)اطباق(۵)اسمات(۱) شکالت-

لیزیکن مجمورہ رزخوہ میتعلیہ مطبقہ مستعلیہ (حانیہ) (خرسیہ) دوا میکن جرکی وجہ سے بلندی قصت نقس و براہ درخادت کی ویہ سے زم بلطیف و کارک ع جریان صوت و استعماد کی ویہ سے قم، اعبال کی ویہ سے زیاد وقتم اتنو کی وعلیٰ سامعیات کی وجہ سے بو گبلت کی سقیونی و جمانا – ستعالت کی وجہ سے طوائی الصوت چرز کے اوامیزگا – (1)

اللفظيان سنة بالاشتقياقي - جهير وارجو ثم بالاطباق مستمليا والمصمت مستعكلا الخ زاغاتة المنهوف في مخارج الحروف لاير اعيم بن سعدًا (*⁾

میں کو تھا اوا اور ایستان اور آباد کا باز کواشرائی ہے وائی یا ہے کہ بہا گائی۔ گھر اینے صدفہان کو پھیلا کہ مضرف استعلاء واجابی اور کہا ہے اور بان کی جھیلا اور اجابی اور اجابی اور اجابی کی جھیلا ہوں کے اس کا برائے کے لیے تاہوں کی جہالا کہ اور کی تاہد اور کی تاہد کی تاہد

٢٠ كما في جمال تقرآن پاليجون لمعه ، ص ٢٣٠ تا ٢٦ طبع قرات اكيڤامي لاهور

وكذا في فوائد مكيه تبسري فصل صفات كي سان من من:٣٠٠٨ طبع مرأت اكبدُّمي،

وكفا في مقدمة طجزري (مخات كالبال من ٢١) طبع ثرات اكبدَّس لامور .

٣) اعالة المنهوف مخارح الحروف لا تراهيم بن معد.

را را قال في النفسير الكبران فيتنابه بن تضاه والقاه شايعة و الناه شايعة و الالبير المسير الم

- دو تعليم لاکس
- ام جهد المن
- حهاشي وعاطب
- ور د ځښونه
- فالإعضيم منازاح فيشيح فيحمد عيده مبني ميسر
- (4) کا ما فی جونل افکر آن الله کر مده کو این کے صحیح محرج میں ادر صوری برمی کی مدائج آدار اگرو صدری راکنیم کی اور شمام سفات کی بحدمد کو اگے اداکیا جائے اور اس کی اور اسے سواشاہ کی آور آئی ساتھ بھی وسلم شاہ ہوئی ہی وجودا لمعد جو جے روہ میں در طبح وزائدہ آئی اسکا ہے اس کا علی اور کہ واکنہ میں اسفیدیہ بحق یہ بات میں جونی ہی انظام واقعاد میں ادا طبح فرائد اکیڈمی لاہوں واکنہ می مقادم المحوری والمجوری وہ ہے صدار مدیرہ کی بہتی میں میں میں میں ان ایا کہ کیڈمی لاہوں ہوگئے۔
 - الأوراطي فالتبار أكذب فسنبرط بالباد المستان التساؤف والمحاف سيم منعيدي
- الله كنيد من المحالية وإن كناي والمنكل النصل الاستشفاء كالمباد مع الطلاب القار اكثر قد لا تقييد. الذات الفدود تصل في القرية (1750 منغ رسيد).
 - رُمُ مَا فَعَادِرَ كَانَاتُ الطِلْمُ وَهِينِ مِنْ أَنْدَاتُ وَأَرْكُونُا مِنْ يُسِيدُ كُمَاتُكَ ا
 - والأوالمهر أهاتن كناف الفينوة بأب مايقسم المبلاة الألالاطية بالرائكيات
 - والارز حروبة المعتدي
 - ٢٠) حلاصة العناوي كناب الصلوة المعلى الحادي عشر في الفراءة ١٩٧١ شعر، شيديه كوك

طر میریا ہے تنصیل کو موقع نہیں (9) فقها بڑی ہے کے آن قصل بالشقائے تیمبر کر جس بہجی قریدے اس ہے یک ان ویٹر ان ٹرنوں میں شدید رہینگا بھوٹی یا جاتا ہے مٹر نے توہر میں ہے۔ الا عا بیشق تعمیرہ كالضاد واقطاء فقال اكتوهم لم يقسدها (٥٠ فاديات عادان فاكر حوفا مكان حوف و عبو السمعيني فيان أمكن الفصل بين الحرفين للامشقة كالمبادات الطاء فقرأ الطالحات مكان البصالحات تفسد صلاقه عند الكل و ان كان لا يمكن الفصل بيهما الاستشقة كالظاء مع البطياداء والبصاد مع السبن والطاء مع الناء اجتلف المشامخ فيدفان اكثرهم لانقسة صلا نه الأ¹⁷ م الم والمضاد ينسم للفيظها معفظ الظاء لانها من حروف الاطباق و من الحروف المستحمية وامن المعروف المسجهورية والنوالا حنلاف المتغرجين وأماش الصادمي الإستىقىالة ئكان لعظهما واحدا و لم ياتناغا عن السمع الخ (٢٠٠٠) (١ كبرائية (٢٠٠٤) رميال تُر رياضا ١ ن إيهاركال سند (تمير لايزي)(۱۰ (۴) و منها اي من الواع النجنيس و هو سنايه النفظين في اللفظ مع اختلافهما ذانا– كفوته تعالمي (وجوا بيومنظ ماخبرة الى وبها فالحرف؛ (تخيراتخاك؛ م بين آنه بها فالدي يعف جيس ال معرف عن مكن منابك أن لامثنا بالعوضة ول (١٣) حروف استانية معرب میں ہے جوج وف جرور خارج ہی ترکیک ہوتے ہیں ووقتا بالعہ ہے ہوئے ہیں۔ اس کلیا کا آئو ٹ ڈور خیارہ ہو میں ہی ہے۔ ایس تکا بیصو ٹی کا سب النہ وکڑا نے شنتی یا تھی (اوگی) کا کٹیس (اکرانیا ہوتا تو - 10 مرش- 1- ام · ﴿ وَمِنْ اور مِنْ - } اور ز - سُ - مِن بِي قاليه بيدا جو تاما (كلمان مِن عد النّائية مولّى ملم ب) بلكه الن وقر أن تقلّ يا منہ کے باتور تو فاس سنٹ مغرز درالتاق مغت انگر خاص کا بیا بانا نے درگی ہے ۔ بینانچ ہوف استان ہو کے تقال کی تین (۱- شوید و مجبر رماه یقد ۱۷۰ مجمور رژبو ۱۹۰ مجبور خوه ۱۹۰ مختل اور حرف ابوید کے ثنایہ کیسا (باشتراک شدید)ادر ترزف هنشه کرتین (۱- مجبورشدیده ۴- مجبور نبوه ۳ مهموریزه) صورتی بنتی می-ای نا برضاه وروال جرات باسوتی نین ہے۔ کوئل برجیوں رخودے مربقہ کلیاش شند کے کئی بکروال میں شدہ ہے۔ اگر چاوہ اور اسبب آوج (عمل ارائی) سے محالا کی احتقاری جی اس کے بعض قرار اے خل- وکوشفار ٹین

وع الكنار في شرح أكتاب الصفوة راب ما يفسد العملاة ١٣٣/١ ضع سعيد

وم الإسامة كتاب الصلوة مسل في القالمة (١٤١١ هم وشيدية).

م كتاب الرعابة لابي محمد الممكيّ باب الطالا من ١٠٥٥ معيوجة محوب المطابع تامي)

وم تقسيم عولوي في ١٩١٤م ع ١٠ نفيع سعيدًا كميتي.

د) تفدر نقال.

نی الحرین تصور کر کے قسد صسلود و فیروش او فامریا ہے۔ عمران و فوان فامدم تن برسلم ہے۔ لیکنسیل وقام آخر ۔ بیائی تنی شد ہے کیش وظاکا انتا ہفتی و کیفتی ہے نہ کر فرید و وائی ڈو دوری کی۔ کیوکہ فریق تو دونوں کا متائز و متفاظر ہے۔ فول یو دونوں عمروف فرنے جو کہ تھوار ہیں و ماہیت و مقداد ہے۔ اس کی جو سے ذائع متعایز و متفاظ و تبائن الصون اوا بھوں کے۔ ٹر بھیرائیز اک مقالے نہ وریافت وہ ہم ، رضاوے و متعالی ر مطبق السمارے کے ان دونوں میں ٹیا ہسوتی منتی مسون محمول ہوگا۔ اس بنار قرور تھے ہیں کوش اور ہیں۔ انتا ہیں کے بادجود تمامیز والی وجودی و جائز تی لازم ہے۔

غيبر المستغذوب با المعطوب- اليطرق ولا الدائين الدايايا الدريايا الدرية العمل قائب السمامي طرح كيدهو في نظليل (منه العش) الدري⁶⁹

ا) حسمال النقر أن يسانجوان فعده عن ٣٠١٦٦ ضع فر أن اكيقمي لاهور وكذاهي بواقد مكيه تبسرى محمل صفات كي بهان مير، ص:٩١٠١٦ ضع فرأت اكيقمي لاهور وكذا في مقدمة فيبزري صفات كابيان ص:١٩ طع قرأت اكيقمي لاهور.

۲) الشاهيم كتاب العملوة باب ما يصد العملوة وما يكره فيها عن (۱۳۲ طبع سعيد.
 وكذا في المخالج كتاب الصملوة قصل في الفرادة (۱۹۱۹ و ۱۹۶۲ طبع و د ديه وكذا في الفتاوي الثاني على المخالج المحلوة من الخر في راية الفاري المصل الاول (۱۹۵۶ طبع ودارة كفر آن).

الخانية وقو قرأ والعاديات ظبحاً بالظاء تفسد مدالاته وكدا لوقرأ عبر المضطوب بالطاء تو بالدال تنسيد صلاته كتاب الصلوة قصل في القراء ١٩٤٥ / ١٩٤٠ طهم وشهدية كرناد.

كما في خلبي كبير ولو فرأ الم يحمل كيدهم ، في نظليل ياقطا، مكان الغياد تفسد اللغ كماب المبلوذ فيمل في جان زلة القاري من ٢٩٠٠ طبع مديدي كلب حامه.

فيضط و اسا العبد القناصر المفضل الى وحمة الملك المقتدو محمد طاهو الوحيمي عفا المله عن النامي شادم المحويد و القراء فوالقران بمدرسة فاسم العلوم ووركسول كي الوحي من چيوني سورت من فيمل كرية كي كمفر

ہ کی ہ

کیا فر دیتے ہیں عوادہ این اس منتقد میں کہ ایک اوم مجد بیٹان او جو آر جو تی نماز پز مواسے وقت کیل رکھت بھی سور دیا تون اور دو مرکی رکھت بھی ساتھ وال معرود کو تر بھواڑ کوائی سے انگی مورہ کو آر دن پڑھیا ہے اور اساز استانا درٹے دوسائے سکے جعد دہب اس کو کہا جاتا ہے کہ آب جول کئے آب کہتا ہے کہ کیس بیا ہو کز سبھا در بھی سے عوا اس سے کو کیا ایم کرنا جا آئی ہے کہتے انہا ہے وہ تاہ کے مطابق جواب عورت آر و کھی۔

ې ځ مه

مورت مستولده المام كا يقو كروه بها يوكدا فام بكل راحت ش جهاد ساقر الأكراب ومرق راحت مستولده المستولده المستول المستول

١٤ كما في الدناب كناب الصلوة فصل في القرادة ١٩١١) د طبع سعيد.

حاشية الطحفاوي، على مرافي الفلاح شرح بور الانساح كناب الصاوة فصل في مكروهات الصلوة من ٢٥٢ مرم فاديسي «كاب حاله

٣) انهديه كناب الصلوة العصل الرابع في القراءة 1 أو٧٨ صُع رضيديه كواته.

اس وجائز کیز جمالت ہے۔ مسائس کی کھیل کر کے جماز کا تھم انکا تیں۔ فقا وائٹ تھی فی المس تشکیل مسئلہ فائٹی خفف الما مام

ه آن ه

' بیافرات جی مل دوین دمنتیان شرخ مشتین ای ماعد مین کدنا گذشت دوره از دویت شرخ محد کیا ہے۔ ہے۔ بیچ واکل میجو رویان فروز رہ سے بغوا تو جروامخداند

ة عن م

الم الما يوسيف زن المدهد سناده يك قراعة فالتوطف الله الأمروه ب المحاد التي قراء بن المستدى ك في المحاد الموطلة والمعاد على حادث عليه والمعاد على حادث على عد المقد الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة الموطلة والمعاد الموطلة ال

(a) كند في القر السجار الدولي لا يقرأ مطاعاً ولا الدائمة في السرية بهان فرأ اكوه للجريسة كتاب المسترة فيصدق هي القراءة (1/4 ق ق ضع بنعد أكما في الله اللسل عن التي توسي الله عنه قال علمت رسيوق البلية صبائي الله عليه وسم قال أد قبتم إلى الفسرة فيؤمكم الدائم و داخراً الامام فأنفسترا وبالهائزاء القراء و 1/4 هم الطبح السادية مثنان و إذانا في البحر الوافق اكتاب فصلوه بالماضعة المسلوة إلى 1/4 هم شم رشاعية .

السنوجة المناو منحسف بات القرادة في المناوة حلف الامام من ٩٩ مير محمد كتب حاله و كدافي
 الراح ١٧١٥ للطحاوي من ١٩٨٩ ها، ومعيد

شجم المهرة الإعراف أيقل T

السبلف انها نزلت في الصلوة و فكر احتمالي حيل أبها بولت في الصلوة أ^{نه مق}ل التالدات يس المران وقرل عَلَى باكانت و ذكبه احمد ما مسعد، احدا من اهل الاسلام بقول ان الاعام (1) جهيم سالقران لا تحري صنوة من حنفه اذا قه يقو (1) - ليزافق في بن قال احمد هذا النبي حييني الله عليه وسدي واصحابه وتابعون وهدا مالكي في اهل الحجار وهذا التوري في اهل البعيراني وهذا الإوراعي بالشاه واهدا الليث في مصواما قالوا الرجل صبي خلف الامام فقرأ العبامية والديايقي أهو التعسليات باطلقة ^{والمها} – يُخافعنها تعابران البداط الأسست. الديث الشايقول عن حسلي وكمة لمه يقوأ فيها ماو: لقران فالمويصل الاوراء الاهام رواد بالك في موطأ و استاده صبحيح أسماء المرجح مستم كن عطاء في إيار بندم الكاسبال فابلا بين تخلف عن القوافا مع الإمام. فيصال لا نمراه مع الامام في كبي رواه مسلم في بالب سجود التلاوة في صحيحه(^{6) - ال}غرت ا زرج ان وعمر النهاج جماع شروال كما - أقبو أو الإمام بسي بعدي فقال لا - رواه الطحاوي ⁽¹⁾- معرف البرائدين مروغ إلى عروق ع-فال نصب للقواة فان في الصنوة شفلا و سيكفيك فالك الإسبام رواه التطبيعياوي- والسبادة صعيع ف⁶² اورفترت والدراء وشي الذعر بت مروق بت الإمام اذا الع القوم ففاء كتماهير وواله الأسالي و الطحاري (** – ثيرٌ عمر غَارِيْنَ في وريت كيا مم و انها فرأ فانصنو ا⁽¹⁹⁾ من كمائ هي مودور بن-حديث لا صلوه الابدائحة الكتاب الما^{يما} وكرفا توكا وجوب معليم وجاب الربال ليها فاتحديز الصابغير فنارش وماتي الأقبارة العام كي قائم مقام قرارة مغتوى

اع المعلى لام قدامه كتاب العملوة مرادة المناموة الفلاحة الأواداة حبع دارالكسب

٧) البرغين لامن فناسه كتاب الصلوة قراء والساموم الفائحة ١٠١٥ همج فارالكتب .

ع) السنس لإن تدامه كتاب العينود مكرومات الصلود ١٠٢/١ ملم در الكنب

عن موف الدام سئل العلمة الله كذاب الصالوة دات ما عاد أي ام الفرآن عن ١٧٠٦٦ ميز محمد كنيه حاد كرانيني

أن منجوج المنظو كتاب المطوة بات محرد (ملاوة ١٠) في مدين كتب خانه كراچي.

٦) الشراح معاني الأثال للطماري كيات الصفوة عاب الفوادة عنف الإمام ١٤١٦ علم منصف كراجي.

٧) - شراع مهاني الأثار للطحاوي كناب الصلود باب العراء محمد الإعام ١١-٥٠ هيج محيد كراجي.

٨٤ شرح مصلى الأثار فقطنجاري كتاب المستوة عاب القوادة حنف الإمام ١٧٢١٪ فطرح منها كراجي.

٢٠) صحيح المسم كالف أصاوة الان الشهد في الصوة ١٧٤/١ هيم قديمي .

[.] وأكفا في الأر النسن كتاب الصنوة باب في ترك القراءة النف. الأمام من ١٠٩ مكتبه الطابية مثال ١٠) غار جامعاني الآثار كتاب الصناوة حدف الأمام ١٤٨٦ ا طبع معيد.

كي تيس موني جيره كرون فين عن في مندين كالعول بينول بايدادم ب كرورتر أوفاق كرماتي مم مروجي کم زیراہ رامام کے چکھے سورہ بھی وزخیس-اس سے کے معدیث میں جہاں فاتی کا جوب مروی ہے وہاں خم سورہ تجي البوداؤد كمني من أقل كياب عن البي هويوة وصلى الله عنه قال العربي وسول الله صلى الله عسبه وصلح ال اناهى انه كا صلوة الابقرأة فالنحة الكتاب فيما والاانتهى - (أ) يُرْسَمُ (٢) مِرْسَالُ العلام على منظم الق صديث لا صلوة التي شن فيصياعه ألى زياد في تقوي بي - شن الإدارة من سي-العمرات الله المقدرة بعاضعة المكتاب والعا ليسمر (٣) توكيا وبالمشاكر الالطي الفاتيو كريز حج الغيرة العمرك ييجي نماز بوجانگ ڪاور فاقع ما حريم نماز ثين بولق - أمروه م كي قرائت كذبت كرنگ ستاقو فاقعه اور مور ۋودۇپ شَرَكِ لَي جِنْرِقَ كَ كُونَ وَجِنْكُ بِ - رَمْ قَ زَارِهَ إِيسَالًا تَفْعِلُوا اللَّهِ الْفَالِحَة الكتاب فالدلا صلوة لمسن لع بغو أبيها (۵) - اذكرية فاتوت بزين عن من من يج ليكن بيدهديث تمن دجوه ب مطول ب- (۱) اس كاراوق بھیول ہے جو مدلس ہے اور میبان وورا بہت من من سے کرتا ہے ماس کی روایت عمی من ہے اتب ان مرکمول میس ہوتی جو محد خین کا متفقہ مسک ہے۔ (۴) نیز اس کی مند شی اضطراب ہے۔ (۳) محد بن اعماق اس کا روی عنفر بيد-اه دمجه بن احماق الناتوي نبيب بيك الناس كالفروت بحي كالل تبال بيون لبذا مديث صن نبيل اور مدیت کی صحت کا ده می فوق خود زیدگ نے کی شین کیا۔ صرف مس کا دعوتی کیا ہے۔ لیکن ان تیمن علی کی دید ہے حسن جمي ندر على ⁽¹¹⁾- بهيرهال الدُّمَا وَفَي وليل صرح اور محيح أوْرَيْكَ مِنْ إِنَّ كُنْ مِس سنة فاتحاكا بير هنا طلف الامام لا بت بوئيكا ورانعات كي مديث امرة بيت كي موجود كي بين يزاحنا كراحت التا فالي مين بالخفوم جري قرزون بين -والإزنعال النم

> . اع أبو داؤه كناب العبلوة مان من تراه الفراء فافي صلاته الر١٩٦٠ طبع مكتب رحمانيه لاهور.

٢) معلم كتاب الصلوة باب وهواب قراء المائحة ١١٠ ١٩٤ طبع قديسي كلب حالم.

٣) مسن المسالي كتاب الصلوة باب الحاب لرده فالتحة الكتاب في الصلوة ١١٥/١ طبع قديمي.

²⁾ حتن التي قالوه كتاب الصلوة باب من ترك القراءة في صلامه ١٩٠٦ وطبع رحصاب لإهور

ع) سين ترما ي كتاب الصلوة بحسما عاد في الفراء (مطف الإسم ١٩٠١) ١٠ عليم بنعيد

٢) وكذا في السندكوة كتاب الصلوه باب القوادة في الصلوة ٨٦/١ طبع قديمي كتب خان.

مية كورة بالانفسيسل التي نهرملا مظه هو مرقات الممانيج كنات الصلوة بمبل في القراء (العمال الثاني ٢/٣٢/١٦ فيم دوارة كاب.

نمازون میں جبراور سرکی وجیہ

र्ख ्रं ज

کیا فردائے ہیں ملاء دین اس مشدیش کے باتگا نماز وں میں سے تنج مغرب اور منفاء میں بلندآ واز سے قرآمت پاسی جاتی ہے اور ظهر جھمر کی نماز میں بلندآ واز سے قرآمت کیوں بندگی گز اس میں نیا فرق سے اگر بنند آواز سے برحمی جاسے تو کی قرق ہے۔

美色声

"سوطائل المترب الاستيد درمول المُركن على الله عليه وسلم في صلوة الظهر فطننا الهوسعيد المعدوي وضي الله عنه سجد درمول الله صلى الله عليه وسلم في صلوة الظهر فطننا اله فراه الم منويل المستحدة وقد كان النبي صلى الله عليه وسلم في الابتداء يجهر بالقرال في الصلوة كله، وكان المستودة و يسبون من أنزل و من أنزل عليه فانزل المله تعالى و لا تجهر بنصلوتك و لا تتحافت يها وابتغ بين فانك سبيلا فكان يخافت بعد فانك في صلودة البطهر و المعتمر الانهم كانوا مستعدين الاذي في هذون الوقتين و يجهر في صلود المستون لانهم كانوا غياما و قهدا المعتمد و العجر لانهم كانوا غياما و قهدا حمولي الجمعة و المبدين لانه الامها بالمهدينة و ما كان لكفار بها فوة الافك"

روابیت عدد اسے جمرومریش بینکست معلوم جوری ہے کیا بتدا ما اسلام اس کی کریم میلی الند علیہ وہٹم کی ترکیم ہے۔ سیکا اندر جم سے قیام تھاڑی نیز جا ہا کہ نے تھے۔ شرکیمن کو قرآن جب سنا کرتے تھے قواس کے نازل کرنے والے ایمنی اند تعالیٰ درجمی پر نازل کیا گیا ہے بھی توصیٰی دفد علیہ وآلہ وہلم کو سب و آتم کیا کرتے تھے۔ اند جل مجہ و نے بیا جسمان لی آریم میں اند تعالیہ علم اس کے بعد تلم واصوبیس موکی کرتے تھے کیا کہ ان دور تھی میں اندرک میں

٢) السمسوط فيسير خمي كتباب العيارة فصل بحور الإمام في حلاة الحور و بخافت الخ ١٧٤٦ هـ الدارة القرآن . و كذا في حادية فطحطارى كتاب الصلوة فمين في واحب الصلوة من ٢٥٥٥١٥٢٠ طبح طبع فيديمي كتب خاندو كد في علام النس كتاب الصلوة بالدو بدورة في الجهرية والسر في السرية ١٤١٤ طبع إدارة القرآن .

مريد تعصيل كيالي ملاحظه هو معارف الغران ١٢/٠ ٥ طبع مكنه دارالعلوم كراجي.

فریت دیا کرت بھی در مقرب کے دفت پر اگر دافت الدیمی مشغول موات بھی در میں بادر کرتے ہے ہوا ہوں بادر کرتے ہے در در اور میں موسان در نے تھا اور کرتے ہے در ارد اور الدین در الدین کے در زمان اور الدین کی فرائز کی بادر اور الدین کی فرائز کی بادر اور الدین کی فرائز کی بادر اور الدین کی فرائز کی فرائز کی فرائز کی فرائز کی کا اور پائٹ ک

آماز میں تازوت ہے کیل کیم اللہ کا حقم موں ہوں

اً بالأرسال بين علوه بين الروسندين الدفوضي فماز جو بأنكي وسنتين مواران بين برايات بين أم المفروح والزيب يأتين -

> عنزی کا بر بعد میں عورت بینے نکل ایم انتا پر مراہ عنوں دنیا اعلی 'میز 'آن کے آٹین والبیر کہتے ہے نماز کا سعر موجو تی ہے ۔ اور س بیک

آن فرمائت جي طولت آرام وعقع به اين الرسنار كهار بيش كه آيد فيرمقد الناع الدارد الرائد الرائم بيش فراز به عند مدينة أنها الجرائي قواليك تحمل به وكه ما تقد كم التي التي عضري إلى فرار الأقوار كرا الرائزة وكوب كرناش ومع كراي والرائد و قواكم و من خالا فالمدود في الياكية بها أنهى الدار وكان الرائد في الرائد في الرائع تعلى والمنافذ في نوجو و العدد الجريل

أي رد المستخدم بمحل المنهم بهيما أي بالجهر والمخافة مطلقًا أن الى أو كار وهو طاهر الروال، كدر ...
 المصاليمة الله مجود الديور () أناه معهد أو كما هي حيري كثير فصل في محود منهو صريفه)
 معهدي .. و كفا في الحرائز في فصر في معجود الديهر () كانا ضع مكتبه راشيده.

الإو الأمارة المنتخفار منع إلا فلسمين الاستواميس المنزاجي من كل، كعدوم جهرية المادكار الى المنطقة المناسبة الأ المنطقة المنتخار قول مجمدوها أن يسمى قبل المنتخة ومان كال سورة في كال راكمة أذبات المنظرة المادية في المنطقة المناسبة الأمارة ومنها الإمارة المنتخفة الإمارة المنتخفة المناسبة المن

> و كمّا في المحر الرائق كنار . . . لود . . . طبقة الصدة ١/و و و . شهير. و كما في الهديم كنات التصورة المعلى النافق في سيار الصورة الاستان. شياري

الأن الأ

ای صفحے کا یہ کیز در سے مجھی ہے کہ جاری کرنے فاسر کرتا ہے اور شان کی تھا تھا سد جو تی ہے اور شاہے آبیدن اڈ بیر کینے والے کوز دوکر ہے کہ تا ہائیزے ⁴⁶ میرواند تھا تی اعمال

الموالة القامة 1975 - أن أن 1871م

نُداورتسميه وفي دكعت مِن برُ منا بهتر ہے۔

U

کیافرونے جی ملاورین ومنشان شربا تھیں دریں مسرک کے ا

۔ (1) منٹن فیرمز کے دوارن کی تیسر تی رکھت کی بتدار میں ڈار پر منی جانبے یا ٹیمیں سرم حوالہ کتب معتبر و تحریر میں ب

ا ؟) يُهم عَدُارَ فِي هِرِ كُنت عِن رِدِهِ فِي طِلْ بِينِهِ إِمْرِ فَسَامَكُمُ رَاعِت مِن فِي رِدِهِ فِي طِل ب مُنِهِن يَهِ هِلْ هِلِ بِيهِ مِنْ يَوْمَ فِي وَالِهِ

الإن كا

(۱) تيسري ركعت كي ابتد ، جمل آناء بإعلى جا بيسه كذا الى اشامية (۱) .

(٣)م كعتدكي بقداء يمي لاكتي جائي كالحادث وي المحيط المختار فول محمدوهوان

بسمى قبل الفاتحة وقبل كل سورة في كل ركعة (**)

عن عبد الله من عمر واراضي الله عبد عن أثبي صبى الله عليه وسمو قال السبقية من سلم السبقيون
 من لبدائه ويده الصحيح البخاري أكتاب الإيمان باب السبقياس سبد الع 1/1 قلايمي القراجي
 وكدا في مشكوة المصاييح كتاب الإيمان (3/1 فيريني الكواجي)

وكلة عن الحامع للرمدي الراب الإيسان باب ما والمستقومن مسلم مغ ١٩٠٩ معيد.

1) انسار المسجدار ولا يستمنح (دا قادائي الناشة منها ... وفي اللوائي من ذوات الاربع يصني على النبي حسلي النبي حسلي الله وسلي الله عبيه رسله وسلم ويستمنح ويتموذ ولر عبراً دن كان تجع صلاة كتاب الصلوة مايه فرير والنوائل ٨٧١٨٦٢ مكيم وغيرة باب البائر والنوائل ٨٧١٨٦٢ مكيم رخيليم. وكذا في الهندية كتاب المسلوة باب البائر والنوائل ١٤١٠ معيد.

وكدا فهنديه كناب الصئوة العميل فنائث سنن الصلوم ٢٢٠٠ رشياب

فتقاوالة قواني الحم

ماري _اوان ماري _اوانو

نمازم فكول كي شرق هيثيت

ه کل په

کی فرمائے ہیں جا اگر اموان میر کل میں ک

ه څه

١) مشايكوة المصاديح من الحدث في العرفة ماليس منه نهم ولا كمات الاستان بالت لا صفيام بالكتاب والمنثة ٢٧٥٦ قديم الدي خاند.

٢) شفاه العليل ترامعه القول المهميل من ١٥٠ طبع مكنه راحمامه د الاهور

(۴) ۔ ان رہ باسد کا ڈھٹ جمنی مقامت ہیں مثالے مکن ہے کہ جم کر ہم ملی انداملیہ اُنم نے کئی خاص وقت مگر مزاجہ سے اپنی میں پیر بابا ہو

متنزيء كيريواوت كي ممانعت

\$U\$

کیافرمائے ہیں ملاء دین در میں مسائل کے:

- . (0) غازيش باتحدة ف سكريتي و تدبيت كن حديث قرير فرما أمي -
- (٣) نمارين مين آبيت يا شفاكهم بحارط بيث تويف تحريفها مين-
 - (٣) المام كے بيلے متدى كے افرز بر مع كائم.
- (٣) أَيْرِي فَمَازُ فَي سَيْنِ بِعِرْمَا وَمَنْ سِيَطُوعُ ٱلْفَابِ بِيرِقِيلُ عَرِيهِ عِنْ فَاسْمِ -
 - (۵) أَمَا زُورَ بِرُ مِنْ كَاسْتُونَ عَلَى يَتْ كُورُونَا كُينَ -
- ١) الصحيح المحلم كتاب فمسافرين بالمجلوة التي صلى الله عليه وسلم (١٦١/ فديمي كتب مدنه.
 - خورة السائفة الأية : قال.
- فراح المعادان قد حاركم من الله بور عطيه وهو برزالا بور والدى المحدار صلى الله عليه رسم سوره المكهم الآية (١٩ م ١٩ هـ ١٩ و ١٩ هـ قي العدار الدياس سورة السائدة الآية. ١٩ م ١٩ ١٩ مكيم المخمل به أو كما من الفسير اللياب في علوج الكتاب سرء (١٠ ماه) الآية ١٩ م ١٩ ١٩ وارالكنب المفسية أا وكما في تعليم وإذ السير صورة السائدة الآية. ١٩ م ١٩ م ١٩ وكنب بعضيه.
 - ة) قل الما أما يتم منكو بوسي في إلما الهك فه واحد سورة الكهد. الأبة: .
- ا تعدير الدير الدي فل بل محمد يهم ما أما لا بشر مثلكم في استرية ليس لي مسنة السبكية او الالوهرة. ولا عمو لا ما علمي الله مورة الكهمية أيق ما ١٩٨٠/١٩٨٠ مكمة المعارية.
 - وكذا في تفسير روح المعاني سورة الكهف الأعلام ١٠٠٠ ٩٠١١٦٠ وتراجه، الترات العربي.

电影电

- و الم على علقمة من والرابي حجر عن ابية فال وأنت التي صلى لله عليه وسلم يعتج يعب. على شماله في الصدوة تحت السرة - رواة الرابي نبية ألم و المنافة صحيح
- (٢) روى احسيد و الهويعلى و الطحاود، و قدار قطبى و تحاكم في المستدرك من حديث شعبة عن سلمة من كهيل عن حجو الن العيس عن علقية بن والل عن ايبداله عملى مع وسيول الله صلى الله عليه وسلم قلبة للخ غير المعصوب عليهم والالتصالين قال المن و احقى بها عنونه الله عليه وسلم قلبة للخ غير المعصوب عليهم والالتصالين قال المن
- ٣- عن عيضاء بن يستار المدسال ريد بن نعت رضى الله عنه عن الفراة مع الاماو تفال لا فراء ة مع الإمام في من ع^(٣) والامسمو في الدراء حود التلاوة
- ا عن التي سعيد الحمري قال قال وسول الله عبلي القديمية وسنه لا صنود بعد العصر حتى العوب الشهيد و لا صدولا بعد صنوة الفجر حتى نطلع الشمس والم الشبحان ⁽¹⁸⁷
- على التي سلمية من عبدالو حيان العاسائي عائدة راهي الدعائج أكبف كالمن صلوة ومول الدعائج الدعائج كالمن صلوة ومول الدعائي عليه واسلم عراسة في ومعيان و الإلى عمرة احدى عشرة راكعة بصلى الربعة فلا تستل عن حسيهن و طوابين ثم يصيبن و الإلى توبيسلي تلات قائب عائدة فقلت بالرسول السلمة النسام قسن الرسول فقال بالعائمية أن عبدتي تدمان و الأبياء قلي رواء الدخاري (١٠) وفقط والمدنعائي اعتبر
- ه م استان الله الي الله كتاب الصفيع دات رضع ليسيل الله الشمال حديث ٢٠٠ / ١٧٤ (مندود اعلام) المهمي كتاب مطاوع المديار صع اليدي تحت الدرة ٢٠٠ / ١٥٥ / ١٩٥٥ (١٠ و مراي كراچي) المدين المسلمة
- ا المار المستحد الراوومان عارضا والمارات على مسترفاته والمسرقة كتاب المثلة فعمل في بين بألمان العملوة المراوية المارات وكادائي الربيل الجعمان كتاب المارة بالمارة بالمسلوة (1/4 ماه دار الأنسب العلمية). الان الأمر المسترد عن 187 و الرائد ، الوال العملوة بالمائد حالة في النامل (1814 سخم).
- أروه فُرِعَ مِن الماليدة فالله أمين والمساه منه الأحمد الهميدية الناسة الصيوة الهاج مرامع الغصل الثاني في. أجان الصفوة الرح (15) ورح من
- الام العماعيج للعدال كداره الصلوة بالداء هواه البلاوة (1897 فديمي كنده حاله) الدور المساجنان الديموان إلا إقرار مطلقاً ولا العالجة مواً فان هوا كرة لحريهاً كتاب العماوة فصل في القرآنة (25) د المعرف
- جه مشخوذ المصابيح كتاب نهم الدارمات النهي والزوافة تدبي كانت حاله و كان الي المصابح طاحران كتاب الماغوذ المالا للحران الصلوة قبل فرود النصص (17 ماك ا الفيسي كتاب حاله
- هن و كان المرجوعية الري كان الراهار و الرياضية التي صلى الله عليه و سير 1937 قاصي كت حاله

" ميدل رئي العظيم" كي عجد البحال وفي الكريم" بي يعيفا عظم

and the

العالم بالشبط الموادين وريد مند فدرون عن التأثير المان بن العظيم في خدام المناس في الخريم العقالية الد الداخ بيارا النظام على أكل عاد المعلى والقرارات منظم في المراد النظام الكراد المعلى الكراد المعال كسال في ومعان على النظام المراد الميكونية أعماد الكرائ كشف كالمعاصلات الباراتيم منظمات والعرام معمد المعالم المعارفة ا في العرام بعدالة جرد

ه ځ ه

الم إليّ الذه الرئيس الرئيس و الم التي يتنافع المن المن المنافع التي الله المن المؤلّم أن أنتي المنافع المن الم ولي المنافع الله و أن المن المنافع الله و المنافع ا

حسرے معنون میں ادام فی کر اگر موابرہ ہو واقد رہ کے انتظام کی طور پیا ہے کہ کہ کام کام ہو ہو ہو ہو ہے ہو اورک مان ہے (۱۶ - ایوا ایسے کی کے مام کے مقرف الیا اور اس وجہ سے اگر کیم اوا جیمن آر کی اسے کی اور اسے (انجید روز میں اور ایس میں سے جی او دور میں میں ہے کھی کا بھی گڑھنٹیلی کی تو مصال اور کا کی ہے جیکار سے انجراز شراری ہے۔ ابندا وہی صورت میں اور موادمت می ترک افند کا ایوار ایوار کا ہے تیا اور کا افتاد کا ایوار

ان أرد المحادر كتاب الصيرة فصل في سن الأليف الحالوة (١٩٤٢ معيد)

حين التي مستعود رحين أنبه عنه أن التي تنتي الله عليه وسندها إن ادا راكع احداكم تمثل في راكوعه
 مستعيان وبي المعيم ثلاث مرات فقد أن راكوجه و دالن ادباء سين البرمادي الود ، المطلوة ما حدمي
 التيسيم في الراكو و ١١ - ١ مستد

ود المحالل الدية في المديح الوكوع منحان ربي لقطيم كنات قعلل في بهان بالهد، الصلوة (1987). محدو كدا في الدير الراش الدات الديلوم باب صعة العيثرة (1976) عبديد كانت.

نڈور اومٹ کر بہت سے نوبی ناہوئی ہمسیانک کے وہ اس امراؤڈ انسانڈ درسے اورا کر ہم بھی نے حما ہے جائے گئے۔ اور نیس کر کما جب بیال کے بچھم ہیں ہے۔ انٹھ کی امامٹ اب درسیاسی الاسمج یا تھروہ ہے عملسی فول محلما قال عبی الشاعدی (۱۹

فيجوز عندالنفض من أكاس النمسا للغيسرة من الصاواب امناهه الالتبع سليم شاسر و فيدانياداكثر الاستحباب

جرا اُمر کما دکھکے چھو مکیا ہے جسکی تلوچ سے کے اندیش سے انگریم پو میں ہے۔ شب اس بی ماہ ہے وہ معدان کی اسخائر چارید کرنا خلاف وہ میں میں رہے ہے فقط وابعد تھائی ایمس

فاتح ضف الامام كى حديث كامقام

ح کرایۃ

أليافر والتي تبريالما والباعث والجهاعت مندرجة إلى وول كي تعلق ك

ا الإحسى كيان له معام فقواء والاحام له قواء غايا و الإحس كنان له احام فقواة الإحام فراة له. والى مدينت ثم يقد العول مدينت ثر يف «صول قار منى واصور عقاية وعما الأس منت و نجما عنت كي دوست م فوت متعلق من سند بالصيف سنه -

(۴) کیا وہ اماد رہے شریف جی روست تخصرے سی الا مدید و کلم نے مقتہ یوں کو الم کے وجید ہو، آ خاتھ سری اور جی کی تماز دال جی پڑھنے ہے کئے قرار وہ وہ آٹھندر صلی اللہ بغیر و ملم کا سنری آول اور قبل جیس مرد ا العاد رہے شریف جین کی روستے ادم کے بچھے سری عدر جین ماز دال بھی سر بناؤ تی اللہ ایست پڑھنے کا کشماد یا العاد و کئے کرانے وال حاد رہے شریف سے بسلے کی جی النے تو تو ہو دا

د) شاب کتاب العبلود فعن بی انتراً (محلت می الانام ۱۹۵۰ محید)
 و کارا بی انهاد کتاب المبلود البات الحاصی فی الانام ۱۹۸۸ شدید.

 ع) الوالمحرار وميها رالة الهاري للواقي اعراب ما دالواقييد ماك يعير المعنى الاحا بشير المسرم كالمساد والطار كاكتر هواب المستحركتات العبلودات ما يعتبد الصلوة (٥٠ ٣٢٠١٣ - سحد)

ف كول دكل حكيما بداير اللي بقال الجهد والله أم 17 ولا تصلح السيارة والمتحدر أكتاب العسرة بالما الإمامة (84.17 مندة)

و ٿ ه

- (ع) الاطراح القاس عادر الإدام عن المب تقدي راب الفاق في بايد أن الغائب الدوى على إلى القائد الله الما القائب الدوى على إلى القائب الدوى الفاق القائب الدوى الما المنظم ال

٧) الاتر المسمن بالمند في ترك القرأة ص. ١٨ بكسم معاديد.

وكما في الذو النسل طحللوي من ١٣٦٩ سميد باب عمراة علم الإمام

[.] وأكما في النبس الديائي كتاب الطلوة بات ادائر في القرال (١٩٥٠ فديان) ٣- الكوكب المرى على الجامع الترماني، من ٣- ٢- و١٥ صح ادارة القرال كرامتني.

أن و السياحتيار قولم مروي على معافرا محافظ فيل مي الحرائي . . . أوفي الكاني وسام المؤدية من تقرأة ا المناذور على المالين معراعي أفسر المجاهدة منهم المراسين وقصادة وقد قول اهل الحداث الساميهم كتاب أمسلوة في مصل في القرافة (1/28/3) سعيد

وكدا في البحر الرافر عام صفة الصلوم ١٩٩٩ و مستود.

وكما في سبين الحفائق بالم صفة الصبولة (٣٤/٣٢/١ في مكت العنبية



بأب الجمعة



اعن إب ألجد

باره موكن آبادي مين جعد كالحكم

محیاتر بات میں مار دین ور میں مناکسا کیے اواق موجا افون پر مشتق شرید جا اکمل کے فاصل پر داقع ہے۔ اس میں تین سہر میں ہیں۔ ووقا نا پہنے کی سمینیں ہیں تین میں دوئی صاف کرنے و صفحا در اکم کی جہر نے معان نگائے اور ساف کر سے جس میں مناف والٹر وجو یہ کا کھیل محلا مستجادہ انتقاب ہے۔ بہر پائٹری سکول چنے خمیر شدد اور ایک دوئی مدر سرکا کی ہے جس میں مناف والٹر وجو یہ کا کھیل محلا مستجادہ انتقاب ہو اور بھا آتا ہوا تا دوئی ساف اروگر وقع رہا ہو ستیاں اور منائی کئی کے عمر اندر جس جن کی بھیل مشرد ریاسے مشام اور جریدا آتا ہوا تا دوئی ساف کرواؤ کھڑی جو اناوقیہ و من کا وی سے جری اور آپ جی ایک ان قیام ستیوں سے دوئی تک ہے اور گرد کے بیابے مکول مدر جی تھی منافر کی ہے اور جان میں ایک لیا نا میں میں میں میں ایک ان کی میں انہ جرور ہیں۔ تین سائم مند یا فوز تک موجود ہیں۔ اس کا ون کی لک وز سے محکم ان کر میں ممان جو در دی میں آپ کے ان ہے۔

البنداروا و کرم مائل آو برفر داد می کدان کا کول میں جھے پولٹل ہے واقعی ادرجاری شدہ بعد کو بند کرنے کا کیا تھم سے در حوج سے جائے میں من کی قف دارم ہے وائیس - نیز شاک نے جعد کی عوالات میں کا فوق کا انڈ کرد کیا ہے اس کی کیا تھریف ہے

#C

اہم امتدار من امریم -معلوم ہوتا جا ہے کہ باقعال ہمیں ماہ داخاف جعد کی فرخیت اوران کی صحت کے ہے۔ معرف شبر) ہوتا شرط ہے ⁽⁴⁾ عام و میں قول اور ہمتیول جس نماز جعد پڑھنی جا توقیش جگد نظر جا رافعیش فوش اور مغرور تی ہے ⁽⁴⁾ -معرفی قعر ب**ند جس مختف** قوال ہیں - ابعض کہتے جیں دوروی آب وی کہ عمل ہی بارا دا اور کھیاں

١٥ مشترط لصحتها سيعة النب، الاول المصر الدر المحدام كراب العداوة راب الحددة ١٣٧/٢٥ محيد.
 وكفة عرزالحر الرائل كالدن الصلية باب الحصمة ١٤١/٧ وشيديد.

لا وقييميا لا كرسة إشبارية إلى أمه لا شحور في المحرية الذي برس جها فاص ومير وخطوب كسافي
 المصيدرات والطاهر أن أرباء به الكراهة حكراهة الدمل بانجهاعة الابرى أن في الحواهر أو مسلوا في
 الفرى لزمهم الابرائية في رفطيمت باب المسيمة ١٣٨/٠ سيد. وكنذا في السحير البرائق كتباب
 الصلوة باب المحيمة ١٥/٣ رشيدية

جوں اور اس میں ایک ایسا عالم موجود ہو جو اپنی آرے سلطنت اور علم وقیم کے ذریع مقدمات کے ایسا کرنے کی فقد در در کام شرعیہ کو جاری کرتا ہو۔
جو سرت رکھتا ہو۔ چھٹی کا قول ہے دہ آ باری کرجس شی والی اور قاض ہو جو حدود اور استام شرعیہ کو جاری کرتا ہو۔
بعض قریا ہے جس آئی بول آ باوی کراس کے سب عاقل بالغ مردا گرتی ہوجا کرنے بیا ہی مجد کے اندور اور باہر نہ اسکیں۔ ایک اور دوایت امام ابو بوسف بھی ہی جس جاری کہ جس جی ہو آ باوی کہ جس جی ہی ہو ہو ہو ہے۔
ایک طرح و محراق ال بھی بیس اور بیشویش امارات و علامات میں اور میس کیما گر باا کیس می ہو ہو کہ اسکی اسکا و دو ہو کہ اسک

كسا قال في البحر (1) تسحب فول الكنز شرط (1) نها المصر و هو كل موضع له امير وقدائل المستقد الاحكام و يقيم المحدود او مسلاه (قال) و في حدالمصر اقوال كثيرة اختاروا منها فولين احدهما ما في المتحصر فانبهما ما عروه لابي حيقة انه بلدة كبيرة فها سكك و مسواق و لها رسانيق و فيها وال يقدر على انصاف المظلوم من الطالم محشمه و علمه او علمه المعروداتان يوجعون البه في المعوادت - الله

و قال في الهذابة لا تصبح الجمعة الا في مصر جامع او في مصلي المصر و لا تجوز في الشفري المصر و لا تجوز في الشفري فقطر له عليه السيلام لا جمعة و لا تشويل و لا قطر و لا اضعي الا في مصر جامع و السمصر المجامع كل موضع له امير وقائل يلقذ الاحكام و يقيم المحدود و هذا عند ابي يوسف برائق و شنه انهم اذا اجتمعوا في اكبر مساجد هم لم يسحهم والاول احتياز الكرخي و هم الطاهر والثاني احتياز الكلجي ⁴⁷ و في العنابه و عن ابي يوسف رواية اخرى غير ها تين الروايتين و هو كل موضع يسكنه عشرة الاف نفرةكان عند اللاث روايات (47)-

بنابرین جس بعق کے بارے علی موال علی ہو جھا کیا ہے اور جس کے بچھ مالات موال علی ورج میں۔معر کی تمام تعریفوں کو مفتار دکتے ہوئے یہ کئی معر (شہر)شرعا نہیں ہے تبدائی بھی علی جد جائز نہیں۔ اس بھی

٢) وكفا في البحر الراتي كتاب الصلوة باب الجسعة ٢/٣٤٠ راتهديه.

وكفافي حلى كبير فميل في صلوة الجمعة ص: • • • معيدي كتب حاته.

وكفا في رد السحتار كتاب الصلوة باب الحمعة ٢ /١٣٧ سعيد.

٣) اقهداية كتاب الصلوة بات الجمعة ١٩/١٥١١ معيد.

٣) المعناية شرح الهديم على هامش فتح القدير كتاب الصلوة باب الجمعة ٢٤/٢ مكتبه رشيديه.

یمی چپ بردجاز بھی تو ہاں چور پڑھنا کر و آگر کی ہے اور جا دی شرویوں کا بھرکر زادا جب ہے۔ حسلوۃ العبد نعبی المبقسری شکوہ شعوبسا و حفلہ البجب حد^{41 –}۔۔ایک ش بھر بجائل کو لُ تعریف معرکی صاوف شاکی ہو امام صاحب سے زویک چور پڑھنا مستقد کرچی مائل کے جونماز کرد پڑھ تھے جی ان کی اقتصاد لازم ہے۔ و کسو صلوا فی الفوی نز حصیر الذاء المنظفر ھفا مفھب اس حدیفہ ^(۱)۔

علامه شائ رمراند نے جدکی اجازت بھی کا وارا کا تذکرہ کیا ہے اس سے مروقر بیکیرہ ہے۔ حیازت اس کی بدہے و تعقیع فوضه فی الفصیات والقوی الکیبرة انتی فیها اسواق - الحخ - ''الی ان خالی' و فیستا ذکونا اشاوة الی انها لا تعموذ فی الصفیرة ^(۱) ان میادات سے فاہر ہے کہ جمد تعیارت اور بزے تربیش وابونا ہے جن بی بازار ہوں اور کھوئے قریدش اوائیس ہونا - والشقائی الخم

ا یک مجد میں جعد کی سنتیں پڑھ کر دوسری میں فرض ادا کرنے کا تھم

€∪∌

کیا فرمائے ہیں علاء دین در ہی سنلہ کردیک مجدیل ساؤسے یارہ بیج از ان ہوئی ہے ادرایک یج نماز جدیشروں ہوئی ہے اور دوسری مجدیل بین بیج نماز جمد ہے توگ وکل مجدیل آگر وضوء کرتے ہیں سند پزیشتے ہیں از ان جمی سنتے ہیں اور جدیز سنتے کے لیے دوسری مجدیل ہماں ہوئے ایک بیج نماز جد ہوتا ہے چلے جاتے ہیں۔ دوسری سجدیل نماز جدیز دکر دایس وکل مجدیس آجائے ہیں اور بقیہ شتیں اس کیل سجدیں پڑے کر کھروں کو چلے جاتے ہیں۔ کیا ان لوگوں کا پیطرز عمل از دوسے شریعے مانز سے اور

١٤ الدو المختار كتاب الصلوة باب العبدين ١٦٢/٢ طبع سعيد

٧) رد البيعتار كتاب المطرة مات الجنمة ١٣٨/١ - معيد

٣) رد السحتار أكتاب الصلود باب الجمعة ٢٧/١ مجيد.

وكذا في السعر الرائق كتاب العبلوة باب الجمعة ١٩٥١ مكتبه رشياعه.

250 250

ڄڻء

يهم القدائر المواقع من صحح رب كراف المن شده التي جواف مجد المن وجوده من يادة المن وجائب كے عدام واقع واقع جوال النائب كي ليكنار واكر بن السن كي يكيل وائر والمت الله بي واقع مجد بنا كال كل واقع في العام فسيد الله والعاديات عن الني هو براي واقعي الله عند قال النواما والسول الله عيلني الله عليه واسعة الذا كسته عي ولعسيجاد عودي مالعسودة في يغير والعد كله حتى مصلى (روادا الر)

١٩ وعس بي الشعب رضى الله عبد قال حوج رحل من المستحد بعدم اعن فيه فعال البوه برحل من المستحد بعدم اعن فيه فعال البوه برحاء الما القد عصى المالقات على الله عليه و سلم من الاوك الافان في المستجد فيه خرج المابخرج الحاجة و هو لا يريد الرجمة فهو منافى الله

و في الله للمحيار أو كرام تحريما للنهي أخروج من لم نصل من مسجد أدن فيه والالمسر بمتعلم به أمر خماعة حرى، والا حرصلي القير و العشام، وحده مرة فلا تكره خررجه بن تركه للحماعة الاعتدال شروع في الاقامة فيكره لمحاملة الحماعة بلا عذر أحمد في المحاملة فيكره لمحاملة الحماعة بلا عذر أحمد في النكر و كره خروجه من مسجد أمن فيه حتى نصلي و أن صلي لا ألا في الطهر والعلمة الناشرع في الاقامة الخ أحمد على فيح المحمد أو كره خروجه الغ منحويما تقوته عبه الناشرع في الاقامة الخ أحمد عد عدا تداء الاحماعة ويريد الرجوع و قوله أفن فيمة أن على العالم والمحمد عدا تداء الاحماعة في أمان و من محمد الاقان أو أمان في مسجد أحمر عجاعة على كان مؤ دنا أو أمان في مسجد أحمر عصال عدد الاقان أو أمان في مسجد أحمر عدا الدامر على مسجد أحمر في مسجد أحمر في مسجد حية مع المحمد عبة مع المحمد في مسجد حية مع المحمد عبة مع المحمد عبد المحمد عبة عبد المحمد عبد ا

من مشبكرة السنجمانيج: أندب الصودية بات الحماعة وتصنيها ، المعتل: الثالث من ٩٧٠ قديمي
 كتب طاء ، كرا بي)

ه به من الدر المختل كتاب الصنوب عاب ادراك العربيقين و فياه در مكت اليخ ابير سعيد كراجين. ٣) اكبر الدفائق أو كتاب الصلوب الراك العربيمية أمن ٣٥، بلوجيسان المث في الوجية

دخووجه مسكووه تسجيرست واقتصدوة في مسجد حد مستوية فلا برنك المسكوده الاحل المسدوب بخلاف العووج لمحاجد الذكار على حرم العود لالده مستنبي بنص المحليت فيح الشاء الن الدويت وأتمي والميات عندا في بها كرسورت الموسك الن كراك كراك كي الحالية والمحاوة المحاوة الم

بإنج سوا فرادك آبادك بن جمعه كالعلم

$\times (\sqrt{-})^{c}$

آ بیافر بات میں علاوہ ان ور این مسال کیا تھا۔ ووقیق افائیں میں واقع کی وقت کھی ووقی ہیں اور ای وقت بھر انتی ہیں اور ایا قرایات واسم میں این اگر کیا مسجود الدی ہے اس میں واقع کو فرق اور کھی کیاں ہو ہو اوقع کھی آ ہو ہے اور ایسی سک اندر سے بدوائی ہے۔ وہ مراہی میں اموان میں شکر کی بار العمل اول اور کو کھی واقع اور کی مسائی میں جو کا برائند ور مست سے واکنوں افرا کو جو اور ا

أع لوالعد فتح المعين ولا المواطعة

٣) أغسبا في الدر بمحفر (وأفره) محريما لشهى وعروح من قبر عمل بن سنجه أمل به) الأامن المستعد أمل به) الأامن المستعدم به ولم يعيموا بده أولاً مثانه للرائمة أولسمة بالمام يعيموا بده أولاً مثانه للرائمة أولسمة عالم عبرة أولمامة ولني عرائم أن يعرف بهراً وكدمة المستوف محلواً أولمامة أمل 200 على تبيين المحقوق وكانت المبلوة بأب الرائد العربيمة على تبيين المحقوق) وإنكام المبلوة بأب الرائد العربيمة على المبلوة بأب الرائد العربيمة على أولك المبلوة بالمبلوة بأب الرائد العربيمة على المبلوة بأب الرائد العربيمة على المبلوة بأبرون إلى المبلوة بالرون إلى المبلوة بأب الرائد العربيمة المبلوة بأبرون إلى المبلوق المبلوة بأبرون إلى المبلوق المب

۳) كتب من السر المستحدار الوائدات العملولات بالعسم العملاء وما يكان فيهام فرا ١٥٥٠ ج ١٠٠ ميكان المساحد و الكتاب المسلحد و الكتاب المسلحد و الكتاب العملولات وكتاب المسلحد و الكتاب العملولات المسلحد و المسلحد و المسلحد المسلحد و المسلح المسلحات المسلحد و المسلح المسلح المسلح المسلحات الم

⁽و كناه في الهندية. وكناب الكراهية، الباب المنامس، في ٢٦١ وج ١٠ و شيعة ، كرفته ا

布色市

حني كن خير بي خيرب عن يدب كرشم اورقعب اور يزست قريد كل يش عن جار بزارة وي آباده و الد خرور كي اشياد أن دوكا يش بدول اورشيون كوشار كرت وقت است مى قر فال جن شاركيا جاسئة وجال جدواجب به اوراوا برناسية – البنديجوسفة قريد على بعد تخيم برناسي مي جديز حنا كروه فر كي اكفيا ب – روافخار من بها و استعم فوضا في الفصيات والقرى الكبيرة التي غيها من الله ان قال و جما و كونا الشوة التي انها لا تجوز في الصفيرة الفراكي وابتضاً فيه من حسلوة العيد في القرى لكرة تحريدا و في المشاعبة و حمله الجمعة (١٠٠).

ظاہرے کہ قریہ خاکورہ فکی العوال جس کی آ واد کی تقریباً پانٹی ہو ہے قریبہ ہوہ ہے۔ ہی ہوفت یا قریبہ کیرہ جس کوفتها ہے نے تکم تھے۔ لکھا ہے شرکی آخریف صادق نمک آئی - فیدود ہیں ظیر بایرہا عب اوہ کرے دک ظیر وہال جرام اور معمیات ہے اور جمد ہز عنام تلاظر فیک سوالو صلوط نعی اللغوی کو مصر الااء النظهو (اس) واشرف کی انظمہ

جعه كاوقت إختآم

(∪)

کیافراہے ہیں خاموی وری سنڈ کر جھ کی فوزۃ فری گری سے موم بھر کی بھر انتخاب ہا تر ہے می کتنے جا ترکہ جا ترکہا دم دی کے موم جس آخری افت جھ کی فوز کی افت تک جا ترہے گئی گئے ہے تک جا ترہے۔

كما في الدرائمجائز: (كتاب الصلوة: باب الجسمة عن ١٩٣٨ م ٢٠ دابج الوسميد كواچي)
 (وكشا في بنائج المسائع: (كتاب الصلوة: فعل في بيان شرائط الجسمة: عن ١٩٥٩ م ٢٠ مكب رشهايت كولشه). (وكما في البحر لزائل: كتاب الصلوة: باب الحسمة: عن ١٩١٨ م ٢٠ مكب رشيطينه كولشه). (وكذا في الهماينة: كتاب الصلوة: باب صلوة الجمعة من ١٩٥٠ م ١٩٠ م ١٩٠ م الموجستان بك توركونه).

٢) كما في الدرالمختار: مع ردالسحتار: (كتاب الصورة؛ ماب العبديز، حن ١٦٢) ع ٢٠ مكتبه ايج ام.
 معهد كراجي)

٣) روطسندار (کتاب العبلوة - باب الجمعة: حن ۱۳۸۵ من ۲۰ ایج ایم سید کر این)
 (و کفا فی لیم الرائز: کتاب الصلاف اب الصلاف الجمعة: ۲۰۱۹ من ۲۰ مکنه رشیاره کراهم)
 (و کفا فی خبر ظفتاری: باید الجمعة، قربه صفیره میں جمعه پڑھا گیا تو ظهر ادا کرمی لاوم خید
 حن ۲۶۲ م ۲ افد دید دمخان

﴿نَ﴾

جعد کا وقت مثل کھیرے ہے وہ وال آفاب کے بعد شروع بہنا ہے اور ایک مثل یا وہ حمل تک ملی اختار ف القرالین باقی رہتا ہے (۱۱ میکن جعد میں قبل عنی جلدی ہو مناسخیب اور مہتر ہے (۱۲ باقی مختلف مؤسوں میں آفری اوکات مختلف ہوئے ہیں اس لیے تمنس کے صاب سے آفری وقت ایک نہیں ہوں۔ فقا واللہ آفالی اعلم بارٹی سوافراد کی آباد میس جسمہ کا متعلم

∲ن∳

کیافر ائے جس ملا وہ بن دو ہی مشکر عادے ڈکل کی آبادی پاٹی سوئے قریب ہے وروہ ہوگر آباد جس کا ان کے اور کرہ جے چھوٹی مشیاں جس ہو ہو دکا ٹیس جس عارے گا کی جس ہر چیز جسر آسکتی ہے۔ جوالا ہے لو بر سب عارے گا تی جی جو دجی ہے۔ ایک پراٹر بی سول اور ایک جس بر بی سمجہ ہے آس میں جروز دور جو تا ہے۔ بیننگر وال طلب و بان ہے و بی تعلیم حاصل کرتے ہیں۔ خبر ہزرے گا وال سے بہت دور (تحق میل ہے خاصلے پر) ہے کا کی اور خبر ہونچے تی جمعیہ باجد پر سے ہے۔ وجی ہے اور قاسلہ شرے نہر دور تے کہ وہ ہے کا لی لوگ فرز پڑھی میں تھے اور خاص کر ہوڑ ہے اس تکیف ہے وہ جو دیں۔ آپ بنا کم کی وارے گاؤں میں ای مجد اوا دو جو اوا ہو مکا اے بائیں۔

.

(4) الموالمحتار: ووحمعة كظهر أصالا و استحابا) في الرمانين لأنها خلفات وكتاب الصلاف هي: ج١٠ النج إلم المحابا على المحابات الم

. وكما في البحرالزائل: (كتاب الصلاة بالمالحديد. ص ١٥٥٦، ج ٣ مكيه رطيديه كرته). وكذاهي الهدايه: (كتاب الملؤة، بالمالحدة الجمعة) ص ١٩٥١، بلرجمتين بك فهر كوتهم

٢) صنحينج البخاران، حي التي بن مالك رضي الله تعالي عنه أن رسول الله صلى فله تعالي عليه وسلم.
 كنان ينصبني هنجمعة حين تميل الشمس: (اكتاب الجمعة باب وقت الجمعة إذا والت الشمس حص.
 ٢٦٠ - ٢٠ : قاريمي كلب حاله كراچي)

وكنفا فين إحلاد السيس: (مهواب المجمعة، باب أن وبت الجمعة بعد الرواز ، ص 44 ، ج 44 الدارة العرال، كرايعي).

و کیا دی ردانسختار: (کتاب الصلوه مطلب می طارع افتیسس می مغربهه بـ هی ۱۳۹۲ ج ۱۰ ایج ایم منصد کراچی)

۾ ٽء

المان المؤرّن المؤرّن المؤرّن المؤرّن الأرادي المؤرّن الثاني عدودت بالدائل ويواد المؤرّن المؤرّن المؤرّن الثاني عدودت بالدائل المؤرّن المؤرّن

۱۹ الهدامة واكتاب معافرها بات الحمقة من ۱۵ ما با ۱۵ ما مكر ما توجد عنو ملك فيو كراهم. ۱۶ شوح وفارد وكار دراهم الادر الرياضة هذا من ۱۸ ما و درگذارد به درجه كراچي.

وكمدفق التحرائراتين (كاناب الطائق بالبطلحامة أمن برززه جازة كُلته رشاه به كرته)

وكادامي الهدامة وأخاب مصنوف باب العشوة المستعدة من ١٩٥٠ ع. ٩- سويستان لأث فيم الوكتام

ع) راء محمد عن والترضيون في الله إن ترمهم أدار تطهول (كداب الصلاة) بات المحمدة عن ١٣٨٠ م ع. ٢٠
 ماج البراسيد الواجئ)

وكالأهي المجراو التواعق وكشاله الصلاف المسافية والمراوعة والمراقف وعيديه كالتصاف

و كندا فهي خبر الهناوين: باب الحميدة قرب بينم دين حميد بزها كنا تو طهر اداك بي باراه هيايا من 14- م العاملات ماسان

و كند في الشابي 10 قالع فرصافي القصيات والفراق الكيرة أنني فيها أمواي وفيت وكرة وشارة ولكي أنه لا تسميرة فني المنظرة التي قبل فيها فاص والنبر والطبيب الشاهل المصدرات واقطاع أن الربيداء الكرافة لكرافة النبل المحداطة واكتاب الفلاة بالدا المحتفة في ١٩٥٨ م. ٢٠ مكتب الجالدة عالم المكتب الج الموسعيد عراج إلا

ه م الشام المستعلم الرقمة ب مدلاتهما في الأصبح (علي من تحت علوه المحلمة الشرائطة) (كتاب المسلاة - يات المستوى من 1773 مع 177 م و كيدا هي المسترف التراد وكتاب المسترفي باب المسترف المسترف المسترف من - 490 ما حرة منگسم و شبيعة كراند و

تصبہ ہے ڈیز ہو بیل کے قاصلہ پر واقع گاؤں ہیں جمد کا تھم

4€

آیافرات بین علاوہ نے در است کا آیک کا وال ہائی ہی دو مجد نی بین ایک سے آئی دو مراہ ہیں ہے۔ است کا ایک کے آیا ہی بھراہ مرسد ہوئی ہیں۔ اس کی میں اس بینے باتی است کا ایک ایک دو مینے دو اور آن ہو است کا ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینے دو اور آن ہو است کی ایک دو مینی ہیں۔ اور آن ہو است کی ایک دو مینی ہیں ہے۔ اس کی ایک دو مینی ہیں۔ اس ایک دو مینی ہیں۔ اس کا ایک دو مینی ہیں۔ اس کا ایک دو مینی ہیں۔ اس کا ایک دو مینی ہیں۔ اس کی دو است کی دو است کی دو اور آن کا دو اور آن کی دو است کی دو است کی دو اور آن کی دو است کی در است کی دو است کی در است کی دو است کی دو

يغونه

وجوب جملے کے لیے شہر یا قریباً ہیں وہونا شرط ہے۔ کو اللّی جمع الکتب افاقات جھوٹے کا ڈن جی شاؤ جمد جا آنا تیمن (اللّٰ میجوٹے کا کامل جس فعاز جمعہ ہیا ہے ہے اللہ علم قامدے ساقطانیمیں موتی البلہ ایمان کے لوگ تراز اللہ

روالمحتدر انام فرصا في القصيات والغرى الكبيرة على فيهة السواق - ، وقيما ذكر بالإشارة إلى أنه
 لا تنجيز في المعتميرة التي بس فيها قاض و مثر و الطيب كما في استصبرات والطاهر أنه أريشه
 الفكرافة الثقل بالجماعة وكنات الفيلاة بات الجمعة التي ١٩٥٨ - أنج إنه سعيد كراجي)
 ركة في بدائع الفعالج: (كذات المبالة فعيل في بيان المختبة وشيدية كوك)

بلت المشاراً أنه أن أن المعالم المشكر المرادية كال الله بالإنجاز بعد الاجتماع في أو تروي موسك في والمركز مكر ب الناريخ المن تحريبا المقرز بعوالك في تسهيد من المن المبارية أنها كان المستشكر الم^{ا الك}افقة المعاقبة للم

الكناة بإدن بمن جمعه كالشموس مين بازاره فيم وناجو

$\phi = \frac{1}{2} \log r$

أكوفر مائية مين ملاه أن والمنتيان في ما تتيمنا بموسك وروائين والبيني المصارو والإهلية وهي أنها

(1) - بينية يبلات بين أن الله أو كاربا الإسهواة الرافعتل الادروبال كن باز رض بالان الرافع المرافع المرافع المر يو الرائع الادراني الاستدافعات الياد في زود وماز بعد عالات رقيمية

(۴) اليست وأل جدرة وزياج في الأيليس المازمور وتابير في بين في المناق المنافق الم

ا العلام ما قد معدد کے اعتراف اللہ میں شعبال اکٹر یو نے تھیے پڑھوں جاتا ہے کہ اس نے بھی لاگ خدا کال چاہدے قادم بعد کم از کم بغیری ایک فروز میر مرکس کے باس کی دہدے وہ مرفی کماڑ میں کا شرق بیدارہ کا کا فوج بارد ہے؟

کسما می دانسجان و و میلو می اثمری ترمهم ادار انظیم و اندار ارما این ایاب ایجمعان می ۱۹۹۰.
 ۱۹ م ۱۲ م کنام ایج ایم سود در کی این)

المائد عن السحور والتي والمائد في العالم المساولة المحالية عن 1918 م. 19 مكتمو شدية الكافقات واكد في حير المدوى المدائد بعد في مصفر فين المدوم والما كنا يو جهر الا اكري الزار عيد في 19 مكان عدود بالراق

٣ كناه في البحر أثرائي وأما الفرى فإن أنه المدلاة فها فمر عاجيحة عن العدف و إلى أود الكالهم وقصيصه في المحمدة من الدولة من الدولة بياء وغيمة المحمدة في المحمدة من الدولة والموسيسة في المحمدة في إدامية في إدامية الرائحة المحمدة في المحمدة في الدولة والموال المحمدة في المحمدة في الدولة والموال المحمدة في المحمدة في الدولة المحمدة في المح

ا و کشت میں خیافت آفاد کا مداری علی از اس الدیاجی و کیا الدالمیلاؤ بیان درسیمیا ہے۔ یہ یاں ہورہ ہے الحاسمی کشت حدید کو ایس م لوگ اس روان سوشتم کرداس پر مقائی ویش امام نے کہا کہ جار جمعاقر آن کی رو سے ہوتا ہے۔ گم چوکٹ زید کا جمعہ تیں ہوائو چھپے دانوں کا مجل تیں ہوا۔ لیڈا یہ بعد دو ہزرو تھا اگر کے پاسام یا ۔ قابید دست ہے اور اس لماز جمعہ کے لوٹائے کی ضرور ہے ہے جمعہ و بہات میں سرے سے جمعہ جائز ای شہر- ہر سے کرم جا ہے۔ مقدل ومدکل لٹایت قرمادیں۔

校じか

1) كنمنا في ردانمجدار : تعج فرضا في نقصنات والقرائ الكبيرة التي فيها أسواق . . . وبيما «كرما إشارة إلى أنيه لانتخور في الصنفيرة الى بيس فيها قاص رمنم و خيلب كما في المضمرات واطاهر أنه أرسدت فيكر امة ليكر امة النص بالجماعة واكتاب المبلادة باب الجمعة من ١٩٥٨ مج ١٤ مكتبدان. معيد كراجي)...

و كندا في بخالع المستماع: (كتاب الصلاة فعيل في مان شرائط الحدمة: ص ٩٥٩ ه ح ١٠ مكت رشيدية كولت)

وكفا بي المعر الرائق: وكمات "بملاق: بات الحمية: ص ١١٤٨ ج ٣: مُحَمَّه رشيقه كوك)

٩٦ و دالسمختار : ولو هيلوا في القرى لرمهم أناه الصهر .. (كتاب الصلاقة باسم الحمعة ، ص ١٩٢٨ ح ٢٠ مكتبه فيع ، يم سعيد كراچي)

و كندا فلى البيمبر الراهق: (كتاب العيلاف باب الصلاة العليمة با من ١٩٤١م ج ١٠ مكبه راشيه به كوائع)

و کفا فی طبرالطناوی: بات باحمها، قربه صهره میل حمله بزاها گیا تو ظهر ادا کرنی لاوم هیا۔ ص LP داچ ۲۰ المدادیه طناری ب - ووبادان أوائي أو رازب في والمراز المراز المساح المراز المواجه المراز وهو كل موضع له المير وقاص بعد المحرود و مصالاه - وقال و في حد المصر قوال كثير فاحتار والمنها قوال المدهدات في المحتصر في بهما ما غرود لابي حبط العاملية كبيرة وبها سكك و قوال المدهدات في المحتصر في بهما ما غرود لابي حبط العاملية كبيرة وبها سكك و السواق و نها وساتين و فيها وال يقدر على انصاف المنظوم من المثالو محتسد و عشد و عشد و عشد و المعام غيره والناس بر حعول الموفي المحروث المن المنظوم من المثالو بحسد المحتمد الاحتماد في مصر حامع أو في مصيل المصر و لا تحور في الفرى - تقوله عليه المسلام الاحتماد و المناسرين و لا قطر و لا اصحى الاحتماد والمناسرين و المحام كل موضع المامير وقاص يستعلم المراز وقاص المناب المحام و المامير المحام كل موضع المامير وقاص في الكبر مساجد هيه المامير مي بهما و الأول حبير المكبر حتى و هو الطام و الناس احتماد المحام المامير و كل موضع المحام المناسرة المحام المناسرة و كل موضع المحام المناسرة و كل عدد المناسرة المناسرة المناسرة المناسرة و كل موضع المحام المناسرة المناسرة و كل موضع المحام المناسرة و كل موضع المناسرة المناس

وكنه في معافع النصيماني وكنام. العلوة فصل في مان شرائط فنجمعان عن ١٩٥٤ ع (ممكنه واشماه كوفه)

و كفاه مي البحر الرائن الإكفاف مصلاف باب الحديدة عن ١٩٥٠ و ح ٢٥ بكتب و غيدية التوقيد). وكفاهي الهديم (كتاب الصلوف باب الصلوف الجديدة، عن ١٩٥١ و ١٩٥١ بلوجيدان باب في اكونت). ٢) السجاء التي الاكفاف الصلوف باب الصيود الجديدة، عن ١٩٥٥، ١٩٥٢ م ٢٠ مكتبه رائيده كونته إ ٣) الهدارة واكتاب العالوف باب الصلوف الجديدة، عن ١٩٥٠، ١٩٥٤ م ١٠ شاج على باب الرائع (كونته).

 و) التعماية على هامش فتح القدار: وكتاب العبلوق باب سيلاه العبيمية بن ١٠٤ م. م.٢٠ م.كتبه الرشدية كوجعة.

(۱۴) - اوراس کے وحیالیوں پر ٹریز جھوٹی فٹین ہے جل اوالے قبر کی قبار ال ۱۰۹ مرین کے جعد کی فبارز بنا ھنے ہے ان کے قرمہ ہے تھے کی فبارز منا قاتری اور کا گ

(۱۳) - آياد سنالون ما کال دان سناده مي تعد قالم آسن اجالت آن بينجود کار دواود إمعاد النس دواود بين عند ما ما الوقت او المراحق الما المراحق الما الما آخر المي مدينة بيا المستحق و مهدمة فلي مردولو النقي مرد المرد بين عند أخر المرد وقراب من درست كن بينو المراس المراح والمراود مساطر بي سناجها ويجيده المحكي النكي تركي أن المرد بين المواقع أو سنافيري أو الإيواد المراحة التي وهذا كيما والمجيد المراحة المراحة ال

h di di-di di si di-di si sedi si se in sersioni di di se di se di se di se se di se se di deser di de se se di disende di se disende di se di sente di disende di sente di sente di disende di disende

ا إردائسيجين الفع فرضا في الفصات والفرى الكيرة الى فهها أسواق الحيداد كرداوهار قرائي أنه الانتجوار في المستجرة الى أسر فها قاص وصر و خلس كما في المصدرات والطافر أبدأرندانه البكرافية بيكرافية النمو المحدود وكتاب المعوق باب الجمعت في ١٣٦٥ م ٢٠ محكمة إلى بيم مستجد كراجي إن وأقدا في استجراب إلى وكتاب الصنوة باب الجمعة، في ١٣٥٨م م ٢٥٩٩ م ٢٥٠٩ رشيمية الوائدية وكدافي مدام الصنائع الإكتاب المعلوف فصل في بنان شرائط الجمعة، في ١٣٥٩م م ١٤٥٤م، وشيئية الوائدية.

و والمستحدان و استواعي الفرى لرمهم أداء التقهر و كذات المسلوة بالنا الحمعات عن ١٩٣٥ ع ١٩٠٠ المحمعة النج بد سعدة كراچي إلى وكاداعي الهمدية "كتاب الصلاف" البات بسالاس عشر في صالاة الحمعة العين عن ١٩٤٥ م ١٤٠ مكليه رشيفية "كولف)

وكداهي النحرار اللي وكناب الصلاف باب الحمعة عن ١٩٥٨، ح ٢ مكته وشنديه الدائم)

٣) فانسحتار القع فرضا في القصات والقرى الكبرة التي فته أسرقى وبسما فاكرنا إشارة إلى أنه فانحور في القسعرة التي تيم فيها فاضى وحمر و خطب السامى المصمرات والطاهر أنه أرياده لكراهة النقل الديامة (كتاب الصنوة باب الحمدة عن ١٧٥ م ٢٠ مكته إلج المصميدة كراجه النقل المحمدة في ١٧٥ م ٢٠ مكته إلج المصميدة كراجي).

وكذا في النجر الرائل (كذاب الصلاف باب الحممة. ص ١١٤٨ - ح ٦ مكتبه وشيديه، كوكته

 الهسدية ومن لالتحب عنهم تجمعة من أهل لفرى والتوادي بهم أن يصلوا الطهر تحماحة يوم التحسمة بددان وإقدامه وكذب المثلاثة. لذات السادي عشر في عبلاة الجمعة، عن ١٩٥٥ ج ١٠ مكته وشدية كوفلة).

و كفا في ردالمحتار (كتاب الصدرة، باب الحمعة: بن ١٣٨٠ ع ٢٠ مكنه ابج ابم سعيد كراجي) وكفا في الحرائراني (كتاب الصلاف باب الحمعة ، في ١٩٤٨ ع ٢ مكت ر شيديه كرفته)

4) الشر المستخدار مع وفالسحنار. (كتاب الصلاف باب العدين وص ١٦٦٧) ج ٢٠ مكنه الج ابم سعيد كراچي) (*) - گرو وگاوکل تیمونا ہے جید کے حوالی ہے لگا جر بھڑ ہے تھے۔ بھیدہ بال پاسٹا کر وقرق کی ہے (*) اور بھیدکا تو ڈیزا ایس ہے تیار جھیکا اور وجا تو شاتھ وہاں کے کوئٹ ظیر کی ٹی ڈیکی اوا کرایں (*)۔ منٹی وائٹ تریکی بھم

مبتی کے بغیر کنویں پروا قع متحدیں جمعہ کا حکم

€∪#

" بيافر مائٽ جي ها او بن ان سنڌ جي که آيت کوان جهان سنج جي کين ڪيمرف آيت کو ن ڪان پر آيت مجد شراف جھ پڙه هندي اوريج ساتھ من تي نماز ڪي نماز ڪي ن ايلي جي کيان کان کان کان کان مورست ہے گيا ان کاجھ سوگا کا طرم کي احقياط العلم کان سنده الات جي کيا سنڌ ہے"

B#

جواز جعدے کے معروا تربیک ہوانا شرادی ہے آریا منے واٹن کان جعد جائز کیں گلہ جعد پر معاشر وہ تحریک ہے۔ دور جدان مرے ہے آئی بھی گئی وال تو انتدار جد (۱۲ میں ہے کی سے نزویک بھی جداجا تو

- ٢) ردالمد مسار: تقع فرضا في الفصيات و تقرى الكليرة التي بيها أسوال ... وضما ذكر با إشارة إلى أنه لا تحور في المصيفيرية التي ليس فيها قاض ومنه و خطيب كما في المصمرات والطاهر أنه أربديه الكراهة ليكر نها النقل بالجما بقد (كتاب الصفوف باب المحمد من يمان شراط الجمعة من ١٩٥٩م سعيد كراجي بدركت من البدائع المصمنع (اكتاب المبلاه بعس في بنان شراط الجمعة من ١٩٥٩م ج ١٠ مكت رطبيبه كونشار ... وكما في الهيدية (اكتاب المسلامة بنان طعلوة الحمدة ، من د ١٩٥٩م ج ١١ مكتم بلوجسان بك قبر كونه).
- ۲) كامنا في رفائد منظر اوتوميلوا في الذي الرمهم آذاء الفهراء وكتاب الصاوة باب الجمعة : حي ١٣٥٥ -ج ٢/ مكتبه الج امر مجد د كر اجي).
 و كناة في الجمعة : حي ١٤٥٥ - ج ١. مكبه رشيقه كونته).

وكله عن المحر فرائق: (كتاب الصلاف باب الجمعة : ص ٢٤٨ م ٢: مكت رضيمها كولته)

٣) كليما في المعقبة الإسلامي وافت فيان التجليبة: يثير طالإفاية في مصر اي بلد كبر ___ وقال الصدقكية: وتنجب الجمعة في مقيم ببدالجمعة -- وقال الشافية العداء الحممة على المقيم في يسم ___ ومدفحاء الحممة ___ مميم في بلد والمصل الماشي أثواع الصلاة السبحث الشافيء صدالات المحلفة المسلمة الم

نوجی ٹریڈنگ کے سنسلہ میں جنگل میں مقیم افواج کے لیے معد کا تھم

* * سُ

کیا فردائے میں ملاوہ بن در بر مشرکہ جب فوق فرزنگ کے لیے منگل بھی جائے فود بال برہم کی کیونٹس اور خرور بات زندگی مریا کی جاتی تیر اور مقر میں بھی آبادی بھی سوئٹس بوٹی جس کیا دیکی حالت بھی جسد کی تمانز براحد کتے جس تفصیل سے علق کر کے معنون فرد کیں۔

- ان كيميا من الهداية: لاتميح الجيمة الإلي بعير حامج (كتاب العبلاة باب العبلوة الحممة حن ١٩٥٠ م. حديد من الهداية: لاتميح الجيمة حن الهداء من الهداء والقصل العبلات المراجعة العبلات المجمعة عن ١٩٣٥ مكتبه المجمعة عن ١٩٣٤ مكتبه المجمعة عن ١٩٣٤ مكتبه دولة عالم المجمعة عن ١٩٣٤ مكتبه دولة عالم المجمعة عن المبلاء كونته عن المبلاء على المبلاء كونته عن المبلاء كونته عن المبلاء كونته عن المبلاء على المبلاء عالم المبلاء كونته).
- ٣) روالسختار. وكتاب الصلاف فصل في بيان شرالط الجمعة: ص ١٩٥١ ح ١: مكته وشيفيه، كولله)
- ٣) كما في الدرالمختار مع وفالمحتار: (كتاب العموة باب العديرة ص ١٩٦٧ ح ١٠ ابج المرمحية كراجي).
- ع) كسما في الهندية. ومن لاتبيت عليهم الجمعة من أمل القرى والبوادي نهيم أن بصلوا الطهو بجماعة بنوم النجسية بالدان و قامة (كتاب لصلافاتيات السادس عشر في فيلاد الجمعة (ص ١٩٥٥) ٢٠ ج ٢٠ مكتبة و شيده مكوفة)
- ه) وكف في ردالسيمتان (كتاب العبلاق باب البيمة من ١٩٣٨ ج ٢٠ مكب اچ يم سيره كراچن).
 وكد في البحر الرائق: (كتاب العبلاة، باب الجيمة) من ١٩٤٥ ج ٢. مكبه رشياء كرائه).
- عما في الصحيح المسلم: عن أبي سميان قال: سمعت حايراً وحي الله تمان عنه يقول: محمد البي
 صلى الله عليه وسلم يقول: بن بن الرجل وبين الشرك والكفرسك المنزوة (١٥٠٦) الإيمان ١٩٠٤ بمن
 إطلاق اسم الكفر على من ترك الصلاف عن ١٥٠ عا ١٠ تقييم كتب خاله كراجي)

e 👃 o

جہاں وکل آبادی کا برا مروم نجدگی بڑی آبائی شافریب بھی ناہوڈ وہاں با نقائل مسامد کی گئیں۔ سے ¹⁹³سو کا جمعہ معرفات کی فوائیہ جمعیما لائھا فصاء والا انساۃ فسھا ہو معیی اسدہ الے – ¹⁹⁹ بی مورٹ شول میں بھل میں آباد ہوگئی ٹیس ہے

قيام جمعدك الخضيسة عيدكاه يامتحديس

ہ ان ک

أكسما في الهدائد الأنصبح الجمعة الأفي مصر مدائع إدبي مصلها المصر والأنجور من القرىء . كاناب
المسلوف بالد مسئوة الحسمان عال ١٠٥٠ - حاد مكسة بلوجادين بك ذير كوائه إد.

ا و كنادهي العامل عالم و كناب المسلوب دامه المجمعات من ۱۳۰۰ من ۴ منكت النبخ المرسمية اكرادي (الراعات في المجرالراعي: (كتاب الصلاف بالمراجعية) من ۱۹۵۸ مراكز مكتب راشده (1862)

كالساطي ظهاداته (كتبات العشوة باب صوة الجمعة عن ١٩٥١ ج. اكتباس جمعان ١٥٠ قبر كونه)

عين بابابجند

بالأرث

والمن رب كري ادفام بن ميركا وكافهم مجد او المخاف في ب شاريد الني كور في معلم بولى ب كريمي (١) ادفام بن ميركا و كافه المي يكر الصال هفات كرامي (١) ادفام بن في المسابق المنظم به المنظم به المنظم المن

- ه ل المدانساء : وما به حجود تدج الشريعة أي ممثل العبداله حكو المساحد والشاعية كتاب الصلام الب المدينسات الصلاف وما يكر مفيها مثقلت من أحكام المستحد عن ١٩٥٧ مج ١٥ مكتبه الج ابر سعيد القراجي)
- ٣) أما والمستحد المسلاة حدارة أوعده ههر ومسحد في حق حوار الإقدار، وأن العصل المعرف رفقة بدأت والمستحد المسلاة وعمل فعارف رفقة بدأت المستحد وحالض) كفياً حسجه الحدار التوير الأعلى حق غيره إنه يفتى بهاية وعمل فعوله المستحد وحالض) كفياً حسجه الحدار التوير الأيسار مع الموالدينون كفياً المستحد المستحدة كرايسي، واكدان المستحد المستحدة كرايسي، واكدان في المحرف المثل واكتاب الطهارة باب المحتفى: حدالا ١٩٥٢ ع با المكار المشتكرية واكتاب الطهارة المفتى الرابع في احكام المحتفى المستحد على المكام المحتفى المستحد على المكام المحتفى المارة المرات كرايس، المستحد على في المكام المستحد على في هادا حداد على في هادان حال المرات كرايس،
- ٣) اقتصال النسب حد ملكه ثمر المدينة أنم القدائر أنه يب دنم الأقداء ثمر الأعطم؛ أو الأغلم؛ أو الأقراب (للدر فيجائر) على 198 مج الممكنة أرح ليم (للدر فيجائر) كتبائل العملاة بالممكنة أرح ليم منطقة أرام المحلكية المحلكي
 - وكذا في الهافية والداب بكراهمة الباب الحدين من ١٣٣٦ م ما مكابه رشيقيه كوظه).
- عشاكونة السنجابيع: (كتاب الهيلوة عاب الهيباعد ومواسع العينوة في ٧٩ قديمي أنتب عامه م كراچي:
 - ٥) الدرالمختار: (أثلث الضموة بات الحديثة هي إزواء م ١٤ مكتبه ابح بموسعيد كراجي)

بإندره وسوكن آباوي بين وتعد كالمقم

بر بر الا

الباقروسة بين خود المود وي مند كاخاند و سندرويك چسانس و ۱۰۱ تقي بينان الدولة الدولة و الدولة الدولة

ھ رڙه

مهم عندالآن الاسم مصنت بهم کے لیے مجمد رکیرشراند کے شیع کا مشہر سے وفات پہنے ہوتا تو اور اور افوات میں الارتواق شرقها شین مکما کیا تاریخ بادرہ واقراد کی آبادل ہوتے تھیں ہے۔ بال آپ ناشو ل تو باتھے کیک مقبل مور افوات میں خاندان کو کار تازیز باتھ اور داند عامید میں ماری ایک ہوتے ^{(16 ع}یا کی دومری مصافی میں ہے تھا ہوت اور اور انہاں انسان اللہ اوکا اور نگھی ^{(17 م}کسما میں انسویز و بہندر اوالد معتبد اسامہ انسان السمبر اور فیارہ ساتھا الدین والمنتی فیاتم

14 الأنتصبح الجمعة الأمن مصر خامج بومن مصل الدمار ولا يجوز من قم ي بروبهداره " كتاب المنتوة م الاب صلحة فعد على ماد داراج « مكتب بداجستان من فهر كوايس

وكما في وفالمحدود (أنه مناهيمون باب الجمعة من 193 م كن مكيد مج الهم معدد كرا مي). وأثمة الدي مقامع المصافح الرائفات الصلوف فعلن في مان دراتك الجمعة، من 1939م م 1 ممكند رشيدية مكونة)

۱۳۶۳ - و در الارتفادر مع الله راستخداره فيات المطلودة بيات الحديثة. من ۱۳۳ با ۱۳۰ د ح-۲ سكند اليج الله المعيد كارانوي (

ساتھ ساتھ واقع دوبستیوں کی آبادی سے کثیر ہونے کے سبب بمعد کا تھم

€U\$

أليا فربائے في ملاء بن ومفتيان أمر بالتين مستدؤ في جن كما

کا نفذ مند ما آن میں فامیرہ بعولیک و رام گل آیا۔ ہی حالتہ پنواریش شال ہے اور فامیرہ بدعولیک میں تما و بھت جاری ہے - ہرہ بھوا منعات کی آبادی تغزیباً موہ محافراد پر مشمل ہے اور اکسیارام گل کی آبادی ۱۹۵۰ ہے۔ دولان مواحدیات ماہ کیش ہے 'چی جی اور نشان موہ دکشی تیسرے پاروشش رام گل کی مرصد شن لگ چکا ہے ایک جگہ ۱۶۱ و واقع آبادی آبادی جاتی آبادی جابات پر ہے - دو بغرول بھپ آئیں بھتے والک ماڈل جمینک فیکٹری آمنی ۱۶ اور جیک فیکٹری ایک کیل آبادی جابات پر ہے - دو بغرول بھپ آئیں بھتے والک ماڈل جمینک فیکٹری آمنی

کرو کنٹن و پڑ ایستی ہے ایک کل ہے بھی کہ فرصل پر ہے اور گروڈ انتیشن کو ندھی ہتا کی ادائش ہے اور قام پور کا اولی کو طراحی طائش ہے۔ میش دام کی عمراہ نوب و کی گئے ہے جسٹول بنگی تھا ام پور کا اولی عمل ہے۔ زیرہ کے برعو اور دام کی کا مشترک پر کری شول ہے اور قا کا ناتھی ہے۔ مسول بنگی تھا ام پور کا اولی عمل ہے۔ بہتر ہی اور ایک عدر ساور جاسو تھر یا دام کی عمل ہے جی گئن و کئی گؤش آبرہ کی تھا م پور کا اولی کی قا و میس واقع بے معملے مندرید ہا ہے کہ بارے عمل آپ کی کیا دائے ہے۔ کیستی دام کی عمل بھر کا سنا جا کر ہے و کریشن

403

رام کی گی آبادی محی تحوزی ہے۔ مندرجہ بازا او صاف جو رام کی کے فرکور میں ان میں ہے کو گی دھ مند دام کی کو نہ آقر جزیانا ہے اور دری دشہ اگر شم سے اس کا اقسال ایسا ہوتا کہ درمیان جس کھیت بالکل شاہ دیت آق محی اقسال سے شریمن جاتا ہے۔ اس کی آبادی محی سنتش فیس ہے۔ نبذانظام حال میں چول سمتی ہے اس میں جمعہ جزیر منبس اس ہے ترک کرویاج دے ⁽¹⁸ فقط واللہ تھائی الحم

محموده فالشاعض فارسر فاسم بمعلق ملان

٢) كيما في ودائمحيار: تفع فرضا في القصيات وانفرى الكيبرة اتنى فيها أسراي ... وفيما ذكرنا إشاره إلى أن الإسعوز في الصغيرة عنى ليس فيها فاض و منهر و مطيب كدامي المعامرات والطاهر أنه أويدات الكراهة لكراهة المن بالجماعة واكتاب العبلوة «باب الجمعة من ١٣٥٥ ع ١٤ مكبه الجاهم معيد كراجي» إلى وكندا هي بمالم العبلاء من العمل في بيان شرائط الحمدة من ١٣٥٩ م ١٤ مكبه وشياسة كراهم).

ايك موركانات برشتل بهتي جس جعه كأتحم

€∪}

کیے فرمائے میں ملا - دین دریں سئلہ کرایکہ مہتی جس کی آبادی تقریباً ایک مدر کانات میں اور صرف ایک سمجد ہے اس میتی میں ایک دوگان ہے تمک تیل وغیر و کی اس میتی میں شرعاً جمد کی فراز کا جواز ہے یا کئیمیں - بیزائو جرود-

€€}

فى المشاحة عن القهستاني و تقع فرصا فى القصبات والفرى انكيرة الني فيها اسواق – الى ان فال – و في ما ذكرنا اضارة الى انه لا تجوز فى الصعيرة التي ليس فيها فاض اسواق – الى ان فال – و في ما ذكرنا اضارة الى انه لا تجوز فى الصعيرة التي ليس فيها فاض و مسير و حطيب – الحخ – الله الى المتحدد كانات جن جميرا تركيل – يقرب تربي تربي تربيرة بركيرة تين - هذا ما عليه المعطفة وى - داخراتم

حطرت العام الوطنيف وصرالف العالم بهب من ب كما الرئيسي عن فاز جهد جا ارتبيل بهاس الياه والفي كم المارية المركز كالمازم ب-

محادد مفاالفذ حذامنتي الدرسدكا بمراطق

بجياس مكانات كي آبادي من جعه كالقلم

4€\$

کیا فر ماتے ہیں علما وزین در یں اسٹار کہ د بہات جس جگہ بازار نیس تھر کارد بار حجارت ہوتا ہے۔ سوائے۔' سوجود ہے ، جامع صحیر سوجود ہے جس تھی دواڑھ الی ساآ دی تماز چاہد کتے ہیں۔ کرووؤ اس تھی ہیںکڑوں سکا کات جس وڈاکسہ خانہ سوجود ٹیس -البت جائیں گوئس کا وفتر سوجود ہے۔ کستی جس وجاد وسم گھر جیں۔ کمیا علم واحمت اس مسئلہ تشراع جباد کر کے ایب مصدیدی شارجس پزیعے کی اجازے دے سے تین ۔

١) وفالسبخار: (كتاب الفيلوف باب الحبيفة: ص ١٣٨، ج٦. مكه ايج ايم سعيد كراجي)

≟ن≂

انت ن معنز کمآبی منتخل مدایه قالمایش و تا یا ^(۱) دختار ^(۱) و تا یا ^(۱) این به بازند به به که و توب جدد او او این به مدیک میلیم صرفه در بند و دو شدی تا می آمل قرویا به به رفت به در می به دو او دومان به یکوکل و ده می شیر و راست میشم مین مینید و سرق قریف نیز و فقا ف سید نگین به در فرف به سام موفاع شیرا و قعید دواد د قرادی این که زیرو دیواد و خوارد فران با این می او شرور با مدست شیرون و فرم سیده ^(۱)

في التحقة عن من حدمة المسئلة كسرة فيها سكك و سواق و لها رسايق و فيها والى المحقة عن من حدمة المسئلة و فيها وال يعقد راعلى الصاف المنظلة من الطافية محتسمة واعلمه اوا عدم غيره براجع الماس اليه فيما يا قدم الحوادث والهدام والاصلح (١٠) والبطب فيه واسقح قوصة في القصمات والله ي المكيس قالة إلى فيها الما والق الفي النقال واليها فكرنا اشارة في نها الاسحور في الصعيرة الشكر المضافية والدو مسئلة العدام القرى تكروت بدو مناه الحمد الكام -

موال عُن أشراء بعا هدي أمانيا البعد ويصر الجامعة اليكير وبواهن ببالعد شارها والعائد فما جمد و

- ٢) أنهاله والانتهالطوف بدا صلاة الحبطة عن الدامج المنكنة لوبيديا ويرثيع كوصم
- ۱) شداع فقامه (کتاب الطائرة) بات العليمة على ۱۹۹۹ ع ۱ مکت مسئل بطيرات بدر باشران و - ماهران کارد قرآن معلی اتراچي)
 - ٣) الدرانمختار: وكتاب للبلدقير ، ب الحيمة في ٣٧ . وج: " مكيه بهج البرسمية كراجي)
 - الشامية (التدب الصنوف باب الجمعة) من ١٥٠ من ١٠ مكيم مج الدسمية التراجي)
- و رفال ما حدر الغام فرصا في العصاب والمرى تخير والتي فيها آمر أو الدوسية و كرنا أشار و إلى أنه
 الاستخدر في المصنعة و التي قدر فيها فافي و صدر و خطيب أصد في المعينزات والطائم أنه أرافه به
 ذكار افتال كالماء في الدوساعة و إكتاب الدينياف بيان الجديدة التي يدو ٢٥ م كتب ليج الب
 العبراء كراجي) ... و أكافأ في البحر فرافل الكاف العبرات بالماء بالمحددة التي يدو ٢٥ م كتب
 را الدائم كراجي) ... و كافأ في البحر فرافل الكاف فصل في بيان شرائط فيصلا في الدائم المحددة التي العبرات العبرات فصل في الدائم المحددة التي العبرات العبرات المدائن في الدائم المحددة المن الدائم المحددة المدائم المحددة المحددة المدائم المحددة المحددة المدائم المدائم المحددة المدائم المحددة المدائم المحددة المدائم المدائم المدائم المدائم المحددة المدائم الم
 - الله ومانسختان (كتاب العملوق الاساليجيعة أمر ٧٠ و. ج٠٤ وكدوة ج الوسم الكراجين
 - ري وفالصحنار (فتاب الصلوف بال العودة، هي ١٣٥ ج * مكتوماريو لرم دهر . كراجهي) .
- د) افسارالمصدر مع ردهمستان (کناب العولوف مها موسان ۱۹۹۸ م ۳ مکیو (وج تر رمود) کراچی)

ا مير بريم مي تشكل اوران : جمدا و أكريت بينه ان الأنول بشدة مدينة أما ذلك بها قد تمين بوق ⁽¹¹⁰ - المدينة . في المشدامية الانتوال ان في المعواهو لو صلوا في الفوى (الصغيرة) لؤمهم الانه النظيم ⁽¹⁰⁾ فتا والشاق في الم

شرا کیا جمعہ نہ پائے جانے کے یاوجووشروخ کرایا ہوا جمعہ بند کیا جائے ہے نہ پیش کیا

کیا فرماستہ چیں ۱۰ دون ور پر مسئلہ کرنیٹ انک جگہ ہوکہ دہاں جندگی تروی شامنا نے پائی ہو گئیں۔ ۱۰ ہاں۔ اس مجد چی نماز جمد کی ہے یا تیس ۔ بشر عجکہ اس مجہ جس جاری فی ساں پہلے بھی جھد کی نماز جاری رہی جوام دا سے مجہ ہے اوا کیسا تیسے اور مورک ہے اور کال کے فاصل ہے دو۔ دہاں اس مجہ جس ٹیل بھی جعد کی نماز قائم ہو میں تیسہ ہم صرف چاہیس چھائی آرق تی فروم دیک لیے آئے ہیں۔ اب کو کی مجہ جس ٹیاز جمعہ بڑی جاستے۔ نماز تلم بھی چاہتے ہے۔ اگر دیر ہے رہ جامن ہور جسے بازے

ع تي ا

(٩) كيما في ردائيجنار: لاتحرو في العنفيرة التي تسن فيها فاض و مدر و حقيب الوحيلر في تعري. أثر يم أدا تظهر وكتاب الهندود إلى العنفيرة التي تسن فيها فاض و مدر و حقيب الوحيلر في تعري. أثر عيم أدا تظهر وكتاب الهندود إلى الحيدة عن تحدد عند الحددة بير الطبح) استقداد (سول وكدا بدء وتبده إلى الحيدة بير الطبح وعلى من تحديثة إلى الحيدة وتلك المحيدة والموردة الميدومناء المحيدة وكتاب المحيدة من 17.3 و 17.3 مكتبه المج المهيدة كراجي في وكتاب المحيدة والمحيدة من 17.3 محكدة رئيسة كراجي في وكتاب المحيدة والمحيدة من 17.3 محكدة رئيسية كرائدي، وكتاب المحيدة عن 17.3 من 17.4 مكتبة رئيسية كرائدي، وكتاب المحيدة عن 17.4 من المحيدة في 17.4 مكتبة رئيسية كرائدي، وكتاب المحيدة المحيدة في 17.4 مكتبة رئيسية كرائدي، وكتاب المحيدة المحيدة إلى 17.4 مكتبة رئيسية كرائدي، وكتاب المحيدة المحيدة إلى 17.4 مكتبة رئيسة المحيدة كراجي)

٢) كما في التناسفة (كتاب العشوة باب الحصيمة عن ١٣٨ - ج ٢ مكسه ليج إبوسعية كراجي).

٣ كسامي و «السحنار: نقع مرضا عن الفعيات والعرى الكيرة التي فيها أحراق أن أوفيماً دكراً بالشارة إلى أنه بالمحدول و الطام أم أوله التي أنه والطام أم أوله التي أنه والطام أم أوله التي أنه والطام أم أوله الدينة المحدول في المحدول و الطام أم أوله الدينة عن المحدول القال العملوف بالدالمحدة من ١٣٨٥ ح ٢ مكتبه الجانب سعيد كم أجي إلي هذا من السعوال الن (كناب السلوف بالدالمجدة من ١٣٥٨ من ٢ مكتب رئيدية كوله إلى دائع العسائم (كناب العالوة) فعن الدين الرابط الجديدة من ١٩٥١ من ١٩٥٠ من ١٩٠٠ من ١٩٥٠ من ١٩٠٠ من

شراري بترقمام وَّسَالِم كَارَبَاهِمَا فَصَاءاً مَرْنَ (⁽⁾ و ليما فكرما قتارة الى انه لا تجوز والحمدة) في الصغيرة التي ليس فيها قاض و منبر و حطيب النج - الاترى ان في الجواهر لو صلوا في القرى والصغيرة ، نزمهم (1) الطهر (⁽⁾) وفي الفنية صلوة العبد في الفرى تكرد تحريما لا ه التنفال مها لا يصبح فوله صلوة العبد و ملك المجهمة (⁽⁾ - التوافية ثراً أم

جعد کی او ان ثال کے جواب کا تھم

∲‴ل≉

م مستمير فرماسته بين ملاء وين درين مسئل كه نصير جعد ستيقم الذان نافي كانواب دين جائز سيد كمثيل ادروان سكاجد. بالحداثيا كرية اللهم وب هذه الدعوة النامة أو النجه بإسمار زروستاش بعث معتقوق بالرسية كرشس، جيّا ترج 19-

4.6

كم يهيئ كرابايت اذان فافي بموكره ويته^(٢٠) الكافر في دولت وتورد ما الملهم والساهدة الدعوة التدامة به المنع— ويسفى ان لا يجبب بلمسانه انعافا في الادان بين يدى الخطيب و اجابة الادان حيشة مكوره فو ليه ابصا و ذكر ان الاحواط الانصات⁽¹⁰⁾ –فتاد لذات أن في الم

·····

- أي كناما في إردالمحدار: وتوصلوا في الفرئ فرمهم أدار الفهر (كداب الصلوة باب الحديثة في ١٩٣٨ ٢٠ الحديثة في ١٩٣٨ ٢٠ المجتملة كراجي و كذا في الهدية (كداب العبلوة الناب العباد في عشر في عبلاة الجمعة على ١١١٥ ١٠ مكتب و كدا في المحر الرائل (كتاب العبلاد باب المحمد على ١١٢٥ ٢٠ مكتب لهج المحمد على ١١٢٥ ١٠ مكتب الهج المحمد على ١١٢٥ ١٠ مكتب الهج المحمد على ١١٢٥ ١٠ مكتب الهج المحمد على ال
- إلى و دائست هذار مع الدرالمحدّر . (كتاب الصواديات الحسمة : ص ١٩٣٨ ، ح؟ مكنه الح المرسمة
 كراجي)
 - ٣) ووقلمحتار مع الفرائمحتار ماب أعبدتن ١٦٧ ج١١ طبع البح الم سعيداء كراجي
- ع) كسما على المطاحمة الري : ويبهى أن يقال: الانجاب يعنى ما تقول بالإجماع اللافان بين يدى الحطب
 و كتباب المصالاة مات الأذن ، ص ٣ ٦ قدامي كتب حدد كراجي إدو كداهي سحة الحائل ، مدس
 البحر الرائق: وكتاب الصالاة بات الأدان من ١٥٥٠ ح ١: مكب وشهديد كوفضا
- و كفا في الدر السختار ، وكتاب الصلاة ، ذب الإدان، من ٢٩٩، ح.٧ ، مكته الح الم سعيد كرا يميّ . ه) الدرالسختار: وكتاب الصلاة ، باسالاً دار . من ٢٩٩ م ع ١٠ مكت الج الم صليد كرا يهي،

بمعدكا فضل وفت

المراس المراجعة المستون المراجعة المرا

جمداً وقت المولى مرق و الأش كري و التقروع بعدة والمعن المدوم والتداكد فركادات بها في والحركاد الكوالشدائك بمعاكمات به بمرك بميط الحمل سخب به (۱) مو حسمة كطهر اصلار استعجابا في الزماس واقد المشتساء والعديف، لابها المسلماء للكن جسوم فسى الانساء من فن الإحكام الله لا يسب لها. الإبراد - لعراد)

اَیک سواس گھرول کی آ وادی میں جمعہ کا تعلم ﴿ مَنْ اِنْهُ

کیوفر بات میں مطاوری اس مسئل شرکہ و بہت میں گلہ بگی تمان بھا مت کے ماتھ اوا کی جا ہے جو سے مان انسان کے ساتھ جھوارا کیا ہوئے تھم شرقی ہے محتوق فر مرکبی - سامین ارس مفلم عطرت قاسم و حقیقہ جمعہ اللّٰہ علیہ کے مقلد میں جیسا خاص کی آباد تی ایک سوائی عمر تیں اور بیدودکا کی وفرا کا تدیمی ہے شہر جمانیاں جونائ منتھیں سے کی گافواں سے جارکیں مورے -

مبرا د شیرا مهمیر کید. ۳۰۰

- (۱) كيميا هي الصنحيح البخاري: عن أنس بن برالت رفيق لند ندلي عند أن رميول الدخلي المدينة وسيدة وسيدة إلى مله وسيدة كراسي للتنسيخ (كتاب الجمعة وبات وقت الجمعة إلاازالت الصلافي المستخرب من ۱۹۲۹م ج ۱ فديمي كتب خان كراسي: وكذا في بدل المجهود: (كتاب الصلافي باسم في وقت الجمعة عن ۱۹۷۹م ج ۲ مكتب قاسمية مطال)، وأكيدا فني بدن المستخوص المستز مح المدرات المستوان إلى الزماني لأنها خيفه (كتاب الصنوة مطلب في المرائب المائية خيفه (كتاب الصنوة مطلب في الإماني لأنها خيفه (كتاب الصنوة مطلب في طلوع للمستر كرابي،).
-) كيميا في التعر السيختار مع ودانسختار: وكتاب العنبو: سلاب بي نظوع الشيمي من معربها، من
 ٣٣١٧ ٦ ، يكتبه إيج الم بعيد كراچي)

الم ن الم

المشرعة المام الفطيف النبة التقديمية الشرفية إليام يهومت أن البعد بالتوكيل العداقم بير فأكرو النواقية القرار بالتفاحية (الحاجات المرتان وركزة الإمعان بشرفة المساولة في شمر

محود مقدالغده بالمنتي بدروية مماهموم مقرن

شہرے تین میں کے فاصلہ پرو آج نستی میں بعد کا تھم ر

آنیا آرد به این موده کارد و برده مشارا ایندیکه فی می سوال شار شار پیشتا به یکون آمرین به در وی شی مش ایسه می این سیدهمی شروه فی مقتصهٔ از دونی سه در این جدیش به مطلبه رینته فی بوصهٔ بیشه افتداد رقم آنان تحقیق میته تصویران که کفر بالاز موان آنیا می کشود میده به ایر ندارد و با ایمی شار گرافر بیانی در برفی ماه سد شوش می موسویا با ایست این می موان در در ایست می وجاز سیده مرفدار و با ایمی شار گرافر بیانی در برفی ماه سد

ا مراسم می شن جواجه به اینجهٔ همی درم شده و پیسهٔ از این بیشی مین درد به سهمین و آورد به دیر تنصیل سالهمین

وَ عَ لَهُ

معود ڪام خولديمن ۽ س نيجو في ممن کا فر مايا آيا انجاس ٿين جند جا انگيريا آيا ۾ وه هن ٿي ٿر اڪر پريا دو-ليفا انوانون ۾ روم انج که دورجه کي قبار س رومن ٿين نه پيائين پارنيکل ۾ جند موڪ وارسين لاسام جند ۾ اپنج

⁽⁹⁾ كنمة في ره معمال تقع فرضاعي القصاد ، وإنقري الكاررة الراوية الدوان ... ، دول و كار ، إدانوه اللي أنه والحووقي المحاورة في ثبل ثبل فيها عامل و سرار عطب الدافي المصورات و لطاهر أنه أويد مد الكراحة التمان المحاورة وكنات لليمان الكراحة المحاورة في المحاورة وكنات المحاورة المحاورة في المحاورة في الكراحة المحاورة في المحاورة ف

 ⁽³⁾ كام دفي الهما يقد ومن والحب عليهم الحبيع من أهل الدري والدياد وربيم أن بصلوه فتهو مدينا عد يهوم المحسمة عادان والقامة (كتاب الصلاية) إن ما إسامين عادر في صبوة الجمعة، من عالم ما حاج من المكتام وشهاره كوعم.

منظم كالمان المساقد أس المساقد ألى الموائد عن المواقد و المادا به وو الداد المجاهدة في المنظر يعموز الذاء ها في فناء المعطر الماو في المواقعة الوقت الوقت وهو ماحوده العمل بداو الا الاحل مسالحة كالمفود المعولي و كنظر المعبل والمعتاد للعوى تفديره بغر سنخ ذكره الوئو المعبى (أ) المنخ و في المنامية والمنظويف احسن من المنحليد الح و ايضا فيه فالفول بالمحدد مسافة بعالف المعريف المعقق على ما صدى عليه دامه المعند لمصالح لمصر الغوق في المنافية و فقال المناسى و تقع فوصاف المعتاد الغربية و فق في المناسى و تقم فوصافي المعتاد (أ) و في نام المعيدي من الدوالمعتاد (أ) و في حام ذكر فا المعروف المعتاد (أ) و في نام المعيدي من الدوالمعتاد (أ) و في دام المعيدي من الدوالمعتاد (أ) و في دام المعيد في المفوى تكره في دام الطهر (أ) و في نام المعيدي من الدوالمعتاد إلى و في وصلوة المعيد في المفوى تكره في معروف المغيرة (أ) و في نام المعيد في المفوى تكره في المعروف المعالم المناس المعيد في المعروف المعالم المعالم

^{؟)} الله ما للبية الكنائب الأمام اللارم، مالب المسادس عشر في صلاة المجمعة، عن 644 م ع 1 : مكيمة وشهدية الموضف

تشريع الابتمار مع المرافعة عام والسخارة (كتاب المبلوقة بات الجمعة، هي ١٣٩) ، ج (رابج المبلوقة بات الجمعة)

٣٤ روالمدين و كتاب الصوف باب الحميد من ١٣٨ م ج ٣٠ مكت البج ايم معيد كر الجري)

کستا هی دهر المحتار مع رفالمحتار ۱ (کتاب المبلوة باب المبدین ۱۹۷۰ م. ۱۹۷۱ م.چ ۲) مگایه ایچ اید سعید کردچی)

ه) روافيختار: (كتاب الصفراف باب الجمعة عن ١٩٤٨ مع ٢: مكت إبع إبع سفيد كرايعي)

إن والمحتار، ونقع فرف في القنسات والقرى الكبرة التي شها اسواي ... وقيما ذكرنا إشارة الى انها لا تجيز في الشميرات والشامر أما أريدية لا تجيز في المشمرات والشامر أما أريدية شكرافة للكرافة المنفيل بالحماعة الا ترى أن في الحوافر بوصفر في الفرى أرمهم أداء الشهراء (كتاب المحمدة من ١٣٠٨م ع ٢ مكتبة أبح ليوميد كراجي)

وأكف في المحرائز الترام إتفاد المهالإذه الدن المستفاء من 200 ما 19 مكتبه والمسبب كوفته) وأكفا في سدائع التصنيانج: (كنات الصلوة فصل في مان شرائط الجمعة: من 1999 م. 1. مكتبه والجباية كوفت)

ع رسومكانات كي أبودي ميشمل يسق بيل جهد والتلم

به کید

کیے قربات فیل مارون و مقتیق قرباتشن کر گرد کا بنایا دست و آخر بیا فیارسد و در سے کی آب ای روشتال ہے۔ اور ما مضرور بات کی اخیاری میا بولکی جی- سی شوری جو شرول جو آخر بیا جمع سال و سے قرص کے جائے اور سے پر اختیاف مذاب و تعلق لاام بی سرو ای کر دورات سے قول و پر کہا گرش ک مائی ہائی میں موج کس اور شرکی دیا کی مجدش نے ماشی قوائل شریش حد جائز ہے ، دور کی دیکن دی جیس جسرتر این وہ میری معدد اور میں ہے۔ براست عمل وہاں ترک کا فقائی کھی آن واقع جمال جد جائوں سے جو اورات

نة ق شا

مهم الذا الجماراتهم - بعد کی قدار کے بور اللہ اللے اسر (شیر) وہ ناشر دائید ، بواقول اور التی ال شور علا جا ان کی سیدادر شیرہ وہ اللیا کہ آئی ہیں تکومت ہی ہوئی ۔ حداکم رواء انصورے کا کہ نیے رائد الیووشی بازگ مقررہ ول دوائی میں بازارادر فی کہ ایو ہوئے ہی ہے گریٹ کی ہیں ہی ہی اس کی طاعت ہوئی گئیسے کہ اس میں سید یہ ای مجد میں ہوئی کے عاقب بالغ من (اکا ندہ علی سیکی ایک ہوئی ہے ہوئے ہوئے ان ان کا اس ہے کو باشر کے لیے مام طور برگر از موالی نیچ بڑا ہو اس میں میں دوآ بادی کی شرورے ہوا کرتی ہے ورجس کولوں کا تیں میں شوک کام ہے 12 کیا داکر ہے اور معدومت اسٹون بھی کرتر ہی کرتری پر تر بیت واصاحق آئی موق

اکستافی آزد ایند تراح آنها ۱۰۰ (وجاد عند آنها بوسعه برا و آنهم) عیر آنی آراس محمد علیهها استخدامه در اثر جان اسلامی الا فرار لااس یکور هاالا می العمیان و مساد راسیند و بها و بضمیه فی آنگیر مداخذ هو لم نسمهم) من د فوداکش کدلك یکون میترا سا معاد و کشید العملات در به محلالا شده می داد.
 شخیمه دامل با در حام مگور در آنگار دانها و در در در در ...

۳ به ۱۰ من افتال هذا به المعمور المستمام ما بعد ما الدامل معمولات و الكور الأمار بين و 1 باب العرافيات مورايط - التاميعية بدعل 130 م 17 مكتب العرافي العوالي كور جي .

الن ثال بحديد ناه و دورا بنال ثان به أن منداد وقال ندول أبيا رياحا أوراد و الماكن ثار بعد بالارت و المدوا الماكن ثار بعد بالارت و المدوا و المدوا

تين بزاركي بإدى بين جمعه كانتعم

91,18

يا فروت تين ها درين دويره فراك چيا أم الايس التحميل أو و الكي و و الأورد عمال كن و الدوي التي الجالة و بيام جدفريت والمعمول في الورال يكي أثر ابر ۱۳۳۴ مال من قباز بعداده في جاري المناسب بهر و البيان بالدوا بالبيال و الكيد بالأنك و والمن المكرد بالواد وو المناسبة كالواج و برود و والمناسبة المناسبة و المنتج من كراوي فيوا را والمساورة المناسبة والمن والمناسبة بالمن و المناسبة الواد و

$\{2,\frac{\pi}{2},p\}$

- (ع) الدراة محال مع ود المحدر الإرشارة فدرجه والمحرر الإطاعر عدد هال أند كل سرة عادة أمر و مقام وهي وطلسته ود العراق مقام و مدر فا أن يعدد المحروف المؤدون عوليا وأشيق معها وهي وطلسته ود مح سراء في المحروض المؤدون المحروض المحرو
- م) السوال مام وقار ما مناف الحكم الحيلام المالكونيين في 200 و 200 أن في مكان مانيج الميام ما الكرابي

قر ارد یا بند ارسم و و کیست می شی امیر ایجانی (حاکم نامی او میکان کے مطابات کو نیسل آر النے پر آدر ہے اور کرتے ہوں اور کی اور بند کی اور بند و برازار مول - کیسا قال فی الکیبوری (۱) علی حالت کو برازار مول - کیسا قال فی الکیبوری (۱) علی حاصوح مد فی تحقیقا الفقیاء عن ایس حصاف الدو قدیم و برازار مول المحتلف و اسوال و المحال ما المحتلف و الموال و المحال المحتلف و المحتلف و المحتلف و المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف المحتلف و المحتلف و المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف المحتلف و المحتلف المحتلف و المحتلف الم

دوم إراغوس مشتش آبادي مين جعه كاخلم

19 J 19

* Č *

وي طبي كيرمصر في صلافالمنصوص وده: مصفي كيب خاله كوك

کے نہ ب شریعاں جماع اور کی اللہ لا جمعہ والا و شریع الالی مصر حامع کی معرکے ماہ تعاقبات المساتی العرب علی وزرے مقرل ہے العملی جماعت و الدواہ - اسب کی فرزب کے مدی الل اس کسی میں جمدی بالزئیس توالات اور و مساجد میں جواز و مدال ہوں میں ہے ۔ واحد آجا کی اللہ

ممووعفا المذعنة عتى مدرسة الم العفوم وآران

خيره سوافرا ويرمشتمل تباوي مين جمعه كأنحكم

ر و کی به

آن فرار الرحي طامه مي اعتبان شرخ تنجي المهرار الكاول جواس بدر تشخ في آبرا في بار متنج و الما وأشتل هيد شرخ الساول جوابي الاول جي رسند جي ان كوما أنزل افراه كي تحداد العاقي م والسكرة ريب يوموا في هند جواف الفي وسينس بهرار ميته جيران جراسط بعض شكاول جن والان جيرا ورجعت المستحين مسيدكي المؤند المراس بي جرائيس منها الرصورت جل جوجوش لم يا والترب

لأِنْ ﴿

- کسانی رد لمحتای وضع فرصادی فقصیت والفری الکسرة التی فیها اسوای از وصفا دکر با اعتراق (بنی آب لا تنجیزی بی تصفره التی تیس میها قاص و بند و خطید (اکتاب مصلوة بات الجمعه مین ۱۳۵۰ در ۲۰۰۰ در ۲۰۰۱ در ۲۰۰۰ در ۲۰۰۱ در ۲۰۰۰ در ۲۰۰ در ۲۰ د
 - ا و كذا في المحرائز اتني. (كناب الصلاء) باب الحجمة حي 2014 ج 21 لكف رخيف كرلها) و كذا في حشي كبير: (فصل في صلاة الحجمة عن ١٥٥، معيد كتب حاله كولته)
- أن ساء في عالاً النسبي (أنواب الحصفة (الداعة جوار الحصفة في القريرية من ٣٠ ج.ة. إدارة القران كراجي)
- الساعي و المنحول ونفع فرصاعي تعصب والتري الكيرة التي فيها سوائي ... وهيما دائرانا الدارة الدارة الدارة المنظورة التي المنظورة إلى التي في في المنظورة إلى التي الدارة المنظورة إلى المنظورة إلى المنظورة المن
 - وكذا في المعر الرائي. وكدات الصلة قد باب الجديدات العرب 17 مكتبه و شهديه كرتاه). وكذا في طبلي كبير (فلصل في عبلاه الجديد) عن 1850 مبيدي كتب حاله كراته).

السكيسرية التي فيها اسواق والمي ان قال) و فيسا فاكرنا الشارة المي انه لا عجوز في الصغيرة (10-باتي بو يكومبادات تشفر معرك تعريف ممل دارد بين سب كا طال تعريباً ايك على ہے وہ بيك برسے شهرول كوشار كرت وقت سنة كي برفائل بين شركيا جائے - داخة تا فائل-

متجدت بابرج مدكي شرقي حيثيت

€∪#

کیافرہ نے جی سامدین دریں مسئلہ کی نماز جھٹا المبارک مجد کے باہر بوجائی ہے جیکہ ان م می سمجد شان بونہ افا ان نہ خطر اور جگر مجی ایک ہو جہال ہفتہ تھر چا اور لیو محر بالاطلاق وغیرہ بھیا تے رہیں۔ ہفتہ بھر تھاست خلیلہ موجودر ہے صرف جعد کے دائے تھوڈ اسا سائٹ کر کے دریاں وغیرہ بھی کر جعد کی تماز اوا کر لی جائے۔ جیکہ اور گروشہ بین مافکل قریب اور کئی اس سلک کی جائے سمجہ موجود ہیں۔ کیا قماز جعد وہاں توجائی ہے آگر ٹیس تو رہائی کی نماز واری اما دو شروری ہے آئیں۔

469

نمازة موجائ کی جبکہ س جگہ پردریاں بچھائی جا کیں اوران کے ای_{م ج}نگ کیز ایو^{د ہو)} منظو اللہ تقالی اللم جس جگہ جمعہ کی شرا لکا شد پائی جا سمیں البتہ مسجد شاند ار دولؤ کیا ایسی جگہ جمعہ جا سرت در سر

∳∪∳

کیا قرمائے ہیں ماہ وین اس سندھی کہ تعارے جگ گی آبادی آخر بیا ایک صدید اور آس پائی کے خود کی دوشن آدی نماز جھ اواکرئے آجائے ہیں اورا کی شرافط ہوکہ عدیدے بھی ہیں وہ سب چوی تھیں ہیں ''بحث بھارے جیک کی میچے ہوگی شاندا دے کیا جمد بھائی جائز ہے یا ٹیٹی را در مولوی تھ بھسف جٹ فرمائے ہیں ''کر جمد بھائی جائز ہے۔

١) روفيعتار: (كتاب الصلوة باب الحمدال ص ١٣٨ ، ح.٣ مكنه بيج ابم سعيد كراجي)

٣) ردفلمحندار. وكذا الثوب إذا فرائر على التحالة البايدة فإن كان رقبة بشعب ماتحته اوتوجه منه رافعه خلال رفبة بشعب ماتحته اوتوجه منه رافعه الشعارة والمعارة عليه وإن كا غليظة بعيث لا يكون كذلك حدوث (كتما الشعارة والمعارة والميكرة عبها. ص ٢٩٣٦ ج١١ مكته المح المسعيد كراجي. وكدا في حائية الطحطاري: (كتاب الصلاف باب شروط الصلاف وأركانها أهل ١٩١٨ قد يمي كراجي). وكذا في حيى كبير: (الشرط الناس، ص ١٩٩٨) مكته حياى كاب خدا كراكه).

校飞轴

المام ایومنیف برن کے ندیب میں و برات اور گاؤں میں بھواد آئیں ہوتا ہے تیڈااس بیک ندکورہ میں بھو پڑھتا جا ٹوئیس سب مسلم توں کواازم ہے کہ ضربی تماز باتھا عشداد اگریں ⁶¹۔والفیق الی الم

جعد کی دومری او ان خطیب کے قریب دی جائے یام عبد سے باہر

€∪}

کیافرہائے ہیں علاء وین اس سنندھی کہ جسم ہوک کے وان پہلی اوّان مؤوّن مجد کے ایک جا در پریا شامی چگہ پرویتاہے دومری اوّان جوفعاہ سے پہلے دی جاتی ہے کیا اس کوای جگہ پرویں یا امام کے مساحق اس کے قریب میں۔

€0﴾

دوسری اذان مجدش امام کے مائے دی جائے امام کے قریب کوڑا ہونا خردری ٹیس (۲) حضرت حجان ناٹھ کے قراب کو ان سے ای بالقائل جہت حجان ناٹھ کے نافسہ کا کہ ان سے ای بالقائل جہت متعارف سے منے آل اور باہم ہوئے کہ المعامل المع

_

١) تقدم تخريجه في حاشية سير٣ في صفحة ٩٩٠٠.

۲) كسما في و دائمه حارة ويؤ فن ثانياً بين يدى الخطيب على سهل المسة (كياب الصلاة _ بات المعتدة عن ١٩٦١ م ٢٠ مكتب المعارة على المعتدة عن ١٩٦١ م ٢٠ مكتب المعارفة بات المعتدة عن ١٩٦١ م ٢٠ مكتب رئيدية كونتها، وكذا عن حلى كبيرة (كتاب العملاقة فصل في صلاة المعتدة عن ١٩٦١ م ٢٠ مكتب بناية كولته)

٣) الهداية: (كتاب الصلاة، باب الجنبة: ص ١٥٤، ح١) بارجنتان بك ڤير كولته)

 ⁽المستانة على حامش فتح القدير : واختلفوا في الإدان السحر الدى يجرم حنده البيع ويحب السعى الى المحسمة مكان الطحاوي يعول هو الادان عندالمبير بعد خروج الإمام. وكتاب الصلاف داب الصلاة المستحد من ١٩٠٨م ع ٢: مكتب رائيدية كوفائ

الكشابة على هناسش قبح القدير وكان الطحاوي بقول المعتبر هو الاذن عبد الدير جد خروج الإمام. (كتاب الصلاف باب الصلاة الجمعة: ص ٢٦، ج ٢٠ مكته رشيديه كوئته)

كى كاكال من عارضى طور يربهت بولك جمع بروجا تمين تو كيا جعد جائز ب

4€ € **}**

کیافرہائے ہیں علاوہ نے امفقیان شرع شین اس سنلے میں کئی گاؤں ہیں کی خاص اقت ہیں آخر ہے نیزار کے فریب آ دکی تی اور جائے ہیں وہاں کے (گٹن گاڈں کے) جو ہیٹ سینے داسے ہیں۔ اس کے جد مشرقی ہو کر گاڈی سے ایک مسافت کے فاصلہ پر جائے ہیں وہاں کے (گٹن گاڈل سنے) جو میشد سینے دائے ہیں تعمیل دار اس میں کھرکے جن کیا اس کاؤل میں جد بڑ حناجا کرے یائیں۔ بیغ افریز دار

€⊙}

شرب احتاف میں بیشنق طیرے کہ معرش انفا جھ بھی سے جاور بیٹر یا جوہی گھری مشمل ہے نہ معر ہے مترقعیدہ نقر یہ کیرہ بکہ بھیٹا قریص پرہ ہے اس لیے اس جمد جائز بھی والا ضبعور فی الصفیر قالنی نیسس فیصا قاص و صبر و محطیب الخے - (۱) باہر کے لوگوں کے مارضی اجھام کی وج سے بھی یہ بات صادق نمیس آسکتی (۲)وی لیے ان کا اعتبار نہ دی کے دائد تعالی اعلم-

كياشهرے ايكميل كے فاصلد ركم أبادى والے علاقد ميں جعم جائز ہے

€∪}

کیافردائے ہیں علاء وین اس سندیں کہ پہلے جسٹٹر کویں میں پر حاجاتا ہے اب چادلوگ ایک کمل کے فاصلہ میں و دموا جسٹر دیٹ کرنا چاہتے ہیں۔ وہاں کی آباد کی جشر میں صرف لا دی کا اؤداور کچی سوک ہے۔ جہاں ترفیک آئی جاتی ہے۔ دب صرف یہ ہے کہ دہاں آئیں میں براد دی کا افتا اف ہے اورکوئی دجائیں تو کی صورت میں و دمری جگرے جسٹر ویل کر ناباج صرح حالا جا از جہائیں۔

٢) را تالسمحتان (ولا تنجور في السفيرة (أي لبن تبها قامن رامير و خطيب الغ (كتاب الصلاة) دات - المحمدة اص ١٩٣٨ - ٢ - مكتبه إيج الم سفيد كر الجي:

و كفاه مي ظبحر الرائل: (كتاب الصلاف باب صلافا البسمة: من ١٩٤٥ م ٢: لكب رشيديه كوف) و كفافض الهداب: (كتاب الصلاف باب صلوة المحمدة: من ١٥٠٠ م ٢: لوجستان بك اليو كوك) ٣) كما في الدوائسخدار: ويشترط تصحفها سعة النباء: الأول: السعر المح وكتاب الهيلاة باب الجمعة. ص ١٣٧ م ج ٢: مكتبه الج المرسية كراجي).

∳ઇ∳

ا کریدادی افزہ شہر تو یہ کی ضور وقوں ش سے شاہ ہوتا ہے اور و بال کی آبادی عمام ہم سنعل آبادی شہرت کی جاتی ہوتو اس صورت میں وہری جگہ جسمیا تزہید ⁽¹⁰ - اورا کروداؤرشیر کی ضرور بات میں واقعل نہ جواور عرف خاص میں دبال کی آبادی سنتفل شارکی جاتی ہوتو و شہر کی آبادی با خاست شہر میں سے نہ ہوگا اور وہاں ہوجہ ہوتا گا قال ہوئے کے جسم جا ترقیمیں ہوگا اسکتواد و بال کی افران سنا کی دے باندو سے سیکن رائے ہے اورا می ہے (س)۔ معلیم اس مور قائد حسر وہمی ہوجہ اس

(نوب) چونشہ موال میں دوسری جگہ کے پورے کو انف دری نیمیں کیآ یادہ دوسری جگہ صد دوشر میں داخل ہے یا تھیں وہاں تک شہر کی آباد کی وہ تھے ہائیں وہ از وشیر کی خرور بات میں سے ہے یا ٹیمی - اس لیے بھتر سے ہے کہ کی جید تقد عالم دین کو وہاں لے جا کر جائے وقول کا سفائے کرایا جائے اور کھراس کے فیصلہ کے مطابق ممل درآ مدکما جائے -

 (1) كسبا على الهندايية. الانصبح المجلسمة الاني مجار جامع أوفي مجالي المعامر. (كتاب المصالاة، داب المجلسمة، من ١٥٥٠ ج از مكتبه بارچستان بك أزو كوفاه)

و كيفا من بسائع الصنفاع : ﴿ كَتَابَ الصَلاقَة مَصَلَ فِي بِيانِ شَرِ الطَّ تَحْمَعَة: صَ ١٩٥٩، جَ١ : مكتبه رشيدية كرجه:

وكذا في المعرفار التي: (كتاب الصلاة: باب الجمعة، ص ١٤٤٨ ، ج١): مكتبه وشيادية كولك)

 کسامی ردانسخدار: لاکجوز این انصفیرهٔ التی لیس فیها قامی و منبر و حطیست (کتاب اتصالاف باب الحصفات من ۱۹۲۸ مج۱: ایج ابو سفید (گراچی)

ر كفا في الهمر الرائق (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعة: ص ١٩٥٥ ج؟) مكتبه ر شياديه كرائه). وكيفة في الهيداية: (كتاب الهيلاقي باب صلاة الجمعة, ص ١٩٥٠ ج (; مكتبه طويبستان بث ذيو كواته)

 كسما في وعالمستشار: وهي العدية المقيم في موضع من أطراف المعير إن كان به و بين عمران فيسمير مراسة من مزارع لإسيمة عليه وإن بلغه النداء وتقدير طبعة بطوة أوميل ليس بشئ. (كتاب فيسمان.قر مات المحمدة مطلب في شروط و حوب فجمعات في ١٩٧٥ ج٢ مكتمه ابج المحمدة كراجي.)

و كفا هي البسر الرائق: وكنات فصيلاف ما ب صلوة المجمعة، حل ١٩٤٧ - ع؟: مكتبه و شبقيه كوفته ! و أكفاه في الهندية : وكتاب الصلاء، الباب السندس عشر هي صلاة المجمعة : ص ١٩٤٥ - ج١ : مكتبه رضعية كوفته)...

كياجعه كفرضول يقبل كي جارستين ره جائين توبعديس بإهى جائي

∳€

کیا قربات میں ملامدین در بر مشارک اگر کی فض کی جدشر نف کی بکیل جارشتیں رہ جا کیں دو دیرے آیا جوادر بھلی ہوشتیں نہ پڑھ سکا بوقر آیا ان موستوں کی تشاہوگی یا قشا کی مورث کٹیں رہے گی۔ یا قامرہ مشتو کما ہے کا حال ضرور تحریف اور بی بیستار جدشر بیف میں بھی آئے ایا کسی کا آب یا صدید شریف میں کوئی حوالے بھی ال سکا۔

€&}

جوئتیں جدے اول پڑھی جاتی ہیں آگر ان *اور پر عدی اقبعہ جدے پڑھے۔ کسمس*نا قسال فسی المام المسختار – رسحالاف سنة الظهر) و کف الجمعة فاقد ان خوف قوت رکعة (بتر کها) و یقسدی رقم بناسی بھا) عملی انہا سنة رفنی وقت یای الظهر رقبل شفعه عندہ و بدیفتی جرهرہ ⁽¹⁾ والمادتمالی اعلم

كياؤين وبوف دوموكي أبادى والفكاؤس محدجا زب

€U\$

کیافرہائے ہیں علاودین اوری مشکرکو وختے دولئی جاجا چک گھراں جس ہی تقریباً این صوتا ہے ۔ دوسا کھر کی آیادی ہے۔ دو چک ہیں دی دولا کی بھی ہوئی ہوئی ہیں۔ اس آیادی کے ہوئے سے پہلے ایک میکی مجھی تی جب بیاآ بادی اتفا ہوئی تو گھرسادے چک والوں نے ایک سمجہ بری تیار کی اس کا مجائے ممجود کو دیا اوراس میں جسے شروع کردیا میں اور تین سال ایک جگہ جد ہوں دیا اس کے جد چک ہیں از آئی جگزا ہوا ایک فیض نے آکر چھوٹی مجد میں جد شروع کردیا اور تین سال ہوں دیا۔ تین سال کے بعد اب چھوٹی محد میں ہو ہوگیا کرنے کے جگہوں ا

إن فقو المستعار : كتاب الصلاف باب إفراك الغريضات من ١٩٨ م ع ١٤ مكت ابنج ابنم مسبد كراجي
 وكفا في المحرافراتي كتاب فصلاف باب نوراك الغريضات من ١٣٦ م ج ١ مكتبه وشهام به كوقفه وكفة وكفة في المهداب كتاب نوراك فعريضات من ١٣٥ م ج١: مكتبه بلو بستان بك أبو
 كوفف في الهداب كتاب نصلاف باب نوراك فعريضات من ١٣٥ م ج١: مكتبه بلو بستان بك أبو

4€\$

صورت مسقولہ بین جمہ مرتبع فاقائر ہے جم کی آباد کی ڈیز جہائی نے دوسوگھر میں پرششمل ہے ہیڈ سیسٹے ہ ہے امر میں بین تماز جعد مو تزائیں میں کے لوگ نواز قلم با مقاعت ادا انری_{ک ا} آگا مقدد اللہ تھا تی ان انس

جمعہ کے فرنسوں کے بعدا حتیا کی ظہراد: کرنے کا حکم

€U#

کیافہ باتے ہیں طور کہا ہم وحقیان زمان کرآ ج کل اوک جداز کرنے جدر ہو کے درگھے تعمرا حقیا کی ہڑ جے جس آبا میا حقیا کی کھرادا کرتا جائزے یا گھیں۔

乗じり

خوافر تلبر كريت باده بهل بيتفعيل ب كرمجام الناس جامسة كل شرعيد كي تفتق ل كوم باجست بي اور احتياف العبر اداكرت من تكامل في ادا واقيحة كي تلوي في من قداره وال كرده برازا حتياط الله كا فتوق المن كردوك الإيان الكون قواص في كه تعلق بيا تطرو بركز شاوري كسيلية والاي كوام التي كوام التي كي المن بمحل عبارت الاقراب من القرف ما لوج من فعدها في رامانيا - من المنفسدة العصيمة واحو المنشاد الجهلة ان المناصومة ليست بفرض - (١٣ ايوان ل نسب الارادي التي مناسسة الانفعال لكن الكلام عند علامها والدا في المنفذ من عاص الاراد مدالك النال هذه العواج مل بادل عليه النعواص

ان كستاهي وداشيختار: ولا تنجر عي المعجرة التي ليس فيها قاض وحتر و الطباب الدومتوا في فقرت لرامهم أدار الطهراء (كتاب العبلاة الباب المصحة عاص ١٩٣٨ - ج ٢١ مكتبه نابج بهر مجد كراجي) و كندا في البحر الراقي . (كتاب العبلاف بالمحدة الصحفة عاص ١٩٤٥ - ١٩٤١ - ٢٤ مكتب و تسديد كولته) . او كندا في الهنداية : و كتباب المصلادة بالمحلوة المحمدة عن ١٩٥٠ - ١٩٤١ - ١٩٠١ مكتب الترجمان على ثور كولته).

٣) البحر ترافق. كتاب الصلاف باب صلافالمصعة. من ١٥ ٣٠ (١٠) ، بو١١ مكت رشيديه كولته) .

لا مساعلي الشامية كتاب الصلايل باب الحجمة عطال هي بية أحر ظهر بعد مثلاة الحدمة. من
 الديمة : بهايم سجيد كراجي.

وكدا في منامة النفالق على البحر أمرائق كتاب العبلاقد باب صلاة الحسمة، من ١٩٥٠م ع ٢٠٥٠ه. وشهدية كوفقه

دَيْرِ هِ بِزَارِكِي آبادِي والے كا دَن مِيْنِ فِما يَرِجِعِهِ كَا تَكُم

€0 €

میو فر مارخے جین علما و دین در نیدام مثلہ کہ جس قر بیدے دورج و بٹی کو نکسہ ہوں : آ باد کیا ڈیڑھ ہزا و، متعدد و دکا ٹیس کیٹر اور چین ، حرصت سائیل، حرصت ریز جو سوڈا ہرف و فیرو، تھست جانی و ڈاکٹری ، چیند مؤکس قربیر حذاہ تک ، حوثر برا تا ہے تھے تھیس ہیڑ کوارٹوئک ہمد وقت برائے سنر فاسٹ امیل تھسیل ہیڈ کوارٹر، مرکاری مردا نہ ہیٹال، جانوروں کا شفا فان ، ڈاک خان ، پرائمری سکول، یونمی کوٹسل ہیڈ کوارٹر، وفتر تھی۔ زرا ہے ، پیکل و غیرہ کا انتظام امیل جگہ جدجائز ہے نہیں - جواب سے طعع فریا کیں-

¢ં∲

شاق کن شریب و تقع فوص فی القصیات والقری الکیبرة النی طبیعا اسو فی (الی ان قال) و فیعه فرکز ما اشارة الی امه لا تبعوز فی الصغیرة النی لیس فیها فاص ^{- (۱)}-اس مهارت سے بیسطوم بود کرمندانحفیہ بزید گافال پی جدیون ہے جوش قعید کے بوادرائی پس بازارود کا ٹیں بول ادرجوں نے آر یہ بھی جمرح نیس ہوتا ہے -صورت مسئول بھی جس قریکا ذکر ہے جس کی آ بادی ڈیز و بڑار ہے - بھا برقر بیستیرہ ہے بہال بعد جا کڑئیل بہال کے لؤگ نماز ظربی جماعت اداکر کی آ^{داع ک} فقط والڈ توان آغم

شهرے سات آنھ میل دورکی آبادی میں جعہ کا تھم

€∪∌

کیا فربائے میں مورون در ی سنگر کہ آیک ہیں ہات جو دور پاؤل کے درمیان دائع ہے۔ منتقر آبادی ہے۔ دود وچ رہا مگر ایک دوسرے سے فاصلے پر آباد ہیں۔ کو لیا کا دُل کئی نے شہر تیں ہے۔ زو کی شہر جہال پر جمعہ ہوتا ہے اس فاکورہ آبادی سے سامت آگھ میل دور ہے۔ اس آبادی میں سرف جار دوکا تیں بہت

(دالمحدار: (كتاب الصلاة باب الجمعة ما ص ۱۹۳۸ ج ۲: مكتمه ايج ايم معيد كراچي)
 (ومن لا نجب عليهم الجمعة من اهل القرائ والبوادي بهم إن يصلو، الظهر بجماعة يوم الجمعة باذن
 و قامة الهندية المات السادس عشر في صلاة العسمة من ۱۹۶۸ ج ۱.

ای محداد جم کی مجی موجود ہیں۔ سام تم کی اشیا دل جاتی ہیں محر پر دی خرد ریاست زندگی میں فیص آئیں۔ البت ایک پر انفری سکول بھی ہے ، بس از در ریلوے اشکنتی دیوست آخس اقعان جات ہے ۔ الیک جگہ بر ابھرادھر سے اگر کی کھ لوگ جمع بھرکر جمد وقید میں اداکر میں قر عندالا مثاف جائز ہے ہوئیں۔ کیونک بوزھے یا کمزود آدی شہر بھی کہیں آئی۔ مجھتے - جوافوجردا

€€\$

صورت مشول مي جيء يهات كا قررب يرقريه غيره سبه- يهال احتاف كزوك جدوع ين جائز نيم- جهاز جدت كيشرتسد باقريكير، بوناخرورك بالسساغي الشاحية نقع غوضا في القصيات و المقرى الكهورة الذي فيها اسواق والمي فوله بوطيه، ذكونا الشاوة الي انه لا تجوز في العدورة في العدودة في

ازهانی سوگھرانوں برشتل کاؤں میں جمد کاتھم

€∪}

د) ردائسحتار: (کتاب الصلاة بات الجمعة: ص ۱۳۸ - ح ۲: مكت البج ابم سفيد كراجي)
 وكدا في البحر الرائل: (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعة: ص ۱۹۹ م ج ۲: مكت رضيفية كولته)
 وكذا في بدالع الصنائع: (كتاب الصلاف فعل في بيان شرائط الجمعة: ص ۱۹۸۱ م ج ١: مكرة رضيفية كولته)
 رشيفية كولته)

مام ن الما

تنفسه فسوحها في الفصيات والفرى المكسرة التي فيها السواقية الى الدخال و فيها فاكوما المساوية الى الله لا تجود في الصعيرة الأنسال من بت منديستوم الدائدة في الاستأوان الدائدة الدائمة الموادة الدائمة المعاد المدائم القب كراوادي على إذا رودي كان إذا رودي كان الرائمة المؤلف المؤلف الموادة والمعادمة المستادة والمعادمة المستاد على الرائمة والماهات المرائم في الموادة الرائمين أن الميان الرائمين المرائمة الموادية المرائمة المرائمة

يجيس افراد ريشتن آ_{با} دي وا<u>ل</u>هُ أوان مين جن ناتعهم

و کل که

أيافها الخرق بالماء يوالن صالباتكرك

(1) بھیائی میں بارد تھ ہیں اور سے لئے جی دروش آبار انجیں افراد پر گئٹس جی افراد کا دیا ہے گئے۔ بین ایک ایک کئی میں نماز میں جائے والنگی ہو جہ میں الاجا سے باست سے وجا اسٹیڈ کر انداز بعد ہو گئی۔ جانب آبار جدادا مولکا اور کن کر آباد ہو وہ دوگیں جائی جائے ۔ انترائی ہی احج الآباد کی مجارات کو کہ انداز کے میں کو کی مواد ہے گئی کہ ان ۔

ر (۱۰) جناز و سے بھو ہاتھ کھا کہ اوالا کہ جائے واکٹل پاکھنٹی جانب ساز فراہ ہے۔

١ ۾ روالسجام ڪاب تصافاق بات مجمعية، عن ٢٥ ا م ج ١٠ ماقيم ايو سجه ڪا جي)

هم و منز الانتخب عليهم الجمادة من أهل القران و أبراء في منها أن يمثق الظهر الجماعة موم الجمعة 14 ن - واقامة طهيدوة الناب المهادس النشر في صباع الجماعة من 15 م 17 -

و كاف والي ويحراف التي وكان ب الصلاف بال عاداه المعاملة على برواف الرواق حرف مكتبه و شام اله الرواقية

وكندا في الماليم المصافح أو قنات تصافحا فصل في سار غرافيا العامدة (ص. 1999) ع. الحكمة وشيعة كونتان

∲ن4

(۱) خرب بنترکا عمّام کتب فترت یک طبّوت بدی که بعدادایون اور جب به رخ کے لیے معمدادایون اور جب به رخ کے لیے معمد شرخ سبت اور معمد بندی کے لیے معمد شرخ سبت اور معمد کتابی الله اور تعمد اور الله الله تعمد فردندا الله الله تعمد فردندا و الله کا الله الله تعمد فردندا الله الله تعمد فردندا الله تعمد

جل فلاسر بیائے کہ چھوٹ قریدیں جو بھی ہوت مواں تیں جس کا ٹال کا ڈکر ہے ہی گی آ ، دی بھیس افراد پاشتمان ہے قرید کیر وقیس بیال جو پڑھنا جائز گیل- میاں لوگ نماز ظهر باشاعت ادا کریں جو پڑھے سے لگری کرز رقدانیس ہوئی (۱۲) نے دارز تبالی اعلم

(٣) - شرز مند و توده مالعمیت ہے اس کے بعد کوئی اوروی مائٹر و معتول ٹیس وقتیاں نیزان کوئر واور وہ سے محما ہے الا بتھیں جاسد معاد صلوفہ البجناوفہ قامی (٣٥ پر الاین قاری مرب شرع مخلوفہ قرم کے تیں والا بدعو فلمست بعد صلوفہ البجناؤہ لانہ بت الزیادہ فی صلوفہ البحناؤہ (٩٠ س کے علاوہ اور کی بہت کی روایات تیں ڈن سے وہ بعد البرز وکوئمٹون قرار ویا محیا ہے افتادہ مذہباتی اطم

و فالسختار: ﴿ كَتَالَ الصِيوةِ بَالَ الْجِمْعَةِ، مِن ١٣٨ مَجَ ٢: سكت ابح أيم سمد كرانجي)

 ٢) كسما في رئالمحارات امع فرضا في المستات والفرى الكبيرة التي فيها اسواق. . . وقيما ذكر ما فشارة التي شام الاستحواد في المستمرة التي يس فيها قاض و اسر و حقف كما في المضمرات والعامرات. الرياضاء الملكم اعد للكواهم القمل ما حماة الاقرار إلى في الحوافر له هذار أبي فرى از مهم ادار المظهرات (كتاب فصلاف ما الحمدة عن ١٦٨٥ ج ٢) مكتم مج لياسميد، كراجي)

وكنة هي المنجم الرائق: (كتاب الصلاة باب صلاة الجمعة، في ١٩٥٨، ١٩٥٩، ح ٣: بكت وشهفه كولك)

و کشتاهی بندهم النصاباتی: (کتاب فصلاة، فصل فی بیان دراهما انجیسه، ص ۲۵۱، ج ۱۰ رکتبه راتبتایه کولته

- الاعتماري مؤارية على عاصل الهدية: (كتاب الصلاقة الحاص والمشرون في المجائز وفيه الشهيد.
 الإعام الاعام الانتظار أولى الغراء من مهام جاز مكتبر رشادية كويما.
- عارضانه السعمانين شرح مشكاة المصابح (كتاب العدائر ، باب السعى بالجنارة والصلاة طبها.
 القصل الثلاث حارث مبر (١٩٥٥ م ٥) و (١٠ ج): مكتبه دارالكب العلمية بروت).

ار كندا مني اصلاحية المداوى: (أكدب الصنوق الدهيل البدامس والعشرون) ادا اجتمعت فليدائر المن 1990: ج 11 مرضيديه كوتفه)

اُس آباوی کے اوصاف کہ جس میں جعد جائز ہے ﴿ م ﴾

کیا فرمائے ہیں علامہ ہیں ور یں مسئل کیستی ہیں جمد عندالا طناف جانز ہے پائیس اور اگر جائز ہے تو کیا آ و دک کی مقدار کوئی معین ہے، پائیس کیا ایس جگہ ش جہاں پہلے جموثیس ہو؟ اب جمد شروع کر؟ جائز ہے یا تھیں۔ حوالہ جات کے ساتھ سٹلر کی وضاحت فرماویں۔ جڑا تو جروا۔

€⊙}

خصب حتى جورك برده على يرب كريم في شهر هم دايم به 19 با دانسيدا دوقر با كار و الحرب المراج المراج با المراج و المراج المراج با المراج و المراج با المراج و المراج و دارا بالله بالمراج و المراج و دارا بالله بالمراج و ب

جس قریةِ صغیرہ میں جمعہ شروع کیا گیاعکم ہونے پر کیا جمعہ بند کر دیا جائے۔ ﴿ س ﴾

کیافر، نے وی علاوہ بن دریں مسائل ک

۔ (۱) مجھ کے جواز کے لیے جاتر یہ کی ہونا شرط ہے اس کی تعریف آن کل کے فوف کے مطابق توج فرط این کد کس متحی شیداد میں بھر میں کے تیس ہے۔

١) و دانسختار. (انتاب الصلاة باب الجمعة، ص ١٣٧ - ح ٢: مكب ايج ابم معيد ، كراجي)

٣) روالمحتار (كتاب المبلاة باب الجمعة: در ١٣٨ مج ٢: مكتب ابج ابد معيد كراجي).

وكفا هي المحرائزالق: (كتاب الصلاة ميات الصلاة الجمعة من ٢٤٨، ج٢. مكتب وشهديه كوكار. وكفاة في مدائع البعينانغ. (كتاب العبلاة، فصل في بيان شرائط الجمعة: هر ٢٥٩ م ح ١٠ مكت. وشهديه كولته)

(*) کواکرکس قریر مثیرہ ٹیل ہوکائی مدت سے ج حوجاتا۔ جاکیا ان گواب عم کرنا جا۔ ہے اورو ہالیا تہ جوز جاہیج شرعا کی تھم ہے۔

(۲) یوکیکٹی دارے جمعد کی ٹرز کے ہے آ نا شرو رق ہے۔ بڑا آؤ جروا

₩5₩

(1) عرفا چاس قریکیره بهائی جائے گئیستی بوش میں بازاد دوکا کیں دفیرہ بور) درخرد دیات مرد مان دبال آق به ال د انتشار معرب اور ادو دہاری درست سے شرک ٹی ٹی ہے - نسقیع خوصا فی القصیات والدفوی الکیبر فالنبی فیصا اسبواق والی ان فیال) و حسما ذکون اشاو فالی اند لا محوز فی الصعیرة التی فیس فیھا فیض و منبر و خطیب – الح⁽¹⁾۔

(۲) - جمراً گاؤل شربیجال کے بھرتا ہوئے کے تندائینیہ جمد درست گیل اس بیل کی خیاں ہے جی جمعت پر حمالیا ہے۔ ال کو کرک کرنا ہے ہے۔ کہا ہوں میں مکھ ہے کہا کی جہد جمد پر ھند ہے کہا دگا ہوئے ہیں۔ استعملی و جہدا فرکون اشار قائلی اما لا جموز والی الجمعدہ فی الصغیر فاللی نیس فیھا قاض و منسر و حطیب کہنا فی السخت رات والشاهر الدارید مدانکو الله لکر بھۃ النعل مالجماعة الاتری ان فی انجواعر او صفرا فی القری الرجیم اداء الطهر (۱۰)

(۳۳) - جب رہ دیافان والوں پر فرطی تھیں ہے تو ان دیمیدادا آمرے کے بیچے عمر ہیں جاتا شروری انسین (سمار فقد دائد تعانی علم

.

١) روالمحتار: (كتاب العبلاة) باب الجمعة ، في ١٦٨ ، ح ٢٤ مكتب ابج الم معيد ، كراجي)

() والسحار (كتاب الصلاف الحدمة من ۱۵۵ م ۲۲ مكت الهج بهر صعب كراچي)
 () وكت اللي الحرائز الق (كتاب الصلاف بالمدالطة الحدمة من ۱۹۹۸ ۱۹۹۸ م ۲۲ مكت وشيديد
 كولته إلى ركت اللي دائلج الصالح (كتاب الصلاة فصل في بيان شرائط الجدمة من ۱۹۹۱ ج۱.
 مكت رشيديا كوك)

٣) كستا في البحر الرائل، وأما اللم ي عن أراد الصلاة فيها مير صحيحة على المدهب، وإن أراد تكلمهم ودها في المستخدمة على المدهبة وكتاب الصلاة الماء الحصفة عن ١٩٥٨ مع ٢٠ مكت المستخدمة كولت إلى المحتفدة وكتاب الصلاة الماء المحتفدة عقلب في شروط وحوب المحتفدة عن مدائل عن المحتفدة على مرائل المحتفدة على المحتفدة على المحتفدة على مرائل المحتفدة على مرائل المحتفدة على المحتفدة على

اشْ مربع اراض . • • ٥ و نفوس كي آبادي ميس جعه كاظم

45%

کیا فروٹ تیں علاودین دریں مشد کہ ایک بیٹ مھر بھی راضی رمضتل رہے موجودہ مراہ جماری کے سلب یہ آبادی ۴۵۰۰ نفول کی ہے۔ جند گھر غیر مسلموں فرمیسانیوں کئے ہیں۔ جیموٹی بری آٹھ دوکا ٹیل ير جون كي بين مسموت ورپيرائش كي واقت خروريات كي اشا بسم بوجوني بين- آلے كي جَلِي موجودت الله عَن كُلِّي كَالِهِوت عِيدُ لِهِ عِن أَكِي سُلُهِ اللَّهِ عَلَيْهِ عِنْ مِن عِلْ مِن عِلْ مِن عَلَيْ المتقاو وود ابورندی خیال کے جن-ایک مولوی کے "من سے حیار سال پہلے جمدتی نی زیندی کروی معاقبہ کے بعض علاء ئے جھڈٹی نماز کے سرم جواز کا فتو کیا دیا۔ خالتھا و راہ پیملع میانوال ہے۔ جاد ونشین سویا ناخان محمد معاجب نے اس عدم جواز جمعه كالرش افريايل محرم عفرت مولانا فامتل بيديدل حافطالحد يريث مولانا عبد الكرميا حب ورخوامتي جب البيشن كندنان هيروطتي تشريف لات تقاقر جدك جازئ تحريق ننوني وب من اوقره إيوري جعد كنازز ا ب بے جورہ کزیت اور ایسان علی انتخام مو بانا مفتی میر کی صاحب کراچی والے لئے جواب ویاہے کہ جور جا کز ہے معنوم دے بھوکی تمار جارسال من جاری ہے ، باہر سے آدی آتا ہے جمد کی تمار پڑھ میا تا ہے۔ بعض بھد ع معتے بیں، جعش ال اُلفر ہے ہے کہ رہ آ رہے اورا اناف کے نواد لک قریدی بھوٹیں ہوسکا اناز تیں ہا ہجتے ۔ اً جا كيا كه وجه سيح و في المرسمة في طور يرمند في مجر في تعلى دينة الراء م جدى نمازيز هاو ب توجعه نديز جية والسلفالية المام سنة يجيمهم إتى تمازي تبين يزيين - بكساما هند كافرز كرولة البارك بكسفارشوع كروسية بي اورای حریہ اگر ایام جھ کی خواز نے جو حالے آر بھوج ھے والے جھی فرادوا ہے باس کے بیچھے بی خوازی بھیں يزهنجة ميانكي بتناعت كي موده وكي بين اللّه عن يزهينة بين اورسمجه مور مال به يدير إواليه- ميك ين نهرو ز جَيْرُ عِنْ وَمِنْ وَأَلْ بِحِي موجود ب تيف ب شريعي لمنى كي مؤك كالاصلاة كال ب اب وال يديه كداً يا ے رکی کروہ بھو آزا و باطابے ما جاری مکھا جائے؟ اب اسک جوائٹ (انڈیورہ) کے جو نے بھوسے جمعہ جائز ہے یا

انوت - اعید میں بھائی ماں سے وک اس بھٹ شراع ہے جاتا دہے ہیں۔ آئے کی مشین کے معادہ دو کر اس میں - کیل سے کی دوکان ہے۔ رف انبزی - م کئی ہیں۔ کی کے برقن ما کر یا ہو تف جا کر یہاں کے کہار پیچا تیں۔

٦

بدار جعدے، جوب وعدم وجوب کا قریبا کا بر انجوز مونا فتها مائے عمل ہے اور قریبائے ووو ہے جوشل تھاریہ کے بیارہ کہا ہی اس کی تجی جو رہز ارسو- اور باز ارسوا وطرور یات فرند کی کی انٹیار بھر جول وہاں جمدو تؤرے (1) -

موری مسولہ میں جس بہت اور کرے جس شی معترت مولانہ خان کید صاحب وظلا نے بعد کے عام جازار دھنے ہے موں اور خوائی ساجب و نکسے جوائز کا تو کا جائیا گیتا ہے ہے کہ کی معتوطیہ کئی و عدار عالم کو چک بڑی لے جا کیں اور دوائی چک کے جائے والیات وخوا میات کا جائز دونے کرتھ مُرقی صاور تر ماہ بہا اور چک اور شرقی تھم تھیم کرت ہوئے اتفاقی واتھا ہے کہ ماتھ ایک ہی امام نے چیجے تماز باہم احت اواکر ہی (ماک)۔ خطاہ اللہ تمالی علم

الظام عدم جو الأكار فحالات ہے۔ و افوانسانی

سوافراد برمشتل ونهار كالوفى مين جمعه كانتم

ى ئۇنىڭ ئىد

ئيافريات جي بلا دوين دريم عفاك فباركا وفي جو كتب كإنفوه المتقريبا تمويمل كفا صليم ب-

١) كستا في إلا المحتار على تشجمة عن ابن حقيقات بلدة كثيرة فيها مكك واسواي ولهار سائق وفيها وإن مقادر على انصاف المثلل بالرابطات محشت وحديد الوقاع عبره برجع الناس فيه فردا يقع من المحتودي وهذا هم الإصلاح وكشات المصافرة دب الحقيقة. هن ١٩٢٧ مح ١٤ مكتبه ابج لير سيده كراجي)

ر کدا فر البحد الرائزی: رکتاب المبارق بات الحدد الدس ۱۳۵۸ ح. ۲۰ مکتبه رشیده کوهم. رکتهٔ می مدانع المصنانع: و کتاب الصلاف نسل می بان شراطط البسماء می ۲۵۹ ح.۹. مگاره رشیدیه الوقته

 إلى الحسائق ودالمحدور: وقد علم من منا أن مدهب العامي عنوى معتبه من تعييد المذهب، وأنهذا قال في الفتح والمحكم في حور الدمن عنوى معتبه المع وكدات العموم ، وأدار ما غمله العموم وما الاجتماعة عن ١٩٠٤م حـ ٢٠ مكتبه بنج بهم محيد كراجي)

او كينا مي السعر الرائلي: "وكتاب الصومة فصل في اللجائز من العراق مع ١٣ قاء ح٣ مكتمه رضيعية كوكته) ... وكتابة في مدينية أحسد (ووقع المعديث ١٣٤٤٣ في ١٤٤١ مع ١٤٤٥ ح) عال العالم الميانية المرامي) محواله عدول محمودية من ١٩٤٤ م. (٩) اور جس کی آبادی تقریباً موافراد پر شمتی ہے کیا ایک کا موتی میں مماز جمد پڑسنا جانز ہے وہمیں۔ تیز نماز جمد پڑھند سے بیناں کے لائم سے نماز ظهر ساتھ ہوجاتی ہے وہمی ما آمامی کا لوٹی میں نماز جمد جائز نیمی قوائی کا لوٹی میں جو کر موجہ جادرال سے قماز بعد جاری ہے جمد جادی رکھاجا نے بایند کر اور نامور کی ہے واقعی رہے کہ نہاد کا لوٹی کی آبادی مستقل قبیل بلکہ مختمہ انجاز کے طاق میں پر مشتل ہے۔ اور شرکیا کھوہ کی شرور یاست اس سے متعلق شیمیں جب جالے چیمی صورت افتیار کر فی شروری ہو تجربی فیا کھی

ද්වල

- ١٩ الهداية: وأكناب العبالاة يام، صلوعة العمعة، ص ١٥٠ ح ١٠ ماكته يلو يستان مك قبوء كوك).
- (3) شرع الوسايد: وكتاب الصلاة ، باب الحمدة عن 1774 ع ١. مكتبه محمد صفيت ابد سفر وقو أن
 منطل كراجي).
 - ٣) الدرامع وفالمنحدّر: (كتاب الصلاة، باب الحمقة، ص ١٣٧، ج٣. ابج أبم معهد كراجي)
 -) و والمحتار (كتاب الصاوة، باب الجمعة: ص ١٣٨، ح٣: ابج اب معبد كراجي).

وكما في البحرائراتق. وكناب الصنوة، باب الحمقة أص ٢٥٨، ح٢٠ مكت وشيديه كوتك).

- و كدا فتي بدائع النصالع: وكتاب البيثوة ، فعل في بيان شرائط الجدمة ، من ١٩٩٩ ج ٢٠ مكتبه وشيديه كونته)
- ه) الكسياهي الدوالسيختار : (كتاب للميلاة، باب الجمعة : من ١٩٧٧ ج1. مكتبه بتر يستان مث ثير الكولة)
- ر عمل الوقايد (كتاب الصلاة بالهلاف المجمعة على ١٩٠٠ ع.): مكند بلو وصنان لك فيو كواته) - وكدا في شرح الوقالد (كناب العبلية ، عاب المجمعة من ١٣٠١ مج. (منكب منصد معيدا بالأستر - قرآن محر كراجي)

مشركي تربيب عن شمّان به - يكن يفاجرد راوف به به الرفاج شياد رقب بوادر بارى اللي فياده بوادر باره بوادر بالدورة بالدور

نيز بيم سنُدَّرَدِش بعد پڙڪ سنڌ اَنظران لاڳول سے ما تفايش بوٽي - ان في الليو اهو الو صلوا هي انفوي از مهم الاء النظير ^(۱)-

پس صورت مسولہ تین جس انباز کا وٹی کا ذکر ہے اورائن کے پچھوالت بھی دریئا ہیں کہ کچا کوہ سے آخر بیا تحقالیں کے فاصلہ پر ہے اورائن کی آباد کی آخر بیا ۱۹۰۰ مقراد پر مثمل ہے اور شیر کی ضرور بات کا ایل سے پچھ

 ⁽⁾ روافسختان (كتاب السلائد بات تحديده ص ١٣٧٠ - ١٣٧٠ مكد وهيديه كوفائح وكسيد فيسين البحر مراشق (كتاب الفصلوة) باب الحديد ، ص ١٩٥٨ - ١٢٥ مكتد و تبديه كوند) وكدا بي بدائم الفسائح (كتاب الفسلاة) هما إلى بال ترافظ المبدعة ، ص ١٩٥٩ - ١٠ مكتد و شهديه كوفته)

السوامع وفالحمام (كتاب الصلاف بالما فحملة عن ١٣٩٠١٢٥ م ع ١٤ مكته بهج إلم مهيد كراجي)

٣) و دالمحدار (كتاب انصلاف داب الجمعة من ١٩٧٨ - ج ٢: مكت الج مع معيد كراچي)
 و كشا في المحرطران (كتاب الصلاف باب صلاف الحصمة من ١٩١٨ - ج٣: مكت و شهيد كولدم
 و كشا في بسائح المحسدادج (كداب الصلاف ممن في بيان شرائط الحممة. هن ١٩٥٩ - ج١: مكتبه و دمكته

ق) و السحور: (كانب الصغارة رابات الحمدة، عن ۱۹۶۸ مج ۲. مكند و تبديه كوتله إركما في الهنديد.
 (كانب الديالاه الديادي عامر في حيلاة الجمعة، عن ۱۹۶۰ مجري سكنه و تبديه كوكه)

تعلق تیس بیدن ریمبرویده در شدند اعرب بلدهٔ ریمبنده بها درای بین نداز بسده بدین جائزهین بلک برمان کے لوگ قاز هر باین عند ۱۹۰۰ بر اور زوگدان قریبه غیرو(قبار) ولی) بین جعد جائز نیس ای بیدان کوجه دل رکناکس طرح بود رست تیس بکه بزدگر به خروری به ۱۱۰ مانده ماند تریل اخم

تین بٹرارکی آبادی والے جیک میں جمعہ کانظم

400

\$ O P

ندھ میں تمانی جدے ہا ہے میں بہت کہ معربی شریعی و بسب ہوتا ہے قرید میں وابسیا کی اور اسا اور تھید ورقر یہ کئے رومی جس میں بازارہ ووی تیں وغیرہ مول تھرے تھم میں ہے وہاں بھی بھدورست ہے (۱۰)۔

١٤ تقدمه يجريجه في خاشية نمار ١١ في صفحه فتكدامه

٣٠ كنت في و دالسختار مع فرضا في القصاحة والقرى الكبرة التي فيها السواق ... وفيما ذكر با شاوة ... التي الله الاستحوار في الصغيرة لـ (كتاب الصلاق باب الحمدة عن ١٣٨) ح ٢) مكته الج ابم معلق كراجي إلى وكتاب الصلاة فعلل في بيان شرافط الحمدة (ص ١٣٩٩) ح ١ ... كراجي إلى شيدة كركته)

وكفاغى البحر الرائق إلاكفات العملاه بالمحملاة الحممة من الروالاه جاء مكانه وشيفيه كواته

ک صب بردان کی۔ صورت مستواری اُ کریے چک فرفی شیر واقد پر اِقریکی و سیجھا جان اواد د ک بھی بازاد دوو کائیں سوں اورف در بات زندگی سے کمنی بوزر تواس میں جسکتی ہے ^(۱) بھا یا بھہ جانز ہے و بال احتیاط العلم نہیں چاہت جا ہے ⁽⁹⁾ جران قرز حصر کی شرائط ہائی جا کیں وہاں اواس کے طاود کم از کم تھن آ دمیوں کا نماز ٹال شرکے۔ ونا شرور کی ہے ⁽⁹⁾ (سرکانٹی نے جانس کا قرار کیا اس سیجھ تھے تھا دائدتھ ان اہم

شہرے ساز ھے تین میل دوراکی براری آیک آبادی والی ستی میں جمعہ کا کلم

4 U 4

کیا فرہائے چیں دورہ میں مفتیان ٹرن میں ان منتدش کرا کیا ہتی جس کی آباد کی آفر جا ایک ڈالٹون پاکٹنٹل ہے اور اپنے صاف چیں مرکزی دیڑیت رکھتی ہے ٹیر ہے ساز سے ٹین کمل دورے تا استی جی آبک ہی پاکٹ میں سے ہے جس بھی بنچ کر آن جیدا دور کیرو نی تعلیم حاصل کرتے چیں ماؤڈ بیٹیر کے اور اوران اور باتی وقت ہاتھا میں اور اور کی ہے جس تیں ٹی بہر افری سکوں ہے واقعیٰ دوکا کی مستقل چیں چاکھ دوباؤرکا اور و والی باتی میں موالٹر کے جس کے ماز بر سامت اور کرد ہو کرد ہے اورکا کی اور کی تا دورہ و باتی کی است

*飞声

سوانی بین چس ایستی کا ذکر ہے کہ اس کی آباہ فی تقریباً نیس بڑا رہے اور بھال وہ قبی وہ کا ٹیں ایک مہم اور او تقری شرک ہے بیقر بے مغیرہ ہے اس بین قرار جدوجیدین جائز گھیں۔ فحال فسی الشسامید و حسب او کونا

١) الدود فريجه في صفحة متقدمه

كسب في حياشية المفتحدها، وي: ولنس الإحياط في فعلها، لأن الاحتياط هو الحمل التوكه الداولين
و أشراطهما إطلاق حوار الهادر الجميعة ونقعل الأرابع معسقة اعتقاد الجهية عداء فراض الحصيعة أوقعده
السيفروض من وقفها، ولا يعني بالأرابع إلا لشجواض ويكون فعلهم إياها في منازلهم ما (كناب
الميلاق راب الجمعة من الداركيمي كنب حاله كراجي).

۲۶ کے بعض الدر السختار : (و) فیبلام : (طبعہ عق) والعایم اللائد رحال ۱۰۰ (حدی الإمام) (کتاب العمالات با با با بالعمالات می دورہ بے ۲۰ مکتبہ ایج ایم سعید کر بھی) دو کیا فی الهدایات (کتاب العمالات بات اصلام اللہ اللہ العمالات بات العمالات میں المحدد می ۱۹۵۰ می شرح الوفایات (کتاب شمیلات بات فیمید می ۱۹۵۰ می ۱۹۵۳ می ۱۰ مکتبه محمد سفید ایک سوار آن محل کراچی)

شارِ قالى اله لا تجوز في الصغيرة (1) - تشرونلا تحالي الم

خطبۂ جمعہ وعیدین عربی میں پڑھنے کے ساتھ ساتھ اود دمیں ترجہ کرنے کا تھم مذہب کا

کیا فرائے میں علمانہ میں در ہی سند کہ تعلیہ جمد دعید آن میں اگر خطیب عربی تطلیقوز اتھوڑ ہا ھرکڑ جسار دویا بندی میں کرے تا کیمر نیا ہے تا آث متحدیوں وساکر او بعضون کھا آب کیرے آبیا ہی جا کرے والیاس - شاواق جروا

\$ & \$\disp\$

ظیار تمام مربی بی بدہ ماست ہے اور کی شاہر میں ایر میرا دووہ فیروش فرانسائر فی اردوش بیشریق وحد ظلیہ کے اعد کی بیا خالف سند ہے اور ہوت ہے سکت سے ایا ہوا ہے بیٹی معلوم شاہ کی اللہ صاحب فدس سربائے مسئی شرع موطا میں تکھا ہے کہ میں ہوجود یک بلادھم میں قشریف کے بیچے قرط بسوائے مربی کے اور کمی ذبان میں انتظامین کے مجانے کے لیے تیس پر حال ایس میں کا عمل مستمرہ کیل سنداس کی کرانسام فطیر مربی شریع دولیاں میں انتظامین کے مجانے کے لیے تیس پر حال ایس میں کا عمل مستمرہ کیل سنداس کی کرانسام فطیر مربی

ام المستحارا (كتاب الصلاة) باب الجمعة من ١٩٣٨م ح؟) دكته الجالم وسعيد كراجي) وكفائق اليم الرائق: (كتاب الصلاة باب الجمعة من ٢٥ ٢ ح٢، مكب رائبادية كولته) وكاده الي بنائم المستالع: (كتاب الصلاة: قصل في مان شرائط الجمعة، ص ٢٥٩، ح٢، مكت

۷) مصفی شرح موطه: یمون خطف آن معترت صلی الله علیه وسلم و حقاه وهلم جواملا حقه کردیم آنستیم آن و سود چند چیز است: حدد و شهادتین در رسترهٔ بر آمدمرت حلی الله علیه وسلمه و امر پششری، و تناوت قبر آن پیانه و دعائے مسلمان و مسلمان، و عربی بودن خطفه و حربی بودن بر سجهت عندین مستمیم ه مسلمان در مشارق و مقارب بهوجود فالک در مساور دار آقایم مخاطبان عندیسی بودند. وساب البشدید علی من ترک طحیعة من خبر مقدر من ۱۹۵ تکتب خاند رسیمیه منهری مسجد دهنی محوله فتاری محمودیه من ۱۹۷ م.).

و كندا في بقال المستهود: قال الطبي مكروه إدائم بكي أمراً بالمعروف وكتاب المبلاة ، باب الإمام يكتب الرجل الحياص (١٩٤٥ - ٣: سكت امداديه ملتان)، وأكتا في الدراف ختار، (كانا ما العبلاة ، باب الجمعة: من (١٩٤٠ - ٣٠ مكت ابع الم سفيد كراجي إلى الوكتا في سناتع العبائع: (كتاب المبلاة محفورات المصيفة من ١٩١٧ه - ٢ مكته رشيدية كونته)

٣٠ كنيا في فتاوي، دار لعبوم ديويند. وكنات الصلوة، بات الحميمة من ٢٧٥ - ١٠: دار الاشاعث كراجي.)

جس بہتی کی طرف جانے کوشیر کی جانب جانا متھا جا تا ہواں میں جمعہ کا حکم

﴿ نَ ﴾

موضع کون کل تعمل کید ووالاطلع مانان بیل جوری فرز آن اجازت سے یائیس جس سک واقت سے بات اس میں کی سکون، دیلی در سکان بنگ اور گئر بیابراتم کی گئی دوکا نیس جی اور اس کی طرف جائے سے اگر او بھا جائے تو مجاتا ہے کہ شرعار باجول و فیر وافیر و

40.9

اگر وضع قریم بیروی صدی آت ہے اور دیکا تی اور آزادان میں تیں۔ لیخی شریت بیان پائی ہائی ہے ۔ وض میں جمد براسنا تھے ہے (۱) منظاوات آن آن الم-

شہرے دومیل کے فاصلہ پرؤیز صولی آبادی پرشتنا انہتی میں جمعہ کا تھم

ية ل كا

کی فریائے میں طامہ بن در یں اسٹوک انگریستی میں جہال خود ریاست نام کی محل طور پر مسرکت اور ام مستق وجود (بزے مشہود شروعود) سے دومکل کے فاصلے پر سے اور و بال ایسی تک جسٹ کی نماز کیس بھو کی کیا اپنے مشام پر عیو کی فرو جا کڑے پر ٹیل اورو اس پر کوئی فاص شہری صورت میں تبکی کیس بلک ایک فروعود آبادی کی متی ہے۔ وہوا تو جروا

﴿نَحُهُ

جھاور عیدین کے وجوب اور اوا مے کیے مصرع قریدگیر ہونا شرط ب^(۱) صورت مستولدش جس مجھی کا

۱) کسساطی و دانسمه تاره تقع فرضاغی اقتصیات والقری الکبیرة التی فیها اسوای الغ (کتاب انصلاف باب الجمعه، عن ۱۳۸۰ م ۲: اینچ ایم سعید کراچی)،

. وكفاعي المحرالوائق: (كتاب الصلاف باب العسمة ، من 43 ٪ - ج٪: مكب رشيديه كوك). وكذا في مدائع المهيناكع: (كتاب الصلاة ، فعيل في بيان شرائط المعمدة ، من 43٪ ج١) : مكب وشياعية كالله)...

 ٢٠ - كلماض و دالسعنان: تقع قرضائي القصيات والقرى الكيم ة التي فيها اسواق: (كتاب الساخف باب المعمدة: عن ٢٣٤٥ ج ٦: مكتبه ابج ابم سعيد كواجي إس

وكف في طبعر الرائق: (كتاب الصلاف باب الجمعة من ٢٠١٨ م؟) مكيه و شهديه كوانه) وكفافي بدائع الصبيائع . وكتاب الصلاة فصل في بيان شرائط الجمعاد هي ١٩٩١ - ٢٠ مقته رشيعه كوك)

وُکرے بیاتی میں میں میں اس بھی کا رہیں ہوں ہوئی ہیں ⁽¹⁸ میں میں اس کا گھروں میں ہوگئیں۔ جمع<u>ہ کے سی</u>ام حاکم کی شرق میڈیست عالم کا

برستگر بدها ، رسمه معتبان عقام ندری مسترک رسان و بوجتان و قاس و حداد واست قاست که یک این رست که بیشتان و قاس و حداد واست قاست که یک این رساختی رساختی رساختی و با بیشتان و با بیشتان و بر با بیشتان و بر بیشتان به بیشتان بیشتان به بیشتان بیشتان به بیشتان بیشتان بیشتان به بیشتان به بیشتان بی

金色す

ار ندمب ما ما دونید این در قرائی هجره زمه جائز تو که و در معراقعب به قرائی به وجو نزاست و موامعتند. این بولی آشیاد نند ^{۱۱} این و بعورت مشول آمره که به دون قلب است کینی احداد هم حاکم واشها مرین قش موان به در مراست ۱۲ که و چوان نزوش ایم روز جهائز ارداد است این در اینجیب حال آن از ایدای وار زنزان دکاند - کروشن نزوسند و بود به مایش تام و کم آنی برستن طرف ندرب به بود ری ادارت قل هم-

والإرائق مستروسه في عيضها متعدمة

⁽۶) الدامن رو سنجدار: وفيها و كرنا الدارة إلى أنه لاتحور في الصعيرات وأنجاب المبلائد بالدام محمدة من برح در يراح من كان محمدة من برح در يراح من برح المحمد المحمد و كان برح يراح من برح المحمد المحمد

تين صدكي آبادي والأستى مين بمعه جاري ريحينا كأحكم

خ کی اہ

کیافرہ کے ٹیمامونہ این اوری سلدکہ بکے تسخیا کہ آبادی کتر ہے تین صدا کی دے برس پر جو گھڑ ہا ع سدھ سال سے شروع کی ہے ہونا دے باس ایک و کم سے فرمایا ہے کہ جھ کی خواز مشیوں کئی ٹیکن ہوتی ہوئی ہوس کے بارے میں فرما کی جبوب پر امام ہم سے مشروع ہے جھ کی خواز انظر دوس یا بدائی رکھی اور جیرے مارے میں کئی فرماہ زیر کہ وال پر مینی مواجع ہائے ہوئیوں

وت

نقی و نے تعران فرمائی ہے کہ آصوات اور فریکیں دیں تماز جوفوش ہے اورا وارد ہوتی ہے اور یہ می تعران فرمائی ہے۔ فرمائی امیار چود کے فریدش دفتاق ما دعقیہ جوٹیش ہوتا۔ بلاچوں کے فرید بھتی بھی وہاں کے دوکے نمار توج باہما میں اور کریں سو ضفع فرطنا ہی دفقصیات والعربی الکیسرہ التی خیصا اسوامی والمی ان قال ہو المسعا فرکو ما اسار فرائی اسا کا تسمیوز ہی الصعیو فرائی لیس جینا فاص و صدر و محصل اللہ موال تیں جم کہتی کا ذکر ہے۔ جم کی آبادی تی صعوفرا ویر مشتمل ہے قرید خیرہ وراس شرق فران میں فراز ہد جائزشن سے بار کے گئے فراز خرب ما عندا واکر ہے ہیں کہا فرائیس المائی العالم الدفائی الم

) ر والسحدار: (كتاب السلاف الدائمية) من ١٣٥٠ - ٢٢ مكتبة (بج البرسيد كرابي) وكذا في للحرائرة في ركدب الصلاف بالمسلاف الحليقات من ١٣٥٥ - ١٤ مكتبة ر هيدية كرف إ وكندا هي مدائع العيماني (كباب الصلاف في مال شرافه الحمدة (من ١٣٥٣ - ١٠ مكتبة راديدية كرفته)

سات سوکی آبادی وانی بستی میں جمعہ قائم کر نے کا حکم

400

العافر ، بنے جین علی دوین اوری مستدالی و موک تھے واقعی جونا جس کی وادی تقریباً سات معد ہے او سجد ہیں جی و معدد قبر مزن بھی ہے اور مرف واقع کے برجوں کی اوالک اپنے اپنے انسان مروق بھی کی اوائی جی موجوں وہار ترکھان امریکی انجام بھی ہے۔ بھی آنا فائم وریاسے جاتی جو باقی جی انسان کے کیا کہ کی کو آئی کی ترقیب اندائی دہے کیا اس بیکہ جعد اوالا نے دکھی دائر اور حاجات کو خواکی ٹر روساسے ماقعا ہم کی و کھیں اور وہار سے کا دودوی ٹیس میٹوائوں ا

ونَ≱

سور ہے مسئر رہیں ہے تی جس کے کو کو انف سوال جی ورٹی قید قریباتی وہیں واقع ہے اور آر ہے تینے وال بہتی کائیں۔ حالیٰ کے غذاب جی ہمو قائم کر نے کی اجازے گئی اور ہمواد انٹین جوگا - لبقہ قریب نیکورو بی قبار جھوا ایک نے سے تمارا کلو دید ہے ما تولای ایک بیار نے وگ نماز ظہر ہارہی میٹ اوائر ہیں -

و تنقيع فيرحنيا هي انفصيات والقرى انكبيرة التي فيها اسرا في والتي قوته) و فيما ذكر تا اشارة التي انبه لا تنجبور في التصغيرة التي ليس فيها قاص و مبير و خطيب والي ان قال) لو صلوا في القرى لزمهم اداء انظهر ¹⁰- انتقاد الذائي في الأم

جمعہ کے فرضوں کے بعد کتنی رکھات سنت مؤ کندہ ہیں۔

e ju

آبیا قروشے ہیں ماہودی کرجھ کے بعد تکی منت کا مواقی انتہا ماندی ہی کوئی انتقاف ہے اپنے محالیکوام بڑی اورمعنوم منجی اغد مار اوغم کا اس کے باروش کیا کسی والے اپنے انتہا آبیدوا

 ۱۹ رواستها داری و کند ب العبالاه را با اب استخدار می ۱۹۵۸ و ۲۰ مکتبه اینچ بهم سعید کره چون ... و کفته هی الهداید و کتاب الصلاف شاب السادس هشر ای اساله الحدیدة اس ۱۹۵۸ و ۱۸ مکتبه ... رشید به کونه ...
 رشید به کونه)

وكد من بيحرالرائق أركنات تصلاف بالماصلاة الحممة أص ١٤٤٠ و٢٤ مكتبه وخبيبه كوتته)

۾ڻو

فقها دخير بعد كه بعد ي رحمه الأكره ألك ين اورجش، ويت من او راها كان في بدا بعد الم الشيطير بتك يورافت إلان وردوال غرم إلا مين حواسين قبل النظهر والمسجمة والعلما الربع المسلمة (20 و في المرافعية و 10 و من موكما الربع قبل الطهر والا بعاقبل الحمدة والربع المحدها يسلمين و ذكر في الاصل والربع قبل الجمعة والربع بعدها اللح و ذكر الصحاوي عن التي يوسف الماقال يصفي لعدما سنا الح ويبشي الربعانية وكعين (20)

مختصیل مع سرفاری نصه ندل مئول ، سول مبیتنال د فیمر وجس بستی میں ہو اس میں جمعہ کاعظم

وأناه

کيو فرائٽ نئي علام پڻ کل ان مسرش کرايک ايسے مقام ۾ جمال ۾ درن اول شراع پائٽ بات تين- جمد کي ماز چري کي چاڪل شاچ اڏهن -

التنظيم من موري المدندل الدل خفاظ دروان من مول مهمتال أشرم بينية الدري الوران والوات يشمل هم الشيارة المراجة المبارع مراضق بين ما الرحوايات التاريق عيار المرافز الواتعي أكيب تشل والان ما يمان المكارند. المعال مقام والتواتو الموقع من مراقبة المدمق من المدارية والواتو مراق والمتقى مدر الرئيس .

يَّةِ الْأَرْمِيْةِ السِيرِّيِّ عَلَى السِيرِيَّ مِنْ السِيرِيِّ مِنْ السِيرِيِّ عَلَيْهِ السِيرِيِّ عَلَيْهِ ا أنه وي

١) عرج الوقيه، ﴿ كَالَمُ النَّمَالُافُ بَاتُ الوَرُوالِوَاسُ ﴿ فِي ١٠٠ ﴿ وَأَنْ مَعْنَهُ رَبُّهُمْ كَوكُ ﴾

٩) كستا في ادار إضحفتار ، كتاب الصلاف باب الواز والمواطئ، معالمات الى المدين ، المواظل، عن ١٠٠ ج. ١٠ البح الما بعيد اكر جي)

آی مقافع الصدائع روکتاب الصدائم معمل می الصائرة استسومان می ۱۹۸۵ م ۱۹ در آنان و شهدید کوشه م
 آو قصافی الهمدید کناب دوسائل اصاب الصدح فی سو این می ۱۹۳۰ م ۱۹ م کار ماکنید شهدید توضع و کندا فی ارسراترای م کار در اما الاف داید از از والو فی می را ۱۹ م ۲۰ مکید و شهدید کوشه از

منمه

موان عمل جمل مقدم كے بارے ميں بي بچائي ہے اور جمل كے يُحمد لات بحق موال عمل ورج في آر مختصل من مركاری محل خدار كول شاہ خانہ جوانات مول بهيتال اور منز كے قريب و بكا قيم موجود ہيں - تو يد شام بنة برقرب كير ومعلوم موتاہے اور قريب كيروش فرائر ہے - لفسع غير صناعى الفصيات والفرى الكيروة التي فيها اصوافي - الح⁴² فقد والفرق في الم

تبلیغ کرنے ، چندہ ائٹھا کرنے کی غرض ہے چھوٹی بہتی میں جمعہ کرانے کا تقلم

به ن≱

إ. ودانسختان : (كتاب الصلاف بات الجمعة عن ١٣٨ ع ج) . دكت أيج إيم سعيد كر اچى إ وكتاب في الهيديد. (كتاب الصلاف الدان السادم عشر في صلوة الجمعية ، عن ١١٤٥ م ح) وشهدية كوتك)

و كدا في المحر الرافق (كتاب الصلاف عاب صلاة الجمعة، من ٢٥٥، ج٢) مكنيه وشيده كوفقه،

ကာပိုက္

جمئ بتى على تماز بحد بالزئيس وبال جوائك نماز جدد وركات اداكر سق بين أوافل ثار بوت في ادا أوافل إبرا عنده واكر تأكر و بينايذا آمر فى كاشاف فى قض سكر و كارتكاب كرنام أزئيس- و هيسمسا لذكر فا الشارة اللي الدالا تجوور (اى الجمعة) في الصغيرة التي ليس فيها فاض و هنبر و عطيب كلما في السمن مدرات و المطاهر الله ارياد به الكراعة لكراجة النفل بالجماعة الاترى ان في المجواهر فو صلوا في القرى لمزمهم اداء العليم (أ) فقط الذراع

جمعه پڑھ کرا متیاط انظیمر پڑھنے کا حکم

40%

کیا قرمائے ہیں ملاء ہیں امقیمان شرع شمین اس مندیش کہ ایک الام مجدے جوکہتا ہے جعد پڑے تھنے کے بعد امتیاط نماز ظہر ہے صفی چاہتے اس کی اضاحت فرما کی اس کا کوئی شریعت شریعت سے اگر ہے تھ کس کا قول ہے ادرامی فوٹی کیا ہے۔ میزوانو جرما-

*2

هيرون وغيره لكن احتياط أعمر لشيخ تبين سيدان سيم كدوبان بعد في سيم الدوقر يرمني وشل بعداد أثير الانا وبال تما زخر بارتها حت يزعم بالبيت ⁴⁷³ و في البيعر فلا النبيت مواوا بعدم صلوتها ذاى الأوجع بنهة وعر من الطهور عوف اعتفاد المجيلة بانها الفوض ⁴⁷³ - أنكادات تمالي الم

- ٤) كما في ردالمحتار، (كتاب فصلاء، باب فجمعة، ص ١٩٦٨ ٣٠ مكتبه ايج ايم سعيد كراجي)
 وكفا في الهمدية: وكتاب صلاف قياب السادس عشر في صلاة الجمعة، ص ١٩٤٥ ١٠ مكتبه رشيدية كولفه). وكتا في المحرافرائن: وكتاب الصلاة، باب الجمعة، ص ١٤٨٠ - ٢٤ مكتبه رشيفية كولفه)
 - ٢) كما تقدم لخريجه في صفحه منقدمه
- عليسر الراقل: وكتاب العبلاق باب صلاة الجمعة، عن ١٤٤٥ ج.١ مكتبه وشهديه كوته)
 وكيفا في الدوالسختار: وكتاب الصلاة باب الجمعة: عن ١٣٧٠ ج٠: مكتبه أبج مم سعد كراجي)
 وكيفا في الهديد: وكتاب الصلاف باب الصلاة الجمعة، عن ١٩٤٥ ج١: مكتبه بلوجستان بك ثبر كولفه)

سوگھر، پانج سونیار فرادی آبادی تین میل کی سانت پرو تی بستی ہیں جمعہ کا تھم

ه ر چَ

کیافر دانے ہیں طالب وین استیان شرع میں ال سندیں کرا کیا ہے۔ اور کا کیا ہے ہوگا ہے۔ اور الکی ہوگا ہے۔ اور الموال افرادی آبادی اس شرع کی موجا در اس کا ہے ہائی دولائیں کی ہیں گاہے بگاہے افران کی بھی آباد میں ہے۔ اور اس خواجہ افران خواجہ جگ ہیں جا تا ہے۔ چک خاور کا بیٹی نام جمد ہن ہے جا تا ہوا ہا ہو بھی بیاد اور کر در سار ہتا ہے۔ کے لیے کولی تھی ہو وہاں جا کر جا ہے کا حالات کا اور بھی ہا ہو ہو ہے جو مری معدد اور کی بیاد اور کر در سار ہتا ہے۔ جو جاری کر نے کا خوال کے ہیں اور چی وہ مہاں پر جمد باری کیا جائے ہا تا اگر ہو جائے تو فر راجیس یا اور کر در اور کا اس کر سے این اگر کیا جائے تو فر راجیس یا اور کرد

(نوست) ادوس قصید نفعی جبال جمد پڑھا ہاتا ہے دوبان ویش المام نسمہ تعقری کے ہر لیوی ہیں جن کا مقیدہ ہے کہ السلام بھیک یا دمول الشد نہ جو جاجا ہے تو کفر ہے دوسرا تیام کری خرد دی ہے ہمیشیاتی ، یو بندہ الول پ کندؤ کا لیے بی جن کو بھر برداشت کرتے ہوئے وہائٹیں ہوا سکتے ہیں۔

નં∂∳

بهم الته وارش الرجم - اصل بدیب که فته کی معند کما اول مثل بداید (۱۰ بشرح (۱۳ وقاید در مق ر ۱۳ م ۱ د شامی بدت به نابرت ب کدادات به داورو جوب جود کے لیے معرش ب باورشای بیم اُفل قر ایا ب که تصید قرید کرد ویس جودادا : وجائے کا کیا تک و ایمی بخم شراه دمعرے ہے - و نسف عصوصت غیر الفیصیدات و الفوی ، فیکمیو فیالنی فیھا اسوائی – البع (۱۳ ورودی ادادشای بیمی بیمی آل کیا ہے کہ

 ⁽⁾ الهناية: (كتاب الصلاة باب الجمعة: ص ١٥٠ ج١ مك، بلوجستان بك لهوه كولفة)

إلى تشرع الوقاية: وكليات العبلاة، بات الجمعة، ص ٢٣٩ ، ح١١ مكتبه محمد بنعيد أيث متر قران محل كراچي)

۳) الدورانسيندار مع رفاقيمدار (كتاب الصلاة، باب فيمعة، من ۱۳۲ بـ۱۳۸، م۲۰ مكتبه البج المم منفيد كراچي)

٠) روانسختار : (كتاب الصلاف ماب الحمدة و ص ٢٠٣٨ - ٢٠ مكتبه ابع ابم سعيد و كراچي)

مجريكية مرش بسدورستأنيل مراس ميما رومت تحريري وعيسها فانكوانا الشارة المواانة لا تنجوز فلي الصعيرة الني ليس فيها فاحر وامس واخطب الخاو الظاهرا اله اويد به الكراهة لكواهة النفل بالجماعة الا توى ال في الحواهر لو صفوة في القوى لومهم افاء الطهر – (ايضاء أ¹⁵⁾

کی بنا پر زیں موال میں آس کیک کے بارے میا کہنا گئے ہے دور آس کے کھم ھالات موال میں ورن میں ہ عَلِيهِ آرِيكِيرِ ويُنْ يَهُمُ مِنْ مِينَ بِكُولَ يَصْفِيهِ وينهُ فَارْجِهِهِ مِن بِيانِ مِالْوَكِينِ ورقه يبان كه دينته والول بوفهاز صعاده جب ہے لندہ میں اس جمع ہرکز شرور کی کیونک جہاں ہمورجا کا تدہورہاں کا بیننے ہے کہ انتہم ڈسے ہیں۔ ساقلومیں ہوتی اور جمعہ بیب بن کے ربیا میں موجانی ہے اور نس بابرنا حت بز حداثر ووسے اور جرانعل کے لیے خعر واذان وغيره واجتمام برناج مثل وورا الوصل اس فيك يتل تماز جعد جائزتيمي ببال شفاوك تماز ظهر بابتهاعت ادا کران ^(۱۹) فیفوداند نعال اطم

آ ٹھ سو: فمراہ برمشمثل آباد ی والے کیک میں بمعد کا تنکم

محيافرياسية فإبرطاء معامنودية المراسنيوش كو

چَنے ٹیرسوہ ایم ابل کی آیا ہی نقر بیا و لایا ہے تھرون کی سنت تعداد افر دو فرردو کا ال مردوز رہ اُنڈ یا وولا يا وه ٨ جين کيا اين چک مين جند جزهنا واجب ب اگر واجب شيرا قريميا جعد بزهينے سے ظهر کي څخه ا ساقفا فالمداد حائث كريد

ه) ار دالمنجنان (الثناب الصلاء مامان الجمعة عن ١٣٠٠ و ١٤٠ ابج ابني محيد كم الهيمي

٣٠ روة لـ المتارة والقع فرصا من القصيات والقرى الكبيرة التي فها الدواق ١٠٠ رفيما فكرانا خالره الي الع لإتبحن في الصعيرة السي ليمس ويهما فاخراع استراء الحقيب اقتع والطاهرات الربدية الكراهة للكراهة المنتصار بالمصاعة الابران أراهي الحواهر فوصفواهي القري تزمهم أداه للطهرب إكباب اقصلااف باب المصعفاء موالدانا وحالها مجاده سعماء كردوين

وكدا من الهندية: إكتاب المبلاق البات السادس عشر في صلاة البصعة، ص ١٠٥٠ - ٢ (مكت رشیدیه کوئته)

و كنارا ومن بالنافاح المستائم (اكتاب الصلافة عصل في بيان شرائط الحمعة، هن ١٣٥٩ - ح. مكتبه رشيديه كوثك)

ه ۾ ه

سورت استوارش جمس فيك فالأربيا أيات بياً بيكير وكنان بدرة بياتي وتناه ربيان الماة إضابان النون بعد بيا يخط المفارات والمؤكزان الأن المساورة المحسمة لا نصبح الا الى مصور حامع او مصلي المسمور والا تحور في القرى المسامة أنها المدافيان المستحد المشتر مداب المستحد من يأتوى احتمال المسامة ال

الجرواري الفراري بيدانتي والرقاء الموم وأبع المتواوا فأعدوا والمعالين

چوده پندروگه ول کی آیاوی داسلهٔ گال پی جعد کا حکم

ه ال د

کیا قرائے ہیں خلاء این دریں منٹاک

10 كالبيد كالدن المس أن آباتي أنا أن يوره ويدروكم أن المناهد وواكل في المستقل المؤلف و المواق والمواق المساورة المبعد المساول الما يا والمواقع المساورة المساورة المساورة في المعادرة المساورة المساورة

اعتب في رفائيت حثيار: لائتحور في المنعدة التي تيني فيها قاص ومنز معليب (الآثرى أن في
التجواهر لوسلوا في القرى لومهم آذا الطهر... (كتاب الصلاف باب لحيدة من ١٣٨ م ٢٠٠ مكتم
التج إليم محيد كراچي)

و كندا في الهندية؛ واكداب الطالاف الناك السادم علم في طالاة المصعة : من 150 م ع1 مكت. وشيدية كولشه إن واكدا في عالع الصائح ، وكتاب الطالاق فصل في عال شرائط الجمعة : من 1804 م 14 مكتبه وطيفية كولفه)

إلى الهيدارية (كتبات العيلان بالدوية) المعيمة؛ في ١٩٠ م ١ مكت بدوستان بك قبر كولته إلى وكله المحدد و ١٣٧ م مكت الخيرة بالدوية المحدد عن ١٣٧ م مكت الجالم معيد كراجي إلى وكتاب العيلان عميل على بال شرائط الحيمة؛ في ١٣٥٩ م ١٣٠ م مكت رشيد كولت)

نیز اگران بات کو د نفردنگی که گرجی اور سال کناند جیدین کوقائم نالیا جائے فروٹ آنٹے وکٹ عمر میں کے قواس مریقات فار جھاور میدین اواکر کے جی پائیس

(٣) معدقة الفعرائ معلق بي والفع أروزيا كَ تَيْ عقداد وأمرناهِ أن كال مَ تَخريز في ميرول هـ-

養乙笋

. (۱) اصل بیایپ کدانتر گی ستیم آنا ایل مشن مدانیه (۱) دخرن و قیام آن در برناد و در آن و حماست به تاریست که است کرا دانت جمعهٔ وروزی به در که بلیا هم شروت و در شامی می کش فره به به کرته برقر بیکیروش به سداد ایونا بیست کرد فرود و می تم میر هم آن در مرسکه به برش که می بیست و تسلیع فرصا فی الفصیدت و انفوی امکسر فرانسی فیلها المسواق (۱۹ ماریخ

المسرك تعرف شريا الفكاف بي التمان مارع قدي بي الرفا يوشيز ورتصيه وادراً يادن الرأن وي وجوامر بالزادة الميل المرك تعرف شريا والمراب الميل الميل

.

 ⁽⁾ الهيداية: الإنساح الحدمة الإقي مصر جامع أومي معيني المعيرات (كتاب العبلاق باب صنوة الحدمة ، أص ١٩٥٠ - ١٤٤ الموجستان بك قيراء كوئته)

٢) تدريح الرقال د شهرة فرجوبها لا لا دافها الا فاعا بمعبول (كتاب العبلاة بال سجمعة من ١٣٣٩)
 د المحمد بعبد الله مسر دفر أن محل كراچي)

۳) المعربالمسجمار مع وهمنجناز (اكتاب الصلايف باب الجيمة الص ۱۳۷ ـ ۱۹۲۸ - ۲۰ مكت الجالم - معهد كراجي)

⁴⁾ روانسخارا (کتاب السلاق بالداميسية کمن ۱۳۸، ج۶) مکيه اينج اينو سيد کرانهي)

ه) ردانسجار: (كتاب الصلاف بات الجمعة، من ۱۹۳۷ ج٦ مكته الج ليم معيد كراجي)
 وكدافي المحرافراني وكتاب الصلاف بات صلافالحميمة ، من ١٤٥٨ م ٢٢ مكته وشهديه كريته)
 و ٢ ما في الهندية وكتاب الصلاف البات السلام عشر في صلافالجمعة، ص ١٩٥٠ ج٠ مكته رشيفية كويته)

آ آرہوں پیرانھوں ہے کہ دیکی جُند ہمد پڑھنے سے آئزیکار ہوئے ہیں۔ ورکنو کی نما میٹ سکٹر کے 18 کٹا واقعی میں پر سے اور ڈواز کلیونکی اس کے امار سے مہاز ڈیکس ہوتی

و فيسما فاكريا اشارة الى الدلائحور والا الخميفة في الصفيرة التي ليس فيها قاض و مسر و مطيب- النج

والتطاهير الله أوينديه الكراهة لكواهة النقل بالتجماعة الأثرى أن في الجواهر أو صبر، في القرى لرمهم أدنه التنهر (17

انتین صورت مسئول میں جس کا میں کاؤنر کیا ہے اس کا کا کے میں اور انداز انداز اور اور ایور کی جاتا ہے اور کیجی ہے ایسان کے کوئے کا روز اور انداز اور کا این انسان کا کی اعلیٰ اعلیٰ

(۴) - صدافقہ الشفطر الت بارسیان متباعات تات ہے کہ ان آباد کیا ہو استان سے بھاروپر گھرما کیا۔ میرق الفرانین کا اللہ باکس ^(۱۱)- فقادات تعالیٰ کلم

دَى بارهافر وَن آيادي مِن جعدة مُرَكّر في كانتهم

¥ √ =

أيافه بالمرتدين عواورين ورين سأفلأك

(۱) صوبہ باویستان کے جمل علاقوں میں قریستی ویش آزاز جمدادا کی جائی ہے۔ شکا ایک میک جائے ہیں۔ معروف ہے۔ جس میں جدے مال کورش رہی الاس کی تعدادات بار دانویس کی دیگی اخراساں کہ جمک خراساں کر جمکے میں اور زیادہ سند زیادہ آٹھ یا اس ہوں کے ادرائی اس کیٹا عموق کی دوکان جی ہے جس سے ٹس کر جائے گئی کھی میں بر اسکتی ہے۔ نیز ایک عالم دیں بھی ہے جاکدا کمٹر مسائل اور سندا متلاز اگرتا ہے۔ اگر یا ان معافید کی مقدمت موق ہے جس بھائی گئی کے ماصلے مرکب عمول ماہ اگر سائل اور انداز کر مانا ہے۔

إلى رفالمحفظ وكتاب الصلاف بالمعافقة على ١٣٤٥، ج ١٩ مك فيج ابه سعيد كراجي)
 وكفا على الهيدية: وكتاب الصلاف الديافي عشر في تساوة المعمدة عن هـ ١٩٥٥ ج. مكيم
 شهدية كوشته إلى وكفاه في المائع العبدائع. وكدات الصلاف تصل في بيال شرائط المحمدة عن
 ١٠٥٨ ج. مكته رشيئية كوفة)

۲) کست ای را جع کند ویل فی است السواری و استانی السع است و رای در ۱۹۶۰ این حدید ۱۹۰ می بود.
 کسے سیم اسے بساؤھے لیو السیم السواری و داران کی اوالہ کی دار اللہ وی دوالہ ای میں ۱۹۳۸ میں ۱۹۳۸ میں ۱۹۳۸ میں دوران میں میں دوران میں

المذکورہ باز (موضع علیہ کا کیا عندالش علم و تھیا واقر یا کیا ہواستھر وہن مراب اربعای سالے ہوں سا مرتب کر آمام من میچے دیوامت کار میچ کا ہے

- (1) كياعم الادف الرئي أن جو بالاب يأكن.
- ر ۳۶) ۔ الفرش جوکو فی ایک مکار مولد اس میں شرائع جدومتدا ہا ہونے استقار دیدل میں بھی ہو تے ہو ہے جانے ہوجب انوائع جھم کر تکھنے جہا اکتیں ہ
 - (ع) الجزوم بوازك وجرائيل أحدث لي بعدة تمكي والمزان.
- (2) ایزان ہے کئی علی فرماز کی مرجزز ہو کے لیے گئی آبادی جو کیے قرکر وسراوت کے جو ہے کہ منسل فرمازیں ایزانکو کئے وقبرز کیا کئے کئے سالات کے جوابات بٹی ورٹیو دور ریکن آبار کیا ایس

⊳ٽ∻

- (1) ۔ صورہ مشاول میں جس کیکا ڈکر ایا ہے جس کا زمانہ طبیہ اسے اور اس کی آبادی دیں ہیں وہ دائیاں پر ممثل ہے۔ قبیباً کر پیاملی والے جو اکا اس ایسے :
- (۴) عمدالاهماف، رأز برخم بالثراق بعد بالأثران-فسال السعسلامة الشسامي بافراد عن الفهستاني الفيع فرهد في الفصيات و العرى الكيبرة التي فيها السراق اللي ال قال او فيد ذكر با اشارة الي الدلان في الصغيرة - ٤٠٠
- ۱) روانده منزل اکتاب الصفرة و امان الجمعة و من ۱۳۰۸ م کلا مکتبه البح موسعید کراچی، او کتابه می البحر افرانش: زکتاب الصلاة الدر مازاد المحاملة من ۱۳۵۸ م کار مکار، و شهریه کرفته او که اخری او ادام و کارب العرفود الباب السادم اصفر این منافق الحممة، من ۱۹۵۱ م از رکتبه او شیدیه کرفته
- ") مقدمه السائر الله درية الن صاحب حاصع المتاوى، يجوز للحقى أن ينتقل إلى مدهب الدائمي - وبالتحكس لكن بذكابة أماهن مستمة وبعاة ولايدكرت، الدعى علوم الفقه وكر الشروط الثالث: - أحرار الإنتقال: من ١٩٣٧م - ٢٠ واداره لقرآن ، كراجي
- و كفا في وفائمحمار والوأن و ۱۰ قريق من مدهب باحتهاد وضع بددكن بمحمود اما حورة أهدا انتعال غيرة من الهيم فليس بل تعارف من عوض الدينا و شهوتها فهوانمدام الاثر المستوجب للناديد و والدعوم الارتكامه المسكر في الدين و استحمام سيده مده بدارات التم يرب بطلب بيما ابدا ارتهن التي عمر منظمة من ۱۸۵۰ ح ۱۵ مكمة الجراب سعده كواجين، وكذه في المراضحيان وال الحكم المعلقي نافي بالاحتماع المقدمة في ۱۸ ح تا التج يوسعيد الراجي،

المعرف أنه أن مهم كريجوك كافريه عمل فراز بعمد وغيرين في جائز أعمل بكناء وقال في عمل قايد من قال بياسيك. كافران عمل بعد غير إن في أماز جامل قراء وقو اين سيم حسلوة العبد في القوال فاكو الحريما - او مثله المعالمة (4)

و سرا الشركاوان على بوجاس كاليمان بولك كالمتوافقية بمداد مست كيران على أي خول المستاني المركاوان على أي خول المستاني بهدا و المستانية بالمركاوان على تحد به المركاو بالمتحافظ المركاو المتواود المركاوي المتواود المتو

(۵) رواز بعد کے نیے شہاکی آبال حقیق نہیں۔ نو زرمد کے بیتے مسرتعباد آبا کی جیرو اوا تمران بیاد رحم کی آمریش کی افغاف ہے۔ کیک بغاجر سے عرف پر ہے جو فرد شراع درتسدہ اور آبادی الی لی نہاں ہو درباز اردگی کی کی بور ارز فرور رائے سبطنی ہوں اوسم ہے۔ عین بھی حسیسہ و جمعہ اللہ کی بند فرویہ سبکنگ و اسبوالی و وال بینجیس البطلوج میں طائعہ می بغدر علی مصافحہ و عالم ہر جع البہ فی المعوادات کانا فی البھایت استان و کی انگر کے الدری ¹⁰³ و لیس ہدا کہ تہ جدیدا نہ مل اشار فرائی معینہ و مقرب نہ ان کی الافعان و حاصلہ ادار فرائو علی رای اعل

العد مع رفان حفار : واقتاب الصلاف باب العهدين عن ١٠٤٧ ج١: مكتبه بيج الهوسعود اكراجي)
 رفان حفار (كتاب العدلاف سهدا، جمعان عن ١٠٣٥ و ١: مكتبه اليع بهرسعيد كراجي)

. و كا قبل الله بالميدة و كرام والصلاف الدام و أساد من مشر من صلافا الحصيف عن ها أن ما حرب مكتبه و العبدية كولتم

٣) المستحلة، در، المقاملة أولى من حلب المستوى وقيقدمات المقالة الثانية في مان القواحد العقهبة ــ. - المادة تمم ١٣٠ ص ١٩٨ قيمي اكتب حالة الراجي بد

)، آشار المدن مع التعليل. (كتاب الصلاف بات لاحتفاد لافي مصو مدينية عن 1971 مكتبه حقاشه ه المبدئ

هار الكواكب القرائي: وأقراب المسعد، بات بالحرائي فرك الجمعة بن عبر عبر ، ص ١٣ (١٥) و ١٥ - ١١ ج ١٦. - إدارة القرائي اكراجي بحوالم فقاري محبورته (١٨) (١٣٥) كيل زمان في عندهم المعمورة بصرا هما هو مصر في عرفهم حازت اقحمعة فيه و ماليس ممصر لم يجز فيه الا ان لكون هذه المصور الآن فقدا تدفق الأم

چھسات گھرول کی آ ہون والی جگہ ہے جمعہ کا تھم

ھُ لُ لُھُ

چيمبل و بيزم و احماق الدري منه كه نماز جهد اي أيد شش د نه هموانداندان الذات من هموراندان ان فذات مجد ب نيز قيم امت ومفرر بهرنماز نه زي ميد و ني بياشدوسين جماعت اموم كر دانه والايموام مرد حشق ماديمين مثلثه يان نقل مكافئ كرده وقعد و نكرز مين ميروند والدري شش ماه بغير المام مجد و نكرى نيست كه نموز وقتي نفر مت اوا كردوژ به ودراه لين شش از دوولواج وه دواز دوروم نيز انهاز بعد جمع شواداً بالي مها كزامت بإند ويوا بالبرهان تو نيرواز داران درات

本で 🎋

در قریستین بدخب ایام ایوننید است انجامت جداد است نیست و دوقر یکیره که اموال و کوچهاد ال به شد جوامه ای شویکه مسرح به افزایی نقع هر صافی القصدات و القوی انکسیره اقتی فیها اسوای والی ان خالی و فیصا فرکو تا اشاره اللی انه لا مجود طی الصحیرة اللی است در تم بیش فیها می حاصت بال انداد آنچ از آن راشح از امندهم است مساته نج آن راقه بیداندقر بیاست خاتی قد دیست که شهده قریری و ایم تم معرد ارد الا مت بسیاد الله با نزشت ایش موجب دوایت فیکوه بسید دقریمستون متحاروا بیست و در اعدالیان و ترقر دارانگری ما ایست این است این موجب دوایت فیکوه بسید دقریمستون متحاروا بیست و در

ىپارسومكانات برمشمل **أ** بادى يين جمعه كانحكم

ه آل إدا

الیافرون بین بین ماد دین و منتبال شرع آین الدر بین مشد که شود می دافع و بود خاری خان ایس کی آوای افتر بهٔ بیاد مدرکه کات به شمل دولی - این شن بیر دو باروسال سند جهد شرد تا ب - ایسه ۱۱ مال قمل دامید این مسئل مسلم می تا تا تا کی تا توجعت خان نظیر نیاز دوکر جهان بعد شروع مدایان آک جعد کافتان و بیاد رست قبیل

 ⁽ دالمنجنان (کتاب الصلاة ، بات النصفة ، ص ۲۰۱۳۵ ، مکت ، ایچ ایم سعد ، کراچی)

٢) تقدتجر، حدثي حاشية للمار الحرارات

ہے۔ اب دریافت طلب امریہ ہے کہ اس شہر میں جدی ہے یا گئیں۔ اگر تھے ٹیکن ڈوٹوں کی نمازی جاد ہوری میں ڈک جددہ فٹوئی ضروری میرکا فو آبیا ہو کا کس فلہ چند سانداں تک پڑھ جانا دکتل جوائز ایری ہی ساتھی ہے یا تھیے ہے؟ اور کمیا یہ دلیل دواز جدد پرسمجے ہے کہ اس شہرے عاقب بالنے اس شہری برای محید بھی شام اسکیں وہاں جدد درست ہے۔ بیٹوا تو ہودا۔

هٔ ځکه

حند کا ذھب جو سک بارونگل ہے کے کشہا ورقعہا اور ہونے ہے کہ شہا اور ہونے آبریک جس بھی وہ جار ہزارا ہی آ یا وہ ال اور خس ورق اشیاہ کی دوکا تھی ہول وہاں جس واجہ اور ادا ہوتا ہے ابدہ چھوٹ آبر ہیں جس کی فیلی ہوتا ہیں۔ ایس جس بر حدا کر وہ گرکی گھیا ہے ⁽¹⁾ - صلو 5 العسد ھی المقوی تسکو ہ صوریسا (دو معمنان) و منظہ المسمد عدالی کا رہے گئیں اگر ہے گھر میں جس جو المعرب وہ ہے آبر ہے تاہدہ کا خوری سے جہاں گرا الماموت جس موجود مجمونا گاوں ہے آب شک وہ الل جس بڑھا جانا ہ میل اور وہیں ⁽⁴⁾ اور یکوٹے گؤئیں تھی جس بڑھے سے تلم

إر دالسنخشار: تنفع فرخيا في الفصيات وقفرى الكررة التي جها اسراق ... وقيمة فكر ما فشارة الى الله
 لاتسخور من المستفرة التي بيش جها فاص و مبير و تنظيب الح والطامر الله ربدته الكراهة لكراهة
 السنفل سالخساعة الاترى الى في المحوام الوصنوا في القرى لؤمهم اداء الظهرة (كتاب المسلاف، باب
 شمعه اللي ١٩٥٨ م ٢٠ مكن المج إلى سعية كراجي)

وكندا من الهيدا به: (كتاب الصلاة، اشاب للمادس عبقو في حيلاة المستمدّ، من ١٤٥ ، ج ١٠ مكتبه راشيدية كواته)

وكذا في البحر الرائن: (كتاب الصيرة، باب سلاة الجمعة: من ٢١٨»: ٦: مكتم إ البديم كولك)

- ٣) القوامع ردة (كتاب الصلاء ماب العبدين، ص ١٩٦٧ م ح ٦. مكته البح ابد معيد، كواجي)
 - ٣) القدمة تجربيها في حاشية فيبر ١١ في صفحة هيات
- ے) و بالمبحثار: ﴿كتاب الصلاف لك الجمعة ، في ١٣٨٠ م ٦٠ مكتبة ليج ليم سجيد، كرانوي) و كنذا هي الهندية ، ﴿كتاب الصلاف الباب السادمي هشر في صلافا الممنية، ص ١٤٥٠ م جا ، مكتبة رائب يد، كوتك)

وكدا في المحرالوائق: وكتاب الصلاة، باب صلاة الجمعة، من ١٦٥، ح٣: مكت وشياديه، كوكله)

باليمن سوكاآ بادى والمالي فصيدين جعد كأحكم

5

€&}

مهم القدام في الرحم - منفيد كاند بب صورك ورب الله بب كرقرية مغيروات بعد من الربية مخروات الموسخ في به ورآيا كيره عن الارتصب في جعد واجعيد وازار وتاب اور قرف عن المريض في يكير و مجس ووقر يوكير و بنا ورجس وقريد معفي المجس وقرية غيروك - في والسماحة الربيات المعلمة عقد في حاصل في القصارات والقرى المكيرة التي فيها المواد في القصارات والقرى المكيرة التي فيها المواد في الأدراع في نظام الدوائي التم

⁴⁾ از والتبختار : (كتاب الصلاف باب الجمعة ، هر ۱۳۳۸ - ج۱ الكتبه ايج ايم منعيد كراجي). از كنذا من الهندية: وكتاب الصلاف الباب البناوس عشر من ببلاد الجيمة، عن ١١٥٥ - ج١. ليكنه الرشيدية كراون.

وك أهل البحرالزائل: وقتاب فصلاف بالماسيلاة فحمعة من ١٧٤٨ - بها: مكت وشيفيه كولتم

کویلا کی اوردواس قرب بیر محت بعد کے شرحا دغیرہ کا بائزہ ہے گرتام صاور فرہ دیں ⁰⁰- فقاد دانشاق اطم مول سوکی آئیا دی والے قصیہ میں جمعہ کا تکلم

∳∪}

کیافرہائے جی ہلاء ویں در یں سٹلہ کہ ایک گاؤں جس کی آباد کی سوار سوافراد پر مشتلی ہوئی نہ جند جا کڑنے جند دوکا نیں معروف بازار کی شکل شہر دول گاؤں کی آگر شرود بات اس گاؤں جس بوری ہوئی ہیں اور آس بائں کی عام آباد بیان ہے جا اسراور ہر گافا ہے آبا شرکتا ہوا درآس بائی کے لاگوں کی شرود بات بہاں ہے جوری موئی ہیں مثر اسکول و ویٹی عدر دفاع اظارا آتا ہے کے جا اس کا کہنے کہا تا بیٹنے کی شرود کے میں میں میں میں میں ور کم روز کی اور سمید میں بھی ویروکا اٹھا میواور کا ایس پر دوئی طریق پر مور سمنی وئن کے سے خود کیل

4€

امل یہ ہے کہ فقد کیا معتم کتب میں عدالیہ ''بھری' وقایہ (''' ورخا کی (''') سے یہ بات ٹابت ہے کہ ادائے ہوئے ہے کہ ادائے جمد ادر وجوب کے بیے معرش ہے ہا ادرخا کی میں نفش فرمایا ہے کہ تصدوقر یہ کیے وہ میں جمداد ، ہوتا ہے کوظہ وہ کئی تھم شہراء رمام کے ہے اور ووق را درخا کی میں یہ می فقل کیا ہے کہ چھوٹے قرید میں بعد ور سے تیس ہے اور وس میں کرنا ہے تیج میر ہے ۔ باتی معرکی تعریف میں انتھا کہ ہے۔ لیکن بظاہر دارموف پر ہے تو فاجوشہ اور تھے۔

 ⁽ والد حنار وقد علم من هذا أن مدهد العامي فنوى معتبه من نفيد بدهه الدويها قال في الفتح السدكم في من العموم وما الاستخدام من ١٤٩٦ السدكم في حن العموم وما الاستخدام في العموم في العموم في الموارض الحرائز الوز (كتاب الصوم في الموارض الحرائز الوز (كتاب الصوم في الموارض الحرائز الا ما ١٩٤٥ من ١٩٤٧ من ١٩٤٧ من ١٩٤٧ من ١٩٤٧ من ١٩٤٧ من ١٩٤٧ من ١٩٤٨ من العموم الموارض الموار

٢) كسما في الهيداية: لا يضمح المحمدة الأفي مضر خامع ـ (كتاب الفيلاة مات صلاة الجمعة عن
 ١٩٠٠ م ١. مار جستان بك لأبو كرك)

 ⁾ کستاهی شرح الرقاید شرط لو فریها لا لاه لهه الاقامة منصری (کناب المبلاقی باب المستقاد من ۱۳۹۹ - ۱۶ محمد معید اینلا متر دفران محل «کراچی)

ع) كساقي الدرافسختار مع رد: (ويشترط لعنجتها) سبعة أثباء الأوق والمعمر الخ وفي رد لمحتار:
وحمر صحيح بالبلوغ مذكر «مقيم و در مقل لشرط وحريها ومصر الحد وأكتاب الصلوة باب الحمعة»
ص ١٩٤٧ - ج٢: مكبه إيج إبيا سعيد «كراچي)

عوادراً ودكرا الركن فراده نواد بازاده تجهال الترشيخ ورادر شرا ديات سيد تتي بول دوتر عند ⁽¹⁾ فسيسسى السحيفة عمل البي حيدة وحمد الله الدينة كبيرة فيها سكك و السواق و نها وساتيني و ايها والدينة عود عملي انتصاف طمطوم من الظاف بحصيمته و عشمه أو علم عبرة برجع الباس اليه فيما يقع من الحوادب و هذا هو الاصح (1)

جنس موان مثل جس آرید کا فراید آن به بست آلسان جس شرا کامنیت جدایا فی بیانی جس همل و دخور شوید خمید باقر رئیجه و بروز عن مثل فراز جدامازیت و در نیس (۱۳۰۰ نظام الله عند قبالی اهم

تمين عاليس مرول يمشمل آبادي وال بتي من جعد كالكم

$A_{0}^{2} \cup A_{0}^{2}$

کیافرہ سنڈ ہیں ہو دوین اس مندائن کے بھد بھٹ آئی کی آباد کا آخر یا تھے۔ چاہیں گھ میں پر جھٹل سنگ جس تھی جہ چاہم ٹی سکول ہے اس مندائن اس بھٹ تین اونی بھٹال ایک خان ہا و رہ نیر ہسرہ ریاستان تھ کی جاگل ڈیر چیں بھٹان اس چک شان کا ٹی موسا سے مواثرہ میں سے نیا بھو یہ ان جائز ہے وقسی اگر جائز کیں ہے تھ اس میٹی بھی آر زیرو پر سے سے بھی اسسے مارتو ہوگی اٹھی نیز کیا مقباحی پارسے کی صورت میں بھو کی مجھ اٹ نظر محق سے بھیں ۔ وہوا تو جروا

- 4) كسما في رفالسختارا القع فرصا في القصاد، والقرى فكيرة فتى فيها النواقي وفينا دكر بالإشارة ولين الدوليات وفينا دكر بالإشارة ولين الدولان المراود والتقور الدارية والمحكمة المراود والتقور الدارية والمحكمة المحكمة المحكم
 - ٦) روائمختار: (كتاب فصلاة باب لجمعة وهي ١٣٥٥م ج المكت تبج ابم سميد كراجي)
- ۲) كناميا في رد لمحتار : نفح براما في الفصاحات و نفري الكيرة التي فيها تمواي الدونيات داكرات شارة التي انه لا تحور في الصحرة التي تبور جها قاض و المبر و حطيف و كياما الصلاقات بالد المحديدة على ١٩٣٨ .
 ١٩٣٨ - ١٩٣٨ مكتبه الجامع معيده كراچي .
- و كداهي المحوالز التي: وكذاب الصلاف الما المولاة الجمعة ، ص ١٣٤٨ ٢٢: مكتبه وشهدهه كرنفه . وكما التي فهشدية: وكتاب الصلاف الماب السلامي عشر في صلاة الحممة ، ص ١٩٤٥ - ٢٠ مكت والشهية كولته .

4€\$

میم الشالزمن الرجم- جد کے بارے میں اممل رے کے فترکی معتبر کما ہوں مثلاً ہوار وشرح وقاسدہ فتارہ شای سے رہا بت سے کہ اوائے ہوروج ہے جو کے لیے معرش فرے ہو لا تسصیح السجیسیدة الا فی حصر جيامع او في مصلي المصر و لا تجوز في القرى لقوله عليه السلام لا جمعة و لا تشريق و لا فسطو و ۱۷ اصبحی ۱۷ فی مصو جامع از (برایه)^(۱) دواثای نے کُلُ فرایا *یے ک*قعب دقریہ کیرہ کھے کمک جوادابوا بركوكرويجي فكمشراه ومعرش سرمة تنقع فرضا في القصبات والقوى الكبيرة المني فيهط اصسوداق الح المرادرة الرودة كارادرشاكي عن يا كل تقل كياب كدجهوف قرياي جدود مست أيك سيناوراس ش كرامية تح يديه و فيما ذكريا اشارة الي انه لا تجوز في الصغيرة التي ليس ليها قاض و منيو و خطيب المَع و الطَّاهر انه اويد به الكراهة لكراهة النفل بالجماعة الا ترى ان في الجواهر أو حسلوا في الكوى نؤمهم اهاء الطهر (٣٠ أورممركي قريف ش انها ف سيميكن بطابره ارحرف م سيمرة جوشهرا ورقعب جواورة بادي دس كي زياوه مواور بازار وكميان اس من جون اورشر دريات مب بلق جون و وشهر ب-فعي المتحقة عن ابني حنيقة انه بلدة كبيرة فيها سكك و اسواقي والها وسائيق وافيها وال يضدر عبلي انصاف المظلوم من الطالي بحشبته وعلمه اوعلم غيره يرجع الناس اليه فيما ينظيم مير المعوالات و هذا هو الإصبح- (٣) الناردازة _ مطوم: داكرجس يك كراريوال يش ہوچھا گیا ہے اور جس کے بچھے حالات موال بٹس دریا جی وہ بدکہ اس کی آبادی تقریباً تیں، جالیس گھروں پر مشتل ہے۔ مصرکی تمام تحریفول کو مذهر د کفتے موٹ بید قلب مصریا تصیر شرعائیس سے امران کے اسمانیان برنماز جمعاز شرقینکس سے بلکاس بیک سے لوگ فلیر کی تمازیا جماعت ہی اوا ترین سے جساکی نمازیز ہے سے ان کے اسے عمیر ساقط ندیو کی

إلى المهداية: وكتاب المسالات بأب مسلاة المجمعة على ١٥٠ م. (١٥ مكية بلوجستان بك تأبو كولفة). وكذا عن المو المختار: وكتاب المسلاة _ باب المجمعة على ١٩٣٧ م. (١كته اليج الم سبيد - كواچي) وكذا في الهجر الوائن: وكتاب المبلاة باب صلاة الجمعة: عن ١٥٠ م. ج٦: مكتبه وشيدية كولف).

٣) ر دهستدار : (كتاب الصلاة» باب الجندة» ص ١٩٦٨ - ج٢ : مكتبه ابنج نمي سعيد كراجي) وكنفا في الهندية: (كتاب الصلاف الباب السنادس فشر في صلاة الجمعة» ص ١٩٤٠ - ج٦ : مكتبه وشيئينه كواله» إذ وكنفا في البسر الرائق: وكتاب الصلاة، ماب صلاة المصدقة ص ١٧٤٨ - ٣٢ . مكتبه و شيئية كواته)

۲) روالمعتار کتاب السلاة باب الجمعه ص ۱۳۸ م ۲۰ سنید کراچی

¹⁾ تقديم بجائي حاليه نبير ٢٠ في صفحة طاب

اور بهَمَاسِ نِهُ خَرْبِ سَلَمُ مِن أَلَّمَ كِي حُلْلَا كُرُوا تَرَكِي مِن مِيدا كُرُوا يَرِينُو السنطساهس اسه اوبدو ب السكواهدة - (*) التَّرَين خَرُود سِيقًا مِنَّا لِمَا أَعْمِ مِنَّ اداع بِعِداسَ فَى مِكَافَات كَبِ كُرَكَتي سِهُ وإن فَوْظهِ جماعت سعة بِهِ هذا فِي سِيَعَادِ جمعُدَ كَدَكُما فِيا سِيعِادِ شارتُهُ بِهُ مُرْوَقِعَ فِي كَالَازُمُ أَسِيعُ الْر

ايك بزارك آبادى والفكاذل يس جعدكاهم

∮∪♦

چه می قرباینده علاه کرام که درشیر جیمی از عوصه جدید نماز چنو کرده بودند ایک در پس ویا دیلوچ تنان در قربی قربی نماز جه درخوانده بیشتود و در قربی جمیری برطابق شروط احتاف حدود شرکی یا فد نمیشو دالبت کیک کفال قربید سند که مرم شهری شن نقر بهاخورده کلان یک بنوار با قدر که میشود و در تر نها بین بیسه با بذر بید قاضی صاحب پژوی فی وقوم مرداد صاحب جم میشوند تی الوقت یک موال ۴ صاحب از خواندن جمد نمازشتی فرموده است که در بنیا شروط جد عندالا مناف موجود میستد بعضه نفرات نوی برقول شاه دی الشرصاحب داده که فرایان جهد کرده . ندر در جهد تماز مندرجید فرخ سفاد اند که فر آن دا مازیک بفتر این شوند و بهراه بیک ویگر الفت می کنند داد رسیم هات بدیر به بیری

4℃}

جعد يا نَهُ لَى مَعْنِ درمع يا درتر يكيره كرامواتي وكوچه بادران با شيم والى ثوه ودرقر يرميخره با كز نيست كلما حسوح بسه المشساسي نبغلاعن القهسساني تفع فوضا هي انقصبات والفوى الكبيوة العسى فيهسا–(السي ان قسال) و فيسسيا ذكسوضا المساوة البي اثبه لا تجوز في الصفيرة (⁽⁷⁾)

١) روالسختار: (كتاب العبلاة ـ باب الجمعة ، ص ١٣٧ م ج٢: مكتبه اينج ابم سعيد كرايسي)

٢) ووالمحتار: (كتاب الصلاف باب الجمعة، ص ١٩٦٨ م ٢: مكنه إيج ابم سعيد كراجي)

٣) كسما في وفالمحتاو : نقع فرات في القصيات ونقرى الكيرة التي فيها المواي - اوبية ذكرنا اشاره في انه الاتجور في الصغيرة التي ليس ميها فاض و منبر و خطيب كما في المقسرات وانظاهر انه لريد باء الكرامة الكرامة النصل بالجماعة الاترى أن في الجواهر فوصلو الي القرى لزمهم ادار الظهرا (كتاب الصلاف باب الجمعة من ١٩٦٨ م ١٤ مكمه ايج ابم صعيد كراجي)

وكذا في الهشدية: وكتاب الصلاة فياب السادس عشر في صلاة الجمعة، من 6 \$ 4 ه ج 1 : مكتب رشيدية كوفلة). وكذا في بدائع المسافع : وكتاب الصلاة فصل من بيان شرائط الجمعة، من 444 ه ولا: مكتبه وغيدية كوفلة)

"هَيْلَت تَعْرِيفِ شَيْرِهُ رَسِعا بِهِت بِيا نائد دد-اً نحاعِرهُ أَ فراشيم إمندشها است وأ تراقر رد اندقر را است اوازنا قدد مست كرفصيدوتر بيكبير وبمرتقم معردار زوا فامت جهد درآن جائز است اگر سلطان يانائب سلطان نباشد و امتعاد جمعه دابنت کامبرخ به الشامی درال حامسلیمن: ام حین به غرد مرازیدان نه کانی است.

يكن اكر قمرية مستول محتفانا زاد وكوجيد ميداره وكال بهوجيب روازيت نذكره جعدوا حود سخابوج وشرائط وبكريا بلا تشهر دواست د الذلاح و برائع آن مصالح محد درموان و گر کرده ارتکاب کردن نقل نفرد و فرک کردن للمبر وهم تحت رواثيست (١) صلوة العيدفي القرى تكوع تحريما – زدر مختارع و منله الجمعه (١٠)

کیاعیدگاہ میں جمعیاد اکر تا جائز ہے

كي فروت جي علاه بن اري استدكيشر كي عبد كاوي جيد جائز ب يانسي - جوافاتره

شور کاوش با شرقماز جوشی اورورست ب- برایش ب لا تنصیح الجمعة الای مصر جامع او في مصلي المصورر مكتوب تحت هذا فسطري نحو مصلي العبد^{(٣) ي}خي يُوشِرياك مَيْكِيُّ الوسكانے بوشير محامعات كے ليے بنائل حتى ہوميہ كرچيد كاداد راس محاملہ وقبرستان و ميماؤ لي الخ-انبذا هير گاو عی نماز جعد بلاً می ترود کے جا کڑھے ^(۱۹) - و مفاتعالی انظم

٧) كسما في رد لمحتار: للع فرضا في القصات والقرى الكمرة التي فها احوال ١٠٠ ونسا ذكرنا إخارة زلمي اتبه لاتحو في الصغيرة التي لمس فيها قاض و منبر و حطيب كمنا في المضمرات وانطاهر انه اربد

بنه الملكر اهة للكراهة الشنصل بالجماعة الامري ان في السواهر بوصلو عني لفري لزمهم الدرالطهرد (أنتباب المعملاة ، باب الحمدة ، ص ١٣٨ ، ح٢٠ مكتبه ابج إيم سعيد ، كر الجي) موكذ في الهتليه:

(كتاب الصلامة بانب السلامي عشر في صلاء التحميمة ص 201 م 11 مكتم إشبارية كوميم). و كله في البحر الرائق؛ (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعة، ص ١٩٥٨، ح"، مكتبه راهيمه كولته)

٢) رياندختار (کتاب لصلاف باب قعياجن، مر ١٩٦٧ء ج١ مکتب يچايو سعيه کراچي)

٣) الهداية: (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعة ، ص ١٥٠ ع ١ ، مكت بلو يستان بك ذير، كرا بهي بـ وكنفا فتي البندية شرع الهنداية: وكتاب التصالاف باب صلاة الجمعة: عن ١٤٠ ج.٣: داراتكت

وكفاض فنح القدير: (كماب الصلاف باب الصلاة الجمعة: ص٣٢٠ م٢: مكنيه رشيديه كولله)

ع) تغلقهم ينجه في حاشية سير ٣ ه في مبعدة هذا

گروونواح سميت دو ښرار کي آبادي دا ناېستي پيس جمعه کاهکم

409

کیا فرمائے ہیں کا دون در یں مسئلہ کہ موضع سیمان ہور کی آبادی تقریباً کیک بڑا دافرہ و پر مشتل ہے جس جس میں سائٹ دوکا نیس کر پاشا کیک چگ آبا پہنے والی اور گرو وٹو ان کی آبادی بھی تقریباً کیک بڑار سے قریب ہے۔ جس کے دی پڑسٹے دالوں کی اکٹر بہت قریباً حوالاً دورتے ہیں اور آگے چھے تماز میں زیادہ آب کی ٹیس دوستے - اس محبد میں بھرآ دلی جسٹیل پڑستے اور بھی پڑستے ہیں آبا یہاں جسر ہوسکل ہے بائیس ۔

重じ剤

صحت جسر کے لئے مصر یا تھ ہے گہر و ہوتا شرط ہے جہاں آبادی زیاد و دو بازار ہوا، راطراف کے اوگ اپنی شرور یا ہے۔ اوگ اپنی شرور کے ایک ہے وہاں آتے ہوں تو قاتر ہے وہا جاتا ہوا درقر ہے تھے وہیں جسد یا توضیح - صورت مسئول تیں جس موقع کا ذکر ہے جہاں سات و دکا تیں جی ہیںتائی اوک خاند و تجرو بھی اس موقع بین جی ہے جہاں سات و دکا تیں جہاں کے لوگ فاز گئیر و تجرو بھی اس موقع بین جہاں کے لوگ فاز گئیر یا ہے وہاں تا وہاں تی اور بھال مواد کی ہوتا ہے۔ اور بھال انداز جسد جائز تیں ہے بھیاں کے لوگ فاز گئیر ایک ہوتا ہے۔ اس موقع بھی ہوتا ہے اور بھی ہے دور تیاں کی ہے بیر مال حدوالا مناف بھیاں جسد کروں کرنا بھی ہے بیر مال حدوالا مناف بھیاں جسد ورست تیں انہاں تھی۔ اور میں انداز کی ہے بیر مال حدوالا مناف بھیاں جسد ورست تیں گئیں ہے۔

 ا) كلمنا في و دائستنار، تقع فرصا في الفصات والقرى الكيرة التي فيها اسواق ... وفيها فاكر با إنتاء ة إلى أنه الانجور في الفيميره التي ليس فيها فاص و متبر وحطيب كما في المضير ات والطاهرات اربد به السكر احة لمكراحة السفل بالجيساعاء الاترى أن في الجواهر الوصلوا في القرى الزمهم إدار الظهر...
 (كتاب الصلاة باب الحجمة؛ عن ١٦٣٤ ع ٢: مكت ابع ابم سفيد، كراجي)

وكفا في الهندية. وكتاب الصلاقالات السادس عشر في صلا الحمدة عن ١٩٥٥ ج1: مكت. وشيلية كوته

وكشا في مدالع المسالع: (كتاب العبلاة، فصل في بيان شرائط الجمعة. ص ١٦٥١، ج1. مكتبه رضادية كولله) ۱۰۳ پاپائید

جس كا وَل كَ مسلم وغير مسلم آبادي الرها في جزئر واس بين جعد واتلم

ا⊈ کی کھ

کیوافر دائے میں طارہ بڑندرین کنارکیا کیا تاہ کی جسٹی اور دیکٹنٹر اور دیکٹنٹر کی فیال آرہ دی اس واقت وہ جارہ پانٹے سواروں ہے۔ جس میں مسلم و نیو مسلم صفحہ والیہ سمی مقابل جی سفوری دیکا کئیں تاقریق طور پر جی واری محرق مکمل جینہ میں کا واقع روز لیدند انداز کی وفاوں ہے۔ جس وقول جیس موادع بارے نی وجد جانزے واقعہ واقعی م

یک دول مد حید بیائت این که هم کاف با که سب سے برق سجد میں اس او ف سے وگٹ دیا جیسان میں بعد جائز ہے نبیلہ چک نبر درہ ہمیں اسر میں میں الدی میان کیا تھا ہے۔ اگران اس فی صد سب کا بیانی درست ہے تا انگیاں اور قیم مقلد میں ہے، درمیان جھڑ ڈھڑ ہو جاتا ہے۔ بیٹ مرکاف میں میں وٹی اور ایک تھو کیا جو تی ہے۔ جس میں کاف کے ایک ٹیس آھے۔ میں تیس میں دائجہ میں میں اولید بوفی اور ایک تھو کیا سمیدے۔ انتہاں ترا اولیک موسک بول نیس کرد دائل اور انتہار کھور میں جسادی میں میں اداعات جا کہ کہا کہ انتہاں ۔

اً مرحقہ احد قب بھیدہ تاہید کی ایس ڈائی بیٹی پاسٹانا جا کہ اور وہ گاہ کئی گیلیانک جند و مردر کے پڑھیں اس بالد اور جند ہائٹو کی این وہ احد ہوں کے بیٹرانی ۔

803

الهم الداره أن الآلم- والتقرير الهما الدول الماذ الواقع الين أن الرفتها والمن وسائسة والميكم المساولة في الحا قريس والرمون الماد والأساف في والبائد عن المداوم في أرفزا جا المحكم المن الميكر والمن الميكرة والمعلم والدارة ا المهادئ والمدارجة عن المسائل المواصلة في ظرف المداول الدولة والمحكرة الشارة قاطع موادوم والوارا والمعارفة المرافعة المعرفة والمرافعة المرافعة المعرفة والمرافعة المعرفة والمرافعة المعرفة والمرافعة المرافعة المرافع

وازا فلناء تعريجه في حاشلة تعبرا بالعي فلعجاب

٢٤ كنما في ردايسجدان في التجمه عن أبي حيفة أنه عداة كنوة منه حكث وأسوال ولهار حائق رفها والي يقدر على إنهاف المعلوم من الطالو محتسب الغ واكدات العملاء دات الحمية من ١٩٢٥٠ ج٠ حكمه بيج إليو مصد كراجي)

و كا دا مي الدياية شارح الهندية؛ والشاب المسلامة، بات صنوة الجمعة، ص ١٩٥ ج؟، دار تكتب المشيخة بوراندي و كفاهي فتتاوى الدنار عاليه الاكتاب لصلافة العسل الحياس في صلافة الحديدة. من الاجام ١١١ والمنظران ما كراجي:

أكسبنا عنى الهند به: عن أمن يراحك وعبد الهياءة (منسور في الكبر منية عداهم لم يعتمهم) (كتاب المسلاة بالدالمعمة (من 1913م ح1) عوجسس بلك أير كونته)

واكنة من السيادة شرح الهياء به واكنيات الصلاف لا يحيلا العيمان عن 15 هج 17 بار الكني المعلمية ويروت إذا واكندا عن المساول الدائر خالية واكنات الميلاف العمل العاملي في منالاة المعلمة، من 20 وج11 فارة القرال والراجي)

٣) كسما في الهيدة والمصور في طاهر الرواية السراسج الذي يكون فيه معت وباعل يقيم المعدود وينده الإحسكاء الدول الاحساس مريد المساحة من أهل أغرى والمدادي لهما أن يسلم الطهر المحدالة يوم المحمدة الدول والمادة (اكساك المسلامة المادات) عنر عن صفره المصدة. من فروا (١٥٠٥ ملك) المألية والمددة كراية)

ا وكان من رفانده مدارا وكدار الصالات بالداء المجادة التي 174 مج (الدكارة الجائي بدعواء) كرابها في ا وأكد عن المجرالوائل: والتناب المسالات بالدائرة المجلسة عن 1944 مج (المكت راتبادیه كراته) الا كتما في الفناوي الماكار خالبة: وعن أبي يوسف الموقي رواية أخرى سد قال اكل موضع بسكر عبد المدارة الدائرة والم

[.] عشرة ألاص نفريد لاكتباب الصلاق المعمل فنحد مين، العشرين في صلاة المحمدات البوع السامي، عن - 19 والع أن الدرة الغراق والعموم الإسلامية - كراجينيم

ع) الهيداب: وكنام الاصافة الذاء مبالة الحيدة، على 180 ع 19 سوجيتان من أثيرا الوقع). وأطبقا عن الناب شراح الهيابات والتدر الصلام بالراصلاة المعيمة على 186 تا 180 حج. دار الكانب العبلسية بروسايد واكد عن العنع القدرات وكتاب الصلاقة بالداصلاة الجديدة على 1877، ج75 الكيار شيدرة كوكان

جمعه کی اوا کیگی کامستخب وقت کونسا ہے"

﴿ل﴾

کیا آر باتے ہیں ملاء ہیں اس سند ٹال کر بھوا ول وقت ہیں اُفقل ہے یہ آخر ہیں بھو کا منتج وقت کونسا ہے بہما یا ''حری۔ اس مشریس تنعیس سے روشی ڈال کرھٹر میکا ' وقع ویں -

有ご声

جمد شرائیمل مینی اول وقت ش پز من مستحب اور بهتر ہے۔ آئے کی تقریباً ماڈھے یا دو بہتے توال آئیب بہتا ہے اوائید بہتا ہے باؤیا مربع کا کہ بہتے کا انداز کر گئی جائے نے دادہ اقریبائند یو اکس ہے عشور مکل التدبائية اللم کا معمول: وال سے ما تھ حمد پر شنکا تھا۔ اور بکن متحس ہے۔ عسن انسس ر حسبی البلہ عند ان اللہ بہتی صدالتی اللہ علیہ و سلم کان بصلی الحدمدة حین تعبیل الشدمد رواہ البحاری (الم شامی ش ہے لکن سوم نی الاشاہ من فن الاحکام اند لابسن لھا الاہر اد۔ (*) کے تقد واند تو اللہ اللہ

ايك موجيل كمرانول برشتس آبادي بس جعه كأتكم

∳U}

کیافرہ نے بین مان و بین اس سنا کے باد ہے شدیکا ایک کاؤل پی مندرجہ بی فرائد موجود ہوں کیا اس پی فرما ہو دمیر بین کی فراز یا سناجانز ہے یا تھی جند آفر بیا پیشتیں مال سے زیداں ہو اور میدین کی فرز دیوجی باقی ہے اور دکیل امام اور مند شدف کی دروارت کہ انہیں الله احتماد عوافسی اکب صدحا جد ہم لیہ جسم بعد (۲۰۰ میں کوما صب جائے کی کیا ہے بیش کیا ہے تیں۔

- دع مشكونة المصابيح: وكتاب الصلاة عاب الخطبة والصلوة القصل الأول عن ١٩٣٠ قا مني كتب عائد عاب عني كتب
- ۲) كسما بني الشماعية (كتبات العبلاق مطالب في طلوع الشميل من صعرتها من ۲۲۵۰ ج١: مكتبه البنج الياس معدد كالم و ١٠ مكتبه البنج الياس معدد كالم المي صحيح المعاري، (كداف الحددة الدان و دا الحدمة إدار الله الشميل من ٢٠٠٠ م ١: فعدين كتب حاله كراجين).
- ٣٤ كما في الهدايد (كناب العدلاف بالداملة الجمعة من ١٩٥١ م: بلوجمتال بك قبوا كولته)

الن کا در آرگان قرادی و جو کنر خرار پر گفتهای ہے۔ از تحوی بالانداز بیات آرہے جی جو کہ سعد ہوالا کا کو است آخر ہا کہ وجی کیل کے فاصل پر وقع جی ادارات کے باتھ وقعد و النجاد و جو اس الک کا کارس میں ہوا۔ محد زیران بھی دکا کی معرومہ بناز رکھی وکد اسٹیا کھوں کے در تھو تاتھ و النجاد و جو جی میں ہیں اس کا کار ایس ایک آنا ہینے کی مشخص مورک ہے ہوئے کی مقبورہ دیونی ہیں ہے۔ انگلان و در در رہے باتی کا در کھار دار کا ایک والی وقید وہ دیونی ہیں۔

الميدية كالندرب بالاشا المدتهر وتحتيه والمعين الشاشق سوافي اليابا بالمكاكا

و ج به

بياء فريرة اليسطير وسنداس على الدائب جمود المصلين بلغ بيادُ النائم كي أماز يوسط مري جمد مك يؤسطة المصافع في فراز المدال ما وقد وجولي ⁶⁰ وقد والدائعاتي الم

ايك بزارك آباوي بمشتل كاؤل مين جعه كاحكم

∞ آن تعد

کیا قرمات جی ماه در این در زیرا سندگراییک کا در پایش بیش کید جائن هم جد سینا درای چی پایگی وقت آماز مهام ساز انرسانی دولی این و دکاف بای آن بازگشر برای در آن بیش بازششش سنید -

कंट के

() كانسة عنى وه المستحدار بالشخار عن الصفيرة التي يدن فيها قائل و مدر و حالها - الالزنادان إن الى
السحو هر الوصلوا في القراق الرمهم (داراللغاب و كانات الصلاف بالب الجمعة با ص ١٣٠٨ - ح ١٩ مكتب
السحو عرب بدياء اكرامي إدار الاله في الهديات (كتاب الصلاف الدا السادس عشر في صلاف الحبعة ،
الدا عدا مكتبه رخيمه كوكته)

وكدا في المدر الواتون وكمات الصبالاقد بات صبالاه المحتفاة من الازاقاع 5 مكاره وشديه كوك). ثام الدرا وي ودائد خدار مع الدرالسختار ويشترها لصحبها) سعة أشاء الأول والمصرية ... ولقع فرشا في التقديمات و لقرى اللاسرة التي فيها الدرال الركتاب لعالاه بالمالسفة من ١٣٥٠ مـ ١٣٥٠ الاتاراد الاتاراد عراد مكتب سع ب منصدة كواتيني، وكندا في الهدامة وكتاب لصلاف الماسات المساولات المساولات المساولات المساولات المساولات المساولات المساولات وكتاب المساولات المساولات المساولات المساولات المساولات المساولات وكتاب المساولات المساولات المساولات وكتاب المساولات المساولات وكتاب المساولات المساولات وكتاب المساولات المسا اورض دوبات کی قرام اشیاہ وہاں میسر دوں اوٹ رہی شرورے تھودی کرنے کے لیے وہاں دجوں کرتے ہے۔ اس وقع اور ان میں بس کا قال کا اگر ہے لیآر یا ملے وہے بیس جدلی خان ہے درنیس دریہاں کے لوگ خان تھی۔ برجا معداد کریں (۱۲۰ ملک و لا تعانی علم-

سات موافراد ومضمل بتي مين جعه كأتلم

وكه

کی قربات بھی طاعہ بن در زیر سست کا کیکے میتی جس کی ہوئی جائے ۔ افراد کے قریب ہے اور بھر کی گئی۔ حدود ہے میں دوقر الانک در سیدادر کر بیار ہے کا حاقر نہ جونا تا کسی کی بیا آبادی شم شروش کی او دیگی دوقر سکیا ہ آبادی شریعے کا قرار دی ہو ملک ہے اور ان میسی بھوکی فروج عمال نازیدے یا جائز سعو بیر دارا را مجدال پارٹھ افت از زیادی اعداد کے شرعداد کے ماتھ دولی ہے کہ دور جسمی ہیں تھی ہماجہ ہیں۔ ان مار فیر معاد ان کا جو جود کا ہے۔

#2 F

قعادیہ وافران عند معین معین کی بلدائنوں کا مصرکاے کردہ ٹیدسیا کی معرک کیے ہے واٹیل اکرمعیا کی معرک ہے گئیں ہے بند جداکا وقر ہے ہے آتا کی کاشم سنتی ہے بھی اگروہ قربیہ کیروپ جدوا جب والا وفالا ورند کھیں (''' آرفال فی المندمی والنعویف احسین من المتحاملات آغ ('')

- الاست على الكوكب الدوى: أن شرط السطر فدساً والكنوم ختلفوا في فابتحقق به العصوبة الفعل
 منافراء أأسير إعليه الحدود ... وقبل عامه أرسة آلات رحل إلى غير فائت وأموم الحديث عامه ما ماداد في ترك الحديثة من من حدر حدر عن على إلى الإساء الماح عام العام أن كواجي).
 - ٣) كند بقدم بحريجه مي حاشية بصر ١ ص ٩٥٥
- ۳) اكست فيي و دائمتختار : تمع مرسيا في المعينات و الترك الكرار دالي فيها اسراق ... وقيت داكرت البارة التي الدائاتيون في المحمولة التي نسب فيها قامل و مسر و الحطيبات (قدات الملكة؛ دات المستعة؛ من الرحالة : حرالة على المحمد الرحالة ...
- و الدامي ذات الرائق والادراء العراض على باد بالصلاة البطيمة في من (13 ه ح * مكت رائستانه كالانتها) . و كان داني الهادد ، ما وكتاب العلاة الناب السادس عشر في صلوة الجمعة دادن 1280 مع (1 مكته والبيدية كولته)
 - £ي و المحتار: وكناب تهيلاه ، بات الحجم ، في ١٣٦ ، ج٠٠ مكت يح ايم سينا كراجي).

صورے مسئواری جنگ ہے کہتی منتقل مام سے مشہور ہے اور کیٹی کی صداد سے باہر ہے شہری تو انہیں کا اس میٹی پر اضار کنیس ہوتا اور شرکی خواش کے ملے تیس ہے قائل معرکیس ہے۔ یہاں کے لوگ فی وظہر وہ ہو جات اور کریں فاقعہ جدد عربیدین میں مارور مشائیس سمک نظامانڈ تھائی اسم۔

پائی ہزار کی آباد ک والے شہرے تین کیل کے فاصلہ پر وہ قع شن صد آباد کی والے گا وال میں جعد کا تھم

ە كىنې

کیافر است چی عاموین اوج مشد که کیدگان جوینیاش کم افواران حالی تین صد فرادگی آبادی پر مشتمل به کازل نرکزرے احدیٰ شل کے فاصلان مید علطان پردنامی تعب او کر بیا ایک مزارک آبادی او جار باشام ارکی آبادی پشتم سیدواتی بیده به ندکوش و تدریک ساتماز بعداد کی جائے ہے۔

ا ب اول بیا ہے کہ میداد کو میں جو کا زائر کی جائی ہے واقعی جائز ہے یا گئیں واقعی ہوکہ کی جو کی کہاڑیں آئیں ۔ جو اند الرائش کے ناوائیس جو ان -

40°

یهم احداد تنسی الزایم الزاز جمد کی صنت کے سلیے شریع اقسید کربر و مونا خرور کی ہے کا فرال اور و بھات میں جمعہ کی غزاز اوائیٹس موشکل دیا ہے دیت والوں ہے جمعہ کے دانیا ہے مجانوں میں ظم کی چود کھیٹی اوا کر ل قرض ہیں۔ ورشم کی مما مت وابسیہ ہے مواجعت اوائر نے سے ان کے امد سے فرش فیٹی سا آدگیش جوتا - بکسید ووراحت فس

() كليف في رفاضيحية (الأسجاز في الفيمرة التي بيس فيها قاض و سير و خطيف ... الأمرى أن في
البحوامر لرصلوا في القران فرمهم أن الظهراء (كتاب الفيلاقات بأب الجمعة ، ص ١٩٣٨ ، ح ٩ مكتبه
البح إيد سعيد كراجي).

و كندا في الهندية. ومن لاتحت عليهم الجمعة من أهل القراء ، وألبو دى، لهم أن بطبارا الطهر بجماسة ينوم الجمعة باذان واقامة (كناب الفساطة الناب المنادين مشر هي صفوة الجمعة عن 119 ، ح1. مكتبه رئيسية كوك)

وكفاطي المعرابرانق وكناب الصلاةة بالن صلاة الجمعه على ١٠٦٠ ح ١٠ مكتمه والبديه كوظه

اكتما في دناسم حيان صدورة المهدي بقري ذكره بحريما (در لمحيار) رمثله الجمعة (وكتاب الميدين عن ١٠٠٧ - ح٠٠ مكتم بچلهر سيد كراجي)

ی آن بیمان آن امریکل کو مراحت کے ساتھ اوا آن با انداقی کمروہ ہے⁽¹⁰⁾ اس لیے دید سائٹری جھا اوا کرکے ہوئے اور قرص کرانی ان کا مدہ بھرا است اوا ٹی ہوئے ⁽¹⁷⁾ ماہ حال کی اصدی آن دی وال ان کسی میں است میں ہے اور ان میں انداز مداوا کر اور سرت کیس ہے اور حصصہ والا مشویق والا فطو والا اعدمی الا فی عصر حامع اور کھا قال (20) فیزوں فیرقمان المم

جنازہ گاہ میں جعہ دنماز رخبطٌ نہ قائم کر نے کا تقم

ه کل که

کیافر و بیت تین ملاء و می در پر سندگ دینا: های جو کرومه شوهی ہے اور قابل آبادی ہے اس سکے ساتھ محکہ جاستہ موجود تین اس چی آر موجوکات جندہ فیرہ قائم کیے جاسکتے تین آرکز ایت سنید آر کس معالک ہے۔

ونو

قبر متان کی زیکن شن میچد بنانا در مستشیری اگر جنازه گاهاش بی تقییر شد استیاد رقد زیول کے سامنے قبر میں۔ انگیان چر نواس میں فوقت تراویز اور جمعہ بیا هما جائز ہے ^(۱۱) کنظاد دندائوال دخم

(ع) كما من ودهم حدار الفاج الرضاء في الفصيلات والشرى الكبر ؤالتي ويها المواقى المد وفيها فكرانا إشارة إلى النه في ودهم المواقع الما وطبيع الماض و صبر و حصيب كما في المحصيرات والطاهر أنه أربعا به في كما تعدر أن مداه كراهم في المحصور المحافظة الإلزاق في في المحواهر الوصاوا في القرى الراج و أدار العمهر وكتاب المحسيلات وبالرب في مالي العمل و كان مكتبه اليج المحسيلات والمحافي و اكتباء في مسابقة المحافظة ال

 اكام الحي الهدائية: ومن لانساب أسام السماء من أهل الفرى والبرادي لم أن بحيار الشهر مجاهدة بوم الجامدة دادي و اقامة و كاداب الصلاف اثناب السادس عشر في صلوة الحمدة إص عام 190 مح 19 مكيم راسيدية كواجه.

۱۲) الهداره: وكتاب العدالات الدام صلاة العسمة على ۱۵۰ م تا سوجه اللي المدائيو كوتاب. وكاملة في الباء وعائد راح الها فازاه وكتاب العدارة، وقب ممالة الجمعة، على 6) م تا دارالكات الاحاظ بيناء الروت)، وكانا في فاح القدام : وكتاب العدارة بالمحاطة الحديثة، على 19 ° 19 م تا المكتب المحاطة ال

ا) كسما في ردالمنجدار: ولا بأس بعدالا فيهاإذا كمن فيها موضع أعدد لشدالاة والبس فيه قبر
 ولامحاسة الولانيانية إلى قبرا وكنات الصلاف مصليه في إهراب كاند ماكنان عن 176 ح.
 مكتبه الج أيد مجد كراهي) الركاف في الجمع الترمدي: (أبواب الصلوف باب ماجد أن الأرض الكانه الحد أن الأرض الكانه الحديث الكانه في المحدود المرافق الكانه في المحدود المرافق الكانه في المحدود المرافق الكانه في المحدود المرافق الكانه في الكانه في المرافق والمركز هيهال عن 186 مع الديارة جرافيج المرافقة كراهي).

جيل مين جهدةا تمركا

قتل کے جرم بیں جم بتید کی سز ویائے والے کا نماز جمعہ بین امام بنتا جاس کھ

کیا فرنائے میں طاقہ این دری مندک چیل میں بعد گائٹو کرنا ہا نائٹ یا تکن اور کیا گل کے جام میں توقید کی مزایائے والاجھی جندگی تماز بڑھ مکرکہ ہے یا تار

40°

ثيل كا دواز وليوب باوت أخم وكم يدرجنات الرخوسة كي هم في التيانيان كالدروسية الوي و يا اخت في ابازلت المواد المركز في يوي في اليول المركز ألا بالإسرائية المام يدى الوي الموروس المواد المواد المواد جمالة لا المواد المواد في قول له إفلا عصر الحق بالمواد المواد الولعادة قديمة الان الاهل المعاد مقول الاهلة والماد مقول المواد مقول المواد المواد مقول المواد مقول المواد المواد مقول المواد ال

ہ بندار مسائل ہے و خف مخف کو امام رہا ہا ہے نے اگر ایسا شخص در ہے اور قبل کے جو مسیمی و خود قبید کی قویہ ''نامی جو جائے اور مسائل جائنا، وقرائی کی امامت بھی ورمت ہے ^(۱۱) - فتقا اللہ تعانی اسے انقل و کرم سند آ ہے کے لیے رائی کی مجمومی رہے ہے و فرائے ' آئین '

ا و كنده في مشكرة السعباسج : عن عائشة ، عنى الله تعالى عنها قالبت ، فالإراضال الله صلى الله عليه - وما ما ما إلى النعيد (ما اعتراف ما ما الله وقات الله عنيات معى عليات كتاب الدعوات والما الاستعقار - والتراه عن ٢٠٣ ح ١ وقايعي كتب حاله كراجي)

وكذافية وكتاب الدعوات الهاب الاستخال والمنه المناص (و تا و فعيسي كانب خا و كراجي)

ان البدر المستخدر منح وها واكتباب الصلايل بمن المستخد من ١٥٥١٥ ما ١٥٥٠ ما ١٥ وكتبه فيج الهوسميد اكتر اليفي إلى وكتلا في الانهم واكتباب المستلاف، بناب المجمعة من ١٥٤١ ح. المتكبة العمارية اكركة إلى وكتبا في المدد الفياري، وكتاب الصلاف بالم المتوة الحمعة والعندين: من ١٥٤٧٥٤٦ مود الملافقة المود مكتبه فارتاملوم الواجي إ

٣) خار لعه تعالى يانى لعفار سي نات وسورة طه : ١٠٠٠ - ٨٧)

سات ہو آبادی والی ایک ستی میں بھ کا تکم کہ جس ہے۔ ایک میل کے فاصل ہر سات ہزار کی آبادی ہو

s کے 8

کیا آرہا ہے این حدود ہے ور پی سند کا کہاں ایک اٹنی ہے جہ بیانوں کے وقت میں واقع ہے۔ اس کی چارہ جاری کے اندر تقریبا چیوں میں موقی آبادی ہماہ والی کا آپ ہائی ایک مکتر سے چار کشر تک جو آباد بال سے دو تقریبا چیرس سے جاری جی اور حویل پانقریبا الحارہ سرال سے جسر وراج بین کی فعاز جاری ہے قراکیا اس کہاں سکی شیما اور دیکشری جمعہ یا جانا جاتا ہے آبادہ

الأرث إح

صحت بنده ارج از جدر کے بیند مربی آر بالیر وا اور شربا سیقر بیکی و جس کی آبادی و و دالی برا در اور اور اور اور منه وربات به الی تمام میسر دون معربی تشویری بید مربی ایس میسی جان کافی بید به مرکی آبادی تیوست موسید فراند بیشنج و میدان میان میان در در و فریدین جازگین ایسان المیان کی اور ما اتب باشاعت او اگری (⁶⁾ آس بیس کی آبادی داید میشند کی مراح ای دائید قریباتی در در میران می اوسلات مرد ف می و کید و بید تارافیس کیا جاز ان بیشند و ایشیال کیان کے مراح ای دائید قریباتی در در میان کی در وفا اور این می داخل جی- فقا والله توانی اطل

ايك شهر بيركل مقام برجعة قائم كرف كاحكم

خ ل پُ خ

ا پیافرہائے میں عمارہ میں در این مشاکدائیں سمید جاکہ ملکان شہائی مدمہ میں واقع ہے امریقی کے اوکرہ کافی آب دی ہے اس میں نماز جدد کا اس مام کیا گیا ہے کیلی جعنی اعز ابت کیفھ ٹیزر کسائل البحد میں جمع ہو جمجی ہے۔

وكورطي الهجر الرانق: وكتاب الصلاة بال المجموعي ص ١٩٠٠ - ٣٠٠ مكتبه والمعدم كواله)

ە ئ ه

حقيركا كي الفرد المعتدار و وهى في المعدود و المعتدار و وهى في الدر المعتدار و وهى في معتبر و احد بهو احد بهواصع كتيرة معلقا على المعدود و عيد المتوى (المسين الرأورب مجدة مالا بوراً مم المدون و احد بهواصع كتيرة معلقا على المعدود و عيد المتوى (المسين المراكل مجدة في المدون المراكل مجدة في المدرك المراكل مجدى المدرك المراكل من المدرك المد

بسيرحال جمعة ال سمجودين جائز سينا لينذ وجه بها بسيرك بين كالتسميدين جمو كالانتهام أيا جائف الأربار. معجد على الكمار الكمار بعد شروع أن أبياج والسائل المستحدة والتداهم

چارسوگروں کی آبادی والیستی میں جعدقائم کرنے کا تھم

W 10 14

کیافرداستهٔ بین طفاه زن دری سند که آیک مشق برانج ربای رده گر اور اردگرد سنده گرنتر بیاسول موقی آبادی بوجانی سینادرای بخی خدوده ش بارده دکاشی کی موجود بین اورده بزی بزی مجدین بین و کیا ایک بخی بیش جعد بزیشناجا نزیند-

 الفرالمنطار: (كتاب الصلاق باب المهمعة عن ١٤ (٢٠١٤) و ج٢: مكب ابنج ايو سعيد كراجي). واكفة في البحرارات: (كتاب الصلاة باب المحمعة من ٢٤١٤- بـ٣: مكبه رشيديه كوته).
 وكفة في المحرارات: (كتاب الصلاة باب المحمعة من ٢٤١٤- بـ٣: مكبه رشيديه كوته).

. في البحرام الله: (فتاب الصارة بالب المعتقدة في 900 ج10 مج15 مكتب ر شيدية كونته). - القدير: (كتاب المبارثات باب صارة الحجيدة في 700 مج15 مكتب و شيدية كونته).

و والماء حدار: وكذاب الصلاف مغلب أن طاوع الشمال من معربها ، ص ١٣٦٧ - ج١: مكانه البج إبر الماء ما كار الهال - وكذا عن المحراط إلى وكدار الامالات من ١٤٩ - ج١. مكانه رشيعه كواته).
 و كما في بدق المسجهود في حل إلى فاؤد. وكماب الصلاف باب وقت الجمعه عن ١٩٧٩ - ج٢: المدادية المادان.

٣) انقدم تخريجه في حاشية بمبر لا في صفحة هذاب

م ڙه

يرة وَال قرراسَةِ و بِ الله يهن الأسه بعد ومنت كُن الناست بعد ك بين شر و تقييمًا الان منه ومي ب سيد يريف أو الإسالان ب الاستسعام الانتشاريق الاي مصر حامع الأسو و في الشامية و المع هوضا في الفصيات والقرى الكبيرة اللي فيها اسواق (١٠) - فقدوا في تعلق الام

ايك بزاركي آبادى دارنهنى بين جعد كانقم

ھ کی جد

کی فریا، از جی ما دارات میں سند کر دیں شرے اس شراع ان ان مرام امرائی کے طائق آباد کی ایسے جا اگی ہے۔
ایسے کیسٹا سا ہدار ہے حس میں جالیس دوکا کیں جی ۔ آیہ ہے یہ جان کی عورت ورزیعت کی اشیاد میں جی ۔
ج شری شوار مرائی فارجس میں ہوارتی سار ایوجر ہے جی ۔ سعید جی پانی فقت تمار المامات جو تی ہے۔
استمری میں تعداد جیاس یا مرافع ہے۔ ندوروسند می واسٹ میں شراد المان میں مجھوٹی کھوٹی کی انتظام میں جو ان جو استمال میں جی استمال کی جی استمال کی جی استمال میں جس میں میں المامان میں جس میں المرائی ہیں ۔
اس جو ان میں المامان میں المامان میں بالمان ہوا ہوں الموجود الموامان الموامات المامان المامان میں الما

🐫 b

محاوس المرتب وهم يعلق والمتعالس بين القامست جمه در سنة أثال النهم ك فمار وبهما عنت بيز عنته رقيل ⁽¹⁹ -وتا المناقبان الم

١٥ - الهيداية: وكتاب الصلاف باب صلاة المستعدد من ١٥٠٠ جاءً علو يستلل بط أبوه أنوك إ

إلى روالمحدود (كالمال الصلاف المال العالم عند في صلاف تحميله عن ١٩٤٥ م. ١٩٠٠ م.
 كاري إلى

وكد من الموالرائل (كناب الصلاف باب الجمعة، ص ١٠٥٨ مع . مكتبه وشند ، كوامم)

٣ كاميا في روائد معدار، الاستجرامي طعيمية التي ليم فيها قامي ما راو ماطاب الالارع اليم في في المرافق اليم في المرافق المرافق المرافق العدائل بالمرافق المحمدة والمرافق (١٣٨٠ - ١٤٥ مكت مح المرافق المحمد المرافق (١٣٨٠ - ١٤٥ مكت مح المرافق المحمد المرافق المحمد المرافق (١٩٨٠ - ١٠) مكت والمبدية كوفة)

وكنا في المحراغ عن وكنات الصلاف دات صلاة العمامة من ١٤٤١ - : المكتب رئيسه كولته)

سم کو پانچوں نمازوں اور جمعہ کے لیے آئے ہے دو کنا کیااؤن عام کے قلاق ہے

\$ J 9

کیا قربائے میں فاردین دریں مسکر کیا شخص شاہ دریا گئی ہے۔ کے ہے متا کیا در پیچنگ ڈا تیات کی دری ہوا کیا بیانون عام کے قلاف سے بیشا دراس مجد میں دروے قراع جو شریف جا نزیے بات

$\phi(\mathcal{S})_{\mathcal{P}}$

ليم الله وأرحمي الربيم - يه ذان له م كما ما في كين هيدا وراس مجد من شرعاً جعد شريق بالإجراكا الكريد كمي فضي كوفيا في هواوت في ما دير مجد عن روك بزا كن هيئ - لدقو لسد تسعياني و ان المستساجد المدالة الله الله - و هال تعالى و حن اطلعه مهن صنع مساجه الله ان مدكم فيها (⁴⁶ - الابنة -اليب آدفي كومجد على آث شدت ما كن ذان له م كما من أنهي . م - كياف من صورت من قرميا وكور) و يمال الإستان ما من شركا المراحة المساقيم أهما كان بناء الدار العالى ما من شريا معتود أيس موجود في المساقرة وكيس موجود في المساقرة وكيس موجود في المساقرة وكيس موجود في المساقرة المناس الموجود في المساقرة المناس المساقرة وكيس موجود في المساقرة وكيال المساقرة وكيال المساقرة المساقرة المساقرة وكيال المساقرة ا

سائھ گھر وں کی آباد ک دا لیستن میں ہمھ کا حکم

á √ §

کیا قرطات نیسایل دو این دهنشان شرع مقتل در این منطق مدجه سکنده دارگذاری این آن این این از این این این این این اور کیا اسک بگذاری نماز جهد جامز ہے جس کی آبادی آنتر ایر سائند کو این اور و بال مختیل و تن و باغیر و تھی نمیس ہے۔

(فوت) فغر بعش دربها قول ثان بعد أربغه جار ركعت فرض بحي المثيامي بإحد كيراب جوازة جروا

١) كما قال الله معالى: (سو ﴿ اللَّحْرِ ﴿ آيتَ سِيرِ ١٨)

كما قال الله بطائي (سورة الرموة آيات ١١٦٠).

کشاهی نفسیر منی : سوره استراه این نسر ۱۹۱۵ مل ۱۹۵۰ م. مک عقدریه کونفه.
 و کتا فی امدادالفتاوی. کتاب او دی آخکام السسجد من ۱۳۵۱ م.

وأنواه

ندهب بنتی گردم کتب الل مذکور یک جدستاه طویت او الابت او بنت کندگیری اور استان الدارد می این الدارد می اور استان الدارد می الدارد می این الدارد می الدارد می

ایک وسیج مسجد ہوتے ہوئے دوسری مسجد بنا کر جمعہ ادا کرنے کا تھم

(€)

کیا قربات جی مفادری اور پر مشک ایک شور دگاؤی می ایک جائے مجد میں فرصد داندے قمان معدد اور انسان المعداد مولی ہے اللہ محقّد والوں نے وو مری تبدر وہ فی ہے ہم کہ اس میں فراز عمد ادا کر یں - حدل کند دیکھی مجدد تن اور کافی سے ترکی اس دو مری مجدد میں فرز جمداد انرز جانز وکا فرند

٧) اردالسندار: (كناب اصلاه بالمالاحمية، من ٢٥ ه ، ع؟: مكته الج الم معيد كواجي).

٣٤ كسمة في راة المحتارا انقاع فرصا في القفسات والقرى الكيرة التي مها الموال ... وفيحا دكوه الشرة التي أنه الإصواف ويقب المحتارا في المحواهر الإصلوا في التي ثيم وجها قائل والمسلوا في المحتار في المحراه التي تركيب المحتار في المح

و كنفا في الهيندية؛ وكتاب الديرة في النباك الدين عشر من مبلاة الجدعة العن هذا المجدّ مكتبه. الرئيسة كوئمة

و كنا في البحر الرائق و (كناب الصلاف باب مدلاة الحصمة من ١٩٥٨ ج. مكتبه رائيدية كوف). ٢) كست في الهندلية الشرقي أكل بوضع وقع الشك في جواز الحصمة أولواج الشك في المصر أو عيرة وأقام أمله المهندة لتبقي أن يصلوا لمذالجمعة أرابع ، كمات ويبور لها الطهراء الغ (كتاب الصلاف). الباب السادير عشر في صلافة للحملة عالى ١٩٤٥ ج١ مكتبة وشيدية كوتلة :

و كما مي الدرالمجنار : (كتاب العبارة، بالمسلحة؛ من ١٣٧ - ج٢١ الرج يم حاية كراجي) وكيّا هي المعرافريق : (كتاب العملاة، باب المعاد هن ١٣٥ - ج١ المكبه رشميه كوك)

119 وب أثاب

ونه

اً دینگاول اس کرنے ہائے اس کس اٹا است ہمدار سے سیار کی اومری میں کساگی آواز ہمدار سے۔ بوک (40 انھوان کے فی الحم

يا يُنَّ مولى آيادى والسائقب مين جمد كاظم الأسائة

آيو قروت جي ملاه و پر اکره ملد تره کرائيد تقييه کي آيا. ي قريباي پي صدي سيدان کنڌ بها په پي صدي سيدان کنڌ بها چوارهن انگريخ آيان دوه قبل قرن کري پهاري پي ووقع تره اکره تري ان تقييم کن چه داکا کن کن کن تري صوره بايت زهري کي قام پيز پر ال کن جي انگري سيدان آيان پر ايران کندوکون و خوان ميل سندکدان و جدو پر ايران شرع کري چي په کي اور در جدا و هو سندي پيديکي الياد پر ايون خي صاحب صورة و انسام کي وکون کود جدار در شد سند سند شرون اداري به سندي از در سنڌ مين پيران توزيمن اوران مارکيني در سندن

ه څه

بای صدک آبادی کی تیش چی انتریت ایاس او طیفه دهره انتریک زو باید جوریا زوهی سیدان این * متوارسودت آن جوریخ مناج سال المسلیق منتقل مداوای اساب سیان مرب دن آدای ما شاند کشودی * تاکمنش جوری شاخ می شیخ خرزید شاخ بی دیگری سیده این ما در این مادان احم

- إلى المساولي المدور المعارض مع رافي ودي قرير مصر واحد سواسط أنتير فإر مطلقا عني المدهست واقبه المواري راكسان المسلاف بالمراسطة واعلى فإرواد و (١٠ حـ٣) مكتبه الجرائب حبيد كراجي) واكار في المحر الرائي راكسات المبالاة رائب المحدوق عن ١٩٥٨ ع. عكته رائبيديه كرائب و واكد في نقم المفارز وأكباب المبالاة رائب فيلاة المحدوق عن ١٩٥ ع. مكان و المسابرة كواندو
- (8) كلما في والمحدورة الإسعار في تصفير فابني قيل فيها فاحل وسير والحطيف والدين المسلام داب المسلام داب المسلام والمرافق من المحدود والمرافق المسلام والمرافق والمرافق والمحدود والمسلم في المحدود والمرافق والمرافق والمرافق والمسلم في المرافق المحدود والمرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المسلم في المسلم في المسلم في المرافق والمسلم في المرافق والمسلم في المسلم ف
- (2) كما قال الله تعالى الوصول بالله وليوزانا ثم ويأمرون بالمجروف ويهين عن المبكر و بسار عول في المبكر و بسار عول في السيرة عن المبكرة والمعالية عن المبكرة والمبارك و واعتلى من المبكرة ال

ا یک بنرار کی آبادی والی الی بستی میس جمعه کائتم جس ہے فرل تگ دوفر لانگ کے فرصلہ پراور بستیاں ہوں

هَ کَيْ

کیوفروائے بیں لموروں اس مندی کو ایک کی آئی ہے جائز ہے اس ان ان ایک جو ان محمد والیہ عدر ہے جس بھی تھی قریبان بیروروں کے اور زیباں ناریکنیم میں اور وس دوقا نیس جس جس میں قریباً تمام نے وریات ان کی کی امیر مقرک ورچوں تھی جس ور باریکی میں میں بھر وہیں ہیں فروائٹ وفروں کی سکتھ نیلٹے ہے جو کے مرکاری کھر ہوائی کے ماتو نے دوولی جس قرائل میں جمد وہیدیں مائز جی ۔

مۇرى ش ياغىيى يىقرىيىتىنى ئەپ دەرىيىلىل ئەندە ئىيىرىن جائزىكىن ^{(سا}ساختە داندانتىلى) ياغلىر

جامی معجد کو و یان کرنے کی غرش ہے و و سری چھوٹی معجد میں جمعہ شروع کرنے کا تھم

€0°}

کیا فریائے میں صابے دین در پر سسک ایک شہری انہائی جائے محد ہے اس کو بھی دائما جسر پھھا جاتا ہے کہ کارٹن اور نیکو چکو کے بات ہر جاتا اگلے دوسری کھوٹی سمبری جسرتا کہ کر دیتے میں اورا جاتا اداد دمجی ساتھ ساتھ ہے کہ جائم سمبر دیمان دوجائے کیا ان کو ان کے سیدہ دسری مجوثی سمبری جوٹی وواد ہے جائز ہے دیدائے جمد ہو توقیق ہے آنیاان کی قرائد اولی ہے یا تدار جوزمان میں سمبریس بڑھ کیے جس دواد ہے۔ ارباد دس دری کوئی قرائد دو

 ⁽³⁾ كنت في « فالمحدر: الاتحور في المنظم أداني بيس بنها فاعل و فشر و حقيب وإضاب الصلاة، باب الجمعة، ص 47 () ح7 () بح يتم مصد أثر يني)

واقعة هي الهمجية: (كتاب المسلاقة بات السوار عنم في بيلاة لحيمة دين 128 مج 1 مكيد وغيادة كوكة)

و كعاهي المحر لرائل. (كتاب الصلاة، باب صلاة الحمدة، في ١٠٤١ - ١١ مكتبه رئيليه كوسه إ

جه في ه

اکی جی مارق شمان معدود جنوس پرجمد کانم کرنے کے سامل شن خود فرن کا اختراف ہے اہام پوسٹیف من الدرنام اور بیٹ میں استعداد جنوب کے سروب تعدود کیا آئیں اور کیے الاسری برائے تعدد کے جواز کے قائل ہیں۔ ہی سلے احتیاط الذائر ہے اور جوارا کروہ کی جانے ہی جانے اللے احتیاط الذائر ہے اور جوارا کروہ کی جانے ہی جانے استعادات کی تعداد معروب کی جواری ہے استعادات کی تعداد معروب کی جواری کے استعادات کی تعداد معروب کی جواری کی مستعمل میں استعادات کی تعداد کے استعادات کی تعداد ک

محودمقا وتدعدمنتى بدرسيةام اعلوم لمثال ثثر

جارسوک آبادی والے چک میں جاری جمع کوبند کرنے کا تھم

€€\$

آليا فرمات تي معلود بن دريه مشكرك مادا فيك جمراكي آبادي تخريبة جارموا فراد بإشتمثل بدويبات

(4) كسما من شبح القدير: أن حد أي حديد لايجود تعديدا في مصر واحدو كدا روى أصحاب الادلاد عين أين يحود إلى حديد لايجود تعديدا الا أن يكون بإنهما نهر كبر حتى يكون عين أين يوسف أله الإيسجور في مستحديدا فظافا وروه عن أي حيدة ولهذا قال البر ضمى المستجح عديد مدهب أبن حديدة حواز اقامتها في مصر واحد في مستجدار فاكتروه بأحد (كتاب المبلائة بيده مسائلة التحديد عن 20 ح ٢) مكتبه و شهدة كراده). وكذا في ظافر المحدة عن 20 ح ٢) مكتبه و شهدة كراده). وكذا في ظافر المحدد مع وجاز أكتاب المبلائة التحديد عن 20 م ح ١٤ مكتبه اليج يوسيد كراجي).

و كفاهي الهام الراقي: (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعان ص ١٩٦٠ - ٢٤) مكته و شهريه كونته) مدرية المارة

أن الله تعالى: واختصموا مجبل الله جميعا والانفرافو (حيرة ال عمران: ابت ٢٠٠٥).

وقي مفعيد اللياب في علوم الكتاب توله: ولا تعربوا ... النابي أنه نهى عن المعاداة المخاصصة. هامهم كانوا مي الجامزة مواظين على والك فنهوا عنده التاسك: أنه نهى عما يرجب الفرقة، ووين الألفة - واقطم أن الممهى عمر الاختلاف والأمر بالإنفاي النغ، عن ١٤٣٦، ج١٥ سورة ال عمران أيست نصر ١٠٤٦، دار الكتب العصبة بيروت)، وكذا في روح المعالى : هي ١٤٣١، ج٢، ١٥ سوره ال العمران أيت نمير ١٠٤، طبع در الاتراك بيروت)

و كدا في الطبير المبير : ص ١٦٩ م.) صورة ال عبران. أبت نمر ١٦٠ مكتب عماريه كرك)

119 ياپاڳند

شن واقتی ہے۔ جس شن الی دوکا کیں چی ٹیس کے بن سے مام خوریات اوری ہوئیں ۔ موسد پانٹی سال سے اس میں شعد الرباد کسائر واٹ ہے۔ اب بند کرنے میں اوام شعد داختی رکز کے جی اور فتانا کا خطر و ہے تو کیے اب ان کو باتی رکھنے کے جو زکر کوئی مورمات ہے تا کے فتر نے بروا راحقیاہ کا دیماؤیا ہے کا ان کو بند کرنا خروری ہے اگر خدوی ہے توسابقہ نماز وں کے بارے میں بیاضم ہے۔

€0*

نیم التدار نشیاہ جمع - دیمات ش جمد بر نمیں ہوتا⁽¹⁾ اس دابند کرنا موعظہ دن کے میا نمیہ طرور لیا ہے۔ دوفعر کی قباری جود ہمدے اوائیمیں کی تیں اس کی تف کر میا طرور تی ہے ⁽⁴⁾ فقالہ الذات کی عم میں

ڈیڑھ صد گھروں کی آبادی والے گا وال میں جمعہ کا مکم

∞ان⊭

کیا قرامت ہیں مدے دینائی مشدیمی کہ بلکا کا اس کے ندر آخر بیاد باسدہ قرح جی اور بعدے وقت آخر یہ ا پار موجم جوجا کی کے آلے جمعالیٰ ہے حالے تو کہا جا زہے براہم بائی بعد جا اسکیدائے تج میزی کیں۔

633

- (۱) گستاهی رد المسختان: (اسخر فی العیمرة التی نیس میها ناص و سبر و حقیب ۱۰ الابری ان فی سخواه و توسیرا می معری فرمهم ۱۹۱۰ اطهر و ؟ زات العیلاه بات الجیمیة می ۱۳۹۸ م ۴) مکتبه اینج اینم سبحه کرا هی و ۱۳۹۸ می ۱۳۹۸ می ۱۳۹۸ میچ اینج سبحه کرا هی و ۱۳۹۸ می سبح این العیار می شده می سخواه می سبح ۱۳۹۸ میکند و شیدیه گرفته این الهیاری فیدید. و کنات العیار می استرامی صدره المحادم، می ۱۳۹۵ می ۱۳۹۵ می ۱۳۹۵ می المحادم، می ۱۳۹۵ می المحادم، می ۱۳۹۵ می این از ۱۳۹۵ می ۱۳۹۸ می این ۱۳۹۸ می از ۱۳۹۸
- ج) كسما في قهداية من فائد مبلؤة قضاها فا فاكرها، و فنات الصلاف بات فضاء العواقت من 1914
 ج) مكتبه رحمايه إهماري موات في البناية شرح الهداية: وكتاب الصلية بات القضاء العواقت العواقت من 42 ما 1926
- ٣: كستا من بدائع الصدائع: وكفا أأيضاع الاد المسعة الامن العصر والرابعة. (كتاب المبالة بدن تصل من بيان شراطة المستقد من ١٩٥٩م ج ١ مختبه والسلابة كوظه) بـ كناه في الهندية. (كتاب المبالاة: الساب السيادين عشر في مينوة المستقد من ١٥٥ و ما ح ١ مكت والسابة كوظه) بـ واكفا في حاشية المستطاوي (كتاب المبالاة: باب المستقدم من ١٠ هه: تليين كثر وحادة كراجي)

كافل قريدًا يه وكل قبل سي قبل شركت من يوريد إن كوكل المسيدة المواقد عام يراق شرك فرا الماريد و المراقع المراقع الماريد و المراقع المر

ميدالهم والمتباعثي عدورتاهم الطوم وثان

أي كناما في وداعماتوان نقح فرصا في القصيات والقراق الكيرة التي فيها أسراق ١٠٠٠ فيما ذكرنا إشارة إلى
الله الإنتجوز في الجميرة (وكنا أن تعدير أوفتاه عبر طاجواز الجمعة فهر شوط جواز صلاة الابات
(كتباب الصلاف بالجميدة في ١٩٦٥-١٣٩٠ ع.٣٠ مكتبه أبح الله سعيد كراجهي) وكذافي الهيامة الكياب المسابحة في من علوة الجميدة على ١٩٥٠ ع. ١٩٠٥ ع. وكباب وشيرة كواهاية
وكتباب المسابحة النبات المسابحة في علوة الجميعة في ١٤٥٠ ع. ١٩٠٥ م. ١٩٠٥ م.

٣) كما في نبع الفدر : (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعود ٢٠١ ع؟: مكتبه راشيديه كوالله) .

٣) كما مي لهدّايه: ﴿ كتاب العبلاف بات منفوذ الحسفة، من ١٥٠ - ١٩٠١ ج١: مكتبه بلوجمعتان، باك ذهر كوفته

ع به كيما هي المصنف الرزائق شدة وكتاب الجمعة ، من قال لا جمعة ولا تشوط إلا في عصر حاميم ، من . ١٠ - حالا مكتب اصاديم مقتل بها.

ه) الكماء في الهدارة (١٤) أب الصارف والرب صلود المربعة، ص (١٩٠ م ح) اللوجيستان طالة فيهو كوك (١

٣) كيما في عبدة المنول شرح مسجح المعنوري: وكتاب الحميدة ماب الجيمة في القري والمدَّم من ٣٩ م 9 دار الفكر مروث .

٧) كما من روالمُعتارُ؛ (كُتَابُ الصلاة؛ بالدالجمعة، ص ٢٥؛ و ح٣؛ مكتبه الج الهم سعيد كراجي)

ه) كسامي الساب شرح الهدارة (كتاب العبلاف داب المحمدة عن إلى مع ؟: دار الكنب العلمية برومت).

جعد كي و وركعتيس فرض تين ياوا بهب

4 J &

کیا فرمائے میں ملا دو یں در یں مند کرتماز جمد کی دورکھت جو کہ باتماد صف پاھی جاتی ہیں یہ فرش میں باد اجب ب

我飞声

جِانِ شُرَاكَةِ مِن إِنَّ مِا كُينَ وَإِنْ بِحَرَّشُ مِن بِهِ (هي (اي المحميعة) فوص) عيس (يكفو جاحدها) بيونها بالدليل القطعي كما خلقه الكمال (در محتار) قوله " بالدليل القطعي" و هر لوله تعالى يا ايها الذين اصوا اذا نودي للصلوة من يوم الجمعة فاسعو الناسط و بالمستة والاحماع = (*) فتا والشاقالي الله

شہرے دومیل کے فاصلہ پر ایک سوک آبادی والی ہتی میں جمعہ کا تھم

₩

کیا قربائے میں علامہ نین دریں مسکہ کیائتی تکوان موضع سوئن تیمیل هجائ آباد میں ۱۹ اعترا ۹ عدم ۱۳ اعترا ۹ عدم ا معابل اور حدی آباز کیا گیا تھا۔ حرسہ تین ماد تک جاری رہا مواد از قائنی غلام نظیمی تقریباً جا لیس سال انسوں نے اس تماز جورہ جا ترقرار دیا اور تماز جد بند کرادی کی ۔ بہتی ندکور کا فاصلہ شرشجائ آباد سے انہوں نے اس تماز جورہ جا ترقرار دیا اور تماز جد بند کرادی کی ۔ بہتی ندکور کا فاصلہ شرشجائ آباد سے انہوں دو اس میں جبکہ تو تع عدد و تمثل سے فاصلہ تصف میں رہا تا ہے۔ بہتی ہیں مکا تا ہے کی تعداد میں ہے۔ اور آبادی ایک سو کے قریب ہے۔ ویسے آدی ویہا ہے کہائی تبعید سطح میں کیا اس بہتی میں نماز

١) مورة الحمعة يارة ١٢٨ أنت نصر ٩٠.

ت) الدرالمحتار مع رد: (كتاب لصلاف باب الحمدة عن ١٩٦٥ ه ج٦: مكتبه ابج ابم معيد كراجي)
 وكذا في البحر الراق: (كتاب العبلاف باب حلاة الجمعة عن ١٩٦٥ هـ ٢٠ مكتبه وشديه كركله)
 وكذا عن الهندية: (كتاب الصلاف الباد سالدس عشر عن صلوة الجمعة عن ١٩٤٥ ج١ مكتبه رشديه كوك)

ت ن ∺

کیا جھ کی نماز پڑھ<u>ے کے ج</u>د تمبر کی نماز اوا کر اہ طرور کی ہے۔ والس و

کی باقت ہے جو ساتھ ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہوئے ہے۔ ایک جائیں کی شروع میں درخارہ کر در اس م

- ري فالمحتارة والاثاب المبالزين بالله المحتفية الإساع 100 ما 150 كتبة النج ليم بنطق في جيء في المراقبة . - واكب هي الفيدياء واكدت الفيدلان البات المدرس عشر في الدلاة الجمعة، بن 100 ما 10 م 10 مكب. - والمستوية كولاه) من كما في البحر لرائل، وأكباب المسلاقية بالما مسوة الجمعة، بن 100 م 100 ما 10 مكتب - والمبات الوقائ)
- ۲) كلما في رياسختان الافراق أي في الجواهر وصفرا في البرى لرمهاو الدائمة، دار كتاب الصلاة بالدائم مستخدة من ۱۹۳۰ م ۱۹ مكايم بچال، سعد اكراجي، داركه الي الهندية، ١٩كنات المباركة، دايد الكادم الدائمة المباركة، دايد الكادم الدائمة المباركة المباركة الدائمة المباركة المبارك
 - وكما في النجر الراتق: (كناب مصلاف داب صافة الجمعة من ١٠٦٠ ح.٣ مكنه رخيد به كونته)
- 7) كند يي النجرائر التي وأماء كفران فإن أراد (تصلاف يها يعي صيبيجة مثل شيدجان وإن أا دا دكتهما وده الايا رائيس المحافظ الم
- و كدا في الحشية التطبخطية في عمل مار في العلاج، والنتاب المتلامة باب الجمعة (١٥٠٥- ٥٠). فديس كتب عدد كراج (

र्क 🗸 ले

جین پر چھ کی نماز فرش ہو ہیں پر جھ کی نماز پڑھ پننے سے نلم کی نماز ڈ سے ساقہ ہوجاتی ہے۔ انبذا جھ کی نماز کے بعد ظهر کی نماز ہوجا تو نی نم وری نہیں ⁽¹⁰-

فرمتیت جمعہ کے لیے تنہر یا تعرب کا ہونامنر وری ہے ^{(عن}سقید کی تعریف حضرات ملاء پیاکہ سے جس کہ جس میں ہاڑا رہوں اور ٹر بدوفر وضت ہو⁽⁴⁾ مقاواتی مردم تاری کم از م تین چار بنیار کی ہو⁽⁴⁾ مفتاہ والند تعالی اظم ۔ میں ہاڑا رہوں اور ٹر بدوفر وضت ہو

شهرك اليي مجديين جوركاتهم كرجس مين بانج وقت كي بإهما عت نماز ند بوتى بو

عادِّ من بكا كيافرها هي مقتيان ترساهين ان مسأل بمركز

 كسما في حياشية الصحطاوي على مرغى انفلاج: وليس الإحتياط في بعثها، أأن الإحتياط هوائمسل بالقرى الدليلي وأفراهما إطلاق جواز تعدد الجمعة ويعمل الأربع مفسدة اعتقاد المجهلة محام فرص المجمعة أوتعدد المفروض في وفنها، والايفتى بالأربع إذا للحواص، ويكون فعلهم إياها في سازلهم.
 وكناب الصلاة بالما الجمعة، ص ١٠٥ مكب قديمي كسب حاله ماكراجي)

وكفة في رفالصحتار: وكتاب الصلاق باب الجمعة، ص ١١، ١٩٠٥ و كنه ابع ابد سببه كراجي). وكتابي البعرالرائل: وكتاب الصلاة، باب الجمعة ص ١٥٠٠-٢٥١ ح ٢؛ مكتبه وشهديه كوتله.

عندا في الدوالد محتار مع ودا (ويبتنر قالصحتها) سبعة أشيادًا الأول: العصر ، قال ابن عابدين،
 وتبقيع مراسبة في القصيات والقرى الكيران (كتاب الصالات، باب الحميقة، عن ١٢٨٠ / ١٣٣٠ ، ج١٤ /
 مكته ابنج ابنم معيد كراچي)

وكنيه في الهندايية: وكناب العبلاق بال صلاة الجمعة، عن ١٩٥٠ ج1: مكامه بلو يأستان لك قيو كوتله) _ وكنما مي بدائع النصائع: وكناب العبلاف الفصل في بيان نبرانظ الحمعة، عن ١٩٥٩ ع. ح٢- مكتبه رشهايه كوفته

٣) كسيافي و دالسختار: نقع فرضا في الفصيات وانقرى الكبرة التي فيها اسواق ... (كاناب الصلاة الله الحمدة من ١٣٨، ج٢ مكتبه البجالم صعيد كراجي)

و كذا في السعر الوائل. (كتاب الصلاف بات مبلاة المعدة: ص ١٣٥٠ ح.٣. مكته رشيدية كوئلة). و كذا في الهندية: وكتاب الصلاة «البات السادس في صلوء الجمعة» ص ١٤٤٥ ج.١ مكتبه وشهدية كذاتهم

عالمي الأنكوكات الدوى الانشرط المعدر فصطر الكليد اختلفوا في ماينجفى به المعدرية ١٠٠
وقيل: سابية أرسط الأف رحال إلى عور فقك وأنواب الحميمة ، باب ما حدوق ترك الحميمة من غوا عمرت عن الله عدمة من غوا عمرت عالم المراجعة الإفادة عامرة القرآن الكراجين].

(۶) آیساسم و کی بیابی کی مان کل دوای ایجانی سالسانم ل کرد کی سالسانم بارگرد کی دور سیاوقات اور ن کس خارته خارد کاوان می اور ن کوکن کی دو قبل بلدار برگسیده و تکی و پاس بیدجا با تا بید سرف آفر کی نور میک برخیر قوار نیستا کی آبرای میده این میک باید تا آن کی بیاب کی این مساجد می جدر واقع بینیتها کش اور امرائی شرا کاری وی اور میچرد کا آباد بود شرا ما و در مدایس ایک بید و کمی کارتیک و در سام ری شرا کارشا بور اردو در ماکاری مال

(۱) و بيها قول اور د بها في جگون شن به صوبه از سنده گنگ به حالا فدوه نوعه السام ها و ۱۰ آگر دو شند شده او د اجمول و جو رو کالیمی بوتی تین راب شن مرکاری آوی اور به دار دونات -

ه ځ ک

(9) - ان مهجد ان جعد مها نه ام یکونگ بعد کی صحنت ان که کیم مهجد کارون می که داخش ہے - ویت کرالانڈ میں بھی وقی شراعظ کے موجود موسف نے سرتھ ان جعد کا انتظام اوجائٹ کو جعد ان منام اِس بھی گئے اے شاہ این ا مہم بھی ہے - چھر کی قرار کارون موبل ہے وہ ماکی واقعہ ہے کہ مجھوکا آپاد مکنا شروری چیز ، ہے - وہاں نے کال اوالوں ہے اوم ہے کہ اس بھی بڑج افزار کارون کا انتظام کا انتظام کا ایس کم از قرار اوال نے این (''کرایٹ جعد ہوان ہے

(۱۹) ما بربر قول اور دربیاتی بیگون ش جمعه جازگین ہے جمعہ کی سے ایک سے شاکا ہوز مند مران ہے۔ ایس کی مختصہ تربیقی فقیا ایک ها داستان سواوو میں مثانا جائے اوران قائلی اور دائم بول ہو تھے وہ وکا مع بقد دات رکھتے میں ایس ش درا راوزگل و سے بول اوٹے وہ نیا وہٹی تصافر نے میں لوگ شیرا ورسو کہا کہ ایک میں اس ک حصارہ واکٹر والی کی لوگی آ و دی شکھی کی ایک ایک وکول کر بھر یا حذب بھی ایک سے جا را ایک واقعی میں بھٹ

د و كنت في الهداية و الحكم هم مفصور على المصلى فر يحور في جميع الله المصر لابها مدادته في حوالع حلم (كناب الصلاف من مشوة الحد اللي 1930 ع ، مكنه توجيسان مك أبو كوف»). و كند في الفتون مثاله خاب (كتاب الصلام العمل الخاص والعشرون في صلاة الحجمة (الو

الله في من بيان المراكمة في معمد عن 194 م 19 مكتبه بتاثرة الغرائي أكر جي). المراد المراد

واكدا في العرائدختار: واكتاب هميلاه ، بات يصعف عن ١٣٦٠ - ٢٥ مكت بع ابم مسهد كراوي) ٢ و كساهي الدر المسحدان العسل المساحد مكه ثم المدينة ثم طفادس ثرفياء ثم الاحضم ثم لا قرر در واكتاب المسلات مان مربعها المسلاد ومردكره مهيل من ١٩٥٨ - ١٠ مكت الرج بهر مسهد كراجي: واكتاب هي مشكود المصابيح اكتاب الصادم ، درداست جده مراضع الصدرة في ١٧٦ فدوس تسب حدث كراجي:

وكده مي الهندية (كتاب الأفراف الدسائلجانس، ص ١٩٩٥، ح٥: مكنه راغيدية كوفة)

يُ ها يسك وبال مكافران يُراطر في أماز بعد في أماز كلا يعد بِيْحَقِ فَرَضَ بِهَا وَ مِنْ بَحَدَاوا أَمَنا أَمَ يأفَق أَمَادُ كَا بما من كي طرف بالانتهاد بيكي أمراوب قال في استناصة والفيما لذكوما الشارة التي الله بعجور في المصنعيسية النبي لمنس فيهما قناص والمنبو والخطيب كمنا في المضمرات والمظاهر الله الريابية المكر العة فيكر العة المنتقبل بمالحجاجة الاترى الله في المحواصر الواصلوا في القرى فرمهم الماء المظهر الشارية في القرارات والمراجعة

یا گئی سوکی آبادی والے چکے میں جمعہ کا تھم ﴿ ﴿ ﴿ ﴾

بیک منا ایش در ماویت جمد به وجب قربان ایک عالم قائم جوالت معرف صینان کی خاطر استان وارسال کیا سمیا ب اگر ایک منذ ایش اندوانش بیستان جو جائز ند دونو تهم پانکل آبدوز و بن کے اور اگر جائز دیا قربس خراج جسد جارگی ہے جاری دینچکا جنوانو قربروا - انسٹنی ضیاراند این پخیاب عالمگیر-

۱) روامنتخار: (کتاب السلاف باب الحقیقه می ۱۳۵۸ م ۳: مکتبه ایج ایم معید کراچی) و کیفا هی انهندید: (کتاب الصلاف البات السادس عشر می صلافالحیمیفه می ۱۱۵ م ج۱: مکتبه و فهدیه کوئله)

او كندا مني بندائع الصنائع : (كناب الصلافة التحلل في بيان درائط الجدامة، ص ٢٥٩ - ١٠٥٠ مكتبه و شهديه كوماء)

423

كيانس قرآن كاردت برجكه جمعه تزي

≨∪}

جناب منتيان عظام دورية الانجياء الملامليكم وحمة الشوري تد-

کیافرہ نے ہیں اس منکرش کراز ہوہ کئی میں جائرے پائیوں نیز کیائی کی ہے۔ دفال ^(۲) دلاء تعالیٰ با ایھا المذہب منو اخا تو دی للصوہ الآیة ۔ کریا آیٹ ٹریڈ ایڈ طلق ہوگوہ ہیں۔ اگرتی ہے کہیں می کیوں نامہ نے فرادانی دالی منیا اسلام نے کئی ارشاد فرایا سے میں این عباس میں (عالم میٹانل

1) و والمستقار كتاب الصلاف بال المنبعة، عن ١٣٨ م ح 1: مكت لهج إنه منها، كو إنهى

٣. ودالسعة الركتاب الصلاة ب دب الحديثة ، في ١٣٧ و ١٣٠ مكت البح إيا سعد كراجي و كشاطي الطفاوي فاللوحات وكناب العبلاة العصل العامس في صلاة العديث الوع الثاني في البياز شرائط المجامعة ، في ١٩٥ م ٢٤ مكت ادارة الفراق كراجي يد و كدافي لبدية شرح الهدايد وكتاب الصلاف المساجلة محمد على ١٩٥ م ٣٠ مكت دار الكتب العلمة بروت ;

٣ كند على والمستدور نفع فرصا في القصيات والقرى فلكيرة على شها اسواق. أوضاً ذكرنا اشتارة أو ي أما والمستدور على المستدورة في الصغيرة التي ليس ديمه فاض و سعر و حجيب وكتاب الصيافة على المستدور على ال

. وكذا في البحرائل: اكتاب الصلاة مانت صلاة المستقد من ١٩٥٥ م ٢: بكيد رشيدية كوتفه. ٤) قال الله تعالى في القرال المحيد (صورة الحققة أبات بصر ٩، يارة ٢٩)

 ه) صبحيح استحاری (اکتباب السبب) یا ب انجمعه بهالفرای والبشن می ۱۳۹ د چ ۱ د قدیمی اکتب ساته کراچی) النام الإب أمعا

ال اون جماعة حمعت إعدامهمة أن مسجد رسول الله علي الله عبيه وسلم في مسجد فيدا فيس يجوناني أ وواد تتجاري بالباد طويل أحواه باب الجمعة في تقري والمدن أ

قريق تافى جوهرم جراز فاقال جوال بالشاع الديم اليافلا تصبح الله المحتمعة الاسمى مصور جامع الوهي مصد على المحتمد الاسمى المحتمد و لا تستويق و لا مطوع الوهي الصدحى الديمة و الانتشويق و لا مطوع الوهي الصدحى الايمى مستول حامع قرآل المستوم برازا تدرت كان ايا - تحرق في الله المستومي الايمى مستول حامع قرآل المستوم برازا تدرت كان ايا - تحرق في الله يشار كان تركي المرازات المرزات المرازات المرازات المرزات المرزات

اب فریقین نے میانیسد بیاب ما استفار مدوری ہو بیٹی گئی دیں ہو بصفیہ کا کی واکن شام ما اور اس کے میں افور ہے اب ان میں متعلق برائل الدورٹ وی مالند کا بیٹ شوے فرد کرم تو ی فرد کی (واژو قروول)

و ټه

مسار سند في سياد ما وطاف الله الانتصاب مرم الارتفاط الله في والته الماد باقي الدروار المفاق الله والمسافرة الل وي القلد كارت الاستال المتاويدين الله عام في تدريع بي (٢٠٠ مردا الكرد المؤن مثله على ويرق الماد بالمواق الله المان المان المان المان عن الله في الله والمراد المواق المان المان المان كي الرق في المقد الماد المواق المقال والمان المان المان المعادم المان المواق المعالم المواق المعالم المان المان المان المان المان المواق المان المان المان المان المان المان المان المنظم المان المعالم المواق المعالم المان ا

م الهديد كيان السلاف باب سعيدة من ١٥٥٠ م. المنتسر عالماء كواعلم

٢) كما في فتح بقدر (كانت العالات مناصلاة الجعدة، في ١٩٢٠ ج). المختم وقيمة به الدميم).

اص الحياز في ووقاع مع أن الأنجوز في الطيفير في والتب السائل عن الممتلكة من (١٩٣٠ ع)؛ مكتبه الع - الواحدة التراجي)

رى الاستاه بي داف مة علاد الدين الذي صاحب حيدم الفداري من الحصفة اليحور محملي أن سقل اللي الديرة الدير الديرونية في الإفكار وكي بالكالية وأما في مستقد واحدة بلا سكارات ودائم الفدروط الثلاثة . الحواد الإسفال: الص 2009 و 27 م و فالفرائي الاراجى)

ه با كان الدي الواد ، دا ولاد عد آن كالجمعة على مسافر دا البراة وإلاد بش ولا حيث بالاحمي، اكتاب العملي، اكتاب ا العملاة الباد صلاة الجمعة، عن ١٩٧٨م حال مكت مع جمسان بك كها كيات و كما في روالمعجم الكتاب المعادة و المسافد ا وكتاب المهادة المدادس المعرفة، عن ١٩٧٧م حالاً الكتاب أنع المهادة كان جي رواكما في الهديمة واكتاب المسافرة واكتاب المسافرة بالمادة المدادس المعرفة على المدادسة المرادس الكتاب المسافرة المرادسة المرادسة المرادسة المرادسة المرادسة المرادسة المدادسة ال

آ پرت میں قودگرے سے معلیم ہوتا ہے کہ جب جو گرن ہے اورکن چکس استعوا (۱۱ سے معلیم ہوتا ہے کہ اگرت کے انداز میں جو اگرت نے چھوا اسٹیمیم اس ہے کہ وہ امور ہا جر ہے اور کی منافی متر ہے۔ محسدا ہے جو السبعی ہی اسلامت معلیم ہوتا ہے معاہد کے ان بھی ایک ورفوا اللہ ہے (۲۰ سے علیم ہوتا ہے کہ قراری معلیم ہور ہے ہے کہ اگراند کا مقام حر ہے فرری کی معلیم ہور ہے ہے کہ اگراند کا مقام حر ہے فرری میں مدید ہے گئیں۔ مدیدے کا جسم الانک امیرا ہو مامور ^(۲۰) ہو معتال نے تاہد ہو ہے کہ اگراند کا مقام حر ہے گئیں۔ اب انہیں اور ایر رانا درائے معرک ادرائیس گونٹ کی اگریت ہیں کے معرکی تم بیری ہے حساسہ اسپ ⁽¹⁸⁾ اورفاض بناؤا کے معرف اورائیس کونٹ کی اگریت ہے کے معرکی تم بیری ہے حساسہ اسپ ⁽¹⁸⁾ اورائیس کا فورائیس کے مساسہ اسپ ⁽¹⁸⁾

دع القرأي المجيلة وسورة الجمعة أيات تمر ومهار مالان

٣) اتساعي حاشية الطحطاوي او المراء في أدمال العاج كالراجل عبر أنها الانكشاب وأسها واستان على وحجها شيئا بحث المدون الله على المحال المجاهدة المحال المحا

٣) القرآن لمجيد: (سورة الجدمة ، أسب سم ١٠ باره ١٨).

٤) حسر ابن دارد. (اوار كتاب العلم، باب في القصيص دعل ١٠٠٠ - ١٢: مكتبه و حماليه لاعمور)

ه في المهمانية: وأخلف الصالات بال حرالاه الجامعان على كانة لاسح (" مكَّنية الموجمة لل بلك أثير أموثته ع

¹⁾ الدائع الصنائع فصل في بيار شرالط الحممة، من ٢٥٩، ع: المكت رشيمية كولتان

٧٧ الفرآن المجرد؛ وجورة زعر في الهن عمر ٢٥ باره ١٥٥

[.] هم) المصافحة من أبي غراف وكان ب الحصوم من قال لاجتماع ولادا فريق إلا في مصر العامم على 10 مح 10. المكتبه المدادية صنائ

⁹⁾ الهداية (كتاب الصلاف بالداصلاة الجمعة على 190 ج. مكتم بالوجستان مشاديو كالته) 1- الرافح الرائق (انتاب الصلاف بالراصطلاة لجمعة على 25% ج. الراسكية والمبدية كوكتور

جے بہت خوالی الذائیں ہے لیکن اس انتشار کے ساتھ جمع منصف معترات کے لیے باعث العیمنان موگا۔ ال شاماللہ شنظ والذنبخالی اعلم

محوامفا انذعن فيوالا لأمدزيرة مماعهم لمكان شم

جيل **مِن** زاز جعد كاتحكم

€U∲

کیا فریائے جی طاہ دین وسفتیان شرع متین اس یارے بھی کہ پاکستان بننے کے بعد شک چھے شن کمی کو اجازے ٹیس کی فراز پرسے کی تی کرداگر کس نے دومرے کو جا دردے دی فراز پرسے کے لیے آس ہر اداور ار پہنے ہوتی تھی لیکن اب برکاد کی طرف سے وہاں جھد کی فراز ہوتی ہے اور حکومت خواستانم ہے۔ کوئی تھی بلا مذر فراز نہ پڑھے توجہ ماند دغیر و لکا پاچ تاہے اب وریافت اس بات کی ہے کہ وہاں پرشرز ہوتی ہے یا شاور ہماری تماز دورکا کیا مال ہے اورکیا تھے ہے شریعت کی جانب سے کیا ہم ان فراز دل کا عاد دکر ہی بیان۔

€ひ∳

شش خاندش جو کی نماز پر میمکنا ہے۔ تیکن اختیاطی الم بھی (۱۰) اواکر سے آد بھتر ہے۔ وہات رش ہے (۱^{۰۰}۔ خیلا بعشر خلق باب القلمہ العدو او اعلامہ قسیمہ لان الافن العام مقرو الاحلہ و خلقہ کسم العدو الا السم مصلی ۔ چوکل شیل خاندگی بندش آن از کے لیے کیل بگر دومری وجہ بات بیں اس لیے اجازے وی جانکتی ہے۔

محود عقاان مذامتي ورساقاتم لعلوم لمكال شوع العبان اعتماره

عمياره سوك آبادى والفاك وك جس أرز جعه كالقم

€∪}

عمیا فرات میں معاددین در بی سند کرایک کافال جس کی آبادی قریز عمیاد و موسیداس جس شخن مجدی

اكساطي البسر الرائي: وإذا اشتبه على الإنسان ذلك فينطي أن يصلي أربطاً بعد الجمعة وينوى بها آخر فارض أدركت وقته ولم أو ديمة، فإن ثم تصبح الجمعة وقمت ظهره وإلى صحب كانت نفلاً . (كفاب المبلاغ، باب مبلاة الحصف من ٢٠١٦ - بكتبه رضياته كوئته).

كما في الدر المختار: (كتاب الصلاف باب الجمعة من 101 مج؟: مكته ابع ابم معبد كواجي)
 وكذا في مجمع الإنهر: وكتاب العبلاله بذب الجمعة من 121 مج؟: مكب الغفارية كوله)

الیک پراتمری سکول اورا یک شال سکولیاتر کیوں کے سے اورائیک پرائمری سکول اڑوں کے لیے۔ ہم بہر بہر وہی اس جس ہے چاکیدا دائلی مجر ہوئین کوئس اس کے علاء وزمیندارہ بنگ کی جی تین شاخیں ہیں۔ سات و کا نمی بھی جس ہی مشرکا تھی مصور کیا ہو سکتا ۔ ہے اور اس بھی جد حرز بھا جا اور اس کا واقعل مجما ہوتا ہے۔ کیا خاکوہ بانا کا ڈن شہرکا تھی مصور کیا ہو سکتا ۔ ہے اور اس بھی جد حرز بغیب جا تر ہو سکتا ہے جبکہ اس بھی تین متد ہی مالم بھی د جب بھی ۔ بہنی مواقع ہم جد اظہار خیال ہا مکن ہے۔ اگر گا ڈن سجھا جائے تو کیا فزاد کرے وقت لین تعقلے و بی واسے دور بھی بھڑ ش بھا حت و کی جد شریف کا ام کیا جا سکتا ہے۔ جب فیاد کی عبد اگری رحمہ اللہ جس کی جواز معلوم ہوتا ہے اور شاہ و فی افتدر تھ اللہ تھی اس کی طرف مائی جیں۔ اس گاؤن جس کیلے وہ رس مرکز ہو ہے۔ نما نہا تھی جاتی ہے لیکن مرف نماز نہ کہ وہ تا موزوں انام کے ار بھا دے تھا کے لیام جزیاد تھی ہوئے جو

€€\$

بهم القدال من الرجم- والمتح رب كرخود لا يد فركره آبادي كا قال الله به ادراس على جور بالزئيس بوتاشير بونا بحد ك جواز ك ليرشر ف المسيد (الويسة أكريس شرك قام كال يعني شهرك عدد و كمن شرث الكرجات ادر شهرك خرود بات ازخم محدستان ميدان فوز دواع و قده فيرداس شرعوه بول قدائل جم شهرك به بوكر جد بالزود كادر تأثير- كلما قال في المدر المستعدار (() الوفيناء الا يكسر الفاء الرحوما موله والمصل به الوالة كلما حوره ابن الكلمال وغيره الاجل معمال مدى كدفى الموتى و وكنو المعيل منتقد الانتخال الم

أكسيافي السورات جار، (ويشترط لصحتهم سبعة أشهار: الأول. (السعير الدائح. وأكدت العملاء دام، الجمعة، من ١٩٧٧ مع ٢: ابج ابم معهد كراجي)

وكنفاطي الهندوه (كتاب الصلاف الباب فسادس حشر بي صلاة النهسمة: هن ١٩٥٥ - ج (: مكت رئيمية كوكله)

و كداهي البحرائرائي: (كتاب الصلاف باب الجمعة، ص ١٩٥٨ م. ٢٥ مكتبه ايج ايم معيد كراجي) ٢) الدرالمحتار: (كتاب الصلاف باب الصيدة، ص ١٣٦١م ١٣٩٠ م.) مكتبه ايج ايم سعيدكراجي) وكتلة في مسحة المختالين على البحرائراتي: (كتاب الصلاف باب مبلاة البسمة: ص ١٩١٧م ج٠: مكتبه رشيديد كوفة)

وكذا في محمع الأنهر: (كتاب فصلاق باب المهسمة، ص ١٩٤٧ م.): مكتمه الفغارية كوكية)

کنویں پرتین جارگھر وسائی آبادی عمل جسکاتھم ﴿ سُائِیہِ

کیا فرمائے ہیں بخوارین در میں مسئلہ کہ اُلید کو بی پر تین جارتھ بیں ایک فیروار مدہ صب اور بھے موافق صاحب می بیں مفاودان میں واشری سئول ہے جس کے طلبہ کی قددا تین بیا آئید سو یا سواسوں ہے۔ اوافک اس بیز کے خواجم مند میں کہ بیمان کر دوقوع کے کواک اُشٹے ہو کر جد کے دن جد کی نماز آگر پر جیس و میں کی ہا تیں۔ سٹیں اور اس برخمل جیراموں تیز ان کواسے بچرن کی ویٹی تھیم و مانے کی رقبت پیراموں ندکور دہانہ وجو وکی منا یہ بھر جائز ہو مکرانے بیانیں۔ ویٹواتر جروا

429

بهم الذارع في نويم بها خال على مناف. مجم الذيه عدك جوازت لي شركا بونا شرط ب- ويهاتول. يُون ، كون وغيره مجمآ ، وي كي يستيول على جدجا نويم ب- وبان ب وكون ي جد ك دون لمهرك جا دركستي يزعني فرض جي وه ركعت يه عند ب ان ، كي ذه ب عرض ما فقائص بوقا الله جذا كي جي صلحت كي خاطرترك فرض فا أنون تيمن وباجا مكتاب - كنعا قال في المهداية الله الاعتصام المحمدة الالحق مصر حامع او في مصلى المعتسر و الا تجوز في القرى فقوله عليه المسالاة لا جهدة والا تنشر ق و لا فعلو والا المسمى الا هي مصر جامع - فتا و نذاته الي الم

بمعدفى الغزى كاعتم

4€ **3**

کیافر بائے جی علاء دینا در ایس مند کرقر ف کے تعرب جو کی نماز چھنا جائز ہے یانہ عادے یا تی جب علاء

١) كنيب في و «المحتلق» تقع فرصا في القدر عن والقرى الكيم ة التي فيها اسواق ١٠٠٠ وفيما ذكرها إشفارة إنبي أنه الإنسجوز في المصميرة التي فيس فيها فاض و منبر و خطرت كه في الدف مرات والظاهر أنه أربد به فلكر هذا لكر أمة النفل بالجماعة؛ ألافرى أن في الجواهر لوصلوا في الغرى ازمهم أماد الطهرب (كتاب الصلاة_ باب الجمعة حر ١٣٥٥ م ٢٤) مكتبة أيج إنهرسعية ، كراجي)

، وكنة من الهنسدية، وكتاب العبلاق باب السادس عشر في صاوة السِيمقد ص ١٩٤٠ ج ٢٠ مكتبه - رئيسات كورتشه). وكنة في السعو أو الق: (كتاب الصلاف باب صلاة الحممة، ص ١٩٥٨ ج ٢٠ مكتبر شيدية كرتمة)

٧) الهداية: (كتاب الصلاء، بالمناصلوة الحمد، ص ١٥٠، ح١. مكتبه الوجستان بت ذير كولته)

الا مدید ساقری بھی جمعہ پڑھتے ہیں۔ تصویما مشان مشخرات کرووجی جمعہ بعد بھے۔ جیسے وہا تا ہور نے اور امروعہ والے اور مرشد حالیجی والے آپ کے فرائے گئی تا میں آباد ہو چاھنے کا کوئی ٹیوٹ ہے۔ عندالا مناف آپ کی میں نماز جمعہ پڑھے باند اگر پڑے تی قرنی کر فرائقہ موگی یانہ جماعت کی نماز میں کے فرائ میں جائے ہے یہ توس اس مشاکر کے دیب امناف کے مطابق والیوں کے ساتھ واقعے قرنا دیں کہ نماز جمعاقر آپ جی جائے ہے یہ توس۔ جمارے مشاکن والے بچنے مجھود کی ہار پڑھتے تھے۔ بچنو تو برو

€€}

الم من الترجمين الوقيم - جمدت جوازت لي تجار و تكرشوا الدك معرفي شرى مواليد قرق فن جدك بنا (بالقاق المداحذف جائز بين ب ادران او كول و حضر في غاز ادات جمد ب القوليل و قي البندان كرد بد المهرك بادر عقيم بالعن فرض من - محسد فعال فني تسوير الاستار او بشنوط الصحيف) مسعد الشباد الاول المستصور و هو ما لا يسبع - التي المثار مثال مشكل فالممن بدأت الياسية مسئل معرب في ترجيل عن تقسل وعالى وقوم الا يسبع - التي المثار مثال مشكل فالممن بدأت الياسية عمل عرب في ترجيل

شهرے بائے میں کے فاصلہ پرواقع جا میں گھر وں کو آ بادی میں جمدی تقم

後しか

کیافر بات بڑر ملا وہ ایں والی سند کا کیا تھی ہے جس کی تمل آبادی ہے کیس کور شخص ہے ورخر میں ا معر سے بارے باق کا است سے قاصل یا اتن ہے بیاز میں اردن کا آبان کا رہ بات بازار ہے دوران سے بلک مردان سات اس محسر ہوئی ہیں و شروا کا است سے مگر ہے ہو گئیس عراسان کے بادہ میں میں اساس موروائیس مواں سے بلک مردان کے ا موام میں جا رمین تک دی با جدد آخر بربال ہے جے ہو گئی کے اس شریع بالیس مزار ہے تھا کہ مردان موری وہ ہو تیں ہے۔ ہے۔ ایک مثالی مل امرام نے بیانی کی دیا ہے کہ اس شریع افراز جدد ہو انہیں ہوئی۔ کیا گر کا دموری وہ ہو تیں ہو ہے۔ ہے۔ اب اگر ارش ہو ہے کیا اپنے تحدید میں مار جدد ہو اوران اور ایس اور ایس بی بران میں کہاں تک برد

検で強

الم المدانيم بالرحم والشرب كرنماز بعد كرفي إلقاق جي الما المزور معر (شر) برمارً وب

⁾ الغرائلسفتار كتاب الصلاة وال المجمعة، من ١٩٣٧ ج٦٠ مختيداهج الدحود كراجي.

نفول على رضى الله عنه لا حسمة و لا تشريق و لا فطو و الا اضحى الا في مصور جامع او كسا فان () اود فابر جدك الور حامة او كسا فان () اود فابر جدك الأور في كان فرت بي المركز في شرح بي المركز في شرح بي المركز في المركز في المركز في المركز في المركز في المركز بي المركز في المركز

ا کیک موسته گھر د ں گی " بردی دا لے مجاؤل میں جمعہ کا تھم علو تن ﴾

ائیا قرارتے ہیں علاور بن ور نیر مسئلہ کہ ام حالیان کا وکن آلا والی جد کے معملی مضرح بھنا جاہتے ہیں اس معالے میں جاری رہنمائی فرما کی مشحور فرمائیں کا فرم بندگ کر اس کی تعداد کیے سرمز (۱۹۵) ہے۔ سردوں کی قرادی ساز سے تین سوک نگ جبکہ ہے۔ بیان دوسا جد ٹیں۔ بیلن تین کس سے اعروں کی جگر نماز جو فیس پڑھائی جاتی ہے وہ کا تیں جی ادار باتی سوچی و نئی۔ اوجارو ترکھان و درزی و کی وہ دیابادر سی وغیر وقویس بیان آیاد ہیں۔ خاکرو آبادی ہیں اور باتی سوچی و نئی۔ اوجارو ترکھان و درزی و کی وہ دیابادر سی وغیر وقویس بیان

 ⁽⁾ الهداية كتاب الصلائب عاملاً الحمد الحرى (دال ح) مكتبة بموجبتان بك أبر كواعه)
 () كدا على الدرائب دال وكتاب العمالات المحالحة على (۱۳۷ مكتبة المجالج إلى معيد كراجي)
 () كنا على البحر الرائل (كتاب العمالات بنال عمالاً الحمدة من (۱۳۵ م ۲۲ مكتبة و شهدية كوكاه)

٣ أكام أه ي روالا بدعة بأن لا تحوز عن الصغيرة التي ليس فيها فاض و مبر و خطيبة « الاترت أن عن الصواحر الوصيحة» عن ١٩٣٨ ح ١٢ الجواجم الصواحر الوصيحة» عن ١٩٣٨ ح ١٢ الجواجم الصواحر الوصيحة» عن ١٩٣٨ ح ١٢ الجواجم السياحة الارتباع الميان المادي عشر في صلاة الجمعة الحن العالمة المرتب العالمة المرتبة المرتبة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة المرتبة المرتبة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة المرتبة المرتبة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة العالمة المرتبة المرتب

١٤ كما في المرالمناتور (كتاب لصلاف ب الحمدة من ١٤٨ ـ ١٤٨ مراد مري المراموي كراجي)

∳&∳

امن گاوان شرن جدی آزاد او آئیس به یکن جدی آزاد کے جواز کے لیے شرکا ہونا آجگار شرا اکا بھی سے ہے اور فرکور ایستی شر برگزشیں بوشکی جنداس گاؤں کے رہے والوں برقعر کی جاور تعقیم قرض جی - جدید سے سے ان سکار مرسیف از خرسا آفاد و دو آئی اللہ کی انھوں کی الجھارہ کا نصبح الجمعیمة الاحی مصور جامع او میں معصد غیری المحصور و کا مجود فی انفری نقول علیه السلاد الله حدمت و کا تشویق و کا فعلو و کا

اسني جإليس باشندول كيستى بس جعد كأتقلم

الله الله على الله

کیا فردائے میں طارہ میں ور نے سلا کہ ایک ماہ قد ہے۔ رعب کی متورٹ تھی جہ ہے جنوسان ہے ۔ جا گیروار کی فتح کرا کی ہے ہ ہیں ہم جو او تکورٹ کا کنو ول دہتا ہے۔ وی ان رہتا ہے اور ٹیں چالیس والے جا ہے۔ وہ میکورٹی والے میں معالیس باشد سالسل مقالی ہیں وی جی جود پر حذو جا تا ہے ایک گا کہ والاس تین میل کے فاصلے پر ہے۔ اس ووعل قول ہے آئے گاؤں کا حکوجہ ایک کیل کے فات ہے ہے اور ایک کا وال چیٹی اور کس کے فاصلے پر ہے اس ووعل قور سی اس میلی فرق سے تعلق رکھے والے ۔ ہیتے ہیں جو پائی وقت کی تعاف کے شرک ہیں ۔ اوا میں دورتی فرش موسیح بھی تیس ہے ایک گاؤں وفیل کے قاسے پر اپ جو اور بات کی اور اس کی فاصلے پر ہیں کی تیس ہے۔ ووال کی ایک بڑار کے قریب ہیں ، مندرب بالاکاؤں میں جواز بسرے تھی کیلی سے واقع ہے ۔ ہیں۔ یا شد سے تقریباً تیوں کہ ایک بڑار کے قریب ہیں ، مندرب بالاکاؤں میں جواز بسرے قاملے میں سے واقع ہے۔ اس طرح میں سماؤں کی افیات ہے۔ اس طرح وظا واضحت ہوگا آ کدود میں قائم ہوگا۔

١) كسيا في و دالمستعدار: (السعود في الصفيرة التي ليس فيها قاض و مبر و صفيب ١٠٠٠ (الرى أن في
السعواءر فوصلوا في القرى لرمهم دار (طفير ــ (كتاب العبلاقيات الجمعة) عن ١٩٣٨ - ٢٠ مكيه
البع ابم سعيد كراجي)

أكما في المصيف أبي أبي عبية: وكناب المحمد بالمراقال لاجملة ولانشريق الاقي مصر حاميم أص
 أو جزئ مكيم مداديمة مثنى:

⁻ وكتما من السعر الرافق و كتاب العبلان، بات صنوه المبسعة من ١٩٤٥ م ٢٤ مكتبه و شبايه كواته) . ٣) - كلمنا في الهنداية: وكتاب العبلان باب صلاة فيهيمة من ١٩٥٠ م ١٤٥ مكتبه بلوجستان بك فهر - كولته)

المسلمانون على دين مجيد كالمسلم فول كادبه به قائم وي المهر وتعين المهر والنس والتي العين أوجهه الإستاد المسلمان على والتي المسلم والمسلم والم

رقة على أواد

موال بین جمل کی کا کرے آئے ہی جائے ہی جائیں مقائی باشدے ہیں اور میں دور سے مازشن یقر پیسٹے و سیاور بیمال جمع و افغیل - بیمال کے لائے کی فائم میں اداک بیر - جمع پر بیشندے ن کے ور سے لیاد کار ماڈڈیٹیں ہوتی اور جہای جمد جائز و مرد ہائے کی مسلمت کے سے جورجا رقیش ہوجا تاریخت جمع نے لیام میں (شہر ایاقریکی و دوز شرود کی ہے- مختلف میں اقال کی آبادی کا المبارکیس - دم میں صفر ہے سنزے میں اس جگ

شہرے دولیل کے فاصلہ پر واقع از سان بڑا رافرادی آباری والی ایک ہیں جمعے کا تھم جؤال کے

آلياقرمائ بين هاه دري در نيامنظ كرنستى كه داريس و شرويها بين بوتا ہے۔ گواف اقبی کی روانی همائيا اس مهمتی هم نماز جو ايوسی جائتی ہے کئی بيد سے نماز اور پاچانا ہا کا ہے - و ميد حقد کی تواوی تقريبا ان حالي جا اقتصل پر منتمل ہے- و ميد حدا انتخاص ہے کہ بيار مشکل کے فاصد پروائن ہے- انتخار شرک فات ہو ۔ جانب مين گذار ماری حددی ہے و دار بار معرفی انس کی آبادی اور کا اوائنٹی کے درمان ساتھ بيانچا ديا ہے کہ الانک نير آوادہ صلا ہاتی ہے-

العَلَىٰ شہرے كَلَّهُ وَالِي حَدِيْفِ بِنِيْفِ مِنْ مِن مِنْ فِي بِالْهِيْنِ فِي الْمُدَالِينَ السِينَرُ اور ويل الماشيقى أيمن ب- - ويسامند البمن تشنق مجد إلى تين اور مارى عن الله منتقى بالدار أن آخر بهابار دبين، الدنّ اسجر، (+ المازي:

¹⁾ كام الهي و المحافر الديم فرصد في العمر الدير الغرى فكيرة التي ينها سوائي الدونيسة لاكور السارة وي العراف والمحافر الديرة التي ينافرة الديرة الديرة و المعيد الدون في المحافرة التي ينافرة والمحافرة و المعيد الدون الإسارة الديرة المحيدة الديرة المحيدة الديرة المحيدة الديرة المحيدة الديرة المحيدة ا

مدیدهٔ سی البته معربه داد کو رقی می از زید و بید سند این و در داده کتین ب البته میدون شده اما اسان است این مید ایجرا کو آر آن که تعلیم و بینته نیس انگان و معد هذاش کو فی ما برین تین ہے - زگوں ورز کیوں کے لیے پائر فی انگل شیم - زائفانہ تھی ہے آگان اصام اور موقع ہیں - جین تیمو فی وی تین کی تین ہے اور فاول کی اشیاء تصافیح میں اور در میں اور تی و معد هذا تین موجود ہیں - دبیتال مرد شاون در تین تین ہے اور فاول برا کو برید ساف میسی تی در میں تی اور تیمی باتی ہے کشن باتی اوا اوال جارہ کی شار تی کی تا واز بار ربیدا و زواج کی اسان میں ساف میسی تی در میں تی اور تیمی باتی ہے کشن باتی اوالان جارہ کی ان اور کی اور کی تین جدی تا کر اور این اور تین

乘逐黨

ه علا خرور في السول عن القوات جو درست نيس-اس بي كه يدقر بيار تبرير و المؤهم عن آن بها ورسول الفارهم عن آنامت- الراسطية زيوال كرمية والون بيرا ازم منه كرو بي الإنسيد عن فلير كي فراز بالا موسوع عن سخة الرئين- هلكذا في عاملة الكليب (() - الذورة رئين العر

چارسوافراد پرشتمل آبادی والے کا وَل میں جعد کا تھم ۲۰۰۰ س

400

۾ ڻه

كاول فأورك فاستجد وستغين والوب جعدك مع مرياضها الالاب المسماعة

و لا مشريق الا في هصر جامع (*) - كديث - 10 كثر من به و قيما ذكر ما اشارة الى اله لا تجوز في المسريق الا في هصر جامع (*) - كديث - 10 كبر و فيها العضاو المستبها المصر او في المساولة التي ليس فيها قاص و مسر و خطيب و فيها العضاو بدك مرا وسمت كي حمل المستبق المسروق المساولة المسلولة ال

يؤمو أمصابيك

واضح رہے کہ بھت جمعہ کے بلے عندالان فی قریبے کیے والٹا ڈھمرکا ہونا شروری ہے ۔ فنا مصرے مرادہ وجگہ ہے جو مصارع مسرکے لیے ہو۔ اگر وہ میکر مصالح معر کے بیٹے سے بلکہ جدا کا ندتر بیاہے تو اس کا تھم جعد کے بارے میں مستقل ہے کئی اور فاکس کے تافیق میں ہوتاہے ۔ اگر خود کر یا کیر و سے جعد اس میں واجسیہ اوا داوق ورز نمیس مصورت مستوند ہیں جس میتی کا ذکر ہے جس کی آ بات جا دسر سے قریب ہے بیٹر ہے صفیر و ہے اور یہاں احماق کے نزد کیل جدیا توقیق ۔ یہاں سے لوگ تمار تغیر واجھا میت او کر ہیں ۔ وردو کرنے سے غیران کے ذسہ سے ما قدائیس جو کی (۳۷۔ خطا والفہ تھا فی اطلا

| 00----

إصابات البسيس وأبيرات البيسمية دينات عيام سوار الحسمة في القري: اس ٣٠ ح١٥ (١٥) (١٥ لقر أن الكراجي)

[.] ٢) كينة في الشوالمنخدار مع: وكانات العبلاف باب الحصمة في الـ ٢٠ مـ ١٩٣٧ ح ٢٠ مكتبه ايج ايم منعبة كراجي)

٣) استناوى دارالعطوم دينوند: (كباب العبلان الداب الخامس على في مبالاة الحمدة مسائل حار الحمد عن ٢٥٠ م): درالا شاهت كراجي)

ع) كامن في وجاند مجارا : نفع قرضا في القصيات والقرى الكنارة الذي جها (سواق - وبيما فاكر بالإشارة التي وجاند مجاراً في الجواهر فوصلوا في أي لا تجور في الصعيرة التي ليس بها تناش و مثير و خطيب - الاثرائ ال في الجواهر فوصلوا في الشقري قرامها الاثارات المسلاف باب الحصية من ١٣٨٠ - ح؟ ملكت الج الجاسجة الكراجي)

وكندا بني تهيمدينه: (كتاب تهيلاه الباب المنادس عشر في اللوة لحمدة دس ١٩٥٩ م): مكنه رشيده كرفته:

وكذا في النجر الرائق (كتاب الصلاة الحمدة ٨٠٠) (ب. ١٠٥٥) مكت . شيديه كرت.)

٣٣٤ ياب انجو

كونى نورتى يونىندر كيستانى علاقه مين خورتى مختلوس ك يسيخسر جائ تؤور ل يرصد كالتعلم

و کر پ

آیہ قربائے جی خارہ بین دریں مسلمانیا یہ جائز انیک دکھنائی طاقر تیں کی مسیدہ کی بھی کرئے ہے۔ کیے بطے جائے جی میں جائز کا کا ان کی ان مادال مشاؤ کیر چھنی جاتے ہے ایم از بھی۔

* نُ الله

رہ بات بھی سکہ طابق کے بینت کی میں عالیٰ شمیا تا صف ہوسی میں ہے۔ ٹرز اسکی صف ورد جو ب کے سے مصلیحن شور باقعیدا اوقر بریو وقا ہو: تروا ہے۔ ٹیڈ ایسے والی پائر ڈکٹروبانی میں بعد کی دہائے بڑھ ارزین (1) داریش ہے۔ والا حدید حوفات کی کو جھی حدید (11)

کے جعدی نماز کے بعدا حتیاطی کلیم اوا سرنامنسروری ہے

\$ J &

کیا قربات میں طارویں درای مطاب ہو احق ٹی اورڈیٹی کے بارویٹی کرکھتا ہے کہ آزاز ہوئے ہو جاتے ہو جاتے رمان از قوش ہاریت احتیاطی اوا کی ہاں بات ہو اورٹ ہے معینہ کمپ کا حوال میں بھٹر کا بات ہو اسال کا انتہاری اسٹیل انٹان کے ایس کے معین اورٹ میں میں کا کا ویدا اعتباق کا کی تھا ہے کہ اس کو اسال کا اور لگے القوم کی ہوت اور اللہ کی بناتا ہے کہ کا قول کے بات کہ کا دیت اور ایکٹی کہتا ہے کہ اس کو اعماد کی اورٹ میکرا کیا ہے۔ انٹر اورٹ نے کا بسیالیان حقیاعی قرار بھی جائی خودری ہے کہ آئے گئے کہا ہے کہ کا تھے کہا ہے اورٹ

وید جنائے کو جُس جُد جُدی تُر کہ جِدی ندہوں اور جُھاز جو ندج حال جائے۔ ویڈ کُٹ سنڈ اسٹنداز جو اسٹیاسی کا بدوست میں سبعہ اسٹان کا آبوجہ نے القرون سے کئیں ہے۔ بڑا راکن ور کُٹ القدار الارت نے ا وافرار میں نئی کا میڈنٹس نماز جمعا مترافی ہاتھے والو ہے وکا سے بڑکی ہے نہ محسب در کا سنڈ اور فاضار جد سنظم کیا الماز اسٹیانی کا میڈنٹس نماز جمعا مترافی ہاتھے والوجہ ویکرنی فارنی میں میں مطاعب کھوئی وحمد الدوسید

من اكالده في ومصيحان القبع فرصافي القصيدة والقرى الكيرة التي يبها صوابي الدالانجوز في الصمرة الدالي والمسمرة ا التي قيلس فيها فاصل والمسران حطيف الدالا رئيان في المواجر الإصفوا في فقر فائر مهم الدال للمهات واكانات الدالات الدالات المسائل عليه في مشوء المحاصلة التي 200 من المكتب واليادية والمسائلة والمحاصلة المحاصلة المسائلة والمحاصلة المحاصلة المحاصلة المحاصلة والمحاصلة والمحاصلة المحاصلة والمحاصلة والمحاصلة والمحاصلة والمحاصلة المحاصلة والمحاصلة وال

المحياتي المقرار المتوفى استدفاد المباليك إدفاه تقدا كالأمن الرقد الوراد عب المعتب عن المتاقدات المكن الرفاقي نستى ومنهلي الدمياً معتبران قديد مسااس الاقادا بواست السائلات المرافران المدامقياطي برجك الهرك أيا قدامان المتقدم واكد أراى المناقرات على قدير تحيال وموادئ جائد كي السادك إدعاره إلى تهيد وكف والمنافر المقادمة التي والزائع الروايا فالرحق والأقاداء المعتبرات المسائلة المتابر تشكري عامل وسيافي الرائع المرافعة المتافرة المتافرة المتافرة المتافزة المتافز

ونُوْ

المعران الرحم وزهم - این منظر میں برا افقان ہے ، وارے علیا والع بقد ارا اوار کرام کا ایک مسلک اسٹ کر جہاں جواز جمد کے قرائلا کی اسٹانی قرید کائی این جائی جائی مثلاً میرفیس آریبا ہو اس جو اس جمد لی قواند ہ چرک جائے نے کہ صرف قریل کا فاقا جائے ہو انتقال کے جائے ⁽¹⁾ اور جہاں قرائد جسران بالی جائی ہے وہاں اس جمل کے فواز پر النظ کر لیا جائے اسٹے کی عابر بھی جائے گوئٹر آ اس اولی ٹیس ان کا کرئی وجو کھی ہے ۔ خوا اس جمل کے فیرند ورزن ام کے خواری جائے کا مضار وحودوں ہے جمل سے بر بینز از حدث ورزن ہے۔

لا يصلي وجن من الحواص سرا حروجا من الحلاف لتلا يقصي الي المنفساة و لا يواطب عيد النا وعلى المنفساة و لا يواطب عيد النا وعلى المرحوح فلحمعة لمن سمن تحريمة و المساهية و الاشتاه فيصلي بمده الحيد ويسل وتكل وتلك والمحرومين البحواء وعلى الشامي المحرمة بعد ما حقق والمحال بعيران ادى الي مفسدة الانفعل جهارا والكلام عند عدمها ولدا قال المقدسي بحل الانامر بذلك اعتال هذه العراج بن ندل عليه الحواص و الو بالنسبة اليهم والله العالم عليه الحواص و الو بالنسبة اليهم والله العالم عليه العراجات

وقبال فين البعو إلوالق (٩٩٥مع مباليزم مور فعلهما فين إمناسا مر المفيناة

٢) "تسباعي و السنجيار" لاتباور عن المبديرة التي ليان فيها قاص و سار و حديث ١٠٠٠ الاقراق الرافق المجرافر لوصلوا في القرق لرمهو أناء المهرات (كتاب المبلاث بالحمقة من ١٣٥٠ ح.٣) مكتب البيرادم مجيد كراوي)
 و كامراقي الهيداء (كتاب مصلاف بناد المبارة المراقب المبلاف بنادة المبارض عشر في صليف المدمقة من عاد الدارة مكانه (شامية كرافة)

الركلية في السجر الرقاقي: ﴿كُنْ مِنْ يُفِعِيلُونَهُ فَالْمُنْ فِيلِلْهُ الْمُجْمَعُةُ مَنْ إِنْ أَعْ فَي فَلَ

^{»)} النفو المنافضة العج و د كتاب النفالا أه بيات المعرضية، على 20 ساعة 20 منافسه (يع جو معيد التواجئ)

الإيجراراتني كالمدالعر لاقي بالهرجرانة للحدمة من الاعالا الاهالاء عاكا مأنا عار شنده كولتعاي

المطلبعة وهو اعتقاد الجهلة ان الجمعة ليست بقوص لما يشاهدون من صلاة الظهر فيظنون انهما التفرض و ان المجمعة ليست بعرض فينكا سلون عن اداء الجمعة فكان الاحتباط في امر كهما و عملي القدير فعلها مهن لا يتعاف عليه مفسسة منها فالاولى ان تكون في بيمه محقية خوفا مرمضدة فعلها والله سبحانه الموافق للعمواب فقط والله تعالى اعلم-

یا گئے سے زائمآ بادی والی سٹی بیٹس جسو کا تھم ﷺ س کھ

یسے قربا بعد ملا، ویں ومفتون شرع متین دری سنا کے سرون موجود ہوجوت اور کا است ووال آفر فی کیٹر و کرآ بادی آن قربی برجائیں دوری ہیں ، جبلیں واقع است اکثر آبادی قربی ہو ہم متعل و اعتماد زبان فقد مج نماز جعد و آنها جاری و بنوز جاری است چنانچ کیے از ای قربی کیپر و مہم و برقر و میں وہ میں ا اعداز زبان فقد مج نماز جعد و آنها جاری و بنوز جاری است چنانچ کیے از ای قربی کیپر و مہم و برقر بیکو و مینگ است کے تفداد جمعیت بن از رجال والے وہ و کہا روصفار والحرار وعید نی صدوی نفر جہا شدوا کنز الل صوف از بنا و انجاز و فوکر و آبنگر و فیر جا وران موجود و نیز چیا دوئی ووکان وارد کے مرام قربی و بھر براے شرید ضرور بات خود دام باین احتیان واری وصفاری آباک و و سرموتر (سیارہ) نیز و دان ایاب واحد ب دارو

غرض اینکر قرید ندگر و تبعیت قرید مرکزی هیشیت داده کرم وام بگرقری ایم هیشیت یک احتیاج دارند و آبادی آن مشتهد افواج انتجار و تنظیل است و مسجد آن نیز سجد و عداست کرمهای مسجد این و تنظیم کند نمام رو عند ماند داخت احد رقرین مکومت و عامته کهسلسین آ نرا توسخ و دو مسجدی کید و دستی این مهم مجد جامع قبیر کرد و انده فطیب مسجد نفر مام مقرزا مست و آو مان قریل قریر کرآ دانه او ان مسجد جامع یکن قری میرمد بر سند جهد دران مسجد جامع تین میشوند چول قریر وصوفه جهشات ندکوده از دیگر قری فائق و ممتاز است با عمبار قرف اینو ایا ت آ فرا قریر کبیره قرار داده نماز جهد را جاری کرده اندک هرف عند انقتجاه اعتبا است و در قرید کبیره عندالامناف نماز جهد درست و جانز است قامه مداوال میکر آیا قریر میشوند بصفات ندگوره داهیق عرف یا قر بیان و در قر بین منظم و صدی تضهیم به میمن از بالیکار « زمان » و دکانی عند آن زمان و مکان ندات تعین قربیان و معتبر است امید دارم که زمان میانی و مان قربیز مایند تنبارهٔ فی اعتبری تعرار وال نشود بیوها واجه الات در این منشده مشاون و قبل و توان و ارتدم ام چهره مرا رواند او ایس شی بخش را اینکار وارتد تیجوا و نجواب قرج وا نیوه احد ب

434

ميم الذا الأمن الرجم المنظل بواريدا سالهما والمنطق في الدوات وقي الله ومندالات في الا جمالة المنطق المنظل المن شرط الولين (المحاسب بها مي المركز برسم عليا بالله بها المناه المراد المدوقية باليار والمناه المناه المنطقة ال المناه المركز في المناه المنطق ومن مم لا بالمناكز براهم المناه الله عدادة بها بالمار المناه على في المنواق المناه مناه المناه ال

١٠ كا منا في السوالمجال مخ رف (ورشير غر تصحيحه) سعة أشبه الأون والمحمر وقال في رفا غع فراصنا في الشعبات والفران لكي ة الي فيها الموافى - الحيد وأكتاب لصلافه باب الجمعة من ١٩٣٧-١٩٣٨ ع٢٤ إيج (يومعيد كراچي)

و كذا في المحر الراقل (كتاب الصالات باب صلاة المدينة - عن ١٥،١٠ - ٢٥ سكتية و شيدية كولته و و كناه في الهندية (كتاب الصلاق شاب المنادس فشر في جندة الجمعة - من ١١٥٥ ج: ١١ مكتبة وشهدية كولته }

ای کسا می جامع الرمیز (شرح اوجوب لحمدة الافتد می بنید ... ایخ (کتاب الصلاف معنل صلوة الجدداد می ۱۹۹۹ جاز بگده ایچ ایونیدید کراچی)

برترك ومرك مرادل في البيسية تصاوة المست-كسما قبال في جامع الرموز (*) و منابسع اى موضع المركز ومساحده السبسية تصاوة المحمس اهله اى اهل ذلك الموضع فعا وجب عليه الجمعة مصبر و احترز به اصحاب الإعدار مثل النساء والصبيان والمسافرين آلا انهم قالوا ان هذا الحد غير صحيح عندانسمح فقيل والحدار مثل النساء والمسيان والمسافرين آلا انهم قالوا ان هذا الحد يضاع المحدود كما في المواهر فظاهر المستهب الدما فيه جماعات الناس و جامع و اسواق و يشاع المحدود كما في المضموات و فيه انه المضموات و فيه انه الاصبح و فيل الدما يجتمع فيه مرافق اللدين والنفيا او بعيش فيه كل صابع سلة بالا تحول الي الاصبح و فيل الدما يجتمع فيه مرافق اللدين والنفيا او بعيش فيه كل صابع سلة بالا تحول الي الاصبح و فيل الدما يوالدة او بمكنهم دفع علد بالا استعانة او يمعرد الامام و ان حمو و قل العلم سموت و زياف قبال على الدمان و بموت كل يوم او لا بعد الهام الا بمشة آ او يكون فيه الف وجل او عشوة الاف مقاتل على المخلاف كما في المضمورات فقط والله تعالى اعلم-

شہرے تین میل کے فاصلہ پروا قابستی میں جعد کا تقم

€∪ }

کیے قربات میں بلوروی ورزی مند کیا کیائتی شرو فی ورزی و بنائی گلے جس میں اہل طاقہ کے کھوں و تعلیم قرآن پاک وی جاتی ہے۔ اب اٹی طاقہ کا طیال ہے کہ بیش پر جھوشرو کیا کیا جائے۔ شوسرم تقریباً تین مکل کے مغر پر ہے۔ آیا جمد پڑھا ہوا جا سکتا ہے وائیس الاستی جمدا جسما ہے بائیس الاسٹ سوب ہے ہے کہ ولی تو ایش ہے کہ برآغم ایں ان مجھودا و تھیجت کی جائے وہ جب اوا مکل ہے کہ آثر جمد شروع کرانے جائے۔ بیغ انو تروا۔

4€ b

معم القدار طنی الرجیم - جعدے جوازے کیے احراف کے زو کید شہر کا ہونا شرط ہے- و بیما تو ہی اور میتیوں بھی جمد کی خماز جا زرشیں ہوتی اور ندجوں پڑھنے سندان کے فرمہ سے ظلم کی فماز ساتھ ہوتی ہے- دیما تیوں ک

إ) جياميع البرميوز . (كيباب التبيلونائة فتجل في صلوة السيمة؛ من ٢٧٦٤ ج!: مكتبه ابج ابم سعيد اكر اليي) وكما في الدر المختار مع رد: (كتاب العبلاة ـ باب الجيمة ، من ١٣٧٠ - ١٣٧٠ - ج؟ مكتبه ابج ابم سعيد كراجي)

وكلنا في البحرائراتين: وكتاب المبلاق بال مرالاة المهدمة، ص ١٩٥٨ ، ج١٧: مكنه وضياميه كوفت،

لياس ورك ب كروريات المن جعد كرد و تا برك أرة جار كفيس بالعاعت و أكريا كوالي الله بالق اكر آپ كه واقع كا اللي شيئة الجرجو كرد و ياكس ومرات وال طبركي أما الكريع بياكس كمكي والت كردي كريسا بكرير و المكربر و ا ومناكره بياكرين واقع و و واقد وجود كريز عن بيرك مي وكرام وقت شير المهندية المائل المتصبح المسجمعة والاعتبار والمعادية الماجي المستحدة الماجي المستحد و المستحدة الماجي المستحد و المستحدة الماجية و الماجهة والماجة والمستحدة والماجة و

وتفدولند سيدا قع آباديون مين جعد كأظم

و کنو

کیا فریائے جی فار او بین ال ڈر سے شما کہ اوشع مرائ قسیل لیے تقوق ڈوک پر کائی شعد ، چک رقبہ میں۔ '' فول مک آباد جیں ال کی آبادی جالیں خوار کے فریب ہوئی اس کی تنگل جی اس کہ کیکھو کھر ایک ڈیس جی آباد جی اورقعوز سے سے فاصلے فریک کا موفق پر اس سے چند عمر آباد جی ان کی طرح من آبا ہی معلول تک میں جو ٹی ہے۔ بچاچی کو تعقیل جی بازار دوئیر وائن میں ٹوٹ تھی جی المبلی آبادی تھی بھر جا تڑ ہے بائیلی ۔ منا صف سے جائے ٹی کھی تعقیل جی بازار دوئیر وائن میں ٹوٹ کھی کے انہیں آبادی تھی بھر جا تڑ ہے بائیلی ۔

★乙錚

ہم انتدار حن افریم ۔ واقعی رہے کہ یا کہ تی جمع علاء انداف بعد کی سبت کے لیے عمر (شو) کا ہونا شرطا ہے (ص) ۔ اور عمر شفعی رای آ باوی کو آھتے ہیں جو آبادیاں ایک ہوں کہ ان کے بڑی میں تمیتیاں ولیے وادو سان کو ۔

أقسما في ردسمعتار القع قرضا في القصيات والقرار الكيرة التي قبها السواي الدوليما ذكر ما إلهارة
 رسي أنه الانتحوار في الصغيرة التي ليس فيها فاهر واسم و العطيب الدالاتري أن في الحواهر توصيوا
 إلى الشارى لومهم الدالظهراء (كتاب الصلاف بالدالمة الدولية) والدولية الإليام على المكتبة والبيامة
 كواجي) وأكبة في الهنامية وكتاب العبلاف باب صلاف الحديثة من 1810 ح ١٩ (مكتبة والبيامة
 كواده) وكداهي المعرائر التي الإكتاب العبلاف أب مدلاه الحديثة من 1820 ح ١٩ (مكتبة والمكتبة وطبيلية الرئيسة كوك)

الهيدات (كشاف السيدانية درب سلاة العجمة من ١٩٤٦م، ١٥٠ م ١ مكتبه لم جستان بك ثمير كوانشان وكتما في المعالمة شرح الهيمان (كتمات الهيلاقة باب صلاة الجمعة عن ١٩٤١ م ح٢) مكتبه بارافكرية المحمدة عن مكتبه بارافكرية المحمدة عن القدر (كتمات الهيمانية بالدمية) لحمدة عن المدرة ١٠٠٠مكتبه وتبديه كوكن)

٣) كما نقدم تحريجه في حاضمة يمير ١

ا من تُعدد المدينة والمسترُّم أنها بالمعتبر العداية مُع الله أول ثابه المُعتقِّل أول قد ما وفي الصواحة مساله ل ويقع أن قور أن إولايا تقول والمنتخر الشاال الحيالا والساكة قد أن السائلة والعملين ويوبا ساكة المراسات أساء المراجع والمنافزة وفي

ان الاس بالإمران في الأخران في المراقل إلى المراق عند المراقل المراقل المراقل المراقل المراقل المراقل المراقل في المحافي و المراقل في المحافي و المراقل في المحافي و المراقل في المحافي و المراقل الم

و في الفهيدي ۱۳۱۰ و شرط لافائها ---- السطير الارابيد لهجنوران الهجار دفال البيفيدو التحد كنيد في لند فات و فاؤه بالكنو سفة الإدائيد ، فاراعا مدامل حالما كما ال اللغوات -

و في القاد من أنه أن المنطق بالكند. (14-جرابين التنبيس كالماشر والعندين الارضيل). النج واليمة بنصاء منطق والكاكان تماهير العطوة مشر السنطي أو في للنجر أنه أو فاكر في المعسى أن فقو العلوة تاخيفانة دراج الرار مماده والدالاصح أأفضه والله تعلى الصو

ام کا داروی رفت خدن طرفتاره فی ایک و کرمید افرانالگهرد و دار داشته این در افخانده خی ۱۳۳۰ - چه دانیج شرامید کنواهی پایا دارد دارد این این با به این مسافقه ایند افتادهای عشر فی اماداد - تنجیعهٔ دامل فرود خیر دارد در در در داردی

الركناوي فللمراف فلاد والتدان الصلاما بالدا يباه والمحسمة الداع والاداراء فكالدواة إداد كراها و

- جم العائد في رد وكند الناسخي بديان دين حجر في بيانة العرب باين هذه داخ كالمكتبة رمية -الكولاية
 - هم الطابع في من العالم السلام (1000) المنافي المحمدة الذي 100 ما 10 مختلف الهج فيد العدد الذي حيل: وما الطاب المراجع ليسهد عن الدارة الدرية (1000) أكن وي (
 - ه را الهجر الرائل النبات المساؤل والها المعالم والراء (١٢٥ م ١٤٥ مسم) المعارف وكان

قریب قریب کی آباد ہوں کو ایک شار کر کے جمعہ کا تھم 12 میں فو

ان في بالمستور المستوري المستوري المستوري كي المستوري ال

中子中

اس آنیا بی گوانگرافی و شده گاه بر ایزان کونیک می آنیا می گفته بین آنیا و بود کمی شده به میکن بیدانی شد. ویان مجمور تا امتیار دو فاه در ویان بی جمد کی جونوا العم ف آنیا می فات اید دو تا قانی تمکن جد بیشه و می بیش ایداری بی آنیا به ای گوشته الید آنیا وی تجون بیات الدارگرام ف می الگ انگ آنیا آنوا می شهر دوق العد کی شد دوگر (۲۵ ک والا اتفاقی الملم

د) كسما في بدائع العسائع. لا تجد الجيمة الاعلى اهل الدغم إمن آثان ما كنا في توافعه و كذا لا يعمج
اداء الجيمة إلا في الدغم و غراجه الحراكات العسلام فصل في مال شر لط الجيمة عن ١٩٥٩ حرالا مكتبه وشيفيه كوافه)

و كندا في رواند معتار الإكتاب الصلاف باب الجمعة، ص ١٣٥، ح.٣ مكت ايج الموسعيد كراجي، وكذا في الهمديد. وكتاب الصلاف الباب السندم عشر في مشره المصعف من ١٤٥ م ح.١ مكت. رشيديد كوفته)

٣) كيسا في خالع المسالح. فإلا تحب على اهل القرى التي يست من ندائع المقبر والايمنح الداء الخسمة هواء الخسمة هود (كتاب الهيلاء في بان غر الط الحسمة دعر ١٥٣٥ - ١٥ مكت رشيديه اكترائه).
وكدا في ودائم حدار وكتاب المبالاف عب الجمعة، ص ١٣٤٥ - ٣٠ مكت الج ابد سعيد كراجي).
وكدا في الهيدية (كتاب المبالاف بان صلاف على علاية الجمعة، ص ١١٤٥ - ٣٠ مكت وشديه كواته).

تَکنائزارگ آبادگ بین جعد کاهم غ(س)*

الحيافية مائت بير علائك وبينان مساكل بمراك

(٠) وفي ١٥٠٥ زوده به إيرام يقتلادة في كل م بال بها-

هِ نَ جُ

(۱۰) - امناف کے زویک اللہ سٹرہ کا ہویک سے بیٹکن طاما ٹائی وہ گرفتہاں نے تصابت ہتری کیر دکیم کلم معریک ٹرکیا ہے ٹائی ن⁷⁾ کٹ ہوری ہے ہو تبقع فسر ضا جسی القصیات و انقری الکھوڈ انسی فیھا اسوائی کی قول ہ یا کہ معمود می الصغیرہ التی ٹیس فیھا فاض و منبو و محسطیسیسیا الباسراد ڈریک ہے کے فہم کویان کرتا ہے ہے اعرائے تعلق عام ادون ٹیٹ کی اپی داسے یہ

أي كناها في الهدايات الا مصلح النجامة الا أي محر حامع ، (كتاب الفيازة، عاب صارة الهدينية ، إن المداعة أنه المداعة المداعة في كوك)

وكشافي الهندية: وكتاب العلامة بالسادس مشر في صلاة الجمدة من هاي 10 و10 مكت. وشيئية كتركة)

وكفا التي السعر الرائق: (اقتاب العملاف بات صلاة الجمعة، حر ٢٤٨ م ع)؛ مكتبه ر شيديه كوفه، 3) ردائمختان: (كتاب الصلاة، ماب الجمعة: ص ١٩٨٨، ع٢، مكت الج ابع سعيد كراجي)

ے *اس اُنٹان نے قبل ہے۔* علی ابنی حدیدہ انہ بلدہ کیے ہ فیھا سکک و اسواقی وابھا رسامیں و فيهيا وال ينفيدر على انصاف المطلوم من الطائم الي قرائدو هذا هو الاصح⁽⁾ ال كالاده بعثی تعریفیں فتیر و نے معد کی کی جن ان سے کاما کی ہے عنوان کے بخت اساور مغزل ایک ہے کیونکہ جہاں مِ سَكَ اسواق اور دالي كأخلق جود مان بيراً عج تعريفي مجلي حد دق أنهي أن مثلاً جو الطوم كي تعريف معرض ہے-متوصيع ينقاهم حاجة الإسسان المضرورية من الاكل بان يكون هناكت من ببيم طعام والكسوة النصورورية و أن يكون هناك نفل حوف بحناج البهد كثيرًا -أي طرنَ كُرُانعاديُّل بـ أنَّع يَفُ للوگیے ان پیولد ^{۲۰} کیسہ کس ہوج ولند و ہموت فیہ انسان کائیخان ٹی ہے لایسکون ^(۳) المهو صعرمصورا ، لا ان بکون فیه معت و قاص بنفد الاحکام-علاستالی نے بوتسمات درقر تی کیرہ میں جواز کائٹم نمیاہے ان قربی ہے بھی ورقری مردد میں جن میں مثمل احصار کے ماعظ بات بورتی ہو طاقی جیں کیونکہ النسبي فيهد النامد والف^{90) ف}ال كيماتي تعلق أكركيا برتسبان الدقر كاب وسيع والكري في منه الفصيات جميع قصمة (٥) و هيي القوية فيكون عطف القري عليه عطف تصمير - (عاشم)ك اگر پیقر پر جس کے متعلق ہر بھیا کیا ہے تھے۔ ہو " نی ان بی مرام تادی ہے ، جزار مہ کیا کی دکام وقت کے فرف کا متعنی بھی ہی ہے کہ جار بڑارے کم تصریب بتائے تو حرف شرقی میں اس سے کم برگز ندہو گا اور اس تھر بہ میں جمله حاجات نغروريه بوري بوسكتي بوان شاؤه أخاز شهل مختم كي ضرورت ورك بسر سكنا بيز ووكانوال ثل السيعفل و ذا نو با يرهائے ہينے كا ابتھ مرتهى مدفر ك بالي مصر بوادر مُنومت ك طرف عد ك كي يوكن جو كن جو مقرر بر اور مینت آن دی کی مشکل شرونف کے دوجیں کر تغیید نیزی ان جالتی فیھا سنگنگ ⁽¹⁾ و اسوافی سے معلوم ے توجا کا ہے جکہ جور پز من واجب ہوگا اوراً رہا اساف اس میں تھیں ہے جائے تو نہ بیقعید ہے ذقع ہے ہے۔

١) روالسعدار: ﴿كُنَّاتِ الصَّلَافِ بَاتِ الْجَمَعَةِ مِنْ ١٣٧ ح٢ مَكُنَّهِ ابْجَ الْمِرْ سَمِيدَ كَراجِي)

٣) - لقار حات، وكناب المدلاف شرالط الجمعة، من ١٥٥ ع ١٠ مكمه (درة القرآن أثراجي)

قام المجانية على هامش فهدية: (كتاب فلمبلاف باب صلاة الحدمة، من ١٧٧١ ج١: مكت وشيمية
 كوك)

 ⁽³⁾ و دالمحدار . (كتاب الصلاف باب الحديث من ١٩٣١ م ٢٠) مكتبه بين نهم سعيد كراجي).

هي روالمحمار (كناب الصلاف باب ميلاة الجمعة، ص ١٣٨ ج٢؛ مكته الجراب سبد كراجي)

١٠) و دالسعنار : (كتاب لصلاف باب الحمدة ص ١٣٧ ج٢) مكنه ابع الموسعيد كراجي)

ب كيونكم آر خاصفيره من متغرق ووكانول كأفتل سے جمد جائز جين روباتا (١٠) ـ

(۲) د بی استاد کا حق بدر جها زیاده به (۱) آج کل کے جرول سے مدیت شریف جی ہے۔ شواطنعوا کسن تعطیموں مند بیعنی نے اس کو حقرت جمر ناتی کا قول قرارد نے کرال کے صدیت موقوف بوسٹ کو ترجی کا سے - نیز المام الا یوسٹ مان سے مشتری ہے قبان سیعت السلف یقولوں من الا بعر ف الاستاذہ الا یفلیع - مینی من سائین کا قول ہے کہ جوابیت استاد کی اقدرتیں جا منا ہے وہ کا میاب تیس ہو مک ور آج کی اکثر حیال نے ہوئے میں کر تھی و نیزی مداری کی کا غراب ہے مریدی و مشتمین کے ما تھ رہا تا اثر کر کے دب جاء احب مالی شن مرکم وال درجے ہیں وقت واقع واقع ترقیق کی اعمرا

ورسوكمركَ آبادى وائع كاكس ين جعد كالتلم

€€\$

کیا قرمائے ہیں الحامد بن مرس سنڈ کا کیسٹاؤں چوکدہ وگھر کی آبادی پر عشش ہے اوران بیل بھر ادبی اش بھی کچھ جسر ہیں اورجامی سمجہ جوکہ پہنا کر کڑھ اور عرضاہ سے مہم بھی ہے اورا کیسے مواد ناصا دے پانچ ہوئے تھا، رہموات اور مواد نام جسوف فرانے ہیں کہ بہال جمعہ نیم ویشن بر مکما اورکا فی لوگ جمد ہز سے سکے لیے اور دور سے آتے ہیں اور کے دوبالگان بڑے شہروں سے جومائے کی دورے البرائری سے فراندیتے کیا ان کا وال شن جمد جائز ہے ایکین ر

က်ပြီးခဲ့

گاذک خکود وقریستی و ب اس چی اقامت جد درست نیم یپ – اقامت جد کے گیرشریا تقب کا بونا

 المحافق وبالمحتار: الافعور في انصفيره التي ليس فيها قاض و منتر و خطيب. (كتاب الصلاة، باب الجمعة، في ۱۲۸ ح۲؛ مكت، ابع اب مديد كراچي)

وكنها في الهمدية: وكتاب الصلاة، باب المادس هشر في صلاة الحمدة، هي ١٩٤٥ - ج١٢ مكت. والبعية كرفته

وكفا في البحرائراتق. (كتابر العرائق باب الصلاة المصدة، ص ٢١٨ ح٦. مك وشيديه كوتك) ٢) ٢- ما مي الترسدي: هي الن عباس رضي الله عنه قال قال رسول الله صلى فله عليه وسلم فقيه واحد الشد على الشوطان من الف عادل والواب العلم عن رسول الله صلى الله عليه وسلم، باب ما جار في عشل الفقه على الهيادة، هي ١٩٧ ع ٦ مكت الج ايم سعيد كراجي)

و كنا فيه عن قبس من كثير - فال على سمعت رسول إله صلي الله عليه وسقم يقول - وفصل المصالح صلى النعابد كقضل القسر علي سالو الكواكب، والوات العلم عن رسول الله صلى الله عليه وسقيد بالدها حارفي فصل الدنم على الديادة، ص 49 - ج1: مكت ايج ابسمسيد كرا جي)_ شرة ب- مدين شريف على إلى بسيسة والاستويق الافي مصر حامع الحديث (١٠) الرشائ عمر بو تسقيع فرضاً في القصبات والقرى الكبيرة التي فيها لسواق (٢٠) - فيها الفرقة في العم- الا تحوّل غريفه في فراز بالناعت يزهيس (٢٠)

عالیس بچان گرول کی آبادی دانے دیہات میں جد کا تم

∯س¢

کی فرمائے میں مقایدی میں در میں مشکر کو دیست آس جگو باز گرفتی شمر کاروبار تجورت دند ہے موٹس موجود ہے جاستا معجد موجود ہے جس میں زواز حالی سوڈ وی نماز پڑھ کئے ہیں۔ گرویؤ ان ایس بینکٹوروں مکانات ہیں وہ اکانا معرفزہ کسی ایستا وغیری آؤسل بھوفر موجود ہے گئی میں معام ہ داگر ہیں۔ کی عندہ امرے اس منظر عیں ادائی آگر کے دیمات میں نماز جس بڑھ کی نماز است دے بکتے ہیں۔

∳ろ身

فقد کی معتبر کمالیوں مثل معد ا_{نب}ر (۱۳ ورش (۱۳ وطار و اثنا کی سے بیانا بت بیٹ کہ و عوب جسرا و داوائے ج<u>ہ کے لیے معرش ما</u> ہے اور شامی عمل نقل فر بنیا ہے کہ تصید اور فریکی ویش جسا دا ہوتا ہے کیونکہ وہ محکی شہرا ورمعر کے تعم میں ہے۔ معرکی تعریف میں اختما ف ہے۔ لیکن بدار ترف پر ہے۔ ترفانیوش اور قصبہ اولوں آباد کی اس کی ذریرہ و اور دیاز روکھیاں بول اور مؤوریات سب محتی ہوئی وہ شہر ہے۔

في التعطة عن ابن حيفة الديلدة كبيرة فيها سكك و اسواق و فها رسانيق و فها وال يضدر عمل الصاف المظلوم من الطائم بحصمته و علمه او علم غيره يرجع الناس البه فيما يضع من الحوادث و هذا هو الاصح - (") و اينصاً فينه و تنضع فرضا في القصبات والقرى

د) مصنف ابن أبني شيبة . (كتاب الجمعة: من قال لاحمعة ولانشريق إلا في مسر جامع ص ١٠٠ ج؟ المدانية م ملتان)

٢) و وفالصحتار: (كتاب العملاة، باب لجمعة، ص ١٣٨، ج٢: مكتبه الجايم سعيد كراسي)

 [&]quot;كسما في الهدوية ومن الاقتحاب عليهم الجمعة من أهل انفرى والبوادى لهم أن بعملوا الظهر يجماحة يوم الجمعة ماذان وا قامة - وكتاب المهالات فلبات المبادس عشر في صلاة الجمعة، على ١٥٠ ج٢" مكتبه و شهدية كوفته).

ع) الهدايد كماب الصلاف بال صلاة فيجمعن عن ١٥٠ ج١٠ مكنه بلوجستان بال أبو كواتله)

ه) - شرح الوقاية كتاب الصلاف بال لحصفة، ص ١٨ ٥٠ ج ١٠ مكنه المج ايم سعيد كراجي)

١٨ ووفيستار كاب الملاقد إب الجمعة، ص ١٣٧ ج٢ مكنه الج الوسعيد كرا هي)

الأكبيرة التي فيها اسوال والي ال قال) و فيها دكونا اشارة الى انه لا تجوز في الصغيرة (⁽¹⁾ و ايضاً به وقوله و صفوة العبد في القري تكره تجربها و ملله الجيمة ⁽¹⁾

حال على جمر و يبات كالأكركياب و يامغر بها الانقرياني ونيز الذن ويبات عن الاداران أن أي المداران في فراد جمعه يافيه التي تي تي المراد بعد الأرب أرب بين الواد الله المنظم المن المنظم المن المنظم المنظم المنظم المنظم ا النشاعية الانتوى أن في المنجو العرائو صلوا في القوى والصغيرة ونومهم الادارالطفه الا^{رادان} فيتر والذكرة أن الم

تمز صدكي أيادي بيس جمعه كانكم

و ک په

و كفا في المعرطراني (كناب الصلاف باب صلاة المستدام من 1940 ج (ملكب رشيف كولته) و كفا في ليعرفراني: (كناب الصلاف باب صلاة المستدام در 294 مج): مكتب رشيب كولته

١) - والمعجار: (كتاب هفلاف باب لتحققا، ص ١٣٨ ع.٢ مكن، الرج إيوسف كرابوري

٣) المفاوالمنطقة مع رد (كتاب العبلاف باب العيدين، بن ١٩٧ مج * مكند ايج إليو سعيد مجرابهي)

٢٢ و دالمحتار : (كتاب العالاه و باد والمجاملة من ١٣٥٠ ع ٢ مكب بنج الم معهد كراجي)

ا و کا شاه ی انها داریه. و کناب افضالاه دالیات البیادان عشر فی صنوه فلختیک می ۱۹۵ م. ۱۹ مکت از خیدیه کوانده

€⊙}

صورت مسئول على الم تقل المرسم بيها ودشقر يكيره كتب احتاف على جوتع يفات معركي متقول إلى ان على سياد في تقويف معركي المقول إلى ان على سياد في تقويف محكال معرفي المعركية وفي بيان على حوضع خات ابسنية فيه سكك و اسواق ووال بنصف المعظوم من المظالم واى يفلو على الصافه و عالم عالم به يعرب المعظوم من المظالم واى يفلو على الصافه و عالم عالم به يسترين المعلود والى يفلو على موضع له المعلود والمستريخ المستريخ المستريخ

- ا) بنائع العيمائع كتاب العيلاف فصل في بيان شرائط المعمدة من ٢٩٠٠ ج١٤ مكتبه وشيديه كوكتم)
 وكذا في والمعمنان وكتاب العيلاف باب الجيمة ، هر ١٣٧ ح٢ : مكتب ابج ابد سعيد كراچي)
 وكتا في البناية شرح الهدايه: وكتاب العيلاف باب هيلاة الجيمة ، من ١٤٠ ج٢: مكتب دار الكتب العلمية ، بروت).
 - ٢) كتاب الصلاف بالم الجمعة، ص ١٣٧ ج١: مكبه ابج ايم سعيد كراجي

و كفا في مقالح البعينالج: (كتاب الهيلاق نصل في بيان شرائط الجمعة: ص ٢٥٩، ح ١: مكتبه رشيعية كولته

و كنفا في البناية شرح الهفالية: (كتاب الصلاة_ باب صلاة الجمعة: ص 100 ج٢: مكتبه دار الكتب الطبية برون)

وكما الله الهندايية كتباب المصيلاة، باب صلاة المجتمعة عن 101، ج1: مكتبه بنوجستان بك لأيو كالله

الهناية كتاب المنازل باب سلاة الجمعاء من ١٥١ مج١ : مكتبه بلوجستان بك أيوه كوئد)
 وكافة في الفشاوى البائار خانيا كتاب العبلاف شرائط العممة من ١٤٥ مج٦: مكتب إدارة الثوان
 كراجي.

وكانا في البشاية شرح الهداية كتاب الصلاق باب صلاة الجمعة، ص ٢٦ : ج٣: مكت دارالكنب الطبية بروت جائے ⁴⁰ انبتہ آمر کو فی تھی نظر میں ڈاک والے کی دہمرے نذہب پڑھل کو سے آداس کا دوخود آسادار ہے۔ شاہد مقلقی سے میں کان سے کوئی واسط میں ⁽⁴⁰ - واللہ تحاقی اعم

بمحود الغاالث مزسقتي يرد سيقاهم الصوم المثالث

ا ہے گاؤں میں جمعہ کا تم میں گی اور آرب وجوار کی آبادی ایک بزار ہو

۾ کي جه

کی فردنے جی طارد ہے۔ در ہے سنگ کا ایک کا اے جس کی ایف اور قریب اوران کی آباد تی آباد ہے۔ جار ہے تعمونی اوکا ٹیس اور بک و درکسی القوام جو تو کی فیصلہ کرتے ہیں ورشر سے فوئل کے فاصلہ پر اوائی ہے۔ وکٹیل ہے کو درکیک کی جگہ تھی جھوٹیس ہوتا - س کا وک جس فی اور جھ جا اور ہے اور اکٹیز بھٹے ایک سال کی جو کا اور سے بیا چامی کی میں کیا وفائد نے کیکے سن جی بی بے اعلاما دکر ہے۔

ونء

سیگاؤی قربیه خیروی اس بین اقامه جمد در ستانین، آمبرگی نمار باهها حت اداکرین ادر سال گزشته بین جوجهد کی نمازی برخی نی میرمان شریعه و خطرت بارزخشون کا نیاد دکترین ^{(۲۰}۶ - فیز دامند نتونی اهم-

اكسما في ردانسمستان راكسه أي فليضر أرضا ، شرط خواز الجيمه عهر شرح جوار مبلاة الجيار وكتاب العيلاق بالي الجيمة ، ص ١٣٠ ، ج ٢:مكته ايج ليم سعيد كراجي إوكسدا فني الهسمسة : وكتاب الصلاة ، الياب السائح عشر في صلاة البيدس ، ص ١٠٠ ج ١ مكتب و شيده كونته)
 وكتا في الهيدية وكتاب الصلاة ، باب الديدين عن ١٠٥ ج : مكتب يوجيسان ، باك فهو كرفته)

وعلى المقاد الدينية ومتر مدار دروز (من كي احارث بهاي) به أنباع هو افور السباحية وتأكيد ألا حديها و المستقصب الارسطة عن ١٥-١٣٠١/١١ (١٠٠ قرآن منحل كو (بيني) (منحوله شاويل محمودية) ١٩٠٢/١١ و وكناد في الإنتشاء عن بينان أسباب الاختلاف (التقايد في المداهب الأرسة من ١٩٠٧/١١ (١٠ در التقاليم) بحواله مجمودية ١٩٠١/١١)

۱۹۰۰ حوافر او پرمشتنل آبادگ ش جمعه کانهم ﴿ سُ*

400

المعن بيد بها كالفائل احتر كتب شمل مدا به الماج تراد قابه (على المعنى) المسال المائل من بيد بات قابت من الدامات باساسه الأميات المدينة على المدام اللي قال فال أميا بينا لده بدام بيان وهي بمعادا اعتامت المدام وهي المعادات المائل ويستا المؤموس في يعد المراجع وساق بيان بعد المدينة كان المعادات عن ماه المساقح الديد بيدام المواقع العربي في المساقل المائل في المدينة المعادات المعادات

- - ٣) شرح الوفاية. وأكناب الصلاف باب الحسمة ص ١٩٨ م ج. الحكمة ينج ابه معمد أفراجي)
 - ٣٠ الدرالمجدر وكتاب المكاف بالمناجعين ١٩٧٧ ع * الكنوبيج المرميد الراجي)
- كان كسما في الالمحتار المع فراصنا في العصبات والعالى الكبرة التي فيها المداني ... وفيما فاكر بالإلداء ا ربي أنه لا يحمر في الصميرة التي ليمن فيها قاص ومنو و حطيب كما في المعصب بنا والطاف أنه أربد المدائمك فدائكر اها العل لحسافه في كتاب العدالات بالدائمة في 1771 م ح10 مكتبه ليج مع المعيد كراجي)
- و كناء في تهيئاته (كتاب عناقات الدياديات منز في منوه الجنمة، في 116 م 15 مكتبه رئيدية كركة)
- وكنام البحراران وكثب الهلام سياحاه الحنفة بن والماء مكنه رشيته كولفال

في التحقة عن الى حيفة النفران بلدة كبيرة فيها سكك و المواق و فها وساتيق و فيها وال مغدر صلى انصاف المطلود من الظالم بحشمته و علمه او علم غيرة بوجع الناس اليه فيما يقومن الحوادث و هذا هو الإصح.. (1)

نیں موال ہی جمل قریبا کا دُرگیا کیا ہے اُٹراس میں شرائط محت جمعہ پائے جائے میں بیٹی اود میکٹیر وَ لقب پاقریک وہوائی میں قمار معدم کر ہے ور دیکس (۱) مفتاع واقعاتی کی اعلم

كيا بمعدكي از الن تافي اللمة كي طرح ب

4 U

آبیافریائے ہیں علیا دام سندھی کہ جمد کی اوان عافی اقامت کی طرح سے جیسے کیڈو والایشناج میں خطبہ کی چیکی سند کی مزمرت ہوہے - رو الافاق میں بلدید کالافامانی کٹی گلمات اس کے جلد کی اور پست آواز سے کیا جائے میں قرآئے گل اوان عافی محل اوان اولی طاف سنت کیواں دکی جافی ہے اورا کر کٹالا تعاملہ کا بیاش نے ہوؤ کیا معاد سے۔

∳ئ•

الزان اوني جو كرفطيب مند مات يوني به (۳۰) الساهي منتب دويا تكن بين (۱) آواز زياه وبلند و بود (۱) او قلمات جلد جدر داكي باكين - كسب على المسعامة شرح شرح الوفاية مداء - اين افان لا يست هب

٢٤ روفالسمتار: (كتاب الصافة باب الجيمعة، من ١٣٧ ج ١: مكتبه البح ايم سمية كراجي)

. وكية الني بيدائع التصنياتين: وكناب الصلاف صبل في بيان شرائط التصنيفة عن ١٣٦٠ ح ١٠ مكتبه . رشيدية كولته)

ار كندا في النبيانية شراح الهندانية: (كتاب فيصلانه، باب صلاة الجمعة، حن ١٩٥ ح؟ الكتب الرالكتي العليم « بروك)

٣) تقدم تحريجه في مسمعة منقدمة

 الدرائمجنار: (و يؤدن) ثانيا ريس بديه) أن الجطيب (كتاب الصلاف بات الجمعة؛ ص ١٦١ م ٦٠: مكتبه (بج ايم سعيد كرابيي)

وكيها في الهداية: (كتاب العبلات باب العبلاء الحصفاء من ١٠٤ مج؟) مكته بلو بعدنان منذ فير. أكونته)

وكالذاء في شاراح الموقاة (196 كنات) المستخلف بنات الجمعات في 1964 ح1 مكته الج الهم سعيد كراجي) رفيع الصوت فيه فيل هو «لاذان التاني يوم الحمعة الذي يكون بين يدى المحطيب لانه كالإقامة لاعلام الحاضوين منقول من امداد العناولي ⁽¹⁾-فقاد الشرقي، الر

ائيك صدكى آ بازى والى كېتى يىل جىد كاقتىم چىن ك

کیافر و بیتر جی علمان این در می مسائل کر.

(1) آیکیائی جس کی آباد کی تقریبائیک صدراً دمیون پرشتن جوادر جاری سیوجی بود نماز باجها صندادا موقی بوداتنی جی آبادی کی تین جمتیان اس کی آس بان اور فاصله تقریبائیک فرانگ کا بوداس کے طاور کیل اور خدف کیل پر تھی بستیان بودن کیا ایک جند برخدادا کی جاشتی ہے باند (4) و بہائے بھی تمار کو خدات استیادا ظہر ماس رکھا سے بوئی چ انگیں۔ جنس علی کروم فرائے ہیں اخار در کھ سے تماز جسر ہوتا چاہیے جار کھا ت استیادا ظہر ماس کا کا مطلب ہے ۔

ૡૼ૱

(۱) فراور المستى بين زجد ما تركيس كوك بعد كي سيممركا بونا يا ممركي طرق بود (تصديو يا قرير و بودوس من يا زارگر بين بار و با قرير و بودوس من يا زارگر بين امر هم قد برخ بار بين امر المرف بين المراف المركي و المرافز الله بودي بودوس المرفق من المستعمل في حدد المولا الله و المرفق الله و حمد الله الا حدد و الا تشريق و الا صلوة الفطر و الا اضحى الا في مصر جامع او المعلمية و الان كان المدينة النبي صلى الله علمه و سلم قرى كثيرة و الم بيقل عبد عبد الموافق المنافق المرفق و المرفق المرفق و المرفق و المرفق و المرفق المرفق المرفق المرفق و المرفق المرفق و المرفق و المرفق و المرفق و المرفق المرفق الكورة المرفق ا

ه م المربقاة المتناولون وكتبات المسلاف بات صلاة الجمعة والعبلين أحل ١٧٥٥ ج١٤ مكتبه دوالعلوم. كراجي)

٢) عبدالرزي وكنات النجمة: باب القرير الصفار: ص ٢٠٠ ح.٣ مكنه داوالكنب العلمه صوفت)

٣) المهيدين الن البي شبية: (كتاب المصنفة: عن قال لاحتمة ولاتشوائق الافي مصر جامع، ص ١١٠ ٣. - تكنيه المداوية، مكان)

ع) روانسمتار : (كتاب المدلاق بالرو المسمعة عن ١٣٥ ، ج١ مكنوه ايج ايم صفية كواجي)

المنتى ليس فيها فاض و منسو و خطيب كما في المنظميرات و مقل الماجميد عن الصحفة عن ابي حيفة و حيفا فاض و منسو و خطيب كما في المنظلوم حيفة و فيها وال بفقو على انصاف المنظلوم اللي قوظة و هذا هو اللاصلح - النجورات في وحديث ت بدائل بكراك بالكري الكري بعد بالأرش (*) - البريونان كما كوري كما كريك الكري الكري الكري المواجم النجورات في المواجم النجورات المواجم النجورات المواجم ال

١) روالمحتار: ﴿ كِتَابَ الصِّلاقِ، باب الحمعة، ص ١٩٢٧ م. مكنه ايج فيم معيد كراجي)

3) كسما مني ردانسجتان الانجوز في الصغيرة (كتاب الصلاف باب الحسمة ، من ١٣٨ ج ٢: مكتبه ابج ديم دويد كراجي) - وكال من البحر الرائق (كتاب الصلاف باب الحميقة عن ١٣٥٨ ع ٢٠ مكتبه رغيبيم كرلته وكذا في ابهندية: (كتاب الصلام باب السادس عشر في طبلوه الحميقة ، من ١٤٥ حراة مكتبه رغيبيه كونه).

 آنسا في ر دائمخيار . (ارصلوا في الفرى ارمهم ادرالظهر . (كياب الصلاف بدب الجمعة على ١٩٣٨ -١٠ بكت داينج بين سيسد كراچي) . ركت في الهنديه . (كياب الصلاف البات السلاف عشر في صلاف الجمعة داس ١٩٤٥ - ١٠ عليه رشيديه كركته)

وكدا في البحر أو الزاء (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعه على ١٩٤٥ ح٢، مكتبه رشيديه كولته) وأكفا في البحر أو الزاز (كتاب الصلاف باب صلاة الجمعت عن ١٩٤٥ ج٢؛ مكتبه رشيديه كولته)

- 3) كساهي حليي كبير و السنة قبل الحسمة أربع وبداه (ربع) . (وعنداي يوسف) السنة بميانيسية (سنة) ركسان وهو مروى عن على والي الله عنه والافصل أن يصلي اربعا أمر كشير بليجروج من المخلاف (كتاب الصلاة فصل في المواقل وعن ١٩٨٨ ١٩٨٨ مكتبه سيدى كتب حيات كورته) وكدا في الهداية: (كتاب الصوم باب الاعتكاف: عن ٢٩١٧ و ١٩٤٤ بهو بهدتان بك قبو كوله) وكدا في البناء عراج الهداية: (كتاب الصوم باب الاعتكاف عن ١٩٨٨ ع ٤: مكتبه باراكتبه المنتبية و مروت)
- وي كنساخي و «السنجناق الانجار في العنفرة التي ليس بها قاض و سبر و خطيب الافرى ال في
 اد حراه ر لومنوز في مفرى لرمهام الداطهان (كنات العملاة الدام الجمعة) هي ١٣٥٠ ج٢٠ مكتبه
 اسج ابنم سعيد كراجي) وأنداهي الهدمة (كنات لصلاف قدت السافس عشر في فبلاة الحبيمة»
 اس ١٤٥ ج١: مكتبه رشيدية كوته)

وكذا في البحرام اللي: وكناب الصلاف باب بسلاة الحممه، هي ١٧٥٥ ح.٣ مكنه وشهديه كواته)

کیا تی_ر سے معرق **سمیدیش بعد جا** تزب

کارٹر ہائے جی ملاہوں کی مارٹر کارٹری کے ایک ایک کارٹری کارٹری کے انسانی کے انسانی کے آفر ہائے گئے کا آزار کی جونے کی شہر کی جونے وہتے ہوئے واقعاد مناف ہوگائی بالدس کے نشانا کے ساتھ کے انتابات کا کھا تھا۔ کی دسرور دائے ہے۔

وزور

صوره مول بین پیداد بولید آخر پردازه شراید از برای به ایسان می جدد با از دم باست کافت ایک اول پر سیاند. ایس نجولی سپر می شراد به مقام آزار کی جا از این اساله از سمید است و مای مهردش جانب از اعداد آخر زیرا در شام به مامل در می آند است و دارند تیل هم

ه و النبير أمي الأعيامة الم بالمستمر على أي مقتل قال استعيث حالياً . في الله تمالي عم يعون استعيد الراحي مراكي الراء الماني عليه وسلم عول الرائي سائح السرائية به والكفر قرائد تعطومه (أخذت الإيسال سائد بينان ولا تعلق أن الرائد في من تراه علامة على الراء المحافظة المن الراء عاد تستعيل كسياحات الكرامي الرائدة على سين فيستني الانتقاب تصافحات الدائمة وعي الراء الصاوبات عن الانتجاع الا القديمي كسياحات كرامين)

۲۰ كيساني الدراسجان الورشيرة الصحيفان سفة أشيد الأول والمصير الأوطاؤي (دوهر داء الوهر داء الوهر داء الحرف المحلية في ١٠ كانتها للمسانية في ١٠ كانتها للمسانية في ١٠ كانتها للمسانية في المحلية المحلية في المحلية والمحلية في المحلية والمحلية في المحلية والمحلية في المحلية في المحلية في المحلية في المحلية والمحلية في المحلية في

(ع) الد أو أن الدخيج المستفري المستفد ألما هزير وارضى الله تعالى الله عمل أقال رسول الله فيلى الله وعلى مدقة حسبة وعشران الله الدين عليه دخية المستفد المستفد على ساله في الله وهي مدقة حسبة وعشران الدين عليه دام والله المستفد الإسلام عام والله المستفد الأسلام عام والله المستفد الأسلام على المستفد الإسلام على المستفد المستفد الله المستفد المستفد

جمعہ کے دوران ڈیروغیر دکر نے کا تھم جریار

ه کې ه

کیا آریا ہے جی طارہ میں وہ فقوان ٹریا تھیں ال مشترک وریٹ کی کے جاتے جدہ وہ آتا ہے۔ سے اعتماد کا کہ دوران آتا ہی میں مدار دور وٹر بلیہ جاری رکھتے ہیں۔ تی کہ تھیج وہ ستار سنا ہیں۔ تقریر جی شووٹ رفتی ہے اورو چی دروہ چر بعض میں مشغول رہتے ہیں۔ زیبہ نے ان اوسلہ تا یا کہ دوران آتو ریس کتی دروا کا چراہ کے کرکر ویا کرو۔ انحوال نے جوالا کہ کہ دوران آتا ہے کہ روز کا ٹیس عدرت چیش کرتے ہیں کہ حشورا کرم کی الشہریہ عمر الفر ریاز تھنفی میرانام میں نے اور تھی ہواں دوران آتا ہے۔ بداور دیری کھی انگر کی کرتے ہیں کہ استعار میں آب ہے کہ کردول الند (پارد کھیس) کا حضورت السلمیہ معم کا نام مہا گیا گیا ہے۔ بداروں پانو میں کا کا کرنے ہیں جوالار روز کو اور اور دوران کا کراہ ہوا گیا ہے۔ اور اور ایک کرنے ہوا کہ اور پانو اور اور اور اور اور اور اوران

به ن که ا

ود بان قرار دومفانات اگرینانسین کی آبید تمام داختا کی قرار کی خوف قدائم به سیده کوفی ترین کیل ہے ⁽⁶⁾ می امریک که دورین سے دورتر طیب یا تبعیات یا مود کرکر کیل -

وريات ببدجائه والأبهتي من بعد كالحكم

وليه

(4) كنت مي تقارالدخار مع رد ام وكر في المسجد عظه وقر آن داختماج كعظه أولي (در) وقال آن الماسمين: رقيق دائما والدعلة أولي) فظاهر أن هذا خاص بين الاقدارة به على فهم الأودت المراقبة والشار عي مداهها الدر موه والانجاظ لمها الملكة الماكية الدينولاف الجاهر فإنه يقهم بن المعلم والمواعظ بالا يعهمه من الغاري فكان ديل أمم تمها كناب الصلاف بالدحاومية المبلاة وما يكره فيها عن ١٩٧٤ م ١٤ مكته فيج أبو سفيد كراجي) ا کیے بہتی جام کیے میں وا وہ ہے کم اڈئم پرروگ تا ہا ہیں۔ اس کین کا روگرہ کیوٹی کیوٹی دستیاں میں انگران مب بستیوں کے لو ول کواکنوا کی جائے قرصحیہ نیز جاتی ہے۔ بیٹنی الی اٹی الیدہ سے ہے۔ اس کی تیٹی کا ذریعے اس میں مدری تیٹیں پرسکا سعاد ارتینی کا خطیب کیتی ہے میں وادوٹین ماز جدد رہ مدر باہے۔ ان کی تیٹی کا ذریعے اس مینی تیں بعد، جارے و جواب دینا ہے کہ فروس کی آئی بہت ہے وہ تیسی حالت او وال کی بہت اس کو درہے کا فیصد آباد کی برعت اور بریاج بیت کی طرب راغب ہے۔ ان کی تعیم کا برند وبست اوا سے جعد کے تیس برسکا ۔ لینر منظر ناکری ورٹھ والی و کرٹیو سے سے مطابق رائے۔

ي ق د

ندگوردایتی میں جمعہ ہز حدید از کی ہے۔ جمد کے لیے الم ہونا شرط سے یا تھیں جس جو می آئی آئیے یا تر ہے۔ کہرہ رہ جس میں بازار گلی آئی ہے جو ۔ اور جملہ دریا متدار مرک جال ہور سے اور 10 - ہے ہم ال میں قرار کروہ وجو ہے سے شرح تھی ہر کئی افر قبین ہیں کہ خطیہ اور جمل میں کرنز جمد جالا رہ وجو سند الاسمان و خط اور تعلیم حمر وریا ہے اس طرح کی جرک موسلی میں کہ خطیہ اور جمد جائے اور کلے اداکی جائے اور اس سے مہلے اور بعد میں۔ حمر میں کردی میں کئی جرک موسلی کے کہ خطیہ اور جائے اور کلے اداکی جائے اور اس سے مہلے اور بعد میں۔

ا مرابعہ جمعہ میں شہر ہے تتنام اشہمراد <u>ہ</u>

* U

کے فرقائے ہیں ہانے ویں واغائیان کی باشتین اس سندین کہ بعد کے ہواڑ کے لیے کمٹنا نداشہر دواورائ کی آبادی بنما خافرار کئی دوئی جا ہے دورآبادی بند لاگھرائے گئی ہوئی چاہیے تھمل طور پڑتے میفر اوری

 أكسنا في شعرات خدار مع رد. (ويشوط بصحبها) سبعة أشياد: والأول: والمصر. الخم- وقال أمن حياستين: تشع فرضه في الفصيات وقفري الكهرة التي فيها أسوان الوصيا ذكر با إشارة إلى أنه الانتجور في الصنعيرة التي ليس فيها قامي واسر واحطيت وكتاب الصداف باب الحديثة عن ١٣٨ - ١٣٧ م ٢: بكتم ابح ابم سيد كراجي)

وكشا في يدعم المسالح (كتاب تجالاة معبل في بناء شرائط الحمماء ص (150 ج1 ، مكتبه رشاديه كوك)

. واک افق البحرالو افق: (۱۹۳۳) العدلات باب مالاه الحديدة عن شاه ۴ مج ۱۳ مكتبه و شهديه كوتله) الاع القدم نصل بهم أبي حاشية سبع ۲

ه ٽ∌

عن على وطى الله عنه ⁽⁴⁾ لا جلسعة و لا تشريق الا في مصر جامع ⁽⁴⁾ البح قال ا الشامي في و دالمحدار و تقع فرضا في القصات والقوى الكبيرة التي فيها أسو اق الي ان قائل و فيلحا ذكونا اشاود في الدلاتجوز في الصغير ذالتي ليس فيها قاض ومنبر وحفي ⁽⁴⁾

الناحوارات سے صاف طابر ہوتا ہے کہ جمہ معرد تصیات اور ہوئے ہیں بیش اوا ، ہوتا ہے جس میں بازار کی کو ہے ہول اور دہاں اوگوں کی جمز ضرار بات مجی چری ، وال اور ارف عمیاتہ ہے جائے کہنا ہے ہوئے کہنا ہے ہوئے آرہے می خالات اور وال جمد قرض برگالا ملی آرائی کھا لا افراد دکھ انوں کے شریا انظر ریکی اور تناس کی تحدید ہے الجند مثل فلسے کیے والے جو کی برجیدا کہ فادنی ایس آ و ہے اور تعدید تھی و سے کا تھی ہے ہے کہ تھی ہے کہ ایس کی آبادی تقریب اور اعمال اللہ تا اور اللہ تعدید کی اور اللہ تا ہوئے کہ تا ہوئے کہ تا ہوئے کہ اللہ تا ہوئے کہ تا ہوئے کہ

 ١٠ منصبات أن أبي شبية: (كتاب الحيمة ، من قال لاحتمعة ولا تشريق الاهي مصر حالج ، ص ، ١٠ ج٣ مكتبه فيداديه ، مكتان

٣) فقع القدم ((كتاب الصلاف باب صلاف الجسعة: من ٢١ مج ٣) مكتمر شيديد كويته)

و كنة التي مصنف عبقالوراق (و كناب الحمات باب الفرى الصفار : من ٧٠ ج ٣٠ مكته دار الكان التعليبة، بيروت) و كفا في مصنف لابي أبن شيئة (كتاب الحمقة ، س دال الاحدمة ولانشريق (لا في مصر حامع ، ص 12، ح ١٤ مكته إدارة القران ، كراجي :

٣) ردالمعجار: (كتاب الصيرة ما يعب الجمعة ، ص ١٩٥٨ ، ج٢ مكنه لهج ابد معيد كواجي) وكدا في الهداء: (كتاب الصارة ، ظباب السادس عشر في مدرة الجمعة ، ص ١٤٥٠ ، ح ١: مكتب رشيديه كونته) وكذ في البحر الرائل: (كتاب الصلاف باب صلاة الحجمة ، ص ١٤٨٠ ، ح ١: مكتب و شديم كونته)

القدع تخريحه في حاشية نبير ٣ في سمية عاؤا

م) كسما في الكواكب الدوى: أن غراط المعلم في الكيم اختلفوا في مايتحقق به المعلم به: فقيل:
صافيه أصر ينفيم المحدود ... بل الدراد مذلك قدرة الأمير على دلك ، (قلو لم يرد دلك فما صحت
المحدمة في شكى من الأمصار في وقساهذا، وذلا لحرى المعدود أحد، وقيل : ما فيه أربعة الإقار رحال
إلى غير طلب الجمعة بالمحمة بالمحادة بنان ماحد في ترك المحمدة من فير حقول عن 13 ـ 13 ـ 12 و ج:
إذارة لقر أن كراجي محوله المعاوي محموديد.

و بارائد

ا کیا جا ارق آباد کی واست کچک میش ایسا و قسم در این به

كوا المنظر في مداري الدون مورجه من الدينية بيت الرئيسة المؤلف في المواقع والمؤرد المؤلف المواقع المؤلف المنطقة المؤلف في المؤلف في المداري المؤلفة المؤلفة المؤلفة والمؤلفة في المؤلفة المؤلفة المؤلفة المؤلفة المؤلفة المؤلفة المؤلفة في المؤلفة الم

ي في ي

مهاد منافعات والتحديد المرافعات والمرافعات المرافعات المرافع والمرافعات المرافعات والتحديد والمرافعات والمرافعات المرافعات ال

ه المصنفي المدفل في الإكتاب المحمد المدافق بواتصفال حرار 175 ع. 18 مكتبه 19 الكان المسيد. الموضور

ه و محدث فريش أن ي المستقد كان والمناطقة و في الاستعاد لا المستقد الاستعاد المناطق عند المناطق و السراء الله ا - ح ه المنظمة المقادمة ومستريخ

من و دانسخند : و فتات عبده ما دانسبيد، من و ۱۹ د ح ۲۰ مگريد ايم انداسيمه انزالهيي

هُمُ وَمُ السَّحِيْرِ * وَقُدْ مَا الصَّيْحُةُ مِنْ الصَّمَعُ فَالِينَا اللَّهِ اللَّهِ عَلَيْهِ مُ أَلَا يَهِي

ساني مترافر يون آبان ين جعد كالخلم

. #υπ

الیافر دانے بین خانے وی و شویان قرن تھیں اس خدیم کرتے ہیں۔ کو ایسکو این جو ایک کا اور است کی است کا کا است

ه ي م

المنكرة أنوان بالمعدالية إن كَارَادَ جَاءَ لَكِن المنطق على الأراكة جسمعة والاستويل والاحسوة القطو والا الصلحى الاعلى مصوطاته في المنطق المناطق المنطقة المنطق المنطق على من المنطق المنطقة المنطقة المنطقة المنطقة في جرائد المنظمة المنطقة المنورة

السبة غراح الهداية. (اكتاب الصلاف باب صنوة الحصية من ١١٥ م ٢٠ مكية در الكتب الطلبية)
 بيروات واكتفاحي الهيداية واكتاب الصلاف باب صنوة الحليفة عن ١٩٥ م ٢٠ مكية بلوجيت ملك في الأحدة والاعتراق إلا الله في المهدد وإلى أبي شيئة واكتاب التحديدة من قال الاحدة والاعتراق إلا التي تعدر مدينها عن ١٩٠ مكية المداورة منتال.

٢) الموالمحتار (كتاب العبلاف عاب الحمقة، ص ١٢١٠ ١٣٠، ١٠٠٠ مكيه ابها بمرسعيد كواجي ا

الدن كسال و عبره إلا حل مصالحه اكتاف المدوني و ركص الحياس التي البدائم بين و الكبرة الدن المساحية المنافعة الم وست و تنفيع لم رضاعي المتعسات و القوى الكبرة الخلي فيها السواق الله المنافعة إلى التوليق الكبرة المنافعة المن المنافعة المن الشامي ألم أو فيما المنافعة المن المنافعة المن المنافعة المن المنافعة المن المنافعة المنافع

١) ر دالمحتار (أنت ب الصلاف الما الحمعاء من ١٩٢١ - إ. مكانية الج الما مجد كم الجي)

ع والمنجل واكتاب العبلاد باب الجبيدة من ١٣٨ و ١٠ مكت مع مو مد معيد كرجي

الدرائسجة مع رقد (كتاب الصلاف باب العيدين وهي ۱۹۹۱ م ۲۰ سخته ايج به سعيد كراچي)
 وكدا في الهداية (كتاب الصلاف باب العدير و من قدا و ۲۰ مكنه بوجستان بك فيوه كوئله)
 وأكدا في شرح الوقاية (كتاب الصلاف باب العدين حن ۲۰۲۰ م ۲۰ مكنه ايج يه صعيد غراجي)

على الدرائسجار مع د رونا در في مهم داخت بين فيج الدواعظيماً على المعطيم، وعليه الفتوى وكتاب الصلافي باب المحملة، في 12 الـ10 م. ح. مكتب مع بهر محيد كراچي.
 وكتابي البحرائي (كتاب الصلاف باب المحملة، في 911، مح. مكتب شهيبه كولته.

وكلفاهي فتح لفدين وكتاب الهسلاني باب صلاة النجمعية ص ١٣٠ ح ١ مكتبه وشيقهه كولفها

عنا في إذالسجتار ٢٠ (١/ يران في المجاهر أوسدا في الفريار مهدادا، عظهر إكتاب الصلافاتات
 الجمعة، عن ١٣٤٥ ح ٢٤ مكتبه الجاليم إليو معيد ، كراجي)

و كنا في الهسمية. و كتاب الفتاتان باب المتادي حشر في ضمة الحملة، في 110 م.م. مكت رشيعية كولفة

وكدامي المعرافراتي وكتاب الصلاف باب صلاة الحممة، من ١٩٤٥ - ٧٠ مكنه وشيديه كوفعه

بإنى سوافر اول آباول ميس جمعه كافتم

ه کۍ ه

ەقە

صورت مسول میں جو حالہ مندہ ب مطعم کے بیان کے تعقیم اس معوم ہوتا ہے کہ میں اس معوم ہوتا ہے کہ بیانو آئی پیشق ہ ہے انہاں جمد جا در آئیں ہے جب بعد بار انداز اور اور اقراق کے بار انداز انداز کا کا در میں برمشور رہنے کا سینجا کی آفتا واجب ہوگی جہاں جس ہو رائیک میں ایر ان کی واجب کیس - دولوں فرجس وابد بن کا کے اجرب سے کے غیر مونانا آئیسیا آئی برکیل وادواز انساس کی ہے الگا انتظام انتہ کو ان اعلم

جمعه كي اوّان ثاني ك جواب كالحم

∀ آن∀

کیو قربات میں عدارہ میں اور ہے است کو طیار تھو سے فیل اوّا نے اوالی کا دوائیں و یہ جاست کو گئی ہو۔ او این کے احد باتھ اٹھا کو الکیلیم و ب عداہ اقداعی ہو انعامہ آئے ج مشااز رہ رائے ہیں اسٹا کی جا لائے کے ٹیمن میٹو اتوج وہ

٩ كما في ردائسجال (تمع فرضا في القصاءات وغفري الكبيرة التي بها الدواق الروسية الأكراد وشارة التي الدواقة الروسية التي الميارة التي الدواقة الوصية التي الدواقة الروسية التي الدواقة الروسية التي الدواقة الروسية التي الدواقة الدواقة الميارة التي الميارة الميارة الميارة الميارة الميارة التي الميارة الميارة التي التي الميارة الميارة الميارة الميارة التي الميارة التي الميارة التي الميارة الميارة الميارة الميارة الميارة الميارة التي الميارة التي الميارة التي الميارة الميار

واكيد مين الهيدية. وكتاب الصالاقدانيات السافس عشر أفي فبلوذ العُمعة، في 1860 خ. أمكية رشيدية كرايته

وكفافي البعر الرائل وكباب الصلاقر باب صلاة الجمعة دحر ١٠١٦ مع. مكتب والبعمة كولته

۽ ڻ ه

کیا جمعہ کے فرضوں کے بعد کی تمام منتیں مؤکدہ ہیں

عان ج

أبوفروت فيروطا أكرام الإمسان شمال

11) - آماز جھارین افراش کے بعد کی ہو رشتین موقعہ میں یا تھیا موقعہ اینز استثنی موقعہ وہیں ایکشیعی جو ب صاحب نے قرار کیں

(۲) - ایکے تحقی آرائش نماز کی سالت ٹال اس الک ٹنائل ہوتا ہے ایس کیا میں و مرک دلعت پا صار باہد قومتنائی کوام سے سلام نیجیز ہے کے بھوٹوٹ اندو رابعت گاہ ہے ٹرو بازگر کی جائیے والمعاشر بیف ہے کا ٹیمرا کر مقتدی عام کی کیٹی ورکست میں اس مشت ٹنائل دونہ ما ام تر کست کرد وہ تو مشتدی کوئٹ دلیس بیانٹی جاہیے ۔

5.3 s

(1) ناناز جمیدی درگھھالین کے دائر کے اید ہے، مشن انتس میں۔ عفودا کرمٹیجی سے ا^{وع)}

۱۱ رواز د الحدار الإكار د دار مداره داره داره الإدار ، مطلب في كر فاد تكرير (محمد عامة في العاد حدة فلي - الدفائع الإداريج بلوسميد كر يتول

- ۲) الدرائسيسان (كتاب العبلاء) بات الإدارة في ۳۹° ج. د. ديك ابح ابد معيد كراجي) وكتابا في حياشية الطبحيون على مرافي الفلاح: (كتاب العبلاة البات الألان على ٢٠٠٧ ممكنية فديمي تحيي حك، الزاجي) به وكتابا في السحر الرائين (كتاب الدائلة الديالة الأن عمر ١٩٥٧ مكنية و فيدية كراهه)
- كسب في سيسن فيسمنائي عن بي هرارة قال قال رسول الله صلى الله عنه ومشوافا فيعي احدكم
 الجمعة الرميل مقة الربطة

واستنبأ فيته ، هن أبي هم راسي الله عند أن راسول الله سفى كله عنه وسفو كان لايعيلم بعد الحديد. حيني بالشراف مهيلي واكتش ، وأكتاب الجمعة «عند الصلوة الضيوة بعد الجمعة في المستحد ، ص. 1915 م.غ المكتبة قديس كانت كانه كواجي) نها را ادود دونوال مینی بچورکست کا آوت سند- احت ف الاستهار قول جار رکعت کا ب جوکه ایام اعظم رقعه الندسید کا قول ب اور مام او جسف جه العد خورت فردنی و آن را داخول کا و با به اور جو کا قول بیا ہے۔ وی جس احتیاط ب ان کی مائل کے جواب شرقع میز و مائیس معنزے موانا در شیدا حرف حس تشکری رقمیة اعتباطی بیان خور کا مسئون جود کمتی مائل کے جواب شرقع میز و بیا ہے این معنزے مول ناتھا وی موز نے می احداد اختادی جاروال (اعلمی موز کست می

(1) مقتدی فوت شد و رکعت گاه ہے شرون آئر ہے اور بکی رکعت میں بنگدا اور آئے اسٹرون آئر چکا ہے۔ اور اس وقت کوئی افتد و کر ایتا ہے قرائر شخص ہے تاویخ ساند و کیا اور قر اُستاستا واجب ہے - البنا جعش فقیا و نے قرون کے جب المام آجہ یہ پر انقلہ کر سے قوائی ورمیان میں تا وجری کو سے اور بعض نے پیٹھا ہے کہ جب المام رکون میں چلا جائے قوائی وقت اگر تھا ہے کر وکون پر مکا ہے قوائد ہے لیکن بھر یہ ہے کہ فیلہ ام نے آئے۔ شرون کر دی تو بھی قریت کوسے اور فرکز سے اور تاہی جائے ہے وکیا بھی تا اسٹریز ہے (۲۰) سنتا و اند تو الی وقع۔

- (4) كستافي حلين كيبر ((السنة قبل النجاعة أربع وسدة أربع) ... (وعند ابن يوسف) البيئة عد الحسيمة (سند) ركمان وحو مرون عن على رضى الله عنه والإقتمال ال يعيلى أربية ثور كامين للحسيمة (سند) ركمان العيلاق في على السنة أن المسلمين كلين اللحارج عن المحارف وكتاب العيلاق في المسلمين كلين خيات كلين المحارف المحارف المحارف عن المحارف المحارف عن المحارف المحارف عن المحارف عن المحارف عن المحارف عن المحارف عن المحارف المحارف المحارف عن المحارف ال
- ٢) شائیسمات رئیسدیده مع مناوی رضادید: رکتاب فصلانی منتری اور معلوی که بیارت می ۲۰۱: ادارهٔ الاسلامیات لاهور)
- آی کست می امداد قانداری: کتاب النصافات سال میلود فیمیند و قمیدین، بن ۱۹۹۹ م ۲۰ مکتبه دار العلوم: گراچی؛
- (4) كما من حلاصة الفتاوي المستسوق اذا فرك الاسم في الفرأة فني يحمير فيها الإباني مائدة قاد قاد قاد الدر العضاء ما سبيق مأذي والتداوية وعبد الفرأة وعد البرأة وهذا المستبيعة من منافرة منافرة وعبد الفرأة وهذا المستبيعة المستبيعة المستبيعة المستبيعة والمستبيعة وال
- و كناه أنى الهندلية (و كتاب المبلاة الياب المعاصر ، المعلق السالع في المعلوق واللاحق من 44 هـ. ح1: مكتبه راشهاية كولته (
- وكنفا في الدرائمحتار مع رد وكتاب الصلاف بالإسامات مطلب فيمالو أتي بالركوع أوالسحود.... الخواص ٢٩٥٦م (الجوام محد كراجي)

سات ٔ هرون کی آبادی میں جمعہ وَ تکم

영(**)** 🎉

کیا فرمات جی عمادہ بن س منفذش کیا بھی ہمتی شاہد چے مات کہ بیں اوما ٹریمتی کی سمجد پی یا ٹیج را دفت شعافہ جامت ہے ہوئی سعادہ نہ دینے یا گئے دفت و ڈکی یا بھری ہے اور اس کسٹی کے ارد کرد اور جار فرالا تک براور مقبیل جی اس جگہ جد ہو مکتا ہے یا کیل ؟ بالداوک جراب ہے ممثل فرماد ایس - فبند اس سجد میں جھ کے دائٹ ایس بھیس آ وی اکٹے ہوئے ہو رہ اور یہ کی فرماد این کے دائٹ ایس کو کو فرائز دیمی اور کئے ہے یا کیوں۔

#34

شكره في المراقعة على المراقعة المراقعة

١) منصنف عندالرزاق: (كتاب الجمعة، باب الفراق الصعار) عن ١٧٠ ع : مكتبه دار الكتب العلمية،
 بهروت.)

العصف إلى أبي شيئة (كناب المعمدة عن قال الاحمية والانتشارة إلا في مصر حامع عن ١٤٠ ج.٣.
 مكته المدادية ومائن)

٣) وقالمحتار: (كتاب العبلاه، باب الحممة، في ١٦٨ - ١٤) مكنه النج ليم سعيد كراجي،

ع) ودانسختار: وكنات الصلاق باب الحممة، ص ١٦٧، ج1: دكته ابع اب سعيد كراچي)

⁶⁾ وفالمحتار. (كتاب الصلاف باب الحصمة، ص ١٦٥، ح٣. مكسه الع الم صعبد كراجي)

ان خادره فيار من سال بيسم والكفاري كسينيا مودو الما تياس بيام الما يام كيام اليام التي الساده في الما يام الم المودي هذا المحافظة المودات الما تما الما أن الما أخل المواقع الما يما المودول المودول

-

(١) كسما في و دائمجدار انقع فرصاحي القصيات والفرى الكيرة التي فيها الدول الروسية ذكر با إشارة التي أنه قال حدود بني المصدة التي ليس فيها فاصل و مدر و حطيب كما في المضيدات والظاهر أنه أو يست التكريفة لتكر فه المسفر الشجماعة ، الانزين أن في الحواهر الرستر، في القرائل لرمها أداد التيهرد و كتاب العبلاد و بات الجمعة عن ١٩٨٤ من المتربة المجربة معيد اكرا بني).

ا و كاما في الهاد مايه: (كتاب المالاة، الناب المادس عشر في صلوه الحميقاء عن 150 مع 150 مكتبه الراشيدية كتوشئه[د و كتب في التحرافرانق: وكتاب قصلات بداء فبالاذ الحمقة من 150م 1500 م الرائز مكتبه والمديد كوفته

 أكتمنا على حياسة الطلحيطينوي وليس الاحتياط في تعتها، لأن الاحتياط مواقعيل بأنوية البلشي وأقرافهما إطلاق حيار تعدد لحيمة ويقعل الأربع منسدة عيناة الحيلة سيرفر في الحيمة أوتمند استشروس في وقتهم ولاحتي بالأربع ولاللحواص، ويكن بعلهم الإهاش مبرفهم الداكمات العبلاق باب الجيمة، في ١٠ هـ، قديمي .

ا و کلا ابی الدهرالرائل. (کتاب الصلاف بات التحقیقات می ۱۹۵۰ ۱۳۵۰ ج) مکتب ر شهید کواکو) . ام کلا ابی رفائیجار (کتاب الصلاف بات الجنبغة ، می ۱۵۲ – ۲۰ مک ایج ایو سهد کراچی)

٣: المعاولة محاصر مع رف و كتاب الصلافي باب العيدين باحل ٢٥ آ١٩٥٠ مع ٢٠ مكتب المجابية منهيد كاراج بي إلى وكالما في الهيداء وكتاب المبلاد باب البيدين من ١٩٥٥ مج ١١ مكتب شرجستان بك فهو كوشفه إلى وكتها في الهيدية وكتاب الصلاة الباب السابع هشر في صلاة العيدين من ١٩٥٠ مكتب رضيعية كوت.

أفتاه تحريجه أي خاشية مدار ١٠٠ أي فيلحة ما ال

الني سني مين جود كاظم جس يرمصر كي تعريف صادق شه كي جو

نیا قروب جی ما موجد میرامی مینبایش کونماز دیدائے میشو چی جس رمنس نام عب میاول شاق فی مواد له قصيه وجمل مين دوز هاڻي خراري آيادي موسيعي کمن قريبله اڳاؤن) بو- نماز بمعد په کزين باکن پارويسورت نه ة و يَ يَسَانِهِ آمِرِ فِيهِ الوَّامُ فِلُوكِيمِ وَكِي مِرْتُكُونِ بِوَقِيَّا مِصْلِيمِ وَقَالِهِ رَضِوهُ مِد سينا مِنْ فَالْوَالِمِيرَةُ وَمِينًا مَا مِنْ أَوْلِمُونَا الْمُؤْمِدُ وَمِينًا مِنْ الْمُؤْمِدُ وَمِينًا مِنْ الْمُؤْمِدُ لِمِنْ الْمُؤْمِدُ المُؤْمِدُ لِللَّهِ الْمُؤْمِدُ لِللَّهِ اللَّهِ مِنْ اللَّالِيمِ اللَّهِ مِنْ اللّ

بهم الغدارجين لرتيم - مِن موضِّع مومه في وفي تمريف مبدوق بيرة في مون موف مي البييين بالقبيركما عان رو کھی آ یہ بھی اوقواری جگہ جمعہ اوا کرنا تھی تنہیں ہے۔ وکسا ہے وگوں کے فامیر اسے کلمبر کی کمانہ زمورج احتراز ج ما آون ہوگی - نیز بھور بزینے ہیں ہویو مندری نامل قامتیں بھی ہیں ۔ (۱) نمازنگل ن بماعت ، لد وی ہوگر ہوں ے(۴) ٹوائل ٹراد⁽¹⁾میں جر۴ ۳) نیم اازم کا لٹراہ (۳) ٹرک را حت ٹوٹس ظر- فیال اس عبار ہیں ہی ردائسمتار و فيما ذكرنا اشارة المي اله لا تجور في الصعرة التي ليس فيها فاص وحدر و حبطيب كما في المضلم ات و لظاهر الدن بدله الكراهة لكراهة الفر بالحماعة الاترى ان في الحواهر أو صلوا في الفرى لزمهم الاه الظهر أنَّ - انَّ -

مراهداد النظامي مثل من المعلمان إين بيل هند السينة تراب أن يتقاصر مؤت كالرمج باليمي الأمرة الت ے اور نقل کی جماعت دوم و اگل نبار تیں جم سعوم غیران زم کا انتر ہم- جمارم زک شامحت فرض کیر- پنجم تحرکونی تغیر نہ ب<u>ا حص</u>قو ترک فرایف کر ترام او فیق ہے۔ اور میا تکی معلوم ہے کہ معرفرانڈ جواز جعد ہے ہے^(م) اشرا کا و نوب سنة من بكن بياحو رأكن و فع موركيا كه أمروا جب كين قرط أز وموجات كال فقد والدعوالي المم

وكلاا في الليام الوائق: ﴿ كِتَابَ الصَّلافُ لِمَاتَ طُحِيمَةُ ﴿ مِنْ ١٩٤٥ - ٢ : مَكُنَّهُ وَسُيْدِيهُ كُونِكُ ﴾ ٣) البعر المبختار" (ويسر في قبرها) - (كمشقل باللهار) فإنه بسرت (كتاب العبلان تعبل من ٥٣٣)

- ایج (یم معید کراچی) دیر ۱)
- ٣) المناه النفتاري: وأكتاب النهسلاة بالاب صلوه المعمدة، والعيدين، من ١٩٥٣ م ١٩ مكتبه دار العلوم
- ع) الدار المتحدون ويشتر ط لصحنها يسبعة أشيار الأول: المصراء وكناب لصلاف باب الجمعة ، ص ٣٧٠ • ع٣٠ اينج بنم منفيط كراجي)، وكنفأ في البحر لراش وكناب العبلاة، باب الحمقة، ص ٢٤٨٠ ج٦: سكتيه رئيديه كوفقه، وكذا في الهديم وكتاب لصلاة، فباب السادس عائز في ميلاة التعمية ، ص ١٩٤٥ م ١ مكت رائيدية كوك ز

ا ۽ ارد المحدار او کتاب الصلاف باب الجمعه ۽ علي ١٩٣٨ع ۾ ان مکيم ايج ايد معيد کر اچيي وكعا مي الهندية ، وكناب العبلاف باب الحسمة، ص ١٩٤٥ م ١٠ مكت وشيدية كوك)

اُن سات، بیمانوں کے مرکز میں جعد کاقلم ٹن کی '' باوی تین بزار '' ٹھے سوہو جس بھ

بعه مني فرمايند علماء دين وها دان شرع منهي در مسئله ديل

مستشيبه بجه حكم داراد الااه بسارا فللعه واعيدم الارادفليك مركز فقت دهات فرار گرفته بنصلي الدار اللي هفت دهات انفاق معوده سنار جمعه والد ادهمكه درو سطايين مماه دهات ميدغاد مدت يمح سال است كدادة مي معايندار هر طرف مردمان اختوق و دواق در سمبار حمصه و عبدس مراكت مي بمهمد حمقيمه اين دفيكه بماز عجعه دراك حيم شهر ريميشو د تقريبا فيشيت فيندو ۱۸۰۰ نفر از فاكورو النات مورسد - فرين فريه سه وكان بك معرضه بك حامه مسجد مباشده فريه هاليك مربوط بابي قريه مبياتيد تعلاد مصوف أمهيا منادوه والاهراز يتراو فاكوروابات فيرمنند والارافيتين مقعار هممت فسلانا هراز هراشركت ميكد درالهارهان بعمله ارين كمنز وادهاب طراف اردهيكه امر کو قرار گافته مقدار بن مول و بعملي مقدار نصف ميل و بعضي اربي کمبر الفصال دارند- و بنامه دانست که برای تله دار در به برای مرازمی بعوث از و میله ساختی همعه هينكو هيج راهي بسنانا يعني يدبكر طرواني مردحانا بدست لمي أيمفاو مرملات الني يمخ سال که نمار حمعه در با احد حوامده شده و ترابیت دینه اری مرهمان اس سر رمین هیلی كردها مردمات الزارصول وين الكاه شفائد والمبيداج الارسومات باطلع ترك شاده المداوعة وسادي از سے قمار ک نماز حوال شادہ اساق مودمان اس میر رمیں فیل ازیں و حضی موضد و او راه حدد و بدي هيچ گونه صلا غ به داشتند. ايما مردمان اين دهات ميتوانيد که حال جمسعيه حمياد والحمسب مساسق حازي سارندايا نوك كنند آيا اكر معاز حمه وابا سنوو مماسق ادا سممودسد احساد بقه متحره والعاصي فرز ميكردند يا مطيع وافرمانا بردار ساو جمودينگ در نبرن كردندر حراجهاني دول به سنر ميلو بدو ۱۹ ونشخ دين ترك میشود (۲) مردمان رادس اسلام منف میشوند (۳) باشت احتلاف و افتراق حالین مردم حواهد شد (۵) رياب ملاهب باطله كه درين مراومي اكلريت داريد از دي اقاس سلاه بيديها إميشواها والران فلصه ميزانك أأياسا بابل طبرورت فالهاشلية منتجي لواتيم أقهار منفع منه النصة للله عنمان بكيب عمله ابن موازمين باوجوديكه حفي المشعب الدالا ال

بالاتفاق هبونن داده اندابرائع حوالدن برا صعددر حانيا بالكور مكر شاذو نادريا بهوا توجروه

اس کی پکھ

مسم الله الرحمن الرحين الرحيب والعاج الداكاء الاهافي حسيع علما في احمال علمهم الرحمة الولى حوارات حمله والمحتول المسرود فرط السابالا هيج كن الرمقة ميار المستول حوارات المستول حوابي وه فريه فسيره المعلوم مبشود و ويكر لويه هاليكه على مربوط المست كراليان الى فريه و الها المتعال للعزاوع مبشود و ويكر السال فرية هاليكه على مربوط المست كراليان الى فريه و الها المتعال للعزاوع السوارات مراك المستول المعام المعار بن الموارات المعار في المعار فوادا المعار في المعار فوادا المعار في المعار المعار في المعار في المعار المعار المعار في المعار المعار المعار في المعار في المعار في المعار المعار في المعار المعار في المعار المعار المعار المعار المعار في المعار المعار المعار المعار في المعار المعار المعار في المعار في المعار ا

اكتما بي ر دالمحقل ، نام بي القصات والقرى الكبرة التي شها سواي ١٠٠٠ فضة ذكر بازشارة إلى أنه
 التحوير على المحصورة التي ليس فنها قاص و نصر و خطلب. وكتما أن المصر أو نماه و شرط جرار
 المحمود عهو شرط حوار صلاع الدول و إكتاب المدلاوة بات المحمدة عن ١٣٨٠ / ١٣٩٥ مع ٢: مكتبه
 المحمدة عهو شرط حوار صلاع الدول و إكتاب المدلاوة بات المحمدة عن ١٣٨٠ / ١٣٩٥ مع ٢: مكتبه
 المحمدة كراجي إمام.

و كنفا في الهنديمة (كتاب لصلاف باب فسادم عشر في صلوة الجمعة: ص ١٩٤٥ ح.٣ مكت. وشيديم كوكه)

وكدا في المحرالزائق: ﴿ كَتَابِ الصَّلاقَ بَابِ الجَمَعَةِ ﴿ صَ لَانَا ﴾ ﴿ جِمَّا مَكُنَّهُ وَشَهِرَهِ كُونَاهِ ﴾

كسما على و «السمحتار» والتقاهر أنه أريشه الكراهة تكراهة السل بالمستاهة الاترى أن في الحواهو الموسطية في الفرى لرمهم أداء الطهر ، وكتاب الصلاقات باب فحصحه عن ١٩٦٨ - ح٢. مكانيه الح إلى سمجه كراچى)

و كفا في انهستويه: (كتاب الصلاف باب السادم ، عند في سلوة النجستة، ص ٥٠ ١٠ ح: مكتبه ونسفيه كونته)

وكداعي البحرائر تن وكذب العبلاء بالما الحمعة أص ١٩٥٥م و٠٠ مكنه وخبديه كوتله

سيسياسيد او البلام و و هناها مستندان و الدين و الدي مناهب المقا و الدين المناهب الما و الدواد الله المنظر و قد و والسيب الرام دوره و المناه الماكه فراه به المناه الماكه و الدين المنسال كو السيال في المناهب المناهب المناهب و المناهب المنا

و فال القشاص الحدد و حدد الكراء الدياء في التولايجة التي الصغيرة التي سن سيل المحلل و حسر و المعادل المدافق المعادل بالواقفات الديار الكراهة الكراهة الأراها التعلق المسجد علا الارتياب في المحراص و علموا في الذيل رويها الادا الألور و عقادات إلى دوال الم حكم فالدفل مدوي الالداي الادابي مسجد في الراسعي بو الالاد فهو الرائالاندا العالم على دافل السراجيس فاتيات؟

وفائلفتها والمادين ماده أمحم محرشجا مدر

- اكسم من معلمة إعلاه المسن قال مناحل حامع القناري من الحقية النعور التحقيق أن ينقل إلى
 مستقب الشارعيين وسالمحاص لكن بالكيرة أطاعي مستقة والحدة فلايسكول وفائد الشروط الثلاثة
 الحوار بالاعقال من 1777 م ع 1 إفارة العراق ، فرنسي،
- اکستانی الفرطنجدو مع رد (کتاب اعد(شاری در انجامی می ۱۳۸۱ (۱۳۸۰ و ۳۰ منگ مجانب استخد فرانبی)
- كحالق العرائمجيار مع رداع كتاب الصافود بالرائلجيمة، مطلب في شروط وحدث الجيمة، حي الحديثة على الجيمة على المحديث المحديث

عوده بـ٧ كنيمة (قوله و و هم في البحر- الم) هو مة استحميته في المالغ و صحح في مواهب الرحش قول ابي يوسف بوجوبها على من كان داخل حد الاقامة في الذي من فبارقيه ينعمين مسافرا والذا وصل البه يصبر مقيما واعلله في شرحه ألمستعي بالبرهان باد وبعويها منعتص باهيل المعمر والتعارج عراهما الحدليس اهله الخاللت واهو ظاهر الممتوي وغي المعراج الداصح ماقبل وفي المحالية المقيم في موضع من اطراف المصرات كان بينه والين عموان المصير فرحة من مؤار والا حمعة عليه والذيفغه الداء والقدير الرمد ببغلموة اواميا اليساريشش هكدا ووادابو حعفر عز الاسميارو هو الختيار الحلواني وافي التشار حالية أباطاهر رواية اصحابنا لاتجب الاهبر امر يسكن الدهبرا واما بحال به اللا التحب على أهل السواد و الواقرية واهدا أصحرها فيوافيه والبه حزه في الفاهنيس - الخ- و عب لانا محمد أشرف عفي أم أحرب تهانوني عليه الرحمة در حواب اينجيون سوال نوشته اسست اصلانه البغشياوي مبعوماين ^(۱) ان دولي**ات سےمعن**وم بواكد ومرسے مجتوبيكول ميكل كم مااس وفت جائزے جب اسے غرب سے تکرہ وکا اوقاب اوزم شدا کے اور با برموقع خرورت جا تر ہے اور کھا ہرے کہ جمد میں اور کوئی ضرورے سے اور جو سنگھٹن کھی جی باحد ضرورے کوئیں بھیں کو نکہ ضرورے کی مفتقت ہا ہے کہ بدون اس کے کوئی طروا اکل ہوئے گئے اور طور سے مراوح کا اور کی اور مشقت ہے مور با مور کھن کیس-اور جعد بإرجة البيمانية غربب كيا جاد كرومات كالإنجاب عمي الزم آنا الد-(1) اول تكل كي ها عن (1) وم نواقل نبار ^(۱۷) میں ج_{بر (۱}۲) مهم قیر دازم کا التزام (۲۰) جبارم ترک جهامت فرض ظیر ^(۱۷) (۲۰) پنجم اگر کوئی

١) كيساطي استاد الثقداوي: (كياب النصارات باب صاوة الجمعة والعيدين ص ٢٦٤، ج١) مكتبه دارالطوم كراچي)

٢) كيميا في الدرافيختان: (ويسر في هرها). ١٠ (كمتنفل بالنهار) فإنه بسر ـ (كتاب الصلاف فصل ١ ص ١٩٣٦ م ٢) أيج ابم سيد كراجي).

كسما عنى و دائست حتال والظاهرانه ازباد به الكراهة لكراهة القبل بالجهامة ، الاترى ان في الحواهر المرسلوا في العراهر المرسلوا في العراق المرسلوا في العرب المرسلوا في العرب المرسلوا في العرب المكتبة أبيج أبيم المستعدد عن الاحتمام المرسلوا في المستعدد عن المستعدد عن المستعدد عن المراسلوا في مستلاة المحتملة عن المراسلوا في المستعدد عن المراسلوا في المستعدد المراسلوا في المستعدد المراسلوا في المرا

وكدا في البحرالوائق: (كتاب الصلاق باب الحميدة، ص ٢٤٨، ج١: مكتبه وشيديه كولاه)

ظرار پر معاة زک فرینه کرد: مهاد بشق ب ^(۱) - افح منظادان قدال الم جالیس گفرون کی آباد کی دالیستی میں جمعه کا تکم

﴿ َ ٰ ﴾

Š#

- ٩) كنت في المستجمع لمسلو: عن أي سفين قال: سمعت جار أرضي الله نمالي حد يقور . سمعت النبي صلى الله نمالي حد يقور . سمعت النبي صلى الله عليه وسلويقول: "إن عن الرجل وجل بنبرك والكفر ترك العشرف (كانت الإسال ماجه جاء فديمي كنت حدد كراجي) وكنة الفي سبس السمالي (كانت الصلاف بدب الحكم في تارك الصلوات) عن ١٨٥ ح ١ فديمي كتب سانه كراجي)
- ۲) ظلمالمگردنا (کتاب الصلاف باب السائل عشر فی صلوه الجمعة عن ۱۹۵۵ ج۱ مکت و شدید کوانشام و کلما فی رفالمحتار ، و کتاب الصلاف باب الجمعة من ۱۳۸۸ ج۲؛ میکنید انج بیم سعید کراچی)

وكنما في الدحر الرافق: وكناف الصلاة ، بنت صلاة المجمعة ، من ١٩٤٨ - ج٢: مكره و ١٩٤٨ كويمع

شرائط في عبر المصلي) منها المصر هكدا في الكفي والمصر في ظاهرائرواية الموضع المدى يكون فيه منفت وقاص غير الحدود وينفذ الاحكام والمغت بنيته البية عنى هكدا في المطهيرية و فندوى فاصبحان وافي الخلاصة واحليه الاعتماد كداعي السار خالية والمعنى المامة المحدود القارد عليها هكدافي الفيانية الشرة الشرائل للم

مِينَ كُنَّهُ وِلَ كِي أَوْلِ وَاسْتِ لَصْبِهِ مِنْ مِعْدِ كَالْتُعْمِ

$\psi(\mathcal{J})$

کیا آرات میں ہوری دریں مراکل ک

)) کا بکے قلب ہے جس کی آبادی تقریباً جس کر دل آق ہو گیا ادرائی انگر دونواں جی آغریباً اس وال میل آ کوئی خوامین میکن دراف سے میں وقت کی اجمعہ موکما ایسے آئیں ہوسکتا۔

(*) پیک ہام یا نعلیب سہد دوار پر فرائض سلوۃ اور داہبات مسوۃ ہے واقف دواس کا ڈرید معاش ''کراکری ہو کیا ان کے چیجے اور پاچنی جائز ہے وائیں ڈاکر کئی آ دی نے پاچانی کی اوق گھراس کا اعادہ التب ہے یافتیں ہے؟

後ひ声

٥) المد المهاجد (كتاب المصلاف الدار والنواقل، ص ١٥١ - ١٥، ح) - الحمد العراب معيا. كما الدي

وي ار بالمجازي و الداري الهيلات الرئيس محمدة من ۱۳۶۸ مج (مكتب سخ البدسجة أكر (هي). - وأكبته في الهيمانية (وأكبت الميلاف باب السلام عدار في مرفوه المدعدة من ۱۹۶۹ مج (مكتب الرئيسة). - رئيس دام كالوف من الرئيسة كوف (في الأكباب فيبلان عاب سلام للحسمة من ۱۹۱۵ و ۱۹۵۸ م ۱۹۶۸ م

قياض و مستوري خطيب كنيه في المنظيم «ت والظاهرانه اربديه الكراهة لكراهة العل بالحماعة الاترى ال في الجواهو لو صلوا في القرى لمرمهم اداء الطهر - والله تعالى اعلم

(۲) ایندامام کے پیچے آباز بائز بیا آبونکہ بواز ایست کے بیا عالم بوا اگر مائیں ہے۔ حدمت شریف میں دارد مید هسلو احدمت کل بوو فاحر (۱۱) او کلما فان ساکرا کی امام بایڈر بیرموائی بیال کل مرکز بیز متنا بال سائل کا این بالات کی اجرائی بالمال ہو کا رائد ان کر آبری اس کا بیٹرین کی ہی ہیں ہیں۔ مرکز برام ہادوان سے فائل آنا کی اور فائل کی اور میٹ ایون ہے (۱۹) بیاں اباد و کر گئی وادب نیس رہا۔ کیونک پر کراہی سلوائی کیس ہے۔ ایس امری کی اروائی و مہاا مائل ہے۔ حدک الاس و مساکر الاس و اسال میں میساوی

جعدے نصبین آیات آئ نیکار جمدک نے کا تھم

ھ کی کا

المرفع بالشبيعي والدوين الأمراك والراكر بكرزكوا

(۱۱ - اگر خصیہ جملہ دمیو زن شق آ بات قرآ نئے ورا حاویت نوبیوہ آنار تھا ہوئے وہر فی میں یز دیکرائی کا قربر اردو مینیائی یا کی اور زبان میں کر کے آرج اسکون وجائے فوٹ آئی ادکام نو یا دستان المام کو کر فسال رمضان جبھو بیٹر جمعت کھیے کی رہ ہے جائز ہت وانا ہا زندا کو زم یو زہت قرق ہمدے دن مجام کو کرنے کر اور ہے ہو۔ اور کرنے خور چیز مسلم نے جوز بیال فرد نمی اور کی کی صورت میں وائل مقاید واقعید ہے روٹ ان فردہ کیں اگر کوئی جدیدے ان میں مسلم میں جو و کمی تو اور کی کی صورت میں وائل مقاید واقعید ہے روٹ ان فردہ کیں اگر کوئی

ان كريما هي شرح الفقه الاكبر: والكبره لا غراج السويل عن الإيمال . عن 3377 مكتبه فاراليشال الاسلامية ميرون

ه م كاندا في الديرة ما هذا برام عارف ويكره (منفقات وأعرابي و فادن وأعمى) التواسيختار، وقال الله العائدين وقوله الوفادين من العداني الإيفار طحروح عن الإستفادة ووقعل المرافية من يربك الطكائر الكشيران الدهاسية والمراسي والكل الراء ومعودتك (كشات الصقوف مات الإسماء من ١٩٦٠ - ج١٠) المكتبة البح البع سفيد الراجل)

و كالداد في حائشة لا ملتحديون على مراهي الملاحة وكتاب فصلاف تصل في بيان الأحق بالإمامة... ٢٠١٢ تا ٢٠ تاريخي كراجي)

[.] وكذا في البحرائراني وكناس مصلاة الناس لإهامه. هي ما ١٦٠ (٢٠ ح): مكنيه رئسديه كوك] ٣) قد اوي داراً ها وقاديو ولد العدي محمد شعرع (كانت الصلوف فصل في الاعامة الحصاعة ومساعة الصعوف على ١٣١٤ ما ١٢ داره شاعدي كراجي

(۳) - جعدانا ال دعاء البيلات وقت وتحداث أن تقلم بينانات وتعليم الأول كربي بعد كالقلام المسابعة والمؤلف الماسية روح في مرسجك والمياج المسيم - من أنا في من تشكي مفهو البينام القول الوكن وتشروعة الماس موافق في ما تمن -

ونه

(۱۶) الله جارات الله جد المدير إله أمر في مند عادا وأكل المرق فريان الله يؤسلون يو فياهل بالمواقع المراقط المركون المركون المركون الله جد المركون الم

(٣) - بمورنيدان الميدان الماس كالجانب الكي كيل ويدي بنيداد المناصف في المدود ومنيداد الله كذيلية باتواني: بالأكل بنيه في المعاديث الداخل ع^(٣) الإسام فلا صفوة والا كلام او كما قال وافي الدوالمعدود (٣) و يسبعني ال لا ينجيب بلسامه الفاقا في الافال بين يدى المحطيب و هكذا في قال إدالهم (٣) وإنا عالى في فالافارة الشاق اللم

 أي كسائلي عملية الرعاية على معمل شرح الرفاية عنه الاشكرائي أن المعلمة عمر العربية «الاف أسكة السنوار أنك (أكباب الصلافي إلى الجمعة) من « (3 مع 1) مكتبة الحرام معيد أكراجي)
 واكبة في محمد منا ومسائل المكتبور ورسامة المحام المعالس، من 137 م في مكتبة وقارة الفرائي

كم الهيني بي وكاندا من ما جدي شرح مؤاها: وبالما التشميد علي من ترك الحمعة من عمر عمر عمر معرام من ١٥٤ : كتاب خاصر حبيبية الهرائي مسجة همالي منحوا ممحدود بمدين ١٣٦٨)

مي تقدم تحريب في حاشيه سير ١٠ في ماه ما همال.

 ⁽۳) مساول عداوی و کشاب الصنوف باب الحداد و امیداری: من ۱۹۵۱ - ۱۹۵۱ - ۲۱ مکتاه دار اداری .
 کردهی)

ع) الهذابة: (كاب المبلغة باب صلاة الحمدة من (فرد جود بأدر مترجية) والمرابعة

ه) الأيفر المصحد المراسخ كانت الاصطلامة بالمات الأنتان اللي 1945 م 19 أما كناء أور شاستة كوكاه) و كفا في المال حوالز التول وكناب الصلاف المناسقالان من 1945 م 196 محدة وشامية اكوكام) وأخذا في المحاشية الطبخطاري علي مرافق العالم عاواته من المار الأفياء المراسقاتي في الإدارة من 194 م 19 مكان العادة ملتان) . إلا يطوى علو السورة يوسد عوم الفتاري (الفات العانوة المراسقاتي في الإدارة من 194 م 19 مكان العادة ملتان) .

١٤٨ پاپ ڳيو

نیاعورت جمعا کاله مت کرانکتی ہے

كيافروات بين موردين الناسوال ين أيد

- (١) محدت إلها كالمام كَرْسَق بِ إِنهَ ؟ فِيرَ لِيهِ وَأَن قَرْسَ وَمَدِيثَ تُراهِ وَيُرِّلَ إِلَا جاك-
 - (r) كورس رك في وجهاد خريدال الديدي كالركار الفائل الايك

横道療

- (۱) معردت أن المرست كرب قال كريجهم دول كا اقتر مكن في بها المودوق كي اقتر الكريم في المودوق كي اقتراع كريم الم سيد يكن صف لنديج شركاري وفوع منت كي المست كروو سيخوا وجديث واليوريس المائي البدائج المائي البدائج المائية والمسطين و كلدا المعرفة تستسطيع للاعامة في المحمعة حتى فواحث المستد، حاوج بسعى الانفوج و مسطين المادوى عن عادشة وضير الله عبية البدائيت سبوة في صدوة العصر و هذا استوليها الاان مسلسمة فسياه و في مستول و مسطين و لان مسين حيالهن عبلي المستوج هذا استوليها الاان حياعت مكروعة عبديا - النائية
- (۱۳) اليسال ثواب جائز سنبتر كياريون وغيروكاتين وعدم كاتين الجائز ورج مت سنيد أرفاط المرتين ُوش ورك شاسنة ورتبوط إيره وهذا كيا أرساق بعز أن خديم تين – فال هي المدحو الوامل ^{(٢٠٠} كان -
 - کشامی الهداید: والا بصور فمر صار آن قد والحد أدر و کنات العیلاود باشد الاسامة: من ۱۹۹۱ ج.د. بفوجستان بان ذیو و کوکله)
- و آندا في الهندية. (كتاب فيسلام الباب الحامل في لإمامة الفصل الثانث من ١٥٥ م ١٠ مكتبه رشيدية كولته)
- . وكفا في الدرائسيندر . (كتاب الصلاب عالم الإسامة عن ١٧١٥ م. مكت النج إبر سعيد كرا بي) *) الباها: ج الاست 5 ح وكتاب الصلاف فصل في بري من اصلح للإمامة في الجملة عن 127 م. 197. مكت ولنسف كذك إ
- وكندا في الدراسيخيار الركنتات العائزات بالمائزات الإمامة معن 10 ميلا 100 مع (المكند الج الوسيد) . كراچي) يا و كفافي الهديم الاكتاب الميلان البات أتحاسل في الإسابة بالعصل الديث مان 100 م العراز الكرد رائيسيد كوكان
- ٣) المجر الراقي ، وكتاب الصلاف بات فتلاة العدين ، من ١٩٧١- ع٢ ، مكتب و بالنفاء كوظه) - وكفافي وفالمحتار: وكتاب الصلاف بات العدين، من ١٩٧٠ ع.٣ مكتب الج الواسعة كتر جي)

دكر الله ادا قصديه التحصيص بوقت دون وقت او شيء دون هيء لم يكن مشروعاً ما لم يبرد النشرع سه النهيمي حكماً في العناوي وشيئيه ⁽¹⁾ و فناوي دارالعملوم اعداد المغنيي⁽²⁾ فقط والله لعالى علم

دوسوگھروں بِمشتمل آبادی دالے گاؤں میں جمعہ کاتھم

∳(J)}

کیے قرباتے میں علاوہ میں در یں مسئلاً۔ جارا انواکس تقریب دوسوتھ روس پر مشتل ہے۔ آباوی تقریباً جوا سے کے قریب ہے گاؤں میں مر بوطا دیکی ترقیق پر دارا مرکا ایک دفتر مالک بائی شکول والیک آبر تر تدن مؤل اورائیک اهر میڈیوں کا نی مجی فریقی ہے اور فی الحوں کا نی با مونی شروع ہے گاؤں میں کی بارورو کا تی میں ماتھ ساتھ لا بازم ترکھان اور فرنٹیج ہونے نے در ان کی دیکا تیں گئی جی - آبوہ میں آ نیس تیم مجی زیقی ہے - جس سے قریب کے بیٹر گاؤں کو بائی سے گا - گاؤں میں آبا پہنے کی دو شیشین انگوزی ہیں نے کا قررا اور نیک نکا لیے کی مشین میں ہے۔ ایک سرکا رق واکر تھی ہے - لیکن اس کے پاس سرکاری دوائی کا کوئی نامی انتظام تیم - کا آئ میں ایک والی خوادان در الے آ وق کے پاس شرور سے کے مطابق دوائی کا کوئی نامی انتظام تیم - کا آئ میں ایک والی خوادان در الے آ وق کے پاس شرور سے

۱) نالیفات رشیدید مع فتاوی رخهاریه : کتاب لیه عهٔ ص ۱۹۵۷ م ۲۰ مکنیه (دارهٔ اسلامیات) لاهور) ۲ و فتاوی دارانبلوم دیوبند: (کتاب البدعة ص ۱۸ - ۱ و ۱۵ - ۱۵ مکنیه دارالاشاعت) کراچی)

ு வேற

انية الآن شريم الآن قريب دنونما (جدوري كي نيس الهيد كدما في الشاعبة (*) و فيدها فكرنا اشار؟ الى انه لا تجوز في الصغيرة التي ليس فيها قاص النه - و قال فيها و تقع فرصا في الفصات والقرى الكبيرة التي فيها اسواق القرار كيم الدي التوجيد شرح المنية (*) فكل تفسير لا يصدق على احدهما فهو غير معبر حتى التعريف الذي اختاره جماعة من المتاخرين كصاحب المنختار والوقاية و غيرهما و هو من الواجتمع اهله في اكبر مساجده لا يسمهم فانه منفوض بها اذ مسجد كل منهما يسع اهله و وزادة الى ان قال في الكبر مساجده لا يسمهم فانه منفوض بها اذ مسجد كل منهما يسع اهله و وزادة الى دا والوقاية و شيرهما و هو

بچاس گهرول كي آبادي كي متجريس جعد كانتكم

450

کیا قرمائے ہیں ماہ ، و زین اس سنل میں کہ ہماری ہی ہیں کافی سالوں سے جھ کی امار جاری ہے اور در میان جی تجوم مرمد بذر ہو گیا تھ اور وہ ہدو ہو دی ہو گیا ہے اور تقریبا کس تحر جالیس کے اور اس جس اور اس کے ہ جھٹ کے لیے ساتھ یا سرتا دی سوور جے ہیں اور اس نہتی ہیں تمیں ووکا کی بھی ہیں جس سے اس والوں کی ہر خرورت بوری ہو کئی ہیں سوائے سزی کے اور تمین در بول کی دوکا میں جی ہیں اور بھیٹ کے لیے ہاتی ہیں اور نیام ارتز کھاں بھی موجود ہے وہ اس نہتی سے قریبا اوکی فرانا گھ کے فاصلے مود کا تھے کی تھیس ہیں اور ایک

٤) كيما في الدر المحتمل مع ود: وفي القنية: صلاة العيد في القرئ تكره فعريما ١٠٠ الخيدة أن الن عايدين في ود: وقوله صلاة العيد) ومثله الجمعة. (كتاب الصلاقه بأب العيدين. ص ١٦٧ م ٢٠٠ م ٢٠٠٠ مكتبه ابج أيم سعيد كراجي)

[.] وكذا في الهداية: (كتاب الصلاق باب العدين، من ١٩٥٥ م ١٤٠ مكتبه بلوجستان بك ڤير كوته). . وكذا في البحرالرائق: (كتاب تصلاف باب صلاة العبدين، من ١٧٧٥ م ١٢٠ مكتبره رحيديه كوته).

٧) روالمعتار؛ (كتاب المبلاق باب الجمعة داس ١٣٦٨ ع ٢: مكتبه ايج ابم سعية كراجي)

٣) حلى كبر: (نصل في صلوة الجمعة، ص ١٩٥٠ ج١) سعيدي كتب خاته كوكه)

غذاوی دار التعلیم دیویشد: واثبات التداسی عشر فی جالاد المستند می ۱۳۳ برد: مکتب حقائیه ، ملتان در قب محمد ظفیر الدین :

نرا انگ کے فاصد پرائیں تدنی مگرل کئی ہے اور آئیں فرانا کہ کے فاصلہ پرتاز ہے۔ جس میں ہی ہوقت پائی موجود تعقابہے اور اس نیمن کے تام پائی بہت می بشتیاں بھی جس اور پہلے ہوئان ساری بنیوں والوں مشتر مقود مصلے میں بولی تھی کیکن اب دعمواں نے جبوز ویا ہے اس میں بل والا خفر نے ہے۔ بھی کہتے جس کے جانز ہے اور بھی کہتے جس کے تا جا کر ہے اور لوڑوں کو شائی بھی میں اپ کر باتی جائے اور اس میں وجا بھی کو جاتا ہے۔ بیٹوا فوجود ا

ब 🖰 😁

صورين مستولدش لفكوده متى سكه تدريمه كي تماز اواكيش اواليق المام اوطيف المدارد الذهب الكرف مبدري يمع كي تماز الرميمتي على ناجا تزسيمه لا جسم عقبل الانتشريق الافنى مصر جوامع (المحديث (⁽¹⁾ كيف في جميع كتب الفقه - والفائل في طم

تشوه مهاا بداء يغنني بدورية بم العنوم يشان ش

چھوٹ گاؤل میں جمعہ کا تھم

ه کی ده:

کیا فرمائے فیل علوہ کی اور بی مسلمک بھوشلی اُسند سب ہوئے ہوئے سنے وگاؤں میں بعد کی تماز اوراکر منطقے میں بات الاگراد اگر کھی تو نظر کی تماز رہا تھا جو بائے کی دن یا

أخصيط اجر أبن شيئة: (كسام: المجمعة: من ثال لا ممعا ولانشريق إلا في مصر حتمع، من ١٠٠٠ - ٢٤ مكتب المدادية ، منتاح.

و گفتا في مصنف عندالرواق (كتبات المحسيمان باب القياس السفات، في ٧٠٠ ج٠ مكت. دار الكتب السياد بروت)

وكندا على الهيداية (وكناب الصلاف باب صلاة الجمعة ، ص ١٥٠ ، ح١٥ مكنه عو هستان لك ذير الكراعة)

م كناه في الدو العجمار مع وه (إكتاب العملاف السالجيمية، ص ١٩٣٥ . ١٩٣٧ . مكتب بيج المج معيد كراجي)

وكالحافق الله (18. وكانتها العملاف البات السادس الشو أي صلاة الجمعة أحل 19.4 م جاء مكتبه والتبدية كونته

وكنا في البحرالرالق: (كتاب طعلاق دب صلاة طسمية، من ١٩٩٨ - ١٠٠ مكب و شيديه كواين

معنس با بنا المار من بالمنافع الموسف كارت كاؤن في سبر فاؤن بين المودت زياده من كرين المنظل المنظل المنظل المنظل بين المنظل المنظل بين المنظل المنظل

ه څ ه

ا مجود النفرة بياس خاصت جمداء المتناكيل الانصورين الخور التي الدائم الأفال النفرة في النفاط الإلياب قا مجلي بالانصواء اليمال الكريدكم القام الجواهي الاستراكي المارين العدال الماريونين على المصول البلدان التي يكونه الفريط فالصدي تيال ما ما من بياب كرائي فادل المرافاة من الهور والديونين - فهري فراري التيا واليما- العدالي ما الإراف سناك كرفاة الماكن والي الأناف في والديان القرار الم

بقدائد التاق ففر ۱۹۰۰ ۲۰ ۱۹۰۰

 الاستانات إذا في حد از الدلات واليواريق الصحورة التي ثيان عليا فاعراز و ساري معشب الدانون والي في الأجواء م أوجيئو عن العرف لومهم ادم الطهران وكذب المسلامات بالتا الجمعة و عن ١٩٥٨ م إلا اللكاران ويوادم بنجه الراجي (

و كنما في الهالدية الأكان الطام لا في بالساف الدين عدر في صلحة المجمعة، في 1950 م. و 1972 م. وهذذ الاكرامية

وكدا في التجرطراني. وكنات الصلام الدب صلاة الجمعاء عن ١٩٥٨ م ١٣٠٠ مكم، وغيره ما كرامه

عام ديهانول بن جعد كانتكم

€∪∲

كيافرة تيني فلاهوين دري مسأمل ك

- (1) موجود وقت من عام ديهات إكتان عنها خاف كياز وكيه جمع إحداجا زب إنجيل و
- (۴) جموادگ چھوٹے ورمباتوں میں جعد ہا قاعدگی ہے ہوستے جیں۔ بعض احتیاطی ادر بعض نیم احتیاطی پزیہ ہے۔ میں۔ ان میں کن جو عب از روئے فقد کئی کون ہے اور احتیاطی بڑھے کا حریقہ کیا ہے۔
- (۳) المام المظلم رحمة الشرخيد كے اقوال وغيروجن كى دو ہے ديہات يا تصب على جعد ووجب إناجائز ثابت ب منصل تحر فرماد ص
- (۴) ووحافظ قرآن جمس کی عمر ۴ سال ہے قبل کئے بال انزیکھے میں کی افتد اوقوض پانٹلی نیاز میں جانز ہے باعث بلغوالز جرود

4℃}

جمم اخدالجش الرجيم () و بهات ميں بعد باحث اور شدن بيات ميں جد بات ميں جد بات اور شدن بهات ميں جد بات سے تلم کی انداز وَ مد ہے ساتھ ہوتی ہنے۔ ایسے لوگول پائلبری جار پکھیں واکوئی فرض ہیں۔ کیونکہ جعد کی صحت کے شرائط بھی ایک شردا دناف کے زور کیک معرفر شرک ہے۔ و بہات میں جمان کے زورکیک برگز جاز توثین ہے۔ ()۔

١) نقدم تحريحه في حاشية نبير ١ مي صفحة هذا

٢) كا ما قال ردالمسخفار: الاتجاز في الصعيرة التي ليس فيها قاش ومثير و حطيب كما في المصمرات والنظاهر أنا أريد به الكراهة الكراهة العل بالمساعة اللاتري أثرام الجيامر لوسلوا في القري لرمهم أدام النظاهر (كتاب الصلاف باب المحمدة باعد 1900 ما 7. مكتبه الجالم مميد كراجي) وكدافي الهيدود: (كتاب الصلاف الباد السادس عشر في صفوة الجمعة من 1920 ج11 مكتبه رشيفيه كراهه).

(۳۱ قال في الهدية آ الاستنج المسعة الى في مصر مامع اوفي مصلي المصر را لا تحور في الصدي المعمر را لا تحور في الصورة فتارلة عبد المسلمة الا معملة والاقتبريق والاعطر والا اعتجى الا في مصر حامع والمصر المحمل قلل موضح به مير وفاض معمد الاحكام ويقيم المحمولة وهذا عي الي ترسيب التي وعام المحملة والاول احتثر الكراحي والاز الطاهر والتالي الاسار الملحي - الله عليه والاول احتثر الكراحي والاز الطاهر والتالي الاسار الملحي - الله عليه والاول احتثر الكراحي والاز الطاهر والتالي الاسار الملحي - الله عليه المسلمة والاول احتثر الكراحي والاز الطاهر والتالي الاسار الملحي - الله عليه المسلمة ا

وي الهيدية أو هدين السيطاني بالمواهدة العلمة العربية (1975) و 1 مختبه موجبية إلى التي قيرة. الكرافعي

لاي كيما في الهندية أو ليس الدين معكم سوح الملاء والمعارية عا النهيا الله حميل فطرة منجيا وأكتاب - المحاجز المائة والذي في الدين المسئلا الأفضل الثاني في معرفة الدليلوج من ١٦٥ ج 1 سكت - رحمية كوك ب

اء كيده بني الند المستجدار الإكساب المستمول فعيل بداع العلام بالإنسيز مالح د بدار ١٩٥٣ - ج.د. مكتبه المج الدامعية التراجي)

ائم القاعدة والمهاد المواجعة والإمادة المراعدي أودولان الهاد بالمجار المدافع في العلم. القائل في معرفة العاملو جدادي الامام ما مكتب إشارة الهادمي

واكندا من رفائستيندر (كناف المحروفيس بلروانيز)، بالإحداد والعراقية من ١٩٠١ - ١٥٠ مكت بيجانو بحد كراجي)

وي الكنيف في الشخيسي ولكنين (ولا نصح اعتدم قبائع الهير الشيع في القرامي و فيره و هو الصنحيح لا - مناهم المسالح أقدى للرومهال و كانت المناهاف الأولى بالإطاعة الهمل لا يابيج الاقتدار - 2 8 هم بنست بي كانت الخاطة كولتهم

و کا داملی الدر بدختر دارک ادار اثم فاقد الدار اقتصد دی ۱۷ می ۱۷ می ایم بهای مکتبه میجازی سیمه کر محی د

وكعافي المحرار في وكنات الصلاق الما لإمامت مر ١٩٠١ ع. مكسه رشهم كالتحق

پانچ سوک آبادی تیس جمد کاشم علامی ہے

آبافروسنے قربی طورہ بین در ایں مسلمان نیساؤہ اس کر بال ایک آتا ہے بیار بابائی موسے کم کیل وران المحود میں میں معرف میں ایک میں ایک میں است کا میں میں است کا باری بیان در در بال اللہ بین میں الموسک بیار اللہ میں میں الموسک بیار اللہ بین میں اللہ بین اللہ بین میں اللہ بین اللہ بین میں اللہ بین اللہ بین اللہ بین اللہ بین میں اللہ بین میں اللہ بین اللہ

∳ز≈

ا الله الله المؤلف الم

ا نقع فرضا في القصات والفرى الكبرة التي فيها النواق اللي ل قال- و فيما ذكر المشارة على الملا مجور في الصغيرة السائر صنوا في الفرى ترمهم فالا لظهر -10

صورت منون تین آس دول کافآر سے آس کی اوائی یا ، یا تی اور بیاتر بیاتی و ب در بیان کراتر جمداد ر

ان وهالمعاطمان (أنسان الصلاة - و والعامة من ١٣٥٥ و ح)ا وكان يجربها و ويا كرايهي

و گفتاهای انهاماه (۱۳۱۶) مسلام افات انسانان عشر فی صنوقا تحبیما، می ۱۹۱۵ برد. مکتبه رئاسیه کوهه

و 1 ما في ما مقام الحاصائو ((كنات العبلاق فقبل في بين شرائه المستقدم (١٥٥) . إذا يا كانا. رغيا يه كوفيه عید نی به درگتان ۱۹۰۶ ریبال کردان اردانش بازد و سراه از بی جهان با میگی شمد بهان کی گی سازت ست چهده اگر زود مسترکیس کیده صدیحد زبان جعوفاتم آن سف سرجعه جازگی جوجاتا انجیب اختران سید کی ایک عهد خصل جهازگام کردند کشیری میده دادم به کرده با تا بسید به میال ایناف شدند کیسان کادک بین در اورادیدی جاد خیم خود انتران انگرد دادشتمان علم

خطبه عن سنطال وقت كالمستين كالتم

غُ ال يُع

آ با فریائے چی ملا دو این در می منظرک زندگی مجھ قرآ این وحدیث ڈنٹیر وفق کے گئی ہے مطالب سے آپ کو جو اپنے بھی سے در سے بیدا دونی اس کی دریڈ ما میں آن

- ا (۱) جمولا علم بيستاره في ابن شرياقي نظام الدينوام الوجعة باك في مثالي دين شرع الدينا المسلمة
 - (٣) الْمُرَاهِ عِنْ فِي مِن إِنِّي مُلَا بِالسَّةُ وَفُلِهِ مِنْ أَنْطُونًا النَّالِ لِلسَّالِ إِلَيْ اللَّ
 - (۳) المطبرة من ملتفان واقت كانام لا يا بيديد وتشكر به الزوانوجودا الإنتي كان

- (1) كسمة عني و داسم حشار الاستحوار في الصغيرة الني ليس فيها فاصل ومدر و خطيف الدالام يحال في الساعوم لل موال على السعوم لل الموالان المقاول المقاول المقاول المعاولة المحالة المحا
- ٢٤ الدر البسختار مع ردة صلاة العيد في القران تكره شعريت اللح قال التي عاملين الحدة الدهال وفواته حسائلة النجياء) ومثلة التحسميات (كفات الصلاف بات الحميمة) على ١٩٧٥ م ١٩٧٥ مكته الحج التم سجيد هرا يبي: وكذا في الهداية ١٠ كتاب الصلاف بات بعيدين عبر ١٩٥١ م ١١ ديكته بدر يستان بك ذي الكوليدي وكذا التي النحر الرائق ١٩كتاب المعافدة بالدياد الاستدان على ١٩٧٥ م ١٩٧٤ م ١٩٠٧ مكته وشديد كوليدي.
 - ٣) الهدامة وكنات الصلاف ودواسفة الصداف على ١٥٥٠ ج. العكمة موجعتان بالدائم كولته إ

والغطية والنشهد على هذا الخلاف- وقال في ضع القدير (1) ولوله على هذا الخلاف) تصله يسحوز مالقارسية و عددها لا بالعربية- وقال في الهداية (1) اينضا قبيل هذا مستدلا لابي حيفة و ديمة الله تعالى لوله تعالى و اله لغى زير الاولين و لم يكن فيها بهذه اللغة و لهذا المحافة السنة المجوز عندالعجز الا اله يصبر مسينا لمحافة السنة المجوز (4-

- (۱) دس کامل بیسے که تحریض و بات جمیس تو ضفیہ جمعہ کامنعون از ان خطبہ سے قبل یا تماز جس کے جمد مقالی زبان میں ہنادیا جائے تا کہ نہ تھے کا انتقال بھی رفتے ہوجا ہے اور عربی زبان کی مقد ہے اور ڈھیر کا مسفول (⁽¹⁾ طربیق بھی باتی روبائے -
- ۳) فطیرش منطاق وقت کا امراد نادرست کیس ب جانت اور محدث امر ب محنی طفا دراشدین اور بی کرم ملی الشرطید و ملم کے دوجم بن رکوار معرب میان و معاریت من درشی الله تعافی عنها کے ذکر فیر کوفتها اکرام نے مسترین کھیا ہے۔

كساقال في ابنحر الرائق و ذكر الحققاء الراشدين مستحسن بذلك جرى النوارث وبدكر العمين و فيه بعد اسطر- و اما الدعاء للسلطان في الخطبة فلايستحب لما روى ال عطاء سنل عن ذلك فقال اله مجدث و الما كانت الخطبة تذكير الاسكم فقارات العالم

- ١) فنج القديرة (كتاب الصلاق باب صفا الصليات عن ٢٥٩ ١٠: مكب وشيديه كوته)
- ٢) الهداية: ﴿ كِتَابُ الصَّلَاقَ، بات صفة الفسراف من ١٩٥٥ ج. ١٠ مكنه بلوجمتان بك فيو كوك ﴾
- كما في حمدة الرحاية على هامش قبرح الوقاية أقال الأشك في ال العطبة بعير العربية خلاف السنة المتواركة ب (كتاب الصلاف بالدام بعجمه من ١٠٠٠ م. ١٠ مكته العرائب سبيد كراجع)
- و گِندَا مَى مِجِيمُومَة وَسَائِلِ لُسَكُونَ * وَرَمَانَة الكَامِ الْفَائِسُ * صَلَّى ١٩٧ جَـة * مَكِبَ إِدَارَة القَرَاقِ كراچي)
- ق) السعر الرائل: وكتاب الصلاف بال صلاف الجسمة، من ١٦٠، ١٩٥٥ ج ٢٢، مكتبه وشهديا كوكه)
 وكذا في الدو السخار: وكتاب قصلات باب الجمعة، عن ١٩٥٩ ح ٢. مكتبه ابج الهم سعيد كراجي)
 وكدا عن ساشية الطبعطاوي: وكتاب العدلاف أحكام الجمعة، عن ١٩٥١ فلهمي كتب عاله
 كراجي)

المنجوات صواح لا مهما ادا كان المستقال ظالما لاسقا محرما سقوان و مغير اللاحكام الذار عيدًا الشطاع فالمحباند لا سفى ذكره في الحمية و أو على وحد الدعاء بدلاند تواج تعطير لد واعداء بشاء فيستحال الاحرار عدو الله اعلى

الياسومترق آبادكاثهما جصادتهم

۽ آن ه

ان او از کارتین طود این در یارد ندگرانید متی گذر آید مید ایجا از کنی آذاز بعد شد تعلق آقایی دکا. سند به در براید به او میگر آیا ای استرای است آزای از دیش که اول میشمش اید به همی شد باید می بادندن کی آخار اسا ایت اورد داگردی این برست با این دادر سند سال دازن بوده نی فرم شدن صلاح در در در موجه است شرک آمامی ایس میش می شرک برستها این شرک برای این آن ایران آزایش می میداد در است ند دارش آی آی سند ایساس ایران از ایران از ایران از ایران از ایران ایران ایران ایران از ایران از ایران از ایران از ایران از ایران از ایران ایران از ایران ایران ایران ایران ایران با ایران با ایران ایران ایران از ایران از ایران ایران ایران ایران ایران ایران ایران ایران با ایران ایران با ایران ایر

43 y

الرَّامِّ مِن قامت بَعداد عَلَيْن أَرْضَت بَعد كَ لِيَّامُ بِالْمَابِيَّةِ مِنْ الْمُعِيْدِ وَالْمُعْرِينَ بِا كَلْ بِاللَّهِ مِنْ مَعْدُولا تَشْمُونِ لا فِي مَعْمُو جَمَعُ اللَّهُ وَفِي الْمُسَامِيَةُ مُنْفَعِ فَرَضَا فِي الفُعْمِاتِ . والفراق المُكنوة التي فيها لمورق الأعزاد التأرّق الأ

﴾ _ كا وُل _ "مناه أنه و في كا وُل شي جو كا كال

آنيا في مات بين ملومان الدرائية المسائلة المسائلة المائية المائلة من المؤمن المسائلة المراتي المراتية المراتية

- ه و معطمين التي التي منهم. واكتمام المحمد عن قال لا فحمه ولا الموالد ولا في منصر الجامع و هر ١٠٠. - و ١٠١٤ ورود و مثال :
- (ع) والموجود الرائعة المسافلة والمداولة من والدورة والإراضة عدم المستقد في وي.
 وكتما في الهيت بدور كتاب أمر التفريض الروض عدم في في وير مبارة المحمد من هو الدرج في مكان والمستقد من هو الدرج في المحمد والمرافق المحمد الروض الأصاف المسافلة والمداومة المحمد المحمد المحمد المحمد المحمد والمحمد المحمد المحمد المحمد والمحمد المحمد المحمد المحمد المحمد المحمد المحمد والمحمد المحمد المح

آ و میں اور ان سکے آیہ بیک دارآ ہاؤں ہے جہاں ٹین سے زائدا جدین ہیں۔ وہاں جسد در ہے چھوٹ اور وز سے کاؤں شرائق یا کیک قراراتک کا فاصلہ ہے اوراؤان کی آو ڈیٹو نے کاؤں شرائی جائی ہے آ یا جھوٹ گاؤں کو کا دفائلم دے کر کیا شعل قسیدکائلم دے کہ جمد پڑھنا جائے گاؤں کر جمد بڑھراتی میا جائے قرقماز تھر وحد سے مارق ورجائے کی بازر بھوا توجہ د

ه ن به

عَلَمُونَهُ مِن صَافِعَ عِيرَفُعِلَ إِنْ فَوَ مِنْ عَوْلِيمَا عِلَيْهِ مِنْ وَمِن عِينَ وَلَى مِنْ وَقَوْلَ الشيل عَلَا عَلَمُ اللّهَ اللّهَ عَلَيْهِ اللّهِ عَلَيْهِ عَلَيْ عَلَيْهِ عَل عَلَيْهِ عَلِيهِ عَلَيْهِ عَل

جمعه كفرضون كالبعد منتول كالتعداد

₹0%

کیا قرید کا بین عاد مگرا مان مشکدی کر جہاں جند فرحلی شرعاً باعث جائز ہے تھا نہ جد کے قاطوں کے بعد محقی دکھیں مذمد باعثی جائے ہے۔ مقتی باقر کے قرار کر ایس از نسبہ عمیر مکا داند ہیں۔ بینوا تو مرد

٤) كسما عن الهنديات ومن كان مفهد متوضع بدو من المصرور بدف من المراوع والمرافع بحوافظم مخارا لا جمعة على أهل دنك استوضح (كتاب الصلاف الاستال الدادان عدر في صلوة الجمعة. من 15 در واز مكتبه رشيات كوللديد الوكفة عن المعاوي المتاوي المثالث على هامش الهندية (كتاب طعلاق باب صلاة الحمدة عن 17 در مكتبه وشيدية كوكه).

وكما بي المحرالراتي: وكتاب الصلاف باب صلاة الخمعة، من ١٢٤٧ وح؟. مكبه رشاديه كواته)

تحصيا في ودالسنجتان الإثريان في الجوافر توصلوا في الذي لرمهم آدا، الظهران (تحاب الصلاف)
 و ذات ١ حد ما قد من ١٩٥٥ مح؟ مكارة اليجافر سعيد اكراجي، و كا الهي الهديد واكتاب أصلاف الشاف الشاف المستقد من ١٩٥٥ مح؟ : مكت و شيدي الوقاة (

ا وكدا في ثبحر لم انزر (كتاب الصلاف باب الحميد، ص ١٥٥، ١٠ مك و تبيديه كوته)

٣) كسما في و دانستخدار : وقيسا دكران وشارة إلى انه الاتجوار في الصفر داني ليس قيها قاص و انسار و خطيب، و اكتاب الصالاة ادانات الجمعه من ١٩٥٨ - ١٥ مكيه ايج ابر معيد كرفاجي) و كسف مني الراجارة ارائات (كانات فاعد الارف بناب للجمعة من ١٥٥٠ م ٢٠ مكيم رائدية كواتم) و الادافى المدايم (كتاب الصلاف داب صلافة الجمعة من ١٥٠٠ م داد مكتم غريضتان على في كولاه) وه با آرامين پا پارانون

~ ن

ا تمان آن ما المدينة عند الشابر الشائل مختلف والمنظي الله جن أحد المنظن بيا الأمان لا 10 أن ثين الدالية الماخات كي مهت وجود جن الاسال عندار عالك كالمحل المعاقبة لل البياسة الماختي باقبل بيا ميكن مي رزاع العاملات المؤلم والمراكب عناؤن من زياد وقال المناسك المسكر (المنظوة (المناقبة بي)

الاستكانية المراجعة المسلم المراكزي والمراجعة المراكزة المراكزة المراكزة المراجعة ا

الم أكام أخلى في التي المستقليل المن البراهي و فقال فال ومنول القه فيني الله منيه و بشهراء الفيني (عن أكثر - المحتمدة فينصص المدهاة ومدال والثاني الحمدة بالتاء المديرة العملوة بعد المحتمد من أفدر بحد بالمن - بالمحال و فا قاملي كانت المداكر اليون :

- هي كميم في منهي السيائل من من حض رصل الله المنهمة في رسول الله عنهي الله عديد وسيم كان الانتشال. المجمد المجامعة حشق منصر في فيستان العملي، لا شكال الجامعة حدد المنظرة المنظرة عدد الجمعة في المستحدة من الدلال جاء في بال الجامعة كان في ال
- استان عرب الدين المعلق الدين المستعدة أربع و بديد أربع وبديد إلى المراوسة إلى وبدي والمدالي وبدي والسنة المستعدة أربع وبديد أربع وبدي إلى المراوس المستعدة أربع وبدي وبدي إلى المراوس المستعدد إلى المراوس المستعدد إلى المراوس المستعدد المراوس المستعدد ا
- ه اكتباد في مسكرة المستقد بنيخ المن التي قديدة قابل قابل مين الله فيني الله تعلق بيث من الرائد من الرائد من ا المستقدمة في كمة فلسفل فيقا أخراء أومن قات الأركدي فينقد إلى بنا أو قال الديني أو كذاب المدادة . الأن المحمدة في قال المحمدة والمستوف المشتل الثالث من أو 10 مج أن قديمي كتاب عالم، كرايس م في المحافز الآل أكتاب تعيشوه من الرائد و في طرف الكتاب بالمرب التوك ا

جعد کی اذاب ٹائی سجد سے دیے بہائے کا قلم

* ر ﴿

کیا فریات میں جا دوین در میں سند کرا زائد ہوئی جمد جو کہ تطب سرحب کے سرحنے کئی جاتی ہے۔ اس کا عبولت کتب اما ویرے وفقہ اورا فیہ کرا سے اقوال سے سے ذشیریں ایعنی لڑیوں کا منیال ہے کہ از ان ڈائی مجد میں دینی در مسائیس اور سنت کے خلاف سے وائیزا امریا ٹی فرما کرا س سند پر روٹنی فریلی -

۾ ٽ ج

یسم اللہ الرئیس الرئیم کا مداد الفتادی از مولا ڈاکٹر نے بلی صاحب تی ڈی انسے ا⁽¹⁾ پرہے بیام رڈ محقق ہے کہ ڈال تالی پیمار جمعہ کی داخل مسجد جا ڈرہے۔ بگاہ بکی متنز رہٹ ہے ⁽⁴⁾۔ اللہ معرفی ناتھا ڈی صاحب دسمہ اللہ منہ نے از ان جائی کے مسجد کے دکار جا از بلکہ متنز ارہے اور کے کہا مدکل فوجی فعما ہے۔ منز پر تنصیس اس میں اکھے شارے فقلہ واقعہ تھا والا

جس جگ جد جائز بوتو کیا کیک موضع کی مختلف مساجد بیل جائز ہے یام فعد جائ معجد میں

≉ل≉

أبيافه بالمقاتين معاددين ومرين مستدك

(١) صوده يدين بردقاء وبرجك ما أوجل بالان كم الصيفر أفاجل أن ليستى بحل بمعروضيه زن جائز جل وأحك م

(٣) جِهال يعدلُ ثمرًا لاجائز بيدي برمجد عن جائزت بالمرقب جائز مجد ش- ينوا وُجروا

٧٨ البيداد النفشائي: وأكتبات المصيلاتات بيات مسئوة التجمعة وشيرفين، من ١٩٧٥م ج١٠ مكاره دار العلوم الكراجي)

٣٦ و يوفن ثانياً بين بديه أي الحطب (توله ويؤذن ثانياً) اى على مبيل السبة أكما يعلي من أكلامهم:
 الدر المحدد رامع رد كتاب الصلوة مطاب في حكم العرفي بين مدن الحطيب عن ١٥٠ ح ١٢ مكتب و شدادات جديدة و كدا في النجر الرافق مكتاب الصلوة ، باب صلوة السمعة، عن ١٥٧٥ م ١٠ مكتبه و شيديه ي.

الأناب والأسارة

م ن ه

الله المسروعيون في في المسالات على الأرناورات على الله الجوني مجوني مشيران شارات الوقتم الله ورات كان (المسالان جمه ورعير بالكراب الميام وراي وراي قرايات -

الله الله المستويد على جمعه المنهو عن الأسماء جاء سنة المستمد الله في مستويد بل جائز المنهو الله المنهود ول عل جمعه الأكسرين الدولية على المنهوجية المنظمان عن جامعة عن المستمارة المنهود المنهود المنهود عن المنهود

يَا فَيْ بِرَاءِ لَيْ أَيَا وَكُ مِنْ جِعدِ كَافْعَم

% آل ج

این فرد کے بیسے وہ درنے اس مند کے بارے تی کو ملک و باتا سینتر تھے وہیں اور سائیر میں اور سائیل اور اندائے۔ ایسے مجود کر کے بیرے کی مالت الدید اور ایسے آمد والو دی آئے بھائی الدید کی کا در بنائیلی مرابع کی گئی اور ایس مال سے جمعاد اگر رہے ہیں۔ ضرور یا ہے انہا آئے ایوار کم کی معاود ہیں۔ مثل میٹال میڈر کو کی والی مولی میٹال نول وہائی سکول نوائے والا درف وہا ہے۔ والے آئے اور ایس میں جن

......

- (2) ومشعر فالمسجدية المعارفيات الإول المصر والمد المعجل أكتاب العبدوة الله الحديدة عن (3 و 7).
 مكتبه وغيباته حديد) وطع فو عد في القصائل والعرى الكيرة لائي بهذا سوال و إماستخدار كتاب المصلوبة عدد المحمدة على 30 و 7 و 7 مكتبه وغيبات حديث والدافي المحر الرائل، كتاب المبلوف المائل المحمدة على 30 و 7 و 7 و 20 في التاب المحمدة على 30 و 7 و 7 و 20 في الرائل المعلوف الموجود المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 و 70 في الرائل والعلوم المرائل المحمدة على 70 في الرائل المحمدة على 70 في 10 في 10
- ٣) موقة بنودي في منصر في مواضع أي نصح أداد لتحمد في منها واحد بنواضع كثيره المحرائزاتي، كشاب المسلمية، بالسائح عدد من ١٩٥٠ ح.٣ صح وشيد به وأثار في الدوليدجير أكاب الصبوة بنات التحمد عن ١٥٠ م.٣ مكتب وشيدية حديث وكذ في الثانو حيد كديالهموة، فرائط الحديد من ١٥٠ ح.٣ منح ادارة الفرائي والعلوم لاسلامية.
- به والمحروج فيم الدي العرادة المحافظ المحدسة در المحتار اكتاب المشورة عام صنية المهدمين والمحدد من المحدد في الم

عارل آبودل آفز ہے سوارکش پڑک مشاراہ ڈیڈ دائش کا اسالانکم سے دیا ہے۔ آبا ہم رہے گئے میں ایسا جانز سے بائیں۔

ە ئاۋە

سورے سول پی انداز میں اور ایک میں میں اور کا ایک کا ایک میں اور جمعہ درست سے ⁽¹⁾ ساتھا المداشقاتی النام

جس بن بنويجًا مُرَكِّر مَهُ كَاتِمُ

آ ہے جل طلب موان ہے ہے کہ فروشنی کی ور سے ہوجیوں اور بعد اور قی سازیں بنداعت وقیہ وورست بعرائی جی ہا کہ فیس الا کیونکہ بعض لوگ ان کے بھی قاتل ہیں کہ نشار نام اس بعد این ان قائدی کے ہو اور اس اعتبار بعرائے کے سیاسی نماز باعداعت می نمین موطنی کے بدیکا قیمائی کی ساکا فٹارٹشن بعز ہو تھ اس سے بداوالم بدائل جو اب میں بے قرار دیں جاکو دس پرانت کئی کے مقابل فیل میں مقداد رانماز میں کے فراب ہوئے سے ایک معلق بھر جی میں تاتی مورد

الارسة في روافسود: القع فرضا في البعيد بوالقرى الكبرة التي فيها المائق (كتاب الصلاف المائد)
 الجمعة ص ١٣٠٥ و ١٢ الجرائم سعيد كراجي)

م كنف من الدائدة إحماليه ، أكتبات الرميلية شرائط الاجتماء من 199 ح. 24 طبع الاارة القرآن والطوم الإسلامية)

وكذامي المجرائراتين كراب العشوة باب صنوة العندة وصر ١٩٤٨م ح٣. مكمه راضيمه

ه ی په

ا تيواج ب وقدة إعدالاب أي المستطيع أن من أنها المعدية المنطق أنه التي الدولية المنطق عندالا والمناطقة المنطقة ا المنطقة المن المنطقة عليه المنطقة الم

عة الجواب المال أه

اقبول أن قبد لإقبل أقبى أوردها المعجب الافات ما هو المداكور في السوال قاصرة عن البيات جواز الجمعة في السجن و كان عليه أن باني مكلام منبت لادن عام في قسجن ايضا سند أن كبير من فقهاء الحمية فد صوحو بأن الأذن العام تبرط لصحة الحمية الحمية فد صوحو بأن الأذن على سيل الاشتهار حتى ثو أن أصباحب بمحر الرائق فراله و الأذن أي شرط صحتها الاداء على سيل الاشتهار حتى ثو أن أميوا أعشق بنواب المحصن وصلى فيه بأهمه واعسكره هما والحمية لا تحور وافد عما صناحت در المختار (الكلاد) العام من شورط سحة الاداء حيث دل والسابع الادن العام والسحة الاداء المحلة الاداء المحلة الادار المحدد المحالة المحدد الرائية المحدد المحالة المحدد في والسعة الادار المحدد في السميط أن أن يساؤن

المنظ صبرات المستحول مع محوله في المعتبور بالاحقالات في أهل المنتخار بالإراث الراء كتاب المستودة بطلبية في الدر المختار بالاحتمار على الدر المختار بالاحتمار التستودة بطلبية في الدر المختار بالاحتمار المستودة بطلبية في الدر وط الحقيدة بين ١٩٧٩ م ٣٠ مكان وطبيعية حقيدة .

ار كاما في الهنداسة. كتناف التصفوق عام في هاره الحديدة من ١٥٥ - ١٩٢ شم مكت راهيدة. الكروور

ق) وأنوح عشراً وحد الموادات حدده أجرأتهم وسيار مهم الطهر ثان الموط الوجوب علهم قلومل بهداماته المحمد المحمدة معدد عرضاً حضى كثير كدات المعمدة عالى المحمدة عن ١٩٥٥ مع معدى كدات المحمدة على المحمدة على المحمد على المحمدة ع

و كاما فتي الغير المنحسار ، كتاب الطائوة الطلباني غروط رجوم الجمعة، في ٣٣، ج٣ (مكت المنابوة عدود:

وكداهي البحوالز عور كتاب الصفوة بال صفرة الجمعة، عن 177، ح٢ اسك، وشنديه

جي عدادگيريد كانت دهيلوه، نعايل هريوة الجمعة، هن ١١٤ - ١٠ ميك هر دي يه).

٤) الدر المجتار: كتاب فصوة باب المسمعة، عن ١١٥ م ٢٠ مكيه راشيديه حديدي

لشاس ادر عاما بان لا بسيع احدا ميس بسيع منه الجمعة عن دحول السوطية الدى تصلى فيه اي نيسب للمواد الدحول في السحى لتسلوف معنق الابوات و البحار الابوات النهم الا ان يقلل ان عبلوف اللحصية في السجى حارق و لكن لا كنا قال السحيب لان دليلة غير منت لماذن العاد غاية ما البند ان المسافر والمربض والعد و احرابهم ان اد و الجمعة يجرنهم و يسقط عنهم العقير كما قال صاحب بحرائرانق قوله و من الاجمعة عليه ان اداها حار عن الرعى الوقت الانهمة تحسيلوه و اطال الى قوله و من الاجمعة عليه ان اداها حار عن المحسافر والبراة والعد يجزلهم و بسقط عنهم الطهر فعلم ان ما قاله المحب باطل ساقى محرائر النق لا بسماكان يسعى له البائد هو النات الاذن العام و يسعى ان يستمل على حوار المحسمة في المحب باطل ساقى المحاممة في المحرب بنا في الدرائيجة إلى الادن العام من المحاممة في المحاممة في المحرب على بالدائمة العدو او لعادة فدسة لان الادن العام مقرر المحامم المواحمة المحرب العدو لا المسلى الح و سافى شرحة لتعلامة المنامي حيث قال ويسعى ان يمخل بيحقق بكون محمل المدواع منادا كانت لا تفاو الا في محل واحد امائر تعددت قال لائه لا يتحقق المحرب عن عبدا والمحدوب عندون عنه الموات عندون و عنه المحرب عندون لعل عند عيرى احمين من عبدا والسلام.

جس گاؤال مين بكتيشه وريات بيري بوقي نول اس مين جمعه كافتم

W. 1. 10

١٥ يجو الرائق اكتباب الصفرة، باب صداء المحمدة، ص ١٩٥٩، م.١ مكت رشميه كوك)
 ١٤ الدرالميجار كتاب الصفرة، والشرط الساب الادار فعاد، ص. ١٩٠١، ١٩٠٠ مكت رشميه، حديد كواته)

جمل النافية والتناجيل يوفق النام

الإن كا

المحمدة في المنتحق معمل إلا كياب من عمل المازمة بها وأنان الفائد وكامل الدارات المستدرة المنافقة المعمدة المنتفقة المعمدة المنتفقة المن المنتفقة ا

جندافية كرمح وجانب يرجعه قالم رياني كأتم

80

کنے فریائے جی طار ارامان منارش کے جو رسند مان میش ان طیبا اور پارچ کی مسرفر نمار جدیں ہوئے۔ ایک اور سے ان از دیک تی ہو ہوں آر فرصت ور آن کا بالمان تھی اور جہاں کی موجوں قصار ہوں جی اور اور ان انتر بیا آن کا کہ آباد جی اور مان سے طاقی قریب رہ ای اندائے سے سے اور اور کی ہے اور ارام بھی تھے کی جی جہا احدود جی دو نے کے درساتھ جی واقع تی ہے تھی کا اندائی اور میں مدار اور کی میں کا معالم میں کہ اور انداز اور اندائی میں میں اور اندائی میں میں اور اندائی میں میں اندائی میں کی اندائی میں کی میں اور اندائی میں اندائی میں اندائی میں اندائی میں اندائی میں اندائی کی اندائی میں کی میں اندائی میں کہ اندائی میں اندائی میں اندائی میں اندائی کی میں اندائی میں اندائی میں کی میں اندائی کی میں اندائی میں

أن وقائمجتور الناب الصلادة فالمستملحة للعمامة من ١٩٣٨ مع المنع لهج إنها المنهد

ا ۱۹۶۲ می جاذب الهارید کنات کمیلاد بات الفیلاد فیستم . این ۱۷۷ م چار بردیره پیدا داشت. مکتبه رستنانه لامون

أن ما أمن التحراف في الرياح أدامها المجروم كان موضع به بهرو فامل عصالا مكاور شهد لمدارد وقال مداج مي لغرامه والمصوف وإما السنة معنى الله في الكيبرة والمناسسة معام سفرائها وعام كرا .
 أثمر إذا ما المعاملات المستقد من الروافية والرواق موارستين شيدي هيجة.

الله أحقات للماوي أكناف الصلاف للدوالما فالحصو والمسهورة عن 13 فيه ج الرطبع بالرابطرة كراجيء

ياب ا^مد

8 🕹 🕸

آ ب کے بال اقامت جمد ہوا ہے گئی تاہر کر نے تنہ دین القبعد فی آماز رہے ہے۔ اس قور یہ کی ¹⁹ - فقط القدائل فی الح

يز ك كا ول من المحلّ " بإد أن من جمعه وميد إن كاعلم

8 C

ليه أبدا التروي على الدوي ومفتيان قرع على الدول المستديد المساور المس

⁽²⁾ الاستجداء العدمة الإقل عامر حامع الومل مصلى المعدر والمحور على الفرس لفرية عليه السائد الاحتفاق والاستخداء والمحتفظ والمحتفظ الحامع أكل مراسع له أمير والعمل عنه، الاحتكام ويقيد والمحتفظ المحتفظ المح

ه ۾ اڪسامي ۽ دخليمه ۾ 197 ۾ هي ان ان جي انجي انجياد جي انجي يار مهم - در الفهر ۽ گذائم- انجياز فامات - هيلافا انجيمية مي ۲۰۱۵ ۾ 1 ميم انجيامي سنڌ

والقدافي أفامع الرمل وقصل فبالاه الجمعة في ١٩٦٦ م ٢٠ همو منجين).

واما القراق قار أو ما العبلاة فيها فقر صحيحة ص استنصاب والسعر الرائل أكتاب الصلاة المساطنة. الجمعة، من 1750 مع) صعر، شنامه أكرك)

ورزو

يسلم به كرد يبات بن جود ميدن كي زود بهب من ورست تين بودك المادية من المسلم بهرائي المدين من الم كرد بهب من المهد المسلم بهرائي المرافع المراف

- ان كسياطي الهنداية ، ولا تصح الجمعة الإين مصر حامع اولي مصلي المصر ولاتجور في القرى لقيام عنيه السيائم لاجمعة ولا تشريق ولاقطر ولا اصحي لاين عمر حامع والمصر الجامع الجامع كن موضع له امير و قيامن مستقدالا حكام وتشير المعدود أكتاب المسلاة باب مسلاة الجمعة من ١٩٧٧ عرا علم مكتب رحسيات الاجروب وكنا في مهجر لرائي: كتاب لصلاة ما ما المسلاة مات المسلاة المات المسلاة مات المسلاة المات المسلام المسلام المسلام المسلام المسلام المسلام المسلام المسلمة المات المسلمة المات المسلمة المات المسلمة المسلمة
 - ٧) و والمحار؛ كتاب العبلاة ، بات مبلاة الجمعة ص ١٣٦٠ ج": طبع ابج إيو معيد بـ
 - ٣) وقالمحتار: كتاب الصلاة، باب الصلاة الحمد، في ٣٩ ﴿ وَهُمْ الْجِرِ، المرحمية
- و كناه في خاشية الهداية. أكنات الهيلاقة عات لصلاة الحمقة في ١٩٧٣ م. ١٠ حاشيه تميز ١٩٧٠ م. واحتسانيه لا موود وأكنة في مسجة الحالق على هامش التحرائر التي أكتاب المثلاة، مات الصلاة التحميمة من ١٩٤٧ م. وقد فيم وافيلاية أكراته)
- وي منتجه الدياق على هاميل السوائر الزرائي الديار ما أعدادها الدياق و حوالم الديركة اكر كمن استجهل والدوات كتبات الصلاف بات مبلاة الجديمة من 1927 ح. رقم وشدية كولادي كالاياب المستجهد كولادي كدا من حالتي كبير كتباج المستلادة بات صلاة الحصيد، من 1920 طبع مجدي كتب خانه كالسي رواة .
 كولت كالون و المحدير اكتاب المبلاق بات صلافا الحديثة من 19 ح. 70 طبع مكتبه وشيدية جهيد كولته)

باح معجد کے بوتے ہوئے والے عید گادیں جعد پڑھانے کا حم

食りず

کیا فرمائے جی علانے وین در بر مسئل کرا یک جائے صحیہ سے قریب تقریباً بیالیس پیٹالیس کُڑے فاصد پر ایک قد کی عمد گاھ ہے اس محید کا دشن مرف میرین کے موقع پر نماز پڑھی جاتی تھی ، بی آبا ہام میں بہاں کوئی تماز باہما صف اوائیس کی جاتی - اس عہد گا۔ کر زیب قد کی جائے موجد بیل تماز مؤتا نہ بازما میں اور جمد پڑھایا ہو ہ ہے- اب جند دول سے ایک مولوی صدحب نے اس محید گاہ شی نماز جمد پڑھانا شرائ کر دیا ہے ایسا کرنا جائز سے المیس - جزاع بردا

自己的

ندگور و میرد کا و شیار تر بستر ما جائز ہے (۱۰) میز حالت والے بندائی نیت ہے شرور کی جوگی تو تواہد مجھی سلے گا ، نیت فاسر ہوگی تو فساد نیت کا وہال ای پر ہے اور نداز جد جائز ہے (۱۰۰ البت جائع مہدی ندان ترجید اوا کر زاولی ہے (۱۰۰ سربید) کر دونوں فریق کینی حیرکا وہ الوں اور قریبی ہوئی سید والوں بین مصافحت ممکن ہے تو آئیں میں مصافحت کر کے جائی مسجد نمی نماز جھیا داکریں ۔والفہ تق کی ایم

- 1) كسياعي فيقايمة والأنصح الجمعة الآلي مصر جامع اولي مصلى المصراء كتاب الصلاة باب صلاة الجمعة، عن ١٧٧ م ٢: طبع مكتبه و حمالية لاطورت و كفاء عن البناية. كتاب الصلاةة باب صلاة الجمعة، عن ١٤٠ م ٢: مكتبه دار الكتب العلمية ، بيروت البنان موكفة فني السحم البرائل: كتباب الصلاة، باب الصلاة الجمعة، عن ٤١٠ م ٢: طبع مكتبة رضيدية كولته)
 - ٧) بقوله تعالى: من عمل صالحاً فلفسه ومن اساً، فعسها سورة جاناه آبت ممر ١٠٠ باره ٢٥
- كذا في مشكوة المصابح: كناب قطم القصل الاؤل عن ١٩٣٠ ح١. طبع فدسى كتب خاله كراچى حمد التي فيد المدرانسيات، الفضل المساجد مكة ثم المدينا ثم القدس ثم الاعظم ثم الأقراب عاب سابقسد المحسلاة، ومايكره بيها من ١٩٨٨ ح ١٤ مكتم الح سايم سعيد كراچى: وكفا في المحتار الصابح: كتاب الصلاف باب المساحد و مواضع لمسلاف من ١٩٧٠ ما فديمي كنب حاله كراچي) و كلة في الهندية: كتاب الكراهية: لياب المحاسس من ١٩٩١ ح ٥٠ ضع مكتبه راليديه كويله) كسا في مشكوة فيصابح عن ضوايي الحالي ومن الله عنه قال قال وسول الله صلى فله عليه وسلم اتما الإعمال باليات في كتاب الإيمان من ١٠١ ح و يا بليم فديمي كوب عائد كراچي يوكنا في المحجود المحاديد عند المحادي المحجود المحاديد المحجود المحاديد المحاديد المحاديد من المحاديد والمحاديد المحدد المحدد

الدخاري: مات كيف كان يقوالوسي الغامس ٢٠ ج١؛ طبع لديمي أكت خانه كراجي)

تمِن موافراد کی آبادی میں مرسائیار وسائل ہے جمعہ پڑھا جار باہے

∞ نا ۵

کیا فرہائے میں حالے دین آئیے گاؤں جس کی آبادی تقریبا تین معافراد پڑھنس ہے اس میں عرصہ کیارہ سال سے بعد پر طاعاد ہے۔ بعد بھی ترکنٹ کرنے والوں کی تعدا زیرود سے زیادہ تیں اور کم سے کم چھا یاسات دوتی ہے کیا نے کو دکاؤں میں تعاز جعد ند دہائی کے مردی آبادہ جاتی ہویا تھم کی نماز ضائع کردہ ہے تیں اگٹ صعبہ وسے براؤ رمز بھارے کے مسلم شرق میں۔

मध्य

لا جمعة (أأولا تشريق الا في مصر حامع - (الديث)

عند سے نام اور طبیقہ موجہ کے نہ ہب میں اس اور مائے کا دار میں جمدا درع یو این کی خات ہو از گھیں انداز ہیا۔ حقی بیریاس کی آوئی تھے نئی فیمیں ہے اور شامی مسئلہ بیری کی حتم کا نقا و ہے۔ تیجب سے کو کلی مسئلہ سے مقدد میں ک اس کے بع جیسے کی متر مدید کیون محمول ہوتی ہے۔ انداز تھا تھا اسم

ممود فقا تقدمت فخي بدرساق تم العدم بمكان

نماز جعد کے زک ہے ندرو کے والے امیر کا حتم

﴿ 'بٍ ب

الیا قربات جی طورہ این در این سند کردایک طرف او کادان میں تواسا خاص تارک الصلوۃ (المجمعہ دمرتمب جمیلائش دقیر در عادی دید درد ، وقار دہیں ، دہاں کا امیر تقدر کھیٹ افتی رفواسالان کی کوڑے وہا پر کہا دہائی افعال ملکات پر کیورڈو کیا باقد مربی گئیں کرتا دارہ در بھڑک وہا دیدہ مرب کسر اف سوافظ اور فواسالان کارک فقاعت اس الامر دیمو جب قبل او مرتمی سنت میں ساتھا وقد انسان عالم جبر علیسی کھی عبدہ نص بیعظا، فہو جانو کے مود ناز ماجور دیس کے بات رینوافی کار

 ⁽⁴⁾ أكبيا من الهداية: لقوله عليه السلام لا حصمة والامتريق ولا فالر والااضحى الآفي مصر حامع...
 أكب يبدسلاق با مبلاة الجيسة ، من ١٩١٧ ، إلا تقمل حساب الأحور ما

ور كندا ماي بريدانغ والصديع اكناب الصلاة بات صلاة الحيمة من ۲۵۹ - ۲۰ اسم مكتبه راشديه اكترفشه إدراك اللي حديق كبير: كنتاب الصلاة، في الصلاة الحديثة دامل ۱۹۶۱ منع المعددي كتب المناب كالسي روقه كوكله إ

630

ترک معلوق جدار جیل جعدوا جب بول گناه کیوه ہے آلا این ماریود انجاز دسیونیت معروف بدعت میں فرد بدید ہوت ہے۔ ان اس استان کے انترون جن انتہاں کی استان سے انتہاں ہے۔ انتہاں کا انتہاں کی انتہ

بمموده غالبار وتدمنتي بررسافاتهم العوم بالران

⁽¹⁾ كند القي تنوير الايصار مع الدرالد وعلى مرض عين وبكاتر حاجدها) تبريها بالدليل فقوسي الدرائية على تنوير الايصار مع الدرائية على المنظم الكند من الطهرة كتاب المبلاة مات مبلاة الجيمية من الداعة حرائمة حيات من الدعة المنظم المنظم

٣) وكسافي الفتاوي الرازية على حامل المتاوى العالسكيرية، والإغرام بالدعد عد صيارة الحيائر الابه عما مرة الا الحيائر الابه عما مرة الا الكثيرة المرة الا الكثيرة المهائر وهية شهيد من ١٩٨٨ حالة على المحلوم المبالات المبالدة كرفته و اكدا في مرادة المبالات كديرة المبالدة كرفته و اكدا في مرادة المبالات كديرة المبالات عليات مبال ١٩٨٧ من ١٩٨٩ على المبالات عليات مبال ١٩٨٧ من ١٩٥٩ على طرفة المبالدة المب

إنا كالسباس المصدود المساوى حو عموان حاطات رسي الله عنه فان قال رسول الله تعلق الله عليه
 ومسلم السب الاعد ال بالنبات عامات كيد ، كان يطوانو عن الحامل ١٤ ح ١ عيم قديمي كنا العامة
 كراجي دا وكذا عن مشكوة المعدادج : قبل كتاب الإنسان عن ١١٥ دعاء قديمي كيب خلهه كراجي

 $(-1)^{\frac{1}{2}} = \frac{1}{2}$

سیم پرجائے والی فوق کے لیے جمعہ کا تھم حاسان

ه ځ ه

ليهم الدانوس الرئيم - والتحرّ ربيدة رحما من جوار ف في ال ملت والتراعت في روس لا المراحة المراحة المراحة المراحة عن الكي خداد المراحة عن المستقبل المراحة الكي مراحة المراحة في المراحة المراحة المراحة المراجع والتراكة المراحة جعد كم التراكة والمراجع المراجع المراحة المراحة المراحة المراحة المراحة المراجع المراحة المراجع والمراحة المراحة المر

- أي الأسامي ودد الأسافين والرئية ، فإن الجرمية ، يشوط إلافات في تغير أي يتنا كثير الرؤقان البيانات و تحت التحديثة من منتا بند الجديد ... وقال الشاعية العب الجيدة على المقدومي عد ومنافسان البحث بعد بحث الجديد ... على مقبو في بلاد والعلس البائر د أثيال المسلاما البائدية الذائل من المدلاة التحديثة السنطين المثالث من تجت عليه الجديد ، أو غروض حوال الجديدة في الذائر الله ١٤٥ / ١٤٨٤ من المحكمة على تفكر المسابق بوات.
- أن الشخصة في يصد على الرحول الأخراء الأدادان المدينين في الإسطناء الحد فاصيحان من 1973 ح. أ.
 هم حادث وجد الرحال الدائمين ويجدا في المعوم قالمراق، ص ١٦٠ ح. و دافيع قديمي كليب حدد والصد في أوى الرحال من ١٥٠ حد في حكرت الدائمية ، كوكون إ.
- حسى لا تنصيح الى بورية و لا معلده الحجد محر الرائل الين الرائدة 15 مطلع رائبيدية حديد والمها في
 الهستانية و من ١١٥٥ ١٠٥ ضمع بنا جميدي الك قيوم والمعا في المعرف البرائم من ١٠٠١ ١٠٥ خ الفضاء
 الفياسي كتب حرود
- ق) ولا مستحة حرفات العداد فعدية عن (و) أن ج أن طبع بتوجيسان بعد قير، ويرشأ في الله بمحدل وطر ١٩٠٨ ح ٢٠ طبع رضيمه حديد و ويصافي السجرائر اللي حي ١٩٥٢ م ١٩ مكدة الماحدية كوفئاج

آن از پر سنت آن و بی او براهشم دنده الله ای فی طید کناو یک و معمولی آباد یون و بیر آن و فیرویش جعد بیا آن مین از باست آن و بیران و بیران و بیران و بیران بیران و بیران بیران است از بیران بیران

و في المبسوط الله المسلم فهو شرط عندنا و قال الشافقي رحمه الله نعالي قيس مشوط فكل قرية سكنها اربعون من الرجال لا يطعون عنها شفاء ولا صبغا- الله

و في كتاب الفقد في بيان مذهب الحابلة - ولا تجب الحمعة على سكان الخيام و لا على اهل القرى الصعيرة التي لابتجاور عدد سكانها اربعين - الع - و فيه ايضا في بيان مذهب الممالكية ج 1 ص 184 - والشرط الاول استيقال قرم ببلد ارجهته بحيث يعيشون في هنا المد دانما احتى على القسهم من الطواري العائبة - الله - تقا اشتقال اللم

 ⁽ع) لإنسجور (المحسمة) في الصغيرة التي ليس فيها قاص و مير و مطيب اللح شافي ص ١٩٠١ ع ٩٠ طبع رشيديد حديده وليصدأ في التجوهرة المراب عل ١٠١٥ ع ١ شبع قديمي كنب حاله ا وابصاً في الشعراؤ إنزاء من ١٤٠٠ ع ٣٠ شبع مكتبة الماحدية (كوفه)

جن لا تسعيد عليهم الحصمة، لبعد الموضح صوا الظهر مجماعة، شامي، عن ١٩٠٠ م ٢٠ ضع وشيديد حديد، وابعثاً في قاصي حان عهامش في الهندية، عن ١٩٧٧ م ٢: ضع موجستان من قبوم وابعثاً في فياوي الوازر، عن ١٩٥٥ طام مكتبه إصلامية كونفاد.

۳) المعرائرائل : سن ۱۹۶۰ ح ۲: بات هملوة المستند شخ السكلة الملاجدة اكولئات وانصأ عن الموهرة المراز من ۱۰۱۰ ج ۲۰ طبع قديمي كنت حافه.
 وابطأ بن الهدايد عن ۱۸۷۰ ح ۲. مكته راحمانيه الاهور.

وع التسميسوط المستر حسين: كشامة النمسلام بال العالمة المحمدة عن ٢٣٠ ع.٣. مكتبه ادارة الفران. اكراجي:

تهميل گفرول کی آبادی والی بهتن میں جمعہ کا حکم

A 15 m

کیا فرائے ہیں ملے کرام ومنتیان مظام کرایگ ایکی متن جیاں نماز فرخی بماهت سے بیشکل اوا کی جائی۔ سیدور جمن کی آیا وی جیس سے تمین گھر ہوں تو ایکی متنی جمی فواز عمید ہیں اور نماز جمد ورست سے باز سے کی جواب و سے کرمندان بازور دول ۔

极合物

الذي يعني شرحيد وجهد بيز صناح الزنيس بينه (1) هجرك نماز با بهاعت ادا كن جاست (^{4) -} فقط دانشانجا في الهم محود مقاارة منه عنى مررسة المهامطوم مثان

كياجه ظهر كابدل ہے

×6 € \$0

کیا فرہائے بیں دعوانے بازہ بن ومقتیان شرق شین اس سندیں کہاناں سنے وابھا ہوت کے مسلک سے معالق کے معالق

- (۱) کیانماز جوتماز ظیرفایدل ہے اِکوفائدہ ملیدہ نمازیں ہیں۔
- (۲) اگرفاز جمد بدل ہے تو جمد کے بعد تکنی دکھت پڑھنی جا بھیں۔اکر پنجد و تماز ہے تو بھر جمد کے جعد کئی دکھت بڑھنی جا بھیں ۔
- (٣) الرارم كر قرأة عن وليّا آيت يُجرب جائدة اور ولا في كانت وكانت المرارم كروسة آيا جروا موالاتم يب الرحودة كوفتي بإن ورب آنها فما زادا موجات كي النادا قريروا
- دن لا تصبح بن قرية والامكاز فلقول على رضى الله عند الاجتمعة والانشريق ... الا في عصر جامع طبح بيحير البرائي: من ١٩٤٠ ج٢: طبع مكتبه الماجدية كوثله، و يصاً في الهداية عن ١٩٧٧ ح ٢٠ طبع وحمانيه؛ الاهور، وايضاً في جرهرة البرة، من ١٠٠٥ ج٢: طبع قديمي كتب خاله.
- ق) ومن لاسبب عليهم البسمة. الهموان يعبلوا الظهر بجماعة يرم الجمعة عالمگيريده ص ١٩٥٠ -ماد طع بارجمنان مك ذير.
- والبصلةً في خاوى النواريء عن ١٩٠٥ ، طبع مكايد السلامية ، كونته ، وابغيةً في الميرظمخيار ، هي ١٣٧٠ ج٢٢ طبع رشيعية حقيمات

اء کا الجمعہ

4 3 A

(۱۳) - إنهال پر إمصام از در بينتها شريع او بايد به مداخير کی آماز و بينتی جه به مهمار جهال پر شکسته و که آنه بيمان جهرها از موفار آندي آدين جهار مستاطم کی ايت سند جداز جهد پر هني جها بين ۱۹ که کاره تلا امراد تا مهما کې ات -(-) - اس مهور سنديش نور د مونيس - داهد تعالی الطم

مسي معيدين أوج كے علا اور يُر وكول كو جمعه أن غماز كے ليے اج زے شاديخ برجمة كالقم

€ J

کیا قربات جی طائب دین در ای سکا کیا یک مرائب به اس بین پینج مسافه خاند تی به ای شی خوای معروف شدنج دارای به بادر ای که ادرایک مجدب جس می پانچه گی فراند داد و جدکی فاد بخی جو آن مهم میکن اسب سر این فرجوں کے مرسل آن کی مجد کے لیے تین جموز نے جس آئیا ای معالمت میں جسکی فواد میں کوئی خصران تو تیس آنے کا فریقیوں میں چھڑ ہے۔ آبک فریق جسست کی دوستان فرگ ہے ادرا کے قرار میں ادرا کے قریق عدم کی جوت کا کا کل ہے ۔ جو افراد ا

黄色色

قال في المتناعبة قالت وينبغي إن يكون محل النواع ما أدا كالت لا تقام الا في محل و حداما أو تعددت فلا لاله لا يتحقق التفويت كما أفاده التعليل تنمل – قوله لم تعقد – بحمل على ما أذا مشع أناس فلايضره أعلاقه تعنع عنوا والعامة كمامر – قلت ويؤيده قول الكافي واجسالسسس سواليس - النا^{لام) -}فتسلاميل -فتها مل أن إلا كان ست^{مفرد ب}واكيفت مراجاة

بن و فدائنیت مراز دهدم صلا ۱۵ اگر بنج بنجدها سیهٔ احراطهار خوص اعتقاد عام فرضه الجمعة وهوا الاحتیاط فی زمانیان دو المحتار داص ۱۱ چ ۳۷ طبع رشیدیه حدیث وابعیاً فی حوه را حبر ۱۶ ص
۱۸ داد ح ۱۱ طبع قدیمی کنت خاند ر وابعیاً فی انهادیة می ۱۹۵۳ چ ۱۱ صبع طرحمتان

٣) كانل سواصيح وتقع الشائل في كوب حصرا بينهي فهم أن يعبلوا عدالحدمة أربعاً ثبة الطهر احتياءاً. شيامي من ١٩٥ م ٢٠ طبع راشيديه حديد (كثاف العبلوة) بال المجمعة إن ايتماً في البحر الرائق: من ١٩٥٠ م ٢٠ كتاب العالوة الناب العالمة الناب العالوة الناب السادس عشر في عبلوة الحميمة ، عن ١٤٠ م ٢٠ ماكنية والهديمة.

 " كتما عن الشامي كمات العطرة، مطلب في قرل الحطيف، عن ٢٩ مج ٣٠ طبع مكتبح رافيدية حديثات ويستم في حياشية النظام عشاري ، ديات الاجمعلة من ٢٠ د ١٠ د ٥٠ ح ٣٠ طبع دار الكنب العديمة.
 بيروت، لبدان... 200 يا بينا لايمار

جو ٹی محمل وغیر و مقار ہے معنور کی تئویت ہو تھوں ہے ہیں الوں کے لیے ہے اور ہیں تھو ہا سائے ہے۔ باہر شریمی شعد میکر جمد الانا ہے اس اس کے اندر رہے والان توان ہو یمن قرائرے کی امپاؤٹ ہے ہے اور ہے۔ والوں فاجمہ مجمع طرح نوز کا تھا ہے۔ اس کے کہ شریعی اندر بکہ جو ہوئے کی دب سے فحاز جمد ہیں والوں کول مکن سے قاملت عدم ہو زار تھا ہیں جدمی الدی اس موار زیش ہو اور سے کی صورے بھی گڑی ہائی ہائی جاتی اس سلیمورے سنوے میں موارے کے تدرید وجد جائز ہے الا

ا درائن مسئلة من يونكه وقت أخر ورفي وقم كي شرورية قل السركة من الاامري اورفقها وعنها به التي تعربي المراكز في ماستة بين أكوف وليل مرك⁴¹⁰ قرى ج- مع مال جواز جمد عن فين جواز من من واليات أورو الحليل لأكور عورت منها إلى جدارة وأمرنا وروازه والورو م الهازت ويزا أسمن اورا ويا-ضعب لموانس بعصل في لسكان العربين - المع الأنه العدد عن الديهة الأ^{مناء} فقد والارتفاق فيظم

شېرىي تىن ئىل دورد د سوگىر دال كى آبادى دالے گا كەل يىل جىدى يختىم

÷ ل∳

کی فربات میں خاروی ور یہ شک کہ حارے کو اس کے اور کی آبادی پانی سے کھر بیا ہے اور و سالور آباد ایر رہ المارے کا فربات اور کرا تھر مجھوں بستوں تیں اور جارہ کا ایس تیں، ہر بین بھر آسکتی ہے اور اسٹیاتر کھان اور رہ والے سینٹلا اور طلب وہاں سند وی تعلیم حاصل کرتے ہیں۔ شبرگا ان سند بہت دور ہے۔ (اعمان کمل ک افاضل پر ہے) کوئی وک شرکتی تینی کی میر ایمن پاسٹ سند و جائے جی اور خواس کے ایاد و وجود کے وہ سے کوئی وک قرار بردی تین کئے اور فاص کر بیز ہے اس کا کھانے سے وہ جود ہیں۔ آپ بڑا کی کہ مارے

- (4) كساعي الشامي- كناب العبلوة، باب الجمعة، قلت وبنعي أن يكون محل لنزاع ما دا كانت لاتفام الا تساعي الشامية الا في معلى واحد ادبالو تقددت والالاله لاينحق التقويداء الح، عن ١٦١ ج١٠ مكتبه رشيديه حديث وابضاً في تحديد عليه محديد المهام على مسلاة الجمعة، من ١٥٥، ج١٠ طبع بمبدئ كتب الهامة وابضاً عن بدائم الحديثة من شروط الحمدة من ١٥٥، ح١٠ ح١٠ مكت وشهديه
- وقبي المستقدمة الشيامية وساهي السراحية بغوة أن من كان له فوة الاراكة المدولا يقتي بالقول القوى المدورة ممة معامعات المادي المصرح من الانتظام قد رمي كانهم حالم أن يدي كانهم حاله)
- ٧٤ كست من الدوالمحتار اكتاب السعود دياب الجمعة "العقب بن قبل الحطبية" من ١٩٠ ح ٢٠ طبع و فيساية العديدة وإيناما في حافيه الطحطاري دياب الجمعة ، في ١٩٥٠ علم دارالكات العقبية . بيروت داخ بروت لمان.

تات باب الجمو

گا ال جم اللاهیدا درجیداد ابوسَمَا ہے اِنہیں؟ آپ بیاسنلہ یا کرشر بیکا موقع بخشی اور میں دوز کے جھڑوں سے تعاملہ ولائمیں-

و ن به

وريد ياليوني والاست

«) كما في البحر الراق: كدب العينرة و ماب طحمة و شرط ادالها المحمر الدخر طرط صحفها ان تودي في مصر كما ان يودي في المصر حتى لا يصرح في المحمد و المحمد و المحمد و المضافين المحمد و المضافين المحمد المحمد و حماليات المحمدة و المحمدة و المحمد و حماليات المحمد و ال

 حسبا في طنسامي - كتاب الصلوة بات الحسفة، وتقع فرضا في العصبات والعرى الكبيرة، التي قبها السواق والمح د ص هاد ج ٢ وطبع مكت وشيدية حديقت وابضاً في الثانار خالية: كتاب الصلوف بات فرضية الحسفة على ٩ إد ج ٢ وطبع العارة القرآن و أنظرم الإسلاميات وإيضاً

- ع) صلاة المدد في القرى تكرية المحراسة (درافيمجنار) كتاب المسلوة «باب طبيدين) صلاة قاميد وطله
 المحسمة ، وشامي) من ١٥٠ ع ٣٠ مليم مكتبه رغيدية جديدت وليضاً في البحر الرائل: كتاب المسلوة «ساب مسلوة البحيمة» من الـ ١٠١ ع ٢٠ مليم مكتبه المناحدة، ويصاً في الهداية باب مسلوة المجسمة من ١٧٧ م جاء عليم مكتبه رحمانية ، لاهور...
 - 2) شهدایه: (کتاب الصلاف باب صلوف لحمد ص ۱۵۰ م ۲۰ مکیه بنوچستان بك قبر گولته)
 - ه) شرح الوقامة: كتاب الصلاة دياب العملية، ص ١٩٥٥ ع ١٠٠٠كنه الج الم سجد كواجي
 - ٣) اللوالمنختار مع رود (كتاب فضائرة بالعجمعة، عن ١٢٨-١٢٧ م ٢٠ مكت ابج ليم معيد كراجي)
 - كما في الهداية الانحور في الفرى. ص ۱۹۷۷ ح ۱۰ طبع مكت رحما الدالاهور...
 وابعد في الشامي ص ۱۹۷۷ ج۲۰ (بات العيدين) صبح رشيدية مديد.
 - والعف في ليحر الرافق: "نتاب مصورة، باب صلوة الجمعة، عن ١٩٤١ ج؟. مكتبه الماجدية م
- ٨) كسياضي النفر المتعدار ، وطاهر المذهب أنه كل موضع له أسر و فاطني نقدر على إفادة الحدودة"
 (كتاب المبلاء باب الجمعاء من ١٩٧٠ ، ج٦٠ مكيه ايج ابم سعيد ، كراجي)

پانج سوافرادکی آبادی دائے دیبات میں ہمر کا تقم ﴿مَنْ

میا قربات میں والدوج میں در این مشارکتا کیے۔ بیات جس کے باشندے آخر بیانیا تی او سے قریب جی-در خرورت کی اشیار بھی مبیا ہوئتی آپ کیا آب و بیات میں جمعہ و مکانات بیا ٹیکس آگر ہوئٹ ہے قر کس وجہ کی بناپر اور اگریش ماہو مکمانو اور کی دجہ تھی ہے ان فرماویں۔

er Č

ہ ممانت الرحمی الرحیم- واقعے رہے کہ باقد تی تھتا معا روزیر تھمانٹ تھا تھ و زیسر نے ہیں ہے تھا تھا تھا میں ہے۔ کے ایس نشر طامعر ایک شیرکا مونا ہے۔ ویہ نوال شاہ او کو وال پر جد کی نماز اوائیس 10 کھوٹی کا وہ ہم سے کو کوں چاکے کی جا در کھیں فرض ہیں۔ جد چاہے ہے ہے کہ کاری کا فرار سے مرحکا ٹیس (سمبوٹی) اور ٹیم فتیان میں کی کا مسملاج میں اسے کہتے ہیں کہ جہال امیر مرحاضی اوجواد کام کی شعبۂ کرتے ہوں یا وہ آپ کی جس میں کی کو ہے اور بازار موں سے ایس کے کہ نے کورٹیش کھا ہم نے بھی ٹیمیس کیا انکی اس کیس جس کی ترفیش ہونگی (س)۔

- ا) كيميا في البحراء الور كتاب الصلوقة "ماب الجمعة، شرط دائها المصر الى شرط صحته ان تردى في مصر حتى لاتصح في قرية ولامهازقه من ١٩٥٠ ج٦٠ مكيم الكيم المداحدية.
 - . وابعثاً في النجوعرة النيرة وكتاب العملاة وباب التحديدة وص هو يا و حراء طبع لديسي كنب حالات وابعثاً في الهذبة بات صلوة الحديدة وص (۱۷۷ م ح ۱) طبع مكتبه رحداب والاهور
- كما في الشاميء كتاب المسرة داب صفوة الحمقه الوصلو والحمقة) في الفرى تزميم ادار الظهر من
 ٨٠ ج٣٠ رشيفية جديث.
- . وابطأ في التائم خالية الفصل الخامس والعقرون في صلاة الجمعة، ص 24 ، ح7 ، طبع مكتبه البارة. - القرآن: - وابطأهي فلجوهرة البرة مات صلوه الجمعه، ص 1012 ج11 طبع قديمي كتب خاله.
- ٣) كنما في طشامي كذاب المصالاة، باب حيلاة بالجمعة، عن لي حتيقة الديدة كبيرة قبها سكت والمولق وفها رسائيل وفيها وال يقسر على العباف المظلوم من الطالع، هي ٦٠ ج٦٥ علم سكته والميلانية حيلاملاء وابطأ في الهلامة، باب علوة الجمعة، عن ١٧٧١ وج١٠ علم وحماية كتب عائم الإهوارات وابضاً في المحرالوائن: باب صلوة الجمعة، ص ١٤٠ مح١ طمع مكت الماجيدية.
 - في الهداية: مان صلوة التجمعات في ١٩٢٧ م. ١٠ طبع مكتبه و حمايه الاهور...
 و ينشأ أي المحرط الق: مات صفوة التحميلات في ١٤٤٠ م. ١. طبع مكت المحاجلية...
 - والطفائيل الدر المعتارة كتاب المبلاة باب الجمعه على الداج تاء مكيه وعبديه جديد

رلا يبجور في الشرى التولدعية البلاد لا جمعة والاستريق و لا تطولا لا صحى الأفى مشتر حامع والبصر الخامع كل موضع له مير وفاص لفد الاحكام ويقيم الحدود و هدا عار مي يوسف الداوع عنه الهدالها احتسموا في اكبر مماجد مولم يستهدو الاول احبار الكرامي و هو الطاهر والتاتي احبار التلحي الأ

جہد کے روز از ان اور نے اس استوۃ '' کے نام سے اوان سنے زاتھ

かじゃ

البياف ترات جي ملات اين المفتوع في فريا التين الدساكل كند والمشاكر ال

وم) حملہ کے رہ حمد باستوا بصوٰۃ کے ہم ہے ایک انسان کی جاتی ہے۔ انس کی تفسیل منسان ہونا ہیں ہے الرقبل وان هن موزائين و خوارت وقت بديمكن ان ب يهيدي بيا خالا الأن بال الديمي يتناسم و و ا جند من و يا ہے۔ وگو ن وقعن بيات كرون كي ويا التار بعد كا متيز اور اول سے ووج و تاستو كا كول ومعلوم و جاتا ے کو آئی جد ہے مراس کے دواغل او کرتے ہیں کہ ایک اعلاقت اور جانا ہے گئی ہاں ماہ مت کو ای کر اعد ان جيري عن مدرو في بها الن بياجيم الموقع أرات عن الشاق وجه في مناه الدائر ولكن يأكن جا في الما الماقة بمبركي مقرير المرابر المرابي البراء الواري واعمارات بممال الفائدات أالماوكرات فيراح بيهال أنساكت أيت اليماك أتربير جس معوف بين سنوة كهاجات كالتاب بالشائ مجدتان بعد كماندار الل جازتين مولَى الايدوم شينة قبل هذا مب الكنز في باب الوارين كيلاهن من الدرهم رضيا الفاهنز والمقديد مح أمرم القدوم بعد كيافوال المنا م من قابت أرك ابنام برأى مازيكر أنَّ أي كنة بين ين أي على تشخيبا بم كن قبل صبى المسلمات علي صرب هذه المنافسين منه فيهو و لا سبارتند و ريك ترويجان الأفي لا منت قادارت وين الشج والوي الفادر بين من صوبوت تفلقي شرن عنه أبده وثين الجدالها إلى فالناوقية أنه برائد الوالب ومدست أويدت ورزيان فالخضريت منحل التدميره مواوا الدرارين سخاب والصداؤا يشار المعلوم للتمك أذكوع والتعزوه وأثجا بالأ " يعيز أول إلا إلى وزر من الإن العدال وقع بال ويؤكر منطورا بم بعدازاة من ول بخشاره - بيا أواكم أ تھا والے بھا کہت ال سالم وہ کا کی دوجال ہے والد کھن پیلے المار جو اوکا اور اسمادال کھا اوکا کی کا ين بن كان و كان بالدين الفارك في إلى السوة الديد ملاسطيك ميك واليرق من أرام في الله السلاج الذيران المام مليّف مريّف عن الأهتر عداد أن أبي والزائم إن المراوفيّة باليّم وان كشدّة من المرتمعيّة عيرسلي وبدعان المرفضانية ورت جي ودر رميان عن بالحيَّ بالله وسنة قضاء المساجر الدوارة الرواحية عن-اس

سا بعداؤات الدی فرند می چون سنده مات پارستان سرچه کید بردام برید که به ان کش ایران دید سنانا مان عمد عور پارپ آن که دموتی مماراتد مان سندگی فراچ و چاپ از می ساوه و شدا در دوال کاپ عمل ماه هم آن واژن - (۱) مشیقی میت بعد الدفی (۱۰ فاده فو من جارا و فراها ۱۰ می دود کن سنتا او شرک سردا و منتقر و را که آن در آن کسال شده کشوارد کری ایران سازم به بردامت کی جارت شام ماکن دورا کردان کید مشرکار برای کرد. این درد

(9) - في ديت من احد دمال أنّي مقدار بينها بودا أراد شدة في جود الربح أمانت تشوير جود بير من المرت من

را وقد اكثر هوا والبلية أصيد والمود لا ملاه منه الدرائي اليوارية والدواليهميان وقياه الالعام سيم السواس) الرفال عبريكي المائد وليهاته لإمكره وأدم كان المورض الملاقي وأول فإلى الديمية الد المراجعة والمهود فاقل الدرائي الله الرائح والاستخداء المائد التعلق وقائم فيذا من المراجعة المراجعة المراجعة ا المراجعة كوامل، وكذا في الراجعة في الفناوة المهداة الكانات لكن فيذا الدرائع والمراجعة من 100 مائد والرائعة الم

(العرارة والأواع المالعة الرأي والخاصة الطابية المنتج اذا فالغوال والتواتيني

تاواخارين للبري فالمنصفي فالخاعب وما العاصل أحداث في حرابة فالفصيب العام يهور فينا

الإمشاكوة السهاميع: هاف الإيمار دياب لاعتمام بماقديد والمساد مفصر الأدر دين ١٩٥٠ ع. ١٠ القدمي كراني

عيد الله في سنة الحود ولي الإعلام معا الإعلام عالم والمستجدرة أكتاب الصلاة معاب الأوار ، على عاد 6. - ح أما مج مسيستميده

و کا دامی این استفالان اکا در این افزود این اوگوی دمی های در خاط هاوالکنید هست نیز رختی های اکثر در این کار اسالات از استفسارهٔ ایندار کی شرایه که از کاندام می طوحت می ۱۹۳۹ مادم های در د اسلامیات ناهم کرفتی رود که این مصدح طفات، می با ۱۹ شیخ خرید دیشت و در در نواند الروقت إدارويت من مال الانتهاب الرائية الروس في تقويت أوالواب وروبه ألى أي كلما في سعن المروقة الإسهاد والله المستغفروا الاحبكم واستنفروا الاحبكم واستنفروا الاحبكم واستنفرا الله في المنظوا الله المنظوا المن بسئال الله في المنها والدورة الدورة المنظوا والمنافذة والمرتبة المنظوا والمنظول بي من كان المن عمو يستنحب الريقوا وعلى اللقو بعدائدة في الول سورة البقو والحائمها شامي - (٣٠) والمنافذة المنظول بي المنظول بي المنظول المنظول

(4) استورسی الله ماید الاص مات بعد الفرض کو میں ادافر مایا بہت ہے قبہ اللہ میں اعتقام بال اللہ میں اللہ میں

الموجالية الناران ويتأفق عدريه قالهم العفوم عالواج

إساس أبن ((و): كتبات النجستالير (بات الإستغفار عبد القار للبيت ... حديث بمار ١٣٣٣١) عن
 (إنجاز ج٢) رحمانيه الإعور)

7) (رفائسختار : كتبات العبدوقة باب الحسائرة مطلف في ذهر البيث، في ١٣٤٧، ص ١٩٤١عج ، ابنج معيد)

- ٣ وفيد مقاوله بعد الثانة لأمه لابدع أعد النسيم كما في الخلاصة والمعرائر الق: كتاب المعائرة فيهد و فيه المنافل أحمل ما لاتحاد عن ١٣٦٦م ع ١٩ و شهيه و إلى العالمية التعام المسوق البات المعاود البات المعاود البات المعام والعشرون في المحائزة من ١٣٦٦م ع ١١ و شهيه و إدا فراع من العلوة لابقوم بالدعام والما والمعارف في عامل فاعلى حال المواهدة في حال المواهدة في المحالم والمعارون في المحالم عالم المحالم في المحالم في المحالم في المحالم المحالم المحالم المحالم والمعارون في المحالم من ١٩٥٠م ع ١٩٥٤م و شيفيه)
- عن عبدالله من شفيق قال سألت عائشة رصى الله عنها من صارة رسول الله صلى الله عليه و مشهر عني النظر منه عليه و مشهر عني للطورة و مناسقي عني الطهر أرساً لم يجرح فيصلى بالناص لو دخل فنصلى براكمتين اللج والمحددة (مشكوة المعديج داب السن وفضائلها، العهل الأول من ١٠٤ ج ١٠ قديم كراجي)
- عن أسم على أمر صدوب وحده عرماً ولد يعمل بالرحصة فقد أصاب مه التيمنان من الإصلال
 مكيف من أصبر عملي بدعة أوسكر " ومرفاة "كناب الصدرة « باب شده دهي التشده العصل الأول»
 حديث ١٩٤٦ من ٢٣٠ ح٣٠ دارالكتب عسيه بروت) ما وكدا في السعاية على شرح الوفاية: "كناب
 العيلوة «باب صعة الصدوة» من ٢٩١٩ ح٣٠ منهيل اكيلامي لاهون)
- اکسما فی استشکوهٔ عن معاد بر حیل قال جدیدگی رسول اینه مینی الله عنیه وستیرفشان این احمال
 پیا محاد فشت واب احمد پارسون الله عال عالاند و از نفوز فی در نار صالاه رب اعنی علی دکوك
 و شکرك و حسن عنادنگ (ص ۱۸۱۸ ۲ مدیدی گلب حایده گرایجی)

الله حالة بيات جائے كے باہ جود جاری كيے كئے جمعہ كافقم

» ن پ

ا باقربات میں جود داری مراز رست کرایی اوری بادری میں ایسانی ساتی مود کی شواد کا شوادہ اندیائی جو گئی دہوں۔ اور اسجادی باز دارید میں کے سے کوال مارید و سات اس اسجادی جو ایک میں ایسانی میں جو ان قرار اوری دوارہ اس معہد کے دوالید اکرید اور استان کے اسٹر جو ایسان کی اعبد انسان کر ایسان کی جائے اورکوں میں ہو ان کی ایسان کے اس ایو جس بھی ان آرائی فائز جو اسٹر کیا ہے ایسان میں ایسان کر انسان کر ایسان جائی ہوئے اورکوں میں میں انداز کی اس

039

المستوالي المراد الموادي الموادية إلى بالكي من إلى المستوادية المراد المراد المواد المستواد المراد المواد المستواد المراد المواد المراد المرد المراد المرد المرد

ه إلى إنه المتعددين كالمدن الصلوقة بالترا محمعة على ١٣٥٠ م ٣٠ الح ابد معمد كراجين

او كندا في حديث الدون القفستاني اكتاب السلودة فقس طبوة الجمعة، ص 275 ج.4. الج.د م. المود الالمهار كرافي:

. ورده لم دمن الرحم را الرائق اكتاب الصنود رياب صلوه العملة وعلى ۱۹۹ سر ۱۹۹ وهن ۳ اطح الكلمة الرحمية الرجمة

هي والسرائيسينغيا، رضع وفال محدود التاب العشوة الذي البيطان من 197 ، و ج. الأنافي وج التابو منفوا. الكواجي)

(وأكما هي مامع الرمور (أكداب الصاواة فضل صفوة المبلدي، من ١٩٧٦ ع ((الجالب مراز))

كياجعة ترفعول كالعدوان جارد لعات منن مؤكورين

€ J &

ا بھا آرد کے بھی علامہ کا ان اور ان طاکہ جھوٹی آباد علی نے دیکھ جائے ہوئے اور کھنے آباد افراقی ہج راحت ان از انتہا مجلی جائے اور اور اور بھوچ نے انتھی آفراقول کے بھو جس آبیا ہے کشی اور کہ دجی نے کیور اور اندور اندام کے صورت چھی آباد کھی وائٹس ۔

÷3.3

بعد في يكل بإد تمكن الديمون بيرم كالدوش كان فرنس بند ايدا يدابية ايس. بيد ينط اداره يكلي وسن مؤكلة الراسع في المعاملة و الرابع ، بعد عا تتسليمه في الأو فاكو في الاست و الرابع في العلم و في المصمعة و الرابع ، بعد عا تتسليمه في الدال في المحسمة و الرابع في العد فالدول على الدال المنافق الدال المنافق ال

() (السراحينيان كتاب العلمون، باب الوثر وصوطره من ٢٠١ ع ١٠٠ ليج والد سعيد كواجي)

إلى دائح أراف دائر على أحدار أراف الوقع فضر إلى الدائرة المستورة بالعن ١٩٥٦ مع الرافع ملاحة والدينية
 كولته والراكم ألم الصادي السارية الكان الصلوف البائل الدائم في الوقائل من ١٩٥٦ مع أرائبيدية
 كولته إلى كان في المراولة والكان المستوفة بلك الرواوة ولي أراض الادام عالى شهدية كولته إلى المنظمة ال

٣) زردالمحتار الدائد الرقر والموقل المطلب في الدني والدوائل و في ١٩ م ع. (١٩ معد الدولهجي)
 دردالمحتار الدائر مدر في دي الاثم بالرق الادائر حواده كار أن

وشحراء فنزز كتاب العشاقة باب الاتراو للوافل وهورا الادام الوالمستدم تترفعه

رُوكُونَا هِي حَسِي كُسُرٍ. فعَسَلِ هِي الشَوَاقِيرِ وَقُولِ عَالِمُ أَخِيرٍ ١٨٥ وَحَمَادِي كَارِنَعُ مِ

ا وأكانا فان شاراح ما فالنان الأطر المناحقوق و قدما المستهدية الداة طواع العدة حملة الوقير العرام في العدم 15 المعيد و

ة) أكد في شرح معالى الآلة الفطحاول وكدات الصيولة دات النظوع بعد الحديثة كينان هو، عن ١٩٣٠/ - وها التحدي

with the second

بجياك أهروان فرآ بادي شهارا ويكاضم

ه ب∝

ب آن الترجی طاعه وی در این شارا و بریت شمی نیک بازارتی آن کاروبر آبادی ماریخ به ایجاد استان است. - به جانگ مجیمه در در برد گوری می در شامل می آن کی آماز چامه افظامی می مرده میان کاری بینکسوس و کاری می جی را و اکساند میده و داختی این و کیزی فیطل کار افزام دروار به جانگی هی و هدامه آمریزی - کید می واصف این مسلمات از در تاریخ کرت در برای می تاریخ در بازید می کیارت و ایس کنتا چی ؟

ص څ م

انتان معتبر الزواج محمل الكوانية من الأنها الكرائقية المائي بينا بينا بينا بيكر وجوب عمدا والاستادات المناسلية من والبياط الما والكرائي من مكن أبلا يستبال تسبد الآرياج ويكن ومداد الوكان الانداو كالكرائم المصر ك المكم ميما البيام معاني تعريف المكرائ المناسلية على المراح في براب والفرائع والتسبيرا والآبادي المال الماثرة والموادرة المالي المال المناسلة والموادرة المالية الم

الله على السحمة على اللي حليقة الماطالة كيرة فيها سكك و اللواقي الهارساتين و البها وال يقدر على النساف السطارة من الطاف الحشمة و علمة واعلم عبرة براجع الناس الباقيما يقع من اللحوادات واهدا عو الاصلح المسائل المسافية المع فرصا في القصائب والقراري الكبرة التي فيها الموافي إلى ان قال الوقيمة ذكرة مشارة التي الله لا تحور في الصغير فالشار البصافية المولة واصلوة العالم في الفرى تكرد تحريفان

.....

التساعيق الهادرة التبات النظامات السحموة العجمة حن دهاد بع و دمكامه الموجمان بك قبر الكاهمة

^{*} وأكما في شرح الوفايد الكناب تصنيرة وبالبائلجيمية و هي ١٩٥٨ و إن البح مو سعيد كرا يعي إو

ا هم ويشار ها اصحبها استعدا اشتال براوي المصبح و هم ما لاستاع اكثر مستحده العد المكلمان بهذا الناج. - التاهر المحدود الديا العسوم بالمنام محمده الص ١٩٣٧ م (٢٠٠ طبع منج المهامعة المبشى كراجي الناج.

عوك الهر الأحرارات كما - الصابقة لله الصلوبا لحمقة مراكة والحجة أضع مكمة راليمية كوك،

[.] ووقع بو برايل فعالج عراج يو الانصاح . فتات فطفاء بات فالمبعاء باز ١٠٠٥ فيسي كـ الهي :

¹⁾ و18/ وحاور كتاب المنوة بذير الحدم من ١٠٠٠ ح. ايج دوم مع م

غاوا ورقالمحتان الكتاب الهيوف باب المسعة ديان ١٩٣١ - ١٩٤ ديج اب سيدار

و مثله الحمعة (١١)

سال نی میس و بیان کا ذکر بیت به معرید اور نیآم یکید و بندا این دیبات نیمی عندانا من ف نما رجعه یا میداز میمی نیمی (۱۳ در فر و مداوا کرنے میتان اوگوں کے دسدے فرائع بر اندائیس دو کی منسله ای انتشامیه الاحموالی ان فلی طبعوا هو کو صلو دفی کشوی دانصد خوا که میسید اداء انتظام (۱۳ فتان الندان الراح) جمعہ کے دوروعظ کی مسورت میں افران وحق اورام کی خطیب کہتا تر تمیدیا

4€ 27.00

یافریات میں جانے ویں امقیان قرن تھی تھا اس سال کا کہ اور اولوں صاحب ہوں کہ دن بعضانا ان تائی (جو قطیب صاحب کے ماہنے پائی جاتی ہے) مہلو انوقش میڈو اٹ فراٹ ہیں۔ آوھ یا پان گفتہ آفر ایل کے جد کمنے سامر فی خطب ہو اگر جماعت کردا ہے تھا چہا جاتے ہوگاں بہات ہے اس لیے لاگ تمان آرٹ فی ہوئے تک آئے رہے ہیں اور فیس پائیس پائے ہوں سامیا کا پائم بیشہ و انہے ہوئیں آوائی سے عزید این جولوک منٹس پائے تھے ہیں اور ان سے بائیس این جولوی صاحب کا پائم بیشہ و انہے ہوئیں آوائی سے عزید

﴿نُ≱

خطب بعد کے آواب ووائب ہے بیات میں۔ گیا۔ ان کے اعمراد بنتر میں امرین سنے کے جسب خطب شراع میں انتخاب یا آغل بات جیرے ندنی مبالت مکار بعد شن متوب ما کر خطر سالوں نرااز اور فی زمشن وقید وقعی اس وقت میں میں متن مسک مستعمد و مستعمد مستعمد

- إلار (المحدور) القاب الصدوء على المدين ، من ١٩٦٧ م ٢٠ ابن ابو محيد كراجي)
 وركة ابن الهدايد كتاب الصدوء بأب صورة المسلمة، من ١٩٧٧ م ٢٠ طبع مكته رحمايه الأهوار،
 ووكذا في غراج لوقاية, كتاب الصلوة الباب الجدمة، من ١٩٧٠ م ٢٠ طبع مكتب رشيدية أواته)
 (واقدا في حالج الرموز : كتاب الصلوة فصل صلوة الجلمة من ١٩٦١ م ٢٠ ابنج الدسمية كراجي)
 كلما في ردائم حيار : الإنجور في الصغرة لتى تسر فيها قاص و حسر و حطيب ، وكما أن الصحر الوسناء و شر و حطيب ، وكما أن الصحر الوسناء معاو شرط حوار ما حقالهما و كتاب الصلاف باب الحصية ، ص
- ٣٢ (ورداً به حداره كدات الصابول ، اب الحامقة من ١٣٥٥ ، ج١٩٥ إيج البياسفية) (و كفا في حامع الرمور : كتاب المبلولة فعيل مبلولة الحميمة ، من ١٩٦١ ، ج١٥ شج ابم سعيد كراجي)

144 July 1

ے () منظر اللہ بار میں موریب بائد ارتقیا سے پیچان ان ان سے عدادا ان بائی میں آئیکٹے امیرہ الجائی کی پر رئیں - جدا اصابا براہ آفران براہ آبا کہ انقاط خدامہ ارتباط کے ایوبات فاد اکا احدو - انقادا مدخان اللہ عدد الاستان

F U 3

ا کیا تا دیگ از بالدورد این این صداک باد استان با دیده این آیا به کسیده بازی این استان کار استان که این او انگ انگری بازی می این - بیارد در بهای امرین از ایران دهندی از تا میت داد دیا تی همهمای این این استان داشد. این معند دادن باد در

(1) تعربی کو بیت این میں باب بیمیون کی دکیات جائے ہیں۔ اسا العمان مراحظت معاددوں وہ آتا ہے۔ تعمیر ان سے آب پیغ ان کا ہے۔

- (٣٠) ان ان الإخيال القدار بالإخارات أن المراجع إلى المراجع الم
 - (٣) مشاركة يرث والخرج ويساء والأوساقي ولي يدين في المدينة في المدينة والمساولة المدينة والمدينة المدينة والمدينة المدينة والمدينة وال
 - (٣) شرق أثر بيب تم نوق يردي بي يود بدري بيجه

ء ن ۽

ھے باتھ یہ باقر یہ ہوتاں رسرائش ہے تاہیں وہ دوستانی کا رہائی چھائی۔ تیمان کے میں مارک ہے۔ مراز می مینے میں انگری اور جھاس رہا ہے اور اور ایوری وہ آن جوں اس میں بازار کی وہیا ہول اور آتا ہا تیمن میار اور ارکی آبائی ووادر ہوتا ہے اور کی آر بہانے والواتا اور ایسا اور استان میں وقعید اقرابیاتھ وہوستان وی

هم الدينة وأدر الدراجيم الديامة فشبا ١٠٠ كون المستود الدوط من المذهب أنه التي موضع أداف روافض الدرة والدول الدراجية وتدوير وقد وقليجة ومن المحافة من أن المنفس الجند فيه أنه معهد قدرة فهم الدراجي والدول وقها والديام وفيها وقل غيرا لمينافية المتطاع من الطاق من الطاف المحشمة والمعهد أواجمع الدول الدم فرات عن المستاك والمري الكندة التي فيها أكدار الدراجية

ا الله الشيامية أن مع من يستوطع الشباب بست والراب الرويامة العالم 1950 و 1960 و 1960 عليم الهوا الهوامية والوا كيميسي كرابيم والروكة الرائيل المجرار التواكل المحدودة البات ويتروه المحدود على 1950 م 1970 و 170 و تشايله التوانية الروكة ووالدافي المجرودة إلى المجارة المراوة وقدوم في مسرود للمحدود على 1960 م 1 المعدودة المعدودة ا جہاں بے طابات فرخوہ ہوں گی مہاں پر ہمعدفوش ہوگا۔ باتی بیآمر بنیسکدہ باب کی ہوئی مجد میں اعلی قربید ما تنکنہ ہوں مدارفرضیت جعد ہزنا درسے تیم رہے سختا والعد تھائی اعلم

کیا نماز جمد کے بعد نماز احتیاطی شروری ہے

ورم

کیا فر باستے چیں طابرہ بن در پی منظران زمارے طائقہ بیس میکسندا انا صاحب چیں جو کہ برموقع پر فرائے جی

(۱) - که جعد از سلوچ ووگانه بهید در گزایت قرار انتقیاطی شروری سام گردگ بهیان ملک داد انحرب سام استاد شهین - داستگ امام ادامنیف است ایسل قطی او نیمی دنی در دول سندهج ایفر با تحین-

(۴) خروات میں بینان دیرانت میں بہتے تو بعد ہوئیس مکنا کیونکہ جعد دینی شرطین وجوڈیس اگر ہوتو اماز ماکل نہیں ہوتی۔

(۳) دو ما قدیش این مسلم کو ما م کر رہے جی والانک بیرا توں بھی چاہ جند میں او جاہد ہو تا ہے آپ ہوری وضاحت سے مسئلہ تحر وفر مانمیں فونوں بھی شرارت بزیعنے کا اسکان ہے اسلیم اس مولان کو مسئلہ مجھا یہ جائے ہے۔ پیچوائو چروا

0 C 9

ہم النداز کئی الرجمے - دائشے رہے کہ عناف کے زہ کی جعاشے یا تربیکی ویٹی ادا ہوتا ہے قریر صفح ویش چاہ جا دیں بعد کا ادا کرنا جا کزنیس ہے (۲۰ اور اس و کوئی کے زمہ سے جعد ج سطح میں تماری تماز ساتھ تمیں ہوتی (۲۰) - ویل پرلازم ہے کہ واقلہ کی جار اکھیں با قامد وجماعت سکے ساتھ دار کردیا کر یں (۲۰) جمعر کی دور کھیٹی

^{1) (}راجع للحاشية السابقة بمر ٢٠ في السوال السابل، ص ١٥١)

الأمرى أن في البحواهرة قوصلوا في القراق ترمهم اداء الطهراء (ودالمحتارة كتاب الصلوة؛ باب البحيمة ، من ١٩٥٨ - ح. مصدي ووكدا في حامع الرمور ، كتاب الصلوة؛ فصل صلوة الجمعة ، عن ١٩٨٦ - ح.١ ايچ امم مصد كراچي)

٣ ومن لاتحب عليهم الحمدة من أهل القرى والرائق لهم أن يعبلوا الطهر محداعة يوم الجمعة بأذان واقلدت والقائلين فاحى خان جائز المحددة عن ١٩٧٧ مج ١) معلوة الغناوي فاحى خان جائز العبدة من ١٩٧٧ مج ١) معيم وشيدية كونته إلى الوركية الني القشاوي الهندية : كتاب العبلوة الباب الساوس عشر في عبلاة الجمعة من الجمعة من ١٩٤٥ مج ١) رشعه كونته إلى وكفة في والانبحار : كباب العبلوة ، باب الجمعة من الجمعة من ١٤٥ مج ١) رشعه كونته كونته إلى وكفة المن الإلهاب الجمعة من ١٩٤٥ مج الهيرة ، باب الجمعة من ١٤٥ مج ١٤ معيد كمين كوليمي .

الن کوری ایدان است به است به این ایش بید می ای او ارزش با و اکن اید عند که ساتھ به اندائی خواده است بی ایدائی ایدائی خواده است بی از المامان می این ایران بید ایران است بی دارا المامان می این ایران است بی دارا المامان می این ایران است بیران بیش ایران ا

إلى الإيسال الوثور ولا تراطوع بالمساوعة ما الرح رسطتان أي ينكره فقاد على حيل القلاعي.
 والدارات بعديل أكداب المباوة الذن الوثر والوطوم على الطاح وي كراحة الإعجاز في النعل من حيل لهذاج من وي وي الإعامة ويرائدة الني المختل ووائدة الني المختلف المحتلفية الكداب المساوة الكرائد لحديث في الإحمام في الإحمام الأول الإمن الإحمام الاحمام كوكه)

ا رو كما مي جلي كبيرا كناب الصوف بحث التراويخ اعلى الداء المحمل كسره حاله كارته و

وأمنا فسائد التي عليها وإلى مستمامان مهلهم فلجورية فامة المجمع والأطباط الدومي سيرالأصول
 لا تي السير أن وارالا سائرة لا عمل عار حرب مالم للمل له حسم ماسارت به قار الاسلام السائح المحافظ ومحدومة ومنافي من مدور مستمال الحرب على المحافظ ا

۳) ارفتاری رشیده: میمه و عندس کا سی، می ۱۹۹۰ طبع اداره اسلامیات الاهور). از میراند

[.] وقبلون دار العلوم (بمعروف بامداد فيماس) الدماي مصمد شميعًا أكتاب الصلوة، فعيل في الحبيمة، - من ١٩١٤ - ٢: دار الإشاء ب: كراجي)

وقت وي. هار الطوع والمعروف بعوالر معتاوي) لمولاها هريز الراحس عباحسية باب الحمدة (م. ٢٠٥٢). حاد حارالا شاهات الراجيان

فتدوي له إستطواه ديمونسند أكساب الصلوف البات الجومان عشر في صبوة الجمعة، هي ١٣٨٠ ج.٤٠ دار الاشاعاء كراجي]

هان المحال

آند مول آبادی ش جعد کاظم

乗しる

الیافریائے میں معاورین ور زیراسند کہ آب کا فرائے جو زگی جمیں کے بائی حرواں کی آبوری و وہ ہے۔ تقریبہ آبو سے سے رواہ کا بائی میچا ہواں اور بائی خورتھی جال کی حاکمیا کی ھرائی ہے وہ نظال اندان کی ہے۔ زارید کو رائج ہے اوائی ہے اور کا بائی ہے والد یو ریکا شہورا کا وہ ہے داوائی ہی ہی کے درمیان میں ایک فرائے بااس میں میں فرصو ہے کا دن مارا ایک میں ہے کہ ہے ایڈا جو اوائی کا ایک میں کی تاریخ کے تقلیمیا وہ جانب میں درقورا کی ساتھ کا اس عافق کے لیکن کو انتظام اور اور جائے کا ایک میان کو انتظام کے دوا وہ اس سے اسٹان

و ن 🖟

ميرونين دار وينسرط الصيحيها بينجه خيار دؤول: المصروفي بالاحتم أكثر مساحدة أهما المكتمل عه

ر ويتشر ما المستحقيق المنطقة المهيدة المواقع المستحقيق المنظم المن فيها أسواق المنظم المنظم المنظم المنظم الم المنظم المبلغات إلى المنظم والمنظم والمنظم المنظم المنظم والاقتصارة اكتاب المنظمة المنطقة المنطقة المنطقة المنظمة المنظ

⁽و كانتهي حامع الرمور الفهستاني المات الجمعة العي 1946 و 17 الجالو ماماد) وو كما في منجر الرفاق: المات الجمعة معي 1948 و 17 رفيسيد كوكا)

مع والهداء اكتاب الصلوف بالماصورة الحبيبة مراعدته والمراجعات لاعاري

سے کے ایک آبھو۔ سے ایک ایک آبھو

موضع به امير و قاص بنفد الاحكام و يقيم الحدود و هذا عند الى بوسف الله و حد الهم الا جسمو الهر اكر عي و هو الطاهر و الثاني اختيار الكرعي و هو الطاهر و الثاني اختيار الشبعي – و قال في العابد أأ وعند) ال عن الرسف الهم إذا احتمالا الى العابد أأ وعند) في دلك الموضع من الصيان والنساء و العبيد لان س شحب عليها الجمعة لا كل من بكن في دلك الموضع من الصيان والنساء و العبيد لان س شجب عليهم مجتمعون فيه عادة قال الن شجاع احسل ما قبل فيه إذا كان اهلها محت لو الجسموا في اكبر فساحدهم له يسمهم ذلك حتى احتاجوا التي بناء مسحد الحر للجمعة و المسموا في اكبر فساحدهم له يسمهم ذلك حتى احتاجوا التي بناء مسحد الحر للجمعة و المؤاث الاحتياج هالب عبد احتمام المسموة و الإلى المناه في يوسف وو الإلمامري الرواية و عالم عاليم الموضع بسكنه مشرة الاف بقرفكان عبد ثلث روايات القط غير هاتيين الروايتين و هو كل موضع بسكنه مشرة الاف بقرفكان عبد ثلث روايات القط

محود مقاات عزمتني بدرساة اصالعوم بشات

جواز جعد کے لیے قریق بستیوں کو مائے کا تکم

ها کُل مَنْظُ

کیا فریات میں خلاء دین دریں مشد کہ ایک بھی ہے جس کا عموق نا مائٹی قریش ہے اگر ان نوگوں سے کیل دوکیل کے قریعے سے کرنی نا چھا ہے کہاں چھنے موقوء و کتبے جی کہاں کہتی قریش میں کر جی کئی قریش گئی انتہوں میں تھیں ہاں کے درمیان آبھی جی انتخاصلا ہے بھٹا کہ نظر بالدرساقا می تعلوم در انوارانعلوم کے درمیان میں فاصلا ہے ان بھتوں کے درمیان ایک مجد ہیں جس کے قریب کوئی کو بھی ایک کوڑن کے تیمیں ہے کیا اس مجد میں بعد قائم کر علتا ہیں یائیں؟ ان تیمن بھتوں گوائی دا عدی تھم دے علتے ہیں بالیس جو بھا تو جودا

۱) رابطنایه ملی هامتر اینج تغییر: کتاب (میلوة دین بیشوة شجیعة) می ۲۹ م ۲۷ ر شدید کوته).
 ۱(و کنه فی خلی کنیز افضار فی میتوة (الجسفاء می: ۲۵۱ / ۵۵۰ سفیدی کنیت حاله کوته).
 ۱(و کنیا فی رد (المسختار : کتاب (اصلوة) بات (الجسفة) می ۱۳۸ / ۱۳۸ / ۲۶ (چایم مجید کیپی کواچی).

مهم و در اخوا در جمه ساز به نوخ و کنان آره بات به موساقی و شیون آن آن ای تی بهای آر دیگا دید. ایند دیدگیم سید از گهره کی شراه جمد سازه در ساز به نام با بدانهای دوار در شراه مهر کا کی آم بیسا ای پر ایند همان بات بیش با این و ایند ایند و ایند ایند و این به خواهد از ایند ایند ایند ایند ایند کا از ایند کا گافی دی کا ایند میدان بات دید برانی سازه ایند و ایند کا این اظهر

تعين مويال وزياخ افرائ أياوي بين جو وُهُنم

و ئي د

ا کے قبار کے جی مورد این دران معداک مارے بہت ٹال قال کی کئی سرم دواورے والی ہ عوالی کی آجا ای میاری ووقا کی چار تیں ایمیال مصافرہ کا بائد کا اساسیا کا دیل موقا ہوا۔ آٹائر اللہ علیہ میں ترکیاری کوم میزی کوری کی دین

بيد دا فارد بياد باردي من مسيمة كل سياد المنظر عمد الناسط بيان سياي أنال كناه بعد يره الجامطات. بعد الناسط الدارات يعدد في البيد الناسطة الرابعة بالاستار كنان

ان ۱۷۱ فيصيح التجايدة (أقبل ماهيم حامع أولي مصلي قديد () تجار بي تقرير تقويه فيمه السلام الاما با دة ولانشراق ولا وطر ولا أصحى (لا في معار حامع والمعير الحامم كل مرضع به البر وقائض ايمة الإماكاء ويقيم الحدود واقت عن أني يوسما راجمه الله وعمد أنهياء () اختمعوا في اكبر معاامه العم بدراتهم والأول الدول الكراسي وحمد الله وهو العيام والثاني الشام الشجى راجمه الله ال

ا والهيد بقد التعالى الفسلوم، بالتي المساوة (تجميعة، حي ١٩٥٧) ح. (المناع الأكتاب واحسانية والأهوري . - إذا أهد القال الفسلوم، بالتي المساوة (تجميعة، حي ١٩٥٧) ح. (المناع الأكتاب واحسانية والأهوري .

رواكت في الدراصحار مع و دالمحار ، كدات الصورة بات الجاهة التي ۱۳۵۷ / ۱۳۵۷ ، ج۱۲ ايج ام. الميد كميني كراجي)

رواكما مي المساية على خامش على القديرة كتاب الصدية بالداميةة الخصصة (حي 154 ح) الطبح الكراب عالم الربطي

الأواء العرج أني المحاشية الدرائلة والمعراة

وزو

بیستی چیونی ہے۔ مست جمد کے لیے ترام فقد دیے معر اور نے کوٹر فافعان ہے ⁽¹⁾ وقد ہی معرفا فلم وکھا ہے (¹⁰⁾ - بیل اس کینی میں فراز جدیشے ٹھیں ایر سنداز فس ارتباد است بڑھ تا شرور ٹی ہے اور شقر تمل خسر فسسا و باقد بنداز کا (¹⁰⁾ مقتل وابعد تو کل ملم

کیا جمعہ کے ہوئے کے لیے خطبہ مناشر ہاہے

∞رہ

کیافر دائے ہیں ملا موزے در ہی سنگا کہ ایک تھی فطیدیں شمولیت کیس کرتا بھیدو ہما ہے تیں شامی جو جاتا ہے۔ نظر شفقت فرمائے موسے ہے بہان فرما کر کہ دی تھی کی نماز جمد ادا ہو جاتی ہے یا ٹھیں؟ اُگر موجاتی ہے آتے کس مرب شکی کا کا بیانا تعد سرید کے ساتھ واقعی اٹھا لائس بیان فرموزی ہ

س تي ج

نماد کی بھوسے سے لیے فضیرہ دونا تو قرید ہے مار شریداکٹن ہے ('''کرونیسہ آوری اگر دیرسے آر آلیا ہے اور خطیب فصیر بین دیکا ہے گیج موہوں ہے اور کی تھور آر موصوف آزازی کی ٹریک جوجان سنڈ الی کی فرز جھوا دا ہو جائی ہے ہی قوالیہ میں کا پہلے کے دائے اگوں ہے جو فطریان مجھے جس برھے کم ہے ⁽¹⁸ منظور الذاتون فی ایم

 ويتشرط فيصحتها إلى صلافه بحمدة وصله أشاقه الأول (المصر أو تلؤه)" مرامى الملاح مرح مورالاطفاح كليات الصلوف بالم الحمدة عن 7 - 20 قديدي كراجي)يا.

. زوكده في أدور للمعتال كليات فصلوفه بالماليجيعة، هو ١٧٧، ج ١٠ طبع مكت و حياتيه، لاهور) .

 ٣) "تنفع موضا في الفعيات والفرى الكبيرة التي جيها أسران النج" (راد "محافر) كالب السلوم بالرا الحممة ص ٢٥ دم ج ١٥ (ج المراج المحت كراجي)

ووكندا في مدمع الرمور الكتاب الصلوف فصل صغرة محمدة أص ١٩٦٨ ع ١٩٠١ بين يتم سعيد) .

"هي المجواهر: بوصلوا في الفرق از مهم أداراطهرية" ورفاسخدر اكتب العموة باب الجمعة من المراه على المحمدة من المراه المراه على أزاد العمام من المراه على المحمدة عن المحمدة عن المراه على المحمدة عن المراه على المحمدة عن 12 م و 17 رفيدية كولته).

(8) "وقا وتداع" لدخلط عيد والحاسل كرابه قلها المحمد فا مساعة محفة الصحة بهم ولو كالوة صحفة أوساعة إلى المحدول المح

ه) وراجع للحاشة السابقة بسراء

وَ يِرْهِدُهِ مِنْ مِكَانَاتَ كَيْ آبَادِيُ مِنْ فِي مِدَاتِكُمْ

عة كل بهه

کیافرمائے ہیں ماردی دری دری معدک ایک چھوٹی کائیٹ ہیں ہے جس بھی ہی میان اور دوروی سکان ہیں اور اس کے اور کردا در اور کردادر بہت کی بھیاں ہیں جن بھی بھی کا فاصل ایک دیکھ باا کرا اداک سے زیادہ بھی سے اس طرح آگران ا بھیوں کو کشا کیا جائے آئے ایک خاص قصیدی جاتی ہیں خاکور اسٹی جی کیک و کی دری گاھے ہے۔ اس دوس گاھ کی اسٹیوں کا می معید میں نماز بھیدائروں کیا ہے۔ انہوں اس اس اس سے کیا ہے کہ بیانگ آئے دان کے بعد کو کی دین کا تھم میں جا کی اق آئے انسٹی فاکر وہی نماز بھیدہ کرنے کا کہی نا ہے ان کی دوا

45

میم انڈ از طمن از جیم - واقتی رہے کہ صحت اوائے آباز جس کے لیے معربے قد رمعر کا ہوتا یا نقاق طارا واف نگرط ہے (اللہ جہاں میٹر وائر پائی جانے وہاں کے لوگوں پر تلمبر کی جار کھٹیں فرش بھی انعادے اوائر نے سے خمبر کی آباز اور سے ساقدائیں ہوئی (17 - نیز ایک) جگہ جس کی نماز کا اوائر افال بائیں بنا بالدوائی ہوگا اور بیجی کروہ ہے (17 - خاکور ایسی بوک تر بیمٹیر وہ باور آئی بائی کی مشتول کوٹر عالی کے سرتھ اکٹھ کٹی کیا جا سکتا - ابذا جس

٢) "ويشترط لصبحها سببة أشيار: الأون العصر ، ... أوفناده بكسر الفاروهو ماحوله انصل به قولاً"
ونقدر المختار: كناب الصارة، باب الجميعة، من ١٣٦٧ م ١٣٦٠ ج١: ايج، ابو معيد كمين كراجي)
ووكفا في الهداية: كناب المبلؤاء باب صلوة الجمعة، ص ١٧٧ ، ج١: رحمانياء الأحور)

(وكدا في مراقي الفلاح، كتاب الصلوة، باب الجمعة، ص ١٦، ٥٠ قديمي كراجي)

٣) "في البيراهر الرميلُون في القرى تزمهم أواد الظهر ــ" (الفرالسخائر: كتاب الصاوف باب الخمعاء ص ١٣٨٠ م ٣: سعيد)

"وأما بالقبرئ قران أراد انميلواه فيها فقير فيحيحة على المذهب.." (البحراقر اكن: باب الجمعة: ص 12.4 - ج1: رطيقهه)

 "ولا يسملي الوثر ولا النظوع مجماعة خارج رمصان: أي يكره ذلك على سبيل التداهي بأن يقتدي أربعة بواحد كرماني الدرب" والدرالمحتار: كناب الصلوف باب الوثر والواقل، مطلب في كرامة الالقدار في النقل على سبيل التداعي، ص 44/4 مج () ايج ، ابم سعيد).

﴿وَكَذَا فِي عَلَيْ كَبِيرَ بِحَثَ التراويجِ، مِن : ١٠٤ ، معيدي كتب خانه كريخه)

﴿ وَكَمَا فَي الْعُمَاوَيُ الْهِسَدِيةِ . كَتَابُ الصَارِقَةِ النَّابِ الْعَامِينِ فِي الأَمَةِ الْفَصِلِ الأول عن ١٩٨٣ . رشيقية كولكه } Service Service

آن اماز که ادا کرد به کاری تین به جازی به ایک وردیش کناهٔ و برانس به ما خرش به از در این توخیم بناه خصور سهای در مناور کرن شرکت به آرکتا فی این به تصدیری دنی و این تا از به به رده او آروکش اس است که نی طرح از در منافش سه ۱۳ مل فی از یک منوف و طاعه این مصوره هو کل موضع له اصر و قاص بستند الاحکام و بقیم الدخور و آنام انتجاب تا آنانی ال

كياجعد الدون كام وان كي كيكني لرا البرحت الم

$\phi \in \mathcal{F} \times$

البيافرورية جي خرد البيره البيره علمان بيرها رايا العامية ودمه في تنسي وروفا وال عن تعليل الإم العامة الا في سيام ومن من البلود المساور حلف الاس والخلوف تنس تواونج التنسوي و منه وي الدار الإمار الإمار والدي الدر وراي يون والل فيدر من الديرة ومان سيام وكروس على الديوك التي وسيامة الديمة المان على موان الدتمان على المان ال مني الدرون والله شارة المنام على المستدر والون عين الديري التي أنه الكان ورقتهم بين المناز المسارع موان الدتمان المعلق متم يكي بياد ومن الأول الشاعر المان عداد والتي تعليم المناق المناور المناق المناورة

۽ ٿُ ت

ان و (التحور في العاملية فالدي ما يا بيه دائق و صراق «فالد» (زرد لمحترا اكتاب للسوة بالد الدول الذائمي (١٩٥٤ ح.٣) الدعدة وواكما في النجر اكمات الصادة بالدعوة الحصيمة عن ١٩٤٥ الع الدينية بياروكما في الهياب الدياسالية المحيمة في ١٩٧٧ م أدار حمالة الأفور : وي والدراندة في اكتاب الصدة بالدعيقية الجمعة من الشكار وجملال عن أثور كوالله :

عمَّ أَوْمِنْكُورَةِ الْمُجَوِّدِ الدَّحَ كَدَابِ الأَمْكُورَ دَمَدَ الإَحْكَمَاءِ فَكَكَابُ وَالْمُسَّةِ الْمُقَمِلُ الْأَمْلِ وَمَنْ الآخَاءِ - قادر عال محراج في قطل مسجل الملك صبي له عليه وصفات من أحداث أن مادي الدخور الداخلة ورقع أول مرفور - والجداع وإلى أشراء هذا قال في در الاستام ما سورات الفهوري أن المعنى أما تكورو أول أول مرفور - في الدائل علي الإسراء الأوام في وصفحه عالما طبع در الكتب طبيع بدرات إ

اور کند اللي و دانسجان از کتاب الصوف باب الزائدة ، مالات الدها - مسلم السنو، الله - ۱۹۳۰ يمچ از داخرا الله اين گراهري:

شرعا وعت نہیں کیا بات سٹنال رایاں اور ایل کا مغر بعضہ بشر ماشیں ہے اگر چہ ٹی آریز بھلی انفسطیہ معم نیز قر ان مشحد ولعا بالٹیر میں اس شمالیہ فرکا کوئی نام افغان نہیں ہے۔ کوئکہ اس شم کے مقراد تو کوئی عوادت کی فوش سے تقسوم مجھ کرئیں کرتا ای طرح مداول فرید کا اس جو اور گئا اور طرق اجراء کرچہ قر اول اللہ کے بعد کا می المافا ہے کرچ کار مقصود دین کی تعلیم ڈبلنے ہے توجوہ زمان نئی مدارات کا اس زواد فطریقہ اس مقصود کی آسانی کا سب بنگ ہے اس نے ال کا اجراء کیا جاتا ہے تہ ہی کہا ہے طرز می کو تقسود اور میارے بھی کریں کیا جاتا ہے ورز ریکی جامعت روز ان ساکتا ہے۔

ان تهبید کے بعد جمعہ نیا ہے ہے کہ سلامتاز مد فیدش زیرا کر تعلیل ہیں جوافا میدونہ مجھ کا گاہتے ہے ۔

برحت اورنا جائز ہے ابرا کر زیر تعنیل ہیں انہیں کا مباد سے بحرکری فیجی ہے جائد ہوں قبل کرتا ہے کہ سلف وظلف عنی کر کر ہو کہ بعد کا دارت بھی قبل کرتا ہے کہ سلف وظلف ہے اور امین کی بدارت بھی قبل کرتا ہے کہ سلف وظلف ہے اور امین کی بدارت بھی تاریخ ہوں ہے اور امین کی تعریف کا فروال اور شرک ہے اور امین کی تعلید کردا تنا ہے اور اس عادت کو تھنے اور تھی ہیں جادرات کی انتخاب ہے جو می کا تعریف کا مردا ہوں کی تعلید کردا تنا ہے اور اس اس منتخل میں اور اس منتخل میں اور اس منتخل میں جدد کی تعلیم کا براہ میں کا میاب کردا ہے اور اس منتخل میں اور اس منتخل میں اور اس منتخل میں اور اس منتخل ہے کہ کہ کہ اور اس منتخل ہے کہ کہ کہ اور اس منتخل میں اور اس منتخل ہے اور اس منتخل ہے جو کہ تعنیا ہے کہ کہ کہ اور اس منتخل ہوں کہ تعلیم کو انتخاب کو بات اس منتخل ہے جو کہ تعنیل کا دارت میں گا اور اس منتخل ہے جو کہ تعنیل کا دارت میں گا ہے جو کہ تعنیل کے دارت کی جدد کی تعلیم کو کہ کہ ہوں کو انتخاب کو بات کے جو کہ دو اس کہ تعلیم کو بات اس منتخل ہوں گا ہوں گا تھا ہوں گا ہوں گا تھا ہوں گا تھا ہوں گا تھا ہوں گا تا ہوں گا تھا ہوں گا ہوں گا تا ہوں گا تا ہوں گا ہوں گا تا ہوں گا ہوں کہ تاریل کی تعلیم کو اس کو تا تا ہے جو کہ تعمیل منا ہوں گا ہوں گا تا ہوں گا تا ہوں گا تا ہوں گا تا ہوں کہ تاریل کے اس کو تا ہوں گا تا ہو گا تا ہوں گا ت

وع والمرافسينيان مع وبالمحتار " كتاب الوقعية مطلب في استحقاق القاضي و فيتعلوس الوظيفة هي يوم الرطالة على ١١٦ وم ١٣٠ رائيندية قاسم)

ووكيدا في الأعيباء والسطاعير الدن الأولى الفراعد الكابة الماعدة السادمة العادة محكمة حكم طبطالة في المدارس عن 17 حمم لدامن كراجي)

و كيف ملي شديد الفندوي: وكناب الاحاراة، حكم تنجواه أيام تعطيل - أمن ٣٤٨م ج٣: فارافعلوم. كراجي، قاديم

وسيجي ما أراحات فيتحفظ وقال السامي لحدد فولدو يسعى الحاف للطالب لتانيي الح) فإلى وسيجي ما أراحات فيتحفظ وقال السامي لحدد فولدو يسعى الحافظ فيهي الومين الي معمرت المصدر المدامل المدود والرائي المحافظ المرافقة والكل والمسلما علم للحوالة المرافقة والله والمسلما المحافظ الموافقة المحافظ المرافقة والمحافظ المرافقة المحافظ المرافقة المحافظ المرافقة والمحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظ المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة المحافظة والمحافظة والمحافظة المحافظة المحا

ا بازد آن بید نظائم او به سداک بعد شده می گی به هدا ۱۳ کا ۱۰ در روز در گذشه به سن شهدای و برد. شدنده هی به ۱۳ تشد درگزاشد ادر آن بیش ما گزیر از پای هی شهد به بی بی می اداری بیروی می داد در بیروی می داد و د مدی آنام فقد داند تروی این

البيئة كافران عن جمع المغم جبال بيك الكافراز عن ما البراهي من أبقي ويوالي

ه ای ه

٠<u>٠</u>٠

المستووف برد كالنسرون داط توبخلة (أمكاه أشراسة المقدمة) بيده إندراه إلى ١٩٠٠ تعيين أثراجي)

وما فعامل الأشمام والنصائي الأمير الأول العاملاء فلسندمة المراء فيغاط يعي الراجيع

(فني) تونا شاندے - مام: بيانوں اور يعنون ميں فازيعن بامني جا زمين ہے يک کھر جا را مقين اوا کر في قرش اورنٹر دری میں اورمنٹری تعریف میں محمالت آئر لی میں العمل کہتے میں دُویز کی آب دنیا کر جس میں مازار اوراکیوں مول الدوال تيما الكيد اليداعاً موجود جوجوا في قرية وملطنة الوحم وتم يني أبريع مقد مات الركفيلي كرينه كل قىرىيە رىكىزا بوجىنى ئاقىل بەرە بەرىيادى كەرىمىيىنى دانى دېرتوسى جەرىيەدە دەرادىدا دۇمېتىنى چەركوچادى كىرتا دوچىنى فن ہے ہیں اتنی بزی آبادی کے وہ من آبادی کے سے باتکی بالغ مرداً رقع ہوں تعمیر تو بدی معجد کے اندراور ماہر خدآ سکیں اوراک واپ المام او موسف میاوپ اٹ ہے ہے وہ آبادئی کوشمیا میں اِس بڑاوآ دگی گئے تیں وہ شم بيده مي طوين ونكرا قوال محلي ثيها اورية تركيفي المارات وعاذمات ثيل ورمب أوماً ل تقريباً ليكسبي بيع عبدأ والكن آ بادی وکر بزے شروں کوئی کرتے واقت اسے بھی ان بس مرفاشار کیا جے ۔ محمد افال کی البحو الو اللہ ⁶⁰ تسحمت قول الكنو- شرط الدانها المصر والعواكل موضع له امير وفاض ينفذ الاحكاد والغيم التحدود ومصلاه- وقال: و في حدائمصو افوال كثيرة اختباروا منها قولين احدهما ما في المختصر فالبهما ماعووه لامي حيفة اندبلدة كبيرة فيها سكك والحواق والها وساتيق و فيهدام الربقاء علي النصاف المنظلوه مزاطاته بحشيته وعلمه ازعلوعيره والناس يرجعون اليدفي الحوادث اللغ و قال في الهدابة (١٠) إلا نصح الجمعة الا في مصر حامع او في مصلي السصر و لا تحوز في القوى: بقوله عليه السلامالا حمعة ولا تشويق و لا فطر ولا اضبخي لاقي مصبر حامم والمصر الجامع كراموضع له امير وقاص ينقذ لاحكام وابقيم المحدود واهدفا عشدانس يتوسفها وحبصه الطبه تعالى واعمه انهم اذ اجتمعوا طبي اكبر

y) والدسم البراشين شاراح كمر الدفائق اكتاب العملوة، بات مسوة (معمقة، من ١٩٤٣، ج*) طبع مكتبه الرشيدية كوفته)

٣) والهنابة: كناب الصلوة، بالم صلوة الحسمة، في ١٩٧١، ج١٠ سبع مكتبه رحميته لاهور) "وينشرط سمستها سبعة أشير. الأوار. المجبر وهو مالا بسع أكر مساحده أهله السكلهين بهدات وظاهر السندهي أماه السكلهين بهدات وظاهر السندهي أماء كل موضع له أمر وقاص بقدر على الاماق الحصودات والدوالسحاري في السحفة على أمل حديقة أما بلده البيره فيها ماكان وأسواق وأهار سائيل وفيها وال يقدر على الصاف السطلوم من السياسة بالمستده وعالمات أوع لم غيره براجع الناس اليه فيما بقع من الحوارث وهذا هوالأصحرات المحالات.

ور دائمختار (کتاب انجابوه - اب الحاد ده می ۱۳۷۹ م ۳ د طبع ایج ایم سعید کراچی) ور کندا عنی البندانج التقدیده - کتاب انصار (۱ مصل فی بیان شرافط الحدیده اص ۱۳۹۹ م ۱ - سکت ر شیدیه قدیم)

مساحده همدانیه بستغیمه و الاران احمد و انگراچی ، هو الطاهر و انبانی احمان انتاجی - و این انتقاعهٔ ^(۱) و عمل اسی نبوست روایهٔ احرای شواه این ابروازین و هر آنان موام و پایدگ امساد الاف هر عکان عد بالام دور یات

ا من الدائم الرائم في المستعمل واليام أي المساورة أن المساور بالاستاد الله الدي الدي الدي المدينة والمدينة وال المستاد والكلمان في المادي قريم في الأن المباورة المدينة المهال في المدينة والمدافرة في أن المركزة المرافزة ال المرافزة المرافزة في المستاد المستاد المدينة المرافزة المرافزة والمركزة الموردا أن يجهد المادي المرافزة المرافزة

فأبق ثواسيدا وتبهم بإدول توجه ماكاتم

۾ آن ۾ "اِن ۾

الواقع مائن في المنتقال في التين من بيافين أنسم ما باق بية ما إلى برميد منها بي مود رسى وه . ب المال المدارك المناوج والأمال المواقع ويافيان المن المالية بيائم المصادر والمنتل على من مديم في ا والمواجع في أفرى الفريد في ويواد والمق بيارة المراجع وفي في أنها كما الماري المواجع في المن في فرا والمراجع و

53 L

ا والشخصية بين المنظمة المعدولية المنظمة المواقعة أنها أنها الكل عن والدار والأن جهال والمشارعة الله التنواء الكراب ومراورة المنظمة والكرد والما ما يعدو والبراي بالمناكسة المنام الماسات الماس المنظمة المراكزة الماك الما وهذا الكوائرة المنظمة المنظمة المناكسة بمن والمعمل المواقعة المناكسة المناكسة المعمل المهاركة المناكسة المعدومة

ه و وضاعه ما چاقها داخان هاملي داخ العدي الكرد با تجانوه الدايات و التوسيون في وادام و هارمينج. الداكون الدرواء الوضو

۲) آلفا مری از در را حرواه در الوسیدای اصری ترمید آن شفهران از داشیده و است ایستری در در المحداد و است ایستری در برای المحداد می در ۱۹ برای خوا می در این در این در این در این در ۱۹ برای در ۱۹ بر

ئىيىلىغاۋىتىكىمىيە دىسىمىتىقىدە بەل يىخى ئەلئىلىقامىدە - جىدادىسەلىيىل⁰⁰. چىدادرىجتاز داكتىھە دوچاكىيى قۇلىمىلى قۇلىمىلى كىسىدداكى ياچاپ

اط کی به

کیافرہا کے میں سامہ میں در ہے منٹ کا فیل کا پیڈش میں کے مقت میں فئی ہوت ہیں۔ کی سلوۃ کو پہلے اوا کرنا ہو ہے اور جسکی اڈا بی بھی ہو چکل ہے جس پڑھنے مقت در بعد جانے گی۔ اس کے پیمنے فمالہ مِناز ویر صافی کی سے اعترافیاتی مواد

कंटिं

بهم ایند از کمی او پیم - اگرها نماز مازه کی تخیل متدوب این عنوب سے مودیث فرعف نگل دارد سین -شابلات ۱۹ سوخون دو عدمتهای البصورة افا معصوب والعدیدی (۱۳۸۰-بیند) آرتماز بناز دون پینچه اداکی به ساق پهترست مصلحت ک زخر ۱ متابه تنجیریما مست) نماز بناز دفرش مین سندم ترکی جاسف آگئی بها زیست ایم - فتاده دندگی عم

الأنهية منقارة وأن يرية الأأبية فيها بحادث سواد" والمرائد هم رفاب حقار" كتاب الصاوة وبات المساوة وبات المحدد مع رفاب حقار" كتاب الصاوة وبات المحدد مقد من 120 من المحدد والمحدد والمح

رو كدا في حسى كبير الصل في صلزة الحجمة؛ من ١٥٤١ - ٥٥، طبع سفيدي كت خانه كوتته إ

- المن عسي من أسي طلاب رهاي الدعاء أن رسول الله صلى الله وطله وسلم هال أنه يه على و ألاث
 الانواحرة الإنسار (دارات و الحدرة الدحورة) والأزيراء او حدمه لها القواد" و حامع الترمذي: أنواف العدرة الراء عن تحويل الحدارة عن الدحورة الحدرة المراء عن الدعاء على إلين إ
- ٣. (وأكثر دنياً عبير السائلة ما واداد راسال عليه الوسع الطابر الداد طائة الجمعة) إذا إذا حيث الفريها مسلم ده (ما أي برياحر الدائي ، " وإشار الساحة ل. أكداب المسلود ، بادر الحالار « مطلب في حمل الميلات « في ١٩ ١٣٠ ما ميال) (وكاد عن المحرال التي: كناب الحمالا « فصل المطلمان أحي مصلات (عن ١٩٣٥ م.)

ئی آ بادی میں جمعہ کا^{نی}م

م کي ه

آنور قرامات نال طارق المهاملة بالدون وران مورت كها كياسية الكاسمية شارا وفي عمد به بعد أي فروترون مهمة البدال الأمالية كالأوران أنو ومن منها مسافت القرار الى وورس أن أو مساور شروا اليدافي البدائي المهار ووان العام المساور الى آمادي كما كم يوان والمعرك فارواع في ما تعرف الأمن المؤول وال

يې ئ راد

جمعہ بنا سے بارہ سے اٹنے اس جن قائم کی جا نات کیے گی انتیاں میں جا انتظام ہے 19 سور ہے اس را شاما آن ہے جا کتا گئے اس مائٹ الشرقان واقع ہے قدارت جا جا ہے ہے گراس کے ساتھ والرائی ارباق انتہارہ فی اس مائا اس بالی قانو وائی ساز کہا تھا جا تھا تھا سے قان اور اور میں اور کی جن میں ہم اس داخل تھا ہا کہ جا ایک جان کا میازی کو تھا ہے ہے گئے اور اس ہے جا دوار میں میں اور کی جن میں ہم اس معلقے تھا جاتھ ہے گئی تھا اور کیا تھا ہے واقع دامت سے اسلام کی مائٹ کی اور اس کا اس میں اور کی جانے اور اس جا معلقے کا اور مائٹ کا جانے کیا ہے واقع دامت سے اسام کی انتہاں کا واقعی خات کے اور ان انتہاں ہے الدائی کی اندازی کے اندازی کی میں اس میں کرنے گئے اور انداز کا انداز کا انداز کا انداز کا انداز کا انداز کا انداز کیا ہے واقعی دامت سے انداز کی انداز کیا ہے۔

اليك اليك كش منكفا صديروا فخياجي ربستيون بين تين موجيل كمر بول أوبرو وكالمكم

$\mathcal{S}_{\mathcal{O}}(\mathcal{O})$

ا مير المدان من الدين القيال شارا بالمساملين كلوار الإرتفاعية المعالم الدين اور والدي التي الوقع الا والداكية الارتفاع أنه التي القيام المالتي تقديم الإلهام أحد إلياء الإقتى اللي تقريم بالدي كفر إيراء الدين الم وقي الإنسانية الميسانية في المدان التي والموان على وقدها الروجي من الإرباع بجي كلا التي - الدين من تمار ومنها الربية بالكول ا

ال الويث علا تصبحتها منعة المرآن وادال المتعدد للدرالمحدد إلى ولا يعدد في العنفيرة التي الدي فيها الدرائية وا الدراء من ما حميسا "درة للمحال كرب المطلود" بالمدودة من (٢٥) م 10 ماليورات المرازع من المعالم المرازع من مسلم الركاد في المحارث كذب عشرة الدرائية المحالية المتعدد في 200 م 15 ركيدة الافتاري

ە قەھ

ن دُنتِول مِس می فرمی مقام به آق بوار جعد با حناجاز دُنین ^(۱) خمر پاهناه داسرے ^(۱) بهتر ہے کہ جعد ک حربا اللہ حکم کریں کریں اور قریرہ وہ واقائمی جو جائے کا کہ انظر بغیر اطبیعات مسئول پراوا کر این کریں فقا واقت تعرفی ہم جو لیس گھروں کی تمیں جھرکا تھی

± _ ₹

یوری بنتی شرا صرف جایس گرین و بال ایک دوگوں سا صب بھی پاسٹانٹ تنے اور بینے کئے تو آئید دوس آئیل بھی پاسٹانٹ کے جد مقیائی جار کھٹ ڈس نیم پارسٹانے کا اسٹانیٹا ہے کا اس بیٹنی طور پر سات یو مہائے قریم کی جو دوئوں بھیٹ ہے دیوز ھا تا تھا گھڑ کیا اواکھ ل کو کہنا تھا کہ بھرت بھی فرنس اسٹیا کی جو اسٹانا اس کا بھر نا بھرا اور ناظم ہوئی دورس تھر بیٹھ مجی و سیدو یا کہ جس مکسا پاکستان میں ایک جاہ ہوئی ہوتا ہے کوئی شرکا کی خرورت ٹیس - قوائرے بریٹان ہوئے اس واشال میں کی کرنے جو شراعت کا عمر موٹر و کئی۔

٢) الانتصاح المحسمة إلا في مجلس حالم أوى تصلى للبحر ولا يجوز في فقرئ لقوله عبد السلام الاحسمة ولا تشريل ولا فقر ولا أصحى الا في مصر جامع والمصر العجامع كور موضع له الهراو ماطر المشغة الأحكام ويقيم تجدود والفقا عند أبي برسف وحمه الله تعالى وعمه الهم ودا احتمادا في اكثر منذ اجتماع الم يسامهام والو هايفة كتاب العبلوده بالمعامرة المجلسة على ١٧٧ه مع المطلع مكتبه و مسالها لاهور)

"ويشمر فالمستعلمية بمية المهاء الأول : المعير وهو بدلا يسبع اكبر مساحده أحمه المكلمين بها وصناهر المستعلم المها المكلمين بها وصناهر المستعلم أنه كل موسع له أمير وقاض بقدر على اقامة المحدود ((الدرائمجمان) ، عن أبي حاسمة أنه بعد المبر دمية مكال وأميراي والهار سائيل ومها رال بها راعلي المساف المعظوم من لا خل طرائم وقع فرها أمي المعامرة التي أبها المواقى (ولا تحرر أي المسيوة التي لبس الهيا قاص والمدال المحدود عن المحدود المحدود المحدود المحدد عن المحدد عن المحدد عن المحدد المحدد المحدد المحدد المحدود المحدود المحدود المحدود المحدد المحدود المحدد المحدد المحدد المحدد المحدد المحدود المحدود المحدود المحدود المحدود المحدود المحدد المحدد المحدد المحدد المحدد المحدد المحدود الم

. (والجدا في البحر الرائل: كتاب المبلوة - باب صلوة الدسمة ، ص ١٥ ٢ ١٨ ١٥) ، وهيديه أكولته)

"الوصلوا في القرى لرمهم أحالة ظهوت" ورحا سجدان على المسعة من ١٩٧٨ - ٣٤ سجدي
 "أما النفرة ، قرى أراي تصديره ، فيها فقر صحيحة على المدهب" والنجر قرائق، الصلوة ، لب صلوة .
 "الجمعة عن ١٩٤٨ - ١٤٤٤ ربارة إدارة.

"الوسطورا في الطرى برمهم أداد الظهرية (حرامع الرمورة اكتاب المبلزة، باب ببلوة المحمدة من ١٩٦٤م - ٢ اليوريم للمدي <u>و</u>باگری

ەتق∗

مولوک صاحب کا میزنداخلا ، عاک یا متان کس برج دی معایز حنام کرنت اورگوئی شریدگی ... یعد ک لیے گارہ انایا قصید بھی آر کے کیوونوں آئی کی قباد کی تقریب پار ہر ایندان و زار دول اور تمام ندور و معالی جول شری ہے آسان کے نفیج جمع ہو کوئیس ہے ۔ مشکل خصاد کیے تیسال کی بندانم ہی نمازیس تشاکر میں المارو اگر دول ا اگر میڈا شوق دولا انائی ارک اطابات اور جائے اور نمازشر النون وقت یا اوالی بار از ساتھ اور نمائی الائم

تين مؤهرول في آبادي مين بهو كالحم

♦ 🗸

ه ٿ م

عبادات نقبا وست به الشي عنا البنك جودات الجياسم بونايا معرفي طرح بود (اللق نقب ياقر باكبيرود) المساهر، والرجول كل كونت وليرد الرباق الماضر مريانية المدكى و بالجرى بوقي دون اورم ف البن جي قريد كيره كذا تاتو بالشيري بها سسرة مسول شريكون الداكتون بنائل ليجه الريض خاز حديث لين سالها على المساهر و المائة م بالمائة من المناظرة ول مناور في المناز الله والربات والقريس وولائلة وي المسهدي على المساهر وقو و

(٣٤) وراجع الحاضض مبايلين بمن (٣٠) بن السوال من بق

اللها كداهي حامع الرمور وكنات العائرة وفصل صبوة الحمدية ومار ١٧٥٠ ع. المعيس

"الموصلوة في الغراد مهيم أماء الفهراء" والاستخبار اكتب طفاؤه بات الحصيفة على 170 ع. 7. البيخ البغ معلد؟ "أما الفرى فإن أو تلاطمينة فيها فين صحيحة على المناف الأوسور: كانب شيشوق. الأما تطلية التحصيف من 2500 ع. والرواد اكوامه عالم المحالي ا

تمیں، پنیٹیں مکانات کی آبادی میں ہمد کاتم

واکر کی ما

کھا جو ہائے جی مدے ہو سے ان مسدیل تعالیٰ بھی ٹیسٹا ما منتھ ایس آباد جی آبادی۔ دوہ کا بات کے انگری میں آبادی کا انگری کھک ہے۔ کی جُدائن اور آبی جو دی کھر ان کھا ہوئی اسرادی ترای ایک اید اس مدی ویٹیت سے کا شت ا اس کے جی میں معالیٰ میں جی دیائی کے فاصلے پر سیالیا تم کی جگہ جدا اس کیلئے جی آباد کا کیا جی آباد کھا گئی ووٹ اور کر بیاجا ہے جدل خسومیوں کی جانے ہے گے آئی برکر کھو منا واکھوں اور این کی باتمی میں لیل کے

و ٿ ة

عن منتق من جهد جامز کنن وهند و صلاحت شد المسائد کی دوسری معود ساخت و انجال ای جا سدا است. «الانترائی اطلمه اینو مقاله ندور انتی اروز این است اطلام متال ک

 ای وسطیعی عبید اور ای کدارت تنظیمه بات بنیر عوانتری تعیمار می ۱۷۰ م ح ۱۵ م طع دار انگلب سالیو مدیروی ای از میدندی این آنی شبیه کناری قطلوه کتاب الحمد و بات بغیر ۱۹۰۹ می بال از منطق و لایشرین از می ۱۶۰ م ح ۱۰ میشده مشتری (وکند سی و ۱۵ م ۱۰ منادید مشتری الحملوق ۱۰ منادید مشتری

- الإوكادة الخبي إعدالا العمل وكتاب الصفودة الواب المحمدة بالب عدم حوام المحمدة في الفرائ العمر الله الع لا الدارة الفرائل، كرا على ف
 - والدر المجتبر مع إذا محتفر (كتاب العموة) باب الجمعة، من ١٣٧٧، ١٢٥٠ مع ٢٠ مع البواسطة)
 (وكذا في شجر الرائق أكتاب العالمة قدامات صوفة الجمعة، من ١٤٥٥ / ١٤٥٤ ومعموم)
 - وواكدا في فتح القدير (ألكاب الصنوعة بأماء صلوعة الجمعة، في ١٩٣ م. ٢٢ رساط مأكوكه إ
 - ٣) (رات بالمحاشرة السابقة ، سير ٣٠ في السوار السابق) .

یوے دوسوافراری آباری بیل جعد کا تھے۔

0 3

لیا خیاں ہے یا مکان دان اور ماہ کرام کا کہ بلک فیراہ جو کوفق بیاہ کا گھروں پر مقتمل ہے۔ جس کی کل آ بادی تقریبالا معامولی کی اپنے کی دوکان وفیرہ می کئیں ہے مجدس فیسا کیا ہے تو کیا اس ندگوہ وہا کیک میں تم کرتا تھری کے مطابق تماز جمدالدرا یہ بی جانز ہیں دہلی ہرئے کرم واالی سے جواب میں بے فرد کی تاکہ زبال کا بھٹرو کتم مونا ہے۔

** 🚊 K

جعد کی زدادرہ بوب نے لیے بختر دخلے معرکی ٹیردا کے ⁽¹⁾ در بارسائر میاہ کی تھم معرکا دیا گئی ہے۔ معرکی تعراف میں انتخاف ہے کئین بغاء حارم نے ہے جو کا بوشیدہ دادر کا باری اس کی تریزہ بعادر باز درادر کیاں ہی چی بول ارش دریات سب تی دوں دہشرے نے نے السحامة عس اسی حصفہ ایور اساء بعاد تا کیسورہ فیجہ سکتک و اسوائل و بھارسائیق و فیجہ والی بعد علی انتصاف العطام میں الطام م محصفہ و علمہ او عمد غیرہ موجع المامی باب فیجہ من المحیاف و حال علی الاصبے – (۱۹) مورعت مکور میں بھی کے کا آمر ب کیاس کی صرف بی خودموکی آبادی کے دوموکی آبادی کے دوموکی آبادی کے دومول کا اس جا

- الانصبح الجمعة الأحل معير حامع أوش معيني اسعم والانجوزائي الفرى" () بهداية؛ كتاب العمود البائية بالمحرود الجمعية الحرائية (إحداث العمود على المحرود الجمعية الحرائية) (إكثار على مراشي الدلاح فراح بورالانعماج الشاب العمودة المحرود الإنعماج الشاب العمودة مراكز المحرودة عراك المحرود العمودة المحرود المحر
- اردامه حدار اکتاب الصاوف بات الحدیدة می ۱۹۷۷ م. ۲۰ بج ایم سعد کمینی کراچی ا (و کیا دمی فتیح کلف بر اکتاب الصاوف باید الصاوف الجسمة می ۲۰ م. ۲۰ میغ مکتبه و شیاده کوفت) از و کاشا فای خلی کیار اکتاب الصاوف فصل فی صلوفا الجسمة می ۱۹۵۰ معیدی کنب خاند کسیر رو کوفته ا
- ٣) أن حريب حسلانهما في الأصبح على من يجد وعليه الجمعة بشرائعها المنفعة ... وفي القسة الملاقة الملاقة الملاقة الملاقة الميان القري القري الكوان الميان ال

تدبهما پر استانیا بینیاد تا تولید کرد از با از از از این این است با کی پر بینده نیزگاند با به کرد به بینیا از کرد با از این کرد از به حقال العالمانه افتیامی نافلا عن الفهستانی نقع فرصا فی انفصیات و الفوی افکایر فرانسی نیها استوای - اللی ای قبال و فیما دکورد شار فرای امالا محوو فی الصفیر فران آن - نام میشنان ام

تعين هروال كالباوي عن جعد فاعظم

3 U 8

أنبي في مات جي ملاء اين وسفتني والقرب النواس مورت سنديش أ

ه ه سنگیرد آن این که خواند و به اس شرکتی تیمی کند فی آنها بی منطق آنای توسعه دو دینجال کی تعداد دو در این که دو کن کن چین شد روستایتی این دو و کون سه پیسر دو کن چیز آنوالذ دیتی شده تر ها کهند و درگاه بازگی چاکه و در دست سے باکد کیس

ا (۱) کے بیٹھ کا میں ماہ ماہ کا سے اور آئیز عزی مغرکتے ہوئے ڈاٹا کا ریکن ہے قوم وقتر کے لیے۔ میر مصرف کار کا اقبار مرکانی موردات اور کیس کار کا دونا

\$ 3 a

- (3) "ومان لاتا حدث عليها والتحمية من أهل تقري والنوادي لهم أن بعيدا قطهر محدقة وم الحميمة والمحمية وم الحميمة والدان والنوادي لهم أن المراد المسلود بالدان مسلام الحميمة من الاستان المسلود بالدان مسلود المحمية من الاستان المسلود المسلو
- € ومصيف في أن أني كرياف أكان من جميد بالمستقر الامامن قال لاحتمام الانتظام التشريق ... من ... والع 5-صبيع مسكنيه المستقدم منطقي والوائد بالعي وعلاء النبس ... أكثرات المستقدة بالمستقدم بنواز المستقدة في القدى والس عم حرف قارة العراق كراجي)

والمسابع السرامية الفاهد المصلعة النهى قال المناهى الأواد قبع فيرهنا في الفصيات والفرائد المكتبرة المرافق المكتبرة الفرائد الكليم والفرائد المكتبرة الفرائد المكتبرة الفرائد المكتبرة الفرائد المكتبرة الفرائد المكتبرة الفرائد المكتبرة الم

ه و پروستنجار د اتخاص با فسترقت داد د مصنفه می داده و ج. الج اند تجد کر چی (۱۹۰۰ ما می ۱۹۶۰) اگر مهر اکتاب مصنوف فسل میلوف نصفه می ۱۹۰۰ (۱۹۳۰ و ۱۹۳۰ می اینج اند صفید کرامی) به کمانی انتخاص مقدال کادان افغانو داد از نصبه انتخامه می ۱۹۳۰ (۱۹۳۶ می ۱۳۰۲ میکام مواد از در کرانه)

⁸ و رضاوي دار الطواد ديا بند كتاب السنود البات الخراجي عشر في سيلوة التحديدة (ص 13 م 14 م ج2). - عدم دار الاخالب كواجي)

الاتراق أن في الحرافر توصلوا في القرق را بينيا أداء القهراء " ورده بدخه الراء به الداء الحسوم الداء التحصيص من ۱۹۸۶ ما ۱۳۰۰ من الماد ما ۱۹۵۸ من الدامج المرود الكتاب العرب العموم المعام مرود الكتاب العموم العمر المنظم من ۱۹۸۶ من ۱۹۸۹ من ۱۹۸۶ من ۱۹۸۶ من ۱۹۸۶ من ۱۹۸۹ من ۱۹۸ من

اجي وفا دخوري العالم کيم ده (۱۹۰۱ - ۱ مدلوه والبند ، فالمو مش عشر في فيشوه المصدق و ۱۹۳۰ و ځار اصح - مکينه ماخلوم در شيده کونتح

هم. والتعديدي الديرانية على هامس المهدية الشاب المستوية المصل البالق والمعدوي في الدفراء في الدورات المدارة ال المورانية المرارة الاوادام والدورات في منافق في الدوران الدوران المهدوة المدارة المسلولة ما المستوية والدورات المستويد المرارة المرارة المدارة المستويد المستويد

باب سجود السهو



مسائل سجده سبو

تعدواولي جوب مُرامام مَرْا وَكَيَالْقِهِ عِلَى جِوبُ مُرامَا وَكَيَالْقِهِ عِلْمَ لِللَّهِ وَالْجِل وَ عَلِيا

عَا إِلَى إِنَّهُ

کیے قربات جیں عواد میں اس منظر ہیں کہ وہم صاحب مشاوی کو از پڑھا۔ ہے ہیں کہ ورکعت پڑھنے کے بعد تعدو ولی بھوں کئے تھے اور پاکل سیدھے کمارے اور کئے تھے۔ قابعد میں مشتریوں نے تقدویا میں کے بعد واقع صاحب نے لغد واول کیا۔ اور تشیعہ کے اعد تیم ہی اور چاتھی رکھت بڑھی اس کے بعد انھول نے تجدویری بھی کیا۔ کیا تمان بوگی ہے پائیٹیں۔ کمک کی بنا ہوں اور فرش پڑ بھے گئے کی قرش پیٹے تھیک اوا ہو کیا وہم ہے سمجھ اوارہ نے کیٹھیں کے ساتھ بیان فران ہیں۔

₩₹**₹**

مشير ديل به قدة ما دور الوكمة الانفساد الاان يعوى بالتحريل المحدد الريافة الريافة المتلافة المواد المتحدد الم

القرائمختار مع ردالمحتار عن ١٨٤ ح١؛ باب منجود طنبهو، سبية كراچي)

٣٠ فيج الفدير: ص ١٤٤٥ ج ١٠ باب منحود السهد اكتاب العطوة وخيفهم.

فيترجع بهذا البحث القول البقاس للمصحح وفي الشامية تحث قوله بوهو المحق محرى كان وجهه مامر عن القتع وماقي المستغي من ال القول بالمساد علط لابه ليس بترك س حواتنا حير كما لوسها عن القنوة ومقرأ و كها شرسها عن القنوت قرائع قاله لوه داو فقت لاتفسد على الاصحح الأعلام في قرائم ألا في الل المحرد الم القوت قرائم في في في المحرد الم المحرد الم المحرد وفي عمدة المواعدة في حل شراح الوفاية وهل تفسد صنو تدان عاد في يومو به يحرد وفي عمدة المواعدة في حل شراح الوفاية وهل تفسد صنو تدان عاد في المحدد المحرد قال المعلم عام المحدد المحد

ح- ح

د مسری دفعہ جو نماز پانجی ہے ہیں دسری نماز قتل ہوگی ^{(م} انتران ما بقسام نے دوسری نمار کی ملامت کی ہے۔ تو اسامہ دولی نماز ایس اگر کوئی ایا محض تر نیک والے جو پہلے شریک صفاح تا اس کی قرش نماز اوافیس وہ آباس پر افارسے کہ دونیقل کود واردون ہے ہے۔ کہوئے مقدام شرش کی مقتل کے پیچر بھی کئیں (۵ کے دانسانعا فی سم ۔

alizatisk i 2 Protest ja 1894 e

تراءة میں نعطی کرنے ہے محد وسہو **کا حکم**

هُوْ ال مُعَد

كيافرمائية قاما مواداين كرقر أمنط في كلعي سنة جدوا الأشبهي فيمث الوالد كتب قو يفره الميسرة

٢) الروالمحتر (صروفة - ٢ - ١٠ محود السهوم سعيد كراجي)

۱۱ مارے میں بھٹیا ہے۔ ا

٣) خبرج الوقاية ص ١٨٥ ج ٢

والساحة دار أو الدحاءة أدر شود حب بعل جاء ، والعراض مقط بالأولى، الأي العراض لا يمكر و الإسائق المدر و تجرأه ويتدب العادلها عرائة السنة ، ما تبية الطحطيري على مراني العلاج مرامل 200 م كالما العجوة، العين في بيار واجبات المبلواء الديني .

ا كندا في الشرائساندر مع وعدسمتارد من ١٩٥٧ مع (ديات منعة الصلوة) مطلب: كور صوة أدرت منع كراهة التحريم لحب إعدائها سيعيد، كدا في التعرائزائق ، من ١٣٣ مع (ديات باب سقة الصلوة) والقيدية الايتسان عند صوة «الهذاك الراسة» نار عن ١٣٧ مع (دياب لوثر والوافق وسيد

هاي ولا مصرحي مستقل و مسترحي فرضا "حوالال الحاد الفسلوني" شرط عنديد الدر بمحتر و در ١٩٧٥ م.
 ح " الشاء الاصادة مصيد أدنا في الهفارة و بن ١٩٥٥ م جا الناب الادامة مراجعاتها الاهوال.
 كدا في حاطية الطحطاوي "حي ١٩٤٥ مات الاسامة تسييل كرايين.

€ુુ

عالميري (الورد المسجود الابتوك واجب از تساخيره از تساخيره او تساخير وكن او المسجود الابتوك واجب از تساخيره او تساخير وكن او المسجود الابتوك واجب از تساخيره او تحوله بشئ واحده و هو تمرك الواجب كذا لي الكالي اورحدالي (المسجودة السهو واجبة هو المسجيح لانها نجب لجبر نقصان تسكن في العبادة فتكون واجبة كالمدمآء في العبادة فتكون واجباً لا يجب الإبتوك واجب او تاخيره او تماسير وكن ساهيا هذا هو الاصل و انها وجبت بالزيادة لانها لا تعرى عن تاخير وكن او ترك واجب المائية الانقلام سجدانان بمشهد و تعسليم و بعوك واجب و ان تكور المخ المسجود المسهود مصل عن المسجود المسهود مصل عن المسجود المسهود مصل عن المسجود المسهود مصل عن المسجود المسهود عن المسجود المسهود المسهود عن عن المسجود المسهود المسهود

بلاتا فير فرض وبلاترك واجب تجدومهوكا تتكم

€∪}

کیافرہائے بیں علاوہ بن در بی سنڈ کا کر بغیرہ خیرفرض اور ٹرک واجب سے نماز شن مجد و سوکیا جائے تو کیا نماز ہوگی یا نہیں۔ اگر اس نماز کو دوبارہ لونایا جائے قر آیا سیلی نماز افغنل ہے یا بعد کیا (لونائی بوڈی مؤافر جروا

١) العائمكيرية: ص ١٣١ ج: الباب الذني عشر في سعود السهو، رشيارية

٢) الهنابة: ص ١٦٥، باب محود السهو، رحمان لإهور

٣) بحرالرائق: ص ١٦٦٠ ج ٢: باب سجود السهوء ر شبابيه

ه) قنع القابير، ص ١٤٣٤، ج١٠ باب مجود السهو، واثباديه

٧) البحرالزائق: من ١٩٧١ - ح٧. ياب منجود السهو (رئيدية

٧) - ظهر القائق: ص ٢٩ ٩ ٣ ٩ ٢ ١٠ ج ١ : بات سجود السهو : دار الكتب العلمية ، يبروت

€&}

في الدو المختارة جبات العبارة () أو لفيط السيلام) مرتين الالتاني و جب على الاصح و فيه فيل الدو المنظرة () و لو طن الاحام النبهة المسجملة فنامعه (أي المسبوق) قبال الالامهة فألاثبه الفساد لاقتد له في موضع الانفراد و في رمائيستار () وفي المنظرة و قبل لا تفسيد و به ينفعي و في المستدلان الجهل في الغراء ينفعي و في المستدلان الجهل في الغراء ينفعي و في المستدلان الجهل في الغراء ينفعي و المسادلات المستدلات المستدلات المتابعة في المستدلات ال

ووران نمازسوج میں پڑ کرکسی رکن میں تا خیرے سب بجد و بہوکا تھم

\$U\$

کیافر الت جی طاور می در ی متلا کہ ایک اضان خواہ خزو ہو یا امام کے ساتھ نماز میں کوئی موج کرنا ہے ہو تماز کے اعمال سے خادی ہے یا مخروس کی کرنا ہے کہ آپیش نے دورکست نوز پاگی ہے یہ جمی رکست یا سوچ کی اور دکن کی اوا باعوم و بٹرائر کا ہے۔ آپیائے سوچ کے لیے کوئی مقدار میں جی چیچ جی کہ ہمنے مناہے اس کے سیسون کرتی جا ترب یا طویل موج مناہ میں موج کی اسٹر ہمالی ہے جو چیچ جی کہ ہمنے مناہے کہ ایک منت فرج ہوتا ہے تو بیا کے منت کی موج کی اور تین اور ایک زیادہ موج منتا مندوس تا سے دستر

∳نَ≄

اصل منتفر تقر میں ہی ہے کہ اُرٹھ کی سوچ اوائے دکن سے مثل ایک آیت یا تین آیت کی قرائے یا رکوئے والے میں منتقد می رکوئے واتیدو سے روک دے ہا اوائے الجب سے مثل قعد وسن واک وسے ادوائی۔ رکن جن تین تین ہارہوان اللہ اسکیسے کی مقدان سے مواقع کی تین ہارہ ہے کہ مارہ ہے کہر بچنے کی مقدارتک تا تحرب و جائے تو اس سے بدوائر میں اواجے تی اور اسپنے متا م سے بہل کیا۔ مثل کھر

١) الدر استختار: من ١٦٦- ج ٢٠ كتاب الصابرة، مطلب واجنات الصلوء - سعيد،

٢) الدرامعخفار: ص ٩٩هه ج٠: باب الإمامة؛ قبيل باب الاستخلاف، سعيد

٣) الردالمختار. ص ٨٨هه ج١. قبيل ناب الاستخلاف معيد -

كُمَّا فِي الْمُعَالِّدُةِ: مِن ££20 كَمَّا ؛ فُلَمِيلِ الْسَائِعِ صَفَرَ فِي سَجُودَ السهوِءِ الزارة فِلْمُ آن كذا في الحالي الكبيرة فصل في سجود السهوة من 1910 سنيدي

چاہ کرمو چنے انگا کے کان کی حورت چاہوں اوران مون ہے دیگی کی امریک کی اجھی و پیش کیا۔ رکن اوا کرمشا تھا ہ لیمنی قبل ہزارہ ان انڈ کسر مک تفاقہ مجہ و مہم ، اور موگا - اس طریق آلے پارے کے باطبط و رمیان میں رک آلیا - یا و برانگ کی از محمد و مورواز میں اور کا - فرمشید رہے کی چوا کے کار نے یا موچے بیش آبان کی مقدارہ رکک جاسے آ مہر ومہود رہے ، وکا¹⁰ فقعہ مقدالول اعلم

دوران فی زشکوک و مواس آئے کا حکم

4 J

کیا فرائے میں مرہے وی اس مسلمان کہ ایک آول ہائے وقت قدر اس وجود سے فار کے نامیوں بھیٹر وسور ہوتا ہے اور کھی کھی فماز کی جمعتا کی ٹیمی اور وسور ہوتا ہے، فماز سے قار کے سوئے کے بھود وسور قبلی موتا - وسور فراز میں ہوتا ہے۔ اس وسور میں ہند ، ویے تھی مسلے سوگنے - آیا اس آوی کی فماز موٹی یا ت کا انرائٹ تر فراد ہیں۔

横道中

تعدا درامات یک آد شک به قاکه که این خالب بر به آلیت به آم خالب که این جانب نا بوده قبل بر به ا آمرید اور وضور توسطهٔ کاشک از می نام به به توسعه نگلته ۵ ودو ساد ترثی دواید و قیم و قیم و قراری آن شک و در ودوسکاهتر درآلیت و این محلی به معرص له محصر ایسی عسی انکو و به وان لویدکن له والی به ی عنی

 در ما در ما در ما در در الرك واحد و تقديم أو ناجير أوربادة أو نقص در وأن الانوجرانسورة هيها استنفار را أدار كان در ويستجد الشبها و بنياً عيم الداخب الن محلم محلم محاشية المحطرا وي احرار الدار و بالدار و با

كذا في النهر المفاقي: في ١٣٦٠ ع.١) باب محود السهود من الكب العلمية مروشير تفعكر فيه أوفي عراد وطال تدري المهاق من ١٣٦٥ عالم ١٣٦٥ عالم ١٣٦٥ عالم ١٣٦٥ عالم ١٣٥٥ عالم المهاق الم

اليقين⁽⁽⁾ وهدامه) ولو عليه نه لدى ركنا و شبكت انه كبر فلافعهاج اولا او من احدث او ۱ اواصابه نجاسة نو مل مسلح برأسه اولا ان كان اول مرة نستقي و الإمنيي ^(١)

تجدؤتهمو كے ليے سلام ايك جانب مجعير اجائے يادوؤن جانب

€ U ﴾

کیا تر بائے ہیں مغاہ وین و مغتیان شرح مثین کنٹر کم اللہ تعال اندر می صورے ویل کہ مجدہ صورے لیے۔ معلام واحد یا دونوں طرف ہونا جا ہے حقی ارقام ہو۔ مینے ان جراہ

4€)

(اقرال دوالله توان الرياد على طار من الرياد الله والمحلول وهو الاصح بحرين وبيجب بعد سلام واحد عن يحيد فقعاء إذه المعهود ويه يحصل طبحليل وهو الاصح بحرين المجنى وعليه الموشى بتسليمنيس سقط هه السحود والوسجد قبل طبلام جازو كود تنزيها الخخ الاحالام الموشى بتسليمنيس سقط هه السحود والوسجد قبل طبلام جازو كود تنزيها الخخ الاسلام والمنتان في هذا البحث وقبل المحلول المحلول الاسلام و عجر الاسلام والمحد تفقاه وحدد تفقاه وجهد من غير الحراف وقبل بالى تستنيميني وهو اختيار شهب الانهد وحيد الاسلام احي فحر الاسلام احي فحر الاسلام وعدد ألا الله المحدد في الهداية والمقيد بدو المعلول في البنايم كذا في المحديد قبل المحدد في المدانة والمعلول المحدد تعارض النقل عن المحديد والمحدد المحدد المحدد وعراف الاولى كما المحدد و في الحديدة العراف الاولى كما علمته وفي الحديدة وحدد الاسلام وصحب الايصاح المحدم ناهيجاء المحدد والعراف ولي الكولي على المالمواب قبي الكولي على المالمواب قبل المحدم الايصاح المحدد والاسلام واستده والمحدد والاسلام والمحدد والمحدد والمحدد والمحدد والمحدد والمحدد والاسلام والمحدد والاسلام والمحدد والمحدد والمحدد والاسلام والمحدد والاسلام والمحدد والاسلام والمحدد والاسلام والمحدد والمحدد والمحدد والمحدد والاسلام والمحدد والامحدد و

الهدادة عن ١٦٨ مج ١: باب محود السهوة رسمانه لاموريد.

٢) فتح أتقدير . هن ١٩٩٤ ح ١. بات منجود السهوم رائيديه .

اكتفاعي الفوالمحتار احي ١٩٥ ح ٢٠ باب منجود السهوه سعيد

ب) اداشعه السكر عن آداروا من ندر ركن ... وهر مقدر طلات تسبيحات، حاليه انظامطاوی؛ ص ۱۷۵ ، باب منجود النبوره قديمي.

٣) الدرافمختار : ص ١٧٨ ح ٢: باب سجو د السهو ٢ سعيد

سلامه مرخ واحسة تسقه وجهه وغيره من اهل حقة القول على اله وسلم وقراحلة عن يهيم حاصة والحسة والمحلة عن يهيم حاصة والمحلوب ال الفاحر الاسلام مهم فالمه بقول الها تلقاه وجهه و هوالمصرح به في شروح الهائية ايضاً كالمعرج والعاية والمتح وقله بقرل الها تلقاه وجهه و هوالمصرح به في شروح الهائية ايضاً كالمعرج والعاية والمتح وحهه قريما القول الكونة واحد ويتى وحهه قريما القول المسحيني عاية المحر والذي يسفى الاعتماد عليه تصحيح المسحيني المعابقة المحرو الذي يسفى الاعتماد عليه تصحيح المستحيني الله يسلم على المحرب القول الكاني فائلون المهيسة للقاء وحهد عم الافتماد عليه تصحيح شالت المعابقة المحروم المحروم المحرب القول الكاني فائلون المهيسة للقاء وحهد عم الافتماد عليه ألمور في المحروم المح

نیز حاصات کالی نے کی افرال بیان کیا ان کی ایک طاعت کے بعد مجد کا ایوکر و قربایا پھر مرمیان میں والمنیہ اظہر داخل کے دو مادس کو قائر فر و پیروائی جمل کی جا کی مادم کو بالدائل میں گئے آبا ہے۔ اور این مقید دار آئو کی حرب طبیعت آن نسو کے اکست بھا اطائیہ سے انکامیا اور بھی شابلاگا کے کہ جہاں پر گئی افرائل کی منظری نے در دور معج اول ہے۔ بالغیری درمیانہ چنائی کی کار مادر شامی کے انزاما در شامی ہے۔ (افا ذکھر مسی مست بلیا تھا افرائل فادا و جاتا اداری اور النائل ، الادوسط کی کار مادر شامی کے دو

اخ الرفائسجنار: وهي 200 ع 2. باب معود المهود ميسان الكناد في قشع الفتاي التي 1873 ع 15. - باب مجود المهود رائيديد - كنادفي المقد الإسلامي وأنامه من 1874 ع-17 الفضل الناميع. - الراج حاصة من المحودة المحاد الأرق وقائلة، تجل محود المهود لعن.

٢) الر (السعفار (من ٧٨، ح)) بات سعود السهو، سعيد ا

۳) خود التحتميان: من ۱۶۳۵ ج. ۱۰ بات خووت الصوائة مطلب (۱۶ فاكر في مستبة ۱۷) الوال ۱۷ و حج الأول أواك لك لا لوسطة مجيد كار اجي)

أكلافي شرح خفود ومنه المفتيء ص ١٦٠ وسابق الالفال في الحامية الأجاهيي

ا ملاموں تو پیپزرٹن تجربے ہاں۔ پہلیٹ ہاتھ ہے۔ پہانچ دوالی دیش ہے۔ (شفل^(د) وفکک ہسی البعد ہ مصنعة قبالوہ ونفقہ فی مات صلوہ العبد مصبعة فیل و کلام المصبختیں مشعو مامصعف ۔ محر مطور بالانخدمت طام کرام بھواء ہے تھی سینکہ کرچہ ہوری بھیرٹنگ بڑ سیدا تھ اسما مکر عسب ایکن بھواہب تحربے بل ایک منام کے بعد مجدوم وکرنے اوم رہائے ورتوی وراتوی ہاتا ہے آگر یہ ہذہ المعرفی وہے ہوتے اطہار نوبانوس ورتیزہ بے کل عمد جامع ہی عرب عمل بھائے رمانی کے بیکن آگٹ موام ہے۔ فتط واقد تھی الع

فرضول کی تیمسر می پڑتھی رکعت یا تشہد کی جگد تلہ دیت کرنے سے تجدہ سبو کا عظم افغ کی جا

کے فریائے بیں طامان کے ان ممال شرک

(1) ويُدرُقُفن كَ مُعادِطهِ في تَهِرِ لَ إِن تِقِيرٍ مَن اللِّي مُعَمِّدِينَ عَالَ أَن كَا يَافَعَم ب

(۴) - ایک جنگل نے دہنچاہ کی حالت میں آراکت بن صافر دی گرد وابیت - آن کے سورہ قاتی بڑھا جا ہے۔ آنے موکی حالت میں انتھامت باسمار فروم کروم اب جدو میولازم سے پائیل -

م کے م

(١) كيروك و المسيقين : و استها أنرية به الارشامكي ، وقبال فسي العاقسگير به (٢) والو فر أنفي . واحير بن الفادحة و المسورة لا يلز مه السهو و هو الاصح-

(۱) النبيت أن حالت عمل قرأت بن هذا أن تمن صورتي عيل- (۱) با صرف قرأت باهي التواقع المالية و التواقع ا

١٤). الردانمجنار: ص ٢١٤، ح: ٢٠ مطلب من بسقط فر فر الكفاله بقعل الصبر ٢ مجيد

ع. المسامسة كير بدر من ١٩٥١ م ١٠ الدان الدان بنشر في سامود السهود و شيديده أكدا في اسجر الدائل.
 من ١٩٧٥ م ١٠ دانات مسامر د السهير مراشسة ماه أكذا في شير المحقائل. من ١٩٧٥ م ١٠ دار الكتب الطعيمة عروب.

العائمكيرية: ص ۱۷۷ م.خ. الباب منحود مسهوم وطنديت الكفا في شرح التفاية الص ۱۹۵۵ ج.١٦ التفاية على ۱۹۵۵ ج.١٦ التفايل على موحدات منحودات بود منطل كراچي، كفا في النهر الفاكل، ص
 ۱۹۳۵ ح.١ الباب منحود الرابعية ١٥ الكف العديرة البروسة.

نماز سیدکی تمبیر جیوٹ جائے پر تبدہ سواہ تکم

ڊ _{آپ}ي

کیا قداستے میں حدوق و منتیاں قربان تھیں اس مند ہیں کہ آنیا۔ ام صاحب کے آماد جھے باطانی وجہ و وسرق رکھتا کے لیے کمز ایوا قد مورتا ہے تو وامری مورة بنایا رائع گیر این کے کوئ میں جا آیا امر بعد کیجے ہائے ہے۔ صاحب سنا تھیں یاقو امام کے ایوا و دکھو میں کینے تاکور نے قرر دیا ہیں کیے امردوں و کیجے اوالی بعد کیدہ بھوا سے صاحب ہے مرکز زشاع ہی و موجود و موکی اوا اسار امار کا ارتزاع کی دکھیں ا

هِ کَ مَهُ

آثي وسيك أماز المؤكن البياكران في بيعق المعتادين بيكسد الوالما ركع الاستم فسال ال يمكر هاي ا الاساء بلكيم في الموكوع ولا بعود التي القياء للكير في طاهر الموادلة فوعاد يبعي الفساد -التاك ⁽¹⁹ يميا الرياض سيوف علمت أن الموادروانة الموادر عني الديقال عمد ما فالدامل الهمام على توجيع المصول بعمم فيصناد فيست لوعاد التي المعرد الأول بعد ما استنه فاتها مال له

- ٢) العالمكيرية: ص ١٩٦١ ح ١٠ الناب الثاني مشر في منجود لينهو، وشهدية
- كما في النهر العائل عن ١٣١٤ مع ١٠ باب سنجود لسهود سوالكاب العلمود بروت
- اكتما في شرح المعالية. ص هما ٣٠ ح. مصل في محرودات هو، فعيل في موحدات المنهوم منصد
 - ٧) المرائمجتين ص ١٩٧٤ م ١٢ مات الممير محمد
 - و «المحتارة من ١٧٤ م ح؟» بات العيدين، مطلب أمر التعييمة الاينش بعد مرته ، سبيد الطفاهي النبير المالان: من ١٩٦٥-١٣٤٥ بات سجود السهر ، دار الكند ، انطبته ، بروت

رقص الشرامي لاحل الواحب والهواران بهايجن فهو بالصبحة لا يخل - فقط والبه بعاني محلم ركعات فيانعد ويين يروفاتكم

é.Jib

المقران الموكن والوق مهام الراح ب الروسك في أنها كالكان المكان ووقي هواب كمثر من كروسك الداجه بارات البنيامة تدبول نے اس اللطي المطاح بھی گرور قباق ماميون کی باورت باش الاسے والے شک الإهام فاحداه عدلان بأحداثه لهالاس مقالها فاسراؤكي الرماييطلوة مسيارا إمراء

رو مرات مونی صاحب کتے میں کیڈرز مام کی اندہ اوران کے متابقات وکی کینڈ اور مواس کارنشہ عوالقيان في سيطم لا يتيان بين كوم ما يه تعده موسيط أرزممك بوكل منان وومقعظ ول في فر مراهم والرباليا ترین رایع که رانعت تا در که بعید و را قهام را نفت تنه ۱۰ این که بعد دفعران که قیمه د مافقو - رمزات نفتن ک عابق يرتيم بي أحديد بيمجي كرية بينين تقيمه بيتني أحدين وأرابا والإدام أباد الباسبة المؤاتان كي اراتقة ول ك ا کن ہے۔ تین آرگز ہے معلوم اور ہے اور این آب اوالات ملا مارک دائو ریماونوں کی محتیق ہو المضمت ے۔ مذاہ بومند سنج بواس کی تھی تھا یا ماہ ایک مترفی ویں ایس اوار ایک جویں۔

والها مساكات أو وفي تحوص الخفودها لثدان ككي التي إن أعمل أوطها الصبقي سقوع فسلسب صلي . كيمين به سيجد ليجدة تاب شك مه صلين كلمة اور كعدين قفاع في الفاسة نظن العالمان وكلمة اللهاف ماني الدائدة بطراف التعنية في علمه واحلان عصلي والعقائم فعدافي الوالعة والسحد للمسهو اهر الفسند صبوته الرلاء

اتجار براهي طفدن ي الشاب بيجود البلها و من شك في صلونه فلم بدو الداد صلى الدي معادير ديكي اول مناعب هو الداستانين الصعوف الن كان ا**نشك بعد هر له كني**ر العراطفي عماليت طبيبية أن كبان البية طبار فارالبا بأكل لبية طن بنيل عبلي البغيس أنتهي وقايي

رع العلمكيرين فر ١٩٣٥ - ١ الرب الثاني الشرافي محوماليهوا وشعاء ع والهوار عن النزل والقاربيات منجود السهود مكتبه الدلامية ويطمون

الدرالمحتار الله 160 داشك في صافوته من له يكن دلك الى الشكت عادة له كه صلى استلف وال كنرشك عمل بعالم طلة أن كان له قل بلحواج والا احد بالاقل فيضه وقعد في كن موضح تموضيعه موضيع قيموده وموو احينا لهلا يصبر لاراك فرض الفعود أو واحمه أقلع أوالله أعلم بالصواف —

ا بخشار هم العاق تشميره المنش ما يق إصل موان كرم بواب ي ما تا بيا كالعوال تداجيكا كالعد النب " بيا الك موال كروابيات و جعل صلى بفوط الله - كالفاط عمليا و جدلان موهو الشاور يواب في القدوري مات مسعود المسلمو عن شكف في معلومة فلم سور اللائنا معلى او اربعا الله أس المنافز وم إداب -

وث∔

٢) القراطيختار التي ١٩٠٤ ع ٢ ديات سيمود سيهود معيقا

¹⁷ العالمكيرية: ص ٢٠١٤: ح.٦ الدم النامي فشر في السحود تسهو در نبيان.

ت جروه وكيان - والفدتعال اللم

المجدة سيوكرنا بيول الياسلام بييس نے بركس في القمدد عدويا

ئۇس بۇ

كبيافريات جي علاءوين درتيه ماكريكه:

(1) منفروہے تماز میں سیو ہوا اس نے سلام دونو ہی طرف مجیر دیا تر اس کی نماز فاسر ہو گی ہے ڈ تیوں کیش ملی دفساد سے تائل بیں اور بعض فسادے قائل نہیں -

(۱) - ایک آرق سے نیاز شرا مودولاں نے دونوں طرف سام کیسرویا کھر باہر سے ایک آرای نے انقراد ہے دیا کو آپ کے ذر کہ کو کر زاکا حصر باتی ہے اب ان آرای کی نماز درست ہے یافا سوم بڑا او جروا

∳ٽ﴾

الم الذا رضي الرجم (1) والنتج رب كه من من ورهشبور تول يور بعض كينة في كرسام و وقو م طرف في برا الم الذا رضي الرجم و موادا كيا بال على الوركي تول شمس الانتهاد وهذه الاسلام كا عملار ب مهاب تلمير ب منتية الم الدر بدائع من الم يحتج قرار ويا كيا ب اور وورا تول جوث الاسلام اور فتر الاسلام كا محلار و و ب ب ك حرف اكي قرف ملام بجير كرجه و الوادا كيا جائة اورائ قول يرجمبور جي - الى تول كى منا بر يعض ملوه ف يولي و إب كراكر ووثون جائب ماه بجير كاتو مجدو مجواس ب ماة قول كا واوومرى طرف مناه مجير في بين المرفوا و المنا عن جوجات تا برين من كراب يجده مجوادا تين بوكل - قرض اول توكيا الا مجدود و كما يت بركر فراز و من كن ب - بكران و المجان براموا - كسنا فعال في الدو المسملان ("المحدود و ما بعد مسلام واسد عن يعب وقط الالاسم

ولايسجين المستجود (لايشراق والجن أو تأخيره أو تأخير واكن أو تقديمه أو تكراره أو تغير والجب بأن يسجها فيسما يستمالت وفي الحقيقة وجوبه بشيء واحد وهو ترك الواجسة، العالمكيرية: هن ١٩٦٦ -الباب الفائي عشر في مسبود السهوم وشهدية.

كله في نتاوي قاضي حاريًا من ١٩٦٠م ج الفصل فيما يرجب السهوامد لانوحب السهرة وشيامه كذا في النهرالفائق: من ٢٦١، ج١: باب سجوة السهر، فارالكتب الطمية، عروت

٢) السرائسطارمغ الروالسجار؛ من ٧٧٥ ج.٦. باب سعودالسهوه سعيد.

كفا من فتح القدير: من ١٩٣٥م ح1: مات محود السهوء رشيدية كذا في الصفة الإسلامي وأداءه من ١٩٦٧م ح1: العصل الناسع، أبواع خاصة من السحود، ثالثا محل سجودالسهوء دارالفكر...

سحر عن المحتمى و عبدة لوانى بصيلعين سفط عنه السحرد - و قال الشامى تحده بعد ما حقق و اطال و في المعراج قال شيخ الإسلام لو منم مسليمتين لايأسي يسجود السهو بعد دانك لانه كالكلام --- فين و عليه فيحب تركي التسليمة الثانية -

عنامہ ٹال کی تقریر ہے اس تول کی تا نہر ہوئی ہے کہ ایٹون کا قب سام بھیرے سے نماز پورل ہو جاتی ہے۔ اور سی و سوما تو بور نامے۔

(۴) ۔ آفران کے یادونا نے سے اس کو یاوا کمپایا اس کا یادونا ۔ نے سال نے کمل کرد یا خوداس کو یادگر نے سے یاد بندا کمپانٹ کو اس کی تما ز قاسد موگئی اور پر ہائیل کہ مکا - الکنارہ بار د نماز کا اعراد کر سے کا -اور اگر اس کے یادول نے دفت اورونا کم کیا اور کا کہ کر اس کی تک کی دیست نہ بندا تھو کہ کہ اس کے تک دوائر یاد نہ دلاتا ہے جمک اس کو اس دفت یادرونا کو یا کہ اس کا تک کر اس کی تک کیر ہے تھی اس کی تک کیروں کے تک کر کا خشاہ کیس جگل اس کا انڈ کر اس کی تک کیر کے دفت ہو - تو اس کی فرز فرسے تیس اس کی تک کیروں کے کے تاہد وسے کر نے -

كمان قال في البحر (1) و من القنية ارتج على الإمام فقتح عليه من ليس في صلاته و تبدك و فاذا اعد في التلاوة قبل تبام الفتح في تفسيد والاهتفسيد لان تذكره تضاف الى الفتح و قبال المتباسي في حاشية مسجة الخالف- الول بحتمل أن يكون المواداته تذكره سبب العشج و أن يبكون تدكر بنفسه و لكنه صادف تذكره و فتح من ليس في صلوته في وقشوؤ احد والمعاهر الاول لابه لم كان تذكره من نفسه لا يظهر قرق بين احده في المتلاوة قس معام الفتح ويعده و لا يعلم وجه الفساد الع⁽¹⁾- فتقاه شام ألى علم

مقتدى كيسبوكاعكم

€ U €

در کست مداوله منول و شرح همان مضمول مست مقددی را که سینو عمادامیت میجدد. سهر او به مقالا منت - سهراور العام برگیرد و طاعتی او خد بیزیرد -

٩٥ المحراقر اللي: من ١٠١ م ١٠٠ مات يقيمه الصلوة وما يكره فيها در شديه

ق. مسجد التحالي على المجرافراتي : ص ١٩٠١ ع ق. بعد مايسيد الصنوف ومايكر و بهاء وشيديه
 كدر في المرابعجتار مع الروافيجتار : ص ٩٢٥ ع ق. باب مايسند العبلوة ومايكره فيها، منعباد التحادي العالميكريد؛ ص ٩٩٠ ع ٢٠ الباب السابع فيما بقسدالصلوة ومايكره فيها، وشهده

دس دستند مستند مسوا برخروا فراله لا معيده اصلام نسيم قال في النهر شم مقتصي كالامهم به بعيدها لدول الكراهة مع معذر الحالي الداو في مرافي النهر شم بمسحد حدالاً قال صلى الله عليه وساله الاحاد لكم صامن برقع منكم مهو كم رقو تتكم و في الطحمارات (الله في منكم منهو كم رقع منكم منهو كم رقع تتكم فرار رقع المسهو برقع القرأة المهيد الله كما الاحماد على المواد على المهود الله على المهود و قد علما والله عليه الكراهة معدر المحادر و قد علما مقاد المحادر العادر و قد علما مقاد المحدر العادر بعظ الاعماراء أستر والدال التراد المحادرات الكراهة معدر المحادر و قد علما مقاد المحديد الاعادرات المحادرات الكراهة معدر المحادرات المحادرات المحديد المحادرات المحديد المحديد المحديد المحديدات المحديد المحديد

﴿ نِ ﴿

المستقل المستوان المستوان و المستوان و تعالى المستوان و المستوان و المستوان و المادون المتوان و المتحال المستوان و المتحال المستوان و المتحال المستوان و المتحال المتحال و المتحال المتحال و المتحال المتحال و المتحال المتحال و المتحال المتحال المتحال و المتحال المتحال المتحال المتحال و المتحال المتحال المتحال المتحال و المتحال المتحال المتحال و المتحال

ويرافض للمحدد مع الروائعجيل والسراعات جاف بالقيا للمعود الشهواء للقابل

ع) ما غام العرف أما الهامة والماس سجود لأستيو و فاليبس

العن حنظية الفرحلة في في فالله والمناب بنجوة السهوة فديني

عن ورصفت بالنهيو إدارته إلى متحد بالدول في حوال المتدونة (الإسهوان المالاً والدوالمتحديد) الدول الأولى الدول الد

والمراج طواه التصحيفانيوري والحار المالان والمرجود المسهوم فالرسي

الدهن النما الفائلية من ٣٠٣، ١٠٠ بان باب محرفة مهردته الكفيد العصيد، بيروات

باب في احكام اللباس



می سے <u>نگے کیزوں پی</u> پڑھائی کی نماز کا تھم چنس

وَ عَ مَ

اگر ، قتی رہم کے پیٹا سے پرتجا سے کُل تھی اور کی حالت کی اس نے نماز یا حاتی ہے تو وہ کماڑ قابل العاود ہے قال کی وغیرہ کا کیڑے پرمگ جاماک کی جرم کی بات کئیں ۔ ہندا اس پر یا ووا کے کُن کا کُر خرورت کی سخس سلس معلی ایند طب اعمار کا کما اس خرج کا کا اند بڑی آیا ہے جو آئے ہے وفود نے مندات معابد کو تنظام کرے کہ تھم فرو یا وہ رخوا کھر جا کر شمل فرد آئے امالی آئے۔ ابندا کر ایام سامنے کا جال مشکوک ہے اور جموت اوال ہے تو تھی

و جمعي الشيار ع حي تشريع هي ر کوه تحريت جيجت د مده و ۱۰ دوله تنزيها فردن و فرقه مطل
 ينعرض الدر قمحتار: حن ۲۵۷ (۲۵۷ د شما الامخاص صفح)

كدائي المالمكبرية؛ من 80 مع المصل الثاني في الإعمان المحسلة وطيلية

الدا السقياح من النول شيء بري الراء لابد من شبك ولوالديساني ومسي أكد لك، وكان إذا جمع أكان اكثر من قدر الدرهم ألهاد الصلوة، الشارحات أهي ١٩٩٥ الفصل السابع في المحاسات، طبع الالرارة كراجي). الغرارة كراجي)

بع على ألي عبر سردة وصلى الشه علم أن الليم صفر الله عليه ومالم سرح إلى الصاواة اللعا كبر المصرف وأوسى وليهيم إلى كما أكان أم حرج فاغتسل لم حاروراً به يقطر فصلي بهم لقما صفى قال إلى كفت جيال صديبيت أن أعتمل مشكرة المصابح على ١٩٥ ح ١١ ما ما الإيجوز من العمل في الصاواة وما ياح منه المعلل في الصاواة

اس پر از تام ہے آرگزشتہ فعال پر سیاصوتی ال سے قریبہ نب ہوجا سے اور قرندہ کے لیے بیکا ویدوٹر سے کہ چور سمجھی ان النا ہواں کی طرف تین جائے کا اگر اواس میا حسیاسوتی وزر سے قریرنا نب ہو جائے قرار می کی سامت درسے نے دولائوریکٹر میں مولائن سے اور اندازی کی اس

ن دگواج زیشندسال دهرسیانگی موسقه مینا مدمر ۱۳ مهدای داخری و هسوسی

نماز پڑھنے یاپڑھائے وقت کو لے کپڑے کے استعال کی شرقی حیثیت معنوبسلی استعال فرمایا دنیس کا

کیافر کے میں ملاوہ بیر ورین سائل ک

(١) وَلَيْ يَعِيْ مِهِ وَجِهِ مِنْ مُحَدِيلًا ﴾ وَمُرَمَّا رَبِّ حَدْمًا مَا يَجَ فَرِيتَ إِنَّا جِ ثَرْب

(۱۶) ان ایت ست میده رنگ کا نیز اینتها که بیرنگ هندوسلی امد دنید انتم کومرفوب شد. کول ایسه آمده گیز اوکها میزود شند و آیزان شد کونی از دوخیر و تومین به انتیاطور برای منطقه مانی بیان قراری

هر افاق الله تعالى العدالله على الكافيس لـ سورة ال عمران البال ممار البال

والتكنيف حيرام إلا من التحرب للبعد مقد معنع الانهو مع سكت الانهوب من ١٣٣١ م. ١٠ كياف التكر العياء عمير في التمرقات، عقدويه كولغا، والعموا على أن الاولة من جدع المعامدي والهاة ويها واستة على القور الايمود للأخراف سوار كانت المعنية صغيرة أو كثيرة، شراع التووى على المسجع الما معلماء من ١٣٩٤ م. كتاب متوية والاستقال، للمنابي . المصابح الس ١٣٠٤ م. كانت المولة والاستقال، للمنابي .

٣٤ و سكر : إسامه السف المصابق المنافر المستخدار العرب ١٩٥٥ ج ١٠ مال الإسامة معيد، أثما في المستخرافر التي من ١٠١٠ ج ١٠ مال الإسامة و شهدت اكتفافي الحلي الكبير العرب ١٠ هـ كتاب الصلوة الإران الإمالة معيدي.

ه ځ په

اليهم النه الرهمني. رهيم به (1) ميدوجه دريانه مدكر نهاز بيز شناح ملازو دنول ميانز جي ⁽¹⁾

(۳) انتھا ہے کہ آب کہ آب ہے کہ معام ہوتا ہے کہ مشہوسی اللہ میں ایس سے تکفیل دیکھا سے کیا ہے۔ اسٹوائی فرزے جہاں ایسا جاریہ بھے جار مرتز کی دھر مند ہے '' گڑکن 2 ساکی الکس باسیدہ جار کی آبیا کی دس اللہ صلی اللہ عالیہ معم کے تھے کہ گزارگیا ہے۔ اپندا جاریہ کا دھندہ میں د

 () بعن ابی فروضی الله عنه قال البت المسی صلی الله علیه وسله وعیه نوب استف البح -(قریم) اوز ریشی الله او فروش می کویس شفود بروی کی فدست می حاضر ادا مرحمود ملی الله طیرانش معلی کیزوں میں میس متحد (بیکلی مدیست کی می کیس جد عاری ص ۲۵ دون ۱ سرق کی جد) ()

(الله عليه و مسلم و عليه حلة حسوات و الله عليه و الله عليه و الله عليه و مسلم و عليه حلة حسواته كان العلي العليه الله عليه و الله عليه و الله كان العلي العليه الله عليه و الله كان الله عليه و الله كان الله عليه و الله كان الله كان الله عليه و الله كان ال

ه م وبالدرجم ستر عورته بوجوعه الاستعمالية كتبات جرير وار النو بلا عقر وشامل على 40 دامج 1 مستهم اكر الجري وأن دعي الهدمية البنات لمثالت من شروط الصلوم الفصل ملاول في الصهارة و ستر لعموة اص 401 م 1 دعو بمستار علت أدبر و كند : هي البحر الرائق أكتاب الصلوة بالب شروط الصلوة على 1834 ام يا المكتمة طبلادي

٢ع المارة فشات المنظرة كناف القياس عن ٢٥ ١٥ ج٣: فعالمي كناب خالف

س و فلماكل بر مذى باب بالحديق لباس رسول منه صلى اقله عليه وسلم ص 10 ج11 ايج ابد محم). 2) و كه افي مشاماة: دال صاحب الروضة بحرر للرحال والتماء بسر اللوح الاحمرواة حضر ماذكر مة

 عن اللي ومنظر صي المعاجلة قال واليب اللي صلى المعاجلية والسفية واجلية برادان الحسط إلى (١٠٠٥ ترم) الجوارد فاكنت إلى كراي المنظور القائل على التباطية المجاورة في رداي الشائل على التباطية المجاورة في رداي الشائل على المنظولة المعالية المحالية المحالية

رس، على فيده مست منخومه وطنى الله عنها فالمند وسول الله صلى الله عنيه وسلم وعليه استدن عليتين كانتا بوعفران وفد نفصته الك^{انا ال} تصدقها عنت فرسطى المام كُنْ سَبِّكُ عُنْ مُنْ سَنْطُود الدَّنْ مَنْ الله عليه والمُحادان مال عن ويها المصورة الإدارة في في الحياسة في وعفران عن مَنْ عَوْلَهِمَن لِيكُنْ إمْرَانُ أَوْلَ الرَّانَ بِيكُنْ رَبِقَالِ

(1)عن اس عماس وطنس الله عنهما قال قال وسول الله صلى الله عليه وسعه عليكه بالمباطن من الشاف المستنها العبار كا وكلمو عنها موقاكم فانها من حيار فالكي العالم الرماية علات الزارية إلى رضي المذهم فريات عن كرهشم القرال والا الشارة عالى تشارك الغيراً والدن كا الليواري أدماك بوادة المناجات المعارمة بدكية التي ذات في ما المتعالى بينها والشياد والدي في المباطن م والدي كافي ما الوسيد.

(ب) على مسرة بين حيدت الآل قبال رسول الطبه صنفي المدعنية ومثله السوا البياض فانها اطهر واطيب والكفوا فيها مولاكما ^{(68 الا} إلى المالات (تدريكي شامزاً)، الالإيكا

ه) الشدين ترمدي وطالب منافق في أسمر را دول المعاهرين الله عليه وسنته الله ٢٠٠٥ والوج الوج المعرفية

عن فيمة بات محر مذهات و إنك رجول الدخراني الله عن وحال و غيرات بدائر طران كالما الإعمال و وقد الر و قدار مقعمة الجاديات فيماثل برحدي و بات ما حارفي بدائل رسول الله الدي الله غيب و ستراحي فا محد ؟
 عامج الواجعة ؟

٣) المصافي ترميني، بات ما حد في قباس رسول الما بيس الله طليه ومسم، ص ١٠ ص ٢ البج (فيم سمية)

إليس في رواية أبن هياس رضي الله عنه لفظ عسكم ص ١٠٠ ح ١٠ بج١هم منعنه).

هم الشمالل ترجدي المائد ما مارمي لمام ارجهل الله صلى قله عليه ومسود اين ايم صعيدي

صغورسلی مقدملید دمل نے درشاد فر ما یا کہ سفید کیڑے ہیں کروبدائی کیے کہ دونہ یادہ باک صاف رہتا ہے اوراک جس اسے مردون کودنایا کرور الفراغ -

حردانكمان فالأمران

ه د چې او بل ۲۸۵ ام

ر اورا<mark>ب ک</mark>ی محود منهایشد مند

۲۸جاوی الوی ۲۸۸ الو

کیابغیر میں کے قر زیا صنادرست ہے ﴿ س ﴾

کیا فرمائے ہیں عفا وہ بن زید محبرهم که

(۱) و پیهاتوں میں عام عاوت ہے کرٹر زی نماز اوا کرتے وقت صرف چارداور سائی میکن کرفرزز اوا کرتے جرآ بینی یا کر چینل مینئے۔

(۲) اگر ان کو کہنا جادی کے کرٹ یا قیمی کے ساتھ قراز اوا کیا کر وقو اوٹیس یا سے وکھاڑ تے جی اور امام معا حب کی بے موانی کرتے میں اور کہتے جی کہ جا تز ہے ۔

(۲) کیا مجوری کے وقت اس خرج میں اور خراج کے جانب البروات و انزے بکسریانا گیا ہے کہ السکروہ ہے کا ایک ہے۔

' (سم) جس مخص کوہ میں تھم سے مسائل بنائے جاویں اور نتائے اسے کو مارینے بر تیار ہوجا ہے کہ اسپنے ال دور زمیندوری کی طاقت جرارم کو یا عالم کو ویال نیار ہے ویس شرعاً دوکس سوارے مشتق جی۔ ان جیار مسائل کا جواب عنارے فروز کرسٹنور فرما دیں ۔

ھۇ ئىڭ ھە

ورور من زادا رنا كرده فري يهم س يقال زميد الاستداد تست منا شر دمت منا شد وكر فيال كرا

۹) كسياسي انهشديد ان صلي بي اراو وزحد بعور وبكره. (كتاب الصلاف الدات الثالث في شروط الصلاف الثالث في شروط الصلوة النمسل الإولى عي الطهار قد وستر العرب ودعر ١٥٠ مع ١٠ مكارد رشيديد كولته) وكذا بي المجرائراتي: كتاب المهلوة، باب شروط الصلوف عن ١٤٨ مكارد رشيديد أفرته) ورك شاء بي حاصه الرموز ، كتاب الصلوف فصل شروط الصلوف عن ١٢٨ ع١٠ مكتبه الج اجرسهيد كولهي).

لاسطنا في صورت يشر الربية عن لاستة والرابات وروي أنكن عار هيئة والمنتفل بها وعام المرا

(۴) ایست فرمن و آرال تا بستاد و به و گل و یک جاد بستان وان کانان به یا نشارا از و و یا تا به دارا استان کان به و یا تا به دارا استان کان به و یا تا به دارا به دارا به دارا به دارا به دارا به استان کان به دارا با دارا به دارا با دارا با د

أواط بالأواران

؞؞ؠٵڹؠٳؿۄۿ^ۯڔؙۯڒڽڿٷڿڟٮڬڴۺڴڰٷؖؿؿ ﴿ ڶ؈ڰ

⁽²⁾ كيسة في ظهر درة في الحجود (درجه) المعاري حضرواً كون (دائماني فيه والانصال عود دراز (دونورجه) در السندر (درد حضر العهر دو حب مستقمات بسترية القبر واقدير بالإاهائي (الدرب الصلاف) الدرات العالات الدرات اللا تدريع طرح في العنهار دونين العرب في 20 م ج درائمانية الجوعة (درجه الموقعة) والدروي في الدرائم الدرائمانية (درجه الموقعة) والدروي في الدرائمانية (درجم 2004) و درجه الموقعة (درجه الموقعة) والدرائمانية (درجم 2004) و درائمانية (درجم 2004) و درجم الموقعة (درجم 2004) و درجم 2004) و درجم الموقعة (درجم 2004) و درجم 2004) و درج

وكدا مي طهدالله كناف المسلوم (اب شروط المسلوم عن 24 - 100 ج) مكتبه وحمايه والاهرام. * كند الدي الدر المداحد الديم والمدافقاتل فين بآمر اللمروف الله تصولي العشي هذه الكفر مح المرافق الديم المدافق المادي الذي الامر والمداولة واكدافتهي عن السلكم معاوض كن مسلم والله الدير كامر الاحداد المرافق والمرافق مصافحون الاجرامة في الرافان فيزاد الوقر أو يحودا الدرامة الله الله عن مسلم مي فعصوفي والمرافق علم عالم علم المسلمية كراجي

و كدامي شاهر اثر التي كذاب السواح معملي في العصول مين هذا الاج الادكت و شاهيه الواتعة). و كدامي مانها و الدما التي الانتقاء البسوع و المناطقة علوي العصول مع العصولي العرب 1951 ج. الا و والكان العلمية البرودة).

∉ે∂∳

ر و ال کے ساتھ بل کرانٹ فیاز درست ہے بشرطیکر و بال یکھ بزانو کم از کم ایک ٹل مر پر آ جائے ق ریامات کے قلم میں رہے۔ صفورسلی اللہ عید اعلم کا چھوٹا شاعد بھی شما اور نے اپیا رو مال معمول مسحاء ہے جندا کراہت ہے خال ہے آ)۔

حرام ذرائع سے کمائے ہوئے الب سے حاصل شدہ کیٹر دن بی نماز کا تھم

* 🖟

کیا فریائے بین علاء ویں ور ان سند کرایک فیمی کا کھنا دیتا اور ایاس ناجائز طوابقہ سے عاصل کیا ہوا ہے۔ مثلاً موارشوے سے بھن و مثمانی علامے روز سے بھی رکھنا ہے اچوفر اُنٹی ویک بین ظاہری اوا کرتا ہے ۔ کیا اس کی شکی قبول ہے وائیس ۔

$eq c_p$

الركيز ابدان يدشت ياسود ير رويوست ماسل كيا مواست واس عي نماز كرود دي

ادر انگرانا دخاوشواند ۱۳۹۵ میلادی

 إن الكيما في منهاج السنن: قال قد تنبعت الكبب وتنطليت من الكبب المبسرة والتراريخ لاقف على قدر عبيات صلى الله عليه وسلم فلم أقيما على شني حتى احتراق من أثن تا أنه وقف على شني من كلام اللبيخ إييف مرفون كالباس فلمنتي كمال وصياحه بالدعم كما مسميح طريقه، من ٥٨٥٥٠ سكتم.

وكذ في البحرالزالي: كتاب الطهارة، ص ١٦٨، ج١: مكتبه رشيديه كوتته إ

ماريه اکيلامي)

ا و کندا می برینده: عنسامه کی لیے روسال کا استعمال اور مقدار عمامه: هل ۱۹۸۸ م ۲۲ مکتبه ادار قطوع صدیقیه صوابی:

 "كسما في الشق الاسلامي: الصاوة في النوب الحرام تتعقد الصاوة مع الكراهة المتحريم عبدالحنفية والصاوة في النوب الحرام عن ١٧٥- ج١. مكتبه بروان)

وكذا في المرسومة الفقهية: (الإستر المخصوبة، ص ١٦٨م جـ٢١ مكتبه حقاب)

و كندا من حياشيه البطبخطوي على هرائي الفلاح؛ يصل بن استكر وهات، ص ٢٥٨، فديمي كتب حاله كراجين

عَعِ أَسُ جِنهِ

ليواً روائد في المناع بين المنطق تأمينًا تعين الناسبة كما يشرك

ا الله المسالة الدرخية من الدرد و مثل علامت و مضان البريك يا عيم إن في خاذ ال يثن براه المخطوط الم المتحول المام الكاملية بالمتعادلة في ما يا يا يا م منتقل الروع الميكارل و تشخول أو الزرجي في منز المعيد المنتخول الراز والموتى المتعادد المناطقة على موتى إلى المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة المناطقة

(۱) الفرائية مولادا على حريد «بيالان كالدقول أن هرف<u> الميان</u>

هٔ ۱۳ الاب آرگی و برای مهار در است و میدهند بال کورکاری استانقال آنیاد کولی هیز میار کنین و یق مید در ۱۳ الاب آرگی و برای مهار در است و میدهند بال کورکاری استانقال آنیاد کولی هیز میار کنین و یق می

فره الاب كافي عشراء بالآء مناحمة إلاك ياتشوه شررا يمي بور

(۴) دینائی مسرمیرنان ما مهم در پر گورشد ده بندن ایو با بده ب ساندید کی پیمین بر پژاه باید از میناند. حجرا آمرفز آمند این ایند کافوان کار پر تی بر به برق آمند راقع ایند ده فرکز اند ادافی داست تو خواد بند ایند کشتر ده بند کافوکز ادافتان مصد معد دید بازند و درجا شدید و کی بنان اید افتوان مطام کی بازب ساند اید از و

الله في إ

ي بالدوم المستقط بعدا جدا في اليك روز و منتها الذو في تحقيم كان دووس المست مسلوق كان ودفان الوالون كا ووال المقلم المستقط بعدا في تخفيراً كان تنول والمستوال بعد المستقط المستوال المعتمل والمال بالمعلم إن كاستخرال التحظ المعتمل المستوال المستوال

اکستانهای را دانستخدار فیال عاضمتنایی انجیع انجیدا میلما و ملما طاق استخدار به ایر الله بایده فی
الساست حداد و فیرها الآن بشوش جهره با علی اداره تصنی او قبری (مطلب به با مهر اشهای با تداکر
این ۱۹۹۶ و این مکلفه ایج شواست کراچی)

وكالعافي أكأت جديدها حقائمه كالأفاص لاقاءهم اداره المعارفيات

وانفرامل (۱۰) مناب من احسن الهناوي ولمآوي (۱۰) وارامطوم ويويند

الروجري ويشكى . (الشرة المقرآن والحديث مدسطة تهاملوم خان المارس مسارك والمارد وتجاريب كم محروب عند

جند دستانی پانجامه میں نماز کا تھم چنزس ﷺ

کیا فریائے ہیں ماہ دین در ہی مشد کر جو پاجستان سطور پر دلی السلے اور یو بی کے دیتے والے پہنے جی ادرائ کی تقریب مختل ایک (﴿ ﴾) ہے۔ اس کا پیکٹنا کی ہے۔ بیانا میں کے پہنے سے نماز ہوجائی ہے ایسیں ا زیر کہتا ہے کہ اس کا پیٹنا مخت کنا ہے کیونکہ اس جی ہمرے کے دائے آ دلی کے اعضا پھنے مصوصہ ایک تعلق می کی صورے میں تقرآ ہے ہیں۔ اس لیے نماز کے دائے تو قاص خور پر اور مام طور پر بھی پینٹا مخت محا ہے۔ لیڈا حمریا کی فریا کر اس مستقے مے دوشی ذرایسی۔

фČ»

جب كردگ بشره كاستوم ندبوتومة تابت بهدا درتمازكي ب و عسادم سسانسو الابسطف منتحته وهومختاري بان لايوى منه قون البشوة احتوازا عن الوقيق و نحو الزجاج (^{(ما}قتاءات تماتي اللم.

ع رواند الأرثارة المفخول

- اكسما بني سفر تي 1953 عن ابن عباس رضى الله عنهما قبل كان بطيرانشما، معلوة رسول الله صلى الله
 عليمه وسلم ينالدكير وباب التكبير عند العملوة ، ص ١٩٥٧ ع ١١ طبع مكتبه رحمانها ، الاعوريوكذا في
 مشكوة فسمانهم وهامش، ص ١٠٠٥ ع ح ١٠١١ ما حار على العامرة طبع قديمي كب خانه) وكذا الات
 حديمه ومناز مين أله مكبر العموت كي استصال بر اعتر كي أخرى والى ص ٥١ م هم عام ادارة المعارف.
- ج. نیهس دیار لیکن امداد الدینوی مین هی و کشاب افضالون، مسائل ستوره منطقه ، کتاب افضاؤند هی
 ۲۸ چ.۱ : مکتبده ترافظوم کواچی)
- ۳) كما بن در البيعتار مع ردالمعتار: كتاب باب شروط الصاوغ جلد ۲۰ ص ۲۰۲۰ طبع جديد مكتبه ر شيديد كوشفه) وكندا في الهندية: والنوب الرقيق الذي يصف متمحته الانجور الصاوة فيه كدا في النبيس (كتاب المصدلوة باب الثالث في شروط الصاوة الفصل الاول في طهارته أوستر العروة جلد ۱ صفحه ۱۵۵۸ مكت و شيديه كوته و وكذا في الفقة الإسلامي: في شروط مر ۱۷۳۸ ج۱: بهروت)

يندَ فَكُلُّ وَتِي بُوكُمُارُ كَاتُكُمُ

<u>ه</u> ن ج

بخدمت جناب معفرت مفتى صاحب ملام - أول _

خوش ہے کہ بندارے مان کا نے تواسم چندا دیروں نے تک کر رکھا ہے اور چند کننی واڈک سے کر مندرجہ ڈیل مسائل کی طرف وا فیب کرنے کی کوشش کر دہے جس ہیر و کی فر باکر ہواری منظی اور کمل واڈل والے در مرد رہنمائی کر جی۔ (۱) انٹی بام رکے چیچے بند آ موز ہے ہی کہا اور مور وقائقے بام مند ۔ (۲) رفنی پدین کر تا (۳) مرد کا متر چیزوں کی طرف کیال ہے شروع کی ہوتا ہے اور اگرفعال میں چنو کی طوع سے فرقر قوائز ہوجائے کی یا کھیل ۔

4 0 ×

ارا ارآی کی بانچی دررقیم نیان مشرائین به قالت منت ب اورقرا که شفت ال ام مشور آدرمین به به اور و اگل این مسائل که منید که یاک بیت بی ایرژی ت واجه دیث اگر باده هم مهجود چی به جوبرت کی آنهای که اور مسائل کی رفت بی ایرژی به وجب کی آنهای اور مسائل کی می نود و بیدا و در آنهای ایرت کی اور مسائل کی می نود و بیدا و در آنهای به ایرت کی اورت کی مودود بیدا و در آنهای به ایرت کی اورت کی مودود بیدا و در آنهای به ایرت کی اورت کی می خود و بیدا و ایرت کی ایرت کی مودود بید و در می ایرت کی اورت کی مسلوری در می داد. و می در ایرت کی در می کی دو ایرت کی ایرت کی در می کی در ایرت کی در ایرت کی در کی در ایرت کی در کی د

(٣) مرد کا انتر <u>آگفت نے ا</u>ن اف ایسا ہ⁽⁹⁾ پینڈ کی کملی اوات ہوئے جی تماز درست ہوتی ہے۔ جارز

وايضاعية: كانب الراس بالرامل حرثواء من الجلاء عن الدماع ؟: قديمي كنت خاله كراجي). عن الى حرارة رمني الله عند ان رسول الله صلى الله عليه وسلم قال الاينظر الله يوم القيامة الى من حراز اراد بطراً:

١) كما بي الترمدي الواب المبلوة؛ بات ماجارفي النامين عن ١٩٨ ج١: ايج يم سعيد كراجي)

لا) كسما في صحيح السيسر كتاب الصلوة، بحد البشهد في العبلوة، ص ١٧٧٤ - ١٠ طبع قسمي كتب حدد كراچين

٣) كند في لترمذي الواب الصنوة، بات رفع ليدين ص ١٥٩ ج١) طبع ابج الم معبد كراجي)

عندا في صحيح شداري العرابي مربرة كال ما المعل من الكعبين من الارار في الدواء كات اللياس اللياس الميان في الدواء عن ١٩٦٩ ع. ١٠ صحيح قديدي كليد خات كراجي)

شنوار کا تخف ہے اوپر رکھنا ضروری ہے (۱۰) ریٹی تخ آلما رکھنا چاہیے ۔ فقا واحد تھ کی اطم ۔

الوروكدا أزار شاومغرن الجوسية فيحقوه الشمقاط فرمز حمارتها وأوراه وأفراق المعتملين

جیب ش او تو اور با تحدش او ہے کی گھڑی پہنے ہوئے تماز کا تکم

وى كياؤت يوجى فواد مواسب يا يصافون موافوت كاف فرجيب في ركف يدائمان كيورب وجوارك صورت

(۳) جس کھاری کا چین ہوہے کا دوائل کا بھی کرنماز پوھٹا کہا ہے اگر ناج لاہی جھ کھاری کھی اوسے کی سيد ركتري كالميتناجي ناجائز موتا ما سيدر بيزاة وجروار

(١) أفادًا الصورت على و رابت كل بها لايكره لو كانت نحت قديمه أو محل جلوسة لانهنا مهابة او في يده عبارة الشمني بدنه لابها استزرة بنيابه او على خانمه بنقش عير مستبيئ فبال في البحر ومقاده كراهة المستبين لا المستتربكيس أوصرة أوثوب احر بان صلى ومعه صرة او كيس فيه دنانير اودواهم فيها صور صعار فلا فكره لاستنارها

وكفا من قعقه الاسلامي: ﴿ علاصه الراي في التصوير: ٢٩٧١ م ١٤: بيروت ليباني)

می ۱۹۰۷ ج. ۱۲ مکتب ر شیدیه کوفته)

١) كمما من نبوير الأيصار (سنرالعورة وهي للرحق ماتحه الحسرة فلي ماتحه الركيتين) كتاب الصلوة باب شروط المصلوبة من ١٩٤٠ طبع جديد مكت رشيديه كوتهه) وكلة في المعر الرائق: وكتاب الصلوة بعاب شروع الصلوفة ص ١٤٦٦ ١٤٠٨ ١٤٠٠ حكيه راشيدية كوفته) وكذا من الهيدية (كتاب الصلوة الجاب الثالث في شروط العملوق ص ١٥٠ ج١) مكنيه راهبديه كونته إ

٢) كسما صلى الدور المستختار مع رد: وكتاب الصلاة، بات مايعبيد الصلاة ومايكر وفيها مطنب إذا تردد اللحكم بين سنة وبدامة كال السنة أولى وعن ١٤٤٨ ج١: مكت ايج إيم سعيد كراجي) وكمها فين الهيدية: (كتاب طعيلاف الناب السابع، العصل الثاني فيما بكرد في العيلاة، وما لإيكره،

(ع) مرى السائى خرم رحالى فيز ب اورزئيرى والمتن الى تاقات ك يلي ب جيها كالوارك السائل الله عن المارك الله المساف المساور الميارك المساور الميارك الميا

ام رخیاه را زختان ام رخی را این ده موس

عائے نماز پر نیروی روح کی تصویر کا تلم

a Ja

کیا فرمائے جیں بلد دوین دریں منتقد کہ آمر صفی (جائے نئے نہ اپر کسی محبر یا مؤار اور قیم وی رو ہا پیزانو نقش ہوتو اس مصفور بھر کوئی فرانی قرنوں آئی۔

400

غيرة قاررون كافوغ أرمسن بيروزان عدنهاري أوفي والبائيس أفي المسارة والمناس

ريده کو معملي ميا به اين اين عارض از اورځ په هممسو

 الدرائيستدار مع رد: وكتاب الدفار والإباعاد فعيل في الليس: عن ٢٥٩، ١٩٢٠ مكته البج الموسعيد كراجي)

ر كندا فتي الهندية. وكتاب الكرافية. البات العاشر في استممال الذهب والعصة ، ص ٢٣٠، ح1: مكتبه راشيدية كلولته)

. وكما في البحرافرائق: (كتاب الكراهية: فصل في اللبس، عن ٢٧٩- ح.٨ مكتبه وشهدته كوائه).

عندا في الهديدة: ولا يكوه تستال غير دي الروح أكدا في النهابة وأكدات الصلاف الناف السالع»
 لفصل النافي فيما مكره في الصلاة وما الإمكره، عن ١٠١٧ ع. مكتبه و نشديه أكونته)

وكنا في الفقه الإسلامي (خلاصة فراي في النصوبر، ص (١٩٦٧ - ١٤ يبروت لشن).

ركما في الموسوعة الفقيمة: (افتاد واستعمال صورالمعسوعات طبقوبه والحوامدوالمات، ص ١٩٦٦. ١٩٢٠ مقالم كوعمة

مرې بغير باند ھے دورل رکھ کُرنمازيز ھنے کَ شرقی حيثيت

$\neq otag$

کیو فرمائے جی مخا مگر مہای منظ تھی کے الیے تھی نیاز یہ جنا ہے اور بیشے سردی کا موتم ہو یہ ا اگری کا والے پی سربرہ وال رفتا ہے اور رو والی کے دونوں طرفوں کو بٹیر بائد سنے کے تیوز و تا ہے۔ انگی رو والے کے او برفونی رکھ ہے اور مدل کا شم کر دوقو کی تکھنے جی تو والے وہاہے ہے کہ ان کو آ کے بیا کر نے کرفتھا و مول کہتے جی اور مدل کا شم کر دوقو کی تکھنے جی تو وہ جواہ وہا ہے کہ ان کو آ مدل کیں کہ وہ ان کا امراض جواب ہے دیتا ہے کہ عرب ان جی تا اور کہ کے بھیا تھے اور ایسے کہ ان کو کتا ہے کہ اور ایسے کہتے جی تو اس کا تعمر کیا ہے اور اکر رو الل کے لئا کے مدل نہیں کہتے تو مدل کا کیا تھی ہے اور ایسے اس کا تھی کے اور ایسے اور ایسے کا معربی کہتے تو مدل کا کیا تھی ہے اور ایسے کھی کے تاریخ

40%

صورت مسئول كوتتها وسرل كنت في ادريكر ادب دقال الشاعي ⁰⁰ وقال في البحر وفسوة المكوخي مان بعمل ثومه على واسه اوعلى كنفيه وبوسن اطواقه من جانه ادالله بكل علمه مسراويل اد فكر اهنه لاحتمال كشف العورة وان كان مع المسراويل فكر اهنا للمشه باهل المكتباب فهو مكروه مظلفاً سواء كان للخيلاء او عيره البناك او يؤوي أي كوتوان الاست^{قال}. كروتيل النائخ

محورمفانشدن اعربهادی ار فرق هری هسته این

 الشامية: (كتاب العبالالف بالمحملية منابعت العبالالة وما يكر وقيها، مطلب في الكرافة التجريعة وعنز يهاذا عن 139 مج المكرة (جراب بنعد كراجي)

و كنفا هي الهندية (كتاب الصاوف العصل الثاني فيما يكرو في فصلاة وما يكرون من ١٠٠١ م ج.٠. مكون راشيدية كونفة).

و كنذا في السحر الرائيل: وكناب الصلاة، باب مايضيد الصلوة وما يكوه فيها ص ١٥، ج٦: لكبه رجيديه كوكه

٣) كما في مناوى، دار العلوم ديونند، مات مكر وهات الصفرة، ص ١٠١، ح٢: مكت دارالا شاعت، كر اجي،

ىپائىڭ ئىلارىي ئىلىنىدە ئىلىدا ئىلۇشى ئىلىدا دايدا ئۇتىم. ھەندىدۇ

کیا قرمات میں عواد واپنی اندر این مشک کے جس جانے قرار پر انتا کر بھٹ انداز جسے اندائز ہوئے۔ معنی المندہ پر معمر انتقاب موجود کیا اپنے مسلمی برخوانی موزان روائن خوانے دیے ہے اور اوراؤ کو جورہ

* ن ء

- (1) أسساهي شفران المحجد إدبان ومن معهد هذه تراحه عانها من معرى الخفرات (مدروه اقتح أساء) والمساهي شفران العجد إلى المحجد الم
- 47 كالما فان الهذا فالله ودوم من من موقد الكاملة أوطل المصحها، حاربين أي المهاموجم (كالماء). العبلاء الصول الملك في المشار العبلة، في 15 م. كما رائدية كاهوي.

باب في احكام المسجد



معيدگي جيت پرنمازي حكم عزن

کی قربات میں بلد دوین اس مسلمیں ایک مجد ہو یہ یہ سکانا سے موہوم ہے۔ اس میں انگر کے چکھوں کا برقاعہ دارتھام ہے۔ مہم رکھزری معترات مجد کی جست پرتماز باعدا مت کرائے پرمعر ہیں۔ ادامام مہم انگار کرتا ہے۔ وسیمرش جست پرنماز چاھالار دینے شرکیت (دیب کہ بیٹھ می ایس) میں ہے لیکر دواکر کردو سے قرائے تم کی۔

そしず

ن دانوسه الدمد الي ساميح عبراندمنية الأمن

معجد بین سونے کاظم

4€0° }**

کیا فر بات میں علوہ میں اس مسئلہ میں کروٹی اہام ماروہ سرے لاکٹ مجد کی تصدیر ہوا۔ پالیان مجھا کہ موت میں جب کر ان کے اپنے تھر بھی موجود ہیں۔ اس وارساعتی مسئلہ تاویج سے ۔

) الهندية كناب الكراهية، نباب الحامرة من ٢٧١، ح.م. طبع رضيفية كوكته)

[.] وكذا في الشامية وكتاب مصبوف باب مايعسف المصلوء النخ ص ١٩٦٦ ح * مضع رشيعية كوفت). وكذا في البسر (إكتاب المبلوة ناب مايعسة العسوة؛ ص ٢١١ ح 1 طبع رشيعية كولته).

و ٽَيُهُ

معيد على جاريا كي رثيبا أرسانا ^{6 ك} جامز ہے البتداولي مياہئے كہ جب ان كے كو جوجود ميں توسم بديش نہ حوكم بداكر موناج ميں توا هذہ فسكر نبيت كريكم ⁽¹⁸ بانترو اللہ قابل) علم

المامالوافيا الواق محمد الجالب في عبرا للاطهاطة عن

مسجد میں ذکروم اقبہ کی شرک میٹیت

﴿ نَ بِهِ

یندمت جناب غنی صاحب را اسلام پیم کے بعد وض ہے کہم عنوا کی تمار پای لینے کے بعدم اقبا کر نے چہار مراقبہ چی فرکراند ہوتا ہے۔ پہلے آ ہتر آ ہتر سے چھ ڈورڈ درست انداند کرتے ٹیرہ رکیا ہے عرفی محدیک جادئے کامی مراقبہ بھی جائع محمد کی کئی سیاد کی ٹوئیس سے ساگر مرقبہ جا لاہے ت^{و ا}س جندا او کسی حاصل ہیں

ہ ن ہو

مهد بين بيندُ فرائز مراقبة له البرام بسهدين عاني تها الرائية في أران مين فرازي باحق

أكسيا في ما را قر ما حد إلى باقع عن إلى عبر راهي الله تعالى عنهما عن التي صلى الله عليه وسلم
 كابل (١٩٤٥) كابل عار ح إله و الدعة أو يوضح إله ما را و وزار أنسطوا فالروية ، وأبو ب ما مديني فيصياحا

باب في الدخيكات مزم مكاماً في المستجد على ١٦٧ مكتبه فديمي كتب حيد كراجي بـ

و كالما في إعمالا المسمى، كناب الصوف بات حوار هواج الفرائل في استسحاء للمعتكف من ١٩٩٨، جاه إدارة الفران، كراجي

۲) كسما في الهندية: ويكره صرم والأكل بيه اي المستحد مير المستكف والدائر ها أن يعمل ذالك يسمى أن يدول الإعدام.
 أن يدول الإعداك أف في عامل في دويد اكر لله تعالى نقدر ما وي تويميان ويعمل ماشد الله ولا ياس.
 ا . فريت والمباحث الناوان يمام في المستحد في المسجوح من المدهب والأحمس أن يبور ح فلا يسم.
 د كتاب الكرامية السند الحامل من ٢٣٠٠ من مؤير يشيدية اكرعه).

و كفاه في المدر المستعدر مع شرحه (كتاب الصارة) مطلب في القرائي في المستحد عن ١٩٦٦ مسع المستد كرا يسي) وكما في حلق كبر (كتاب الصاؤة، مفصل في احكام المستحد، من ١٩٩٦، طلع المسلدي) چا کیں اورالڈکاؤکوکھاچا ہے۔ تھی چوٹ اڈن اللّٰہ ان نواقع ویڈکو طبیعا اصعد⁽¹⁾ بھی کا کاڈکرومراقب شمیامتدرچرڈ بِل نامودکا فاکوکھٹا از حضرودی ہے۔ ووزیجس ڈکچکس برتھت بین جاسے گی۔

(۱) کیلس ذکر نماز کے اوقات عمل کائم درگی جائے۔ ایسان پر کہ اور بھا ہوت کھڑی ہوا در اوھرڈ آخرین نے سائٹہ ڈکر قائم کیا ہو (۲) ڈکر نئی ہوتا بہتر ہے اورڈ کر جبری ہوتا ایسا نہ ہو کہ لوگوں کی نماز وہ ہی شال واقع ہوئے تھے۔ بلکہ جبرای سے بر حمر نہ ہوچھے شہد کی تھیوں کی بھٹ بٹ (۲۰۔ (۳۰) ڈاکرین کی آ واز جمش طور پر نہ ہو۔ جبیبا کہ ٹی الواقع ٹی کر نصت خوائی کرتے ہیں۔ بلکہ برشم کس اپنے اپنے ذکر ہی مشخول رہے۔ (۳) معالیٰ ڈکریمی برفض کو شرکت پر جمہر نہ کیا جائے ۔ جس کا جی جائے جائے جائے (۵) معالیٰ اگر کھیل ایک طرف ہو۔ کی جلس ایک طرف ہو۔

١) (سبوره) البدور : "ببت بدير ٢٩) كما في درائي الفلاح على حادثية الطحالوى واجدع الطفار ساما وخلاط البدورة البدورة "ببت بدير ٢٩) كما في جماعة في المسجد وغيره من غير بكير الإ ان يشوش جهرهم ببالثلث كر صلى قالم اومصل اوقارى قرآن كما هو مقرري كتب العدد" (كتاب العطوة، فروع بعد شعيل في منفة الاذكار من ١٧٥ ـ طبع الديمي ، كراجي) وكذا في لشامه (كتاب العطوة، مطلب شهر في رفيع البدورة بطلب العلوة ، من ١٥٥ ه ج؟ : طبع رفيده جديد) وكذا في رسائل الكوى ، الباب الإول ، من ١٩٥ م ٢٠ طبع ادارة القرآن) ـ

- إن تقدم تخريجه البحث حاشية لمبر ١٠ صفحه هذا: جواب مذكورات
- ٣ كسما في الدر المعدار مع شعبه فدسر و المسئالة في الخبرية و حمل مغلى فتاوى القاضى على العهم المميمر وسال أو وحمل معنى العالم المسئلة على العمل والمسئلة و المسئلة و المسئلة

وكدفاطي حاشية الصحطاوي: (كتاب المبلوة، باب الإمامة، تصل في صفة الفكر، ص ١٩٣٥، طبع طديعي كتب خانه).

وكنفاهي منجموعة الرسائل اللكنوي: رساله سباحة الفكر في الجهر بالفكر، ص ١٤٦٥ - ٣٠: طبع الهارة القرأر، كراجي)

٤) محسبا في رسيائل اللكترى: الإصرار على المندوب يبلغه في حدالكراهة" ورساله سياحة الفكر ص
 ١٣٤ لكتوى ص
 ١٩٤٤ ع. حريرة الفراق القرآن)

وكذا في السماية: وماب صفة العبلوة، قبيل نصل في القرآء ، ص ١٦٦٠ طبع سهيل اكبلُحي)

ون احور كالحاظ ركما جائة وخرى الميدي - نقد والتراهم

تهوالتنامقاعة وإ

گرمی کے سب مجد کی جیت پرنماز پڑھنے کا تھم دیں۔

●び声

کیا تر مائے ہیں خلودین اس مسئلہ جس کہ مجد کے تحق پر جہت ڈالدی گئی ہے اب تماز اس جیت پر پڑھی جاتی ہے فی افغال کری کی دید ہے تھی سجد جمی نماز تھی پڑھی جاتی کیا تھی سجد چھوڈ کر سجد کی جیت پر نماز پڑھنی جائز ہے یا ٹیٹس ۔

€€\$

عائشیمی پی ہے۔ الصعود علی سطح کل مسجد مکروہ ولھذا اذا اشتد العرب کرہ ان بعضلو ابال جساعة فوقه الا اذا طباق العسجد اللح¹⁰، پیمارت حاف دال ہے اس بات پر کرگری کی وجہے مجرکی مجست پرنماز پر صنا کرہ ہے۔ مثلہ والشرق فی اظر

بالوءالي فعاليتهان

جاعت کی نماز عاصل کرنے کی فوض ہے مجد بیں بھا محنے کی شرق حیثیت ﴿ س﴾

كافرها في بين طائدة وين مراك وال شرك:

(۱)، گرمسجدیں سامنے والی دیواریں گھڑی تھا دی جانے ہوکہ نماز یوں کوسچہ علی دکھائی دے رکن اس گھڑی سے نماز میں کوٹی قرق آتا ہے۔

(۲) اُگرکز کی وخوکرت وقت کلیانه باز<u>ے ت</u>و کیان کا انسون ہوگا۔

(۳) کا گروخوہ کرتے دفت (از می کوانگی وال کرخلال دیجیا جائے جب کروا اومی خرب کاڑ می ہواہ رہلد تھرز آئی ہوتو کیا وضوء ہوجا۔ نے گا

المهملدية (كتاب الكراهية الباب النماس، ص ٢٤٦، ج٥، طبع راتبدية) وكذا في الشاسية: (كتاب المعلونة باب صفة الصلولة، ص ١٩٤٦، ج٢، طبع رشيدية)

وكذا في النجر" (كنف جديد الصلواء، باب مايفييد الصلوقة من ٢٦، ج٢، طبع وهيدية)

(*) مہدین نے زکھزی ہو فکل ہے اور جدیش مقتدی آئی جلوی بھاگنے کر جماعت بھی شرکید ہو کہ اس کے بھائنے کی آ واڈ ٹوک نئی اور کر کے کر کے رویا ہے یا گر پارے آئیا پیشر و کی ہماند ہو کا سے کہ ومقتدی ای طرزی کر ہے۔

ا ۵ کا کرانا مکوفرغی نماز میں شیافک جائے اور دو بار والات کی باز تھے یاد وسری سورے شرو کی کرد ہے تو کیا مجد ماسو والاز مرتہ کے گئے۔ ورکیا مشقد کی کوفرس فواز ش اقعد دیا جا از ہے۔

(۳) کیک امام میرایش کنوا و کے محد میں رہتا ہے اور ہے کی فریب ڈاکر مجد کے پہنے میں ہے کی کھا۔ اس کی مدد کی عاصد تر کیا میا کرے۔

$\phi \phi \hat{\phi}$

(۱) اچھا ہے ہے کے گھڑی یا قواد کُئی ہو کہ ڈنازی کی نئم میں پر نہ پڑے یا کشورے کی وجام پراٹا ٹی جائے اس پرنظر پڑنے سے آئر چیشاز ٹی سرؤنہیں ہوئی انگین اصبان اس طرف جو نئے سے فرز کیس نشسان شرور آئے سے آئال

> (۱) وضور بوجاتا ہے البت بھا وضور کے کھراٹھا ۔ ت با صناستھیہ ہے۔ (۱۱ اونسور: وہا ہے کا البت خاص مسئول ہے ^(۱۱) ۔

- كسيدا في استحر طرائقو: ومحل الإحتلاف في عير مفتر المحرات واما نفت فهو مكروه لام يلهي
 السنطيلي كما في ضح القدير وغيره وكتاب الصنوة؛ باب مايدمند الصلاة؛ الخ، من ١٦٠ ح؟ الخم رئيسه، كراهه إن
 - ا واكند في و دالمنجتار : واكتاب العسوة ، مطلب اكلية لا يأس الخاء ص ١٩٠٨ ، طبع سعيد كراجي) واكند في فتح القدم . واكتاب الصفوة ، بات مايقسند (مصفوة ، من ١٩٦٨ ، ح ١٥ طبع مراغيدي أفواته)
- ٧٤ كما في الشاهرة: ورافقي المبيد وأن يعول بعد فراغه مسجادك القهيم بحددك أشهد ان ١٠ إنه ادا أمت استنجرك والترب البك و أشهد أن محمد عبدك ورسولك ناظراً الى استنجد (أكتاب الطهارة) مطالبه في بيار از لقد همديك الصبيف المح ص ١٣٨ م عال عليم معيداً
 - و كفار في حيي كيار (كتاب الطهارات افعال في الناية) في ١٩٥٠ طبع معيدي كتب حاله (كواله). و الدامي تياس المعالق (كتاب الطهارات)، معيار في الالدام في 20 ح15 طبع دار الكتب العلمية).
- ٣. كنما في الهندية وسنها تحيل الدهية ذكر فاصل فان في شراح حالم العقير الخليل النجية عد الطلب سنة (كناب الطهارات البات الأول والعصل الثاني احر ١٧ ح : ضح رشويه كوكه) و كنفا في تبيين المحقائق: (كناب الطهارة، بعن في سنا وحر ٢٠٠ ح (احتج دارالكف الطهاء) بروت) - و كندهاي حائبة الطحطاوي: (كتاب الطهارات قصل في مثل الوضور من ١٧٠ هرح قالمي كنب حاله)

ا (۴) ایروند کر سے باکد کو دیت اقمینان اور دائد سے دائسیاں توریز انجابی سے ل جا سے دواہ م شاہد کو ورجود ہو جانا دوائل سکہ احداد اگر سے یکن بھا کھائیس جا ہے ⁶³ر

(۵) دو مری سوری شروی آرات کے سے یا وی کر ہا سے سے قرار نیس کرتی طفن ٹیس کا 19⁶ را بھا ہے ہے۔ کر انتظامی کا قرید سے میں جلونی ندائر ہے۔ اگر تقرید حرسے فاتحان نا سرگزار دو تی (۲۰۰)

(۲) کراڈک چند ووہنا کال اس پر رہنی جیں تو جائز ہے ہ^{ما}ک و ابتدا ملم یہ

محمد الجالغوان

 الدياعي فاستجم وينكره بمستقيق والهرولة الصلاء وكتاب الصئوة، باب بالمستدالمية، ومايكرة بنها، ص ١٩٥٣م ٢٥ منهم رشيبه حديد)

و كمنا في صحيح النجار د.. من أبي قناده عن أبه دل قال رسوق الله صلى فله عليه وسلد ادا اقيد. . التعلوذ الا تقوموا حمى دروس وعليكم السكية.

. وكتاب الفطوم دات لانقوم در العطوف مستمحالات التي الدرد درج 1: شع بدينهي كيب عربه و . و كدا التي اللحوج الدخلة (كتاب الفطولة عال استحال دائيان الهسؤة، بوقار وسكنة، وعي د ١٠٠٠ . ج 1 اطلع قديمي كتاب خاله)

- ٣٤ كنسا في الدرائسخدار مع شرحه ولامائي أن غرة سررة وبمدده إي الاناب: "قال الديامي" اداد ارد مكروم "شريها هذا ادائم بصطرد وكتاب المبلوة، فعيل القراءة عالى ١٩٣٦ م ١٩٣٦ م ١٠ طبع معيد) وكتا في نبين المخالق ١١ كتاب الصلوة، باب صدة المبلوة، من ١٩٣١ م ١٠ طبع دار الكتب) وكتا في شهرالمائي (اكتاب المبلوه باب صدة المبلود، من ١٩٣٧ م ١٠ ما ادياء مكتبي)
- ٣ كناما في الدرالمحدّار مع شراحه (بعدلاف فتحد على اداحه وإدر لاست (طلقا) لدائم و أحد مكل حيال (قبيله مكل حيال) في سوار فرأ الإدام قدر ماتحور به الصلوة أم فالتقل الي أية احرال أم فالكرر المنظمة أم لا هوالأصاح، وكذاب (مبلوه باب ما فاسلوقه من ١٩٥ م عالم عالم عليه عليه الكرفين) و كدا في الهندية (أكاف المبلوقة على الدائم من ١٩٥ م ع السالم و فريا به كوفتان.
- کلید فی افلوالدختار : ویسا می علته بعمارته لیرداهو (قراب تعمیر ته کومام مسجد و مدوالی مدرسة بعطوی بقمر کفا بنهچه وکتاب الوقف د مطلب ریداً می علقا الوقب الح ، وهی ۱۳۳۵ ۱۹۳۵ ج و د طبع مدرد ، کراچی)

و كندا في السحر الرائل: (كناب الوقف) من 109، ج0ء ضع رائبيفيه) وأكدا في المهند، (كناب الوفق الباب الحاوي عشر «من 217» ج٣ عضع رائبيفيه)

منتن جگ سبب اليك معيد كوچيوز كردومرق مجديش نمازيز هن كاتهم

$= \left(\mathcal{O} \right)^{\frac{1}{2}}$

کیا قربات میں منا دون اس مسل میں کہ پہلے لیک سجدائن کے زبانہ میں بنی ہوئی ہے۔ جو جو ہدتی فران عقوم الک زمین سے اجازت دی تھی۔ آج می کے لااظ ہے وہ سجد کیوٹی ہے جاہر جوز میں منعقد مقید ہے فا آئی ہے۔ وہ کیک شید کوانات ہے۔ میجہ باج اور ہو انڈیس میتی - ایک میجہ اس سے ۱۹۸ قدم دوراہ ریوٹی کئی ہے۔ اگر رہ رہ سے قدم باریں قو ۹۳ ہیں۔ اگر مکا وں کے اندر سے قدم باریں قو ۲۰ میں اور جرمیر کی دو آئی ہے۔ اس کی آبادی بھی بیت ہے اور امازی کی بہت ہے کیا ہم بہائی مجد کوچھوڈ کرئی میں جا سکتے ہیں واقیس الا کی میجہ بہت و

* 0 *

ی افی سمبیداد مجوز مرق محبد میں جانا ہے بشرطینہ باتی میں جاتا حد دہند عنت کا اجتمام ہوہ دہنے اور ا بدت بہ آباد ہے اگریٹن سمبر میں جائے سے اللّی محبد کے غیرا آباد ہوج کے اندیشت تو جانا جائز کیں ابھم جاہد کا پرالی سمبر میں بیدا عظ آبھے پہلے اوتی جوز کے جوز ان اس میں ناجائشیں وہائی محبد میں جا عملت سے فاز ادا انرکیس جو پر انی کو آباد رکھنے کی قدم ہاوج وئی میں کہنا جمعسلیں اورزیاوٹی میں عملت کے فہاؤ ادارا کر ایس کے ان کو برا وروڈ اب سے کا 20 سے واقعہ تعلق اللم م

اكسما على المسجور البراش أعلى المحدة فسامو المستحد والمرابو الفيه حالطا وأكبل منهام المام حلى حدة و مواديهم والحد لا بالس به و الاوثر و قرار بكان لكان حنافلة موفول واكتاب الوقف الحكام المستجاء ماس.
 ١٩١٩ مرده طبع رضيامه و

ا واكناه في الهيدية: (أكتاب الكراهية: البات المحامل في المستحدة على 177 م. 67 مع رضيفية). واكناه في الفرائية (كتاب الصلوة: الب مايفسد لطيلوة: على 174 م. 19 شيع معيد).

عن كسياحي حسير كبير: تداراتهم أفقيل لسقه حكيا الا اداكان الحادث أقرب الى يته فإنه فعقل عربية المحفول حيث المحفول عيد المحفول على الوقعات المان الأنفاء أفقيل فإن السويا في القدم فالا فرب العين و ذيات الصيرة الفيل في حكام المستحدة من ١٩٤٣ على معيدي كتب هذه أكرته)
 وقال المسير الألك في نصو أه محبودية وأن لا يتحف في مدينة مسجدين بصار أحدهما من هذا (مورة النوية)

و کا شاه بی تا مسیر روح استعامی او سوو قابلتویه آیت ممبر ۱۹۰۷ء می ۱۹۰۱ جا ۱۹۰۱ طبیع داراحیا، انترات المغربیراء سروت)

بلاضه ورت مسجد کی جیت پر زماعت اوا کرانے کا تھم

هُ آنِ ک

آنیا فرد کے جہاں ہو دوسل مراس مظاہر کا میجد کی مجست پاری افت کرانا کیدا سینیا اس دوست مٹن کر اپنی مجا نے مجیست نے بچند ارش محراب جارو رہا خرف کی وج رہان واقع مراسک نماز کے لیے مقر رہا اور شورت مراس و آنری کی جوز ہے نہ روادی ووادل جانے اسپیراتی وواد

٩٤٥

سمبي کي جيت ۾ بارخرور ڪاڇي آهن ميازي حن کل دوج - شاني اندانڪ ارزي ڪا اندان ڪاري ارزي ڪا انسان ڪان اور د جول که پينچ کي حالماند دوج ڪ اور پيڳن ساکس آپ آپ آڻ ڪي ڪي جنگر ڪي اور جيت پر قرار ان اي ليس - يکن آخري و مروک کي جي سينگ سينچ کي کيسان ان واور دو پر فراز اوا آخرين تو سکن اسور ڪ جي ميست پر ٽرار و اڪر واقع مورد اس کي وائي اور نشنج کي آلاء افظار و اندر تون في ملاء

كيا وقف عدين كي طرف نمازيز صفاكا قوب أيك مبير ب

۾ آپ ۾

كبيافه ماسته تين طاه واين وراي سوارياك.

(4) ۔ آیا کیا ہم سیدان سے ہورہ بالمرف فرش ہے گوراخم کی بکٹر جدے بیشدین ہے ۔ کمی کا کل گئیں درستعمل ہوئے ہر ہرماں بین کنوظ ہے۔ چینے فرآن پاک صاف ہوت میں ۔ سیکھی بھا جت مردی کرل کی میر سے دیم ہے کی خرف کیمی بھا مین مقرب کی حرف بھی ٹال کی جمائے کا ان فرش پر بھا میں کرائے ہے۔ فعالمات میں کے بچھوں سے باکم واس منطوق جی ہے ۔ اور ترفی میٹے شریف بالکم ہے ''

(2) كانده في الهندية المصفود على مصبح كل مسجد مكارة ونها الداخلية للحرائج دار بنياد المجدعة ليوم الا دائماني المستجدر والدان فك الهدائية، الجرائح المحاصل، حل 1917م حدد فليغ رشيده) واكتمامي الشاب واكانت المسترة، بدن صبحة المسلمون من 201 م 201 م الا مثل والشام دواكم في البحر فرائل والدان المسترة، بدن مرسمة المسلم، مراح (20 م 20 ملوم الدونة (20 ما). جائے إستقال بيج من رائته في نے ماتھ ہوجائے مج برفرها نمان ما الاحكمات كياں كارام الى بوك-

ج ن ھ

بممان الأقس الرجيم

(1) ''مُريدُ في الحُلُّ هذا بينان تركو برائع فياريز عط أيني الكابد وتف فمروها كذاب أوبي وغلا مزیقتے کا ٹوانے میں کے بچے میبیہ ہوڈالانٹ ہاں اگر سرافٹ کرالی ہے اس کے معمل کے بچے میں اوسا کا حزازہ تا كدود وبالرف كيمنظ في تفريها زام روايز ومن فقل والبقرية الدوان تاب في سازياد وك المادر كم يرفيش انداز منگ سيره في نها بدونف ندوده اس براهاز بر منها و اب اند ون مجرع احد شاق اب كه زار در والا^(۱۳) -(۴) مردون فرن و لا مصال أردًا كَمُونَا الإنْ مَثَمَّ لَوْ مَنْ عِنْ مِنْ مِنْ إِنْ الدور أربي عَلَيْ

نے ہوتو امام کو آ کے بزاجہ جا کا جا ہے اور اگر آ کے میکھے وہ ٹون ہو تب چکہ موقو مام کو آ کے بو وہانا میا ہے اور اگر دو آ ك زيرة مشقى يتي بن باب (منا- فقار داند تعالى اللم

١٤] الداعل منجة الجالل على يجراء إلى أهي الدحرة داعية وبالصارة بحداعة غع النسليم بالأحلاف حالي أنه ادا من مسحد وأدل للناس بالصارة ليه حماعة فأنه بصير مستحما الزكاد بما الرفف فصل في احكام المستحد من ٩٤٨ من و٥٠ طبع رشيفيه).

وكالفراه بي الشاغلون وكناف الطوقف مصمير في الحكاة المستحدة من التحادث مراجع الميديد والخافق المهلون البالورجانية. وأكتاب طومي، مسائل ومن المسجدة في ١٨٣١ ع.ت، طبع البرة العراق)

٣ . كما في الدر لمحاوز البيدة أن يقوم الإمام از ، وسط الصف ألا بري أن المحرب مالصت الاوسط الدسانجة وهي فالخشت تمقام الإسام، (كياب العرقوة بات الإسمة، هي ١٨٪ ٥٠ ج (طبع سعيد) وكناهي الهندية (كتاب لصلوة البات الخامس من ١٨٩ جـ١ طبع وشندية)

وكندا في سيبه اللحقائل وكنائب الصلووديات الإمادة ومواد الاثار ح الزطع بزر الكنب لعديم

٣) كسما فتي حلي كتبر. وأن صلى في منه بالحماعة، توامان فشل الحماعة في المسجد، وفعل في الشوامل ص ٢٠١٦ طمع منجماي كتب حديدا وكذا بي حائية محطاوي وكتاب الصلوة، بات تلاماده د س ۱۹۸۹، طبع مدرسی)

وكدا في الهندية (إكتاب الصلولة الناب شاسم ، من ١٩٦ ، ضم رشيدية كونك)

إزاء أكسمنا فهي الشيافي فازامتهم والداختتاني بإمام فيحار آجر يتقدم الإستراموفهم منجوها كشافي محتبر مد السواري وفي الفهيماني عن الحلامي أن المفيدي بياً في عن المس أفي حيدًا. أم حارا مر داو احدي واحداثا حرافحة كالنث بحذب المفتدي بعد التكبير ولدحدته فبل التكسر لانصراء والبل مغدم الإماها (كتاب العبيوة فان الإمامة، فر ١٨ قاء ح ١٠ طبع منفذا أكراجي)

وكد في النجرة وكتاب الصعرف والدائم منه على ١٥٠٧ ح. الجدور شيد ١٩٥٠ - و كنارا في الدائج اللغة براء وأفقات العرشوة مات الإمامية معي ١٩٥٧ م جاز بالمج معاهمهمي أدامي محلمي ويستسري

تنكبير تحريبه كبيركر بالخصفيل والدهط المكون عن جلاكيا

نج کی ہ

کیا آروں جی ملی نے کردم در زیر مسدال ہو ای وقت آنے جب کہ شدعت ہو ان کی وہ ساجب رکوں چی چیلے کئے رپیدیت کر سائٹیو تھی ہد کہتے دوستے اکون جی ادا سائٹ مائٹول ہو تا ہے بھی گیمیہ انسانے کیے سے بعد باقعہ باقعہ و مصروروں کر ماہنر درتی تھا۔ ہرتی جیسے تھی ہے کہ کا تی جو جاتا ہے بارس ف باقعہ بالد مساجعی جعد ناف نے باتھ بالد مدروں کر ماہنر درتی تھا۔ ہرتی جیسے تھی نے کونا کا فی جو جاتا ہے بارس ف باقعہ بالد مساجعی ضروری تھا۔

ها ق ع

باتھ بائدہ نازیرہ قب سنوں ہے ¹⁰ شارش ہے دون ہاں ہیں آرٹین آج ہے۔ کوکٹر سے ہوگر ہو اُس ہوگر ہو اُس یا ہے و انگیر کو برگار کو بائیں ہا رہے النیس کی قائمان کی جانوا ماتھ شابا کا احدادات او اُلا کان کو جانسان کو ن جی جرائے شابائیس مولی (۲)

كنما في الدو النصاب ، ووضع الوجل بعيد على سيارة تحت سرته أدناه راستها لحصورة والهجا عياليات الروكات الصواء لهل في ساع تاليل العيدة وفي 20% م، وطلع سيد و

وكد في الهنديد، وكتاب عصوف الدار السريع، القصل الثالث أص ١٩٧٠ ع. وضع رضيمه)

٧٤ كان الدي الدولان حدال الله قال التحد مع الإمام أنو البرا أقيله ، و افرال الإمام والتحد مثال "المه" فالما و الاكبر" والتحديث مصح في الأصح الديا بو فراع من القلمة فإن الإمام ... ويشترها الويه فالساطوع حد الإسلام والسما فكير متحية أو التي تعيام فراب صح ولدت بدة اكبره الراكم عدد الانت. المدرمة فعمل أن بيان مابي المدرمة فعمل أن بيان مابية المدرمة فعمل أن بيان مابية المدينة المدرمة فعمل أن المدرمة فعمل التي بيان مابية المدينة المدرمة فعمل التي بيان مابية الدينة المدينة المدينة فعمل التي بيان مابية المدينة المدين

> وكمة التي المهمود وكمات التسلوق البات الرابع ، في 200 -199 ح10 طبع . هيديه) وكما التي طبحر وأنقاف التسلوق بالمناصمة العملوة، من 20 هـ ها و 10 طبع رضيده ع

نمازعشا وكاوتت جواز واستمياب

क र्रोक

کیا قرمات میں معادر میں ور میں سند کہ مقدائش معنوب اور دینا و کے درسانی وقت ناکم او کا مقدار کیا سبار آئے والی را قرل میں راون کم از کم کتے وقت پر شرول کرنا ترباء ومنا سب اور موز و یا ہوگا - مقینت م معطع فرم ترمنو باز ماکمی

#C+

غرامیات کے بعد عشور مکا وقت متد ال مام اپنی تعنیف راستا الله صیرت به بازی سینه کوشش الایش سائی بود جائے۔ اور اس کی اقتصار علاسعور مراقع بیانی میرخشند و کی ہے ایکن مغرب و مشتر ایمی واج حدکشند ہے کہ واصلہ مذکر کروہ اپنے ہے آئے محل قرارب فا وقت کے نیز کرا الاست سائے آریا ہے اس سیاسی سے محتر موکا وقت الاز کر رام ہے است کے بعد شرار الرموکا اداس سے افران اور فیاز اس کے بعد ہو۔ اس سے تیج کی ور است قبیل سیجھ ہے ہے کران زاد وقت و بیکے کے بعد مقر دائیا ہے ۔ ⁽⁴⁾ ایک واحد قبان الحر

٩) كا ماهي المحرافرائي، (افراء وهر باهي) ان الشعق هو الهامي عبدالإهام وهو الدّها، التي يكر الصابيق و عسمر واصحاف و الدائشة راطبي الله تعالى عنهيا. الوقال هي أخر دفتيت أن قول الإمام هو الأسيحيا.
 و كمات الصلوف عن ٢٧٤ م ج ١ طبع وخيدات).

و کدا می حالب فطحطاوی: (کتاب العبلود، هی ۱۷۷۰ تا ۱۷۸ د طبع بدیسی) و کدا می ترین الحفائق (کتاب العبلود، ص ۲۹۸ م ۱۲ طبع دارالکتر.)



باب في التراويح والوتر



تراويح كي ركعات

∻ ک∳

﴿ق﴾

رمضان تریف کا در میارک گزار آیا جواب مین کا فیر درگی سد فسافر با کین- فیرستلده این سے آم فی چاہی کے دار گفت کا فیرے کی رہے اور ناد سے پاس نداداتوں ہو۔ کیکن کیا حضرت عرد من الفاعت کے پاس مجھی کیس افعا صفرت ہم جائوں کین جی - آخضرت ملی اللہ علیہ کیم کے طار زدا شد جی مشخو کا کی روایت ان قیم مقدور کا دیا ہی میں در ایر سے ناکا درا شدین کی منت کو الائم بیٹر در گھر پار سے او میں جرماعت کے ساتھ ترادی کا اجرام مجی مشرت ہم جیوای کی منت ہے الائے کی وارث کر فات کے آوا تعظم سے معلی الفاعل الم

إذا ومشكولة: كتاب الأسان، ومدا إلا عند إلى عند والحد فضل ثاني، طبع قديمي كتب خاله) و كنه
 إذا يوسنية التهجمالون إكمال المعلولة بالمواصلة للراويج من ١٤١٧، طاح تديم كتب خاله إ

كانتها في الدرائيجيدار مع شراحه (والراويج سية) مؤاكسه بسواطة التحلقاء الراشدي اي الكارم ما لأن الدراطة عسيها وقعت في الدر خلافة معم رحمي الله علم والقع على دالات عامة الفسحة في الثناف العلمة في الثناف العلمة من ١٩٥٤ تا ١٩٥٧ م. ٢٠ مامع رائيسية)

ام كناء في حاشية الطحماوي: (كتاب الصارة، فصل في صلاة التراويع، ص 4.11، فليع فديس) وكناه في حابي كنير اوكتاب الصدرة فصل في التراويع، عن ما ياء صلع محدد، كتب حامة كوكته)

نے تھی چاروں سے زائد جہا میں کے ساتھ تر وی ادا فرمائی دوں (۱۹ گیر یے غیر مقدد کواں تمام رسمان المسام رسمان المسام کی ورائے جا جا گھر ہے تھی مقدد کواں تمام رسمان المسام کی مقدد ہے جا بھا تھی جا ہے تھی جا دوں جماعت کر ایں اور المسام کی افرون جماعت کی اور المسام کی افرون جماعت کر ایں المسام کی تعدد ہے ہوں جمید کی تماز تر اور کی جا جا اور المرکز وی کا تاریخ ہیں ہے۔ چورا جمید ہا جا عت فعال تر وی کا تاریخ ہیں ہے۔ چورا جمید ہا جا وی عت اور المرکز وی کا تاریخ ہیں ہے۔ چورا جمید ہا جا وی عت تر اور کی تاریخ میں ہے جو المحمید ہا جا تاریخ ہیں تاریخ میں تاریخ میں ہے۔ چورا جمید ہا جا اور المرکز ہا جا تاریخ ہیں تاریخ ہور تاریخ ہیں گئی تر اور جھ تر سے خاری کر اور جھ تر سے خاری کر اور جھ تر سے خاری کر اور جھ تر سے میں گئی تاریخ ہیں گئی تر جھ تاریخ ہیں گئی تاریخ ہیں گئی تر میں اور تر جم تھا ہیں کہ تو تو تاریخ ہیں ہیں تو تو تاریخ ہیں ہیں ہور تاریخ ہیں ہو تاریخ ہیں ہور تاریخ ہور تاریخ ہور تاریخ ہیں ہور تاریخ ہور تاری

عشاء کی نماز تنبااداکرنے والے والے وترکی جماعت میں شرکت کا تھم

€€

بھٹھن فرزعشاہ بن عت ہے نہ پار کا ہویا تیں رکعت ترادی کو ادانہ کرنے ہو وہ اہام کے ساتھ و تریز معمکنا۔ ہے اِنسی اور تر وٹ کیوری کر ٹی ضروری ہے وشک ۔

顺飞油

عظاء کے فرض ٹائدہ پر ہیے تراوی سب نا کھوا ام کے ساتھ ادا کرے یا تراوی بالکن نا ہوسے تھیں۔ صورتوں میں وتر کی برماعت ہیں شرکیہ ہو مکا ہے اور باقی تر ونگ وتر کے بعد پر حد لے تر ونگ ایس کے ساتھ کی یا

ا) كانسا قبي السناية شرح الهداية: عن فروة من الرئيز رضي الله هنهما أن النبي عليه السلام صلى في
السيديد فصلي بصلاته بالرء ثم صلى من القابلة فكم التاس ثم اجتمعها من الله الثالثة فيه يحرج
إليها م قابلي عليه السلام، فلما أصبح قال: "قبر أبت الذي تصحيح فلم بصحى من الحروج النكم إذا
أنبي العشي في تنظر شي سليكم، و كتاف العسلاة، فعل في فيام شهر ومضان، من ١٩٥٣، ج٢٤
 دو الكنب العلمية بيروت)

الأخران بإن الشراويد و معادة كان أو كله الدائم المائد التحادك المحادث المن لداً المن المرادك المن المنادك المن المنادك المنادك

مرّ اورح ميل عورت كي الامت كاحكم

هُ کُلُ بُهُ

آنیاڈ یا نے چیسطان در کا اس منڈیش آرام ہے اسپیٹا مریک بابڑ وں تھے میں جا کوٹراوٹ جمہا تھ آگا تا ا ان نے ادر عود آن چی کھڑی ہوگا ان کی امام سینے کیا ہے ہوئا سے اور اس کا توست زوائن تھراہت کی **اس ا**ند بالیہ وعلم او مگر محاجات سریا نہ جمیم یونوں وہ این ہے ماکستان شور قرم وا۔

هِ نَيُ إِن

عورے اولارہ آن کا قام بنا کی نماز دن ہی خواہ و قائل ہوں یا کس جائے ہے کا سببہ کا کا کا دوائل کی ہے جس آئے۔ عورتی گزامت کے باو بود برما ہو سے عماز چامل کو جو فورت اوسیوں وہ میرین شاں افزائی ہو گئے تا اس کے درمیان کارگئے تاری دوئے کی کر بات دورتی جو کا درجورت نام اگر ہاتھ کی قورتی کئے کہ کری ہوجائے قرنماز فالسرٹیس ہوئی گئی وہ مجنوبا روگ - جس کا شار کا درواد واجب ہے اوران بھی آئے کھڑے ہوجائے ہے کہ

ان الله السعدر اوكتاب العموة الدر الوترواليواس من ١٩٥٠ ح.٣. طبع سعيد)

ه و المساطنية طبيع غذا وي هذا في الدور المساور (ينجونه محمومة و كدف العمودة و منه الوثر والتوافل (فر - ۱۹۹۷ و طبع مزر العمولية مروت ب

و كفاء في حتى كثير الاكتاب الصنوة ، يمثل في التوافل، ص ١٠٥٥ منيغ مصدق). واكتاب في الهديمة (كتاب المنفولاة مناب ، الناسخ في التوافل، مور ١٩٥١ مليغ رغيمه). واكذا في المحارزاتي (كتاب الصنوة) بال فرز وأنترافل، من ١٩٧٣ و ٢٥ صح رغيمه).

ا کرارت ہے (۱۹۶۹ کورڈو کیا توجیعد و منبعد و قبال پڑھنا ہی افضائی ہے (۱۳۰ سکتھا فیبی علید بلسفہ المفقید (۱۳۰ میں مسئول میں بہتر ہے ہے کہ سندنے والی حالفاؤ اگل میں سند کا دور وسرفی ہورٹیں بخیر نماز کے بینی ارتین - انتقاد طفہ تعالی اطلم

چندہ کی خاطرتر اور کئیز ھانے والے کا تھم

∯ کی بھ

کیافر بات میں بلی وزین اور پر سنگ کہ وہ سے بال قراد آگر جو سنے والے کے لیے آب سید جا وہ آئر آئر اچھا پڑھتے و فاقع بیا جی اس لی سے مقر رہے ۔ لکن ووڈ از می سند کے مواقع تھیں رکھنا ہے صوف آئوں ہے۔ اس کے لیے چھی سفر رہیں ۔ ہر رمضیان شریف کی ساتا ویڈ گوٹر آئی جید تھم کر کئے سمیر میں چھو وہ ما ہے۔ سافلا جو سے کے لیے اور اوام وموڈ ل کے لیے جو اجو اواب سان ہو ہے کو اگر وافقا میا جب چھو کے لاق ساتھ کے مواقع وقتی تیل اندے اوار آئے اوال کردیا ہو کے توجہ سندگی جو کا ساتھ ہے۔ اگر والو کی ہے اس کی فر وجید سند کے معالی تیس فرج وسند کی اور کا کہا ہوا تا اور کی اور ایس کے توجہ سندگی جو اندوں کے اس کی فروش میں اس کی فروش

انگرے فظ باشرین کی مکتاب بلار کی سکتگیں جمالم ترکیف سے پاستانہ بادہ بہتر روکا یا گئیں۔ احداد الفتاد ل شریقها ہے لیکنا دینا ہی جائز ترکیس- وس سے الم ترکیف پر پاصدا تھا ہے۔ لبندا آنا ہے منصل ہوا ہے تجریر قربادین تاکر اختلاف فتح مزمائے۔

⁽١) كسما في الدراسعتار مع شراحه (١) يكره الحريما حماعة السدار) رئوفي النوفوج "قال ابر عامدين" الفاء أن السكر إصحار من الدراج عند حماعة الرسال فرضا ارتباغ والعرائية عندان في صدي تفت الفاء أن السكر إصداعي واحيا أنست "قال إن حاسس" فاد أن وقوفها وسطهن واحيب كما عبراج به في المختج وأن المستدوية صحيحيجة وأنها قدائم سطت لاز ور الكرامة وإنها أوشده والى النوسط لأن أقل كراهية من ١٩٦٨ تا ٣٦٧ عند و شيدية كراهية من ١٩٦٥ تا ٣٦٧ عند و شيدية كوشش و كلامي وكلامي المحتوية من ١٩٥٥ عندان المحتوية من ١٩٥٠ عندان المحتوية وكلامية عندان وكلامية من ١٩٠٥ عندان المحتوية وكلامية و المحتوية المحتوية وكلامية وكلامية وكلامية وكلامية وكلامية وكلامية وكلامية من ١٩٠٥ عندية وكلامية وك

كسبا من الهشبة: ومبلاتهن فرادي افضل (كتاب انفسوة: لناب الخامس الفضل الثانث: ص ١٥٠٠ ج١٠٠ عليم ١٨٠٠

[،] وكفا في خلاصة اقتناوي: (أكداب الصلولة القيس الخياسي مشرء من ١٩٤٠ م. ١٩٠ سيم رغيديه). وكفا في مجمع الأنهر: (كمات المبلولة فصل بي الإمانية من ١٩٦٤ م. طبع هقاريه كوشه).

٣) عمدة الفقة من ١٨٨٠ ج ٢، قسم اول شرائط الناسب ،) مدكر هو بال

و ق و

ا الرحى كوسند من الموافق در كتي الأنه من فاحق ب المرفائق في المعت يست قد أنهم بي تروية في المستويد ال

- ٢) كنما على مشكوه المتسامع عن ابن عمر رضى الله تعالى حبهما قال قال وسول الله سشى الله عليه وسنت حيالهم! المبتر كين اوم والقعي وأحدو لشول بهد وأكتاب الليام باب التراجل العصل الاول» عن ١٨٣٠ با وصع قديمي وفي تدر المجتاز : وأما تأخذ منها وابن من القعيمة) وهي دول ذلك الاهاد عن الشعيمة كيما بعقله بعض المعاربة و محمدة الرحال علم بنجه أحد وأحد كلها عمل بهرد الهيت ومجرس الأعاصيد كتباب الصورة عليات في الإحداد القعيمة وصدرا الاعام وشهده وكلة في البحرار الراكن الاحاص وشهده وكلة في البحرار الراكن الاحاص وشهديه).
 - الدر السختار مع شرمه: كتاب الصنواء باب الإمامة، من 200 له 35 طبع معيد)
 وكد في نبين الخفائق (كتاب النسواء باب الإمامة، من 100 م 1 مداديه مثنان)
 وكدا في نبين الخفائق (كتاب الصداة، باب الإمامة، حي 100 م 1 الشعر شبديه)
 - ٣) فتاوي دار العلوج ديوسان (كتاب الصلوء باب الإمامة، ص ٢٠١٠ ج١) طبع دار الاشاعت)
- ع) كسما من مصد الرابد الحرق الفرآ و لا تأكفوا مدر لاكتاب الإجارة مات اجارة العاسده عن ١٩٣٦.
 ح) فضيع مكسم حقاليدي وفي الشاميد الرائفرار بالأجرة لايستجو التواب لاللعيت ولالقاري.
 وكتاب الإجارة، مطف في الإستجار على الطاعات من ١٥ درج ١٠ طبع معيد)
 - وكف هي الهداية. وكتاب الإحارة، باب احارة العاسدة، ص ٥٠ ١٠ تا ١٠٠٠ اطبع رحسانية الاهور)
 - اكما في دهين القصاة المتعهدة كالمشروطة والمقالة الأولى دعن ٥ دطيع من مجملة كتب حامة و و كفا في الشامية واكتاب الإحادة، باب اجارة القاملاء حن ٥٥ م ح٢٠ طبع سعيد) و كداهي شرح عقود رميزالمفتى (ص ٢٠٠ دطيع قديس كتب ماله كراچي)
- (7) كسناهي المدرالسختار مع شرحه والحماحه فيها به على الكفاية في الأصع الدادل احمل التراويج بسنة هين فلو تركها واجد كردر (كتاب الصفوقة باب الوثر والنوافق من (30 ج7) طبع صفيديم كذا في البحر الرافق (كتاب الصدوقة باب الوثر والنوافل من (30 مج7) ضع رشينه) وكتاب الصدوقة باب الوثر والنوافل من (30 مج7) حج7 المنع دارة القرآن)

عليها لا يجوز (** الداءانكاءق) كالحار - عند ع (** حفق والفاقوا في الحمد

تراوح میں ایک عِلْد قرآن پاک ختم کرے دوسری حَبِہ شانے کا عکم

(() €

کیا فرمائے چی علما واپن ور نے سمارک مفوان المہارک چی ٹراوٹ کے اندرز پوایک وقعہ منا کر دومری وقعہ امر**ل جگ**سٹا تا ہے تا کیا بیسٹا کا کس کا درست ہے و وسٹا مکٹ ہے یا کرٹیں ۔

()

١) الدر المحتلم مع شرحه (كتاب العبلوة، باب قضاء العوالث، ص : ١٦٤ ج ٢٠ ظلع رشيديه حديد).
 (كتاب الصلوة، باب الوبر والنواعل، بي ١٤٠ ح ٢ ضع سعيد).

وكذا في الناتار عالمه: (كتاب الصلوة، نوع أخر في ال الحماعة، لح ، ص 101، طبع ادارة القران) 3) المناطقة وي. (كتاب الصنوقة بات سبلاة التراويج، ص 177، ح !: طبع مكتبه داوالعموم كر. جي)

- ٣) كسما في الهديمة الدمة في التراويج إما هوالحدم مرة ١٠٠ والحدم مريئ فهيلة ، والحدم للات مراب أصحبال (كتاب الصافوة الباب الجامئية على ١٩٦٧ - ١٢ طبع و شهدية) وفي الحالية: ولو تجبل الحدم به أن يخده عمل اول القرآن في عابه الشهرية (كتاب فصل في مقدار القرافة من ١٩٥٥ - ١٤ عطع سهيد) و شهدية) . وكذا في فدر المحدار (كتاب الصلوفة باب الوثر والنوافل على 180 ج١٤ طبع سهيد)
- لا كسما في الخدامية: ومه دلالة على مع اقتاد المعترض بالمنتعل ... ويالإحداع آلاتمنيع آمامه بصلاة الغل معمد (كتاب الصنوة: عاب الإمامة، على ١٨٥، حا ، ضع سعيد)
 - وكدا في تسين (كتاب الصقوة، بات الإمامة، ص ٢٦٦، ح: ؛ طبع دارالكتب،
 - ، وكما في البحر فرالق: (كناب الصارة، ماب الإمامة، ص ٢٣٦، ح.١). صبح و شهديه كولفة
 - كما في الدر المحدر مع شرحه والحمامة فيها منة على الكفاية في الأصح الإدل عبل الزاويج منه عين...
 - ٧) اهتاري دارالعاوم ديوينه: (كتاب الصنوة ، ياب صلاة التربويج، ص ١٤٤٠ ، ج٤ ، طبع دار الات عن ٢

بإجماعت تبيدك وائل بشرختم قرآن كأنتم

كيافر بشاقي ملائدين مغتيان ثريا يمينان مرأي مي

(١) - المازة الأن في جماعت تم بوت كه بعداجًا في فقي بن وال طور بردعاء كن كيدب

(۱) رات کوتیم کی خانہ میں جو مخل تھی مافظ کا قرآن منانا کیے۔ ہے: مثلان کی صورت یہ ہے۔ زید اور انہی سال سے دہنمان امیا کہ میں ایک فتم قرآن میں منانا ہے درساتھ اور ساتھ دوسر ختم نما انقید میں ای ساتھ کو عالا ہے آس بھی لینے جائے کے تین جارشتھ کی ترکیب واج کے بین کو یا کہ کیک جماعت کی فقل اختیار ہو ماتی ہے اس کے محتق رہنم آرک کا کر سنتی تو اب وار نین ہول کے میل امرشن

وته

- ()) ۔ آر وائج کے بعد اجتماعی وہ کا انزام بدفات ہے میکن آگر پیمقید و زاہو کہ یہ جھاتی دی شرعاً ارزام ہے اور دیان یہ میتھے و کون رِنگان وَنَقَلْتُنَا فِی اُلِیا کَ قَالِمَ اللّٰ مِن کُلِی قَمْنَ اِلاَنْ ہے '''۔
- (٣) عمودت ذكاره على بما عن جائز به يكن إلى بنه الأكثرات في هورت كاره وبنه (٢٠٠ ما الشقال العمر)
 حموده المذمن عن خدرساتام العلوم بالآل.
- (4) كسما في راسائل اللكوري: الإصرار على المعدود بالغدائي حدالكرامه، (وساله مباحة الذكر من
 (4) دكاري ص (4) درج مطلع أدارة القرآن
- واكما في السعاب: (بات صفة الصفاء، فين قصال في العراق، من ١٦٦ ح.٢ طبع سهيل اكبلامي) ... و كندا في السير فيلة السيفيات ح. (اكتبات العياوة، بات الدعاء في التشهد، في 17 مج ٢٢ طبع والمائكية الطبية)
- ٣) كسب في السائد رحابه، وحكى من تسمى الألمة السرحيني وحمية الله أن النصوع بالعساعة على حميلة الله أن النصوع بالعساعة على حميل الترابع على مكرود مثال الترابع وإحد بواحد أو شان بواحد لا تكره وقال التعلق فإلى المقليم بكره وقال بعضهم لا يكره وإذا المتدى أرجع مواحدة كر والداخل من ١٩٧٠ ع إلى الماح مواحدة كر والداخل من ١٩٧٠ ع إلى الماح الورد العرابية إلى الماح الدرة العرابية العرابية
- و كيداغي المحرائرائي (كتاب الصلوة ، تاب الإدامة ، ص ٢٠٠١ م ٦ صع رشيديه) و كناد اهي حالهي كنير : و كتاب العبلية ، تتمات من النوافل ، س ١٤٣٣ ، طبع جعيد ي كتب. حاله كولف)

رَ 'وَنَّ مِينِ خَمَّ قَرِ أَ كَ يِرِبِدِيدِ يَنِيخَ كَاتَكُمِ ﴿ فِي اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ مِنْ اللَّهِ عَلَيْهِ مِنْ اللَّهِ م

کی فرمائے ہیں معادم این ای مسئلہ میں کرتر اون میں ایک جانا پیلے میں مع رہائے ہوراس کورقہ میں رہی۔ اب وی حاص امام بیٹ کا ب موکان ہے کہاں کورقی ملے گی ، ہندوائی بات سے عدار وکرتا ہے کہ رہامی ہوئے کی جانب میں اس کورقم کمنی میں کیسر موکمائے کہا ہم کی جانب میں این کورقم ان کے میزو تا یہ اس

黄色剤

قدا ان شمال نظر آن ایر ایرت مقرار رفعانی اصراحی موجعے کی بعثم الوگ آر سے بین پابغور موق و عادت کے دوجیا کہ ام ماس کی کل رائ کے عاد وقرال معود قال میں ویا جا از نیس (السالید امامت ورقعیم آر شن وحقہ الاقال بند مجاول کے متعلق متاہر این عادات جارا فافوی دیا ایر کا کہ ہے چوابی خرار ہا ہے ایک وقر بعت سے بی میں کے تجاہ بو سے سے ویل آرائش کا قعمل ازم آ ہے کا اس میں ہے کا اوکس سے دیتی امود میں کا بی وستی بالل خابر او بیٹی ہے (امامور آراؤی میں فتر آران کوئی قرش وہ اجہابیں

(2) كسما في الساب، وإن القرأة منشقي من الدينة لاتحاد وإن الاعتدواليسطي الدين لان ده لك يت الاستيجار على الشراء ومن الإستيجار فليها لايجور كتاب العيدوه باب فعاد القوات من 17.5 م 17 حضح رشيديه) وفي عصر الرابه القروالاتر أن الانكواب واكتاب الإجازة باب اسارة العد سنده عن 17.7 م 27 حضح حضيه ويشاور لاومي الشاهرة أن نظر أن بالأحرة لايستجن اشواب لا المعاسمة عن الاستيجار على نظرات بالأحرة الإيستجن التواب لا المعاسمة (كتاب الإحازة) معلف عن الاستيجار على نظرات الدين الاساب عن 17. والحراب الإحازة المناسمة عن 17. والمعارب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب المعارب الاحراب المعارب الاحراب الاحراب الاحراب المعارب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب الاحراب المعارب الاحراب الحراب المعارب المعارب المعارب الاحراب المعارب المعارب

وكاداعي الشاعب وكتاب الإجاره بالما استره العاصدة من هذا حروا طاح منعيدي

(4) وهي الدير المسخفار: ويفتي البوء بصبحتها التطليم القرآن و نفقه والإجابة والأفان ، ومن الشامير ، وقد هكرنا مسئلة سليم الفرآن والمن الشاعارية هكرنا مسئلة سليم الفرآن إلى الفراعارية مكرنا مسئلة سليم الفرآن إلى المنابعة وكتاب الإسارة ، باب احارة الفاسد، عن ١٠٠٥ تا ٢٠٠٠ من ١٠٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠ من ١٠٠٠ من ١٠٠٠ من ١٠٠٠ من ١٠٠٠ من ١٠٠٠ من

میں رکوات تر اور کے کا ٹیوت مدیث ہے

€∪}

كيافرا تريس طاءه يواس منزي كركن مديث منديثين كمكامل مكاري

 الم الم المهدورة: السنة في التراويع انها هوالعنم مرة والخدم مراين فشيلة والخدم اللات مرات الغيل. وكتاب المبلؤة اللياب العامن عن ٢٠١٧ عليم رضيديه)

و كفا في سلي كبير: (كتاب الصلوة، فصل في النوقال، ص ٧٠ . ٢٠ طبع سعيدي كتب خانه كوافه) و كفا في الشاهية: (كتاب الصلوة، باب سلاة التراويج، ص ١٠١٠ ج١ و طبع رشياديه)

٢) كسما في الشامية واشتار بعضهم سورة الإعلاس في كل ركمة ومعيهم سورة الغيل أى البدأة منها ثم بهيدها وهذا أسمس فللإيفتال قليه ، يستبد المركمات، قال في البطة وعلي هذا استقر عمل أثمة الكثر المساجد في ديارتار (كتاب العملوة ، باب الرثر ، ص ١٤٧ - جد؟ ، طبع معيد).

٣) والهيدة سببها ارتشاء المنتبر المواحث دنيوى كموض و محيد و حسن ندار وآخروى... والبولها سنة قال النبي صلى الله عليه وسلم: "بهادوا الحابرة" (درصعنار: كناب الهيدة من ١٩٨٧ د ج٥ د ابج ايم مسهد) و في السطنكون: عن عائشة رضى الله تعلى عنها عن النبي سلى الله عليه وسلم قال تهادوا، قان الهدية الدخب المنتبذي "واستشاقه عن أبي هرير د رصى الله نعالي عنه عن طبي صلى الله عليه وسلم قال "هيمادو" فإن الهدية "هيمادو" فإن الهدية المنتبذي ومرافعتها في هريد درمي الله نعالي عنه عن طبي صلى الله عليه وسلم قال دمن المنتبذي درمية المنتبذي عن أبي هريزة عن البي صلى الله عليه وسلم قال الوهيت الى كرام لاحت والم أهدى الله عليه وسلم قال الوهيت الى كرام لاحت والم الفرة القرآن)

(1) حضوراً رمطی الدهایده ام شده اور مشون بین آخو با نین رکعت فراد آن بازی دون نیز از دان به آخر به آ انتخر راهیت المون شد بر مصابح شریف قمها نمی را شد قرارش دان مین مشی را شداد فی جی و عدامت اواک این و کشی کی نسریر البیله نمی بر ها به از شدهید -

* * * کائر روز در رکن غیر نوم سورت کا بوریه سازی کیا ہے مرف کا ماد دوگانو روز دگی تو ت جا ہے کا ا روز انو سے کی سورے میں تقدہ کرتی دو کی اکٹورویہ

۱۳۱۱) بحش اعترائ نجيج جي كرموا مق تحرق الكرائيا بها بين المستق التي توكي النظامين على مساحية (لا يسجون الحدد المصر اطرالات كتب فه على بالجواد كالرجمة الانت المن كوفي والمحمل منها الماسان المناجم المراجع على المراد المحمد والإرائية وكام كيا فدكور والرحد بيث تج مهم أكر عدرت المهمة قرام كي التواجمة والروان -

(۱۳) جن در مول و تبيعها حزات و ينظ قول (ميسه ادام باگر زنده غذاده م تعفر زنداند وقي و) ان شار سط کسي بيفتر والتي تعمي روح تبير آوان کي گزيد يکا دور و دن-

ءَ نَ ۽

(4) (4) الأوكس إلى عنداً تحقق مديث أن والديت عن ابنى مسلمه بن عبدالرحمان الله الحيار الله عليه وملم في الحيرة الدسال عائشة وصى الله عنها كيف كانت صفوة وسول الله صلى الله عليه وملم في رمضان فيقالت ما كان رسول الدين عموة ويدفي رمضان و لا في عبرة على احدى عموة وكلمة أن الدين عائمة المدين عموة على احدى عموة المدين المدين عموة المدين المدين المدين عموة المدين عموة

ه) مستجمع السجاري و تشاب المهاجمة ساب قدم المور صفى الله عبد وحلم باللس في واعشاره و فم
 لحد يث مدر ١٩٩٧ هـ ١٩٩٥ و ١٠ طبع تعيمي كسد حاله)

و آگیدا می اساسع الشرندی: و انتقاب الصفواف باب ماجادهی و هدف حدالاه قدی هسور الله عمله و مالم بانتین، اس ۱۹۹ و ۱ او قم الحدادث ممبر ۱۳۹ طبع سعید افراجی)

و که با ه _{وی} می ندواج از درین کا با وکتابان الصلوف بات میلافا بایل و عبد داتر کمات اقلی صلی دیه خلته و میلود می ۱۹۶۳ نظیم مدینی کشید جانه) الزيار المسال بوطن الترك الغرب عامل المتراك وريافت كيا أرابي أدام مي الداني وأم كي تناور مقال الدور مقال المرا الرياف الترك وهي المعول الفرد يا كما يها في الدور مقال المعال الدور المعال الدور إلى المواجد بالمعال المواجد ا المعادلة والمعال المدي طبيبة على مصنعه و العظر من والعدد لمبيعة في من معابث المن عباس الماصلي الماسلي الماسلية الماسلي الماسلية الماسلي الماسلي الماسلية الماسلي

تربد – الكركي برجمسي المذهب المهرمشران فريت في وقر كراء المثن بركوت الأياك التراكة المساولة المساولة

- (١) أن كريج سنى المداهية معم بوراعها في الريف الدائر وق (١٥) الوكرات بين كلى بالداهات الريف المساحة المداهر المحمد المسيم شريف الداهر بين المشريق المداكرة كالمستعدد المبدية المداهرة المساحة الموسيع المله عليه والمسلحة المداهرة المسلمة الموسيح المناس.
- العجب الرابان (التأمل معينوه فعيل بن جاه شهر رمصال من ۱۹۳ مطبع مكبه حفات بندور)
 واكنه في السر الكيري لليهمي (إكمال معينية الله بالروى في حدد والأمال : قيام الغ مال ۱۹۳، والا يا ۱۳ و ما يا ۱۳ و ما يا در واللها الرابان التيريب بهرات ماوي معيدويه)
- ۳۵ ماسكورة واكتباب الاستدار د بالهداية بتنييا د من ۱۳۰۰ فعيل شاي د طبع قديمي آلفات الديمان واكفا دي
 د دالي الا طبطاري و دنامه المسئود، بالند إسلام الدوليج، من ۳۰ د مطبع فديمي د ويي الدوالسجار
 شراويج مساهمو كلده المواطنة الحافد، والشامان و قدام، الدراوة د بالن الدوار د من ۱۹۵۷، طبع رات يال د.
- ٣) سوط الدافع دالك و إلى بالداف العلودة في المعدن بالدائد حجارهي في ووقعدي الدائل ما دمي محدد الكراد على المحدد القرارة في المحدد الكراد على المحدد القرارة الله المحدد القرارة الله المحدد المحدد

يد حدالون بذالك فاحتمع اكثر منهم فخرج رسول الله صلى الله عليه وسلم ال الله عليه وسلم الى الله التنابية فصلوا بصداته فاضبح الناس يذكرون ذلك فكتر اهل المسجد من الليلة النابية فخرج فصلوا بصلاته فلما كانت المليلة الرابعة عجر المسجد عن اعله للم بخرج البهم وسول الله هسلى الله عليه وسنم فطفق وجال منهم يقوقون الصلوة فلم يخرج البهم وسول الله عليه وسلم حتى خرج تصلوة الفجر فلما قضى الفحر اقبل عليه الساس ثم تشهد فقال الما بعد فانه له يحف على شانكم النبلة و لكنى حشيت ان تفرض عليكم صلوة الليل فعجر واعبها- (1)

- (۳) صرف گناه برگاه وزه تیم از نے گا اگرانزائی زیموگیا: وارث تضارکت وابدب بوگا کفار و تیم ہے-قال فی المداینة و الو قبل امواقا لا بضمند صومه والو انوال بقبلة او الممس دهنبه الفضاء ^{(۱۲}-
 - (۴) موامق مرقه بای کتاب ادرے بال نیمی بینتا کردیعی جاستے (۳)
 - (۵) مجھے کلم نیس ہے اور زوان کی کراٹیں عارے پاس ٹیں- فقہ والفائق کی اعلم

<u>بی</u>ںرکعات تراو^ح

4∪}

كيافرات بين ملاه ويناس مند بي كرفراوج كي ركعات كثي بين- كياهنورهلي الفاعليد وكم عدين

٢) صبحيح السنطم (كتاب المسئوة، باب الترغيب في قيام رمضان، ص ٢٠٤١ ج١ ، طبع قديمي كتب خانه و كندا في السنسكوة المصابح (كتاب العلولة، باب تيام شهر ومضان ، العصل الاول ، ص
 ٢٠١٤ ، طبع فديسي) و كذا في اهلاء السنس (كتاب العبلوة، باب الترغويج ، ص ١٥ تا ٢٠١٤ ج ١٠٠ طبع الدرة الفرآن)

كسما في الهداية (كتاب العموم ، يدب ماير حب الفضاء والكفارة، ص 170 طبع رحمايية) وكفا في
ليساية (كتاب الهموم، ياب ماير حب الفضاء والكفارة، ص 2 3 تا 6 6 طبع دار الكتب) وكفا في تبيئ
المقائل (كتاب الموم، ناب مايفسد الموم وما لإنفسد من 191 : ج7، طبع دار الكنب)

٣) گتاب صراعق محرفه

و گست؟ بت میں مائس نومہ بندو کے جنگی آلا میں و یکھی ہیں جس روست بی فی میں اب ورشنس بزاهنا ۸ ہے اور سندو ۶ کار کھنا ہے اس کی مامن جائز ہے یا تیس کے تعلق مقارب و فیر منتسد

使运弹

الإرمان بسيادات نبيها ورارون صحابيان والمتقتيق بالساكمة الخضرت مني الندمية وملم بسيفراز تراوي كيا المعداور كعاب قوائه الملائمي تنتج معتبر معايث بين بينتهي ليسترحف وراق المظمروني القدتماني مغداورتمام عجامه وضوان خفيهم الجمين كالغارة ستدني داحت تراوي بزحاجاة وينتديداي وبديدا تداديد فأنش حيدكم مر لات کا اختیار نیم کیا - معفر ہے ہم فاروق اوران کی ملی سرتھی اورادین معوور نکی بند تھا لینٹم نیز دیکرسجا ہے کج ردامات سنڌي رکھائي آھوڙي منقول جن- 'و هاامام الگ ڪي رحد پيڪ وجود سے- حيد نسنا هالڪ عن يوايلد بي هارون انه قال كان الناس يقوهون في رمان عمر من الحطاب روضي المدمعالي عنه وفي ومصان يشلك و عسرس ركعة نتهي ^(۱)- قوليه بشلك و عشرين وكعة قال البيهشي والثلث هو الوتو و**لا** بسافيه روابة السابقة فانه رقع اولا أهراستقر الامراعني العشوين فروى البهقي باسباد صحيح انهم يقو موان في عهد عموان الحطاب معشوان و آها أو في عهد عنهان ^(٢) و اتبلي ا^{لعَ عِن}ْ شَرْعَ بَمَادِي شِ ے- روی عبدالوزاق فی المصنف عی داؤد بن قیس و عیرہ عی محمد بن پوسف عن السائب بريريد ان عمرمن الخطاب وصي الله تعالى عنه جمع الباس في رمضان على ابي ان كعب و على السبيم الداري على احمدي واعشرين وكعة يفومون بالمنبي وابتصر قرن في بزواغ الفحر قلت قان انسي عبد البرهم محمول على أن الواحدة للونز و قال من عبدالبر وروي الحارث بن عبدالرجمن اسي اسي دينات عن السنائب بن بريد قال كان القناد على فهد همر مثلث و خشرين و كمة قال ابن عبيدالس مندا متحبسول عبلني أن الشلات للقوتم والي قولكم وأها ثو على رضي ثلة تعالى عبه

دو الداماة بالك (كتاب الهيونة) باب دجاري قيام ربعيان عن ١٩٥١ ج (: طبع مير محدد كتب حامع)
 في السيني الكرار، ليسهقي بحواله محموديه (كتاب السنوة، دب ماروي في عدد وكمات القيام في شهار مصاره على 147 و مها الحديث بصر ١٩٠٥ و بيم الرارة باليمات المرفية)

ف اكره و كرم عن حسن بن صالح عن عمر و بن فرس عن بن المحسداء عن عنى رضى الله نعالى عنداكره و كرم عن عنى رضى الله نعالى عنده الله بن عندائله بن المستحود رواده محسم بن فراك عندائله بن المستحود رواده محسم بن فراك عندائله بن المستحود رواده محسم بن فراك عن المدائلة بن مستحود بصبى لنا في شهر رمضان فيصوف و المستحرد بصبى لنا في شهر راكمة و المستحرد بصبى لنا في شهر راكم بناك بناكم بناك

ا وركسياتين ال سنة التخصيل مودو هيه الرك تحول البساخات يأرض في المستخدات المتعدد التركي المتعدد التركي المتعدد التركي المتعدد التركي المتعدد التركي المتعدد التركي التركي

۲) حددة القاربي و المهانجوري و ۱۹۰۸ كناب الدموم و من ۱۹۶۵ ح ۱۸ هيم در الحددات و مناني عدد الحددات و مناني و كنا البي المعنى: (كناب الصنوف صلاف نراوح و الهام شهر رحصني عشرون و كعة من ۱۹۷۵ المواهد (كناب الصنوف المواهد المراوح و من ۱۹۷۸ كناب المحدد الموسود المواهد المراوح و من ۱۹۸۸ كناب مصنوف المداهي المدراف ختار مع شير حدد (كتاب مصنوف المداهد) و كناه في المدراف ختار مع شير حدد (كتاب مصنوف المداهد) و والمواهل من ۱۹۸۵ كناب مصنوف كراجي)

٣٤ أكنة في حامع العرصة عن (إيداب السنف مساف اللي مستودة من ١٩٤١ - ٣٤ فتع سعية أكراج إلى الأحداث التراس على وصول علم المسافق حامع العرصة على المسافق حدثنا باقراب الناس من وصول علم المسافق خليلة والقراب القراب الناس هذه ودكرًا والسوار على والمول على القراب المسافق عدد المسافق المسافق على المسافق من عليه وسلف من عليه وسلف على المسافق المسا

ا ج 1: شع سعد کر جی)

عن جدمع الوصف (۱۹۶۶ لمانت) مناف ابن بكر رضي فيه تعالى عند ص ۱۹۰۱ ح. ۱۹۰۰ ح.۳ مسع ۳ مسع ۳
 مديد كردون)

ه) استنكوة الإنجاب الإنجار داب والمنظام من ۱۳۰ فضل ثمن اطبع قديمي كنت حاف كواجن) او كاما في حاشية المطاحبة وي الإنجاب المطاوة الدر مثلاه الترفيح من 1 ،) اطبع فادمي أكنت خالف مامه اكراجي وكذا في المشاحة وأكنت المطاوة وي الرائز والبواقل من ۱۹۸۷ عند مطبع وشيدية مديد كوك، ار رمغر ما امرتمام ممایہ وجود میں زمانہ مرد مثان وطی رہنمی القائق معتم نے جی اس پر انکارٹس فرما واور برغ ہے آنول في بالإسبامات وليل بينان بالتربيك مب كراز بل ماهد مشرى بالقور مول ومناسلي الفرطير ولم مت المحين مخوطا قبا كرسي بالساب إداعتر على راكيواه وإباها قرقول ومويالته ملي الفاطلية بمم (جوامحي كزرا أكوشوت اس عود کا تسجیا دور بخیب خاهم از پراتول قرن از انتقادی مدرکار سون می نمان نبی کا ⁽¹¹ منفرطا نی دادیت ش ا کُر جہانے کا بات کی اواق ماریٹ منتقل کھی کا باتی تھی کیا لک ایام یا لک ورسے محد ٹین کے فور مکے قس ایالت الشرقعي نے انتقاع الکتابی من اور اور اور اور اور اور اور ایک ایک ایک منتقدمات یا تک جور اس کا اقسال ایم نے وومرق ولد النور. بإفت أربع مصورت بغيره والإيت أن المعلى في أقل الله عند كأن مع رئيم ثابت الأنصال ثيل والخليفين مادووا من كياصغرت النامران رشي العاقوانيا فهما بصارن اني شيبه كيواسينة معيضه تربار موليا مينسل العد مارومكم كالأزن أهوات بزعوزتن كباب وأخرجها وروايت تمعيف سناكم آخادتها باستنا ويوست كمام إورزو آ نیوزاهات موانے حدیث قبام البیل کے تعلق مطرت ما شریعتی اند تعالیٰ منها ہے ہم وی ہے اس سے مراد نجیمہ کی کراز ہے جسے غیر رمغمان کالفاہ س مدیرے میں صاف اس و قریز ہے کیونکی غیر رمغمان میں ڈ امن قبیس وولّ یے بواب باخوہ ہے۔ قراری بٹید ہے ⁶⁰ار نقام کی دارالعظوم بھڑ ہے ⁽⁴⁰⁾ افغار کی بھٹا مراہدادا ککشین ہے ⁽⁴⁰⁾ اگر ا ان شن تعمیل معلومیه وقر رساید فی هدار ماسته از اوان او که فاوی رشیر به نال میل ^{(۱۸} در ق سه آنده ر کھا ہے تر اوٹ کر حما رمنلہ فیے مقلہ وں کا ہے بیکن اس لیام کے مالہ ہے آئیں معلوم کئی ایس کیے اس کی ا فقدار کے متعلق کے نعین کھیا ہو کہ اور یا حلوم نمیز کر کی مندیس اس طرح اور انو کا ڈیل ہے۔ افظا والدنعابي اطمر

٤) كسماهي تنوير الأسهار مع شرحه والتراويح سنة ، وكانة روهي عامرون وكامفا "وكا بها العالوة الراب الومر للبوطئ على ١٩٥٨/ ٥٩٩، شام رشاسه.

وكفا في الهديد. وكتاب فعينون، فعيل في الراويج، ص ١٩٥٧، ج١٠ مشع رحد نياء الاحور). وكذا في السحر لوائق: (كتاب الصلوة وباب الرو والوافل، ص ١٩٢١، ح٦. ضع وشيديه كولتم

الان القالم فالحدال شده. (دانت الدوانوم ما ترفونج كي وكوائد كي تعقيدي معميل عمدي ويعني وسالم - الراويم) - هي ١٩١٤ - ٣٢٣ هام الارداد لاساسان

٣] هناوي دارالعلوم. وكنات العينوة، صلاة التراويخ. تي ١٩٤٠ - ١٤ طبع دارالاساحت: كراجي)

الله) عرام العدوي: (كتاب الصفرة فراويع كي تعصيل عن ١٩٨٩ تا ١٩٨٨ وطبع مع الم سعيد)

د) الداد المغذين (كذاب عملوة، بالب صدافة التراويح، بن ٢٠٠٠، طبع دار الإشاعت)

٢٥ - تاليمات و شيفيه: وياب التر ويتريز ساله تراويج، بن ٢ - ٢٢ ا ٢٠٢ منيز الدرة اسلاميات

همر میں مراوی باجماعت کا اہتمام اوراس میں خواتین کی شرکت کا تھم

﴿ ك•

- (۱) کیاتر او تک با جماعت کھر بیں چ عناب کزت کہ وضی اور برایک کرو نخب کرایا ہوئے اور مشارکی نماز اور تر اوٹ کی جماعت اس بیل جربی بات ۔
 - (۲) اگریزد سه کاانکه من آخرنگ کی شوایت با تصاحت کریخی بین ایکین س

∳ڻ≱

- (۱) سفتاری نمازسجری میں اوا کرن ضروری ہے البت اگر سمیر میں اس عند ہے روحا کمیں اور بالبھین معلوم ہوجائے کہ سمجر میں بھا حت ہوگئی ہے تو پھر تھر میں مشار کی فیٹس نماز بھاعت سے اوا مکر کئے ایس ورند بال شرقی عقر سے نیس ()۔
- (۳) جورتیں باجها صدرتراہ سے ادا کر عمق جیں اگر پردے کا انتظام ہو (۴) لیکن بغیر جماعت ادا کرنا ان کے سلیما دنی ایجتر ہے کیونکہ ان پرجماعت کی نماز تیس (۳) - فتلا والند قبالی الخم
- ٤) كسياض الهندية: وإن صلى بحماعة في قيت اختلف فيه المشايح والصحيح أن لمحماعة في البنا حميلة والشجيمانية في المحمود فصيلة الاري وإذا صلى في البت مجماعة فقد عار تغليلا ادالها بالمجمد عة وقر لا المحميلة الأخرى وكذا ثاله الفاضي ١٧مام أبو على السعى والصحيح أن ١١٨ في بالمجمد عة في المجمدج، فقفل وكذائك في المكنوبات (كتاب الصفراء الباب تتامع «افضل ان المراويح ص ١٩٦١ مج إطع رشيد»)

وكذا في حاشية طحطاوي: (كتاب الصلوة، باب الإمامة، على ١٦٨٧، طبع تديمي)

وكدا في علمي كبير: (كتاب العبلوة، التواويح، ص 1 - 1ء طبع محمدي آنتب حاله كوكه)

 إلى المدر المدينار مع شرعه: (ا) يكره تحريبا (حماعة النساء) ولوفي الراويح - ١٠ بإن فعلن نقف الإمام ومنطقين. (كتاب الصلوة: باب الإمامة، من ٣٩٥ تا ٣٩٧ تا ٢٩٧ ج١٢ طبع رشيديه)

و كذا في الهندية: وكتاب الصلوة (فياب الجانس العصل التالث (ص ١٨٥ ح) . طبع رضامه) و كذا في مجمع الانهر: وكتاب الصنوة (فيان في الإمامة ص ١٩١٤ - ج) ؛ طبع عمارية كولته)

 عن الهندية: وصلاتهن فرادي الفطل: إكتاب تصلونه الباب المعامس العمل الثالث، ص ١٨٥ طبع د شده ا

و كذاهي حالامية العناوي: (كتاب الصلوة؛ القصل الحامس عشر؛ هي ١٤٧ ج١١ طبع وشهديه) وكدائي محمع الانهر: (كتاب العبلوة: فعمل في الإصامة، ص ١٩٤ م ع): طبع عقارية كولاتها

ترادی کوغیرضروری کینے والے واقعم مذی کھ

کیا فرمائے میں عورے وین اس سندیں کہ آیک فتنی نے کہا ہے کہ وحضان شریف میں زارتے پڑھنا قرآن شریف شنیا ساتا میرے زو کی فیرخروری ہے ہمادت ندہے کا بڑا وکئی تھی تھی خل مجادت ہے جس کا تھی خدامر مول نے تھی دیا۔ ای کا رواح معارت میں کوئے زمان میں ہونے شعر قرم نے شروری عوادت قرار دستاویا آ خرا کیا۔ ان پڑھ سلمان کو فرقی کی انہا کی مجارت سنا تا کہ مطاب رکھتا ہے جب کہ و فراز میں او گھنگار بتا ہے ون جر کا تھی مور در فرورز وی میرے واستانی کو اتنی فرقی فیرخروری موات میں آبول کرا او ہے۔ یولیک حافظ صاحب کا قرال ہے ایسے جافظ کے بارے میں نمیانی تی ہے۔ اس کے مطابق شرقی تھی میں آرائی میں کر کے جو باری روز میں م

﴿ حَجُ

نخس تراه کے سنت مؤکدہ ہے (ایکسنور طیرانصلو کا والسلام سے قراوع کا پڑھنا تاریت ہے (۱۹۶ ورضلفا نے

 اکسانی تبویر النصار مع شرحه: (وانتراویج بسدة، مؤکدة --- وهی عشرون رکعه، (کتاب العملونة» باب الوتر ونتر فل، ص ۱۹۱۵، ۱۹۹۹ طبع رشیدیه)

> و كفا في الهندية: (كتاب الصلوقة فصل في التراويج، ص ١٩٥٧م ج٠١ طبع رحمانية) وكفا في البعر (كتاب الصنوة، باب الوتر والموامل، ص ١١٧٠م ج٠؛ طبع رضعية كولته)

كما في صنحيح المسياسة ان رسول البله صلى الله عليه وسلم خرج من حوف البيل فصلى في المستحد فصلى و حال بعياناته فأصبح الناس يتحدثون بدائك فاجسح اكبر صهم فخرج رسول الله صلى المستحد فصلى و حال بعياناته فأصبح الناس دد كرون فالك فكثر احل المستجد من الله الثانية بعينوا بميلاته فأصبح الناس دد كرون فالك فكثر احل المستجد من شيلة الشابك في ما المستجد من أحله فقم بخرج الميلة الشابك في من الله عليه وسلم قطعل رحال صهم بقولون الصلوف صبي بعرج الهجم رميل الله صلى الله عليه وسلم قطعل رحال منهم تقدير أنهل عليه وسلم قطعت القابر في القيار الميلة المناس الميلة الميلة الله فتعجروا عنهاد بمناسبة الله فتعجروا عنهاد المناسبة الميلة ولكن خشيت الانفراض عنيكم عنوة الله فتعجروا عنهاد

و كندا في المشكورة المستعدسية (كتاب) الصلوف بات قيام شهر رمصان « مراه ۱۹۹ مطبع قلامي كتب حالته وكنا في اعلام السنون (كتاب المبنوة ، بات التراويخ ، ص ۱۹۷ تا ۱۹۸ طبع قبارة القرآن) عرب العرب العرب مراه المستعدل المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد

 ٢) كسما هي العواسمة هار: والبراويج منه مؤكدة لمواتشة خلقاء واشتيل. وكتاب الصلواء عامد الوتو والمتواقل، من ١٩٥١م - ٢) طبع وشهديه جديد) وكذا في القنح القدير: وكتاب الصلواء فصل في شام شهر ومصدر، من ١٩٠٧م طبع وشهده إلى كالمام اللك، وكتاب العمواء باب منجاء في فيام ومضاره من ١٩٥ طبع مبر محمد كتب خان)

أكسما في قضح الفدير: ظاهر المنقول الراسية أها من زمن حمر راسي الله عنه وهو ماهن عبدالراسيس بن التقاري قال حراجت مع عسر بن الخطاب راضي مله عنه ليما في إمضان التي المستحد فأدا الناس اور اع معرفون بصلى الرحل الح (كاناب الصلولة عصل في بيام شهر رامصان من الاعام ح): هم رشيمه إلا وفني التساب : لأن الدوائل عليها وقمت في الناء خلافه عسر راجي الله عليم (كتاب المسترة، باب الدير والتوافق، هن ١٧ هم ع ١٢ طبع (شهيم حديد)

عن العنج القدر: (كتاب الصاؤة، فصل في عام شهر را بضاؤه عن ٢- ١٤ ع ١ ضع رشيديه)
 وكاما مي الدشكوة: (كتاب الأساؤه عالى الإعام العامل الثاني ما مرا . ٣ ، طبع قديمي) - وكاما في حاشية الطبوطة وي. (كتاب تعلق المات صالاً التراويح مال ٢٠٤١ طبع قديمي كتب شاه)
 مجموعة الغباوي عزيزي، وسيرات بهيي.

¹⁾ فتح القدر : (كتاب الصنوف باب صلاة التراويج، من ١٠٠١، طبح رضاية كرفة)

و قسدا مني أنسار المستخدار أما خراجه . ومرة منه ومرائيل فصيفة وثلاث العمال (ولا يتركنه النحتم وتكاسل الشوم) سكن في الاحبير الأمنيل في ومات قدر مالا ينفل حقيهما قال من عابقين ان فرادة الخدم عن الملاقة الفراويج استه وصححه في الحالية واعيرها وعراء في الهداية التي اكثر المتصابح وفي الكالي على المحميدر الارتفاعات العيلوة، بالمدالوتر والنواهل والله 100 م 15 منهم رشيدته

وكالكامي الهاداية: وأكتاب الصنوء، باب صلاء التراويح. ص ١٩٥٨ - ج١٢ طبع و حماليه لامور ي

و الله تسخيصيف على الناس لا تطويل (الهجر لذكورتي الوال مافقا كي تحيية الأكافية ثم آن كي دي. عمر كمثا في سنة في ثيل الركوم بهيكرا ال كناوسية ويركز سنة باكرت كي بعدال كمعاف كرتاج بي (⁽¹⁸⁾). والشاقال اللم

كي مورتول كوتراور كى نيت ساء تھار تعات كايز صناجا تزب

40 m

الوك كيتيا بين كالورث ك ساليد الاوكات قر وثن بإحدا جالا بياتو اليابياتي بياند وواكرة وفي نماة تراوق الجوزوات يا كمريز مصافي جالزات -

€Ç}

تراوژنج جي رکھان جي هورت ۾ گريا ٿيءَ ڪورگھانت تراوژنج کي بات تفصادر ڇارگھي ہے ⁴⁹⁰ارونماز تراوچ محموز کا جائز تھيں ہے ا⁷⁹¹ خطاد اللہ تي رئي تھي۔

- () كما مال الله تعالى بإنها ظهر آمو توبر؟ الى الله توبة النصوحة إدران وحرد التحريم أبت مسر الا ال وفي المدكرة عن الأعراض إن الزياق وسول الله بهي الله عليه ومقير مواوا إلى الله توبي أنوب البه في السود سأت مركل إمام السوماء في ٢٠٦٠ وضع تعيمي وفي شرح الدوبي: وتقمم طلى أن التعالى من خميج المعاصي واحدة الحد (كتاب البوباء بالله الاستعمارة من ١٥٤ و ٢٠ و٢. طبع قديمي كتب حاله)
- ٢) كيميا من الدور لميكور مع شرحه التراويج منظ مؤاكسة الدائر جال والمدار اجماعاً قال ابن عاشين السينة لبلد حين والمصاداً والمدر التي أمه والمضاداً بقول الرافقي الها مسادل جال فقط عني مامن الدورو دكتافي الدورو دكتافي عشرون ركعان (كتاب العلوة مات الوثر ماس ١٩٩٩ع) ع ٢: طع الرافزة من الاكتاب المبلودة معمل الرافزة من الاكتاب عمل ١٩٠٤ع المينية وكتاب على المبلودة معمل الرافزة على الاكتاب المبلودة معمل الرافزة المهرودة على الاكتاب المبلودة معمل الرافزة المهرود على ١٩٠٤ع المسلم وشيدية كوفتها.
 - اء كما في حلبي كبر (أنتاب المفرّة، الراويخ، ص ١٠٤، طبع معيدي كتب ساء، كولته)
- ٣) وفي فتيح النفدير: وهي البوارل ترك من الصلاة الحميل إن لم يرها حفا كفروان وأها ويرك قبل إلهائم والصحيح فته بأثم لالع جد الوعيه بالتراث وكتاب الطاؤة من فاتوانل من ١٩٨٧ ع ١٥ خرج وعرائها، وفي الشاعية: وفهما كانت المبلة لموكنة فريلة من مواحيت في للحرق الإلم كما هي المحر ويستوحب ساركهم التصفيل والموجد وأكتاب مصلوقه باب لوثر والتوافي من ١٩٥١ ح ٢ طبع رضامه كوهم.

غ)يساً

رمضان المہارک کی متا کیسویں شب میں خاص خاص مورتوں کے پڑھنے اور عید کے روز مصافی ^امعانقہ کا تھم

∲ل∳

کیا قرمائے تیں عنور بن دریں سیاکی ک

ھنے≉

(1) ساقر آن جمید کی علاوت کرنا ورمننا ہے شک کارٹرا ہے، اور یا صف فیرو برکس ہے (۱۰ میکن اوقات کی تقیین کرنا ورمعین مورقز کر الام محسالاور تدین مینے والوں پر تکمیر کرناز اوقائی الدین اور بدعت ہے۔ نبذا الاس ہے اجتماعہ بابعائے (۲۰)۔

- ٩) كسب شي جامع الترمذي: من فرأ عرفض كتاب الله عله الصنة والمعسنة بعشر أمنا بها لا أفرل "المرة حرف ولكن الفر حرف ولكن المرة عرف ولكن المرة عرف ولكن المرة عرف ولكن الفراء عرفة المراق على الفراء عرفة المراق الله عرف المراق الله عرف المراق الله عرفي المعلق المراق الله عرفي المعلق المراق المراق على المعلق المراق المراق المراق المراق على المعلق المراق المراقع ال
- ۷) کست فی رسانل الفکووی ۱۷ هم از عش استوان باهم الی حدالکراه فاور ساله سیاحهٔ الفکراه ش ۱۳۶۰ تکووی ، ص ۱۹۷۰ م ۲۰ طبع اداره انفراقی)
 - وكنا في انسعايه (ياب اصفة العبلاة، ص ٢٥٠ ج٢: طبع سهيل اكبتْسي)
 - وكما عن المرقادة وكتاب مصلوف باب الدعارين المشهد، عن ٢٠١ م ج٣٠ طبع عار الكتب المضيم)

(۲) - معنق معدفی کرد مستون ہے ¹⁹ اینین یہاں وقت کی تعمیق کردا اور معدافی تداریت واستے اور ا سمجھاڑیا ووٹی الدین ہے۔ مبتدا سم کوشر ادک نہ مجھ جائے (۱۹۶۰ انقادا اللہ کا آن اللم معروجہ شبعت کا حکم

$\hat{w} = \hat{w}$

کیا فرزیتے میں ملی دیمیں درمیں مشکل کہ ہے دیے مداف میں انجیز کر سف کا دوائی عام ہوگیا ہے۔ کیا ہے ضرورات میں بین سے اپنے برموسل پر کھڑ مدیش سے انجراعثروان میں کمی ڈس کا وجواقیا۔

اس کو خاص طور پر اعتمام کرن مثلاً توکون ہے چند و دسول کرنا اور ما و ڈاسٹنٹی اور ماہویوں کے آمرو وہ ٹی کا انظام کرنا کیسا ہے

ا لیک عالم و کی نے جعنی عال نہ کی بنا پر مولانا رشیعا حمد سا حب تکلومی منت کے نتوی نے چیش کھ (ڈوک ا اصل نے الرسوم کے آئری صلی پر مرتوم ہے) شہید کر نے سے سے کا ریا ہے تیکن جھٹی جھٹی جا ہ کے اس انترام والا بلوم کے سب ایسے والے شہید کرنا کے بائٹ ۔

∲نَ≱

الہم مند ارض الرحمہ شینہ کے مصل عظرے موق المفتی فزیر البنی صاحب قان کی ارائعلم میں بقم طراز میں (علی استنیار میں باروس تائین ہے کر بیٹر والی ہے کرچا فاجلدان نہ پر میں ایک جلدی کرنا ٹس میں مراف کھ

 ا) كيف في سيمينج السجاري: قال أن منتود رضي الله تدالي عنه عليتي التي تبلي الله عليه واست النشهية و كام ي من كام فيه و كتاب الإستيدار - بات استقالتها من ١٩٦٥ - ٢ طبع قديمي كتب خياب كيف بي الدرالمان . زنجن المصافحة والأنهاسنة قديمة منوائرك وكتاب المعظ والإيامة والديارة عن ١٨٥٠ - ١٩٤٤ فيح معيدود

. وهي مشكونة المعلمانيج: عن الرادي عارب رضي الدائماني عند، قال النير عني الله عليه و مشو المامين المستسيس يبلغيهان ويتميا فيجار الاعترائهما قبل أن يامرافان وكامات الأدم ، بدر، المصافحة: المصل النابي، عن ١٠ لام و ١٠ طع قديمي كتب حاله)

- ٣) القيام بحريجين (محرث حافيه مدير ١١ جواب مداكورة مطبحة لمعر ١٩٣٠)
- ج، فتناوى دارانالم اوم ديورند. وكتاب الصنوة ساب صلام التر ويح، في 24.7 ج: «طلع دار لاشاعت. كراچي)

شی شآ کی محمول ہے۔ بہائے قواب کے انٹا گناو ہوتا ہے۔ اِنّی اس سند کے متعلق عشرے مفتی محمود صاحب مرکلہ جَرَّمِ مِنْرِ مانچکے میں و مکافی ہے۔ لیونکہ واص کے متعلق ہر میلا کا تھم تم مِنْر مانچکے میں ('' - فقط والقدت کی اعلم احروم مد انظیف منز المجموعی میں سرق سم اعظم میں ۔

تراوت میں" الم ز کیف" اور کمل قرآن پاک فتم کرنے میں فرق

∳∪**}**

کے قرباتے ہیں موروین درج ذیل سناک کے بارے ٹی کر:

- ر کی ۔ انکیک نام مجد ماہ مضائن الم دک شن عافظ لاقر آن مناسٹ ٹیمن دی بٹی جہالت کے سبب رواب ہے۔
 - (۱۹۳ اور پایمی کبترے کو تھمل قرآن اور امرز کیف کافید ہی ڈاب حاصل ہوتا ہے ۔
 - (٣) فروهم أن مروف أول برمائية أرس كوكيا بالناء ببالت معالى المعالم المساحة
 - (°) ديگرفترز يون ټوکني تشميک بين کې جاريت کتان کرج ديگرز باني رو د تصحي طرح شيس بول مکنو -
- ۵) جانوک اس کی امامت شن کیکن تبل دو دیا ہے جین کسانیدا ام موجوکہ وافواقر آس کمی موادر قرار آس مسکی نامتانہ

مِنابِ ن· سِبِ باقِ لِ كالزروسة تُربِيت بواتِ كِررِقِ ما كَبِي-

المال حافظ كوفي مسجد لمباران بمقام كوت الاصنع منطق كرحه

ے (فوت) شبیدیش کی مفاصد ہانے و نے بیں () آرائی وابق م (۲) مام کا قرآت تیز ہو منا (۳) بعض لاگری کا البیئے بیٹے رہاند وقیر ومفاحد ہائے جائے ہیں ۔

كسد و من حاشية طبعطارى الى التدي به ثلاثة لإيكون تداعية وان التدي بعار بعد والأصح الكراهة . (كساب المطارة و بالدرات المطارة المستونة و بالدرات المعارف الكراهة . الموثر والنوافل من 194 م المبيع مستهدى وأبصافها: و بحدث المستونة و بالدرات هذا ما القرارة فوتران تعوذ و السبية و طبع المبيد و التراويل من 194 م م 194 م م طبع المبيد و الكسد في مرافي المفارف المستهدي و الكسد في مرافي المفارف المستهدي و الكسد في مرافي المفارف المستهدي و المراويل على المراويل المراويل المستهدي و الكسد المستهدي و الكسد المستهدة و المستهدي و الكسد في طبع المستهدة و المستهدة

#CP

(۱) - قرآن که کانتر کران وی می سنت سامه در کانتین چاہیے (۱) کیکن کروافظ پڑھا ۔ کا الل ماروز سے روکا چاسکا ہے (۲)

(۶) ۔ میکی ٹیس جیک ام ڈکیف اور ہورے قر آن کے قتم کے گاب بھی فرق کٹس ہے ہوا ٹتم مدن ہے (۴)۔

(۱۳۶۳) یکولی میسار اور ایس این اور این می می آن وید سے کوئی تنمی ادامت سے معزول ۱۶ نے کا میتی اور جائے – ویکنا پیت کرامام کی ویات ترق استقامت کیتی ہے اگر اس میں خاصی مُزوری ہے کہ جس گی وجہ ہے۔ اکٹر فک ان سے برعن بور والے الگ کیا جا مکٹا ہے ورزنیس (۲۰) والندی فراہم

نمازين بم الثدمر أيز صنا كالتم

₩ J 🍃

ا کیا فرون کے جی حاد این در این مثلہ کو آئے جیمہ بھاڑ اور کا ٹیا پڑھا جاتا ہے اس میں ایم النسآ واز سے

(2) كانسا على الدر المحدار والحدة مرة سه و مربيز فصيعة وللات مراة فضل (ولايترك (كناب الصلوة)
 بياب فسيلاة الترويخ من (3) حج؟ فينج مرح در وكانا على أنها دايم (كانتيه الصلوة ما ما صلاة)
 التراويخ من (3) درج در طبع وحدايد)

- كالمساقي الهديم، والمناخرين كالد يعتور في رمانا تكان أيات قصا راوا بة طورالة حتى لايمين القوم
 ولايلترم تحطيل المسجد ومقا محسن. وكتاب العالوة، ايات الناسع، من ١١٤ م ح ١٠ طبع رئسله)
 و كفا بن الحاب وكتاب العدم، عمل في مقدر الفراق، الح. ص ١٣٩٠ ح ح ١٠ طبع رشيديم)
- الدرا في الدراستخدار : والفراد قامي هداياه التراويع سنة) من كدف و كفات العبلوف بالسائرتر والتوفق،
 عن ١٠٠١ ١٤ بعج رشنديه)
- وكند في الهدالية (كتبات النصلوق فصر في التراويج، في 1997 م.) ؛ طبع راصفانية) وكذا في التجرائزاتي وكبات لصلاة الناد الوثر والترافل من م. 191 م. * ، طبع راتيفه»
- ان كنت على الدرائم عدر مع شرحه: ولوأم قود وعدله الارهول أن الكراهة لعماد فها الدكر وله والك دام ريداً واكتبات المستودة بات الإمامة، عن ١٥٥٠ م ١ مشع معيد) واكتباعي حاشة طحطوى وكتبات المستودة بات الإمامة، عن ١٠٠ مشع درالكنب، واكتباغي البحرائوالان (كتاب الصلوة) بات الإمامة، عن ١١٥ مع داطع رشيد، الوقائة.

پڑھان مے جہانے ہیں۔ کیونک بھی ہم مورڈ کے موقع کیم اندا آماز سے پڑھتے ہیں اس کی ایک آمل ہے۔ اعتراض کی کر بھم انڈ آماز سے پڑھن درہ حضی ساس مسئد ہم آپ پورے توالہ جات اندوری فراو میں کارجم ان کو طلق کر کئیں۔

۴ ٽ 🖈

۱۹ كيميا من انشاعيه، وسيس) عبر السوائم ... وسرًا في) اؤن ركار ركمه ولم جهرية ، قال الشامي رقباله سراعي كان ركمه ولم جهرية ، قال الشامي رقباله سراعي كان ركمه والقالدة أنه لا يحجم بها في العبلوة وعدنات وكتاب العبلوة عن 3 المام ح. ١٩ طبع رشيديه وكتاب في الهادية وكتاب في 2 المام ح. ١٩ طبع رشيديه وكتاب في الهادية وكتاب في الهادية ... وكتاب في الهادية وكتاب في الهادية ... وكتاب العادية ... وكتاب ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب ... وكتاب ... وكتاب العادية ... وكتاب العادية ... وكتاب ... وكتاب ... وكتاب ... وكت

٣) كنصافين و ماكن الكهوى، لوقر أحدم الفرآن في الفراويج ولو يقرأ فيسمة في السد، حوره من السود سوا مافي السود سوا مافي التمال المنظمة لي وما على المعارض المنظمة المنظمة ولوقر أها سرة حرج من المهدة لكن لم يحرج المنظمة المنظمة على المحكمة المنظمة المنظمة على المحكمة المنظمة من المحكمة المنظمة من المنظمة من المنظمة على المنظمة المنظم

إلا الشيامية: (كتاب الصلوة؛ داب صفة الصفواء عن ١٩٤٠ ج :) طبع سعد) وكافة في البحر (كتاب الصفوة: دار. صفة الصلوة؛ عن 200 مج 1- طبع رضيته، كوائه)

^{؟)} وَالْمِعَاتِ رَسُيْكِ: كَتَابُ الصَلْوَةُ مَوْرُأَةُ وَتُنجِرِيدُ كَانِينَ مِن ١٧٧٠ وَ ٢٧١ وَطَبِع الأوه اسلامياتُ)

ئے : اوٹر اوٹن ٹیس پوشتر ہوتا ہے اس میں فاریب حقید کے موافق نبی تھر ہے۔ گرافقس کا ربی بھور کی قرآ گاؤا ہے بھر اوگوں بھی شائع ہے ان کے فراد کیک معملاند ٹرزہ ہوسرو کا بھا اور جو کا پر صناحت مرک ہیں۔ بھی آمر ہو جا تقد اس ان کے کوئی ہر مورہ پر ہورے کیم اللہ بڑا مصافر مشاکنتائیں ۔ (آن ان قال) دونوں عراح ارست ہے اپنے امور بھی خواف و زائل منا میں ٹیس کہ میں خواہر کیجی ہیں۔ انتھی

موالا تكونون تدكروه الفاتون العامرة فياستفادها الم

ا 💎 احتاف کے دریکہ ایملی منت مرسم انڈ ہے

r - الخرطن وتر ووت عمل الن الثركوني في ترفيل دولون مين مراسفون بيع (المها

سے ۔ المار حضر کی انتہاں علی اگر توٹی مورہ ہرج سے انم انفریز سے آفتی کئی ہے (¹⁹ مفقہ واللہ تمانی الحس

تراويح براجرت كأتكم

45

أميا فمرد الشفا فإما علومة إين ومفتيلان شريع منيها وراي مسائل كر

(1) ۔ کیسٹھٹل سے جو مارہ میال ڈاٹرکی کے 19 سے باصفہ 19 سے اور دھندن المبادک ٹی ڈک ڈک رکھ ۔ لیٹن ہے تی مرفعنس کے پیچھے فائز آوائن پا معالی فاسے باٹھاں۔

(۲) ۔ ورالیک حافظ رمضری العبارک میں فعادیں امرقر آئی شریف مثا تا ہے ڈوائن کے لیے اجرت لیڈ ۔ جائزے پائٹین ۔ آ ہے قر آئن وحدیث سے دریت کورٹ کول ہوئے مالی ہوئے میں بٹ فروازیں -

ه ځ چ

(۱) الله الخنعي فالمن اورخت تعياد سيدان و مام بنانا جاز نبيس ب أيه تكوال ك ويجيه فرز تكرو وقو كي ب (۱۰

- ١) القدم لخريجة وتحت حائبة بمبراة أحراب مدكورة، صفحة هذا
- ٣) بقدم بحريجه بندي حلاية ببار ٣ بحواب بدكور مرجه مدهنده
- "كسيا في البدر السيخيار: ويمكو وإمامة فيد و فاصل الدواد به من يرتكب الكياتر ١٠٠٠مه الدواد الدوار المداد الكياتر ١٠٠٠مه الدوار ال

و للمذا فني ليبيس السعيف تن: وكتاب الصلوف بات الإمات من ١٦٣٥ م. (المدارية مُتالَى) والعدامي السعر الإكتاب الصلوف بالسالوامة من ١٠١٥م جال بقيع وشيديد) ا مردوده بسينان ما دولت ^{(۱۸} مدرام برد) كه شروار كی تشویم سیم از رسیمان گراه م بردن جاز گریم – فقی انتشامیده و امراز الفراحسیق ادافری میشود اکر اهدانه در بعد با دره از بهتری لامو درد و بازز فی تقدیمه تعطیمه و قدر جست عبیهی اهامت شرای م^(۱۷)

(۱۰۰ مندن ٹریف ٹر قرآن پاک سائے باقدت بیز جائز کیں ہے(۱۰) انھاد اللہ تعانی اط تر اوش کے کیل میر وجیہ ملام پڑھنے کی ٹٹر کی میٹیت ایک کیا

() }*

کیافر بات میں مدارین اس مشدیل کہ کیا وہ الاصاحب وعضائ تریف میں فروق کی بڑھنے کے وقت انعملی باکٹرے میکر ایت اوسا سے کہتے علام مراج بالطارق الان شروع کرنا ہے اوک الاق کو تاہی ہو الفلی فاارحی ہے ان کے چکھے خاروا سے کا کیاتھم ہے۔

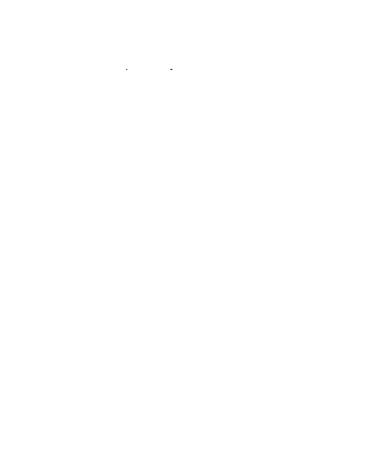
ه ن په

ياطريقة بدات بير (١٠٠٥ ن طرق في زعي الواز قوند بي يشتر فعل ب (١٥٥ فاعل الارميتري) كن يجيها ما ذ

- الاستان عادية لطحهاوي كن عالاة الدن مع كراهة النحو م الدن بالوجوراني الوقب والما يعده المداب (كمان الصنوف بالدن فصد الهوائي مراء) في مطرة الديم كدن حادم)
 - و كدا في المحروب في از كتاب الصابوة بات ديدة الدائنة أمر ١٧٧١ ٢٠ مطبع رشيفية : و كدا في الشامية: وكتاب الصابوة بات هصار العوالية على 174 م ٢٤ صبع محيد كراجين)
 - ٢٥ الله (المحدر مع شرحه أو كداب المبلوة بالما الإمامة) عن ١٩٩٩ ١٩٦ طبع معيدًا إ
- كسما عن معملها از ادر الزراطين أن والأناكيونية واكتب الإخترة عالى الإحارة العاسفة عن ١٩٦٩ م
 حالة صدع حاليات الشاري وفي الشياسة إلى لقر أن الأخرة الاستنجار التوانية واكتباب الإحارة منها إلى ما الإحارة من الإحارة عن الطاحات وفي 12 م حارة طبع معمله كراجي واكتبا في الهداية (اكتباب الإحارة والدارة المنسسة عن قاء 12) معهم طبع وحملية الأحور).
- كيما بن الدوالمحدان والمستدع عن صاحب بدخة وعن اعتداد حلاقاً المعروف عن الوصول على
 البلد حشد وصديو و كتاب المجمود بات الإدامة عن ١٠٥٠ طبع بنعيد و كفا في البحر الإكتاب
 البلد حشد وسديو و كتاب المجمود بات الإدامة عن الشكرة و قال علم السلام من أحدث في
 المدود بالدي مد فهورون و كتاب الأنساح باب الإحتمام عن ١٠٥ صح فديمي)
- ه إلك منا في محمد الفقد على مدامت الأربعة قال بحراء طلق الطحة ومس قص طفارات ومكم الله الشعر عن 1949 مع 1 معم دارالقلم، وكفا في الدرالم على تراجم وكفات الصوم بات مايسلدا بصوف مات المجدد على المعمود على المعمود على 1950 مع 2 مطبع إستاده على المعرف على المعمود على 1950 مع 4 مطبع إشتاديم.

ا مرووے مہتر ہے کہ دام میں وب کوئری ہے کہی ہو ہے اگر تھی کا کارگر ناموق بدل اور بات و انگر بدائر ہو النوبی فقد رہ دورو کی اور نیک امام کے چھے خلاج ہے ⁰⁰ فقد والشرق الی شم

اكستا دي الدير المحتواجع شرحه: ويكره ادامة عيدر أحراي بعاسق واحمى - (كتاب الصلوف بالمحدوث المحتواء بالمحدوث في المحتواء بالمحدوث و كتابة في المحتواء لاز (كتاب الصلوف بالمحدوث بال



.

باب في احكام السفر



سمنارے پرگی کشن میں جن*ھ کرن*نا زیوجے کا حکم ﴿ سُ جَه

كيافره تي پي علا ال سناه يم كردوي في موفي او كناد ب به و همي منتي يا بماز پر مناجائز جواند . ﴿ فَيْ اللَّهِ

بالدوائد من الاستان حد

بواب مي مواند والعدور

(ع) كام الفي ثلها عبية: اماذا صبوة في السنية فالمستحد، أن يجوح من السبية للفريضة ادا قدر على النيام... وإذا يسلي فاعدا في المدينة وهي يجرى مع الفدرة على العيام نحور مع الكراعة حد أبي حييها وإذا يسلي فاعدا في المدينة وهي يجرى مع الفدرة على العيام نحور مع الكراعة حد أبي حييها في النهمية ويوضعي لهية فإن كانت مشتودة لا تجر فصل الوراد ولي النهمية ويوضعي لهية في كانت مشتورة بسيكت استعراج عنها أن تجر فصلوة ولها كذا في محمط السراحيي وإن كانت موثقة في ياسعة الريام وحيى وإن كانت موثقة في ياسعة الريام وحيى و معامرات و الأمام فادار كذات أو الح تحر كها تحر كانت بدير عمل المناطرة وإن حركتها تحر كانت في كانو فقة الأجمع إذا أن كانت المدينية والمستورية وأنه توقام تحر رئيسة بديرة المادة المادة والمناطرة في المدينية المناطرة المناطرة المناطرة المناطرة المناطرة على المدينية والمناطرية والمناطرة المناطرة المنا

مېتىگەز ئەمىسىماز كائتم

* U *

کیافرد سے بیل مدروی منفقیاں شراعتیں استدارے بارے بی کیٹی کا ای بیمی آرڈی میں آرڈی میں خواج منا جاتا سے آبار بیٹر کرفراز نیا عن جارہ ہے کا کر سے بوائر ہے عدائد ارق سے اورا کرکا ڈی بھی پائی مثل سکھا ارائٹی نا ہے میٹیز سے قرار تھا ہوئے کا توقیہ ہوتی آبائیم کرنا جازے یا گئیں۔ میزا ڈیجروا

ه ن ۾

بهم درون الرحم الرحم الحوق في المرافز المساولة وي ممان و كالموافق و كالميان الرحم في هم المرافز في محمد المرافز و ويرون في المرافز والمرافز والمرافز والمرافز والمحمد في المرافز والمحمد المرافز والمرافز والمراف

- (4) كسياش الدرائسجين (قبله والدربوطة في انشط كالشط) فلاسجار العطوة فيهة فاعدا تعاقدو طاهر منافي الهدارة وعبرها الحوام فاتما مطلقا الى اسفر على الأرض الإلاء (كتاب الصلوفة بالم صاحة العربيض من 1 م المرج 2 بطبع سعيد) وأنه التي ترجر الإكامات العطومة بحد للملاة العربيض العن الامال 2 م 2 كام عليه المعربيض العن المحدد المحدد
- عن الدراسيختان (ومن المدر عليه القيام) أن كله (صلى قائداً كيمت عام) (كتاب المسوة مات مديناته المسرومي من من ١١٦ ل. ١٩٨٥ من و إشهامه و كتاب محيح الأمهر: (كتاب المعلوة مات مدينات المسرومين من ١٩٦٧ من المنع عماريه و كتابي الهيدية (كتاب المعلوة مالياب الرائح من ١٩٣٥ من الطبع رشيدية)
- أكامة في الهيدية: بحوز قديم ليس كان سهدة من المدارما هو استخدار في المقدارات (كتاب الطهارة).
 الساب الراسع والمصل الأول من ١٩٧٠ ع ١ عشع راهيدية (وكانة في مجمع الأمهر وكتاب الطهارة).
 سام، المستمرة من ١٩٥١ الأقاء مشع عمارية) وكندا في الحالية (كتاب الشهارة) اللهموم من ١٩٥٤ ع ١٠ طبع راشيدية كركته.
 طبع راشيدية كركته.
- ع) كريدا في دير المختار مع شراحه ال إدان السائع من قبل العناد المحاولة المتيمية وحيد القطالية الأدرال الميانيج و كام من الاعتمام في 18 مختاج الميانية المؤتنة) و كام من محمد الأعيار و كام من محمد الأعيار و كام من المهاجة (كام حرار معالم عادارية كوئنة) و كام في المهاجة (كام حرار المعارفة كوئنة) و كام من الهيئة به (كام حرار على وسيدية كوئنة).

ڈ رائیور کتنے ^{می}ل کاسفر کرے تو مسافر ہوگا

ه کې و

ه څخه

تين عن كامؤ به تا تقرارتم جيكل خرش الخيرتك بيان بالساكا الادود والكركن عزل (٢٠٠ كل). - ورجية تشرك الجالجية وبالله الهيئة شميان فإلى شرواتش و الاقترار ساكا - افل حسافة تعفر فيها: الإحكام مسيوة ثلاثة ابلام - المنح - والقصر واحب (٢٠ من خرج من عسارة موضع فاحته المخ-فناصدة المنع مسيرة شلاتة ابناه والمباليف المنع صلى الفرص الرماعي وكعلين وجوما - فخ-فيقصر ان توى الافامة هي افل منه اى من نصف شهر (٢٠)

 الهستديد (كتاب النصاب إذا المدائد عمل عدر، ص ١٩٣٥ ح. الضع رشيدي) وكتا أي تبين الدخة التي الإكتاب الصلوف بالم صلاة المسافر، ص ١٠٠٥ ح. الضع در الكتب) وكذا في تبوير مح شرحه واكتاب الصلوف بالم صلاف معمل على الـ١٠٥ ح. الشع معمد كراجي)

 ع) السير المتحدار مع شرحات إكتاب الصدرة، داب مدلاه الدسافرة من ١٩٩١ تـ ١٩٣٢ - ٢٠ طبع سعيدي و كدما في الهسمية (كتاب الصدرة، الداب الحدامي مشرة في ١٩٣٩ - ج٠١ طبع وشيدية) وكدافي قبيس المحققائين (كدفاب العددوة، داب صلاة المسافرة من ١٠٠٥ - ٢٠ طبع دارالكامية العلمية، بيرون)

جنگ بندی کے بعد عربی فوج کے نے نماز کا تکم

16 V 3

(1) معروض خرمت ایند بنگ بندی کے عد ب جنے ہم کیس مؤک عالت میں رور ہے جن خاصلے کے فوافا ہے بھی نماز مقولی ہے۔ رہنے کے کے بھی کا کہ منس کے میں کہ روز ہے۔ یندرووں سے زیاد واقع میں کا رچنا ہے۔ کرائیل تھوٹی فارمیشن سے اچازت کی جائے کر بندرووں سے زیادہ رینا ہے تو کہ مماکز پاری باجیس بادے تک کی بولی دارمیشن سے معلم مندو یا سند تو آ ہے۔ حزا ہے کی فرائے جن -

(+) آلوندا زمانی جوتو نماز میں کے تعلق آپ کیا فریائے جن بز هنا شروری ہے یا تا ال معد فی م تعنی ہے۔

(٣) كيا كولي مولوق مدهب الجربعية وكرائي وويا في فيدكون إلياج عا مكل ب-

×(ث¢

(۱) آب کا بیات جس اخرے واقعت سیدان سے مصوم کیا جائے کہ سیدہ دوان سے ترواد والیک تن فیکر دینا ہے قو پورکی کرتے ہوئے کرتے اور اگر چدروان سے تسریبنا معموم ہوجائے کہ اگریں افعنی فالا مغربی علاس بی محکمان اگر متعلقہ اشرے تفایت تو بجراتی ہے جس سالت میں ہوں اس کا حتی رہوگا میٹنی اگر سفر بھی جو ب تو تھڑتے ہیں اور اگرا تا تامت ہوتے پورکی ہا جا کریں ۔ای فرن کرتے کرتے کی سے پہلیسے ہو جائے کہ میں بیدرووں ایک تال فیکٹر رہائے کہ پورکی ارواز جا حاکریں ۔

وطبيعت بية تستوع لانه الأصل (لاللابع كامراً)) للغ- وعبد الغ (وحيدي) اذا كان يرتوق من الأمير أوبيت المال (و أحير) وأمير وغويم

(ع) الدرط ما يجابل مع در يده وكارد العالونه بالما بحالاة المسافرة من ١٣٤ تا ١٣٤ مع ١٤ طبع سبهة كرا يني يوني الهنديد وكال من كان معالميره يلوم هادته يعين بديما باقامته ومسافر بينية وخروصة التي الدامر أكدام محيط السر حتى تيمير الحدي منيما في القياض بينة قامة الأمهر في تسعيرا وأكدام العالونة باب الخدسي عشرة من ١٩٤ عام طبع وشيديه والعنافي منجمع الأبهر وأكدام العنافية باب صلاة المسافرة من ١٩٤ علم غوارية كولادي. (۳) مغری نماز عبر مسافر برئیں ہے آثر کی شہری مسافر نے عبد یا جسد کی نماز اوا کی قومجھ ہے۔ لیکن جعد یا عبدی نماز اس و : جسینیس ۱۹۔

" (٣) ایک نفس ایک دن میں مید کی جامعوں کی داست نیس کرسکا (۱) منطاوالد نعالی اطم وشمن سے ہاتھوں قید ہوجائے واسلے مسلمان مسافروں کے لیے قصر یا اتمام کا تھم

\$ J

یخدست بزنب وزیرانظی موبر مرحد مغربی یا کنترین مواد ناسفتی تحوو سا حب اسلام هیم و راحت النده برکانید سمزو بر زالته ای به کریم تیزی نماز کیستد برخلی و شوادی کا سامنا کرد ہے تیزا آگر پیدیمین اوا کمکل النده برکانی سامنا کرد ہے کیون کا آگر چاہیمیں اوا کمکل النده برکانی میں تعربی تیزا کم تیزا کا سکند درجی النا کہ برخلی کے ایک النامی کا برخلی کا معدب کم و گورو و بن کھنے ہیں تھی تیجی النا کہ برخلی کا معدب کم و در اگر و برن کھنے ہیں بیا تاکید آئوش ہے کہ فتری نہ کورآ ہے کہ اپنے و استخدا اور میر کا در ایس کا برخلی برخلی برفت النامی کرانی کی منافظ میں النا کا برخلی ہو ۔ اگر اس کی ترکیل جمکن برفت کی در النامی کا برخلی برفت کی در النامی کا برخلی ہو کہ استفیال کی برخلی ہیں ہے مستفید کی النامی کا برخلی ہو کہ ایک النامیان تقیم بردگا ۔ اور برکا النامیان تقیم بردگا ۔

- 3) كرية في سياسم الأنهر (وشرائطها كشرائط المصحة و هوباو الدوكتاب العبارة اباب صلاة العادة من ٢٠٥٤ مع ٢) وفي الشناسية وشرط لافتراضها القالة مصحبر قبال الشامي (قوله قالة) خرج به السند قراء كتاب الصلوة باب صلاة المسافرة من ٢٠٥٧ مطبع معيد) و كفا في البند الرائز الرائزة (كتاب المسافرة باب صلاة الجدمة من ٢٠٤٥ م ٢٠ طبع رشيدية) وكفا في الهندية (كتاب الصلوة) الحالة السنادس هشير من ١٤٥ ج٢ فيم رشيدية) كما في الدرال عنال مع شراحة ويعلم فلامامه فيها والمجمعة من صلاح لجرحة فجازت المسافرة (كتاب العلوة) من صلح لجرحة فجازت المسافرة (كتاب العلوة) باب المجمعة من ٢٠١ م طبع وشدية كولاية)
- ٣) كسبا هي الدرائسست و صع شرحه لا (معترض بعثغل) لأن اتحاد الصلائين شرط حددا (كتاب البيمانية) كساعي فعتان الإسامة ٢٠ من ١٩٩١ ١٩٩٢ مطبغ رشيمه) كساعي فعتان التالو خاته وان كان حيل الإسامة دون حان المعتدي صبحت صلاة الإسام ولا يصبح صلاء المثندي. وكتاب العملوة ، باب الإسامة عن ١٤٥٠ ح١ ع طبع ادارية الشركن) وكنا في محمع الأنهر (كتاب العملوة ، الفصل من ١٦٧ ت ١٦٨ مج ١٠ شع غفارية كوله)

معالا نا اوالوسی مودودی ساحی نا فراد تھر کے بی بی قبل کی موسول ہو یا ہے۔ جو بنی حاسبیت کے یا جود جس متحد ناکر ما - اس سے کدو متعلیٰ میں فراسام ہی اس منا ہے اس استاکا جواب از آر سے ہو ہے انہو ہے۔ دور رہے کے سالات حرب فران ہیں۔

- ا الله مع فيد كانواز ك ملسايش غومت بيندك فلم يرتقم متسور بول ك ومهافي
- ۳ ۔ آید کی حدود کے اندر بھی توران ور ہائش کی تھی تھیں۔ شمرہ دوج ت برنماز پزینے کی اپ زے سے ور عدنی صفائی کیا میں کی صفائی ورانسو دک لیے پانی بھیدواز مات ماہم خواد دستیاب سے اس کے باد جود قیدا ورآوز وقی کا قرق کی انسدا و جود ہے۔ تو بیدھ است شرعا تھی تون کی تماز و شمرہ تی ہے۔
- ۳۰ جیدیا که تفایرے بیم بلا اور دورشد دستان آئے اور بنارا آیا مرتجورا ہے منز پیدیمان جندوستان میں رہیتے او کے جو دا قیل مرتیقی ساہر سال ایک ایک شد سے دو مرقی جُدِیْق الاک کی دفت مجی موقع ہی سو گئی ہے۔ (جاری ایت کے بغیر) اور سب سے مزید کر حاری وطن واقعی کی نار من مجمی حقیق ٹیمل اقوان تا م کیفیؤ ت کے باصف ایم اپنی ایک تحلی کرے سے قاصر میں ایک کی عدم موجود کی میں ہم خار قصرا وا کران سے انجمل ہے۔
 - ه وروا قامت (جور في آهر يه) في شر عَوَا مِيا عُيرو ـ

ح ت ای

 مراق الله ينبو المستعمل عند المستدع الانب الإصار الا النامع كاهو الداني فولد السير المسطق الدي حدة لا تال المراقب الميت الوق عند والمراود الله يستحدون والقريد أن السندي الدانت المراقب المراجمات وفي والوالي من تصحكو العبد الا تعليم بينه أحمد عن الأمارية من الراقب ويوه وواده والماسكات المراقب ويوه وواده المراقب المراقب المراقبة المراقب

(11) المراقع والمدينة بعد يرسيد المدينة والمستقال والإساء المدينة المستقال والمستقال والمستق

(۱۳) - روسورے دیونٹل دیا ہے اور آئیش اور بودیا اور اور معدم دیدا کیٹنل اساں سے جوجہ ہو ایسانہ دیا اور دی اور ایونٹر انسان کا این اور این اور معدم ساللہ انداز ایسانی

۱۳۶ آرچ نیختری آن داده گی افتود رستان بو چند و از سال میگیمی برای سنه بود بود و شده از داش صورت نش اسپینالشی ما ری آن ری داداشته مهمه و آن سناله میشان برست و کلفا بسیعی ان بایکود

أيسد هي الدر المدين مع شرحة أو للمعترب النساع (الأنه الأصل (الاشاع كام أه والاعتامهم ها المستمير (وهد). (والحد) أنس الشياء المستواة المستمالة المستمال في الولدة (الادب المستواة المال المعتمل عشرة من (١٥١ مشع الشياء المستواء المستمالة المستمرة من (١٥١ ع) مسع عمارية كولاه).
 أكد في محمع الأنها (اكتاب المستواء المستمالة المستمرة من (١٥٥ ع) مسع عمارية كولاه).
 إنجاب (كتاب المستواء المستمالة المستمرة من (١٥٥ ع).

77 نشام الحريدة (الحيد حرف الله ١٠١٥) عراف جد كارة (الهيمة السر ١٠٠٥)

وم المدافق الشافية وقوية على ودائر في الدائمي أن المسبدات أمرة عدول كل مقصدة ثلاثة أنه المداد في المسبدات أمرة عدول كل مقصدة ثلاثة أنه المداد و كانتها المداد و كانتها أن المداد و كانتها كانتها أن المداد و كانتها أن المداد و كانتها ك

حـكــم كــل لـابــع يستل حيوعه قال احيره عمل محــره والإعمل بالإصــن الذي كان عليه من اقامة واسقر حتى يتحقق خلافه 1 م. ⁰⁰

(۵) جبال قيديول كود فسران قبل سعد موال فرقا محتدر براود ان كي رسائي وبال تك درس كتي ووق الى صورت ايس أكل السينة المس مال براحمل براه والأخرجي تقروا قدام كريس مو شعد غير السهوال مدولة اللهوال حسع عدم الاحداد (۱) الروقت بقل قيدل جبال في ووالسية متوجه كذبيان كي ريزيتم بول محاوران كو فهازيري واكرتاء وكي (۲) في والفرنولي الم

بارا ر پھہرے ہوئے فوجیوں کے نے قصر واقمام اور جمعہ وعیدین کا تقلم

∳∪}

کیا فرمائے ہیں ملا دوین در پر سنلدک بندہ پاک آ رقی ہیں بیش انام ہے۔ آ ہے کہ علوم ہے کوفوج آ تا ایون کل دومری تک بندہ تی ہے ور ٹی افرل ہم باؤ دول پر تفہرے ہوئے ہیں۔ ہم جس بھر گئے فیمسانگ تی ہی آ کی ہا۔ منیس بھڑا کہ کننے وقومی تک ہم بیمال دہیں گے تو ای دوران میں جمد کی آتا ہے اور شاہد عمیدالا کی بھی آ جائے ہی۔ اور مذا کی تفری تھر بیابیال دویا تھیں میں ہے تھ آ ہے بدائے میں ٹی جس ایسائٹل بھش تو کی تو آراہ میں کہ مارے افترا در بیا تی سے کومعلوم بوجائے۔

(۱) نیز دہ فکا شاہیے جانات تک کیے پڑھیں گے(۱) نماز بھد ایک جانے بل ادارہ فی ہے پائیس (۳) اور نماز عید بھی ادا ہوتی ہے پائیس- ہندہ تقیر کوان جانات کا سامنا ہے- ہندہ کی بچر دل آلی کریں- اپنے جانات میں نمارے لینش فوجی شاہ نماز بھر باعمیر باحر تے ہیں پڑھیا ہے ۔

۱) التعار المستخدّة وعم شرحه: (كتاب العبادة دات صلاة العبيداني أص 1976 مج1) هيم معيد) وكذا في المسخو الراقين: (كتاب المصلوف بناب المستانية من 1925 م-19 طبع وشيلية) و كفا في سائشة الطبعة وي (كتاب الصلوة ويال صلاة المستانية من 179 مايع تديمي)

٤) كما في الشاب، وكفا بيني أن يكون حكم كل تابع بسأق مسوحة قول أخراه عبل بحرة والإحيل
 بالأحيل الذي كان عليه من اقامة سفرستي شحقق حلامات (كتاب الصلوة، بات صلاة المسائرة من
 ۱۹۳۵ - ۲۲ طبع
 رشياجه) و كذا في حاضية الطحطام ي: (كتاب العبلوة، باب صلاة المسائر من ٢٤٤ - طبع قديمي
 رشياجه) و كذا في حاضية الطحطام ي: (كتاب العبلوة، باب صلاة المسائر من ٢٤٤ - طبع قديمي
 كب خانه)

٣) تفدم الحريد: تحت حاشرة فسير ١٩٠١ حواب مذكور مبالا صفحه

404

ا قامعة کے لیے بھی چدو دون کی اقام مندون نہیت تھی تب درست ہوگی دیکھیا قامت کے سیے رکھ تامت قریبہ مہمی تصبیم بزور بودرندیا ڈرش جدرون کی تام مندر لی تب تھی معترفیمیں تعرفر الازم ہوگا ⁸⁷⁷۔

دوران جنگ انواج کے لیےقصریا تمام کا حکم

وُ کي هُه

- ١) الهنداية: واكتاب العملوة دادت الحملة دعل ١٩٧٧ مع ١٠ طبع رامسانية الأجور) و كدا في المحرة شرط محملها الى تودى في مصرحتى وانتسح في قرمة والإمطارة، (أكتاب العملوة دنات الجمعة دعل ١٩٠٥ مع ١٩٠٠ مع حـ ١٩٠٠ عليه والمحملة من أحل المركز والبوادي فهذا من يصاره المحملة من أحل المركز والبوادي فهذا العملوة والمحملة (كتاب العملوة والأباب السادس عشر دعل ١٤٥٥ عليم وشيفية) وأنذا في حاشية الطبعة في كتب مانه)
- ٣) كيميا بن الهيمينية: ولا يتوال عنى حكم البنير حتى يتوى الإقامة في بلدة ارفرية خمينة عشر يوماً الواكثر كنة من الهيمائية: (كتباب المناوة الياب الخامي عشر على 170 من 170 منظيم (شيئية) وكذا في السار المساخة إلى 100 من 100 من 100 من المنظيم وكذا في الهذا إله: (كتباب العباجة المسافرة من 100 من 100 من 100 من المنظيم من 100 من 100
- ٣) كمة في مدولا معارضه شرعه: (بعني يتحق موضع طفاعة من افاعة بصف شهر ١٠٠٠ جينة ع قها إمن محرة ع قها) من محرة وقها إلى حاسين (قوله و محرة لادارات) احرار عن محراء أهل الحراء في حراء أو المحركة أو المحركة ا

ې تی ه

آروجی خوصت کنی دیائی پیده از بست ۱۹۷ میل در کار مک جائی به را و بست او شوم آرویی در این از می آروید در این میک کیسه کله بیندروه ای تخریف فاقسیده پیش بستانونی مرکبی ادر نه بهدر در به ایس ندیمیم بیش و او بین بیش در و آرایی ما است کار ارتفادی و آرایی به برای این است این در دیامونی تیم آموزگری بیرکه به می نداز پر دیا در بی (۱۹۰۰) فاز و اید قدادی طر

روزانہ گھرے بچوس مین دورآئے جانے والے کے لیے تماز کا قلم

ه کی ه

کیوفر مائٹ ٹی ماہر دین میں اور استانک بلٹ فرائ کا مائی سے بچائی تھے جیرے جا در مورد اور ہوں۔ واقعہ قبائی مگر ڈوٹ سے المرکھ و گئی ہوئے ہو تھے تھے دور ہوں وار سنی سے جو چنن سے اور مائی ہے اور اور شرا وائن وقت ہوتا ہے ان کے محلق ہوا کی مرین المراد تا تھی جہدتی اور میں ڈوٹ وائٹ کر ہائے تو ووٹھ کرنے ہوئے ہی تھی۔ چانے اور کھی تھی۔ تا کیے کہ وہ دیا گئی سے بچان والے کے اللہ کا کہ اور میں ڈوٹ وائٹ کرنے کی گئی ہوئے ہوئے ہوئے

ه ځ ه

ولا من المرافق من المرافق المر المرافق المراف

الاستاني فهداية (البيطرانيوي بتغيرات الأحكام إل بقائلة سبيرة ثلاث الهام بالدلها (1910) إلى المعلم
جاوت استعظر سبلي والتعيير (1910) على حكم السعر علي بيون الإقامة في ما ما وقوية حسبت
خشير بيوها أو اكثر وان سوي فيل من 1930 عمر ((193 ما شمل قدام صادة المسابي من 1949 با
1933 م حالاً ما في رحم سامية إلى وكدامي فسيم الراقي وكدم المسودة البيانية على في 193 با
1930 م ح العلم وشد مبه إلى كدامي نور الأنصار مع در مد وكتاب المبلوة باب صادة المسامر من 193 بابر العالم 193 بابر المسابرة المسامر المسابرة المسا

ور وران المران المران المران

وومرے شہریش ملازمت والے تخص کی تھر کا تعمر

ا ایا تم بایث جن هذه و بیدور می منبلهٔ باینه ای منتقل خونه در مانش و تاین می مواندن امیال مید اساد و عن والمنظل مع المعينة عنى والني منت شال الن يُحتمل عن جها بعد إنها بالناء الأناء المنظر المنظم العالم العالم ا ياتا ولها الص الموتهم أن هم ف المصابع بالإيكال والدائم بياني البائه وثيا مثال العاوم تحتي بواسَّت ال

معارت عن مواليود كالموديك أن منتقل عون وقال وي عن الأوانية عنه المبدراه ورم فلع في الري

- (1) اللين بيناغ والزرج الجابلة والرائع علامة أن والإن أن المورقة الإنتاج الورد في زعمون به
- ا ۱۹۰ مرد بسام برای ندی دا دو تی سیار ماتن سه و با کس باست ان زوی پزندان شروی کدار پرسوس
- ال ١٠٠ الله المسابق في معلَى أهواك وسادوهن أي اول الما وهو المراه كالمسابق المينة بال الجيه الأول الشنبة بالمندر و أنواه شروق وجدا العرفية بالاست وهام والشراق من المن المنتسبة والأوافر والما

- (0) -1 پ 6 -1 (0) -1 (0) -1 (0) -1 (0) -1 (0)
 - ا 1967 أن ينتها من جي ماڙي تاريخ هند <u>نه الشار انتها وال</u>ه آهي.

الهارية والمراوية المنابا مرافع فرارين منافاه المساورة في ١٩٠٧ والح الطبع وحمامه والعروو وكلفاهي وليستعلمه وكنفات التصفيدوه البات المجاميل جشراه من ١٣٦١ و ج. الصاح واشتادت كالثام وكدامي وباراتها والدام شراحه (إكان العبادة الله فيلاة المستقراء فل ١٩٤٥ و ٢٠ طبع منعاد كراجي).

- اله بالكنجا في غوالر أمع شراعه " ووي بيطلق ووطن الإصحة بعثله وي يتوصل الأستعي وي بومشاء الرمعوب وأكفات منطقة ووالمان فسألادة المستورة في ١٣٦٠ و ١٦٥ طبع منعدوه كلافي البحر (كتاب الصلوة مات مهيد أفراء فرار والأفر فليع واشيسيه وواكافا في حاسبه المتلحظاري الإكتاب الفشوة بالأب صلاء المدرسين أأصر الأشاف فشيع فعايسي إليا
- ١٥ كالما في الدر المحدرة ومن حراج من حدارة موضع اقاعته ... فاصحاً ... مصيرة فلاثقة بالموتوانية مهاري المرامي الأبرامين كعتبي الاحتى يماحل فدفيع فاك الداوينوي فادة نصف شهر للموضع والحام وكالماء بالمصوف بالمحافظة المسافرة فس ١٩٤٠ فالماقاة طبع معيماة وكفاعي فلحوالوات وكناب المصوف مات المحالفوه في ١٣٣٥، ١٩٤٠ و ١٠٥ شاع رضاً له ١٩٥٤ في الهلماء (أنمات الصدق الباب فجامس عشره ص ١٣٩ - ١٠٠ بشع راشيد ١٠
 - وي القوام الحرابط في وحوامل على كرار ما حدثته المار الأم متفاحم هوالي

سردی گرمی سے لیے الگ الگ جگہوں ہمکان بنا کرد ہے والے سے لیے نماز کا تکم

﴿U﴾

أيافرات جيالم مرامان مرائل كالاساس

(1) ۔ آگر آیک فحص کے دووجی اوں۔ شٹرا اس کی مربائی دکر یائی مکان طرورہ کی تھوں ہوں۔ موجر ہائی کیف طالب تھے ہیں رہٹا ہے اور وکم کر ماہی اور سے طالب تھے ہیں وائش پند پر ہوتا ہے اور یہ توکر آئی رہائی ہمدیا تی طائدہ مراہاں ہمیشہ ہوتا رہٹا ہے - ایک سی صورت میں آئر تھی موجوف ایک عربے ہے ہے ہے وہرے تی وامر سے ان کے کھیے ا کیک ادارات کے سے عقد مرتب جانبا ہوا جاتا ہے ۔ توکیا اس کوئی زقع کے ساتھ پڑھنی جا ہے وہری تی تر است ہوا میں موجوف اسے دونوں مذتب وسی مراب الی اگر مائی میں زمین وغیر واما اس بھی رکھتا ہے دوراس کے قبر متان رہ کارو بارور پر اگر کی دونوں مذاتی میں موجود ہے

(t) (ك فراكور بوكر بيشا في زندگي مفريش كزارت بين كيان لوفار نفر يعني جاييه ياند.

ŧζ∌

(۱) قبل في النساعية والوكان له اهل بعدائيل فاينهما وحلها صاو مقيما - ١٠ إيت إ المصافحة على النساعية والمستاية والمعالم معلى المشاعية والمستاية والمستاية

.

- ۱۱ انتظر المستخدار مع شراحه: (کناب العملوذه بالتا عملاؤ المسافرة عن ۲۳۱ ح۲۵ عنظ معبد او کنا النے
 (شیخر الر افق و کتاب الصلوف بالم الاستخراء عن ۲۳۹ حج۶ طبع رشیدیه کورته) و کنا الی حاشیه
 الطحطوری، و کتاب ظملوف بالب صلاف المسافراء من ۲۹۵ طبع فدیدی)
- المعرفات خدو منع شير حد، وكتاب لعملولة داب صلاة المسافرة عن ١٩٥٥ عليم سعيد) وكفا عن الهديدية (كتباب المسلوة (ابنات المحاصر عشر دامل ١٩٩٩ - ج١) عليم وشيدية) وكما في الهذابة: وكتاب المدودة باب صلاء المستقرة عن ١٩٧٤ م ١٤ طبع رجمانية (الأهور).
- ٣) كنت في الشرائسية قرار رس حرح من عمارة موضع افامة فاصدات مسيرة الدائة إيام وليالها حدالي المراض الرياض و كامير ... حتى يلاغل معام. وكتاب العبلوة بالدالسلام المثلوة المسالم عن ١٩٢٠ تبا ١٩٥٥ قبع سعيد و كتا في المحرد وكتاب العبلوة بالدالسلام ، هي ١٩٥٦ تا ١٣٣٠ ج ١٥ طبح و شهيدية : وكتاب العبلوة الله المناسس عنوم عن ١٩٥٥ مج ١٥ عبد و وضيعه ...

جلتى ربل مين نمازاورتيتم كأنتكم

♦∪}

کیافرمائے بیں ظامدین دمنتیان شرع بھی در یں مساکل کہ۔

- (۱) اس زماندیں جب کرا کو سفر بزر بعد رہل کا ڈی کیا جاتا ہے ادر بعض ادکا ہے دیلی کا ڈی ہی تیں۔ نماز کا وقت آجا جہ ہے۔ چراس بھی نماز اوا کی جال ہے۔ اکم ٹیف کر تماند اوا کرتے جی اور دکتی ہے جی گرتے جی کر دہل گاڑی جی جرکت ذیا وہ جو تی ہے کئر ہے اور شے جس خطرہ جو تا ہے کہ کیس کرت جا کیں۔ لیکن گاڑی اس کی حرکتیں آپ کے منظر جی کیا اس مذرکو منظر کے کر چھٹے کرفماز پر اصلیکتے جی نیز اگر کی نے دیٹے کر پڑھ فیاتو کیا کی امامہ بھر بارش واج کیا۔ جب کے بعد شی نماز کا وقت بھی تھے۔
- (۲) رہلی گل رہی ہے اور نماز کا وقت تھے ہے اور اب رہل جی پانی ٹین بھا کیا تھم کرسکتا ہے غیز تیم سے کرے بھید ہل کی دیواد ہی گلزی کی جی اور صاف جی اور ہے جو افی ٹی صاف ہے اور کھی گر دو قبار تھی ہے۔ بینو پاکٹا ہے قرود پالٹواپ -

∳ઇ∳

(۱) ریل گاڑی میں نماز قرائش و نوائل دونوں جائز ہیں۔ ریل گاڑی بھنولہ سریر موشوع علی الارش کے ہے۔ کما اخلا علامہ قبائوی برنئ فی مجلدالہ ول کن اعداد الفتاء کی اجرائی اجرائی مسائل مخلا-احتیال قید بھی شروری ہے (۲)۔ نیز تیام مجل لازم ہے۔ ترک قیام بھیروند کے جائز تیس ہے (۳۰) اگر بھار ہویا

استادالشاوی: و کتاب الصلوق، باب حیلاته البنیاتر، من ۲۷۸، ج۱: طبع مکید دار العلوم، کراچی)
وضی الندر شمختار: روان لم یکن طرف البنیستة علی الدابه جازی اروانفة انطبلهم بأتها، کالسریر،
وکساب العملونة، باب الوتر والواقل، من ۴۹۵، ج۲، طبع رشیدیهی و کفافی حاشیة الطبطاوی:
وکساب العملوف، عن ۲۵، ۵، فصل می حیلات الغیر عی والواحی، علی الدابه، طبع فدیسی) و کفا فی
البحر: (کتاب فصلوق، باب الوتر والرفان، ص ۲۵، ج۲، طبع رشیدیه)

۲) کسما فی فاعد المحتار: (تمافترط (هی) بنه ۱۰۰ و انسادی استقبال افقاه (باب شروط العبلوقه س ۱۹۲۷ با ۱۹۲۲ با طبیع سمید) و گفافی حاشیه الطحطاری وباب شروط العبلوقه ص ۱۹۲۰ فقیع فابعی) و گفاهی تیبین العبقائق: (کتاب فعیرة) باب شروط العبلوقه ص ۱۹۲۵ بر ۲۵ فیح دار فکت العلمیه)

كسما في تغويم الأبسمار مع شرحه: (ومنها القيام في فرض لفادر عليه) وعلى المسجود(باب صفة المصاليق من ١٤٤٥ ج ١: طبع سبعيد) وكذا في البحر: (كتاب الصلوفة ، باب شروط السنوفة من ١٩٤٠ وطبع وشهديه) وكذا في تبيئ الحقائق: (كتاب الصلوف، باب شروط السنوف، من ١٩٤٠ - ١٤٤ طبع دارهكيب)

عنونسادة كالأول شاريخ بندار أن و والبيئة بي وسنجال كردر كفاكا فعروق بيرة بيوكران، بالتصافي العالمة والمساكن بيدورتها والرائب الأو

الا ۱۹ سرم قانوار و فلارم بي جيه يبل ساخوار د كارس كاري شي بالحق كاس كاري شي بالحق شيد المحقق سناه وي المجال بالمحقود من المحاول بالمحقود و المحقود المحقود بالمحقود بالمحتود بالمحتود

الاستان الدرائسجير، وولى عمر عبيد القدام الي كنه وصفى فاحدً اكيف شدر واكتب المسومة الدرائية على المسومة المستومة ال

الأو التنابي

- ٣٠ كناب قبل تبيين (مصافر من عامل الأرض وزر أنه يكن عنيه يقع ويه بالاعتجاز العامر من عصر الأرض كالمراض واستحده و تسكيمال واكتباب الطهيزات بالدائية عن ١٩٥٠ كا ١٩٥٠ م. ١٠٠٠ م. دار الكناب اوركام عني المهام المسائل، واكتباب الطهيارات عام بالها النبية عن ١٩٥١ م. ١٠٠٠ م. طاح در تشييه)
- و) حد والمستحد و الإكتاب الديهية و الديب الديسة على 18 كنا 180 ح الدينج معيد و كدا في الهيد الدينة و كدا في الهيد الدينة و كدا في الدينة الدينة و كدا في الدينة الدينة و كدا في الدينة الإلكانات العديمية و كدا في الدينة الإلكانات العديمية و كدا في الدينة الإلكانات العديمية و كدا في الدينة و الدينة الدينة و كدا في الدينة و كدا في قدلاً في الدينة و الدينة و يدينة و كدا في قدلاً فيها حميد حميد و الدينة و كدا في الدينة و كدا في الدينة و كدا الإحتلال ما دار تحميم معيم مسلم على الدينة و كدا في الدينة و الإنكليمية و الإنكليمية و الدينة و كدا في كدا في كدا في كدا في الدينة و كدا في كدا

مسافرامام كي اقتذاء بين مقيم مسبوق كاقلم

ه کل ه

كيدة والشاجي مواردين الرسنديين كوتيك تيم ليا مدافي الندولي الدوم في المدوم الي والعنديين الوام ليا. راتي تركيب والمها تيم وتيانواز فوس المرازيز من ينتن أن المدين المدين في التوالي ولير الما كاليانوا والمراجع ا والمساعوم والي فرافو والمعلى تو الموالياتين -

۾ ڻ ه

محتمل نده درسیوق این بند جس کاهم میاب که چید دود کست بنج آد آی بست بیم ایک رکعت آر آن که مراجی ادا کریپ چیچ دودکعت می واق سیدا و آید می درصت می اسمیوق بنده مسل بدید که این گرواک که این که میشد. دادیام می سیدا می شیدا می کوالی خف البایام بی نماز پاهنی دوگی اودسیوق آن نقطا دیود آد آرا ایام کرد سید و دیمشد کی اس می دیت اود شاک کی تورک سنگیم خدکود معلوم بوتا سید شدید حسالاند فید بداد غیرانی نده ما سبیق بد ان میمان حسید و فارسیدا (ما مدس کرد بر سرانی کرد کی فرصت کیس سند -

ریل گاڑی پر متعین موازمین سے لیے نماز کاقسم

€07}

آنیافردات بین ملاده بین در این سفتهٔ به جوهنوات بیبان ایمی بین اسی مفافر شرق نیز فایل مراه به موسد. بین- بیبان استاد کند جانت مین ایک دانت کاند بین گزارت مین ادر کیک دان ایمی بین- تز کیا بیافات افران فعاز به میس بایدی نماز برهین م

٤) النشر المستحدار مع شرحه. وكتاب العملولة عن ١٤٥٥ ح. ق. عضم رانستها كوفته وأبضاً فها: اللاحل بحسمي على ترتيب صغوة الإمام والعملول يقصى ماستل له بعد فراح الإمام وكتاب العملولة ماشت. فيما لوأتي بثار كوع اوالسنجودة العام ماس ١٩٥٩ م. ح. تاضع سعيده وكتاء في الهملولة (كتاب العملولة) الدولة الدولة الدولة المحادمة العملولة (١٤٧٠ م. ح. تاضع راشيدية وكتاب في حلاصة العمولات (١٤٥٠ م. ح. المحادمة).

\$ & &

جی کے بیشترہ سلے کا فیس فران کا بیانی میں ایک میں ان جب کو عالمیں ہے آباد میں سکافی دور ان سفراور کو اناظیر عمل او کہا ذری آئیں کی ان عمل تھا کہ انام ہے۔ البند جو انداز میں جی شاں مرحلے اور سکافی کی ایس میں انداز تھر کیس ہے۔ حجی اس سے کو کا کے مرب نے واسے جو سمی میں مرحلہ کران میں قود واقعی سفرانی فرز در جیس سکے اور کو کی شام میں انداز میں کریں اسے 200 سے افتاد والد ترکیل فلم

سس مِكَد فِيرِق نو فَى طور بِرر بنے والے سے لیے قصر یا اتمام کائلم الآس باد

کیافر بات ہیں ہما وین در ہے منسکا کیا آ دل سکودی عب باز ہے کا درکومت کی طرف ہے تا ہم فی عدر پراس کو چھ فائلم کے اجازے ہے ہے۔ مکن الخشیفور پر فیر تو کو گی ایک دیکے چھ فار سے زائم الدونان قوم میں ہے ایسا والی فرزتھ بنائے باکول اوا کر سے اور تعریکے اچازے ہوگی ۔ واشی رہے کہ اس اس اور من مسلم بن قوم جدید ہے تا تعلیم میں کیمن ہے اور گوئی ہے کی وقت اس کوع ہاست کا ل مکتی ہے۔ اب وقر زکس فریق ہے اوا کر سے درائی کی اقدمت کورن کی قدمت تھی جائے گی ۔

命を声

مخص شاہر کو اگر کی فاعل شہر یا تھے۔ انہا چھردا دائے وائن سے زیاد ہضرے کیا نہتا کہ چکہ ہے قاد دائی تھر بھی۔ مقیم ہوتا ہے - اب جہ باعث اس بھل سے عرفیل کئے اس کی وائن انا مرے لٹھا ٹیل بوٹی اس کے وقائل تک ہے۔ ماہر جہور نے باد کی تمام کی جاتا ہے کہا ۔ نفید طور پر بہزائ پر اوار ندارات اسال الند تعالی اہم

(۶) انسطاقی تسویر الأستبدار سح شراسه: اس اعراج من هداره موضع قامته فاصدا میدم قالانه آدام و نسانههای از حسلی العراض الرباعی و گفتین) حتی بدخل موضع مقامه (کتاب الصلوة دامات صلاة السمسانود عن (۱۲۷ تا ۱۳۲۹ و ۱۳ میم سامیه) و کفا فی البحرائرائی: (کتاب المالونه علی المالونه الدامات اماسانوا می المسانوا می میلاد انسسانوا می المسانوا المسانوا می میلاد انسسانوا می المسانوا می المسانوا المسانوان المسانوان المسانوا المسانوان ال

ومود ملتم ستبدىء

 ٢) كنما في البار فسنختار، (من حرج من معارة موضع انامه من قاصدًا منامسيرة ثلاثة أباء ولرائها مقسير النوسط معالي فادر من الرئاس وكنين معنى بدخل موضع طامه معارف ويرد طامة معنف شهر بسوضع والجد (صالح لها) معالم (كتاب الصلاة) باب صلاة السنافرة من ٢٣٠٥ تا ٢٣٠٠ في ٢٣٠٠ طبح صحيح) وكد في شخرام التي: (كتاب الصلوف باب طبح المسافرة من ٢٣٠٥ تا ٢٣٠ في ٢٣٠٠ طبح وشيده) وكد فا في طبح وشيده على ١٩٧٩ تا ١٠ ميم وشيده).

دوران مفرریل می تماز اداکرنے کے احکام

€U}

کیا فرمائے بیں طارہ بن در یں سندگراس کاردباری دنیا کے الدرا تسان کوسٹر کے مواقع حاصل دوئے۔ بیں ادر موسائر لیں گان کی در اردی کا سفر در بیش ہوتا ہے اور انٹاء سفر بھی نماز کا دفت ہو جاتا ہے اور بسا اوقات گان کیا لاری ہے از کرنماز اوا کرنے کا موقع نیس سا-اگر تا قیر کی جائے تو دفت سے کال جانے کا خطرہ معتا ہے تو صورت خاکر و بھی نماز اوا کرنے کا کیا الحریات ہے۔

- (1) گاؤی بیس بسااوقات بیم کی دید یا کمی اور ویدہے کھڑے ہوئے کی جگرٹس کی تو فریعند تیام کوڑک کر کے پیٹھ کرفاز اداکر سے یا تیں۔
- (۱) کم کمی ایسا بھی ہوتا ہے کہ پیشنے کی جگرفین کھی۔ بکدا نسان پاہرائکا ہوا ہوتا ہے بااندو آئی سے ساتھ کھڑے ہو کر دفت گز ارتا ہے تواس حالت بھی نماز کس طرح ادا کرے۔ جبکہ دکورٹا دیجود پر بھی قادر تیش آیا کھڑے دوکرا شارے سے نماز ادا کرے بیلیس۔
- (۳) رول کا ڈی میں نماز اوا کرتے ہوئے بعض افسہ جب قبلہ خرف ہوجائی ہے تو نمازی نماز کے اندوقیلہ کی طرف مجرجات یا بندائی قبلہ دنے کا فی ہوگا -
- (*) الدری بین کمزے ہوئے کا اشال نیس البند بیٹنے کی میکنرل جاتی ہے تو بیٹھ کرنماز اشارے ہے بزیجے اُٹیک ۔
- (۵) ادری میں اکثر اوقات پائی نیس مانا در آراز کا دائت بالکل قریب ہوجاتا ہے تا تیر سے تضام کا خطرہ ہے ۔ ق تیم سے تماز ادا کرے پائٹس ۔ اگر تیم کرے تو کون کی چیز پرکرے جیکے دیاں کی دفیر را کا کناد شوارے ۔
- (1) اگرکوئی تخص صورت فدکورہ بالا ہمی نماز کو اسپنے وقت ہیں اوا شکر سے بلکر ترک کر سکے پھر قضا مکرے و کیا قضا مگر نے کے جد تعمقی رہمی جو کا پائیس
- (۷) گاڑی بالا دل کوکشی کی حالت پر آیاس کیا جا مکتاب یا کوکیس-پرندگود وصورتس اس وقت بر محول ہوں کی جب کران کے مواکوئی جارد کار شاہو - ورنہ پہلے تو سی طریقتہ برادا کرنے کی کوشش کی جائے گی -جزایات بالچیل مع الدلائل محوالہ کتب تحریز مراویں -

الماكل نظام الدين شاوعيدم بمظنركز مد

w. <u>3</u> −s.

الده المعرار وسند في إلى آدرا و دون و والما المار و المار و المار و المار و المواد و المراد و المرد و المر

واس آیم نے آپتر اور مدالی جی افاقت فی جی الدران دیں مدائل تان باقی اور ادعافی اور آور اس دیا۔ ادر بورہ وقت قفا دار نے ان کا مردین تیں آئیس صحصار المقصودی (محوالاتیا کا ایسے آدار ادر آب دیا کے اس مرتم است نے مدروح عن المجدد دانشین سمیان از - رئیم ما مدین کی مہرت والمتعدد دیلا وقید بالمعد لانہ خلہ عدد المعدد لانہ خلہ عدد المعدد الا بیسمید اور بیسمید کر اس حاف حروج انواف کی مداور فاتھا حاف حافات الوق ادار سید کر المعدد اور بیسمید علی ہی ہیں۔

ة) المعم المحتار مع متراجه (كتاب القسوة) والمحالاة المروضية عن 100 م 10 صفح المحت الراجورة. أو 10 في تاس المنتجي (10 م المسيود عالم صلاة العروض وعن 10 م 10 مضع لا الكتاب العام م).

ان كدائي الدورة على الأسير في بدالديو إذا مهم الكافر عن الوضوء والصلاة التحوور عالى الإحداء و بعد إذا حراج (كداب تطفية) وه باب السبع و عن ١٠٤ و ج (د طبع و عبايه) و كدائي المساجة (كداب الدطة برائده و الديائي مند و ص ١٣٥ مج (طبيع منجنة) و كذا عن الهيدة (كداب الطفهارات الداب الواجع العصل الأوسل ومن ١٨٥ مج (شبيع)

منالوازد حيم جيميع على نثر لا يمكن الاستسفاء منها الابالمناومة او كانوا عواة ليس معهم الاتوب يتنا وبونه و علم ان النوبة لا تصل اليه الابعد الوقت فانه لا يتيممو لا يصلى عاربابل يصيبر عشدما وكذا لوفي مكان حيق ليس فيه الا موضع يسع ان يصلي قائما فقط يصبرو يصفى قائما بعد الوقت الن^{راك}

فودکٹیدہ سنڈیش بھی امام ڈفر میں کا ظاف ہادر بینال فنزی احتیاطاً یہ ہے کہ امام ذفر جوف کے فرہب پاکس کر کے معابل ڈرہب ادام الجی طفیہ بھٹ ادادہ کیا جائے۔ اس لیے کہ ادام زفر جھٹ کے قرل کو کی اکثر مشارک نے افترار کیا ہے۔ کہا قال الشامی شہر فال ما حاصلہ و تعل علاء من عز لاء العشائع احتیار الفول زفر لفوۃ طابراہ (۲۰)۔

(۳) اگر استقبال قبل پر قاورگی ہے آو اگر ہفت کے اندراستقبائی قبلہ کی قدرت متصور ہے آو قباز ادانہ کرے اور اندائی الدرت کی آمریت کے اندراستقبائی قبلہ کا قدرت کی آمریت کے اندراستقبائی الفیلیا ہو مسبب کے سیسا قسال المشامی و ان صحور عسب دای عین استقبائی الفیلیا ہو مسبب کے من المصلوف امداد عی مجمع المواجئ و المان المداد عین مجمع المواجئ و المسامی من المسامی من المداد المحاجز جہت المواجئ المشامی المداد کے المدائر المشامی من المداد کے المدائر المشامی المدائر المشامی المدائر المشامی المدائر المشامی المدائر کی المدائر کی المدائر المدائر المدائر المشامی المدائر کی المدائر کی المدائر المدائر کی المد

البنو السنختار مع شرحه: (كتاب الطهارات واب النسم عن ١٤٤ و طبع رشيديه) وكذا في تبين :
 وكتاب الطهارات وإب النسم من ١٩٤ و ج١: طبع دار الكتب الطلبه)

للدراف مختار مع شوحه: (كتف الطهارت، باب النبسية من ٣٤٦ مج١: طبع معيد) وكذا في
المسجر الرافق: (كتباب الطهاوت، بناب النبسية من ٢٧٧، طبع رشيديه) وكذا في تبين (كتاب
الطهارت، باب النبسية من ٢٧٣، ح. طبع دار الكتب)

٣) الدوافسختار مع شرحه: (كتاب العلوة مطلب في العطوة في السعينة، حس ١٩٩١ ج٢: طبع رشيديه جديد) ليضا فيه: سشفيال عاجز عنها لمرض أوخوف عدو او ششاه فيهه قدرته ارتحربه فيلة له حكماً و كتاب العملوة، باب شروط العطوة، من ١٣٣ ، ج٤: طبع رشيديه) وفي الليبن : والخالف يعصلنى التي أي جهة قدر) لتحقل العجز ويسترى فيه الحوف من العدر اوسبع (كتاب العطوة، باب شهوط العملوة، من ١٩٠ ، ج٤: طبع دارالكنب) وكذا من العير العالق: (كتاب العملوة، باب شهوط العنوة، من ١٩٠ ، ج٤: طبع دارالكنب)

ع) كسما في الدرالسختار: (والسادس من شروط العشوة) استفيال العلقد (اكتاب العشوة، باب شروط العسلونة، من ١٩٣٠، ج٦٢ علم و البيدية إو كشاهي النيين المفائل: (كتاب العشوة، باب شروط العسلونة، من ٢٦٤، ج١٥ طبع دار الكسب) وكشاهي الشهر الفائل: (كتاب العشوة، باب شروط العملونة، من ١٩١٠، ج١٤ طبع دار الكسب)

مناطقه ويطرف التوجه التي القبلة عند افتتاح الصلوة كذا في الكافي في ناب صلوة المريض و كلما دارب السفينة يحول و جهه اليها فلو ترك تحويل وجهه الي القبلة و هو فاد، عمد لا بين به (۱)م

- (۴) مادگ کی عمورت میں تھرانا تمکن ہے اس لیے از دائیوں سے کہا جائے اوخر وزخم اینتا ہے ادرا کردون خمبر اوسے قوائم افت کے اندر کی جَدِخم نے کی امید ہے قوال تی بھی جو زئر تیں ور اندیغر ورت ادا کر ہے بعد تیں عادہ کرنے ۔ کمانی نسر المبرون
- (۵) جیدها کرفیر (اور نیم ایش آن پر کاسید آسان از است که شدیب ش فوت اقت که هذا و سد آند. آمرنا به از سید الب آمرال می کشاهد استان شدی امید سیدهٔ وهوکزد هشده می سید - وردند فدرب وقر سخت سد مطابق آند کار از ورفهاز با در الداستان بعد می مهاه که (واجعب ایده ۱۳۶۳-الباد) کرفهای پیزیکم که سیده سیاه و دکتم فاقد آنامه در این می سید-ای که این تقریب کردیجید با تصلیمی کردند شخص از که کشاه در می تا مدوند: و میراه ۱۳۶۶
 - (1) مورة تأور ويش تنتي مذرك ما تو كارند وجور ندو وكالفاء والله شمالي اللم-
- الهندانة: (كتاب الصلوفة شاب الحاسي عشر حص) (19 من ٢ وشع) شيدية وكفا في الدرالمختار سع شرحه (كتباب المبلوفة من صلافة المريض حص ١٩٩١ مج؟) طبع رشهيه) وكفا في المحر وكتاب الصلوفة مان صلافة المريض مص ٢٠٠٠ مخ. طبع رشيدية كرامه)
 - ١) القادر تحريمه (تحدد حاشيه اسر ٢ احوال مذكوره الصفحة سبر ١٥٥٨)
 - ٣) مقدم محرمجه: (محت حالبة سير ٢٠ حوام، بدكوره، فيصحه ٥٠٠٥)
- 3) كسياس الدرالمختار المنحصل دفتا الطهر من بؤخرها عدد وقالا ينشد بالمصيل وجرما مراكع ويساحه من 193 من المحالا و يساحه من 193 من المحالا و يساحه من 193 من المحالات من المحالات المح
- ه و اكسم مي الدر المنحدار الذات حير اللاعدو كبيرة لاتوول بالفعندا مي بالتوقة و الداب الصابرات بات فضا الدمواتين مان 175 تا 175 مسع وشيقيه حديثها وفي حامع المهلكات الريس الرجل وبين المشرة الراحكيمان والدائمية في العمارة، وآداب الدماسير معن الماعدج والراكدين كما فان المديماني ، فويل المقسيل العمل هو عن مبلاتهم ساهول، وسررة المعلمين الشاسم عال

ریل کے سفر ہے متعلق دکامات

e Je

کیا فرہائے جی طالے وین اس سندیں کوئی زباندگا ڈی تک نماز کا کیا تھم ہے۔ گاڑی کی نماز سے متعلق مند بعد قرار ساک بیدا ہوتے جی زماو میں بالی سب کا جواب حالیہ شرباء ہیں۔

(۱) مرجود اکتے میوں کے لیے نماز کی تقر کی جائے گی۔ (۱) شیر کی حدود کہانیا تک شار موگ -و منبع الك شري حداوض بولي وير إليس - (٣) كان ك الدرامان اوا دومكي بيديا كيس؟ (٣) كور أوك كان ك الله الدر التختار بينية كراس المرف مكن الوقيل و كالبينام كيه المرفعان بالدر لين كياليا كرنادوت ب(4) قبلہ کا اجتمام فازی ہے یا بہترا ہ رافعنل (کار ی کے اندر) (1) اگر وستما ہم ورق سے تو گاڑ کی کے اندو تو قبلہ رِجْ كالهِمَّامِ شَكِلِ بِهِمَا مِن يَهِ لَهُورَاكَ رَجَهُ مِن إِنْ فَيْ أَرْضَا مُرَاسِينَ فَا فِي كِالمُورِّي كُر يَهُمَا إِنْ عَمِير (2) تحمِق نماز کی ابتد ریس ضروری ہے یہ سری نمازش (۸) پیلنجوی کر کے شروع معامر ورمیان بھی کو گ وور افخص تغذیا محج برخ معلوم تر کے نمازی کارخ برنا دے تر کیا دست سے پائٹیں (9) کا ذک کے اندرنماز کا وقت ہوجائے اور یانی موجود تد ہوؤ کیا تیم کرشلاے یائیس (۱۰) گاڑی کے البارت خانے ہیں جو یانی اعتجاء سے لیے ہوتا ہے آیا اس سے ای طب دے فائے میں مفوکر تا جائز ہے یاشیس کیونکہ و دوبکہ ٹایا ک ہوتی ہے اور تھ بیٹیں پڑنے کا احتمال ہے۔ اس طرح بیاے طہارت سے تباست ماصل بوٹی۔ (۱۶ -اللہ) کا ڈی کے اتحاد بانی نہ ہے تو کیا تیم کرملنا ہے ہائیں (ب) تیم کے لیے گازی میں صیبہ بب کا بنا تعال ہے تو کیا کیزے پر تیم "يا با سَلَا بـ - (١٠) أكر تماز كا وقت كازي يمن آنجات الدرمة ل تنسأتي كرونت في مليح كا يقين اوقر (الف) کاری بیل نماز قد کرے یا دستا ہے وئیل اور ب) کی اشکن پراز کرفیار تھے بڑھ مکٹا ہے والیس ۔ (ع) یاوہ · في منول يرنمازه وآمري - (۴٠) أمرها زكاه قت كازى يمن آبيات دورود وشت منول تك ويني سد ينبينه جا تا يوق كيا لما ز قضاكر لے بااى وقت كا الى الله بار حدے - (١٥) كا الرائل كن مر ورى كام كى وجدے و توكاوت كى ویہ ہے محصل قبل دواجہات ہر اکتا کر شکا ہے یا شن مؤکدہ کا اواک مجی خرد ری ہے (۱۵) کو سخر نہا ہواور لیاز ے دقت کا دی کئی اشیش برائی ، برخمبرے کرجس میں محتل افرائعتی ادا ہو تکتے جی او کیا تھنس اوش براکتھا کر ۔ میا ان وقت شن مجی ضروری ہے۔ (۱۹) اُور فمیس ضروری جی و آلبار تاب یا طالا زل ہے باسٹرلیا پر بیٹینے می تضایا اوا کی صورت بیل پیز سے(۱۵) اُم کوئی تحقی قبر آر نامجول جائے آیا ان کی گذر ہوجائے کی واقعیمی ۔ آیا عجامی فرٹ جو كا امرتم زواجب الإعلاد تو تك.

⊕ ق به

(1) موجود واز تالیس میل پرنماز تعرکی جائے کی (۱۱-۲۰) جیاں نیس تیم کے مکانات اصحالی کیتی ہے۔
اور نے ہوں وہ بال تک شہر کی صدور تاریوں کی مصالی مصر شاہ پوئی واسٹول و تمانات تیم متانات کیدو شیشن اگر شرے مصل و دوجو ہوں کہ مصالی مصر شاہ پوئی واسٹول و تمانات اور دو تا تیم استوال کی تعرف اور دو تا تیم استوال کی استوال کی تاریخ کی ایس استوال کی تاریخ کی دو تاریخ

 لا عنى تسويم الأينطسان من حرب من عدارة موضع الحامثة من قاصداً من مجيرة اللائة أدام مستى الفراض الرياحي وكانس، وكتاب الصلوقة باب صلاقاً المسافرة من ١٩٧١ تا ١٩٣١ طبع سيال وكتا في تبيين المعقلان (كتاب الصلوفة باب صلافاً محيائزة من ١٩٥٧ طبع دار الكنس) وكذا في الهندية وكتاب الصلوفة الناب المحامل مشرة من ١٩٣٩ ح. طبع وهندية)

- ٣) كستاهي شمين الحصائية الما الأول فإنه يقصر اذا فاوي بوداء المعدر الدروى أنه عليه العطوة والسلام ما ما را مصريات الحوالية عليه العطوة والسلام ما را مصريات الحوالية الحرال المحاورة من الدى خرج مه حيى الرحاد عمران المستمر فصريا في الدولية المستمرة عن ١٠ (٥٠ ع الاطلع دار الكشب) وكذا الن التهر القائلية وكذا المستوة بالدولية المستمرة عن ١٠ (٥٠ ع الطلع دار الكسب) وكذا في الهامية (كتاب الصلوفة الدي الهامية والكافية والمستمرة عن ١٠ (٥٠ ع الطلع دار الكسب) وكذا في الهامية (كتاب الصلوفة الدي الهامية).
- ٣٤ كامد الدي المتهار الدائي، ومرضها المحريمة والهيام، وكتاب الصنواة، بات صنة الصلواة من ١٩٩٣ ع ١٠ طبح ع ١٠ طبح ع ١٠ طبح على المحرية والكياب المبلوة دياب صنة الصلوة، ص ١٩٧٤ ع ١٠ طبع ديرا الكتاب وكتاب المبلوة الماب الرابع في صفة الصلوة الفصل الأولى، ص ١٩٠٩ ع ١٠ طبع ديرا الكتاب إلى المبلوة المبلوة الفصل الأولى، ص ١٩٠٨ ع ١٠ طبع واشهد الإسلام المبلوة المبلوة الفصل الأولى، ص ١٩٠٨ ع ١٠ طبع واشهد المبلوة ال
- (وهو) على الشروط السروط المستميل العبد (كناب العبلوة بالم شروط العبلوة من ١٩١٠ على ١٣٦٠ طلع ١٩١٠ على ١٩١٠ على ١٩١٠ على الكتبر)
 والتعالق الم الهيئية (كناب العبلوة المال التعالق المستموم العبلولة على ١٩١١ على المتعارف الكتبر)
 والتعالق الم الهيئية (كناب العبلوة المال) التعالق الالمعلى المناب على ١٩٣٠ على الشيئة المناب ال

(۱۳۰۱) کاڑی نے اندریم کی یاڈرڈ کیلیم بائی دے کیدگئل دار افکان یا جاتا ہے اید افکان ہے جاتا ہے ہے۔ کے ڈریب آئی ہور ہے اگر درممی ہوتا تھر ہے ہے کہ کا اور مگل صوع ہو پائی منتا میل دار روب بات کیمی اور آئی اس نے کیم کری جارمیں (۱۳ ایکن کر یاٹر دیانی جائے ۔ ٹاز کا زن ٹریکن کندر سے بائی در المانا دادرائیٹن کے۔

دم وحلى درد أن المسلم في المجيد فرصاً أو فالا مثيم أن المتغير الفيتة حتى قدو فتى شد أوقيس له أن المسلم إلى درد أن المسلم الم أن المسلم إلى المجيد حيث المجيد حيث المواجد عن المحاجد عن المحاجد عن المحاجد عن المحاجد عن المحاجد المحاجد عن المحاجد المحاجد عن المحاجد المحاجد عن المحاجد عن ا

ام. والتنظيمان بالمدس أمونسجاء في من المدال وقال العارة الوجعين أحمع صحاباً على أم يحود اللسمان أن رد مردا كان يحد بن المدامون وال كال أن الم ذلك الأحوز الا حود الا حاف حروج الما العالمي أحرا فصل في الليموس 17 ما والاي يك 194

والصفائلين السخار أنجاب المساوية من المعادلة والمعادة القرائع الوائدا في الهديمة وكتاب الجهارة . المال الرائم في المسهدة على 15 من 10 رشيالة)

گازی و بینی بین فرد الله بوج به بینی که مین کار ادا کرے - ایکی پاراز دوباد دافعا کر الدا در بینز پ ب کرون بین بی کرون الله در بینز پ ب کرون بین بین کرون بینز پ ب ایک فرمیان کرد الداد که ایک بر الداد که ایک موجود شدا الدار که بین کرد بیا بینز الله بین کرد بین به بینز الله بین کرد بیا بینز الله ب

 ⁽قبل البهم لعوات الوقت قال الحابي (الإحواط أن يتسم مهابجة) ... فيتشي أن يقال يتبسع وإصلى أنوا بعد الوضو - السرا لمحافر أكتاب أضهارات الحالة الصحوا في ١٣٤٦ وإذاء مقيدة) ... وكفا في احفيل كلير أضيل في الشامر في 800 مصدى كليل حابدة.

۳۶ مظهر من حدس الارض وان الويجن عليه تفع "ای خدار" ثلو شدختار - ص ۲۳۸ وانا کان مسبوکس و کتان قلبهها فيار بجوز الدمم بالقبار قدي طبهما کما في الفهيرية : أي إن کان بطهر اثره مسبه عامية کا ما هر ولکن فريختر فيه في ولملاه و . مسجار کتاب الطهارة ماب اليسم حي ۲۵۱ ح ۱۰ ماميلان - وک فاهي حالمي کسر (فيمس في التيسم اص ۲۷ و ح ۱ سميدي کتب خانه) و کله افي الهديم : کتاب الطهارة (ص ۲۲ و ۲۲ و ۲۲)

ام) ، ولا تفريط من الفاخير النفي لا تمع صلاح من وعن مكر وما رفائستنار : كتاب الطهار 5 ماب الهيم عن 129 ه العرف ممينا) ومثله في الفائم : كتاب المنتوة ، فصل وأماييان وقد ليسم عن 100 هـ ح1 مرشيع به)

⁽⁴⁾ وأساتي النعط أغير ما المساس أو كنار عنى حياق أصل وقيراه والاسأل كنان في خوف و فراد بالي بهما موالسنجنيان أثبات موالسنجنيان أثبات الأعمال أمراد ترجيعاً وقبل العمل تقريأه الغوالسنجنيا مع و «المحتال» أثبات الأحداث في ألهما وذا كناب العملوقة أساحا الأحداث عشر في الاستواء أساحا اللهمائية المحالية المحالية

ا و كما في البحرال التي: كناب الصلوة، ياب صلوة المسافرة من ١٩٦٩ ح؟ در البدية)

ع) المشولان سيام (دل معدمي الشدة الاولى) شهر فرطته ولكنه أساد فرعا مدأك خير فيبلام ومرك الواسب الفرسيران اليمر لمحتار : كتاب العبلوة ويتباصلوة المساورة من ١٩٢٥ ع ٢ معيد و كذا من شير المدة إلى: كتاب العبلوة الاستواد المساورة من ١٩٥٥ع تا دارة كتب العلمية)

وكذا في الهيدود: كتاب العبلوة، الباب الحامس عشر في صلاة المسافر ص ١٣٦، ج١٠ رشيدي،

باب فى احكام العيدين



ایک معجد میں دوبار نماز عید کاهم «فرس کچ

\$ & & &

بونکہ ایک جگے۔ (ایمنی جہاں امام تمر، اواور قوم میں معلوم ہو کا آیک فراز کی جماعت ہوجائے کے بعد دوبار ا ای جگہ ای جیئے اجھامیہ کے ساتھ بن عن کری مکروہ ہے (۱) - لبندا صورت مسکول میں خکودہ قبلہ پر ایک می

 ه) وي كاره تبكر از طبعه ساعة بالدن وإقامة في مستجد محلة الافي مستحد طريق أومستحد الاعام له والا مؤ فره المراسستين : كتاب قصلونه بالب الإمامة على 2000 برد: معيدي

وكها في الويدية. كنه, «الصلوة الدر، الخامس في الإمامة و بس ١٨٣ ج ١ : رشيديه)

و كدفا مني النققه الإسلامي وأفائعة الفصل العاشر الزاع الصلرة، تاسماً، لكرار الجعاحة في المسحد ص ١٩٨٧، سرك دارالمكن

على التي يتوصف راحيمه الطبع: أنه ال لمونيكي الجماحة على الهيئية الأولى لاتكره وهو الصحيح. ومالحدول عن المسراب محلف الهيئة - رويه تأخذه وبالمحتار اكتاب الصلولة باب الامة ، هي ١٩٥٢ - ١٤ منيك)

وكيفا في البرازية عملي هناميش الهندية. كتاب المبلوة الغنامين عشر في الامامة، ص 3 اه - 42. رشيدية وكانا في عالي كابير الأسائل المتعرفة، ص 43 ه ج1ء معيدي كتب خاص وها همت به او این طب و گیما همه نگاه مرجب این فکوش به به آهیمیر متل میشه کود و ب ایرد کی نمار برختین آشاد. هم متند زیران کے چھی میدگی نرز اوقر این وجالزا شاقی وربعی ساز میسا مت سیدادر وقعد بدو ایسا ورا تشکار شیما مسمین این بچار شده کار مدتوی و گزوی سے اس اوالا تی واسم

في زميد كے بعد مصافحہ كافتكم

الله كل أنه

سنند بیتان کے الیب موالا کے ایک تھوٹی میں کے انداز میں کا معدمی لگا اور معدا آرائی ہے وارا کتا ہ فار تمکن فاجھ رہنے تا بین کی تقالب اقدم تامین موجود ہے اور میں اے عمل ہے تاریخ ہے ۔

- (۱) مندی افزیت د تایدانه
- (+) أَنْرُاهُوا بِإِوْ الرَّامَا إِنَّانِ اللَّهُ الدَّي تُدرِي الزَّالِهِ كُثَّلِ بُول (تَحْقَق بُ الرَّهَا إِيمائية -

و ن ه

(1) - العم الفداد المرسي الأرام المرحمي . بسبة كم معا أندا و وافقا الرقدات المرقات المدوقت استوان المساور ووان كما وقت المركة المراجع المدار والمراجع المركة المركة المركة المركة المركة الموجعة عشور بالمستعمل المدرع ا عليه وهم مستأنيس بسبة بالمركع على والمركة ورحمت مهام المنتج في اورأ على خاص أو وحمت تحروب أكبته بيرم وور موالة عمو محق صاحب المسيئة أول مساورة عمل المركة ا

- (ع) وغير ادين مساعدود رضي ((ه) حد عال على رسول الله ما ير الده عدة و بديرة) و ولايوه الرسل الرسل من حيل الرسل من احرار على الرسل الرسل من احرار على منطقاته والإيفاد في بينه على تكو ما ولا عادية اللهميج المسلمات النمان المسلمات درات من احرار بالامامة من (۲۳ فيد) ولاية المنظمة الرسل الإيمان المسلمات أولى بالإيمان من عبود معلقة المسلمة الرباع المسلمات أولى بالإيمان من عبود معلقة المسلمة الرباع المسلمات الرباع المسلمة من (۱۳۵ فيد) المسلمات المسلمات المسلمة من (۱۳۵ فيد) المسلمة من (۱۳۵ فيد) المسلمات الم
 - ٣ ۾ واعده موا بحريل الله مصحا ولايمرفون السوره ان عمري ماليت المراد ١٠٠٠

المتراصيم مثالجيما عدم ويهاهم على التشرف السائل على يواد رضي الله عدم أن رسول الله فسنى المه عليه والمدم: قال أن الله يراضي لكو للائد الدان تعلقها محمل الله حميها ولا تعربوا وأن تناهمجود من ولاه طاقه الركور للجدية من العن كثيرة الدورة الن معران الأليام الاساف منها جلاء فديمين ا و الذات کا الدین بردور که برایس قرویر ایران این به بایت بیش وری سیداد از گوام دین کا یک خروری ا کام مجواز نداری به در اور شامل و سنون جان کر کرده جول بلده میستونی کندن موجه مهرست اور داخرن القب ومودت پیواکردندگی فاطه در سازدی اسب پیمل مرمت مها عدما دردو ادر دری ایرادی سید امیر سیدکد تهام واخذ و شفره کیم کے کوکٹ بروست شنیعه فرقع ایف بیش میزاخش تیم روید-

جيما كما قال في الدر المحتار (() مات العبدين بو النيزية بضن الله مناوسكم لا شغال كرب لا قراره يخ جيم كما قال في الدر المحتار () مات العبدين بو النيزية بضن الله مناوسكم لا شكر وقوله لا الشكر بالخبر قول والنهنية و المناقال كمالك لاله لم يحفظ فيها شي عن ابن حبيفة و اصحابه و لاكتر في اللقبية المالي بقل عن اصحابنا كراهة وعن مالكت به كرهها وعن الارزاعي الها بدعة وقال المحقق ابن الهير حاج الاشته بها حالة و هستحه في الحملة في ساق اللهرا ماساسه مسجمت عنى المصديم في فعل ذلك نو قال والمتعامل في البلاد الشامية والمصرية عبد منازك عليك و سعوه و قال يمكن الابلحق بذلك في المشر وعبة و الاستحباب لما سهما عن الفلاو وقيل من قبلت طاعم في رمان كان ذلك الرمان عليه مباركا على اله قد ورد الدخاء بالركة في مهور شني هو حد منه استحباب الدخاء بها هنا ايضا اهـ

وقال في الدرالمختار (٢٠٠ وكالمصاة حة واي كما يحور المصافحة انها سنة

له با الدر السيمنان: مع فرد ، كتاب الصنوة؛ «ب العبدين» ص ١٦٦٠ ج؟ «ابح إب سعيدي.

٣) القر السيخار مع ردائيجائز (اكتاب الحفق والإياحة ، بات الإستراء من ١٩٥١م چ١٥ الج إيم معيد) عين البراد البن عبارات بن عبارات معيد المنظم الدينة عين عبارات الإستطار وقال على وسلى الله حلى وسلى الله حليه وسلى والمسلمان وقال المسلمين والمسلمين والمسلمين والمسلمين الإستطار الإستطار الإستطار الإستطار الإستطار الإستطار الإستطار الله عند والمسلمين المسلمين المسلمين معادر الإستطار المسلمين المسلمين معادر الإستطار الإستطار المسلمين ال

اعد أن المصافحة منه ومستجها عداكل نقاروما المتادة الرائي بعد صلاة الصح والقصر لا اصل ته في النشراع على معافوت ولكن لا أصل به في الحيل المصافحة البية الكريمية المحافض عليها في بعض المحافظ على أن المستجها المحافظ المحافظة المحافظة

ة مهامة متواترية لقوله عبه الصلاة والسلام من صافح احاد المسلم و حركت يده تنافرت دمراء واطابق المصافى تبد للدر والكبر والوفاية والقابة والمجمع والمعتقى و عراها بقيد جوازها منظسفا والواسعة العدر واقولهم الديدعة الدرماحة حديثة كما فادة الووى في الاكارة وعبره اللح وافال الشامي بحد لكن قديقال أن المواطنة عنيها بعدائسلوات حاصة فيديؤوي الاجهالة الى اعتباد سبيتها في حصوص هذه المواطنة عنيها بحصوصية واندة على عبرها مع أن طاهر أقلامهم الدنه يقعلها احد من المنتف في هذه المواصح ثم إمال في دالك فراجعة

۳۱) - مشله ایدائیس بهاگران فی افتدا میش قدیمهمج ندیمه ندران بنگ جیچه درست به ^{۱۹۱} - بهتا همونی مشاکل که موجه نزد فیزوار در پیدا آن در مطابقات کندا تهاه که به دوبد و کند هر مرسه به خزان او قروه بهدا مرسب ماهند معمونی کرد به اداول سند با دو مستخل طاحت مین مهمهمانون و چاهها کدان هم کند مدافل بدا آرایت مسلم توان می دادش فراید کرد نیز دادن به بیشین ^(۱۹) - فتاه این تولی اهم

عميدين كي نما زمسجد بال اوا كرائية كافتكم

% کن به

کیا آسات میں نہ وہ بن اسٹ کے تعلق کے فیاد ''تھو ڈن یا حنائے ہور کنا دے جا اتحد فار میں۔ حضور سازی کی ندگی گئی تھی جدش پڑھنے دہنے۔ آپ حروز سائٹ ٹیل کی فیار - بدرید والے اب مدید دی جد میں پڑھنے میں۔ بیٹو آئو فروا

د) عبدالرا حلف كل بروه، مراه حدى "كبرا" كناه بالمسيوة، الريالاه امة أصل ١٩٠٣، بالمادي كدب ماده»
 و "كبدا في حاليه الصحفاري على درافي الفلاح، "كتاب عبدوة، بالد الإمامة، في ٣٠٩، ١٥ لكنت المستدة برومته) و كادا بي شرح لعد الإكبر ، بين ٣٣٧، دار المنتاج الإستنام،

١٢ والمصمول يحيل المحجما الالفرقوال مورة ال عمران اليت منز . ١٠٣٪

امر هميم بالمحمساعة والهدم على العرقاء وقده دن الاحتديث المعتدادة بالهيل على التعرق والامراء الاحتداء والإنجاء المن التعرق والامراء والامراء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والاحتداء والمحتداء والمحتداء والمحتداء والمحتداء والمحتداء والاحتداء والا

۳۰ څ ه

عدين كي ترازع به شمايكي الأكرباد منت ب النكن فضل محراجي (ميوكاد ش) الأكرباب معجد ثمام الراحام هم بت مشخى ب- الريس ميركي تماز والرابات ومنت ب- والحروج اليها الاي المجالة لصلوة العيد ما ذوال وما عهم المدرجة العدم علو العربي - 90

و حكى الطبح طاوى عن شرح لموطا لمقارى يبغى ان لايكون خلاف في المسجد المحرام شائد و صلوة الجنازة المحرام شائد و صلوة الجنازة قال و هذا احداو حود اطلاق السناحد عيد في قرلد تعلى سنا مصاحد الله - لاية - قلب فقود حل في حكمه المسجد اليوى فلا اشكال في الصلوة على الي اليصاء . الميان تقط والله تعلى العلم المسجد اليوى فلا الشكال في الصلوة على اليان اليصاء . الميان التعلق والله العلم المسجد اليوى فلا الشكال في الصلوة على اليان اليصاء . الميان التعلق والله العلم المسجد اليون فلا الشكال اليان الصلوة على الميان اليصاء . الميان ا

تمازميد مين تين زائدتنبيرين سواجهوت تمكين

و ل پھ

کی فریا ہے جی بغود ہیں در نے اسٹار کرچیا کے موقع ہے ۔ مری دکھت بھی قینی ڈ اڈکھیسر کی امام سے جو ب کروڈ میں چو ایام سے مجدد آبوکر کیا - اے فراز موقع پائٹس - فاق

46 m

الدن الركز مركز عنه و السهوا في صافوة العداد و الحاملة و الماكتونة والتطوع موالم) والمستحديد عبدالمناخرين عدمه في الإوليل لديم الفيلة الديافي حممة النحر وافره المصاف واله حرام في الدور قال انتشامي البكسية لمدة متحملها التوالي بدادا حصو حميم كيم والاقلا

() فقر المحارز كتاب السلوق باب الميسين، بن ١٦٩ - ح٢ معيد;

وكنا في حاشية الصحطاوي كان العبلوة والله أحكام العبدين، ص ٣١ه و فعيمي كتب خاله)

ع وراشي بالمهاد فالمحفوي وضاي البلد هاده فالاسكان فسي صلى الله عقيه وسال يجرح يدم المصر ما لأمينجي التي الماهيان فأور الشي يباشعه مشرفات إعمر فالمتصحيح المحرى الكانب القرابي المدارية عند التقرم ح الي المصلى وصل ١٩٩١ م ٢٠ ومينيي كتب خانه)

 ٢) أو مثر المستانات، كتاب الصيدية، المسلوة على الجنائر أبي المستحدة في ٣٥٧ ح٥٠٥/ إلكت الملم، إ

الدهمي التي النواك (١٠٠ أمّا ١٠٠ تا توفي) الم

فنا بمصرکی تحدید

ء کی ہ

آ بیافریات میں ملاوہ بین در بیرہ سندگری معمود رخصل العمر کی صدد دار جدکتے کئی تک ہوئی ہیں۔ تیز ایک شبار پی تھسیل رہے وہ کئی وہ رہنے اوراس میں کوئی موسد ہے تشریبا میں سال تک جس کو آغاز ہوئی وہی سبت ایس میں نماز جدار درمیر برئیس سے بائس سے از مادم بدائر ہو دائل ہے رہنی فادیس۔

د ن په

تحديد بالغرائ مطلق معين البكران بعرش الكالت كالمعرش الكالت كره وهكره حال بعرض في المكتل الكالة وقى الكتل المنتقل التي المنتقل التي المنتقل التي المنتقل التي المنتقل التي المنتقل التي المنتقل المنتق

المدرالمنتظور مع رواب دار "الداب تعدلوه عاب منحود المسهود عن ۱۹۳ م ۲۰ مسبد بو کماهی خاشیة
 المول مشاوی - کشاف الصفوا، باب احکام سخود السهود من ۱۹ با ۲۹۹ تا ۲۹۹ فقیسی بو کفاهی الهیدید. کشاف مصفوا، الداب الدابی مشر فی سخود السهور من ۱۲۸ م کمه و شیعه به

إلا معير بالفراسخ هوالتسجيح (لهندية) كياب العطواء أثبات الحامين خشر في عبلاة المسافرة في
 ١٣٥٠ ج (رشيفانه)

و كنفاعي الهداية كنات الصنود بات صلوة المسافر الحل ١٩٧٢ مع : مكتبه رحماليه)

۲۴ والشعريف الحسن من الاستدياد فإذه لا يتوجه دلك في كال منصر وابعا هو بحسب كيرافهما ومسترة الطافق بالصدية للبياغة يخالف المربض السقق على دائلة في عليه بالد المعد لمعملين الساهم مقد نص وألمه على او الساء ما أخذلنافي المولى و مواقع البعر كو كفل الحيل والدواء، و حسن العسباكم والمحروح لد من وحر دائل وأي دوختم يحد لمسافة يسم همناكر معم ويعلل لم عاد الاطفيل والعرضان درمي الما والسفق المارود و احتار المدافع في ودائلة حيال. كتاب الضموالة بات فيضيعة من ١٩١٨، ج١٤ معيد »

و كداخي الدوالمنحتار مع وفالمبعثار ، كتاب الصلوفة بالت صلوفاتهم الوراضي ۱۳۱۹ م ۳۰ معهد) و كذافي الهمدية كتاب الصلوفة الذات الجاهدية الع م سر ۱۳۲۹ م ۲۰ مكتم رضهدية)

خرودت كيسب عيوة وكربجا يخصجه بين فماز عبداداكرنا

<u>و</u> ک په

أنبيافرمات مين مهاء واين منه رمية في سيال كيمتعلق-

(۱) - الک ٹیم کی ایک ٹیم نکارٹس ٹیل عالیس منہوں ہے زا ایم فیس یہ تی ہیں۔ مرسف ٹیل ڈیز ہے ہو کے . قریب " ومیون کی تفعید بعولی ت= اس کے مداوح بوگاد کے اروکر رشانی جنوبا اور شاق خربا کالی لوک عزیز جمع بو عات ہیںا وران کی کئی منبل بین بیاتی ہیں۔ شرق قروق نے ملا دارورد کے دیبات کے لوگ جی کوئی ہیں ہو چات تیں۔ رہت اور کی کے نیول پر کائی شغیر سے ترتئی سے بن حالی ہیں۔ اگر پر میرنکاہ کے امام کے سامنے الاؤ ڈیٹیکر کھی جا زوائے - نے کھی برار دارای گذاہ کے بہرے اور کردور واقعے کیا ہے جو نے والے دور کے والی ' ووقت پرئیسیرات کا تیج پایشن کمیسندان کے میسا اوا نگلی نماز میں کافی وقت ہو جاتی ہے۔ تقریبا جدرہ ہوا۔ لوگوں کے اپنیاں کی مختلف طیا کی ہے ہوئے وارکون کورن روبض کی نئی رہتے ہیں آ جائے والکہ نمیر کا ہیں ت المبروت بنائے موجود میں نامیقاوے امرف ایک در نکام وجود میں تھی ربھنگی ایپ وقت درآ وی جشو کر سکتے این - عوما نمیدگاه نشن آنب واستفاد می سینه گهران مین ادراد در ای سر جده نیم و ننده نمو درگرانشه این ایست عالَى وتت لمازيكا الكارش أب من فريه وَ بكر نفرورت بزيني مرده ماره ونسوء أراا ببت الاستشكل وها تاسع- ال سینے اربیت لوک شرعہ کے ماتھ وائس کھڑا کر کے بر جمہوراہ جائے میں - ان مداہات کے چیش کا ایسے شہریش کیک وسی وقد م شاق مسجد بند چوشو کی آشش بازی نے ایبلد طرف واقع سے اور میرو کال کی مدووش واقع ہے۔ اس میس یال صورت کو کوروا در مسل کائیمترین انگوم ہے۔ ان مجبرین بزے بڑے کھیلی انٹر مات کی دوئے ہیں۔ یک مسجد میں آخر نماز کردیا ہے کا اتحام مزمانے جس بیس شبر اور اورد بیار آوں کی نماز عید آخر نی تے مہا تھوا وہ وہائے وسمحه بشرائمازميد مانزامه عائب كي مانة كالحي تحديثه في زميد وزينة والوساد غار وزينة كالوالب بحق سلمنا المبيس لا (†) - المثان الريسان وركي ثم في حدور يكن كن مشالت الارسيان شي في أنه فيوس وأن بي قد في ثب ما الن الوول في أوليد وأكراجت الانوجاني به المنس-مثان وربراويو الوالات توسيره خانور تورينتال جيم وخان كي التحصیل ہے ان جمرا محاشری ورمیانیل میٹی کی جدور کھاندہ ایک علیاسلیک کے سربانوں کیا نے بلکوں رہمید این کی آرزن باحي جائل جيره آيوا بقرة يا عن السائم ڪالدري ڪيوريا مرسما جارڻان ارايد ۾ نز دوجائي ڪو تهي ا (۴) اعرف ما مشرباتشوں کی مدود کا نماز دعومت کی شرف ہے وزیر وزیرت میں قالم ہو چاہے کئی الله كار يأبيل كميني كي حداد ما قد إين تاكه حلي العدائية أحم الرائس القاع المدام برأة في شبر يتعالى حدود كالأوج المساكة یا گیزیں۔ کو شہر نامی فی تاریخی میں مدوانوں مال بکروہ و میں مورے میں دونوں است بیان قرم پر ہوئے۔ فیض کیا ہوئے الیسے رہا سفت میں ایک شرک الدان مرف ہی شار کئی میں کے قول مدود الشار میں تاریخی کیا مدوور میں میں اور اس مدفوع اکو تی میں ان شرک کے الدان میں ایک ہے تاریخی کی تی مدود کے اور دور ان میروفاد ما کی بیاری میں کاورش میں منتظ اربی ان شرک سال میں شال مدینی ہے اور تماز میں کے لیے کری آبادی ہے اور واقع کر تماز باعد الاس در اور ہے کے۔ اور اب کے اسے باعد رشم شام در در المیت الروز ہوئے کے۔

اله الله المستهدف المراجعين في إن الا الدرك في المواجعة في ورقعل و يرقعل و يرقع كاستوق كياره الأسمال ويرقل المستاها في المستاطقة في كالمواجعة في المستاها في المس

ي ۾ ڪي هو.

⁽۹) عارب عرب عرب الحارى و بالشاه عند قان كان را دور الله عملى الله عنه و مسريحا حريوم العمر وادامه حي ادار أنه عد الراء معلون شفي مدامه الصارة والبحارات كذاب العبدين و بالمحروج الى المعسان الحرامي و ۱۹۳۰ مر ۱۹ فديسي و كذا في السمال الي داود الواد العبدي بات عالم بحرح و اسخ عي ۱۹۲۱ مراكب و المسكنت و حيدات و كذا في المشكرة و كذا في المعلود بات منظرة العبدي و سر ۱۹۵۷ حرام فديمي و

سي اسل عربية فرعين الله حداء احتاد عطر أي يوم عيد تحديل بهيد أدى هذى الله حيه وسلم صلاة
العداد بن المستحد ومشكوم كتاب الصيوم باب منقوم المدين معن 1974 و 19 فلاسي)
 والكدافي الوطاؤة فرادوات مهيدي منز 1971 و 19 مكتب إحساسه)

عج على الى هذاء فقط عرب مون الأماميال المعاط أو مسود الوقعي في مسجدي فقط مد من طوي حالوة. - هي هيد والا المستحد اللحرام كتاب الحج المسافضل المتلوقة المستحد ، انتج النور 1881 - ج14. - ها مين لتنب ما نوع

نبذا ميركاه بمن تماز عيد بإحنامستوان بوگا- باقى هيوكاه بمن البيارت خانون ادرونسودك بميكا انتظام كياجا مكل هيد اگر يا انتظام موجود كلي اوت بحق عيدگاه كي خرف انتخاطت بوگاه أن اگرجائن سميد شرونما زعيد بلا عذا ادا كي تي تماز هيدادا ، و جائد كي اگر چه ايك منت مؤكدوفرت ، وجائد كي (۱۰۰ - كسيدسه فسسال فسسس المساور نام حنار السامي و و المبحر و حافيها با اي الاجرائة المصالاة العيد رسدة و ان وسعهم المستحد المبدام عن الصحيح - اي طرح الدوائنا و كي سن (۱۰) بم منظم وجود هيد

(۱) - ایک شمرش متعدد مقامات پرهیدگی نماز جا کرابت جو جائی ہے۔ اگر پریکی اوق کم ہے کم جنگیول شمی نماز نمید پڑھنے کا انتظام ہونائولی ہے۔ کسیسا فسان کسی النمویو (۵) – رو تسؤ دی فسی میصد واحد بعد اصبع کشیر و مطلقاً

(٣) شہری مدرودش میدگاہ کے داخل ہوجائے کے بعد اسری عیدگاہ بنائے کی خرورت نہیں ہے (٣٠) ہی کہلی عیرچھ میں بن بوراثو اب نے کا ان شارا خوالی آل

شریعت ش فرخیرت شده و دومقالات این کدین کے سائد شہر کی خرد ریات مشتق بول - مثلاً فوز دورُ کا میدان د جِما اُئی، قیرمثان دخیرو د اورشی مے منعل دومقالات این کدین کے ساتھ شہر کی خرور بات کا تعلق نہ

د) والمخبر و ج التي المجينات في صلاحة العيد سنة الغ «الهدية. كتاب الصلواة البات السابع «شر في
الأمر شران» من ١٥ و ج ٢ (١٠ كتب رشرسه) و كذا في المحرائر عن "كتاب الصلواة عاب العيدين) ص
 ١٤٠٥ - ٣٤٠ مكتب رشيدية)

٢) أو رسية عن السيد في الميامع والميتوجه إلى المصلى فقد تراك استقه البحر الرائق كتاب الصيرة، باب
سيلوغه العيدين من ٢٧٨ م ٢٠ ر شيديه) والسنة أن ينغرج الامام في النجائة : الخائرة على هامش
 الهيدية: كتاب الصلومة باب مباؤه الميدين من ٢٨٦ م ٢٠ مكتبه و شيدية)

- ٣) الدرالمختار كتاد والصلوف بالراهيدين، ص ١٩٩ م ج٠٠ معيد).
- عناد المقتاوي: ماب صاوة الحمعة والمبلس عن ١٠٤٠ ح ١٠ مكتبه دار العلوم كر اجي)
- هم الدورشم خد الردكة باب العبلوقة ، الب العوضي ، عن ١٩٧١ ، ح٢٠ ساميد) وتجوز (قامة صلاة العبد في
 موضعين الحة الهندية) كتاب العبلوة، قانات السامع عشر في صلاة العبدي، ، عن ١٩٥٠ ج١١ مكتبه
 الشيدية) وكذا في المحرام الرائع: ، كتاب مرائعلوة، باب العبدي، ، عن ١٩٨٤ ح٢٤ مكتبه وشيدية)
- و 1) وان تنظيرها إنه لم يتبت مانع هريم من التعد ددالا عنهر فلحواز مطلقاً والعبد بيه صوارالا أنه يستحب أن نؤدى بعير حاجة إلا في موضع واحد حروجاً من التحلاف، اعلاء السنر، نبواب الجمعة، ص ٧٢ ت ١٩٥ ج.م، اداره المرآن)

ہو- وہ شمونی حدود سے نیاری فراریوں نے ڈی ¹⁹¹ کیٹی کی حدود ت ایمیاد کا بھی تنسیلی فرنیس ہے۔ (۳٪) ۔ دیسے میاسٹے کو نتار سے فراہ نگی ہیں۔ ہورہ کہ جواب فرمرا میں ڈیر کر روز کیا ہے۔ جو تھی مویا ہ تھائری منے صاحب کے دجو تاکر کے کامٹ ایسے والی فائنوٹ چیش کرے ایمی اس کے دجو کا کا کرتی ممالیس ہے اور میسئلے میشنی کو ہر کی بھیدا ای خراری مرجود ہے۔ افتا واحد تھائی الم-

فنندے بچنے کے لیے عید گاہ کے بچائے در اگاہ بی نماز عیداوا کرنے کا تھم ایک مکند

کیا قربات فریسا و دین در ی مشکد کردنا دے بال کیے تحدیث جند مودودی اسلک در بردارد بنتی افعول نے ایک مجد گردہ ہے اور مسکد کردارد بنتی افعول نے ایک مجد گردہ ہے اور مرحودوی کی جائے مجد گردہ ہے اور مرحود براحود وی برخت کے ایک جن براق ہے کہ اور ان کی باتی براق ہے کہ اور ان کی باتی براق ہے کہ اور ان کی باتی برائی ہے کہ اور ان کی باتی برائی ہے کہ اور ان کی باتی براق ہے کہ اور ان کو باتی برائی ہے کہ اور ان کو باتی ہوں اور کا ہے ہوں اور کا ہوا ہو ہوں کہ باتی ہوں کو ب

(۱) وه ي الحارف إن كان برز ، «الا والمعلوا قل من علرة ونيس بنهمد مزرعة بطنوط محاورت والا علا أضال الدن عبايية وأنه أن يشتوط معاوفة الأكن من اراح دوشع الإقادة كر على المصلوعة وهو أصاحول المعدية من سوت و مساكل فائمة في مكم المعلم و كناه بقرائي فيتصله فالربض في المعلمية خلاف السيانين . . . واحد المعلم و الممكن المعلم لمسالح البلد كر كمن الدوات و على الدواتي والله الشراب قبل المعلم بالمسالم المتبدر محاورته ولى المعلم بالمواد و علاه الدوائية مسالم المتبدر مع المسلم المتبدر المعلم المسلمين المسالم المتبدر المعالم المسلمين المسلمين المسلمين على المسلمين على المسلمين المسلمين المسلمين المسلمين المسلمين المسلمين على المسلمين المسلمين على المسلمين ا

(1) - اب اس صورت عال پیس ، بویند بوس کی جامع صبحہ کے عالم وخفیب کے لیے بیشرود کی سے کیر مودود ہول کے سلک کے نقائص بیال کر ہے اور ان کے مسلک کی تر ویڈ کرے باقد بلکہ خاسوش وہیے - اگر خاسوش رہے تو عمد کار توضیق برمج -

(ع) اولیسے مودود بول کی وفوت پر جانا اوران کی سمجد جس تمار پر سمنا میا از جویات

(٣) حيدگاه ان مودودي زميندارول تے عرصه ديمن سال سرتھير کرانى ہے اوران کي تونيت و بقف هن ہے اور نميد کي قبار ميدگاه هن جيش وابي نديول کي جائن ميد کا خطيب پر حالا و رہنا ہے۔ گر چونكد دو مودود بول كا حالف ہے اور مودول کی اس کے خالف جي اس ليے دوا مودودي ذميندار جا ہے تين كه اس کو ا

吹むず

 إلى شمر وحد الى مائداً إلى الجائة وهى المصلى العام والشروح الجهادي إلى الجنافة لتعلق العهد المدة «الا درال مدعد إلى اكتباب الصلوة ، فاب العهدين «عن ١٧٦» • ٢٠ مصد) وكذا في البحر الراالية:
 كساب المستمورة ومات المهدين ، عن ١٩٥٠ • ٢٥ وطيديه) وكذا في الهيديد، كناب الصفوة «المات السابح خشر عبدين «عن ١٥٠٠ • ١٠ وطيديه)

یا کے جا کمی $(^{()}$ - فقار والنہ تھائی النم

عید کی نماز ہےرہ ب نے وزلوں کے لیےدو بار وعید ترانے کا تھم

*(1)

کیا قربائے جی ملا و این اس مندیش کوج نوگ مید کی شاؤیش جدا ہوں سے رہ جائے ہیں ہیں کے لیے دوسرتی جدا مست کرنے کیا اجازے ہے ہوگئی اورج نوگ مید کی ٹھازیش علی کے بعد ڈسٹے جی ان کے لیے اور کی بھامت اور خطب پڑھنا جا ہے پائیس یا تو واج کے جی وال کو دسرہ انسام پڑھا مکت ہے چیکس۔

40%

جواؤگ نماز میدست دوم کی وی صورت که بیدگاه شی ایام نے اس سنام کوفیاز پر هانی ارفار تی بوایا۔ اور پانچ دل جدویا موقا دل رو گئے توان کوانگ جماعت کرنے کی اجازت کیس ماه کا خطیات کیس اور اگر ذخلی می او چکا دوقا کوفیار میشکرانند قبائی کا فکر در استغفار کرنٹس تمبیع میں ایکس اس پزیشت رین سیکرد عاما لک کرنچلے جاکمی اور بیکا مرافز از فی طور پرانچام این ایت فی عمر پرک ایکس فیزیک شاوگا۔ و استطاع خلیق عند موفضا ما ہی المعد بدلا کا علی شامع الفندین و اظہار بدلا کا اس العجالا الاول - فقد داخذ تا اند تعالی الم

يتعدد جكبول يرنماز ميد كأتكم

₩U**®**

کیا قربائے جیں ملیارہ ہیں اور نے سنٹرکرا کیک قصیہ ہے جس کی مردم تھری آخر بیا۔ ۱۹۳۰ باروس پر مشتل ہے۔ جس میں ایک جائے عرصہ سے ہے روائ جا آ رہا ہے کہ لوگ مید ف فراز کے سلیے مید کا وحص جی جاستہ جی تو سارے قصیہ کی فورنگ سٹھر کے بعد باز ارتب آ تی جی اجوائیوں کے واپس جوٹے کے بعد بھی بازار سے فیص

ا) تسجيب صلوتهما في الاصح على من تحت عليه الحسمة بشرائطها المتقدمة موى الخطبة عالها سنة
بمدهاي الدرالسجتار مع ردهممتار اكتاب الصلوة، باب العيمي من ١٩٦٦ - ج٣٠ حجم) و كفا في
الهندية اكتاب الصلوقة قابات الساح عدم في الجديرة من ١٩١٠ - ج١٢ رئيديه)

 ⁽ع) قبوليم وسين قبائيم ميلان العبد مع الإمام الأي بيلي الإمام وحوالم يدركه وهائمه عنه لم ية شهاب الدارة
 حين فتح القدم . كتاب الصبوة (باب العبدين من ١٣٥ م ١٢٥ مكت راغيديه)

٣) وكدا في الهندية اكتاب بصوف باب العديق، ص ١٩٥١ م ١٥ بلوجستان يكفيون والاسام لوحساناها ماع الجماعة وقاتت بمغر الدين إلىفطيها من غائمه الهندية: كتاب العينواة البنات السابع عشر في صلاة العينين، ص ١٩٥٦ تا ١٩٥٤ مج: مكتبه وشيابه إ

الکھیں۔ ہیں دیم کو برند کرنے کے لیے چندان کوشش کی گئی گئیں تا کا کی کے حالے آپائی کی حاصل آپٹی ہوا۔ اب کا ندشتہ عمیدال بھی پرائیسے سال کا صاحب کے مرید کی رات و کوں گیسٹر کیا کرنائں دیم کو بندار نے کے لیے کہ نی کئی قدم شانا جہا ہے۔ مکین کمی نے قوب میں وی۔ '' قرامولائی مدھر رائے کہ ناز میں کی اورائی دیم کو بندا یو۔ اب مرش ہے ہے دور کی اموان عدامی نے جوانا مہلیا ہے بدائر رائے شراعت ہوائا ہے بائیس وارکیا موادی مدہ ب بیٹر ب کے مستحق مرکع مولوی عدامی نے جوانا مہلیا ہے بدائر رائے شراعت ہوائا ہے بائیس وارکیا موادی مدہ ب بیٹر ب کے مستحق اس کے انہوں۔

وگیر بیکدان وقت میں ویکٹنز دکیا جارہ ہاہے کہ پرسوال صاحب سند عمیدی و مرک پر عت بنا کر آئیک نے فقتہ بر پاکھا ہے وراؤگوں میں انتہار دیوا کر روہ ہے۔ ابقہ اسپ ان واقوں پہلووں کو دکھی کھی میں میں سے مسلم قرارہ ہیں۔

وال في الم

مید کی قماز بیر آگر چیاولی پر ہے کہ تقدان ہوئیز ہے تکی اولی ہے کہ شہر سے یہ ہو۔ شہر کے اندر سجد میں نہ ہوت کمکن میں کے باوجو، شہر کی محبد میں «سرق قرائم میں پاسٹی جا کر ہے ⁴² آگرا کیک ہو خراجی پیگلی کرنے سے انگی ہوگ ایر کی دوک وی جائے توانے اور شہاجائے - ابتدا کیک وہ س کے بعد وہب بید مرفع ہوج سے قرایع سے نماز بھو کر کے باسمی جائے - واقعہ تعال العم

رية يوه غيروي بلال ميدورمضان كي اطلاع كانتهم

فوق س بقه جنائے تم م منتی تحدود معاجب مدرسیانا مم اسموسا ساسم بیرکزا

(3) وإلى تسطيرها إلى أنه لهران ب سامع صريح من انتخذ قالاطهور الصوار مطلقاً والموارقية سواد إلا أنه المستجدية أن الإموار مطلقاً والموارقية سواد إلا أنه المستجدية أن الإموار مطلقاً والموارقية من الاموار والمدين والمدين والكرد على مهمو والمدين والكرد موسيين والكرد المدينة المدينة أن كنام الصوار في كنام الصوار والمدين من المهالة من المهالة المحرار في كنام الصوار والمدينة وكنة من المهالة من المهالة المحرار المسلوقة الماما المستجدة في المهالين وصل المحادث المحددة إلى محددة المحددة ال

وكذا في مرشهة الطعطاوي، كتاب الهيبوة، باب احكام العبدير، ص ١٥٢١، قديمي كنت خام)

البعدوا على ميد رئم أمار باردرا و المقاراف أنيان كتابان بالقاتي نورس أمراه من المتوفي قول و الدورات المسال الم البدك و قبار روز و تقيير على وقيد و قالت قبار ساقي الداز الموسط و عادى و المدروز و ميد مردن و الزارات والساسة الله جهاد عال مرم و داسط كما ترقر و حيوان شود و سال ممكن جهانات العلان و تواهيد مع نود المؤارات والشاري في الم يفر البيد الموافق و يدامان روز و و حيوان شود و سال ممكن جويفار الميا تقليم عاد المراوع و الماريز و الماريز و ال الموافق في كندكي و المراكز من حيوسك القول بقل حادث و منهوست بالمنزان المان المراوع و المراوع و المان في المراوع ا

10. O 31

بهم النقا المحمن الرئيم و وفيعد من و حسن التروى إلي المعرة وثير النظارة المحمد والمعرف المحمل في المعرف في المحمد النقاء المحمد والمعرف المعرف المعر

سمی قدمه ای پشتگرای کلی و ام از مدارد کام اطوم مان کبل ساله مشترشد و دانید و برای از انفیاه ی ورخ است که امرام شبرگرد و ام دنو مطاور آنها موانیخ توانسه مرقول و نوس ماریجه ب و آمر شهرت مجمل ملارها تم و ایفر ایال شرقی شبادت کرفته فیسلاکند این و مدود با کنتالت عمل برای شود ری اوست و آن نادری تروزایت بطیر با نیز به شود مجموده بی این مور

ه ﴾ الحدير العالوي: كتاب السوح، سلاحين الرحال من الانام ح 1 دويع في سمد.

فيما ها كانت بعيدة فالربرة حد البلتين حكم الأخر إلى مصالع فيا الدع بالمستاقة الدا بنتية بحنفر.
 فيما بولي أهل المستاد ما مع مشتمع دويا الدالاخر مدائع الصباح كانت الصوم وحدل ولما شوائطها الحيد من ١٨٠٣ من ١٠٠٠ من المكان رغيديم و كانافي الناد و حاليا أن ريائما، و المصلى المستادي المنافع من ١٨٥٥ من ١٠٠٠ من المنافع في محموم المناوي على حاصلي المنافع من المنافع من ١٨٥٥ من المنافع الكان المن ١٨٥٥ من منافع وشيديا إلى المنافع المنافع المنافع المنافع وشيديا إلى المنافع الم

المانية المانغيد كالحلم الفواس ع

تحيافرهائية جي ملاء ويناعد يعامسال ك

(۱) ہے جاہ برجس کے آمی بند درائی کا رہے وہ مانت آ اور کرے وہ کا آباد کا ہے تھا اور تعدادہ وجایا تدفیانہ با برنا مصلیا تھی، بال کوئی بند در حالیس سے اور درور کئے اس میں کا فراز استاج کو سیار کی کی اس اس کے بیٹر آباد وقی جاہ برجہ برخمی کی سینان میں بیٹر کو کہا تھا وہ کا لیاں بلا جو کہ کا اور میں جا معاصف وقیعہ کے دور کی تھی اس کی جما میں عید نور کوئم کر سے می کچھر کی گئی ہدادہ کوئی وجہ وقیراد مکا آبادہ کی اور اوالی دیا ان اور کا اس ک قومی کہ بریاں سے انداز دار ہے کا ا

ر الاس الآراس ہو در الاس نے دوگرہ کی اور مقام کے دلیے آبار پڑ اسا جارتی دیکھی و کو بھی ہے۔ میں جو نماز پڑھی یہ چکل اس واکیا تھی ہے دور اس نے بعد جو المسد فرز کا جاری رکھی اسا کا کیا تھی ہے۔ جاد اول جاری توجی استدار تھی

400

رو) - قرریش آبازه یا چادر می گرام کی (۱۰ ش) به و افتادای حالیت شیرانط الجمعة و حوایا و متحد شراط للجمعة المحمد

َ ﴾ ﴿ ﴿ ﴾ ﴿ بِهِ مَا يَعْمِيهِ اللَّهِ مِن إِلَى بِالْحِلَقِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ اللَّهِ مَا اللَّهِ اللّ كَنْ إِنْ مِنْ إِلَيْهِ اللَّهِ عَلَى فَدَ هَبِدُ وَ الأَعْلِمُو عَلَى مَكْمِرُ وَ لا وَ قَدَ مَا مَجَمَّا عَذَ ﴿ الْمُنْآفَالُ عَلَمُ مِنْ اللَّهِ عَلَى مَكْمِرُ وَ لا وَ قَدَ مَا مَجَمَّا عَذَ ﴿ الْمُنْآفَالُ عَلَمُ

تحبيرات تشريق من براهب ي

 $\psi(\mathcal{F})_{\mathcal{C}}$

ه) الميسمونونون كتاب تسافوه ماب معينون العرار 2000 م. كلمة الشيسية) و كذا في الهدارة وكتاب التصلف فالراب الدامع عشر في العيس المن الدام و دوركتية الشياسة) وكذا في الفرائسة كتاب المصوف من العيسية على 191 م ج «معين» الذك براكتي في التياب إلى التي المسافقة المسافقة على المعالمة المسافقة المسافقة

ا مهامر المعتبية يؤسب خلال ميرشراً على المتكافرة من 1000 و 100 ع 20 طبع منكبة عالم تفسيم و كوانيمون 15 يزو المستخدار الكتاب المسافوة بالمدار سيلتين واص 1000 من 20 منتدو

وأجب جي ولل بيان فرما كمي-

€5≽

تحميرات تشرق غاز بعدودي إن كافرت شبوانون القسبات او الرق كميره الون جهان لما زجد الميدي فرض و الجب بونهان يجوب و الول پر جب كرفس نماز بها عندا كري قو منزم بجيراني برايد و فدج من و الجب بونهان يجوب و الول پر جب كرفس نماز بها حت بادا كري قو منزم بجيراني والدج سب بادو توجي المجل و المجل بونزلي نماز بعد كري بين أو بهل شبول سب بين او وجم الموكن برنماز بعد في المعرفة و عبدا فرزاق (ا) و الوبكو بن البي شبية (ا) في مصنفيها موقوفا عن على وطبى الله تعالى عنه لا جمعة و لا تشريق و لا بن ابي شبية (ا) في معنفيها موقوفا عن على وطبى الله تعالى عنه لا جمعة و لا تشريق و لا صلوة في معنفيها موقوفا عن على وطبى الله تعالى عنه لا جمعة و الا تشريق و لا بين مي بعث عليه فقد قال ابو حيفة انه لا يجب الإعلى الموحاق العافلي المقبمين الاحراد من احل الاحتصار المصلى المعلى المسان و الصيان من بعث النساء و الصيان عن المسان و المسان المولى و من بعداعة مستحبة عكذا في السين حالم والمستحدة عكذا في السين حالم و المسان المولى المسان المعلى و بعداء مستحبة عكذا في السين حالم و المسان المولى الم المسان المعلى عن النساء و المسين حالم والمسان المولى و من بعداعة مستحبة عكذا في السين حالم و المسان المولى المولى المولى و حداد الناس عالم المولى المول

نمازعيدمسا جدمخل شهامنعقد كرنے كانتم

U

کیافر ہاتے ٹیں ملو وہ بن در پر سند کہ نماز میر خطّہ کی مساجد ش (کہ جن ش سوؤ یا حدوۃ وہیوں کا ابتحال اوغات کا لکا کو است درست ہے یا اس اوٹا نے عید کے بادہ عمل شرعاً حقیم اوٹا را معلوب ہے اور اس اوٹا کا کے کے کیا عد ہے نیز کیا حمید کا وکا عدد درشر ہے اور دونا مطلوب شرق ہے دکر مطلوب شرق ہے تو جرموجود وصورت میں ملکان شرکی عالیٰ کوئی کا کمی عمید گاہ عدد درشر ہے با ہرئیس کیونکہ اضاف آباد کی کی جد ہے شہر ہر امرف جا رہ ویٹیا کی کیش ہے نہ یہ دوفیل چکا ہے براہ کرم اس سنلہ کی تعمیل دائل و براہیں سے قریر فرما کر مار سلیس کی تھے ویٹیا کی کیش ہے نہ یہ تو جو جو جو جو اور اور اس سنلہ کی تعمیل دائل و براہیں سے قریر فرما کر مار سلیس کی تھے

۹) منصف عبدالرزاق: کتاب الحصد دیاب القری قصفار دهی ۲۰ ج۲۰ دار لکت العلمید دیروت) مستف این این شید: کتاب الجمعاد می ۲۰ ج۲۰ مکید امدادین)

٧) بدائع العسالع: كتاب العبلوة فصل وأمايان الخ ص ١٩٧، ج١٠ مكنيه رشيديه)

٣) الهندسة: كتاب الصلوة والباب السابع عشر في العيدس، ٢٥٥١ ح ١٠ مكتبه وشيديه إ

€Ĉ∲

' علوم ہوکرآ بادی ہے ڈام کی تابیگاہ بھی تی زخیرانھٹل ہو نے یا اٹھن الفتاہ کی ⁽⁰ بھی تقریباً ہو رستھاست پر مشتل آٹھ بنی بھٹ کی ہے ۔ اٹس کا غلامہ ہے ہے ۔ (1) کہا کیہ ٹیریس کی مبکر مراجعے ہیں اوسٹے بھی پھی و ماٹھیں ہے ۔ وقود دی علی مصر واسط بھواضع کلیوڈ تعاق (1)

(۱) مت قريل كم في مسلم البخر إلى المائزي إلى المائزي المائزي المسلم العام المسلم العام (والعروج المسلم المسلم العلم (والعروج المسلم المسل

عیدے روز کیے لیے کا علم

$\psi(J)_{\mu}$

کیافرہ آتا ہیں ملاہ بین میں میں مشاکر جمعہ آلیان مصافر کرنہ میں کی کرنہ منا الیک دور ہے کے پاس جانا جائز سے باہدمت ہے

٥) الحسن الفتاوي أكتاب الصلوة مان الحمامة والميدس، من ١٩٠ . ج١٠ البج المسلمان

أما مراة سيختان الكتاب مصنفوف من العباس من ١٩٨٦ ع. د منيده و كيا في البرائرائية كتاب
المسلولة المناب شعيدين العن ١٩٣٠ ع. ١٩٠٥ مكتبه و شياره و كذا في الهيدية. كتاب المسلوق لبات
الرامع مشر في العيدين المن ١٠٥٠ ع. ١٩٠٥ غيدية)

عناوى «درانعموم ديوبيد» كتاب العبلود ، دار الاشاعات ، كراجي).

黄色笋

سیامید کے۔ وزنماز کے بعد موسنے اور سعیاغے اور مبار کیا دیاں تلف میافیین میکنز بانہ جی نہیں تھیں۔ اس ایکے اس کا ترک عیامت سب سے لاک فقد واللہ تعالی اللم

نمازمير كے بعدا كي قطب برجے كاتكم

و ئر∳¢

کیا قربائے ہیں مفتران مظام در ہے۔ سنکہ کیا گر عمید کی نماز باس مرف ایک تعلید پڑھا جائے تو نماز میردادا ہو جائے کی جیس۔

∳&}

ئى زىمىدادا بوكى يىن (عائد نوي درنىدى لام

نمازعید کاایک خطبہ بھولے ہے روحمیا

横げ

آیا قربائے بیں علوی بین در کے مشکر کرفیان فیرال کی شک چیکیر سے زواندگئی پڑمی کئی۔ نظریان نیالات صاحب جول کے سامعین میں سنگی سنڈ یوٹیمیں دیا۔ ووہر سے دن یادوں یا مودا ہم صاحب کوٹی یادہ کمیان آلیا فطریان بیٹ بڑسٹنگی میں سے تماریخ ہوئی یا زادوہ س کا کمانا کی پرسینا دراس کھٹی کا کڈ درکساکیا ہیں۔

#3.

معودت مسئول بین فراز میده رست ب شاهبدره جانب سن نماه مین و کی مینمین آتا (۳۰) یوکس قطبه نماز مید که ایرش آتین شطبه کا مدار سنیس به سنگامهاتی ما برگوفی ترمزمیس (۳۰) ایفارتمان مده ف فره سند - فقا والفارتمان اهم

۵) وقد تقدم تفصیله و نخر بحه علی صفحه ۱۳ ۵٪

۲۶ ف ایسا سینه بیشندها در دختی تولید بخطیت آصار صحح و آسار افرات افرسته افیخرافرانان کشاب الصارات ساب افیمیدی و ۲۷۸ م ۲۷۶ م ۲۶ مکتب و شیده ی و کندا فی افیم افغانی: کشاب افضاوه و بات فیمیدی می ۱۷۶ م ۲۰ مشید و از شکنت انقلمیه ی و کندا فی شده انسختار مع و دافیمختار: کشاب انقساوه و دات افسایس و می ۱۷۶ م ۲۰ میده ی

٣) نقطم تنترينمه ميضمه حذا حاشية سنر ١٠

ع) ان الله تعالى وضع عن امنى الحطاء والسيان وما استكر هوا حديد "مجمع الحوامع حرف الهمزة، ص
 ١٥ ١ ع ٢ دار لكنت العلمية)

ايك معجدين وومرتبه نبيد كأظلم

#€ *** ***

کیا فرہاتے جی علامہ کی محمدی و مارف بالدی انھی مشار ندگور دوقیل میں کد جس مجد میں آبک بار نماز عمد پڑھائی جائے تو بھراس ہی وقت میں کوئی و سرامونوی بھٹی لوگوں کو دوبارہ عمد پڑھائے کیا بیٹماز جائز ہے بیائمبس بہتر موالہ ہوئے کتب سنتینل فرمائمیں۔

#Zz

اگر کونی خصی با متعددا فراد فراز عید بده جا کمی قو کوشش کرین که کی دو سری جگرچ می سجد یا عیدگاه جهای متعاورت بست خاام کان برو تنجیل کی تعدد جگر بوشتی به ادرا گرد در سری جگری فراد عید بشته کا متعاورت بست کا امرائی دو سری جگری فراد عید بست کا این میدگاه می جهان آیک مرحد آمان خود به محلان ند بوق اب نماز عید تجایا چند آمیدل کاش کراد و کرنا جائز تیس بست کا ای میدگاه می جهان آیک مرحد او بوجی بوگا کرچار دکت شل مسلو و گئی کرفیز آمیدات زائد کے بزی ایس اور بیسو و تحق موگر و دال دفیل علی جمیع دالک قول صاحب الدود (۱۰ دو لا بست بیها و حده او فات مع الامام) الی قول ها و رو نام کند و احد در دمواضع کنیر و قول ها و می اور در این است میانا کها فی الفهستانی و کیس هذا دهناه - ای نام در اختراف کها فی الفهستانی و کیس هذا

عيدين مين ثماز نيل خطبه بزھنے كاتكم

*(1)

كيافر مات بيساعل و بيناس مسكدين كرني زميد س بسل خطيه بإسنا مشروع سي وكرنيس بينوا توج وا-

જ્ંČઋ

الماز جدائل الطبرقيل از فراز اورفيدين عن جداز فرازيز هذا جاسي ميدين عن فطبرقيل از فراز بدعت

 الدر المحتار مع ردالمحتار: كتاب الصدوة، باب العهدين، حمد ۱۷۵ تا ۱۷۹، ج۲، محيد)
 وكفة على المحرار التي: كتاب الصاوة، باب المهدين، ص ۱۸۳ تا ۱۸۳ ج۲، مكتب رشيديه) ومئة في النهر الفائق: كتاب الصلوة، باب العيدين، ص ۱۲۰، ج١: دارالكب العلمية)

ہے(1) - فتاہ والقدائظم

بھولے ہے نمازعید کی زائد تکبیر سے روگئیں

﴿ أَنْ اللَّهِ

نفاز عبد کی بیلی رکعت بین خمیر تو زیر کئے کے بعد آبل او قر اُستجبیرات و وائد امام نوجوں تکیم آتشہد ش اس کویاد آئی و مرنے بجد و موثین آبیاش مانیفاد تھے ہے یائیس نماز عبدی بزاروں کا ایشاع تھا۔

∲ئۆە

صورت مسئول ہیں جکہ بزمروں کا ابتر خ تھ تو امام نے بہتر کیا ہے کہ بہوئیں کیا۔ شرعاً برخما استح ہے کینکہ بھٹا کتے بوادراس ز دینے میں عام آؤٹوں کودین سکے انتخابات وسسائی معلوم بیس دوئے تو نوگوں کے فتارہ قساد بیس بزجانے کا تو ان امکان ہے۔ مندرجہ ایل عبارات اس پروائل ہیں۔

(والسهو في صفوة العبد والجمعة والسكتوية والتطوع مواه) والمخترعة المتاخرين عدمه في الاوليس لدفع الفتنة كما في جمعة المحر و اقوه المصنف و به حزم في الدراخ تأكيث ب وقوله عدمه في الاوليس) انفاهر أن الجمع الكثير في ماسراهما كذالك كلما بحثه بعضهم و كذا بحثه الرحمتي و قال خصوصا في زماندا و في جمعة حاشية بني السهود عن العزمية الله ليس الهواد عدم جواره مل الاولى نركه لتلابقع الناس في فتنة (أ) عالمكرى (أ) شي ب السهو في المحمعة والعبليس والمعكومة و لنظرع واحد الا أي مشافحا قالوا لا يسحد للسهو في العبدين والجمعة لتلايقع الناس في فتنة كذا واحد الا أي مشافحا قالوا لا يسحد للسهو في العبدين والجمعة لتلايقع الناس في فتنة كذا واحد الا أي مشافحا أناش في فتنة كذا

لا) ويتحطب مدها خطبتين "وهماستة" بلو حطب قبلها مبلح وأمدار لترك السنة، وما يسن بن الحملة
 ويلكره يسن فيها ويلكره الدر المسحت و فيالهنما منة ما لا في خطبة الحملة الدراساسر مح
 رفط ملحت (كتباب الصارفة باب البدين، ص ١٧٥ مج)، مبيد) وأكذا في تبين الحقائل أكدب
 لصنوفة باب المدين، ص ١٥٤ مج) بازانكس العلمه)

٣) الدرائعختار مع رداميختار. كتاب الصلوف باب ميجودالسيو، ص ١٩٢ ج؟ ، معيد)

 [&]quot;الهندية: كتأب العلوة: الناب الثاني عشر في سجوه والسهو: ص ١٣٨ م ح١٥ رشيديه] وكناس خاشية الطبخطاوي: "كتاب الصلوف ياب في احكاه سجوداسهو: ص ٤٦٥ تا ٤٦٦ م ح١ قديمي
 "كتب خانده

تحبيرات عيدين كاهنيت

#**U**

کیافرہ نے جی ماردین اس مئلاش کوئی زمیدگی زائد بھیرات داجب جی وسنت باستیب اگر کوئی تاہیر مجموعت جا انزاز نماز میدوم جاتی ہے یائیں اور عبد اسود کرے بائند ویوا و کلتا ہے۔

#(C)

تحمير سنزه المرحمين با قال الزائنات وابب بن حق ال في المسافه تكبرات العبد و تكبيرات العبد و كذا واجبة المبح و قال في الدرالمختار (۱۲) ولها و اجبات الى ال فال و تكبيرات العبدي - و كذا احدها و تكبير و كوع ركعة النائية كلفظ التكبير في افتناحه الغ التأكيرون بيل مت المرابع اليكبير و بي تجروي و بيل من المرابع المبير و كوع ركعة النائية كلفظ التكبير في افتناحه الغ التأكيرون بيل من المرابع أبي المبير و بي المبيدين والمحتوبة و العبدين والمحتوبة و العلوع و العدالا ان مشافحتا قالوا لا يسجد للمهو في العبدين والجمعة والعبدين والمحتوبة والعلوع والعلوع الناس في فئنة كلما في المسمورات ناقلاعن المحيط و قال في الشامية (١) نحت قول صاحب الدر (و السهو في العرابين عمعه في الاوليين عملوة العيد والمجمعة والمكتوبة والنظوع مواء والمختار عند المتاعرين عمعه في الاوليين لمدفع الفتاد كما في جمعة البحر و افره المصيف و به جزم في الدرو قوله علمه في الاوليين)

- ٢) الهندية؛ كتاب العشوة، البات لمسابع عشر في صلاة العبدين؛ ص ١٥١ ج١، مكنه وشبديه)
- ٥) الدر السنختار مع رفالمحدر: أكتاب الصلوف بات شروط الصلوف ص ١٥٦ تا ١٥٦ ١٤٦٩ ج١٠ اوچاله معيد) ومله في تبين الحقائق. بات صفة الصورة في ١٩٧٨ ج١٠ قار الأكتب العادية)
- ولها واجسات، لاتعبيد بقركها وتعاد وحرباً في العبد والسهو بن لم يسجدك والم يعادا لكون خاسقاً السأد لفرالمخترر: كتاب الصلود باب صفة الصلولة من 201 على سعد)
 - ٤) الهنفية: كتاب الصلوة، البات الثاني عشر في سنجود السهوة ص ١٩٣٨ ١٠٠ وشيدية)
- ع) كناف المستولة باب مسجود المنهوة ص ١٩٧ ج؟ معمد وكذا في حاشية الطحطاوي. كتاب المسؤلة بدر المحكم منجود السهورة في ١٩٤٥ كا ١٩٤١ فعامين)

النظاهين في النجمع الكثير فيما سواهما كدالك كما بحثه بعضهم وكف بحثه الوحمتي و قبال حنتسوصاً هي رسانسا وفي جمعة حاشية ابي السعود عن العزمية انه قيس المراد عدم جوازه بيل الاولى تراكه لتلايقع الناس في فتية الخقوله حزم في الدور، لكنه فيده محشبها الواني بها اذا حضر حمع كثير والافلا داعي الى الترك والله تعالى اعلم-

شهرے تین میل دورگا وُل میں تماز عبد کا تلم

هُ سُ يُهُ

کیا فرمائے میں ملا دونے دریں سندگرا کیا۔ کا فرن جوکہ شیرے تقریبا تین کمیل دور داقع ہے کیے اس میں میں کی نمازا دامبو علی ہے یا گیس ۔ اگر برمئنی ہے تو پہنے بھی کیا۔ آ دلی جو کہ کا ہم بی طور پرسنت کا تارک ہے و ماز پڑھا تا ہے اب ایک دوسرا آ دلی جوکہ عمر تروت ہے واقف ہے اوراز سرفوشروع کرانا جا ہت کیا اس وشریعت اجازے دیتی ہے پائیس سندس جواب سے مطلع فرمائیس ۔

£ 5 €

عن ردال سنجتان و كناب العبلوة و داب الحديثة على ١٣٦٩ من ١٠ ابح ابح سببا) و كذا في الدراك ما يرامع ردال سنجتان كتباب الصنورة و باب صفوة السندار و حل ١٩٢٥ من ٢٠ منعيد) و كدا في الهندية . كتاب الصنورة ولياب الخاص على ١٣٦٥ من ١٣٠٥ و شيادية)

البسطير فيقد نص الالمة على ان العداء ما اعدلدفل المواتي و حوانج المصوكر كض النحيل والدواب و حمع العساكو و الحروج للرمي و غير دلك-

۔ اندائی باعث کی جو انہاں کے دور ان تقام کی میں آماز میر بیان کیں ہے اگر بوشیوں کے تو تقل کی جماعت کی سکتل ا اندائی باعث کے جو کرتا مور ہے ⁶⁰ انتقاد اللہ تعالیٰ انتہا۔

ا م المسيى الله عندمود؟ فهم نقل مكروه لاماله بالمساعة، ودالسختان كتاب المسوف باب العودين: الله ١٩٥٠ م حدمينية)